

उवंगसुताणि

४

[सण्ड २]

पणवणा, अंबुदीवपणती, चंपपणती, क्षुरपणती, निरयावलियाओ, कापवडिंनियओ, पुक्तिगओ, पुक्कन्नलियाओ, वणिहिरसाओ



वाचना प्रमुख
आचार्य तुलसी

संपादक
युवाचार्य महाप्रज्ञ

प्रज्ञापर्व वर्ष के उपलक्ष्य में

निर्गन्धं पात्रयणं

उवंगसुत्ताणि

४

(खण्ड २)

पणवण्णा • जंबुद्वीवपण्णत्ती • चंदपण्णत्ती •
सूरपण्णत्ती • उवंगा निरयावलियाओ •
कप्पवाडिसियाओ • पुप्फियाओ •
पुप्फिचूलियाओ • वण्हदसाओ

वाचना प्रमुख
आचार्य तुलसी

सम्पादक
युवाचार्य महाप्रज्ञ

प्रकाशक
जैन विश्व भारती
लाडनूं [राजस्थान]

प्रकाशक :
जैन विश्व भारती
लाडनू [राजस्थान]

प्रबन्ध-सम्पादक :
श्रीचंद रामपुरिया

अर्थ सौजन्य :
श्री रामलाल हंसराज गोलछा
विराटनगर (नेपाल)

प्रकाशन तिथि :
विक्रम सम्वत् २०४५ (मर्यादा महोत्सव)
ईस्वी सन् १९८६

पृष्ठांक : ११७०

: जैन विश्व भारती
मूल्य ६००/-

मुद्रक :
मित्र परिषद्, कलकत्ता के आर्थिक सौजन्य से स्थापित
जैन विश्व भारती प्रेस, लाडनू (राजस्थान)

On the occasion of Pragyapav Year

Niggantharī Pāvayaṇam

UVANĠA SUTTĀNI

IV

(PART II)

PANNAVAṆĀ . JAMBUDDĪVAPAṆṆATTĪ .
CANDAPAṆṆATTĪ . SŪRAPAṆṆATTĪ .
NIRAYĀVALIYĀO . KAPPAVAḌĪMSIYĀO .
PUPPHIYĀO . PUPPHACŪLIYĀO . VAṆHIDASĀO

(Original Text Critically Edited)

Vācanā-pramukha :
ĀCĀRYA TULSI

Editor :
YUVĀCĀRYA MAHĀPRAJÑA

Publisher :
JAIN VISHVA BHARATI
LADNUN (RAJASTHAN)

Publisher :
JAIN VISHVA BHARATI.
Ladnun—341 306

Managing Editor :
Shrichand Rampuria,

By Munificence :
Shri Ramlal Hansraj Golchha
Viratnagar (Nepal)

Year of Publication :
Vikram Samvat 2045 (Maryada Mahotsava)
1989 A.D.

Pages : 1170

जैन विश्व भारती
मूल्य ६.००/-

Printers :
JAIN VISHVA BHARATI PRESS,
[Established through the financial co-operation of
Mitra Parishad, Calcutta)
Ladnun (Rajasthan)

अन्तस्तोष

अन्तस्तोष अनिर्वचनीय होता है उस माली का जो अपने हाथों से उप्त और सिंचित द्रुम-निकुंज को पल्लवित, पुष्पित और फलित हुआ देखता है, उस कलाकार का जो अपनी तूतिका से निराकार को साकार हुआ देखता है और उस कल्पनाकार का जो अपनी कल्पना को अपने प्रयत्नों से प्राणवान् बना देखता है। चिरकाल से मेरा मन इस कल्पना से भरा था कि जैन आगमों का शोधपूर्ण सम्पादन हो और मेरे जीवन के बहुश्रमी क्षण उसमें लगे। संकल्प फलवान् बना और वैसा ही हुआ। मुझे केन्द्र मान मेरा धर्म-परिवार उस कार्य में संलग्न हो गया। अतः मेरे इस अन्तस्तोष में मैं उन सबको समभागी बनाना चाहता हूँ, जो इस प्रवृत्ति में संविभागी रहें हैं। संक्षेप में वह संविभाग इस प्रकार है—

संपादक :	युवाचार्य महाप्रज्ञ
पाठ-संशोधन सहयोगी :	मुनि सुदर्शन
”	मुनि हीरालाल
शब्दकोश	मुनि श्रीचन्द्र 'कमल'

संविभाग हमारा धर्म है। जिन-जिनने इस गुरुतर प्रवृत्ति में उन्मुक्त भाव से अपना संविभाग समर्पित किया है, उन सबको मैं आशीर्वाद देता हूँ और कामना करता हूँ कि उनका भविष्य इस महान् कार्य का भविष्य बने।

आचार्य तुलसी

समर्पण

पुढो वि पण्णा-पुरिसो सुदक्खो,
आणा-पहाणो जणि जस्स निच्चं ।
सच्चप्पओगे पवरासयस्स,
भिक्खुस्स तस्स प्पणिहाणपुव्वं ॥

विलोडियं आगमदुद्धमेव,
लद्धं सुलद्धं णवणीयमच्छं ।
सज्जाय-सज्जाण-रयस्स निच्चं,
जयस्स तस्स प्पणिहाणपुव्वं ॥

पवाहिया जेण सुयस्स धारा,
गणे समत्थे मम माणसे वि ।
जो हेउभूओ स्स पवायणस्स,
कालुस्स तस्स प्पणिहाणपुव्वं ॥

जिसका प्रज्ञा-पुरुष पुष्ट पटु;
होकर भी आगम-प्रधान था ।
सत्य-योग में प्रवर चित्त था,
उसी भिक्षु को विमल भाव से ॥

जिसने आगम-दोहन कर कर,
पाया प्रवर प्रचुर नवनीत ।
श्रुत-सद्ध्यान लीन चिर चिन्तन,
जयाचार्य को विमल भाव से ।

जिसने श्रुत की धार बहाई,
सकल संघ में मेरे मन में ।
हेतुभूत श्रुत-सम्पादन में,
कालुगणी को विमल भाव से ।



प्रकाशकीय

प्रस्तुत ग्रन्थ उवांगसुत्ताणि ४ का द्वितीय खण्ड है। इस में नौ आगम समाहित हैं—

१. पणवणा २. जंबुद्वीवपणत्ती ३. चंदपणत्ती ४. सूरपणत्ती ५. निरयावलियाओ ६. कप्पवडिसियाओ ७. पुप्फियाओ ८. पुप्फचूलियाओ ९. वण्हदसाओ ।

आगम संपादन एवं प्रकाशन की योजना इस प्रकार है—

१. आगम-सुत्त ग्रन्थमाला—मूलपाठ, पाठान्तर, शब्दानुक्रम आदि सहित आगमों का प्रस्तुतीकरण ।
२. आगम-अनुसंधान ग्रन्थमाला—मूलपाठ, संस्कृत छाया, अनुवाद, पद्यानुक्रम, सूत्रानुक्रम तथा मौलिक टिप्पणियों सहित आगमों का प्रस्तुतीकरण ।
३. आगम-अनुशीलन ग्रंथमाला—आगमों के समीक्षात्मक अध्ययनों का प्रस्तुतीकरण ।
४. आगम-कथा ग्रन्थमाला—आगमों से संबंधित कथाओं का संकलन और अनुवाद ।
५. वर्गीकृत-आगम ग्रन्थमाला—आगमों का संक्षिप्त वर्गीकृत रूप में प्रस्तुतीकरण ।
६. आगमों के केवल हिंदी अनुवाद के संस्करण ।

प्रथम आगम-सुत्त ग्रन्थमाला में निम्न ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं—

- (१) अंगसुत्ताणि (१)—इसमें आयारो, सुयगडो, ठाणं, समवाओ—ये चार अंग समाहित हैं ।
- (२) अंगसुत्ताणि (२)—इसमें पंचम अंग भगवई प्रकाशित है ।
- (३) अंगसुत्ताणि (३)—इसमें नायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुर्यं—ये ६ अंग हैं ।
- (४) उवंगसुत्ताणि (४) (खं० १) —इसमें (१) ओवाइयं (२) रायपसेणियं और (३) जीवाजीवाभिरमे—ये तीन आगम ग्रन्थ हैं ।
- (५) उवंगसुत्ताणि (४) (खण्ड २)—प्रस्तुत ग्रन्थ । इसमें पणवणा, जंबुद्वीवपणत्ती, चंदपणत्ती, सूरपणत्ती, निरयावलियाओ, कप्पवडिसियाओ, तुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हदसाओ प्रकाशित हो रहे हैं ।
- (६) नवसुत्ताणि (५)—इसमें आवस्सयं, दसवेआलियं, उत्तरज्ज्भयणाणि, नंदी, अणुओगदाराइं, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीहज्ज्भयणं—ये नौ आगम ग्रन्थ हैं ।

द्वितीय आगम अनुसंधान ग्रन्थमाला में निम्न ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं—

(१) दसवेआलियं

१. इस ग्रंथमाला के अर्न्तगत (१) दसवेआलियं तह उत्तरज्ज्भयणाणि, (२) आयारो तह आयारचूला, (३) निसीहज्ज्भयणं, (४) ओवाइयं, (५) समवाओ—ये ग्रंथ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा, कलकत्ता द्वारा भी प्रकाशित हुए थे ।

- (२) उत्तरजम्भयपाणि (भाग १ और २)
- (३) ठाणं
- (४) समवाओ
- (५) सुयगडो (भाग १ और भाग २)

उक्त में से द्वितीय ग्रंथ जैन द्वेताम्बर तेरापंथी महासभा, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित हुआ है।

तीसरी आगम-अनुशीलन ग्रन्थमाला में निम्न दो ग्रन्थ निकल चुके हैं—

- (१) दशवैकालिक : एक समीक्षात्मक अध्ययन।
- (२) उत्तराध्ययन : एक समीक्षात्मक अध्ययन।

चौथी आगम-कथा ग्रन्थमाला में अभी तक कोई ग्रन्थ प्रकाशित नहीं हो पाया है।

पांचवीं वर्गीकृत-आगम ग्रन्थमाला में दो ग्रन्थ निकल चुके हैं।

- (१) दसवैकालिक वर्गीकृत (धर्म प्रज्ञप्ति खं० १)
- (२) उत्तराध्ययन वर्गीकृत (धर्मप्रज्ञप्ति खं० २)

छठी केवल आगम हिंदी अनुवाद ग्रन्थमाला में एक 'दशवैकालिक और उत्तराध्ययन' ग्रन्थ का प्रकाशन हुआ है।

उक्त प्रकाशनों के अतिरिक्त दसवैकालिक एवं उत्तराध्ययन (मूल पाठ मात्र) गुटकों के रूप में प्रकाशित किए जा चुके हैं।

उक्त विवरण से पाठकों को विदित होगा कि भूलपाठ, पाठान्तर, शब्दानुक्रम आदि सहित ३२ आगम ग्रंथ आगमसुक्त ग्रन्थमाला के अन्तर्गत प्रकाशित हो चुके हैं। ३२ आगमों का इस प्रकार का आलोचनात्मक प्रकाशन आगम प्रकाशन के इतिहास में प्रथम बार ही सम्मुख आया है।

आगम प्रकाशन कार्य की योजना में निम्न महानुभावों का सहयोग रहा—

- (१) सरावगी चेरिटेबल फण्ड, कलकत्ता (ट्रस्टी रामकुमारजी सरावगी, गोविंदलालजी सरावगी एवं कमलनयनजी सरावगी)।
- (२) रामलालजी हंसराजजी गोलछा, विराटनगर।
- (३) स्व० जयचंदलालजी गोठी, सरदारशहर।
- (४) रामपुरिया चेरिटेबल ट्रस्ट, कलकत्ता।
- (५) बेगराज भंवरलाल चोरडिया चेरिटेबल ट्रस्ट।

यह ग्रन्थ जैन विश्व भारती के निजी मुद्रणालय में मुद्रित होकर प्रकाशित हो रहा है। मुद्रणालय के स्थापना में मित्र-परिषद्, कलकत्ता के आर्थिक-सहयोग का सौजन्य रहा, जिसके लिए उक्त संस्था को अनेक धन्यवाद।

आगम-संपादन के विविध आयामों के वाचना-प्रमुख हैं आचार्य श्री तुलसी और प्रधान संपादक तथा विवेचक हैं युवाचार्यश्री महाप्रज्ञजी। इस कार्य में अनेक साधु-साध्वी सहयोगी रहे हैं।

इस तरह अथक परिश्रम के द्वारा प्रस्तुत इस ग्रन्थ के प्रकाशन का सुयोग पाकर जैन विश्व भारती अत्यंत कृतज्ञ है ।

जैन विश्व भारती
२६-६-८७
लाडनूँ (राज०)

श्रीचंद्र रामपुरिया
कुलपति

सम्पादकीय

प्रस्तुत ग्रन्थ में नौ उपांग हैं—

१. पणवणा २. जंबुद्वीवपण्णत्ती ३. चंदपण्णत्ती ४. सूरपण्णत्ती ५. निरयावलियाओ ६. कप्पवडिसियाओ ७. पुप्फियाओ ८. पुप्फचूलियाओ ९. वण्हदसाओ ।

उपांग बारह हैं । उवंगसुत्ताणि भाग ४ खण्ड १ में तीन उपांग प्रकाशित हैं । प्रस्तुत ग्रन्थ में शेष नौ उपांगों का मूल-पाठ पाठान्तरसहित सम्मिलित है । अंगसुत्ताणि की शब्दसूची एक स्वतन्त्र पुस्तक (आगम शब्दकोश) में मुद्रित है । पाठक और शोधकर्त्ताओं की सुविधा की दृष्टि से इस खण्ड में उपर्युक्त नौ आगमों की संयुक्त शब्दसूची संलग्न है ।

प्रस्तुत पुस्तक के प्रकाशन के साथ बत्तीस आगमों के प्रकाशन का कार्य सम्पन्न हो जाता है । इस आगम सुत्त ग्रन्थमाला के सात ग्रन्थ सम्पन्न हो रहे हैं:—

१. अंगसुत्ताणि भाग-१

आयारो, सूयगडो, ठाणं, समवाओ ।

२. अंगसुत्ताणि भाग-२

भगवई !

३. अंगसुत्ताणि भाग-३

नायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुयं ।

४. उवंगसुत्ताणि भाग-४, खण्ड १

ओवाइयं, रायपसेणियं, जीवाजीवाभिगमे ।

५. उवंगसुत्ताणि भाग-४, खण्ड २

पणवणा, जंबुद्वीवपण्णत्ती, चंदपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती, निरियावलियाओ, कप्पवडिसियाओ, पुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हदसाओ ।

६. नवसुत्ताणि भाग-५

आवस्सयं, दसवेआलियं, उत्तरज्झयणाणि, नंदी, अणुओगदाराइं, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीह्ज्झयणं ।

७. आगम शब्दकोश (अंगसुत्ताणि शब्दसूची)

इस मूलपाठ की ग्रन्थमाला के अन्तर्गत अन्य ग्रन्थों के सम्पादन का कार्य अभी चल रहा है । उनमें प्रकीर्णक, निर्युक्ति और भाष्य सम्भावित हैं ।

विक्रम संवत् २०१२ (सन् १९५५) महावीर जयन्ती के दिन आचार्य श्री ने आगम-सम्पादन की घोषणा की । सम्पादन का कार्य उसी वर्ष चतुर्मास में प्रारम्भ हुआ । शुद्ध पाठ के बिना सम्पादन-कार्य में अवरोध आए । तब पाठ-शोधन की ओर ध्यान गया । पाठ-शोधन का कार्य वि० सं०

२०१४ (सन् १९५७) में प्रारम्भ हुआ। यह कार्य वि० सं० २०३७ (सन् १९८०) में सम्पन्न हुआ। इसका विवरण इस प्रकार है:—

दसवेआलियं	वि० सं० २०१४
उत्तरज्ज्भयणाणि	वि० सं० २०१६
मंदी, अनुओगदाराइं	वि० सं० २०१८
ओवाइयं, रायपसेणियं	वि० सं० २०१८
ठाणं	वि० सं० २०१८
समवाओ	वि० सं० २०१८
सूयगडो	वि० सं० २०१९
नायाबम्मकहाओ	वि० सं० २०२०
आयारो, आयारचूला	वि० सं० २०२२
उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ	वि० सं० २०२६
अनुत्तरोववाइयदसाओ	वि० सं० २०२६
विपाक	वि० सं० २०२८
पण्हावागरणाइं	वि० सं० २०२८
निरयावलियाओ	वि० सं० २०२९
भगवई	वि० सं० २०३०
पणवणा	वि० सं० २०३१
दसाओ, पज्जोसवणाकप्पो	वि० सं० २०३२
कप्पो	वि० सं० २०३३
ववहारो	वि० सं० २०३३
जीवाजीवाभिगमे	वि० सं० २०३४
जंबुद्दीवपण्णत्ती	वि० सं० २०३५
निसीहज्ज्भयणं	वि० सं० २०३५
चंदपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती	वि० सं० २०३७

सम्पादन का कार्य सरल नहीं है—यह उन्हें सुविदित है, जिन्होंने इस दिशा में कोई प्रयत्न किया है। दो-ढाई हजार वर्ष पुराने ग्रन्थों के सम्पादन का कार्य और भी जटिल है, जिनकी भाषा और भाव-धारा आज की भाषा और भाव-धारा से बहुत व्यवधान पा चुकी है। इतिहास की यह अपवाद-शून्य गति है कि जो विचार या आचार जिस आकार में आरम्भ होता है, वह उसी आकार में स्थिर नहीं रहता। या तो वह बड़ा हो जाता है या छोटा। यह ज्ञान और विकास की कहानी ही परिवर्तन की कहानी है। और कोई भी आकार ऐसा नहीं है, जो कृत है और परिवर्तनशील नहीं है। परिवर्तनशील घटनाओं, तथ्यों, विचारों और आचारों के प्रति अपरिवर्तनशीलता का आग्रह मनुष्य को असत्य की ओर ले जाता है। सत्य का केन्द्र-बिन्दु यह है कि जो कृत है, वह सब परिवर्तनशील है। कृत या शाश्वत भी ऐसा क्या है जहां परिवर्तन का स्पर्श न हो। इस विश्व में जो है, वह वही है जिसकी सत्ता शाश्वत और परिवर्तन की धारा से सर्वथा विभक्त नहीं है।

शब्द की परिधि में बँधने वाला कोई भी सत्य क्या ऐसा हो सकता है जो तीनों कालों में समान रूप से प्रकाशित रह सके ? शब्द के अर्थ का उत्कर्ष या अपकर्ष होता है भाषा-शास्त्र के इस नियम को जानने वाला यह आग्रह नहीं रख सकता कि दो हजार वर्ष पुराने शब्द का आज वही अर्थ सही है, जो आज प्रचलित है। 'पाषण्ड' शब्द का जो अर्थ आगम-ग्रंथों और अशोक के शिलालेखों में है, वह आज के श्रमण-साहित्य में नहीं है। आज उसका अपकर्ष हो चुका है। आगम साहित्य के सैकड़ों शब्दों की यही कहानी है कि वे आज अपने मौलिक अर्थ का प्रकाश नहीं दे रहे हैं। इस स्थिति में हर चिन्तनशील व्यक्ति अनुभव कर सकता है कि प्राचीन साहित्य के सम्पादन का काम कितना बुरा है।

मनुष्य अपनी शक्ति में विश्वास करता है और अपने पौरुष से खेलता है, अतः वह किसी भी कार्य को इसलिए नहीं छोड़ देता कि वह बुरा है। यदि यह पलायन की प्रवृत्ति होती तो प्राप्य की सम्भावना नष्ट ही नहीं हो जाती किन्तु आज जो प्राप्त है, वह अतीत के किसी भी क्षण में विलुप्त हो जाता। आज से हजार वर्ष पहले नवांगी टीकाकार (अभयदेव सूरि) के सामने अनेक कठिनाइयाँ थीं। उन्होंने उनकी चर्चा करते हुए लिखा है :—

१. सत् सम्प्रदाय (अर्थबोध की सम्यक् गुरु-परम्परा) प्राप्त नहीं है।
२. सत् ऊह (अर्थ की आलोचनात्मक कृति या स्थिति) प्राप्त नहीं है।
३. अनेक वाचनाएं (आगमिक अध्यापन की पद्धतियाँ) हैं।
४. पुस्तकें अशुद्ध हैं।
५. कृतियाँ सूत्रात्मक होने के कारण बहुत गंभीर हैं।
६. अर्थ विषयक मतभेद भी हैं।

इन सारी कठिनाइयों के उपरान्त भी उन्होंने अपना प्रयत्न नहीं छोड़ा और वे कुछ कर गए। कठिनाइयाँ आज भी कम नहीं हैं। किन्तु उनके होते हुए भी आचार्यश्री तुलसी ने आगम-सम्पादन के कार्य को अपने हाथों में ले लिया। उनके शक्तिशाली हाथों का स्पर्श पाकर निष्प्राण भी प्राणवान् बन जाता है तो भला आगम-साहित्य जो स्वयं प्राणवान् है, उसमें प्राण-संचार करना क्या बड़ी बात है ? बड़ी बात यह है कि आचार्यश्री ने उसमें प्राण-संचार मेरी और मेरे सहयोगी साधु-साध्वियों की असमर्थ अंगुलियों द्वारा कराने का प्रयत्न किया है। संपादन कार्य में हमें आचार्यश्री का आशीर्वाद ही प्राप्त नहीं है किन्तु मार्ग-दर्शन और सक्रिय योग भी प्राप्त है। आचार्यवर ने इस कार्य को प्राथमिकता दी है और इसकी परिपूर्णता के लिए अपना पर्याप्त समय दिया है। उनके मार्ग-दर्शन, चिन्तन और प्रोत्साहन का संबल पा हम अनेक दुस्तर धाराओं का पार पाने में समर्थ हुए हैं।

पाठ सम्पादन-पद्धति

पण्यवणा

प्रज्ञापना के पाठ-शोधन में चार हस्त-लिखित आदर्श काम में लिए गए। आचार्य मलयगिरि की वृत्ति का भी उसमें उपयोग किया गया। मुनि पुण्यविजयजी द्वारा सम्पादित प्रज्ञापना भी हमारे सामने रही। किन्तु हम किसी एक प्रति को आधार मानकर नहीं चलते। टीका की व्याख्या, अन्य आगम तथा शब्दों का अर्थ—ये सब पाठ-शोधन के महत्वपूर्ण आधार-बिन्दु रहे हैं। इसलिए हमारे सम्पादन में पाठ-शुद्धि के अनेक विशेष विमर्श उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए गण्ठी शब्द प्रस्तुत है :—“वत्थुल कच्छुल सेवाल गण्ठी”। यहाँ ‘गण्ठी’ पद अशुद्ध है। शुद्ध पाठ है ‘गर्थी’। पाठ-शोधन

में प्रयुक्त हस्तलिखित आदर्शों तथा मुनिश्री पुण्यविजयजी द्वारा सम्पादित आगमों में 'गण्ठी' पाठ ही उपलब्ध है। इस पाठ का शोधन जीवीजीवाभिगम और जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति के आधार पर किया गया है। इसके लिए प्रस्तुत आगम का १।३८ का पाद-टिप्पण द्रष्टव्य है।

दूसरा उदाहरण है—'तिट्टाणवडिते'। इसके स्थान पर कुछ आदर्शों में 'चउट्टाणवडिते' पाठ मिलता है। मुनिश्री पुण्यविजयजी ने भी 'चउट्टाणवडिते' पाठ स्वीकार किया है। किन्तु हमने 'तिट्टाणवडिते' पाठ वृत्ति के आधार पर मान्य किया है। इसका समर्थन पणवणा ५।११५, ११६, की वृत्ति से होता है। प्रज्ञापनावृत्ति पत्र १६५-१६६ तथा पणवणा ५।११५ का पाद-टिप्पण द्रष्टव्य है।

जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति

इसके पाठ-शोधन में सात प्रतियों और तीन टीकाओं का उपयोग किया गया है। उपाध्याय शान्तिचन्द्र की वृत्ति तथा हीरविजय वृत्ति में अनेक पाठान्तर और उनकी टिप्पणियाँ मिलती हैं। देखें—४।१५६ का पाद-टिप्पण। यह पाठान्तर-बहुल आगम है। उपाध्याय शान्तिचन्द्र ने वाचना-भेद की विस्तृत चर्चा की है। उदाहरण के लिए २।१२ का पाद-टिप्पण द्रष्टव्य है। कहीं-कहीं अशुद्ध पाठ के कारण व्याख्या भी अशुद्ध हुई है। देखें—४।४६ का पाद-टिप्पण।

चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूर्यप्रज्ञप्ति

इनके पाठ-शोधन में पाँच हस्तलिखित आदर्शों तथा चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूर्यप्रज्ञप्ति की वृत्तियों का उपयोग किया गया है। एक आदर्श का क्वचित् प्रयोग किया गया है।

चन्द्रप्रज्ञप्ति का पूर्ण रूप उपलब्ध नहीं है। उसका सूर्यप्रज्ञप्ति से जो भेद है वह एक परिशिष्ट में दिया गया है। कुछ हस्तलिखित आदर्श चन्द्रप्रज्ञप्ति के नाम से उपलब्ध हैं। उनके पाठ-भेद सूर्यप्रज्ञप्ति के पाद-टिप्पण में दिए हुए हैं।

निरयावलिका

निरयावलिका आदि पाँच वर्गों के पाठ-शोधन में तीन हस्तलिखित आदर्शों तथा श्रीचन्द्रसूरिकृत वृत्ति का प्रयोग किया गया है।

१. शान्तिचन्द्रीयवृत्ति पत्र ८७ :

पाठान्तरं—वाचनाभेदस्तद्गतपरिमाणान्तरमाह—मूले द्वादश योजनानि विष्कम्भेन मध्येऽष्ट योजनानि विष्कम्भेन उपरि चत्वारि योजनानि विष्कम्भेन, अत्रापि विष्कम्भायामतः साधिकत्रिगुणं मूल-मध्यान्तरपरिधिमानं सूत्रोक्तं सुबोधं। अत्राह परः— एकस्य वस्तुनो विष्कम्भादिपरिमाणे द्वेष्यासम्भवेन प्रस्तुतग्रन्थस्य च सातिशयस्यविरप्रणीतत्वेन कथं नाग्यतरनिर्णयः? यदेकस्यापि ऋषभकूटपर्वतस्य मूलादावष्टादियोजनविस्तृतत्वादि पुनस्तत्रैवास्य द्वादशादियोजनविरतृत्वादीति, सत्यं, जिनभट्टारकाणां सर्वेषां क्षाधिकज्ञानवतामेकमेव मतं मूलतः पश्चात् कालान्तरेण विस्मृत्यादिनाऽयं वाचनाभेदः, यदुक्तं श्रीमलयगिरिसूरिभिर्ज्योतिष्करण्डकवृत्तौ—“इह स्कन्दिनाचार्यं प्रवृ (तिप) त्तौ दुष्मानुभावतो दुर्भिक्षप्रवृत्त्या साधूनां पठनगुणनादिकं सर्वमप्यनेशत्, ततो दुर्भिक्षातिक्रमे सुभिक्षप्रवृत्तौ द्वयोः संघमेलापकोऽभवत्, तद्यथा—एको बलभ्यामेको मथुरायां, तत्र च सूत्रार्थसंघटने परस्परं वाचनाभेदो जातः, विस्मृत्योर्हि सूत्रार्थयोः स्मृत्वा संघटने भवत्यवश्यं वाचनाभेद” इत्यादि, ततोऽत्रापि दुष्करोऽन्यतरनिर्णयः द्वयोः पक्षयोरुपस्थितयोरनतिशाधिज्ञानिभिरनभिनिविष्टमतिभिः प्रवचनाशातना-भीहभिः पुण्यपुरुषैरिति न काचिदनुपपत्तिः।

शब्दान्तर और रूपान्तर

पणव्रणा

१।१४	बेदिय°	वेइन्दिय	(क,ख)
१।१४	तेदिय°	तेइन्दिय	(ख)
१।२३	ओसा	उस्सा	(क,ग)
१।२६	वायमंडलिया	वाउमंडलिया	(क)
१।३५	अंकोल्ल	अंकुल्ल	(घ)
१।३८	कोरंटय	कोरिंटय (क); कोरेंट	(घ)
१।४८।४७	बलिमोडओ	पलिमोडओ	(क,घ)
१।६३।४	वीइभयं	वीयभयं	(क,घ)
२।१०	पडीण	पयीण (क); पईण	(ख,ग,घ)
२।१३	तडागेसु	तलागेसु	(क)
२।४०	चोवट्टि	चोसट्टि	(क)
३।१	विसेसाहिया	विसेसाभिया	(घ,पु)
३।७	दाहिणेणं	दक्खिणेणं	(क,ख,घ)
३।१०२	विभंगणाणीण	विहंगणाणीण	(क,ग,घ)
३।१२७	अहेलोए	अहोलोए (ग); अधेलोए	(घ)
३।१७४	अस्साता°	असाता°	(ख,ग)
३।१८२	जहा	जघा	(ख,घ)
३।१८३	सकसाई	सकसादी	(क)
४।२५५	एगुणवीसं	एकूणवीसं (क,घ); एवकूणवीस	(ख)
४।२७५	पणुवीसं	पंचवीसं (ख,घ); पणवीसं	(ग)
५।५	जदि	जइ (ख,ग,घ); जति	(पु)
५।५	मधुर°	मधुर°	(क,ख)
५।५	अब्भहिए	अब्भइए (क); अब्भतिए	(पु)
५।७	°पडिए	°पडिए	(क)
५।१०१	मणुसे	मणूसे	(क,ख,घ)
५।१७६	वुडिहज्जंति	वुडिहज्जंति	(क,ग,घ)
५।२४२	एएणट्ठेणं	एणट्ठेणं	(क,ख)
६।४६	अभिलावो	अहिलावो	(ख,घ)
८।८	ओसण्ण°	उस्सण्ण°	(क)
११।६	°आणमणी	°आणवणी	(ख,ग,घ)
११।२१	वगे	विगे	(क,ख,ग,घ)
११।२५	सयणं	सतणं	(क)
११।३०	सरीरपहवा	सरीरप्पभवा	(क,ख,ग,घ)
११।३७	वोयड अब्बोयडा	वोगड अब्बोयडा	(क)

११३७	आणमणी	याणमणी	(घ)
११७२	परिवड्डेमाणाइं	परिवड्डेमाणाइं	(ख,घ)
११७५	कदलीखंभाण	कदलीखंभाण	(ग)
११८४	णिसरति	णिस्सरति (ख); णिस्सरति (ग); निसरति (घ)	
११८८	वितियं	वीयं	(क,ग)
११८८	भासज्जायं	भासजाय	(ग)
१२१७	बद्धेल्लया मुक्केल्लया	बद्धिल्लया मुक्किल्लया	(क,ख,ग,घ)
१२१७	अोसप्पिणीहि	अवसप्पिणीहि	(ग)
१३१८	अणायारो°	अणायारो°	(क,ख)
१५३५	णग्गोह°	णिग्गोह°	(ग)
१५३५	सादी	साती	(पु)
१५५०	पेहमाणे पेहेति	पेहेमाणे पेहेति	(ग)
१५५३	°धिग्गले	°धिग्गले	(ख)
१५५८	°ओवचए	°ओवचते	(ख,घ)
१६१५	अह्वेणे	अह्वेते	(क,ख)
१६३४	पच्चत्थिमिल्लं	पच्चिमिल्लं	(पु)
१६५१	आयरियं	आयरितं	(क)
१६५४	सेयंसि	सेइंसि	(क,ग)
१६५५	माउलुंगाण	मातुलिगाण	(ग)
१६५५	तिडुयाण	तिडुयाण	(ग)
१७२४	इणट्ठे	इणमट्ठे (क); तिणट्ठे	(ख,घ)
१७१०६	समभिलोएमाणे	समभिलोतेमाणे	(क)
१७११६	कण्ह°	कण्ह°	(क,घ)
१७१२४	हलघर°	हलहर°	(क,ग,घ)
१७१२५	कइरसारे	कयरसारए (ख,ग); कतरसारए	(घ)
१७१२६	बालिदगोवे	बालेदगोवे	(ग)
१७१२८	°बलाहए	°बलाहते	(घ)
१७१३२	अपक्काणं	अपक्काणं	(क,ख,घ)
१७१५०	आगारभावमाताए	आगारभावमायाए	(क,ग)
१८१	वेदे	वेए (क,ग); वेते	(ख,घ)
१८५६	वइजोगी	वयजोगी	(ख,घ,पु)
१८६४	सकसाई	सकसादी (क); सकसाती	(घ)
२०१२८	सवणयाए	सवणयाते	(ख)
२१२५	सूई°	सूयी°	(क,घ)
२१४७	धणुपुहत्तं	धणुहुहत्तं	(ख)
२१६२	सगाई	सगाति (क,घ); सयाई	(ग)

२३।३	णियच्छति	निगच्छति (क, घ) निगच्छति	(क)
२३।१३	कडस्स	कतस्स (क, घ) ; कयस्स	(ख, ग)
२३।२२	णीयागोयस्स	णीतागोतस्स	(क, घ)
२३।१६१	खवए	खमए	(ख)
२५।४४	अफासाइज्ज ^०	अफासाइज्ज ^०	(क, घ)
३३।१	अपडिवाई	अपडिवादी	(क, घ)
३३।१७	सगाई	सताई (क, घ) सयाति	(ख)
३४।१	परियाइयणया	परियादिणया (ख) ; परियायणया	(क, ग)
३४।६	जाणंति	याणंति	(क, ख, ग, घ)
३४।१५	सपरियारा	सपरिचारा	(ख, ग)

जंबुद्वीवयणत्ती

१।८	विच्छिण्णा	विस्थिण्णा	(अ, ख)
१।१८	०णउय ^०	०णओत ^०	(अ, क, व)
१।२३	धणुपट्ठं	धणुवट्ठं (अ) ; धणुपुट्ठं	(ख)
१।२६	०पडोयारे	०पडोगारे	(त्रि, व)
१।२८	पासिं	पासिं	(अ, त्रि, व)
१।४८	दुहा	दुधा	(ख, स)
२।४	हट्ठस्स	हिट्ठस्स	(क, ख)
२।४	उडू	उडू (त्रि) ; उऊ	(प)
२।१४	०पडोयारे	०पडोकारे	(व)
२।१५	मेइणि	मेतिणि	(त्रि, व)
२।२०	वेइया	वेइया	(अ, व)
२।२०	इत्थ	यत्थ (अ, व) ; एत्थ	(क, ख, स)
२।३२	कहग	कधक	(अ, ख, व)
२।७०	ह्हास	हस्स	(अ, ख, व)
२।७८	वाकरेमाणणं	वागरमाणणं	(प)
२।१३१	हाहाभूए	हाहाभूते	(अ, क, ख, व, स)
२।१३३	वलीविगय	पलीविगय	(अ)
२।१३३	टोलाकिति	डोलाकिति (अ) ; डोलागिति	(क, ख)
		टोलागिति (त्रि, स) ; टोलागिति	(प)
२।१३३	सीउण्ह	सीयउण्ह	(क, ख, त्रि, व, स)
३।३	जूव	जूय	(क, ख, प, स)
३।११	पउसियाओ	वउसीयाओ	(क, ख, प, स)
३।११	बन्बरी	पप्परी	(अ, व)
३।११	बह्लि	पह्लि	(अ, व)

३१११	°कडुच्छुय°	°कडिच्छुय° (ख); °कडेच्छुय	(अ,ब,स)
३१२०	दुषहइ	द्रुहइ	(अ,ब)
३१२०	बंभयारी	पम्हचारी	(अ,त्रि,ब)
३१२१	दुरूडे	रूडे (अ); द्रुडे	(ब)
३१२२	बोल	पोल	(अ,ब)
३१२३	°बालचंद	°बालयंद	(स)
३१२४	°तुंडं	°तोडं	(क,प,स)
३१२६	अंतवाले	अंतपाले (अ,त्रि,ब); अंतेवाले	(क,ख)
३१३५	°पट्टसंगहिय	°वट्टसंगहिय	(अ,ब)
३१३५	°खिखिणी°	°किकिणी°	(क,ख,स)
३१३५	अयोज्भं	अजोज्भं (अ,ब); अओज्भं	(क,ख,प,स);
		अवोज्भं	(त्रि)
३१३५	सोयामणि	सोतामणि (क); सोदामणि	(ख,स)
३१३५	°प्पगास°	°प्पकासं	(अ,क,ख,त्रि,ब,स)
३१३५	वीसुतं	विस्सुतं	(क,स)
३१७७	°चिघपट्टे	°चिघवट्टे	(ब)
३१११७	°मिरीई°	°मरीई°	(त्रि)
३१११७	उऊण	उडूण (अ,ख,ब); रिडूण	(क,स)
३११३८	°हृदय°	°हृियय° (अ,त्रि,प,ब); °हितय°	(क,स);
		°हृदय°	(ख)
३११७८	°निहिओ	°निहितो (अ,त्रि,ब); °निहओ	(ख,स)
३११६४	अभिसेयपीढं	अभिसेयपेढं	(अ,ब)
३१२११	गंथिम	गंठिम	(त्रि,प)
३१२१४	तिसोवाण°	तिसोमाण°	(अ,ब)
३१२२०	कागणि°	काकिणि° (अ); कागिणि° (ब); काकणि°	(स)
३१२२१	पुव्वकय°	पुव्वकड°	(क,स)
३१२२३	ईहापोह	ईहापूह (अ,क,ख,स); ईहाबूह	(पुवू)
४१३६	बावाट्टि	बासाट्टि	(प)
४१५४	ह्रस्सतराए	ह्रस्सतराए	(प)
४१५५	दक्खिणेणं	दाहिणेणं	(त्रि)
४१७७	हरिवासं	हरिवस्सं	(अ,प,ब)
४१८५	संखदल°	संखदल°	(प,आवू,पुवूपा)
४१८६	बायाले	पायाले (अ,ब) बायालीसे	(त्रि)
४१८७	णिसहस्स	णिसअस्स	(अ,ब)
४१६१	सीतोदा	सीओता (अ,ब); सीओदा (त्रि); सीओआ	(प)
४१६३	विउत्तरे	पिउत्तरे	(ब)

४।६६	णिसढ°	णिसभ° (अ,ब); णिसह°	(क,ख,स)
४।१०२	हेमवय-हेरणवय	हेमवएरणवय	(क,ख,ब,स);
		हेमवय एरणवय	(त्रि)
४।१०३	णीलवंतस्स	णलवंतस्स	(अ,क,ख,ब,स)
४।१०६	सणिच्चारी	सणिच्चारी	(प)
४।१४०	उववायसभाए	ओतावसभाए	(क)
४।१४०	जमगाओ	जवमाओ (अ,ब); जमिगाओ	(ख)
४।१४२	दस	दह	(अ,क,ख,ब,स)
४।१५७	णियया	णितिया	(अ,क,ख,त्रि,ब,स)
४।१८०	परुप्परंति	परोप्परंति	(अ,त्रि,ब)
४।२१०	सयज्जल°	सयंजल°	(त्रि)
४।२३१	पलासो	वलास	(ब)
५।२५	घंटापडेंसुया°	घंटापडेंसुका° (अ,ब); घंटापडिंसुका°	(क,ख);
		घंटापडिंसुया° (त्रि); घंटापडंसुया°	(स)
५।५८	गायाइं	गताइं (क,ख); गताइं	(ब)
५।५८	जणु°	जाणु°	(त्रि)
७।३१	उड्ढीमुह°	उड्ढंमुह° (अ,ब); उढ्ढीमुह°	(क,ख,प)
७।१२२	भाविप्या	भाविपाया	(ख)
७।१२६	अभिजियाइया	अभिजिदाइया (अ,ब); अभिजादिया	(क,स);
		अभिजादीया	(ख)
७।१२८	सवणो	समणे	(अ,ब)
७।१२८	मियसर°	मगसिर°	(ब)
७।१२६	अभिई	अभिती (अ,ब,स); अभिवी	(क,ख)
७।१३०	वहस्सई	पहस्सती (अ,ब); वहप्फई	(त्रि)
७।१५५	कत्तिगी	कत्तिकी (अ); कित्तिकी (ख,ब); कित्तिगी	(स)
७।१५६	अस्सिणी	आसिणी	(ब)
७।१७८	णंगूलाणं	लांगूलाणं	(प)

सूरपण्णती

२।३	इहगतस्स	इदमतस्स	(ग,घ)
२।३	चउरुत्तरे	चउत्तरे	(ट)
४।३	पिहुला	पिधुला (क); पुहुलो	(ट)
६।१	पोग्गला	पुग्गला	(क,ग,घ)
६।१	ओयसंठिती	तोतसंठिती	(ट,ब)
६।१	ओयाए	ओताए	(ट)
६।१	रयणिखेत्तस्स	रतणिखेत्तस्स (क,ग,घ); रातिखेत्तस्स	(ट)

८११	सदा	सता	(ग,घ,ट,व)
९१३	वयं....वदामो	वतं....वतामो	(व)
१०१२	सवणे	समणो	(ग,घ)
१०१५	सायं	सागं	(व)
१०१७	आसोई	अस्सोती	(व)
१०११०	असोइणं	अस्सोदिणं	(ग,घ)
१०१७७	आदिच्चेहि	आतिच्चेहि	(व)
१०१७८	बम्ह°	बंभं°	(क,ग,घ)
१०१७९	सवणे	समणे	(ट,व)
१०१८७	बितियां	बिदियां	(क,घ)
१०१८९	दुविहा तिही	दुविधा तिघी	(क)
१०११३६	पातो	पादो	(क,घ,व)
१०११४७	उवाइणावेत्ता	उवादिणावेत्ता (क,ग,घ) ; उवातिणावेत्ता	(ट,व)
१०११७३	सयावि	सतावि (क,ग,घ,व) ; सदावि	(ग)
१४१२	कहं	कधं	(क,ग,घ)
१५१३१	अहियं	अधियं (क,ग,घ) ; अहितं	(ट)
१८१३४	मेहुणवत्तियं	मेधुणवत्तियं	(क,ग,घ)
२०११	अहे	अधो	(क)
२०१२	वइयरिए	वतिचरिए	(ट)

निरयावलियाओ

११४२	अणया	अणदा (क) ; अणता	(ख)
११६६	जणवदं	जणवयं	(ख)
११७२	ऊसए	ऊसवे	(ख)
११९१	पिइसोएणं	पित्तसोएणं	(ख)
११९७	पट्ठे	प्पिट्ठे (क) ; पुट्ठे	(ग)
११९७	अंदोलावेइ	अंदोडावेइ	(क)
११११७	निच्छुहावेइ	निच्छुभावेइ	(क)
१११२७	लेच्छइ	लेच्छती	(क)
३१११५	सुव्वयाओ	सुव्वदाओ	(क)
३११३४	जुयलं	जुवलं (ख) ; जुमलं	(ग)
४११९	इट्ठा	तिट्ठा	(क)
४१२१	ंवाओसिया	ंपाओसिया	(क,ग)
५१६	सव्वोउय	सव्वोदुय	(क,ग)
५११०	आहेवच्चं	आधेवच्चं	(ख)

पणवणा प्रति-परिचय

(क) पणवणा मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति पूनमचन्द्रजी बुधमलजी दूधोड़िया 'छापर' के संग्रहालय की है। इसकी पत्र संख्या ३०२ है। इसकी लम्बाई १०। इंच व चौड़ाई ४।। इंच है। लगभग प्रत्येक पत्र में ११ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ३३ से ४१ अक्षर हैं। प्रति सुन्दरतम व शुद्ध है। यह प्रति लगभग १५ वीं शताब्दी की लिखी हुई है। प्रति के अन्त में केवल ग्रन्थाग्र ७७८७ लिखा हुआ है।

(ख) पणवणा टब्बा (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रंथालय, लाडनू की है। इसमें मूल पाठ तथा स्तबक लिखा हुआ है। इसकी पत्र संख्या ४६५ है। इसकी लम्बाई ६।। इंच तथा चौड़ाई ४ इंच है। प्रत्येक पत्र में मूल पाठ की पंक्तियां ७ व प्रत्येक पंक्ति में ३५ से ३६ अक्षर हैं। प्रति अति सुन्दर लिखी हुई है। प्रति के अन्त में 'प्रत्यक्षरगणनया अनुष्ठपच्छंदः समानमिदं ग्रन्थाग्रं ७७८७ प्रमाणं' लिखा हुआ है। आगे स्तबककर के ६ श्लोक हैं। संवत् १७७८ वर्षे फाल्गुन मासे शुक्ल पक्षे प्रतिपदा तिथी रविवारे पंडित ईश्वरेण लिपी चक्रे श्री वेन्नातट नगर मध्ये..... श्री रस्तु कत्याणमस्तुः शुभं भूयात्लेखक पाठकयोः।

(ग) पणवणा त्रिपाठी (हस्तलिखित) मूलपाठ सहित वृत्ति

यह प्रति हमारे संघीय हस्तलिखित ग्रंथ-भंडार 'लाडनू' की है। इसमें मध्य में मूल पाठ व ऊपर नीचे वृत्ति लिखी हुई है। इसकी पत्र संख्या ४४८ है। इसकी लम्बाई ६।।। इंच तथा चौड़ाई ४।। इंच है। प्रत्येक पत्र में मूल पाठ की पंक्तियां १ से १६ तक है। कुछ पत्रों में केवल वृत्ति ही है। प्रत्येक पंक्ति में ३७ से ४५ तक अक्षर हैं। ग्रंथाग्र - मूल पाठ ७७८७ तथा वृत्ति का ग्रन्थाग्र १६०००। प्रति सुन्दर व शुद्ध है। लगभग १७ वीं शताब्दी की प्रति होनी चाहिए।

(घ) पणवणा मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द्रजी गणेशदासजी गर्भया संग्रहालय 'सरदारशहर' की है। इसकी पत्र संख्या १३८ है। इसकी लम्बाई १३।। इंच तथा चौड़ाई ५ इंच है। प्रत्येक पत्र में बीच में तथा हासिए के बाहर चित्र सा किया हुआ है। प्रत्येक पत्र में १५ पंक्तियां तथा प्रत्येक पंक्ति में ६० से ६५ के लगभग अक्षर हैं। प्रति सुन्दर तथा शुद्ध है। यह १६ वीं शताब्दी की लिखी हुई प्रतीत होती है। ग्रंथाग्र ७७८७ के सिवाय अन्त में कुछ लिखा हुआ नहीं है।

(गवृ) 'ग' संकेतित प्रति में लिखित वृत्ति के पाठान्तर

(वृ) हस्तलिखित वृत्ति

यह प्रति श्रीचन्द्र गणेशदास गर्भया 'सरदारशहर' की है। इसकी पत्र संख्या १५६। लिपि संवत् १५७७। वैशाख शुक्ला १०।

(मवृ) मलयगिरि वृत्ति -- प्रकाशक आगमोदय समिति

(मवृपा) मलयगिरि द्वारा गृहीत पाठान्तर

(हवृ) श्री हरिभद्र सूरि सूत्रित प्रदेश व्याख्या संकलित

प्रकाशक श्री ऋषभदेव केशरीमलजी रतलाम पूर्व भाग पद ११।

जंबुद्वीवपण्णत्ती प्रति-परिचय

(अ) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर भंडार की ताडपत्रीय (फोटोप्रिंट) मदनचन्द जी गोठी सरदारशहर द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र १६४ और पृष्ठ ३२८ हैं। प्रत्येक पत्र में २ से ६ तक पंक्तियां हैं। कहीं-कहीं पंक्तियां अधूरी लिखी हुई हैं। प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ३० से ३५ तक हैं। अन्त में ग्रंथाग्र ४१४६ इतना ही लिखा हुआ है। इसके साथवाली प्रति के आधार पर यह प्रति १४ वीं शती की होनी चाहिए।

(ब) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर भंडार ताडपत्रीय (फोटोप्रिन्ट) मदनचन्दजी गोठी 'सरदारशहर' द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र ९७ व पृष्ठ १९४ हैं। प्रत्येक पत्र में २ से ६ तक पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में ४७ से ५० तक अक्षर हैं। लिपि सं० १३७८ लिखा हुआ है।

(स) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर भंडार पत्राकार (फोटोप्रिन्ट) मदनचन्दजी गोठी 'सरदारशहर' द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र ४६ व पृ. ९२ हैं। प्रत्येक पत्र में २० पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में ७० से ७४ तक अक्षर हैं। लिपि सं. १६४६ लिखा हुआ है। प्रति बहुत महीन लिखी हुई है।

(क) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

पत्र संख्या ७३ श्रीचंद गणेशदास गर्धया संग्रहालय (सरदारशहर)

(ख) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रंथालय 'लाडनू' की है। इसके पत्र १०१ व पृष्ठ २०२ हैं। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ५० से ५५ तक अक्षर हैं। प्रति प्राचीन व सुंदर लिखी हुई है। लिपि संवत् नहीं है।

(ग) जंबुद्वीवपण्णत्ती त्रिपाठी, मूलपाठ व वृत्ति (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रंथालय 'लाडनू' की है। इसके पत्र ३५८ व पृष्ठ ७१६ है। प्रति के मध्य में मूलपाठ व ऊपर नीचे टीका लिखी हुई है। लिपि संवत् १९१३ अंकित है। प्रति सुंदर लिखी हुई है। इसके ६९-७० दो पत्र प्राप्त नहीं हैं।

(हीवृ) हीरविजयसूरि विरचित वृत्ति त्रिपाठी (हस्तलिखित)

(हीवृपा) हीरविजय सूरि द्वारा गृहीत पाठान्तर

यह प्रति शासन ग्रंथ भंडार 'लाडनू' की है। इसकी पत्र संख्या ५८२ है। बीच में मूलपाठ व ऊपर नीचे वृत्ति लिखी हुई है। लिपि संवत् १९१९।

(पुवृ) खरतरगच्छीय जिनहंसगणि शिष्य महोपाध्याय पुण्यसागर विरचित वृत्ति (हस्तलिखित)

(पुवृपा) पुण्यसागर द्वारा गृहीत पाठान्तर

यह प्रति श्रीचन्द गणेशदास गर्धया संग्रहालय 'सरदारशहर' की है। इसके पत्र २४३ व पृष्ठ

४८६ है। लिपि सं. १५७५। प्रति सुन्दर लिखी हुई है।

(शावृ) तपागच्छीय हीरविजयसूरि परशिष्य शान्त्याचार्य विरचित वृत्ति (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द मणशदास गर्भैया संग्रहालय 'सरदारशहर' की है। लिपि सं. १५५१

(शावृपा) शान्त्याचार्य द्वारा गृहीत पाठान्तर

सूरपण्णत्ती प्रति-परिचय

(क) सूरपण्णत्ती मूल

यह प्रति लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर 'अहमदाबाद' की है। इसकी कर्मांक डा. २-५७ है। इसकी लम्बाई-चौड़ाई १२।।। × ५ इंच है। इसकी पत्र संख्या ६२ है। प्रथम पत्र नहीं है। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्ति व प्रत्येक पंक्ति में ४८ से ७० तक अक्षर हैं। प्रति सुन्दर व सुवाच्य है। प्रति के बीच में हरी व लाल स्याही से चित्र-चित्रण किया हुआ है। लिपि संवत् नहीं दिया है। परन्तु प्रति प्राचीन है लगभग १७ वीं शताब्दी की होनी चाहिए। प्रति के अन्त में प्रशस्ति के २५ श्लोक प्राकृत में लिखे हुए हैं।

(ग) सूरपण्णत्ती मूल नंबर ६० (हस्तलिखित)

यह प्रति भी पूर्व उल्लिखित 'अहमदाबाद' की है। इसकी पत्र संख्या ८७ व इसकी लम्बाई चौड़ाई १०। × ४ इंच है। प्रत्येक पत्र में ११ पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ३३ से ४१ तक है। प्रति की लिपि सुन्दर है पर अशुद्धि बहुल प्रति है। लिपि सं. १५७०।

(घ) सूरपण्णत्ती मूल नम्बर ६०७ (हस्तलिखित)

यह प्रति लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर 'अहमदाबाद' की है। इसकी पत्र संख्या ६६ व इसकी लम्बाई चौड़ाई १० × ४ इंच है। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ३४ से ४२ तक हैं। प्रति की लिपि सुंदर पर अशुद्धि बहुल है। लिपि सं. १६७३ है।

उपर्युक्त तीनों प्रतियों के बीच में बावड़ी है।

(सूवृ) सूरपण्णत्ती टोका नं. ४८

यह प्रति लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर, 'अहमदाबाद' की है। इसकी लम्बाई चौड़ाई १२।।१ × ५ इंच है। पत्र संख्या २२४ है। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ४४-६० अक्षर हैं। प्रति सुन्दर व स्पष्ट लिखी हुई है। लिपि संवत् १५७४ है।

चन्द्रप्रज्ञप्ति प्रति-परिचय

(क) चंद्रपण्णत्ती मूल नं. ६०० (हस्तलिखित)

यह प्रति भी लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर 'अहमदाबाद' की है। इसकी पत्र संख्या ६८ व इसकी लम्बाई चौड़ाई १०। × ४ इंच है। प्रत्येक पत्र में ११ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ३२ से ४१ तक अक्षर हैं। यह प्रति भी सुन्दर है पर अशुद्धि बहुल है। इसमें पत्र के बीच में बावड़ी है। लिपि संवत् १५७० है।

(चं वृ) चंदपण्णत्ती टीका (हस्तलिखित)

यह प्रति हमारे संघीय हस्तलिखित भण्डार 'लाडनू' की है इसकी पत्र संख्या १७९ है। इसकी लम्बाई-चौड़ाई १० × ४ ॥ इंच की है। प्रत्येक पत्र में पंक्ति ६ व प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ५० करीब है। प्रति सुन्दर है। लिपि संवत् १७६२।

(ट) चंदपण्णत्ती टब्बा (हस्तलिखित)

जैन विश्व भारती लाडनू हस्तलिखित ग्रन्थालय। पत्र ५७।

निरयावलियाओ प्रति-परिचय**(क) निरयावलियाओ मूलपाठ (हस्तलिखित)**

यह प्रति जेसलमेर मंडार की ताडपत्रीय (फोटोप्रिन्ट) मदनचन्द्रजी गोठी 'सरदारशहर' द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र २५ व पृष्ठ ५० हैं। फोटो प्रिन्ट के पत्र ९ है। एक पत्र में ६ पृष्ठों के फोटो है। किसी में न्यूनाधिक भी है। प्रत्येक पत्र १२ इंच लम्बा व ३ इंच चौड़ा है। प्रत्येक पृष्ठ में पाठ की पांच पंक्तियां हैं, किसी पत्र में दो-दो तीन-तीन पंक्तियां भी हैं। कहीं-कहीं पंक्तियां अधूरी भी हैं। प्रत्येक पंक्ति में करीब ४५ से ५० तक अक्षर है। प्रति के अंत में प्रशस्ति नहीं है।

(ख) निरयावलियाओ मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द्र गणेशदास गधैया पुस्तकालय 'सरदारशहर' की है। इसके पत्र १९ तथा पृष्ठ ३८ हैं। प्रति १३ १/२ इंच लम्बी व ५ इंच चौड़ी है। प्रत्येक पत्र में १५ पंक्तिया तथा प्रत्येक पंक्ति में करीब ७१ से ७५ तक अक्षर हैं। प्रति काली स्याही से लिखी हुई है। प्रति के मध्य भाग में बावड़ी व उसके बीच में लाल स्याही का टीका लगा हुआ है। लेखन संवत् नहीं है। परन्तु उसके साथ की प्रति के आधार पर अनुमानित १६ वीं शताब्दी की है। प्रति सुंदर, स्पष्ट तथा शुद्ध लिखी हुई है।

(ग) निरयावलियाओ टब्बा (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रन्थालय, लाडनू की है। इसके पत्र ६३ तथा पृष्ठ १२६ है। प्रत्येक पत्र में पाठ की ७ पंक्तिया तथा प्रत्येक पंक्ति में अक्षर करीब ३५ से ४५ तक है। यह प्रति १० १/२ इंच लम्बी तथा ४ १/२ इंच चौड़ी है। लिपि सं० १८३३।

(घ) निरयावलियाओ वृत्ति (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द्र गणेशदास गधैया पुस्तकालय 'सरदारशहर' की है। इसके पत्र ८ है। यह १३ १/२ इंच लंबी ५ इंच चौड़ी है। लिपि संवत् १५७५ है।

(मुवृ) मुद्रित वृत्ति

ए. एस. गोपाणी एण्ड वी. जे. चोक्सी। प्रकाशित—शंभूभाईजगसीशाह, गुर्जर ग्रन्थरत्न कार्यालय, गांधी रोड़ अहमदाबाद प्रकाशन १९३४।

सहयोगानुभूति

जैन परम्परा में वाचना का इतिहास बहुत प्राचीन है। आज से १५०० वर्ष पूर्व तक आगम

की चार वाचनाएं हो चुकी हैं। देवद्विगण के बाद कोई सुनियोजित आगम-वाचना नहीं हुई। अनेक वाचना-काल में जो आगम लिखे गए थे, वे इस लम्बी अवधि में बहुत ही अव्यवस्थित हो गए हैं। उनकी पुनर्व्यवस्था के लिए आज फिर एक सुनियोजित वाचना की अपेक्षा थी। आचार्य श्री तुलसी ने सुनियोजित सामूहिक वाचना के लिए प्रयत्न भी किया था। परंतु वह पूर्ण नहीं हो सका। अन्ततः हम उसी निष्कर्ष पर पहुंचे कि हमारी वाचना अनुसंधानपूर्ण, गवेषणापूर्ण, तटस्थदृष्टि-समन्वित तथा सपरिश्रम होगी तो वह अपने आप सामूहिक हो जाएगी। इसी निर्णय के आधार पर हमारा यह आगम-वाचना का कार्य आरंभ हुआ।

हमारी इस वाचना के प्रमुख आचार्य श्री तुलसी हैं। वाचना का अर्थ अध्यापन है। हमारी इस प्रवृत्ति में अध्यापन कर्म के अनेक अंग हैं - पाठ का अनुसंधान, भाषान्तर, समीक्षात्मक अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन आदि-आदि। इन सभी प्रवृत्तियों में हमें आचार्य श्री का सक्रिय योग, मार्ग-दर्शन और प्रोत्साहन प्राप्त है। यही हमारा गुरुतर कार्य में प्रवृत्त होने का शक्ति-बीज है।

मैं आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कर भार मुक्त होऊँ, उसकी अपेक्षा अच्छा है कि अग्रिम कार्य के लिए उनके आशीर्वाद का शक्ति-संबल पा और अधिक भारी बनूँ।

प्रस्तुत पुस्तक के अन्तर्गत नौ उपांगों के पाठ-शोधन में मुनि सुदर्शनजी, मुनि हीरालालजी, का पर्याप्त योग रहा है।

पणवणा में मुनि बालचंद्रजी, निरयावलियाओ में मुनि मधुकरजी का भी योग रहा है। प्रतिलिपि शोधन में स्व. मन्नालालजी बोरड़ भी इसमें सहयोगी रहे हैं।

पणवणा की शब्दसूची मुनि श्रीचंद्र जी, जंबुद्वीवपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती, चंद्रपण्णत्ती की मुनि सुदर्शन जी तथा निरयावलियाओ की मुनि हीरालालजी ने तैयार की है। इस ग्रन्थ के प्रथम परिशिष्ट व इसका ग्रन्थ परिमाण मुनि हीरालालजी ने तैयार किया है। पणवणा व जंबुद्वीवपण्णत्ती की शब्दसूची में क्रमशः साध्वी जिनप्रभाजी व साध्वी चन्दनबालाजी का भी योग रहा है।

प्रूफ निरीक्षण में मुनि सुदर्शनजी, मुनि हीरालालजी, मुनि दुलहराजजी तथा समणी कुसुम-प्रज्ञा संलग्न रही है। कहीं मुनि विमलकुमारजी, मुनि सम्पतमलजी भी सहयोगी रहे हैं। पाठ के पुन-निरीक्षण के समय मुनि हीरालालजी विशेषतः संलग्न रहे हैं।

आगम बत्तीसी के पाठ-सम्पादन कार्य में नामोल्लेख के अतिरिक्त जिनका यत्किञ्चित् योग रहा है, उन सबके प्रति हम कृतज्ञता वा भाव व्यक्त करते हैं। सम्पादन कार्य में संधीयभंडार के अतिरिक्त एल० डी० इन्स्टीट्यूट अहमदाबाद, श्रीचंद्र गणेशदास गधैया पुस्तक भंडार सरदाशहर, तेरापंधी सभा सरदारशहर, पूनमचंद्र बुद्धमल दूधोडिया छापर, घेवर पुस्तकालय सुजानगढ़, जैन विश्व भारती ग्रंथालय लाडनू, जेसलमेर भंडार, इन सब संस्थानों से प्राप्त हस्तलिखित आदर्शों का हमने प्रयोग किया। मुनिश्री पुष्यविजयजी ने 'दन्दी' की संज्ञोचित प्रति भी हमें उपलब्ध कराई थी। इन सबका योग हमारे कार्य में मूह्यदान बना।

आचार्य श्री के वाचना-प्रमुखत्व में आगम-वाचना का जो कार्य प्रारंभ हुआ था उसका एक पूर्व संशोधित पाठयुक्त आगम बत्तीसी के साथ सम्पन्न हो रहा है। बत्तीस आगमों का संशोधित पाठ पहली बार विद्वान् पाठकों के लिए सुलभ हो रहा है। यह हमारे लिए उल्लास का विषय है।

वि. सं. २०१२ उज्जैन में आगम-सम्पादन का कार्य प्रारंभ हुआ। उसी वर्ष प्रायः बत्तीस आगमों की शब्द सूचियाँ तैयार हो गईं। इस कार्य में अनेक साधु और साध्वियाँ संलग्न हुए। चार-चार या तीन-तीन साधु-साध्वियों के वर्ग बने और उन्होंने इस कार्य को शीघ्रता से सम्पन्न किया। मुनि चौथमलजी, सोहनलालजी (चूरू) जैसे प्रौढ़ सन्त इस कार्य में लगे, वहाँ उनके सहयोगी के रूप में छोटे-छोटे साधु भी जुड़ गए। एक अभियान जैसा कार्य चला और सब में एक नयी भावना जागृत हो गई। पहले पाठ-शोधन नहीं हुआ था इसलिए उनका पूरा उपयोग नहीं हो सका। शब्द-सूचियाँ फिर से बनानी पड़ी, किन्तु जो काम हुआ वह अत्यंत श्लाघनीय है। इस सम्पादन की एक उल्लेखनीय बात यह है कि यह सारा कार्य साधु-साध्वियों के द्वारा ही सम्पादित हुआ, किसी गृहस्थ विद्वान् का इसमें योग नहीं रहा। आचार्यश्री का नेतृत्व और तैरापंथ धर्मसंघ का संगठन ही इसके लिए श्रेयोभागी बनता है।

आगमविद् और संपादन के कार्य में सहयोगी स्व. श्री मदनचंदजी गोठी को इस अवसर पर विस्मृत नहीं किया जा सकता। यदि वे आज होते तो इस कार्य पर उन्हें परम हर्ष होता।

आगम के प्रबन्ध सम्पादक श्री श्रीचन्दजी रामपुरिया (कुलपति, जैन विश्व भारती) प्रारंभ से ही आगम कार्य में संलग्न रहे हैं। आगम साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे कृत-संकल्प और प्रयत्नशील हैं। अपने सुव्यवस्थित वकालत कार्य से पूर्ण निवृत्त होकर वे अपना अधिकांश समय आगम-सेवा में लगा रहे हैं। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष खेमचंदजी सेठिया और मंत्री श्रीचंद बेंगानी का भी इस कार्य में योग रहा है। संपादकीय और सूचिका का अंग्रेजी अनुवाद डा. नथमल टांटिया ने तैयार किया है।

एक लक्ष्य के लिए समान गति से चलने वालों की सम प्रवृत्ति में योगदान की परम्परा का उल्लेख व्यवहारपूर्ति मात्र है। वास्तव में यह हम सबका पवित्र कर्तव्य है और उसी का हम सबने पालन किया है।

अणुव्रत भवन (दिल्ली)
२२ अक्टूबर, १९८७

युवाचार्य महाप्रज्ञ

भूमिका

पणवणा

नाम-बोध

प्रस्तुत ग्रन्थ में नौ उपांग हैं। उसमें पहला है पणवणा (प्रज्ञापना)।

इसमें जीव और अजीव इन दो तत्त्वों का विस्तार से प्रज्ञापन किया गया है।^१ इसके प्रथम पद का नाम प्रज्ञापना है। संभवतः इस आदि पद के कारण ही इसका नाम प्रज्ञापना रखा गया है। प्रज्ञापना का एक कार्य प्रश्नोत्तर के माध्यम से तत्त्व का प्रतिपादन करना है। प्रस्तुत आगम में प्रश्नोत्तर के द्वारा तत्त्व का प्रतिपादन किया गया है। इसलिए भी इसका नाम प्रज्ञापना हो सकता है। प्रारंभिक गथाओं में इस आगम को “अध्ययन” भी कहा गया है। इससे प्रतीत होता है कि इसका एक नाम “अध्ययन” रहा है। इसका संबंध दृष्टिवाद (बारहवें अंग) से है इसलिए इसे दृष्टिवाद का निःस्यन्द या सार कहा गया है।^२

विषयवस्तु

प्रस्तुत आगम के ३६ पद हैं। उनमें जीव और अजीव के विभिन्न पर्यायों का प्रतिपादन किया गया है। यह तत्त्व-विद्या का अर्णव-ग्रन्थ है। इसके अध्ययन से भारतीय तत्त्व-विद्या के गहन स्वरूप को समझा जा सकता है। प्रथम पद में वनस्पति जीवों के दो वर्गीकरण उपलब्ध हैं:— प्रत्येकशरीरी और साधारणशरीरी।^३ साधारणशरीरी का चित्र समाजवाद का ऐसा अनूठा चित्र है जिसकी मनुष्य-समाज में कल्पना नहीं की जा सकती। इसमें आर्य और म्लेच्छ का विशद वर्णन है।

प्रस्तुत आगम तत्त्व-ज्ञान का आकर-ग्रन्थ है। भगवती अंगप्रविष्ट आगम है और यह उपांग कौटिक का आगम है। ये दोनों तत्त्व-ज्ञान की दृष्टि से परस्पर जुड़े हुए हैं। देवधिगणी ने भगवती में प्रज्ञापना के अधिकांश भाग का समावेश किया है। वहाँ बार-बार “जहा पणवणा” का उल्लेख है। प्रस्तुत आगम के प्रत्येक पद में गूढ़ तत्त्वों की एक व्यूह-रचना सी उपलब्ध है। इसमें लेख्या और कर्म के विषय में अनेक महत्त्वपूर्ण सूत्र मिलते हैं।

नन्दीसूत्र में आगमों के दो वर्गीकरण किए गए हैं— अंगप्रविष्ट और अंगबाह्य। अंगबाह्य के दो प्रकार हैं— आवश्यक और आवश्यकव्यतिरिक्त। आवश्यकव्यतिरिक्त के फिर दो प्रकार बतलाए गए हैं— कालिक और उत्कालिक। प्रस्तुत आगम अंगबाह्य, आवश्यकव्यतिरिक्त और उत्कालिक है।^४ नन्दी में अंग और अंगबाह्य के संबंध की कोई चर्चा नहीं है। आगम-व्यवस्था के उत्तरकाल में अंग और

१. पणवणा, गा० २

२. वही, ,, ३

३. वही, १।३२

४. नन्दी, ७३-७७

अंगब्राह्म की संबन्ध-योजना निर्धारित की गई। उसके अनुसार प्रज्ञापना समवायांग का उपांग है। यह सम्बन्ध-योजना किस आधार पर की गई, यह अन्वेषण का विषय है। यदि प्रज्ञापना को “भगवती” का उपांग माना जाता तो अधिक बुद्धिगम्य होता।

रचनाकार और रचनाकाल

प्रस्तुत आगम “दृष्टिवाद” का निःस्यन्द है, इस उक्ति से यह अनुमान किया जा सकता है कि इसका विषय “दृष्टिवाद” से संगृहीत किया गया है। इसके रचनाकार आर्यश्याम हैं।^१ वे मुधर्मा-स्वामी के तेवीसवें पट्टधर थे। वे वाचकवंश की परंपरा के शक्तिशाली वाचक थे। उनका अस्तित्व-काल वीर-निर्वाण की चौथी शताब्दी है।

प्रस्तुत आगम का रचनाकाल वीर-निर्वाण के ३३५ से ३७५ के बीच का संभव है। नंदी में महाप्रज्ञापना का उल्लेख किया गया है। वह अभी अनुपलब्ध है। महाप्रज्ञापना और प्रज्ञापना दोनों स्वतंत्र हैं। प्रज्ञापना महाप्रज्ञापना का अवतरण है अथवा इसमें कोई नया विषय है, यह निश्चयपूर्वक नहीं कहा जा सकता। बारह उपांगों में प्रज्ञापना का एक विशिष्ट स्थान है। इससे प्रतीत होता है कि इसका रचनाकाल वह है जब पूर्वों की विस्मृति हो रही थी और उसके अवशिष्ट अंशों की स्मृति शेष थी। वैसे ही समय में “षट्खण्डागम” की रचना हुई थी। शेष उपांग प्रज्ञापना की रचना के उत्तरकाल में लिखे गए थे। उनकी विषयवस्तु के आधार पर यह संभावना की जा सकती है। उमास्वाति का अस्तित्व-काल वीर निर्वाण की पांचवी शताब्दी है। उन्होंने तत्त्वार्थसूत्र में “आर्या म्लेच्छाश्च” सूत्र लिया है।^२ उसका आधार प्रज्ञापना का पहला पद हो सकता है। वहां जो आर्य और म्लेच्छ की स्पष्ट अवधारणा एवं परिभाषा है वह अन्यत्र उपलब्ध नहीं है। इस आधार पर इसका रचनाकाल उमास्वाति से पूर्ववर्ती है।

व्याख्या-ग्रंथ

प्रस्तुत आगम के व्याख्या-ग्रंथ अनेक हैं। सबसे पहला ग्रन्थ हरिभद्रसूरि का है। व्याख्या-ग्रन्थ की तालिका इस प्रकार है:—

व्याख्या-ग्रंथ	ग्रन्थाग्र	ग्रन्थकर्ता	समय (वि० सं०)
१. प्रदेशव्याख्या	३७२८	हरिभद्रसूरि	८ वीं शताब्दी
२. तृतीय पद संग्रहणी	१३३	अभयदेवसूरि	१२ वीं शताब्दी का पूर्वार्ध
३. विवृति	१४५००	मलयगिरि	१३ वीं शताब्दी
४. अभयदेवसूरि कृत तृतीयपद संग्रहणी अवचूर्णि	—	कुलमण्डनगणी	१८ वीं शताब्दी
५. वृत्ति	—	अज्ञात	—

१. प्रज्ञापना, वृ० प० ४७—१. आर्यश्यामो यदेव ग्रन्थान्तरेषु आसालिगा धृतिपादकं गौतमप्रश्न भगवन्निर्वचनरूपं सूत्रमस्ति तदेवागम बहुमानतः पठति।

प्रज्ञापना, वृ० प० ७२—भगवान् आर्यश्यामोऽपि इत्यनेन सूत्रं रचयति।”

२. तत्त्वार्थ सूत्र ३।३६

६. वनस्पति सप्ततिका अथवा वनस्पति विचार	७१	मुनिचन्द्र	१२ वीं शताब्दी
७. अवचूरी	—	पद्मसूरि	—
८. बालावबोध	—	धनविमल	अनुमानित १७ वीं शताब्दी
९. बालावबोध	—	जीवविजय	१७८४
१०. स्तवक	—	परमानन्द	१८७६
११. पण्यवणानी जोड़	५५०	जयाचार्य	१८७८

इनके अतिरिक्त प्रज्ञापना से संबद्ध कुछ लघुकाय ग्रन्थों का विवरण मिलता है। मुनि पुण्यविजयजी ने हर्षकुलगणी द्वारा विरचित “बीजक” का उल्लेख किया है।^१ मुनिपुण्यविजयजी द्वारा लिखित प्रज्ञापना की प्रस्तावना तथा “जिनरत्नकोश” में “पर्याय” का भी उल्लेख मिलता है। “जिनरत्नकोश” में ‘प्रज्ञापना सूत्र सारोद्धार’ का भी उल्लेख मिलता है।

आचार्य मलयगिरि ने अपनी विवृति में चूर्णि और ‘वृद्धव्याख्या’ का उल्लेख किया है।^२ चूर्णि अभी अनुपलब्ध है। उपलब्ध व्याख्याओं में सबसे बड़ी व्याख्या आचार्य मलयगिरि की है। मौनिक और आधारभूत व्याख्या आचार्य हरिभद्रसूरि की है।

जंबुद्वीवपण्णत्ती

नाम-बोध

प्रस्तुत आगम का नाम जंबुद्वीवपण्णत्ती (जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति) है। प्रज्ञप्ति का अर्थ है व्याकरण, उत्तर या निरूपण। इसमें जम्बूद्वीप का व्याकरण है इसलिए इसका नाम जंबुद्वीपप्रज्ञप्ति है। स्थानांग में चार अंगबाह्य प्रज्ञप्तियों का उल्लेख है, १. चन्द्रप्रज्ञप्ति, २. सूरप्रज्ञप्ति, ३. जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति ४. द्वीपसागरप्रज्ञप्ति।^३ ‘कसायपाहुड’ में प्रज्ञप्तियों को ‘दृष्टिवाद’ के प्रथम भेद ‘परिकर्म’ के पांच अर्थाधिकार माना गया है—१. चन्द्रप्रज्ञप्ति, २. सूरप्रज्ञप्ति, ३. जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति, ४. द्वीपसागरप्रज्ञप्ति ५. व्याख्याप्रज्ञप्ति।^४ नंदी में जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति को कालिक आगम के वर्गीकरण में रखा गया है।^५

१. पण्यवणा सुत्तं, भाग २, प्रस्तावना पृ० १५८

२. वृत्ति प० २६६ —आह च चूर्णिकृत् ।
 वृ० प० २७१ —आह च चूर्णिकृतोऽपि ।
 वृ० प० २७२ —यत आह चूर्णिकृत् ।
 वृ० प० २७७ —आह च चूर्णिकृत् ।
 वृ० प० ५१७ —‘प्रज्ञापनायाश्चूर्णौ ।
 वृ० प० ६०० —तत्रैवं वृद्धव्याख्या ।

३. ठाणं, ४।१८६

४. कसायपाहुड, प्रथम अधिकार —पेज्जदोसविहत्ती, पृ० १३७—

“परियम्मे पंच अथाहियारा—चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जंबुद्वीवपण्णत्ती दीवसायरपण्णत्ती वियाहपण्णत्ती चेदि ।”

५. नन्वी, ७८

विषय-वस्तु

इसका मुख्य प्रतिपाद्य जम्बूद्वीप है। पारिपार्श्विक विषयों की सूची बहुत लंबी है। भगवान् ऋषभ, कुलकर, भरत चक्रवर्ती, कालचक्र, सौरमण्डल आदि अनेक विषय इसमें प्रतिपादित हैं। इनमें भरत चक्रवर्ती का वर्णन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। चक्रवर्ती के चौदह रत्नों और नौ निधियों का वर्णन बहुत ही सजीव है।

कालचक्र के वर्णन में वर्तमान अवसर्पिणी के छठे अर का जो वर्णन है वह बहुत रोमाञ्चक है। प्रलय की जितनी भविष्य वाणियां उपलब्ध हैं, उनमें यह सर्वाधिक ध्यानाकर्षण करने वाली है। इसे पढ़ते-पढ़ते अणुयुद्ध की विभीषिका सामने आ जाती है।^१

भगवान् ऋषभ और भगवान् महावीर में बहुत एकरूपता रही है। भगवान् ऋषभ को आदि-काश्यप और भगवान् महावीर को अन्त्यकाश्यप कहा जाता है।^१ भगवान् ऋषभ और भगवान् महावीर दोनों ने पंच महाव्रत धर्म का प्रतिपादन किया था। भगवान् महावीर की भांति भगवान् ऋषभ भी एक वर्ष से कुछ अधिक समय तब सवस्त्र रहे, फिर अचेत हो गए।^१

भरत चक्रवर्ती काच के महल में बँडे थे। वे काच में अपना प्रतिबिम्ब देख रहे थे। देखते-देखते उन्हें कैवल्य प्राप्त हो गया।^१ उत्तरवर्ती ग्रन्थों में इस कथा का विकास हुआ है। अंगुली की अंगूठी गिर जाने पर सौन्दर्य की कमी का अनुभव हुआ और उस चित्तन की गहराई में गए, अन्ततः केवली हो गए।^१

योगिक व्यवस्था की समाप्ति, समाज और राज्य-व्यवस्था के प्रारंभ का सुन्दर चित्र प्रस्तुत आगम में उपलब्ध है। भगवान् ऋषभ के सर्वतोमुखी व्यक्तित्व को समझने के लिए यह बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका "श्रीमद्भागवत" में वर्णित ऋषभ के साथ तुलनात्मक अध्ययन करना बहुत महत्त्वपूर्ण है।

प्रस्तुत आगम सात अध्यायों में विभक्त है। इन अध्यायों को "वक्खारो" या "वक्षस्कार" कहा गया है। उनके विषय इस प्रकार हैं—

१. जम्बूद्वीप
२. कालचक्र और ऋषभ-चरित
३. भरत-चरित

१. जंबुद्वीवपण्णत्ती, २।१३०-१३७

२. धनञ्जय नाममाला, ११४, पृ० ५७

वर्षायान् वृषभो ज्ञायान् पुनराद्यः प्रजापतिः ।

ऐक्ष्वाकुः काश्यपो ब्रह्मा गौतमो नाभिजोऽग्रजः ॥

धनञ्जय नाम माला, ११५, पृ० ५८

सन्मतिर्महतीर्वीरो महावीरोऽन्त्यकाश्यपः ।

नाथान्वयो वर्धमानो यत्तीर्थमिह साम्प्रतम् ॥

३. जंबुद्वीवपण्णत्ती, २।६६

४. वही, ३।२।२, २२२

५. आवश्यक चर्चा, पृ० २२७

४. जम्बूद्वीप का विस्तृत वर्णन
५. तीर्थंकर का जन्माभिषेक
६. जम्बूद्वीप की भौगोलिक स्थिति
७. ज्योतिश्चक्र

रचनाकार और रचनाकाल

प्रस्तुत आगम उपांग के वर्गीकरण का ग्रन्थ है। इससे यह स्पष्ट है कि इसकी रचना भगवान् महावीर के निर्वाणोत्तर काल में हुई है। इसके रचनाकार कोई स्थविर थे। उनका नाम अज्ञात है। रचना का काल भी ज्ञात नहीं है। जीवाजीवाभिगम स्थविरों द्वारा कृत है। उसमें कल्पवृक्षों का विस्तृत वर्णन है। इसमें उनका संक्षिप्त रूप उपलब्ध है। विस्तार की सूचना 'जाव' पद के द्वारा दी गई है।

इससे प्रतीत होता है कि यह जीवाजीवाभिगम के उत्तरकाल की रचना है। संभवतः श्वेताम्बर और विगम्बर का स्पष्ट भेद होने के पूर्वकाल की रचना है। जंबूद्वीप के विषय में दोनों परंपराओं में प्रायः एकमत्य है। इस आधार पर इसका रचनाकाल वीर निर्वाण की चौथी-पांचवीं शताब्दी के आस-पास अनुमित किया जा सकता है।

व्याख्या-ग्रन्थ

प्रस्तुत आगम पर नौ व्याख्याएं उपलब्ध हैं। उनमें केवल शान्तिचन्द्रीयवृत्ति मुद्रित है, शेष अप्रकाशित हैं। शान्तिचन्द्र ने यह उल्लेख किया है कि मलयगिरि की टीका काल-दोष से विच्छिन्न हो गई है।^१ किन्तु आधुनिक विद्वानों ने उसे खोज निकाला है। वह जैतलमेर के भण्डार में उपलब्ध है।^२ शान्तिचन्द्रीय और पुण्यसागरीय वृत्ति में चूर्ण का भी उल्लेख है।^३

इन व्याख्या-ग्रन्थों की तालिका इस प्रकार है—

ग्रन्थ	ग्रन्थाग्र	कर्ता	रचनाकाल
१. चूर्ण	—	अज्ञातकर्तृक	—
२. टीका (प्राकृतभाषा)	—	हरिभद्रसूरि	—
३. टीका	—	मलयगिरि	—
४. वृत्ति	१४२५२	हीरविजयसूरि	वि० सं० १६३६
५. वृत्ति	१३२७५	पुण्यसागर	" १६४५
६. टीका (प्रमेयरत्नमञ्जूषा)	१८०००	शान्तिचन्द्र	" १६६०

१. शान्तिचन्द्रीय वृत्ति पत्र २ --तत्र प्रस्तुतोपाङ्गस्य वृत्तिः श्रीमलयगिरिकृताऽपि संप्रति काल-दोषेण व्यवच्छिन्ना ।

२. द्रष्टव्य, जैन रत्नकोश, पृ० १३०

३. शान्तिचन्द्रीय वृत्ति, पत्र १६, परिध्यानयनोपायस्त्वयं चूर्णिकारोक्तः ।

वृ० प० ५३, २५२, २७८ ।

पुण्यसागरीयवृत्ति, पत्र १२२—“एतच्चूर्णो च ।”

७. टीका	१५०००	ब्रह्ममुनि	—
८. वृत्ति	१८३५२	धर्मसागर और वानरऋषि	" १६३६
९. वृत्ति	—	अज्ञातकर्तृक	—

गुजराती भाषा में धर्मसीमुनि ने इस पर स्तबक (टब्बा या बालावबोध) भी लिखा है। इन व्याख्या-ग्रन्थों की अधिकता से प्रतीत होता है कि प्रस्तुत आगम बहुत पठनीय रहा है।

चन्द्रपण्णत्ती और सूरपण्णत्ती

नाम बोध

स्थानांग में चार अंगबाह्य प्रज्ञप्तियाँ बतलाई गई हैं। उनमें प्रथम प्रज्ञप्ति का नाम चन्द्रप्रज्ञप्ति और दूसरी का सूरप्रज्ञप्ति है।^१ कषायपाहुड में भी इसी क्रम से नामोल्लेख मिलता है।^२ प्रथम प्रज्ञप्ति में चन्द्र की वक्तव्यता है, इसलिए उसका नाम चन्द्रप्रज्ञप्ति है और द्वितीय प्रज्ञप्ति में सूर्य की वक्तव्यता है, इसलिए उसका नाम सूरप्रज्ञप्ति है।

विषय-वस्तु

आगम की प्राचीन सूचियों से पता चलता है कि चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूरप्रज्ञप्ति दो आगम हैं। 'नन्दी' की आगम सूची में चन्द्रप्रज्ञप्ति को कालिक और सूरप्रज्ञप्ति को उत्कालिक बतलाया गया है।^३ इस भेद का हेतु क्या है, यह अभी अन्वेषणीय है। चन्द्रप्रज्ञप्ति वर्तमान में प्रायः उपलब्ध नहीं है। उसका थोड़ा-सा प्रारंभिक भाग मिलता है। यद्यपि कुछ हस्तलिखित आदर्श 'चन्द्रप्रज्ञप्ति' के नाम से उपलब्ध होते हैं और कुछ आदर्श सूर्यप्रज्ञप्ति के नाम से मिलते हैं, किन्तु प्रारंभिक सूत्र को छोड़कर इनका पाठ एक जैसा है। आचार्य मलयगिरि ने इन दोनों की व्याख्याएं लिखी हैं, उनमें भी प्रायः समानता है। वर्तमान धारणा के अनुसार चन्द्रप्रज्ञप्ति आज उपलब्ध नहीं है। जो उपलब्ध है, वह सूरप्रज्ञप्ति है। डा० वाल्टर शुत्रिग ने एक प्रकल्पना प्रस्तुत की है—सूरप्रज्ञप्ति के १० वें पाहुड से आगे सूर्य की अपेक्षा चन्द्र और ताराओं को अधिक महत्त्व दिया गया है अतः हम यह अनुमान करते हैं कि दसवें 'पाहुड' से चन्द्रप्रज्ञप्ति का प्रारम्भ हुआ है।^४ किन्तु चन्द्रप्रज्ञप्ति की समग्र विषयवस्तु की जानकारी के अभाव में शुत्रिग के निष्कर्ष को सहसा निर्णायक नहीं माना जा सकता। फिर भी उसमें विचार के लिए अवकाश है।

व्याख्या-ग्रंथ

चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूरप्रज्ञप्ति दोनों पर मलयगिरि-कृत टीकाएं उपलब्ध हैं। दोनों टीकाएं प्रायः समान हैं। उनमें जो अन्तर है, वह परिशिष्ट में दिया हुआ है। 'जिनरत्नकोश' के अनुसार चन्द्रप्रज्ञप्ति की टीका का ग्रन्थाग्र ६५००^५ तथा सूरप्रज्ञप्ति की टीका का ग्रन्थाग्र ६००० है।^६ भद्रबाहु-कृत

१. ठाणं, ४।१८६

२. कषायपाहुड, प्रथम अधिकार, पेज्जदोसविहत्ती, पृ० १३७

३. नन्दी, ७७, ७८

४. Doctrine of the Jains P. 102

५. जिनरत्नकोश, पृ० ११८

६. वही पृ० ४५२

निर्युक्तियों में सूरप्रज्ञप्ति की निर्युक्ति का उल्लेख है।^१ किन्तु वह मलयगिरि के समय में अनुपलब्ध थी।^२ उन्होने अपनी टीका में पूर्वाचार्यों के मत का भी उल्लेख किया है।^३

निरयावलियाओ

नाम-बोध

प्रस्तुत आगम एक श्रुतस्कन्ध है। इस का प्राचीनतम नाम उपांग प्रतीत होता है। जम्बूस्वामी ने उपांग का क्या अर्थ है, यह प्रश्न पूछा। सुधर्मा स्वामी ने इसके उत्तर में कहा—उपांग के पांच वर्ग हैं—निरयावलिका, कल्पावर्तसिका, पुष्पिका, पुष्पचूलिका, वृष्णिदशा।^४

‘उपांग’ शब्द का बहुवचन में प्रयोग किया गया है। उपांग पांच वर्गों का एक श्रुतस्कन्ध है। इसलिए संभवतः बहुवचन का प्रयोग किया गया है। इसका मूल अंग कौन-सा है, इसके बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं है। वर्तमान में प्रस्तुत श्रुतस्कन्ध के लिए ‘उपांग’ शब्द प्रचलित नहीं है। अभी ‘उपांग’ शब्द के द्वारा बारह आगमों का संग्रहण है।

‘नन्दी’ सूत्र की आगमसूची में ‘उपांग’ शब्द का उल्लेख नहीं है। वहां ‘निरयावलिया’ आदि पांचों स्वतंत्र आगम के रूप में उल्लिखित हैं। अनुमान किया जा सकता है कि ‘नन्दी’ सूत्र की रचना के उत्तरकाल में पांचों आगमों की एक श्रुतस्कन्ध के रूप में व्यवस्था की गई और श्रुतस्कन्ध का नाम ‘उपांग’ रखा गया। प्रो० विन्टरनिट्ज के अनुसार ये पांचों आगम निरयावलिका के नाम से प्रसिद्ध थे। अंग और उपांग की व्यवस्था के समय से वे अलग-अलग गिने जाने लगे।^५

‘निरयावलिया’ का दूसरा नाम ‘कल्पिका’ मिलता है। नन्दी के कुछ आदर्शों में वह उपलब्ध है। आचार्य हरिभद्रसूरि और आचार्य मलयगिरि ने नन्दी की वृत्ति में ‘कल्पिका’ का ही उल्लेख किया है।^६ यह संभावना की जा सकती है कि ‘उवंगा’ के प्रथम वर्ग का नाम ‘कल्पिका’ था, किन्तु नरक-परिणाम वाले कर्मों का वर्णन होने के कारण इसका दूसरा नाम ‘निरयावलिका’ रख दिया गया। इस प्रकार प्रथम वर्ग के दो नाम हो गए—निरयावलिका और कल्पिका।

विषय-वस्तु

निरयावलिका श्रुतस्कन्ध का प्रतिपाद्य विषय है—शुभ-अशुभ आचरण, शुभ-अशुभ कर्म और उनका विपाक।

१. आवश्यक निर्युक्ति, गाथा ८५

२. सूर्यप्रज्ञप्ति, वृत्ति पत्र, १, गाथा ५—

अस्या निर्युक्तिरभूत् पूर्वं श्रीभद्रबाहुसूरिकृता।

कलिदोषात् साऽनेशद्, व्याचक्षे केवलं सूत्रम् ॥

३. सूर्यप्रज्ञप्ति, वृ० प० १६८—“तदेवं यथा पूर्वाचार्यैरिदमेव पर्वसूत्रमवलम्ब्य पर्वविषयं व्याख्यानं कृतं तथा मया विनेयजनानुग्रहाय स्वमत्यनुसारेणोपदर्शितम्।”

४. निरयावलियाओ १।४, ५

५. History of Indian Literature, Second edition, Vol II PP. 457-458

६. नन्दी, सूत्र ७८

प्रथम वर्ग में चेटक और कोणिक के भयंकर युद्ध का वर्णन है। इसका उल्लेख भगवती^१ और आवश्यक चूर्ण^२ में भी मिलता है। बौद्ध साहित्य में भी इस युद्ध का उल्लेख मिलता है। यह आश्चर्य का विषय है कि इतिहास में इस युद्ध का कोई उल्लेख नहीं है।

युद्ध आत्मरक्षा से लिए अनिवार्य हो सकता है। उस हिंसा को एक गृहस्थ के लिए आवश्यक कहा जा सकता है। फिर भी हिंसा हिंसा है, उसे अहिंसा नहीं माना जा सकता। प्रस्तुत वर्ग में यह युद्धविरोधी स्वर उभरकर सामने आया है और वह युद्ध को धार्मिक रूप देने के प्रतिपक्ष में एक सशक्त उद्घोष है।

दूसरे वर्ग में धर्म की आराधना करने वाले श्रेणिक के दस पौत्रों की सद्गति का वर्णन है। तीसरे वर्ग में संयम और सम्यक्त्व की आराधना और विराधना का प्रतिपादन है। चौथे वर्ग में पार्वनाथ की दश शिष्याओं का निरूपण है। पांचवें वर्ग में वृष्णि-वंश के बारह राजकुमारों की चारित्र-आराधना और 'सर्वार्थसिद्धि' में उत्पत्ति का निरूपण है।

इस प्रकार इस लघुकाय उपांग या निरयावलिका श्रुतस्कन्ध में अनेक हृदयपूर्ण एवं महत्त्वपूर्ण विषयों का प्रतिपादन हुआ है।

रचनाकार और रचनाकाल

प्रस्तुत श्रुतस्कन्ध के रचनाकार और रचनाकाल के बारे में कोई निश्चित जानकारी प्राप्त नहीं है। यह अंगबाह्य श्रुतस्कन्ध है। इससे यह निश्चित है कि यह किसी स्थविर की रचना है। इसमें भगवती, ज्ञाता, उपासकदशा, औपपातिक और राजप्रश्नीय से संबंधित विषयों की चर्चा मिलती है। किन्तु इस आधार पर रचनाकाल का निर्णय नहीं किया जा सकता। आगमसूत्रों के व्यवस्थाकाल में पूर्ववर्ती आगमों में उत्तरवर्ती आगमों के नाम उल्लिखित किए गए हैं, अतः वे रचनाकाल के पूर्वोपर्य के निर्णायक नहीं बनते।

व्याख्या-ग्रन्थ

प्रस्तुत श्रुतस्कन्ध पर एक संस्कृत व्याख्या उपलब्ध है। विक्रम संवत् १२२५ में श्री चन्द्रसूरि ने इसकी व्याख्या लिखी थी। वह बहुत संक्षिप्त है। मुनि धर्मसी (धर्मसिंह) ने इस पर गुजराती में एक टब्बा (स्तबक) लिखा था।

कार्य-संपूर्ति

प्रस्तुत ग्रन्थ के संपादन का बहुत कुछ श्रेय युवाचार्य महाप्रज्ञ को है, क्योंकि इस कार्य में अहर्निश वे जिस भजोयोग से लगे हैं, उसी से यह कार्य संपन्न हो सका है, अन्यथा यह गुरुतर कार्य बड़ा दुरूह होता। इनकी वृत्ति मूलतः योगनिष्ठ होने से मन की एकाग्रता सहज बनी रहती है। सहज ही आगम का कार्य करते-करते अन्तरहस्य पकड़ने में इनकी मेधा काफी पंती हो गई है। विनयशीलता, श्रमपरायणता, और गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण-भाव ने इनकी प्रगति में बड़ा सहयोग दिया है। यह वृत्ति इनकी बचपन से ही है। जब से मेरे पास आए, मैंने इनकी इस वृत्ति में क्रमशः वर्धमानता ही पाई है। इनकी कार्यक्षमता और कर्तव्यपरता ने मुझे बहुत संतोष दिया है।

१. भगवती, ७।१७३, २१०

२. आवश्यकचूर्ण, भाग २, पृ० १७४

मैंने अपने संघ के ऐसे शिष्य साधु-साधवियों के बलबूते पर ही आगम के इस गुरुतर कार्य को उठाया था ।

प्रस्तुत भागों के पाठ-संशोधन में अनेक मुनियों का योग रहा । उन सबको मैं आशीर्वाद देता हूँ कि उनकी कार्यजा शक्ति और अधिक विकसित हो ।

यह बृहत् कार्य सम्यग् रूप से सम्पन्न हो सका, इसका मुझे परम हर्ष है ।

—आचार्य तुलसी

अणुवत भवन (नई दिल्ली)

२२ अक्टूबर, १९८७

Editorial

The present volume consists of nine āgamas :—1. Paṇṇavaṇā, 2. Jambuddīva-panṇattī, 3. Candapanṇattī, 4. Sūrapanṇattī, 5. Nirayāvaliyāo, 6. Kappavaḍḍim-siyāo, 7. Pupphiyāo, 8. Pupphacūliyāo, and 9. Vaṇhidasāo.

The upāṅgas are twelve in number. Three upāṅgas have already been included in the 'Uvaṅgasuttāṇi', Part 4, Volume I. The original text of the remaining nine upāṅgas, with variant readings, has been incorporated in the present volume. The word-index of Aṅgasuttāṇi has already been published as a separate book (Āgama-śabda-kośa). To provide convenience to readers as well as the research scholars a joint word-index of the above-mentioned nine āgamas is appended in this volume.

With the publication of this volume, the publication work of all the 32 canons is now over. This Āgama-sūtra series at present contains seven volumes as under :—

1. *Aṅgasuttāṇi*, Part I :
Āyāro, Sūyagaḍo, Thāṇam, Samavāo.
2. *Aṅgasuttāṇi*, Part II :
Bhagavaī.
3. *Āṅgasuttāṇi*, Part III :
Nāyādhammakahāo, Uvāsagadasāo, Antagaḍadasāo, Aṇuttarovavāiyadasāo, Paṇhāvāgaraṇāim, Vivāgasuyam.
4. *Uvaṅgasuttāṇi*, Part IV, Volume I :
Ovāiyam, Rāyapaseṇiyam, Jivājīvabhigame.
5. *Uvaṅgasuttāṇi*, Part IV, Volume II :
Paṇṇavaṇā, Jambuddīvapanṇattī, Candapanṇattī, Sūrapanṇattī, Nirayāvaliyāo, Kappavaḍḍim-siyāo, Pupphiyāo, Pupphacūliyāo, Vaṇhidasāo.
6. *Navasuttāṇi*, Part V :
Āvassayam, Dasaveāliyam, Uttarajjhayanāṇi, Nandī, Aṇuogadārāim, Dasāo, Kappo, Vavahāro, Nisīhajjhayaṇam.
7. *Āgama Śabda Kośa* (Aṅgasuttāṇi Śabdasūcī).

Under this series of original texts, the work of editing the other canons too is in progress. They are likely to contain *prakīṇaka*, *niryukti* and *bhāṣya*.

On Mahāvīra Jayantī of 2012 Vikram Saṁvat (1955 A.D.), Ācāryaśrī

declared his intention to edit the āgamas, and the assignment was taken up in the caturmāsa of the same year. Many obstacles were faced in the work of editing for want of the correct versions. Consequently we thought of correcting the text to begin with. The work was actually started in 2014 V.S. (1957 A.D.) and brought to completion in 2037 V.S. (1980 A.D.) as follows :—

Dasaveāliyam	Vikram Saṁvat	2014
Uttarajjhayaṇṇī	„	2016
Nandī, Aṇuogadārāim	„	2018
Ovāiyam, Rāyapaseṇiyam	„	2018
Thāṇam	„	2018
Samavāo	„	2018
Sūyagaḍo	„	2019
Nāyādhammakahāo	„	2020
Āyāro, Āyāracūlā	„	2022
Uvāsagadasāo, Antagaḍadasāo	„	2026
Anuttarovavāiyadasāo	„	2026
Vipāka	„	2028
Paṇhāvāgaraṇṇāim	„	2028
Nirayāvaliyāo	„	2029
Bhagavaī	„	2030
Paṇṇavaṇā	„	2031
Dasāo, Pajjosavaṇākkappo	„	2032
Kappo	„	2033
Vavahāro	„	2033
Jivājivābhigame	„	2034
Jambuddīva paṇṇattī	„	2035
Nisīhājjhayaṇṇam	„	2035
Candapaṇṇattī, Sūrapaṇṇattī	„	2037

It is well known to all working in this field that editing is the most difficult job, specially when the texts to be edited are separated by a gap of several millennia in respect of language, style and thought. It is unexceptionally true that a thought or a custom does not continue in its original shape through the ages. It invariably expands or contracts. The story of expansion and contraction is the story of change. 'What is made up' is necessarily amenable to change. The insistence on the eternity of events, facts, thoughts and customs that are subject to change leads one to untruth and false imagination. The truth is 'what is made up' is necessarily transient. Whether 'made up' or 'eternal', it must needs be susceptible of change. Whatever there is must be of a nature that is not absolutely divorced from the stream of eternity and change.

It is possible that an idea or truth expressed by a particular word is capable

of being expressed with its original connotation at all times? The semantic change is a necessary phenomenon and so no one with a knowledge of linguistics will insist that a word continues to have the same connotation through a period of two thousand years. For example, the expression *pāṣaṇḍa* has not the same meaning in modern *bramaṇic* literature as it had in the times of the *Āgamas* and Ashoka's inscriptions. It has acquired a derogatory nuance. Hundreds of words in the ancient *Āgama* literature have shared the same fate. Under the circumstances, any thoughtful person will appreciate the difficulties in the task of an editor of ancient literature.

Self-confidence is an innate virtue of human beings who take great pride in the exercise of their courage, and do not shirk from responsibility however arduous. Were escapism a human virtue, not only the achievement of any enduring value would have been impossible, but whatever had been achieved in the past would have been lost at any time. About a millennium ago, Abhayadevasūri, the great commentator of the nine *Āngas* was confronted with a great many obstacles which he had detailed as follows :

- (i) Absence of authentic tradition (*sampradāya*, about the meaning of the texts).
- (ii) Lack of authentic ratiocination (*ūhā*).
- (iii) Conflicting modes of recitation (*vācanā*).
- (iv) Vitiating manuscripts.
- (v) Unfathomable depth of the *sūtras*.
- (vi) Differences of opinion (about the readings and the meaning).

In spite of all these difficulties and hurdles, he did not draw back from the Herculean task, but on the contrary achieved something that was of a permanent value.

Even today the difficulties are not fewer, but as the work of editing has been taken up by Ācāryaśrī Tulsī himself, the task has acquired a new dimension. Any programme that is undertaken by him opens up new vistas, what to speak of the editing of the canonical literature which is by itself full of new possibilities. What is most conspicuous is that Ācāryaśrī has infused life in the programme through me and my colleagues, monks and nuns, who were quite tyros in the field. Not only are his inarticulate blessings with us but also his concrete guidance and active co-operation are always available to us. He has given priority to the work and devoted plenty of time to it. Under his direction, deliberative counsel and encouragement, we could solve the problems, however formidable, that cropped up from time to time in the course of our difficult enterprise.

Procedure adopted in editing the text

Paṇṇavaṇā

In editing the text of Prajñāpana, four Ms. ādarśas were consulted, Ācārya Malayagiri's Ṛtti was also used for this purpose. Muni Puṇyavijaya's edition was also before us. But we do not take for granted a single particular edition or manuscript for our work. The important basic points for us are the critical exposition of the commentary, other parallel āgamic texts and the meanings of words. Accordingly, the reader will find many a deliberation in our edition for the purpose of arriving at correct readings. For example, take the word "gaṅṭhī" in 'vatthula kacchula sevāḥa gaṅṭhī'. Here 'gaṅṭhī' is incorrect. The correct version should be 'gatthī'. We have come across the reading 'gaṅṭhī' alone in all the available manuscripts as also in the āgamas edited by Muni Puṇyavijaya. This reading has been revised on the basis of Jīvājjīvābhigama and Jambūdvīpaprajñapti. Please refer to the footnote of 1/38 of this āgama.

Another instance is 'tiṭṭhāṇavaḍite', in place of which some ādarśas contain the reading as "cauṭṭhāṇavaḍite", and Muni Puṇyavijaya too has accepted the latter reading. But on the basis of the Ṛtti, we have preferred 'tiṭṭhāṇavaḍite', which is endorsed by the ṛtti of Paṇṇavaṇā, 5/115,116. Please refer to Prajñāpanā Ṛtti patra 195-196 as also the footnote of Paṇṇavaṇā, 5/115.

Jambūdvīpaprajñapti

Seven different texts and three commentaries were consulted in the revision of the text. We find many variant readings and notes thereon in the ṛttis of Upādhyāya Śāntīcandra and Hīravijaya. Please refer to the footnote of 4/159. This āgama abounds in variant readings. Upādhyāya Śāntīcandra has described in detail the variant readings, as is evident from the footnote of 2/12. At other

1. Śāntīcandriyavṛtti, patra 87 :

Variation of text—vācanābhedastadgatapariṇāmāntaramāha—mū e dvādaśa yojanāni viṣkambhena madhyeṣṭayojanāni viṣkambhena upari catvāri yojanāni viṣkambhena, atrāpi viṣkambhāyāmataḥ sādhiḥkatriguṇaṃ mūlamadhyāntaparidhimānaṃ sūtroktaṃ subodham. atrāha paraḥ—ekasya vastuno viṣkambhādīparimāṇe dvairupyāsambhavena prastutagranthasya ca sātīśayasthavirapranītatvena katham nānyataranirṇayaḥ ? yadekasyāpi ṣabhaḥkūṭaparvatasya mūlādāvaṣṭādiyojanavistṛtatvādi punastraivāsya dvādaśādiyojanavistṛtatvādīti, satyam. jinabhaṭṭārakaṇaṃ sarveṣāṃ kṣāyikajñānavatāmekameva matam mūlataḥ paścātu kālāntareṇa vismṛtyādīna'yam vācanābhedatḥ, yaduktam śrīmalajagirisūribhirjyotiṣkaraṇḍakavṛttau—“iha skandilācārya pravṛ (tipa)ttau duṣṣamānubhāvato durbhikṣappravṛttā sādḥnām paṭhanaguṇanādikam sarvamapyaneṣat, tato durbhikṣātikrame subhikṣappravṛttā dvayoh saṅghamelāpako' bhavat, tadyathā—eko valabhyāmeko mathurāyām, tatra ca sūtrārthasamghaṭane parasparerḡ vācanābhedo jātaḥ, vismṛtyorhi sūtrārthayoh smṛtvā saṅghaṭane bhavatyavaśyam vācanābhedo” ityādi, tato'trāpi duṣkaro'nyataranirṇayaḥ dvayoh pakṣayorupasthitayoranatīśāyi—jñānibhīranabhinivīṣamatibhiḥ pravacaṇāśātanābhīrubhiḥ puṇyapurūṣairīti na kācidanupa-pattiḥ.

places we come across incorrect explanation due to faulty text, as is given in footnote 4/49.

Candraprajñapti and Sūryaprajñapti

In order to revise the text, we consulted five manuscripts and the vṛttis of these āgamas. We rarely depended on a particular ādarśa.

The complete text of Candraprajñapti is not available. Its variation from Sūryaprajñapti has been given in an Appendix. We come across some manuscripts which have passed for Candraprajñapti. Their variant readings are contained in the footnotes of Sūryaprajñapti.

Nirayāvalikā

Three manuscripts and the Vṛtti by Śrīcandrasūri have been consulted in revising the text of the five chapters of Nirayāvalikā.

Transformation of Words and Metamorphosis

PAṆNAVAṆĀ

1/14	bendiya°	beindiya	(ka, kha)
1/14	tendiya°	teindiya	(kha)
1/23	osā	ussā	(ka, ga)
1/29	vāyamaṇḍaliyā	vāumaṇḍaliyā	(ka)
1/35	aṅkolla	aṅkulla	(gha)
1/38	koranṭaya	korinṭaya	(ka)
		korenṭa	(gha)
1/48/47	balimoḍao	palimoḍao	(ka, gha)
1/93/4	vībhayaṁ	vīyabhayam	(ka, gha)
2/10	paḍiṇa	payiṇa	(ka)
		paṇiṇa	(kha, ga, gha)
2/13	taḍāgesu	talāgesu	(ka)
2/40	covaṭṭhiṁ	cosaṭṭhim	(ka)
3/1	visesāhiyā	visesādhiyā	(gha, pu)
3/7	dāhineṇaṁ	dakkhiṇeṇam	(ka, kha, gha)
3/102	vibhaṅgaṇāṇiṇa	vihaṅgaṇāṇiṇa	(ka, ga, gha)
3/127	ahelo	aholoe	(ga)
		adhelo	(gha)
3/174	assātā°	aśātā°	(kha, ga)
3/182	jahā	jadhā	(kha, gha)
3/183	sakasāi	sakasādī	(ka)
4/255	egūṇavīsaṁ	ekūṇavīsam	(ka, gha)
		ekkūṇavīsam	(kha)
4/275	paṇuvīsaṁ	pañcavīsaṁ	(kha, gha)

5/5	jadi	paṇavīsam jai gati	(ga) (kha, ga, gha) (pu)
5/5	mahura°	madhur°	(ka, kha)
5/5	abbhahie	abbhaie abbhatie	(ka) (pu)
5/7	°vaḍie	°paḍie	(ka)
5/101	maṇusse	maṇūse	(ka, kha, gha)
5/179	vaḍḍhijjanti	vuḍḍhijjanti	(ka, ga, gha)
5/242	eeṇaṭṭheṇam	eṇaṭṭheṇam	(ka, kha)
6/46	abhiḷāvo	ahiḷāo	(kha, gha)
8/8	osaṇṇa°	ussaṇṇa°	(ka)
11/6	°āṇamaṇī	°āṇavaṇī	(kha, ga, gha)
11/21	vage	vige	(ka, kha, ga, gha)
11/25	sayaṇam	sataṇam	(ka)
11/30	sarīrapahavā	saḥṛappabhavā	(ka, kha, ga, gha)
11/37	voyaḍa avvoyaḍā	vogaḍa avvogaḍā	(ka)
11/37	āṇamaṇī	yāṇamaṇī	(gha)
11/72	parivaḍḍhamāṇāim	parivaḍḍhemāṇāim	(kha, gha)
11/75	kadalīṭhambhāṇa	kadalīkhambhāṇa	(ga)
11/84	ṇisarati	ṇissarati ṇissirati nisarati	(kha) (ga) (gha)
11/88	bitiyam	bīyam	(ka, ga)
11/88	bhāsajjāyam	bhāsajāya	(ga)
12/7	baddhellaḷyā mukkellaḷyā	baddhillayā mukkillayā	(ka, kha, ga, gha)
12/7	osappiṇīhi	avasappiṇīhi	(ga)
13/8	aṇāgāro°	aṇāyāro°	(ka, kha)
15/35	ṇaggoḥa°	ṇiggoḥa°	(ga)
15/35	sādī	sātī	(pu)
15/50	pehamāṇe pehati	pehemāṇe peheti	(ga)
15/53	°thiggale	°thiggile	(kha)
15/58	°ovacaye	°ovacate	(kha, gha)
16/15	ahavege	ahavete	(ka, kha)
16/34	paccatṭhīmillam	pacchimillam	(pu)
16/51	āyariyam	āyaritam	(ka)
16/54	seyansi	seinsi	(ka, ga)
16/55	māluṅgāṇa	mātuliṅgāṇa	(ga)
16/55	tinduyāṇa	tiṇḍuyāṇa	(ga)
17/24	iṇaṭṭhe	iṇamaṭṭhe	(ka)

		tiṇaṭṭhe	(kha, gha)
17/106	samabhiloemāṇe	samabhihotemāṇe	(ka)
17/119	kiṇha°	kaṇha°	(ka, gha)
17/124	haladhara°	halahara°	(ka, ga, gha)
17/125	kairasāre	kayarasārae	(kha, ga,
		katarasārae	(gha)
17/126	bāḷindagove	bāḷendagope	(ga)
17/128	°balāhae	°balāhate	(gha)
17/132	apikkāṇam	apakkāṇam	(ka, kha, gha)
17/150	āgārabhāvamātāe	āgārabhāvamāyāe	(ka, ga)
18/1	vede	vee	(ka, ga,
		vete	(kha, gha)
18/56	vaijogī	vayajogī	(kha, gha, pu)
18/64	sakasāi	saka sādī	(ka)
		sakasāi	(gha)
20/28	savaṇatāe	savaṇayāte	(kha)
21/25	sūi°	sūyi°	(ka, gha)
21/47	dhaṇupuhattam	dhaṇuhapuhattam	(kha)
21/92	sagāim	sagāti	(ka, gha)
		sayāim	(ga)
23/3	ṇiyacchati	nigacchati	(ka, gha)
		niggacchati	(ka)
23/13	kaḍassa	katassa	(ka, gha)
		kayassa	(kha, ga)
23/22	ṇiyāgoyassa	ṇitāgotassa	(ka, gha)
23/191	khavae	khamae	(kha)
28/44	aphāsāijja°	apphāsāijja°	(ka, gha)
33/1	apaḍivāi	apaḍivādī	(ka, gha)
33/17	sagāim	satāim	(ka, gha)
		sayātim	(kha)
34/1	pariyāianayā	pariyādinayā	(kha)
		pariyāyanayā	(ka, ga)
34/6	jāṇanti	yāṇanti	(ka, kha, ga, gha)
34/15	sapariyārā	sapariicārā	(kha, ga)
JAMBUDDĪVAPAṆṆATTĪ			
1/8	vicchiṇṇā	vitthiṇṇā	(a, kha)
1/18	°ṇauya°	°ṇaota°	(a, ka, ba)
1/23	dhaṇupaṭṭham	dhaṇuvaṭṭham	(a)
		dhaṇupaṭṭham	(kha)
1/26	°paḍoyāre	°paḍogāre	(tri, ba)
1/28	pāsīm	passīm	(a, tri, ba)
1/48	duhā	dudhā	(kha, sa)

2/4	haṭṭhassa	hiṭṭhassa	(ka, kha)
2/4	udū	uḍū	(tri)
		ūu	(pa)
2/14	°paḍoyāre	°paḍokāre	(ba)
2/15	meiṇi	metiṇi	(tri, ba)
2/20	ittha	yattha	(a, ba)
		ettha	(ka, kha, sa)
2/32	kaḥaga	kadhaka	(a, kha, ba)
2/70	°hāsa	hassa	(a, kha, ba)
2/78	vākaremaṇāṇam	vāgaramāṇāṇam	(pa)
2/131	hāhābhūe	hāhābbhūte	(a, ka, kha, ba, sa)
2/133	valīvigaya	palīvigaya	(a)
2/133	ṭolākiti	ḍolākiti	(a)
		ḍolāgiti	(ka, kha)
		ṭolāgitti	(tri, sa)
		ṭolagati	(pa)
2/133	sīuṇha	sīyaṇha	(ka, kha, tri, ba, sa)
3/3	jūva	jūya	(ka, kha, pa, sa)
3/11	pausiyāo	vausiyāo	(ka, kha, pa, sa)
3/11	babbarī	papparī	(a, ba)
3/11	bahali	pahali	(a, ba)
3/11	°kaḍucchuya°	°kaḍicchuya°	(kha)
		°kaḍecchuya	(a, ba, sa)
3/20	duruhai	druhahi	(a, ba)
3/20	bambhayārī	paṁhacārī	(a, tri, ba)
3/21	durūḍhe	rūḍhe	(a)
		druḍhe	(ba)
3/22	bola	pola	(a, ba)
3/23	°bālacanda	°bālayanda	(sa)
3/24	°tuṇḍam	°tonḍam	(ka, pa, sa)
3/26	antavāle	antapāle	(a, tri, ba)
		antevāle	(ka, kha)
3/35	°paṭṭasaṅgahiya	°vaṭṭasaṅgahiya	(a, ba)
3/35	°khiṅkhiṇī°	°kiṅkiṇī°	(ka, kha, sa)
3/35	ayojjham	ajojjham	(a, ba)
		aojjham	(ka, kha, pa, sa)
		avojjham	(tri)
3/35	soyāmaṇi	sotāmaṇi	(ka)
		sodāmaṇi	(kha, sa)
3/35	°ppagāsam°	°ppakāsam	(a, ka, kha, tri, ba, sa)
3/35	vīsutam	vissuttam	(ka, sa)

3/77	°cindhapaṭṭe	°cindhavaṭṭe	(ba)
3/117	°mirīḥ°	°marīḥ°	(tri)
3/117	uūṇa	udūṇa	(a, kha, ba)
		ridūṇa	(ka, sa)
3/138	°hidaya°	°hiyaya°	(a, tri, pa, ba)
		°hitaya°	(ka, sa)
		°hadaya°	(kha)
3/178	°nihi°	°nihito	(a, tri, ba)
		°nihao	(kha, sa)
3/194	abhiseyapīḍham	abhiseyapeḍham	(a, ba)
3/211	ganthim	ganṭhim	(tri, pa)
3/214	tisovāṇa°	tisomāṇa°	(a, ba)
3/220	kāgaṇi	kākini°	(a)
		kāgiṇi°	(b)
		kākaṇi°	(sa)
3/221	puvvakaya°	puvvakaḍa°	(ka, sa)
3/223	ihāpoha	ihāpūha	(a, ka, kha, sa)
		ihāvūha	(pu, vṛ)
4/36	bāvaṭṭhim	bāsaṭṭhim	(pa)
4/54	hrassatarāe	hassatarāe	(pa)
4/55	dakkhiṇeṇam	dāhiṇeṇam	(tri)
4/77	harivāsam	harivassam	(a, pa, ba)
4/85	saṅkhatala°	saṅkhadala°	(pa, sāvṛ, puvṛpā)
4/86	bāyāle	pāyāle	(a, ba)
		bāyāliṣe	(tri)
4/87	ṇisahassa	ṇisaassa	(a, ba)
4/91	sītodā	sītōṭā	(a, ba)
		sītōḍā	(tri)
		sītōā	(pa)
4/93	viuttare	piuttare	(ba)
4/96	ṇisaḍha°	ṇisabha°	(a, ba)
		ṇisaha°	(ka, kha, sa)
4/102	hemavaya-heraṇṇavaya	hemavaeraṇṇavaya	(ka, kha, ba, sa)
		hemavaya eraṇṇavaya	(tri)
4/103	ṇilavantassa	ṇelavantassa	(a, ka, kha, ba, sa)
4/109	saṇiccārī	saṇimccārī	(pa)
4/140	uvavāyasabhāe	otāvasabhāe	(ka)
4/140	jamagāo	javagāo	(a, ba)
		jamigāo	(kha)
4/142	dasa	daha	(a, ka, kha, ba, sa)
4/157	ṇiyayā	ṇitiyā	(a, ka, kha, tri, ba, sa)

4/180	parupparanti	paropparanti	(a, tri, ba)
4/210	sayañjala°	sayañjala°	(tri)
4/231	palāso	valāsa	(ba)
5/25	ghanṭāpaḍensuyā°	ghanṭāpaḍensukā°	(a, ba)
		ghanṭāpaḍinsukā°	(ka, kha)
		ghanṭāpaḍissuyā°	(tri)
		ghanṭāpaḍansuyā°	(sa)
5/58	gāyāim	gattāim	(ka, kha)
		gatāim	(ba)
5/58	janṇu°	jāṇu°	(tri)
7/31	uddhīmuha°	uddharīmuha	(a, ba)
		uddhīmuha°	(ka, kha, pa)
7/122	bhāviyappā	bhāviyāyā	(kha)
7/126	abhijjāiyā	abhijidāiyā	(a, ba)
		abhijādiyā	(ka, sa)
		abhijādiyā	(kha)
7/128	savaṇo	samaṇe	(a, ba)
8/128	miyasara°	magasira°	(ba)
7/129	abhīi	abhitī	(a, ba, sa)
		abivī	(ka, kha)
7/130	vahassaī	pahassatī	(a, ba)
		vahappaī	(tri)
7/155	kattigī	kattikī	(a)
		kittikī	(kha, ba)
		kittigī	(sa)
7/159	assinī	āsinī	(ba)
7/178	ṇaṅgūlāṇam	lāṅgūlāṇam	(pa)
SŪRAPANṆATTI			
2/3	ihagatassa	idagatassa	(ga, gha)
2/3	cauruttare	cauttare	(ṭa)
4/3	pihulā	pidhulā	(ka)
		puhulo	(ṭa)
6/1	poggalā	puggalā	(ka, ga, gha)
6/1	oyasanṭhitī	totasanṭhitī	(ṭa, va)
6/1	oyāe	otāe	(ṭa)
6/1	rayaṇikhettassa	rataṇikhettassa	(ka, ga, gha)
		rātikhettassa	(ṭa)
8/1	sadā	satā	(ga, gha, ṭa, va)
9/3	vayam...vadāmo	vatam...vatāmo	(va)
10/2	savaṇe	samaṇo	(ga, gha)
10/5	sāyam	sāgam	(va)

10/7	āsoī	assotī	(va)
10/10	asoṇṇam	assodṇṇam	(ga, gha)
10/77	ādiccehim	āticcehim	(va)
10/78	baṁha°	bambha°	(ka, ga, gha)
10/79	savaṇe	samaṇe	(ta, va)
10/87	bitiyā°	bidiyā°	(ka, gha)
10/89	duvihā tihī	duvidhā tidhī	(ka)
10/136	pāto	pādo	(ka, gha, va)
10/147	uvaiṇāvettā	uvādiṇāvettā	(ka, ga, gha)
		uvātiṇāvettā	(ta, ba)
10/173	sayāvi	satāvi	(ka, ga, gha, va)
		sadāvi	(ga)
14/2	kaham	kadham	(ka, ga, gha)
15/31	ahiyam	adhiyam	(ka, ga, gha)
		ahitam	(ta)
18/34	mehuṇavattiyam	medhuṇavattiyam	(ka, ga, gha)
20/1	ahe	adho	(ka)
20/2	vaiyarie	vaticarie	(ta)

NIRAYĀVALIYĀO

1/42	aṇṇayā	aṇṇadā	(ka)
		aṇṇatā	(kha)
1/66	jaṇavadam	jaṇavayam	(kha)
1/72	ūsae	ūsave	(kha)
1/91	piisoṇam	pitasoṇam	(kha)
1/97	paṭṭhe	ppitṭhe	(ka)
		puṭṭhe	(ga)
1/97	andoḷāvei	andoḷāvei	(ka)
1/117	nicchuhāvei	nicchubhāvei	(ka)
1/127	lecchai	lecchatī	(ka)
3/115	suvvayāo	suvvadāo	(ka)
3/134	juyalam	juvalam	(kha)
		jugalam	(ga)
4/19	iṭṭhā	tiṭṭhā	(ka)
4/21	°bāosiyā	°pāosiyā	(ka, ga)
5/6	savvouya	savvodūya	(ka, ga)
5/10	āhevaccam	ādhevaccam	(kha)

DESCRIPTION OF MANUSCRIPTS AND PRINTED VERSIONS

PAṆṆAVANĀ

(ॐ) PAṆṆAVANĀ Text (manuscript)

Place

Punamchand Budhmal Dudhoria, Chhāpar.

Size	10½" x 4½"
No. of folios	302 patras
Lines per page	11
No. of letters per line	33 to 41
Script	Most beautiful and correct.
Special information	It belongs to 15th century approximately. It ends only with the mention of granthāgra 7787.
(ख) PANNAVANĀ Ṭabbā (Manuscript)	
Place	Ms. Section, JVB Library, Ladnun.
Size	9½" x 4"
No. of folios	465 patras
Lines per page	7
No. of letters per line	35 to 39
Script	Beautiful
Colophon	"Pratyakaṣaragaṇanayā anuṣṭhapacchandaḥ samānamidaṁ granthāgram 7787 pramānam". Six verses of stabaka :— "Samvat 1778 varṣe phālguna māse śuklapakṣe pratipadā tithau ravivāre pañḍita īsvareṇa lipī cakre śrī vennātaṭa nagara madhye" "śrīrastu kalyānamastu : śubham bhūyāllekhakapāṭhakayoḥ."
Special Information	It contains the text and stabaka.
(ग) Ms. PANNAVANĀ TRIPĀṬHĪ with Text and Vṛtti	
Place	Order's Ms. Grantha Bhaṇḍāra, Ladnun,
Size	9¾" x 4½"
No. of folios	448 patras
Lines per page	1 to 16
No. of letters per line	37 to 45
Special Information	Text is given in the middle, with vṛtti up and down. Some pages have vṛtti alone. Granthāgra of text is 7787 and that of vṛtti is 16000. The Ms. is beautiful and faultless. It must belong to 17th cen. approximately.
(घ) PANNAVANĀ Text (Manuscript)	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
Size	13½" x 5"

No. of folios	138 patras.
Lines per page	15
No. of letters per line	60 to 65
Script	Beautiful and correct.
Special Information	Every patra is illustrated in the middle and out of the margin too. It appears to belong to 16th cen. Nothing else is mentioned at the end except 'granthāgram 7787'.
(गवृ)	Variations of Vṛtti written in Ms. bearing ग sign.
(वृ)	Vṛtti (Manuscript)
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
No. of folios	159 patras.
Special Information	Manuscript, Scribing year 1577, Vaiśākha Śukla 10
(मवृपा)	Variation as approved by Malayagiri.
(हवृ)	Compiled with 'Pradeśa' commentary by Harībhadrā sūri'. Publisher—Shri Ṛṣabhadeva Keśarīmal, Ratlam, Part I; verses 11

JAMBUDDĪVAPANNATTĪ

(अ)	Jambuddīvapaṇṇattī Text (Manuscript)
Place	Palm-leaf (photoprint) Ms. of Jaisalmer. Bhaṇḍāra, belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar.
No. of folios & pages	164, 328
Lines per page	2 to 6
No. of letters per line	30 to 35
Special Information	Some of the lines are incomplete. The Ms. ends only with the mention of Granthāgra 4146. It must be belonging to 14th century in view of its accompanying ms.
(ब)	Jambuddīvapaṇṇattī Text (Manuscript)
Place	Palm-leaf (Photoprint) Ms. belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar.
No. of folios & pages	97 and 194
Lines per page	2 to 6

- | | |
|------------------|-------------|
| Letters per line | 47 to 50 |
| Script year | Samvat 1378 |
- (स) Jambuddivapaṇṇattī Text (Manuscript)
- | | |
|-----------------------|--|
| Place | Palm-leaf (Photoprint) of Jaisalmer Bhaṇḍāra, belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar. |
| No. of folios & pages | 46 & 92 |
| Lines per page | 20 |
| Letters per lines | 70 to 74 |
| Script year | Samvat 1646 |
| Special Information | The size of letters is very small. |
- (क) Jambuddivapaṇṇattī Text (Manuscript)
- | | |
|---------------|--|
| Place | Śrīchand Ganeshdass Gadhैया Library, Sardarshahar. |
| No. of patras | 73 |
- (ख) Jambuddivapaṇṇattī Text (Manuscript)
- | | |
|-----------------------|--|
| Place | Ms. Section, JVB Library, Ladnun |
| No. of folios & pages | 101 & 202 |
| Lines per page | 13 |
| Letters per line | 50 to 55 |
| Special Information | Ms. is antiquated and beautifully scribed. Script year is not mentioned. |
- (ग) Jambuddivapaṇṇattī Tripāṭhī, Text and Vṛtti (Manuscript)
- | | |
|-----------------------|--|
| Place | Ms. Section, JVB Library, Ladnun. |
| No. of folios & pages | 358 & 716
Pages 69-70 missing. |
| Scribing year | Samvat 1913 |
| Special Information | Original text scribed in the middle, with commentary at top and bottom margin. Script beautifully written. |
- (ही वृ) Vṛtti Tripāṭhī by Hīravijaya Sūri (Manuscript)
- (हीवृपा) Variant readings as approved by Hīravijaya Sūri
- | | |
|----------------------|--|
| Place | Order's Library, Ladnun. |
| No. of patras | 582 |
| Scribing year | Samvat 1919 |
| Sepecial Information | Original text scribed in the middle and Vṛttī at top and bottom margin |
- (घ वृ) Vṛtti by Mahopādhyāya Puṅyasāgara, the disciple of Jinahansaganī of Kharataragaccha (Manuscript).

(पुष्पा) Variant readings as approved by Puṅyasāgara.

Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
No. of folios & pages	243 and 486
Scribing year	Samvat 1575
Special Information	Beautifully scribed.

(भा वृ) Vṛtti by Śāntyaċārya, the disciple of Hīravijaya Sūri of Tapāgaccha

Order (Manuscript).	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
Scribing year	Samvat 1551

(शावृपा) Variant readings as approved by Śāntyaċārya.

SŪRAPAṆṆATTĪ

(क) Sūrapaṇṇattī Text

Place	L. D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Serial No. of Ms.	Ḍā 2/57
Size	12 $\frac{3}{4}$ " x 5"
No. of folios	62 [The first leaf is missing].
Lines in each page	13
Letters in each line	48 to 70
Ink	Picture drawing in Green and Red ink in the centre of each page.
Scribing year	Not mentioned.
Special Information	It is beautiful and easily legible. It is a very antiquated Ms. belonging to about 17th century. It ends with 25 verses in Prakrit language.

(ग) Sūrapaṇṇattī, Original, No. 60 (Manuscript)

Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	10 $\frac{1}{4}$ " x 4 $\frac{1}{4}$ "
No. of patras	87
Line in each page	11
Letters in each line	33 to 41
Scribing year	Samvat 1570
Special Information	Script is beautiful, but abounds in mis- takes.

(घ) Sūrapaṇṇattī, Original, No. 607 (Manuscript)

Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	10" x 4"
No. of patras	66

Lines per page	13
Letters per line	34 to 42
Scribing year	Samvat 1673
Special Information	Beautiful script but abounds in mistakes.
(सूट्) Sūrapaṇṇattī, Commentary, No. 48.	
Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	12½" x 5"
No. of patras	224
Lines per page	13
Letters per line	44 to 60
Scribing year	Samvat 1574
Special Information	Script beautiful and distinct.

CANDRAPRAJÑAPTĪ

(क) Candapaṇṇattī Original No. 600 (Manuscript)	
Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	10½" x 4½"
No. of patras	68
Lines per page	11
Letters per line	32 to 41
Scribing year	Samvat 1570
Special Information	Beautiful script, but abounds in errors. A bāvaḍī in the middle of the page.
(चं वृ) Candapaṇṇattī Commentary (Manuscript)	
Place	Order's Ms. Library, Ladnun.
Size	10" x 4½"
No. of patras	179
Lines per page	6
Letters per line	about 50
Scribing year	Samvat 1762
Special Information	Script beautiful
(ट) Candapaṇṇattī Ṭabbā (Manuscript)	
Place	Ms. Section, JVB Library, Ladnun.
No. of patras	57

NIRAYĀVALIYĀO

(क) Nirayāvaliyāo Text (Manuscript)	
Place	Palm-leaf (Photoprint) copy of Jaisalmer Bhaṇḍāra, belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar.

No. of folios & pages	25 & 50. Nine patras are photoprinted. Each page contains photos of six pages. Somewhere it is less or more.
Size	12" x 3/4"
Lines per page	5 lines of the text. Some patra contains 2 or 3 lines also. Some lines are even incomplete.
Letters per line	45 to 50
Special Information	No colophon at the end.
(ख) Nirayāvaliyāo Text (Manuscript)	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
Size	13 1/2" x 5"
No. of folios & pages	19 & 38
Lines per page	15
Letters per line	71 to 75
Ink	Black colour. A bāvaḍī in the middle portion and a टीका in Red ink in its centre.
Scribing year	Not mentioned
Special Information	It should belong to 16th cen. approximately on the basis of the copy accompanying it.
(ग) Nirayāvaliyāo Ṭabbā (Manuscript)	
Place	Ms. Section, JVB Library, Ladnun.
No. of folios & pages	63 and 126
Lines per page	7
Letters per line	35 to 45
Size	10 1/2" x 4 1/2"
Scribing year	Samvat 1833
(घ) Nirayāvaliyāo Vṛtti (Manuscript)	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar
No. of patras	8
Size	13 1/2" x 5"
Scribing year	Samvat 1575
(मुद्र) Printed Vṛtti	
Editors	A.S. Gopani & V.J. Choksi
Publisher	Shambubhai J. Shah, Gurjar Granthratna Karyalaya, Gandhi Road, Ahmedabad.
Year of publication	1934 A.D.

Acknowledgement of Collaboration

The tradition of councils in Jainism is very old. As many as four councils had been held before the period that ended ere a millennium and a half from now. After the time of Devardhigani no well-organised council was held. The Āgamas committed to writing in his time were disorganised to a very great extent in this long interval. A fresh council was therefore a desideratum. Ācārya Śrī Tulsī made an attempt at holding a Comprehensive Consentaneous Council, but could not succeed. Ultimately we arrived at the view that our Council will serve the same purpose, if it was based on impartial research and complete dedication to the cause of truth. We started our work in accordance with this resolution.

The chief inspiration to this council is the Ācārya Śrī. The council is a deliberative assembly headed by an eminent personality who combines in himself a variety of functions, the chief among them being teaching and instruction, translation, investigation, critical study, sorting out correct reading and so on.

We enjoyed the active cooperation, guidance and encouragement in all these activities from the Ācārya Śrī. This indeed was our strength and support for undertaking such an arduous task.

Instead of feeling relieved of the burden by expressing my gratitude to the Ācārya Śrī, it would be better for me to feel more burdened by the support of his blessing for the future work and responsibility.

In editing the text of the nine upāṅgas in the present volume I received sufficient cooperation from Muni Sudarshanji and Muni Hiralalji.

In the work of ascertaining the readings in Paṇṇavaṇā and Nirayāvaliyāo, Muni Balchandji and Muni Madhukarji respectively offered assistance. In preparing the press copy, Late Mannalalji Borad also proved helpful.

The work index of Paṇṇavaṇā has been prepared by Muni Śrīchandji, of Jambuddivapaṇṇattī, Sūrapaṇṇattī and Candapaṇṇattī by Muni Sudarshanji and of Nirayāvaliyāo by Muni Hiralalji. The first Appendix and the extent of the text was determined by Muni Hiralalji. In preparing the word indexes of Paṇṇavaṇā and Jambuddivapaṇṇattī, Sādhvī Jinaprabhā and Sādhvī Chandanbālā respectively contributed a lot.

In proof-reading Muni Sudarshanji, Muni Hiralalji, Muni Dulaharajji and Samaṇī Kusumprajñā actively cooperated. At certain stages Muni Vimalkumarji and Muni Sampatmalji also proved helpful. Muni Hiralalji was specially engaged in revising the text again.

I express sentiments of gratitude for all those, in addition to the names already mentioned, who contributed whatever little they could in editing the text of the 32 āgamas. In this task we utilised the mss. belonging to the institutions such as L. D. Institute of Indology, Ahmedabad, Shrichand Ganeshdass Gadhaiya

Pustak Bhaṇḍāra, Sardarshahar, Terapantha Sabha, Sardarshahar, Punamchand Buddhamai Dudhoriya, Chhapar, Ghewar Pustakalaya, Sujangarh, Jain Vishva Bharti, Ladnun and Jaisalmer Bhaṇḍāra, in addition to Order's Bhaṇḍāra. The text of Nandī revised by Muni Puṇyavijayaji was also made available to us. All this proved a valuable assistance to us.

An important stage of the publication of the revised text of 32 āgamas, which began under the able stewardship of Ācārya Śrī Tulsi as Vācanā-pramukha, is completing today. For the first time the revised and authorised version of the 32 āgamas is being made available to the scholars. It is a matter of ineffable joy for us.

The work of the editing of āgamas first started in V.S. 2012 at Ujjain. In that year the word indexes of almost all the 32 āgamas had been prepared. Several monks and nuns were actively engaged in it. Groups, each containing three or four monks or nuns, were formed and they finished the assignment without any loss of time. On the one hand the aged monks like Muni Chauthmalji, Muni Sohanlalji (Churu) etc. were actively engaged in it while on the other hand the younger monks too devoted themselves wholeheartedly to this job, which was like a campaign and every participant was full of the awakening of a new spirit. The text was unrevised so far, so it could not be utilised fully well. Word-indexes had got to be prepared anew, but whatever line of action was chalked out, was quite commendable. One special and worth-mentioning characteristic of this editing is that everything was done by the monks themselves and no external help from any scholar-householder was required. The whole credit goes to the leadership of Ācārya Śrī as also to the Terapanth Religious Order.

I cannot afford to forget on this occasion the services rendered by the late Madanchandji Goṭhi who had a very sound knowledge of āgamas and was exceedingly helpful in revising the text of āgamas. Had he been alive, he would have felt satisfied on the publication of this volume.

The Managing Director of the Āgama series, Śrī Śrīchand Rampuria (Vice-Chancellor, Jain Vishva Bharti) has been taking interest in this work since its inception. He is ever devoted to the task of popularising the Āgamic lore. After retiring completely from his well-established profession, he has been devoting a major part of his time to the service of Āgama literature. Śrī Khemchand Sethia and Śrī Śrīchand Bengani, the President and the Secretary respectively of Jain Vishva Bharti have cooperated a lot towards the successful completion of this task. The English rendering of 'Editorial' and 'Introduction' has been made by Dr. Nathmal Tatia.

The mention of the cooperation of the co-workers in a common enterprise is only a formality. In fact it was a sacred duty of all of us and that we have fulfilled.

Anuvrata Bhawan, Delhi.

—Yuvācārya Mahāprajña

22nd Oct., 1987.

Introduction

The present volume consists of nine āgamas —uvaṅgas—Paṇṇavaṇā, Jambuddīvapaṇṇattī, Candapaṇṇattī, Sūrapaṇṇattī, Nirayāvaliyāo (five in number).

PAṆṆAVANĀ

The canon under review is *Paṇṇavaṇā* (*Prajñāpanā*). It treats extensively the two substances—sentient being (*jīva*) and insentient being (*ajīva*).¹ The term used in the beginning is '*prajñāpanā*', hence the whole canon bears the name '*Prajñāpanā*'. One of its aims is to interpret the Reality through Question-Answer method, and the same thing has been done in this canonical text. That also justifies its nomenclature as *Prajñāpanā*. In the opening gāthās, this āgama has been named as '*Adhyayana*' which shows that one of its names is '*Adhyayana*' also. It relates to *Dr̥ṣṭivāda*, the twelfth aṅga, so it has been called as the essence or *niḥsyanda* of *Dr̥ṣṭivāda*.²

Subject-Matter

It contains 36 topics (*padas*) which discuss the various aspects (*pariyāyas*) of soul (*jīva*) and non-soul (*ajīva*). It is like an ocean of the Science of Reality (*tattva vidyā*) through which the deeper meaning of Indian Science of Reality can be appreciated. The first topic (*pada*) provides two classifications of vegetable-bodied beings—the individual-bodied (*pratyekaśarīrī*) and common-bodied (*sādhāraṇaśarīrī*).³ The common-bodied presents such a unique picture of Socialism which cannot even be imagined in human society. It deals in greater details with the *āryas* and the *mlecchas*.

This canon is the source book of the Science of Truth (*tattvajñāna*). Whereas the *Bhagavatī* is an *aṅga-praviṣṭa* canon, the *Paṇṇavaṇā* is an *Upāṅga*. Both these Āgamas are inter-related on account of their common theme of the Science of Truth. Most of the *Prajñāpanā* has been included in *Bhagavatī* by Devarddhigaṇī, as is evident from the use of '*jahā paṇṇavaṇāe*' time and again. Its every *pada* is like the embodiment of abstruse metaphysical problems. It contains various important *sūtras* about *leśyā* and *karma*.

Nandisūtra gives us the two classifications of Āgamas—*aṅgapraviṣṭa* and

-
1. *Paṇṇavaṇā*, gāthā 2
 2. " " 3
 3. " " 1/32

aṅgabāhya. The former is again twofold—*Āvaśyaka* and *Āvaśyaka-vyatirikta*.

The latter is again classified as *kālika* and *utkālika*. Thus *Paṇṇavaṇā* is *Aṅgabāhya*, *Āvaśyaka-vyatirikta* and *Utkālika*.¹ *Nandī* does not contain any reference to *Aṅga* and *Aṅgabāhya*. In the latter part of the Āgama age the interrelation between *Aṅga* and *Aṅgabāhya* was determined. Accordingly, *Prajñāpanā* turns to be the *upāṅga* of *Samavāyāṅga*. On what basis this inter-relationship was determined is a matter of research. It would have been all the more intelligible if *Prajñāpanā* had been recognised as *Upāṅga* of *Bhagavatī*.

Author and the Period of Composition

Paṇṇavaṇā is the sum and substance (*nīḥsyanda*) of *Dr̥ṣṭivāda*. We can thus infer that its subject-matter has been derived from *Dr̥ṣṭivāda*. Its author is Ārya Śyāma² He was the 23rd in lineage from Ācārya Sudharmāsvāmī. He was a powerful *vācaka* in the tradition of the lineage of *vācakas*. He flourished in the 4th century of *Vīra-nirvāṇa*.

The date of composition of *Paṇṇavaṇā* is probably between the year 335 and 375 of *Vīra-nirvāṇa*. *Nandī* mentions the '*Mahāprajñāpanā*' which is now extinct. Both *Mahāprajñāpanā* and *Prajñāpanā* are independent works. It cannot be said definitely whether the former is the progenitor of the latter or the latter contains any new topic. Among the twelve *upāṅgas*, *Prajñāpanā* holds a unique position. We can guess from this that it was composed at the period when the *Pūrvas* were passing into oblivion and their remaining portions alone were in memory. *Ṣaṭkhaṇḍāgama* too came into existence at such a period. The remaining *upāṅgas* were composed in the period subsequent to the composition of *Prajñāpanā*. All this conjecture has been made on the basis of their subject-matter. Umāsvāti flourished in 5th century of *Vīra-nirvāṇa*. His *Tattvārthasūtra* mentions the sūtra '*āryā mlecchāśca*',³ which must be based on the first '*pada*' of *Prajñāpanā*. The clearcut idea and definition of '*ārya*' and '*mleccha*' appearing there is not to be found elsewhere. On this basis *Paṇṇavaṇā* precedes the period of Umāsvāti.

Commentaries

Many commentaries of *Paṇṇavaṇā* are available. They are as follows :—

Commentaries	Granthāgra	Author	Date
1. <i>Pradeśa-commentary</i>	3728	Haribhadrasūri	8th Cen.
2. <i>Tṛtīya-pada-Saṅgrahaṇī</i>	133	Abhayadevasūri	First half of 12th Cen.

1. *Nandī*, 73-77

2. *Prajñāpanā Vṛ. patra*, 47/1, *āryaśyāmo yadeva granthāntareṣu āsāligā pratipādakam gautama-
praśnabhagavannirvacanarūpam sūtramastī tadevāgama bahumānataḥ pathati.*

Prajñāpanā Vṛ. Patra, 72; *bhagavān āryaśyāmo'pi itthameva sūtram racayati.*

3. *Tattvārthasūtra*, 3/36

3. <i>Vṛtti</i>	14500	Malayagiri	13th Cen.
4. Abhayadeva's <i>Tṛtīva-pada-saṅgrahaṇī</i> <i>avacūmi</i>	—	Kulamaṇḍanagaṇī	15th Cen.
5. <i>Vṛtti</i>	—	Anonymous	—
6. <i>Vanaspati-saptikā</i> or <i>Vanaspati-'icāra</i>	71	Municeandra	12th Cen
7. <i>Avacūri</i>	—	Padmasūri	—
8. <i>Bālārabodha</i>	—	Dhanavimala	17th Cen.
	—	Jīvavijaya	Year 1785
10. <i>Stabhaka</i>	—	Parimānanda	" 1876
11. <i>Paṇṇavaṇā nī Joḍa</i>	550	Jayācārya	" 1878

In addition to this, we also find some smaller commentaries of *Paṇṇavaṇā*. Muni Puṇyavijaya has mentioned the commentary named '*Bījaka*' by Harṣakulagaṇī.¹ In Muni Puṇyavijaya's "*Introduction to Prajñāpanā*" and in '*Jinaratnakośa*' we find mention of '*puryāyu*'. "*Prajñāpanā-sūtra-sā-oddhāra*" is also mentioned in '*Jinaratnakośa*'.

Acarya Malayagiri mentions *cūrṇi* and *Vṛddhavyākhyā* in his *Vṛtti*.² *Cūrṇi* is untraceable at present. Malayagiri's commentary is the most elaborate among all the available commentaries. Ācārya Haribhadra Sūri's commentary is the most original and basic too.

JAMBUDDĪVAPAÑNATTI

Nomenclature

This canon is known as *Jambuddīvapañnattī* (*Jambūdvīpaprajñapti*). *Prajñāpti* means exposition, information or treatment. It contains the exposition of Jambūdvīpa, hence it is called *Jambūdvīpaprajñapti*. *Sthānāṅga sūtra* mentions four *aṅgabāhya prajñaptis*—(1) *Candraprajñapti*, (2) *Sūryaprajñapti*, (3) *Jambūdvīpaprajñapti*, and (4) *Dvīpasāgaraprajñapti*.³ In *Kasāyopāhuḍa*, *prajñaptis* have been classified as the five *arthādhikāras* of '*parikarma*' which is the first division of *Dṛṣṭivāda*—(1) *Candraprajñapti*, (2) *Sūryaprajñapti*, (3) *Jambūdvīpaprajñapti*, (4) *Dvīpasāgara prajñapti* and (5) *Vyākhyāprajñapti*.⁴ In *Nandī*, *Jambūdvīpaprajñapti*

1. *Paṇṇavaṇā Suttam*, Part II, Introduction, p. 158

1. *Vṛtti patra*, 269 : āha ca cūrṇikṛt.

" " 271 : āha ca cūrṇikṛto'pi.

" " 272 : yadāh cūrṇikṛt.

" " 277 : āha ca cūrṇikṛt.

" " 517 : prajñāpanāyāścūrṇo.

" " 600 : tatrāivam vṛddhavyākhyā.

1. *Tḥānam*, 4/189

2. *Kasāyopāhuḍa*, *Adhikāra I, pejjadosavīhattī*, p. 137; *parivamme pañca atthāhivārā—candapañnattī sūrapañnattī jambūddīvapañnattī dvīpasāgarapañnattī vyākhyāpañnattī cedi*.

has been categorised as *Kālika āgama*.¹

Subject-matter

Its main theme is Jambūdvīpa. The list of peripheral and incidental topics is very long. Lord Ṛṣabha, Kulakara, Bharata Cakravartī, Kālacakra, Sauramaṇḍala, and many others are the subjects dealt with in it. The description about Bharata Cakravartī's fourteen jewels and nine treasures has been described here in a lively manner.

Under the 'wheel of eternity' (*kālacakra*), thrilling account has been given about the sixth spoke of the present descending cycle. Of all the available forecasts about the universal annihilation, it invites our attention most effectively. By going through it one is confronted with the horrors of the atomic warfare.²

Both Lord Ṛṣabha and Lord Mahāvīra have similarity in various respects. The former is called Ādi Kāśyapa while the latter is called Antyakāśyapa.³ Both propounded the path of five Great Vows. Like Lord Mahāvīra, Lord Ṛṣabha also put on garment for more than a year, followed by absolute nudity.⁴

Bharata Cakravartī was seated in his palace of glass. While he was looking at his reflection in the mirror, he attained liberation.⁵ In later literature this incident is developed in a number of ways. At the loss of his finger-ring he felt the diminution of his beauty, which led him to deeper thought culminating into the attainment of a kevalihood.⁶

The canon gives us a beautiful picture of the termination of the 'yaugalīka' state, and the beginning of social life and political administration. It is a very important document to get a clear idea of the multifaceted personality of Lord Ṛṣabha. A comparative study of the delineation of Ṛṣabha in the present text with that in the *Śrīmadbhāgavata* is bound to be very fruitful.

The canon is divided into seven chapters which are called 'vakkhāro' or 'vakṣaskāra'. Some of the topics are :—

- | | |
|-------------------|--------------------------------------|
| 1. Jambūdvīpa | 2. Kālacakra & Ṛṣabha-carita |
| 3. Bharata-Carita | 4. Jambūdvīpa : detailed description |

1. *Nandī*, 78

2. *Jambuddīvapapañnatī*, 2/130-137

3. *Dhanañjaya-nāmanāla*, 114, page 57 : *vḥarsīyān vṛṣabho jyāyān punarādyah prajāpatih | aikṣvākuḥ kāśyapo brahmā gautamo nābhijo'grajah ||*

Ibid, 115, p. 58 : *sanmatirmahatīrvīro mahāvīro'ntyakāśyapah | nāthānvayo vardhamāno yattīrthamiha sāmpratam ||*

4. *Jambuddīvapapañnatī*, 2/66

5. *Ibid*, 3/221,222

6. *Āvaśyakacūrṇi*, p. 227

5. Birth Celebration of Tīrthaṅkara
7. Jyotiścakra.
6. Geographical condition of
Jambūdvīpa

Author and Date

This canon has been categorised as *Upāṅga* which shows that it was composed at a later period after Lord Mahāvīra's *nirvāṇa*. Its author must be some anonymous elderly monk. The date of composition too is unknown. *Jīvājīvābhigame*, containing detailed accounts of the *Kalpavṛkṣas*, was also composed by the elders. *Jambūdvīpaprajñapti* gives only a brief account of them indicating the details through 'jāva'. This shows that *Jambūdvīpaprajñapti* was composed at a later period than that of *Jīvājīvābhigame*. Possibly we may ascribe it to an earlier date than the emergence of a clear-cut distinction between Śvetāmbara and Digambara schools which are mostly unanimous about the contents of *Jambūdvīpaprajñapti*. On this basis we can guess it to belong to the 4th-5th century of Vīranirvāṇa.

Commentaries

About nine commentaries are available on this canon. Out of them, the *Vṛtti* by Śāntīcandra alone, has been printed; the remaining ones are unpublished. Śāntīcandra has mentioned that Malayagiri's commentary was lost with the passage of time,¹ but modern scholars have traced it out in the Jaisalmer Bhaṇḍāra.² The *Vṛttis* by Śāntīcandra and Puṇyasāgara bear the mention of Cūrṇi.³ These Commentaries are as follows :—

S N.	Canon	Granthāgra	Author	Date
1.	<i>Cūrṇi</i>	--	Anonymous	—
2.	<i>Ṭīkā</i> (in Prakrit)	—	Haribhadrasūri	—
3.	"	—	Malayagiri	—
4.	<i>Vṛtti</i>	14252	Hīravijayasūri	1639 (Vikram Saṁ)
5.	<i>Vṛtti</i>	13275	Puṇyasāgara	1645
6.	<i>Ṭīkā</i> (<i>Prameyaratnamāñjūṣā</i>)	18000	Śāntīcandra	1660
7.	<i>Ṭīkā</i>	15000	Brahma Munī	
8.	<i>Vṛtti</i>	18352	Dharmasāgara and Vānara Ṛṣi	1639
9.	<i>Vṛtti</i>	—	Anonymous	—

1. Śāntīcandra : *Vṛtti patra* 2 : "tatra prastuto'pāṅgasya vṛtīḥ śrīmalayagirīkṛtā'pi sampratīkāla-dōṣeṇa vyavacchinnā."

2. See, *Jinaratnakośa*, p. 130.

3. (a) Śāntīcandra. *Vṛtti patra*, 19 : "paridhyānayanopāyastvayaṃ cūrṇīkārōktaḥ."

(b) *Vṛ. p.* 53,252,278.

(c) *Puṇyasāgarī vṛtī, patra*, 122 : "etaccūrṇo ca."

Muni Dharmasī has composed *śābaka* (śābbā or bālāvabodha) on it in Gujarati. The abundance of commentaries reveals that this canon was studied very frequently.

CANDAPANĀTTĪ AND SŪRAPANĀTTĪ

Nomenclature

Sihānāṅga mentions four aṅgabābya prajñaptis, of which the first is *Candraprajñapti* and the second is *Sūryaprajñapti*.¹ *Kasāyopāhuḍa* also mentions them in the same order.² As the name connotes, the first *prajñapti* deals with the moon while the second one deals with the sun, so they are named as *Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti* respectively.

Subject-Matter

The list of *āgamas* contains both these *āgamas*—*Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti*. *Nandī's* Āgama-list too tells of *Candraprajñapti* as *Kālīka* and *Sūryaprajñapti* as *Utkālīka*.³ The cause of this distinction demands investigation. The former is not available at present but for a very small portion of its beginning. We come across some manuscripts entitled *Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti* but their text throughout is identical except the initial sūtra. Ācārya Malayagiri has composed commentaries on both of them and they are almost identical. The general impression prevailing at present is that *Candraprajñapti* is not at all available these days. Whatever is available is *Sūryaprajñapti* alone. Dr. Walter Schubring has put forward a conjecture—*Sūryaprajñapti*, from its 7th *pāhuḍa* onwards, ascribes more importance to the moon and the stars, so we imagine that *Candraprajñapti* begins from the 10th *pāhuḍa*.⁴ But in the absence of the whole subject-matter of *Candraprajñapti*, Schubring's conclusions cannot be taken as authoritative outright. Even then there is much room for consideration.

Commentaries

Malayagiri's commentaries are available on both—*Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti*. The commentaries are identical and whatever their difference is has been noted in the Appendix. According to *Jīnaratnakośa*, the *granthāgra* of the commentaries of these *āgamas* is 9500⁵ and 9000⁶ respectively. Bhadrabāhu's *Niryuktis* mention the *Niryukti* on *Sūryaprajñapti*,⁷ which was, however, not

1. *Thānam*, 4/189.

2. *Kasāyopāhuḍa*, Chapter I—"pejjudosa vihatti", p. 137

3. *Nandī*, 77,78

4. Schubring : *The Doctrine of the Jaina*, p. 102

5. *Jīnaratnakośa*, p. 118

6. *Ibid*, p. 452

7. *Āvaśyaka-niryukti, gāthā*, 85

traceable in Malayagiri's period.¹ He has mentioned the views of his foregoing *ācāryas* also in his commentary.²

NIRAYĀVALIYĀO

Nomenclature

This āgama is a *śrutaskandha*. Its oldest name seems to be *upāṅga*. Jambūsvāmī enquired of Sudharmāsvāmī the meaning of *upāṅga*, whereon the latter replied—“*Upāṅga* is fivefold—*Nirayāvalikā*, *Kalpāvataṁśikā*, *Puspikā*, *Puspa-cūlikā*, *Vṛṣṇidaśā*.”³

The term ‘*upāṅga*’ is here used in plural number. It is a *śrutaskandha* consisting of five sections. The plural number is probably used on this reason. We do not know about its original *āṅga*. The term ‘*upāṅga*’ is not in vogue at present for the text. *Upāṅga* stands for the ‘collection of twelve āgamas.’

Nandī's list of canons does not mention the term ‘*upāṅga*’, but only ‘*Nirayāvaliyāo*’ etc. are mentioned as five independent āgamas. It may be supposed that the five canons were regarded as a *śrutaskandha* in later times after the composition of the *Nandī*, and the *śrutaskandha* was named as *upāṅga*. According to Prof. Winternitz, these five āgamas were earlier known as ‘*Nirayāvalikā*’. They were regarded as separate entities when the contents of *āṅgas* and *upāṅgas* were determined.⁴

Nirayāvaliyāo is also known as *kalpikā*, as we find this in some manuscripts of *Nandī*. The same term has been used in the *vṛtti* of *Nandī* by Ācārya Haribhadrasūri and Ācārya Malayagiri.⁵ It is just possible that the first group of the ‘*upaṅgā*’ was named as ‘*kalpikā*’, but as it related to the karmas leading to hell, it was given the second name *Nirayāvalikā*. In this way, the two names viz. ‘*Nirayāvalikā*’ and ‘*kalpikā*’ originated.

Subject-matter

The main theme of the *Nirayāvalikā śrutaskandha* is the auspicious and inauspicious conduct and karma, and their *vipāka*.

In the first section we find the description of fierce battle between Cefaka

1. *Vṛtti* p. 1, *gāthā* 5

*usyā niryuktirabhūtpūrvam śribhadrabāhusūrikṛtā |
kalidoṣāt sāneśada vyācakṣe kevalam sūtram ||*

2. *Sūryaprajñāpti*, *Vṛtti* p. 168 :

*tadevam yathā pūrvācāryairidameva pūrvasūtramavalambya pūrvaviṣayam vyākhyānam kṛtam
tathā mayā vineyajanānugrahāya samatyanusāreṇopadarśitam ||*

3. *Nirayāvaliyāo*, 1|4,5

4. *History of Indian Literature*, II Edn, Vol. II, pp. 457-458

5. *Nandī*, 78

and Śreṇika, which has been referred to not only in the *Bhagavati*¹ and the *Āvaśyaka cūrṇi*², but in the Buddhist literature too. It is surprising that history does not record this battle.

Battle may be indispensable for self-protection, and the consequent violence may be regarded as inevitable for a householder. Even then none can deny that violence is, for all purposes, but violence and it can never masquerade as non-violence. In the section under review, this anti-war attitude has come to the forefront, and it is a spiritual edict against the religious justification of holy wars.

The second section contains the description of the salvation of Śreṇika's ten grandchildren, who adopted the path of religious austerities. The third section propounds the observance and non-observance of restraint and equanimity. The fourth section contains the description of the ten nuns (disciples) of Pārśvanātha. We find the description of the observance of conduct by the twelve princes of Vṛṣṇi dynasty and their birth in 'Sarvārthasiddhi' in the fifth section.

Thus various interesting and important topics have been propounded in this small-sized *upāṅga*, that is, *Nirayāvalikā śrutaskandha*.

Author and Date of Composition

No definite information is available about the author and the date of composition of this *aṅgabāhya śrutaskandha*. It is, however, certain that some elderly monk composed it. It deals with the topics related with *Bhagavati*, *Jñānā*, *Upāsakadasā*, *Aupapātika* and *Rājaprasāniya*, but this is not a sufficient ground to determine the date of its composition. When the Āgamas were analysed, it was found that the earlier āgamas contain the names of the later āgamas, so they cannot determine which āgamas were composed earlier and which at a later date.

Commentaries

A Sanskrit commentary is available on this *śrutaskandha*. Śrīcandrasūri wrote its commentary, a very abridged piece of composition, in the Vikram era 1228. A *ṭabbā (stabaka)* was composed on it in Gujarati by Muni Dharmasī (Dharmasingh).

Completion of the Assignment

The overall credit of its editing goes to Yuvācārya Mahāprajña. The work has come to successful completion due to the single-mindedness with which he applied himself to the task day and night, without which this gigantic task would have been insurmountable. Being a yogi basically, he is able to ever maintain concentration of mind. Engaged as he has been in the editing of the āgamas for a

1. *Bhagavati*, 7/173,210

2. *Āvaśyaka cūrṇi*, part II, p. 174

very long period, he is eminently endowed with the power to penetrate into the deeper mysteries of the canonical texts. Modesty, perseverance and complete dedication to the guru have contributed to the development of these merits in him. Such merits were inherent in him since childhood. Since the time he came to me, I have found gradual intensification of these merits. I have derived utmost satisfaction from his capability and wholehearted devotion to duty.

Many other monks also contributed towards the editing of the text of these canons. I bless them all with the wish that their working capacity may be all the more developed.

I had embarked upon this Herculean work of āgamas, having complete faith in my disciples—the monks and nuns of the Order.

I feel highly satisfied that this gigantic task has been accomplished successfully in a right way.

Anuvrata Bhawan,
New Delhi,
22nd October, 1987

— Acharya Tulsi

पुण्ड्रिकाओ

पठमं अज्भयणं
द्वीअं अज्भयणं
तइयं अज्भयणं

सू० १ से १६
सू० २० से २२
सू० २३ से ८७

पृ० ७४४ से ७४६
पृ० ७४६
पृ० ७४७ से ७५८

उक्खेव-पदं २३, सोमिलस्स अरहया पासेण संवाद-पदं २७, सोमिलस्स सावगधम्मगहण-पदं ४५, सोमिलस्स मिच्छत्त-पदं ४७, सोमिलस्स तावसपव्वज्जा-पदं ५०, सोमिलस्स साधना-पदं ५१, सोमिलस्स देवेण पसिणोत्तर-पदं ७८, सोमिलस्स पुणो सावगधम्मगहण-पदं ८२, सोमिलस्स सुक्कमहग्गहत्ताए उववत्ति-पदं ८३, निक्खेव-पदं ८७.

चउत्थं अज्भयणं

सू० ८८ से १५३

पृ० ७५८ से ७७०

उक्खेव-पदं ८८, बहुपुत्तिया-पदं ९०, सुभद्दाए संताणपिवासा पदं ९५, सुभद्दागिहे अज्जागमण-पदं ९९, सुभद्दाए संताणलाभोवायपुच्छ-पदं १०१, अज्जाए धम्मकहा-पदं १०६, सुभद्दाए अज्जाए संताणपिवासाणुभत्र-पदं ११४, सुभद्दाए बहुपुत्तियदेवित्ताए उववत्ति-पदं १२०, सोमाए संताणुप्पत्ति-पदं १२५, सोमाए बहुसंताणजणियखेद-पदं १३०, सोमागिहे अज्जागमण-पदं १३२, सोमाए धम्मपडिवत्ति-पदं १३५, सोमाए पव्वज्जा-पदं १४५, सोमाए सामाणियदेवत्ताए उववत्ति-पदं १५०, निक्खेव-पदं १५३.

पंचमं अज्भयणं

सू० १५४ से १६६

पृ० ७७०, ७७१

छट्ठं अज्भयणं

सू० १६७ से १७०

पृ० ७७२

७-१० अज्भयणाणि

सू० १७१

पृ० ७७२

तइओ वगो पुठिफयाओ पढमं अज्झयणं चंदे

१. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं उवंगाणं दोच्चस्स वग्गस्स कप्पवडिसियाणं अयमट्ठे पण्णत्ते, तच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स उवंगाणं पुण्फियाणं के अट्ठे पण्णत्ते ?

२. एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^२ संपत्तेणं उवंगाणं तच्चस्स वग्गस्स पुण्फियाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं जहा -

चंदे सूरे सुक्के, बहुपुत्तिय पुण्ण^३-माणिभद्दे य ।

दत्ते सिवे बले या, अणाडिए चेव बोद्धव्वे ॥१॥

३. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^४ संपत्तेणं पुण्फियाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स पुण्फियाणं समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^५ संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ?

४. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे । गुणसिलए चेइए । सेणिए राया ॥

५. तेणं कालेणं तेणं समएणं सामी समोसडे । परिसा निग्गया ॥

६. तेणं कालेणं तेणं समएणं चंदे जोइसिदे जोइसराया चंदवडिसिए विमाणे सभाए सुहम्माए चंदंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जाव^६ विहरइ ॥

७. इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्धीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणे-आभोएमाणे पासइ, पच्छा समणं भगवं महावीरं जहा सूरियाभे आभियोणं देवं सदावेत्ता जाव^७ सुरिदाभिगमणजोभं करेत्ता तमाणत्तियं पच्चप्पिणंति । सूसरा घंटा जाव विउव्वणा, नवरं—जाणविमाणं जोयणसहस्सविच्छिण्णं अद्धतेवट्ठिजोयणमूसियं महिदज्जओ पणुवीसं

१. ना० १।१।७ ।

४,५. ना० १।१।७ ।

२. ना० १।१।७ ।

६. राय० सू० ७ ।

३. पुण्णभद्दे (ख,ग) ।

७. राय० सू० ८-१२ ।

जोयणमूप्तिओ सेसं जहा सूरियाभस्स जाव^१ आगओ नट्टविहो तहेव पडिगओ ॥

८. भते ! ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं पुच्छा । कूडागारसाला दिट्ठंतो सरीरं अणुपविट्ठा^१ ॥

९. पुव्वभवो—एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं सावत्थी नामं नयरी होत्था । कोट्टए चेइए ॥

१०. तत्थ णं सावत्थोए नयरीए अंगई नामं गाहावई होत्था—अड्ढे जाव^१ अपरिभूए ॥

११. तए णं से अंगई गाहावई सावत्थोए नयरीए बहूणं^१ •राईसर-तलवर—माडंबिय-कोडुंबिय-इवभ सेट्टि-सेणावइ-सत्थवाहाणं वहुसु कज्जेसु य कारणेसु य कुडुंबेसु य मंतेसु य गुज्जसु य रहस्सेसु य निच्छएसु य ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे पडिपुच्छणिज्जे, सयस्स वि य णं कुडुंबस्स मेढी पमाणं आहारे आलंबणं चक्खू मेढीभूए पमाणभूए आहारभूए आलंबणभूए चक्खुभूए सव्वकज्जवड्ढावए यावि होत्था^१ ॥

१२. तेणं कालेणं तेणं समएणं पासे णं अरहा पुरिसादाणीए आइमरे^१ जहां^१ महावीरो नवुस्सेहे सोलसहिं समणसाससीहिं अट्टोभाए अज्जियासहस्सेहिं जाव^१ कोट्टए समोसडे । परिसा निग्गया ॥

१३. तए णं से अंगई गाहावई इभोसे क्हाए जट्टट्ठे सयाणे हट्टट्टट्ठे जहा कत्तिओ सेट्टी निग्गच्छइ जाव^१ पज्जुवासइ धम्मं सोच्चा निसम्मं^१ जं, नवरं—देवाणुप्पिया! जेट्टुपुत्तं कुडुंबे ठावेमि, तए णं अहं देवाणुप्पिणाणं अंतिए मुंडे भवित्ता अगाराओ अणगरियं पव्वयामि, जहा गंगदत्ते तहा पव्वइए^१ । अणगारे जाए—इरियासमिए जाव^१ गुत्तबंभयारी ॥

१४. तए णं से अंगई अणगारे पासस्स अरहओ तहारूवाणं थेराणं अंतिए सामाइय-माइयाई एक्कारस अगाई अहिज्जइ, अहिज्जित्ता व्हूहिं चउत्थ^१ •छट्टट्टम-दसम-दुवाल-सेहिं भासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मैहिं अप्पाणं^१ भावेमाणे बहूई वासाई सामण्ण-परियागं पाउणइ, वाउणित्ता अट्टभासियाए संलेहणाए तीसं भत्ताई अणसणाए छेदित्ता विराहिप्रसामण्णे कालमासे कालं तिक्खा चंदवडिइए विमाणे उववातसभाए देवसयणिज्जसि देवदूसंतरिए चंदजोईसिदत्ताए उववण्णे ॥

१. राय० सू० १३-१२० ।

२. पू० राय० सू० १२१-१२३ ।

३. ओ० सू० १४१ ।

४. सं० पा०—बहूणं नगर-विशय जहा आणंदो ।

वृत्ती अस्व पूत्तिरेवं दृश्यते 'जहा आणंदो'

त्ति उपासकदेशोक्तः श्रावकजानन्दनामा,

स च बहूणं ईसरतलवरभाडंबियकोडुंबियनगर-

निगमसेट्टित्थवाहाणं वहुसु कज्जेसु य कार-

णेसु य मंतेसु य कुडुंबेसु य निच्छएसु य

ववहारेसु य आपुच्छणिज्जे तववक्कवड्ढावए

सयस्स वि य णं कुडुंबस्स मेढीभूए होत्था ।

५. × (क,ख) ।

६. आदिगरे (क,ख) ।

७. पू०—ओ० सू० १६; वाचनान्तरम् ।

८. ओ० सू० १६-२२ ।

९. भग० १८।४२ ।

१०. पू०—भग० १६।७०, १८।४४ ।

११. पू०—भग० १६।७१ ।

१२. ओ० सू० २७ ।

१३. सं० पा०—चउत्थ जाव भावेमाणे ।

१५. तए णं से चंदे जोइसिदे जोइसराया अहुणोववण्णे समणे पंचविहाए पज्जत्तीए—
आहारपज्जत्तीए* सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आण-पाणपज्जत्तीए भासमणपज्जत्तीए
पज्जत्तभावं गए ॥

१६. चंदस्स णं भंते ! जोइसिदस्स जोइसरण्णो केवइयं कालं ठिई पणत्ता ?
गोयमा ! पलिओवमं वाससयसहस्समग्गहियं ॥

१७. एवं खलु गोयमा ! चंदस्स जोइसिदस्स जोइसरण्णो सा दिव्वा देविड्डी ॥

१८. चंदे णं भंते ! जोइसिदे जोइसराया ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्ख-
एणं ठिइक्खएणं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे
वासे सिज्झिहिइ ॥

१९. एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं पुष्पियाणं पढमस्स अज्झयणस्स
अयमट्ठे पणत्ते —त्ति बेमि ॥

बीअं अज्झयणं सूरे

२०. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^४ संपत्तेणं पुष्पियाणं पढमस्स
अज्झयणस्स अयमट्ठे पणत्ते, दोच्चस्स णं भंते ! अज्झयणस्स पुष्पियाणं समणेणं
भगवया महावीरेणं जाव^४ संपत्तेणं के अट्ठे पणत्ते ?

२१. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे । गुणसिलए
चेइए । सेणिए राया । समोसरणं । जहा चंदो तहा सूरुवि आगओ जाव^४ नट्टुविहि
उवदंसित्ता पडिगओ । पुव्वभवपुच्छा । सावत्थी नयरी । सुपइट्ठे नामं गाहावई होत्था—
अड्ढे जहेव अंगई जाव विहरइ । पासो समोसढो, जहा अंगई तहेव पव्वइए, तहेव
विराहियसामण्णे जाव महाविदेहे वासे सिज्झिहिइ जाव^४ अंतं करेहिइ ॥

२२. एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं पुष्पियाणं दोच्चस्स अज्झयणस्स
अयमट्ठे पणत्ते —त्ति बेमि ॥

१. सं० पा० —आहारपज्जत्तीए जाव भासमण-
पज्जत्तीए ।

२. ३. ना० १।१।७ ।

४. उ० ३।६-८ ।

५. उ० ३।९-१८ ।

तइयं अज्झयणं

सुक्के

उक्खेव-पदं

२३. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं^२ *पुप्फियाणं दोच्च-
स्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, तच्चस्स णं भंते ! अज्झयणस्स पुप्फियाणं समणेणं
भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ?

२४. एवं खलु जंबु ! तेणं कालेणं तेणं समएणं^३ रायगिहे नयरे । गुणसिलए चेइए ।
सेणिए राया । सामी समोसढे । परिसा निग्गया ॥

२५. तेणं कालेणं तेणं समएणं सुक्के महग्गहे सुक्कवडिसए विमाणे सुक्कंसि सीहासणंसि
चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जहेव चंदो तहेव^४ आगओ, नट्टुविहिं उवदंसित्ता पडिगओ ॥

२६. भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं पुच्छा । कूडागरसाला दिट्ठंतो^५ ।
पुव्वभवपुच्छा ॥

सोमिलस्स अरहया पासेण संवाद-पदं

२७. एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी होत्था ॥

२८. तत्थ णं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणे परिवसइ, अड्ढे जाव^६
अपरिभूए, रिउव्वेय^७ जाव^८ बहूसु बंभण्णएसु य सत्थेसु सुपरिनिट्टिए । पासे समोसढे ।
परिसा पज्जुवासइ ॥

२९. तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स इमीसे कहाए लद्धट्ठस्स समाणस्स इमे एयारूवे
अज्झत्थिए^९ *चित्थिए पत्थिए मणोए संकप्पे समुप्पज्जित्था^{१०}—एवं खलु पासे अरहा
पुरिसादाणीए पुव्वाणुपुव्वि^{११} *चरमाणे गामाणुगामं दूइज्जमाणे इहमागए इहसंपत्ते इहसमो-
सढे इहेव वाणारसीए नयरीए बहिया अंबसालवणे चेइए अहापडिरूवं ओग्गहं ओगिण्हित्ता
संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणे^{१२} विहरइ, तं गच्छामि णं पासस्स अरहओ अंतिए
पाउव्ववामि, इमाइं च णं एयारूवाइं अट्टाइं हेऊइं^{१३} *पसिणाइं कारणाइं वागरणाइं
पुच्छिस्सामि, तं जइ मे से इमाइं एयारूवाइं अट्टाइं जाव वागरणाइं वागरेहित्ति ततो णं
वंदीहामि नमंसीहामि जाव पज्जुवासीहामि, अह मे से इमाइं अट्टाइं जाव वागरणाइं नो
वागरेहिती तो णं अहं एएहिं चेव अट्ठेहिं य जाव वागरणेहिं य निप्पट्टुपसिणवागरणं

१. ना० १।१।७ ।

२. सं० पा०—उक्खेवओ भाणियव्वो ।

३. ना० १।१।७ ।

४. उ० ३।६।७ ।

५. राय० सू० १२१-१२३ ।

६. ओ० सू० १४१ ।

७. रिउव्वेय (क) ।

८. ओ० सू० ६७ ।

९. सं० पा०—अज्झत्थिए^९ ।

१०. सं० पा०—पुव्वाणुपुव्वि जाव अंबसालवणे
विहरइ ।

११. सं० पा०—जहा पण्णत्तीए । सोमिलो
निग्गओ खंडियविहूणो जाव एवं वयासी—
जत्ता ते मत्ते ! जवणिज्जं च ते ? पुच्छा ।
सरिसवया मासा कुलत्था एमे भवं जाव
संबुद्धे ।

करेस्सामोतिकट्टु एवं संपेहेइ, संपेहेता ण्हाए जाव^१ अप्पमहग्घाभरणालंकियसरीरे साओ गिहाओ पडिनिक्खमति, पडिनिक्खमिता पायविहारचारेणं वाणारसि नर्यारि मज्झमज्जेणं निग्गच्छइ, निग्गच्छता जेणेव अंबसालवणे चेइए जेणेव पासे अरहा पुरिसादाणीए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता पासस्स अरहओ पुरिसादाणियस्स अदूरसामते ठिच्चा पासं अरहं पुरिसादाणियं एवं वयासी—

३०. जत्ता ते भंते ? जवणिज्जं [ते भंते ?] ? अग्वाबाहं [ते भंते ?] ? फासुय-विहारं [ते भंते ?] ? सोमिला ! जत्ता वि मे, जवणिज्जं पि मे, अग्वाबाहं पि मे, फासुय-विहारं पि मे ॥

३१. किं ते भंते ! जत्ता ? सोमिला ! जं मे तव-नियम-संजम-सज्जाय--झाणा-वस्सगमादीएसु जोगेसु जयणा । सेत्तं जत्ता ॥

३२. किं ते भंते ! जवणिज्जं ? सोमिला ! जवणिज्जे दुविहे पण्णत्ते, तं जहा-- इंदियजवणिज्जे य नोइंदियजवणिज्जे य ॥

३३. से किं तं इंदियजवणिज्जे ? इंदियजवणिज्जे—जं मे सोइंदिय-चक्खिंदिय-घाणिंदिय-जिंभिंदिय-फासिंदियाइं निरुवहयाइं वसे वट्ठंति । सेत्तं इंदियजवणिज्जे ॥

३४. से किं तं नोइंदियजवणिज्जे ? नोइंदियजवणिज्जे—जं मे कोह-माण-माया-लोभा वोच्छिण्णा नो उदीरंति । सेत्तं नोइंदियजवणिज्जे । सेत्तं जवणिज्जे ॥

३५. किं ते भंते ! अग्वाबाहं ? सोमिला ! जं मे वातिय-पित्तिय-संभिय-सन्निवाइया विविहा रोगायंका सरीरगया दोसा उवसंता नो उदीरंति । से तं अग्वाबाहं ॥

३६. किं ते भंते ! फासुयविहारं ? सोमिला ! जण्णं आरामेसु उज्जाणेसु देव-कुलेसु सभासु पवासु इत्थी-पसु-पंडगविवज्जियासु वसहीसु फासु-एसणिज्जं पीढ-फलग-सेज्जा-संथारगं उवसयज्जित्ताणं विहरामि । सेत्तं फासुयविहारं ॥

३७. सरिसवया ते भंते ! किं भक्खेया ? अभक्खेया ? सोमिला ! सरिसवया [मे ?] भक्खेया वि अभक्खेया वि ॥

३८. से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ--सरिसवया मे भक्खेया वि अभक्खेया वि ? से नूनं मे सोमिला ! बंभण्णएसु नएसु दुविहा सरिसवया पण्णत्ता, तं जहा-मित्तसरि-सवया य, धन्नसरिसवया य । तत्थ णं जेते मित्तसरिसवया ते तिविहा पण्णत्ता, तं जहा--सहजायया, सहवड्ढियया, सहपंसुकीलियया, ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जेते धन्नसरिसवया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा--सत्थपरिणया य असत्थपरिणया य । तत्थ णं जेते असत्थपरिणया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जेते सत्थ-परिणया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा--एसणिज्जा य, अणेसणिज्जा य । तत्थ णं जेते अणेसणिज्जा ते समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जेते एसणिज्जा ते दुविहा पण्णत्ता तं जहा-जाइया य, अजाइया य । तत्थ णं जेते अजाइया ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जेते जाइया ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा--लद्धा य, अलद्धा य । तत्थ णं जेते अलद्धा ते णं समणाणं निग्गंथाणं अभक्खेया । तत्थ णं जेते लद्धा

ते णं समणानं निग्गंथानं भक्खेया । से तेणट्ठेणं सोमिला ! एवं वुच्चइ—सरिसवया मे भक्खेया वि अभक्खेया वि ॥

३९. मासा ते भंते ! किं भक्खेया ? अभक्खेया ? सोमिला ! मासा मे भक्खेया वि अभक्खेया वि ॥

४०. से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—मासा मे भक्खेया वि अभक्खेया वि ? से नूणं भे सोमिला ! बंभण्णएसु नएसु दुविहा मासा पण्णत्ता, तं जहा—दव्वमासा य, काल-मासा य । तत्थ णं जेते कालमासा ते णं सावणादीया आसाढपज्जवसाणा दुवालस पण्णत्ता, तं जहा—सावणे, भद्दए, आसोए, कत्तिए, मग्गसिरे, पोसे, माहे, फग्गुणे, चेत्ते, वइसाहे, जेट्टामूले, आसाढे । ते णं समणानं निग्गंथानं अभक्खेया । तत्थ णं जेते दव्वमासा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—अत्थमासा य धण्णमासा य । तत्थ णं जेते अत्थमासा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—सुत्रण्णसासा य रूप्पमासा य । ते णं समणानं निग्गंथानं अभक्खेया । तत्थ णं जेते धण्णमासा ते दुविहा पण्णत्ता, तं जहा—सत्थपरिणया य, असत्थपरिणया य । एवं जहा धण्णसरिसवया जाव से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेया वि ॥

४१. कुलत्था ते भंते ! किं भक्खेया ? अभक्खेया ? सोमिला ! कुलत्था मे भक्खेया वि अभक्खेया वि ॥

४२. से केणट्ठेणं जाव अभक्खेया वि ? से नूणं भे सोमिला ! बंभण्णएसु नएसु दुविहा कुलत्था पण्णत्ता, तं जहा—इत्थिकुलत्था य, धण्णकुलत्था य । तत्थ णं जेते इत्थिकुलत्था ते तिविहा पण्णत्ता, तं जहा—कुलवधुया इ वा, कुलमाउया इ वा, कुलधुया इ वा । ते णं समणानं निग्गंथानं अभक्खेया । तत्थ णं जेते धण्णकुलत्था एवं जहा धण्ण-सरिसवया । से तेणट्ठेणं जाव अभक्खेया वि ॥

४३. एगे भवं ? दुवे भवं ? अक्खए भवं ? अक्वए भवं ? अवट्टिए भवं ? अणेगभूय-भाव-भविए भवं ? सोमिला ! एगे वि अहं जाव अणेगभूय-भाव-भविए वि अहं ॥

४४. से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—एगे वि अहं जाव अणेगभूय-भाव-भविए वि अहं ? सोमिला ! दव्वट्टयाए एगे अहं, नाणदंसणट्टयाए दुविहे अहं, पएसट्टयाए अक्खए वि अहं, अक्वए वि अहं, अवट्टिए वि अहं, उवयोगट्टयाए अणेगभूय-भाव-भविए वि अहं । से तेणट्ठेणं जाव अणेगभूय-भाव-भविए वि अहं ॥

सोमिलस्स सावगधम्मगहण-पदं

४५. एत्थ णं से सोमिले माहणे^१ संवुद्धे सावगधम्मं पडिवज्जित्ता पडिगए ॥

४६. तए णं पासए अरहा अण्णया कयाइ वाणारसीओ नयरीओ अंबसालवणाओ चेइयाओ पडिनिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरइ ॥

सोमिलस्स मिच्छत्त-पदं

४७. तए णं से सोमिले माहणे अण्णया कयाइ असाहुदंसणेण य अपज्जुवासणयाए य मिच्छत्तपज्जवेहि^२ परिवड्ढमाणेहि^३, सम्मत्तपज्जवेहि^३ परिहायमाणेहि^३ मिच्छत्तं विप्पडिवण्णे^३ ॥

१. परिवड्ढमाणेहि २ (ग) ।

३. पडिवण्णे (ग) ।

२. परिहायमाणेहि २ (ग) ।

४८. तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स अणया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए^१ 'चित्थिए पत्थिए मणोगए संकप्पे^२ समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणे अच्चंतमाहण-कुलप्पसूए, तए णं मए वयाइं चिण्णाइं, 'वेदा य'^३ अधीया', दारा आहूया, पुत्ता जणिया, इड्डीओ समाणीताओ, पसुवधा कया, जण्णा जट्टा, दक्खिणा दिण्णा, अतिही पूजिता^४, अग्गी हुता, जूवा^५ निक्खित्ता, तं सेयं खलु मम इयाणि कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव^६ उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वाणारसीए नयरीए बहिया बहवे अंबारामे य 'माउलिगारामे य बिल्लारामे य कविट्टारामे य चिचारामे य पुप्फारामे य'^७ रोवावित्तए^८—एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वाणारसीए नयरीए बहिया अंबारामे य जाव पुप्फारामे य रोवावेइ ॥

४९. तए णं बहवे अंबारामा य जाव^९ पुप्फारामा य अणुपुव्वेणं सारक्खिज्जमाणा संगोविज्जमाणा संवड्ढिज्जमाणा आरामा जाया—किण्हा किण्हीभासा जाव^{१०} रम्मा महा-मेहनिकुरंभभूया पत्तिया पुष्पिया फलिया हरियगरेरिज्जमाणसिरीया अईव-अईव उव-सोभेमाणा चिट्ठति ॥

सोमिलस्स तावसपव्वज्जा-पदं

५०. तए णं तस्स सोमिलस्स माहणस्स अणया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स अयमेयारूवे अज्झत्थिए^{११} 'चित्थिए पत्थिए मणोगए संकप्पे^{१२} समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणे अच्चंतमाहण-कुलप्पसूए, तए णं मए वयाइं चिण्णाइं,^{१३} 'वेदा य अधीया, दारा आहूया, पुत्ता जणिया, इड्डीओ समाणीताओ, पसुवधा कया, जण्णा जट्टा, दक्खिणा दिण्णा, अतिही पूजिता, अग्गी हुता^{१४}, जूवा निक्खित्ता, तए णं मए वाणारसीए नयरीए बहिया बहवे अंबारामा जाव^{१५} पुप्फारामा य रोवाविया, तं सेयं खलु मम इयाणि कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव^{१६} उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुबहुं लोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं^{१७} तावसभंडं घडावेत्ता, विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेत्ता, मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं आमंतेत्ता, तं मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं

१. सं० पा०—अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था ।

२. वेदाइं (ग) ।

३. अहिया (ग) ।

४. पूरिता (क) ।

५. जूय (ग) ।

६. ओ० सू० २२ ।

७. एवं माउलिगा बिल्ला कविट्टा चिचा पुप्फारामा (क,ख,ग) ।

८. रोवियावित्तए (क) ; रोवेत्तए (ख) ।

९. उ० ३।४८ ।

१०. ओ० सू० ४ ।

११. सं० पा० - अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था ।

१२. सं० पा०—चिण्णाइं जाव जूवा ।

१३. उ० ३।४८ ।

१४. ओ० सू० २२ ।

१५. संतियं (ख) ।

विउलेणं असणं^१-^२पाण-खाइम-साइमेणं धूव-पुप्फ-वत्थ-गंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेत्ता^३ सम्माणेत्ता, तस्सेव मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणस्स पुरओ जेट्टपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता, तं मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं [जेट्टपुत्तं च ?] आपुच्छित्ता, सुबहुं लोहकडाहकडुच्छुयं^४ तंबियं तावसभंडगं गहाय जे इमे गंगाकूला वाणपत्था तावसा भवति, तं जहा होत्तिया 'पोत्तिया कोत्तिया'^५ जण्णई सडुई^६ थालई हुंबउट्टा^७ दंतुक्खलिया^८ उम्मज्जगा संमज्जगा निमज्जगा संपवखालगा दक्खिणकूला उत्तरकूला संखधमा कूलधमा मियलुद्धा हत्थितावसा उइंडगा दिसापोकखिणो वक्कवासिणो^९ बिलवासिणो^{१०} जलवासिणो^{११} रूक्खमूलिया अंबुभक्खिणो वाउभक्खिणो सेवालभक्खिणो मूलाहारा कंदाहारा तथाहारा पत्ताहारा पुप्फाहारा फलाहारा बीयाहारा परिसडिय-कंद-मूल-तथ-पत्त-पुप्फ-फलाहारा जलाभिसेयकडिणगायभूया^{१२} आयावणाहिं पंचग्गितावेहिं इंगालसोल्लियं कंदुसोल्लियं^{१३} कट्टसोल्लियं^{१४} पिव अप्पाणं करेमाणा विहरंति । तत्थ णं जेते दिसापोकखिया तावसा, तेसि अंतिए दिसापोकखिय[तावस ?]त्ताए पव्वइत्तए, पव्वइए वि य णं समाणे^{१५} इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिग्गिहिस्सामि^{१६}—कप्पइ मे जावज्जीवाए छट्ठंछट्ठेणं अणिकखित्तेणं दिसाचक्कवालेणं तवोकम्मेणं उड्डं वाहाओ पग्गिज्झिय-पग्गिज्झिय सूराभिमुहस्स आयावणभूमीए आयावेमाणस्स विहरित्तएत्तिकट्टु 'एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता कल्लं पाउप्प-भायाए रयणीए जाव उट्टियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुबहुं लोह'^{१७} *कडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडं घडावेत्ता, विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडा-वेत्ता, मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं आमंतेत्ता, तं मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं धूव-पुप्फ-वत्थ-गंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेत्ता सम्माणेत्ता, तस्सेव मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणस्स पुरओ जेट्टपुत्तं कुडुंबे ठावेत्ता, तं मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं [जेट्टपुत्तं च ?] आपुच्छित्ता, सुबहुं लोहकडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडगं गहाय तत्थ णं जेते दिसापोकखिया तावसा, तेसि अंतिए^{१८} दिसापोकखियतावसत्ताए पव्वइए । पव्वइए वि य णं समाणे^{१९} इमं एयारूवं अभिग्गहं अभिग्गिहित्ता पढमं छट्टक्खमणं उवसंपज्जित्ता णं विहरइ ॥

सोमिलस्स साधना-पदं

५१. तए णं सोमिले माहणरिसी पढमछट्टक्खमणपारणगंसि आयावणभूमीओ पच्चो-

- | | |
|---|---|
| १. सं० पा -- असण जाव सम्माणेत्ता । | ९. °किडिण° (ख), जलाभिसेयकडिणगाया (वृ); जलाभिसेयकडिणगायभूया (वृपा) । |
| २. °कडेच्छुयं (क,ख) । | १०. × (क,ख); कंडुसोल्लियं (ग) । |
| ३. गोत्तिया बोहिया (क) । | ११. कट्टयसोल्लियं (क); × (ग) । |
| ४. वड्डइ (क) । | १२. समाणे उड्डं बाहाओ (क,ख) । |
| ५. हुंपउट्टा (क); हुंपउट्टा (ख); हुंपउट्टा (ग); हुंबउट्टा (ओ० सू० ९४) । | १३. अभिग्गिहित्ता (क,ख) । |
| ६. दंतुज्जलिया (क) । | १४. सं० पा०—लोह जाव दिसापोकखिय° । |
| ७. वाक्कवासिणो (ओ० सू० ९४) । | १५. × (क,ख) । |
| ८. वेसवासिणो (वृपा) । | |

रुहइ, पच्चोरुहिता वागलवत्थनित्थे जेणेव 'सए उडए' तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता किढिण-संकाइयं गेण्हइ, गेण्हिता पुरत्थिमं दिसं पोवखेइ, पुरत्थिमाए दिसाए सोमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अमिरवखउ सोमिलमाहणरिसि-अमिरवखउ सोमिलमाहणरिसि, जाणि य तत्थ कंदाणि य मूलाणि य तयाणि य पत्ताणि य पुष्पाणि य फलाणि य बीयाणि य हरियाणि य ताणि अणुजाणउत्तिकट्टु पुरत्थिमं दिसं पसरइ, पसरिता जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव हरियाणि य ताइ गेण्हइ, गेण्हिता किढिण-संकाइयं भरेइ, भरेत्ता दब्भे य कुसे य पत्तामोडं च समिहाकट्टाणि य गेण्हइ, गेण्हिता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता किढिण-संकाइयं ठवेइ, ठवेत्ता वेदि वड्ढेइ, वड्ढेत्ता उबलेवण-संमज्जणं करेइ, करेत्ता दब्भकलसहत्थगए जेणेव गंगा महाणई तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता गंगं महाणइ ओगाहइ, ओगाहिता जलमज्जणं करेइ, करेत्ता जलाभिसेयं करेइ, करेत्ता जलकिड्डं करेइ, करेत्ता आयते चोवखे परमसुइभूए देवपिउकयकज्जे दब्भकलसहत्थगए गंगाओ महाणईओ पच्चूत्तरइ, पच्चूत्तरिता जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता दब्भे य कुसे य वालुयाए य वेदि रएइ, रएत्ता सरयं करेइ, करेत्ता अरणिं करेइ, करेत्ता सरएणं अरणिं महेइ, महेत्ता अग्गि पाडेइ, पाडेत्ता अग्गि संधुक्केइ, संधुक्केत्ता समिहाकट्टाणि पविखवइ, पविखवित्ता अग्गि उज्जालेइ, उज्जालेत्ता अग्गिस्सं दाहिणे पासे, सत्तंगाइं समादहे, [तं जहा—

सकथं ववकलं ठाणं, सेज्जभंडं कमंडलुं ।

दंडदारं तहप्पाणं, अहे ताइं समादहे ॥१॥]

महुणा य घएण य तंदुलेहि य अग्गि हुणइ, 'चरुं साहेइ', साहेत्ता वलि वइस्सदेवं करेइ, करेत्ता अतिहिपूयं करेइ, करेत्ता तओ पच्छा अप्पणा आहारं आहारेइ ॥

५२. तए णं से सोमिले माहणरिसी दोच्चं छट्ठवखमणं उवसंपज्जित्ताणं विहरइ ॥

५३. तए णं से सोमिले माहणरिसी दोच्चं छट्ठवखमणपारणगसि *आयावणभूमीओ

१. सए उडव (क) ।

२. दिसं (क) ।

३. किढिण (क) ।

४. पत्तामोडं (क) ।

५. उडवए (क) ।

६. दब्भकलसहत्थगए (वृषा) ।

७. जलकिड्डं करेइ, करेत्ता जलाभिसेयं (वृ) ।

८. अगणि (क) ।

९. अग्गी (क) ।

१०. प्रस्तुतसूत्रस्य वृत्तौ भगवतीवृत्तावपि (पत्र ५२०) च सार्धश्लोकस्य उल्लेखो लभ्यते—
'अग्गिस्स दाहिणे' इत्यादि सार्धश्लोकः
तद्यथा शब्दवर्जम् (A. S. Gopani, V.J.

ehokshi द्वारा सम्पादितवृत्तिपत्र ३२) ।

११. भगवं (क); सगधं (ख) ।

१२. मकलं (क) ।

१३. डंडदारं (क); दंडदारं (ख) ।

१४. ताइं समिते (क, ख, ग); भगवत्यामपि (११।६४) च नैतत् पदं लभ्यते ।

१५. असौ कोष्ठकवर्ती पाठो व्याख्यांशः प्रतीयते ।

१६. वेतंसावेइ (क) ।

१७. सं० पा० - तं चेव सर्वं भाणियद्धं जाव आहारं आहारेइ, नवरं इमं नाणत्तं- दाहिणाए दिसाए जमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अमिरवखउ सोमिलं माहणरिसि, जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव अणुजाणउत्ति कट्टु

पच्चोरुहइ, पच्चोरुहिता वागलवत्थनियत्थे जेणेव सए उडए तेणेव उवागच्छइ, उवा-
गच्छिता किठिण-संकाइयं गेण्हइ, गेण्हिता दाहिणं दिसिं पोवखेइ, दाहिणाए दिसाए जमे
महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसिं-अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसिं,
जाणि य तत्थ कंदाणि य मूलाणि य तथाणि य पत्ताणि य पुष्पाणि य फलाणि य बीयाणि
य हरियाणि य ताणि अणुजाणउत्तिकट्टु दाहिणं दिसिं पसरइ जाव' तओ पच्छा
अप्पणा आहारं आहारेइ ॥

५४. एवं तच्चच्छट्टक्खमणपारणगंसि पच्चत्थिमेणं वरुणे महाराया पत्थाणे पत्थियं
अभिरक्खउ सोमिलमाहणरिसिं जाव' तओ पच्छा अप्पणा आहारं आहारेइ ।

एवं चउत्थच्छट्टक्खमणपारणगंसि उत्तरेणं वेसमणे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ
सोमिलमाहणरिसिं जाव' तओ पच्छा अप्पणा° आहारं आहारेइ ॥

५५. तए णं तस्स सोमिलमाहणरिसिस्स अणया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि
अणिच्चजागरियं जागरमाणस्स° अयमेयारूवे अज्जत्थिए° •चित्तिए पत्थिए मणोगए
संकप्पे° समुप्पज्जित्था— एवं खलु अहं वाणारसीए नयरीए सोमिले नामं माहणरिसो
अच्चंतमाहणकुलप्पसूए, तए णं मए वयाइं चिण्णाइं जाव' जूवा निक्खित्ता, तए णं मए
वाणारसीए° •नयरीए वहिया वहवे अंबारामा य मारुलिगारामा य बिल्लारामा य कविट्टा-
रामा य चिचारामा य° पुष्कारामा य रोवाविया, तए णं मए सुबहुं लोहं° •कडाहकडुच्छुयं
तंबियं तावसभंडं घडावेत्ता, विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं° उवक्खडावेत्ता जाव' जेट्टुपुत्तं
कुडुंवे ठवेत्ता जाव'° जेट्टुपुत्तं आपुच्छित्ता, सुबहुं लोहं° •कडाहकडुच्छुयं तंबियं तावसभंडं
गहाय तत्थ णं जेते दिसापोकियया तावसा तेसिं दिसापोकिययातावसत्ताए° पव्वइए, पव्वइए
वि य णं समाणे छट्ठंछट्ठेणं जाव'° विहरिए°, तं सेयं खलु ममं इयाणि कल्लं
पाउप्पभायाए रयणीए जाव'° उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते बहवे
तावसे दिट्ठाभट्ठे य पुव्वसंगइए य परियायसंगइए° य आपुच्छित्ता आसमससियाणि य

दाहिणं दिसिं पसरइ । एवं पच्चत्थिमेणं
वरुणे महाराया जाव पच्चत्थिमं दिसिं
पसरइ । उत्तरेणं वेसमणे महाराया जाव
उत्तरं दिसिं पसरइ । पुव्वदिसागमेणं चत्तारि
दिसाओ भाणियव्वाओ जाव आहारं
आहारेइ ।

१. उ० ३।५१ ।

२. उ० ३।५२, ५३ ।

३. उ० ३।५२, ५३ ।

४. जागरमाणे (क) ।

५. सं० पा०— अज्जत्थिए जाव समुप्पज्जित्था ।

६. उ० ३।४८ ।

७. सं० पा०— वाणारसीए जाव पुष्कारामा य
जाव रोविया (क, ख, ग) ।

८. सं० पा०— लोह जाव घडावेत्ता जाव
उवक्खडावेत्ता ।

९. उ० ३।५० ।

१०. उ० ३।५० ।

११. सं० पा०— लोह जाव गहाय मुंडे जाव
पव्वइए ।

१२. उ० ३।५०-५४ ।

१३. विहरइ (क, ग) ।

१४. ओ० सू० २२ ।

१५. परिसासंगइए (क); × (ख) ।

बहूइं सत्तसयाइं अणुमाणइत्ता वागलवत्थनियत्थस्स किट्ठिणं-संकाइय-‘गहितग्गिहोत्त-सभंडो-
वगरणस्स’ कट्टमुद्दाए’ मुहं बंधित्ता उत्तरदिसाए उत्तराभिमुहस्स महप्पत्थाणं पत्थाइत्तए
—एवं सपेहेइ, सपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि
दिणयरे तेयसा जलंते बहवे तावसे य दिट्ठाभट्ठे य पुव्वसंगइए य *परियायसंगइए य
आपुच्छित्ता आसमसंसियाणि य बहूइं सत्तसयाइं अणुमाणइत्ता वागलवत्थनियत्थे किट्ठिण-
संकाइय-गहितग्गिहोत्त-सभंडोवगरणे° कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता अयमेयारूवं अभिग्गहं
अभिगिण्हइ—जत्थेव णं अहं जलंसि वा थलंसि वा दुग्गंसि वा निन्नंसि वा पव्वयंसि वा
विसमंसि वा गट्ठाए वा दरीए वा पक्खलेज्ज वा पवडेज्ज वा, नो खलु मे कप्पइ
पच्चुट्ठित्तएत्तिकट्ठ अयमेयारूवं अभिग्गहं अभिगिण्हइ, उत्तराए दिसाए उत्तराभिमुहे
महप्पत्थाणं पत्थिए ॥

५६. तए णं से सोमिले माहणरिसी पच्चावरण्हकालसमयंसि° जेणेव असोगवरपायवे
तेणेव उवागए, असोगवरपायवस्स अहे किट्ठिण-संकाइयं° ठवेइ, ठवेत्ता वेदि वड्ढेइ,
वड्ढेत्ता उवलेवण-संमज्जणं करेइ, करेत्ता दब्भकलसहत्थगए जेणेव गंगा महाणई *तेणेव
उवागच्छइ, उवागच्छित्ता गंगं महाणइं ओगाहइ, ओगाहिस्ता जलमज्जणं करेइ, करेत्ता
जलाभिसेयं करेइ, करेत्ता जलकिड्डं करेइ, करेत्ता आयंते चोक्खे परमसुइभूए देवपिउकय-
कज्जे दब्भकलसहत्थगए° गंगाओ महाणईओ पच्चुत्तरइ, पच्चुत्तरित्ता जेणेव असोगवरपायवे
तेणेव ‘उवागच्छइ, उवागच्छित्ता’ दब्भेहि य कुसेहि य वालुयाए य वेदिं रएइ, रएत्ता
सरमं करेइ, करेत्ता जाव° बलिं वइस्सदेवं करेइ, करेत्ता कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता
तुसिणीए संचिट्ठइ ॥

५७. तए णं तस्स सोमिलमाहणरिसिस्स पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि एमे देवे अंतियं
पाउब्भूए ॥

५८. तए णं से देवे सोमिलं माहणं एवं वयासी—हंभो सोमिलमाहणा ! पव्वइया !
दुप्पव्वइयं ते ॥

५९. ‘तए णं से सोमिले तस्स देवस्स एयमट्ठं नो आढाइ नो परिजाणइ,
अणाढायमाणे अपरिजाणमाणे तुसिणीए संचिट्ठइ’^{११} ॥

६०. ‘ततेणं से देवे सोमिलं माहणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वयासी—हंभो सोमिल-
माहणा ! पव्वइया ! दुप्पव्वइयं ते’^{१२} ॥

६१. तए णं से सोमिले तस्स देवस्स दोच्चंपि तच्चंपि एयमट्ठं नो आढाइ नो परि-

१. किट्ठिण (क,ख) ।

२. गहितग्गिहोत्तस्सभं° (क) ; गहितग्गिहोत्त-
स्सभं° (ख) ; गहितसभंडोवगरणस्स (वृ) ।

३. कट्टमुद्दाते (क) ।

४. सं० पा०—तं चेव जाव कट्टमुद्दाए ।

५. वा एवं (क,ख,ग) ।

६. पुव्वावरण्ह° (क,ख,ग) ।

७. संकाइयगं (क,ख,ग) ।

८. सं० पा०—जहा सिवो जाव गंगाओ ।

९. उवागए (क,ख) ।

१०. उ० ३।५१ ।

११. × (क) ।

१२. × (ख) ।

जाणइं, *अणाढायमाणे अपरिजाणमाणे° तुसिणीए संचिट्ठइ ॥

६२. तए णं से देवे सोमिलेणं माहणरिसिणा अणाढाइज्जमाणे° जामेव दिसि पाउब्भूए तामेव दिसि पडिगए ॥

६३. तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव' उट्टियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वागलवत्थनियत्थे किट्ठिण-संकाइय-गहिय-गिगहोत्त-भंडोवगरणे' कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता [उत्तराए दिसाए ?] उत्तराभिमुहे संपत्थिए ॥

६४. तए णं से सोमिले बिइयदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव सत्तिवण्णे तेणेव उवागए, सत्तिवण्णस्स अहे किट्ठिण-संकाइयं ठवेइ, ठवेत्ता वेदि वड्ढेइ जहा असोगवरपायवे जाव' अग्गि हुणइ, 'चरुं साहेइ, बलिं वइस्सदेवं करेइ', कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, तुसिणीए संचिट्ठइ ॥

६५. तए णं तस्स सोमिलस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे अंतियं पाउब्भूए ॥

६६. तए णं से देवे अंतलिक्खपडिवण्णे जहा असोगवरपायवे जाव' पडिगए ॥

६७. तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव' उट्टियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वागलवत्थनियत्थे किट्ठिण-संकाइयं गेण्हइ, गेण्हित्ता कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता उत्तराए दिसाए उत्तराभिमुहे संपत्थिए ॥

६८. तए णं से सोमिले तइयदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता असोगवरपायवस्स अहे किट्ठिण-संकाइयं ठवेइ, ठवेत्ता वेदि वड्ढेइ जाव' 'गंगाओ महाणईओ' पच्चुत्तरइ, पच्चुत्तरित्ता जेणेव असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता' वेदि रएइ, रएत्ता कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता तुसिणीए संचिट्ठइ ॥

६९. तए णं तस्स सोमिलस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे अंतियं पाउब्भूए', तं चेव भणइ जाव' पडिगए ॥

७०. तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव' उट्टियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वागलवत्थनियत्थे किट्ठिण-संकाइय-गहियगिगहोत्त-भंडोवगरणे' कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता उत्तराए दिसाए उत्तराभिमुहे संपत्थिए ॥

७१. तए णं से सोमिले चउत्थदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयंसि जेणेव वडपायवे

१. सं० पा०—परिजाणइ जाव तुसिणीए ।

८. ओ० सू० २२ ।

२. अतोप्रे 'अपरिजाणिज्जमाणे' इति पाठः

९. उ० ३।५६ ।

प्रासङ्गिकोस्ति, किन्तु आदर्शेषु नोपलभ्यते ।

१०. गंगं महानइं (क,ख,)

३. ओ० सू० २२ ।

११. पू०—उ० ३।५६ ।

४. समंडो (उ० ३।५५) ।

१२. पाउब्भवित्था (क,ग,) ।

५. उ० ३।५६ ।

१३. उ० ६।५८-३२ ।

६. × (क,ख,ग,) ।

१४. ओ० सू० २२ ।

७. उ० ३।५८-६२ ।

१५. जाव अग्गिहोत्तं (क,ख) ।

तेणेव उवागए, वडपायवस्स अहे किट्ठिण-संकाइयं ठवेइ, ठवेत्ता वेदि वड्ढेइ, उवलेवण-संमज्जणं करेइ जाव' कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, तुसिणीए संचिट्ठइ ॥

७२. तए णं तस्स सोमिलस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे अंतियं पाउब्भूए', तं चेव भणइ जाव' पडिगए ॥

७३. तए णं से सोमिले कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव' उट्ठियम्मि सूरे सहस्स-रस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते वागलवत्थनियत्थे किट्ठिण-संकाइयं'- •गहियग्गिहोत्त-भंडोवगरणे' कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता उत्तराए दिसाए उत्तराभिमुहे संपत्थिए ॥

७४. तए णं से सोमिले पंचमदिवसम्मि पच्चावरण्हकालसमयसि जेणेव उंबरपायवे तेणेव उवागच्छइ, उंबरपायवस्स अहे किट्ठिण-संकाइयं ठवेइ, ठवेत्ता वेदि वड्ढेइ जाव' कट्टमुद्दाए मुहं बंधइ, बंधित्ता तुसिणीए संचिट्ठइ ॥

७५. तए णं तस्स सोमिलमाहणस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले एगे देवे' •अंतियं पाउब्भूए ॥

७६. तए णं से देवे सोमिलं माहणं' एवं वयासी—हंभो' सोमिला ! पव्वइया ! दुप्पव्वइयं ते ॥

७७. •तए णं से सोमिले तस्स देवस्स एयमट्ठं नो आढाइ नो परिजाणइ, अणाढाय-माणे अपरिजाणमाणे' तुसिणीए संचिट्ठइ । देवो दोच्चंपि तच्चंपि वदइ—सोमिला ! पव्व-इया ! दुप्पव्वइयं ते ॥

सोमिलस्स देवेण पसिणोत्तर-पदं

७८. तए णं से सोमिले तेणं देवेणं दोच्चंपि तच्चंपि एवं वुत्ते समाणे तं देवं एवं वयासी—कहं णं देवाणुप्पिया ! मम दुप्पव्वइयं ?

७९. तए णं से देवे सोमिलं माहणं एवं वयासी— एवं खलु देवाणुप्पिया ! तुमं पासस्स अरहओ पुरिसादाणीयस्स अंतियं' पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे पडिवण्णे", तए णं तव अण्णया कयाइ असाहुदंसणेण' पुव्वरत्तावरत्तकाल-समयसि कुडुंबजागरियं जागरमाणस्स जाव पुव्वचित्तियं देवो उच्चारैइ जाव जेणेव

१. उ० ३।५६ ।

२. × (क) ।

३. उ० ३।५८-६२ ।

४. ओ० सू० २२ ।

५. सं० पा०-- संकाइय जाव कट्टमुद्दाए ।

६. उ० ३।५६ ।

७. सं० पा०—देवे जाव एवं ।

८. हंभो (क) ।

९. सं० पा०—पढमं भणइ तहेव ।

१०. अंतिए (ख) ।

११. ४५ सूत्रे 'सावगधम्मं पडिवज्जित्ता' इति पाठो स्ति, अत्र 'पंचाणुव्वइए सत्तसिक्खावइए दुवालसविहे सावगधम्मे पडिवण्णे' इति पाठो-स्ति । ८१,८२ सूत्रयोः 'पुव्वपडिवण्णाइं पंच अणुव्वयाइं' इति पाठोस्ति । अन्योः सप्त-शिक्षाव्रतानां उल्लेखो नास्ति । एतत् परिवर्तन भगवतो महावीरय परम्परानुसारि कृतं स्थ-विरैः । द्रष्टव्यम्—ना० १।५।४५ सूत्रस्य पादटिप्पणम् ।

१२. पू०- उ० ३।४७; × (क,ख) ।

असोगवरपायवे तेणेव उवागच्छसि', उवागच्छिता किढिण-संकाइयं जाव' तुसिणीए संचिद्वसि । तए णं अहं पुव्वरत्तावरत्तकाले तव अंतियं पाउव्वमामि, हंभो सोमिला ! पव्वइया ! दुप्पव्वइयं ते । तह च्चेव देवो निरवयवं' भणइ जाव' पंचमदिवसम्मि पच्चावरणहकालसमयंसि जेणेव उवरपायवे तेणेव उवागए किढिण-संकाइयं ठवेसि' वेदि वड्ढेसि उवलेवण-संमज्जणं करेसि', करेत्ता कट्टमुदाए मुहं बंधेमि, बंधेत्ता तुसिणीए संचिद्वसि, तं एवं खलु देवाणुप्पिया ! तव दुप्पव्वइयं ॥

८०. 'तए णं से सोमिले तं देवं एवं वयासी कहं णं देवाणुप्पिया ! मम सुपव्वइयं ?'

८१. तए णं से देवे सोमिलं एवं वयासी जइ णं तुमं देवाणुप्पिया ! इयाणि पुव्व-पडिवण्णाइं पंच अणुव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ता णं विहरसि' तो णं तुव्वं इयाणि सुपव्वइयं भवेज्जा' । तए णं से देवे सोमिलं वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमसित्ता जामेव दिसि पाउव्वभूए तामेव दिसि पडिगए ॥

सोमिलस्स पुणो सावगधम्मगहण-पदं

८२. तए णं से' सोमिले माहणरिसो तेणं देवेणं एवं वुत्ते समाणे पुव्वपडिवण्णाइं पंच अणुव्वयाइं सयमेव उवसंपज्जित्ता णं विहरइ ॥

सोमिलस्स सुक्कमहग्गत्ताए उववत्ति-पदं

८३. तए णं से सोमिले बहूहि चउत्थ-छट्टुम'^१-•वसम-दुवालसेहिं^२ मासद्धमास-खमणेहिं विचित्तेहिं तवोवहाणेहिं^३ अप्पाणं भावेमाणे बहूइं वासाइं समणोवासगपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं झूसेइ, झूसेत्ता तीसं भत्ताइं अण-सणाए छेदेइ, छेदेत्ता तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कते विराहियसम्मत्ते कालमासे कालं किच्चा सुक्कवडिसए विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि'^४ •देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए^५ ओगाहणाए सुक्कमहग्गत्ताए उववण्णे ॥

८४. तए णं से सुक्के महग्गहे अहुणोववण्णे समाणे'^६ •पंचविहाए पज्जत्तीए-- आहारपज्जत्तीए सरीरपज्जत्तीए इंदियपज्जत्तीए आणवाणपज्जत्तीए^७ भासमणपज्जत्तीए पज्जत्तभावं गए ॥

८५. एवं खलु सोयमा ! सुक्केणं महग्गहेणं सा दिव्वा'^८ •देविड्ढो दिव्वा देवजुती दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते^९ अभिसमण्णागए । एगं पलिओवमं ठिई ॥

१. उवागए (क); उवा (ख) ।

२. ३।४८-५६ ।

३. निययं (ग) ।

४. उ० ३।५६-७७ ।

५. ठवेहि (क); ठवेइ (ख,ग) ।

६. × (क,ख); करेइ (ग) ।

७. × (क,ग); तए णं मे सोमिले तं देवं एवं वयासी (ख) ।

८. विहरइ (क) ।

९. हवेज्जा (क) ।

१०. × (ख) ।

११. सं० पा०--छट्टुम जाव मासद्ध० ।

१२. तवविहाणेहिं (क) ।

१३. सं० पा० . देवसयणिज्जंसि जाव ओगाहणाए ।

१४. सं० पा०--समाणे जाव भासमणपज्जत्तीए ।

१५. सं० पा० . दिव्वा जाव अभिसमण्णागया ।

८६. सुक्के णं भंते ! महग्गहे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं^२ कंहि गच्छहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्झहिइ बुज्झहिइ मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ सब्बदुक्खाण-मंतं काहिइ ॥

निक्खेव-पदं

८७. ^३एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं पुष्पियाणं तच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते —त्ति बेमि^० ॥

चउत्थं अज्झयणं

बहुपुत्तिया

उक्खेव-पदं

८८. ^१जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^२ संपत्तेणं^३ पुष्पियाणं तच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, चउत्थस्स णं भंते ! अज्झयणस्स पुष्पियाणं समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^२ संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते^० ?

८९. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे । गुणसिल्लए चेइए । सेणिए राया । सामी समोसढे । परिसा निग्गया ॥

बहुपुत्तिया-पदं

९०. तेणं कालेणं तेणं समएणं बहुपुत्तिया देवी सोहम्मे कप्पे बहुपुत्तिए विमाणे सभाए सुहम्माए बहुपुत्तियंसि सोहासणंसि चउत्थिं सामाणियसाहस्सीहिं चउत्थिं महत्तरियाहिं जहा सूरियाभे जाव^२ भुजमाणी विहरइ ॥

९१. इमं च णं केवलकप्पं जंबुद्दीवं दीवं विउलेणं ओहिणा आभोएमाणी-आभोए-माणी पासइ पच्छा^४ समणं भगवं महावीरं जहा सूरियाभो जाव^२ नमंसित्ता सीहासणवरंसि पुरत्थाभिमुहा^५ संनिसण्णा । आभिओगा जहा सूरियाभस्स, सूसरा घंटा, आभिओगं^६ देवं सद्दावेइ, जाणविमाणं जोयणसहस्सवित्थिणं, जाणविमाणवण्णओ जाव उत्तरिल्लेणं निज्जाणमग्गेणं जोयणसाहस्सिएहिं^७ विग्गहेहिं तथा आगया जहा सूरियाभो, धम्मकहा समत्ता^८ ॥

९२. तए णं सा बहुपुत्तिया देवी दाहिणं भुयं पसारेइ—देवकुमाराणं अट्टसयं, देव-कुमारियाण य वामाओ भुयाओ । तयाणंतरं च णं बहवे दारमा य दारियाओ य डिंभए य डिंभियाओ य विउव्वइ, नट्टविहिं जहा^९ सूरियाभो उवदंसित्ता पडिग्गया ॥

१. पू०—उ० ३।१८ ।

२. सं० पा—निक्खेवो ।

३. सं० पा०—उक्खेवओ ।

४. ना० १।१।७ ।

५. संपाविउकामेणं (वृ) ।

६. ना० १।१।७ ।

७. राय० सू० ७ ।

८. आ (क); × (ग) ।

९. राय० सू० ८ ।

१०. मुही (ख) ।

११. आभिओगियं (क्व) ।

१२. सहस्सिएहिं (क) ।

१३. पू०—राय० सू० ६-६१ ।

१४. राय० सू० ६६-१२० ।

६३. भंते ! त्ति भगवं गोयमे समणं भगवं महावीरं वंदइ नमंसइ । कूडागारसाला दिदंठती^१ ॥

६४. बहुपुत्तियाए णं भंते ! देवीए सा दिव्वा देविड्डी पुच्छा जाव^२ अभिसमण्णागया ? सुभद्दाए संताणपिवासा-पदं

६५. एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं वाणारसी नामं नयरी, अबसालवणे चेइए ॥

६६. तत्थ णं वाणारसीए नयरीए भद्दे नामं सत्थवाहे होत्था- अड्ढे जाव^३ अपरिभूए ॥

६७. तस्स णं भद्दस्स^४ सुभद्दा नामं भारिया--सूमाला वंझा अवियाउरी जाणुकोप्पर-माया यावि होत्था ॥

६८. तए णं तीसे सुभद्दाए सत्थवाहीए अण्णया कयाइं पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए इमेयारूवे^५ •अज्जत्थिए चित्थिए पत्थिए मणोगए^६ संकप्पे समुप्पज्जित्था --एवं खलु अहं भद्देणं सत्थवाहेणं सद्धि विउलाइं भोगभोगाइं भुजमाणी विहरामि, नो चैव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि, तं घण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव^७ सुलद्धे णं तासि अम्मयाणं 'मणुए जम्मजीवियफले'^८, जासि मण्णे नियगकुच्छि-संभूयगाइं थणदुद्धलुद्धगाइं महुरसमुल्लावगाणि मम्मणपजंपियाणि^९ 'थणमूला कक्खदेसभाग'^{१०} अभिसरमाणणि^{११} 'पण्हयं पियंति'^{१२}, पुणो य कोमलकमलोवर्मेहि हत्थेहि गिण्हिअणं उच्छंग-निवेशियाणि देति समुल्लावए सुमहुरे पुणो-पुणो मंजुलप्पभणिए^{१३}, अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकयपुण्णा एत्तो एगमवि न पत्ता, ओह्य^{१४} •मणसंकप्पा करयलपल्हत्थमुही अट्टज्जाणोव-गया ओमंथियवयणनयणकमला दीणविवण्णवयणा^{१५} झियाइ ॥

सुभद्दागिहे अज्जागमण-पदं

६९. तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ णं अज्जाओ इरियासमियाओ भासासमि-याओ एसणासमियाओ आयाणभंडमत्तनिक्खेवणासमियाओ उच्चारपासवणखेलंसिघाण-जल्लपारिट्ठावणिघासमियाओ मणगुत्तीओ वयगुत्तीओ कायगुत्तीओ गुत्तिदियाओ गुत्त-बंभचारिणीओ बहुस्सुयाओ बहुपरियाराओ पुव्वाणुपुव्वि चरमाणीओ गामाणुगामं दूइज्जमाणीओ जेणेव वाणारसी नयरी तेणेव उवागयाओ, उवागच्छिता अहापडिरूवं ओग्गहं ओगिण्हत्ता संजमेणं तवसा^{१६} •अप्पाणं भावेमाणीओ^{१७} विहरंति ॥

१. पू०—राय० सू० १२१-१२३ ।

२. राय० सू० ६६७ ।

३. ओ० सू० १४१ ।

४. भद्दस्स य (क,ख,ग) ।

५. सं० पा० -- इमेयारूवे जाव संकप्पे ।

६. उ० १।३४ ।

७. मणुयजम्म० (वृ) ।

८. मंजुलपजंपियाणि (क,ख,ग) ।

९. थणमूलकक्ख० (क,ख,ग) ।

१०. अतिसरमाणणि (क,ग) ।

११. पण्हयंति (वृ) ।

१२. मम्मणप्प० (क,ख,ग) ।

१३. सं० पा०—ओह्य जाव झियाइ ।

१४. सं० पा०—तवसा जाव विहरंति ।

१००. तए णं तासि सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए वाणारसीए नयरीए उच्च-नीयमज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए अडमाणे भद्दस्स सत्थवाहस्स गिहं अणुपविट्ठे ॥

सुभद्दाए संताणलाभोवायपुच्छा-पदं

१०१. तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ, पासित्ता हट्टतुट्ठा खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठेत्ता मत्तट्टपयाइं अणुगच्छइ, अणुगच्छित्ता वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं पडिलाभेत्ता एवं वयासी. एवं खलु अहं अज्जाओ ! भद्देणं सत्थवाहेणं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंज-माणी विहरामि, नो चेव णं अहं दारमं वा दारियं वा पयामि^१, तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ^२ 'जाव^३ सुलद्धे णं तासि अम्मयाणं मणुए जम्मजीवियफले^४, अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकयपुण्णा^५ एत्तो एगमवि न पत्ता, तं तुब्भे णं अज्जाओ ! बहुणायाओ बहु-पडियाओ^६ बहूणि गामागर^७-^८णयर-णिगम-रायहाणि-खेड-कब्बड-दोणमुह-मडंब-पट्टणासम-संबाह^९-सण्णिवेसाइं आहिडह, बहूणं राईसर-तलवर^{१०}-^{११}माडंबिय-कोडुंबिय-इब्भ-सेट्ठि-सेणावड^{१२}-सत्थवाहप्पभिईणं गिहाइं अणुपविसह, अत्थि से केइ क्कहिच्चि विज्जापओए वा मंतप्पओए वा वमणं वा विरेयणं वा वत्थिकम्मे वा ओसहे वा भेसज्जे वा उवलद्धे, जेणं अहं दारमं वा दारियं वा पयाएज्जा ?

अज्जाए धम्मकहा-पदं

१०२. तए णं ताओ अज्जाओ सुभद्दं सत्थवाहि एवं वयासी—अम्हे णं देवाणुप्पिए ! समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव^१ गुत्तबंभचारिणीओ, नो खलु कप्पइ अम्हं एयमट्ठं कण्णेहि वि निसामेत्तए, किमंग पुण उवदसित्तए^२ वा समायरित्तए वा ? अम्हे णं देवाणुप्पिए ! पुणं^३ तव विचित्तं केवलपण्णत्तं धम्मं परिकहेमो ॥

सुभद्दाए धम्मपडिवत्ति-पदं

१०३. तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तासि अज्जाणं अंतिए^१ धम्मं सोच्चा निसम्म हट्टतुट्ठा ताओ अज्जाओ तिवखुत्तो वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी. सद्दहामि णं अज्जाओ ! निग्गंथं पावयणं, पत्तियामि णं अज्जाओ ! निग्गंथं पावयणं, रोएमि णं अज्जाओ ! निग्गंथं पावयणं, एवमेयं तहमेयं अदितहमेयं जाव^२ से जहेयं तुब्भे वयह । इच्छामि णं अहं तुब्भं अंतिए सावगधम्मं पडिवज्जित्तए । अहासुहं देवाणुप्पिए ! मा पडिबंधं करेहि ॥

१०४. तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही तासि अज्जाणं अंतिए^१ 'सावगधम्मं^२ पडिवज्जइ,

१. पयायामि (क्व०) ।

२. सं० पा०—अम्मयाओ जाव एत्तो ।

३. उ० १।३४ ।

४. पू०—उ० ३।६८ ।

५. बहुसिक्खिताओ बहुपडिताओ (क) ।

६. सं० पा०—गामागर जाव सण्णिवेसाइं ।

७. सं० पा०—तलवर जाव सत्थवाह० ।

८. उ० ३।६६ ।

९. उवएसियत्तए (क) ।

१०. × (क); णं (ग); तवरं (क्व०) ।

११. अंतियं (क) ।

१२. ना० २।१४।४७ ।

१३. अंतियं (क); सं० पा०—अंतिए जाव पडिवज्जइ ।

पडिवज्जिता ताओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता पडिविसज्जइ ॥

१०५. तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही समणोवासिया जाया जाव^१ विहरइ ॥

सुभद्दाए पव्वज्जा-पदं

१०६. तए णं तीसे सुभद्दाए समणोवासियाए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकाल-समयंसि कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे^२ •अज्जत्थिए च्चितिए पत्थिए मणोगए संकप्पे^३ समुप्पज्जित्था—एवं खलु अहं भद्देणं सत्थवाहेणं सद्धिं विउलाइं^४ •भोगभोगाइं भुंजमाणीं^५ विहरामि, नो चेव णं अहं दारगं वा दारियं वा पयामि, तं सेयं खलु ममं कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव^६ उट्ठियम्मि सूरे सहस्सरस्सिम्मि विणयरे तेयसा जलंते 'भद्दं सत्थवाहं'^७ आपुच्छित्ता सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए^८ मुंडा^९ भवित्ता अगाराओ^{१०} •अणगारियं^{११} पव्वइत्तए—एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता कल्ले^{१२} जेणेव भद्दे सत्थवाहे तेणेव उवा-गया करयल^{१३} •परिगहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्टुं^{१४} एवं वयासी^{१५} एवं खलु अहं देवाणुप्पिया ! तुब्भेहि सद्धिं बहूइं वासाइं विउलाइं भोगभोगाइं^{१६} •भुंजमाणीं^{१७} विहरामि, नो चेव णं दारगं वा दारियं वा पयामि, तं इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! तुब्भेहि अब्भणुण्णया समाणी सुव्वयाणं अज्जाणं^{१८} •अंतिए मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं^{१९} पव्वइत्तए ॥

१०७. तए णं से भद्दे सत्थवाहे सुभद्दं सत्थवाहिं एवं वयासी—मा णं तुमं देवाणु-प्पिए ! इयाणिं^{२०} मुंडा^{२१} •भवित्ता अगाराओ अणगारियं^{२२} पव्वयाहिं भुंजाहिं ताव देवाणु-प्पिए ! मए सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं, तओ पच्छा भुत्तभोई सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए मुंडा^{२३} •भवित्ता अगाराओ अणगारियं^{२४} पव्वयाहिं^{२५} ॥

१०८. तए णं सुभद्दा सत्थवाही भद्दस्स एयमट्ठं नो आढाइ नो परियाणइ । दोच्चंपि तच्चंपि [सुभद्दा सत्थवाही ?] भद्दं सत्थवाहं एवं वयासी—इच्छामि णं देवाणुप्पिया ! तुब्भेहि अब्भणुण्णया समाणीं^{२६} •सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं^{२७} पव्वइत्तए ॥

१०९. तए णं से भद्दे सत्थवाहे जाहे नो संचाएइ बहूहिं आघवणाहिं य पण्णवणाहिं^{२८} य सण्णवणाहिं य विण्णवणाहिं य आघवित्तए वा^{२९} •पण्णवित्तए वा सण्णवित्तए वा^{३०}

- | | |
|--|---|
| १. ना० १।१४।४९ । | ११. सं० पा०—भोगभोगाइं जाव विहरामि । |
| २. सं० पा०—अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था । | १२. सं० पा०—अज्जाणं जाव पव्वइत्तए । |
| ३. सं० पा०—विउलाइं जाव विहरामि । | १३. इदाणी (क,ख) । |
| ४. ओ० सू० २२ । | १४,१५. सं० पा०—मुंडा जाव पव्वयाहिं । |
| ५. भद्दस्स (ख,ग) । | १६. पव्वइएहिसि (क); पव्वइहिसि (ख); पव्वहिसिति (ग) । |
| ६. अंतियं (क) । | १७. सं० पा०—समाणी जाव पव्वइत्तए । |
| ७. अज्जा (ग) । | १८. एवं पण्णं (क,ख,ग) । |
| ८. सं० पा०—अगाराओ जाव पव्वइत्तए । | १९. सं० पा०—आघवित्तए वा जाव विण्णवित्तए । |
| ९. कल्लं (ख) । | |
| १०. सं० पा०—करयल० । | |

विष्णवित्तए वा ताहे अकामए चेव सुभद्दाए निक्खमणं अणुमण्णित्था ॥

११०. तए णं से भद्दे सत्थवाहे विउलं असणं पाणं खाइमं साइमं उवक्खडावेइ, मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं आमंतेइ, तओ पच्छा भोगयवेलाए जाव^१ मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणं विपुलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं धूव-पुप्फ-वत्थ-गंध-मल्लालंकारेण य सक्कारेइ सम्माणेइ, सुभद्दं सत्थवाहिं ण्हायं^२ •कयवलिकम्मं कयकोउय-मंगलं-पायच्छित्तं सव्वालंकारविभूसियं पुरिससहस्सवाहिंणि सीयं दुरूहेइ ॥

१११. तए णं से भद्दे सत्थवाहे मित्त-नाइ-नियग-सयण-संबंधि-परियणेण सद्धि संपरिवुडे सव्विड्डीए जाव^३ दुंदुहि-णिग्घोसणाइयरवेणं वाणारसीनयरीए मज्झमज्जेणं जेणेव सुव्वयाणं अज्जाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता पुरिससहस्सवाहिंणि सीयं ठवेइ, सुभद्दं सत्थवाहिं सीयाओ पच्चोरुहेइ ॥

११२. तए णं भद्दे सत्थवाहे सुभद्दं सत्थवाहिं पुरओ काउं जेणेव 'सुव्वया अज्जा'^४ तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता सुव्वयाओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी—एवं खलु देवाणुप्पिया ! सुभद्दा सत्थवाही मम भारिया इट्ठा कंता जाव^५ मा णं वाइया पित्तिया सिंभिया सण्णिवाइया विविहा रोगायंका फुसंतु । एस णं देवाणुप्पिया ! संसारभउब्बिग्गा भीया जम्मणमरणणं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडा भवित्ता^६ •अमाराओ अणगरियं^७ पव्वयाइ । तं एयं णं अहं देवाणुप्पियाणं सीसिणिभिकखं दलयामि । पडिच्छंतु णं देवाणुप्पिया ! सीसिणिभिकखं । अहासुहं देवाणुप्पिया ! मा पडिबंधं करेहि ॥

११३. तए णं सा सुभद्दा सत्थवाही सुव्वयाहिं अज्जाहिं एवं वुत्ता समानी हट्टुट्ठा [उत्तरपुरत्थिमं दिसीभागं अवक्कमइ, अवक्कमित्ता ?] सयमेव आभरणमल्लालंकारं ओमुयइ, ओमुइत्ता सयमेव पंचमुट्टियं लोयं करेइ, करेत्ता जेणेव सुव्वयाओ अज्जाओ तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छिता सुव्वयाओ अज्जाओ तिक्खुत्तो आयाहिण-पयाहिणं करेइ, करेत्ता वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी—आलित्ते णं अज्जा^८ ! लोए जहा देवाणंदा तथा पव्वइया जाव^९ अज्जा जायाः इरियासमिया जाव^{१०} मुत्तवंभयारिणी ॥

सुभद्दाए अज्जाए संताणपिवासाणुभव-पदं

११४. तए णं सा सुभद्दा अज्जा अण्णया कयाइ बहुजणस्स चेडरूवेसु मुच्छिया^{११} •गिद्धा गट्ठिया^{१२} अज्जोववण्णा अढ्भंगणं च उव्वट्टणं च फासुयपाणं च अलत्तगं च कंकणाणि य अंजणं च वण्णगं च चुण्णगं च खेल्लणगाणि^{१३} य खज्जल्लगाणि य खीरं च पुप्फाणि य गवेसइ, गवेसित्ता बहुजणस्स दारए य दारियाओ य कुमारे य कुमारियाओ य

१. उवा० १।५७

२. सं० पा०—ण्हायं जाव पायच्छित्त ।

३. ओ० सू० ६७ ।

४. सुव्वयज्जा (ख) ।

५. उ० ३।१२८ ।

६. सं० पा०—भवित्ता जाव पव्वयाइ ।

७. भंते (क, ख, ग) ।

८. भग० ६।१५२-१५४ ।

९. उ० ३।६६ ।

१०. सं० पा०—मुच्छिया जाव अज्जोववण्णा ।

११. खेल्लणाणि (क) ; खेल्लगाणि (ग) ।

डिभए य डिभियाओ य अप्पेगइयाओ अब्भंगेइ, अप्पेगइयाओ उव्वट्टेइ अप्पेगइयाओ^१ फासुयपाणएणं ष्हावेइ, अप्पेगइयाणं पाए रयइ^२, अप्पेगइयाणं ओट्ठे रयइ, अप्पेगइयाणं अच्छीणि अंजेइ, अप्पेगइयाणं उमुए करेइ, अप्पेगइयाणं तिलए करेइ, अप्पेगइयाओ दिगिदलए करेइ, अप्पेगइयाणं पंतियाओ करेइ, अप्पेगइयाइं छिज्जाइं करेइ, अप्पेगइया वण्णएणं समालभइ, अप्पेगइया चुण्णएणं समालभइ, अप्पेगइयाणं खेल्ल-णगाइं दलयइ, अप्पेगइयाणं खज्जलगाइं दलयइ, अप्पेगइयाओ खीरभोयणं भुंजावेइ, अप्पे-गइयाणं पुप्फाइं ओमुयइ^३, अप्पेगइयाओ पाएसु ठवेइ, अप्पेगइयाओ जंघासु ठवेइ^४, एवं—अरुसु उच्छेगे कडीए पिट्टीए^५ पिट्टे^६ उरसि खंधे सीसे य करयलपुडेणं गहाय 'हलउलेमाणी-हलउलेमाणी'^७ 'आगायमाणी-आगायमाणी परिगायमाणी-परिगायमाणी'^८ पुत्तपिवासं च धूयपिवासं च नत्तुयपिवासं च नत्तिपिवासं च पच्चणुभवमाणी विहरइ ॥

११५. तए णं ताओ सुव्वयाओ^९ अज्जाओ सुभइं अज्जं एवं वयासी^{१०} अम्हे णं देवाणु-प्पिए ! समणीओ निग्गंथीओ इरियासमियाओ जाव^{११} गुत्तबंभयारिणीओ, नो खलु अम्हं कप्पइ धाइकम्मं करेत्तए । तुमं च णं देवाणुप्पिए ! बहुजणस्स चेडरूवेसु मुच्छिया^{१२} •गिद्धा गद्धिया^{१३} अज्झोववण्णा अब्भंगणं जाव^{१४} नत्तिपिवासं वा पच्चणुभवमाणी विहरसि । तं णं तुमं देवाणुप्पिए ! एयस्स ठाणस्स आलोएहि^{१५} •पडिकम्मेहि णिदेहि गरिहेहि विउट्टेहि विसोहेहि अकरणयाए अब्भुट्ठेहि अहारिहं^{१६} पायच्छित्तं^{१७} पडिवज्जाहि ॥

११६. तए णं सा सुभद्दा अज्जा सुव्वयाणं अज्जाणं एयमट्ठं नो आढाइ नो परि-जाणइ, अणाढायमाणी अपरिजाणमाणी विहरइ ॥

११७. तए णं ताओ समणीओ निग्गंथीओ सुभइं अज्जं हीलेत्ति^{१८} निदत्ति खिसंति गरहंति^{१९} अभिक्खणं-अभिक्खणं एयमट्ठं निवारंति ॥

११८. तए णं तीसे सुभद्दाए अज्जाए समणीहि निग्गंथीहिं हीलिज्जमाणीए^{२०} •निदिज्जमाणीए खिसिज्जमाणीए गरहिज्जमाणीए^{२१} अभिक्खणं-अभिक्खणं एयमट्ठं निवारिज्जमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए चित्तिए पत्थिए मणोए संकप्पे समुप्पज्जित्था-जया णं अहं अगारवासं आवसामि^{२२} तथा णं अहं अप्पवसा, जप्पभिइं च णं अहं मुंडा भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वइया तप्पभिइं च णं अहं परवसा, पुव्वि च मम

१. एवं अप्पे० (क,ख,ग) ।

२. रएत्ति (ख) ।

३. आमयइ (क,ख); असुयत्ति (ग) ।

४. करेइ (ख,ग) ।

५. पट्टीए (क); पिट्ठे (ग) ।

६. वेट्टे (क); × (ग) ।

७. हलओतेमाणी २ (क) ।

८. गायमाणी (ख) ।

९. सुव्वदाओ (क) ।

१०. उ० ३।६६ ।

११. सं० पा०—मुच्छिया जाव अज्झोववण्णा

१२. उ० ३।११४ ।

१३. सं० पा०—आलोएहि जाव पायच्छित्तं ।

१४. पच्छित्तं (ख) ।

१५. हिलत्ति (क,ग) ।

१६. गरिहंति (ख) ।

१७. सं० पा०—हीलिज्जमाणीए जाव अभिक्खणं ।

१८. वसामि (ग) ।

समणीओ निग्गंथीओ आढेंति^१ परिजाणेंति, इयाणि नो आढेंति नो परिजाणंति, तं सेयं खलु मे कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव^२ उट्टियम्मि सूरुं सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुव्वयाणं अज्जाणं अंतियाओ पडिनिक्खमित्ता पाडिक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ता णं विहरित्तए— एवं संपेहेइ, संपेहेत्ता कल्लं पाउप्पभायाए रयणीए जाव उट्टियम्मि सूरुं सहस्सरस्सिम्मि दिणयरे तेयसा जलंते सुव्वयाणं अज्जाणं अंतियाओ पडिनिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता पाडिक्कं उवस्सयं उवसंपज्जित्ता^३ णं विहरइ ॥

११६. तए णं सा सुभद्दा अज्जा अज्जाहि अणोहट्टिया अणिवारिया सच्छंदमई बहु-जणस्स वेडरूवेसु मुच्छिया^४ • गिद्धा गट्ठिया अज्जोववण्णा अब्भंगणं च जाव^५ नत्तिपिवासं च पच्चणुभवमाणी विहरइ ॥

सुभद्दाए बहुपुत्तियदेवित्ताए उववत्ति-पदं

१२०. तए णं सा सुभद्दा अज्जा पासत्था पासत्थविहारी^६ 'ओसण्णा ओसण्णविहारी कुसीला कुसीलविहारी'^७ संसत्ता संसत्तविहारी अहाळंदा अहाळंदविहारी बहूइ वासाइं सामण्णपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता अद्धमासियाए संलेहणाए अत्ताणं शोसेत्ता, तोसं भत्ताइं अणसाए छेदेत्ता, तस्स ठाणस्स अणालोइयपडिक्कंता^८ कालमासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे बहुपुत्तियाविमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि देवदूसंतरिया अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए^९ ओगाहणाए बहुपुत्तियदेवित्ताए उववण्णा ॥

१२१ तए णं सा बहुपुत्तिया देवी अहुणोववण्णमेत्ता समाणी पंचविहाए पज्जत्तीए जाव^{१०} भासमणपज्जत्तीए पज्जत्तभावं गया ॥

१२२. एवं खलु गोयमा ! बहुपुत्तियाए देवीए सा दिव्वा देविद्धी^{११} • दिव्वा देवजुती दिव्वे देवाणुभावे लद्धे पत्ते^{१२} अभिसमण्णागए ॥

१२३. से केणट्ठेणं भंते ! एवं वुच्चइ—बहुपुत्तिया देवी बहुपुत्तिया देवी ? गोयमा ! बहुपुत्तिया णं देवी जाहे-जाहे सक्कस्स देविदस्स देवरण्णे उवत्थाणियं^{१३} करेइ ताहे-ताहे बहवे दारए य दारियाओ य डिभए य डिभियाओ य विउव्वइ, विउव्वित्ता जेणेव सक्के देविदे देवराया तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सक्कस्स देविदस्स देवरण्णे दिव्वं देविद्धि दिव्वं देवज्जुइं दिव्वं देवाणुभावं उवदसेइ । से तेणट्ठेणं गोयमा ! एवं वुच्चइ - बहुपुत्तिया देवी बहुपुत्तिया देवी ॥

१२४. बहुपुत्तियाए णं भंते ! देवीए केवइयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! चत्तारि पलिओवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥

१. आहयंति (क); आढेंति (ख,ग) ।

२. ओ० सू० २२ ।

३. जाइत्ता (ग) ।

४. सं पा०—मुच्छिया जाव अब्भंगणं ।

५. उ० ३।११४ ।

६. विहारिणी (कव) ।

७. एवं ओसण्णा कुसीला (क,ख,ग) ।

८. °अपडिक्कंता (क,ख,ग) ।

९. °मित्ताए (क,ख) ।

१०. उ० ३।८४ ।

११. सं० पा०—देविद्धी जाव अभिसमण्णागया ।

१२. उवत्थाणियाणं (क,ख,ग) ।

सोमाए संताणुप्पत्ति-पदं

१२५. बहुपुत्तिया णं भते ! देवी ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं 'भवक्खएणं ठिइक्खएणं' अणंतरं चयं चइत्ता कहिं गच्छहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! इहेव जंबु-दीवे दीवे भारहे वासे विञ्जगिरिपायमूले विभेलसण्णिवेसे^१ माहणकुलंसि दारियत्ताए पच्चायाहिइ ॥

१२६. तए णं तीसे दारियाए अम्मापियरो एक्कारसमे दिवसे 'वीइक्कते णिवत्ते असुइजायकम्मकरणे संपत्ते बारसाहे'^२ अयमेयारूवं नामधेज्जं करेहिंति^३ होउ णं अम्हं इमीसे दारियाए नामधेज्जं सोमा ॥

१२७. तए णं सा सोमा उम्मुक्कबालभावा विण्णय-परिणयमेत्ता जोव्वणगमणुप्पत्ता रूवेण य जोव्वणेण य लावणेण य उक्किट्ठा उक्किट्ठसरीरा वि^४ भविस्सइ ॥

१२८. तए णं तं सोमं दारियं अम्मापियरो उम्मुक्कबालभावं 'विण्णय-परिणयमेत्तं जोव्वणगमणुप्पत्तं'^५ पडिक्खविण्णं^६ सुक्केणं 'पडिक्खविण्ण य विण्णएणं'^७ नियगस्स भाइणे-ज्जस्स रट्टुकूडस्स भारियत्ताए दलइस्संति । सा णं तस्स भारिया भविस्सइ इट्ठा कंता^८ *पिया मणुण्णा मणामा थेज्जा वेसासिया सम्मया बहुमया अणुमया^९ भंडकरंडगसमाणा तेल्लकेला इव सुसंगोविया^{१०} चेलपेला इव सुसंपरिहिया^{११} रयणकरंडगो विव सुसारक्खिया सुसंगोविया, मा णं सीयं^{१२} * मा णं उण्हं मा णं खुहा मा णं पिवासा मा णं चोरा मा णं वाला मा णं दंसा मा णं मसगा मा णं वाइय-पित्तिय-सिभिय-सण्णिवाइया^{१३} विविहा रोयायंका फुसंतु ॥

१२९. तए णं सा सोमा माहणी रट्टुकूडेणं^{१४} सद्धि विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी संवच्छरे-संवच्छरे जुयलणं पयायमाणी सोलसेहिं संवच्छरेहिं बत्तीसं दारगरूवे^{१५} पयाहिइ^{१६} ॥

सोमाए बहुसंताणजणियखेद-पदं

१३०. तए णं सा सोमा माहणी तेहिं बहूहिं दारगेहिं य दारियाहिं य कुमारेहिं य कुमारियाहिं य डिंभएहिं य डिंभियाहिं य—अप्पेगइएहिं उत्ताणसेज्जएहिं^{१७}, 'अप्पेगइएहिं

१. ठित्तिक्खएणं भवक्खएणं (ख) ।
 २. बेभेलं (क,ख) ; विभले नामं (ग) ।
 ३. वीइक्कते जाव बारसहिं दिवसेहिं वीइक्कतेहिं (क, ग) ; वीइक्कते बारसहिं दिवसेहिं वीइक्कतेहिं (ख) ; अयं पाठः प्रासङ्गिकार्थ-शून्योस्ति । लिपिदोषेण एवं जातमिति सम्भाव्यते । स्वीकृतः पाठः 'ओवाइय' (१४४) सूत्रानुसारी विद्यते ।
 ४. करेति (क,ख) ।
 ५. या वि (क) ।
 ६. उदिण्णजोव्वणमणुप्पत्तं (क) ।
 ७. पडिक्खविण्णं (वृ) ।
 ८. पडिक्खविण्णं (ख) ; पडिक्खविण्णं (ग) ।
 ९. सं० पा०— कंता जाव भंड० ।
 १०. सुसंगोफिता (क) ।
 ११. सुसंपरिग्गहिता (ग) ।
 १२. सं० पा०—सीयं जाव विविहा ।
 १३. रट्टुकूडेहिं (क) ।
 १४. चेडगरूवे (ग) ।
 १५. पयाइही (क,ग) ।
 १६. *संज्जाहिं (ख) ।

थणपाएहि^१, अप्पेगइएहि पीहगपाएहि^२, अप्पेगइएहि परंगणएहि^३, अप्पेगइएहि परक्कम-
माणेहि^४, अप्पेगइएहि पक्खोलणएहि, अप्पेगइएहि थणं मग्गमाणेहि, अप्पेगइएहि खीरं
मग्गमाणेहि, अप्पेगइएहि तेल्लं मग्गमाणेहि, अप्पेगइएहि खेल्लणयं मग्गमाणेहि, अप्पे-
गइएहि खज्जगं मग्गमाणेहि, अप्पेगइएहि कूरं मग्गमाणेहि, अप्पेगइएहि पाणियं मग्ग-
माणेहि, अप्पेगइएहि हसमाणेहि, अप्पेगइएहि रूसमाणेहि, अप्पेगइएहि अक्कोसमाणेहि^५,
अप्पेगइएहि अक्कुस्समाणेहि, अप्पेगइएहि हणमाणेहि, अप्पेगइएहि हम्ममाणेहि, अप्पे-
गइएहि विप्पलायमाणेहि, अप्पेगइएहि अणुग्गम्ममाणेहि, अप्पेगइएहि रोयमाणेहि,
अप्पेगइएहि कंदमाणेहि, अप्पेगइएहि विलवमाणेहि, अप्पेगइएहि कूवमाणेहि, अप्पेगइ-
एहि उक्कूवमाणेहि^६, अप्पेगइएहि निदायमाणेहि, अप्पेगइएहि पलवमाणेहि^७, अप्पेगइएहि
हदमाणेहि, अप्पेगइएहि वममाणेहि, अप्पेगइएहि छेरमाणेहि, अप्पेगइएहि मुत्तमाणेहिं
मुत्त-पुरीस-वमिय-सुलित्तोवलित्ता मइलवसणपोच्चडा^८ असुइवीभच्छा^९ परमदुग्गंघा नो
संचाएहिइ^{१०} रट्टुकूडेणं सद्धि विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरित्तए ॥

१३१. तए णं तीसे सोमाए माहणीए अण्णया कयाइ पुव्वरत्तावरत्तकालसमयंसि
कुडुंबजागरियं जागरमाणीए अयमेयारूवे अज्झत्थिए चित्तिए पत्थिए मणोगए संकप्पे
समुप्पज्जित्था^{११}—एवं खलु अहं इमेहिं बहूहिं दारगेहिं य जाव^{१२} डिंभयाहिं य अप्पेगइएहिं

- | | |
|--|---|
| १. अप्पेगइएहि य थणपाएहि (क); अप्पेगइ-
एहि थणियपाएहि (ख,ग) । | ६. अकोस ^० (क,ग); आकोस ^० (ख) । |
| २. पीयग्गयाएहि (क) । | ७. उक्कूवमाणेहि निज्जयमाणेहि (ख) । |
| ३. परंगणेहि (वृ) । | ८. पलवमाणेहि (क) । |
| ४. पक्कमणेहि (क) । | ९. *पुच्चडा (ख,ग) । |
| ५. खज्जगे (ख) । | १०. *वीसका (क) । |
| | ११. संचाएति (क) । |

१२. अतः पूर्वं 'बहुपुत्तिया' भाविजन्मवर्णने सर्वत्र भविष्यत्क्रियापदप्रयोगो दृश्यते, किन्तु अत्र अतः परं
च सर्वत्रापि वर्तमानक्रियापदप्रयोगो लभ्यते । एतत् परिवर्तनं निश्चितं कयाचित् विस्मृत्या जात-
मस्ति । अर्थप्रसङ्गानुसारेण उत्तरवर्तीनि क्रियापदानि यन्त्रे द्रष्टव्यानि—

सू० १३१ समुप्पज्जित्था	समुप्पज्जिहिइ
,, १३२ उवागच्छंति विहरंति	उवागच्छंति विहरिस्संति
,, १३३ अणुपविट्ठे	अणुपविस्सिहिइ
,, १३४ पासइ अब्भुट्ठेइ अणुगच्छइ वंदइ नमंसइ पडिलाभेइ वयासी	पासिहिइ अब्भुट्ठेहिइ अणुगच्छिहिइ वंदिस्सइ नमंसिस्सइ पडिलाभेहिइ वइस्सइ
,, १३५ परिकहेत्ति	परिकहेहिंति
,, १३६ वंदइ नमंसइ वयासी पव्वयामि	वंदिस्सइ नमंसिस्सइ वइस्सइ पव्वइस्सामि
,, १३७ वंदइ नमंसइ पडिविसज्जेइ	वं दिस्सइ नमंसिस्सइ पडिविसज्जिहिइ
,, १३८ वयासी	वइस्सइ
,, १३९ वयासी	वइस्सइ
,, १४० पडिसुणेइ	पडिसुणिस्सइ

उत्ताणसेज्जएहिं जाव' अप्पेगइएहिं मुत्तमाणेहिं दुज्जाएहिं दुज्जम्मएहिं ह्यविप्पह्यभग्गेहिं एगप्पहारपडिएहिं जेणं मुत्त-पुरीस-वमिय-सुलित्तोवलित्ता जाव' परमदुग्गंधा' नो संचाएमि रट्टकूडेणं सद्धिं *विउलाइं भोगभोगाइं° भुंजमाणी विहरित्तए, तं धण्णाओ णं ताओ अम्मयाओ जाव' सुलद्धे णं तासि अम्मयाणं मणुए जम्मजीवियफले जाओ णं वंज्ञाओ अवियाउरियाओ' जाणुकोप्परमायाओ सुरभिसुग्गंधगंधियाओ° विउलाइं माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणीओ विहरंति, अहं णं अधण्णा अपुण्णा अकथपुण्णा नो संचाएमि रट्ट-कूडेणं सद्धिं विउलाइं° *माणुस्सगाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी° विहरित्तए ॥

सोमागिहे अज्जागमण-पदं

१३२. तेणं कालेणं तेणं समएणं सुव्वयाओ नाम अज्जाओ इरियासमियाओ जाव' बहुपरिवाराओ पुव्वानुपुव्वि चरमाणीओ गामाणुगामं दूइज्जमाणीओ जेणेव विभेले' सण्णिवेसे तेणेव उवागच्छंति, उवागच्छित्ता अहापडिरूवं ओग्गहं'° *ओगिण्हित्ता संजमेणं तवसा अप्पाणं भावेमाणीओ° विहरंति ॥

१३३. तए णं तासि सुव्वयाणं अज्जाणं एगे संघाडए विभेले सण्णिवेसे उच्च-नीय'°- *मज्झिमाइं कुलाइं घरसमुदाणस्स भिक्खायरियाए° अडमाणे रट्टकूडस्स गिहं अणुपविट्ठे ॥

सू० १४१ पडिनिकखमइ उवागच्छइ वंदइ नमं- सइ पज्जुवासइ	पडिनिकखमिस्सइ उवागच्छिहिइ वंदिस्सइ नमंसिस्सइ पज्जुवासिहिइ
„ १४२ परिकहेति	परिकहेति
„ १४३ पडिवज्जइ वंदइ नमंसइ पाउव्वभूया पडिगया	पडिवज्जिहिइ वंदिस्सइ नमंसिस्सइ पाउव्वभिरंसइ पडिगमिस्सइ
„ १४४ जाया विहरइ	भविस्सइ विहरिस्सइ
„ १४५ पडिनिकखमति विहरंति	पडिनिकखमिस्संति विहरिस्संति
„ १४६ विहरंति	विहरिस्संति
„ १४७ वंदइ नमंसइ पव्वयामि	वंदिस्सइ नमंसिस्सइ पव्वइस्सामि
„ १४८. वंदइ नमंसइ पडिनिकखमइ उवाग- च्छइ आपुच्छइ	वंदिस्सइ नमंसिस्सइ पडिनिकखमिस्सइ उवागच्छि- हिइ आपुच्छिस्सइ
„ १४९ जाया	भविस्सइ
„ १५० अहिज्जइ	अहिज्जिस्सइ
१३. उ० ३।१३० ।	७. °सुग्गंधसुग्गंधियाओ (ख) ।
१. उ० ३।१३० ।	८. सं० पा०—विउलाइं जाव विहरित्तए ।
२. उ० ३।१३० ।	९. उ० ३।९९ ।
३. °दुग्गंधा (ख) ।	१०. वेभेले (क,ख) ; वेभेले (ग) ।
४. सं० पा०—सद्धिं जाव भुंजमाणी ।	११. सं० पा०—ओग्गहं जाव विहरंति ।
५. उ० १।३४ ।	१२. सं० पा०—नीय जाव अडमाणे ।
६. अवियाउरीओ (क) ।	

१३४. तए णं सा सोमा माहणी ताओ अज्जाओ एज्जमाणीओ पासइ, पासित्ता हट्ठा खिप्पामेव आसणाओ अब्भुट्ठेइ, अब्भुट्ठेत्ता सत्तट्ठपयाइं अणुगच्छइ, अणुगच्छित्ता वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता विउलेणं असण-पाण-खाइम-साइमेणं पडिलाभेइ, पडिलाभेत्ता एवं वयासी- एवं खलु अहं अज्जाओ ! रट्ठकूडेणं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी विहरामि, संवच्छरे-संवच्छरे जुयलं^१ पयामि, सोलसहिं संवच्छरेहिं बत्तीसं दारगरूवे पयाया । तए णं अहं तेहिं बहूहिं दारएहिं य जाव^२ डिंभियाहिं य अप्पेगइएहिं उत्ताण-सेज्जएहिं जाव^३ मुत्तमाणेहिं दुज्जाएहिं^४ *दुज्जम्मएहिं हयविप्पहयभग्गेहिं एगप्पहार-पडिएहिं जेणं मुत्त-पुरीस-वमिय-सुलित्तोवलित्ता जाव^५ परमदुग्ंधा नो संचाएमि रट्ठकूडेणं सद्धिं विउलाइं भोगभोगाइं भुंजमाणी^६ विहरित्तए, तं इच्छामि णं अहं अज्जाओ ! तुम्हं अंतिए^७ धम्मं निसामेत्तए ॥

सोमाए धम्मपडिवत्ति-पदं

१३५. तए णं ताओ अज्जाओ सोमाए माहणीए विचित्तं^८ केवलपण्णत्तं धम्मं परिकहेति ॥

१३६. तए णं सा सोमा माहणी तासिं अज्जाणं अंतिए धम्मं सोच्चा निसम्म हट्ठं-^९ *तुट्ठचित्तमाणंदिया पीइमणा परमसोमणस्सिया हरिसवसविसप्पमाणं^{१०} हियया ताओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता एवं वयासी-सद्दहामि णं अज्जाओ ! निग्ंधं पावयणं जाव^{११} अब्भुट्ठेमि णं अज्जाओ ! निग्ंधं पावयणं, एवमेयं अज्जाओ ! जाव^{१२} से जहेयं तुभे वयहं जं, नवरं—अज्जाओ ! रट्ठकूडं आपुच्छामि । तए णं अहं देवाणुप्पियाणं अंतिए मुंडा^{१३} *भवित्ता अगाराओ अणगारियं पव्वयामि । अहासुहं देवाणुप्पिए ! मा पडिबंधं ॥

१३७. तए णं सा सोमा माहणी ताओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता पडिविसज्जेइ ॥

१३८. तए णं सा सोमा माहणी जेणेव रट्ठकूडे तेणेव उवागया करयलं^{१४} *परिग्गहियं दसनहं सिरसावत्तं मत्थए अंजलिं कट्ठुं^{१५} एवं वयासी—एवं खलु मए देवाणुप्पिया ! अज्जाणं अंतिए धम्मे निसंते, से वि य णं धम्मे इच्छिए^{१६} *पडिच्छिए^{१७} अभिरुइए । तए णं अहं [इच्छामि ?] देवाणुप्पिया ! तुभेहिं अब्भणुण्णाया सुव्वयाणं अज्जाणं^{१८} *अंतिए मुंडा

१. जुवलं (ख); जुगलं (ग) ।

भाति ।

२. उ० ३।१३० ।

द. सं० पा०—हट्ठ जाव हियया ।

३. उ० ३।१३० ।

६. ना० १।१।१०१ ।

४. सं० पा०—दुज्जाएहिं जाव नो संचाएमि विहरित्तए ।

१०. ना० १।१।१०१ ।

११. सं० पा०—मुंडा जाव पव्वयामि ।

५. उ० ३।१३० ।

१२. सं० पा०—करयलं ।

६. अंतियं (क) ।

१३. सं० पा०—इच्छिए जाव अभिरुइए ।

७. विचित्तं जाव (क,ख,ग); उ० ३।११२

१३. सं० पा०—अज्जाणं जाव पव्वइत्तए ।

सुत्रानुसारेण 'जाव' इति पदं नावश्यकं प्रति-

भवित्ता अगाराओ अणगारियं° पव्वइत्तए ॥

१३६. तए णं से रटुकूडे सोमं माहणिं एवं वयासी—मा णं तुमं देवाणुप्पिए ! इयारिणं मुंडा भवित्ता° •अगाराओ अणगारियं° पव्वयाहि, भुंजाहि ताव देवाणुप्पिए ! मए सद्धि विउलाइं भोगभोगाइं । तओ पच्छा भुत्तभोई सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए मुंडा° •भवित्ता अगाराओ अणगारियं° पव्वयाहि ॥

१४०. तए णं सा सोमा माहणी रटुकूडस्स एयमट्ठं पडिसुणेइ ॥

१४१. तए णं सा सोमा माहणी प्हाया जाव° अप्पमहग्घाभरणालंक्रियसरीरा चेडियाचक्कवालपरिकिण्णा साओ गिहाओ पडिनिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता विभेलं सण्णिवेसं मज्झंमज्जेणं जेणेव सुव्वयाणं अज्जाणं उवस्सए तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता सुव्वयाओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ पज्जुवासइ ॥

१४२. तए णं ताओ सुव्वयाओ° अज्जाओ सोमाए माहणीए विचित्तं केवलिपण्णत्तं धम्मं परिकहेति -जहा° जीवा बज्जंति, 'जहा जीवा मुच्चंति'° ॥

१४३. तए णं सा सोमा माहणी सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए° दुवालसविहं सावगधम्मं पडिवज्जइ, पडिवज्जित्ता सुव्वयाओ अज्जाओ वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता जामेव दिंसि पाउब्भूया तामेव दिंसि पडिगया ॥

१४४. तए णं सा सोमा माहणी समणोवासिया जाया—अभिगयजीवाजीवा जाव° अप्पाणं भावेमाणी विहरइ ॥

सोमाए पठवज्जा-पदं

१४५. तए णं ताओ सुव्वयाओ अज्जाओ अण्णया कयाइ विभेलाओ सण्णिवेसाओ पडिनिक्खमंति, पडिनिक्खमित्ता बहिया जणवयविहारं विहरंति ॥

१४६. तए णं ताओ सुव्वयाओ अज्जाओ अण्णया कयाइ पुव्वानुपुर्व्व चरमाणीओ जाव° विहरंति ॥

१४७. तए णं सा सोमा माहणी इभीसे कहाए लद्धट्ठा समाणी हट्ठा प्हाया तहेव निग्गया जाव° वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता धम्मं सोच्चा जाव° जं, नवरं—रटुकूडं आपुच्छामि, तए णं पव्वयामि । अहासुहं ॥

१४८. तए णं सा सोमा माहणी 'सुव्वयाओ अज्जाओ'° वंदइ नमंसइ, वंदित्ता नमंसित्ता सुव्वयाणं अंतियाओ पडिनिक्खमइ, पडिनिक्खमित्ता जेणेव सए मिहे जेणेव रटुकूडे तेणेव उवागच्छइ, उवागच्छित्ता करयलपरिग्गहिया तहेव आपुच्छइ जाव° पव्वइत्तए ।

१. सं० पा०—भवित्ता जाव पव्वयाहि ।

८. ओ० सू० १२० ।

२. सं० पा०—मुंडा जाव पव्वयाहि ।

९. उ० ३।१३२ ।

३. उ० १।१६ ।

१०. उ० ३।१४१ ।

४. × (ख,ग) ।

११. ना० १।१।१०१ ।

५. जाव जहा (ख) ।

१२. सुव्वयं अज्जं (क,ख,ग) ।

६. × (क) ।

१३. उ० ३।१३८ ।

७. अंतिए जाव (ख) ।

अहासुहं देवानुष्पिए ! मा पडिबंधं ॥

१४९. तए णं से रट्टुकूडे विउलं असणं तहेव जहा पुव्वभवे सुभट्टा जाव^१ अज्जा जाया—इरियासमिया जाव^२ गुत्तबंभयारिणी ॥

सोमाए सामाणियदेवत्ताए उववत्ति-पदं

१५०. तए णं सा सोमा अज्जा सुव्वयाणं अज्जाणं अंतिए सामाइयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, अहिज्जित्ता बहूहिं छट्टुट्टुम-दसम-दुवालसेहिं जाव^३ भावेमाणी बहूइं वासाइं सामणपरियागं पाउणइ, पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अत्ताणं झोसेत्ता, सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेइत्ता, आलोइय-पडिक्कंता समाहिपत्ता कालमासे कालं किच्चा सक्कस्स देवि-दस्स देवरणो सामाणियदेवत्ताए उववज्जिहिइ ॥

१५१. तत्थ णं अत्थेगइयाणं देवाणं दो सागरोवमाइं ठिई पणत्ता । तत्थ णं सोम-स्सवि देवस्स दो सागरोवमाइं ठिई पणत्ता ॥

१५२. से णं भंते ! सोमे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं भवक्खएणं ठिइक्खएणं चयं चइत्ता कहिं गच्छिहिइ^४ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे जाव^५ अंतं काहिइ ॥

निक्खेव-पदं

१५३. एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^६ संपत्तेणं पुष्कियाणं चउत्थस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पणत्ते —त्ति वेमि ॥

पंचमं अज्झयणं

पुष्णभट्टे

१५४. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं^७ •पुष्कियाणं चउत्थस्स अज्झ-यणस्स अयमट्ठे पणत्ते, पंचमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स पुष्कियाणं समणेणं भगवया महा-वीरेणं जाव^८ संपत्तेणं के अट्ठे पणत्ते^९ ?

१५५. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नामं नयरे । गुणसिलए चेइए । सेणिए राया । सामी समोसरिए । परिसा निग्गया ॥

१५६. तेणं कालेणं तेणं समएणं पुष्णभट्टे देवे सोहम्मि कप्पे पुष्णभट्टे विमाणे सभाए सुहम्मिए पुष्णभट्टंसि सीहासणंसि चउहिं सामाणियसाहस्सीहिं जहा सूरियाभे जाव वत्तीसइ-विहं नट्टुविहिं उवदंसित्ता जाव^{१०} जामेव दिसिं पाउब्भूए तामेव दिसिं पडिमए । कूडागार-

१. उ० ३।११०-११३

२. उ० ३।९९ ।

३. उ० २।१० ।

४. गमिहिति (ख) ।

५. उ० १।१४१ ।

६. ना० १।१।७ ।

७. सं० पा०—उक्खेवओ ।

८. ना० १।१।७ ।

९. राय० सू० ७-१२० ।

१०. दिसं, (ख) ।

साला^१ । पुव्वभवपुच्छा ॥

१५७. एवं खलु गोयमा ! तेणं कालेणं तेणं समएणं इहेव जंबुद्वीवे दीवे भारहे वासे मणिवइया नामं नयरी होत्था—रिद्ध-त्थिमिय-समिद्धा । चंदोतारायणे^२ चेइए ॥

१५८. तत्थ णं मणिवइयाए^३ नयरीए पुण्णभद्दे नामं गाहावई परिवसई—अड्ढे ॥

१५९. तेणं कालेणं तेणं समएणं थेरा भगवंतो जाइसंपण्णा जाव^४ जीवियास-मरणभय-विप्पमुक्का बहुस्सुया बहुपरियारा पुव्वाणुपुव्वि चरमाणा जाव^५ समोसढा । परिसा निग्गया ॥

१६०. तए णं से पुण्णभद्दे गाहावई इमीसे कहाए लद्धठे समाणे हट्टुटुट्ठे जाव जहा पण्णत्तीए गंगदत्ते तहेव निग्गच्छइ जाव निक्खंतो जाव^६ गुत्तवंभयारी ॥

१६१. तए णं से पुण्णभद्दे अणगारे 'तहारूवाणं थेराणं'^७ भगवंताणं अंतिए सामाइय-माइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, अहिज्जत्ता बहूहिं चउत्थ-छट्टुट्टम-दसम-दुवालसेहिं जाव^८ भावित्ता बहूइं वासाइं सामण्णपरियाणं पाउणइ, पाउणित्ता मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झोसेत्ता, सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता, आलोइय-पडिक्कते समाहिपत्ते काल-मासे कालं किच्चा सोहम्मे कप्पे पुण्णभद्दे विमाणे उववायसभाए देवसयणिज्जंसि^९ •देवदूसंतरिए अंगुलस्स असंखेज्जइभागमेत्ताए ओगाहणाए पुण्णभद्देवत्ताए उववण्णे ॥

१६२. तए णं से पुण्णभद्दे देवे अहुणोववण्णे समाणे पंचविहाए पज्जत्तीए जाव^{१०} ° भासमणपज्जत्तीए पज्जत्तभावं गए ॥

१६३. एवं खलु गोयमा ! पुण्णभद्देणं देवेणं सा दिव्वा देविड्डी जाव^{११} अभिसमण्णा-गया ॥

१६४. पुण्णभद्दस्स णं भंते ! देवस्स केवडयं कालं ठिई पण्णत्ता ? गोयमा ! दो सागरोवमाइं ठिई पण्णत्ता ॥

१६५. पुण्णभद्दे णं भंते ! देवे ताओ देवलोगाओ जाव^{१२} कहिं गच्छिहिइ ? कहिं उववज्जिहिइ ? गोयमा ! महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ जाव^{१३} अंतं काहिइ ॥

१६६. एवं खलु जंबु ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^{१४} संपत्तेणं ^{१५}•पुप्फियाणं पंचमस्स अज्जयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते —त्ति बेमि° ॥

१. पू०—राय० सू० १२१-१२३ ।

२. °तारायण (ख); °ताराइण (ग) ।

३. मणिवयाए (क) ।

४. राय० सू० ६८६ ।

५. उ० १।२ ।

६. भग० १६।६८-७१ ।

७. × (क,ख) ।

८. उ० २।१० ।

९. सं० पा० - देवसयणिज्जंसि जाव भासमण-पज्जत्तीए ।

१०. उ० ३।८४ ।

११. उ० ३।८५ ।

१२. उ० ३।८६ ।

१३. उ० ३।८६ ।

१४. ना० १।१।७ ।

१५. सं० पा०—निक्खेवओ ।

छट्ठं अज्जयणं माणिभद्दे

१६७ जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव' संपत्तेणं *पुष्पिकाणं पंच-
मस्स अज्जयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, छट्ठस्स णं भंते ! अज्जयणस्स पुष्पिकाणं समणेणं
भगवया महावीरेणं जाव' संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते° ?

१६८. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं रायगिहे नयरे । गुणसिलए चेइए ।
सेणिय राया । सामी समोसरिए° ॥

१६९. तेणं कालेणं तेणं समएणं माणिभद्दे देवे सभाए सुहम्माए माणिभद्दंसि सीहा-
सणंसि चर्उहि सामाणियसाहस्सीहिं जहा पुण्णभद्दो° तहेव आगमणं नट्टविही पुव्वभव-
पुच्छा । मणिवई नयरी, माणिभद्दे गाहावई, थेराणं अंतिए पव्वज्जा, एक्कारस अंगाइं
अहिज्जइ, बहूइं वासाइं परियाओ, 'मासिया संलेहणा', सट्ठि भत्ताइं, माणिभद्दे विमाणे
उववाओ, दो सागरोवमाइं ठिई, महाविदेहे वासे सिज्जिहिइ ॥

१७०. एवं खलु जंबू ! *समणेणं भगवया महावीरेणं जाव' संपत्तेणं पुष्पिकाणं
छट्ठस्स अज्जयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते —त्ति बेमि° ॥

७-१० अज्जयणाणि

१७१. एवं दत्ते ७, सिवे ८, बले ९, अणाडिए १०, सन्वे जहा पुण्णभद्दे° देवे । दो
सागरोवमाइं ठिई । विमाणा देवसरिनामा । पुव्वभवे दत्ते चंदणानामाए, सिवे मिहिलाए°
बले हत्थिणपुरे नयरे, अणाडिए काकंदीए° । चेइयाइं—जहा संगहणीए ॥

१. ना० १।१।७ ।

२. सं० पा०—उक्खेवओ ।

३. ना० १।१।७ ।

४. समोसढे (ख,ग) ।

५. उ० ३।१५६-१६५ ।

६. मासियाए संलेहणाए (क,ख,ग) ।

७. सं० पा०—निक्खेवओ ।

८. ना० १।१।७ ।

९. उ० ३।१५४-१६४ ।

१०. महिलाए (क,ख,ग) ।

११. काकिदीए (क) ।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-१

संक्षिप्त-पाठ, पूर्त-स्थल और पूर्ति आधार-स्थल

संक्षिप्त-पाठ	पूर्त-स्थल	पूर्ति आधार-स्थल
अणामारेहि जाव पासति	३०।२७,२८	३०।२८
अणिट्टतरिया चैव जाव अमणामतरिया	१७।१३०	१७।१२३
अणिट्टतरिया जाव अमणामतरिया	१७।१२५	१७।१२३
अवाहा जाव णिसेगो	२३।६८,७४	२३।६०
आगारेहि जाव जं	३०।२६	३०।२५
आभिणिवोहियणाण एवं जहेव कण्हलेस्साणं		
तहेव भाणियब्बं जाव चउहि	१७।११३	१७।११२
इट्टतरिया चैव जाव मणामतरिया	१७।१२६,१२७,१३४	१७।१३८
उट्ठे जाव एलए	११।१७,१९,२०	११।१६
उदएणं जाव अट्टविहे	२३।२१,२२	२३।१३
उववेया जाव फासेणं	१७।१३४	१७।१३३
एत्तो जाव अमणामतरिया	१७।१३१,१३२	१७।१२३
एवं जहा ईदियउहेसए पढमे भणियं		
तहा भाणियब्बं जाव से तेणट्ठेणं	३४।१२	१५।४९
एवं जहा नेरइयाणं	२८।३९	२८।२२
एवं मणूसाण वि	३४।९	३४।८
कंता जाव मणामा	२८।१०५	२८।२४
कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुतोवउत्ता	२३।२००	२३।१९९
कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुतोवउत्ते	२३।२०१	२३।१९९
कालं जाव खेत्तओ	१८।११७	१८।२६
खेत्तं जाव पासति जाव इत्तरियं	१७।१०७	१७।१०६
गोयमा जाव णणत्थ	११।१९,२०	११।११
गोयमा जाव रोएज्जा	२०।३४	२०।१७
जहा पंचेदियतिरिक्खज्जोणिएसु जाव जे णं	२०।१८	२०।१७

अहा भासुद्देसए जाव णियमा	२८१२-१६	१११६२-६६
जहेव नेरइया तहेव	२८१३५	२८१३३
जाणंति जाव अत्थेगइया	१५१४६	१५१४७
जावतियं तं चेव	१५१५१	१५१५१
णेरइए जाव पासति	१७११०७	१७११०६
णेरइए तं चेव जाव इत्तरियं	१७११०७	१७११०६
तं चेव	१७११५४	१७११५१
तं चेव जाव चिट्ठति	१५१५२	१५१५२
तं चेव जाव णो	३४११६	३४११५
तं चेव जाव मणपरियारणा	३४११८	३४११८
तहेव पुच्छा	२३११६	२३११३
तहेव पुच्छा उत्तरं च, णवरं—अमणुष्णा		
सदा जाव कामदुहता	२३११६	२३११५
तेणट्ठेणं जाव णो	३०१२६	३०१२६
पसत्थेणं जाव फासेणं जाव एत्तो	१७११३३	१७११३२
पासइ जाव विसुद्धतराणं	१७१११०	१७११०८
पुच्छा	१८११७, १८, २०-२३, २६-३६, ३९, ४२-४४, ४६, ४९-५१, ५७, ६२, ६३, ६५, ६६, ६८, ७०-७५, ७७, ७८, ८०, ८२, ८४, ८५, ८७-९०, ९३, ९४, ९७, ९८, १००-१११, ११३, ११४, ११६, ११७, ११९, १२०, १२२, १२३, १२५- १२७	१८११
पुच्छा	२११४०	२११३८
पुच्छा	२३११६, २१, २३	२३११३
पुच्छा	२३१२८, ३०, ४०	२३१२५
पुच्छा	२४१११	२४१४
पुच्छा	२८१४१, ४३, ४८	२८१२४
पुच्छा ! गोयमा ! एवं चेव, णवरं—अणिट्ठा		
सदा जाव हीणस्सरता दीणस्सरता		
अणिट्ठस्सरता अकंतस्सरता जं वेदेत्ते सेसं तं		
चेव जाव बोद्दसविहे	२३१२०	२३११६
पुच्छा ! गोयमा ! एवं चेव, णवरं—जातिविहीणया		
जाव इस्सरियविहीणय	२३१२२	२३१२१
बद्धस्स जाव कतिविहे	२३११७	२३११३

बद्धस्स जाव पोग्गलपरिणामं	२३११४,१५	२३११३
मणुस्सा एवं चैव, णवरं—आभोगणिव्वत्तिए		
जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स उक्कोसेणं अट्टमभत्तस्स		
आहारट्ठे समुपज्जति	२८१४६-७१	२८१४-१६, ३२, २१, २२, ४०, ४३-४५
मणुसस्स अतीता वि पुरेक्खडा वि जहा णेरइयस्स		
पुरेक्खडा	३६११०	३६१६
महिड्ढीए जाव महासोक्खे	३६१८०	२१३०
वाससताइं जाव णिसेगो	२३१६६	२३१६०
सपज्जवसिए जाव अवड्ढं	१८१६४	१८१५६
समट्ठे एत्तो जाव अमणामत्तरिया	१७११२४	१७११२३
सम्मच्छिमसामण्णपुच्छाकायक्खा	४११३४	४१११६
सिज्झति जाव अंतं	३६१६२	३६१८८
सीलं वा जाव पडिक्खित्तए	२०१३४	२०११७
सेसं जहा नेरइयाणं जाव आहच्च	२८१३२, ३३	२८१२०, २१

जंबुद्वीवपण्णत्ती

अंचेइ जाव पणामं	३११२	३१६
अंचेत्ता जाव करयलपरिग्गहियं	५१५८	५१२१
अंतलिक्खपडिवण्णे जाव उत्तरपुरस्थिमं	३११३०	३१४३
अंतलिक्खपडिवण्णे जाव पूरेंते	३१४३	३१३०
अंतवाले जाव पडिच्छइ	३११३३, १३४	३१२६, २७
अकोहे जाव अलोहे	२१६८	पज्जो० ७८
अच्छरगणसंघसंविक्किण्णा जाव पडिरूवा	११३१	पण्ण० २१३०
अणते जाव समुप्पन्ने	२१८५	पज्जो० ८१
अणुपविसइ जाव णमि	३११३७	३१२०
अणुसज्जिस्संति जाव सणिचारी	२११६३	२१४६
अणेगखंभसयसण्णिविट्ठे जाव सुहसंकमे	३११००	३१६६
अणेगखंभसयसण्णिविट्ठेहि जाव सुहसंकमेहि	३११०१	३१६६
अणेगरायवरसहस्साणुयायमग्गे जाव समुद्वरव ^०	३११८०	३१२२
अदंडकोदंडिमं जाव सपुरजणजाणवर्यं	३१२१२	३११२
अपत्थियपत्थया जाव परिवज्जिया	३११२४	३१७७
अयमेयारूवे जाव संकप्पे	५१२२	५१२०
अवक्कभित्ता जाव अन्भवद्दलए विउव्वंति २ जाव तं णिहयरयं	५१७	राय० सू० १२
अहोरत्तंसि जाव चारं	७१२७	७१२६

आउह्वरसालाओ तहेव जाव उत्तरपुरतिथमं	३१६०	३१४३
आपुरेमाणा जाव अतीव	५१३८	राय० सू० ४०
आभिसेक्कं जाव पच्चप्पिणंति	३११७३,१७४	३११५,१६
आयामेणं जाव वासं	२११४४,१४५	२११४१
आसत्तोसत्तविपुलवट्ट जाव करेइ	३१८८	३१७
आसयंति जाव भुजमाणा	११३३	११३
आसयंति जाव विहरंति	४१२	११३
आसोए जाव आसाढे	७१०३	भ० १८२१६
इट्टतराए चेव जाव आसाए	२११८	जी० ३१५६६
इट्टतरिया चेव जाव मणामतरिया	२११६	जी० ३१२७६
इट्टाहिं जहा पविसंतस्स भणिया जाव विहराहित्तिकट्टु	३१२०६	३११८५
इट्टाहिं जाव जयजयसइं	५१५८	३११८५; शावु
इड्ढी एवं चेव जाव अभिसमण्णागए	३११२६	३११२६
इत्थिरयणेणं जाव णाडगसहस्सेहिं	३१२१४	३१२०४
इमं जाव विणमी	३११३८	३१२६
इमेयारुवे जाव समुप्पज्जित्या	३११८८	३१२६
इव जाव ससिच्च	३१६,१७	ओ० सू० ६३
ईरियासमिए जाव पारिट्ठावणियासमिए	२१६८	पज्जो० ७८
ईसर जाव पभित्तयो	३११०	ओ० सू० ५२
उक्करं जाव मागहं	३१२८	३११२
उक्किट्टाए जाव अट्टाहियं जाव पच्चप्पिणंति	३१६४-६७	३१५६-५६
उक्किट्टाए जाव उत्तरेणं	३११३३	३१२६
उक्किट्टाए जाव एवं	३१५६	३१२६
उक्किट्टाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं	२१६०	जी० ३१४४३
उक्किट्टाए जाव देवगईए	५१५,४४	३१२६
उक्किट्टाए जाव वीईवयमाणे	५१४७	३१२६
उक्किट्टाए जाव सक्कारेइ सम्माणेइ, २ ता		
पडिविसज्जेइ जाव भोयणमंडवे, तहेव महामहिमा		
कयमालस्स पच्चप्पिणंति	३१७२-७५	३१५६-५६
उक्किट्टिसीहणाय जाव करेमाणे	३१६६	३१२२
उत्तरेणं जाव चउणवइं	४१८६	११२०
उप्पलहत्थगया जाव अप्पेगइया	३११०	शावु
उल्ला जाव पीइदाणं से, णवरं चूडामणिं च दिव्वं		
उरत्थगेविज्जगं सोणियसुत्तगं कडगाणि य		
सुडियाणि य जाव दाहिणिल्ले अंतवाले जाव अट्टाहियं	३१३७-४२	३१२३-२६

उत्ता जाव पीड्दाणं से, णवरं मालं मउडि मुत्ताजालं
हेमजालं कडगाणि य तुड्याणि य आभरणाणि य सरं
च णामाहयं पभासतित्थोदगं च गिण्हइ २ ता जाव
पच्चत्थिमेणं पभासतित्थमेराए अहण्णं देवाणुप्पियाणं
विसयवासी जाव पच्चत्थिमिल्ले अंतवाले, सेसं

तहेव जाव अट्टाहिया निव्वत्ता	३१४५-५०	३१२३-२९
उवट्टाणसाला जाव सीहासणवरगए	३१२१९	३११८६
उवाएणं जाव संकममाणे	७१८४	७१७८
उवागच्छित्ता जाव आगायमाणीओ	५१७	५१५
उवागच्छित्ता जाव ससिन्व	३१२२२	३१९
एज्जमाणा जाव निव्वुइकरेणं	५१३८	राय० सू० ४०
एयारूवाए जाव अभिसमण्णागए	३१२२२	३१२६
एत्रं ओववाइयगमेणं जाव तस्स	३११७८, १७९	शावृ, हीवृ, ओ० सू० ६४
एवं पच्चत्थिमिल्लाए जाव पच्चत्थिमिल्लं	४११०८	४११
कट्टु जाव पडिसुणेइ	३१८४	३११९
कडगाणि य जाव आभरणाणि	३१७२	३१२६
कडगाणि य जाव मागहं	३१२६	३१२६
कडगाणि य जाव सो च्चेव गमो जाव पडिविसज्जेइ	३१५६, ५७	३१२६, २७
कत्तिइण्णं जाव वत्तवं	७११४२	७११४१
करयल जाव अंजलि	३१६, २०४	३१५
करयल जाव एवं	५१४६	३१५
करयल जाव कट्टु	३१५	ओ० सू० २०
करयल जाव जाएणं	३१५	ओ० सू० २०
करयल जाव मत्थए	३१८८	३१५
करयलपरिग्गहियं जाव अंजलि	३११५१	३१५
करयलपरिग्गहियं जाव मत्थए	३१११४, १२६; ५१५८	३१५
करेइ अवसिट्ठं तं च्चेव जाव निहिरयणाणं	३११६४-१६६	३११८-२०
करेत्ता जाव णट्टुविहिं	५१५८	शावृ
करेत्ता जाव वेयड्डगिरिकुमारस्स	३१६१-६३	३११८-२०
करेत्ता जाव सिधूए	३१५२-५४	३११८-२०
कामगमाणं जाव मणोरमाणं	७११७५	७११७५
किण्हूचामरज्जया जाव सुक्किलं	४१२९	जी० ३१२८८
केणट्ठेणं जाव सासए	४१३४	४१२२, पुवृ, हीवृ
कोट्टुपुडाण वा जाव पीसिज्जमाणान	४११०७	जी० ३१२८३
कोडीए जाव दोहिवि पुट्ठे	४११७२	४११०८

कोहे वा जाव लोहे	२।६६	पञ्जो० ७६
गच्छंति जाव नियमा	७।४०-४८ भ०	१।२५८-२६६, शावृ
गयवइं जाव दुसुढे	३।२१५	३।१७
गामाइ वा जाव सण्णिवेसाइ	२।२१	ठाणं २।३६०
गाहावइकूडप्पमाणं जाव मंगलावत्त	४।१६५	४।१८३; हीवृ
गुणेत्ता जाव तं चेव	७।३३	७।३१
घडमुहपवत्तिएणं जाव साइरेग°	४।६०,६१	४।२३
°घाइय जाव दिसोदिसिं	३।११०	३।१०८
चंदिम जाव ताराख्खा	७।५८	७।५५
चंदे जाव संकममाणे	७।७५,७८	७।६६
चक्करयणदेसियमग्गे जाव खंडगप्पवायगुहाओ	३।१६३	३।६३
चच्चर जाव महापह	३।२१२	३।१८५
चरइ जाव केवइयं	७।८०	७।७६
चेव जाव गंधे	४।१०७	जी० ३।२८१
छत्तपडागा जाव संपट्टिया	३।१७८	ओ० सू० ६४
जा पढममज्जिमेसु वत्तव्वया ओसिप्पिणीए सा भाणियव्वा	२।१५८	२।५५
जुगमुसलमुट्टि जाव वासं	३।१२२	३।११५
जुगमुसलमुट्टि जाव सत्तरत्त	२।१४२	२।१४१
जोएइ जाव कुलोवकुलं	७।१३६	७।१३६
जोयणंतरिएहि जाव जोयणुज्जोयकरेहि	३।६६	३।६५
णरवई जाव सव्वे	३।१३१	३।२४
णवजोयणविच्छिण्णं जाव कयमालस्स	३।६६-७१	३।१८-२०
णवजोयणविच्छिण्णं जाव खंधावारणिवेसं	३।१८०	३।१८
णवजोयणविच्छिण्णं जाव विजयखंधावारणिवेसं	३।१६४	३।१८
णवरं पम्हलसूमालाए जाव मउडं	३।२११	जी० ३।४४६
णाणामणिपंच जाव कित्तिमेहिं	२।१२७	२।५७
णिकखममाणस्सवि जाव अप्पड्डिवुज्जमाणे	३।२०४	३।१८६
णिरयगामी जाव अंतं	१।१५१	१।२२
णिरयगामी जाव अप्पेगइया	२।१४८; ४।१०१	१।२२
णिरयगामी जाव देवगामी	२।१२३	१।२२
णिरयगामी जाव सव्वदुक्खाणमंतं	२।१२८	१।२२
णेया वेढो भरहस्स	३।१०६	३।७७
णो चेव णं तेसिं मणुयाणं आबाहं वाबाहं वा जाव पगइभइया	२।४१	२।३६
तयणंतराओ जाव संकममाणे	७।८१	७।६६
तलवर जाव सत्यवाह°	३।१७८, १८८, २१६, २२१	३।१०
तहेव पविसंतो मंडलाइं आलिहइ	३।१५८-१६०	३।६४-६६
तहेव सेसं जाव विजयखंधावार°	३।३०	३।१८

तित्थगरचियगं जाव अणगारचियगं	२।१११	२।६५
तित्थगरचियगं जाव णिव्वार्द्धेति	२।११२	२।१११
तित्थगरचियगाए जाव अणगारचियगाए	२।१०५-१०७, १०६	२।६५
तित्थगरचियगाए जाव विउब्बंति	२।१०८	२।१०७
तित्थगरसरीरगं जाव अणगारसरीरगाणि	२।१०८	२।१०७
तित्थयरस्स जाव फुट्टिहीतिकट्टु	५।७३	५।७२
तिसोवाणपडिरूवएणं जाव पज्जुवासंति	३।२०६	३।२०५
तुरग जाव वणलयभत्तिचित्ताओ	२।१०१	१।३७
तुरियाए जाव उद्धयाए	३।१३८	३।२६
तुरियाए जाव वीतिवयमाणा	३।११३	३।२६
तेणेव जाव पच्चप्पिणंति	५।७०	३।१३
तेरसंहि जाव छेत्ता	७।८०, ८१, ८३	७।७६
तोरणेणं जाव पवूढा	४।७७	४।३५
दंडणायग जाव दूय	३।६	शावृ
दंडणायग जाव संहि	३।७७	३।६
दिब्बतुडिय जाव आपूर्ते	३।१७२	३।१४
दिब्बा वा जाव पडिलोमा	२।६७	पज्जो० ७७
दुरंतपंतलक्खणे जाव परिवज्जिए	३।१२२	३।२६
दुरंतपंतलक्खणे जाव हिरिसिरिं	३।११४	३।५
दुहहत्ता जाव सीहासणंसि	५।४१	राय० सू० ४७
दुहहत्ता तहेव जाव णिसीयंति	५।४२	५।४२
दुस्समदुस्समाकाले जाव सुसमसुसमाकाले	२।३	२।२
देवराया जाव पच्चप्पिणइ	५।७१	३।१३
देवाणुप्पिया जाव अम्हे	३।१३८	३।२६
देवा य जाव विहरंति	१।३६	१।१३
देविडिह जाव उवदंसेमाणे	५।४४	राय० सू० ५६
देविडिह जाव दिब्बं	५।४४	राय० सू० ५६
देवेण वा जाव अग्गिपओणेण वा जाव उट्ट्वित्तए	३।१२५	३।११५
नाणेणं जाव चरित्तेणं	२।७१	पज्जो० ८१
पउजित्ता जाव पम्हसूमालाए	५।५८	शावृ, जी० ३।४६६
पउमवरवेइयाए जाव संपरिक्खत्ता	४।२४२	४।३
पंडुयए जाव संसे	३।१७८	३।१६७
पकरंति जाव जहण्णेणं	७।५६, ६०	७।५६, ५७
पगिण्हत्ता जाव अट्टमभतं	३।१८२	३।२०
पच्चत्थिमाभिमुहे जाव समप्पेइ	६।२४	६।२४
पच्चत्थिमिल्लाए जाव पुट्टा	४।५५	४।१

पच्चत्थिमिल्लाए जाव पुट्ठे	११४८	११२०
पच्चप्पिणह्णइ सेसं तहेव जाव मज्जणघराओ	३१३३, ३४	३१२०, २१
पच्चप्पिणह्ण जाव पच्चप्पिणंति	३१२००	३११६
पच्चुवसमंति एवं पुष्कवद्दलणंसि पुष्कवासं वासंति, वासिन्ता जाव कालागुरुपवर जाव सुरवराभियमणजोगं	५१७	राय० सू० १२
पडिणिवखमिन्ता जाव उत्तरपुरत्थिमं	३११४०	३१४३
पडिणिवखमिन्ता जाव गंगाए	३११४६	३१४३
पडिणिवखमिन्ता जाव दाहिणं	३११३६	३१४३
पडिणिवखमिन्ता जाव पूरंते	३१५१	३१४३
पडिसाहरेमाणे जाव जेणेव	५१४४	राय० सू० ५६
पण्णत्ते सयणिज्जवण्णओ भाणियव्वो	४११३	जी० ३१८०७; शावू
पतणतणाइस्सइ जाव खिप्पामेव	२११४२	२१४१
पतणतणाइस्सइ जाव वासं	२११४३	२११४१
पत्तेयं जाव अंजलि	३१२०६	जी० ३१४४६
परामुसइ वेढो जाव छत्तरयणस्स	३१११६	३१६२
परिगरणियरियमज्जो जाव तए	३११३१	३१२४
परिभुज्जमाणे वा जाव ओराला	४११०७	जी० ३१२८१
पवरवाहण जाव सेणाए	३१२१	३११७
पवरवीर जाव दिसोदिंसि	३११०६	३११०५
पाईणपडीणायया जाव पच्चत्थिमिल्लाए	४११	१११२०
पाउप्पभाए जाव जलंते	३११८८	ओ० सू० २२
पारेत्ता जाव सीहासणवरगए	३१५८	३१२८
पासाईयाओ जाव पडिरूवाओ	२११५	११८
पासादीया जाव पडिरूवा	२११४	११८
पिडिम जाव पासादीयाओ	२११२	ओ० सू० ७
पीडमणे जाव अंजलि	३११६	३१८
पुष्फारुहणं जाव वत्थारुहणं	३१८८	३११२
पुरत्थिम जाव पुट्ठे	४१६८	४११
पेच्छिज्जमाणे एवं जाव णिग्गच्छइ जहा ओववाइए जाव आउलबोलबहुलं	२१६५	ओ० सू० ६६ वाचनान्तर; वृत्तिवय
पोसहसालाए जाव अट्टमभत्तिए	३१६३	३१५४
पोसहसालाए जाव णमि	३११३७	३१५४
पोसहसालाए जाव णिहिरथणे	३११६६	३१५४
णमिइओ तेवि तह चेव णवरं दाहिणिल्लेणं	३१२०६	३१२०५
फामपज्जवेहि जाव परिहायमाणे	२११३०	२१५१
वंभयारी जाव अट्टमभत्तिए	३१८४, ८५	३१२०, २१

बंभयारी जाव कयमालगं	३१७१	३१६३
बंभयारी जाव दन्भसंथारोवगए	३१५४	३१२०
बहवे जाव करेंति	२१११५	२१११४
बहवे जाव सत्थवाहं	३११०	३११७८
बहुमज्जभदेसभाए जाव उम्मुग्ग	३११६१	३१६७
बहुसंघयणा जाव अप्पेगइया	११५०	११२२
बहुसमरमणिज्जे जाव भविस्सइ, मणुयाणं जा चेव		
ओसप्पिणीए पच्छिमे तिभागे वत्तव्वया सा भाणियव्वा,		
कुलगरवज्जा उसभमामिवज्जा	२११५६,१५७	२१५७,५८
भगिणी मे जाव संगंथसंथुया	२१६६	सू० २११५१; शावृ
भवण जाव वेमाणिएहि	४१२४८	४१२४८
भवणवइ जाव अट्टाहियाओ	२११२०	२१११६
भवणवइ जाव जे	५१७३	५१७२
भवणवइ जाव तित्थगर जाव भारग्गसो	२१११०	२११०६
भवणवइ जाव देवेहि	४१२५२	४१२४८
भवणवइ जाव भारहंभा	४१२५०	४१२४८
भवणवइ जाव वेमाणिए	२११०१,१०६,११४	२१६५
भवणवइ जाव वेमाणिया	२१६६,१००,१०२,१०४,११३,११६	२१६५
मंसाहारा जाव कहि	२११३७	२११३५
मग्गे जाव समुद्धरवभूयं	३११०६	३१२२
मडंब जाव जोयणंतरियाहि	३११८०	३११८
मणगुत्ते जाव गुत्तबंभयारी	३१६८	पज्जो० ७८
मणुग्गणा जाव गंधा	४११०७	जी० ३१२८१
महज्जुईए जाव पलिओवमट्टिईए	३१२५६	११२४
महज्जुईए जाव महासोक्खे	३१११५	११२४
महज्जुईया जाव महासोक्खा	११३१	११२४
महया जाव आहेवच्चं पोरेवच्चं जाव		
विहराहित्तिकट्टु	३११८५	शावृ
महया जाव भूजमाणे	३११८७	३१८२
महाणईओ तहेव गवरं पच्चत्थिमिल्लाओ	३११६१	३१६७
महामेहणिग्गए जाव मज्जणघराओ	३१२१	३१६
महिड्ढीए जाव णो	३११२५	३१११५
महिड्ढीयं जाव उद्धवित्तए	३११२४	३१११५
मार्डबिय जाव सत्थवाहं	३१८६	३११०
य जाव छेत्ता	७१८२	७१७६
रयणकुच्छिधारिए एवं जहा दिसाकुमारीओ जाव घण्णासि	५१४६	५१५

रयणाणं जाव संवट्टगवाए	५१५	रा० सू० १२
रयथामयकूले जाव पासाईए जाव पडिरूवे	४१३८	४१२५
राईसर जाव सत्थवाहं ^०	३११८६	३११०
रायधम्मं जाव धम्मचरणे	२११५७	२११२८
राया जाव तमाणत्तियं	३१३२	३१३३
राया जाव पच्चरिप्पणंति	३११६८	३११३
राया जाव पडिविसज्जेइ	३११३६	३१२७
राया जाव पासइ	३११७३	३१३१
रुट्ठे जाव पीइदाणं सव्वोसहिं च मालं		
गोसीसच्चंदणं कडगाणि जाव दहोदणं	३१३३३	३१२६
रूवेहिं जाव णिओगेहिं	५१४३	राय० सू० ५४, शाबू
रोहिया णं जहा रोहियंसा पवहे य मुहे य		
भाणियव्वा जाव संपरिक्खिता	४१७२	४१४३
लवणं जाव समप्पेइ	४१३७	४१३५
लूहेत्ता एवं जाव कप्पस्खलगं	५१५८	शाबू, जी० ३४४६
लोगपालेहिं जाव चउहिं	२१६०	५११६
वंदणघडसुकय जाव गंधुद्धुयाभिरामं	३१७	ओ० सू० ५५
वंदेज्ज वा जाव पज्जुवासेज्ज	२१६७	शाबू
वणसंडेणं जाव संपरिक्खित्ते	४१७६	४१३१
वणसंडेहिं जाव संपरिक्खित्ते	४१८६	४१३१
वणपज्जवेहिं जाव अणंतगुणं ^०	२१५४, १३८, १४०, १५३	२१५१
वणपज्जवेहिं जाव परिवड्ढेमाणे	२११४६	२१५१
वणपज्जवेहिं तहेव जाव अणंतेहिं उट्टाणकम्म		
जाव परिहायमाणे	२१२१	२१५१
वणपज्जवेहिं तहेव जाव परिहाणीए	२१२६	२१५१
वण्णेणुववेए जाव फासेणुववेए	२११८	जी० ३१५६६
वाइय जाव दिव्वाइं	७११८२	५११८
वाइय जाव भुंजमाण	७१५८	५११८
वाइय जाव भोगभोगाइं	५११	५११८
वालगे एवं हेमवयएरणवयाणं मणुस्साणं		
पुव्वविदेह अवरविदेहाणं मणुस्साणं	२१६	२१६
वित्थडा तं चेव जाव तीसे	७१३३	७१३१
विमलदंडं जाव अहाणुपुव्वीए	३१७८	ओ० सू० ६४
विसयवामी जाव अहण्णं	३१३३	३१२६
विसुद्धरुक्खभूलाइं जाव चिट्ठंति	२१६	२१८

वीइककते जाव सव्वदुवस्सप्यहीणे	२।८८	२।८६
वीरिय जाव केवलकप्पे	३।१८८	३।१८८
वेउव्विय जाव समोहणंति	३।१६२	३।१६२
वेढिम जाव विभूसियं	३।२११	जी० ३।४४६
वेत्तेण वा जाव कसेण	२।६७	शावू
वेरुलियविमलदंडं जाव धूवं	३।८८	३।१२
संथरइ जाव कयमालस्स	३।८४	३।२०
सकोरंटे जाव चाउचामरं	३।६	ओ० सू० ६३
सक्कस्स जाव अंतियं	५।२२	५।२०
सक्करा वा जाव मणुस्से	३।६८	३।६८
सक्के जाव आसणं	५।२१	५।२०
सक्के तं चेव जाव अंतियं	५।२६	५।२२
सखिस्खिणीयाइं जाव जएणं	३।१३८	३।२६
सच्चेव सव्वा सिधुवत्तव्वया जाव णवरं कुंभट्टसहस्सं	३।१४१-१४८	३।५२-५६
रयणचित्तं णाणामणिकणगरयणभत्तिवित्ताणि य दुवे		
कणगसीहासणाइं सेसं तं चेव जाव महिमत्ति		
सण्णद्धबद्धवम्मियकवया जाव महियाउहं	३।१२४	३।७७
सद्दावेत्ता जाव अट्ठाहियाए महामहिमाए	३।५८,५९	३।२८,२९
सद्दावेत्ता जाव पोसहसालं	३।१८०-१८२	३।१८-२०
समचउरंसे जाव तिक्खुत्तो आदाहिणपयाहिणं		
करेइ वंदति वंदित्ता जाव एवं	१।५,६	भ० १।६,१०
समाणीए जाव पच्चत्थियं	३।६८	३।४३
समाणे जाव सरसगोसीसं	३।८२	शावू
समाणे सेसं तहेव	३।३६	३।२२
सम्माणेत्ता जाव पुरोहिथरयणं	३।२१६	३।१८६
सर्यंति जाव फलवित्तिविसेसं	१।३०	१।१३
सव्वज्जुईए जाव णिग्घोसणाइय रवेणं	३।१८०	३।१२
सव्वबलेणं जाव निग्घोसनाइएणं	३।७८	३।१०
सहइ जाव अहियासेइ	२।६७	पज्जो० ७७
सहस्सा जाव समप्पेंति	६।२६	६।२६
सासया जाव णिच्च	१।११	१।४७
सिं गारागार जाव जुत्तोवयारकुसलं	३।१३८	२।१५
सिंघाडग जाव एवं	५।७३	५।७२
सिंघाडग जाव महापह	३।१८५,५।७२	ओ० सू० ५२
सिज्झंति जाव अंतं	४।१०१	१।२२
सिज्झंति जाव सव्वदुवस्साणमंतं	१।५०,२।५८	१।२२

सिया जाव तहेव जं	५१५	राय० सू० १२
सिरिवच्छ जाव कयगह्	३१८८	३११२
सिरिवच्छ जाव दप्पणे	३११७८	३११२
सिरिवच्छ जाव पडिरूवा	४१२८	जी० ३१२८७
सिरिवच्छसरिसरूवं वेढो भणियव्वो जाव दुवालस	३१११६	३१७६
सुरभिवरवारिपडिपुण्णोह जाव महया	२१२०६	जी० ३१४४४
सुवण्णं मे जाव उवगरणं	२१६६	सू० २११५०
सुसमा तहेव	२११५६-१६१	२१५०-५२
सुसमासुसमा तहेव	२११६२,१६३	२१५०,७
सुसूसमाणा जाव पज्जुवासंति	३१२०५	११६
सुसूसमाणे जाव पज्जुवासइ	२१६०,५१५८	११६
सूरिय जाव ताराख्वा	७१५५	७१५५
सेणावइरयणे जाव पुरोहियरयणे	३११८८,२१०	३११७८
सेणावइरयणे जाव सत्यवाह०	३१२०६,२१५	३११८८
सेणपसेणिसद्वावणया जाव णिहिरयणणं		
अद्वाहियं महामहिमं करेइ	३११६८,१६६	३१५८,५६
हट्ट करयल जाव एवं	३१८	३१५; ओ० सू० ५६
हट्ट जाव सोमणस्सिए	३१६	३१५
हट्टतुट्टचित्तमाणंदिए जाव करयल०	३१७७,८४	३१८
हट्टतुट्टचित्तमाणंदिए जाव विणएणं	३११००	३११६
हट्टतुट्टचित्तमाणंदिया जाव हियया	३१११४	३१५
हट्टतुट्ट जाव कोडुबियं	३१३१,१७३	३१५
हट्टतुट्ट जाव पोसहसालाओ	३११६६	३१५
हट्टतुट्ट जाव हियए	३११५	३१५
हट्टतुट्ट जाव हियया	५१२७	३१५
हत्थिखंधवरमया जाव ओसंति	३१२१३	३१२१२
हयगय जाव सण्णाहेत्ता	३११६६	३११५
हयगयरह तहेव अंजणगिरि	३११७५-१७७	३११५-१७
हयगयरहपवर जाव चाउरंमिणि	३१७७	३११५
हयमहिय जाव पडिसेहिया	३११११	३११०८
हरिय जाव सुहोवभोगे	२११४६	२११४५
हारोत्थयसुकयरइयवच्छे जाव अमरवइं	६१६३,१८०	३११८

सूरपण्णत्ती

सव्वभंताराए जाव परिकखेवेणं	१११४	जं० ११७
एवं एमं दीवं एमं समुहं अण्णमण्णस्स अंतरं कट्टु	११२०	११२०

राइंदिए तहेव	११२४	११२४
तीसे तहेव जाव सब्बवाहिरिया	४१४	४१३
उड्डीमुहकलंबुयापुष्कसंठिता तहेव जाव वाहिरिया	४१६,७	४१३,४
सेसं तहेव	४१७	४१४
अणुपरियट्टिता जाव विगतजोई	१५१४	१५१०
गह जाव ताराकूवा	१६१२६	१६१२३
वाइय जाव रवेणं	१६१२६	१६१२३
सब्ब जाव चिट्ठति	१६१२८	१६१२
समचक्रकवालसंठिते जाव णो	१६१२६	१६१३
सब्बतो जाव चिट्ठति	१६१३२	१६१२
समचक्रकवाल जाव णो	१६१३३	१६१३

उवंगा

अंतरं वा जाव मम्मं	११६६	११६५
अंतराणि जाव पडिजागरमाणे	१११०५	११६५
अंतिए जाव पडिवज्जइ	३११०४	३११०३
अगाराओ जाव पव्वइत्तए	३११०६	३१११८
अज्जगं जाव उवसंपडिजता	११११६	१११०६
अज्जाणं जाव पव्वइत्तए	३११०६, १३८	३११०६
अज्झत्थिए°	३१२६	१११५
अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था	१११५; ३१४८, ५०, ५५; ५१३५	राय० सू० ६
अज्झत्थियं जाव वियाणित्ता	५१३७	१११५
अणगारे जाव अप्पाणं	५१३२	भ० ११५१
अत्तए जाव वेहल्लं	११११४	११११०
अपत्थियपत्थए जाव परिवज्जए	११८६	उवा० २१२२
अम्मयाओ जाव अंगपडिचारियाओ निरवसेसं		
भाणियव्वं जाव जाहे वि य णं तुमं वेयणाए		
अभिभूए सहया जाव तुसिणीए	११७४-८७	११३४-६२
अम्मयाओ जाव एत्तो	३११०१	३१६८
अम्मयाओ जाव जम्म°	११३४	ना० १११३३
अयमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्था	११५१, ६६; ३११०६	१११५
असण जाव सम्माणेत्ता	३१५०	ना० ११७१६
अहं जाव पव्वइत्तए	४११४	३११२८
अहापडिरूवं जाव विहरंति	५१२६	३१६६
आएहि जाव ठिइं	११४३	११४१

आषवित्तए वा जाव विष्णवित्तए	३१०६	३१०६
आरंभेहि जाव एरिसएणं	११४०	१२७
आलोएहि जाव पायच्छिंतं	३११५	ठाणं ३१३८
आसाएमाणीओ जाव परिमाएभाणीओ	१३४	वि० ११२२६
आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं	१२२	वृत्ति
आहारपज्जतीए जाव भासमणपज्जतीए	३१५	राय० सू० ७६७
आहेवच्चं जाव विहरइ	५१०	ना० ११५६
इच्छिए जाव अभिरुइए	३१३	ना० ११११०२
इट्ठाहि जाव वग्गुहि	१४४	१४१
इमेयारूवे जाव संकप्पे	३६८	११५
उक्खेवओ	३१८८, १५४, १६७	३२०
उक्खेवओ	४१३; ५१३	२१३
उक्खेवओ जाव दस	४११, २	२११, २
उक्खेवओ भाणियव्वो	३२३, २४	३२०, २१
उड्ढंजाणू जाव विहरइ	१३	ओ० सू० ८२
उवट्टवेत्ता जाव पच्चप्पिणति	११७, १८	राय० सू० ६६०, ६६१
उवट्टवेत्ता जाव पच्चप्पिणह	४१६	११७
एयारूवे जाव समुप्पज्जित्था	१५४	११५
एवं मारेउ बंधेउ	१७३	१७३
एवमाइक्खइ जाव परूवेइ	१६८	ओ० सू० ५२
ओग्गहं जाव विहरंति	३१३२	३६१
ओह्य जाव भियाइ	३६८	११५
ओह्यमण जाव भियाइ	११५	वृत्ति
कंता जाव भंडं	३१२८	ना० १११२०६
कयवलिकम्मा जाव अप्प०	११६	ओ० सू० २०
करयल०	१३६, ५८; ३१०६ १३८; ५१६	वृत्ति
करयल०	१४५; ४१५	१४५
करयल०	११०७	ओ० सू० २०
करयल जाव एवं	१६६	१३६
करयल जाव कट्टु	१५५	१३६
करयल जाव पडिसुणेत्ता	१४५	ओ० सू० ५६
करयल जाव वद्धावेत्ति	११२२	११०७
करयल जाव वद्धावेत्ता	१११६	११०७
काणि जाव वेहल्लं	१११२	११११
कूणिएणं करयल जाव पडिसुणेत्ता	११०८	१४५
नामागर जाव सण्णिवेसाइं	३१०१	ओ० सू० ८६
चउत्थ जाव अप्पाणं	५२८	२१०

चउत्थ जाव भावेमाणे	३११४	२११०
चरमाणे जेणेव रायगिहे नयरे जाव अहापडिरूवं	११२	राय० सू० ६८६
चिष्णाइं जाव जूवा	३१५०	३१४८
छट्टु	४१२४	२११०
छट्टुम जाव मासद्ध०	३१८३	२११०
छट्टुम जाव विचित्तेहि	५१३६	२११०
छट्टुम जाव विहरइ	२११०	ना० १११२०१
छत्तादीए जाव धम्मियं	१११६	४११८
जइस्सइ जाव कालं	११२१	१११५
जहा पढमं जाव वेहल्लं	११११३	१११०६
जहा पण्णत्तीए । सामिलो निग्गओ खंडियविहूणो जाव एवं बयासी -- जत्ता ते भंते ! जवणिज्जं च ते भंते ! पुच्छा । सरिसवया मासा कुलत्था एणे भवं जाव संवुद्धे	३१२६-४५	भग० १८१२०५-२२१
जहा भगवया कालीए देवीए परिकहियं जाव जीविघाओ ववरोविए	१११४०	११२२
जहा सिवो जाव गंगाओ	३१५६	३१५१; भग० १११६४
ण्हाए जाव सव्वालंकारं	११७०	ओ० सू० ७०
ण्हायं जाव पायच्छित्तं	३१११०	११७०
ण्हाया जहा कालादीया जाव जएणं	१११२६, १३०	१११२१, १२२
ण्हाया जाव पायच्छित्ता	१११२१; ५११६	११७०
तं चेव जाव कट्टुमुद्दाए	३१५५	३१५५
तं चेव जाव निव्वेयणे	११६२	११६१
तं चेव भाणियव्वं जाव वेहल्लं	११११०	१११०६
तं चेव सखंधावारे	११११६	११११५
तं चेव सव्वं भाणियव्वं जाव आहारं अहारेइ, नवरं इमं नाणत्तं - दाहिणाए दिसाए जमे महाराया पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सोमिलं महाणरिसिं, जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव अणुजाणउ त्ति कट्टु दाहिणं दिसि पसरइ । एवं पच्चत्थियेणं वरुणे महाराया जाव पच्चत्थियमं दिसि पसरइ । उत्तरेणं वेससणे महाराया जाव उत्तरं दिसि पसरइ । पुठ्वदिसागमेणं चत्तारि वि दिसाओ भाणियव्वाओ जाव आहार आहारेइ	३१५३, ५४	३१५१
तलवर जाव संधिवालं	११६२	ओ० सू० ६३
तलवर जाव सत्थवाहं	३११०१	११६२
तवसा जाव विहरंति	३१६६	६३

तहारूवाणं जाव विउलसस	१११७	ओ० सू० ५२
तहेव भाणियव्वं जाव वेहल्लं	१११०८	१११०७
तिक्खुत्तो जाव एवं	११२१	ओ० सू० ८१
ते जाव पच्चप्पिणंति	४११७	१११८
दंतिसहस्सेहि जाव ओयाए	१११५	१११४
दंतिसहस्सेहि जाव मणुस्सकोडीहि	१११३६	१११४
दंतिसहस्सेहि जाव रहमुसलं	११२१	१११४
दंतिसहस्सेहि जाव सत्तावण्णाए	१११३७	१११४
दिव्वा जाव अभिसमण्णगया	३१८५	राय० सू० ७६७
दुज्जाएहि जाव नो संचाएमि विहरित्तए	३११३४	३११३१
दुरंत जाव परिवज्जिया	११११५	११८६
देवसयणिज्जंसि जाव ओगाह्णाए	३१८३; ४१२४	३११२०
देवसयणिज्जंसि जाव भासमणपज्जत्तीए	३११६१; १६२	३१८३, ८४
देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया	३११२२	३१८४
देवी जाव कहि	४१२६	३११२५
देवे जाव एवं	३१७५, ७६	३१५७, ५८
नमंसंति जाव पज्जुवासंति	५१३६	ओ० सू० ५२
नरए जाव नेरइयत्ताए	१११४०	११२६
नाइ जाव रवेणं	४११८	३११११
निक्खेवओ	३१८७, १६६ १७०; ४१२७; ५१४३	३११६
निसम्म जाव हियया	११२१	ओ० सू० ८१
नीय जाव अडमाणे	३११३३	३११००
पढमं भणइ तहेव	३१७७	३१५६
परिजाणइ जाव तुसिणीए	३१६१	३१५६
पवर जाव पच्चप्पिणंति	५११८	१११२३
पासादीए जाव पडिरूवे	५१५	५१३
पुप्फ जाव दरिसणिज्जे	५१६	ना० ११५१४
पुव्वरत्ता जाव समुप्पज्जित्था	११६५	११५१
पुव्वाणुपुव्वि जाव अंबसालवणे विहरइ	३१२६	ओ० सू० ५२
बहुपडिपुण्णाणं जाव सूमालं	११५३	ओ० सू० १४३
बहूणं नगरनिगम जहा आणंदो	३१११	उवा० ११३
बुज्झिहिइ जाव अंतं	१११४१	ओ० सू० १५४
बुज्झिहिइ जाव सब्बं	५१४३	ओ० सू० १५४
भगवं जाव पज्जुवासामि	१११७	ओ० सू० ५२
भविता जाव पव्वयाइ	३१११२	३११०६
भविता जाव पव्वयाहि	३११३६	३११०६

भीए जाव संजायभए	११८६	ना० १११६०
भीया जाव देवाणुप्पियाणं	४११६	३११२
भोगभोगाई जाव विहरामि	३१०६	३१६८
मज्जणघरे जाव दुल्ले	५११६	११२४
मुंडा जाव पव्वयाइ	४११६	३१०६
मुंडा जाव पव्वयामि	३१३६	३१०६
मुंडा जाव पव्वयाहि	३१०७,१३६	३१०६
मुंडे जाव पव्वइत्तए	५१३२	३१०६
मुच्छिया जाव अज्झोववण्णा	३११४,११५	ना० ११६१८
मुच्छिया जाव अठमंगणं	३११६	३११४
रज्जं च जाव जणवयं	११६४	१६६
रज्जसिंरि जाव विहरामि	११७१	१६५
रज्जेण वा जाव जणवएण	११६६	१६६
राईमर जाव सत्थवाहं	५१२०	१६२
लोह जाव गहाय मुंडे जाव पव्वइए	३१५५	३१५०
लोह जाव घडावेत्ता जाव उवक्खडावेत्ता	३१५५	३१५०
लोह जाव दिसापोविल्लयं	३१५०	३१५०
वसही जाव वद्धावेता	११११०	राय० सू० ६८३
वाणारसीए जाव पुप्फारामा य जाव रोविया	३१५५	३१४८
विउलाइ जाव विहरामि	३१०६	३१६८
विउलाइ जाव विहरित्तए	३१३१	३१३१
संकाइय जाव कट्टमुद्दाए	३१६३	३१७३
संजमेणं जाव विहरइ	११२	राय० सू० ६८६
सण्णढ जाव गहियाउहं	११३८	राय० सू० ६६४
सद् जाव विहरइ	५१२०	ओ० सू० १५
सद्धि जाव भुंजमाणी	३१३१	३१३०
समाणी जाव पव्वइत्तए	३१०८	३१०६
समाणे जाव भासमणपज्जत्तीए	३१८४	३११५
सीयं जाव विविहा	३१२८	ना० १११२०६
सुरं च जाव पसणं	११३४	वि० ११२२६
सोल्लेहि य जाव दोहलं	११४६	१३४
हट्ट जाव हियया	१४२ ; ३१२८	ओ० सू० २०
हीलिज्जमाणीए जाव अभिवक्खणं	३११८	३११७

परिशिष्ट ३

प्रमाणविधि

- अव्यय, सर्वनाम का साध्य-स्थल का निर्देश प्रायः एक बार दिया है।
- रूट (√) अंकित शब्द धातुएं हैं। उनके रूप भी दिए गए हैं।
- शब्द के बाद साध्यस्थल -

पणवणा - पहला प्रमाण पद का, दूसरा सूत्र का और तीसरा श्लोक का परिचायक है।

जंबुद्वीवपण्णत्ती - पहला प्रमाण वक्खार का, दूसरा सूत्र का, तीसरा श्लोक का परिचायक है।

चंदपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती - पहला प्रमाण पाहुड का, दूसरा सूत्र का, तीसरा श्लोक का परिचायक है।

उवंग - अंक १ निरयावलियाओ, अंक २ कप्पवडिसियाओ, अंक ३ पुप्फियाओ, अंक ४ पुप्फचूलियाओ, अंक ५ वण्हदसाओ का परिचायक है। दूसरा सूत्र का प्रमाण, तीसरा श्लोक का है।

अध्ययन (पद, वक्खार) आदि के परिवर्तन का संकेत (;) सेमिकोलन है।

जहां एक सूत्र में अनेक श्लोक आ गए हैं वहां आगे के सूत्र की संख्या से पहले अध्ययन की संख्या भी दी गई है। जैसे उत्पल (उत्पल) पृ० १४६, १४८-१४४, १६२।

शब्द पहले सूत्र में आया फिर उसी सूत्र के श्लोकों में आया तो उसके दोनों प्रमाण दिए हैं, जैसे - अइकाय (अत्तिकाय) पृ० २४५, २४५:२।

अ

अ (अ) प ११६७
 अइ (अपि) प २१६४७
 अइ (अधि) उ १२२६; ५४०
 अइकंत (अतिक्रान्त) ज २१५
 अइकाय (अतिकाय) प २४५, २४५२
 अइगच्छमाण (अतिमच्छत्) ज ३२२७
 अइगय (अतिगत) ज ३२१
 अइछत्त (अतिछत्र) प २४८
 अइतेया (अतितेजा) ज ७१२०२
 अइदूर (अतिदूर) ज २१६०; ३२०५, २०६;
 ५१५८
 अइपडागा (अतिपताका) ज ३१७
 अइमुत्तग (अतिमुक्तक) प १५४
 अइमुत्तय (अतिमुक्तक) प १४०३
 अइमुत्तय (लता) (अतिमुक्तकलता) प १३६१
 अइरत्त (अतिरात्र) सू १२१७१
 अइरित्त (अतिरिक्त) उ ५४५
 अइरेक (अतिरेक) ज २१५
 अइवइत्ताण (अतिव्रज्य) प ३४१६
 अइविकिट्ठ (अतिविकृष्ट) उ १११०
 अइविकिट्ठ (अतिविकृष्ट) उ ११२६, १३३
 अइसीय (अतिशीत) ज ७११२१
 √अइ (अति-| इ) अईइ ज ३१५७, १८६
 अईव (अतीव) ज २१८, ६; ७२१३ उ ३४६
 अउज्झ (अयोध्य) प २३०, ३१, ४१
 अउणतीस (एकोनविंशत्) सू २३
 अउणत्तर (एकोनसप्तति) ज ६१०
 अउणत्तरि (एकोनसप्तति) ज ७८२
 अउणपण्णास (एकोनपञ्चाशत्) सू १६१२१
 अउणाउति (एकोनवति) सू १२७
 अउणाणउति (एकोनवति) सू १६१४, १५१
 अउणाणवइ (एकोनवति) ज ७७३
 अउणापण (एकोनपञ्चाशत्) ज ४२४०

सू० १०१६३

अउणावीस (एकोनविंशति) सू २३
 अउणासीइ (एकोनाशीति) ज १७१
 अउणासीत (एकोनाशीति) सू १२७
 अउणासीति (एकोनाशीति) सू २२३
 अउणासीय (एकोनाशीति) ज ४२३४; ७१६
 अउणापण (एकोनपञ्चाशत्) प २६४
 अउय (अयुत) ज २४; ७१७८
 अउयंग (अयुतांग) ज २४
 अउल (अतुल) ज ३६५, १५६
 अओज्झ (अयोध्य) ज ३११७; ४२१२
 अंक (अंक) प १२०३; २३०, ४८, ४६;
 १७१२८ ज २१५; ४२१२, २५५; ५१५
 अंकमय (अंकमय) ज ७१७८
 अंकमुहसंठित (अंकमुखसंस्थित) ज ७३१,
 ३३ सू ४३, ४, ६, ७
 अंकलिपि (अंकलिपि) प १६८
 अंकवडेंसय (अंकावतंसक) प २४१, ५६
 अंकावई (अंकावती) ज ४२०२२, २११;
 ७१७८
 अंकिय (अंकित) प २३०
 अंकुर (अंकुर) प ३६६४ ज २१३१, १४४
 से १४६
 अंकुस (अंकुश) ज २१५; ३३; ५३८;
 ७१७८
 अंकेल्लण (दे०) ज ३१०६
 अंकोल्ल (अंकोल, अंकोठ, अंकोट) प १३५१,
 १३७५
 अंग (अंग) प १६३१, ११०१६, ८
 ज २१४; ३६, ३५, १०६, २२१, २२२
 उ ११२२, १२६; २१०; १२; ३१४,
 १५०, १६१, १६६; ५२८, ३६, ४१
 अंगइ (अंगजित्) उ ३१०, ११, १३, १४, २१
 अंगण (अंगन) प ११२५ ज २६६; ५१५, ७

अंगद (अंगद) प २।३०,४६
 अंगपडियारिया (अंगपरिचारिका) उ १।३६,३७
 अंगमंग (अंगमंग) ज २।१६,११३
 अंगय (अंगद) प २।३१,४१ ज ३।६,२११,
 २२२
 अंगलोय (अंगलोक) ज ३।८१
 अंगा (अंग) उ १।१२२
 अंगारग (अंगारक) प २।४८
 अंगुट्ट (अंगुष्ट) ज ३।१०६
 अंगुल (अंगुल) प १।७४,७५,८४; २।६४,
 २।६४।८; १।११२,१६,२७,३१,३२,३७,३८;
 १।५।७ से ६,२२,४० से ४२; १।८।४१,४३,६५,
 ११७; २।१।३८,४० से ४३, ४८,६३ से ७१,८४,
 ८६,९० से ९२; ३।३।१२,१३,१६,१७;
 ३।६।६६,७०,७२ से ७४,८१ ज १।७; २।६
 सू १।१४; १।०।६३ से ७३; १।६।२।१७.
 उ ३।८३,१२०,१६१; ४।२४
 अंगुलपुहत्तिय (अंगुलपृथक्त्विक) प १।७५
 अंगुलि (अंगुलि) प २।३०,३१,४१ ज २।१५;
 ३।६,१८४,१८६,२०४,२२२
 अंगुलिज्जम (अंगुलीयक) ज ३।६,२२२
 अंगुलितल (अंगुलितल) ज ३।७,८८
 अंगुलिय (अंगुलिक) ज ५।५८
 √अंज (कृष्) अंजेइ ज ३।६
 अंचिय (अञ्चित) ज ५।५७
 अंजेत्ता (कृष्ट्वा) ज ३।६
 √अंज (अञ्ज) अंजेइ उ ३।११४
 अंजण (अञ्जन) प १।२।०।२; २।३१; १।७।१२३
 ज ४।२०२; ५।५,२१ सू २।०।२ उ ३।११४
 अंजणई (अञ्जनकी) प १।४।०।५
 अंजणकेसियाकुसुम (अञ्जनकेसिकाकुसुम)
 प १।७।१२४
 अंजणग (अञ्जनक) ज २।१।१७,११६,१२०
 अंजणगिरि (अञ्जनगिरि) ज ३।१७
 अंजणगिरिकूड (अञ्जनगिरिकूट) ज ३।६१,१७७,

१८३,२०१,२१४
 अंजणा (अञ्जना) ज ४।१।५।५।२,२२३।१
 अंजणागिरि (अञ्जनगिरि) ज ४।२।२।५।१
 अंजलि (अञ्जलि) ज २।६५; ३।५,६,८,१२,
 १६,२६,३६,४७,५३,५६,६२,६४,७०,७२,
 ७७,८१,८४,८८,९०,१००.१।१।४,१२६,१३३,
 १३८,१४२,१४५,१५१,१५७,१६५,१८१,
 १८६, १८६,२०४ से २०६,२०६; ५।५,
 २१,४६,५८ उ १।३।६,४५,५५,५८,८०,८३,
 ६६,१०७,१०८,११६,११८,१२२; ३।१०६,
 १३८; ४।१५; ५।१७
 अंजलिपुट (अञ्जलिपुट) ज ३।८१
 अंडग (अण्डज) ज ५।३२
 अंत (अन्त) प ६।११०; २०।१८; २।१।६०;
 ३।६।८८,९२ ज १।२।२,२७,५०; २।५८,
 ८४,१२३,१२८,१५१,१५७; ४।१०१,१०३,
 १७१,१७८,२०० सू ४।४,७; २०।२,७
 उ १।४।२,१४१,१४७; २।१३; ३।२१,
 ८६,१५२,१६५; ५।४३
 अंतकड (अन्तकृत) ज २।८८,८९
 अंतकम्म (अन्तकम्मन्) ज ५।५८
 अंतकर (अन्तकर) उ १।५४,७६
 अंतकरिया (अन्तक्रिया) प १।१।५; २०।१।१,
 २०।१ से ४,६ से १३,४०,४४,४६,४८
 अंतखरिया (अन्त्याक्षरिका) प १।६८
 अंतगड (अन्तकृत) ज ३।२२५
 अंतगमण (अन्तगमन) उ १।४२
 अंतर (अन्तर) प २।३०,३१,४१; १।१।७०
 ज १।१७; ३।३,३५,२२१; ४।२७,४६,
 १४०।२; ७।६,६५,८६,१६८,१७८,१८२
 चं ३।१ सू १।७।१,१।१६,२०,२१,२४,२७;
 २।२; ६।१; १।८।२०; १।६।२।२।२८
 उ १।२।४,४७,६५,६६,६८,९०,९२,१०५,
 १०६
 अंतरकंद (अन्तरकन्द) प १।४।८।४२
 अंतरगत (अन्तर्गत) सू ५।१; ७।१

अंतरणई (अन्तर्नदी) ज ४२१२; ५१५५
 अंतरदीव (अन्तर्द्वीप) प २१२६; ६१६४
 अंतरदीवग (अन्तर्द्वीपज, °द्वीपक) प ११८५,८६;
 ६१७२, ८१,६७,१०८; १७१७२; २११७२
 अंतरदीवय (अन्तर्द्वीपज, °द्वीपक) प ११८४,८६;
 ६१७६; १७१६२; २११५४
 अंतरदीवहिय (अन्तर्द्वीपक) ज ३१७
 अंतराद्वय (आन्तराधिक) प २२१२८; २३११,
 ८,१२,२३,२४,५६,१३३,१५४,१५६,१६३,
 १६६,१७५ १८६,१९०,२०२; २४११;
 २५११, ३; २६११,७; २७११,४
 अंतरापह (अन्तरापथ) प १६१२२
 अंतराय (अन्तराय) प २४११५
 अंतरावास (अन्तरावास) उ १११००,१२६,१३३
 अंतरिय (अन्तरित) ज ३११८,३१ ६५,६६,१५६,
 १६०,१८० उ १११३४; ३११४,८३,१२०,
 १६१; ४१२४
 अंतरिया (अन्तरिका) सू १६१२२१३०
 अंतलिक्ख (अन्तरिक्ष) ज ३११४,२६,३०,३६,
 ४३,४७,५१,५६,६०,६४,६८,७२,११३,१३६,
 १३८,१४०,१४५ १४६,१७२ उ ३१६६
 अंतवाल (अन्तपाल) ज ३१२६,३६,४७,११३
 अंतिय (अन्तिक) प ३१११६,२१ ज ३१६,८,१३,
 ७७,८४,६१,१०७,११३ से ११५,१२५,
 १३८,१५३,१६६ ५१२२,२३,२६ से २८ ७३
 उ ११२१,२३,३७,४१,४५,८८,११५ ११७,
 ११६,१२१,१२६; २११०,१२; ३११३,१४,
 २६,५०,५५,५७,६५,६६,७२,७५,७६,१०३,
 १०४,१०६ से १०८,११२,११८,१३४,१३६,
 १३८,१३६,१४८,१५०,१६१,१६६; ४११४,
 १६,२०,२८; ५१२८,३२,३६,४१,४३
 अंतियाओ (अन्तिकतस्) उ ३१११०
 अंतेउर (अन्तःपुर) ज २१६४; ३१२२४; ५१५,
 ७ उ १११६,६३,६७,६८,१०५ से १०७,११६
 अंतेवासि (अन्तेवासिन्) ज ११५; २१८२,८३

च १० सू ११५ उ ११२,३; ५१२०,४०,४१
 अंतो (अन्तर्) प ११७४,८४; २१७,२० से २७,
 २६ से ३५,४१,४८; २३१६१,१२६,१७७,
 १८२,१८६,१६०; ३३१२७ से २६
 ज १११३,१४,३१,३६; ३१६८; ४१११,४६,
 ५०,११४,११७,१३१,२३४,२४०; ५१३२;
 ७१३१,३३,५५,१६८१ सू ४१३,४,६,७;
 १६१२२१५,२१, १६१२३; २०१७
 अंतोमुहुत्त (अन्तर्मुहुत्त) प ४१२,३,५,६,८,९,११,
 १२,१४,१५,१७,१८,२०,२१,२३,२४,२६,
 २७,२६,३०,३२,३३,३५,३६,३८,४१,४२,
 ४४,४५,४७,४८,५०,५१,५३,५४,५६ से ६७,
 ६६ से १६४,१६६,१६७,१६८,१७०,१७२,
 १७३,१७५,१७६,१७८,१७९,१८१,१८२,
 १८४ १८५, १८७,१८८,१९०,१९१,१९३,
 १९४,१९६,१९७,१९८,२००,२०२,२०३,
 २०५,२०६,२०८,२०९,२११,२१२,२१४,
 २१५,२१७,२१८,२२०,२२१,२२३,२२४,
 २२६,२२७,२२९,२३०,२३२,२३३,२३५,
 २३६,२३८,२३९,२४१,२४२,२४४,२४५,
 २४७,२४८,२५०,२५१,२५३,२५४,२५६,
 २५७,२५९,२६०,२६२,२६३,२६५,२६६,
 २६८,२६९,२७१,२७२,२७४,२७५,२७७,
 २७८,२८०,२८१,२८३,२८४,२८६,२८८,
 २९६; ६१२०,२१; १८१३,४,८,९,१०,१२,
 १४ से १६,१८ से २४,२६ से २८,३० से
 ३६,४१ से ५४,५६,५७,५९,६१,६३ से ६७,
 ६६ से ७४,७६ से ७६,८३,८५,८६,८८,८९,
 ९६,१०३ से १०५,१०७,१०८,११०,११३,
 ११४,११६,११७,११९,१२०; २०१६३;
 २३१६०,६२,६५,६७,७२,७८,७९,१३३,१४७,
 १५८,१६२,१६५,१६६,१७०,१७६,१८४;
 २८१४७,५०; ३६१६१,७६ जं २१८४,१२३,
 १२८,१४८,१५१; ४११०१

अंतोमुहुत्तग (अन्तर्मुहूर्तक) प ११७१
 अंतोमुहुत्तद्वाउय (अन्तर्मुहूर्ताद्वायुष्क) प ११७४
 अंतोमुहुत्ताउय (अन्तर्मुहूर्तायुष्क) प ११८४
 अंतोमुहुत्तिय (अन्तर्मुहूर्तिक) प १५६१;
 २८४,३०; ३६२,८४,६२
 अंतोवाहिणी (अन्तर्वाहिनी) ज ४२१२
 अंदोलाव (अन्दोलय) अंदोलावेइ उ १६७
 अंधकार (अन्धकार) ज ३६३,६५,१५७,१५६,
 १६३ सू १४५ से ८; १६५,६
 अंधकारपक्ख (अन्धकारपक्ख) सू १३११; १४२,
 ३,५ से ८
 अंधयार (अन्धकार) प २२० से २७ ज १२४;
 ३३१,१०६
 अंधयारसंठिति (अन्धकारसंस्थिति) ज ७३३,
 से ३५ सू ४६,७,६
 अंधिया (अन्धिका) प १५११
 अंब (आम्र) प १३५१; १६५५; १७१३२,
 १३३ ज ३११६
 अंबट्ट (अम्बट्ट) प १६४१
 अंबर (अम्बर) ज ७१७८
 अंबरतल (अम्बरतल) ज ३१४,३०,४३,५१,६०
 ६८,१३०,१३६,१४०,१४६,१७२
 अंबसालक्षण (आम्रसालक्षण) उ ३२६,६,६५
 अंबाडग (आम्रातक) प १३६१; १६५५;
 १७१३२
 अंबाराम (आम्राराम) उ ३४८ से ५०,५५
 अंबिल (अम्ल) प १४ से ६; ५५,७,२०५;
 २८२६,३२,६६ ज २१४५
 अंबिलसाय (अम्लशाक) प १४४१
 अंबिलिया (अम्लिका) ज ३११६
 अंबिलोदय (अम्लोदक) प १२३
 अंबुभक्खि (अम्बुभक्खिन्) उ ३५०
 अंस (अंस) उ ११३८
 अंसु (अंसु) ज २६०, १०३,१०६,१०८
 अकंटय (अकण्टक) ज २१२

अकंत (अकान्त) ज २१३३
 अकंततरिया (अकान्ततरका) प १७१२३ से १२५,
 १३० से १३२
 अकंतत्त (अकान्तत्त) प २८२४
 अकंतस्तर (अकान्तस्वर) ज २१३३
 अकंतस्सरता (अकान्तस्वरता) प २३२०
 अकंप (अकम्प) ज २६८; ३७६,६६ से १०१
 ११६
 अकज्ज (अकार्य) ज २१३३
 अकण (अकर्ण) प १८६
 अकत्तिम (अकृत्तिम) ज २१२२,१२७; ४१००,
 १७०
 अकम्मभूमग (अकर्मभूमज) प १८५,८७; ६७२
 ८१,८४,६५,६७,१०८; २१५४,७२
 अकम्मभूमय (अकर्मभूमज) प ६७६; १७१६२,
 से १६४,१७२
 अकम्मभूमि (अकर्मभूमि) प १८४; २२६
 अकण्णुण्य (अकृतपुण्य) उ १६२; ३६८,१०१
 १३१
 अकरंडुय (अकरण्डक) ज २१५
 अकरणया (अकरणता) उ ३११५
 अकविल (अकपिल) ज २१५
 अकसाइ (अकपायिन्) प ३६८; १३१६;
 १८६७; २८१३४
 अकसायसमुग्घाय (अकपायसमुद्घात) प ३६४८
 अकसायि (अकपायिन्) प ३६८
 अकाइय (अकायिक) प ३५०; १८२६
 अकामय (अकामक) उ ३१०६
 अकामिय (अकामित) उ १५२,७७
 अकाल (अकाल) ज ३१०४,१०५
 अकालतानु (अकालतानु) ज ३१०६
 अकालपरिहीण (अकालपरिहीन) ज ५२२,२६
 से २८
 अकत्तिम (अकृत्तिम) ज १२१,२६,४६; २५७,
 १४७,१५०,१५६
 अक्रिय (अक्रिय) प १७२५; २२७,८,२६,३०

३२ से ३४, ३६, ३७, ४५
 अकुडिल (अकुटिल) ज २।१५
 अकुध्वमाण (अकुर्वत्) सू २।०।३
 अकेसर (अकेसर) प १।४।४६
 अकोह (अक्रोध) ज २।६=
 अक (अर्क) प १।३।७।३
 अकबोदी (दे०) प १।४।०।५
 ✓अककम (आ-+कम्) अककमड उ १।११६
 अककमाहि उ १।११५
 अककमिस्ता (अककम्य) उ १।११५
 अकिकज्ज (अक्रय) ज ३।१६।७।१३
 अकिकट्ठ (अकिलट्ठ) ज २।४६
 अककुस्समाण (आक्रोशत्) उ ३।१३०
 अककोप्प (अकोप्य) ज २।१५
 अककोसमाण (आक्रोशत्) उ ३।१३०
 अकख (अक्ष) ज २।६, १३४
 अकखय (अक्षय) ज १।११, ४७; ३।१६७, २२६;
 ४।२२, ५४, ६४, १०२, १५६; ५।२१
 ७।२१० उ ३।४३, ४४
 अकखर (अक्षर) ज २।६, १३४
 अकखरपुट्ठिथा (अक्षरपुष्टिका, पृष्टिका) प १.६=
 अकखाइया (आख्यायिका) प १।१३।४।१
 अकखाइयाणिसिसया (आख्यायिकानिश्चिना)
 प १.१।३४
 अकखात (आख्यात) प १।४६, ६६, ७५, ८१;
 २।२१ से २६, ३०, ३२ से ३६, ४१, ४३, ४६,
 ४८ से ५२, ५५ से ५७.६० से ६२ सू
 ३।१; १३।२
 अकखाय (आख्यात) प १।५०, ५१, ६०, ७६;
 २।२०, ३१, ५८, ५९ ज २।२६; ४।२१;
 ६।१०, ११, १४, १५, १८ से २२, २६; ७।४, ६३
 ८७ सू १०।१२७
 ✓अकखि (आ-+क्षिप्) अकखिड उ १।१०५
 अकखिडकाम (आक्षेप्तुकाम) उ १।१०५
 १. टीका में अक्षरस्पृष्टिका है ।

अकखीण (अक्षीण) प ३।६।८२
 अकखोड (अक्षोट) प १।६।५५
 अकखोहय (अक्षोटक) प १।७।१३२
 अकखोम (अक्षोभ) ज ३।३
 अगंतूण (अगतवा) प ३।६।८३।२
 अगंथ (अग्रन्थ) ज २।७०
 अगकळमाण (अगच्छत्) सू २।२
 अगड (दे०) प २।४, १३.१६ से १६, २८; १।१।७७
 ज २।३१
 अगणि (अग्नि) प १।४।८।५६; २।२० से २५
 अगणिकाय (अग्निकाय) ज २।१०५ से १०८
 अगस्थि (अगस्ति) प १।३।८।२ ज २।१० सू
 २।०।८, २।०।८।४
 अगहलहुय (अगुहलघुक) प १।५।५७ ज २।५।१, ५४,
 १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,
 १६३
 अगहयलहुयपज्जव (अगुहलघुकपर्यव) ज २।१४६,
 १५४, १६०, १६३
 अगहयलहुयपरिणाम (अगुहलघुकपरिणाम)
 प १।३।२।१, ३०
 अगार (अगार) प २।०।१७, १८ ज २।६५, ६७, ८५,
 ८७ उ ३।१३, १०६ से १०८, ११२, ११८,
 १३६, १३८, १३९; ४।१४, १६; ५।३२, ४३
 अगारवास (अगारवास) ज २।८७; ३।२२५
 उ ३।११८
 अगुरु (अगुरु) जं २।१०६, ११०
 अगुरुलघुअणाम (अगुरुलघुवनामन्) प २।३।५१
 अगुरुलघुणाम (अगुरुलघुवनामन्) प २।३।३८, ११
 अग्य (अग्र) प २।३१ ज १।३७; २।१२०; ३।१२,
 १८, २२, ३१, ७६, ८८.१०७, १२५ से १२८,
 १५१, १५२, १५६, १८०
 अगंगुलिया (अग्रगुलिका) उ १।५६, ६१ से ६३
 ८४, ८६, ८७
 अगभाव (अग्रभाव) ज ७।१३२।१. सू १०।६४
 अगमहिमी (अग्रमहिमी) प २।३० से ३३, ३५,

४१, ४३, ४८ से ५२ ज १४५; २६०,
 ४१५१; ५१६, ३६, ४१, ४४, ५०, ५२, ५३;
 ७१६८२, १८३, १८६ सू १८२१, २३, २४,
 २०६
 अम्गर (दे०) प १८६
 अम्गल (अर्गल) सू २०८
 अम्गसाला (अम्गशाला) ज २१०; ४१६६
 अम्गसिहर (अम्गसिहर) ज १३७
 अम्गहृत्थ (अम्गहृत्थ) ज २१५
 अम्गानीय (अम्गानीय) ज ३१०७ से १०६
 अग्नि (अग्नि) प २३०१, २४०२, ६, ११;
 ३६६४ ज २६; ३३, ६५, ११५, १२४, १२५
 १५६; ५१६, ५२; ७१३०, १८६३ उ ३४८,
 ५०, ५१, ६४
 अग्निकुमार (अग्निकुमार) प ११३१; ५३
 ६१८ ज २१०५, १०६
 अग्निदेवया (अग्निदेवता) सू १०८३
 अग्निमाणव (अग्निमानव) प २४०७
 अग्निमेह (अग्निमेघ) ज २१३१
 अग्निगल (अग्निगल) सू २०८५
 अग्निवेस (अग्निवेशमन्) ज ७११७, १२२३,
 १३२३ सू १०८४३, १०८६३
 अग्निसीह (अग्निसीह) प २४०६
 अग्निहोत (अग्निहोत्र) उ ३५५, ६३, ७०, ७३
 अग्निहोम (अग्निहोम) ज ५१६
 √अग्धा (आ + घ्रा) — अग्धाति प १५३८, ४२
 अग्धाडग (दे० अपामार्ग) प १३७४
 अचंचल (अचञ्चल) ज ३१०६
 अचंडपाडिय (अचण्डपातित) ज ३१०६
 अचक्खुदंसण (अचक्षुदंसन) प ५५, ७, १०, १२,
 १४, १६, १८, २०, २१, ४५, ५३, ५६, ५६, ६३,
 ६८, ७१, ७४, ७८, ६३, ६७; २६३, ७, १०,
 १३, १४, १७, १६ से २१
 अचक्खुदंसणावरण (अचक्षुदंसनावरण) प २३१४
 अचक्खुदंसिभि (अचक्षुदंसिभिन्) प ३१०४;
 ५४७, ६५, ८०, ६६, ११७; १८८६

अचरिति (अचरितिन्) प १३१४, १८, १६
 अचरिम (अचरिम) प ११०३, १०६, १०७ १०६
 ११०, ११३, ११४, ११६, ११६, १२०, १२२,
 १२३; ३१२३; १०२ से १३, २१, २६ से ५३;
 १८१२७
 अचरिमंत (अचरिमान्त) प १०२ से ५, २१, २६, से
 २६
 अचल (अचल) ज ३६६ से १०१; ५२१
 अचवल (अचवल) ज ५५, ७
 अचित्त (अचित्त) प ६१३ से १७, १६ ज २६६
 अचित्तजोणीय (अचित्तयोनि) प ६१६
 अचित्ताहार (अचित्ताहार) प २८१, २
 अचिरवत्तविवाह (अचिरवृत्तविवाह) सू २०७
 अचेलय (अचेलक) ज २६६
 अचोक्ख (दे०) ज ५५
 √अच्च (अर्च्) अच्चेइ उ ५७ अर्चति ज ० २१२०
 अच्चंत (अत्यन्त) उ १७२, ७३, ८७, ८८, ६२;
 ३४८, ५०, ५५
 अच्चणिज्ज (अर्चनीय) ज ७१८५ सू १८२३
 अच्चणिया (अर्चनिका) ज ४१४०१
 अच्चसण (अत्यशन) ज ७११७२ सू १०८६२
 अच्चासण (अत्यासन्न) ज २६०; ३१२०५, २०६,
 ५५८
 अच्चासन्न (अत्यासन्न) ज १६
 अच्चि (अर्चिस्) प १२६; २३०, ३१, ४१, ४६
 अच्चिणेतता (अर्चयित्वा) ज ३८८
 अच्चिमालि (अर्चिमालिन्) प २५०, ५४, ५८ से ६०
 ज ७१८३ सू १८२१, २४; २०६
 अच्चिसहस्समालणीय (अर्चिसहस्समालनीक)
 ज ४२७; ५२८
 अच्चुइंद (अच्युतेन्द्र) ज ५५८
 अच्चुण्ह (अच्युण्ह) ज ७११२१ सू १०१२६१
 अच्चुत (अच्युत) प ११३५; २४६, ५६, ६०; ३१३३
 अच्चुतवडंसय (अच्युतावतंसक) प २५६
 अच्चुय (अच्युत) प २४६, ५६, ५६२, ६३; ४२६४

से २६६; ६१३८, ५६, ६६, ८५, ८६, ९८, ७११६;
 १५१८८, २०६१, २११६१, ७०, ६१, ६२; २८८६;
 ३०२६; ३३१६६, २४, ३४१६६, १८ ज २१६४;
 ५१४६, ५४, ५६, ५८, ५९ उ २०२; ५१४१

अच्युयग (अच्युतक) ज ५१४६

अच्येत्ता (अर्चयित्वा) ज २१२०

अच्छ (रुध) प १६६; ११२२१ ज २३६, १३६

अच्छ (अच्छ) प १६३१४; २३०, ३१, ४१, ४६, ५०
 ५२, ५८, ५९, ६३, ६४ ज १८८ से १०, २३, ३१,
 ३५, ५१; ३१२, ८८, १०६, १६४; ७११, ३, ७, १२,
 १५, २४, २५, २८ से ३१, ३६ से ४१, ४५, ५७,
 ६२, ६४, ६६ से ६८, ७४ से ७६, ८६, ८८, ९१
 से ९३, १०३, ११०, ११४, ११८, १४३, १५६
 १७८, २०३, २०६, २१३, २१८, २४२, २४५,
 २५१, २५२, २६०१; ५१५८, ७५५ सू ५११;
 १६१२३

√अच्छ (आम्) अच्छेज्ज प २६४११६

अच्छत्तय (अच्छक) उ ५१४३

अच्छरगण (अप्सरगण) प २३०, ३१, ४१ ज १३१

अच्छरसातंडुल (अप्सरसातंडुल) ज ३१२, ८८;
 ५१५८

अच्छरा (दे०) प ३६१८१

अच्छरा (अप्सरम्) प ३४११६ से २४ उ ५१५

अच्छि (अक्षि) प १४८१४७; ११२५ चं १११ ज
 २१४३; ३११७८; ७११७८ उ० ३११४४

अच्छिण्ण (अच्छिन्न) प १५१४० से ४२

अच्छिद्द (अच्छिद्) ज २१५५

अच्छिरोड (अक्षिरोट) प ११५१

अच्छिवेह (अक्षिवेध) प ११५१

अच्छी (ऋक्षी) प ११२३३

अच्छेरग (आश्चर्य) ज २१५५

अजर (अजर) प २६४२१

१ अच्छो रसो येषां ते अच्छरमाः प्रत्यासन्नवस्तु
 प्रतिविम्बाधारभूता इवातिनिर्म्वा इतिभावः
 टीका पत्र १६२

अजसौकित्तिणाम (अयशःकीर्तिनामन्) प २३३३८,
 १२८

अजहण्ण (अजघन्य) प २३११६१ से १६३ ज २१५

अजहण्णमणुक्कोस (अजघन्यानुत्कर्ष) प ४२२६७,
 २६६; ५१४२, ४६, ६४, ७६, ११२, ११६, २४४;
 ७३०; १८१०२; २३६३; २८१६७

अजहण्णमणुक्कोसगुण (अजघन्यानुत्कर्षगुण)
 प ५३६, ६०, ७५, ९०, १०८, १११, १६४, २०१,
 २०४, २०८, २१२, २१५, २१६, २२२, २२५, २४३

अजहण्णमणुक्कोसद्विठित्य (अजघन्यानुत्कर्षस्थितिक)
 प ५३५, ५७, ७२, ८७, १०५, १७५, १७८, १८२,
 १८५, १८८, २४०

अजहण्णमणुक्कोसपदेशिय (अजघन्यानुत्कर्षप्रदेशिक)
 प ५३३१, २३२

अजहण्णमणुक्कोसमति (अजघन्यानुत्कर्षमति)
 प ५६४

अजहण्णमणुक्कोसोगाहणग (अजघन्यानुत्कर्षावगाह-
 नक) प ५१७१, १७२, २३६, २३७

अजहण्णमणुक्कोसोगाहणय (अजघन्यानुत्कर्षावगा-
 हनक) प ५१५०, ५४, ६६, ८४, १०२, १५५, १५८
 १६०, १६४, १६७, १७२, २३७

अजहण्णुक्कोस (अजघन्योत्कर्ष) प ५१६४, ६८

अजहण्णुक्कोसोगाहणग (अजघन्योत्कर्षावगाहनक)
 प ५३१, ३२

अजहण्णुक्कोसोगाहणय (अजघन्योत्कर्षावगाहनक)
 प ५३२, १६१

अजाइय (अयाचित) उ० ३३८

अजावण्णज्ज (अयापनीय) ज २११३१

अजिण (अजिन) ज २३८

अजिम्ह (अजिह्वा) ज २१५

अजिय (अजित) ज० ३१६५, २०६

अजीरग (अजीरक) ज २४३

अजीव (अजीव) प ११०१२; १५१५७ ज २३१
 सू २०११ उ ३१४४; ५३४

अजीवपञ्जव (अजीवपञ्चव) प ५११, १२३ से १२५,
 २४४

अजीवपणवणा (अजीवप्रज्ञापना) प १११ से ४,६
 अजीवपरिणाम (अजीवपरिणाम) प १३११,२१,३१
 अजीवमिस्त्रिया (अजीवमिस्त्रिता) प १११३६
 अजोग्या (अयोग्या) प ३६१६२
 अजोगि (अयोगिन्) प ३१६६;१३११६;१८१५८ ;
 २८१३८
 अजोगिकेवली (अयोगिकेवलिन्) प १११०८,११०,
 १२१,१२३
 अजोगिभवत्यकेवलि (अयोगिभवत्यकेवलिन्)
 प १८१०१;१०३
 अजोगि (अयोगि) प ६११६
 अजोगिय (अयोगिक) प ६११२,१६,२५
 अज्ज (अज्) ज २१४६ सू १०१६२ से १६६
 उ १४२
 अज्ज (आर्य) ज ३१२४;७२१४
 अज्जग (अर्जक) ज ५१७२,७३
 अज्जग (आर्यक) उ ११०५ से १०७,११६
 अज्जम (अर्यमन्) ज ७११३०,१८६४
 अज्जमदेवता (अर्यमदेवता) सू १०१८३
 अज्जय (अर्जक) प १४४१३
 अज्जल (आर्यल) प १८६
 अज्जव (आर्यव) ज २१७१
 अज्जसुहृन्म (आर्यसुधर्मन्) उ ११२,३
 अज्जा (आर्या) उ ३१६६ से १०४,१०६ से १०८,
 १११ से १२०, १३२ से १३६,१४१,१४२
 १४३,१४५,१४६,१४८ से १५०;४१२१ से २४
 अज्जिय (अर्जित) ज ३१७५
 अज्जिया (आर्यिका) ज २१७५,८२ उ ३१२
 अज्जुण (अर्जुन) प ११३६३,४२१ ज ३१११७
 अज्जत्थवचण (अध्यत्मवचन) प १११८६
 अज्जत्थिय (आश्र्यात्मिक) ज ३१२६,३६,४७,५६,
 १२२,१२३,१३३,१४५,१८८;५१२२ उ ११५
 १७,५१,५४,६५,७६,७६,६६,१०५;३१२६
 ४८,५०,५५,६८,१०६,११८,१३१;५१३६,३७
 अज्जयण (अध्ययन) प १११३ ज ७११४ चं ५१२

सू ११६१२;१०७८ उ ११६ से ८, १४२,१४३,
 १४८; २११ से ३,१४,१५,२१;३१२,३,१६,२०,
 २२,२३,८७,८८,१५३,१५४,१६६,१६७,१७०,
 ४११ से ३,२७;५१०,३,४४,४५
 अज्जवसाण (अध्यवसान) प ३४१११,३४१३ ज
 ३१२२३
 √अज्जावस (अधि : आ : वम्) —अज्जावसइ
 ज २६४
 अज्जावसमाण (अध्यावसम्) ज २६४
 अज्जावसिस्ता (अध्यावसि) ज २६४
 अज्जोववण (अधुपपन्न) उ ३११४,११५,११६
 अज्जुत्तिर (अजुत्तिर) ज ३३
 अट्ट (आर्त) उ १५२,७७
 अट्टइ (दे०) प ० १३३७३
 अट्टज्ज्ञाण (आर्तध्यान) ज ३१०५ उ ११५;३१६८
 अट्टालग (अट्टालक) ज २१२०
 अट्टालय (अट्टालक) प २३०,३१,४१
 अट्ठ (अष्टन्) प १५० ज ११८ चं ३१२
 अट्ठ (अर्थ) प ५१३,५,७,१०,१२,१४,१६,१८,२०,
 २४,२८,३०,३२,३४,३७,४१,४५,४६,५३,५६,
 ५६,६३,६८,७१,७४,७८,८३,८६,८६,९३,९७,
 १०१,१०४,१०७,१११,११५,११६,१२७,१२६,
 १३१,१३४,१३६,१३८,१४०,१४३,१४५,१४७,
 १५०,१५४,१५७,१६३,१६६,१६६,१७२,१७४,
 १७७,१८१,१८४,१८७,१९०,१९३,१९७,२००,
 २०३,२०७,२११,२१४,२१८,२२१,२२४,
 २२८,२३०,२३२,२३४,२३७,२३६,२४२;
 ११३,१११ से २०,३६,४१;१५४४,४८,४६;
 १७१ से ६,८ से १७,२०,२२,२४,२५,२७,
 १०७,१०६,१११,११६,११६,१२३ से १२८,
 १३० से १३२,१३५,१५०,१५२,१५५;२०१२
 ३,१४ से १७, १६ से २५,२७ से ३०,३३,३४,
 ३६ से ४८,५० से ५२,५५,५६;२२१८,७६,
 ८०,८२,६२,६४,६५;२८४,२५,२७,२६,३८,
 ४७,५०,७३ से ७५,६७;२६११७,१६ से २१;
 ३०१६,१६,२१,२३,२५,२६,२८;३४;१२,

१६,१८;३५११८,२०,२३; ३६।८०,८१,८३,
 ८८ ९२,९४, ज ११११,४५,४७,५१;
 २।१७,१८,२१ से २३,२५,२६,३० से ३३,
 ३८ से ४०,४२,४३,५२,५६,१५६,१६१;३।१
 ६,९१,९८,१०६,१०७,११३,११४,१८६,
 १९६,२०६,२२६;४।१६,२२,३४,३७,४१,५१,
 ५३,५४,६०,६१,६४,७०,७६,७९,८१,८५,
 ८६,८९,९०,९३,९७,१०२,१०७,१०८,११०,
 ११३,१४१,१४२,१४६,१५१,१५६,१६१,१६६,
 १७७,१८०,१८४,१८६,१८८,१९३,१९६,
 १९६,२००,२०३,२०५,२०६,२०९ से
 २११,२६१,२६४,२६६,२७०,२७२,२७३,
 २७६,२७७;५।२७;७।१६६,१८४,१८५,२०६,
 २१३,२१४ सू १६।२,४,६;१८।२२ उ १।४,
 ८,१७,२३,२४,३७ से ४०,४२,४३,५५,५७,
 ५८,६७,८०,८२,८३,८८,९६,१००,१०२,
 १०४,१०७,११५,११७,११९,१२०,१२२,
 १२७,१४२,१४३;२।१,३,१४,१५,२१;३।१,
 ३,१३;१६,२०,२२,२३,२६,३८,४०,४२,४४,
 ५६,६१,७७,८७,८८,१०२,१०७,११६ से
 ११८,१२३,१४०,१४७,१५३,१५४,१६०,
 १६६,१६७,१७०;४।१,११,२७;५।१,३,१५,
 ३८,४३,४४

अट्टअसीय (अष्टाशीति) सू १८।१
 अट्टक (अष्टक) सू १३।५,६
 अट्टकण्णिय (अष्टकण्णिक) ज ३।६४,१३५,१५८
 अट्टच्छत्तल (अष्टचत्वारिंशत्) सू १०।१४६
 अट्टजोयणिय (अष्टयोजनिक) प २।६४
 अट्टतरि (अष्टमस्तति) सू ४।५
 अट्टतीस (अष्टत्रिंशत्) प २।३८ ज १।२०
 सू. १०।१५२ उ ३।१२
 अट्टपंचासत (अष्टपञ्चाशीति) सू १२।३
 अट्टपदेसिय (अष्टपदेसिक) प १०।१३,१४
 अट्टपिट्ठणिट्ठिया (अष्टपिट्ठणिट्ठिता)
 प १७।१३४

अट्टभाग (अष्टभाग) प ४।१७१,१७३,१७४,
 १७६,२०१,२०३,२०४,२०६, ज २।५६;
 ४।२१५;७।१६५,१६६ सू १८।२५,२६,३४,३६
 अट्टम (अष्टम) प ३६।८५,८७ ज २।७१;४।२११
 ५।१०;७।६७ सू १०।७७;१२।१७,१३।८ उ
 २।१०,२२; ३।१४,८३,१५०,१६१;४।२४;
 ५।२८,३६,४३
 अट्टमंगलग (अष्टमंगलक) ज ३।१७८,२०२,
 २१७;४।२८,११५,१३८,१५८;५।४३,५८
 अट्टमंगलय (अष्टमंगलक) ज ३।१२,८८;४।१२५
 अट्टमभत्त (अष्टमभक्त) प २८।५० ज ३।२०,
 २१,२८,३३,३४,४१,४६,५४,५५,५८,६३,
 ६४,६६,७१,७२,७४,८४,८५,१११,११२,
 ११३,१३१, १३७ से १३९,१४३,१४४,
 १४७,१६६,१६८,१८२,१८३,१८७,१९१,
 २१८
 अट्टमभक्तिय (अष्टमभक्तिक) ज ३।५४,६३,७१,
 १११,११३,१३७,१४३,१६७,१९०
 अट्टमी (अष्टमी) ज ७।१२५
 अट्टया (अर्थ) सू १७।१;२०।१ उ ३।४४
 अट्टविह (अष्टविध) प १।४,१३२;१३।२६;
 २१।५५;२२।२१ से २३,२८,८३,८४,८६,८७
 ९०;२३।१५,१६,२१,२२,३०,३१,५०,५८;
 २४।२ से ८,१० से १३;२५।४,५;२६।२ से ६,
 ८ से १०,२७।२,३; २६।२ सू ६।५
 अट्टवीस (अष्टविंशति) प २।५६।१
 अट्टसइय (अष्टशतिक) ज २।६४
 अट्टसट्ठ (अष्टषट्ठि) ज ७।३१ सू ४।४
 अट्टसट्ठि (अष्टषट्ठि) ज ६।१५
 अट्टसमइय (अष्टसामयिक) प ३६।३,८५
 अट्टसयमंगुलमायत (अष्टशताङ्गुलायत)
 ज ३।१०६
 अट्टसुवण (अष्टसुवर्ण) ज ३।६५,१५६
 अट्टसोवणिय (अष्टसोवणिक) ज ३।६४,१५८
 अट्टहत्तर (अष्टसप्तति) प २।२१

अट्टहत्तरि (अष्टसप्तति) ज ७।३२,३४
 अट्टा (अष्टा) ज २।६५
 अट्टाणउइ (अष्टनवति) ज ७।६८
 अट्टानउति (अष्टनवति) सू १०।१६५
 अट्टाणउय (अष्टनवति) सू १०।१७३
 अट्टार (अष्टादशन्) प १०।१४।४ से ६ ज ४।६२
 अट्टारस (अष्टादशन्) प २।२४ जं १।४८ सू
 १।१३ उ १।१०४
 अट्टारसवंक (अष्टादशवक्र) उ १।६६,१०२ से
 १।१७,११६,१२७,१२८
 अट्टारसविह (अष्टादशविध) प १।६८
 अट्टावण (अष्टपञ्चाशत्) ज ४।१४२
 अट्टावय (अष्टापद) ज २।१५,८८,६०;३।२२४
 अट्टावीस (अष्टाविंशति) प २।२३ ज १।७ सू १।१४
 अट्टावीसइभाग (अष्टाविंशतिभाग) सू १०।१४२
 अट्टावीसइविह (अष्टविंशतिविध) ज ७।११३ सू
 १०।१३०
 अट्टावीसतिभाग (अष्टविंशतिभाग) प २३।१०२
 से १०४,१५२ सू १।२।३०
 अट्टावीसतिविह (अष्टाविंशतिविध) प १।८६;
 २।४८
 अट्टावीसविमाणसयसहस्राहिवइ (अष्टाविंशति-
 विमाणशतसहस्राधिपति) ज २।६१
 अट्टासीइ (अष्टाशीति) सू २०।८।६
 अट्टासीति (अष्टाशीति) सू १।८।२०।८
 अट्टासीय (अष्टाशीति) ज १।२३ सू १०।१४१
 अट्टाहिय (अष्टाहिक) ज २।११ उ से १२०;३।१२
 से १४,२८,३०,४१,४२,४३,४६ से ५१,५८ से ६०,
 ६६ से ६८,७४ से ७६,१३६,१३६,१४७
 से १५१,१६८ से १७०; ५।७४
 अट्टि (अधिन्) प २८।१।१,२८।३,२५,२८,३७,
 ४६, ज ३।१०६
 अट्टिकच्छभ (अस्थिकच्छप) प १।५७
 अट्टिय (अस्थित) प १।१।८० से ८३
 अठिय (अस्थित) प १।१।४७

अड (दे०) प १।७६
 अडड (अट्ट) ज २।४
 अडडंग (अट्टाङ्ग) ज २।४
 अडतालीस (अष्टचत्वारिंशत्) सू १।२३
 अडमाण (अट्ट) उ ३।१००,१३३
 अडयाल^१ (दे०) प २।३०
 अडयाल (अष्टचत्वारिंशत्) ज १।२० सू १।२४
 अडयालीस (अष्टचत्वारिंशत्) ज २।६ सू १।२४
 अडवीबहुल (अट्टवीबहुल) ज १।१८
 अडसट्ठि (अष्टपट्ठि) सू १।५।२
 अडिल (अटिल) प १।७८
 अड्ढ (आढ्य) ज ३।१०३ उ १।१४१;३।१०,२१
 २८,६६,१५८,४।७
 अड्ढाइज (अर्धतृतीय) प १।७४,८४;२।७,२६;
 १।४५;२।१६६,६७;३।३।५,६ ज १।३८,४३;
 ४।१०,१२,४३,४५,५७,७२,७८,११०,१४७,
 १८३,२१५,२२१,२४५,२४८;५।५२ सू १।२३
 १।८।१
 अणंगसेणा (अनङ्गसेना) उ ५।१०,१७
 अणंत (अनन्त) प १।१३,४८;१।४।७,८, १० से
 १६,३० से ३३,३८ से ४२,५०,५२,५७,५८,
 ६०,२।६।१०,११,१३,१५,१६;५।२ से ७,
 ६ से २०,२३,२४,२७ से ३४,३६,३७,४०,
 ४१,४४,४५,४८,४६,५२,५३,५५,५६,५८,५६,
 ६२,६३,६७,६८,७०,७१,७३,७४,७७,८२,८३
 ८५,८८,९२,९६,१००,१०१,१०३,१०६,११०
 ११४,११८,११६,१२६ से १३०,१३३,१३५,
 १३७,१३६,१४२,१४४,१४६,१४६ से १५४
 १५६,१६२,१६५,१६८,१७१,१७३,१७६,
 १८०,१८३,१८६,१८६,१८६,१८६,२०२
 २०६,२१०,२१३,२१७,२२०,२२३,२२७,
 २२६,२३१,२३३,२३८,२४१;६।६३;१०।१६,
 १८ से २०;१२।७ से ११,२०;१५।१४,१५,
 २७,३२,५७,८३,८४,८७,८६ से ९६, १०३,
 १०४,१०६,११२,११५,११८,११६,१२१,

१ अडयाल शब्दो देशीवचनत्वात् प्रशंसावाची ,

१२२, १२६, १२९, १३०, १३५ से १३७,
१३९ से १४२; १६३७; १७१४२; १८३, १४,
२७, ४५, ५९, ६४, ७७, ८३, ९०, १०८; ३६८,
१२, १४, १६, १८ से २६ ३२ से ३४, ४४ से
४७, ८३२ ज रा६, ५१, ५४, ७१, ८५, १२१
१२६, १३०, १३८, १४०, १४९, १५४, १६०,
१६३; ३१२३; ५१२१, ५८

अणंतक (अनन्तक) ज ३१२१

अणंतखुत्तो (अनन्तकृत्वस्) ज ७१२१२

अणंतगुण (अनन्तगुण) प रा६४१५; ३३८ से ४२
४९ से ५२, ६० से ६३, ७१ से ७४, ८४ से
८७, ९५ से १०२, १०५ से ११५, ११८, १२२,
से १२४, १७५, १७७ से १७९, १८२, १८३;
५१५, १२९, १५१, १५२; ६१२, १९, २५; १०४,
५, २९, ३०; ११५४, ५६, ५८, ६०, ६१, ७२, ७९,
९०; १२१७, १०, २०, १५१३, १६, २६, २८, ३१,
३३, १७५६, ५९, ६९, १४४, १४६; २११०४;
२८१७, १०, ११, ४१, ४४, ५३, ५६, ५७, ७०;
३६३५, ४८ ज रा५१, ५४, १४९, १५४, १६०,
१६३ सू २०१७

अणंतनाणि (अनन्तजानिन्) ज रा४३

अणंतपएसिय (अनन्तप्रदेशिक) प ५१३७, १३८,
१६८, १६९, १७१, १७२, १८७, २०२, २०३,
२०६, २०७, २२४; १०१४, १७, २०, २४, २९,
३०; ११४९; १५१११, २४; १६४३

अणंतपदेशिय (अनन्तप्रदेशिक) प ३१७९;

५१२७, १७२, १८६, २०७, २२३, २२४; १०१७,
२५; १६३९; १७१४०; २८५, ५१; ३०२६,
४८

अणंतभाग (अनन्तभाग) प ५१५, १२९; १२१७, १०,
२०; १५१५७; २८१२२, ३४, ३९, ६८

अणंतमिस्सिया (अनन्तमिश्रिता) प ११३६

अणंतय (अनन्तक) प १४८५२

अणंतर (अनन्तर) प रा६४; ६१९९, १०१, १०३,

१०५, ११०; ११६६१; २०१११; २०६ से १५

१७ से २५ २७, २९, ३२, ३४, ३८ से ४०, ४५
५२; ३४१११; ३४११ से ३; ३६१२ ज ३१७८
२११; ४३६, ७२, ७८, ९५, १०३, १४३, १७८,
२००, २०२, २१२; ५४३; ७९, १०, १२, १३, १५
१६, १८ से ३० ४२, ५०, ६८, ६९, ७१, ७२, ७४
७५, ७७, ७८, ८०, ८३, ८४, सू ११४, १६, १७,
२१, २४, २७; २१२, ३; ६११; ८११; ६११; १३१४;
१६१२१२५ उ ११४१; ३६२, १२५; ४१२६,
२८, ३०, ४३

अणंतरपच्छाकड (अनन्तरपच्छाकृत) सू ८११;

११२ से ६

अणंतरपुरखड (अनन्तरपुरस्कृत) सू ८११; ११२
से ६

अणंतरसिद्ध (अनन्तरसिद्ध) प ११११, १२;

१६३५, ३६

अणंतरोगाढ (अनन्तरावगाढ) प ११६३, ६४;

२८१३, १४, ५९, ६०

अणंतरोववणग (अनन्तरोपपन्नक) प १५४९;

३४१२

अणंतसमयसिद्ध (अनन्तसमयसिद्ध) प ११३

अणंताणुबंधि (अनन्तानुबन्धिन्) प १४१७;

१८११; २३३५

अणंसुपाति (अनश्रुपातिन्) ज ३१०९

अणगार (अनगार) प १५१११; १५४३;

३६१७९ ज १५; २६५, ६७, ८३, ८५, ८७,
८८, ९५, ९६, १०० से १०२, १०४, ११४, ८
१० सू १५ उ १२, ३; २९ से १२; ३१३,
१४, १६१; ५१२१, २२, २७, २८, ३२, ३८ से ४१
४३

अणगारचियगा (अनगारचितका) जं २१०५ से
११२

अणगारिया (अनगारिता) प २०१७, १८

उ ३१३, १०६ से १०८, ११२, ११८, १३६,
१३८, १३९; ४१४, १९; ५३२, ४३

अणघ (दे०अक्षत) ज० ३१८१

अणघाड्जमाण (अनाघ्रायमाण) प २८४३,
४४,६६,७०

अणघिद्य (अनघित) ज ३।६२, ११६

अणतिवर (अनतिवर) ज ३।११६

अणदम्भवाह (अदम्भवाह) ज ३।१०६

अणभिग्गहिय (अनभिग्गहूत) प १।१०१।११

अणभिग्गहिया (अनभिग्गहूता) प १।१३।३।२

अणरिह (अनह) उ १।४०, ४३

अणव (ऋणवत्) ज ७।१२२।३ सू १०।८।४।३

अणवकल्लमाण (अनवकाड्भत्) ज ३।२२४ उ०
२।११

अणवगल्ल (अनवकल्प) ज २।४।१

अणवट्ठित (अनवस्थित) सू ६।१०; ८।१०;
१३।१७; १६।२२।१०, २७

अणवट्ठिय (अनवस्थित) प ३।३।३५; ३६
ज ७।३।१, ३३ सू ४।३ से ७

अणवण्णव (अणपन्निकेन्द्र) प २।४६

अणवण्णय (अणपन्निक) प २।४१, ४६

अणवण्णयकुमारराय (अणपन्निककुमारराज)
प २।४६

अणवन्निय (अणपन्निक) प २।४६, ४७।१

अणवरय (अनवरत) ज २।६४; ३।१८५, २०६

अणसण (अनज्ञान) उ २।१२; ३।१४, ८३, १२०,
१५०, १६१; ५।२८, ३६, ४१, ४३

अणस्ताड्जमाण (अनास्वाद्यमान) प २८।४३, ४४
६६, ७०

अणह (अनघ) सू २०।७

अणह (दे०अक्षत) ज ३।८१

अणाईय (अनादिक) प १।८।१३, १०५

अणाएजणाम (अनादेयनामन्) प २३।१२६

अणागतद्धा (अनागताध्वन्) २।६४; ३।६।६३

अणागत (अनागत) ज २।६०; ३।२६, ३६, ४७,
५६, १३३, १३८, १४५; ५।३, २२; ७।३६, ५२

अणागतद्धा (अनागताध्वन्) प ३।६।६४

अणागतवघण (अनागतवचन) प १।१।८६

अणागार (अनाकार) प २।६४।१२; २६।११;
३०।२६ से २८

अणागारपस्सि (अनाकारदर्शिन) प ३०।१५ से १८
२०, २२, २३

अणागारपासणता (अनाकारदर्शन, °पश्यत्ता)
प ३०।१७

अणागारपासणया (अनाकारदर्शन, °पश्यत्ता)
प ३०।१, ३, ५, ७, १२, १३

अणागारोवडत्त (अनाकारोपयुक्त) प ३।१०६,
१७४; १३।१४; १।८।६३; २६।१६ से २१

अणागारोवओण (अनाकारोपयोग) प १३।८, २६।१
३, ५, ७, ८, १०, १३, १४

अणाघाड्जमाण (अनाघ्रायमाण) प २८।४४, ७०

अणाढाड्जमाण (अनाद्रियमाण) उ ३।६२

अणाढायमाण (अनाद्रियमाण) उ ३।५६, ६१, ७७,
११६

अणाद्धिय (अनादृत) ज ४।१५०, १५६, १६०;
७।२१३ उ ३।२, १७१

अणाणत्त (अनानात्व) प २।३, ६, ६, १२, १५

अणाणुगामिय (अनानुगामिक) प ३३।३५

अणाणुपुब्ब (अनानुपूर्व्य) ज ७।४७

अणाणुपुब्बी (अनानुपूर्वी) प १।१।६८; २८।१८, ६४

अणादि (अनादि) सू १।६; १।१।१

अणादीय (अनादिक) प १।८।२५, ५५, ५६, ६४, ६८
७७, ८३, ८६, ९०, १।१।१, १।२२, १।२३, १।२६,
१।२७

अणादेज्ज (अनादेय) ज २।१३३

अणादेज्जणाम (अनादेयनामन्) प २३।३८

अणाभोगणिव्वत्तिय (अनाभोगनिर्वतित) प १।४।६;
२८।४, ५०; ३।४।५

अणारिय (अनार्य) ज २।४३

अणालोइय (अनालोचित) उ ३।८३।१२०; ४।२४

अणावुट्ठिबहुल (अनावृट्ठिबहुल) ज १।१८

अणास्ताड्जमाण (अनास्वाद्यमान) प २८।४०,
४१, ४४, ७०

अणाहारण (अनाहारक) प ३।१०७; २८।१०८

से ११०, ११२, ११४ से ११६, ११८-११९,
१२१, १२३ मे १२५, १३०, १३१, १३६
से १३९, १४१, १४२
अणाहारय (अनाहारक) प १८९७ से १०३;
२८१०६ से १०८, १११, ११३, ११७, ११९,
१२०, १२२, १२५, १२७ से १२९, १३२, १४३
अणिद (अनिन्द्र) प २६०, ६३
अणिविय (अनिन्द्रिय) प ३४०; १३१९६; १८११७
अणिविया (अनिन्द्रितः) ज ५१११
अणिविखत्त (अनिक्षिप्त) उ० ३५०
अणियण (अनम्न) ज २१२३
अणिच्चजागरिया (अनित्यजागरिका) उ० ३५५
अणिच्छियत्त (अनिष्टत्व) प २८२४
अणिज्जिण्ण (अनिर्जीर्ण) प ३६८२
अणिट्ठ (अनिष्ट) प २३२० ज २१३३
अणिट्ठतरिया (अनिष्टतरका) प १७१२३ से
१२५, १३० से १३२
अणिट्ठत्त (अनिष्टत्व) प २८२
अणिट्ठस्सर (अनिष्टस्वर) ज २१३३
अणिट्ठस्सरता (अनिष्टस्वरता) प २३१२०
अणिड्ढि (अनर्द्धि) प ६१६८; २११७२
अणिड्ढिपत्तारिय (अनर्द्धिप्राप्तार्य) प ११६०, ६२,
१२९
अणित्थंत्थ (अनित्थंस्थ) प २६४१६
अणिदा (दे०) प ३५१११; ३५११६
अणिदाया (दे०) प ३५११७ मे २०, २२, २३
अणिमिस (अतिमेप) ज ५१६७
अणिय (अनीक) प २३० मे ३३, ३५, ४१, ४३, ४८
से ५१ ज १४५; २१६०; ३१२५; ५११, १९,
४३, ४६, ५०, ५६, सू १८१२३
अणियट्ठि (अनिवृत्ति) सू २०१८, २०१८१
अणियत्त (अनियत्त) सू ११२६
अणियय (अनियत्त) प १७१२०
अणियाधिवति (अनीकाधिपति) प २३० से ३३
४१, ४३, ४८ से ५१

अणियाहिव (अनीकाधिप) ज ४१५१२
अणियाहिवइ (अनीकाधिपति) ज १४५; २१६०
४१९, १५१; ५११, १९, ३९, ४३, ४८, ५०, ५२,
५३, ५६ सू १८१२३
अणियाहिवति (अनीकाधिपति) प २३०
अणिल (अनिल) ज २१६८
अणिवारिय (अनिवारित) उ ३११९; ४१२२
अणीय (अनीक) उ ११४६; १४७
अणु (अणु) प ११६४, ६५, ६६११; २८१४, १५,
६०, ६१ ज ७४३, ५०, १६८ सू ६१; ६१२;
१७११; १८१२, ३; १६१२१
अणुउ (अनृतु) सू १०१२६१३
अणुकतनुक (दे०) ज ३१०९
अणुगंतव्व (अनुगन्तव्य) प १४८०; २४०; १५१५५
ज ७१३४
√ अणुगच्छ (अनु+गम्)
अणुगच्छइ ज ३६; ५१२१ उ ३११०१
अणुगच्छंति ज ३१०, ११, ५१, ८६, ८७
अणुगच्छति प १६१४८
अणुगच्छमाण (अनुगच्छन्) ज ३११८, ३१, १८०
अणुगच्छित्ता (अनुगम्य) ज ३६ उ ३११०१
अणुगम्ममाण (अनुगम्यमान) उ ३१३०
अणुगिण्हमाण (अनुगृह्णान) उ १११०७, १०८
√ अणुचर (अनु+चर्)
अणुचरंति सू १६१२२११
अणुचरंत (अनुचरत्) सू १६१२२११
अणुचरिय (अनुचरित) ज ३१२२, २८, ४१, ४६, ५८
६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
√ अणुजाण (अनु+जा)
अणुजाणउ उ ३५१
अणुजाय (अनुयात) ज ३१२२, ३५, ३६
अणुतडिया (अनुतटिका) प १११७७
अणुतडियाभेद (अनुतटिकाभेद) प १११७७, ७९
अणुतडियाभेय (अनुतटिकाभेद) प १११७३
अणुत्त (अणुत्व) ज ७१६६ सू १८१३
अणुत्तर (अनुत्तर) प २१२७, २७४; २४९, ६३;

२१५५; ३४२३, २४ ज २।७१, ८५; ३।२२३
अणुत्तरविमाण (अनुत्तरविमान) प २।६२।१;
 १०।२; ३०।२६
अणुत्तरोववाइय (अनुत्तरोपपातिक) प १।१३६,
 १३८; २।४६, ६३; ३।१८३; ६।४६, ६६, ६६,
 ६८, ११३; २०।५७; २१।५५, ७१, ८३, ६३,
 ६४; ३३।१८, २६; ३४।१६, १८ ज० २।८१
अणुत्तरोववातिय (अनुत्तरोपपातिक) प २०।५६;
 २१।६२
अणुदु (अनुदु) ज ७।११२।३
अणुद्धुय (अनुद्धूत) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८
 ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३; ५।५
√अणुपरियट्ट (अनु-+परि+वृत्)
 अणुपरियट्टइ ज ७।१५६ से १६७ सू १०।६७
 अणुपरियट्टंति ज ७।५५ सू १६।२३
 अणुपरियट्टति सू १०।५
अणुपरियट्टित्ता (अनुपरिवृत्य) सू १०।५
अणुपरियट्टित्ताणं (अनुपरिवृत्य) प ३६।८१
अणुपरिवाडीय (अनुपरिपाटीक) ज ७।१३०
अणुपविट्ठ (अनुप्रविष्ट) ज ३।८१ उ १।३३,
 ३।८, १००, १३३
√अणुपविस (अनु+प्र+विश्)
 अणुपविसइ ज ३।६, १७, २०, २१, २८, ३१ से
 ३४, ४१, ४६, ५४, ६३, ७१, ७७, ६५, १३७, १३६,
 १४३, १५६, १६६, १७७, १८२, २०१, २०४,
 २१८, २२२ सू २।१ अणुपविसंति ज ३।२०५,
 २०६ अणुपविसति ज ३।१८३, १८४
 अणुपविसह उ ३।१०१
अणुपविसमाण (अनुप्रविशत्) ज ३।१८४, १८५
अणुपविसित्ता (अनुप्रविश्य) ज ३।६ सू २।१
अणुपुव्व (अनुपूर्व) ज २।१५; ४।३।२५, ३५ सू
 ६।१ उ १।५७, ५८, ८२, ८३; ३।४६
अणुप्पत्त (अनुप्रप्त) उ ३।१२७, १२८; ५।४३
अणुप्पयाहिणीकरेमाण (अनुप्रदक्षिणीकुर्वत्) ज
 ३।२०४ से २०६, २०८; ५।४१

अणुप्पवाएमाण (अनुप्रवाचयत्) ज ३।२६, ३६,
 ४७, १४३
√अणुप्पवाय (अनु-+प्र-+वाचय्)
 अणुप्पवाएइ ज ३।२६, ३६, ४७, १३३
अणुबंध (अनुबन्ध) ज २।४२
अणुबद्धचारि (अनुबद्धचारिन्) सू २०।२
अणुभड (अनुभट) ज २।१५
अणुभाव (अनुभाव) प २३।१११, २३।१३ से २३
 ज ४।८३ चं २।५ सू १।६।५; १६।२२।१६, २०
अणुभावणामणिहत्ताउय (अनुभावनामनिधत्तायुष्क)
 प ६।११८
अणुभावणामनिहत्ताउय (अनुभावनामनिधत्तायुष्क)
 प ६।११६, १२२
अणुभावनिहत्ताउय (अनुभावनिधत्तायुष्क) प ६।१२३
√अणुमण्ण (अनु-+मन्)
 अणुमण्णित्थ; उ ३।१०६
अणुमय (अनुमत) प ११।३०।१, २ ज २।१५
 उ ३।१२८
अणुमाण (अनुमान) सू ६।३
अणुमाणइत्ता (अनुमान्) उ ३।५५
अणुयाय (अनुयात) ज ३।६३, ६६, १०६, १६३,
 १७५, १८०
अणुरंगिणी (अनुरङ्गिणी) सू १०।७४
अणुरंजिएल्लिय (अनुरञ्जित) ज ३।११७
अणुरत्त (अनुरक्त) सू २०।७ उ १।१३६
अणुराग (अनुराग) प २।४०।११ उ १।७२, ७३,
 ८७, ८८, ६२
अणुराधा (अनुराधा) सू १०।२ से ६, १८
अणुराहा (अनुराधा) ज ७।१२८, १२९, १३६।१,
 १४०, १४६, १५२, १६६, सू १०।२ से ६, १८,
 २३, ५०, ६२, ७३, ७५, ८३, ११५, १२०, १३१,
 १३३
√अणुलिप (अनु+लिप्) अणुलिपइ ज २।६६;
 ३।१२ अणुलिपति ज २।१००; ३।१२, २११;
 ५।५८
अणुलिपित्ता (अनुलिप्य) ज २।६६
अणुलित्त (अनुलिप्त) प २।३१ ज ३।६, २२२

√अणुलिह (अनु+लिह्)

अणुलिहंति ज ३।१७८; ५।४३

अणुलिहंत (अनुलिहत्) उ ५।५

अणुलिहमाण (अनुलिहत्) प २।४८

अणुलेवण (अनुलेपन) प २।२० से २७, ३०, ३१,

४१, ४६ ज २।७०

अणुलोम (अनुलोम) ज २।१६, ६७

अणुलोमच्छाया (अनुलोमच्छाया) सू ६।४

अणुवउत्त (अनुपयुक्त) प १।५।४८, ४९; ३।४।१२

अणुवत्तमाण (अनुवर्तमान) ज ५।२७

अणुवम (अनुपम) प ३०।२७, २८

अणुवरयकाइया (अनुपरतकायिकी) प २।२।२

अणुववेत्त (अनुपेत) प १।७।१३२

अणुवसंत (अनुपशान्त) प १।४।६

अणुवसंपज्जमाणगति (अनुपसंपद्यमानगति)

प १।६।३८, ४२

अणुवसंपज्जित्ताणं (अनुपसंपद्य) प १।६।४२

अणुवाय (अनुवाद) ज ४।१०.३

अणुवायगइ (अनुपातगति) सू १।१।४

अणुवासिय (अनुवासित) ज ५।५

अणुविद्ध (अनुविद्ध) ज ३।१।२, ८८; ५।५८

अणुव्वय (अणुव्रत) उ ३।८।१, ८२

अणुसज्जमाण (अनुसजत्) ज ४।२०.५

√अणुसज्ज (अनु+ज्) अणुसज्जित्था ज २।५०

अणुसज्जिस्मंति ज २।१।६२, १६४

अणुसमवयणोववत्तीय (अनुसमवदनोपपत्तिक)

ज ३।१।६।७।१२

अणुसमय (अनुसमय) प ६।१।६, ६२, ६३; १।१।७०;

२८।४, २६, ५०

अणुसार (अनुसार) प २।१।८० ज० ५।५।७ उ

५।४५

√अणुहर (अनु+ह्)

अणुहरंति ज ३।१।३८

√अणुहो (अनु+ह्) अणुहोति प २।६।४।२२

अणूण (अनून) सू १।६।२।१८; १।६।२।२।२८

अणेग (अनेक) प १।३।८।३; १।४।८।६, ४७; १।१०।१।

७; २।४।१, ६४ ज १।३।७; २।१।२, १।१।३, १।४।६;

३।३, ६, १२, २२, २४, २८, ३१, ३६, ४१, ४६, ५८,

६६, ७४, ७७, ६३, ६६ से १०१, १०६, १११, ११६,

१२०, १४७, १६३, १६८, १६३, २१२, २१३,

२२२; ४।३, ६, २५, ३३, १२०, १।४।७, २।१।६,

२४२; ५।३, ४, २८, ३२, ३३, ४३ उ १।६।७

से ६६; ३।४।३, ४४; ५।१०, १।७

अणेगजीविय (अनेकजीवित^०जीवक) प १।३।५, ३६

अणेगविह (अनेकविध) प १।१।३, २०, २३, २६, २६,

३५ से ५१, ५६, ६३ से ६६, ७०, ७१, ७५, ७६,

७८, ७९, ८६, ९६; १।६।३०, ३७

अणेगसिद्ध (अनेकसिद्ध) प १।१।२; १।६।३६

अणेगिदिय (अनेकेन्द्रिय) प १।१।३८

अणेगइय (अनैरयिक) प १।७।६०, ६१

अणेगणिज्ज (अनेपणीय) उ ३।३।८

अणेगाढ (अनवगाढ) प १।१।६२; २।८।१२, ५८

अणेगवम (अनुपम) ज ३।६।२, १०६, ११६

अणेगवमा (अनुपमा) प २।६।४।१८; १।७।१३५

अणेगवमा (दे०) ज २।१।७

अणेगावाहणय (अनुपानत्क) उ ५।४।३

अणेगहट्टिय (दे०) उ ३।१।१६; ४।२।३

अण्ण (अन्य) प १।२०, २३, २६, २६, ३५ से ३७, ३६

से ४७, ४८।७, १० से २६; १।४।८ से ५१, ५६,

६०, ७८, ६६, ६७; २।३० से ३३, ४८ से ५५;

१।१।२१ से २५; ३।६।६४ ज १।४।५, ४६;

२।२०, ७१, ६०; ३।८।१, १।८६, १।८८, २०६,

२१०, २१६, २२१; ४।१।३, १।४, ५२, १।१।४, १।४६,

१।५६, १।६५, २०६, २१६, २१६, २२१; ५।१।५,

१६, २४, ३८, ४७, ५०, ६७; ७।५।६, ५।६, १।८३,

१।८५ सू ६।१; १०।१।६२ से १।६४, १।६६;

१।७।१; १।८।२१, २३, १।६।११, २४; २०।१

उ ५।१०, १।७

अण्णतर (अन्यतर) सू ६।१

अण्णतरठितिय (अन्यतरस्थितिक) प २।८।५०, ५१

अण्णत्थ (अन्यत्र) प १११११ से २०,४६ सू ११४,
 १७,१०१३६; २०।७
 अण्णमण्ण (अन्योन्य) प १६।३६,४२ ज २।३६,
 ४१,१४६; ३।१०५,१०७,११३ से १३८;
 ५।३,२७,३८ सू १।१८ से २१ उ १।४७,६८,
 १३८,१३९
 अण्णयर (अन्यतर) प २२।६१ से ६५; २३।१६१
 १६२ ज २।६६
 अण्णया (अन्यदा) ज ३।४,८३,१०४,१३०,१५४,
 १७२,१८८,२२२ उ १।१४; २।८; ३।४६;
 ४।२१; ५।१३
 अण्णलिगसिद्ध (अन्यलिङ्गसिद्ध) प १।१२
 अण्णहा (अन्यथा) प १।१०१।३,५ उ १।१०६
 अण्णाण (अज्ञान) प ५।२४,२८,३०,३२,३४,३७,
 ४३,४५,४६,५३,५६,६८,७१,७४,८०,८३,८४
 ८६,८७,८९,९७,९९,१०१,१०२,१०४,१०५,
 १०७,११७
 अण्णाणपरिणाम (अज्ञानपरिणाम) प १३।१४,१६
 १७,१९,
 अण्णाणि (अज्ञानिन्) प १।७४,८४; ५।६४,१८।८३
 २३।२००,२८।१३७
 अण्णाणुपुव्वी (अनानुपूर्वी) प २८।१८,६४ सू २६
 अण्णोण्ण (अन्योन्य) प २।६४।१० ज ७।५८
 सू १६।२६
 अण्णाणय (अस्नानक) उ ५।४३
 अतसी (अतसी) प १।३७।२
 अतिक्कम (अतिक्रम) ज २।१३३
 अतितेया (अतितेजा) सू १०।८।२
 अतित्थगरसिद्ध ((अतीर्थकरसिद्ध) प १।१२
 अतित्थसिद्ध (अतीर्थसिद्ध) प १।१२
 अतिदूर (अतिदूर) ज १।६
 अतिभाग (अतिभाग) सू ४।८
 अतिमास (अतिमास) सू १।५।३७
 अतिराउल (दे०) प १।१।१४,१६
 अतिरेग (अतिरेक) ज ३।३५,२११; ५।५८

अतिवत्तित्ताणं (अतिव्रज्य) प २८।१०५; ३४।१६
 अतिसीत (अतिशीत) सू १०।१२६।१
 अतिहि (अतिथि) उ ३।४८,५०,५१
 √अति (अति-; -इ) अतीति ज ३।६३,६५
 अतीत (अतीत) प १।५।८३,८४,८६ से ९७,९९
 से १०१,१०३ से १०६,१०९,११०,११२
 से ११७,११९,१२०,१२२,१२३,१२५
 से १३२,१३५,१३६,१४०,१४१,१४३; ३६।८
 से २६,३० से ३४,४४, से ४७
 अतीथ (अतीत) प १।५।१०८,११८; ३६।३४
 अतीव (अतीव) ज ५।३८
 अतुरिय (अत्वरित) ज ५।५,७
 अनुल (अतुल) प २।६४।२०
 अत्त (आत्मन्) प १।५।५० ज ३।२२२ उ ३।८३,
 १२०, १५०; ५।२८,४३
 अत्तय (आत्मज) उ १।१०,३१,६५,१०६,११०,
 ११३,११४; २।६
 अत्तया (आत्मजा) उ ४।६
 अत्थ (अत्र) ज ४।१४२,३ सू ६।१ उ ३।१५१
 अत्थ (अर्थ) ज ५।२६ चं १।३ सू २०।७ उ ३।४०
 अत्थ (अस्त्र) ज ३।७७,१०६
 अत्थओ (अर्थतस्) प १।१०१।८
 अत्थजुत्त (अर्थयुक्त) ज ५।५८
 अत्थण्डर (अर्थनिकुर) ज २।२४
 अत्थण्डरंग (अर्थनिकुराङ्ग) ज २।४
 अत्थत्थि (अर्थीथिन्) सू २०।७
 अत्थत्थिय (अर्थीथिक) ज ३।१८५
 अत्थमंत (अस्तवत्) ज ३।१६
 अत्थमण (अस्तमयन्) ज ७।३६ से ३८ चं ४।१
 सू १।८।१; २।३; ६।२
 अत्थसत्थ (अर्थशास्त्र) उ १।३१
 अत्थसिद्ध (अर्थसिद्ध) ज ७।११।७।२ सू १०।८।६।२
 अत्थाम (अस्थामन्) ज ३।१११
 अत्थि (अस्ति) प १।७५; २।६४।१४; ५।८०,
 ९९; ६।११०; १२।६; १।५।४५,४७ से ४९,

६०,६२,६३,६५,६६,८७,९४ से १०१,१०३
 से १०६,१०८,११२ से ११४,११६,१३८,
 १४१; १७१३,३५; १८११२; २०१४,१७
 १८,२२,२५,२८,२९,३४,३८,३९,४६,५०,५३,
 ५८; २११६८ से १००,१०३; २२१६,११,१२,
 १४,१६,१८,५८,७७,७९,८१,८२; २३१६;
 २८१२३,१३६,१४१,१४५; ३४१७ से ६,११,
 १२,१५,१६,२०; ३६१८ से ११,१७ से २३,
 २५,२६,२९ से ३२,३४,४४ ज १४७,
 सू १३; ६११ उ ३१०१; ४५; ५२६
अस्थिकायधम्म (अस्तिकायधर्म) प ११०११२
अस्थिक (अस्थिक) प ११३६१; ३११२
अत्थोग्गह (अर्थावग्रह) प १५१६८,७० से ७२,७४,
 ७५
अथिरणाम (अस्थिरनामन्) प २३१३८,१२२
अद (अदस्) सू १४
अदंड (अदण्ड) ज ३१२,२८,४१,४६,५८,६६,७४
 १४७,१६८,२१२,२१३
अदंतवणथ (दे० अदन्तधावनक) उ ५४३
अदि (अयि) उ ५४१
अदिइ (अदीति) ज ७११८६३
अदिज्ज (अदेय) ज ३१२,२८,४१,४६,५८,६६,
 ७४,१४७,१६८,२१२,२१३
अदिट्ठ (अदृष्ट) सू ५११; ७१
अदिट्ठंत (अदृष्टान्त) प ३०१२७,२८
अदिण्णादान (अदत्तादान) प २२११४,१५,८०
अदिति (अदिति) ज ७१३०
अदितिदेवथा (अदिनिदेवता) सू १०१८३
अदुबल्लमसुह (अदुःखामुख) प ३५११२; ३५१०
 १२
अदुत्तर (दे०) ज २४७,१३१; ३२२६; ४२२,
 ३४,५४,६४,१०२,१०५,११३,१५६,१६१,
 १६६,२०८,२१०,२६१ उ १११६
अदुवा (दे०) ज ७२१२
अदूरसामंत (अदूरसामन्त) प ३४२२,२३
 ज १५; ३११८,३१,५२,६६,१३१;

१४१,१८०; ५५५,७ उ १३३; ३२६; ५१६
अदेवीष (अदेवीक) प ३४१५,१६
अद् (आर्द्र) प २३१
अद्दरुसग (अटरूपक,आटरूपक) प १३७४
अद्दा (आर्द्रा) ज ७१२८,१२६१,१३४ से १३६,
 १३६१,१४०,१४६,१६१, सू १०३ से ६,
 १३,२४,३६,६२,६८,७५,८३,१०४,१२०,
 १३१ से १३४२,१३५२,१६०
अद्दाय (दे०) प १५१११; १५५०
अद्दारिट्ठय (आर्द्रारिष्टक) प १७१२३
अद्ध (अर्घ) ज ११६; ३१०६; ४२०८; ५३८;
 ७१७६,१७७३ सू २२; ६३ उ ११०३,
 १०६,११०,११३,११४
अद्धअजणट्ठि (अर्द्धकोनषट्ठि) सू ६३
अद्धअट्ठारस (अर्धाष्टादश) सू १८१
अद्धएकोणवीस (अर्धकोनविंशति) सू १८१
अद्धएकवीस (अर्धकविंशति) सू १८१
अद्धएकारस (अर्धकादश) सू १८१
अद्धंगुल (अर्धाङ्गुल) प ३६११ ज ११७;
 ३१०६; ७२०७ सू १५४
अद्धकविट्ठग (अर्द्धकपित्थक) प २४८ सू १८१
अद्धकुम्भिक (अर्द्धकुम्भिक) ज ५३८
अद्धकोस (अर्द्धकोश) ज १३७,४२,५१; ४६,
 १५,२४,३३,३६,११४,११८,१२८,१४७,
 १५४,१५५,२४२, सू १८१२,१३
अद्धगाउय (अर्द्धगव्यूत) प ३३२,६ ज ७६०
अद्धचउवीस (अर्द्धचतुर्विंशति) सू १८१
अद्धचंद (अर्द्धचन्द्र) प २४८,५०,५६, ज १२०;
 ३२४,७६,११६; ४४६,१०८,२४५
अद्धचंदसंठाणसंठित (अर्द्धचंद्रसंस्थानसंस्थित) प २५८
अद्धचोद्दस (अर्द्धचतुर्विंश) सू १८१
अद्धछट्ट (अर्द्धषष्ठ) सू १८१
अद्धछवीस (अर्द्धषड्विंशति) सू १८१
अद्धछवीसतिविध (अर्द्धषड्विंशतिविध) प १६३
अद्धजोयण (अर्द्धयोजन) ज १७१, १६,१०,१७,
 २३,२५; ४६,७,१४,२४,३६,४२,४६,५६,७१,

७४, ७५, ११२, ११४, ११५, ११६, १२३,
१२६, १२७, १४६ सू १८१११, २०

अद्धट्टम (अर्द्धाष्टम) ज २।७५; ४।११०, ११६,
१२८ सू १८११ उ १।५३, ७८

अद्धट्टारस (अर्द्धाष्टादश) प २३।१०४

अद्धनवम (अर्द्धनवम) सू १८११

अद्धनाराय (अर्द्धनाराय) प २३।४५, ६७

अद्धतिवण्ण (अर्द्धत्रिपञ्चाशत्) प २।२७।३

अद्धतेरस (अर्द्धत्रयोदश) प १।६०, ८१।१;
२३।१०२ ज ४।३६, ४३, ६६, ७२, ११४, १२०,
१२२ सू १८११

अद्धतेवदिठ (अर्द्धत्रिषष्टि) ज ४।२४० उ ३।७

अद्धतेवण्ण (अर्द्धत्रिपञ्चाशत्) प २।२७

अद्धतेवीस (अर्द्धत्रयोविंशति) प ६।३१ सू १८११

अद्धवसम (अर्द्धदश) सू १८११

अद्धद्विमिस्सिया (अर्द्धद्विमिश्रिता) प १।१३६

अद्धपंचम (अर्द्धपञ्चम) प ४।३४, ३६, ४०, ४२
सू १८११

अद्धपण्णवीस (अर्द्धपञ्चविंशति) सू १८११

अद्धपण्णरस (अर्द्धपञ्चदशन्) सू १८११

अद्धपलिओवम (अर्द्धपल्पोपम) प ४।१६८, १७०,
१७४, १७६, १८०, १८२, १८६, १८८, १९२,
१९४, १९५, १९७ ज ७।१८८, १९०, १९२,
१९३ सू १८१२६, २८, ३०, ३२, ३३

अद्धपलियंक्संठित (अर्द्धपर्यंक संस्थित) सू १०।४४

अद्धपोरिसी (अर्द्धपोरुषी) सू ६।३

अद्धवारस (अर्द्धद्वादश) सू १८११

अद्धवयालीस अर्द्धद्वादशत्वारिंशन्) सू १।२३

अद्धवावण्ण (अर्द्धद्विपञ्चाशत्) सू १।२३

अद्धवावीस (अर्द्धद्वादशविंशति) सू १८११

अद्धभरह (अर्द्धभरत) ज ३।६५

अद्धभाग (अर्द्धभाग) ज १।२३, ४८; ४।१, ६२, ८१
८६

अद्धमंडल (अर्द्धमंडल) ज ३।१ सू १।१८; १३।७
से ११, १४ से १६; १५।२६ से ३१

अद्धमंडलसंठिति (अर्द्धमण्डलसंस्थिति) सू १।७।१,
१।१५ से १७

अद्धमागहा (अर्द्धमागधी) प १।६८

अद्धमास (अर्द्धमास) प ६।१२; २३।७१, १८४
सू १३।४, ५, ११

अद्धमासिया (अर्द्धमासिकी) उ ३।१४, ८३, १२०

अद्धवीस (अर्द्धविंशति) सू १८११

अद्धसत्तम (अर्द्धसप्तम) सू १८११

अद्धसत्तरस (अर्द्धसप्तदश) सू १८११

अद्धसीतालीस (अर्द्धसप्तत्वारिंश) सू १।२३

अद्धसोलस (अर्द्धषोडश) ज ४।११६ सू १८११

अद्धहार (अर्द्धहार) ज ३।६, २११, २२२; ५।३८
६७

अद्धा (अद्धा, अध्वन्) प २।६४।१५, १६; १५।
५८।१; १५।६३, ६४; १८।१, १२५; ३६।६२,
६४, सू १।११, १२, २७ से ३१; २।२; ६।३;
१२।२ से ६, १० से १२

अद्धामिस्सिया (अर्द्धमिश्रिता) प १।१३६

अद्धासमय (अद्धासमय) प १।३; ३।११४, ११५,
१२१, १२२, १२४; ५।१२४; १५।५३ से ५५,
५७; १८।१२५

अद्धुद्ध (दे०) प ३३।३, ४ ज ४।११६ सू १।२३,
३।१; १८११ उ ५।१०

अधण्ण (अधन्य) उ १।६२; ३।६८, १०१, १३१

अधमत्थिकाय (अधर्मास्तिकाय) प १।३; ३।११४,
११५, ११७, १२२; ५।१२४; १५।५३, ५४

अधर (अधर) ज २।१५

अधरिम (अधरिम) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
७४, १४७, १६८, २१२, २१३

अधाज्जोग (यथायोग) सू १५।१०

अधाज्जोय (यथायोग) सू १५।१३

अधातच्च (यथातथ्य) सू १२।१३

अधारणिज्ज (अधारणीय) ज ३।१११

अधिगय (अधिगत) प १।१०।१२

अधिपति (अधिपति) ज ३।२५, ४६

अधिय (अधिक) सू १३११, १४

अधिवति (अधिपति) प २१५०, ५१

अधेसत्तमा (अधःसप्तमी) प ३१६३

अनिल (अनिल) ज २१६८, १३१

अपइदूठाण (अप्रतिष्ठाण) प २१२७

अपचचखाण (अप्रत्याख्यात) प १४१७; २३१३५

अपचचखाणकिरिया (अप्रत्याख्यानक्रिया)

प १७११, २२, २३, २५; २२१६०, ६४, ६६,
७२, ७४, ६८, ६९

अपचचखाणि (अप्रत्याख्यानिन्) प २२१६४

अपचचखाय (अप्रत्याख्यात) प १११८६

अपज्जत्त (अपर्याप्त) प १११७, २२, ३१, ४६

से ५१, ६०, ६६, ७५, ७६, ८१; २११७, २०
से ३६, ४१ से ४३, ४८ से ६३; ३१४३ से ४६,
५३ से ६०, ६४ से ७१, ७५ से ८४, ८८ से ९५,
११०, १७४; ४१५५, ८६, ८९, ९३, ९६, ९९,
२३८, २४१, २४४, २४७, २५०, २५३, २५६,
२५९, २६२, २६५, २६८, २७४, २७७, २८०,
२८३, २८६, २८९, २९२, २९५, २९८; २११६,
१६, १८, २३ से ३२, ३६, ४०, ४१, ४८, ५०, ५३,
५५

अपज्जत्तग (अपर्याप्तक) प ११२०, २३, २५, २६, २८

२९, ४८, ६०; ११४८ से ५१, ५३, ८४, १३१
से १३३, १३५, १३७, १३८; २१२, ३, ५,
६, ८, ९, ११, १२, १४ से १६; ३१४१, ४३
से ४६, ५१, ५३ से ६०, ६२, ६४ से ७१, ७३, ७५
से ८४, ८६, ८८, ९१, ९३ से ९५, ११०, १४२,
१४८, १५१, १८३; ६१७१, ७२, ८३, १०२;
११३६, ४१; १५१७६; १८१८८; २११५, १०,
१३, २०, ३३, ३४, ३६, ४१, ५२ से ५५, ७२;
३४१२२

अपज्जत्तगणम (अपर्याप्तकनामन्) प २३१३८, १२०

अपज्जत्तय (अपर्याप्तक) प ११२६; ३१६२, ६६

से ६८, ८६, ८९, ९०, ९२, ९३, ९५, १४५, १५४,
१५७, १६०, १६३, १६६, १६९, १७२, १७४,

१८३; ४१२, ५, ८, ११, १४, १७, २०, २३, २६, २९,
३२, ३५, ३८, ४१, ४४, ४७, ५०, ५३, ५७, ६०, ६३,
६६, ६८, ७०, ७३, ७५, ७७, ८०, ८३, १०२, १०५,
१०८, १११, ११४, ११७, १२०, १२३, १२६,
१२९, १३२, १३५, १३८, १४१, १४४, १४७,
१५०, १५३, १५६, १५९, १६२, १६६, १६९,
१७२, १७५, १७८, १८१, १८४, १८७, १९०,
१९३, १९६, १९९, २०२, २०५, २०८, २११, २१४,
२१७, २२०, २२३, २२६, २२९, २३२, २३५,
२३८, २४१, २४४, २४७, २५०, २५३, २५६, २५९,
२६२, २६५, २६८, २७१, २७४, २७७, २८०,
२८३, २८६, २८९, २९२, २९५, २९८, ३०१, ३०४,
३०७, ३१०, ३१३, ३१६, ३१९, ३२२, ३२५,
३२८, ३३१, ३३४, ३३७, ३४०, ३४३, ३४६, ३४९,
३५२, ३५५, ३५८, ३६१, ३६४, ३६७, ३७०, ३७३,
३७६, ३७९, ३८२, ३८५, ३८८, ३९१, ३९४, ३९७,
४००, ४०३, ४०६, ४०९, ४१२, ४१५, ४१८, ४२१, ४२४,
४२७, ४३०, ४३३, ४३६, ४३९, ४४२, ४४५, ४४८,
४५१, ४५४, ४५७, ४६०, ४६३, ४६६, ४६९, ४७२,
४७५, ४७८, ४८१, ४८४, ४८७, ४९०, ४९३, ४९६,
४९९, ५०२, ५०५, ५०८, ५११, ५१४, ५१७, ५२०,
५२३, ५२६, ५२९, ५३२, ५३५, ५३८, ५४१, ५४४,
५४७, ५५०, ५५३, ५५६, ५५९, ५६२, ५६५, ५६८,
५७१, ५७४, ५७७, ५८०, ५८३, ५८६, ५८९, ५९२,
५९५, ५९८, ६०१, ६०४, ६०७, ६१०, ६१३, ६१६,
६१९, ६२२, ६२५, ६२८, ६३१, ६३४, ६३७, ६४०,
६४३, ६४६, ६४९, ६५२, ६५५, ६५८, ६६१, ६६४,
६६७, ६७०, ६७३, ६७६, ६७९, ६८२, ६८५, ६८८,
६९१, ६९४, ६९७, ७००, ७०३, ७०६, ७०९, ७१२,
७१५, ७१८, ७२१, ७२४, ७२७, ७३०, ७३३, ७३६,
७३९, ७४२, ७४५, ७४८, ७५१, ७५४, ७५७, ७६०,
७६३, ७६६, ७६९, ७७२, ७७५, ७७८, ७८१, ७८४,
७८७, ७९०, ७९३, ७९६, ७९९, ८०२, ८०५, ८०८,
८११, ८१४, ८१७, ८२०, ८२३, ८२६, ८२९, ८३२,
८३५, ८३८, ८४१, ८४४, ८४७, ८५०, ८५३, ८५६,
८५९, ८६२, ८६५, ८६८, ८७१, ८७४, ८७७, ८८०,
८८३, ८८६, ८८९, ८९२, ८९५, ८९८, ९०१, ९०४,
९०७, ९१०, ९१३, ९१६, ९१९, ९२२, ९२५, ९२८,
९३१, ९३४, ९३७, ९४०, ९४३, ९४६, ९४९, ९५२,
९५५, ९५८, ९६१, ९६४, ९६७, ९७०, ९७३, ९७६,
९७९, ९८२, ९८५, ९८८, ९९१, ९९४, ९९७, १०००

अपज्जत्ति (अपर्याप्ति) प २८१४३

अपज्जवसित (अपर्यवसित) प २१६४

अपज्जवसिय (अपर्यवसित) प १८१७, १३, १७,

२५, २९, ५५, ५८, ५९, ६३, ६४, ६७, ६८, ७५
से ७७, ७९, ८२, ८३, ८६, ८८, ९०, ९२, १००,
१०५, १११, ११२, ११५, ११८, १२१, १२३,
१२४, १२७

अपज्जुवासणया (अपर्युपामना) उ ३१४७

अपडिक्कंत (अप्रतिक्रान्त) उ ३१८३, १२०; ४१२४

अपडिबद्ध (अप्रतिबद्ध) ज २१७०

अपडिबद्धगामि (अप्रतिबद्धगामिन्) ज २१६८

अपडिबुज्जमाण (अप्रतिबुध्यमान) ज २१६५;
३११८६,

अपडिवाइ (अप्रतिपातिन्) प ३३१११; ३३३३५

अपडिवाति (अप्रतिपातिन्) प ११११४

अपडिसुणमाण (अप्रतिशृण्वत्) उ १११२७

अपडिहय (अप्रतिहत) प १११८६

अपडोयार (अप्रत्यवतार) प ३०१२७, २८

अपडम (अप्रथम) प १११३, १०३, १०६, १०७,

१०९, ११०, ११३, ११४, ११६, ११९, १२०,
१२२, १२३; १६३३७

अपत्थियपत्थग (अप्राथितप्रार्थक) ज ३१२४

उ ११११५, ११६

अपत्थियपत्थय (अप्रार्थितप्रार्थक) ज ३१२६, ३६,
 ४७, १०७, ११४, १२२, १३३ उ ११८
 अपदेसदृष्टया (अप्रदेवार्थ) प ३११७६, १८१
 अपमत्त (अप्रमत्त) प १७३३; २१७२
 अपमत्तसंजत (अप्रमत्तसंयत) प ६१६८
 अपमत्तसंजय (अप्रमत्तसंयत) प ६१६८; १७२५,
 २२६३
 अपमाण (अप्रमाण) प ३०१२७, २८
 अपराइय (अपराजित) ज ३३
 अपराइया (अपराजिता) ज ४२१२
 अपराजित (अपराजित) प ११३८; २६३;
 ६१५६; ७२६ ज ११५
 अपराजिता (अपराजिता) ज ४२०२; ७१६६
 अपराजिय (अपराजित) प ४२६४ से २६६;
 ६४४२; १५८६, ६२, १००, १०५, १०८, १०९,
 ११४, ११६, १२०, १२१, १२३, १२५, १२६,
 १३१, १३६; २८६६
 अपराजियत्त (अपराजितत्व) प १५११३
 अपराजिया (अपराजित) ज ४२१२४; ५८८१;
 ७१२०२ सू १०८८२
 अपरिगृहीय (अपरिगृहीत) प ४२२२ से २२४,
 २३४, से २३६,
 अपरिज्ञानमाण (अपरिज्ञानत्) उ ३५६, ६१, ७७,
 ११६
 अपरिताविय (अपरितापित) ज २४६
 अपरित्त (अपरीत) प ३१०६; १८१०६
 अपरिभुजमाण (अपरिभुजत्) उ १३५
 अपरिभूय (अपरिभूत) ज ३१०३ उ ३१०, २८
 ६६
 अपरिमिय (अपरिमित) ज ३१६७
 अपरियाग (अपरिपाक, अपर्याय) प १७१३२
 अपरियार (अपरिचार) प ३४१५, १६
 अपरियारम (अपरिचारक) प ३४१८, २५
 अपरिसेस (अपरिसेष) प २८४०, ६६ ज ४८३,
 २७४

अपरिसेसिय (अपरिसेषित) प २८२३
 अपविट्ठ (अप्रविट्ठ) प १५३६, ४१
 अपसत्थ (अप्रशस्त) प १७११४१; २३५६,
 १०६, ११७, १२८
 अपाणय (अपातक) ज २६५, ७१, ८८; ३२२५
 अपि (अपि) ज १२२ उ १६७; ३६०; ५१७
 अपिक्क (अपक्व) प १७१३२
 अपुट्ठ (अस्पृष्ट) प ११६१; १५३६ से ३८, ४१;
 २२५६; २८११, ५७ ज ७४०, ५३
 अपुणरावित्ति (अपुनरावृत्ति) ज ५२१
 अपुणरत्त (अपुनरुत्त) ज २६४; ५१५
 अपुण्ण (अपुण्य) उ १६२; ३६८, १०१, १३१
 अपुरिसक्कार (अपुरुषकार) ज ३१११
 अपुरोहिय (अपुरोहित) प २६०, ६३
 अपुव्व (अपूर्व) प २८२०, ३२, ६६
 अपुव्वकरण (अपूर्वकरण) ज ३२२३
 अपोह (अपोह) ज ३२२३
 अप्य (आत्मन्) प ० १४०४; २२४ से ६
 ज १५; २७१, ८३; ३१८८; ५१७
 सू ११६; १३१२, १४ से १७; १८८; २०४
 उ १२, ३, ४६, ६५, ६८, ७२; २१०, १२;
 ३१४, २६, ५०, ५१, ५३, ५४, ८३, ६६, १३२,
 १४४, १६१; ४२४, २८; ५२६, २८, ३२, ३६,
 ४३
 अप्य (अल्प) प ३३८ से ११६, ११७१, ११८ से
 १२०, १२२ से १२४, १७४, १७६ से १८३;
 ६१२३; ८५, ७, ६, ११; ६१२, १६, २५;
 १०३ से ५, २६ से २६; ११७६, ६०;
 १५१३, १६, २६, २८, ३१, ३३, ६४; १७५६ से
 ६६, ७१ से ७६, ७८ से ८३, १४४ से १४६;
 २०६४; २११०४, १०५; २२१०१; २८४१,
 ४४, ७०; ३४२५; ३६३३ से ४१, ४८, ४९
 ज १५०; २५८, ८३, १२३, १२८, १४८, १५१,
 १५७; ३१०, ११, ८५, ८७, १७१, १८४;
 ४१०१; ५१५ २७, ५७; ७११२४, १६८, १६७
 सू १०१२६४; १५१; १८१८, ३७; १६१

२३,२६; २०।७ उ १।१६,४२,६३; ३।२६,
१४१; ४।१२
अल्प (अल्प) जवासा प १।४०।४
अल्पकम्पिय (आत्मकल्पित) उ १।४६
अल्पकर्मतराग (अल्पकर्मतरक) प १।७।३,१६
अल्पचक्रखाण (अप्रत्यःख्यान) प १।४।७
अल्पचक्रखाणकिरिया (अप्रत्यःख्यान क्रिया)
प २।२।६४,६६,७४,६७,१०१
अल्पचक्रखाणवसिया (अप्रत्यःख्यानप्रत्यया)
प २।२।६४
अल्पद्विबुद्धमान (अप्रतिबुध्यमान) ज ३।२०।४
अल्पद्विहय (अप्रतिहत) ज ३।८।१,८८,१०६,१५१;
५।२१
अल्पणया (आत्मन्) प २।८।२०,३२,६६
अल्पतराय (अल्पतरक) प १।७।२,२५
अल्पतिष्ठिठय (अप्रतिष्ठित) प १।४।३
अल्पत्त (अप्राप्त) सू १।६।२२।१७
अल्पत्यथपत्थय (अप्रार्थितप्रार्थक) ज ३।१०।७
अल्पबहु (अल्पबहु) प १।७।११।४।१; २।१।१।१;
३।४।१।२ ज ७।१।६८।२
अल्पमेय (अप्रमेय) ज ५।५।८
अल्पवस (आत्मवस) उ ३।१।१८
अल्पवेदनतराग (अल्पवेदनतरक) प १।७।६,२७
अल्पसत्य (अप्रशस्त) प १।७।१३८; २।३।११६,
१३२; ३।४।१३
अल्पसरीर (अल्पसरीर) प १।७।२,२५
अल्पसोय (अल्पशोक) उ १।६।३
अल्पहयगति (अप्रहतगति) ज २।६।८
अप्याबहु (अल्पबहु) प ६।१।२३; १।५।१।१
अप्याबहुग (अल्पबहुक) प १।७।३६,७०
अप्याबहुय (अल्पबहुक) प ० १।०।२८; १।६।८०;
१।५।१८,१६, १।५।५।५।१; १।७।७७
अल्पिच्छ (अल्पेच्छ) ज २।१।६
अल्पिद्धिहय (अल्पद्विक) प १।७।८४ से ८७,८६
ज ० ७।१।८१ सू १।८।१६
अल्पिण (अर्पय) अल्पिणइ उ ० १।१।१८

अल्पिणामि उ ० १।१।१७
अल्पिणित्ता (अर्पयित्वा) ज ३।८।१
अल्पिय (अप्रिय) ज २।१।३३
अल्पियतरिया (अप्रियतरका) प १।७।१२३ से १२५,
१३० से १३२
अल्पियत्त (अप्रियत्व) प ० २।८।१४
अल्पियस्तर (अप्रियस्वर) ज २।१।३३
अल्प्युस्तुय (अल्पीत्सुक्य) ज ३।२।६,३६,४७,१३३
अल्पेस्स (अल्पेय्य) प ० २।६।०,६३
अल्पुण (दे) उ १।२।३,६१
अल्फोड (आ + स्फोटच) —अल्फोडेंति ज ५।७
अल्फोडिय (आस्फोटित) ज ३।३।१; ७।१।७८
अल्फोया (आस्फोता) मल्लिका, अपराजिता
प १।४।०।३
अल्फासाइज्जमाण (अस्पृश्यमान) प २।८।४०,४१,
४३,४४,६६,७०
अल्फुण (दे०) प ३।६।५६,६०,६६ से ६८,७०,७१,
७३ से ७५
अल्फुसमाण (अस्पृशत्) प १।३।२३
अल्फुसमाणगति (अस्पृशद्गति) प १।६।३८,४०;
३।६।६२
अल्फुसित्ता (अस्पृष्टत्वा) प १।६।४०
अब्धंग (अबन्धक) प ३।१।७।४; २।२।८।४; २।६।६
अब्धय (अबन्धक) प २।२।८।३,८४,८६; २।६।८ से
१०
अबल (अबल) ज ३।१।११
अबहुस्तुय (अबहुश्रुत) सू २।०।६।२
अबाधा (अबाधा) सू २।८।२०
अबाहा (अबाधा) प २।६।४; २।३।६० से ६४,६६,
६८,६९,७३ से ७७,८१,८३,८५ से ९०,९२,
९५ से ९६,१०१ से १०४,१११ से ११४,
११६ से ११८,१२७,१३०,१३१,१३६,१३७,
१८२,१८३,१८७,१९० ज १।१।७; ३।१;
४।१।१०,१।१।६,१।४।१,१।४।२,२०६,२०७; ७।५,

६,८ से १३,६४,६५,६७ से ७२,८८,८९,९१,
 ९२,१६८,१७१ से १७४,१८२ सू १८५,६
अवाहृणिया (अवाहृणिका) प २३१६० से ६४,६६
 ६८,६९,७३ से ७७,८१,८३,८५ से ९०,९२,
 ९५ से ९९,१०१ से १०४,१११ से ११४,
 ११६ से ११८,१२७,१३०,१३१,१३३,१७६,
 १७७,१८२,१८३,१८७,१९०
अवीय (अद्वितीय) ज ३२२०,३३,८४,१८२
अव्यय (अभ्ययिक) प १८५४
अव्यय (अभि + अव्यय) अव्ययेति उ ३११४
 अव्ययेति ज ५१४४
अव्ययजन (अभ्ययजन) उ ३११४,११५,११६
अव्ययज्ञ (अभ्ययज्ञ) ज ५१४४
अव्ययन्तर (आभ्यन्तर) प ३६५८१ ज ३१८४;
 ४१५२; ७५,८,९,१०,१३ से १६,१९ से
 २२,२५ से २७,३०,३१,३३,६४,६७ से ६९,
 ७२ से ७५,७८ से ८१,८४,८८,९१,९३,९५,
 १७५ सू ११११,१२,१४,१६,१७,२१,२४,
 २७,३०; २३; ३१,२; ४७; ६१; ६२;
 १०१३२; १३१३; १६१; १६२२१२
अव्ययन्तर पुरस्करद्वय (आभ्यन्तर पुस्कराद्वय) सू ८१
 १६१६ से १९
अव्ययन्तरिक (आभ्यन्तरिक) सू ४३,४,६,७
अव्ययन्तरिल्ल (आभ्यन्तरिक) ज ७११७ सू १८७
अव्ययख्यान (अभ्याख्यान) प २२२०
अव्ययगुणाय (अभ्यनुजात) उ ३१०६,१०८,१३८;
 ४११
अव्ययपटल (अभ्यपटल) प १२०२; ११७५
अव्ययद्वय (अभ्यवार्दक) ज ५१७
अव्ययलुया (अभ्यलुया) प १२०२
अव्ययिक (अभ्ययिक) प ४१७१,१७३,१७४,१७६,
 १७७,१७९,१८०,१८२,१८३,१८५,१८६,
 १८८; ५१५,१०,२०,३०,३२,७२,८१,१०२,
 १२६,१३१,१३२,१३४,१६०,१७७,१९३,
 २१४,२२८; १७६३; १८२८,४७,६०,६९ से

७४,८४; २३१७८,७९,१६६; २६२१
 ज ३१८,९३,१८०; ७१८७ से १९०
 सू १८२५ से ३० उ ३१६
अव्ययन्तर (आभ्यन्तर) प १५५५; ३३११
 ज ११७, २१२; ४८,२१; ५३६ सू ११४,
 १६,२१,२४,२७ से २९,३१; २३; ४६;
 ६१; ८१, १६२११
अव्ययन्तरओ (अभ्यन्तरतस्) ज ३२४२,१३१२
 उ २१८
अव्ययन्तरक (आभ्यन्तरक) प १४८४५
अव्ययन्तरय (आभ्यन्तरक) उ १४४
अव्ययन्तरिय (आभ्यन्तरक) ज ४१९
अव्ययक (अभि + उक्त्) अव्ययक ज ३१२,
 ८८ उ० ४२१
अव्ययकला (अभ्ययक) ज ३१२
अव्ययगत (अभ्ययगत) प ४१८ ज १४२; २१५;
 ४४६, २२१, ७१७६,१७८ सू १८८
अव्ययद्वय (अभि + उत् + ष्टा) अव्ययद्वय
 ज ३६,२६,३६,४७,१३३, २१४; ५२१
 उ ३१०१—अव्ययद्वयेति उ ३१३६; ४१४
 —अव्ययद्वयेति उ ३११५
अव्ययद्वय (अभ्ययद्वय) ज २१७०
अव्ययद्वय (अभ्ययद्वय) ज ३६ उ ३१०१,
 १३४
अव्ययण (अभ्ययण) ज २१५; ७१७८
अव्ययगम (अभ्ययगम) प ३५१११
अव्ययक (अभ्ययक) प १४४१
अव्ययगमिथा (अभ्ययगमिकी) प ३५१२,१३
अव्ययक (अभ्ययक) प २६६; २८११९
अव्ययक (अभ्ययक) उ ३३७ से ४०
अव्यय (अभ्यय) ज ३१२,२८,४१,४९,५८,६६,७४,
 १४७,१६८,२१२,२१३
अव्यय (अभ्यय) उ १३१,४२ से ४६,४८
अव्ययक (अभ्ययक) ज ५२१
अव्ययसिद्धिय (अभवसिद्धिक) प ३११३,१८३;
 १२७,२०; १८१२३; २८११२

अभन्वजण (अभन्वजन) सू २०।६।१

अभायण (अभाजन) सू २०।६।३

अभाव (अभाव) प ३।१२।१

अभासग (अभाषक) प ३।१०८; १।१।३८ से ४१,
६०

अभासय (अभाषक) प० १८।१०५

अभिद् (अभिजित्) ज ७।१।३।१, १।२८ से १३१,
१३३, १३४।१, १३५, १३६, १३८, १४१, १४६,
१५६, १७५ सू १०।१ से ६, ८, २०, २३, २७, ५५,
६३, ७५, ७८, ६२, १२०, १२२, १२३, १३० से
१३६; १।२।१६; १।५।८, ११; १।८।७;

अभिओग (अभियोग) उ ३।६।१

अभिवृत्त (अभीक्षण) ज २।१३।१

अभिवृत्तण (अभीक्षण) प १।७।२, २५; २।८।२१, ३३,
६७ ज० १।१८; २।१३।१, १३३; ३।१०।४,
१०५ उ १।५।६, ८४, ६७; ३।१।१७; ४।२।१

अभिगम (अभिगम) प ३।४।१।२

अभिगमण (अभिगमन) ज ५।७, ४१ सू० १३।१।७
उ १।१।७; ३।७

अभिगय (अभिगत) उ ३।१।४४; ५।३।४

√अभिगिण्ह (अभि+ग्रह्) अभिगिण्ह उ ३।५।५
अभिगिण्हस्सामि उ ३।५।०

अभिगिण्हेत्ता (अभिगृह्) उ ३।५।०

अभिगह (अभिग्रह) प १।१।३।७।२ उ० ३।५।०

अभिचंद (अभिचन्द्र) ज २।५।६, ६१; ७।१।२।२।१
सू १०।८।४।१

अभिजात (अभिजात) सू १०।८।६।२

अभिजाय (अभिजात) ज ३।३; ७।१।१।७।२

अभिजिणमाण (अभिजयत्) ज ३।१।८, ३१, १।५०

अभिजिय (अभिजित) ज ३।३।६, ३६, ४७, ५६, ६४,
७२, १।२।६।४, १।३।३, १।३।८, १।४।५, १।८।८;
७।१।२।६

अभिजेतुं (अभिजेतुम्) ज ३।६।५

अभिज्झयत्त (अभिध्यातत्व) प २।८।२।४, २।६

अभिणंद (अभि+णद्) अभिणंदति ज २।६।४

अभिणंद (अभिनन्द) सू १०।१।२।४।१

अभिणंदत (अभिनन्दत्) ज २।६।४; ३।१।८।५, २०।६

अभिणंदिण्जमाण (अभिनन्द्यमान) ज २।६।५

अभिणंदिय (अभिनन्दित) ज ७।१।१।४।१

अभिणय (अभिनय) ज ५।५।७

अभिणिसड (अभिनिसृत) सू ६।१।३

√अभिणिस्सव (अभि+नि+स्वु) अभिणिस्यवंति
ज ४।१।०।७

अभिणिस्सित (अभिनिश्चित) सू ६।३

√अभिणी (अभि+णी) अभिणेति ज ५।५।७

अभिण्ण (अभिन्न) प १।१।७।२

√अभिथुण (अभि+प्टु)

अभिथुणति ज २।६।४; ३।२।१०

अभिथुणंत (अभिप्टुवत्) ज २।६।४; ३।१।८।५, २०।६

अभिथुव्वमाण (अभिप्टुयमान) ज २।६।५; ३।१।८।६
२०।४

अभिनिविट्ठ (अभिनिविष्ट) प २०।३।६

√अभिनिस्सव (अभि+नि+स्वु)

अभिनिस्सवेइ उ १।५।६

अभिभूय (अभिभूत) ज २।१।३।३ उ १।६।०, ६२, ८५,
८७, ६३

अभिमुह ((अभिमुख) ज १।६; २।६।०; ३।१।४,

१।५, २।२, ३।०, ३।१, ३।६, ४।३, ४।४, ५।१, ५।२, ६।०

६।१, ६।८, ६।९, १।३।०, १।३।१, १।३।६, १।३।७, १।४।०,

१।४।१।४।५, १।४।६, १।५।०, १।७।२, १।७।३, २०।५, २०।६,

४।१, ३।७, ३।८, ६।५, ७।१, ७।२, ६।०, ६।१, ६।४;

५।५।८, ६।२।३ से २६ उ १।१।६; ३।४।३

√अभिरक्ख (अभि+रक्ख्)

अभिरक्खवत्त उ ३।५।१

अभिरममाण (अभिरममाण) ज २।१।४।६; ५।६।७

अभिराम (अभिराम) प २।३।०, ३।१, ४।१ ज ३।१,

७।६, १।७, २।१, ३।४, ८।८, १०।६, १।७।७, २।२।२;

४।२।७; ५।७, २।८, ४।३ सू २०।७ उ ५।५

अभिरुद्धय (अभिरुद्धित) उ ३।१।३।८

अभिरूढ (अभिरूढ) प २।३।०, ३।१, ४।१, ४।८, ४।६,

५६, ६३, ६४ ज ११८, २३, ३१, ४२; २१२, १४,
 १५; ४१३, ६, १३, २५, २७, २६, ३३, ४६, १४६;
 ५१६२ सू०११ उ०५१४ से ६
अभिलंघमाण (अभिलङ्घमान) ज ४१४६
अभिलाव (अभिलाप) प ४१५५; ६१४६, ५६, ६६, ७८
 १११, १२३; ११८३; १५१३८, ५०; १७८८,
 ६१, ६६, ११७, १४५, १४६; २११५५; २२१५८;
 २३१६६१; ३६१६५ ज ३२११; ४१२३८;
 ७१५५ सू ५११; ६११; ७११; ६१२, ३; १०१२३,
 १४८, १५०; १५१६; १८११; १६११, ३१; २०१२
अभिवंदिक्रण (अभिवन्ध) प ११११
अभिवद्धि (अभिवृद्धि) ज ७११३०
अभिवद्धित (अभिवधित) सू १०१२८, १२६;
 ११११; १२११, ६, १२; १५१२६, २२८
अभिवद्धितसंवच्छर (अभिवधितसंवत्सर) सू १११२
 से ६; १२१६
अभिवद्धिता (अभिवर्ध्या) सू ६११
अभिवद्धिदेवया (अभिवृद्धिदेवता) सू०१०१८३
अभिवद्धिय (अभिवधित) ज ७११०५, ११० से
 ११२१५ सू १०१२७, १२६१५
अभिवद्धिसंवच्छर (अभिवधितसंवत्सर) सू
 १०१२७
अभिवद्धेता (अभिवर्ध्या) ज ७१२७ सू ६११
अभिवद्धेमाण (अभिवर्धमान) ज ७११०,
 १६, २२, २५, २७, ३०, ६६, ७५, ८१, सू ११२०,
 २१, २७; ६११; ६१२
अभिवुद्ध (अभि + वृध्) अभिवुद्धे सू ६११
अभिवुद्धिता (अभिवर्ध्या) सू १११४
अभिवुद्धेमाण (अभिवर्धमान) सू १११४; २१३; ६१२
अभिसमणाय (अभिसमन्वागत) प २०१३६ सू
 ३१२६, ३६, ४७, १२२, १२६, १३३ उ ३१८५,
 ६४, १२२, १६३; ५१३१
अभिसरमाण (अभिसरत्) उ ३१६८
अभिसिच (अभि + सिच्) अभिसिचइ ज २१६४
 अभिसिचति ज ३२११०; ४१२४८, २५० से
 २५२; ५१५६ अभिसिचति ज ३२०६; ५१६०

√**अभिसिचाव** (अभि + सेच्य्) अभिसिचावेइ
 उ ११६८ अभिसिचावेसि उ ११७२
अभिसिचावित्तए (अभिविञ्चयितुम्) ज ३११८८
 उ० ११६५
अभिसिञ्चिता (अभिविच्य) ज २१६४
अभिसिञ्चिय (अभिविञ्चित) ज ३२१२२
अभिसित्त (अभिविक्त) ज ३२१४
अभिसेक (अभिवेक) ज ३२०४, २१४, २१७,
 ४११४०
अभिसेक (अभिवेक्य) उ ११२३, १३१
अभिसेय (अभिवेक) ज २११५; ३२०६; ४११४०१
 १६०, २४४, २४८; ५१५७, ५८, ६१, ६५
अभिसेयपीठ (अभिवेकपीठ) ज ३११६४ से १६६,
 २०४ से २०६, २१४ से २१६
अभिसेयसंडव (अभिवेकमण्डप) ज ३११६१, १६३,
 १६४, १६८, २०४ से २०६, २०८, २१४
अभिसेयसभा (अभिवेकसभा) ज ४११४०
अभिसेयसिला (अभिवेकशिला) ज ४१२४४; ५१४७
अभिसेयसिहासन (अभिवेकसिहासन) ज ४१२४८;
 ५१४७
अभिहण (अभि + हन्)
 अभिहणति प ३६१६२, ७७
अभिहणमाण (अभिघ्नत्) ज ३११०६
अभिहिय (अभिहित) प १११०११२
अभीइ (अभिजित्) ज २१८५, ८८, १३८; ७११३६१
 सू १६१२२१२७
अभीय (अभीत) ज २१६४
अभेज्ज (अभेद्य) ज ३१७६, ६६ से १०१, ११६,
अभेल (अभेल) ज ३११०६
अमच्च (अमात्य) ज ३१, ६, ७७, २२२
अमणाम (दे०) ज २११३३
अमणामतरिया ('अमणाम' तरका) प १७१२३
 से १२५, १३० से १३२
अमणामत् ('अमणाम' त्व) प २८२४
अमणुण (अमनोज) प २३१६, ३१ ज २१३३१,
 १३३

अमणुण्णतरिया (अमनोज्ञतरका) प १७।१२३ से
१२५, १३० से १३२
अमणुण्णत्त (अमनोज्ञत्व) प २८।२४
अमणूस (अमनुष्य) प २१।७२
अमम (अमम) ज २।५०, १६४; ४।१०६ २०५,
७।१२२।३ सू १०।८४।३
अमयमेह (अमृतमेघ) ज २।१४४, १४५
अमर (अमर) प २।३०, ३१, ४१; २।६४।२१;
ज २।७१; ३।३५, १०६, १३८
अमरपति (अमरपति) ज ३।३१
अमरचड (अमरपति) प २।४५।२ ज ३।३, १८,
६३, १८०
अमल (अमल) ज ४।२६
अमाइसम्महिद्विठउववण्णग (अमायिसम्यक्
दृष्टयुपपन्नक) प १७।२७, २६
अमाइसम्महिद्विठी (अमायिसम्यक्दृष्टि) प १५।४६;
३४।१२; ३५।३
अमाइसम्महिद्विठी उववण्णग (अमायि सम्यक्दृष्टयुप
पन्नक) प १७।२७
अमाण (अमान) ज २।६८
अमाय (अमाय) ज २।६८
अमावासा (अमावास्या) ज ७।१२५, १३७, १४७,
१४८, १५०, १५१, १५४, १५५, सू १०।७, २३
से २६, १३६, १३७, १४८ से १५१, १५७ से
१६१; १३।१ जे ३, ६,
अमिज्ज (अमेय) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
७४, १४७, १६८ २१२, २१३
अमित्त (अमित्र) ज ३।२२१
अमिय (अमृत) प २।६४।१६
अमिय (अमित) प २।४०।७ ज ७।१७८
अमियवाहण (अमितवाहन) प २।४०।७
अमिलाय (अम्लान) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८,
६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
अमिलाव (अमिलाप) ज ४।२३८
अमूढविद्विठ (अमूढदृष्टि) प १।१०।१।१४

अमोहा (अमोहा) ज ४।१५।१
अम्मता (अम्बा) उ ४।११
अम्मया (अम्बा) उ १।३४, ४०, ४३, ७४; ३।६८,
१०१, १३१
अम्मा (अम्बा) प १।१।१३, १८ उ १।७१, ७३, ८८
अम्मापिइ (अम्बापितृ) उ २।६
अम्मापियर (अम्बापितृ) उ १।६३; ३।१२६, १२८
४।११, १४, १५, १६; ५।२७, ३८
अम्ह (अस्मत्) प १।१।३ ज ५।३ सू १।२०
उ १।१५
अय (अज) प १।१६४; १।१।६ से २० ज २।३४,
३५; ७।१८६।३
अय (अयस्) प १।२०।१ ज १।७
अयकरय (अजकरक) ज ७।१८६।२ सू २०।८, ८।२
अयखंड (अयस्खण्ड) प १।१।७४
अयगर (अजगर) प १।६८, ७२ ज २।४१
अयगोल (अयोगोल) १।४८।५६
अयण (अयन) ज २।४, ६६; ७।१२६, १२७ सू
६।१; ८।१; १३।७, ६, १२ से १४
अयदेवया (अजदेवता) सू १०।८२
अयमाण (अयमान) ज ७।२०, २३, २६, २८ सू
१।१४, १६, २१, २४, २७; २।३; ६।१; १३।१;
१४।३, ७
अयल (अचल) ज ३।७६, ११६
अयसिक्कुसुम (अतसीकुसुम) प १७।१२४
अयसी (अतसी) प १।४५।२; २।३१ ज २।३७
अयाणंत (अजानत्) प १।१०।१।५
अयोज्झ (अयोध्य) ज ३।३५
अयोमुह (अयोमुख) प १।८६
अर (अर) ज ३।३५
अरइ (अरति) प २३।७७ जं २।७०
अरजा (अरजा) ज ४।२१२
अरणि (अरणि) ज ५।१६ उ ०३।५१
अरण्ण (अरण्य) ज २।६६, १३१
अरति (अरति) प २३।३६, १४५
अरतिरति (अरतिरति) प २२।२०

अरक्त (अरक्त) प २।७०	६४,७२,७८,१५०,१८०,२०६,२२४; ५।१४,
अरय (अरक) ज ३।३०	२२,३६,४१,४३ उ १।३५,७०; ३।५०,११०,
अरय (अरजस्) सू २०।८।७	११३; ४।१८,२०; ५।१७
अरयंबर (अरजोम्बर) प २।५० से ५३,५४	अलंकारिय (अलंकारिक) ज ४।१४०
ज २।६१	अलंकित (अलङ्कृत) सू २०।७
अरयंबरवस्त्रधर (अरजोम्बरवस्त्रधर) ज ५।१८,	अलंकिय (अलङ्कृत) प २।४८ ज ३।६,८५,२११,
४८	२२२; ४।४६; ५।५८ उ १।१६,४२; ३।२६,
अरया (अरजा) ज ४।२१२।२	१४१; ४।१२
अरवाक (अरबक) प १।८६	अलंबुसा (अलम्बुसा) ज ५।१११।१
अरविंद (अरविन्द) प १।४६,१।४८।४४	अलकापुरी (अलकापुरी) ज ३।१
ज ३।११७	अलत्तग (अलत्तक) उ ३।११४,
अरसमेघ (अरसमेघ) ज २।१३१	अलद्ध (अलद्ध) उ ३।३८
अरह (अर्हत्) ज २।६३ से ६७,७३ से ६०;	अलभमाण (अलभमान) उ १।६६
५।५८,६५ उ ३।१२,१४,२६,४६,७६; ४।१०,	अलसंडविसयवासी (अलसण्डविययवामिन्)
११,१३,१४,१६,२०; ५।१४,२०,३२,३३,३६,	ज ३।८१
३७,३६ से ४१	अलाय (अलात्) प १।२६
अरहंत (अर्हत्) प १।६१; ६।२६ ज १।१; ५।२१	अलिय (अलीक) उ १।४७
सू० २०।६।४ उ १।१७	अलेस्स (अलेश्य) प ३।६६; १३।१६; १७।५६,
अरहंतवंश (अर्हद्वंश) ज २।१२४	५८; १८।७५; २८।१२४
अरि (अरि) ज २।२८	अलोग (अलोक) प १०।२,४,५; १५।१।२
अरिदूठ (अरिदूठ) प १।३५।२	अलोय (अलीक) प २।६४।३; १५।५७; ३३।१३
अरिदूठनेमि (अरिदूठनेमि) उ ५।१४,२०,३२,३३,	अलोवेमाण (अलोपयत्) उ १।१११,११२
३६,३७,३६, से ४१	अलोह (अलोभ) ज २।६८
अरिस (अर्शस्) ज २।४३	अलज (आद्र) उ १।४४ से ४६
अरिह (अर्ह) ज १।२ उ १।३६,४२	अल्लङ्कुसुम (आद्रकीकुसुम) प १७।१२७
अरुण (अरुण) ज ४।८४,८५ सू २०।८,८।५	अल्लग (आद्रक) ज ३।११६
अरुणवर (अरुणवर) प १५।५५।१ सू १६।३१	अल्लीण (आलीण) ज २।१५,१६; ७।१७८
अरुणवरोभास (अरुणवरावभास) सू १६।३१	अवक्कम (अव-+ क्रम्) अवक्कमइ उ ३।११३,
अरुणोभास (अरुणावभास) ज ४।८५	अवक्कमंति ज ३।१११,११५,१६२,२०८;
अरुणाभ (अरुणाभ) सू २०।२	५।५,७,५५ अवक्कमह ज ३।१२४; ४।२०
अरुणोद (अरुणोद) सू १६।३१	अवक्कमित्ता (अवक्कम्य) ज ३।१११; उ ३।११३;
अरुय (अरुज) ज ५।२१	४।२०
अरुवि (अरुपिन्) प १।२,३; ५।१२,३,१२४	अवगाह (अवगाह) प १७।११४।१
√अरुह (अर्ह,)	√अवचिज्ज (अव + चि) अवचिज्जंति
अरुहतु ज ३।१२६	प २।१।६७
अलंकार (अलङ्कार) ज २।६५,६६,१००; ३।१२	अवज्जा (अवध्या) ज ४।२१२,२१२।४

अवट्टित (अवस्थित) मू ६।१; १६।२२।११
 अवट्टित्ता (अवस्थाय) मू १६।२२।२२
 अवट्टिय (अवस्थित) प ३३।२५ ज १।११, ४७;
 ३।६२, ११६, २२६; ४।२२, ५४, ६४, १०२, १५६,
 २१२; ७।३१, ३३, १०१, १०२, २१० मू ४।३
 ४, ६, ७, ८।१ उ ३।४३, ४४
 अवड्ड (अपार्ध) प १।५६, ६४, ७७, ८३, ९०, १०८
 मू १।२२; ६।३
 अवड्डलेत्त (अपार्धक्षेत्र) मू १०।४, ५
 अवड्डगोलगोलच्छाया (अपार्धगोलगोलछाया)
 मू ६।५
 अवड्डगोलच्छाया (अपार्धगोलच्छाया) मू ६।५
 अवड्डगोलपुंजच्छाया (अपार्धगोल पुंजछाया)
 मू ६।५
 अवड्डगोलावलिच्छाया (अपार्धगोलावलिछाया)
 मू ६।५
 अवड्डभाग (अपार्धभाग) मू १।२।५
 अवड्डवाविसंठिय (अपार्धवापीसंस्थित) मू १०।३१
 अवणीयउवणीयवघण (अपनीततोपनीतवचन)
 प १।१।८६
 अवणीयवघण (अपनीतवचन) प १।१।८६
 अवण्ण (अवर्ण) प ३०।२७, २८
 अवतंस (अवतंस) मू ५।१
 अवत्तव्यय (अवक्तव्यक) प १०।६ से १३
 √अवदाल (अव + दलय्) अवदालेति प ३६।८१
 अवदालेत्ता (अवदलय्) प ३६।८१
 अवद्वार (अपद्वार) उ १।११७ से ११६
 अवमंस (दे० अमावास्या) ज ७।१२७।१, १६७।१
 अवय (अवका) प १।४६, १।४८।१; १।६२ औवाल
 अवर (अपर) प १।१।६, १।४८।४, ८; १।६१ ज
 ४।१७; १३७, १५१, ५।३६ च ५।२ मू १।६।२;
 २।१; ३।१; १०।५, १२७; १३।५, १७; १८।१,
 २१
 अवरक (अपक) मू १३।१२
 अवरत्त (अपरात्र) उ १।५१, ६५, ७६; ३।४८, ५०

५५, ५७, ६५, ६८, ७२, ७५, ७६, ६८, १०६, १३१;
 ५।३६
 अवरविदेह (अपरविदेह) प १६।३०; १७।१६१
 ज २।६; ४।६४, ६६, २१३, २६३।१
 अवरविदेहकूड (अपरविदेहकूट) ज ४।६६
 अवरवेयालि (अपरवेयाली) प १६।४५
 अवराइया (अपराजिता) ज ४।२०।२, २१२,
 २१२।२
 अवलद्ध (अपलद्ध) ५।४३
 अवव (अवव) ज २।४
 अववंग (अववाङ्ग) ज २।४
 अवस (अवश) उ १।५२, ७७
 अवसण (अवसन) ज ३।१११, ११३
 अवसाण (अवसान) प ८।३ ज ३।६, २।७, २।२२
 अवसिद्ध (अवशिष्ट) प २।३।१७५
 ज ४।१६२ से १६४, २०४, २०८, २१०,
 २६२, २७१, २७४; ५।४६, ५०
 अवसेय (अवशेष) प २।५४; ३।६२; ५।३७, ३६,
 ७४, ८६, १०७, १४६, १५६, १६०, १६३, १६७,
 २००, २०३, २०५, २०७, २२४, २४२; १७।१७;
 २०।२३; २२।२४; २४।११; २६।४, ८; २७।२;
 २८।१२५, १३३, १३६, १३७, १४१ से १४३;
 ३०।२४; ३६।२० ज २।४६, ५६, ६२, ६५, ६६,
 १०१, १०२, ११३, ११४; ४।५३, १४०, १६५,
 २६५, २६८; ५।४२, ४५; ७।१३४।४, १३५।४,
 १५३ मू १०।२२; १३।१; २०।३
 अवहाय (अपहाय) ज २।६
 अवहार (अपहार) प १।२।३२
 अवहिय (अपहृत) प १।२।२४, ३३
 √अवहीर (अप | हृ) अवहीरंति प १।२।७, ८, १०,
 १२, १६, २०, २४, २७, ३२ अवहीरति
 प १।२।७, ३२
 अवहीरमाण (अपह्लियमाण) प १।२।२४, ३३
 अवाउक्काइय (अवायुकायिक) प २।१।५०
 अवाय (अवाय) प १।५।५८।२; १।५।६६

अधि (अधि) प १११३ ज ४२०० सू १२५;५११
 उ १३१; ३११; ४१६; ५४५
 अधिदमाण (अधिन्दान) उ १४१, ४३
 अधिग्रह (अधिग्रह) प ३६१२
 अधिग्रह (अधिग्रह) ज २६४
 अधिनिज्जमाण (अधिनीयमान) उ १३५, ४०, ४३
 अधिणीय (अधिनीत) ज ३१०६ सू २०१६६
 अधितह (अधितथ) ज २७८ उ १२४, ४२
 ३१०३
 अधियाउरिया (दे० अधिजनयित्री) उ ३१३१
 अधियाउरी (दे० अधिजनयित्री) उ ३१६७
 अधिरत्त (अधिरत्त) प ३१८३
 अधिरत्त (अधिरत्त) सू २०१७
 अधिरय (अधिरत्त) प ११८६
 अधिरल (अधिरत्त) ज २१५
 अधिरहिय (अधिरहित) प ६१६६, ६२, ६३; १११
 ७०; २८४, २६, ५० सू १०७७; १६२२१७
 अधिराहियसंजम (अधिराधितसंयम) प २०६१
 अधिराहियसंजमासंजम (अधिराधितसंयमासंयम)
 प २०६१
 अधिसय (अधिषय) प ११६७; २८१७, ६३
 ज ७४६
 अधिसारय (अधिशारद) प० ११०१११
 अधिसुद्ध (अधिशुद्ध) प १७१३८
 अधिसुद्धलेस्तराग (अधिशुद्धलेश्यतरक) प १७७
 अधिसुद्धवर्णतराग (अधिशुद्धवर्णतरक) प १७६,
 १७
 अधिसेस (अधिशेष) प २३, ६, ६, १२, १५
 अधिसेसिय (अधिशेषित) ज १५१
 अधिस्ताम (अधिश्राम) प २४८
 अधीरिय (अधीर्य) ज ३१११
 अधि (अप+इ) अधेति प २८१०५;
 ३४१६
 अधेद (अधेद) प २६४१
 अधेदग (अधेदक) प ३१६७; १३१६

अधेदणा (अधेदना) प २६४१
 अधेदय (अधेदक) प १८६३; २८१४०
 अधेदिय (अधेदित) प ३६८२
 अधेवथ (अधेवथ) ज १११, ४७; ३१६७, २२६;
 ४२२, ५४, ६४, १०२; ७२१० उ ३४३, ४४
 अधेवहिय (अधेवथित) ज २४६
 अधेवावाह (अधेवावाध) प २६४१४, २०, २२;
 ३६६४११ ज ५२१ उ ३३०, ३५
 अधेवोच्छिण्ण (अधेवच्छिण्ण) ज ३३
 अधेवोच्छित्तिणय (अधेवच्छित्तिणय) सू १७१;
 २०१
 अधेवोयड (अधेवाकृत) प ११३७२
 अधेस (अधेस) अत्थि प १७५, ८०; ५१६६;
 १२६; १५६५, ६६; १७३३; २८१२३, १३६,
 १४१, १४२, १४५ ज १४७ आसि ज १४७
 आसी प २६४५ सिया सू १०२५
 अधेइ (अधेइत्त) ज ७२१२
 अधेकिलिट्ठ (अधेकिलिट्ठ) प २३१; १७१३८
 अधेखं (अधेखंय) प १४८६०
 अधेखंभाग (अधेखंयभाग) प १४८६०
 अधेखंज्जइभाग (अधेखंयभाग) प २३१०१,
 १५१, १५७
 अधेखंज्जगुण (अधेखंयगुण) प १८६३; २८१४०
 अधेखंज्जतिभाग (अधेखंयभाग) प २४८
 अधेखंज्जसमइय (अधेखंयसामयिक) प १५६१
 अधेखेज्ज (अधेखेय) प ११३, २०, २३, २६, २६,
 ४८, १४८८, ४०, ५६; २१०, ११, ४१ से ४३,
 ४६, ४८ ५०, ५६; ३१८०; ५२, ३, ५, १२६,
 १२७, १४४, १४५, १५१; ६४२, ६० से ६४, ६८,
 १०१६, १८ से २०, २३, २५, २८, ३०; ११५०,
 ७०, ७२; १२७, ८, १२, १६, २०, २४, २७, ३१,
 ३२; १५१२, २५, ५८१; १५८३, ८४, ८७, ६१,
 ६२, ६४ से ६६, १०३, १०४, ११८, १२० से
 १२३, १२५ से १२८, १३५ से १३७, १४० से
 १४२; १७१४१, १४३; १८३, २६, २७, ३७

३८, ४१, ४३, ६५, १०७, ११७, २८५, ५१; ३३।
१०, १२, १३, १६, १७; ३४।१३; ३६।८, १३ से
१५, १७ से २०, २२, २३, २५, २६, ३३, ३४, ४४,
६६, ६८, ६९ ज १।४६; २।४, ५८, ८४, ६०, १५७;
३।३; ४।५२, १६५; ५।४४ सू १३।२; १।४।४, ८;
१८।१; १६।२२।१; १६।३४, ३५, ३७, ३८

असंख्येज्जभाग (असंख्येयभाग) प १।७४, ८४;

२।१, २, ४, ५, ७, ८, १३, १६ से ३२, ३४ ३५, ३७,
३८, ४१ से ४३, ४६, ४९, ५०, ५२, ५८ से ६०;
४।१४९, १५१, १५७; १।५।२२; १।८।२७, ७० से
७२, ६५, ११७; २।०।६३; २।१।३८, ४० से ४२,
४८, ६३ से ६७, ७०, ७१, ८४, ८६, ९० से ९२;
२३।६१, ६४, ६६, ६८, ७३, ७५ से ७७, ८३ से
८६, ८८ से ९०, ९२, ९५ से ९९, १०२ से १०४,
१११ से ११४, ११७, ११८, १३४, १३५, १३८,
१४०, १४२, १४३, १५१ से १५३, १५५, १५६,
१६०, १६१, १६४, १६६ से १६९, १७१ से
१७३; २।०।४०, ६९ उ ३।८३, १२०, १६१;
४।२४

असंख्येज्जग (असंख्येयक) व १२।७

असंख्येज्जगुण (असंख्येयगुण) प २।६४।११; ३।१०
से २३, २६, २९ से ३६, ३८, ३९, ४५ से ५२, ५९
से ६३, ७१ से ९६, १०१, १०३ से १०५, १०७,
१११, ११६, ११७, ११९, १२०, १२२, १२५ से
१२९, १३१ से १७३, १७५ से १७७, १८२,
१८३; ५।५, १०, २०, ३२, १२९, १५१; ६।१२,
१९, २५; १।०।३ से ५; १।१।६०; १।५।१३;
१।७।५७, ६०, ६३, ६४, ६७, ६८, ७१, ७३, ७४, ७६,
७९ से ८३, १४४ से १४६; २।०।६४; २।१।१०४,
१०५; २।०।७, ५३; ३।४।२५; ३।६।३५ से ४१, ५२,
६२

असंख्येज्जजीविय (असंख्येयजीविक) प १।३५, ३६

**असंख्येज्जतिभाग (असंख्येयभाग) प २।५१, ६१, ६३,
६४; ४।१५५; १।२।८, १२, १६, २४, २७, ३१;
१।५।७, ८, ४०, ४२; १।८।३, ४१, ४३; २।३।६१;**

२।८।२२, ३४, ३९, ६८; ३।३।१२, १३, १६, १७;
३।६।६६, ७०, ७३, ७४

**असंख्येज्जपएसिय (असंख्येयप्रदेशिक) प ५।१३५,
१३६, १६५, १६६, १८३, १८४, १९९, २००,
२२०, २२१; १।०।१७, २२, २७; १।१।४९**

**असंख्येज्जपदेसिय (असंख्येयप्रदेशिक) प ३।१७६;
५।१२७, १८४; १।०।१७, १९, २३, २८**

**असंख्येज्जभाग (असंख्येयभाग) प ५।५, १०, २०, ३०,
३२, १०२, १२९**

**असंख्येज्जवासाउय (असंख्येयवर्षायुष्क) प ६।७१,
७२, ७९, ८१, ९४, ९५, ९७, १०७, १०८, ११६;
२।१।५३; ५।४, ७२**

**असंख्येज्जसमइय (असंख्येयसामयिक) प १।१।७१;
२।८।४, ३८; ३।६।२, ८४, ९२**

**असंख्येज्जसमयट्ठितिय (असंख्येयसमयस्थितिक)
प ५।१।४८; १।१।५१**

**असंख्येज्जसमयठ्ठीतीय (असंख्येयसमयस्थितिक)
प ३।१।८१**

**असंख्येज्जपविट्ठ (असंख्येयप्रावृष्टि)
प २।३।१६३**

असंग (असङ्ग) प २।६४।१, २१

असंयत्त (असंयत्त) प ३।१०५; ६।९७, ९८

**असंजय (असंयत्त) प ३।१०५; १।७।२३, २५, ३०;
१।८।९०; २।०।६०; २।१।७२; ३।३।१ से ४, ६
असंजयभविद्यद्वन्द्वदेव (असंयत्तभविकद्वन्द्वदेव)
प २।०।६१**

असंठाण (असंस्थान) प ३।०।२७, २८

असंत (असत्) प २।६४।१७

असंतप्यमाण (असंतप्यमान) सू ६।१

असंदिद्ध (असंदिग्ध) उ० १।२४, ४२

**असंपत्त (असंप्राप्त) प १।२०, २३, २६, २९, ४८;
२।३।१; १।६।२२ ज ४।४२, ७१, ७७, ९४, २६२;**

५।५, ३८, ४४ सू १।०।१४२, १४७; १।२।३०

असंभंत (असम्भ्रान्त) ज ५।५, ७

**असंविदित (असंविदित) उ १।१०७, १०८, ११९,
१२७**

असंसारसमावण्ण (असंसारसमापन्न) प १११० से
१३
असंसारसमावण्णम (असंसारसमापन्नक)
प १११३६; २२८
असकणी (अश्वकर्णी) प ११४८१
असक्कारिय (असत्कारित) उ १११७ से ११६
असच्चाभोसभासम (असत्यमृषाभाषक) प १११६०
असच्चाभोसमण (असत्यमृषामनस्) प १६११, ७
असच्चाभोसमणजोग (असत्यमृषामनोयोग)
प ३६१८६
असच्चाभोसवइ (असत्यमृषावाक्) प १६१३, ६, १३
असच्चाभोसवइजोग (असत्यमृषावाग्योग)
प ३६१६०
असच्चाभोसा (असत्यमृषा) प १११२, ३, ३५, ३७,
४२ से ४६, ८३ से ८५, ८८, ८९
असण (अशन) प १३५३ उ ३५०, ५५, १०१,
११०, १३४, १४६
असणि (अशनि) प ११२६ सू २०१
असणिमेह (अशनिमेघ) ज २१३३
असणि (असंज्ञिन्) प ११८४; ३११२; १७१२०;
१८१२०; २०६१, ६३, २३१२७, १७१;
२८११७ से ११६; ३१११ से ३, ५, ६, ६१;
३५१२०
असणिआउय (असंज्ञ्यायुष्क) प २०६२
असणिभूत (असंज्ञिभूत) प ३५१२०
असणिभूय (असंज्ञिभूत) प १५१४८; १७१६;
३५१२८
असणिहि (असंज्ञिधि) ज २११६
असणिभूय (असंज्ञिभूत) प १७१२०
असत्थ (अशस्त्र) ज ३१६२, ११६ उ ३३८, ४०
असमोहत (असमवहत) प ३११७४
असमोहय (असमवहत) प ३११७४; ३६३५ से
४१, ४८ से ५१
असम्मानिय (असम्मानित) उ १११७ से ११६
असरीर (अशरीर) प २६४१२; ३६६३, ६४
असरीरि (अशरीरिन्) प २८१४१

असाढ्य (अपाढक) प १४२१
असात (असात) प ३५११२; ३५८, ६
असातवेदम (असातवेदक) प ३११७४
असातावेयणिज्ज (असातवेदनीय) प २३१२६, १८०
असामणक (असमान्यक) सू १३१५, ६, १२, १३, १७
असाय (असात) प २२५
असायावेदणिज्ज (असातवेदनीय) प २३१६
असायावेयणिज्ज (असातवेदनीय) प २३१६, ६४,
१३६
असासय (अशाश्वत) ज ७१२०८, २०६
असाहुवंसण (असाधुदर्शन) उ ३१४७, ७६
असि (असि) प २४१; १५११२; १५१५०
ज २१२३; ३१, १७८; ३११७८; उ १११३८
असिय (असित) प २३१
असिरयण (असिरत्न) ज ३११०६; १७८, २२०
असिरयणत्त (असिरत्नत्व) प २०६०
असिलेस (अश्लेष) ज ७१२६११, १६२
असीइ (अशीति) प २५६१३
असीइमंजुलमूसिय (अशीत्यङ्गुलोच्छ्रित) ज ३११०६
असीति (अशीति) प ० २५११ सू ११२२; १२५५, १२
असुइ (अशुचि) प २१२० से २७ ज २१३३; ५५
उ १६३; ३१२६, १३०
असुइजायकम्मकरण (अशुचिजातकर्मकरण)
उ १६३; ३१२६
असुइय (अशुचिक) प ११८४
असुभ (अशुभ) प २१२० से २७; २२४
असुभणाम (अशुभनामन्) प २३३८; १२३
असुभत्त (अशुभत्व) प २८२४ उ ११२७, १४०
असुर (असुर) प ० २३०१, २४०१, ५, १०;
५३; ३६४६ ज २६४; ३२४१, २,
१३११, २, ३१८५, २०६; ५५२; चं १२
असुरकुमार (असुरकुमार) प ११३१; २३१ से
३३, ४०८; ४३७ से ३६; ५६ से ८, ४८ से
५०, १२१; ६१७, ५२, ६१, ८१, ८५, ६३, १०१,
१०६, १११, ११२, ११४; ७२; ८३; ६३;

१५, १८; ११४४; १२१२, १५, १६, ३१;
 १३११५, २०; १५११६, ३५, ७१, ७८, ८४, ८७,
 १०२, १३६, १३८; १६१३, ११, १६; १७११४
 से १७, २६, ३०, ३३, ३४, ६३, ६८, ६९, १०१,
 १०२, १०५; १६११; २०१३, ५, ८, ११, १२, १५,
 २० से २४, २७, ३५, ३७, ४४, ६०; २११५५,
 ६१, ७०, ६०; २२१२३, ३७, ४५; २८११, २५,
 ७४, १०६; ३११२; ३३११०, २०; ३४१२, ४, ५;
 ३५१३; ३६१५, ८, १६, २०, २३, २४, २६, ३७,
 ४१, ५०, ५५, ६६, ७२ उ २०१७
असुरकुमारत्त (असुरकुमारत्व) प १५१६५, ६७,
 ११६, १४१; ३६११८, २०, २२ से २४
असुरकुमारराय (असुरकुमारराज) प २१३१, ३२
 ज २११३३; ५१५०, ५१
असुरकुमारिन्द (असुरकुमारिन्द्र) प २१३१, ३२
असुरकुमारी (असुरकुमारी) प ४१४० से ४२;
 २०१२
असुरिन्द (असुरिन्द्र) ज २११३३; ५१५० से ५२
 सू २०१७
असुह (अशुभ) प २१२० से २७
असेलेसिपडिवण्णग (अशैलेशीप्रतिपन्नक)
 प १११३६; २२१८
असेस (अशेष) ज ७१३५१२
असोग (अशोक) प० ११३५१३ ज २१६५; ३१२,
 ३५, ८८, १८८; ४१२१२१२; ५१५८ सू २०१८,
 २०१८७ उ १११; ३१५६, ६४, ६६, ६८, ७६
असोग (लता) (अशोकलता) प ११३६११
असोगवडैसथ (अशोकवतंस) प २१५०, ५२
असोगवणिग्या (अशोकवणिका) उ ११५५ से ५७,
 ८० से ८२
असोगवण (अशोकवन) ज ४१११६
असोगा (अशोका) ज ४१२१२
अस्स (अश्व) प ११६३
अस्संजत (असंयत) प ३२१६१
अस्संजय (असंयत) प १११८६; २८१२२६;
 ३२१६१

अस्संजयभवियदव्वदेव (असंयतभविकद्रव्यदेव)
 प २०१६१
अस्सणि (असंजिन्) प ११७४; ६१८०१
अस्सतर (अश्वतर) प ११६३
अस्सदेवया (अश्वदेवता) सू १०१८३
अस्सपुरा (अश्वपुरा) प ४१२११
अस्सरह (अश्वरथ) प ३१२१, २२, ३४
अस्सातावेदम (असातवेदक) प ३११७४
अस्सातावेदणिज्ज (असातवेदनीय) प २३११६
अस्सातावेयणिज्ज (असातवेदनीय) प २३११६
√अस्साय (आ-|-स्वाद्य्) अस्साएइ प १५१३८
 अस्साएत्ति प २८१२२, ३६, ६८
अस्सायण (आश्वायन) ज ७१३२२ सू० १०१६६
अस्सायावेदणिज्ज (असातवेदनीय) प २३३११
अस्सिणी (अश्विनी) ज ७११३११, १२८, १२६,
 १३६, १४३, १४६, १५५, १५८, १५६; सू १०११
 से ६, १०, २२, २३, ३४, ६२, ६५, ६६, ७५, ८३,
 ६६, १२०, १३१ से १३३, १५४
अस्सेसा (अश्लेषा) ज ७११२८; १३४, १३६, १४०,
 १४७, १५० सू १०११ से ६, १४, २३, २५, ४२,
 ६२, ६६, ७५, ८३, १०७, १२०, १३१ से १३४, १२,
 १५७
अस्सोई (आश्वयुजी) ज ७११४०, १४३, १४६
 सू १०१२३
अस्सोय (आश्वयुज) सू १०१२४
अह (अथ) प ५१५ उ० ३१२६
अह (अधस्) ज ३११८८
अहक्खाय (यथाख्यात) प ११२४, १२६
अहक्खायचरित्तपरिणाम (यथाख्यातचरित्रपरिणाम)
 प० १३१२२
अहत (अहत) ज २११००; ३१३५, २११; ५१५८
अहत्ता (अधस्ता) प० २८१२४, २६
अहम्मिद (अहमिन्द्र) प २१६०, ६१, ६२, ११, ६३
अहय (अहत) ज ३१६, ११७, १२, २२
अहर (अधर) प २१३१
अहवर्ण (अथवा) प० १२११२

अहवा (अथवा) प १११०३ ज २।६६ सू १०।१२०
 उ १।११५
 अहाछंद (यथाछन्द) उ ३।१२०
 अहाछंदविहारि (यथाछंदविहारिन्) उ ३।१२०
 अहापडिरुव (यथाप्रतिरूप) उ १।२; ३।२६, ६६,
 १३२; ५।२६
 अहाणुपुन्वी (यथानुपूर्वी) ज ३।१७८, १७९, २०२,
 २१७; ५।४३
 अहावायर (यथावावर) ज ३।१६२; ५।५, ७
 अहामालिय (यथामालिक) ज ३।६
 अहारिह (यथाहँ) उ ३।११५
 अहासुह (यथासुख) उ ३।१०३, ११२, १३६, १४७,
 १४८; ४।११, १४, १५, १६
 अहासुध्म (यथासूध्म) ज ३।१६२
 अहि (अहि) प १।६८, ६९, ७१ ज० २।४१
 अहिम (अधिक) सू १।२७; १।५२४, २५
 अहिगम (रुह) (अधिगमरुचि) प १।१०१।१
 अहिगमरुह (अधिगमरुचि) प १।१०१।८
 अहिगरणिया (आधिकरणिकी) प २।२।१, ३, ४८,
 ५३ से ५६, ५८, ५९
 अहिगरणिसंस्थित (अधिकरणीसंस्थित) ज ३।६४,
 १३५, १५८
 अहिगरणी (अधिकरणी) प २।२।४८
 अहिछत्ता (अहिछत्ता) प १।६३।२
 √अहिज्ज (अधि+इ) अहिज्जइ उ २।१०;
 ३।१४; ५।२८
 अहिज्जंत (अधीयान) प १।१०१।६
 अहिज्जिता (अधीत्य) उ २।१०; ३।१४; ५।३६
 अहिय (अधिक) प २।२।७।२; १।३।२।२; २।३।१४७,
 १५८, १६२, १६५ ज २।१३१; ३।३६, ७६, ११७,
 २२२; ४।१४६; ७।२७, २९, ३० सू १।१४, १६,
 २१, २४; ६।१; १।५।२८, ३१, ३२; १।६।१।१
 √अहियास (अधि+सह् आस्) अहियासिज्जंति
 उ ५।४३ अहियासेइ ज २।६७
 अहिलाण (दे०) ज ३।१०६, १७८ घोड़े के मुंह पर

बांधे जानेवाला
 अहिवइ (अधिपति) ज ३।२६, ३६, १५६; ५।१८, ४६
 अहिसलाग (दे०) प १।७१
 अहीण (अहीन) उ ५।४५
 अहीय (अधीत) उ ३।४८, ५०
 अहुणोववण (अधुनोपपन्न) उ ३।१५, ८४, १२१,
 १६२
 अहे (अधस्) प २।२० से २७, २७।३; २।३०, ३१,
 ४१; १।१।६५, ६६, ६६।१; १।६।५५; २।१।८७,
 ६०, ६१; २।८।१५, १६, ६१, ६२; ३।३।१६
 ज २।६५, ७१; ७।५४, १६८।१ सू २।१;
 ४।१०; १।६।२२; २।०।१, २ उ १।४६; ३।५६,
 ६४, ६८, ७१, ७४
 अहे (अथ) उ ३।५।१।१
 अहेतु (अहेतु) प ३।०।२७, २८
 अहेदिसा (अधोदिशा) प ३।१।७६, १७८
 अहेलोइय (अधोलौकिक) प २।१।६२, ६३
 अहेलोय (अधोलोक) प० ३।१।२५ से १७३, १७५,
 १७७
 अहेसत्तमा (अधःसप्तमी) प ३।१।७, १८; ४।२२ से
 २४; ६।१।६, ५१, ६०, ८०, ८८, ९१, ९२, १००,
 १०६; १।०।२, ३, १।६।२६; २।०।७, ४३, ५७;
 २।१।५२, ५६, ६७, ८७; ३।०।२६; ३।३।६, १७
 अहेसत्तमापुढवि (अधःसप्तमीगृथ्वी) प० २।०।५२
 अहो (अहो) ज ३।१।२६ उ १।६२; ५।२२
 अहोरत्त (अहोरात्र) ज २।४, ६६; ७।२० से २४,
 २६ से २९, १२२, १२६, १२७, १३४।१,
 १३५।१ से ४, १५६, १५७, १६० सू १।१४,
 १६, २१, २४, २७; २।३; ६।१; ८।१; १।०।३, ६३
 से ७४, ८४, १३४; १।२।२ से ५, १२; १।५।११,
 १२, २६ से ३१, ३४
 अहोलोग (अधोलोक) ज ५।१ से ३, ५
 अहोलोय (अधोलोक) प २।१, ४, १०, १६ से १६, २८
 अहोवाय (अधोवात) प १।२६
 अहोसिर (अधःशिरस्) ज १।५; २।८३ उ० १।३

आ

आइ (आदि) प ५४, १४३, २१८; २५४
 ज २२१; ५२७, ४०, ५५, ५७; ७४५, ५०
 उ २२२; ५४५
 √आइक्ख (आ+ल्य) आइक्खइ ज ७२१४
 उ ११६८
 आइक्खग (आल्ययक) ज २६४
 आइगर (आदिकर) ज ५११ उ ३१२; ५१४
 आइच्च (आदित्य) ज ३३; ७२५, ३०, १११,
 ११२४, ५ सू ११६३; १०१२८, १२६४, ५
 आइच्चचार (आदित्यचार) चं ५३
 आइणग (आजिनक) ज ४१३
 आइण (आकीर्ण) ज २१३४; ३१०३, १७८
 आइय (आदिक) प १५०, ५१, ६०, ७५, ७६, ८१;
 २४८ ज २३५, ६४, १४४; ३१८५;
 ४२४८, २५१; ५३८, ५७; ७१२६ उ २१०,
 १२; ३१४, १६१, २५०; ५२८, ३६, ४१
 आइय (आचित) प १७११६
 आइल (आदिम) प ५१०२; २२३५, ५१, ५४
 आइल्लिग (आदिम) प १७३०
 आइल्लिय (आदिम) प २२७३, ७४
 आईणग (आजिनक) सू २०७
 आईय (आदिक) प १४१६; २८११६;
 उ १६६, ६७, ६४; ४१३
 आउ (दे० अप्) प ६१०२, १०४, ११५; ६४;
 ११२६ से २८; १३१६; १७३३; १८२६,
 ३२; २०८, २२, २८; २१८५; २२२४; २८१२३
 आउ (आयुष्) ज १२२, २७, ५०; २४६, ५१, ५३,
 ५४, ५८, १३३ से १३५, १६१; ३३; ७१३०,
 १८६४, २११
 आउ (काइय) (दे० अप्कायिक) प १७१४०
 आउकाइय (अप्कायिक) प ११५; ३५० से ५२,
 ५५, ६० से ६३, ६६, ७१ से ७४, ७७, ८४ से
 ८७, ९०, ९५, १५६ से १६१, १८३; ४६५ से
 आउकाइयत्त (अप्कायिकत्व) ज ७२१२

७०; ५३, ११, १२; ६१६, १०२; १५१३७
 आउकाइय (अप्कायिक) प १२१; २४ से ६;
 ३३; ६८६, १२२२; १५२६, ८५; १७६०,
 ६६, १०२; १८३८, ४०, ४२, ५०; २०१३, २५,
 २६, ४४; २१२४, ४०; २२३१
 आउकाय (अप्काय) सू २१
 आउक्खय (आयुःक्षय) उ० २१३; ३१८, ८६,
 १२५, १५२; ४२६; ५३०, ४३
 आउज्जीकरण (आवर्जीकरण) प ३६८४
 √आउट्ट (आ+वृत्) आउट्टेज्जा ज २६७
 आउट्टि (आवृत्ति) सू १२१६ से २८
 √आउड (आ+कुट्) आउड्डे ज ३८८, १३५,
 १५५
 आउड्डिय (आकृष्टित) ज ३८६, १५६
 आउत्त (आयुक्त) प ११८६ ज ३१७८
 आउदेवया (अब्देवता) सू १०८३
 आउपज्जव (आयुष्पर्यव) ज २५१, ५४, १२१,
 १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३
 आउय (आयुष्क) प ३१७४; २०६१, ६३;
 २२२८; २३११, १२, १८, ३७, १४६, १६६, १८५
 १६१, १६३, १६७ से २०१; २४१४; २६११;
 २७५; ३६८२, ८३१, ६२ ज २४६, ५८, १२३,
 १२८, १४८, १५१, १५७; ३२२५; ४१०१
 आउयबंध (आयुष्कबन्ध) प ६११८, ११६
 आउयबंध्हा (आयुष्कबन्धाध्वन्) प २३१६३
 आउल (आकुल) प० २४१ ज० २६५ सू २०७
 आउस (आयुष्मत्) प २३, ६, ६, १२, १५, २० से २७,
 ६० से ६३; ३३६; १५४३, ४५; ३६७६,
 ८१ ज २१६; १६ से २१, २३, २५, २६, २८,
 ३० से ३६, ३६ से ४३, ४८, ४६, ५१, ५४, १२१,
 १२६, १३०, १३३, १३८, १४०, १४६, १५४, १५६,
 १६०, १६३; ७१०१, १०२, १२६, सू ८१०;
 २०७
 आउह (आयुध) ज ३७७, १०७, १२४ उ ११३८
 आउह्वरसाला (आयुधगृहशाला) ज ३४, ५, ६, १२,

१४,३०,४३,५१,६०,६८,१३०,१३६,१४०,
१४६,१७२,२२०

आउह्वरिय (आयुध्रगृहिक) ज ३५,६

आएज्जनाम (आदेशनामन्) प २३१२२६

आएस (आदेश) ज ३१६७६६

आओग (आयोग) ज ३११०३

आओजित (आयोजित) प २२५७

आओजिय (आयोजित) प २२५८

✓आओस (आ+कुश्) आओसइ उ १५७

आओसणा (आक्रोशना) उ १५७,८२

आकासिया (आकाशिका) ज २११७

आकुल (आकुल) ज ३६,२२२

आकोसायंत (आक्रोसायमान) ज २११५

आगइ (आगति) ज २१७१

✓आगच्छ (आ+गम्) आगच्छइ ज २१२४,

३११०७,११४; ७२० से २५,७६,८२ सू २३

उ ११७० आगच्छति प १११७२; २८५०,

४३,६६ ज २३४,३५,३७,१०१; ७१०१,

१०२,२०२,२०४,२०६ सू ८१ आगच्छति

सू २३ आगच्छेज्ज प ३६६१ आगच्छेज्जा

प ३६८१ ज २६

आगच्छमाण (आगच्छत्) सू २०१२

आगत (आगत) प २०६,१०

✓आगम (आ+गम्) आगमेसि ज २८१

आगमण (आगमन) उ ३१६६

आगमेस्स (आगमिष्यत्) ज २१३८,१६१

आगम्म (आगम्य) ज ५१५५ उ ५१७

आगय (आगत) प २०६ से ६,११ से १३;

३४१११ ज ३८२ सू २०१७ उ० ११७,२२,

१०७,१०८,१२७,१२८,१३८,१४०; ३१७,२१,

२५,२६,६१

आगर (आकर) प ११७४ ज २१२२,१३१;

३१६,३१,८१,१६७२,८,३१६०,१८५,२०६,

२२१ उ० ३११०१; ५१३६

आगरपति (आकरपति) ज ३८१

आगायमाण (आगायन्) ज ५१५,७ से १२,१७

उ० ३१११४

आगार (आकार) प १३८३; ३३१६,२४

आगार (आगार) प ३०२५,२६

आगारभाव (आकारभाव) ज ११७,२१,२६,२७,

२६,३३,४६,५०; २१७,१४,१५,२०,५२,५६ से

५८,६५,१२२,१२३,१२७,१२८,१३१ से १३३,

१३६,१४७,१४८,१५०,१५१,१५६,१५७,१५६

१६१,१६४; ४१५६,८२,१००,१०१,१०६,१७०,

१७१

आगारभावमाता (आकारभावमात्रा) प १७१५०,

१५२,१५५

आगरिस्स (आकर्ष) प ६१११; ६१२०,१२१,१२३

आगास (आकाश) प २६४१६; १५५३,५४,

५७ ज ३१०४,१०५,१०७,२११; ५१५८

सू २६

आगासत्थिकाय (आकाशास्तिकाय) प १३;

३११४,११५,११८,१२२; ५१२४; १५५३,

५४,५७

आगासथिग्गल (आकाशथिग्गल) प १५५३,५६;

१४१२३

आगासफलोवम (आकाशफलोपम) ज २१७

आगासफालिओवमा (दे०) प १७१३५

आघवणा (आध्यान) उ ३१०६

आघवित्तए (आध्यातुम्) उ ३१०६

✓आचिठ्ठ (आ+स्था) आचिठ्ठामो ज ३११३

आजीविय (आजीविक) प २०६१

आजोजित (आयोजित) प २२५७

आडोव (आटोप) ज ७१७८

आढई (आढकी) १३७१

आढत्त (आरुद्र) प १७१४८

✓आढा (आ+दृ) आढाइ उ १३८; ३५६

आढेति उ ३११८

आणंद (आनन्द) ज ७१२२१२ सू १०८४२

उ १७१,७२; २११

आणंदकूड (आनन्दकूट) ज ४१०५

आणंदा (आनन्दा) ज ५।८।१

आणंदिय (आनन्दित) ज ३।५, ६, ८, १५, १६, ३१,
५२, ५३, ६१, ६२, ६६, ७०, ७७, ८४, ६१, १००,
१३४, १३७, १४१, १४२, १५०, १६५, १७३,
१८१, १८६, १६६, २१३; ५।५, १५, २१, २३, २७,
२८, २९, ४१, ५५, ५७, ७० उ १।२१, ४२;
३।१३६

आणण (आनन) प २।४६ ज ३।६, १८, ६३, १८०,
२२२

आणत (आनत) प १।१३५

√आणत्त (अन्यत्व) प १।५।४४, ४५

आणत्ति (आज्ञप्ति) ज ३।२६, ३६, ४७, ५६, ६४,
७२, १३३, १३८, १४५; ५।६१ उ १।११६

आणत्तिया (आज्ञप्तिका) ज २।१०५; ३।७, ६, १२,
१३, १५, १८, १६; २८, २९, ३१, ३२, ४१, ४२,
४७, ४९, ५०, ५२, ५३, ५८, ५९, ६१, ६२, ६४,
६६, ६७, ६९, ७०, ७४ से ७६, ८३, ६६, १००,
१२८, १४१, १४२, १४५, १४७, १४८, १५१,
१५४, १६४, १६५, १६८ से १७१, १७३, १७५,
१८०, १८१, १९१, १९६, १९६, २१२, २१३, ५।३,
२८, ६८, ६९ से ७३ उ १।१७, १८, १२३; ३।७;
४।१६, १७; ५।१८

आणपाणपञ्जत्ति (आनप्राणपर्याप्ति, आनापान-
पर्याप्ति) उ ३।१५।८४

आणपाणु (आनप्राण, आनापान) प १०।५, ३।१

√आणम (आ + नम्) आणमंति प ७।१ से ४, ६
से १५

आणमणी (आज्ञापनी) प १।१६, ६, २७, ३०।१

आणय (आनत) प २।४६, ५८, ५९, ५९।२, ६३; ३।१८३;
४।२५५ से २५७; ६।३५, ५६, ६६, ८६, ६६,
११३; ७।१६; १।५।८८; २।१।७०, ६२; २।८।८३;
३।३।१६; ३।४।१६, १८ ज ४।२।४६; ५।४६;
७।१।७८

√आणव (आ + ज्ञापय)

आणवेइ ज ५।२२, २६ उ १।११०

आणा (आज्ञा) प १।१०।१।५ ज १।४५; ३।८,
१६, ५२, ६२, ७०, ७७, ८४, १००, १४२, १६५,
१८१, १८५, १६२, २०६, २२१; ५।१६, २३, ७३
उ १।२०, ४५, १०८

आणाईसर (आज्ञेश्वर) प २।३०, ३१, ४१, ४६
उ ५।१०

आणापाणु (आनप्राण, आनापान) सू ८।१; २०।५
आणापाणुचरिम (आनप्राणचरम, आनापानचरम)
प १०।४०, ४१

आणापाणुपञ्जत्ति (आनप्राणपर्याप्ति, आनापान-
पर्याप्ति) प २८।१४२

आणामिय (आनमित) ज २।१५

आणारुइ (आज्ञारुचि) प १।१०।१।१, ५

आणु (आन) प १।४।५३

आणुगामिय (आनुगामिक) प ३।३।३५, ३६

आणुपाण (आनप्राण, आनापान) प १।४।५।५

आणुपुव्विणाम (आनुपूर्वीनामन्) प २।३।५४, १।११,
१।१३, १।१४, १।४६

आणुपुव्वी (आनुपूर्वी) प २।४।७।३; १।१।६८, ६९,
६९।१; २।३।१।१२, १।१५, १।७५, १।६०; २।८।१८,
१।६, ६४, ६५ ज ७।४।७, ५० सू २०।८ उ २।१२,
२२; ५।३६

आणुपुव्वीणाम (आनुपूर्वीनामन्) प २।३।३८

आणुणं (आनेतुम्) उ १।१०७

आणुत्ता (आनीय) उ ४।१६

आणुयव्व (आनेतव्व) ज २।६४

आणपत्त (आतपत्र) ज ३।३

आतुरक्ख (आत्मरक्ष) प २।३१, ४३

आतव (आतप) ज २।१३४; ३।११७ सू १।६।३, ४

आतवा (आतपा) सू १।८।२४

आतीय (आदिक) उ ४।१८

आदंस (आदसं) ज ३।११; ५।८

आदंसघर (आदर्शगृह) ज ३।२।२२, २२४

आदंसिया (दे०) प १।७।१३५ ज २।१७

आदरिस (आदर्श) ज २।६८

आदाण (आदान) सू १२१५

आदाय (आदाय) ज २६५

आदि (आदि) प १६४, ७६, ८६; ५१२५, ४६, १३१,

१३४, १३६, १४०, १४७, १६३, १६६, १६६,

१७२, १७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १९३,

१९७, २००, २०३, २०५, २२१, २२४, २३०, २३२,

२३४, २३७, २३९; १०१२; ११६६, ६७, ६९१;

२०१२५; २३११०८; २४८८; २६१६; २८११२,

२८११६, १७, ६२, ६३, १२३, १३३, १३६, १३७,

१४०; ३६१२०, ४६ ज २६११, २७११, १३१,

१४५ चं २३ सू १६१३; ५११; १०१५; १११२

से ६

आदिच्च (आदित्य) सू ११३३, १४, १६, १७, २१,

२४, २७; २३३; ६११; १०१५, १०, ११, ७७,

१२११, ५, १० से १२; १३५; १५१२३ से २५;

१६१२१४, ७, ८, २२; २०१५

आदिच्चचार (आदित्यचार) सू १०१२१, १२३

आदिप्रदेश (आदिप्रदेश) सू १११६

आदिय (आदिक) प १४६, ६६; २८१४५

सू १०११, १३१; २०१५

आदिल्ल (आदिम) प ५११०५; २२१५१

सू १६१२२१२५

आदिल्लिय (आदिम) प १७१६७

आदीय (आदिक) प ६११२३; ११३०; २२१४५;

२४१६ से ११; २६१८; २८१२३, १२६, १३७,

१४०, १४५; ३६१२० उ १११६, ११६ से १२२,

१२५; ३३१, ४०

आदेज्ज (आदेय) ज २११५

आदेज्जणाम (आदेयणाम्) प २३३३८

आदेश (आदेश) प १८१६०

√आधाव (आ+धाव्) आधावेति ज ५१५७

आपडिपुच्छमाण (आप्रतिपृच्छन्) ज २६५

√आपुच्छ (आ+प्रच्छ्) आपुच्छइ उ ३१४८;

४११५ आपुच्छामि उ ३१३६; ४४; ५१२७

आपुच्छणा (आप्रच्छना) उ २१६

आपुच्छणिज्ज (आप्रच्छनीय) उ ३१११

आपुच्छिता (आपृच्छ्य) उ २१११; ३५०, ५३३८

आपूरैत (आपूरयत्) ज ३१४, १७२

आपूरेमाण (आपूर्यमाण) ज ४३५, ४२, ६४, १७४,

२६२; ५३३८

आवाहा (आवाधा) ज २३०, ३६, ४१

आमंकर (आमङ्कर) सू २०१८, २०१८७

आभरण (आभरण) प २३०, ३१, ४१, ४६;

११२५; १५१५५१२ ज २६५; ३६, ११, १२,

२६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ७८, ८१, ८५, १३३,

१४५, १८४, २२२, २२४; सू २०१७ उ १११६;

४२; ३१२६, ११३, १४१; ४१२२, २०

आभरण (वासा) (आभरणवर्षा) ज ५१५७

आभरणविहि (आभरणविधि) ज ३११६७३४

आभरणारुहण (आभरणारोहण आभरणारोपण)

ज ३११२

आभासिय (आभासिक) प १८६, ८६

आभियोग (आभियोग) प २०६१ ज २१२६, ६७,

६८; ५११४, १५, ५३, ६१, ७२, ७३ उ ३३७, ६१

आभियोगसेदी (आभियोगश्रेणी) ज ४१७२

आभियोगिय (आभियोगिक) प २०६१ ज ५३,

४, २८, ४३, ५०

आभियोग (आभियोग्य) ज ११३३; ३१६१,

१६२, १६६, २०७, २०८; ५१२८, ५४, ५५

आभियोगसेदी (आभियोग्यश्रेणी) ज ११२८ से

३२; ६६५

आभिनिबोहिय (आभिनिबोधिक) प १७११२,

११३

आभिनिबोहियणाण (आभिनिबोधिकज्ञान) प ५१५,

७, २०, २४, ४१, ४२, ४६, ७८, ६३, ६७, १११,

११२; १७११२, ११३; २०११७, १८, ३४;

२६१२, १२, १७, १६, २१

आभिनिबोहियणाणारिय (आभिनिबोधिकज्ञानार्य)

प १६६

आभिनिबोहियणाणावरणिज्ज (आभिनिबोधिक-

ज्ञानावरणीय) प २३१२५

आभिनिबोहियणाणि (आभिनिबोधिकज्ञानिन्)

प ३११०१, १०३; ५४० से ४२, ७७ से ७६,

६२ से ६४, ६६, १०० से ११२, ११७; १३१, १४,
१७, १६; १८५०; २८१३६
आभिनिबोहियनाणपरिणाम (आभिनिबोधिकज्ञान-
परिणाम) प १३१६
आभियोगसेढी (आभियोगश्रेणी) ज ४१२००
आभियेक (आभियेक्य) ज ३१५, १७, २०, ३१,
३३, ५४; ६३, ६४, ७१, ७७, ६१, १४३, १५१, १६६,
१७३, १७५, १७७, १७८, १८२, १८३, १८५,
१६६, २०२, २०४, २१४, २१७; ४१४०
उ ५११८
आभियेय (आभियेक) ज ३११०६
आभूय (आभूत) उ १७४
आभोएत्ता (आभोग्य) ज २१६०
आभोएमाण (आभोग्यत्) उ ३७, ६१
आभोग (आभोग) प १४१८१
आभोगणिव्वत्तिय (आभोगनिर्व्वतित) प १४१६;
२८४, २५, २७, ३७, ४७, ५०, ७३ से ७५;
३४५
√आभोय (आ + भोग्य्) आभोएइ ज २१६०, ६३;
३५६, १४५; ५१२१ आभोएत्ति ज ३११३३;
५३
आभोयण (आभोग्य) प ३४१११
√आमंत (आ + मंत्र्य्) आमंतेइ उ ३१११०;
४१६
आमंतणी (आमन्त्रणी) प ११३७१
आमंतेत्ता (आमन्त्र्य) उ ३१५०; ४१६
आमलग (आमलक) प १३६१
आमलगसारिय (आमलकसारिक) सू १०१२०
आमुस (आ + मृश्) आमुसइ उ ११६१
आमुह (आमुल) सू १६१२३
आमेल (आपीड) प २१४१
आमेलग (आमेलक) ज २१५५; ३११०६
आय (दे०) प १४७
आय (आत्मन्) प १४३; १४१८१
आय (आय) उ १४१, ४३

आयंक (आतङ्क) ज २४३; ५१५ उ ३३५, ११२,
१२८
आयंत (आचान्त) ज ३१८ उ ३५१, ५६
आयंस (आदर्श) ज २१५; ५१५५
आयंसमुह (आदर्शमुख) प ११६६
आयंसलिवि (आदर्शलिवि) प ११६८
आयत (आयत) प १४ से ६; २१५० से ५२, ५७,
५८, ६१, ६२; १०१५ से २५, २७ से ३०;
१५१५२ ज ३१२४, १०६, १३१, १३८१
आयय (आतत) प १७; २३१, ५३ से ५६, ५६,
६०; १०१२६; १३२४ ज ११६, २०, २३, २५,
२८, ३२, ४८; ४०६१, ६८, १०३, १०८, १७२,
१६१, २०३, २०५, २१४, २४५, २५१, २५२,
२६८ उ ११२२, १४०
आयर (आदर) ज ३११२, ७८, १८०, २०६; ५१२२,
२६
आयरकख (आत्मरक्ष) प २३० से ३३, ३५; ४०५;
२४१, ४८ से ५६ ज १४५; २१६०; ४१२०,
११२, १५१२; २१५६; ५११, १६, ४०, ४६ से
५१, ५२२, ५३; ५६ सू १८१२३
आयरिय (आचार्य) प १६५१ ज ३३५ चं १२
उ ५१२६, २८
आयव (आतप) ज ७१२२३ सू १०१८३
आयवणाम (आतपनामन्) प २३३३८, ११५
आयसररी (आत्मशरीर) प २८२०, ३२, ६६
आयाए (आदाय) उ ११६३
आयाणभंडमत्तनिकखेवणासमित
(आदानभाण्डामत्रनिकेवणासमित) उ ३१६६
आयाणभंडमत्तनिकखेवणासमिय
(आदानभाण्डामत्रनिकेवणासमित) ज ३१६८
आयाम (आयाम) प २१५०, ५६, ६४; २१८४, ८६,
८७, ६० से ६३; ३६६६, ६८, ७०, ७२ से ७४,
८१ ज १७, २०, २३ से २५, २८, ३२, ३७, ४०,
४३, ४८, ५१; २१६, १५, १४१ से १४५; ३११,
१८; ३१, ५२, ६१, ६६, ६५, ६६, १३१, १३७,
१३८, १४१, १५६, १६०, १६४, १८०; ४११, ३,

६,७,९,१२,१४,१५,१९,२४,२५,३१,३३,३९
 से ४१,४७,५२ से ५५,५७,५९,६२,६४,६६ से
 ६८,७०,७४ से ७६,८०,८१,८६,८८,९१
 से ९३,९८,१०२,१०३,१०८,११०,११२,११४,
 ११६,११८ से १२०,१२२ से १२७,१३२,
 १३९,१४०,१४३,१४५ से १४७,१५३ से १५६,
 १६५,१६७,१६९,१७२,१७४,१७६,१७८,
 २००,२१५,२१६,२१८,२१९,२२१,२४२,
 २४५,२४८; ५१३५; ७७७,१४,१९,३१,३२१,
 ३३,३४,६६,७३ से ७८,९०,९३,९४,१०७,
 २०७ सू ११४,२६,२७; ४३,५ से ८,१८९
 से १३; १९२०,३० उ ५४४

आयारभाव (आकारभाव) ज ११२२

आयावण (आतापन) उ ३१५०

आयावणभूमि (आतापनभूमि) उ ३१५०,५१,५३

आयावेमाण (आतापयत्) उ ३१५०

आयाह्णिण (आदक्षिण) ज ११६; २१९; ३१५;
 ५१५,४४,४६ उ १११९,२१; ३११३३; ४११३

आरंभ (आरम्भ) उ ११२७,१४०

आरंभिया (आरम्भिकी) प १७१११,२२,२३,२५;
 २२१६०,६१,६६ से ६९,७६,९१,९८,१०१

आरंभियाकिरिया (आरम्भिकीक्रिया) प २२१९७
 से ९९

आरण (आरण) प १११३५; २१४९,५९,५९१२,
 ६०,६३; ३११८३; ४१२६१ से २६३; ६१३७,५६,
 ६६; ७११८; १५१८८; २११७०,९२; २८१८५;
 ३३११६; ३४११६,१८ ज ५४९

आरुद्ध (आरुद्ध) प २०१६०

आरुक्क (आरुक्क) ज ३१८१

आरुवी (आरुवी) ज ३१११२

आरुवम (आरुवम) प १७१३२

आरुभड (आरुभट) ज ५१५७

√आरस (आ+रस्) आरसइ उ ११६०
 आरससि उ ११८५

आरसिय (आरमित) उ ११६१,८६

आराम (आराम) ज २१६५; ५१५,७ उ ३१३६,३९

√आराह (आ+राध्) आराहेहिति उ ५४३३
 अ राहणविराहणी (आराधनविराधनी) प ११३३
 आराहणी (आराधनी) प ११३३,८

आराहय (आराधक) प १११८९ उ ११२०

आराहेत्ता (आराध्य) उ ५४३३

आरिय (आर्य) प ११८८,९०,९३१६,११२९
 उ १११७

आरुद्ध (आरुद्ध) ज ३१३५,१२१

आरुभित्ता (आरुह्य) सू ९१४

√आरुह (आ+रुह्) आरुहेहिति ज २११०३,१०४

आरुहेत्ता (आरुह्य) ज २११०३

आरोग्य (आरोग्य) ज ३१९२,११९

आरोहग (आरोहक) ज ३११७८

आलइय (आलगित) प २१५० ज ५११८

आलंकारिय (आलंकारिक) ज ३११५०

आलंबण (आलम्बन) ज ४१२६

आलंबणभूय (आलम्बनभूत) उ ३१११

आलय (आलय) ज २१७१

आलावग (आलापक) प १७११६७ से १७२;
 २१३१ सू ८११

आलिगणवद्विय (आलिङ्गनवतिक) ज ४११३
 सू २०१७

आलिगणपुक्कर (आलिङ्गपुक्कर) ज १११३,२१,२६,
 ३३,३६,३९,४९; २१७,३८,५२,५७,११२,
 १२७,१४७,१५०,१५६,१६१,१६४; ३१९२;
 ४१२,८,११; ५१३२

आलित्त (आदीप्त) उ ३१११३

आलिसंद (दे०) प १४५५१

आलिसंदग (दे०) ज २१३७

√आलिह (आ+लिह्) आलिहइ ज ३११२,८८;
 ५१५८

आलिहमाण (आलिहत्) ज ३१९५,१५९

आलिहिजमाण (आलिह्यमान) ज ३१९६,१६०

आलिहिता (आलिह्य) ज ३११२

आलुग (आलुक) प १४८८२

आलोअंत (आलोकमान) ज ३११७८

आलोड्य (आलोचित) उ २।१२; ३।१५०, १६१;
५।२८, ३६, ४१

आलोगभूय (आलोकभूत) ज ३।६६, १६०

आलोय (आलोक) ज ३।६, १२, १८, ७७, ८८, ६३,
६५, १५६, १७८, १८०, २२२; ५।४३, ४६

√आलोय (आ + लोच्) आलोणहि उ ३।११५;
४।२२

आवकह्य (यावत्कथिक) प १।१२५

√आवज्ज (आ + पद्) आवज्जति प १।१७२

आवड (आवर्त) ज ५।३२

आवडिय (आपतित) ज ५।२५

आवण (आपण) ज ३।३२

आवणगिह (आपणगृह) ज ३।१६७।२

आवत्त (आवर्त) प १।६३ ज ३।३; ४।२३, ३५,
३७, ४२, ७१, ७७, ६४, १८८ से १६१, २६२;

७।५५ सू १।६।२।१०, ११; १।६।२३

आवत्तकूड (आवर्तकूट) ज ४।१६२

आवत्तग (आवर्तक) ज ३।१०६

आवरण (आवरण) ज ३।३५, १।१६, १।६७।६, १।७८

आवरित्ता (आवृत्य) सू २०।२

√आवरिस (आ + वृष्) आवरिसेज्जा ज ५।७

आवरेत्ता (आवृत्य) सू २०।२

आवरेमाण (आवृन्वत्) सू २०।३

आवलि (आवलि) ज ५।२८

आवलिया (आवलिका) प १।२।२७; १।८।३, २७

ज २।४ चं ५।१ सू १।६।१; ८।१ २०।५

आवलियाणिवात (आवलिकानिपात) सू १०।१

√आवस (आ + वस्) आवसामि उ ३।११८

आवसह (आवसथ) ज ३।१६, ३१, ३।२।२, ५३, ६२,
७०, १४२, १६५, १८१

आवसित्ता (ओस्य) ज ३।२२५

आवस्सम (आवश्यक) उ ३।३१

आवाग (आपाक) प २।३।१३ से २३

आवाड (आपात) ज ३।१०३ से १०५, १०७ से
११५, १२५ से १२७

आवास (आवास) प १।५।५।३ ज ३।१८, ५२, ६१,
६६, ७७, ८४, १४१, १५३, १६४, १६७।१३, १८०
उ ५।४१

आविद्ध (आविद्ध) ज ३।६, ७७, १०७, १०६, १२४,
२२२; ५।५६ उ १।१३८

आविद्धकंठ (आविद्धकण्ठ) ज ३।२०६

आवीकम्म (आविष्कर्मन्) ज २।७१

आवेदिय (आवेष्टित) प १।५।५१

आस (अश्व) प २।४०।१०; १।१।२१ ज २।३५;
३।६८, १।६७।४, १।७८, १।७६, २२१; ७।१३,
१८६।३ उ १।१४, १।५, २१, १।२१, १।२६, १।३३,
१।३६, १।३७

आस (आस्य) प २।४०।१०

√आस (आम्) आसि १।४७

आसकण (अश्वकर्ण) प १।८६

आसकखंधसंठिय (अश्वस्कन्धसंस्थित) सू १०।३४

आसखंध (अश्वस्कन्ध) ज ४।१७८

आसखंधग (अश्वस्कन्धक) ज ७।१३३।१

आसग (आस्यक) उ १।८६, ६०

आसण (आसन) प १।१।२५ ज २।८६, ६०, ६२,

६३; ३।५५, ५६, ६४, ७२, १०३, १।१२, १।१३,

१।४४, १।४५; ५।२, ३, ७, २०, २१ सू २०।४

उ ३।१०१, १।३४

आसत्त (आसक्त) प २।३०, ३१, ४१ ज २।७, ३०,
३५, ८८

आसत्थ (आश्वस्त) उ १।२४, ६२

आसधर (अश्वधर) ज० ३।१७६

आसपुरा (अश्वपुरा) ज ४।२।१।२।२

आसम (आश्रम) प १।७४ ज २।२२, १।३१;

३।१८, ३१, ३२, १८०, १८५, २०६ उ ३।५५, १०१

आसमुह (अश्वमुख) प १।८६

आसय (आस्यक) उ १।६१, ६२, ८६, ८७

√आसय (आम्) आसयति ज १।१३, ३०, ३३, ३६;

२।७; ४।२, ६४, ८७, १०४, १।७६, १।८५, १।६१,

१।६७, २००, २०१, २०६, २।४, २।३४, २।४०,

२।४१, २।४७

आसरयण (अश्वरत्न) ज ३।१०६, २२०
 आसरयणत्त (अश्वरत्नत्व) प २०।५६
 आसरह (अश्वरथ) ज ३।३४ से ३६ उ १।११०;
 ५।३८
 आसल (दे०) प १।७।१३४
 आसव (आश्रव) प १।१०।१।२; १।७।१३४
 आसा (आसा) उ ३।१५६
 आसाएमाण (आस्वादयत्) उ १।३४, ४६, ७४
 आसाढ (आपाढ) ज २।६५; ७।१०४, ११३, ११४,
 १२६ सू १०।१२४, १२६ उ ३।४०
 आसाढा (आषाढा) सू १०।७५, १२०, १५५, १५६;
 ११।२ से ६; १२।२४ से २८
 आसाढी (आषाढी) ज ७।१३७, १४०, १४६, १४६,
 १५३, १५५ सू १०।७, १६, २४, २५, २६
 आसाय (आस्वाद) प १।७।१३० से १३५
 ज २।१७, १८
 √आसाय (आ + स्वाद्) आसायति प २८।२२,
 ३४, ६८
 आसायणिञ्ज (आस्वादीय) प १।७।१३४ ज २।१८
 आसालिय (आशालिक, आसालिग) प १।६८, ७३,
 ७४
 आसासग (अश्वाम्यक) प २।४०।१०
 आसासण (अश्वसन) ज ७।१८६।२ सू २०।८,
 २०।८।२
 आसिय (आसिक्त) ज २।६५; ३।७, १८४; ५।७
 आसीत (आशीत) प २।२७।१
 आसीत्तिय (दे०) सू १०।१२०
 आसीविस (आशीविष) प १।७० ज ४।२।१२
 आसुरुत्त (आशुरक्त) ज ३।२६, ३६, ४७, १०७,
 १०६, १३३ उ १।२२, ५७, ८२, ११५ से ११७,
 ११६, १४०
 आसोइ (आश्वयुजी) ज ७।१३७ सू १०।७, १०, २२,
 २३, २६
 आसोत्थ (अश्वत्थ) प १।३६।१
 आसोय (आश्वयुज) ज ७।१०४ उ ३।४०
 √आह (ब्रू.) आहंत्तु सू १।२० आह्ण ज ७।१।२।२, ५

सू १०।१२।२।२, ५
 आहञ्च (दे०) प १।७।२, २५; २८।२।१, ३३, ३८, ६७
 आहत (आहत) प २।३०, ३१, ४१, ४६ सू १।६।२३,
 २६
 आहय (आहत) ज १।४५; ३।२६, ८२, १३३; ५।१,
 १६; ७।५५, ५८ सू १।८।२३
 √आहर (आ + हृ) आहरेइ उ ३।५१
 √आहार (आ + हृ) आहारिस्सइ ज २।१४६
 आहारिस्संति ज २।१३४, १४६ आहारेइ
 उ ३।५० आहारेति प १।५।४६ से ४६; १।७।२,
 २५; २।८।५ से ७, ६ से २३, ३० से ३५, ३६,
 ४०, ५१, ५२, ५३, ५५ से ६६, ६८ से १०१;
 ३।४।६ से ६, ११, १२ आहारेमि प १।१।२२, १७
 आहार (आहार) प १।१।७, १।४।८।५५; ३।१।१;
 १०।५।३।१; ११।१।२; १५।१।१; १।७।१।१;
 १।७।१।८; १।८।१।१; २।८।१।१; २।८।३ से ५,
 २०, २७ से ३०, ३२, ३७, ३८, ४०, ४७, ४६ से
 ५१, ६६, ६६, ७३ से ७५, ६७, १०६।१;
 ३।४।१।१, ३।४।१ से ३, ५; ३।६।१।१ ज २।१६,
 १६, ५२, ५६, १४६, १५६, १६१ उ ३।५।१, ५३, ५४
 आहार (आधार) उ ३।११
 आहारग (आहारक) प ३।१०७; १।२।१३, २८,
 ३६; २।१।१०४, १०५; २।३।४२, ६१, ६२, १४६,
 १७४; २।८।१०८ से ११०, ११२, ११४ से ११६,
 ११८, ११६, १२१, १२३, १२४, १३०, १३१, १३६,
 १३७, १४१, १४२
 आहारगमीसगसरीर (आहारकमिश्रकशरीर)
 प १।६।१५
 आहारगमीससरीर (आहारकमिश्रशरीर) प १।६।१,
 १०, १५; ३।६।८
 आहारगमीसासरीर (आहारकमित्यकशरीर)
 प १।६।१०, १५; ३।६।८
 आहारगसमुग्घात (आहारकसमुद्घात) प ३।६।३३
 आहारगसमुग्घाय (आहारकसमुद्घात) प ३।६।१
 २, ७, ६, १०, १३, १४, ३०, ३५, ५३, ५८, ७४
 आहारगसरीर (आहारकशरीर) प १।२।१३, २१,

३४; १६१, १०, १५; २१७२ से ७४, ६६, ६६,
 १०१, १०२, १०४, १०५; २३१८६; ३६८७
आहारगसरीरय (आहारकशरीरक) प १२१६
आहारगसरीरि (आहारकशरीरिन्) प २८१४१
आहारचरिम (आहारचरम) प १०४२, ४३
आहारत्त (आहारत्व) प २८१२२ से २४, ३४ से
 ३६, ३६, ४०, ४२, ४५, ४८, ६८, ६६, ७१; ३४६
आहारपञ्जति (आहारपर्याप्ति) प २८१४२, १४३,
 उ ३११५, ८४
आहारपय (आहारपद) ज ७१५०
आहारभूय (आधारभूत) उ ३१११
आहारय (आहारक) प १२११, ५, २५; १८१६४ से
 ६७; २१११; २८११०६ से १०८, १११, ११३,
 ११७, ११६, १२०, १२२, १२५, १२७ से १२६,
 १३२, १४३
आहारयसरीर (आहारकशरीर) प १२११७
आहारसण्णा (आहारसंज्ञा) प ८१ से ११
आहारेत्ता (आहार्य) ज २११६
आहारेमाण (आहारयत्) प ११११२, १७
आहिड (आ + हिण्ड्) आहिड् उ ३११०१
आहित (आख्यात) सू १११०, ११, १५ से १८, २०,
 २२, २३, २५; १६१२२३
आहिय (आख्यात) प ३४१११ ज २१४१२;
 ७१११, ३३ चं २१३, ५ सू १६१३, ५
आहिवच्च (आधिपत्य) ज ३११६७१३
आहुटिठ (दे०, अर्धचतुर्थं) सू १६११
आहुणिय (आधुनिक) ज ३१६८; ५१५; ७१८६१
आहूय (आहूत) उ ३१४८; ५० सू २०१८, २०१८१
आहेवच्च (आधिपत्य) प २१३० से ३३, ३५, ३६,
 ४१, ४३, ४८ से ५१, ५७, ५६ ज ११४५; १८५,
 २०६, २२१; ५११६ उ ५११०

इ

इ (इति) प १४८१२ ज ११२६ सू ११८
इ (चित्) उ ११३६; ३१११
इइ (इति) सू २०१६

इंगाल (अङ्गार) प ११२६ उ ३१५०
इंगालभूय (अंगारभूत) ज २११३२, १४१
इंगालय (अंगारक) ज ७११८६१ सू २०१८, २०१८१
इंगिम (इङ्गित) ज ३१८७
इंद (इन्द्र) प २१४०, ४५, ४७११ ज २१६४; ३१२४३,
 ३७११, ४५११; १३११३, १८५, २०६; ५१४६,
 ५२, ५७; ७१५६, ५७, ५६, ६०, १३०, १८६१४
 सू १६१२४, २७
इंदगोवय (इन्द्रगोपक) प ११५०
इंदगह (इन्द्रग्रह) ज २१४३
इंदग्नि (इन्द्राग्नि) ज ७१२३०, १८६१२, ४
 सू २०१८, २०१८१४
इंदग्निदेवया (इन्द्राग्निदेवता) सू १०१८३
इंदज्जय (इन्द्रज्जय) ज ३१३
इंदठण (इन्द्रस्थान) सू १६१२५
इंदणील (इन्द्रनील) ज ३१३५
इंददेवया (इन्द्रदेवता) सू १०१८३
इंदधणु (इन्द्रधनुष्) ज ३१२४
इंदनील (इन्द्रनील) प ११२०३ ज ३११०६
इंदभूइ (इन्द्रभूति) ज ११५
इंदभूति (इन्द्रभूति) चं ११४, १० सू ११५
इंदभूय (इन्द्रभूत) सू २०१७
इंदमह (इन्द्रमह) ज २१३१
इंदमुद्घाभिसित्त (इन्द्रमुद्घाभिविक्त) ज ७१११७१२
 सू १०१८६१२
इंदिओवउत्त (इन्द्रियोपयुक्त) प ३११७४
इंदिकाइय (दे०) प ११५०
इंदिय (इन्द्रिय) प ११११५; ३११११; १३११७;
 १५११, १७, १६, २०, ३०, ३४, ५८११, १५१५८ से
 ६०, ६२, ६३, ६५, ६६, ६७, ७५, ७६, १३४, १४३;
 १७११३४; १८११११; २८११०१
इंदियउवउत्त (इन्द्रियोपयुक्त) प ३११७४
इंदियजवणिज्ज (इन्द्रिययापनीय) उ ३१३२, ३३
इंदियपञ्जति (इन्द्रियपर्याप्ति) प २८११४२
 उ ३११५, ८४
इंदियपरिणाम (इन्द्रियपरिणाम) प० १३१२, १४

१६, १७, १९
 इंदीवर (इन्दीवर) प १४४१३
 इक्क (एक) ज १२० सू १९१२५
 इक्कड (इक्कड) सरकंडा, पानी का पीछा
 प १४८१४६
 इक्कवीस (एकविंशति) ज २१३४
 इक्कारम (एकादशन्) ज ४१२७५
 इक्कारसम (एकादश) सू १०१७७
 इक्कारसी (एकादशी) ज २१७१
 इक्कावण (एकपञ्चाशत्) सू ११२१
 इक्किकक (एकैक) ज ७११७८२
 इक्खाग (इक्खाकु) प ११६५
 इक्खु (इक्षु) प १४१११, १४८१४६
 इक्खुवाडिया (इक्षुवाटिका) प १४८१४६
 इक्खुवाडी (इक्षुवाटी) प १४१११
 इगतालीस (एकचत्वारिंशत्) ज ७१७५ सू १११३
 इगुणापण्ण (एकोनपञ्चाशत्) ज ७१७५
 इगुणालीस (एकोनचत्वारिंशत्) ज ७१२४
 √इच्छ (इष्) इच्छइ उ १५१ इच्छंति
 प १६४६ इच्छसि सू १९१२२२६
 इच्छामि उ १७६, ३१०६; ४१११
 इच्छामो प २८१०५; ३४११६, २१ से २४
 इच्छा (इच्छा) ज ७१२०२ सू १०१८८२
 इच्छाणुलोम (इच्छानुलोम) प ११३७१
 इच्छामण (इच्छामनस) प २८१०५; ३४११६, २१
 से २४
 इच्छिय (इष्ट, ईरिसित) ज ३१८८, १३८;
 उ ३१३८
 इच्छियत्त (इष्टत्व) प २८१२६
 इच्छियब्ब (एष्टव्य, एषितव्य) ज ३१८१
 इट्ठ (इष्ट) प २३११६; २८१०५ ज २१६४;
 ३१२४, ८२, १८५, १८७, २०६, २१८, ५१५८
 सू २०१७ उ १४११, ४४; ३११२२, १२८; ४११६;
 ५१२२, २५
 इट्ठतर (इष्टतर) ज २११८; ४१०७

इट्ठतरिय (इष्टतरक) प १७१२२६ से १२८, १३३
 से १४५ ज २११७
 इट्ठत्त (इष्टत्व) प ३४१२०
 इट्ठस्सरता (इष्टस्वरता) प २३११६
 इड्ढि (ऋद्धि) प २१३०, ३१, ४१, ४६; ६१६८;
 १७१८६; २११७२ ज २१२५; ३१२२, १८, ३१,
 ७८, ८८, ९३, १२६, १८०, १८६, २०६, २१६;
 ४११४०; ५१२२, २६, २७, ४३, ४४, ४६, ४७, ५६,
 ६७ उ ११६२, १२१, १२२, १२६, १३३, १३४,
 १३८; ३१४६, ५०, १११, १२२; ४११८; ५११७,
 १६, २३, ३१
 इड्ढिपत्तारिय (ऋद्धिप्राप्तार्य) प ११६०, ६१
 इड्ढिमंत (ऋद्धिमत्) ज ७११६८२
 इड्ढिसिय (दे०) ज ३११८५
 इणं (एतत्) प १११३ ज २११७ सू १८२२२
 इतर (इतर) सू ११२५; २१२; ४१२
 इति (इति) प ११७५ ज ११२६; ३३२११
 सू १०११० उ १११७
 इत्तरिय (इत्वरिक) प १११२५; १७१०६, १०७
 इत्तो (इतस्) प २१६४१८ ज ३१२४
 इत्थ (अत्र) प २१३१ ज ४११४७
 इत्थं (अत्र) ज २१२०
 इत्थि (स्त्री) प ११६०, ६६, ७५, ७६, ८१; ६१७६,
 ८०; ८०२; १११५ से १०, २३, २६ से २८;
 १७११६६ से १७२ ज ३१२२१
 इत्थिरयण (स्त्रीरत्न) प ११२६ ज ३१७२, १३८,
 १७८, १८६, २०४, २१४, २२०
 इत्थिरयणत्त (स्त्रीरत्नत्व) प २०१५८
 इत्थियवण (स्त्रीवचन) प १११२६, ८६
 इत्थिवेद (स्त्रीवेद) प १८१६०; २३१७३; २८१४०
 इत्थिवेदग (स्त्रीवेदक) प १३१४४, १६
 इत्थिवेय (स्त्रीवेद) प २३१३६, १४१
 इत्थिवेयपरिणाम (स्त्रीवेदपरिणाम) प १३११३
 इत्थिवेयग (स्त्रीवेदक) प १३११५
 इत्थी (स्त्री) उ ३३६, ४२

इत्थीलिंगसिद्ध (स्त्रीलिंगसिद्ध) प ११२
 इत्थीवेदग (स्त्रीवेदक) प ३।६७;१३।१८
 इभ (इभ्य) प १६।४१ ज २।२५;३।१०,८६,
 १७८,१८६,१८८,२०६,२१०,२१६,२१९,
 २२१ उ १।६२;३।११,१०१;५।१०
 इभज्जाति (इभ्यज्जाति) प १।६४।१
 इम (इदम्) प १।४८ सू १।१५ उ १।१५;२।६
 इय (इति) प २।६४।१८ ज १।७ सू १।६
 इयर (इतर) प २।१३५
 इयार्णि (इदानीम्) सू १।१२४ उ ३।५५
 इरियावहियबंधग (ईर्यापथिकबन्धक) प २३।६३
 इरियावहियबंधय (ईर्यापथिकबन्धक) प २३।१७६
 इरियासमिय (ईर्यासमित) उ २।६;३।१३,६६,
 १०२,११३,११५,१३२,१४६;४।२२;५।३८,४३
 इलादेवी (इलादेवी) ज ५।१०।१ उ ४।२।१
 इलादेवीकूड (इलादेवीकूट) ४।४४,२७५
 इव (इव) प २।४८ उ ३।१२८
 इसि (ऋषि) प २।४७।२ ज ३।१०६ उ १।२०
 इसिपाल (ऋषिपाल) प २।४७।२
 इसिवाइय (ऋषिवादिक) प २।४१,२।४७।१
 इसीपन्भारा (ईषत्प्राग्भारा) प २।१;२।१।६०
 इस्सरियविसिट्ठया (ऐश्वर्यविशिष्टता) प २३।२१,
 ५८
 इस्सरियविहीणया (ऐश्वर्यविहीनता) प २३।२२,
 ५८
 इह (इह) ज २।६६ उ १।६
 इहं (इह) प १।७५ उ १।१७
 इहगय (इहगत) ज ५।२१;७।२०,२२ से २५,७६,
 ८२

ई

ईतिबहुल (ईतिबहुल) ज १।१८
 ईताल (एकचत्वारिंशत्) सू १।६।८।१
 ईतालीस (एकचत्वारिंशत्) सू १।३।१४
 ईतालीसक (एकचत्वारिंशत्क) सू १।३।१७
 ईरियासमिय (ईर्यासमित) ज २।१६८

ईसर (ईश्वर) प २।४७।२;१६।४१ ज २।२५;
 ३।१२६।३;५।१६ उ १।६२;५।१०
 ईसर (ऐश्वर्य) ज १।४५;३।१०,१८५,२०६,२२१
 ईसाण (ईशान) प १।१३५;२।४६,५।१,५३,६३;
 ३।३०,१८३;४।२२५ से २३६;६।२८,५६,६५,
 ८५,१११;१।५।१३८;२।०।६०;२।०।७६;३।१।६,
 १८ ज २।६१ से ६३,११३,११६;४।१७२,
 २००,२२१;२।४।१,२३५,२४०,२४२,२४३;
 ५।४८,५६,६०;७।१२२।१ सू १।०।८।१
 उ २।२०,२२;५।४१
 ईसाणकल्पवासि (ईशानकल्पवासिन्) प २।५१
 ईसाणग (ईशानज) प २।५१;६।६५;७।६;१।५।८७;
 २।१।७०,६०;३।३।१६ ज ५।४६
 ईसाणवडेंसग (ईशानावतंसक) प २।५५,५७
 ईसाणवडेंसय (ईशानावतंसक) प २।५१
 ईसि (ईषत्) प २।३१,६४;१।७।१३४;२।३।६५
 ज ३।१०६,१७८;४।५४;५।५,२१,३८,५८;
 ७।१७८
 ईसिउच्छंग (ईषदुत्सङ्ग) ज ३।१७८
 ईसिणिया (ईशानिका) ज ३।११।१
 ईसितुंग (ईषत्तुङ्ग) ज ३।१७८
 ईसिदंत (ईषद्वान्त) ज ३।१७८
 ईसिमत्त (ईषन्मत्त) ज ३।१७८
 ईसीपन्भारा (ईषत्प्राग्भारा) प २।६४;१।०।१,२;
 २।१।६०;३।०।२६,२८
 ईसीहस्सपंचखल्लचारणद्धा (ईषद्दहस्वपञ्चाक्षरो-
 च्चारणाध्वन्) प ३।६।६२
 ईहा (ईहा) प १।५।५।८।२;१।५।६७ ज ३।२२३
 ईहामइ (ईहामति) उ १।३१
 ईहामिग (ईहामृग) ज २।३७,१।०।१;४।२७

उ

उ (तु) प १।४।८।६ ज १।४७ सू १।७ उ १।७
 उईर (उदीरण) प १।४।८।६।१
 उउ (ऋतु) ज २।६६;३।११।७।१;७।१११,११२।५,
 १२६, १२७ उ ५।२५

उउय (ऋतुक) प २।४१
 उंवर (उदुम्बर) प १।३६।१ उ ३।७४,७६
 उंवेमरिया (दे०) प १।३५।२
 उक्कड (उत्कट) प १।५० ज ३।३१
 उक्कर (उत्कर) ज ३।१२, १३, २८, ४१, ४६, ५८,
 ६३, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 उक्करिया (उत्करिका) प १।१७८; १।३।२५
 उक्करियाभेद (उत्करिकाभेद) प १।१७८, ७६
 उक्करियाभेय (उत्करिकाभेद) प १।१७३
 उक्कलिया (उत्कलिका) प १।५०
 उक्कलियावाय (उत्कलिकावात) प १।२६
 उक्का (उल्का) प १।२६
 उक्कामुह (उल्कामुह) प १।८६
 उक्कालिय (उत्कालिक) ज ५।७
 उक्कट्ट (उत्कृष्ट) ज २।६०; ३।१२, २६, २८, ३६,
 ४१, ४७, ४६, ५६, ५८, ६४, ६६, ७२, ७४, ११३,
 १३८, १४५, १४७, १६८, २१२, २१३; ५।५, ४४,
 ४७, ६७; ७।५५ उ १।१३८; ३।१२७
 उक्कट्टि (उत्कृष्टि) ज ३।२२, ३६, ७८, ६३, ६६,
 १०६, १३३, १६३, १८०
 उक्कण (उत्कीर्ण) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।८२
 उक्कित्तिता (उत्कीर्तिता) मू २।०।६।१
 उक्करिज्जमाण (उत्कीर्णमाण) ज ४।१०७
 उक्कुट्ट (उत्कृष्ट) सू १।६।२३
 उक्कुडुयट्ठिय (उत्कुट्टकस्थित^१) ज २।१३३
 उक्कुडुडिया (दे०) उ १।५४ से ५७, ५६, ६३, ७६ से
 ८२, ८४
 उक्कुला (उत्कूला) सू १।०।६
 उक्कूवमाण (उत्कूवत्) उ ३।१३०
 उक्कोस (उत्कर्ष) प १।७४; २।६।१६; ४।१ से
 ६७, ६६ से २६६, २६८; ५।४२, ४६, ७६, ६४,
 ६८, ११२, ११६; ६।१ से १८, २० से ४५, ६०,
 ६१, ६४, ६६ से ६८, १२०, १२१, १२३; ७।२, ३,
 ६ से २६; ११।७०, ७१; १२।६; १५।४० से ४२;

१७।१४५, १४६; १८।२ से ४, ६, ८ से १०, १२,
 १४ से १६, १८ से २४, २६ से २८, ३० से ३६,
 ४१ से ५४, ५६, ५७, ५६ से ६७, ६६ से ७४,
 ७६ से ७६, ८१, ८३ से ८५, ८७, ८६ से ९१,
 ९३, ९५, ९६, ९८, १०३ से १०५, १०७, १०८,
 ११०, ११३, ११४, ११६, ११७, ११९, १२०;
 २०।६ से १३, ६१, ६३; २१।३८, ४० से ४४,
 ४६ से ४८, ६३ से ७१, ७४, ८४, ८६, ८७, ९०
 से ९३; २३।६० से ७६, ८१, ८३ से ९२, ९५ से
 ९६, १०१ से १०४, १११ से ११४, ११६ से
 ११८, १२७, १२९ से १३१, १३३ से १३५,
 १३८, १४०, १४२, १४३, १४७, १५१ से १५५,
 १५७, १५८, १६० से १६२, १६४ से १६६,
 १७१ से १७३, १७६, १७७, १८०, १८३, १८६,
 १८७, १९०; २२।२, २७, ४७, ५०, ७३ से ९६;
 ३३।२ से ३३, १५ से १७; ३६।८ से १०, १७,
 १८, २०, ३०, ३४, ४४, ६१, ६६, ६८, ७०, ७२, ७४,
 ७६ ज २।६, ४७, ४५, ५८, १२३, १२८, १३३,
 १४८, १५१, १५७; ४।१०१; ७।५७, ६०, १८२,
 १८७ से १६६, २०६ सू १।८।२०, २५, ३६;
 १६।२५ उ २।२०, २२; ३।१३०

उक्कोसकालठिईय (उत्कर्षकालस्थितिक)

प २३।२००

उक्कोसकालठितीय (उत्कर्षकालस्थितिक)

प २३।१६४ से १६६, १६८ से २०१

उक्कोसग (उत्कर्षक) प १७।१४५, १४६; २३।१८४

उक्कोसगुण (उत्कर्षगुण) प ५।३८, ६०, ७५, ६०,

१०८, १६१, १६४, १६८, २०१, २०४, २०८,

२१२, २१५, २१६, २२२, २२५, २४३

उक्कोसट्ठिईय (उत्कर्षस्थितिक) प ५।१८५

उक्कोसट्ठितीय (उत्कर्षस्थितिक) प ५।३५, ५७,

७२, ८३, १०५, १७५, १७८, १८२, १८८, २४०

उक्कोसपएस्थिय (उत्कर्षप्रदेगिक) प ५।२२६, २३०

उक्कोसपद (उत्कर्षपद) प १।२।३२

उक्कोसपय (उत्कर्षपद) ज ७।१६८, १६६, २०२,
 २०४

१. अस्थिक इत्यपि भवति विकलने ।

उक्कोसमति (उत्कर्षमति) प ५।६४

उक्कोसमदपत्त (उत्कर्षमदप्राप्त) प १।७।१३४

उक्कोसय (उत्कर्षक) प १।५।६४; २।१।१०५

ज ७।२६ सू १।१६, १।७, २।१, २।२, २।४, २।७; २।३;
३।२; ६।१; ८।१; ९।२; २०।३

उक्कोसा (उत्कर्षक) प १।७।१४६

उक्कोसिया (उत्कर्षिका) ज २।७४ से ८०; ७।२८

सू १।१४, २।१; २।३; ४।६; ६।१

उक्कोसोगाहणक (उत्कर्षविगाहणक) प ५।२०

उक्कोसोगाहणय (उत्कर्षविगाहणक) प ५।२६;

३०, ५०, ५४, ६६, ८४, १०२, १५५, १५८, १६०,
१६४, १६७, १७०, २३५

उक्खित्त (उत्क्षिप्त) ज ५।५७

उक्खेव (उत्क्षेप) ज ५।४६, ६०, ६६

उग्ग (उग्र) प १।६५ ज २, १६५

उग्गच्छ (उद्गत्य) ज ७।१०१, १०२ सू ८।१

उग्गतव (उग्रतपम्) ज १।१

उग्गमण (उद्गमन) ज ७।३६ से ३८ सू २।३;

६।२

उग्गममाण (उद्गच्छत्) प १।८८।५२

उग्गय (उद्गयन्) ज १।३७; ३।२४; ४।२७; ५।२८

उग्गवई (उग्गवती) ज ७।१२१ सू १०।६१

उग्गविस (उद्गविष) प १।७०

उग्गसेण (उग्गमेन) उ ५।१०

उग्गह (अवग्रह) प १।५।६८, ७१, ७२

उग्गा (दे०) ज २।१७

उग्घोस (उद्घोष) ज २।६५

उग्घोसेमाण (उद्घोषयन्) ज ३।२।२२, २१३;

५।२२, २६

उच्च (उच्च) उ ३।१००, १३३

उच्चंतय (उच्चंतय) प १।७।२२४

उच्चत्त (उच्चत्व) प २।१।७।२ ज १।८

से १०, १६, २२ से २४, २७, ३५, ३७, ३८, ४०,
४२, ४६, ५१; २।६, १।५, ४।५, ५।१, ५।४, ५।६, ५।८,
८।१, १२३, १२८, १३८, १४०, १४८, १५१, १५७,
१५६, ४।१, ६, १०, १४, ३३, ४५, ४७ से ४६, ५४,

५७, ५९, ६२, ८०, ८४, ८६, ९६, १०१, १०३,

११०, ११२, ११४, ११५, ११६ से १२२, १२५,

१२८, १३६, १४२, १४६, १४७, १४९, १५५,

१५६, १६३ से १६५, १७२, १७५, १७८, २०३,

२१२, २१६, २१७, २१९, २२१, २२६, २४२;

५।२८, ४६, ७२, ७३; ७।३७, ३८, २०७ चं २।५

सू १।६।५; ६।२, ३; १८।१

उच्चत्तच्छाया (उच्चत्वच्छाया) सू ६।४

उच्चत्तपञ्जव (उच्चत्वपर्वव) ज २।५।१, ५।४, १२१,

१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,

१६३

उच्चत्तुद्देस (उच्चत्वोद्देश) सू ६।२

उच्चत्तगोय (उच्चत्वगोत्र) प २।३।२१, ५।७, ५।८,

१३१, १५३, १८८

उच्चत्तार (उच्चत्तार) प १।८४

√उच्चत्तार (उच्च्-चारय्) उच्चत्तारेइ उ ३।७६

उच्चत्तारपासवणखेलजल्लसिघाणपरिट्ठवणियासमिय

(उच्चत्तारप्रसवणध्वेल 'जल्ल' 'सिघाण'

परिष्ठापनिकासमित) ज २।६८

उच्चत्तारपासवणखेलसिघाणजल्लपरिट्ठवणियासमिय

(उच्चत्तारप्रसवणध्वेल 'सिघाण' 'जल्ल' परिष्ठा-

पनिकासमित) उ ३।६६

उच्चत्तारेतव्व (उच्चत्तारयितव्व) सू १०।१३५

उच्चत्तारेयव्व (उच्चत्तारयितव्व) ज ७।१६८

सू १०।१३४

उच्चत्तारवय (उच्चत्तारवच) प ३।४।२३, २४ उ १।५।७,

८२; ५।४३

उच्चत्तारविय (उच्चत्तारकृत्वा) प १।७।१११

उच्चत्तारंग (उत्सङ्ग) उ ३।६८, ११४

उच्चत्तारण (उत्सन्न) ज २।८, ६

उच्चत्तारणणाणि (उत्सन्नजानिन्) प २।३।१३

उच्चत्तारणवत्तणि (उत्सन्नदशनिन्) प २।३।१४

उच्चत्तारह (उत्साह) सू २०।६।३, ५

उच्चत्तारहसरीर (उत्क्षिप्तसरीर) ज १।५

√उच्छोल (दे० उत्च्-क्षालय्) उच्छोलेंति

ज ५।५७
 उजुसेदि (ऋजुश्रेणि) प ३६।६२
 उज्जय (उद्यत) ज २।१३३
 उज्जल (उज्ज्वल) ज १।३७; ७।१७८
 उज्जाण (उद्यान) ज २।६५, ७१; ५।५, ७ उ ३।३६;
 ५।६, ७, २४, २६, ३७
 उज्जाणसंठित (उद्यानसंस्थित) सू ४।३
 √उज्जाल (उत् + ज्वाल्य्) उज्जालंति ज ५।१६
 उज्जालेइ उ ३।५१ उज्जालेति ज २।१०८
 उज्जालेह ज २।१०७
 उज्जालिस्ता (उज्ज्वात्य) ज ५।१६
 उज्जालेता (उज्ज्वात्य) उ ३।५१
 उज्जु (ऋजु) प २।३१ ज २।१५
 उज्जुय (ऋजुक) ज २।१५
 उज्जुसुय (ऋजुसूत्र) प १६।४६
 उज्जोइय (उद्द्योतित) प २।४६ ज ३।६, १८, ६३,
 १८०, २२२
 उज्जोत (उद्द्योत) प० २।४१, ५६, ६६
 उज्जोय (उद्द्योत) प २।३०, ३१, ४६, ५६, ६३
 ज १।८, ३१; ३।६३, १२१; ५।३२
 √उज्जोय (उद् + द्योतय्) उज्जोएति सू १६।१
 उज्जोएति सू १६।१
 उज्जोयकर (उद्द्योतकर) ज ३।६५, ६६, १५६, १६०
 उज्जोयणाम (उद्द्योतनामन्) प २।३।३८
 उज्जोयभूय (उद्द्योतभूत) ज ३।६६, १६०
 √उज्जोव (उत् + धृत्) उज्जोवेइ ज ४।२११
 उज्जोवेति ज ७।५१, ५८ सू ३।१ उज्जोवेति
 सू ३।२
 उज्जोवणाम (उद्द्योतनामन्) प २।३।११५
 उज्जोविय (उद्द्योतित) ज २।१६ उ १।५६, ८१
 उज्जोवेमाण (उद्द्योतयत्) प २।३०, ३१, ४१, ४६
 √उज्ज (उज्ज्) उज्जइ उ १।५५ उज्जाहि
 उ १।५४
 उज्जर (उज्जर) प २।४, १३, १६ से १६, २८
 उ ५।५

उज्जरबहुल (निर्भरबहुल) ज १।१८
 √उज्जाव (उज्ज्य) उज्जावेसि उ १।५७
 उज्जावित्तए (उज्जयित्तुम्) उ १।५४, ५६
 उज्जिज्जमाण (उज्ज्यमाण) उ १।५६, ६३, ८४
 उज्जित (उज्जित) उ १।५६, ८१
 उज्जिय (उज्जित) उ १।५७, ८२
 उट्ट (उट्ट) प १।६४; १।१।१६ से २० ज २।३५
 √उट्ठा (उत् + ष्ठा) उट्ठेइ उ १।२४
 उट्ठेति ज ३।११४, १२६ उट्ठेति ज १।६
 उट्ठा (उत्था) उ १।२४
 उट्ठाण (उत्थान) प २।३।१६, २० ज २।५१, ५४,
 १२१, १२६, १३०, १३५, १३८, १४०, १४६,
 १५४, १६०, १६३ सू २०।१, ७; ६।३, ५
 उट्ठाण (उत्थाय) ज १।६
 उट्ठिय (उत्थित) ज ३।१।८८ उ ३।४८, ५०, ५५,
 ६३, ६५, ७०, ७४, १०६, ११८
 उट्ठेत् (उत्तिष्ठत्) ज ३।३५
 उट्ठेत्ता (उत्थाय) ज १।६ उ १।२४
 उड्य (उटज) उ ३।५१, ५३
 उडिय (दे०) ज ७।१७८
 उड्ड (ऋतु) सू ६।१; ८।१; १०।१२८, १२९; १२।१,
 ४, ११, १२, १४, १५; १५।२० से २२
 उड्ड (उड्ड) सू १०।१२६।१, ५
 उडुकल्लाणिया (ऋतुकल्याणिका) ज ३।१७८,
 १८६, २०४, २१४, २२१
 उडुपाण (उडुपान^१) प १।५।१२; १।५।५०
 उड्ड (उड्ड) प १।८६
 उड्ड (ऊर्ध्व) प २।४, ४८ से ५३, ६०, ६३, ६४;
 ११।६५, ६६; ११।६६।१; १५।५२; २।१।८७,
 ९० से ९३; २।१।५, १६, ६१, ६२; ३।३।१६,
 १७; ३।६।६२ ज १।८ से १०, २५, २८, ३२,
 ३५, ३७, ३८, ४०, ४२, ५१; २।६, ५६, ८६, १२३,
 १२८, १४८; ३।१।३१, १३२, ४।१, ६, १०, २३,
 ४५, ४७, ५७, ५९, ६२, ८६, १०१, १०३, ११०,
 ११२, ११४, ११५, ११६ से १२२, १२८, १३६,
 १. उड्ड (जलम्) आष्टे पृ० ४०१

१४२,१४६,१४७,१५५,१५६,१६३ से १६५,
१७५,१७८,२०३,२१२,२१६,२१७,२१९,
२२१,२२६,२३४,२४० से २४२;५६४;
७४४,५४,१६८१,२०७ सू २११;४१०;
६१३;१८१;१६१२१२;१६१२३ उ १६७;
२११२;३५०;५४१

उड्डजाणु (ऊर्ध्वजाणु) ज १५; २८३ उ १३
उड्डत्त (ऊर्ध्वत्त) प २८२४,२६
उड्डदिसा (ऊर्ध्वदिशा) प ३१७६,१७८
उड्डमुह (ऊर्ध्वमुख) ज ३३; १७१६८
उड्डलोग (ऊर्ध्वलोक) ज ५६,६७
उड्डलौय (ऊर्ध्वलोक) प २१,४,१०,१३,१६ से
१९,२८; ३१२५,१२७ से १७३,१७५,१७७
उड्डवाय (ऊर्ध्ववात) प १२९
उड्डामुहकलंबुयापुष्पसंठाणसंठित
(‘उड्डी’मुखकलम्बुकपुष्पसंस्थानसंस्थित)
सू १६१२३
उड्डीमुहकलंबुयापुष्पसंठित (‘उड्डी’मुखकलम्बुक-
पुष्पसंस्थित) ज ७३१,३३,३५ सू ४३,४,६,
७,९

उड्ढोववण्णग (ऊर्ध्वोपपन्नग) ज ७५५ सू १६१२३,
२६
उण्णविज्जमान (उन्नन्धमान) ज ३१८६,२०४
उण्णय (उन्नत) ज २१५; ३१०९,१३८;४१३३;
७१७८ सू २०७
उण्णाय (उन्नाक) उ ५४३
उण्ह (उष्ण) प १७११४१,१७१३८; २८२६
उ ३१२८
उतालीस (एकोनचत्वारिंशत्) सू १२२०
उत्तत्त (उत्तप्त) प २४०१९
उत्तम (उत्तम) प २४९ ज २१५; ३३,१२,
१२५; ४२६०११; ५१५८ सू ५११
उत्तमकट्ठपत्त (उत्तमकाष्ठाप्राप्त) ज २१७,५२,
१३१,१६१,१६४; ७२६,२८ सू ११४,१६,
१७,२१,२२,२४,२७; २३; ३१२; ४८,९;
६११; ६१२

उत्तमपुरिस (उत्तमपुर) प ६१२६
उत्तमा (उत्तमा) ज ७१२०१ सू ५११; १०८८१
उत्तर (उत्तर) प २१२१ से २७; २७११,२; २३०
से ३६,४४,४८,५१,६०,६१,६२१; २६३;
३११ से ३७,१७६,१७८; १५८५; १८६०
ज १११८,२०,२३,४८; ३११,८२,१२६४,१३१,
१३३,१३८,१५१; ४११,१७,३८,५५,६२,७३,
७६,८१,८६, ९१,९३, ९८, १०३, १०८, ११४,
१२९,१४१ से १४३, १५०, १५६, १६०, १६५,
१६७, १६९, १७२, १७३, १७५, १७७, १७८,
१८०, १८१, १८४, १८५, १८७, १९०, १९१,
१९३, १९६, १९७, १९९ से २०३, २०५, २०८,
२०९, २१३, २२६, २३१, २३४, २३७, २३८,
२४९, २५२, २६२, २६५, २६८, २७१,
२७२, २७४, २७५; ५१११, ३६, ४२; ६१११,
१४, २४; ७५, १५, १७, २४, २५, ६४, ७४, ७६,
७८, ८३, ८४, ८८, ९४, १२७, १२९, १३४, ३,
१३५३, १७४, १७८, २०१, २०४ सू ११५ से
१७, २४, २६ से ३१; २३; १०७५, १३५;
१२१२; १३६, १०; १८१४ से १७; १६८१,
११११; २०१२ उ ३५४, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३;
४११६; ५४१

√उत्तर (उत् + त्) उत्तरइ ज ३१०१, १२६
उत्तरभो (उत्तरतस्) प २४०१४ ज ११८
उत्तरकुरा (उत्तरकुरु) ज ४६९, १०३, १०८ से
११०, १४१, १४३, १६१, १६२, २०५, २१३
उत्तरकुरु (उत्तरकुरु) प १८७; १६३०; १७१६४
ज २६; ४१४२३, १६१२; १६२, २०७,
२६२; ५५५

उत्तरकुक्कूड (उत्तरकुकूट) ज ४१०५, १६३
उत्तरकूल (उत्तरकूल) उ ३५०
उत्तरगुण (उत्तरगुण) प ११४६
उत्तरड्ड (उत्तरार्द्ध) प २५१; ८१
उत्तरड्डकच्छ (उत्तरार्द्धकच्छ) ज ४१६८, १७२,
१७३ से १७६

उत्तरद्वभरह (उत्तरार्द्धभरत) ज ११६,४७ से
५१;३१०३,११३;४१३५

उत्तरद्वभरहकूड (उत्तरार्द्धभरतकूट) ज ११३४
उत्तरलवणसमुद्र (उत्तरलवणसमुद्र) ज ४१२७७
उत्तरद्वलोकाहिवइ (उत्तरार्द्धलोकाधिपति)
ज ५१४८

उत्तरण (उत्तरण) ज ३१७६,११६

उत्तरदारिया (उत्तरद्वारिका) सू १०११

उत्तरदाहिन (उत्तरदक्षिण) ज ११२४;४१०६,
१६४,१६७,१६६,१७८,१८०,१८१,१८५,
१८७,१६१,१६६ से २०१,२०३,२०६,२१५,
२४५,२४८,२५१,२५२ सू ८१

उत्तरदाहिनपयया (उत्तरदक्षिणपयता) ज ११२४;
४१०३,१६२,१६७,१६६,१७८,१८५,१८७,
१६१,२००,२०३,२४५,२५१

उत्तरद्व (उत्तरार्द्ध) ज २१६१

उत्तरद्वभरह (उत्तरार्द्धभरत) ज ११२३

उत्तरपञ्चस्थिम (उत्तरपाश्चात्य) प ३१७६,१७८
ज ३१४३,४४;४१०३,१०६,१५०,२२४,२३१,
२३२ सू २११;२०१२

उत्तरपञ्चस्थिमिल्ल (उत्तरपाश्चात्य) ज ४१२३८
सू ११६६; २११;२०१२

उत्तरपार्श्व (उत्तरप्राची) ज ३१२६

उत्तरपुरस्थिम (उत्तरपौरस्थ) प ३१७६,१७८
ज ११३; ३१६०,६१,१३०,१३१,१४०,१४१,
१६१,१६२,२०४,२०८;४१७,१२०,१३६,
१३६,१५०,१५४,१६२ से १६४,२२१,२२६,
२३३,२३६,५१५,७,३६,४४,५५ चं ७ सू ११२
२०१२ उ ३११३३;४१२०;५१५

उत्तरपुरस्थिमिल्ल (उत्तरपौरस्थ) ज ४१५६,
२३७,२३८;५१४८,४६ सू ११६६

उत्तरपोटवया (उत्तरप्रोष्ठपदा) ज ३१२०६
सू १०६४

उत्तरफल्गुणी (उत्तरफल्गुनी) ज ७१२८,१२६,
१३६

उत्तरभद्रवया (उत्तरभद्रपदा) ज ७१२८,१२६,
१३६,१३६,१४२

उत्तरवेज्विय (उत्तरवैक्यिक) प १५११८,१६;
२१५८,५६,६१,६५ से ६७,७०; ३४१६६,२१
से २३ ज ३१२०६;५१४१

उत्तरवेज्विड (उत्तरवैताड्य) ज ३१८१

उत्तरा (उत्तर) सू १०३२,४५,६०,६२,१२०,
१५३,१५५,१५६,१५८; १११२,४ से ६;
१२२४ से २८ ज ७११३३ उ ३५५,६३,६५,
६७,७०,७४

उत्तरापोटवया (उत्तरप्रोष्ठपदा) सू १०५,६,२१,
२३,६५,७५,८३,६७,१३१ से १३५

उत्तराफल्गुणी (उत्तरफल्गुनी) ज ७१४०,१४८,
१५१,१६३,१६४ सू १०१२ से ६,१५,२३,७०,
७१,७५,८३,११०,१३१ से १३३

उत्तराभद्रवया (उत्तरभद्रपदा) ज ७१४६,१५७,
१५८ सू १०१२ से ६,१३१

उत्तराभिमुह (उत्तराभिमुख) उ ३१५५,६३,६७,
७०,७३

उत्तरासंग (उत्तरासङ्ग) ज ३१६;५१२१

उत्तरासाढा (उत्तरापाढा) ज २१७१,८५; ७१२८,
१३०,१३६,१४०,१४६,१५६,१६७ सू १०१
से ६,१६,२३,५४,६२,६३,७४,८३,११६,
१२२,१२३,१३० से १३५; १५६,१२

उत्तरिञ्ज (उत्तरीय) ज ३१६,२२२

उत्तरित्तु (उत्तीर्य) ज १११८१

उत्तरिय (औत्तरिक) प ३६२१,२२,२४,२६,२७,
४६

उत्तरिल्ल (औदीच्य) प २३३,३६,३६,४०,४४,
४७; १६३३४ ज ११२६; २११६६; ३११०२,
१०६,१३३,१३७,१५४ से १५७,२०५,२१५,
२२०; ४३८,४२,७३,७७,६१,६४,१७२,
१६६ से २०२,२०६,२०७,२१२,२३२,२३३,
२३८,२४८,२५१; ५१११,१४,४४,४५,५२,
७१७८ उ ३१६१

उत्तरोद्ध (उत्तरोद्ध) ज २।१५
 उत्ताण (उत्तान) उ ३।१३०
 उत्ताणय (उत्तानक) ज ३।१११,११३ उ १।४६
 उत्ताणय (उत्तानक) प २।६४ उ १।४६
 उत्ताणसेज्ज (उत्तानशय) उ ३।१३०,१३१,१३४
 उत्तासणय (उत्तासणक) प २।२० से २६
 उत्तासणय (उत्तासणक) प २।२७
 उत्तिण्ण (उत्तीर्ण) ज ३।५१
 उत्तिमंग (उत्तमाङ्ग) ज २।१५
 उदग (उदक) ज २।१३१; ३।२६, ३६, ४७, १०६,
 १३३, २२१; ५।५५
 उदगधारा (उदकधारा) ज ३।५५
 उदय (उदय) प २।३।१, १३ से २३ सू १।६।२;
 १।५।१
 उदय (उदक) प १।४।२, १।४६; १०।१।७;
 १६।५४ ज ३।६, २०६; ५।१४, ५६; ७।११२।१,
 २ चं २।२; ४।१, ३ सू १०।१२६।१, २
 उदयसंठिति (उदयसंस्थिति) सू १।६।२; १।५।१, ३
 उदर (उदर) उ १।४३
 उदहि (उदधि) प २।३०।१; २।४०।२, ५, १०;
 १।५।२ ज २।१५; ५।५२
 उदहिकुमार (उदधिकुमार) प १।१३१; ५।३; ६।१५
 उदार (उदार) ज ३।२४, १३१
 उदाहु (उताही) प १०।६; १।५।४६, ४७; ३।४।३
 उ १।१२७
 उदिण्ण (उदीर्ण) प २०।३६; २३।३, १३ से २३
 उदीण (उदीचीन) प २।१०, ५० से ५२, ५४, ५६,
 ५८ से ६० ज १।१५, २०, २३, २५, २८, ३२,
 ४५; ३।१; ४।१, ३, ५, ६, २२, ५६, ५८, ६५,
 १०५, १७२, २०५, २१४, २५२, २६२, २६५;
 ७।१०१, १०२ सू ५।१
 उदीणदाहिणायता (उदीच्यदक्षिणायता) सू १।१६;
 २।१; १०।१४२, १४७; १२।३०
 उदीणवाय (उदीचीनवात) प १।२२
 √उदीर (उद् + ईर्) उदीरति प १।४।१५
 उदीरिस्सति प १।४।१५ उदीरति उ ३।३४

उदीरेंसु प १।४।१५ उदीरति प २।२।५
 उदीरण (उदीरण) ज २।१३१
 उदीरिज्जमाण (उदीर्यमाण) प २।३।१३ से २३
 उदीरिय (उदीरित) प २।३।१३ से २३
 उदु (ऋतु) ज २।४; ७।११२।१
 उदुङ्ग (उदुङ्गक) उ ३।५०
 उदुङ्गिय (उदुङ्गिक) ज ३।३२
 √उदुव (उद् + वृ) उदुवति प ३।६।६२, ७७
 उदुवित्तए (उदुववित्तु) ज ३।११५
 उदुवित्ता (उदुवित्तु) ज ६।४
 उदुवाल (उदुवाल) ज २।५
 उदुवाल (अवदाल) ज ४।१३ सू २०।७
 √उदुवाल (आ + छिर्) उदुवाले उ १।१०५
 उदुवालेउकाम (आच्छेत्तुकाम) उ १।१०५
 उदुवित्ठ (वे०) सू १।६।२।२।२५
 √उदुविस (उत् + दिश्) उदुविसति उ ५।४५
 उदुविसिय (उदुविस्य) प १६।५१
 उदुविसयविभक्तगति (उदुविस्यप्रविभक्तगति)
 प १६।३५, ५१
 उदुविस (उदुविस) ज ७।१०१, १०२
 उदुविसय (उदुविसक) उ ५।४५
 उदुविसय (उदुविसक) प १।७।१७५
 उदुविसिवा (वे०) प १।५०
 उदुव (उदुव) प २।३।२४ ज १।१६, २३, २४; २।६,
 ५५, ६५, १५७
 √उदुवस (उत् + धृष्) उदुवसति उ १।५७
 उदुवसणा (उदुवसणा) उ १।५७, ५८
 उदुवसेत्ता (उदुवस्य) उ १।५७
 उदुवत (उदुवत) ज २।६५
 उदुविय (उदुवित) ज ३।२२१
 उदुवत (उदुवत) प २।४५
 उदुवय (उदुवत) प २।३०, ३१, ४१ ज २।६०; ३।७;
 २।४।३, २६, ३।७।१, ३६, ४।५।१, ४७, ५६, ६४,
 ७२, ८५, ११३; १३।१।३, १३५, १४५, १७५;
 १. हेम० ४।१२५

४४६; ५१५, ७, ४३, ४४, ४७, ६७ सू २०१७
 उद्धर (उद्धर) ज ५१५; ७११७८
 उद्धुवमाण (उद्धुवमाण) ज ३१६, ३१, ६३, १८०
 उ ५१६
 √उपगच्छ (उप+गम्) उपगच्छति ज ३१६७१४
 उपचयंकर (उपचयङ्कर) ज ३१६७
 उपरिल्ल (उपरितन) सू १८१७
 उपसंत (उपशान्त) प २०३६
 उप्पइत्ता (उत्पत्य) प २४८ से ६३ ज १२५
 सू २११; १८१
 √उप्पज्ज (उत्+पद्) उप्पज्जइ सू ६१
 उप्पज्जंति ज २१६७
 उप्पज्जंत (उत्पद्यमान) ज ३१६७१५
 उप्पज्जय (उत्पद्यक) ज ३१३
 उप्पड (उत्पट) प ११५०
 उप्पणमिस्सिया (उत्पन्नमिश्रिता) प ११३६
 उप्पणविगयमिस्सिया (उत्पन्नविगतमिश्रिता)
 प ११३६
 उत्पत्ति (उत्पत्ति) प १६३१६; १४५; ३६१६४
 ज ३१६७३३, ६, ८, १०
 उत्पत्तिया (औत्पत्तिकी) उ १४१, ४३
 उत्पन्न (उत्पन्न) ज ३१२६, ३६, ४७, ५६, १३३,
 १३८, १४५, १७५; ५१३, २२
 उत्पन्नकोउहल्ल (उत्पन्नकुतूहल) ज १६
 उत्पन्नसंसय (उत्पन्नसंशय) ज १६
 उत्पन्नसड्ढ (उत्पन्नश्रद्धा) ज १६
 उत्पयनिवय (उत्पातनिपात) ज ५१५७
 √उत्पय (उत्+पत्) उत्पयंति ज ५१५७, ६४
 उत्पल (उत्पल) प १४६, १४८, १४४, १६२;
 १५१, ५१२ ज १५१; २४, १६; ३१३, ८६,
 १८८, २०६; ४३, २२, २५, ३०, ३४, ६०, ११३,
 २६६, २७२; ५१५, ५६; ७१७८
 उत्पलंग (उत्पलाङ्ग) ज २४
 उत्पलहत्थयय (हस्तगतोत्पल) ज ३१०
 उत्पला (उत्पला) ज ४१५५१, २२२

उत्पलिणीकंद (उत्पलिनीकन्द) प १४८, ४२
 उत्पलगुम्मा (उत्पलगुल्मा) ज ४१११५१, २२२
 उत्पलुज्जला (उत्पलोज्ज्वला) ज ४११५११, २२२
 उप्पाइय (औत्पातिक) ज ३१०४, १०५, १०६
 उप्पाएत्ता (उत्पाद्य) प २८२०, ३२, ६६
 √उप्पाड (उत्+पाद्य्) उप्पाडेज्जा प २०११७,
 १८, ३२ से ३४, ४७
 उप्पाय (उत्पाद्य) प ११५०
 √उप्पाय (उत्+पाद्य्) उप्पाएति ज २३६, ४१
 उप्पि (उपरि) प २४२ से ६२ ज ११०, १२,
 १४, १६ सू १२३०; १८२, ३ उ १४६; २१६;
 ५१३, २०, २७, ३१
 उप्पीलिय (उत्पीडित) ज ३१७७, १०७, १२४
 उ ११३८
 उप्फिडिय (उत्फिटय) प १६४४
 उप्फेत्त (दे०) प २३०
 उब्बहिया (उद्वाह्य) प १६५४
 उब्भट (उद्भट) ज २१३३
 उब्भज्जमाण (उद्भिद्यमान) ज ४१०७
 उब्भओ (उभयतस्) ज १२३, २५, २८, ३२;
 ३१७६; ४११, १३, ३६, ४३, ६२, ७२, ७८, ८६,
 ९५, ९८, १०३, ११०, १८३, २००, २०१, २०६;
 ५१४६, ६०, ६६; ७३३, ३३ सू ४३, ४, ६; २०१७
 उब्भय (उभय) ज ३३
 उब्भयभाग (उभयभाग) सू १०४, ५
 उम्मज्जग (उम्मज्जक) उ ३१५०
 उम्मतजला (उम्मतजला) ज ४२०२
 उम्माण (उम्मान) ज ३६५, १३८, १५६, १६७, ३
 उम्मिमालिणी (ऊम्मिमालिनी) ज ४२१२
 उम्मिलिय (उम्मीलित) प २४८ ज ३१८८;
 ४४६
 उम्मुक्क (उम्मुक्त) प २६४, २१ ज ३२०, ३३,
 ५४, ६३, ७१, ८४, १३७, १४३, १६७, १८२
 उम्मुगजला (उम्मुक्तजला) ज ३६७ से १०१,
 १६१

उयर (उदर) उ १३४,४०,४६,४८,४९,५१,५४,
७४,७६,७९

उर (उरस्) ज ५१५ उ ३११४

उरग (उरग) प ६१८०१ ज ३१२४

उरत्थ (उरःस्थ) ज ३१३९

उरपरिसप्प (उरःपरिसर्प) प १६७,६८,७५;

४१३१ से १३९;६१७१;२११४ से १६,३५,
४५,६०

उरभ्ररुहिर (उरभ्ररुधिर) प १७११२६

उराल (उदार) प १४४३ गुलू नामक वृक्ष

उराल (दे०) ज ५३८

उरु (उरु) ज २१५,१६;५१५;७१७८

उरुलुंचग (दे०) प ११५०

√उलंघ (उत् + लङ्घ्) उलंघेज्ज प ३६१९१

उल्ल (आर्द्र) ज ३१२२,३६,४४,१२५,१२६

√उल्लाल (उत् + लाल्य्) उल्लालेइ ज ५१२३

उल्लालिय (उल्लाल्य) ज ५१२४

उल्लालेमाण (उल्लालायत्) ज ५१२२

उल्लोडय (उल्लोचित) प २३०,३१,४१ ज १३७;

३१७,१८४

उल्लोच (उल्लोच) ज ४११९९;५१३४,६७

सू २०१७

उल्लोचण (उल्लोचन) उ १४६

उवइय (उपचित) ज ४१२७

उवउज्जिऊण (उपयुज्य) प १६१२०;२२१४५;

३६१३२

उवउत्त (उपयुक्त) प २६४१२,१३;८४ से ११;

१५४८,४९;२६११७,१९,२०;३४१२२

ज ५१२६

उवएसरुइ (उपदेशरुचि) प ११०१११,४

उवओग (उपयोग) १११७;३१११;१५५८१;

१५६३,६४;१८१११;२८१०६१;२६११,५,

८,११,१५

उवओगपरिणाम (उपयोगपरिणाम) प १३१२,१४,

१९

उवंग (उपाङ्ग) उ १४ से ८;२११;३११,२;

४११,३;५११,३,४५

उवकुल (उपकुल) ज ७१३६११,१४१,१४३ से

१४६,१५० से १५३ सू १०६,२० से २२,२५

√उवखड (उपस्कारय्) उवखडवेइ उ ३१११०;

४११६

उवखडवेत्ता (उपस्कार्य) उ ३१५०

√उवगच्छ (उप + गम्) उवगच्छइ ज ३४१

उवगच्छिता (उपगम्य) ज ३४१

उवगय (उपगत) प २६४१४,२० ज ३१२०,३३,

५४,५६,८४,१०५,१०८ से १११,११३,१३७;

५१५,७ उ ११५,२५;३१६८,१०६;५३५

उवगरण (उपकरण) ज २६९ सू २०१४ उ १६३,

१०५,१०६;३१५५,६३,७०,७३

उवगिज्जमाण (उवगीयममान) ज ३१८२,१८७,

१८८ उ ५१२५

उवगच्छाया (उपाग्रछाया) सू ६४

उवघाइय (उपघातिक) प० ११३४१

उवगहिय (औपग्रहिक) प २३६

उवघायणाम (उपघातनामन्) प २३३८,५२,११०

उवघायणिसिमा (उपघातनिश्चिता) प ११३४

उवचय (उपचय) प १५५८१;१५५८,५९

√उवचय (उप + चि) उवचयति प ६१२६

√उवचिण (उप + चि) उवचिण प १४१८१

उवचिज्जति प १४१८१;२११६७

उवचिणति प १४११५

उवचिणिमु प १४११४ उवचिणिस्सति

प १४११६

उवचित (उपचित) प २३१,४१

उवचिय (उपचित) प २३०;२३१३ से २३

ज २१४५,१४६;३१७;४३,२५,२७;७१७८

उवज्जिय (उपाजित) ज ३१८५,२०९

उवज्जाय (उपाध्याय) प १६५१ चं ११२

√उवट्ट (उद् + वृत्) उवट्टेत्ति ज ५११४

उवट्टेत्ता (उद्वृत्य) ज ५११४

✓ उबट्ठव (उप + स्थापय्) उबट्ठवेति ज ३१२०८;
 ५१५५ उबट्ठवेति ज ३११२० उबट्ठवेह
 ज २१५४;३१२०७ उ १११७
 उबट्ठवेत्ता (उपस्थापय्) उ १११७
 उबट्ठाइ (उपस्थापिन्) ज ३१३२१
 उबट्ठाणसाला (उपस्थानशाला) ज ३१५,१२,१७,
 २१,२८,३४,४१,४६,५८,६६,७४,७७,१३५,
 १४७,१५१,१७७,१८८,२१६ उ ११६,४१,
 ४२,१२४;४१२२;५१६
 उबट्ठिण (उपस्थित) उ ११२०
 ✓ उबणी (उप + णी) उबणेइ ज ३१२६,३६,४०,
 ४७,५६,६४,७२,१३३,१४५,१५१ उबणेति
 ज ३१८१,१२६;५१६ उ ११४५ उबणेह
 उ ११४४
 उबणीयअवणीयवण (उपनीतापनीतवचन)
 प १११८६
 उबणीयवण (उपनीतवचन) प १११८६
 उबणेत्ता (उपनीय) ज ३११२६
 उबस्थामिथा (उपस्थानिका) ज ३१२६,३६,४७,
 ५६,१३३,१३८,१४५ उ ३१२३
 ✓ उबवंत (उप + वृन्) उबवंतज्ज ज ५१५७,५८,
 ७२,१४४ ज ३१२२ उबवंतेति ज ५१५७
 उबवंतेति सू २०२२
 उबवंसण (उपवसन्) ज ४१२६,३११
 उबवंसितण (उपवसयित्तुम्) उ ३११२२
 उबवंसित्ता (उपवसय्) उ ३१२१;४१५
 उबवंसिय (उपवसय) प १११२२
 उबवंसिन्ना (उपवसय्) प ५१५८
 उबवंसेमाण (उपवसयत्) प ३४१२२ ज ५१४४
 सू २०३३
 उबवित्ठ (उपविण्ट) प १११०,११४ ज ११३
 ✓ उबदिण (उप + दिण्) उबदिणइ प २१६४
 उबदिसित्ता (उपदिश्य) प २१६४
 उबद्व (उपद्व) ज २१४०;३१२०५
 उबप्पयाण (उपप्रदान) उ ११३१
 उबबूह (उपबृह) प ११२०,१११४

उबभोग (उपभोग) ज २११४६
 उबभोगेतराय (उपभांगान्तराय) प २३३२३
 उबमा (उपमा) प २१३४,११७;३५१२५,२६
 ज ३१२४४;३७२२;४५२२;१३१४४ उ ३१६८
 उबयार (उपचार) प २१३०,३१,४१ ज २११०,
 १५,६५;३१७,१२,८८,१३८;४१६६;५१७,
 ५८;७११३३११ सू २०३७
 उबयारियालयण (उपकारिकालयण) ज ४१११८
 उवरक्खिय (उपरक्षित) प २१३०,३१,४१
 उवरि (उपरि) प २१२१ से २७,३० से ३६,४१
 मे ४३,४६;१२३२ ज १३५;४१५६१,
 २१३,२१६
 उवरितल (उपरितल) ज ४११४२१,२,४१२१३
 उवरिम (उपरितन) प २१२७३,६२११
 उवरिमउवरिमगेवेज्जम (उपरितनोपरितनग्रैवेयक)
 प १११३७;४१२६१ से २६३;७२८;२८१६५
 उवरिमगेवेज्जम (उपरितनग्रैवेयक) प २१६२;
 ३११८३;६४६१,५६;२०१६१;३३११७
 उवरिमगेवेज्जय (उपरितनग्रैवेयक) प २०१६१
 उवरिममज्झिम (उपरितनमध्यम) प २८१६४
 उवरिममज्झिमगेवेज्जम (उपरितनमध्यमग्रैवेयक)
 प १११३७;४१२८८ मे २६०;७२७
 उवरिमहेट्ठिम (उपरितनाधस्तन) प २८१६३
 उवरिमहेट्ठिमगेवेज्जम (उपरितनाधस्तनग्रैवेयक)
 प १११३७;४१२८५ से २८७;७२६
 उवरिल्ल (उपरितन) प २१६४;५११३१,१३४,
 १३६,१४०,१४३,१६६,१६६,१८१,१८४,
 १६३,१६७,२००,२२८,२३४;१६३४;
 २२५१,७०,७१,७४ ज २११३३;४१२५३,
 २५६,२५६;७१७३ से १७५ सू १८११
 उवरिल्लय (उपरितन) प २८११४३
 उवल (उपल) प ११२०१ ज ४१२५४
 उवलद्ध (उपलब्ध) प ११२०,११६ उ ३११०१
 उबलालिज्जमाण (उपलाल्यमाण) ज ३१८२,१८७,
 २१८

उवलित्त (उपलिप्त) ज ३११८४; ५१५७ उ ३१३०,
१३१,१३४

उवलेवण (उपलेपन) उ ३१५१, ५६, ७१, ७६

√ उववज्ज (उप-पद्) उववज्जइ प १७१६५
उववज्जति प ६१४७ मे ५६, ६० मे ६४, ६६
७० से ७२, ७८ जे ११०, ११२, ११३ ज २१४६
सू १७१ उववज्जति प १६१५०; १७१६०, ६२,
६४, ६५, ६६ से १०४ उववज्जिहिइ उ ११४११;
३११८; ४१२६ उववज्जिहिति ज २१३५ मे
१३७

उवनज्जमाण (उपपद्यमान) प २०१६१

उववज्जवेयव्व (उपपादयितव्य) प ६१६२, ६४

उववण (उपपन्न) ज ७१५६, ५६, २१२ सू १६१
२२१२१, १६१२४ उ ११२५ मे २३, १४०;
२११२; ३११४, ८३, १२०, १६१; ४१२४; ५१२८,
३०, ४०, ४१

उववण्णग (उपपन्नक) प ३१३६; १५१४६; ३४११२;
३५१२३

उववण्णपुध्व (उपपन्नपूर्व) ज ७१२१२

उववण्णग (उपपन्नक) प १५१४६; ३४११२

उववाइय (श्रीपपातिक) प ६१७३

उववाएयव्व (उपपादयितव्य) प ६१७३, ७४

उववसत (उपपात) प २०१६०. चं २१५. सू
११६१५; १७१

उववसतगति (उपपातगति) प १६१३७

उववसतसभा (उपपातसभा) उ ३११४

उवववाय (उपपात) प २११, २, ४, ५, ७, ८, १०, ११,
१३, १४, १६, मे ३०, ४६; ६११ मे ४, १० से
२३, २७, ४३, ५६; ६३, ६६, ८०, ८१, ८२, ८३,
८६, ८२, १००, १०३, १०७, १०८; २०१६१.
ज २१०१; ४११४०१, १६०; ७१५७, ६०
उ २१२०, २२; ३११६६

उवववायगति (उपपातगति) प १६११७, २४ से ३५

उवववायसभा (उपपातसभा) ज ४११४० उ ३१८३;
१२०, १६१; ४१२४

उववास (उपवास) ज २११३५

उववेत (उपेत) प १७११३३

उववेय (उपेत) प १७११३४ ज २११४, १८
उ ५१५

√ उवसंकम (उप- सं- कम्) उवसंकमति
सू १११७

उवसंकमिन्ता (उपसंकम्य) ज ७११०, १३, १६;
सू ११११; १४

उवसंत (उपशान्त) प १४१२; २०१३६ ज २१२६,
६८; ५१७. उ ३१३५

उवसंतकसाय (उपशान्तकपाय) प १११००, १०३,
११५, ११६

उवसंपज्जमाणगति (उपसंपज्जमाणगति)
प १६१३८, ४१

उवसंपज्जिणायं (उपसंपद्य) प १६१४०, ४७.
ज ७१५६, ५६. सू १६१२४. उ ३१३; ४१२२

उवसण (उपसर्ग) ज २१६४, ६७; ३१६२, ११५,
११६, १२५

उवसम (उपसर्ग) ज ७१११७, १२२१२.
सू १०१८४१२, ८६१२

उवसामय (उपशामक) प २११६१, १६२

उवसोभिय (उपशोभित) ज १११३, २१, २६, २६,
३३, ४६; २१७, ५७, १२२, १२७, १४७, १५०,
१५८, १६४; ३११७८, १६२; ४११६, ६३, ८२;
५१३२, ३८; ७११७८

उवसोभमाण (उपशोभमान) उ ३१४६

उवसोभेयाथ (उपशोभमान) उ २१८, ६; ५१३८;
७१२१३

उवसोहिय (उपशोभित) ज ४१११४; ५१६७

उवसुसय (उपशुश्रय) उ ३११११, ११८, १४१; ४१२२

उवहाण (उपधान) ज ४११३

उवहि (उपधि) प १४१५

उवहित (उपहित) सू ६१४

उवहाणवेत्ता (उपातिक्रम्य) सू १०११३८

√ उवागच्छ (उप- आ- गम्) उवागच्छइ
ज ११६; २१६०; ३१५, ६, १२, १७, १८, ४१

उ १२; ३२६; ४११; ५१६ - उवागच्छति
 प ३४२२, २३. ज २११६. उ १४५; ५१७
 — उवागच्छति. ज २१६५; ३२८, ३२, ४१,
 ४६, २१६ उवागच्छसि. उ ३१७६

उवागच्छिता (उपागत्य उपागम्य) प ३४२२;
 ज १६. उ० ११६; ३२६; ४११; ५१६

उवागय (उपागत) उ ११२२, १३०; ३१७१, ७६,
 ६६, १०६, १३८; ४१५, १८, १६; ५२६

उवाय (उपाय) प० ११७१; ३६६२ ज ७१०,
 १३, १६, १६, २२ से २५, २७, ३०, ६६, ७२, ७५,
 ७८, ८१, ८४ सू ११४, १६, १७; २१, २४; २७;
 २१३; ६११; १०१४४१, १४६, १४८, १५०
 उ १४१, ४३

उवागय (उपागत) ज २६५, ७१, ८८; ३२२५

√उवे (उप + इ) उवेइ प १३२२२२. उ ३११११
 उवेति ज २११६; ३१२६ उवेह ज ३१२२५

√उव्वट्ट (उद् + कृत्) उव्वट्टति प ६५८, ६८
 उव्वट्टति प १७६१, ६२, ६४, ६५, १००, १०२
 से १०४ उव्वट्टेइ उ० ३११४

उव्वट्ट (उद्वर्त) प २०१११

उव्वट्टण (उद्वर्तन) प ६१११. उ० ३११४

उव्वट्टणया (उद्वर्तन) प ६६, ७

उव्वट्टणा (उद्वर्तना) प ६१८, ६, ४५, ४६, ५६, ६६,
 १००, १०२, १०३, १०७, १०८

उव्वट्टिता (उद्वर्त्य) प ६६६ उ ११४१

उव्विग्ग (उद्विग्ग) प २२० से २७ ज ३११११,
 १२५ उ ११८६; ३११२२; ४१६

उव्विद्ध (उद्विद्ध) ज २६५; ३३१; ५२८

√उव्विह (उद् + व्यध्) उव्विहइ उ १६१

उव्वेह (उद्वेघ) ज० १२३, ५१; ४११, ३; ६, १४;
 २५, ३६, ४०, ४३, ५४, ५७, ६२, ६४, ६७, ७२,
 ७८, ८०, ८४, ८६, ८८, ९०, ९५, १०३, ११०,
 १२८, १४६, १५४, १५६, १७२, १७८, १८३,
 २०३, २१३, २२१, २२६; ७२०७

उव्वेहलिया (दे०) प १४८५०

उसभ (ऋषभ) प २४६ ज० १३७, ५१; २१५,
 ५६, ६२, ६४ से ६७, ७३ से ८६, १०१;
 ४६७; ५२८

उसभकूट (ऋषभकूट) ज० १५१; ३१३५;
 ४१७४, १७५; ६१६

उसभणाराय (ऋषभनाराच) प २३४५, ६५

उसभसेण (ऋषभसेन) ज० २१७४

उसहं (ऋषभ) ज २६३, ६०; ४२७

उसहकूड (ऋषभकूट) ज० १५१, १३५; ४१७५,
 १७६

उसहच्छाया (ऋषभच्छाया) प १६४७

उसहसंघयण (ऋषभसंहतन) ज ३३

उसिण (उष्ण) प १४ से ६; ५५, ७, १२६, १५४,
 २११, २१४, २१८, २२१, २२६; ६११ से ११;
 ११५६, ६०; २८३२, ६६, १०५; ३४१६;
 ३५११ से ३

उसिणजोणिय (उष्णजोनिक) प ६१२

उसिणोदय (उष्णोदक) प १२३

उसीरपुड (उशीरपुट) ज ४१०७

उसु (इषु) ज ३२४, ३७, ४५, १३१ उ १२२,
 १४०

उसुय (इषुक) उ ३११४

√उस्सक्क (उत् + ष्वक्) उस्सक्कति
 प १७१५०, १५२

उस्सण्हसण्हिया (उत्सलक्षणश्लक्षिणका) ज २६

उस्सपिणी (उत्सपिणी) प १२१७, ८, १०, १२,
 १६, २०, २७, ३२; १८३, २६, २७, ३७, ३८, ४१,
 ४३, ४५, ५६, ६४, ७७, ८३, ९०, ९५, १०७,
 १०८. ज २११, ३, ६, १३८, १६१, १६४;
 ७१०१ सू ६११; ८११; ६१२; १७११; २०५

उस्सास (उच्छ्वास) प ११४; १७१११
 उ ५४३

उस्सासणाम (उच्छ्वासनामन्) प २३३८, ५५,
 ११५

उत्सासद्धा (उच्छ्वास'अद्धा') ज २।४
 उत्सासविस (उच्छ्वासविष) प १।७०
 उत्सिय (उच्छ्रित) ज ३।१८४. सू १८।३
 उत्सीसग (उच्छीर्षक) ज ५।६७
 उस्तुक्क (उच्छुल्क) ज ३।१२, १३, २८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 उत्सेह (उत्सेघ) ज १।४०; ३।१२, ८८, १६७।११;
 ४।१०३, १७८; ५।५७, ५८ चं १० उ १।३;
 ३।१२
 उत्सेहंगुल (उत्सेघाङ्गुल) ज २।६

ऊ

ऊण (ऊन) प २।२६, २७।४; २।६४।७; ४।३, ६, ६,
 १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९,
 ४२, ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४, ५८, ६४,
 ६७, ७१, ७४, ७८, ८१, ८७, ९०, ९४, ९७, १००,
 १०३, १०६, १०९, ११२, ११५, ११८, १२१,
 १२४, १२७, १३०, १३३, १३६, १४२, १४५,
 १४८, १५१, १५४, १५७, १६०, १६४, १६७,
 १७०, १७३, १७६, १७९, १८२, १८५, १८८,
 १९१, १९४, १९७, २००, २०३, २०६, २०९,
 २१२, २१५, २१८, २२१, २२४, २२७, २३०,
 २३३, २३६, २३९, २४२, २४५, २४८, २५१,
 २५४, २५७, २६०, २६३, २६६, २६९, २७२,
 २७५, २७८, २८१, २८४, २८७, २९०, २९३,
 २९६, २९९; १।१०; १।५।५७; १।८।९, १०, १२,
 ५९, ६४, ७७, ८१, ८३, ८४, ८९ से ९१, ९५,
 ९६, १०८; २।१।७४; २।३।७६, १५६
 ज १।१।७।१; २।८।५; ४।५।५, ६२; ७।२।७, २६,
 ३० सू १।१४, १६, २१, २३, २४; ६।१; १।५।१८,
 १९, २६, ३४
 ऊणक (ऊनक) सू १।३।२
 ऊणग (ऊनक) प २।३।६६, ८१, ८३ से ८६, ८९,
 ९५ से ९९, १०१ से १०३, १११ से ११४,
 १५२ ज ३।२।२५; १।५।२७
 ऊणय (ऊनक) प २।३।६१, ६४, ६८, ७३, ७५, ७७,

८८, ९०, ९२, १०४, ११७, ११८, १३४, १३५,
 १३८, १४०, १४२, १४३, १५१, १५३, १५५,
 १५७, १६०, १६१, १६४, १६६ से १६८, १७१
 से १७३ ज २।६, १२६, १२४
 ऊताल (एकोनचत्वारिंशत्) सू १।६।४
 ऊतालीस (एकोन चत्वारिंशत्) सू २।३
 ऊरु (ऊरु) उ १।१३८; ३।१।१४
 ऊस (ऊष) प १।२।०।१
 ऊसय (उत्सव) उ १।७।१, ७२
 ऊसविय (उच्छ्रित) ज ५।२।१ सू १।८।८
 √ऊसस (उत् + श्वस्) ऊससति प ७।१ गे ३;
 १।७।२; २।८।२१, ३३, ६७
 ऊसास (उच्छ्वास) प १।४।८।५३ ज० २।४।१
 ऊसिय (उच्छ्रित) प २।४।८; १।५।५२ ज १।४।२;
 २।१।५, १६, ५२, १६१; ३।७, ३५, १०९, १७८;
 ४।६, १४, ३१, ४१, ४६, ६८, ७६, ९३, २२१;
 ५।४।३; ७।१।६९, १७६, १७८ सू १।८।८.
 उ० ३।७

ए

एकादसम (एकादश) सू १०।१२।४।२
 एकावलि (एकावलि) ज ३।२।११
 एकासीद (एकाशीति) ज ४।१।१०
 एकूणवीसतिम (एकोनविंशतितम) सू० १।२।१६
 एक (एक) प १।४।८।५।४ ज १।३।२ सू १०।१।५।७
 एककग (एक) ज ७।१।३।१।१
 एककड (इक्कट) प १।४।१।१ एक तरह का
 सरकंडा जिसकी चटाई बनाई जाती है ।
 एकतीस (एकत्रिंशत्) प ४।२।९१ ज ४।१।१९
 सू २।३
 एकतीसघा (एकत्रिंशद्धा) सू १।३।१४, १६, १७
 एकमेकक (एकैक) ज ५।१
 एकवीस (एकविंशति) प ७।१।९. ज २।६
 सू २।३. उ ५।१०
 एकवीस (एकविंशतितम) प १०।१।४।४
 एकहत्तर (एकसप्तति) ज १।४।८

एककाणउति (एकनवति) सू १११६

एककार (एकादश) व १०१४७३

एककार (एकादशन्) सू १८६६

एककारस (एकादशान्) प १११०११८ ज ११४८.

सू १२१६. उ ११६६

एककारस (एकादश) प १०१४७२

एककारसग (एकादश) ज ७१२३१२

एककारसम (एकादश) प १०१४७१ ज ७१६७

सू १०१७७; १३११० उ १११४, १५, २१, १४०;
३१२६

एककारसविह (एकादशविह) प १६१३, २०

एककारसी (एकादशी) क ७१२५

एककावष्ण (एकवष्णान्) प ७१२६ सू १२२७

एककासी (एकाशीति) सू १६१४

एककासीइ (एकाशीति) ज ४११४३

एककासीत (एकाशीति) सू १६१५

एककासीतिविह (एकाशीतिविह) प० १७१३६

एकककिक्य (एककक) सू १६१२२८

एककूणवीतइम (एकोनविंशतितम) प १४८६६२

एककेक (एकक) प १४८६५८ ज ७१७८१, २.

सू ८१; १६१२२४ से ६

एग (एक) प ११२० ज ११७. सू १११४

उ ११७

एगइय (एकक) प ११७५; १५४५, ४७ से ४६;

१७१३; २०१, ४, १७, १८, २२, २५, २८, २६,
३४, ३८, ३६, ४६, ५०, ५३, ५८; २२५६; २३१६;
३४७ से ६, ११, १२, १५, १६ ज ११२२, ५०,
२५८, ८३, १२३, १२८, १४८, १५१, १५७;
३१०, ११, ८६, ८७, १४४; ४१०१, १८४;
५१२७, ५७; ६१४ उ ११६७; ३११४, १३०,
१३१, १३४, १५१; ५१७, २६

एगओवत्त (एकतोवत्त) प १४६

एगंत (एकान्त) ज ३१६८; ५१५, २६. सू २०१७.

उ १५४ से ५७, ५६, ८३, ७६ से ८२, ८४

एगखुर (एकखुर) प १६२, ६३

एगगुण (एकगुण) प ३१२८; ५१४६, १५०;

११५४, ५६, ५८, ६०; २८७, १०, ५३, ५६

एगग (एकात्र) ज ५१२५

एगजडि (एकजटित्) सू २०१८

एगजीव (एकजीव) प १४७१

एकजीविय (एकजीविका) प १४७१

एगट्ट (एकार्थ) सू १६१२, ४, ६

एगट्टिभाग (एकपट्टिभाग) सू ११४४, १६, २०,
२१, १३

एगट्टिय (एकस्विक) प १३४, ३५

एगट्टिहा (एकपट्टिहा) सू २३

एगषासा (एकनासा) ज ५११०१

एगतओ (एकततम्) उ ११२५

एगतरा (एकनारा) सू १०६२

एगतिय (एकक) प ६११० सू ६११

एगतीस (एकत्रिंशत्) ज ४६२ सू १३११

एगतोनिहसंठिय (एकतोनिषधसंस्थित) सू ४३

एगत (एकत्व) प ११८३, ८५; २२२, २८, २८;

२३८, १२; २४६; २५४; २७२; २८१२४;

१३०, १३१, १३६, १४३, १४५

एगदिसि (एकदिश) ज ७१८८

एगपएसिय (एकप्रदेशिक) प ११४६

एगमेग (एकक) प १०१५; १५१८३, ८४, ८६, ६४ से

६७, १००, १०३ से १०६, १०६, ११४, ११५,

११७, १३५, १४१; ३६८ से ११, १८ से २२,

३०, ३१, ४४, ४६ ज २४; ४६४, ११५, २६२;

६१४, १६, २१, २२; ७१३, १६, १६ से २५,

६६, ७२, ७५, ७८ से ८२, ८४, ८५, ८६, ८८ से

१००, ११४ से ११६, ११६, १७० सू ११८,

२०, २१, २३, २४, २७; २१३; ६१; १०८४, ८५,

८७, ६०, ६१, १२४; १५२ से ४, २६ से ३४;

८८४, २१

एगयओ (एकततस्) ज ३१११

एगराइय (एकपत्रिक) प २१७०

एगलकखण (एकलक्षण) सू १६१२, ४, ६

एगवउ (एकवचस्) प ११२१

एगवयण (एकवचन) प १११८६, ८७
 एगविह (एकविध) प २१३, ६, ६, १२, १५, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३० से १२; २६, २७, २८, २९, ३० से १०
 एगवीस (एकविशति) प ४१२, ६१ सू २१३
 एगसटिठ (एकषष्टि) ज ७१७
 एगसटिठभाग (एकषष्टिभाग) ज ७१२, ७, २६, ३०, ६६, ७२, ७५
 एगसटिठभाय (एकषष्टिभाग) ज ७१६, ६६, ७१, ७२, ७५, ७७
 एगसटिठहा (एकषष्टिधा) ज ७१२, २२, २४, २५
 एगसत्तर (एकसप्तति) ज ४१६६ सू १२१२
 एगसमइय (एकसामायिक) प ३६१६०, ६७, ६८, ७१, ७५
 एगसमइयटिठतीय (एकसमयस्थितिक) प ५११४६, १४७; १११४१
 एगसमयठितीय (एकसमयस्थितिक) प ३१३८१
 एगसाडिय (एकश्राटिक) ज ३१६; ५१२१
 एगसिद्ध (एगसिद्ध) प ११२२
 एगसेल (एकशैल) ज ४११६६, १६७
 एगसेलकूड (एकशैलकूट) ज ४११६८
 एगागार (एकाकार) प ११६०, ७२, ७३, ८०, ८१, ८४; १३१२०; २११७२; २३१५१ से ५३, ५५, ५६, ज ४१२५६
 एगारस (एकादशन्) ज ३११
 एगावण (एकपञ्चाशत्) ज ७१२०
 एगावलि (एकावलि) ज ७११३३
 एगावलिसंठिय (एकावलिसंस्थित) सू १०१५०
 एगासीति (एकाशीति) ज ३१३२
 एगाहृच्च (एगाहृत्य) उ ११२२, २५, २६, १४०
 एगाहिय (एकाहिक) ज २१६, ४३; ७१२५ सू २१३
 एगिदिय (एकेन्द्रिय) प १११४, ४८; ३१४० से ४२, ४४, ४६, १४१ से १४३, १८३; ६१७१, ८३, ८६, ९२, १००, १०२, १०७, ११२; १०१३६; १११३६, ४१, ८०, ८४; १३११६; १५११०३; १६१२७; १७१३६, ५६, ६०, ६२, ८७; १८११४, २०; २०१३५; २११२ से ५, २२ से २५, ३६, ४०, ४६,

५०, ५७, ६४, ७५, ७६, ७६, ८०, ८५, ९४;
 २२१२५, ८२; २३१४०, ८५, १३४, १३५, १३७ से १४०, १४२, १४३, १५०, १५६, १५६;
 २४११३; २६१४, ५, ६; २८११२; २९१६८, ६६, १०२, १०६, ११२, ११५, ११६, १२३, १२६, १२७, १२९, १३२, १३३, १३७ से १४१, १४३; ३४१५, १४; ३५१७; ३६१५६, ६६ ज ३११६७१५, १७८
 एगिदियरयण (एकेन्द्रियरत्न) ज ३११७८, २२०; ७१२०५, २०६
 एगूणजइ (एकोनवति) ज ७११४
 एगूणजति (एकोनवति) ज २१८८ सू ११२७
 एगूणतालीस (एकोनचत्वारिंशत्) सू २१३
 एगूणतीस (एकोनत्रिंशत्) प ४१२८५ सू २१३
 एगूणवण (एकोनपञ्चाशत्) ज २१४६ सू २१३
 एगूणवण (एकोनपञ्चाशत्) प ४१६८
 एगूणवीस (एकोनविशति) प ४१२५७ ज ७१४ सू १११०
 एगूणवीसइ (एकोनविशति) ज १११८
 एगूणवीसइभाग (एकोनविशतिभाग) ज ११२३; ४१८१, ६०, ६८, १६६
 एगूणवीसइभाय (एकोनविशतिभाग) ज १११८, २०, ४८; ४१६८, २००, २०१
 एगूणवीसति (एकोनविशति) ज २१८८
 एगूणसटिठ (एकोनषष्टि) सू १२१६
 एगूणासीइ (एकोनाशीति) ज २१५६
 एगोदिय (एकेन्द्रिय) प १११५; ३१४६
 एगोरुय (एकोरुक) प ११८६
 एजमाण (एजमान) ज ३११०७
 एजमाण (आयत्) उ ११२२, ८६, १४०
 एजमाण (आयत्) ज ४१३५, ४२, ७१, ७७, ९४
 एड (एड्) एडेइ ज ३१६८ एडेति ज ५१५
 एडेत्ता (एलित्वा, एडित्वा) ज ५१५
 एणी (एणी) ज ३११०६
 एत (एतद्) प ११२०

एतारूव (एतद्रूप) प १७१२३ से १२५, १२७,
१२८, १३० से १३२, १३४, १३५
एतात्र (एतावत्) ज २१४
एतावत् (एतावत्) सू १३१०, १३ से १६
एतो (इतर) प १७१३५ उ ३१०१
एत्य (अव) प ११७४ ज १३ चं ७ सू ११२
उ ३१४५
एमेव (एवमेव) प ११०१३
एय (एतद्) प १२६ ज ३१०७ चं २५ सू ११६
उ ११७
एयारूव (एतद्रूप) प १७१२६ ज ११११;
२१७, १८; ३२६, २७, ३६, ४०, ४७, ४८, ५६,
५७, ६४, ६५, ७२, ७३, ११२, १२२, १२३, १३३,
१३४, १३८, १३९, १४५, १४६, १८८, १९५,
१९७; ४१७, १५, २६, १०७, १४६; ५११३, २२
उ ११५, १७, ३४, ४०, ४३, ५१, ५४, ६३, ६५,
७४, ७६, ७९, ९९, १०५; ३२६, ४८, ५०, ५५,
९८, १०६, ११८, १२६, १३१; ५१२३, ३१, ३६,
३७
एरंड (एरण्ड) प १४२१२; १४८४६
एरंडवीय (एरण्डवीज) प ११७८
एरण्वय (ऐरण्वत) प १७१६३ ज २६
एरवत् (ऐरवत्) प १८८
एरव्य (ऐरवत्) प १६३०; १७१६० ज ४१०२;
५१५५; ६९, १३, १९, २० सू ११८, १९
एरव्यकूड (ऐरवत्कूट) ज ४२७५
एरावण (ऐरावण) ज ४१४२३, २०७, २६२;
५११८
एरावणवाहण (ऐरावणवाहन) प २१५०
एरावतिय (ऐरावतिक) सू ११९६
एराव्य (ऐरावत्) ज ४२७४, २८७
एराव्यग (ऐरावत्क) ज ४२५२
एरिस्य (ईदृशक) प २३१९५, १९९, २००
सू २०७ उ ११४०
एरिसिय (ईदृशक) प २३२०१
एलग (एलक) प १९४ ज २३४, ३५

एलय (एलक) प १११९६ से २०
एलबालु (दे०) प १४८४८
एलबालुकी (दे०) प १४०११
एलापुड (एलापुट) ज ४१०७
एलावल्का (एलापत्या) ज ७१२० सू १०८८१
एव (एव) ज ११९६ सू १९११ उ १२
एवइ (एतावत्) प ३६१६०
एवइय (एतावत्) प ३६१५६, ६६, ७४
एवं (एवं) प ११६० ज ११६ चं २५ सू ११५
उ ११४
एवंकरणया (एवंकरण) ज ३१२६
एवंभाग (एवंभाग) सू ११६; १०४
एवंभूय (एवंभूत) प १६४६
एवति (इयत्, एतावत्) प ३६१६७, ७१, ७५
एवतिय (एतावत्, इयत्) प ३६१६६, ६८, ७०, ७३
सू २१२; १९१२१२, ३
एवमेव (एवमेव) प ३४१९६
एवामेव (एवमेव) प २८१०५ ज १२६ सू ३१;
१०१२७ उ १६३
एसणासमिय (एषणासमित) ज २१६८ उ ३१६६
एसणिज्ज (एषणीय) उ ३३६, ३८

ओ

ओअवण (दे० साधन, स्वायत्तीकरण) ज ४२७७
ओइण (अवतीर्ण) उ ११६०, ६१
ओगाह (अवगाह) प ३१८०, १८२; ५१३६ से
१४५; १०१८ से ३०; ११५०, ६२ से ६४,
६९१; १५१११; १५१२, २५; १७१४१;
२८५, १२, १३, २०, ३२, ५१, ५८, ५९, ६६
ज ७४१, ४२, ५०, ५८
√ओगाह (अव + गाह्) ओगाहइ ज ३२२, २६
चं ३२ सू १७२ उ ३५१ ओगाहई
प ११०१६ ओगाहइ ज ३४४
ओगाहणट्ठया (अवगाहन्तार्थ) प ५१५, ७, १०, १२,
१४, १६, १८, २०, २४, २५, २८, ३०, ३२, ३४,
३७, ४१, ४५, ४९, ५३, ५६, ५९, ६३, ६८, ७१,

७४,७८,८३,८४,८६,८९,९३,९७,१०१,१०२,
 १०४,१०५,१०७,१११,११५,११६,११७,
 ११९,१२९,१३१,१३२,१३४,१३६,१३८,
 १४०,१४३,१४५,१४७,१५०,१५४,१६०,
 १६३,१६६,१६९,१७२,१७४,१७७,१७९,
 १८१,१८४,१८७,१९०,१९३,१९७,२००,
 २०३,२०७,२११,२१४,२१८,२२१,२२४,
 २२८,२३०,२३२,२३४,२३७,२३९,२४३;
 १५१३,२६,३१
ओगाहणसंठाण (अवगाहनासंस्थान) प १११६
ओगाहणा (अवगाहना) प ११७४,८४; २१६४४,
 ६ से ९; ५१६९,१३२,१९५; १११७२;
 १५१३,२६,३०,३१,५८,६५; २११११,
 २११३८,४० से ४२,४८,६३ से ६६,६८ से
 ७१,७४,८४ से ९४,१०५ उ ३१८३,१२०,
 १६१; ४२४
ओगाहणाणामनिहत्ताउय (अवगाहनानामनिधत्ता-
 युष्क) प ६११८
ओगाहणाणामनिहत्ताउय (अवगाहनानामनिधत्ता-
 युष्क) प ६११२
ओगाहणानामनिहत्ताउय (अवगाहनानामनिधत्ता-
 युष्क) प ६११९
ओगाहिङ्ग (अवगाह्य) ज ४२४०
ओगाहिता (अवगाह्य) प २२१,२२,२४ से २७,
 ३० से ३२,४१ से ४३; १५१४३,४५,५२
 ज १४६; ४२२१; सू १२२ उ ३५१
ओगाहिता (अवगाह्य) प २२३,३३,३५,३६
ओगिण्हत्ता (अवगाह्य) उ १२; ३२९; ५२६
ओगुण्डिय (अवगुण्डित) ज २१३३
ओग्गह (अवग्रह) उ १२; ३२९,९९,१३२;
 ५१२६
ओघ (ओघ) ज ५२२ से २४
ओघमेघ (ओघमेघ) ज २१४१,१४२,१४५;
 ३११५,११६,१२२,१२४
ओघसण्णा (ओघसंज्ञा) प ८१,२,३
ओघस्सर (ओघस्वर) ज ५१५०,५२

ओचूलग (अवचूलक) ज ३१२५,१२६,१७८;
 ७१७८
ओच्छण (अवच्छन्न) ज २१२,१३; ३१२१
ओट्ठ (ओष्ठ) प २३१,३२ ज २४३; ७१७८
 उ ३११४
ओट्ठावल्लविणी (ओष्ठावल्लम्बिनी) प १७१३४
ओणय (अवनत) ज २१६०
ओत्थय (अवस्तुत) ज ३१९,१८,९३,१८०,२२२
ओभंजलिया (दे०) प ११५१
ओभास (अव + भास्) ओभासइ ज ४२१०
 चं २११ सू १६१ ओभासंति सू० ३११
 ओभासति सू ३२ ओभासेति ज ७४९,५८
ओभास (अवभास) ज १२३; २१२; ४२०१,
 २१४,२४०,२६४,२७० सू २०१,२०१८
ओम (अवम) सू ९३३
ओमंथिय (दे० अवमस्तिक) उ ११५,३५; ३१६८
ओमज्जायण (अवमज्जायन) ज ७१३२११;
 सू १०१०६
ओमत्त (अवमत्त्व) प १५१४४,४५
ओमरत्त (अवमरात्र) सू १२१६,१७१
ओमुइत्ता (अवमुच्य) ज २१६५ उ ३११३
ओमुय (अव + मुच्) ओमुयइ ज २१६५,२२४;
 ५२२१ उ ३११३; ४२०
ओमोय (दे०) ज ३६
ओम्मिमालिणी (ऊम्मिमालिनी) ज ४२११
ओय (ओजस्) चं २२ सू १६१२; ६११; ९३
ओयमि (ओजस्विन्) ज ३१७७,१०९
 ✓ ओधर (अव + तू) ओधरइ उ ११६७
 ✓ ओधव (दे०) ओधवेइ ज ३१७५ ओधवेहि
 ज ३१७६,१२८,१५१,१७०
ओयवण (दे०, साधन, स्वायत्तीकरण)
 ज ३१२९; ४१७७
ओयवित्ता (दे० अश्रीतीकृत्य) ज ३१७१
ओयविय (दे० परिकर्मित) प २३१ ज ४१३
 सू २०१७

ओयवेऊण (दे० स्वायत्तीकर्तुं) ज ३।८१
 ओयवेत्ता (दे० अधीनीकृत्य) ज ३।७६
 ओयसंठिति (ओजःसंस्थिति) सू १।६; ६।१;
 ६।२
 ओयाय (उपयात) उ १।१४, १५, २१, १३६, १३७
 ओयाहार (ओजआहार) प २८।१०४, १०५
 ओराल (दे०, उदार) प ३४।१६, २१, २२ ज १।५;
 २।६४; ३।१८५; ४।१०७ सू २०।७ उ १।४०,
 ४१, ४३, ४४; २।११
 ओरालिय (औदारिक) प १।२१, ३ से ५, ८, ९,
 ११ से १३, १५ से १७, २१, २३, २७ से २९,
 ३२, ३३, ३५, ३६; २।११, ३६, ८०, ८२, १०२,
 १०४, १०५; २।३।४१ से ४४, ८९, ९२; ३।६।२२
 ओरालियामीससरीर (औदारिकमिश्रकशरीर)
 प १।६।१५; ३।६।८७
 ओरालियमीससरीर (औदारिकमिश्रकशरीर)
 प १।६।१, ४ से ७
 ओरालियमीसासरीर (औदारिकमिश्रकशरीर)
 क १।६।१२ से १५; ३।६।८७
 ओरालियसरीर (औदारिकशरीर) प १।२।२३, २७,
 ३२; १।६।१, ४ से ७, १२ से १५; २।१।२ से ५,
 १६ से २५, २८ से ३२, ३६, ३८, ४० से ४२,
 ४८, ७६, ७७, ९५, ९८ से १००, १०४, १०५;
 २।२।३७, ४४, ४५; २।८।१०४, १४१; ३।६।८७
 ओरालियसरीरग (औदारिकशरीरक) प १।२।२०
 ओरालियसरीरघ (औदारिकशरीरक) प १।२।७
 ओरालियसरीरि (औदारिकशरीरिन्)
 प २।८।२, १४१
 ओरोह (अवरोध) ज ५।२२, २६
 ओलंग (अवलम्ब) ज ७।१।७८
 ओलुग (अवहण) उ १।३५
 ओवइय (दे०) प १।५०
 ओवक्कमिया (ओपक्कमिकी) प ३।५।१।१; ३।५।१२,
 १३
 ओवमिय (ओपमिक) ज २।४, ५

ओवम्म (ओपम्य) प २।६।४।८
 ओवम्मसच्च (ओपम्यसत्य) प १।१।३।३।१,
 १।१।३।३
 √ओवय (अव + पत्) ओवयन्ति ज ५।५।७
 ओवयमाण (अवपत्त) ज ५।४।४
 ओववाइय (ओपपातिक) ज २।८।३; ५।५।७
 ओवाय (अवपात) ज २।३।८
 ओवासंतर (अवकाशान्तर) प १।५।५।१
 ओविय (दे०) ज ३।६, २४; ५।२।१, २८
 √ओसक्क (अव + ष्वक्) ओसक्कति
 प १।७।१।५२, १।५।५
 ओसक्कइत्ता (अवष्वक्क्य) सू १।०।१।४।८
 ओसण्ण (अवसन्) प ८।४, ६, ८, १०; २।८।२०,
 २६, ३२, ६६ ज २।१।३।३, १।३।५ से १।३।७
 उ ३।१।२०
 ओसण्णविहारि (अवसन्निविहारिन्) उ ३।१।२०
 ओसत्त (अवसवत्त) प २।३।०, ३१, ४१
 ज ३।७, ८८
 ओसधि (ओपधि) प १।३।३।१, १।४।५ ज २।१।३।१,
 १।४।४ से १।४।६; ३।१।३।३, २।०।६, २।१।१; ५।५।५,
 ५६
 ओसप्पिणी (अवसप्पिणी) प १।२।७, ८, १०, १२, १६,
 २०, २७, ३२; १।८।३, २६, २७, ३७, ३८, ४१, ४३,
 ४५, ५९, ६४, ७७, ८३, ९०, ९५, १०७, १०८
 ज २।१, २, ६, ७, ५२, ५६, १।३।५।१ सू ८।१; ६।२;
 १।७।१; २।०।५
 ओसरित्ता (अपसृत्य) ज ५।५।८
 ओसह (ओषध) उ ३।१।०१
 ओसही (ओषधी) ज ४।२।०।०।१ नगरी का नाम
 ओसा (दे०) प १।२।३
 ओसारिय (उत्सारित) उ १।१।३।८
 ओसोवणी (अवस्वापिणी) ज ५।४।६, ६७
 ओहय (उपहत, अवहत) ज ३।१।०।५, १।०।६, २।२।१
 उ १।१।५, ३।५, ४।१ से ४।४, ७।१; ३।६।८
 ओहस्सर (ओषस्वर) ज २।१।६; ५।५।१
 ओहडिय (अवघटित) ज १।२।४

ओहारिणी (अवधारिणी) प ११११ से ३

ओहि (अवधि) प १११७; १७१०६ से १०८,
११०; ३३१११; ३३११ से १३, १५ से १६,
२६, २७, ३५ ज २१६०, ६३; ३१२, ५६, ८८,
११३, १४५; ५१३; ७१२१, ५८ उ ३१७, ६१

ओहिणाण (अवधिज्ञान) प ५१५, ७; २४, ४१, ४६,
६७, ११५; १७११२, ११३; २०११७, १८, ३४;
२८१३६; २६१२, ६, १७, १६; ३०१२, ६

ओहिणाणारिय (अवधिज्ञानार्थ) प ११६६

ओहिणाणि (अवधिज्ञानिन्) प ३११०१, १०३;
५१४३, ६६ मे ६६, ११४ से ११७; १३११४;
१८१८०; २८१३६; ३०११६ ज २१७६

ओहिदंसण (अवधिदर्शन) प ५१५, ७, ४५, ६७;
२६१३, ७, १७, १६; ३०१३, ७

ओहिदंसणावरण (अवधिदर्शनावरण) प २३११४

ओहिदंसणि (अवधिदर्शनिन्) प ३११०४; ५१४७,
६६, ११७; १८१८७; ३०११६

ओहिनाणपरिणाम (अवधिज्ञानपरिणाम)

प १३१६

ओहिनिगर (अवधिनिकर) ज ३११२, ८८

ओहिय (औषिक) प २१३४, ३७, ४२, ४३, ५०;
४१५५, ६८, ७५, ६१; ६१७३, ७४; १११८२, ८३;
१२१२६, २८, २६, ३२ से ३४, ३६; १५११८,
१६, ३०; १७१२८ से ३०, ३२, ३३, ३५, ५८,
६०, ६२, ६३; २११३१, ३६, ४२, ४४ से ४७,
६१, ७०; २२१२४; २३११७६, १८१, १८५, १६०;
२६११५

क

क (किम्) प १११ ज १४५ सू १६ उ १४

कइ (कति) प १५१५३; १८१४१, २२१४०, ४१,
६०; २५१४ ज १३४; ४२१४ चं २११, ३
सू १६११, ३ उ १६; २११; ४११

कइविह (कतिविध) प १६११; २११७, १३; ३०१२
ज २१५; ७११०४, १०५, १११ से ११३

कइरसार (करीरसार) प १७११२५

कओ (कुतस्) प ६१८२, ६३; १११३०१
ज ७३१

कंक (कङ्क) प ११७६ ज २१३७

कंकगहणी (कङ्कग्रहणी) ज २११६

कंकडग (कंकटक) ज ३१३५, १७८

कंकण (कङ्कण) उ ३११४

कंकावंस (दे०) प १४११२

कंगु (कङ्गु) प १४५१२ ज २३७; ३११६

कंगुया (कंगू) प १४०१२

कञ्चण (काञ्चन) ज १३७; २११५, ७०; ३१२,
२४, ३५, ८८, १०६, ११७; ५१५८; ७१७८

कञ्चणकूट (काञ्चनकूट) ज ४१२०४१

कञ्चणकोती (काञ्चनकोशी) ज ३१७८

कञ्चणम (काञ्चनक) ज ४१४२१

कञ्चणमपद्वय (काञ्चनकपर्वत) ज ४१४२;
६१०

कञ्चणपुर (काञ्चनपुर) प १६३१

कंटक (कण्टक) ज ४१२७

कंटकबहुल (कण्टकबहुल) ज ११८

कंटय (कण्टक) ज २३६

कंटय (कण्टक) ज ३२२१

कंठ (कण्ठ) ज ५१५६; ७१७८

कंठाणुवादिणी (कण्ठानुवादिनी) सू ६१४

कंड (काण्ड) प २४१ से ४३, ४६

कंडावेलु (कण्डावेलु) प १४११२

कंडुइय (कण्डूयित) ज ११३३

कंडुवक (कंडुक) प १४८५०, ६२ भिलावा, तमाल

कंडुरिया (कंडुर) प १४८१२ एक तरह का मरकंडा

कंत (कान्त) प २४१; २८१०५ ज २१५, ६४,
६५; ३६२, ११६, १८५; २०६; ५१२८, ५८

सू २०४ उ १४१, ४४; ३११२, १२८; ५१२२

कंततर (कान्ततर) ज २१८; ४१०७

कंततरिय (कान्ततरक) प १७१२६, १२७, १३३
से १३५ ज २१७

कंतत्त (कान्तत्व) प ३४२०

कंतयरिय (कान्ततरक) प १७१२८

कतस्वरता (कान्तस्वरता) प २३१६
 कन्ति (कान्ति) ज २६५; ३१८६, २०४
 कन्द (कन्द) प १३५, ३६, ४८१, ११, २१, ३१, ३५,
 ६१, ११०१, १२८ ज ४७ उ ३५०, ५१, ५३
 कन्दप्य (कन्दर्प) प २४१
 कन्दप्यि (कान्दपिक) प २०६१ ज ३१७८
 कन्दमाण (क्रन्दत्) उ १६२; ३१३०
 कन्दमूल (कन्दमूल) प १४८१, ६१
 कन्दर (कन्दर) ज २६५; ३३५
 कन्दल (कन्दल) ज ३३५
 कन्दलग (कन्दलक) प १६३
 कन्दलि (कन्दली) प १३७२, १४३१
 कन्दली (कन्द) (कन्दलीकन्द) प १४८४३
 कन्दलीर्थम (कन्दलीस्तम्भ) प ११७५
 कन्दाहार (कन्दाहार) उ ३५०
 कन्दि (क्रन्दित) प २४१
 कन्दिय (क्रन्दित) प २४७१
 कन्दु (कन्दु) उ ३५०
 कन्दुषक (कन्दुक) व १४८५०
 कण (कम्पन) ज ३३५
 कणिल्ल (काम्पिल्य) प १६३२
 कण्वल (कम्बल) प १५१२, १५५१
 कण्वु (कम्बु) प १४८३
 कण्व (कांस्य) प ११२५ ज २२४, ६६ सू २०८
 कण्वणभ (कण्वणभ) सू २०८; २०८३
 कण्वताल (कांस्यताल) ज ३२१
 कण्ववण्णभ (कांस्यवर्णभ) सू २०८
 कण्वीय (कण्वीय) प ११२५
 ककुह (ककुद) ज ७१७८
 ककस (कर्कश) उ ३६८
 कककेयण (कर्कतन) ज ३३५, १०६
 कककोडइ (कर्कोटकी) प १४०२
 ककख (कक्ष) ज० २१५ उ० ३६८
 ककखत्तर (कक्षान्तर) उ ४२१
 ककखड (ककखट) प १४ से ६; २१० से २७;
 ३१८२; ५३५, ७, २०६ से २०८; १३२६;

१५१४, १६, २७, २८, ३२, ३३; २३५०; २८६,
 १०, २०, ३२, ५५, ५६, ६६
 कच्चायण (कात्वायन) ज ७१३२४
 सू १०११७
 कच्छ (कक्ष) ज ४२४८
 कच्छ (कच्छ) ज ३८१; ४१६२१, १६७, १७२१,
 १७७, १७८, १८१, १८४, १८७, १९०, २००;
 ७१७८
 कच्छकूड (कच्छकूट) ज ४१६३, १६४, १८०
 कच्छगावइ (कच्छगावती) ज ४१८५ से १८६
 कच्छगावइकूट (कच्छगावतीकूट) ज ४१८७
 कच्छगावती (कच्छगावती) ज ४१८७
 कच्छम (कच्छप) प १५५, ५७ ज २१३४;
 ४३, २५ सू २०२
 कच्छभी (कच्छभी) ज ३३१
 कच्छविजय (कच्छविजय) ज ४१६३, १६६, १६६
 कच्छा (कक्षा) वराही नामक पीषा, भीगुर
 प १४६; १४८६२
 कच्छु (कच्छु) ज २१३३
 कच्छुल (कच्छुरा) प १३८२
 कच्छुरी (कच्छुरा) प १३७१
 कज्ज (कृ) कज्जइ प २२१०, १५, १६, १८, ४८,
 ५०, ५२, ६७ से ६६, ७२, ८२, ६१ से ६३, ६८,
 ६६ ज ७५२, ५३ कज्जति प १७११, २२,
 २३, २५; २२५१, ७१, ७३, ७४ कज्जति
 प १७२५; २२६, ११ से १४, १७, १६, ४८ से
 ५०, ५२ से ५६, ६१ से ६५, ६७ से ६६, ७१
 से ७४, ७६ से ७६, ८१, ६४, ६७ से ६६
 कज्ज (कार्य) सू १०१२० उ ३१११, ५१, ५६
 कज्जल (कज्जल) प १७१२३
 कज्जलप्यभा (कज्जलप्रभा) ज ४१५५२,
 २२३१
 कज्जोवथ (कार्योपग) ज ७१८६२ सू २०८;
 २०८२
 कट्टु (कृत्वा) प ११७० ज २६४ सू १२०,
 २१ उ ११७

कट्ठ (काण्ठ) प ११८५३० से ३७ ज २१६५,
६६,६८,१३१;३१६८;५१५,१४ से १६
उ ३१५०,५१

कट्ठपाउयार (काण्ठपाउकाकार) प ११६७

कट्ठमुद्दा (काण्ठमुद्दा) उ ३१५५,५६,६३,६४,६७,
६८,७०,७१,७३,७४,७६

कट्ठसेज्जा (काण्ठशब्दा) उ ५१४३

कट्ठा (काण्ठा) सू ११६१३;११६११ से ३

कट्ठाहार (काण्ठाहार) प ११५०

कड (कृत) प २०३६६;२३११३ से २३ ज १११३,
३०,३३,३६;२१७१;४१२ सू १२१२ से ६,१०
से १२ उ ११२७,१४०

कडक्ख (कटाक्ष) ज ७१७८

कडग (कटक) प २३० ज ३१६,६,१७,२६,३६,
४७,५६,६४,७२,६७,१०६,१३३,१३५,१३८,
१४५,१५०,१६१,२११,२२२;५१२१;५८
उ ५१५

कडय (कटक) प २३१,४१,४६ ज ११६;३१६५,
१५६;४६

कडाह (कटाह) प ११८५१४६ कटाहवृक्ष

कडि (कटि) ज ३११७८;७१७८ उ ३१११४

कडिसुत्त (कटिसूत्र) ज ३१६,२२२

कडुगुत्तुम्बी (कटुकुतुम्बी) प १७११३०

कडुगुत्तुम्बीफल (कटुकुतुम्बीफल) प १७११३०

कडुच्छुग (दे०) ज ११४०;४१३३६,२४२

कडुच्छुय (दे०) ज ३१११,१२,८८;४१२१६;
५१५५,५७,५८ उ ३१५०,५५

कडुय (कटुक) प १४ से ६;५१५,७,२०५;
२८१२०,३२,६६, ज २१४५;७१११२१२
सू १०११२६१२

कडिण (कठिन) उ ३१५०

कण (कण) सू २०१८

कणहर (करवीर) प १३८११ ज २११०

कर्णिकार का पेड

कणकण (कणकण) ज ५१२४

कणकणय (कणकणक) सू २०१८

कणग (दे०) ज ३३३५ वाण

कणग (कनक) प ११५१; २१४०१८,६;२१४८

ज ११५,१६,३८; २११५,६४,६८,६६; ३१६,

२४,३५,५६,८१,१४५,१७८,२११,२२२;

४११०,११५; ४११०११,२१७; ५१५८;

७१७८

कणगमय (कनकमय) ज ३१६७११२

कणगरयणदंड (कनकरत्नदण्ड) ज ३११०६

कणगसणाम (कनकसनामन्) ज ७११८६११

सू २०१८१

कणगामई (कनकावती) ज ४१७,१५,२४५

कणगामय (कनकमय) ज ११४६;३११०६,१६७;

४११,११०,१५६

कणगावलि (कनकावलि) ज ३१२११

कणथ (कनक) प ११४१२ पलाश, धनुरा

कणय (दे०) ज ३३११

कणय (दे०) सू २०१८ एक ग्रह का नाम

कणयर्दंडियार (कनकदण्डिकार) ज ३३३५

कणयमय (कनकमय) ज ११४६११

कणवितानय (कनकवितानक) सू २०१८ ग्रह का
नाम

कणसंतानय (कनकसंतानक) सू २०१८ ग्रह का
नाम

कणवीर (करवीर^१) ज २११५;३११२,८८;५१५८

कणिकामच्छ (कणिकामत्स्य) प ११५६

कणीयस (कनीयस्) उ ११६५

कण (कर्ण) ज २१४३,६४;५१२६,३८;७१७८
उ ३११०२

कणकला (कर्णकला) सू ११८११;२१२

कणगा (कण्यका) उ ५११३,२५

कणत्तिय (दे०) प ११७८

कणपाउरण (कर्णप्रावरण) प ११८६

१. हे० ११२५३

कण्णपीठ (कर्णपीठ) प २३०,३१,४१,४६
 कण्णमूल (कर्णमूल) ज ५१६
 कण्णा (कन्या) ज ३३२
 कण्णायत (कर्णायत) ज ३२४,१३१
 कण्णायय (कर्णायत) उ १२२,१४०
 कर्णिका (कर्णिका) ज ४१७
 कर्णिया (कर्णिका) प १४८४५ ज ३११७;
 ४१,१५,१६
 कर्णियारकुमुम (कर्णिकारकुमुम) प १७१२७
 कर्णिलायण (कर्णिलायन) सू १०६५
 कर्णिल (कर्णिल) ज ७१३२१
 कण्ह (कृष्ण) प १४४३;१४८७,१६३६;
 २१२०,१७२६,५६ से ६६,७१ से ७६,८१
 से ८७,६४,१०० से १०४,१०६,१०६,११२,
 १६६,१६७,१६६ से १७२ उ १७; ५१६,१५,
 १७ से १६
 कण्ह (बल्ली) (कृष्णबल्ली) प १४०३
 कण्हकंदय (कृष्णकंदक) प १७१३०
 कण्हकडबु (दे०) प १४८३
 कण्हलेस (कृष्णलेश्य) प १३११५; १७८३,६२,
 ६४,६५,१०३,१०४,१०७,१०८,१२१,१२६,
 १७०,१७२;१८६६;२३१६५,२००
 कण्हलेसट्ठाण (कृष्णलेश्यास्थान) प १७१४६
 कण्हलेसा (कृष्णलेश्या) प १७१२१;२८१२३
 कण्हलेस (कृष्णलेश्य) प १३१४,१६
 कण्हलेसट्ठाण (कृष्णलेश्यास्थान) प १७१४६
 कण्हलेसा (कृष्णलेश्या) प १३१४,१६;१६४६,
 ५०;१७३६,३८,३६,४१,४३,४७,५०,८२,
 ११४ से ११६,११८,१२१,१२३,१३०,१३६
 से १४५,१४७ से १५०,१५६ से १६४
 कण्हलेसापरिणाम (कृष्णलेश्यापरिणाम) प १३६
 कण्हसप (कृष्णसर्प) प १७० सू २०२
 कत (कृत) प २८१०५;३४१६ सू २०७
 कतर (कतर) प ३३८ से ४८,५० से १२०,१२२
 से १२४,१७४,१७६ से १८२;६१२३;८५,

७,६,११;६१२,१६,२५;१०३ से ५,२६,
 २८,२६;११७६,६०,१५१३,१६,२६,२८,
 ३१,३३,६४;१७५६ से ६६,७१ से ७६,७८
 से ८३,१४५,१४६;२०६४;२११०४,१०५;
 २८४१,४४,७०;३४२५;३६३५ से ३७,३६
 से ४१,४८,४६ सू १३६,८,१०,१३;१८७,
 ३७

कति (कति) प ६१२०,१२१;८१ से ३,१०१
 ,१५;११३०१;११४२,८८;१२१ से ५;
 १४१ से ३,५,११ से १४,१७; १५१११,
 १५११,१२,१७,१६,२०,२५,३०,५४,५६,
 ५७,७७ से ८०,१३३,१३४;१७३६ से
 ४०,११२ से ११४,१२६,१३६,१३७,
 १४७,१५६,१५७,१५६ से १६१,१६३;
 २११,६५,६६;२२१,२१ से २३,२६,२७,
 २६,३०,३२ से ३६,४२ से ४७,५७,६६,८३;
 ८४,८६,८७,८६,६०;२३१११,२३११,२,६,७,
 २४;२४१ से ५,१० से १५;२५१,२,५;
 २६१ से ४,८,६;२७१ से ३,५,६;२८३१;
 ३६१,४ से ७,४२,४३,५३,५४,५८,६२ से
 ६४,७७,७८ ज ११५,४२६० चं २३,५
 सू १६३,१६१ से ३;१०८ से १६,६३ से
 ७४,७६;१२१;१३४,५,१५ से ३७;१८१४
 से १७;१६१

कतिपएसिय (कतिप्रदेशिक) प १५११,२४

कतिपदेसिय (कतिप्रदेशिक) प १७१४०

कतिप्पगार (कतिप्रकार) प ११३०१

कतिभाग (कतिभाग) प २८११,२८२२,३४,३६
 ६८

कतिभागावसेसाउय (कतिभागावशेषायुष्क)

प ६११४ से ११६

कतिविध (कतिविध) प ६११८;१७१३६

कतिविह (कतिविध) प ५१,१२३ से १२५;

६११६;६१,१३,२०,२६;११३१ से ३७,

७३,८६;१३१ से १३,२१ से ३१;१४७,६;

१५५८ से ६०,६२,६३,६५ से ७४,७६;

१६१२,३,१७,१६,२०;२०६२; २११२ से ६;
 ८ से १२,१४,१५,१६,२०,४६,७२,७५ से
 ७७,६४;२२१२ से ६; २३१११,२३११३ से
 २३,२५ से ४७,५७ से ५६;२६११ से ३,५ से
 ७,६,१०,१२,१३;३०११,३,५ से ११,१३;
 ३३११;३४११७;३५११,४,६,८,१०,१२,१६
 ज २११ से ३;४२५४,२५५ सू १०१२६;
 २०१३

कतिसमइय (कतिसामयिक) प १५१६१; ३६१२,
 ३,८४,८५

कतो (कुतस्) प० ६१७० सू ४१४

कतिई (कार्तिकी) ज ७११४०,१४४,१४६
 सू १०१२६

कत्तिणी (कार्तिकी) ज ७११३७,१५५

कत्तिम (कृत्रिम) ज २११२२,१२७;४११००,१७०

कत्तिय (कार्तिक) ज ७११०४,११३११,१३७
 उ ३११३,४०

कत्तिया (कृत्तिका) ज० ७११२८,१२६,१३६,
 १४०,१४४,१४६,१५६,१६० सू १०११ से ६,
 ११,२३,३६,६२,६६,६७,७५,८३,१०१;१२०,
 १२४,१३१ से १३३;१२१२८

कत्तिया (कार्तिकी) सू १०१७,११,२३,२६

कतो (कुतस्) प ६१११;६१७५,७८,८०,८१,८७,
 ९०,९४,९६ ज ३११२७

कत्थ (कुत्र) प २१६४१२

कत्थइ (कुत्रचित्) ज २१६६ सू २०१७

कत्थुल (कस्तुल) ज २११०

कदलीथंभ (कदलीस्तंभ) प १११७५

कहम (कर्म) ज० ३११०६ उ १११३६

कदहुइया (दे०) प ११४०१२

कथं (कथं) सू १११२४

कव्य (कल्प) प० २११,४,१०,१३,५० से ५६,
 ५६१२;२१६०;६३;३१२६ से ३६,१८३;४२१३
 से २४०,२४३,२४६,२५८,२६४;६१२८,६५,
 ६८,१०६;२०६१;२११७०,६१,६२;३०१२६;

३४१६,१८ ज ५११८,२४ से २६,४४,४६
 उ २१२०,२२;३१६०,१२०;१५६,१६१;४५,
 २४,२८

✓कव्य (कृप्) —कव्यइ उ ३१५०;४१२२ —

कव्येति ज ५११३,१८,२४,२५

✓कव्य (कल्पय्) कव्येह उ ५११८

कव्यकार (कल्पकार) ज ३१११७

कव्यणा (कल्पना) ज ३१३५

कव्यणी (कल्पनी) ज ३१३१

कव्यणिकव्यय (कल्पनीकल्पित) उ ११४६

कव्यरुक्ख (कल्पवृक्ष,कल्परुक्ष) ज ३१६,२११,२२२

कव्यरुक्खण (कल्परुक्षक) ज ५१५८

कव्यर्वाडिसिया (कल्पावर्तसिका) उ ११५;२११ से
 ३,१४,१५,२१;३१

कव्याईय (कल्पातीत) प १११३८

कव्यातीत (कल्पातीत) प १११३४;२११५५,७१

कव्यातीतग (कल्पातीतक) प ६१८५,६२

कव्यातीथ (कल्पातीत) प १११३६;२११६२

कव्यासट्टिसमिजिया (कार्पासास्थिसमिजिका)
 प ११५०

कव्यासिय (कार्पासिक) प ११६६

कव्यिद (कल्पेन्द्र) प १५१५५१२

कव्यिय (कल्पित) ज ३१६,२२२

कव्यूरपुड (कर्पूरपुट) ज ४११०७

कव्येत्ता (कल्पयित्वा) ज ५११२

कव्येमाण (कल्पमान) ज १११३४

कव्योवग (कल्पोपग) प १११३४,१३५; ६१८५,
 ८६,९५;२११५५

कव्योववणग (कल्पोपपन्नक) ज ७१५५ सू १६१२३
 २६

कवंध (कवन्ध) उ १११३६

कवंबड (कर्वट) प ११७४ ज २१२२,१३१;३११८,
 ३१, १८०,१८५,२०६,२२१ उ ३११०१

कन्बडय (कर्वटक) ज ७११८६१२ सू २०१८,
 २०१८१

कम (कम्) ज ३३१, १०६, २१७; ४१२०२; ७१३०
 सू १६१२२१४
 √कम (कम्) कमइ ज २६; ४१२०२; ७१३०
 कमंडलु (कमण्डलु) ज २१५ उ ३५११
 कमल (कमल) ज २१५; ३३, ६, १८८, २०६,
 २१०; ५१२१, ५६ उ ११५, ३५; ३६८
 कमलमाला (कमलमाला) उ १३५
 कमलागर (कमलाकर) ज ३१८८
 कमलामेख (कमलामेल) ज ३१०६
 कम्म (कर्मन्) प १११६; २६७१२१; ३१७४;
 ११८६; १७१११; १७१६८; २०३६;
 २११०२; २२२६, २७; २३३, ६, ७, ६ मे ११,
 १३ से २३, २५, २६, २६ से ४१, ४७, ४८, ५७
 से ६४, ६६, ६८, ६९, ७३ से ७७, ८१, ८३, ८५
 से ९०, ९२, ९३, ९५ मे ९६, १०१ से १०४,
 १११ से ११४, ११६ से ११८, १२७, २३०,
 १३१, १३३ से १३५, १३७, १३८, १४२, १४३,
 १५५, १६१, १६५, १६७, १७१, १७६, १७७,
 १८२, १८३, १८७, १९१ से २०१; २४२ से ५,
 १६, १२, १४; २५१, ४, ५; २६२ से ४, ८, ९;
 २७२, ३, ६; ३६१, ८, ३६१, ३६१, ३६१ ज ११३,
 ३०, ३३, ३६; २५१, ५७, ६४, ७०, १२१, १२६,
 १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३;
 ३३२२, ३५, १२५, १६७, १७८, २११, २२३;
 ४१२; ७११२३ सू १०१२६३; २०११, २;
 २०६३, ५ उ १२७, १४०
 कम्मंस (कर्मांस) प ३६१, ६२
 कम्मकर (कर्मकर) ज ३१७८
 कम्मखंध (कर्मस्कन्ध) प ३६१, ६२
 कम्मग (कर्मक) प १२१४, २१, २६, २६; २१६६,
 १०५; २३४१, ४३, ४४; ३६६२
 कम्मगर (कर्मकर) ज ५५ उ
 कम्मगरीर (कर्मकरीर) प १२१०; १६१५,
 १८, २१; २१६४, १०० १०३ मे १०५; ३६१७
 कम्मगरीर (कर्मकरीरिन्) प २०१४१

कम्मपण्डि (कर्मप्रकृति) प १४११ से १४, १७;
 २२२१ से २३, २८, ८३, ८४, ८६, ८७, ८९,
 ९०; २३११ से ५, २४; २४११ से ५, १० से १५;
 २५११, २, ४, ५; २६११ से ४, ८, ९; २७११ से ३,
 ५, ६
 कम्मधीय (कर्मधीय) प ३६६४
 कम्मभूमग (कर्मभूमिक) प १८५, ८८, १२६;
 ६१७२, ८४ ६७, ६८, ११३; २१५४, ७२
 कम्मभूमग (कर्मभूमिज) प २३२००
 कम्मभूमगपलिभागि (कर्मभूमिकपरिभागिन्)
 प २३१६६, १६६ से २०१
 कम्मभूमय (कर्मभूमज) प ६१७६; १७१५६, १६१,
 १७१; २३१६६, १६६
 कम्मभूमि (कर्मभूमि) प १७४, ८४; २१७, २६
 कम्मभूमिग (कर्मभूमिज) प २३२०१
 कम्मय (कर्मक) प १२१ से ५, ३५, ३६; २११
 कम्मवेदय (कर्मवेदक) प १११६
 कम्मसरीर (कर्मकरीर) प १२८
 कम्मा (कर्मक) प १२२५; २११०२
 कम्मर (कर्मार) ज २२६
 कम्मरिय (कर्मार्य) प १६२, ६६
 कम्मसरीर (कर्मकरीर) प १६१ से ८, १० से
 १५, १६
 कम्मिया (कर्मािकी) उ १४१, ४३
 कम्हा (कस्मात्) ज ७३८
 कय (कृत) प २३०, ३१, ४१ ज ३६, १८, ५८,
 ६६, ७२, ७४, ७७, ८१, ८२, ८५, ९२, ९३,
 ११७१, ११६ १२१, १२५, १४७, १८० २२१,
 २२२, २२६; ५२६, ५६ उ ११६, ७०, ८८,
 ९२, १२१; ३१४८, ५०, ५१, ५६, ११०; ५१७
 कयंज (कदम्ब) प १३६३
 कयकज (कृतकार्य) सू २०७
 कयगह (कचग्रह) ज ३१२, ८८; ५१७, ५८
 कयन्थ (कृतार्थ) ज ५५, ४६ उ १३४
 कयपुण (कृतपुण्य) उ १३४

कयमाल (कृतमाल) ज २।८; ३।७१ से ७४, ७६,
८४

कयमालक (कृतमालक) ज ३।७१, १५०

कयमालय (कृतमालक) ज १।२४, ४६; ६।१६

कयर (कतर) प ३।४६; १।७।१४४; २।१०१;
३६।३८ ज ७।१२६, १७५, १८०, १८१, १६७

सू १०।२ से ४, ७५, ७७, १३३ से १३५;

१८।१८, १६

कयलखण (कृतलक्षण) उ १।३४

कयलीखंभ (कदलीस्तंभ) ज २।१५

कयलीहर (कदलीगृह) ज ५।१४

कयलीहरम (कदलीगृहक) ज ५।१३

कयवर (कचवर) ज २।३६; ५।५

कयविहव (कृतविभव) उ १।३४

कया (कदा) ज ७।१२५ चं २।४ सू १।६।४; १।४।१

कयाइ (कदाचित्) ज १।४७; ३।४, ८३, १०४,
१५४, १७२, १८८, २२२, २२६; ४।२२, ५४,

१०२ उ १।१४; ३।४६; ४।२१; ५।१३

कयाई (कदाचित्) उ २।८

कर (कृ) अकासी ज २।८४ करवाणि ज ३।३२।१

करिस्सामि ज २।६; ५।४६ करिस्सामो

ज ५।५, ७ करेइ प १।७४; ३६।८८ ज १।६;

२।६५, ६०; ३।५, ६, १२, १८, १९, ३१, ३२।२,

४६, ५२, ५३, ६१, ६२, ६६, ७०, ८८, ९५, १००,

१३१, १३७, १४१, १४२, १५६, १६४, १६५,

१८०, १८१, २२४; ५।२१, २६, ४४, ४६, ४८

सू २।१ उ १।१६; ३।५१; ४।१३ करेति

प १।८४; ६।११०, २०।६ से ८; ३।४।१६, २१

से २४ ज १।२२, २७, ५०; २।१०, ५८, १००,

११५, ११६, ११८, १२०, १२३, १२८; ३।१३,

२८, ४२, ४७, ५०, ५६, ६७, ७५, ८२, ११६, १३६,

१४८, १६६, १८४, २११; ४।१०१, १६६, १७१;

५।५, ७, १४, १६, ४६, ५७, ६०, ६६, ७४

सू २।१ उ १।६३ करेज्जा प २०।१ से ४, १८,

४०, ४४, ४६, ४८ ज ५।७, करेति प १।७१;

१६।५०; ३६।८२।१ ३६।८५, ६२ ज २।६६,

११७ करेमि ज २।६०; ३।२६, ३६, ४७, ५६

१३३, १४५; ५।२२ उ १।४२ करेमी

ज ३।११३, ११५, १३८; ५।३ करेसि उ ३।७६

करेस्सामी उ ३।२६ करेह ज २।१४; ३।७,

१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६१, ६६, ७४, १४७, १६८

करेहि ज ३।१८, १९, ३१, ५२, ६६, ६६, १४१,

१६४, १८० सू ३।१०३ करेहिइ उ ३।२१

करेहिहि ज २।१५१, १५७ उ ३।१२६ काहिइ

उ १।४१; ३।८६ कीरइ उ ५।४३

कर (कर) ज २।१५, ७१; ३।३, १३८ उ १।१३६

करंज (करञ्ज) प १।३५।१ कंजा जिसके फल
आदि दवा के काम आते हैं

करंडग (करण्डक) उ ३।१२८

करंडुग (दे०) ज २।१६

करंत (कुर्वत्) उ १।८८, ६२

करकर (करकर, अकरकरा) प १।४२।२; १।४८।४६
अकरकरा

करकरय (करकरक) सू २०।८।६

करकरिय (करकरिक) सू २०।८

करण (करण) ज १।१३८; ३।३२ १२६, २०६;

५।५; ७।१२३ से १२६

करतल (करतल) ज ३।२०६

करघाण (करधमान) ज ३।३१

करमह (करमर्द) प १।३७।४ कर्गौदा, आंवावा

करय (करक) प १।२३

करयल (करतल) ज ३।५, ६, ८, १२, १६, २६, ३६,

४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७२, ७७, ८४, ८८,

९०, १००, १०५, ११४, १२६, १३३, १३८, १४२,

१४५, १५१, १५७, १६५, १८१, १८६, २०५,

२०६; ५।१७, २१, ४६, ५८ उ १।१५, ३५,

३६, ४५, ५५, ५७, ५८, ६१, ६२, ८०, ८२, ८३

८६, ८७, ९६, १०७, १०८, ११६, ११८, १२२;

३।६८, १०६, ११४, १३८, १४८; ४।१५; ५।१७

करयलपुड (करतलपुट) ज ५।१४, १७, ६०, ६६

करिय (कृत्वा) ज ५।५८

करित्तए (कर्तुम्) प २८११०५ ज ५१२२
 करीर (करीर) प १३७७४ कगील
 करेत्त (कुर्वत्) ज २१६५
 करेत्तए (कर्तुम्) प ३४११६, २१ से २४ ज २१६०
 उ ३१११५
 करेत्ता (कृत्वा) प ३६१६२ ज ११६ सू २११
 उ १११६; ३१७; ४११३
 करेभाण (कुर्वत्) ज २१६५, ७८; ३१२२, २८, ३१,
 ३२, ३४ से ३६, ५४, ७८, ८६, ६३, ६६, १०२
 १०६, १११, ११३, १३७, १४३, १५६, १६२,
 १६३, १८०, २०४ से २०६, २०८, २०९, २२३
 उ ११२२, ६५, ६६, ७१, ६४, १११, ११२, १३८,
 १४०; ३१५०
 कल (कल) प १४५११ ज २१३७ सालवृक्ष
 कलंकलीभाव (कलंकलीभाव) प २१६४
 कलंबुया (कदम्बक) प १४६; १५१२, १८ सू ४१३,
 ४, ६, ७, ९; १६१२२१, १५; १६१२३
 कलकल (कलकल) ज २१६५; ३१२२, ३६, ७८, ६३,
 ६६, १०६, १६३, १८०; ७१५५, १७८ सू १६१२३
 उ ११३८
 कलकुसुम (कलकुसुम) प १७११२५
 कलताल (कलताल) ज ३१३१
 कलस (कलश) प २१३०, ३१ ४१ ज २११५;
 ३११७८, २०६; ४१२८; ५१५६ से ५८
 उ ३१५१, ५६
 कलह (कलह) प २१४१; २२१२० ज २१४२, १३३
 कलहंस (कलहंस) प ११७६ ज २११२
 कला (कला) ज २१६४; ७१३४१ सू १०१४२,
 १४७; १२१३० उ ५११३
 कलाव (कलाप) प २१३०, ३१, ४१; १५१२६;
 २११२५ ज ३१७, ८८, ११७
 कर्लिय (कलिङ्ग) प ११६३१
 कर्लिद (कलिन्द) प ११६४१
 कलिय (कलित) प २१३०, ३१ ४१, ४८ ज २११०,
 १५, ६५; ३१७ १२, १५, २१, २२, २८, ३१,
 ३२१२, ३४ से ३६, ४१ ४६, ५८, ६६, ७४, ७७,

७८, ८८, ९१, १४७, १६८, १७३, १७५, १८४,
 १९६, २१२, २१३; ४१२७, ४६ १६६; ५१७
 २८, ४३ सू २०७ उ १११२३; ५१२८
 कलुय (कलुक) प १४६
 कलुस (कलुप) ज २११३१
 कलेवर (कलेवर) प ११८४ सू २०१
 कल (कल्य) ज ३११८८ उ ३१४८, ५०, ५५, ६३,
 ६७, ७०, ७३, १०६, ११८
 कल्लाण (कल्याणी) प १४४१२ जंगली ३३८
 कल्लाण (कल्याण) ज १११३, ३०, ३३, ३६;
 २११८, ६४, ६७; ४१२ सू १८१२३ उ १११७,
 ४१, ४४; ५१३६
 कल्लाणग (कल्याणक) प २१३०, ३१, ४१, ४६
 ज ३१६, २२२
 कल्हार (कल्हार) प १४६ सफेद कोइ, एक पुष्प
 कवड (कपट) ज २१३३३
 कवय (कवच) प २१६४२१ ज ११३७; ३१३१,
 ७७, ७९, ९६, १००, १०१, १०७, ११६, १२४
 उ ११३३८
 कवाड (कपाट) प २१८, ३०, ३१, ४१ ज ११२४;
 ३१३३, ८५, ८८ से ९०, १०२, १५४ से १५७,
 १६२, १६७, ११२
 कविजल (कपिञ्जल) प ११७६
 कविट्ठ (कपित्थ) प ११३६१; १६१५५; १७११३२
 ज ३१११६; ७११७६ कैथ
 कविट्ठाराम (कपित्थाराम) उ ३१४८, ५५
 कविल (कपिल) ज २११२, ६५, १३३
 कविलय (कपिलक) सू २०१२ राहु का नाम
 कविसीसग (कपिशोर्षक) ज ३११; ४१११४
 कविसीसय (कपिशोर्षक) ज ४१११४
 कवोय (कपोत) प ११७६ ज २११६
 कवोल (कपोल) ज २११५
 कव्व (काव्य) ज ३११६७, १०
 कस (कष) ज २१६७; ३११०६
 कसरि (दे०) सू १०१२०

कसाय (कषाय) प १११५,, ११४ से ६; ३१११;
 ५१५, ७, २०५; १४१, २; १८१११; २३१८८,
 १४०, १८३, १८४; २८१३२, ६६, १०६११;
 ३६१११ ज २१४५
 कसायपरिणाम (कषायपरिणाम) प १३१२, ५, १४
 १६
 कसायवेयिणञ्ज (कषायवेदनीय) व २३११७, ३४,
 ३५
 कसायसमुग्धात (कषायसमुद्घात) प ३६१६५
 कसायसमुग्धाथ (कषायसमुद्घात) प ३६११ ४, ५,
 ६, ७, २१, २२ २८, ३५ से ४३, ४६, ५३ से ५८
 कसाहिया (दे०) प ११७१
 कसिण (कृष्ण) प २३१ ज २१५
 कसिणपुग्गल (कृष्णपुद्गल) सू २०१२
 कसेरुया (कशेरुक) प १४६ एक तरह का घास
 कह (कथं) प २३१११
 कह (कथय्) कहेइ उ २१२
 कहं (कथं) ज ७१५६ चं २४ सू १६ उ १७२,
 ३१७८
 कहग (कथक) ज २३२
 कहा (कथा) उ ११७, ५७, ८२, ६६, १०७, १२७;
 ३१३, २६, १४७, १६०; ४१११; ५११५, ३८
 कहि (क्व) प १७४ ज १७
 कहि (क्व) प ६१६६ ज २१८ चं २१२ सू १६१२
 उ ११२५
 कहिचि (कुत्रचित्) उ ३११०१
 कहिय (कथित) ज १४ चं ६ सू १४ उ ११२
 काइय (कायिक) ज २७१
 काइया (कायिकी) प २२११ २; २२१४६ से ५०, ५३
 से ५६
 काउ (कापोत) प १३१६; १७११२२
 काउं (कृत्वा) उ ३११११; ४१६
 काउंबरी (काकोदुम्बरिका) प १३६१२
 काउलेस (कापोतलेश्य) प १७१६२, ६४, ६५, १०३,
 ११०, १११, १६८

काउलेसदृठाण (कापोतलेश्यास्थान) प १६१४६
 काउलेसा (कापोतलेश्या) प १७१२१; २८१२३
 काउलेस (कापोतलेश्य) प ३१६६; १३१४;
 १६१४६; १७१३२, ५६, ५७, ५६ से ६१, ६३, ६४,
 ६६ से ६४, ७१ से ७४, ७६, ८१ से ८५, ८७,
 ६४, १००, १०२, १०३, १११, १६७; १८१७१
 काउलेसदृठाण (कापोतलेश्यास्थान) प १७१४६
 काउलेसा (कापोतलेश्या) प १६१४६; १७१३६,
 ३७, ११७, ११८, १२१, १२२, १२५, १२६, १३२,
 १३६, १४४, १४५, १५१ से १५३
 काउलेसापरिणाम (कापोतलेश्यापरिणाम)
 प १३१६
 काऊ (कापोती) प २१२० से २५
 काऊण (कृत्वा) ज ३१२
 काओदर (काकोदर) प १७०
 काओली (काकोली) प १४८१५ एक वनौषधि जो
 अष्टवर्ग के अन्तर्गत है, जीवन्ती
 काकंदी (काकन्दी) उ ३१७१
 काकंध (काकन्ध) सू २०१८; २०१८३
 काग (काक) प १७६
 कागणि (काकिणी) प १४०१५ ज ३१६५, १५६;
 कागणिरयण (काकिणीरत्न) ज ३१६४, १३५, १५८,
 १७८, २२०
 कागणिरयणत्त (काकिणीरत्नत्व) प २०१६०
 काणण (कानन) ज २६५
 कातव्व (कर्तव्य) प ५१६१, १७६; ६१५६, ६६,
 ७४ से ७८, ८०, १११
 कामंजुग (कामयुग) प १७६
 कामकाम (कामकाम) प २४१
 कामकामि (कामकामिन्) ज २१६
 कामगम (कामगम) ज ५४६१३; ७१७८
 कामगामि (कामकामिन्) ज २१२२
 कामगुणित (कामगुणित) प २१६४१६
 कामत्थिय (कामार्थिक) ज ३१८५
 कामभोग (कामभोग) ज ३१८२, १८७, २१८

सू २०७ उ १११
 कामभोग (कामभोग) उ ५२५
 कामरूप (कामरूप) प २४१
 काय (काय) प १४७
 काय (काय) प १५६; ३१११; १५१५३, ५४, ५६,
 ५७; १६११ से ८, १० से १५, १८, १९, २१, ५४;
 १८१११; २३११५, १६, ३०, ३१; ३४१११
 ज २१६७; ६११६७ सू १०७४; २०१८; २०१८३
 कायअपरित्त (कायअपरीत) प १८१०६, ११०
 कायगुप्त (कायगुप्त) ज २१६८ उ ३१६६
 कायजोग (काययोग) प ३६१६ से ८८, ९१, ९२
 कायजोगपरिणाम (काययोगपरिणाम) प १३१७
 कायजोगि (काययोगिन्) प ३१६६; १३११४, १६;
 १८१५७; २८११३८
 कायठिड (कायस्थिति) प ११११५; १८११२
 कायपरित्त (कायपरीत) प १८११०६, १०७
 कायपरियार (कायपरिचार) प ३४११६
 कायपरियारण (कायपरिचारक) प ३४११८, १९,
 २१, २५
 कायपरियारणा (कायपरिचारणा) प ३४११७ से
 १६
 कायमाई (काकमात्री) प ११३७२ मकोय
 काययोगि (काययोगिन्) प १३११७
 कायव्व (कर्तव्य) प ५११३२, २१६; ६१४६, ११०;
 १३११७; १५१३४, ३८, ७५; १७१११; २८११२
 ज ४११७२
 कायसन्धिय (कायसन्धित) ज २१६८
 कारंडव (कारण्डक) ज २११२
 कारण (कारण) प ८४, ६, ८, १०; २८१२०; २६,
 ३२, ६६ ज ७२११४ उ १३६, ११६, १२७;
 ३१११, २६
 कारभरिय (कारभारिक) ज ३११८५
 √कारव (कारय्) कारवैति ज ३११३ कारवेह
 ज ३१७
 कारवेत्ता (कारयित्वा) ज ३१७

कारियल्लइ (कारवल्ली) प १४०१२ करेत्
 कारिया (दे०) प १३७१५
 कारिल्लय (दे०) सू १०१२०
 कारेमाण (कारयत्) प २३०, ३१, ४१, ४६, ५७
 ज १४५; ३११८५, २०५, २०६, २११; ५११६
 उ ५११०
 कारोडिय (कारोटिक) ज ३११८५
 काल (काल) प १४ से ६, ७४, ८४; २१२० से २७,
 ३१ से ३३, ४०१८; २४२२, ४३, ४५११; २४४६, ४७,
 ३४; ४११ से ४६, ५६ से ५८, ६५, ७२, ७६, ८८,
 ९५, ९८, १०१, १०४, ११३, १३१, १४०, १४६,
 १५८, १६५, १६८, १७१, १७४, १८३, २०७,
 २१०, २१३, २१४, २१७, २१९, २१९, ५१५, ७, ३७, ३८,
 ७४, १०७, १२६, १५०, १५२, १५४, १६०, १६३,
 १६७, २००, २०३, २४२, २४४; ६११ से २३,
 २७, ४२ से ४५, ७१ से ४, ६ से ३०; १११५३,
 ५४; १२१२४, ३२, ३३; १३१२६; १६१५०; १८१३,
 १४, १५, २६, २७, ३७, ३८, ४१, ४३, ४५, ५७,
 ५६, ६२, ६४, ७७, ८३, ९०, ९५, १०५, १०७,
 १०८, ११०, ११६, ११७, १२०; २३१४७, ६० से
 ६२, १०५, १६३ से १६६, १६८ से २०१;
 २८१४, ६७, २०, २६, ३२; ३८, ५०, ५२, ५३,
 ६६; ३६१६०, ६१, ६७, ७१, ७२, ७५, ७६, ६३,
 ६४ ज १२, ४, ५; २११ से ३, ६, ४४, ४६, ५१,
 ५४, ६६, ७१, ८८, ८९, १२१, १२६, १३०,
 १३१, १३३ से १४१, १४६, १५४, १६०, १६३;
 ३३, २४, ३१, ३२, ६२, ६५, १०३, ११६, १३०१,
 १५६, १६७११, ७, १७८, २२४; ५११, ६, ८ से
 १३, १८, ४८, ५० से ५२; ७५७, ६०, १०१,
 १०२, १८७, २१० चं ६, ९, १० सू १११, ४, ५;
 २१२; ८११; १७११; १८१२५ से ३४; १६१२५;
 २०१७ उ १११ से ३, ७, ९, १३ से १६, २१, २२,
 २५ से २८, ५१, ६५ से ६७, ७६, ९३, ९४, ११६
 से १२२, १२५, १४०, १४१, १४४, १४७; २४४, ६,
 ७, ९, ११, १६, २२; ३४४ से ६, ९, १२, १४, १६,
 २१, २४, २५, २७, ४०, ४८, ५०, ५५ से ५७, ६४,

६५, ६८, ७१, ७२, ७४, ७५, ७६, ८३, ८६,
 ९०, ९५, ९८, ९९, १०६, १२०, १२४, १३१, १३२,
 १५०, १५५ से १५७, १५९, १६१, १६४, १६८,
 १६९; ४१४ से ६, १०, १६, २४; ५१४, १४, २१,
 २४, २५, २६, २८, ३६, ४०, ४१

काल (काल) सू २०१७; २०१८

काल (दे० कृष्ण) सू १६१२११६, १८, २०

कालभो (कालतस्) प १११४८, ५१; १२१७, ८, १०,
 १२, १६, २०, २७, ३२; १८११ से १०, १२ से १७,
 १९ से ३९, ४१ से ४७, ४९ से ५१, ५४ से
 ५६, ६१ से ६०, ६३ से १११, ११३, ११४,
 ११६, ११७, ११९, १२०, १२२, १२३, १२५ से
 १२७; ३५१४ ज २१६९

कालग (कालक) प ३११८२; ५३७, ५६, ८८, ८९,
 १०७, १४६, १५०, १६०, १६३, १६७, २००

कालगय (कालगत) ज २१८८, ८९; ३१२२५
 उ ११२२, ६२; २११२; ५३६, ४०

कालगणण (कालज्ञान) ज ३११६७७

कालनाण (कालज्ञान) ज ३३२

कालतो (कालतस्) प १२१२०; १८३, १८, ४१,
 ४३, ६०, ६५; २८५, ५१

कालमास (कालमास) ज २१४६, १३५ से १३७
 उ ११२५ से २७, १४०; ३१४८, ८३, १२०, १५०,
 १६१; ४१२४; ५१२८, ४०, ४१

कालमुह (कालमुख) ज ३८१

कालय (कालक) प ३११८२; ५३६ से ३८, ५८ से
 ६०, ७३ से ७५, ८६, ९०, १०६ से १०८, १५०,
 १५१, १८६ से १६४, १६६ से २०४, २४१ से
 २४३; १७१२९ सू २०१२

काललोहिय (काललोहित) ३ १७१२२६

कालहेसि (कालहेसिन्)

काला (काला) ज २१३३३

कालागुरु (कालागुरु) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६५;
 ३११२; ५१७, ५८

कालागुरु (कालागुरु) ज ३१७, ८८ सू २०१७

कालायस (कालायस) ज ३११०६, १७८

कालिग (कालिङ्ग) प ११४८१४८ ज ३१११६

कालिगी (कालिङ्गी) प ११४०१

काली (काली) उ १११८, १३, १५, १७, १९ से २४;
 २५, ६

कालोदधि (कालोदधि) सू १६१११११

कालोदधि (कालोदधि) सू १६११११२, ४

कालोय (कालोय) प १५१५५, ५५११ सू ८१

कालोयकमुद्द (कालोयकमुद्द) प १६१३०

कालिसायण (कालिसायण) प १७११३४

कास (काश, कास) प १३७१४ सहिजन का पेड,
 एक वाय

कास (कास) ज २१४३

कास (कास) सू २०१८; २०१८४

कासपनास (कासपकाश) ज ३३३५

कासव (कासव) ज ७१३३२३

कासवगोत्त (कासवगोत्र) उ १३

कासित्ता (कालित्वा) ज २१४६

कासी (काशी) प ११६३१ उ १११२७ से १३०,
 १३२

काह (कथय) काहिड उ २१३३; ५१४३

काहार (दे०) ज ७१३३३१

काहारसंथिय (काहारसंस्थित) सू १०१२७

कि (किम्) प १११ ज ११७ चं २११ सू ११६

किकर (किङ्कर) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१२६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, १३३, १३८, १४५, १७८

किचि (किञ्चित्) प २१६४१८ ज ६७

सू ११२४, २२, २७

किचिविलेगुण (किञ्चित्बिलेगुण) ज ११४८;
 ४११, ४०, ५५, ६७, १६७, १६६ सू ११२७;
 १११६४, ५११, १११६७; ८१

किथुघ (किथुघ) ज ७१२३ से १२५

किपञ्जवसिय (किपञ्जवसित) प १११३०

किपहव (किपभव) प ११३०

किपुरिस (किपुरिस) प १११३२; २१४१, ४५,
 ४५१२ ज ३११५, १२४, १२५

किसंठिय (किसंस्थित) प ११३०
 किसुय (किसुक) ज ३१८८
 किसुयपुष्प (किसुकपुष्प) प १७१२६
 किच्च (कृत्य) उ १६२
 किच्चा (कृत्वा) ज २४६ उ १२५; ३१४;
 ४२४; ५२८
 किच्छ (कृच्छ) ज ३१०८ से १११
 किटिभ (किटिभ) ज २१३३
 किट्टि (किट्टी) प १४८४
 किट्टीय (किट्टिया) प १४८२
 किट्टिण (किट्टिण) उ ३५१, ५३, ५५, ५६, ६३, ६४,
 ६७, ६८, ७०, ७१, ७३, ७४, ७६
 किपा (कथं) प १५५३
 किर्ण (किर्ण) ज ३१२४ उ १६६
 किर्णर (किर्णर) प २४५, ४५२ ज १३७;
 २१०१; ३११५, १२४, १२५; ४२७; ५२८
 किर्णा (कथं) उ ५२३
 किर्णह (कृष्ण) प १४८६ कालीमीर्च, करौदा
 किर्णह (कृष्ण) प २२१ से २७ ज ११३, १४;
 २१७, १२, २३, १६४; ४२६, ११४, ११६, १२६,
 २०१, २१५, २४०, २४१ सू १६१२२१७;
 २०२ उ ३४६
 किर्णहकणवीरय (कृष्णकरवीरक) प १७१२३
 किर्णकेशर (कृष्णकेशर) प १७१२३
 किर्णपत्त (कृष्णपत्र) प १५१
 किर्णबंधुजीवय (कृष्णबंधुजीवक) प १७१२३
 किर्णभ (कृष्णाभ) ज २१५
 किर्णमत्तिया (कृष्णमृत्तिका) प ११६
 किर्णहय (कृष्णक) प १४८६२
 किर्णह्लेसा (कृष्णह्लेश्या) प १७२१
 किर्णह्लेस्त (कृष्णह्लेश्य) प ३६६; १७३१, ८४;
 २३१६६
 किर्णह्लेस्सा (कृष्णह्लेश्या) प १७३७, ११६, १२०,
 १२२, १२३, १३६
 किर्णह्लुत्तय (कृष्णह्लुत्तक) प १७११६

किर्णह (कृष्णा) ज १२३; २१२
 किर्णहासोय (कृष्णाशोक) प १७१२३
 किर्णहोमास (कृष्णावभास) ज ४२१५ उ ३४६
 किर्त्ति (कीर्त्ति) ज ३१७, १८, २१, ३१, ६३, १७७,
 १८० उ ४२१
 किर्त्ति (कूड) (कीर्त्तिकूट) ज ४२६३१
 किर्त्तिम (कृत्तिम) ज १२१, २६, ४६; २५७, १४७,
 १५०, १५६
 किर्त्तिय (कीर्त्तित) प १४८६३
 किर्न्नर (किर्न्नर) प ११३२; २४१
 किर्न्नरछाया (किर्न्नरछाया) प १६४७
 किर्त्तिसिय (किर्त्तिसिक) प २०६१ ज ३१८५
 किर्म्म (किर्म्म) उ ११७; ३१०२
 किर्म्मिरागकंबल (कृम्मिरागकम्बल) प १७१२६
 किर्म्मिरासि (कृम्मिराशि) प १४८६
 किर् (किल) ज २६ सू २०६४
 किर्ण (किरण) ज २१५; ३२४
 किर्रिया (क्रिया) प ११६; १७११, २२, २३,
 २५, ३०, ३३; २२१ से ५, ६ से १६, २६, २७,
 २६, ३०, ३२ से ५०, ५२ से ६३, ६५ से ६६,
 ७१ से ७४, ७६, ६१ से ६४, ६७ से ६६, १०१;
 २६१०; ३६६२ से ६४, ६७, ६८, ७१, ७७, ७८
 ज ७५२
 किर्रिया (रुड) (क्रियारुचि) प ११०११, १०
 किर्रियारुड (क्रियारुचि) प ११०११०
 किलकिलाइय (किलकिलायित) ज ७१७८
 ✓ किलाव (क्लम्) किलार्त्ति प ३६६२
 किवणबहुल (कृष्णबहुल) ज ११८
 किलेस (क्लेश) चं १२ सू २०६६
 किसलय (किसलय) प १४८६२
 किसि (कृषि) ज २३
 कीड (कीट) प १५११
 ✓ कीड (क्रीड) क्रीडति ज १३०, ३३
 ✓ कील (क्रीड) कीलति ज ११३; ४२
 कीलंत (क्रीडत्) ज ३१७८

कीलग (कीलक) ज ५१३२
 कीलण (कीडन) प २०४१
 कीलावण (कीडन) उ ११६७ से ६६
 कीस (कस्मात्) उ १५७,८२
 कीसत्त (कीडशता) प २८०४,३६,४२,४५,७१;
 ३५१२०
 कुंकुम (कुंकुम) ज २१३५
 कुंकुमपुड (कुंकुमपुट) ज ४११०७
 कुंजर (कुञ्जर) ज ११३७,२११०१; २१३; ५१२७;
 ५१२८
 कुंड (कुण्ड) प १११२५ ज ४१२५,४०,६७,६८,
 ७१,७५,६०,६२,१७४ ते १७६,१८२,१८३,
 १८८,१८९;१६४; ६१८
 कुंडल (कुण्डल) प २१३०,२१,४१,४६,५०;
 १५१५११ ज २१३,६,६,१८,२६,६३,१८०,
 २११,२२२; ४१२०२; ५११८,२१,६७ सू
 १६१३१
 कुंडलवर (कुंडलवर) सू १६१३१
 कुंडलवरोद (कुंडलवरोद) सू १६१३१
 कुंडलवरोभास (कुंडलवरोभास) सू १६१३१,३२
 कुंडलोद (कुण्डलोद) सू १६१३१
 कुंत (कुत) प २०४१ ज ३१७८
 कुंतम (कुन्ताम) उ ११११५,११६
 कुंतमाह (कुन्ताह) ज ३१७८
 कुंथु (कुथु) प ११५०
 कुंद (कुन्द) प ११३८३; २१३१; १७१२८
 ज २११०,१५; ३१३,१२,३५,८८; ५१५८
 कुंद (लता) (कुन्दलता) प ११३६१
 कुंदखक (कुंदखक) ज २०४५, ३०८८ एक क्षेत्र
 और उत्तम फल जिसकी लतापत्तियाँ बनी हैं
 कुंदुखक (कुंदुखक) प २०४०, ३१, ४१
 ज ३०३, १२, ८८; ५०३, ५८ सू २००७
 कुंभ (कुम्भ) ज २०३, ५३, १२०, १४५; ७१७८
 उ ११६७
 कुंभभास (कुम्भभास) ज २०३, ०६, ११०
 कुंभिक (कुम्भिक, कुम्भिक) ज ५१३८

कुंभी (कुम्भी) ज २१६२
 कुक्कुड (कुक्कुट) प ११५११; ११७६
 कुक्कुडि (कुक्कुटी) उ ११५६, ३३, ८४
 कुक्कुह (दे०) प ११५११
 कुच्च (कुच्च) प ११३७५
 √ कुच्छ (कुत्स) कुच्छेज्जा ज २१६
 कुच्छि (कुच्छि) प ११७५ ज २१६, ६३ सू २०१२
 उ ३१६८; ५१३०
 कुच्छि (कुच्छि) ज २०४३ अडतालीस आंगुल का
 मान
 कुच्छिमिश्रिय (कुच्छिमिश्रिय) प ११४६
 कुच्छिपुहृत्तिय (कुच्छिपुहृत्तिय) प ११७५
 कुञ्जय (कुञ्जय) प ११३८१
 कुञ्जय (कुञ्जय) ज २१२०
 कुञ्जय (कुञ्जय) ज २१६, २२२
 कुट्टायावण (कुट्टायावण) ज २१३३३
 कुडगछल्ली (कुट्टगछल्ली) प १७१३०
 कुडगपुष्करासि (कुट्टगपुष्करासि) प १७१२८
 कुडगफल (कुट्टगफल) प १७१३०
 कुडगफणिय (कुट्टगफणिय) प १७१३०
 कुडभी (कुडभी) ज ५१४३
 कुडय (कुट्टय) प ११३६३, ११४१२; १७१३०
 ज ३१३५
 कुडुंज (कुट्टुंज) उ ३१११, १३, ५०, ५५
 कुडुंजजावरिया (कुट्टुंजजावरिया) उ १११५;
 ३०८८, ५०, ७६, ६८, १०६, १३१
 कुडुयय (कुडुयय) (कुट्टुयय) प ११४८४३
 कुडुयय (कुडुयय) प ११४७
 कुणाल (कुणाल) प ११६३५
 कुणिस (दे० कुणिस) ज २१२५
 कुणिसाहार (कुणिसाहार) ज २१२५ ते १३७
 कुणुंभरि (कुणुंभरि) प ११३६२, ३७२
 कुदंतण (कुदंतण) प ११०११३
 कुदित्ठि (कुदित्ठि) प ११०१११
 कुणमाण (कुणमाण) ज २१३३३
 कुप्पर (कुप्पर) ज ३१२२, ३५, ३६, ४४

कुबेर (कुबेर) ज ३१८६, २१७
 कुभोज (कुभोजिन्) ज २१३३
 कुमार (कुमार) उ ११३३ से १५, २१, २२, २५ से
 २७, ३१, ४२ से ४६, ४८, ६४ से ६६, ६४ से
 ६६, १०२ से ११७, ११६ से १२२, १२५,
 १२७, १२८, १४०, १४१, १४६, १४७; २१६, ७,
 ६, १८, १६; ३११४, १२०; ५११०, २०, २२,
 २३, २७, ३१, ३२, ३४ से ३८
 कुमार (कुमार) उ १८६
 कुमारग्रह (कुमारग्रह) ज २४३
 कुमारावास (कुमारावास) ज २६४, ८७; ३१२२५
 कुमारिया (कुमारिका) उ ३११४, १३०
 कुमुद (कुमुद) प १४६ ज ३११७; ४१५४,
 १५५, २१२, २२५१, २३०
 कुमुददल (कुमुददल) प १७१२८
 कुमुदप्पभा (कुमुदप्रभा) ज ४१२२११
 कुमुदप्पहा (कुमुदप्रभा) ज ४१५५१
 कुमुदा (कुमुद) ज ४१५५१, २२१
 कुमुय (कुमुद) ज २१५; ४३, २५, २१२१
 कुमुयहृत्थगय (हृत्थगतकुमुद) ज ३१०
 कुम्म (कूर्म) ज २१४, १५, ६८; ३३; ७१७८
 कुम्मुण्यथा (कुम्मुन्नता) प ६१२६
 कुरंग (कुरङ्ग) प १६४ ज २३३
 कुरज्ज (कुराज्य) ज ३२२१
 कुरय (कुरब) प १४७ लालफूलवाली कटसरैया
 कुरल (कुरल) प १७६
 कुरा (कुरु) ज ४१०८, १४१, १४३, २०५, २०७
 २०८
 कुरु (कुरु) प १६३१२; १५५५३
 कुरुविद (कुरुविन्द) प १४२१२
 कुरूव (कुरूप) ज २१३३
 कुल (कुल) ज ३३, ६, १७, २१, २४, ३४, १०६,
 १७७; ४२१२; ५५, ४६, ५५; ७१२७१,
 १३६१, १४१ से १४६, १५० से १५३,
 १६७१ चं ५१ सू १६११; १०६, २०, २१,
 २२, २५; २०६१४ उ १५४, ७६, १४१;

३४८, ५०, ५५, १००, १३३; ५५
 कुलकोडि (कुलकोटि) प १४६ से ५१, ६०, ६६,
 ७५, ७६, ८१, ८११
 कुलक्ष (कुलाक्ष) प १८६
 कुलक्षय (कुलक्षय) ज २४३
 कुलगर (कुलकर) ज २५६ से ६३
 कुलत्थ (कुलत्थ) प १४५१ ज २३७; ३११६
 उ ३४१, ४२
 कुलत्था (कुलत्था) उ ३४२
 कुलदेव (कुलदेव) ज ३११३
 कुलदेवया (कुलदेवता) ज ३१११, ११३
 कुलधुया (कुलदुहित्) उ ३४२
 कुलमातया (कुलमातृका) ज ३४२
 कुलरोग (कुलगोग) ज २४३
 कुलवधुया (कुलवधु) उ ३४२
 कुलविसिद्धिया (कुलविसिद्धता) प २३११
 कुलविहीणया (कुलविहीणता) प २३१२
 कुलारिय (कुलार्य) प १६५
 कुलोवकुल (कुलोपकुल) ज ७१३६, १४१ से
 १४६, १५० से १५३ सू १०६, २० से २२, २५
 कुवधा (दे०) प १४०१२
 कुवलय (कुवलय) चं ११
 कुविदवल्ली (कुविन्दवल्ली) प १४०३
 कुविय (कुपित) ज ३२६, ३६, ४७, १०७, १०६,
 १३३ उ १२२, १४०
 कुवृद्धिबहुल (कुवृद्धिबहुल) ज ११८
 कुव्वमाण (कुव्वत्) प २३३, ५०, ५१, ५६
 कुव्वर (कूबर) ज ३३५
 कुस (कुश) प १४२१ ज २८.६ उ ३५१, ५६
 कुसंधयण (कुसंधनन) ज २१३३
 कुसंठिय (कुसंस्थित) ज २१३३
 कुसट्ट (कुशावर्त) प १६३१२
 कुसल (कुशल) ज २१५; ३३२, ७७, ८७, १०६,
 ११६, १३८, १७८; ५५ सू २०७
 कुसील (कुशील) उ ३१२०

कुंसीलविहारी (कुशीलविहारिन्) उ ३१२०
 कुसुम्भ (कुसुम्भ) प ११४५१२ ज २३७
 कुसुम (कुसुम) प २३१,४१ ज २१०,५३,६५,
 १६२; ३१२,३०,३५,८८,२२१; ४१६६;
 ५१५,७,२१,५८ सू २०७
 कुसुम (कुसुम्) कुसुमेति ज २१०; ४१६६
 कुसुमसंभव (कुसुमसंभव) ज ७११४१२
 सू १०१२४१२
 कुसुमासव (कुसुमासव) ज २१२२
 कुसुमिय (कुसुमित) ज २१११; ७२१३
 कुसेज्जा (कुशय्या) ज २१३३३
 कुहंड (कुष्माण्ड) ज २४१,४७१
 कुहंडियाकुसुम (कुष्माण्डिकाकुसुम) प १७२७
 कुहण (कुहण) प १३३११,१४७
 कुहर (कुहर) ज २३५
 कूड (कूट) प २११; १५५५३३ ज १३४,३५,४१,
 ४६१; २१३३; ४४४ से ४६,४८,५३,७६,
 ६६,६७,१०५,१०६,१५६१,१६२ से १६५,
 १६७,१६६,१७२१,१८०,१८६,१६२,१६८,
 २०४,२१०,२१२,२३६ से २४०,२६३,२६६,
 २७५,२७६; ५११,६ मे ८,१३; ६६११,६१११,
 १६; ७५८ सू १६१२६
 कूडसामली (कूटशात्मली) ज ४१२०८
 कूडसामलीपेठ (कूटशात्मलीपीठ) ज ४१२०८
 कूडागार (कूटागार) ज २१२०
 कूडागारसाला (कूटागारसाला) उ ३१८,२६,६३,
 १५६
 कूडाहृच्च (कूटाहृत्य) उ ११२२,२५,२६,१४०
 कूणिय (कूणिक) उ १११० से १२,१४,१५,२१,
 २२,६३ से ७४,८८,८६,६१ से ६५,६८ से
 १२६,१३१,१३४,१३६,१४०,१४४,१४५; २१४,
 ५,६,१६,१७; ५१६
 कूर (कूर) उ ३१३०
 कूल (कुल) ज ३१४,१५,१८,५१,५२,६६,१४६,
 १५०,१६१,१६४; ४३,२५,६४,८८,११०;

१४३,२०६,२११
 कूलधमा (कूलधमायक) उ ३५०
 कूवग्गह (कूपग्गह) ज ३११७८
 कूवमाण (कूप्यत्) उ ३१३०
 केइ (केचित्) प १४८१४१ ज २११३
 केउवहुल (केतुवहुल) ज २१२२
 केउभूय (केतुभूत) ज २१२२
 केऊर (केयूर) ज ३६; ५१२१
 केवकय (केकय) प १८६
 केणइ (केनचित्) पू १३५
 केतकिपुड (केतकीपुट) ज ४११०७
 केतु (केतु) प २४८
 केमहालय (कियत्महत्) ज ११७; ७२६ से ३०
 केमहालय (कियत्महत्) प २१३८,४० से ४२,
 ४८,६३ से ६६,६६ से ७१,७४,८४ से ६३
 केयइ (केतकी) प १३७५,१४३११
 केयइअद्ध (केकयाद्ध) प १६३६
 केयूर (केयूर) ज ३२१११
 केरिस (कीदृश) सू २०७
 केरिसिय (कीदृशक) प २३१६५,१६६,१६६ से
 २०१ ज १२१,२२,२६,२७,२६,३३,४६,५०;
 २१७,१४,१५,१७,१८,२०,५२,५६ से ५८,
 १२२,१२३,१२७,१२८,१३१ से १३३,१३६,
 १४७,१४८,१५०,१५१,१५६,१५७,१५६,
 १६१,१६४; ४५६,१००,१०१,१०६,१७०,
 १७१ उ ११२७
 केरिसिय (कीदृशक) प १७१२३ से १२८,१३०,
 १३५
 केलास (कैलाश) ज ३१६६,२१७
 केलास (कैलाश) सू २०१२ राहु का नाम
 केलि (केलि) प २४१
 केवइ (कियत्) प ७६; ३६६०,६१,७५
 केवइय (कियत्) प ५८२; ६३; १२११,१२;
 १५३२; २०१११; ३६४४ ज ११७; २४,
 ४४,४५; ४२५७; ६७,८; १०,११,१५ से

१८, २३ से २५; ७१, ३ से २५, ३२, ५४, ५७, ६०, ६२, ६४ से ७३, ७६, ७६ से ८२, ८६ से ९६, ९८ से १००, १२७, १७० से १७२, १७४, १८२, १८७, १९६, १९९, २०१ से २०७ चं २११; ३१२ सू ११६१; ११७१ उ ३११६, १२४, १६४

केवलचिर (विचित्र) प १८१ से १०, १२ से ३७, ४१ से ४७, ४९ से ५१, ५४ से ८२, ८४ से ९०, ९३ से १११, ११३, ११४, ११६, ११७, ११९, १२०, १२२, १२३, १२५ से १२७ ज ७१२१०

केवलि (क्रियत्) प ७१ से ४, ६ से ८, १० से ३०; २८११, २८४, २९, ३८, ५०; ३६६७, ७१, ७२, ७६

केवलि (क्रियत्) व ४१ से ४९, ५६ से ५८, ६५, ७२, ७९, ८८, ९२, ९८, १०१, १०४, ११३, १३१, १४०, १४९, १५८, १६५, १६८, १७१, १७४, १८३, २०७, २१०, २१३, २९४, २९७, २९९, ५४, ६, ९, ११, १७, २३, २७, २९, ३१, ३३, ३६, ४०, ४४, ४८, ५२, ८५, ९२, १००, १०३, १०६, ११०, ११४, ११८, १२८, २३१, २४१; ६१, २, ४ से २३, २७, ४३ से ४५, ६० से ६४, ६७, ६८; १२१७ से १०, १३, १५, १६, २०, २१, २३, २७, ३१, ३२; १५१७, ८, १४, १५, २२, २३, २७, ४०, ४१, ८३ से ८५, ८९, ९४ से ९८, १००, १०३ से १०६, १०८, १०९, ११३ से १२०, १२३, १२६, १२७, १२९, १३१, १३२, १३५, १३९ से १४१, १४३; १७१०६, १०८, ११०, १४२, १४३; २०१९, १०, १२, १३; २३१६० से ६२; ३३१२, ३, १०, १२, १३ १५ से १८; ३४१३; ३६१८ से २२, ३० से ३४, ४४ से ४७, ५९, ६६, ७०, ७३, ७४ ज ७११७३ सू ११२०, २२, २३, २६, २८ से ३१; २३; ३१; ४, ५, ८, १०; १२१२ से ९; १०४, ८, १५१२ से ७; १८४ से ६, ९, १०, १२, १३, २०, २५ से ३४; १९१४, ५, ७, ८, १०, ११, १४, १५, १८ से २१, २५, ३०, ३१, ३४, ३५, ३७, ३८

केवल (केवल) प २०१७, १८, २९, ३४ ज २१७१, ८५; ३१२३; ७१३५११, १८५ सू १८१३

केवलवप (केवलवप) प ३६११ ज २१६, ३९, ४७, ५३, ६४, ७२, १३३, १३८, १४५, १७५, १८५, १८८, २०९, २११ उ २१७, ९१

केवल (वाण) (केवलज्ञान) प २९११७

केवलनाण (केवलज्ञान) प २६४१३; ५१२४, १०२, १०७, ११९; १७११३; २०११८, ३३; २९१०; ३०१०

केवलनाणःरिय (केवलज्ञानार्थ) प ११९९

केवलनायादरणिज (केवलज्ञानावणी) प २३१२५

केवलनाणि (केवलज्ञानिन्) प ३१२०१, १०३; ५११, ११८, ११९; १३१९; १८१८२; २८१३६, १४०; ३०१३६, १७

केवलदंसण (केवलदर्शन) प ५१२४, १०२, १०५, १०७, ११९; २९३, १७; ३०३, १७

केवलदंसणावरण (केवलदर्शनावरण) प २३१४

केवलदंसणावरणिज (केवलदर्शनावणी) प २३१२८

केवलदंसणि (केवलदर्शनिन्) प ३११०४; ५११२०; १८१८८; ३०१३६

केवलद्विटि (केवलद्विटि) प २६४११३

केवलनाण (केवलज्ञान) प ५११०५

केवलनाणपरिणाम (केवलज्ञानपरिणाम) प १३१९

केवलनाणि (केवलज्ञानिन्) प ५१११९

केवलवोहि (केवलवोधि) उ ५१४३

केवलि (केवलिन्) प १११०४, १०८, १२१, १२९; १८१६७, ९६, ९७, ९९; २०११७, १८, २२, २५, २८, २९, ३४, ४५; ३०१२५ से २८; ३६१८२, ८३, ८३२ ज २६३, ७१; ३१२२४, २२५ उ ३१०२, १३५, १४२

केवलिपरियाय (केवलिपरियाय) ज २१८८; ३१२२५

केवलि (केवलि) प ३६१११

केवलिसमुग्धाय (केवलीसमुग्धात्) प ३६११, ३, ७, ११, १५ से १७, ३१, ३४, ३५, ४१, ७९, ८५,

केस (केश) प २।३१ ज २।१३३; ३।२६, ३६, ४७, ६२, ११६
 केसवटिठअणह (केशावस्थितनख) ज ३।१३८
 केस (कीदृश) ज ३।१२२
 केसर (केसर) प १।४८।४५, ४६ ज ३।२४; ४।३, ७, २५; ७।१७८
 केसरिद्रह (केसरिद्रह) ज ४।२६२
 केसलोय (केशलोच) उ ५।७३
 केसि (केसि) उ १।२; ५।२६
 केसुय (किमुक) ज ३।२५
 कोइल (कांकिण) ज २।१५; ३।२५ उ ५।५
 कोइलछदकुसुम (कांकिणछदकुसुम) प १।७।१२५
 कोइला (कांकिला) प १।७६
 कोउय (कौतुक) ज ३।६, ७७, ८२, ८५, १२५, १२६, २२२ उ १।१६, ७०, १२१; ३।११०; ५।१७
 कोउहल (कौतूहल) ज ३।३२
 कोऊहल (कौतूहल) ज ५।२६
 कोऊहलवसिय (कौतूहलवसिय) ज ५।२७
 कौंणग (कौण्डिन्य) प १।८६
 कौंच (कौञ्च) प १।७६, ८६ उ ५।५
 कौंचारव (कौञ्चारव) ज ३।८६, १०२, १५६, १६२
 कौंचस्तर (कौञ्चस्तर) ज ३।१६; ५।५२
 कौंडलग (कुण्डलग) ज ३।१२
 कौंत (कुन्त) ज ३।३, ३५
 कोकंतिय (दे०) ज २।३६ लोमडी
 कोकणद (कोकनद) प १।४६, १।४८।४४
 कोकासिय (दे० विकसित) ज ३।१०६
 कोकुइय (कौकुचिक) ज ३।१७८
 कोकृतिय (दे०) प १।६६; १।१२१, २३
 कोजय (कुञ्जय) ज ३।१२, ८८; ५।५८
 कोटेजमाण (कुट्टात्) ज ४।१०७
 कोट्टणी (दे०) ज ३।३२
 कोट्ट (कोष्ठ) ज ३।३२
 कोट्टय (कोष्ठक) प २।३०, ३१, ४१
 कोट्टपुड (कोष्ठपुड) ज ४।१०७
 १. हे० १।२६

कोट्टय (कोष्ठक) उ ३।६, १२
 कोट्टसमुग्ग (कोष्ठसमुद्ग) ज ३।११।३
 कोट्टसमुग्गयहत्थगय (हस्तगतकोष्ठसमुद्गक) ज ३।११
 कोट्टागार (कोष्ठागार) ज २।६४ उ १।६६, ६४, ६६
 कोडाकोडि (काटिकोडि) प २।४६, ५०, ५२, ५३, ५५, ५६, ६३; १।२।७, ३२; १।८।४२, ४४, ४६, ५३।६० से ६४, ६६, ६८, ६९, ७३ से ७७, ८१, ८३, ८५ से ९२, ९५ से ९६, १०१ से १०४, १११ से ११४, ११६ से ११८, १२७, १२६ से १३१, १३३, १७६, १७७, १८२, १८३, १८६, १८७, १९० ज २।६, ५१, ५४, १२१, १२६, १५४, १६०, १६३; ७।१, १७०
 कोडि (कोटि) प २।३०, ४६, ५०, ५२, ६२, ६३, ६४ ज १।२०, २३, ४८; २।६; ३।२४, १७८, २२१; ४।१, २१, ५५, ६२, ८१, ८६, ९८, १०८, १७२; ५।६८ से ७०; ६।८।१; ७।११ उ १।१४, १५, २१, १२१, १२२, १२६, १३३, १३६, १३७, १४०; ५।१०
 कोडिकोडि (कोटिकोडि) सू १।८।४; १।९।११, ५।३, ८।३, १।१।४, १।५।४; १।९।१६, २।१।५, ८, १।९।२।३, १।९।३१, ३।५, ३८
 कोडिगार (कोटिगार) प १।६७
 कोडो (कोटि) सू १।९।४, १।५।१, १।८, २।१२
 कोडोवरिस (कोटिवरिस) प १।६३।५
 कोडुंबिय (कौटुम्बिक) प १।६।७ उ १।१७, १८, ६२, १२३, १३१; ३।११, १०१; ४।१६, १७; ५।१०, १५, १६, १८
 कोटुक (कौतुक) सू २।०।७
 कोत्तिय (दे०) उ ३।५०
 कोत्थुभरि (कुस्तुम्बरी) ज ३।११६
 कोत्थलवाहण (दे०) प १।५०
 कोर्दंडिम (कुदण्डिम) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८,

६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 कोदूसा (कोरदूष?) प १४५२
 कोद्व (कोद्व) प १४५२ ज २३७; ३११६
 कोद्वाल (दे०) ज २१८
 कोमल (कोमल) ज २१५; ३१०६, २८८
 उ ३१६८
 कोमुई (कोमुदी) ज २१५
 कोरंट (कोरंट) ज ३१७८; ५१५८
 कोरंटय (कोरंटक) प १३८१ ज २१०;
 ३१२, ८८
 कोरग (कोरक) ज २१२
 कोरव्व (कोरव्व) प ११६५
 कोरेंटमल्लवाम (कोरंटमाल्यदामन्) प १७१२७
 कोलट्टिय (कोलास्थिक) सू १०१२०
 कोलव (कोलव) ज ७१२३ से १२५
 कोलमुणय (कोलशुनक) प ११६६ ज २३६, १३६
 कोलमुणय (कोलशुनक) प ११२१
 कोलमुणिया (कोलशुनिका) प ११२३
 कोलालिय (कोलालिक) प ११६६
 कोलाह (कोलाभ) प ११७०
 कोलाहल (कोलाहल) प २४१; ज २१३१
 कोस (कोश) प ३६८१ ज ११७, ३५, ३७, ४२, ५१;
 ४१७, ६, १४, १५, २४, ३१, ३३, ३६, ३६, ४१, ४३,
 ४६, ५६, ६६, ६८, ७०, ७२, ७६, ६३, ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२०, १२२, १३४, १३७, १४७,
 १५३ से १५५, २४२, ७१७७३३, २०७
 सू ११४; १८११, १२
 कोस (कोष) ज २१६४; ३३, १७५; ४६; ७१७७
 उ ११६६, ६४, ६८
 कोसंब (कोशास्र) प १३५१
 कोसंबी (कोशाम्बी) प ११६३३
 कोसल (कोशल) प ११६३२
 कोसलग (कोशलक) उ ११२७ से १३०, १३२
 कोसलिय (कोशलिक) ज २१६३ से ६७, ७३ से
 ८२, ८६ से ६०

कोसागर (कोसागर) ज ३१८१
 कोसिय (कोशिक) ज ७१३२३ सू १०१११
 कोसेज (कोशेज) ज ३२४३, ३७११, ४५११
 १३१३
 कोह (क्रोध) प ११३४११; १४३, ५, ७, ६, ११ से
 १५, १७; २२२०; २३६, ३५, ७० से ७२, १८४
 ज २१६, ६६, १३३ उ ३३४
 कोहकसाइ (क्रोधकषात्तिन्) प ३१६८; १३१४,
 १६; १८६५; २८१३३
 कोहकसाय (क्रोधकषाय) प १४११, २
 कोहकसायपरिणाम (क्रोधकषायपरिणाम) प १३१५
 कोहकसायि (क्रोधकषायिन्) प ३१६८
 कोहणिसिया (क्रोधनिश्चिता) प ११३४
 कोहसंजलना (क्रोधसंज्वलन) प २३१६६, १४०
 कोहसण्या (क्रोधसंज्ञा) प ८१, २
 कोहसमुग्धाय (क्रोधसमुग्धात्) प ३६४२, ४४ से
 ५१

ख

खडरसार (खदिरसारक) प १७१२५
 खओवसमिय (क्षायोपशमिक) प ३३११
 खंजण (खञ्जन) प १७१२३
 खंजण (दे०) सू २०२ राहु का नाम
 खंजणवण्णाभ (खञ्जनवर्णाभ) सू २०२
 खंड (खण्ड) प १३२५; १७१३५; ३३१३
 ज २१७; ६१६१; ६१७ उ ११४, १५, २१
 खंडग (खण्डक) ज ४१७२१; ६१७
 खंडगप्पवायगुहा (खण्डप्रपातगुहा) ज ३१५४, १६१
 से १६३
 खंडप्पवायकूड (खण्डप्रपातकूट) ज १४१
 खंडप्पवायगुहा (खण्डप्रपातगुहा) ज १२४;
 ३१४६, १५०, १५५ से १५७, १५६ से १६१;
 ४३५; ६१६
 खंडप्पवायगुहाकूड (खण्डप्रपातगुहाकूट) ज १३४
 खंडय (खण्डक) प ११७४
 खंडाभेद (खण्डभेद) प ११७६

खंडाभेय (खण्डभेद) प ११७३, ७४
खंडिय (खण्डित) ज ७१३४१
खंति (क्षान्ति) ज २६४, ७१; ३१०६
खंतुं (क्षन्तुम्) ज ३१२६
खंद (स्कन्द) ज २३१
खंदग्रह (स्कन्दग्रह) ज २४३
खंध (स्कन्ध) प १४, ३५, ३६, ४७१, १४८१२,
 २२, ३२, ३६; ३१७६; ५१२५, १२७, १३४,
 १३६, १३८, १५४, १६६, १६६, १७२, १८१, २२७
 से २३२; १०७ से १४; १०१४५, ६;
 १३१२२१; १६३६, ४३; ३०२६, २८
 ज ३१८, ७८, ६३, २१२, २१३; ४१४६; ५५;
 ७१७८ उ १६७, १२१, १४०; ३११४
खंधावार (स्कन्धावार) प १७४ ज ३१८, २८,
 ३१, ३२, ४१, ४६, ५२, ६१, ६६, ८१, ८८, ६५,
 १०१, ११५ से ११७, ११६, १२११, १२२,
 १२४, १३१, १३५, १३७, १४१, १५१, १५६,
 १६४, १६७, १७२, १८० उ १११५, ११६,
 १३३, १३४
खंभ (स्तम्भ) ज १३७; ३६६ से १०१, १६३;
 ४६, २६, २७, ३३, १२०, १४७, २१६, २४२;
 ५३, ४, २८, ३२ सू २०४
खंभच्छाया (स्तम्भच्छाया) सू ६४
खग (खड्ग) प १६५; २४६ ज ३३१;
 ४२००१
खगपुरा (खड्गपुरा) ज ४२१२, २१२४
खगरयण (खड्गरत्न) ज ३१०६
खचिय (खचित) ज १३७; ३२११; ५५८
खजग (खाद्यक) उ ३१३०
खजलग (दे०) उ ३११४
खजूरसारय (खजूरसारक) प १७१३४
खजुरी (खजूरी) प १४३३
खजुरीवण (खजूरीवन) ज २६
खट्टोदय ('खट्ट' उदक) प १२३
खड्डाबहुल ('खड्डा' बहुल) ज ११८
खण (क्षण) ज ७११२ सू १०१२६५

खण (खन्) खणति ज ५१३
खणित्ता (खणित्वा) ज ५१३
खतय (दे०) सू २०२ राहु का नाम
खत्तमेघ ('खत्त'मेघ) उ २१३१
खत्तिय (क्षत्रिय) ज २६५; ५५, ४६
खम (क्षम्) खमई ज २६७ खमंतु ज ३१२६
 खामेमु ज ३१२६
खम (क्षम) ज २६४
खमा (क्षमा) ज ३१०६
खय (क्षय) प ३३१११ ज ३१२३ उ ११३६
खयकर (क्षयकर) ज ३११७
खर (खर) प ११८, २०; १११६ से २०
 ज २१३३
खरमुही (खरमुखी) ज ३१२, ३१, ७८, १८०, २०६
खरय (दे०) सू २०२ राहु का नाम
खरोट्ठी (खरोट्टिका) प १६८
खल (खल) ज २६६
खलंत (स्खलत्) ज २१३३
खलु (खलु) प १४८५२; ६८०११; १७१५०,
 १५२, १५५; २३३, ६; ३६८२ ज १४६
 सू ११२ उ १५; २२; ३२; ४२; ५२
खल्लूड (खल्लूट) प १४८७
खव (क्षपय्) खवेइ सू १६१२
खवइत्ता (क्षपयित्वा) प ३६६२
खवय (क्षपय्) खवयति प ३६६२ खवेइ
 सू १६१२१८ खवेति प ३६६२
खवय (क्षपक) प २३१६१, १६२
खवल्लमच्छ (दे०) प १५६
खवेता (क्षपयित्वा) प ३६६२
खस (खस) प १८६
खसर (खसर) ज २१३३
खहचर (खेचर) प १५४, ७७, ८१; ३१८३;
 ४१४६ से १५७; ६७१, ७६, ७८, ६४; २१८,
 १७, ३५, ४७, ५३, ६० ज २१३१
खाइम (खाद्य) उ ३५०, ५५, १०१, ११०, १३४;
 ४१६

खाद्य (खादित) उ ११५१, ५४, ७६, ७९
 खाणु (स्थाणु) ज २३६; ४२७७
 खाणुबहुज (स्थाणुबहुज) ज ११८
 खात (खात) प २३०
 खाय (खात) प २३१, ४१ ज ३३२
 खार (धार) प १७६
 खारतउसी (धारत्रपुषी) प १७१३०
 खारतउसीफल (धारत्रपुषीफल) प १७१३०
 खारमेघ (धारमेघ) ज २४२, १३१
 खारोदय (धारोदक) प १२३
 खासीय (खासिक) प १८६
 खिखिणी (किकणी) ज ३३५
 √खित (खित्) खिसति उ ३११७
 खित्तिज्जमाण (खिस्यमान) उ ३११८, १२३
 खिप्पामेव (विप्रमेव) प २८१०५; ३४१६, २१,
 २४ ज २६५, ६७, १०१, १०५, १०७, १०९,
 १११ ११४, ११५, १४१ से १४५; ३७, १२,
 १५, १८, १९, २१, २५, २८, ३१, ३२, ३४, ३८,
 ३९ ४६, ४९, ५२, ५३, ५८, ६१, ६२, ६६, ६९,
 ७०, ७४, ७७, ८०, ८३, ९१, ९६, ९९, १००,
 ११५, ११८, १२१, १२४, १२८, १३२, १४१,
 १४२ १४७, १६० से १६५, १६८, १७३, १७५,
 १८०, १८१, १८३, १९१, १९९, २०७, २१२,
 २१३; ५३, ७, १४, १५ २२, २८, ५४, ६८ से
 ७०, ७२, ७३
 खीण (क्षीण) ज २६; ३२२५
 खीणकषाय (क्षीणकषाय) प ११०२, १०४ से
 ११०, ११५, ११७ से १२३
 खीर (खीर) प १४२१ लीकी
 खीर (धीर) प १५५५१; १७११६, १२८
 सू १०१२० उ ३११४, १३०
 खीरकाओती (क्षीरकाओली) प १४८५
 खीरपूर (क्षीरपूर) प १७१२८
 खीरसेह (क्षीरमेघ) ज २१४२, १४३
 खीरधर (क्षीरधर) सू १६३१
 खीरिणी (क्षीरिणी) प १२५२

खीरोद (क्षीरोद) ज २६७, ६८
 खीरोदग (क्षीरोदक) ज २६७ से १००, १११,
 ११२; ५५५
 खीरोदय (क्षीरोदक) प १२३ ज ५५५
 खीरोदा (क्षीरोदा) ज ४२१२
 खीरोयः (क्षीरोदा) ज ४२१२
 खीलग (कीलक) ज ७१२३३
 खीलगसंठिय (कीलकसंस्थित) सू १०४८
 खीलच्छाया (कीलछाया) सू ६४
 खीनिया (कीलिका) प २३४५, ६८
 खु (खतु) ज ३२४
 खुज्ज (कुवज) प १५३५; २३४६ ज ३१११, ८७
 खुज्जा (कुवजा) उ ११९
 खुड्ड (क्षुद्र) प ३६८१ ज १७; ४६०, ८३, ११३
 खुड्डग (क्षुद्रक) ज ४१३६
 खुड्डार (क्षुद्रतर) ज ४५४
 खुड्डाग (क्षुद्रक) प १८६५
 खुड्डाय (क्षुद्रक) सू ११४
 खुड्डया (क्षुद्रिका) ज ४६०, ८३, ११३
 खुभिय (क्षुभित) ज २६५
 खुर (खुर) ज ३३०; ७१७८
 खुरप्प (खुरप्र) प २२० से २७; १५५ ज ३३०
 खुत्ता (क्षुत्तक) प १४६
 खुहा (क्षुवा) ज ३२२११ उ ३१२८
 खेड (खेट) प १७४ ज २२२, १३१; ३१८, ३१,
 ८१, १८०, १८५, २०९, २२१ उ ३१०१
 खेडग (खेटक) ज ३३५
 खेडय (खेटक) ज ३३१
 खेड्डकारग (खलकारक) ज ३१७८
 खेत्त (क्षेत्र) प २६४; ३११२; १२३२; १४५,
 १४१८१; १५५२; १७१०६ से १११;
 २८२०, ३२, ६६; ३३२, ३, १०, १२, १३, १५
 से १८; ३६५९, ६०, ६६ से ६८, ७० से ७४
 ज २६६; ३३; ७२० से २५, २९, ५२, ५४,
 ७९ से ८२, ९५, ९६ सू ११४; २३; ३१;

६।१; ६।१; १०।४, ५, १७३; १६।२२।२५
खेतओ (क्षेत्रतस्) प ११।४८, ५०; १२।७, ८, १०,
 १२, १६, २०, २७, ३२; १८।३, २६, २७, ३७, ३८,
 ४१, ४३, ४५, ५६, ६४, ७७, ८३, १०८, ११७;
 २८।५, ५१; ३५।४ ज २।६६
खेततो (क्षेत्रतस्) प १८।६०, ६२, ६५
खेत्तानुवाय (क्षेत्रानुवात) प ३।१२५ से १७३,
 १७५, १७७
खेत्तारिय (क्षेत्रार्थ) प १।६२, ६३
खेतोवधातगति (क्षेत्रोपपातगति) प १६।२५
खेतोववायगति (क्षेत्रोपपातगति) प १६।२४
 से ३०।३२
खेम (क्षेम) प २।३०, ३१, ४१
खेमकर (क्षेमकर) ज २।५६, ६० सू २०।८, २०।८।७
खेमंधर (क्षेमंधर) ज २।५६, ६१
खेमपुरा (क्षेमपुरा) ज ४।१८१, २००।१
खेमा (क्षेमा) ज ४।१७७, २००।१
खेल (खेल) प १।८४
खेल्लणग (खेलनक) उ ३।११४
खेल्लणय (खेलनक) उ ३।१३०
खेवणी (क्षेपणी) ज ३।३१
खोत (क्षोद) प १५।५५।१
खोतोदय (क्षोदोदक) प १।२३
खोदवर (क्षोदवर) सू १६।३१
खोदोद (क्षोदोद) सू १६।३१
खोद्दाहार (क्षोद्दाहार) ज २।१३५ से १३७
खोम (क्षीम) ज ४।१३; ५।६७ सू २०।७
खोमिय (क्षीमिक) सू २०।७

ग

गइ (गति) प २।४८ ज २।१५, ७१, १३३; ३।३,
 १३८, १७८; ५।२१; ७।२१, २५, ५५, ५८, ८१,
 १७५, १७८ ज ४।१ सू १।६, १।८।१;
 १६।२२।२२
गइकल्लाय (गतिवल्क्याण) ज २।८१
गइनामणिहत्ताउय (गतिनामनिधत्तायुष्क)

प ६।११८
गइपरिणाम (गतिपरिणाम) प १३।२३
गइप्पवाय (गतिप्रपात) प १६।१७, ५५
गइरइय (गतिरनिक) ज ७।५५, ५८
गंसदत्त (गङ्गदत्त) उ ३।१३, १६०
गंसव्पत्रायकुंड (गंगाप्रपातकुण्ड) ज ४।२५, २६, ३१,
 ३५
गंगा (गंगा) ज १।१८, २०, ४८; २।१३१, १३३,
 १३४; ३।१, १४, १५, १८, १४१, १४३ से १५१,
 १६१, १६४, १७०; ४।१३, २३ से २६, ३३ से
 ३६, १६७, १७७, २७४; ५।५५; ६।१६
 सू २०।७ उ १।६७; ३।५१, ५६, ६८
गंगाकुंड (गंगाकुण्ड) ज १।५१; ४।१७५, १७६
गंगाकूड (गंगाकूट) ज ४।४४
गंगाकूल (गंगाकूल) उ ३।५०
गंगादीव (गंगाद्वीप) ज ४।३१, ३२
गंगादेवी (गंगादेवी) ज ३।१४०, १४१, १४३, १४५,
 १४६
गंगावत्त (गंगावत्त) ज २।१५
गंगावत्तणकूड (गङ्गावर्तनकूट) ज ४।२३
गंज (गञ्जा) प १।३७।५
गंठि (ग्रन्थि) प १।४८।३८ ईख
गंड (गण्ड) प १।६५; २।५० ज ४।१३; ५।६७;
 ७।१७८
गंडतल (गण्डतल) प २।२०, ४६
गंडयल (गण्डतल) प २।३१, ४१
गंडसेहा (गण्डरखा) ज २।१५
गंडीपद (गण्डीपद) प १।२२
गंडीपय (गण्डीपद) प १।६५
गंडूयलम (गण्डूयलम) प १।४६
गंता (गत्वा) प ११।७२; ३६।६२ ज ३।२२, ३८,
 ४६, १३२
गंतूण (गत्वा) प २।६४।२, ३
गंध (गन्ध) प १।४ से ६; २।३०, ३१, ४१, ४६;
 ३।१८२; ५।१७, १२, १४, १६, १८, २०, २४, २८,

३०, ३२, ३४, ३७, ३९, ४१, ४५, ५३, ५६, ५९,
 ६१, ६३, ६५, ७१, ७४, ७६, ७८, ८३, ८६, ८९,
 ९१, ९३, ९७, १०१, १०४, १०७, १०९, १११,
 ११५, ११९, १२९, १३८, १५०, १५२, १५४,
 १९०, २०७, २११, २१४, २२८, २४२, २४४;
 १०५३३१; १११५५; ११५३८, ४२, १५५५३२;
 १७११४११, १७११३२ से १३४; २३१५ १६,
 १९, २०, १९०; २८१२०, ३२, ६६; ३६१८०, ८१
 ज ११३३; २१७, १६, १८, १२०, १४२ १६४,
 २११; ३१३, ७, ९, ११, १२, २१, ३४, ७८, ८२,
 ८५, ८८, १०९, १८०, १८७, २०९, २११, २१८,
 २२२; ४१८२, १०७, १०९; ५१५, ७, २२, २६,
 ३२, ५५, ५८; ७१२०९ सू २०१७ उ १३५;
 ३५०, ११०; ५१२५
गंधजो (गन्धतस्) प ११५ से ९; ११५६; २८१८,
 २०, २६, ३२, ५४, ५६
गंधकासाइय (गन्धकासायिक) ज ३९, २११, २२२;
 ५१५८
गंधचरिम (गन्धचरम) प १०४८५९
गंधट्टय (गन्धाट्टक) ज ५१४
गंधणाम (गन्धनामन्) प २३१३८, ४८, १०६, १०७
गंधतो (गन्धतस्) प ११७ से ९
गंधदेवी (गन्धदेवी) उ ४१२१
गंधधुणि (गन्धध्राणि) ज २११२
गंधपज्जव (गन्धपर्यव) ज २१५१, ५४, १२१, १२६,
 १३०, १३८, १४०, १४९, १५४, १६०, १६३
गंधपरिणाम (गन्धपरिणाम) प १३१२१, २७
गंधमंत (गन्धमन्त) प ११५२, ५५; २८५५, ५१
गंधमायण (गन्धमादन) ज ४११०२, १०४ से १०८,
 १६२, २०४, २१५
गंधमायणकूड (गन्धमादनकूट) ज ४११०५
गंधवट्टिभूत (गन्धवर्तिभूत) प २१३०, ३१, ४१
 ज ३१७, ८८, १८४, १९३; ५१५७ सू २०१७
गंधवट्टिभूय (गन्धवर्तिभूत) ज ५१७
गंध (वासा) (गन्धधर्षा) ज ५१५७
गंधव्व (गन्धव्वं) प ११३२; २१४१, ४५; ६१८५

ज ३११५, १२४, १२५; ७१२२३ सू १०८५३
गंधव्वछाया (गन्धव्वछाया) प १६४७
गंधव्वलिपि (गन्धव्वलिपि) प ११९८
गंधव्वानीय (गन्धव्वानीक) ज ५१४१, ४४
गंधहत्थि (गन्धहत्थिन्) उ ११६६ से ९९, १०२ से
 ११९, १२७, १२८
गंधादेश (गन्धादेश) प ११२०, २३, २६, २९, ४८
गंधावड (गन्धापातिन्) ज ४१२६६
गंधावडवट्टवेयड्डपव्वय (गन्धापातिवृत्तव्वैताड्डय-
 पर्वत) ज ४१२६२
गंधावति (गन्धापातिन्) प १६३०
गंधाहारग (गन्धारक) प ११८९
गंधिल (गन्धिल) ज ४१२१२, २१२३
गंधिय (गन्धिक) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१७, १२,
 ८८, २११, २२१; ४१२९; ५१७, ५८ उ ३१३१
गंधिलावई (गन्धिलावती) ज ४११०३, २१२,
 २१२३
गंधिलावडकूड (गन्धिलावतीकूट) ज ४११०५
गंधोदग (गन्धोदक) ज ५१७
गंधोदय (गन्धोदक) ज ३९, २२२
गंभीर (गम्भीर) प ११५१; २१२० से २७, ३०, ३१,
 ४१, ज २१५५, ६८; ३१३५, १३८१; ४१३, १३,
 २५; ५१२२ से २४; ७११७८ सू २०१७
गंभीरमालिणी (गम्भीरमालिनी) ज ४१२१२
गगण (गगत) ज ११२६; २१६८; ३११७८; ४१४९
गगनतल (गगनतल) प २१४८ ज ३११७८; ५१४३
 उ ५१५
गगर (गद्गद) ज ७११७८
√गच्छ (गम्) गच्छ ज ३१८३, १७० उ ११५४
 गच्छइ ज ४१२६८ २७४; ५१२२, २६; ७१२० से
 २५, ७९ से ८४, ९५ ९८ से १००, १३५;
 ७१३५१ ज २११ सू ११६१ गच्छं
 ज ३१५४, १७० गच्छंति प ६१९९, १०५,
 ११०, ३६१८३ ज २१४९; ७१३९ से ४८
 गच्छति प १६३४, ४१, ४२, ४४, ४५, ४७, ५१,
 ५४; ३६१८२, ८३१ सू २१२

गच्छह ज ३१२५, १२७ उ १४४ गच्छामि
ज २१६०; ३१२६, ३६, ४७, ५६, १३३, १४५;
५१२२ उ १११७; ३१२६ गच्छामो ज ३१३८;
५१३ गच्छाहि ज ३१७६, १२७, १२८, १५१
गच्छिहिइ उ ११४१; ३११८; ४१२६; ५१४३
गच्छिहिइति ज २१३५ से १३७ गच्छेज्ज
प ३६१६१

गच्छमाण (गच्छत्) सू २१२; २०१२

गच्छिता (गत्वा) ज ५१४४

√गज्ज (गर्ज्) गज्जति ज ५१७

गज्जिय (गजित) ज ३११०४, १०५; ७१७८

गड्ड (गर्त) ज २१३८, १३१; ३१८८ उ ३१५५

गदिय (ग्रथित) उ ३११४, ११५, ११६

गण (गण) प २१३०, ३१, ४१, ४८, ६० से ६३;
२१६४१५ ज ११३१; २१८, १२, १३, २०, ३६,
४१, ६४; ४१३, २५ सू १६१२१०, २१; २०१६४
उ ४१११; ५१५

गणग (गणक) ज ३१६, ७७, २२२

गणणा (गणना) चं ११३

गणधम्म (गणधर्म) ज २१२६

गणनायग (गणनायक) ज ३१६, ७७, २२२

गणराय (गणराज) उ ११२७ से १३०, १३२

गणहर (गणधर) प १६५१ ज २१७३, ६५, ६६,
१०० से १०२, १०४ सू २०१६४

गणहरच्चियगा (गणधरचितका) ज २११०५ से
११२, ११४

गणावच्छेइय (गणावच्छेदक) प १६५१

गणि (गणिन्) प १६५१ ज ३१३५, १६७ चं ११३

गणिज्जमाण (गण्यमान) सू १२३ से ६, १५

गणितलिपि (गणितलिपि) प ११६८

गणिय (गणित) ज २१४, ६४; ३११६७३; ६१७, ८

गणियपय (गणितपद) ज ६१८१

गणिया (गणिका) ज ३११२, २८, ४१, ४६, ५८,
६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३ उ ५११०,
१७

गत (गत) प २१३०, ३१, ६३; १७१०७, १५१,
१५४; २१५२, ५५, ७७; ३४२०; ३६१८३१२,
३६१८६, ८८ सू २१३, ६३; १३१७, ६, १२, १४
से १६; २०१७

गति (गति) प ३१११, ३१३८, ३६; १०५३११;
१६३६, ४०, ४३, ४६, ५५; १७११४११;
१८१११; २३११३ से २३; ३६१८३१२ सू
२१३; १५११, ३७; १८१८

गतिचरिम (गतिचरम) प १०३१ से ३३

गतिणाम (गतिनामन्) प २३३८, ३६, ८१ से
८४, १४६, १४८, १४९, १७१, १७२

गतिणामनिहत्ताउय (गतिनामनिधात्तायुष्क)
प ६११६, १२२

गतिपरिणाम (गतिपरिणाम) प १३१२, ३, १४, १६
से २१, २३

गतिमाता (गतिमात्रा) सू १५१५ से ७

गतिरतिथ (गतिरतिक) सू १६१२३, २६

गतिसमावण (गतिसमापन्न) सू १०११७०; १५१५
से १३

गतिसमावणग (गतिसमापन्नक) सू १६१२३, २६

गत (गात्र) प २१३१ ज ३१६, २२२; ४१३;
५१५; ७१७८

गदम्भ (गर्दभ) प ११६३

गम्भ (गर्भ) प ६१२६; १७१६६, १६७, १६६
से १७२ ज २१८५; ३१३ उ ११५० से ५२,
५४, ७४, ७६, ७७, ७९

गर्भवक्कंतिय (गर्भावकात्तिक) प ११६०, ६६,
७५, ७६, ८१, ८२, ८४, ८५, १२६; ३१८३;
४१११० से ११२, ११६ से १२१, १२८ से
१३०, १३७ से १३६, १४६ से १४८, १५५ से
१५७, १६२ से १६४; ६१२२, २४, ६५, ६६,
७१, ७२, ८४, ६७, ६८, १०८, ११३; ६१७, १०,
१७, २३; १६१२८; १७१४३, ४७, ६३, ६४, ६६,
६७, ८६; २११६, १०, १२, १३, १५ से २०, ३१,
३४, ३६, ४३ से ४८, ५३, ५४, ७२

गढभवसहि (गर्भवसति) प २१६४
 गढिभणी (गर्भिणी) ज ३१२२
 गम (गम) प १५११४३; २३११६७ ज २१५६,
 १५६; ३१३, १६३, २०३, २१७; ३११३६,
 १४०११, १६७, २४३; ५१४० सू ८१
 गमण (गमन) ज ३१६, ३५, ६५, १६३ उ ११४२,
 ६६, १२६; ३११२७, १२६
 गमणिज्ज (गमनीय) ज २१६४; ३११६५, २०६;
 ५१५६
 गमय (गमक) प ५११७६; १७१२६, ३५
 गमित्तए (गन्तुम्) उ ४१११
 गय (गज) प २१३० ज २११५, ६५; ३११५, १७,
 २१, २२, ३१, ३४ से ३६, ७७, ७८, ६१, १७३,
 १७५, १७७, १७८, १६६ उ ११२३, १३६;
 ५११८
 गय (गल) प २१४१; १७११०६, ११११; २११५५
 ज २११५; ३११६, १३६; ७११३३३, १३५
 चं ११२, २ उ ११२५, ४६, ५१, ५४, ६४, ७६, ७६,
 ६६, ६६, ६७, १११, ११२, १२१, १३६; २१६;
 ३११५, ३५, ५१, ५६, ६४, १२१, १६२; ४१२४;
 ५११७, २०, २७, ३१, ४०
 गयंद (गजेन्द्र) चं १११
 गयकण्ण (गजकर्ण) प ११६६
 गयकलभ (गजकलभ) प १७१२२३
 गयछाया (गजछाया) प १६१४७
 गयण (गगन) ज ३१३
 गयणतल (गगनतल) ज ५१४३
 गयतालुय (गजतालुय) प १७१२२६
 गयदंत (गजदन्त) ज ३१३५; ४११०३; ७११३३३
 गजदंतसंठिय (गजदंतस्थित) सू १०१५१
 गयपुर (गजपुर) प ११२३१२
 गयमारिणी (गजमारिणी) प ११३७५
 गयख्वधारि (गजख्वधारिन्) ज ७११७६
 सू १८१४
 गयवड (गजवति) प ११४६ ज ३११७, १२६१२,
 १७७, १६३, २०१, २१४ उ ११२४, १३१;

५११६
 गयवति (गजवति) ज ३१२६१२
 गयवर (गजवर) ज ३१६१
 गयविक्रम (गजविक्रम) ज ७१२३३३
 गयविक्रमसंठिय (गजविक्रमस्थित) सू १०१५३
 गरह (गर्ह) गरहति उ ३१११७ गरहेहि
 उ ३१११५
 गरहिज्जसाण (गर्ह्यमाण) उ ३१११८
 गराइ (गर) ज ७१२२३ से १२५
 गरुय (गुरुक) प ११४ से ६; ३११६२; ५१५, ७,
 २०६; १५११४, १६, २७, २८, ३२, ३३; २८२०,
 ३२, ६६
 गरुयत्त (गुरुकत्त) प १५१४४, ४५
 गरुयलहुयपज्जव (गुरुकत्तपुत्रपर्यय) ज २१५१,
 ५४, १२१, १२६, १३०, १३६, १४०, १४६, १५४,
 १६०, १६३
 गरुल (गरुड) प २१२०, ३१ ज ३११०६; ४१२०८
 चं ११२
 गरुलव्वूह (गरुडव्वूह) उ ११४, १५, २१, १३६,
 १४०
 गल (गल) ज २११५; ७११७६
 गल (गलन्) चं १११
 गल (गलन्) गलइ उ ११५१
 गलय (गलन्) ज ७११७६
 गललाय (गललाय) ज ३११७६; ७११७६
 गल्ल (गल्ल) ज ५११८
 गवख (गवाक्ष) ज ११६; २१२०; ३१३
 गवय (गवय) प ११६४ ज २१३५
 गवल (गवल) प २१३१, १७१२३ ज ३१२४
 गवलवलय (गवलवलय) प १७१२३
 गवेलग (गवेलक) ज ३११०३
 गवेलय (गवेलक) ज २१२३१
 गवेल (गवेम्) गवेलइ उ ३१११४
 गवेसग (गवेपक) ज ३११०६
 गवेसणा (गवेपणा) ज ३१२२३ सू २०१७
 गवेसिता (गवेपयित्वा) उ ३१११४

गन्धिय (गन्धिय) ज ७१७७

गह (ग्रह) प ११३३; २१२० मे २७,४८ से ५१,
६३ ज १२४; ७१७७३, १८०, १८१, १८६,
१६७ सू १०१७१ से १७३; १५११, १०, १३;
१८४, १८, १९, ३७; १९११, ५२, ८२,
१६१२३३, ६, ६, १०, २१, २०, २६, ३१; २०८

गहण (ग्रहण) ज ३३, १७, २१, ३७, १७७, २२२;
७३५, ५८, १८०, १८१, १६७, सू १८१८;
१६१२२, २३, २६; २०१७ ज २१२२; ५४१

गहन (ग्रहन) प १४८५३ से ५५; ११५३, ५५,
५७, ५६, ७१; १८६५; २२१५. ८० उ १७१

गहणया (ग्रहण) उ ११७

गहत्त (ग्रहत्व) उ ३८२

गहर (दे०) प १७६

गहदिगाण (ग्रहदिगाण) प ५१८६ से १६४

ज ७१७८१, १६१, १६२ सू १८८, ११, १५,
३१, ३२

गहाय (गृहीत्वा) प ३६८१ ज ३८८ उ १६७;
३५०

गहिकण (गृहीत्वा) ज ३२४

गहित (गृहीत) सू २०२, ६१२ उ ३५५

गहिय (गृहीत) प २४१; ११७१, ७२ ज ३१२,
७७, ८८ १०७, १२४, ५७, ५८ उ ११३८;
३६३, ७०, ७३

गहिर (गंभीर) प २४७

गा (गौ) गायत्री ज ५५७

गाउय (गव्युत) प १७५; २६४; २१४२, ४४, ४६;
४७१, १२; २४८; ३३२ मे ६ ज २३, ४५;
४८६, १०३, ११०, १४३, १७८, २०३, २२६;
७६०, १८२

गाउयपुहत्तिय (गव्युतपुधवित्वा) प १७५

गागर (दे) प १५६ ज ३३

गात (गात्र) ज ३२११; ५५८

गाम (गाम) प १७७; १६२२, २१६२, ६३
ज २२२, ६६ ७०, १३१; ३१८, ३१, ३२, ८१,

१६७२, १८०, १८५, २०६, २२१ उ ३१०१;
५३६

गामकंटय (ग्रामकण्टक) उ ५४३

गामणिद्रमण (ग्राम'णिद्रमण') प १८४

गाममारी (ग्राममारी) ज २४३

गामरोम (ग्रामरोम) ज २४३

गाय (गो) प ११४

गामानुगाम (ग्रामानुग्राम) उ १२, १७, ३२६, ६६,
१३२; ५३६

गामि (गामिन्) उ ११११, ११२

गाय (गो) प ११४

गाय (गात्र) प १७१३४ ज २१५, १८, ३८२,
२११, ५५८ उ ३५०

गायंत (गायन्) ज ३१७८

गारव (गौरा) ज ३३

गारविय (गौरवित) सू २०६१२

गालण (गालन) उ १५१, ७६

गालित्तए (गालयितुम्) उ १५१, ७६, ७७

गालेमाण (गालयत्त) उ ५२५

गावी (गो) ज २३४

गाह (ग्राह) प १५५, ५८

गाह (ग्राह्) गार्हेहिति ज २१३४

गाहा (गाथा) प १४८; २४०; १५५५ सू ११७,
१६, २५

गाहावड (गृहपति) ज ४१८१, १८३, १८४, १८६,
१६५ उ ३१०, ११, १३, २१, १५८, १६०, १६६;
४७ से ६, १६, १८

गाहावडकुण्ड (गृहपतिकुण्ड) ज ४१८२, १६४

गाहावडणी (गृहपत्नी) उ ४६

गाहावडदीप (गृहपतिद्वीप) ज ४१८२

गाहावडरयण (गृहपतिरत्त) ज ३११६, १२०,
१७८, १८६, १८८, २०६, २१०, २१६, २१६,
२२०

गाहावडरयणत्त (गृहपतिरत्तत्त) प २०५८

गाहेत्ता (ग्राहयित्वा) ज २१३४

गिण्ह (ग्रह्) गिण्हइ ज ५१६०, ६६ उ ११५७
गिण्हंति ज ५१४, १७, ५५ उ ११४५ गिण्हह
उ ११४४ गिण्हइ उ ११४८

गिण्हउकाम (ग्रहीतुकाम) उ १११०५

गिण्हमाण (ग्रह्णत्) प १११७०

गिण्हित्तए (ग्रहीतुम्) उ ११११६

गिण्हित्ता (ग्रहीत्वा) ज ५१४४ सू २०१२ उ ११४५

गिण्हैऊणं (ग्रहीत्वा) उ ३१६८

गिण्हेत्ता (ग्रहीत्वा) उ ११४८

गिरह (ग्रीष्म) ज २१६४, ७०; ७११६४, १६७

सू ८११; १०१७१ से ७४; १२११४ उ ५१२५

गिरिकुमार (गिरिकुमार) ज ३११३३, १३६

गिरा (गिरा, गिर्) ज २११५

गिरि (गिरि) ज २११५, ६५, १३१, १३३, १३४;

३१३२, ७६, ७७, १०६, १२६१४, १२८, १३८,
१५१, १७०, १८५, २०६, २२१; ४१२३४, २४०

गिरिकण्ड (गिरिकर्णी) प ११४०१५ अपराजिता

गिरिदरी (गिरिदरी) ज ३११०६

गिरिराय (गिरिराज) ज ४१२६०११ सू ५११

गिरिवर (गिरिवर) ज २१६५; ३१३, ८८

गिल्लि (दे०) ज २१३३

गिह (ग्रह) ज ३१३२, १८३, १८६ उ ११४२, ४४,

१०८; ३१२६, १००, १०१, १३१, १४१, १४८;
४१२, १५

गिर्हिलगसिद्ध (ग्रहलिङ्गसिद्ध) प १११२

गीत (गीत) प २१३०, ३१, ४१ सू १८१२३;

१६१२३, २६

गीतजस (गीतयवास) प २१४५, ४५१२

गीतरति (गीतरति) प २१४५

गीय (गीत) प २१४१, ४६ ज ११४५, २१६५;

३१८२, १८५, १८७, २०४, २०६, २१८; ५११,
१६; ७१५५, ५८, १८४

गीयरइ (गीतरति) प २१४५१२

गीवा (ग्रीवा) ज २११५

गुंजंत (गुञ्जत्) ज २११२

गुंजद्ध (गुञ्जार्ध) ज ३१३५, १८८

गुंजद्धराम (गुञ्जार्धराम) प १७१२२६

गुंजालिया (गुञ्जालिका) प २१४, १३, १६ से १६,
२८; १११७७

गुंजावल्ली (गुञ्जावल्ली) प ११४०१४ घूघची

गुंजावाय (गुञ्जावात) प ११२६

गुच्छ (गुच्छ) प ११३३१, ३७; ११४८६, ६१

ज २११२, १३१, १४४, १४६ उ ५१५

गुच्छवहुल (गुच्छवहुल) ज १११८

गुञ्ज (गुञ्ज) उ ३१११

गुञ्जंतर (गुञ्जान्तर) ज ४१२१

गुण (गुण) प २१६४१३, १७; ५१३६ से ३८, ५८

से ६०, ७३ से ७५, ८८ से ६०, १०६ से १०८,

१४६, १५०; १५१४ से १६, २७, २८, ३२, ३३,

५७; २०१७, १८, ३४; २८१०, २६, ३२, ६६;

३४१२० ज २११५, ६५; ३१३, ३२, ११७११;

११६, १८६, २०४, २०६; ५१५६, ६८, ७०

√गुणइ (गुणाद्य) ज ३१३२११

गुणनिष्कण (गुणनिष्कण) उ ११६३

गुणरयण (गुणरत्न) ज ५१५८

गुणसिलय (गुणशिलक) उ १११, २; ३१४, २१, २४,

८६, १५५, १६८; ४१४, ६, १३, १८

गुणसेठि (गुणश्रेणि) प ३६१६२

गुणसेठीय (गुणश्रेणिक) प ३६१६२

गुणहर (गुणघर) ज ३११२६११

गुणित (गुणित) सू १६१२२१२६

गुणिय (गुणित) ज २१६

गुणेत्ता (गुणयित्वा) ज ७१३१ सू ४१४, ७

गुणोषवेय (गुणोषेत) ज २११४

गुत्त (गुत्त) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६८; ३१३५

गुत्तबंधयारि (गुत्तबन्धाचारिन्) ज २१६८ उ २१६;

३१३३, ८६, १०२, ११३, ११५, १४६, १६०;

४१२०, २२; ५१२७, ३८, ४३

गुत्ति (गुत्ति) प १११०१११० ज २१७१

गुणित्तिदिय (गुण्तेन्द्रिय) ज २१६८ उ ३१६६
गुमगुमंत (गुमगुमायमान) ज २१२२
गुम्म (गुल्म) प १३३१; १३३५, १३५६, १३५६
 ज २११०, १२, १३१, १४४ मे १४६; ३१२२१;
 ४१६६ उ ५१५
गुम्मबहुल (गुल्मबहुल) ज ११८८
गुरु (गुरु) प ११११ ज २१२३३
गुरुजण (गुरुजन) उ ११७२
गुरुजणग (गुरुजनक) उ ११८८, ६२
गुल (गुड) प १७१३५ ज २११७
गुलगुलाइय (गुलगुलायित) ज २१६५; ३१३१;
 ५१५७
गुलिया (गुलिका) प २१३१ ज ७११७८
गुलगुलाइय (गुलगुलायित) ज ७११७८
गुहा (गुफा) ज ११२४; ३१३२
गूढवंत (गूढदन्त) प ११८६
गूढछिराग (गूढशिराक) प ११४५३६
√गेण्ड (गूढ) गेण्डइ प १११७१ ज २१११३;
 ३१२६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२, १३३, १३८,
 १४५; ५१५५ उ ३१५१ गेण्डति प १११८१;
 २८२२ से २४, ३४ से ३६, ३६, ४०, ४२, ४५,
 ६८, ६९, ७१; ३४६ ज २१११३; ५१५५
 गेण्डति प १११४७ से ७०, ८०, ८१, ८३, ८५
 सू २०२
गेण्डमाण (गूढणत्) सू २०२
गेण्डिता (गूढीत्वा) ज ३१२६, ३६ उ ३१५१
गेय (गेय) ज ५१५७
गेरुय (गेरिक) प ११२०४
गेविज्ज (ग्रेविय) उ १११३८
गेविज्जग (ग्रेवियक) ज ३१६, ३६, २२२
गेविज्जविमाण (ग्रेवियकविमान) उ ५१४१
गेवज्ज (ग्रेविय) प २१४६, ६३; ३४१६, १८
 ज ३१७७, १०७, १२४; ७११७८
गेवेज्जग (ग्रेवियक) प १११३६, १३७; २१४६, ६० से
 ६२; ६१६६, ६८; १५१८८, ६१, ६६, १०४, १०८,
 ११२, ११५, ११६, १२२, १२५, १२७, १२६,

१३६; २११५५, ६२, ७१, ६३; ३३२२५
गेवेज्जगविमाण (ग्रेवियकविमान) प २१६०;
 ३०२६
गेह (गेह) ज ६६ सू ४२, ३
गेहावण (गेहायतन^१) ज २१२१
गेहावणसंठित (गेहावणसंस्थित) सू ४२
गो (गो) ज ३११०३
गोकण (गोकर्ण) प ११६४, ८६ ज २१३५
गोकडीर (गोक्षीर) प २१६४
गोखीर (गोक्षीर) प २१३१ ज ४१२२५; ५१६२;
 ७११७८
गोजलोय (गोजलीका) प ११४६
गोड (गोड) प ११८६
गोण (गोण) प ११६४; १११६ से २० ज २१३५
गोणस (गोनस) प ११७१
गोतम (गोतम) प ३६१२२, ८१ चं ११४
गोत्त (गोत्र) प ३६१६२ ज १११५; ७१२७१,
 १३२१४, १६७१ चं ५१३, १० सू ११५; ६१४;
 १०१६२ से ११६; १६२२२३
गोत्तफुसिया (गोत्रस्पशिका) प ११४०५
गोध (गोध) प ११८६
गोधूम (गोधूम) प ११४५१
गोपुच्छ (गोपुच्छ) ज १११८, ३५, ५१; २११५;
 ४१४५, ११०, २१३, २४२
गोपुर (गोपुर) ज २१२० सू ४२
गोमयकीडग (गोमयकीटक) प ११५१
गोमाणसिया (दे०) ज ४११३०
गोमुह (गोमुख) प ११८६
गोमेज्जय (गोमेदक) प ११२०३
गोम्ही (दे०) प ११५०
गोय (गोत्र) प २२२२८; २३११, २, ५७; २४११५;
 २६१११; २७५५; ३६१८२ ज ३१२२५
 उ १११७
गोयम (गोतम) प ११७४, ८४; २११ से ३६, ४१ से
 १. गेहेषु आपतनानि वा उपभोगार्थमागमनानि ।

४४,४६,४८ से ६४,३३८ में १२०,१२२
 में १२४,१७४,१७६ से १८२;४१ से ५४,
 ५६ में ६७,६९ से ७४,७६ में ९०,९२ से
 २६६;५१ से ७,९ में २०,२२,२४,२७
 में ३४,३६,३७,४०,४१,४४,४५,४८,४९,५२,
 ५३,५५,५६,५८,५९,६२,६३,६७,६८,७०,
 ७१,७३,७४,७७,७८,८२,८३,८५,८६,८८,
 ८९,९२,९३,९६,९७,१००,१०१,१०३,१०४,
 १०६,१०७,११०,१११,११४,११५,११८,
 ११९,१२३ से १३१,१३३ से १४०,१४२ में
 १४७,१४९,१५०,१५३,१५४,१५६,१५७,
 १५९,१६२,१६३,१६५,१६६,१६८,१६९,
 १७१ में १७४,१७६,१७७,१८०,१८१,१८३,
 १८४,१८६,१८७,१८९,१९०,१९२,१९३,
 १९६,१९७,१९९,२००,२०२,२०३,२०६,
 २०७,२१०,२११,२१३,२१४,२१७,२१८,
 २२०,२२१,२२३,२२४,२२७ से २३४,
 २३६ से २३९,२४१,२४५;६१ से ४५,
 ४७ में ५५,५७,५८,६० से ६४,६७,६८,७०
 में ७२,७४ में ८५,८७ में ९१,९३,९४,९६ से
 १०३,१०५ से ११०,११२,११४ से ११६,
 ११८ से १२१,१२३;७१ से ४,६ से ३०;
 ८१ से ११;९१ से ४,६ से १६,१९ से २२,
 २५,२६; १०१ से ५,७ से १३,१५ से २४,
 २६ से २९,३१ से ५३;१११ से ४४,४६,
 ७३,७६ से ९०;१२१ में ५,७ से १३,१५,
 १६,२०,२१,२३,२४,२७,३१ में ३३; १३१
 में १३,०१ से ३१;१४१ में ३,५,७,९ ११ से
 १५,१७;१५१ में २८,३० से ३३,३६ से ५४,
 ५७ से ७४,७६ से ८४,८६,९१ से ९८,१००,
 १०३ से १०६,१०८,१०९,११३ से ११९,
 १२६,१२९,१३२ से १३५,१४०,१४१;१६१
 से ४,६ में ८,१० से १३,१५,१७,१९ से
 २१; १७१ से ६,८ से १७,१९ में २२,२४,
 २५,२७,२९,३३,३६ से ६१,६३ से ६९,७१

से ७६,७८ से ८७,९० में ९२,९४,९५,१००,
 १०२ में १०४,१०६ से ११६,११८ में १३७,
 १३९ से १४७,१४९ में १५२,१५४ में १६४,
 १६६,१६७,१६९ में १७२;१८१ में १०,१२
 में ३७,३९,४१ में ४७,४९ में ९०,९२ में
 १२७;१९१ से ३,५;२०१ से ५,७,७,९
 में २५,२७ में ३०,३२ में ३४,३८ में ५४,६१
 से ६४;२११ से १५,१९ में २५,२८ में ३२,
 ३६ से ३८,४० में ४२,४८ में ८१,८३ से
 ९६,९८ में १०१,१०३ से १०५;२२१ से
 ११,१३,१५,१७,१९,२१ में २३,२६,२७,
 २९,३०,३२ से ५०,५२,५३,५७,५९ से ६९,
 ७८,७९,८२ में ८४,८६,८७,८९ से ९५,९७
 में ९९,१०१;२३१ से ७,९ से ११,१३ से
 ५०,५७ से ६२,६५,६९ से ७९,८१,८३
 में ८६,८९,९०,९५,९८,९९,१०१ में १०४,
 १०६,१११ से ११८,१२८,१२९,१३१ से
 १३५,१३७ से १४०,१५४,१५५,१५७,१६०,
 १६१,१६४,१६७,१७१,१७३,१७६,१७७,
 १९१ से १९६,१९८ से २०१;२४१ से ६,८,
 १० से १५;२५१,२,४,५;२६१ से ४,६,८
 से १०;२७१ से ३,५,६; २८१,३ में ७,१०
 से १९,२१ से २४,२९,३१,३३ में ३७,३९ से
 ४२,४४,४५,४९ से ५३,५६ से ६५,६७
 में ७१,७६ से ९९,१०२,१०४,१०६ से १२०,
 १२२,१२३,१२५,१२७ से १२९,१३२;२९१
 से ३,५ से १३,१६ से २१,३०१ से ३,५
 में १३,१५ में २३,२५ में २८;३११ में
 ३,६;३२१ से ४,६;३३१ से ३,७ से १०,
 १२,१३,१५ में २९,३१ में ३३,३५,३६;
 ३४१ से ३,५ में ९,११ में १८,२०,२५;
 ३५१ में १३,१६ से २०,२२,२३;३६१ में
 २२,३० से ५१,५३ में ६४,६६,६७,७०,७१,
 ७४ में ९०,९२,९४ में ११५ में ७,१५ में
 १८,२० से २३,२६,२७,२९,३३ में ३५,४१,

४५ से ५१; २११ से ४, ७, १४, १५, १७ से २३,
 २५, ४२, ४४ से ४८, ५०, ५२, ५६ से ५८,
 १२२, १२३, १२७, १२८, १३१ से १३७, १३९,
 १४७, १५०, १५१, १५६, १५७, १५९, १६१,
 १६४; २११, ६८, २२६; ४११, २२, ३४, ४४, ४५,
 ४८, ५१, ५२, ५४ से ५७, ६० से ६२, ६४, ७९,
 से ८२, ८४ से ८६, ८९, ९६ से ९८, १०० से
 १०३, १०५ से ११०, ११३, ११४, १४१, १४३,
 १५९ से १६७, १६९ से १७८, १८० से १८२,
 १८४, १८५, १८७, १८८, १९० से १९४, १९६,
 १९७, १९९, २००, २०२ से २१०, २१२ से
 २१४, २२५, २२६, २३४, २३६, २३७, २३९,
 २४१, २४५, २४९, २५१ से २७७; ६१२, ४, ७
 से २६; ७१ से ७६, ७८ से ४८, ५२ से ५७,
 ५९ से १००, १११ से १४४, १४७, १४८,
 १५०, १५४ से १६७, १७० से १७८, १८० से
 १८५, १८७, १९७ से १९९, २०१ से २१३;
 चं १० मू० ११५; १०११०२ उ १२५, २६, २८,
 १४०, १४१; २१२, १३; ३१८, ९, १६ से १८,
 २६, २७, ८५, ८६, ९३, ९५, १२२ से १२५, १५२,
 १५७, १६३ से १६५; ४१६, २५, २६

गोयम (गोतम) ज ७१३२१२
गोयर (गोचर) ज २१३२२
गोर (गौर) प २४०१८, २४९ ज ११५
गोरखर (गौरखर) प १६३ गदर्भ की एक जाति
गोलगोलच्छाया (गोलगोलच्छाया) सू ९१५
गोलच्छाया (गोलच्छाया) सू ९१४, ५
गोलपुंजच्छाया (गोलपुंजच्छाया) सू ९१५
गोलवट्टसमुगय (गालवृत्तममुद्ग) २१२०;
 ७१८५
गोलव्यायण (गोलव्यायन) ज ७१३२१४
 सू १०१११५
गोलावलिच्छाया (गोलावलिच्छाया) सू ९१५
गोलोम (गोलोमन्) प १४६
गोवग (गोपक) ज ३१३५

गोवल (गोवल) ज ७१३२१३
गोवलायण (गोवलायन) सू १०११०९
गोवली (दे०) प १४०१४
गोसीस (गोशीर्ष) प २३०, ३१, ४१ ज २१६५,
 ६६, ६९, १००; ३१७, ९, १२, ८२, ८८, १३३,
 १८४, २११, २२२; ५११४ से १६, ५५, ५८
गोसीसावलि (गोशीर्षावलि) ज ७१३३३१
गोसीसावलिसंठिय (गोशीर्षावलिसंस्थित)
 सू १०१२७
गोहा (गोघा) प ११७६
गोहूम (गोधूम) ज २३७; ३११९

घ

घजोदय (घतोदक) प १२३
घंटा (घण्टा) ज १३७; ३३५, १७८; ४३०;
 ५१२२ से २६, २८, ४८ से ५३; ७१७८
 उ ११३८; ३१७, ९१
घंटिया (घण्टिका) ज २१६४; ७१७८
घंटियाजाल (घण्टिकाजाल) ज ३१२४, ३०, १०९;
 ५१२८
घट्टणया (घट्टनता) प १६१३
घट्ट (घृष्ट) प २३०, ३१, ४१, ४९, ५९, ६३, ६४
 ज ११८, २३, ३१ सू २०१७
घड (घट) प २३०, ३१, ४१ ज ३१७; ४१२३, ३८,
 ६५, ७३, ९०, ९१
घड (घटय्) घडति ज ५११६
घडावेत्ता (घटयित्वा) उ ३१५०
घडिया (घटिका) ज ४११२९
घडेत्ता (घटयित्वा) ज ५११६
घय (घन) प १४८३३८; २३०, ३१, ४१, ४९;
 १२१२, ३८; ज १२४, ४५, ६५; ३३, २४,
 ८२, १६७, १८५, १८७, २०९, २१८, २२४;
 ४१२५; ५११, ५, १९, ५७, ६२; ७१५५, ५८,
 १७८, १८४ सू १८२३; १९१२३, २६
घणघण (घनघन) ज २१६५
घणघणाइय (घनघनायित) ज ० ५१५७

घणघणेत (घनघनायमान) ज ३।३१
 घणदंत (घनदन्त) प १।८६
 घणवाय (घनवात) प १।२६; २।१०
 घणवायवल्लय (घनवातवल्लय) प २।१०
 घणसंमद् (घनसंमर्द) सू १।२।२६
 घणोदधि (घनोदधि) प २।२४
 घणोदधिवलय (घनोदधिवलय) प २।४
 घणोदहि (घनोदधि) प २।१३
 घणोदधिवलय (घनोदधिवलय) प २।१३
 घत (घृत) प १।५।५।१ सू १०।१२०
 घतवर (घृतवर) सू १।६।३१
 घतोद (घृतोद) सू १।६।३१
 √घत्त (ग्रह्) घत्तामो ज ३।१०७ घत्तिहामि
 उ १।४१ घत्तेह ज ३।११४
 घत्थ (ग्रस्त) सू २०।२
 घय (घृत) ज २।१०६; १।१० उ ३।५१
 घयमेह (घृतमेघ) ज २।१४३, १।४४
 घर (गृह) सू २०।७ उ ३।१००
 घरम (गृहक) ज १।१३
 घरघरग (घरघरक) ज ७।१७८ अनुकरणशब्द
 घरौइला (गृहकोकिला) प १।७६
 घाइय (घातित) ज ३।१०८ से १।११ उ १।२२;
 १।४०
 घाएउकाम (हन्तुकाम) उ १।७२
 घाडिय (घाटिक) ज २।२६
 घाण (घ्राण) प १।५।७७, ८१, ८२; ३।६।८१
 ज ४।१०७
 घाणविण्णाणवरण (घ्राणविज्ञानावरण)
 प २।३।१३
 घाणावरण (घ्राणावरण) प २।३।१३
 घार्णदिय (घ्राणेन्द्रिय) प १।३।४; १।५।१, ४, ८,
 १३, १६, ४२, ५८, ६४, ६६, ७०; २।८।५, ४६,
 ७१ उ ३।३३
 घार्णदियत्त (घ्राणेन्द्रियत्व) प ३।४।२०
 घार्णदियपरिणाम (घ्राणेन्द्रियपरिणाम) प १।३।४

घार्णदिय (घ्राणेन्द्रिय) प १।५।३४
 घायय (घातक) ज २।२८
 घुन्ला (दे०) प १।४६
 घेत्तूण (गृहीत्वा) ज ३।८१
 घोडग (घोटक) प १।६३
 घोडय (घोटक) प १।१।१६ से २०
 घोणा (घोणा) ज ३।१०६
 घोर (घोर) ज १।५
 घोरगुण (घोरगुण) ज १।५
 घोरतवस्सि (घोरतपस्विन्) ज १।५
 घोरबंमचेरवासि (घोरब्रह्मचर्यवासिन्) ज १।५
 घोलंत (घोलत) ज ३।६; ५।२१
 घोस (घोष) प ० २।४।०।६ ज २।६।५; ३।३।५,
 १।८६, २०।४
 √घोस (घोषय्) घोसंति ज ३।२।१३ घोसेत्ति
 ज ५।७।३ घोसेह ज ३।२।१२; ५।७।२, ७।३
 घोसणा (घोषणा) ज ५।२।६, ७।२, ७।३
 घोसाडइफल (कोशातकीफल) प १।७।१३०
 घोसाडई (कोशातकी) प १।४।०।१
 घोसडय (कोशातक) प १।४।८।४८
 घोसाडिय (कोशातकी) प १।७।१३०
 घोसेत्ता (घोषयित्वा) ज ३।२।१२

च

च (च) प १।१ ज १।७ सू १।७ उ १।७; ३।७;
 ४।१०
 चइत्ता (त्यक्त्वा) प २०।४६ ज २।६।४ उ ३।१८,
 १।२।५, १।५।२; ४।२।६, २८; ५।३।०, ४।३
 चइत्ता (च्युत्वा) ज २।८।५
 चउ (चतुर्) प १।१।३ ज १।८ चं ४।३ सू १।८
 उ २।२२
 चउक्क (चतुष्क) प २।१।१६; २।३।२६, २८, ६२,
 १।३।४, १।७।८ ज २।६।५; ३।१।८।५, २।१।२, २।१।३;
 ५।७।२, ७।३; ७।१।३।१।२ उ १।६।८
 चउक्कग (चतुष्क) ज ७।१।३।१।२
 चउक्कय (चतुष्क) प ६।८।३; २।३।२८

चउगुण (चतुर्गुण) प २।५६ ज ५।५१

चउम्मुण (चतुर्गुण) प २।४०।५ ज ५।४६,५२।१
सू १६।२२।२३

चउजमलपय (चतुर्थमलपद) प १२।३२

चउट्ठाणवडित (चतुःस्थानपतित) प ५।१२,१४,
१६,१८,२४,२८,३४,३५,३७,४१,४५,४६,
५०,५४,५६,५६,६३,६६,७१,७४,७८,८६,
८७,८६,९३,९४,९७,१०२,१०४,१०५,१०७,
१११,११२,११६,११६,१३१,१३४,१३६,
१३८,१४०,१४३,१४५,१४७,१४८,१५०,
१५१,१५४,१६६;१६७,१६६,१७२,१७५,
१७८,१८२,१८४,१८५,१८७,१८८,१९०,१९३,
१९७,२००,२०३,२०३,२११,२१४,२१८,
२२१,२२४,२२८,२३०,२३२,२३४,२३७,
२३६,२४०,२४२

चउट्ठाणवडिय (चतुःस्थानपतित) प ५।७,२५,
८४,१६३

चउणउत (चतुर्नवति) सू १६।१४,१५।१

चउणउति (चतुर्नवति) सू ४।४

चउणउय (चतुर्नवति) ज ४।२४१

चउणवइ (चतुर्नवति) ज ४।८६

चउतीस (चतुर्विंशत्) सू १।२०

चउत्तीस (चतुर्विंशत्) सू १।२२

चउत्य (चतुर्थ) प ३।२०,१८३;६।८०।१;

१०।१४।४,५,६;११।३,४२,८८;१५।१४३;

१७।१४८;३३।१६;३६।८५,८७ ज ४।१८०,

२०२;७।१०६,१५६,१६३ सू १०।७०,७४,

७७,१२७;११।५,६;१२।५,१७,२७;१३।८,

१६ उ २।१०,१२;३।१४,५४,७१,८३,८८,

१५३,१५४,१६१;४।१,३,२८;५।१,२८;३६,४३

चउत्यभक्त (चतुर्थभक्त) प २।८।२५ ज २।५६,१५६

चउत्या (चतुर्थी) सू १।२।२२

चउत्याहिय (चतुर्थाहिक) ज २।४३

चउत्यी (चतुर्थी) ज ७।१२५ उ १।२६,२७,

१४०,१४१

चउवस (चतुर्वशन्) ज ३।२२१

चउवसपुव्वि (चतुर्वशपूर्व्विन्) ज २।७८

चउवस (चतुर्वशन्) ज ७।१५६ सू ८।१

चउवसपुव्वि (चतुर्वशपूर्व्विन्) ज २।७८

चउवसम (चतुर्वश) सू १०।७७;१३।८

चउवसी (चतुर्वशी) ज ७।१२५

चउव्विसि (चतुर्विश) ज ४।४,२०,११८,१२६,

१४४,१४७,१५१।२,२१६,२३५,२४६;

५।४०,६१

चउनाणोवगय (चतुर्ज्ञानोपगत) ज १।५

चउपएसिय (चतुःप्रदेशिक) प ५।१५६;१०।६

चउपण (चतुःपञ्चाशत्) ज २।७७

चउपणग (चतुःपञ्चाशत्क) सू १३।१७

चउपुरिसपविभक्तगति (चतुःपुरुषप्रविभक्तगति)

प १६।३८,५२

चउप्पएसिय (चतुःप्रदेशिक) प ५।१६०

चउप्पगार (चतुःप्रकार) प ११।३०।२

चउप्पण (चतुःपञ्चाशत्) ज ४।२३४

चउप्पदेस (चतुःप्रदेशिक) प १०।१४।२

चउप्पय (चतुष्पद) प १।६१,६२,६६;४।१२२ से

१३०;६।७१,७७;२१।११ से १३,३५,४४,

५३,६० ज २।१३१;७।१२३ से १२५

चउप्पाइया (चतुष्पादिका) प १।७६

चउवभाग (चतुर्भाग) ज ७।१६० से १६५ सू

१।१६;१०।१४२,१४७;१२।३०;१८।२७ से

३५

चउभंग (चतुर्भङ्ग) प १६।१०;२६।६,६

चउभंगि (चतुर्भङ्गिन्) प १०।६

चउभाग (चतुर्भाग) प ४।१७७,१७६,१८०,१८२,

१८३,१८५,१८६,१८८,१८९,१९१,१९२,

१९४,१९५,१९७,१९८,२००,२०१,२०३

ज ७।१८७,१८८ सू १।१६;२।१;६।३;

१०।१७;१२।३०;१३।४;१५।१७ से १६,२४।

२५

चउम्मुह (चतुर्मुख) ज ३।१८५,२१२,२१३;

५।७६,७३ उ १।६८

चउरंगुल (चतुरङ्गुल) सू १०६३; १६१२
 चउरंगुलकण्णाक (चतुरङ्गुलकर्णक) ज ३१०६
 चउरंगुलजण्णुक (चतुरङ्गुलजानुक) ज ३१०६
 चउरंगुलसूसियखुर (चतुरङ्गुलोच्छित्तखुर)
 ज ३१०६
 चउरंस (चतुरस) प ११४ से ६; २१२० से २७,
 ३१ से ३५, ४१; १०१५, २६; २१६२ ज
 ११३१; २११५; ३१६५, १५६; ४११४
 चउरासीइ (चतुरसीति) प २१४६ ज २१४
 चउरासीति (चतुरसीति) प २१२० ज २१७३
 चउरिदिय (चतुरिन्द्रिय) प १११४, ५१; २११८;
 ३१६, ४० से ४२, ४७, ४६, १५० से १५२,
 १८३; ४१०१ से १०३; ५३३, ८१; ६१२०, ६५,
 ७१, ८३, १००, १०२, १०४, ११५; ६१४, १६,
 २२; ११४५; १२३३, ३०; १३१७; १५३४, ७५,
 ८२, ८६, १३७; १६६, १३; १७१२२, ४०, ६२,
 ८८, ९६, १०३; १८११५, २३; २०१८, १६, २३,
 २५, २८, ३३, ४७; २१६, २८, ४२, ७६, ८०, ८६;
 २२३१, ७३; २३१८८, १५१, १६४; २८१४३,
 ४६, १०१, १२५, १३६; २६११४, २१; ३०११२,
 १३, २२, २३; ३१३३; ३२१२; ३४, ३, ७; ३५१३३,
 २०; ३६६, ३६
 चउरिदियत्त (चतुरिन्द्रियत्त) प १५१६७, १४२
 चउरेंदिय (चतुरिन्द्रिय) प ६१८६; १६१३
 चउवत्तर (चतुःसप्तति) ज ४१५५
 चउवीस (चतुर्विंशति) प ६१११ ज २१६ सू ५१७
 चउवीसतिम (चतुर्विंशतितम) सू १२११७
 चउवीसय (चतुर्विंशति) सू १११६
 चउव्विह (चतुर्विध) प ११४, ५२, ६२, ६८, ७७,
 १०१३; १३०; ५१२५; १३३३, ५; १४१७, ६;
 १५६६, ७५; १६६, २६, ३१, ५३; १७१३३;
 २०६२; २११७७; २३११८, २८, ३७, ३६, ५४;
 २५१४, ५; २६३, १२; ३०६; ३५१४ ज २१५३,
 ६६, १६२; ३१६७१०, २११; ४१६६, २५४,
 २५५; ५१५७
 चउव्वीस (चतुर्विंशति) प ६११० सू २११

चउव्वीस (चतुर्विंशतितम) प १०११४३
 चउसट्ठि (चतुःषष्टि) प २३२ ज २१२
 चउसमइय (चतुःसामयिक) प ३६६७, ६८
 चउहा (चतुर्धा) प १६११
 चंकमिय (चक्रम्य) ज ७११७८
 चंगेरी (चंगेरी) ज ३१११; ५१७, ५५
 चंचल (चञ्चल) प २१४१, ५० ज ३१०६, १७८,
 ५११८; ७१७८
 चंचलायमाण (चंचलायमान) ज ३२४३, ३७१,
 ४५११, १३१३
 चंचुच्चिय (दे०) ज ३१७८; ७१७८ कुटिलगमन
 चंचुमलइय (दे०) ज ५१२१
 चंड (चण्ड) २१६०, १३३
 चंडिकिय (दे०) अत्यधिक कुपित ज ३२६, ३६,
 ४७, १०७, १०६, १३३ उ १२२, १४०
 चंडी (चण्डा) प ११४८५
 चंद (चन्द्र) प ११३३; २१२० से २७, ४८, १५३,
 ४, २१, ५५३; १७१२८; २१२२, ८०
 १२४; २११५, ६८, १३१; ३३, २४४, ३२१,
 ३५, ३७२, ४२, ४५१२, ७६, ८५, ६५, १३१४,
 १५६, १८५, २०६; ४१४२, २११; ७१७, ७२,
 ७५, ७८ से ८२, ८४, ६८, १०५, १११,
 ११२२, १२६, १२७१, १२६, १३४१, ४,
 १६७१, १७०, १७७१, १७८१, १८०, १८१,
 १८३ से १८५, २०७, २१२, २६२ सू १०२,
 ५, ७५, १२२, १२७ से १२६२, १३२, १३३,
 १३६, १३८ से १४२, १४८, १४६, १५२ से
 १६५, १७०, १७२, १७३; ११११ से ६; १२३,
 १५, १७१, १६ से २८, ३०; १३११, ३ से १७;
 १४३, ७; १५११, २, ५, ६, ८ से १०, १४, १७
 से २०, २६, २६, ३२, ३५; १८१४, १८, १६, २१
 से २४, ३७; १६१११, ५२, ८, ११२, १५२,
 १६, २१३, ६, १६२२४, ७, १०, १५ से २५,
 २७, २८, ३०; १६३१, ३५, ३८; २०२, ३, ४, ६
 ज १६३; ३२११, ३६, १४ से १८, २१, २५

चंदचार (चंद्रचार) सू १०१२१,१२२
 चंदण (चन्दन) प ११२०४; ११३६१३, ११४६;
 २१३०, ३१, ४१ ज २१७०, ६५, ६६, ६६, १००;
 ३१६, १२, ८२, ८८, १३३, २०६, २११, २२१,
 २२२; ५११४ से १६, ५५, ५६, ५८
 चंदणकयचञ्जाय (चन्दनकृतचर्चाक) ज ३१२०६
 चंदणपुड (चन्दनपुट) ज ४११०७
 चंदणा (चन्दना) उ ३११७१
 चंदहह (चन्द्रहह) ज ४११४२१३, २६२
 चंदपणति (चन्द्रप्रणति) ज ७११०२
 चंदपव्वय (चन्द्रपर्वत) ज ४१२२२
 चंदप्पभ (चन्द्रप्रभ) प ११२०४ ज २११३;
 ३११२, ८८; ५१५८
 चंदप्पभा (चन्द्रप्रभा) प १७११३४ ज ७१८३
 सू १८२१; २०६
 चंदमंडल (चन्द्रमण्डल) ज ३१६५, ११७, १५६,
 १७८; ७१६१ से ७३, ७६, ७८, ६७, १७७ सू
 १०१७६, ७७
 चंदमम (चन्द्रमार्ग) च ५१२ सू ११६१२;
 १०१७५
 चंदमस (चन्द्रमस) च २१४; सू ११६१४;
 १३११, १७
 चंदसा (चन्द्रमस) ११६; १३११, १७
 चंदमास (चन्द्रमास) सू १२११० से १२
 चंदलेस्सा (चन्द्रलेसा) सू १६११, २
 चंदवडिसय (चन्द्रावतंसक) सू १८१२२, २३
 उ ३१६, १४
 चंदविमाण (चन्द्रविमात) प ४११७७ से १८२;
 ६१८५ ज ७११७३, १७४, १७६ से १७८, १८८
 सू १८११, ८, ६, १४, २७, २८
 चंदसंवच्छर (चन्द्रावतर) ज ७११०६, १०७
 सू १०११२७; १११२ से ६; १२११, ३, १० से
 १३
 चंदाभ (चन्द्राभ) ज २१५, ६, ६२
 चंदायण (चन्द्रायण) सू १३११०, १३

चंदिम (चन्द्रमस) प २१४८ से ५१, ६३ ज ७१५५,
 ५८, १६८, १८०, १८१, १६७ सू ३११; ६११;
 १५११; १७११; १८१२, ३, १८, १६, ३७; १६११,
 २६; २०११, ७ उ २११२; ५१४१
 चंदिमसूरियसंठिति (चन्द्रमससूर्यसंस्थिति)
 सू ४११, २
 चंदिमा (चन्द्रिका) ज ७११०२
 चंदोतारायण (चन्द्रावतारायण) उ ३११५७
 चंप (चम्पक) प १७१२७
 चंपकवण (चम्पकवन) ज ४१११६
 चंपग (चम्पक) ज २११०; ३११२, ८८ उ ११२३,
 ६१
 चंपगजाति (चम्पकजाति) प ११३८३
 चंपकवडेसंय (चम्पकावतंसक) प २१५०, ५२
 चंपछल्ली (चम्पकछल्ली) प १७११२७
 चंपभेद (चम्पकभेद) प १७११२७
 चंपयकुसुम (चम्पककुसुम) प १७११२७
 चंपयलता (चम्पकलता) प ११३६११
 चंपा (चम्पा) प ११६३११; १७११२७ उ ११६, १०,
 १२, १६, ६३, ६५, ६७, ६८, १०५, १०६, ११०,
 ११६, १२२, १२५, १४४, १४५; २१४, ५, १६, १७
 चंपापुड (चम्पकपुट) ज ४१०७
 चक्क (चक्र) ज २११५; ३१३, ३५, ६५, १५६,
 १६७१११, १२ सू ३१२
 चक्ककडचक्कवालसंठित (चक्रार्धचक्रवालसंस्थित)
 सू ११२५; ४१२
 चक्कपुरा (चक्रपुरा) ज ४१२१२, २१२१४
 चक्करयण (चक्ररत्न) ज ३१४ से ६, ६, १२, १४,
 १५, १८, २२, ३०, ३१, ३६, ४३, ४४, ५१, ५२,
 ६०, ६१, ६८, ६६, ६३, ६६, १०६, १३०, १३१,
 १३६, १३७, १४०, १४१, १४६, १५०, १६३,
 १७२, १७३, १७५, १७८, १८०, २२०
 चक्करयणत्त (चक्ररत्नत्व) प २०१६०
 चक्कवृद्धि (चक्रवृद्धि) प ११७४, ६१; ६१२६
 ज २११८, ६३, १२५; १५३; ३१२, ३, २६, ३६,

- ४७,५६,७६,९५,११५,११६,१२४,१३३,
१३५,१३६,१३८,१४५,१५६,१६७,१४,
४।६४,१६२,२७७;५।२१,५८;७।१६६,२००
- चक्रवृत्ति** (चक्रवृत्तित्व) प २०।५०,५२
- चक्रवृत्तिवंस** (चक्रवृत्तिवंश) ज २।१२४,१५२
- चक्रवृत्तिविजय** (चक्रवृत्तिविजय) ज ४।१६६,
२६२;५।१,५५;६।१४,१६
- चक्रवाग** (चक्रवाक) उ ५।५
- चक्रवाय** (चक्रवात) ज २।१२
- चक्रवाल** (चक्रवाल) ज १।६५;४।२३४,२४०,
२४१ सू १।६४,७,१४,१८,३०,३४,३७
उ ३।१२,१४१;४।१२,१३
- चक्रवाग** (चक्रवाक) प १।४८।३८;१।७६
- चक्रिक** (चक्रिन्) प १।६३।६;२०।११
- चक्रिकय** (चक्रिक) ज २।६४
- चक्रिकाया** (चक्रिकायात्) ज ३।१८५
- चक्रिखदिय** (चक्रिखदियत्) प १।५।१,३,८,१३,१६,
३४,४१,५८,६४,७०;२।४६,७१ उ ३।३३
- चक्रिखदियस** (चक्रिखदियसत्) प ३।२२०
- चक्रिखदियपरिणाम** (चक्रिखदियपरिणाम)
प १।३।४
- चक्रु** (चक्रुप) ज ५।५,४६
- चक्रुदंसण** (चक्रुदंसण) प ५।५,७,२१,४५,८१,
६३,६७,२६।३,७,१४,१७,१६,२१;३०।३,७,
१३
- चक्रुदंसणधरण** (चक्रुदंसणधरण) प २३।१४
- चक्रुदंसणधरणिज्ज** (चक्रुदंसणधरणिज्ज)
प २३।२८
- चक्रुदंसणि** (चक्रुदंसणि) प ३।१०४
- चक्रुदय** (चक्रुदय) ज ५।२१
- चक्रुफास** (चक्रुःस्पर्श) ज ७।२० से २५,७६,८१
- चक्रुफास** (चक्रुःस्पर्श) सू २।३
- चक्रुभूय** (चक्रुभूय) उ ३।११
- चक्रुम** (चक्रुमत्) ज २।५६,६१
- चक्रुल्लोयणलेस** (चक्रुल्लोयणलेस) ज ४।२७;५।२८
- चक्रुहर** (चक्रुहर) ज ३।२११;५।५८
- चक्रुपुड** (चक्रुपुड) ज ३।१०६
- चक्रय** (चक्रय) ज ३।८८
- चक्रवर** (चक्रवर) ज २।६५;३।१८५,२१२,२१३;
५।७२,७३ उ १।६८
- चक्रवा** (चक्रवा) ज ५।५६
- चक्रिय** (चक्रिय) ज ३।२११
- चक्रकर** (चक्रकर) ज २।६५
- चक्रगर** (चक्रगर) ज ३।१७,२१,२२,३६,७८,१७७
- चक्रण** (चक्रण) ज ३।११६
- चक्राल** (चक्रालिशत्) ज ४।५५ सू १।२१
- चक्रालीस** (चक्रालीस) प २।३६ ज ५।४६
सू १०।१५७
- चक्रम** (चक्रम) प १।६४;२।३१,३२,४०।६
ज १।३७;२।३५,१०१,११३,११६,३।१८५,
२०६;४।२७;५।२८,५०
- चक्रमचक्रवा** (चक्रमचक्रवा) ज ४।१६५,२१०;५।५०
- चक्रमरीगंड** (चक्रमरीगंड) ज ३।१७८
- चक्रम** (चक्रमन्) ज ५।३२
- चक्रमपखि** (चक्रमपखिन्) प १।७७,७८
- चक्रमरयण** (चक्रमरयण) ज ३।७८ से ८१,११६,
११७,१२१,१५१,१७८;२२०
- चक्रमरयणत** (चक्रमरयणत) प २०।६०
- चक्रमेट्ठग** (चक्रमेट्ठग) ज ५।५
- चक्रय** (चक्रय, चक्रय) प २०।४६ उ ३।१८,१२५,१५२;
४।२६,२८;५।३०,४३
- चक्रय** (चक्रय) चक्रय प २।६४।७
- चक्रय** (चक्रय) चक्रयति प ६।१११;६।२६;१७।६६
सू १७।१ चक्रयति सू १।६।२४
- चक्रयंत** (चक्रयन्त) प २।६४।५
- चक्रयण** (चक्रयण) प ६।४६,५६,६६;१७।६१,१०५
चं २।५ सू १।६।५;१७।१
- चक्रयोवचय** (चक्रयोवचय) सू १।१४
- चक्रर** (चक्रर) चक्रर ज ७।१०,१३,१६,१६ से ३०,
२५,६६,७२,७५,७८ से ८२,८४,६५,६६,६८
से १००,१७१,१७३,१७५ सू १।११ चक्ररति

प १।७५; २।४८ ज ३।६५, १२५; ७।१ चं ३।१
सू १।७।१; १।६।१, १।१।२, १।५।२, २।१।३, ६
चरति सू १।३।५, १।६।२।२।२, १।७ चरिति
सू १।६।८ चरिसु ज ३।६५; ७।१ सू १।६।१
चरिस्संति ज ३।६५; ७।१ सू १।६।१ चरेति
सू १।६।११

चर (चर) ज ७।१२४, १२५

चरग (चरक) प २०।६१ ज ३।१०६

चरण (चरण) ज ३।३, १।३८

चरम (चरम) सू ७।१; १०।१५६; २०।३

चरमाण (चरत्) उ १।२, १।७; ३।२६, ६६, १।३२;
१।४६, १।५६; ४।११; ५।३६

चरित्त (चरित्र) प १।१०१।१० ज २।७१

चरित्तधम्म (चरित्रधर्म) प १।१०१।१२

चरित्तपरिणाम (चरित्रपरिणाम) प १।३।२, १।२,
१।४, १।८, १।९

चरित्तमोहणिज्ज (चरित्रमोहनीय) प २।३।३२, ३४

चरित्ताचरिति (चरित्राचरित्रिन्) प १।३।१४, १।८,
१।९

चरित्तारिय (चरित्रार्य) प १।६२, १।११ से १।२६

चरिति (चरित्रिन्) प १।३।१४, १।८, १।९

चरिम (चरम) प १।१।४, १।०३, १।०६, १।०७, १।०६,
१।१०, १।१३, १।१४, १।१६, १।१६, १।२०, १।२२, १।२३;
२।६।४।५; ३।१।२, ३।१।२३; १।०।२ से १।३,
२।१ से २।४, २।६ से २।६, ३।१ से ५।३;
१।५।४३; १।८।१।२, १।८।१।२६; २।३।१।६३;
३।६।७।६ ज ४।१।४३; ७।१।५।६ से १।६।७ सू ५।१;
१।०।६३ से ७।४, १।३।८, १।४।२; १।४।३, १।४।७ से
१।५।१, १।५।६, १।६।१; १।१।५, ६; १।२।२।४ से २।८,
३।०; १।३।१ उ ५।४३

चरिमंत (चरमान्त) प २।६।४; १।०।२ से ५, २।१,
२।६, २।७ से २।६; १।६।३।४; २।१।६।०; ३।३।१।६,
१।७ ज ४।१।१०, १।४।१, २।०।६, २।०।७, २।५।२

चरिमभव (चरमभव) प २।६।४।४

चरु (चरु) उ ३।५।१, ६४

चल (चल) ज ३।१।७८; ७।१।७८

√चल (चल्) चलइ ज २।६२; ३।५।५, ६४, ७२,
१।४।४; ५।२० चलंति ज ३।२, १।१।१, १।१।२; ५।२, ७

चलंत (चलत्) ज ३।३।१; ७।१।७८

चलचवल (चलचपल) प २।४।१

चलण (चरण) ज २।१।४, १।५; ३।३।५, १।०।६; ७।१।७८

चलणीवहुल (चलनी^१ वहुल) ज २।१।३।२

चलिय (चलित) ज २।८।६, ६०, ६३; ३।५।६, १।१।३,
१।४।५; ५।३, २।१, २।८

चवल (चपल) ज २।६।०; ३।६, २।६, २।५, ३।६, ४।७,
५।६, ६।४, ७।२, १।०।६, १।१।३, १।३।८, १।४।५, १।७।८;
५।५, २।१, २।६, ४।४, ४।७, ६।७; ७।१।७८

चवलायंत (चपलायमान) ज २।१।५

चविया (चव्य) प १।७।१।३।१

चाउघंट (चतुर्घण्ट) ज ३।२।१, २।२, ३।४ से ३।६
उ ५।३।८

चाउघंट (चतुर्घण्ट) उ १।१।१०

चाउरंगिणी (चतुरङ्गिणी) ज ३।१।५, २।१, ३।१, ३।४,
७।८, ६।१, १।७।३, १।७।५, १।६।६ उ १।१।२।३ १।२।७,
१।२।८; ५।१।८

चाउरंत (चतुरन्त) ज २।१।८; ३।२, २।६, ३।६, ४।७,
५।६, १।१।५, १।२।४, १।३।३, १।३।८, १।४।५; ५।२।१, ५।८

चाउस्तालग (चतुःशालक) ज ५।१।३

चाउस्तालय (चतुःशालक) ज ५।१।३, १।४

चाडुकारग (चाटुकारक) ज ३।७।८

चामर (चामर) प १।१।२।५ ज २।१।५; ३।६, १।८,
२।४, ३।१, ३।५, ६।३, १।०।६, १।७।८, १।८।०, २।२।२;
४।२।६, ३।०; ५।१।१, ४।३, ४।६, ५।५, ५।७, ६।०, ६।६;
७।१।७।८

चामरगाह (चामरग्राह) ज ३।१।७।८

चामरच्छाय (चामरच्छायन) ज ७।१।३।२।३

चामरच्छायण (चामरच्छायन) सू १।०।१।१।३

चामरहृत्यगय (हस्तगतचामर) ज ३।१।१

१ चलनप्रमाण कर्दमः चलनीत्युच्यते

चामीकर (चामीकर) ज ३११

चार (चार) प २१४८; १६५५ ज ७११, १०, १३, १६, १६ से ३१, ३५, ६६, ७२, ७५, ७८ से ८२, ८४, ६५, ६६, ६८ से १००, १७१, १७३ से १७५ सू ११६, १११, १४, १६, १७, १६ से २४, २७; २१२, ३; ३१२; ४१४, ७, ६; ६११; ६१२; १०१२१, १२२, १३५ से १०, १२, १३, १७; १५१२ से ४; १८११, ५, ७; १६११, ५, ८, ११, १५, १६, २१, १६१२२२, १३, २२; १६१२३

चारणसाला (चारकशाला) उ ११८८, ६१

चारद्विद्वय (चारस्थितिक) ज ७५५, ५८

चारद्विद्वय (चारस्थितिक) सू १६१२३, २६

चारण (चारण) प १६६१

चारि (चारिन्) प २१४८

चारिय (चारिक) प १७३१

चारियत्व (चारयितव्य) प १७३१, ६७

चार (चार) प २१४४, ५० ज २१४४, १५; ३११०६, ११६, १३८; ५११८

चारुभासि (चारुभासिन्) ज ३१७७, १०६

चारेयव्व (चारयितव्य) प २११०२; २२१७०

चारोवग (चारोपग) सू १६१२२१

चारोववण्णग (चारोपपन्नक) ज ७५५५, ५८
सू १६१२३, ३६

चाव (चाप) ज २१५५; ३३११, १७८

चावग्गाह (चापग्रह) ज ३११७८

चाववंस (दे०) प १४११२

चास (चाष) प १७६; १७१२४

चासपिच्छ (चाषपिच्छ) प १७१२४

चि (चि) चिज्जति प २१६५, ६६

चिउर (चिकुर) प १७१२७

चिउरराग (चिकुरराग) प १७१२७

चिचाराम (चिञ्चाराम) उ ३१४८, ५५

चित्त (चित्) चित्तेमि प ११११

चित्तय (चिन्तक) उ १३१

चिता (चिन्ता) ज ३१०५ उ २१११

चित्तिय (चिन्तित) ज ३१२६, ३६, ४७, ५६, ८७,

१२२, १३३, १४५, १८८; ५१२७ उ ११५, ५१,

५४, ६५, ७६, ७६, ६६, १०५; ३१२६, ४८, ५०,

५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५१३६, ३७

चित्तमाण (चिन्तयत्) ज ३११८८

चिध (चिह्न) प २१३०, ३१, ४१, ४८, ४६

ज ३१२४, ३१, ७७, १०७ से १११, ११७, १२४,

१७८ उ ११२, १४०

चिक्खिल्ल (दे०) प २१२० से २७

√ चिट्ठ (स्था) चिट्ठि उ १४७ चिट्ठिई ज ११६,

४०, ४७; ३१५४, ६३, ७२, १३७, १४३, १६७,

२२२; ४१४०, १६८, २३४, २४०, २४१; ५१६७,

६८ चिट्ठंति प० २१६४; २१६४२०; १५१४३,

४५, २८१०५; ३४१६, २२ से २४, ३६, ७६,

८१, ६३, ६४१ ज ११३, ३०; २१७ से ६, १३,

६० से ६२; ३१११, ११३; ४१२, १२६, १३७;

५१५, ७ से १२, ३८, ५७, ६०, ६७; ७१८५, २१३

सू १८१२३ उ ३४६ चिट्ठि प १५५१, ५२

सू १६१२ चिट्ठि ज ३११३

चिट्ठामि उ ११११ चिट्ठिहि उ १११५

चिट्ठेज्ज प ३६६१

चिट्ठित (स्थित) सू २०१७

चिट्ठिय (चेष्टित) ज २११५; ३१३८

चिडग (चटक) प ११७६

चिण्ण (चयन) प २११११

√ चिण (चि) चिण प १४१२८१ चिणति

प १४१२२ चिणियु प १४१११ चिणिसंति

प १४१३३

चिण्ण (चीर्ण) चं ३११ सू ११७, १८, १६; १३१२२,

१४ से १७ उ ३१४८, ५०, ५५

चित्त (चित्त) २१६१ ज ३५, ६, ८, १५, १६, ३१, ५२,

५३, ६१, ६२, ६६, ७०, ७७, ८४, ६१, १००, १०६,

११४, १३७, १४१, १४२, १५०, १६५, १७३,

१८१, १६६, २०८, २१३; ५१५, १५, १८, २१,

२६, २७, २६, ४१, ५५, ५७, ७० उ ११२१, ३१,

४२,१०८; ३१२३६; ५१२०
 चित्त (चित्र) प १११३; २१३०, ३१, ४१, ४८, ५०
 ज ३१२४३, ३७११, ४५११, ७६, ११६, १२४,
 १३१३, १४५, १७८; ७११७८
 चित्त (चैत्र) सू १०१२४
 चित्तंतरलेस (चित्रान्तरलेस्य) ज ७५८ सू ११२६
 चित्तंतरलेस्साग (चित्रान्तरलेस्यक)
 सू ११२२३३०
 चित्तकणगा (चित्रकनका) ज ५११२
 चित्तकूड (चित्रकूट) ज ४१६६, १६६, १७२, १७३,
 १७६, १७८ से १८१, १८५, १६१, १६७, २००,
 २०६, २०७; ६११०
 चित्तग (चित्रक) प ११६६
 चित्तगुप्ता (चित्रगुप्ता) ज ५१६१
 चित्तपक्ख (चित्रपक्ष) प ११५४
 चित्तगहुल (चित्रकवहुल) ज २१६४
 चित्तय (चित्रक) प ११२१
 चित्तलंगमंग (चित्रलाङ्गाङ्ग) ज २१३३
 चित्तलग (चित्रलक) प ११६६ ज २१३६
 चित्तलि (चित्रल, चित्रलिन्) प ११७१
 चित्तविचित्तकूड (चित्रविचित्रकूट) ज ४१६४
 चित्ता (चित्रा) ज ५११२; ७१२२, १२६, १३६,
 १४०, १४६, १६४, १६५ सू १०१२ से ६, १६,
 २३, ४७, ६२, ७१, ७२, ७५, ८३, ११२, १२०,
 १३१ से १३३, १५४; १२३०
 चित्तामूलय (चित्तामूलक) प १७१३१
 चित्तार (चित्रकार) प ११६७
 चित्तिया (चित्रिका) प ११२३
 चिय (चित) प २३१३ से २३ ज ३२१७
 चिय (एत) सू १०१३६
 चियगा (चितका) ज २१६५, ६६, १०३, १०४, ११४
 चियत्तदेह (त्तदेह) ज २१६७
 चिरं (चिरम्) ज ३१२६१, २
 चिरंजीव (चिरंजीव) ज ३१२६
 चिरार्थ्य (चिरातीत) चं ७ उ ५७

चिलाइ (किराती) ज ३१११
 चिलाइया (किरातिका) ज ३१८७
 चिलाय (किरात) ज ३१०३ से १०५, १०७,
 ११५, १२५ से १२७
 चिलायविसयवासि (किरातविषयवासिन्)
 प ११८६
 चिल्लम (दे०) प २१४१
 चिल्लल (दे०) प ११८६; २१४, १३, १६ से १६, २८
 चिल्ललग (दे०) प ११२२
 चिल्ललय (दे०) प ११२१, २४
 चिल्ललिया (दे०) प ११२३
 चिल्लाय (किरात) प ११८६
 चिल्लियतल (दे०) सू २०१७ देदीप्पमान तल
 चीण (चीन) प ११८६
 चीणपिट्ठरासि (चीनपिट्ठरासि) प १७१२६
 चीवरधारि (चीवरधारिन्) ज २१६६
 चुंचुण (चुञ्चुण) प ११६४१
 चुंचुय (चुञ्चुक) प ११८६
 चुच्चु (दे०) प १३७२
 चुण्ण (चूर्ण) प ११८८३८ ज २१६५; ३१११, १२,
 ८८ सू २०१७
 चुण्णग (चूर्णक) उ ३११४
 चुण्णवास (चूर्णवास) ज ५१५७
 चुण्णविहि (चूर्णविधि) ज ५१५७
 चुण्णिया (चूर्णिका) प ११७६ ज ७२१, २५, ६५,
 ६८, ६९, ७१, ७२, ७४ सू २१३; १०१५२ से
 १६०, १६२, १६३; ११२ से ६; १२१७, ८, १६
 से २८
 चुण्णियाभाग (चूर्णिकाभाग) ज ७२१, ६६, ७४, ७५
 चुण्णियाभाय (चूर्णिकाभाग) ज ७२५, ६५, ६८,
 ७१, ७२, ७५, ७७, ७८
 चुण्णियाभेद (चूर्णिकाभेद) प ११७६, ७६
 चुण्णियाभेय (चूर्णिकाभेद) प ११७३, ७६
 चुय (च्युत) ज २१८५; ७५६, ५६
 चुलसीइ (चतुरशीति) प २१३४ ज २१७४ चं ४१२

चुलसीति (चतुरशीति) प २४०।१ सू २।३
चुलसीय (चतुरशीति) सू १।१२
चुल्लमाउया (क्षुल्लमातृका) उ १।१२, ४३, ४४,
 १४५; २।५, १७
चुल्लहिमवंत (क्षुल्लहिमवत्) प १६।३० ज १।४८;
 ४।४८
चुल्लहिमवंतकूड (चुल्लहिमवत्कूट) ज ४।४४, ४५,
 ४८, ५१, ५२, ७६, ६६, २२६
चुल्लहिमवंतगिरिकुमार (क्षुल्लहिमवत्गिरिकुमार)
 ज ३।१३१ से १३४, १३६; ४।५२
चून्य (चूचुक) ज २।१५
चूडामणि (चूडामणि) प २।३० ३१ ज ३।३६,
 २११
चूतलता (चूतलता) प १।३६।१
चूयमंजरी (चूतमञ्जरी) ज ३।१२, ८८; ५।५८
चूयवण (चूतवन) ज ४।११६
चूयवडेंसय (चूतावतंसक) प २।५०, ५२
चूलाभीड (चतुरशीति) सू १।८।२
चूलियंग (चूलिकाङ्ग) ज २।४
चूलिय (चूलिक) ज २।४; ४।२४२
चेइय (चैत्य) ज १।३; २।३१, ६७; ७।२२४ चं ७, ६
 सू १।२, ४; १।८।२ उ १।१, २, ६, १७, १६,
 १४४; २।४, १६; ३।४, ६, २१, २४, २६, ४६, ८६,
 ६५, १५५, १५७, १६८, १७१; ४।४, ६, १३, १८,
 २८; ५।३६
चेइमखंभ (चैत्यस्तम्भ) ज २।१२०; ४।१३३;
 ७।१८५
चेइयथूम (चैत्यस्तूप) ज २।११४, ११५
चेइयखख (चैत्यरुक्ख, चैत्यवृक्ष) ज ४।१२६, १२७
चेट्ठा (चेष्टा) ज २।१३३
चेड (चेट) ज ३।६, ७७, २२२
चेडग (चेटक) उ १।२२, १०७, १११, ११५, ११६,
 ११६, १२८, १३७, १४०
चेडय (चेटक) उ १।२२, २५, २६, १०५ से १०७,
 १०६, ११०, ११३, ११४, ११६ से ११६, १२७,
 १२६ से १३४, १४०

चेइख (चेटरूप) उ ३।११४
चेडिया (चेटिका) उ ३।१४१
चेडी (चेटी) उ १।५४, ५५, ७६, ८०; ४।१२, १३
चेतियखंभ (चैत्यस्तम्भ) सू १।८।३
चेत्त (चैत्र) ज ७।१०४ उ ३।४०
चेत्ती (चैत्री) ज ७।१३७, १४०, १४६, १५५
 सू १०।७, १६, २३, ३६
चेदि (चेदि) प १।६३।४
✓चेय (त्यज्) चेएइ उ० ४।२१ चेएसि उ ४।२२
चेलपेला (चेलपेटा) उ ३।१२८
चेल्लणा (चेलना) उ १।१०, ३२ से ४१, ४३, ४४,
 ४६, ४८ से ५५, ५७, ५८, ७० से ७४, ८८, ६५,
 १०६, ११०, ११३, ११४
चेव (चैव) प १।१।७
चोइयमइ (चोदितमति) ज ३।१३८
चोक्ख (चोक्ख) ज ३।८२, १०६ उ ३।५१, ५६
चोताल (चत्वारिंशत्) सू १।२।१२; १।६।१५।२
चोतालीस (चत्वारिंशत्) सू १०।१३६
चोत्तीस (चतुःत्रिंशत्) प २।३६ ज ४।११०
 सू १।२२
चोइस (चतुर्दशन्) प २।२६; ज १।४८
 सू ३।१; १०।६३
चोइसपुब्बि (चतुर्दशपुब्बिन्) ज १।५
चोइसम (चतुर्दश) ज २।८८
चोइसरयणीसर (चतुर्दशरत्नेश्वर) ज ३।१२६।३
चोइसविह (चतुर्दशविध) प २।३।१६, २०
चोप्पाल (दे०) ज ४, १३७ आयुधसाला
चोप्पालग (दे०) ज २।२० वरण्डा
चोय (दे०) ज ३।११।३
चोयपुड ('चोय'पुट) ज ४।१०७
चोयाल (चतुश्चत्वारिंशत्) प २।४०।३ ज ७।७६
 सू १।१८
चोयालीस (चतुश्चत्वारिंशत्) प २।३५ ज ७।८
चोयासव (चोयासव) प १।७।१३४
चोर (चोर) प १।७।१३२ उ ३।१२८
चोरग (चोरक) प १।४।३ असबरक, एक बद्धिया

घास जो रेशम रंगने के काम आता है
चोवट्टि (चतुष्पष्टि) प २।३१
चोवत्तर (चतुस्सप्तति) ज ७।८०
चोव्वीस (चतुर्विंशति) ज ७।१०६
चोसट्टि (चतुष्पष्टि) ज २।६४

छ

छ (षष्) प १।६४।१ ज १।१८ चं ३।३ सू १।७
 उ ५।२५
छउमत्थ (छन्नमत्थ) प १।१०।१।४, १।१०।४ से १०७,
 ११७ से १२०, १२६; ३।१८३; १।५।४।४, ४।५;
 १।८।६।४, ६।५, ६।७, ६।८; ३।६।८०, ८१
छउमत्थपरियाय (छदमत्थपर्याय) ज २।८८
छक्कग (षट्क) ज ७।१३।१।१
छक्खुत्तो (षट्कृतवस्) सू १।२।१०
छगल (छगल) प २।४६
छज्ज (राज्) छज्जइ ज ३।२।४।४, ३।७।२, ४।५।२,
 १३।१।४
छट्ठ (षष्ठ) प ३।१८, १।८३; ६।८०।२; १०।१।४।४
 से ६; १।२।३।२; १।७।६।५; ३।३।१।६; ३।६।८।५, ८।७
 ज २।६।५, ८।५; ७।६।७, १।७।१ सू १०।७।७;
 १।३।८ उ २।१०, २।२; ३।१।४, ५।०, ५।५, ८।३, १।५।०
 १।६।१, १।६।७, १।७।०; ४।२।४; ५।२।८, ३।६, ४।३
छट्ठक्खम्मण (षष्ठक्षपण) उ ३।५० से ५।४
छट्ठभत्त (षष्ठभक्त) प २।८।४।७ ज २।५।२, १।६।१
छट्ठाणवडित (षट्स्थानपतित) प ५।५, ७, १०, १२
 १।४, १।६, १।८, २०, २।४, २।५, २।८, ३०, ३।२, ३।४,
 ३।७, ३।८, ४।१, ४।२, ४।५, ४।६, ४।६, ५।३, ५।६, ५।६,
 ६।०, ६।३, ६।४, ६।८, ७।१, ७।४, ७।५, ७।८, ७।६, ८।३,
 ८।४, ८।६, ८।६, ९।०, ९।३, ९।४, ९।७, १०।१, १०।२,
 १०।४, १०।५; १०।७, १०।८, ११।१, ११।२, ११।६, १२।६,
 १३।१, १३।४, १३।६, १३।८, १४।०, १४।३, १४।५, १४।७,
 १५।०, १५।१, १५।४, १६।३, १६।६, १६।६, १७।२,
 १७।४, १७।७, १८।१, १८।४, १८।७, १९।०, १९।१,
 १९।३, १९।४, १९।७, १९।८, २०।०, २०।१, २०।३, २०।४,
 २०।७, २०।८, २१।१, २१।२, २१।४, २१।५, २१।८;

२।१६, २।२१, २।२२, २।२४, २।२५, २।२८, २।३०,
 २।३२, २।३४, २।३७, २।३९, २।४२ से २।४४
छट्ठाणवडिय (षट्स्थानपतित) प ५।५, ७।१।१५,
 १।१६, १।६६
छट्ठी (षष्ठी) प २।२।७।२ ज ७।१।२।५
छण्ण (छन्न) ज ३।३
छण्णउइ (षण्णवति) प २।४।०।१; १।२।३।२ ज २।६;
 ३।१।७।८
छण्णउत्त (षण्णवति) सू १।६।२।१
छण्णउत्ति (षण्णवति) सू २।३
छण्णउय (षण्णवति) सू १।६।१।१।३; २।१।७
छत्त (छत्र) प २।४।८, ६।४; १।१।२।५ ज २।१।५, २।०;
 ३।३, ६।१, ६।२, ३।१, ३।५, ७।७, ७।८, ६।३, १।७।८, १।८०,
 २।२।२; ५।४।३, ५।५, ५।७ सू १।२।२।६ उ १।१।६;
 ४।१।३, १।८
छत्तहत्थगय (हस्तगतछत्र) ज ३।१।१
छत्तछाया (छत्रछाया) प १।६।४।७
छत्तरयण (छत्ररत्न) ज ३।१।१।७।१, १।१।८, १।१।९,
 १।२।१, १।७।८, २।२०
छत्तरयणत्त (छत्ररत्नत्त) प २।०।६०
छत्तल (षट्तल) ज ३।६।३, १।३।५, १।५।८
छत्ताइच्छत्त (छत्रातिच्छत्र) ज ४।३।०, ४।६; ५।४।३
छत्तागारसंठित (छत्राकारसंश्रित) सू १।२।५; ४।२
छत्तातिच्छत्त (छत्रातिच्छत्र) सू १।२।२।६, ३०
छत्ताय (छत्राक) प १।४।७ कुकुरमुत्ता, धनिया,
 सोया, जाल ववूर का वृक्ष
छत्तार (छत्रकार) प १।६।७
छत्तालीस (षट्चत्वारिंशत्) सू १।२।२।५
छत्तीस (षट्त्रिंशत्) प २।४।०।४ ज ३।३
 सू १०।१।६।६
छत्तोह (छत्राघ) प १।३।६।३
छप्पएसिय (षट्प्रदेशिक) प १०।१।१
छप्पण (षट्पञ्चाशत्) प १।८।४ ज ४।८।६
 सू ३।१
छप्पण (दि० षट्प्राज्ञक) ज २।१।६

छप्पय (षट्पद) ज २।१२
छम्भंग (षट्भङ्ग) प २८।११६, १२३, १२५, १३३, १३६, १४३ से १४५
छम्भाग (षट्भाग) प २।६४ ज १।१८; ६।३२।१
छमास (षण्मास) सू १।१६
छम्मास (षण्मास) ज २।४६; ७।२३, २५, २८, ३०, ५७, ६० सू १।१३, १४, १७, २१, २४, २७; २।३; ६।१; १।६।२५, २७
छम्मासावसेसाउय (छण्मासावशेषायुष्क) प ६।११४
छल (षष्) ज ७।२०।१ सू १२।१२
छलंस (षडलस) ज ३।६२, ११६
छलसीय (षडशीति) ज ४।४५; ७।३१ सू ४।४; १५।२६
छल्ली (छल्ली) प १।४८।३० से ३७, ६३
छवि (छवि) ज २।१६, ३६, ४१, १३३; ३।१०६
छविच्छेद्य (छविच्छेद) ज २।३६, ४१
छविधर (छविधर) ज ७।१७८
छविहर (छविधर) ज ७।१७८
छव्विध (षड्विध) प ६।११८
छव्विय (दे०) प १।६७ कट आदि बनाने वाला
छव्विह (षड्विध) प १।६१, ६४, ६५; ६।११६; १३।६; १५।३५, ७०; २।१२६, ३१, ३२, ३४, ३६; २।८३, ८४, ८६; २।३।४५, ४६; २।४।२, ४, ८, १० से १२; २।६।२, ४, ६, ८ से १०; २।६।६; ३।०।२ ज २।२, ३, ५, ६, १२३, १२८, १४८, १५१, १५७, १६४; ४।१०१, १७१
छव्वीस (षड्विंशति) प २।२३ ज ७।१०८ सू १।२१
छाउहेस (छायोदेश) सू ६।२
छाउमत्थिय (छादमत्थिक) प ३।६।५३ से ५६, ५८
छाणविच्छुय (छगणवृश्चिक) प १।५१
छायच्छाय (छायाछाया) सू ६।४
छाया (छाया) प २।३०, ३१, ४१, ४६; १।६।४८ ज १।८, २३, ३१; २।१६, २०, १४६; ३।३, १।१७।१ १२७; ५।३२; ७।१५६ से १६७।१ सू ६।४;

१०।६३ से ७४; १।६।५, ६
छायामति (छायामति) प १।६।३८, ४७
छायानुभाणप्पमाण (छायानुमानप्रमाण) सू ६।३
छायानुवादिणी (छायानुवादिनी) सू ६।४
छायानुवायमति (छायानुपातमति) प १।६।३८, ४८
छायाल (षट्त्वारिंशत्) प २।४।०।४ ज ४।८६
छायालीस (षट्त्वारिंशत्) सू १।४।७
छायाविकंप (छायाविकम्प) सू ६।४
छारियभूय (क्षारिकभूत) ज २।१३२, १४१
छावट्ठ (षट्पट्ठि) ज ७।२७
छावट्ठि (षट्पट्ठि) प १।८।७६ ज १।२० सू १।११; १।२।३
छावत्तर (षट्सप्तति) ज ७।१ सू १।६।१।१, १।१।३
छावत्तरि (षट्सप्तति) प २।४।०।२
छिद (छिद्) छिदति ज ५।५।७ छिक्कामि उ १।८८
छिज्ज (छेद्य) उ ३।११४
छिण्ण (छिन्न) ज २।८८, ८९; ३।२२५
छिण्णसहा (छिन्नसहा) प १।४।८।३ गुडूची
छिद्द (छिद्र) प २।१० उ १।६।५, ६६, १०५
छिण्णलेसा (छिन्नलेस्या) सू ६।१
छिन्नसीय (छिन्नस्रोतस, छिन्नशोक) ज २।६८
छिप्पतूर (क्षिप्रतूर्य) उ १।१३८
छिया (दे०) ज २।६७
छीइत्ता (क्षुत्वा) ज २।४६
छीरविरालिया (क्षीरविडालिका) प १।७६
छीरविराली (क्षीरविदारी) प १।४।०।४; १।४।८।२ सफेद और अधिक दूध वाली विदारी
छुरघरगसंठिय (क्षुरमूहकसंस्थित) सू १०।३६
छुरघरय (क्षुरमूहक) ज ७।१३३।१
छुहा (क्षुधा) प २।६।४।१६
छेइत्ता (छित्त्वा) उ ३।१५०; ५।२८, ४१
छेज्ज (छेद्य) ज ३।३२
छेत्ता (छित्त्वा) ज ७।२२ सू १।१६
छेतुं (छित्तुम्) ज २।६।१

छेद (छिद्) छेदेइ उ ३।८३ छेदेहिइ उ ५।४३

छेदिता (छित्वा) उ २।१२; ३।१४

छेदिता (छित्वा) उ ३।८३

छेदोवट्ठावणिय (छेदोपस्थापनीय) प १।१२४,
१२६

छेदोवट्ठावणियचरित्परिणाम (छेदोपस्थानीय
चरित्रपरिणाम) प १३।१२

छेय (छेद) ज २।३६, ४।१, ६०; ३।१७८; ५।५

छेय (छिद्) छेएइ उ ५।३६

छेयणगवाइ (छेदनकदायित्) प १२।३२

छेरमाण (छिच्यमान) उ ३।१३०

छेतिय (दे०) ज ३।३१

छेवट्ट (सेवार्त) प २३।४५, ६६, १०५, १०७, १०६,
११०

छोटुं (क्षिप्त्वा) सू ६।३

ज

ज (यत्) प १।४ ज १।६ सू १।४ उ १।२; ३।३१;
५।३६

जइ (यदा) प २।२

जइ (यदि) प २।६४।१६ सू १।१३ उ १।६;

२।१; ३।१; ४।१; ५।१

जइ (यत्र) प २३।१६०

जइण (जविन्) ज २।६०; ३।२६, ३५, ३६, ४७, ६४,
७२, १०६, ११३, १३८, १४५; ५।५, २८, ४४, ४७,
६७; ७।१७८

जइया (यावत्) ज ७।१३१

जंगम (जङ्गम) ज ३।१०६

जंगल (जङ्गल) प १।६३।२

जंघा (जङ्घा) ज २।१५ उ ३।११४

जंत (यत्र) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।३२, ७६, १०६,
११६, १७८, ४।२७; ५।२८

जंतु (जन्तु) ज २।४।१

जंपमाण (जल्पत्) ज ३।८१

जंबु (जन्तु, जम्बू) प १।३५।१।१३१ उ १।३ से

१. हे० ४।१४३ क्षिप्—छुह

५, ७, ६, १४२, १४४, २।२, ४, १४, १६, २१; ३।२,
४, १६, २१, २२, २४, ८७, ८६, १५३, १५५, १६६,
१६८, १७०; ४।२, ४, २७, ५।२, ४, ४४

जंबुद्वीव (जम्बुद्वीप) प २।३२, ३३, ३५, ३६, ४३, ५०,
५१; १५।५४, ५५।१; १६।३०; ३६।८१ ज १।७,
१५, १६, १७।१, १८, २०, २३, ३४, ३५, ४६, ४८,
५१; २।१, ७, १६, ५२, ५६, ६०, १६१, १६४; ३।२६,
३६, ४७, ५६, ११३, १३३, १३८, १४५; ४।१, ६,
५२, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, ११४, १५६, १६०,
१६५, १६७, १६६, १७२ से १७४, १७८, १८१,
१८२, २०१ से २०३, २०६, २१३, २६२, २६५,
२६८, २७१, २७४, २७७; ५।३, २२, २६; ६।१, ५, ७
से २६; ७।१, ४, ८ से १४, ३१, ३३, ३६ से ३६,
५२, ५४, ६२, ६३, ६७ से ७२, ८६, ८७, ६१, ६२,
१०१, १०२, १७५, १८२, १६८ से २०८, २१०
से २१३ सू १।१४, १६, १७, १६, २१, २२, २४,
२७; २।१, ३; ३।१, २; ४।३, ४, ७, १०; ६।१; ८।१;
१०।१३२, १४२, १४७; १२।३०; १८।७, २०;
१६।१, २, १६।२।२।२३ उ १।६; ३।७, ६१, १२५,
१५७; ५।२४, ४३

जंबुद्वीवपणत्ति (जम्बुद्वीपजति) ज ७।१०१, १०२,
२१४ सू ३।१

जंबू (जम्बू) ज ४।१४६ से १५०; १५।११, २, १५.२
से १५४, १५६, १५७।२, १५८, १५६, २०८;
७।२१३

जंबूणय (जाम्बूनद) ज ३।३०, ३५

जंबूणयामय (जाम्बूनदमय) ज १।५१; ४।७, १३,
११८, १४३, २५६

जंबूपेठ (जम्बूपीठ) ज ४।१४३ से १४५

जंबूफल (जम्बूफल) प १७।१२३

जंबूफलकालिया (जम्बूफलकालिका) प १७।१३४

जंबूख (जंबूख) ज ७।२१३

जंबूवण (जम्बूवन) ज ७।२१३

जंबूवणसंड (जम्बूवनषण्ड) ज ७।२१३

जंभग (जृम्भक) ज ५।६६

जंभय (जृम्भक) ज ५१७०
 जंभाइत्ता (जृम्भयित्वा) ज २१४६
 जक्ख (यक्ष) प ११३३२; २१४१.४५; १५१५.५१३
 ज २१३१; ३११४, १८, ३०, ३१, ४३; ५१.६०, ६८,
 ६३, १३०, १३६, १४०, १४६, १७२, १८०
 सू १६१३८ उ ५१७, २४, २६
 जक्खग्गह (यक्षग्रह) ज २१४३
 जक्खाययण (यक्षायतन) उ ५१७, ८, २४, २६
 जक्खोद (यक्षोद) सू १६१३८
 जग (जगत्) ज ५१५, ४६
 जगई (जगती) ज ११७ से ६, १२, १४; ४६, ३५,
 ३७, ४२, ४५, ७१, ७७, ६०, ६४, २६२
 जगईसमिया (जगतीसमिका) ज ११०
 जगती (जगती) सू ३११
 जगप्पईवदाइय (जयत्प्रदीपदायिका) ज ५१५, ४६
 जघण (जघन) ज ३११३८
 जच्च (जात्य) ज २११५; ३११०६, १७८
 जच्चकणम (जात्यकनक) ज २१६८
 जट्ठ (इष्ट) उ ३१४८, ५०
 जडि (जटिन्) ज ३११७८
 जडियाइलय (जटिकादिलक) सू २०१८५
 जडियायलय (दे० जटिकायिलक) सू २०१८५
 जटिलय (जटिलक) सू २०१२
 जड (त्यक्त) ज ३११२७
 ✓जण (जन्) जणइस्सइ ज २१४२, १४३, १४५
 जण्जजा प १७१६६, १६७, १६६ से १७२
 जण (जन) प १११२ ज ११२६; २६५; ३११, ६५,
 १०६ ११६, १३८, १५६ सू १११ उ ११६८,
 १३६; ३११४, ११५, ११६; ५१७, २०, २७
 जणक्खय (जनक्षय) ज २१४३
 जणणी (जननी) ज ५१५, ४६
 जणवद (जनपद) उ ११६६
 जणवय (जनपद) प ११३३३१ ज २१३३१; ३१८१,
 १८६, २०४, २२१ उ ११६४, ६६, १०३ १०६,
 ११०, ११३, ११४, १२२, १२६, १३३
 जणवयकल्लाणिया (जनपदकल्याणिका) ज ३११७८,

१८६, २०४, २१४, २२१
 जणवयविहार (जनपदविहार) उ ३१४६, १४५; ५१३३
 जणवयसच्च (जनपदसत्य) प ११३३३
 जणिय (जनित) उ ३१४८, ५०
 जण्ण (यज्ञ) ज २३० उ ३१४८, ५०
 जण्णइ (यज्ञकिन्) उ ३१५०
 जण्णु (जानु) ज ३११२.८८; ५१७, ५८
 जण्हवी (जाह्नवी) ज ३११६७।११
 जत (यत) प २३०, ४१
 जति (यदा) प ५१२०; ; ५१३४ सू १६१२२।२६
 जति (यत्र) प २३१६७
 जतिविह (यतिविध) प १६१२०
 जत्ता (यात्रा) उ ३३०, ३१
 जत्तिय (धावत्) प १५१६६, १०३; २३१७५
 ज ७।२००
 जत्थ (यत्र) ज ३१७६ उ ३१५५; ४।२१; ५।३६
 जदा (यदा) ज ७।२०
 जदि (यदि) प ५१५
 जप्पभिइ (यत्प्रभृति) ज २।६७ उ ३।११८
 जम (यम) ज ७।१३०, १८६।३ उ ३।५३
 जम (काइय) (यमकायिक) ज १।३१
 जमग (यमक) ज ४।११२ से ११५, ११७, १२०,
 १४०।२, १४१, १६५
 जमगपदवय (यमकपर्वत) ज ४।१११, ११३, २०६,
 २६२; ६।१०
 जमगवण्णाभ (यमकवर्णाभि) ज ४।११३
 जमगसंठाणसंठिय (यमकसंस्थानसंस्थित) ज ४।११०
 जमगसगम (दे०) ज ३।१२, ३१, ७८, १०६, १८०
 २०६; ५।२४
 जमदेवया (यमदेवता) सू १०।८३
 जमय (यमक) ज ४।११६
 जमल (यमल) ज १।२४; २।१५; ४।२७; ५।५, २८
 जमालि (जमालि) उ ४।१५; ५।२०, २७, ३८
 जमिगा (यमिका) ज ४।१६०
 जम्म (जन्मन्) प ३६।६४ ज २।१०३; ; १०४
 उ १।३४; ३।६८, १०१, १३१

जम्मण (जन्मन्) ज ५।३, ५.७.१७, २२, २६, ४४;
 ४६, ६७ से ७०, ७२ से ७४ उ २।६, ३।११२;
 ४।१६; ५।२५
जम्हा (जम्हात्) उ १।६३; २।६
जय (जय्) प २।३१
जय (जय) ज २।१५, ६४, ६५; ३।५, ६.१८, २६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, ७७. ६०, ६३ १।१४, १३३,
 १३८, १४५, १५१, १५७. १७८, १८०, १८५,
 २०५, २०६, २२२; ५।५८; ७।११८ उ १।१०७,
 ११०, ११६, ११८, १२२, १३०; ५।१७
√जय (जि) जइस्सइ उ १।१५ जयति उ १।१३५
जयंत (जन्त) प १।१३८; २।६३; ४।२६४ से
 २६६; ६।४२, ५६; ७।२६; १५।८६, ६२, १००,
 १०२, १०५, १०८, १०९, ११३, ११४, ११६,
 १२०, १२१, १२३, १२५, १२६, १२१, १३६;
 २८।६६ ज १।१५; ४।६४
जयंती (जन्ती) ज ४।२१२, २१२।४; ५।८।१;
 ७।१२०।२, १८६ सू १।०।८।२
जयणा (यतना) उ ३।३१
जयहर (जयधर) ज ३।१२६।१
जया (यदा) ज ५।१ सू १।११ उ ३।११८
जया (जया) सू १।०।६०, १७०, १७२
जर (जरा) प १।१।१; ३।६।८।२ सू २।०।६।६
जर (ज्वर) ज २।४३
जरा (जरा) प २।६४, २।६४।६, २२; ३।६।६।४।१
 ज २।८८, ८६, १०३, १०४, १३३; ३।२२५
जह्ला (दे०) प १।५१
जल (जल) प १।७५ ज २।१३४; ३।३२, ८१, ६८,
 १५१; ४।३, २५ उ ३।५५
√जल (जल्ल्) जलति ज ५।५७
जलंत (ज्वलन्) ज ३।१८८; ४।६, १४, ३१, ४१, ६८,
 ७६, ६३ उ ३।४८, ५०, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३,
 १०६, ११८
जलकंत (जलकान्त) प १।२०।३; २।४।६
जलकिट्टा (जलकीट्टा) उ ३।५१, ५६

जलचारिया (जलचारिका) प १।५१
जलट्टाण (जलट्टान) प २।४, १३, १६ से १६, २८
जलण (ज्वलन) ज ३।३५
जलपह (जलपथ) प १।६।४५
जलप्पह (जलपथ) प २।४।०।७
जलमज्जण (जलमज्जन) उ ३।५१, ५६
जलय (जलज) प १।४।८।४० ज ४।२६; ५।७
जलय (जलज) ज ३।३२
जलयर (जलचर) प १।५।४, ५५, ६०; ३।१।८३;
 ४।१।३ से १२१; ६।७।१. ७८, ८३; २।१।८ से
 १०, ३२ से ३४, ४३, ५३, ६० सू १।०।१२०
जलरुह (जलरुह) प १।३।३।१, १।४।६
जलवासि (जलवासिन्) उ ३।५०
जलविच्छुय (जलवृद्धिक) प १।५१
जलाभिसेय (जलाभिषेक) उ ३।५०, ५१, ५६
जलासय (जलाशय) प २।४, १३, १६ से १६, २८
जलिय (ज्वलित) ज ३।३५
जलोउय (जलोत्तुक) प १।४६
जलोया (जलौका) प १।४६, ७८
जल्ल (दे०) ज २।३२
जल्लेस (यत्त्वेश्य) प १।७।६२, १०२
जल्लेस्स (यत्त्वेश्य) प १।७।६२, १०२
जव (यव) प १।४।५।१ ज २।१।५, ३७; ३।१।१६
जवजव (यवयव) प १।४।५।१ ज २।३७
जवण (यवन) प १।८६
जवणदीव (यवनद्वीप) ज ३।८१
जवणाणिया (यवनानिका) प १।६८
जवणालिया (यवनालिका) प ३।३।२६
जवणिज्ज (यापनीय) ज ३।३०, ३२, ३४
जवमज्ज (यवमज्ज) ज २।६
जवसय (यवासक) प १।३।७।३ जवासा नामक
 पीथा, एक तरह का खदिर
जवासाकुसुम (यवासककुसुम) प १।७।१२५
जस (यशस्) ज ३।३।५, ७७, १०६, १२६, १२६,
 १६७, १८५, २०६
जसंसि (यशस्विन्) ज ३।३, १२६।३

जसधर (यशोधर) ज ७।१।१७।१
 जसभद्र (यशोभद्र) ज ७।१।१७।१ सू १०।८।६।१
 जसम (यशस्वत्) ज २।५।६,६।१
 जसवई (यशस्वती) ज ७।१।२।१ सू १०।६।१
 जसोक्ति (यशःकीर्ति) प २।३।१।६,२०,१।५।३
 जसोक्तिनाम (यशःकीर्तिनामन्) प २।३।३।८,
 १।२।७,१।८।८
 जसोधर (यशोधर) सू १०।८।६।१,८।८।१
 जशोहरा (यशोधरा) ज ४।१।५।७।१;५।६।१;
 ७।१।२०।१
 जस्संठित (यत्संस्थित) सू ४।३
 जह (यथा) प १।१।३ उ १।१।०।६
 जहण (जघन) ज २।१।५
 जहण्ण (जघन्य) प १।७।४; २।६।४।८; ४।१ से ५।४,
 ५।६ से ६।७,६।६ से ८।६,६।१ से १।३।३,१।३।५ से
 २।६।६,२।६।८; ५।४।०,४।१,४।४,४।५,७।७,७।८,६।२,
 ६।३,६।६,६।७,१।१।०,१।१।१,१।१।४,१।१।५,१।५।३,
 १।५।४,१।५।६,१।५।७,१।५।६,१।६।२,१।६।३,१।६।५,१।६।६,
 १।६।८,१।६।९; ६।१ से १।८,२० से ४।५,६०,६।१,
 ६।४,६।६ से ६।८,१।२०,१।२।१,१।२।३; ७।२,३,६ से
 २।६; १।१।७।०,७।१; १।२।६,१।३।२।२।२; १।५।४।० से
 ४।२; १।७।१।४।६; १।८।२ से ४।६,८ से १०,१।२,१।४
 से १।६,१।८ से २।४,२।६ से २।८,३० से ३।६,४।१
 से ५।४,५।६,५।७,५।६ से ६।७,६।६ से ७।४,७।६ से
 ८।१,८।३ से ८।५,८।७,८।६ से ९।१,९।३,९।५,९।६,
 ९।८,१०।३,१०।४,१०।५,१०।७,१०।८,११।०,११।३,
 ११।४,११।६,११।७,११।९,१२।०,२०।६ से १।३,
 ६।१,६।३; २।१।३।८,४० से ४।२,४।८,६।३ से ७।१,
 ७।४,८।४,८।६,८।७,९।० से ९।३; २।३।६।० से ७।६,
 ८।१,८।३ से ९।२,९।५ से ९।६,१०।१ से १०।४,
 ११।१ से ११।४,११।६ से ११।८,१२।७,१२।६,
 १३।१,१३।३ से १३।५,१३।८,१४।०,१४।२,१४।३;
 १४।७,१५।१ से १५।३,१५।५,१५।७,१५।८,१६।०
 से १६।२,१६।४ से १७।३,१७।६,१७।७,१८।२,१८।३
 १८।६ से १८।८,१९।० से १९।३; २।८।२।५,४।७,५।०,

७।३ से ९।६; ३।३।२ से १।३,१।५ से १।७; ३।६।८
 से १०,१।७,१।८,२०,३०,३।४,४।४,६।१,६।६,६।८,
 ७।० ७।२ से ७।४,७।६,९।२ ज २।४।४,४।५,५।८,
 १।२।३,१।२।८,१।४।८,१।५।१,१।५।७; ४।१।०।१; ७।२।८,
 ५।७,६।०,१।८।२,१।८।७ से १।६।६,२०।६ सू १।१।४;
 १।८।२।०,२।५ से ३।४; १।६।२; २०।३
**जहण्णम (जघन्यक) प १।७।१।४।४,१।४।६; २।३।१।५।२,
 १।८।४**
**जहण्णगुण (जघन्यगुण) प ५।३।६,३।७,५।८,५।९,७।३,
 ७।४,८।८,८।९,१०।६,१०।७,१।८।६,१।९।०,१।९।२,
 १।९।३,१।९।६,१।९।७,१।९।९,२०।०,२०।२,२०।३,
 २०।६,२०।७,२।१।०,२।१।१,२।१।३,२।१।४,२।१।७,
 २।१।८,२।२।०,२।२।१,२।२।३,२।२।४,२।४।१,२।४।२**
**जहण्णद्वितीय (जघन्यस्थितिक) प ५।२।३,३।४,५।५,
 ५।६,७।०,७।१,८।५,८।६,१०।३,१०।४,१।७।३,१।७।४,
 १।७।६,१।७।७,१।८।०,१।८।१,१।८।३,१।८।४,१।८।६,
 १।८।७,२।३।८,२।३।९**
जहण्णतिथी (जघन्यस्थितिक) प ५।५।६
जहण्णपएसिय (जघन्यप्रदेशिक) प ५।२।२।८
जहण्णपदेशित (जघन्यप्रदेशिक) प ५।२।२।८
जहण्णपदेशिय (जघन्यप्रदेशिक) प ५।२।२।७
**जहण्णपय (जघन्यपद) ज ७।१।६।८,१।६।६,२०।२,
 २०।४,२०।६; १।२।३।२**
जहण्णमति (जघन्यमति) प ५।६।२,६।३
**जहण्णय (जघन्यक) प १।५।६।४; १।७।१।४।४;
 २।१।१०।५; २।३।१।६।३ ज ७।२।६ सू १।१।४,१।६,
 १।७,१।९,२।१,२।२,२।४,२।७; ३।२; ३।२; ४।७,९;
 ६।१; ८।१; ९।१**
जहण्णक्कोसग (जघन्योत्कर्षक) प १।७।१।४।६
**जहण्णक्कोसय (जघन्योत्कर्षक) प १।५।६।४;
 २।१।१०।५**
**जहण्णोगाहणम् (जघन्यवागगाहनम्) प ५।२।७; २।८,
 ४।८,४।९,५।२,५।३,६।७,६।८,८।२,८।३,१०।०,१०।१,
 १।५।३,१।५।४,१।६।२ १।६।३,१।६।५,१।६।६,१।६।८,
 १।६।९,२।३।३,२।३।४**

जहणोगाहणय (जघन्यावगाहतक) प ५।२८, ४६,
५३, ६८, ६९, ८३, १००, १५४, १५६, १५६,
१६३, १६६, १६६, ८३४
जहन्न (जघन्य) प ४।६०, १३४
जहा (यथा) प १।१ ज १।११ सू १।१२ उ १।२;
२।२; ३।२; ४।२, ५
जहाणाम (यथानामन्) सू २।०७
जहाणामय (यथानामक) प १।६।५२, ५४;
१।७।१०७, १०६, १११, ११६, ११६, १२३ से
१२८, १३० से १३५; २।१।१०५; ३।४।१६;
२।६।६४ ज १।१३, २।१, २।६, ३।३, ३।८, ४।६; २।७,
१।७, १।८, ३।२, ५।७, १।२२, १।२३, १।४७, १।५०,
१।५६, १।६१, १।६४; ३।१।६२; ४।२, ८, १।१, १।०७;
५।५, ७, ३२
जहाभूय (यथाभूत) उ १।४२
जहारिह (यथाहं) ज २।१।१३; ३।८१
जहाविभव (यथाविभव) उ ५।१।७, २५
जहिच्छिय (यथेष्ट) ज २।१६, २२
जहेव (यथैव) सू १।७।१ उ ३।२१
जहोच्चिय (यथोचित) उ १।३५
जा (धा) जंति प ६।८।१ ज ७।१३५।४
जाइ (जाति) प १।३।८२ छोटा आंवला. जमेली,
जायफल
जाइ (जाति) प १।४।६, ६०, ६६, ७५, ७६; १।१।६
ज २।८।८, ८६, २।२।५; ३।३, १।०।६; ५।५, ४६
सू १।१।६; १।२।१, ५ से १०, १२ से १७; १।४।३७
उ १।२, ३।४, ४।६, ७।४; ३।१।५।६; ५।२।६
जाइजमाण (जाच्यमाण) उ १।१।०५
जाइणाम (जातिनामन्) प २।३।३८, ४०, ८५, ८७
से ८९, १।५०
जाइनामनिहलाउय (जातिनामनिधत्तायुक्त)
प ६।१।२१
जाइय (याचिन) उ ३।३।८
जाइविट्टठया (जातिविशिट्ठता) प २।३।५८
जाइहिमुलय (जातिविमुक्तक) प १।७।१२६
जाउकण (जातुकर्ण) ज ७।१।३।१

जाउकणिया (जातुकणिका) सू १।०।६६
जाउलग (जातुलक) प १।३।७।५
जागर (जागर) प २।१।७।४; २।३।१।६५, १।६।६ से
२०१
जागरमाण (जागत्) उ १।१।५; ३।४।८, ५०, ५५, ८७,
६८, १।०।६, १।३।१; ५।३।६
जागरिया (जागरिका) उ १।६।३
जाण (जा) जाण प १।४।८।५६ ज ७।१।१।२।५
जाणइ प १।१।११; १।७।१।०।८ से १।१०; २।३।१।३;
३।०।२।७, २।८ ज २।७।१; ७।१।१।२ उ १।६।८
जाणंति प २।६।४।१।३; १।५।४।६ से ४।६; ३।३।२
से १।३, १।५ से १।८; ३।४।१।१, ३।४।६ से ६।१।१,
१।२ जाणंति प १।१।१।२ से २०; १।५।४।४, ४।५;
१।७।१।०।६ से १।०।८, १।१०; १।१।१; ३।०।२।५ से
२।८; ३।६।८।०, ८।१ जाणाहि सू १।०।२।६
जाण (यान) ज २।१।२, ३।३; ३।१।०।३ उ १।१।७, १।६,
२।४; ४।१।२, १।३, १।५
जाणमाण (जाणत्) ज २।७।१
जाणय (ज्ञ) ज ३।३।२
जाणवय (जाणपद) ज १।२।६; ३।१, १।२, ४।१, ४।६,
५।८, ६।६, ७।४, १।४।७, १।६।८, २।१।२ से २।१।४
सू १।१।१
जाणविमाण (जाणविमान) ज ५।३।५, २।२, २।६, २।८,
३।०, ३।२, ४।४, ४।५ उ ३।७, ६।१
जाणविमाणकारि (जाणविमानकारिन्) ज ५।४।६
जाणिककाम (जातुकाम) प २।३।१।३
जाणिसा (जात्वा) प २।३।१।३ ज ३।१।२।३ उ १।६।८;
५।४।०
जाणियत्व (जातव्य) प १।५।१।४।३; १।६।१।५; २।३।१।३
जाणु (जातु) ज ३।६, १।२, ८।८; ५।२।१, ५।८
जाणुकुपरमाया (जातुकूर्परमात्, जातुकूर्परमाय)
उ ३।६।७, १।३।१; ३।१।०।५, १।३।१
जात (यात) प १।७।५
जात (जात) ज २।१।४।६; ३।३
जातकम्म (जातकर्मन्) उ १।६।३; ३।१।२।६
जातरुववडैसग (जातरुपावतंमक) प २।५।१

जाति (जाति) प ११५०, ५१, ८१, ८१११; २१६४,
२१६४१२२; १११८ से १०; ३६१६४१ ज २११०;
५१५
जातिआरिय (जात्यार्य) प ११६२, ६४
जातिष्णाम (जातिनामन्) प २३१८६, १५०, १५१
जातिष्णामणिहृत्ताउय (जातिनामनिधत्तायुष्क)
प ६१११८, १२०, १२३
जातिष्णामनिहृत्ताउय (जातिनामनिधत्तायुष्क)
प ६१११६, १२३
जातिपुड (जातिपुट) ज ४११०७
जातिविसिद्धया (जातिविशिष्टता) प २३१२१
जातिविहीणया (जातिविहीनता) प २३१२२; ५८
जातीय (जातीय) ज ३११०६
जाधे (यदा) सू १११२४
जाय (जात) ज ११६; २१७१, ८५, १२८, १४६;
३१८०, ६५, ६६, १०३ उ ११६६, ६३; २१६;
३११३, ४६, १०५, ११३, १४४, १४६; ४१२१,
२७, ३४, ३८
√जाय (जन्) जायइ ज ३१६२, ११६ जायति
ज ३१६२, ११६
√जाय (याच्) जायेइ उ १११०२
जायकोउहल्ल (जातकौतुहल) ज ११६
जायणी (याचनी) प १११३७१
जायतेय (जाततेजस्) ज २११२६, १५८
जायय (जातक) उ ३१३८
जायरूव (जातरूप) ज २१६८; ४१२५५; ५१५
जायरूवखंड (जातरूपखण्ड) प १११७४
जायरूववडोसय (जातरूपावतंसक) प २१५६
जायसंशय (जातसंशय) ज ११६
जायसड्ड (जातश्रद्ध) ज ११६ उ ११४; ५१२२
जार (जार) ज ५१३२
जार (चार) प ११४८१२
जाल (जाल) प ११११५ ज ३१६, १७, २१, ३४, ३५,
१७७, १२२, १७८; ५१२८
जालंतर (जालान्तर) प २१४८

जालघरम (जालगृहक) ज २११३
जाला (ज्वाला) प ११२६
जाव (यावत्) प १११३; २१३२ से ४०, ४२ से
४६, ४८, ५० से ६३; ४१५५; ७१६ से ३०;
८३, ४, ६ से ११; ६१२२; १०११६ से २५, २७
से ३०, ३२ से ४३, ४५ से ५३; २०१५२, ५६,
६०, ६३, ६४ ज ११६ चं १० सू १११ उ ११२;
०११; ३११; ४११; ५११
जावइ (यावी) प ११३७१५
जावइय (यावत्) ज २१६; ४११४०१२
जावज्जीव (दावज्जीव) उ ३१५०
जावति (यावी) प ११४३११
जावतिय (यावत्) प ११५५१; ५२ सू ६१३; १३३२
जावय (जापक) ज ५१२१
जावैत (यापयत्) ज ३११७८
जासुमण (जपासुमनस्) प ११३७११ ज ३१३५
जासुमणकुसुम (जपासुमनस्कुसुम) प १७११२६
जासुवण (जपासुमनस्) प ११४०३
जाहा (जाहक) प ११७६
जाहि (यत्र) प २४१६
जाहे (यदा) ज ७१५६ सू १११२७ उ ११५२;
३११०६
√जि (जि) जयति चं १११
जिण (जिन) प ११६३१६; १११०१३३, ४, १२;
३६१८३१२ ज ११४०; २१६३, ७१, ७८, ८०,
५१५, २१, ४६; सू १११२२११
√जिण (जि) जिणाहि ज ३११८५
जिणसकधा (जिन 'सकधा') सू ११८२३
जिणसकहा (जिन 'सकहा') ज २११२०; ४११३४;
७११८५
जिणघर (जिनगृह) ज ४११३६
जिणपडिमा (जिनप्रतिमा) ज ११४०; ४१४७, १२६,
१३६, १४७, २१६
जिणभस्ति (जिनभक्ति) ज २१११३
जिणवर (जिनवर) प १११२ चं ११४

जिणवरिद (जिणवरेन्द्र) प ११११ ज ५१५८

जिणिद (जिनेन्द्र) प ५१४१

जिन्भगार (जिह्वाकार) प ११६७

जिन्भदिय (जिह्वेन्द्रिय) प १५११, २, ६, १३, १६,
३० से ३३, ४२, ५८, ६४, ६६, ७०, ८०; २८४२,
४५, ४६, ७१ उ ३३३३

जिन्भदियपरिणाम (जिह्वेन्द्रियपरिणाम) प १३१४

जिन्भया (जिह्विका) ज ४१२४, ३६, ६६, ७४, ६०,
६१

जिमिय (जिमित) ज ३१८२ उ ४१६६

जिय (जित) ज ३१३५१२, १८५, २०६

जियंतय (जीवन्तक) प ११४४१२ जीवंत शाक

जियति (जीवन्ती) प ११४०१४ अन्य वृक्षों पर
रहकर फलवे वाली लता

जियनिद (जितनिद्र) ज ३११०६

जियपरीसह (जितपरीषह) ज ३११०६

जियसत्तु (जितशत्रु) ज ११३ चं न सू ११३ उ ४६६

जीमूय (जीमूत) प १७१२३

जीय (जीत) ज २१६०, ११३; ३१२६, ३६, ४७, ५६,
१३३, १३८, १४५; ५१३, २२, २७

जीव (जीव) प ११७७१, ११४८१७ से ४३, ४५,
४७, ४६ से ५१, ५५ से ५६, ११८४, १०११२;
२१६४; ३११२, ३११, ६६ से ११३, १२३ से
१२५, १४१ से १४३, १५० से १५२, १७४,
१८३; ६१२०, १२३; ६१२२, १६, २५, २६;
१०१३१; ११३०, ३८, ३६, ४३, ४६, ४७, ७०
से ७२, ८० से ८२, ८४, ८५, ६०; १२११०;
१४१११ से १५, १७, १८; १६१२, १०, १६,
२१, २३; १७१५६ ८४, ८६, ११२, ११३;
१८१११, १८११; १६११; २०११, ६३; २११८४;
२२१७ से १०, १२ से २२, २४ से २७, २६ से
४०; ४२ से ४५, ४८ से ५०, ५२ से ५६, ५८,
५६, ६७ से ६६, ७५ से ८६, ८८ से ९४, ९६,
९७, १००; २३१११, २३१३, ५ से ७, ६ से ११,
१३ से २३, २३४, १३५, १३७ से १३६, १५५,
१५७, १६०, १६१, १६४, १६७, १७१, १७६,

१६३; २४१२ से ४, ६ से ११, १३ से १५;
२५१२, ३, ५; २६१२ से ४, ८, ६; २७१२, ३, ६;
२८१०६, १०८, १०६, १११ से ११८, १२० से
१२६, १२८ से १३३, १३६ से १४५; २६१४,
१६, १७, २२; ३०१४, १४ से १६, २४; ३१११, ४;
३२११, ६११; ३५१६; ३६१११, ३६१३०, ३२,
३५, ४६ से ४८, ५२, ५६, ६२ से ६६, ६६, ७०, ७२,
७३, ७४, ७७, ७८, ६४ ज २१६८, ७१; ५१५, ४६;
६१४; ७१२१, २१२ उ ११६०, ६१; ३११४२,
१४४; ५१३४

√जीव (जीव्) जीव ज ३१२६१२ जीवस्सइ
उ १११५

जीवजीव (जीवजीव) प ११७८

जीवजीवय (जीवजीवक) ज २११२

जीवंत (जीवत्) उ १११०६, ११०, ११४

जीवंतय (जीवत्क) उ ११६६, १०३, १३३

जीवघण (जीवघन) प २१६४१२; ३६१६३, ६४

जीवणिकाय (जीवणिकाय) प २२११०, ७८ ज २१७२

जीवस्थिकाय (जीवास्तिकाय) प ३१११४, ११५,
११६, १२२

जीवदय (जीवदय) ज ५१२१

जीवपज्जव (जीवपर्यव) प ५११ से ३, १२२

जीवपणवण (जीवप्रज्ञापना) प १११, १० से १५,
४६ से ५२, १३८

जीवपरिणाम (जीवपरिणाम) प १३११, २, २०

जीवमाण (जीवत्) उ १११५, २१, २२

जीवमिस्सिया (जीवमिश्चिता) प १११३६

जीवलोक (जीवलोक) ज २१६५; ३१३१, १२४

जीवा (जीवा) ज ११२०, २३, ४८; ३१२४; ४१५५,
६२, ८१, ८६, ६८, १०८, १७२, २६२, २६५, २७१,
२७४ सू १११६; २११; १०१४२, १४७; १२१३०;
२०११ उ ११३८

जीवाजीवमिस्सिया (जीवाजीवमिश्चिता) प १११३६

जीवाभिगम (जीवाभिगम) ज ११११; ५१४६, ५१

जीविय (जीवित) प ११४८५, ४१; २२१६ ज २१७०
उ ११२२, २५, २६, ३४, १४०; ३१६८, १०१,

१३१,१५६
 जीवियंतकरण (जीवितान्तरण) ज ३१२४
 जीवियारिह (जीवितार्ह) ज ३१६
 जीहा (जिह्वा) प २३१; १५१७७, ८१, ८२
 ज २११५; ३११०६; ७११७८
 जुइ (द्युति) प २३१ ज ३१२, ७८, ८८, ९२, ११६,
 १२६, १८०; ५१२२, २६
 √जुंज (युज्) जुंजइ प ३६१८६, ८७, ८६, ९०
 जुंजति प ३६१८६ से ९० सू १५११०
 जुंजमाण (युञ्जान) प ३६१८७, ८६ से ९१
 जुंजित्ता (युक्त्वा) सू १५११०
 जुग (युग) ज २४, ६, १४१ से १४५; ३३, ११५,
 ११६, १२२, १२४; ७११२७ सू ६१; ८१;
 १०१२२, १२३, १२७; १२६; १३३; १५३५
 से ३७
 जुगंतकरभूमि (युगान्तरभूमि) ज २१८४
 जुगप्पत्त (युगप्राप्त) सू १२१८
 जुगमच्छ (युगमत्स्य) प ११५६
 जुगव (युगपत्) प ३६१६२ ज ५१५
 जुगसंवच्छर (युगसंवत्सर) ज ७१०३, १०५, ११०
 सू १०१२५, १२७
 जुग्य (युग्य) ज २१२, ३३
 जुज्झसज्ज (युद्धसज्ज) उ ११२७, १२८, १३३
 √जुज्झ (युद्ध्) जुज्झति उ ११३६ जुज्झह उ ११२६
 जुज्झामो उ ११२८ जुज्झत्था उ ११२७
 जुण्णकुमारी (जीर्णकुमारी) उ ४१६
 जुण्णा (जीर्णा) उ ४१६
 जुति (द्युति) प २३०, ३१, ४१, ४६ ज ५१२०६
 जुत्त (युक्त) ज २११५; ३३, ३५, ७७, ९५, १०६,
 १३८, १५६, २११; ४१२७; ५१२८, ५८; ७११४१
 से १४४, १५० से १५२, १७८ सू १०१२० से
 २२, २५, १७२, १७३; १६१२२२७; २०१७
 उ ११७, ११६, १२८
 जुत्ति (युक्ति) ज ३२०६
 जुत्ति (युक्ति, द्युति) उ ५१२१
 जुद्धणीइ (युद्धनीति) ज ३१६७३६, १७८

जुद्धसज्ज (युद्धसज्ज) उ ११११५ से ११७
 जुम्ह (युष्मत्) सू १६ उ ११२२; ३१२६; ४१११
 जुय (युग) ज ७१११०
 जुयणद्ध (युगनद्ध) सू १२१२६
 जुयल (युगल) ज ११२४; २१५, १००; ३१२११;
 ४१२७, ३०; ५१५, २८, ५८, ६७; ७११७८
 उ ३१३४
 जुयलग (युगलक) ज २४६ उ ३१२६
 जुवराय (युवराज) प १६४१ ज २२५
 जुवल्लय (युगलक) प २४०१२
 जुवाण (युवन्) ज ५१५
 जुव्वण (यौवन) ज ३१३८
 जूय (यूप) ज २११५
 जूया (यूका) प १५० ज २६, ४०
 जूव (यूप) ज ३३ उ ३४८, ५०, ५५
 जूस (यूप) सू १०१२०
 जूहिया (यूथिका) प १३८२ ज २१०; २३३
 जूहियापुड (यूथिकापुट) ज ४११०७
 जेट्ठ (ज्येष्ठ) ज ११५; ३१०६ चं १० सू ११५
 जेट्ठपुत्त (ज्येष्ठपुत्र) उ ३१३३, ५०, ५५
 जेट्ठा (ज्येष्ठा) ज ७१२८, १२६, १३४२,
 १३५२, १३६, १४०, १४६, १५२, १६६ सू १०२
 से ६, १८, २३, ५१, ६२, ७३, ७५, ८३, ११६, १२०,
 १३१ से १३५
 जेट्ठामूल (ज्येष्ठामूल) ज ७१०४, १४६, १४६,
 १५५ सू १०१२४ उ ३४०
 जेट्ठामूली (ज्येष्ठामूली) ज ७१३७, १४०
 सू १०१७, १८, २२, २३, २६
 जेणामेव (यत्रैव) प ३४१२२ ज ३४
 जोअ (द्योत) सू १६१२२२७
 जोइ (ज्योतिष्) सू १४८, ६, ११ से १३
 जोइस (ज्योतिस्, ज्योतिष्) प २४८; ३४१८
 ज १२४; २६४ से ६६, १००, १०२, १०४,
 १०६, ११०, ११३ से ११७; ५१४७, ६७, ७२ से
 ७४; ७१७१ से १७४ चं ५४ सू १६१४;
 १६१२२२

जोडसगणरायपण्णत्ति (ज्योतिर्गणराजप्रज्ञप्ति)

चं १।३

जोडसपह (ज्योतिःपथ) प २।२०, २४, २५, २७

ज १।२४

जोडसपह (ज्योतिःपथ) प २।२२, २३, २६

जोडसराय (ज्योतीराज) ज ७।१८३ से १८५

जोडसरायपण्णत्ति (ज्योतीराजप्रज्ञप्ति) चं १।४

जोडसिद (ज्योतिरिन्द्र) प २।४८ ज ७।१८३ से

१८५ उ ३।६, १५ से १८

जोडसिदत्त (ज्योतिरिन्द्रत्व) उ ३।१४

जोडसिणी (ज्योतिषी) प ३।१३८, १८३; ४।१७४

से १७६; १।७।५३, ७८, ८२, ८३; २०।१३

जोडसिय (ज्योतिषिक) प १।१३०, १३३; २।४८;

३।२८, १३७, १८३; ४।१७१ से १७३; ५।३,

२६, १२२; ६।२६, ४६, ५६, ५९, ६५, ६९, ८५, ९४,

१०९, १११, ११७; ७।६; ९।११, १८, २४; १५।३५,

४८, ८७, ९९, १२४; १६।१६; १७।२७, ३०, ५३,

७८, ८१, ८३, ९९, १०५; २०।१३, १९, २५, ३०,

४८, ५४, ६०; २१।५५, ६१, ७०, ९०; २२।३१,

३९, ८८, १००; २८।७३, ११७; २९।१५; ३१।५;

३३।१५, ३०; ३५।१५, २२, २३ ज २।९४

४।२४८, २५० से २५२; ५।५३, ५९, ७२ से ७४;

७।१८५

जोडसियत्त (ज्योतिषिकत्व) प १५।१२६

जोडसियराय (ज्योतीराज) प २।४८

जोडस (ज्योतीरस) ज ५।५

जोएअव्व (योजयितव्य) प १०।२६

जोएत्ता (युक्त्वा) सू १०।५; १५।८९

जोएमाण (युञ्जत्) ज ७।१४१ से १४५, १५०,

१५१

जोय (योग) प ३।११; ११।३३१; १८।११;

२८।१०६।१; ३६।९२ ज २।६५, ७१, ८८, ९५;

३।१५९, २२५; ७।१, ११२।२, १२७।१, १२९,

१३०; १३।१, ४, १३५, १३८ से १४०, १६७।१

चं २।३; ५।१ सू १।६।३, १।९।१; १०।१, ५, १७२,

१७३; १२।२९; १५।१०; १९।२।१० उ ३।३१

जोगपरिणाम (योगपरिणाम) प १३।२, १४, १६,

१७, १९

जोगसच्च (योगसत्य) प ११।३३

जोगि (योगिन्) प ३६।९२

जोग्ग (योग्य) ज ३।१०९; ५।७, ४१ उ ३।७

जोगय (जोनक) ज ३।८१ म्लेच्छ

जोगिण (योगि) प १।१।४, १।४।८।६३; २।६४; ९।१

से ४, ६ से ११, १३ से १७, १९ से २३, २६

ज २।१३५ से १३७; ३।३

जोगिण्णमुह (योगिप्रमुख) प १।२०, २३, २६, २९,

४८, ५०, ५१, ६०, ६६, ७५, ८१

जोगिण्णुय (योगिभूत) प १।४।५।१

जोगिय (योगिक) ज ३।११।१

जोगिसूल (योगिसूल) ज २।४३

जोगीवमुह (योगिप्रमुख) प १।४।९, ७६

जोण्ह (जगोत्स) सू १०।१३१; १८।१, ५, ६;

१९।२।१६, २०; १९।३१

जोतिस (ज्योतिष्) प २।४८; ३।१।६।१; ३।४।१६

सू १०।१३१, १८।१, ५, ६; १९।३१

जोतिसराय (ज्योतीराज) सू १८।२१ से २४;

२०।४, ६, ७, ९।१

जोतिसिद (ज्योतिरिन्द्र, ज्योतिषेन्द्र) सू १८।२१ से

२४, २०।४, ६, ७

जोतिसिणी (ज्योतिषी) सू १८।२६

जोतिसिय (ज्योतिषिक) प १।२।६, ३७; १३।२०;

१५।१०४, १०७; १६।९; १७।३३, ३४, ९१;

१९।४; २०।३५, ३७; २२।७५; २९।२२; ३२।५;

३३।२३, ३४, ३७; ३४।४, १०; ३५।२३; ३६।२६,

४१, ७२ सू १८।२३, २५; १९।२२

जोतिसियत्त (ज्योतिषिकत्व) प १५।१११; ३६।२२

जोत्तग (योजक) ज ७।१७८

जोय (योग) ज ३।१७८; ७।१२९ सू १०।२, ३, ५,

७५, १२२, १२३, १२९।१, १३२ से १३४, १३६,

१६२ से १६६; १२।२९, ३०; १५।८, ११, १२,

१३; १९।१, ५, ८, १५, १९, २१, १९।२।२।१

√जोय (युज्) जोइति ज ७।१२६ जोइंसु
ज ७।१२६ जोइस्संति ज ७।१२६ सू १६।१
जोएइ ज ७।१२६ जोएंति ज ७।१,११२।२
सू १०।५,१२६।१,२ जोएंसु ज ७।१ सू १०।७५
जोएति सू १०।२० जोएस्संति ज ७।१
सू १०।७५ जोयंति ज ७।११२।१

जोयण (योजन) प १।७४,७५,८४; २।२१ से २७,
२६ से ३६,३८,४१ से ४३,४६,४८ से ५५,
५६,६३,६४; १।१।७२; १।२।७,३६,१५।४० से
४२; २।१।३८,४१ से ४३,४५,४७।१,२; २।१।६३,
६८ से ७०,८७; ३।३।१०,११; ३।६।६६,६८,
७०,७२,७४,८१ ज १।७,८,१२,१४,१६,
१७।१,१८,२०,२३,२८,३२,३५,४६,४८,५१;
२।६; ३।१,१८,२५,३१,३८,४६,५२,६१,६६,
७६,८१,८५,८६,१११,११६,११८,१३१,१३२,
१३७,१४१,१५६,१६०,१६४,१६०,१६२;
४।१,३,६,७,१४,२३ से २५,३१,३६,३८ से
४३,४५,४७,४६,५२,५५,५७,५६,६२,६४ से
६८,७२ से ७८,८१,८६,८८,९० से ९५,९८,
१०३,१०८,११०,११२,११४ से ११६,११८
से १२८,१३२,१३६ से १४१ १४२।१,१४३,
१४४,१४६,१५३,१५४,१५६,१६३ से १६५,
१६६,१७४ से १७६,१७८,१८३,२००,२०१,
२०३; २०५ से २०७,२१३,२१५ से २१६,
२२१,२२६,२३४,२४० से २४३,२४५,२५७
से २५६,२६२; ५।३,५,७,२२ से २४,२८,३५,
४३,४४,४६,५०,५३; ६।६।१,६।८; ७।३ से
२५,३१ से ३४,५८,६२ से ८४,८६,८८,८९,
९१ से ९६,१७१ से १७४,१८२,२०७
सू १।१४,२० से २४,२६ से ३१; २।१,३;
४।३ से ५,७,८,१०; १।८।१,५,६,६ से ११,२०;
१६।४,७,१०,१४,१८,२०,२२।२८,२६,
१६।२३,२६,३०,३४,३७, उ १।१३४; ३।७,
६१; ५।४

जोयणपुहत्तिय (योजनपृथक्त्विक) प १।७५

जोयणसत्तपुहत्तिय (योजनशतपृथक्त्विक) प १।७५

जोयणसहस्रपुहत्तिय (योजनसहस्रपृथक्त्विक)

प १।७५

जोव्वण (यौवन) प २।३१; ३।४।२० ज २।१५;

३।६२,११६,१३८; ५।६८,७० सू २०।७

उ ३।१२७

जोव्वणग (यौवनक) उ ३।१२७ १२८; ५।४३

जोह (योध) ज ३।१५,२१,२२,३१,३४,३६,७७,

७८,६१,६८,१६७।६,१७३,१७५,१६६

उ १।१२३; ५।१८

भ

भंभावाय (भञ्जभावात) प १।२६

भय (ध्वज) ज १।३७; २।१५,२०; ३।७,३१,३५,

१७८,१७६

भया (ध्वजा) उ १।२२,१४०

भल्लरि (भल्लरी) प ३।३।२३ ज ३।१२,७८,

१८०,२०६

भस (भस) ज ३।३

√ज्ञा (ध्वं) भियाइ उ १।१५; ३।६८ भियामि

उ १।४० भियामि उ १।३७ भियाह उ १।४२

भियाहि उ १।४१

ज्ञाण (ध्यान) उ ३।३१

ज्ञाणंतरिया (ध्यानान्तरिका) ज २।७१

ज्ञाणकोट्ठोवगय (ध्यानकोट्ठोपमत) ज १।५;

२।८३ उ १।३

√ज्ञाम (दह्) भःमंति ज २।१०८ भामिह ज २।१०७

झिगिर (दे०) प १।५०

झिगिरिड (दे०) प १।५०

√झिया (ध्वं,धमा) भियायंति ज ३।१०५

झियावमाण (ध्यायत्) उ १।३६,३७,४२,७१

झिल्लिया (झिल्लिका) प १।५०

झिल्ली (झिल्ली) प १।४८।४२

झुसिर (शुषिर) ज ५।५७ सू २०।१

√झूस (शोषय्) भूसैइ उ ३।८३ भूसैहिइ

उ ५।४३

झूसणा (जोषणा) ज ३।२२४

भूसिक्ता (शोपयित्वा) उ ५११८
 भूसिय (जुष्ट) ज ३१२२४
 भूसेक्ता (शोपयित्वा) उ ३१२३; ५१४३
 भूसेक्ता (शोपयित्वा) उ २११२; ३११०

ट

टंक (टङ्क) प १११
 टिट्टिय (दे०) ज ५११६
 टोलकिति (दे०) ज २११३३

ठ

√ठव (स्थापय्) ठवइ ज २१६५ ठविसंति
 ज २११४६ ठवेइ ज २१६५ उ १११६; ३१५१;
 ४११८ ठवेति ज २११०४ ठवेसि उ ३१७६
 ठवेहि प ११४८५८, ५६
 ठवणा (स्थापना) प १११३३१
 ठवणासच्च (स्थापनासत्य) प १११३३
 √ठवाव (स्थापय्) ठवावेइ उ ११४६
 ठवावित्ता (स्थापयित्वा) उ ११४६
 ठवेत्ता (स्थापयित्वा) उ १११६
 ठविय (स्थापित) ज ३१८१
 ठवेत्ता (स्थापयित्वा) ज २१६५
 ठा (ष्ठा) ठाइ उ ११२२
 ठाईऊण (स्थित्वा) ज ३१२४
 ठाण (स्थान) प १११४८, ८४; २११ से ३६, ४१ से
 ४३, ४६, ४८ से ५२, ५४ से ६४; ६११०;
 १४१५, ११ से १५, १७; १७१११४११, १७११४३
 से १७५; २३११११; २३३६, ७, १६० ज ३१२४,
 ८६, १०२, १५६, १६२; ५१२१; ७१५६ से ६०
 सू १०११३८ से १४१, १४३ से १४६, १४८ से
 १५१, १६१२४, २७ उ ११२२, १४०; ३१५१११;
 ३१८३, ११५, १२०; ४१२१, २२, २४
 ठाणडित (स्थानस्थित) सू १६१२६
 ठाणसमगण (स्थानमार्गण) प २८६६, ५२
 ठाणिऊज (स्थानी) उ ११४४, ४५
 √ठाव (स्थापय्) ठावेसि उ ३११३
 ठावेत्ता (स्थापयित्वा) उ ३१५०

ठिड (स्थिति) प १११४; ४१५; ५१५, ८४, ११५,
 १४८, २१४; २३११६३ ज २१५६, ७१, १५६;
 ७१६८१२, १८७ उ ११४१, ४३; २११२, २२;
 ३११६, ८५, १२४, १५०, १६४, १६६, १७१;
 ४१२५; ५१२६, ४२

ठिडकल्लाण (स्थितिकल्पाण) ज २१८१
 ठिडकखय (स्थितिक्षय) उ ३११८, १२५, १५२; ४१२६;
 ५१३०
 ठिड्य (स्थितिक) उ ११२६, १४०; २१२०
 ठिड्य (स्थितिक) ज ११२४, ३१, ४६, ४७; २१४४;
 ३१२२५; ४१२२, ३४, ५४, ६०, ६१, ६४, ८०, ८५,
 ८६, ९७, १०२, १४१, १४२, १६१, १६७, १७७,
 १८६, १६६, २०८, २६१, २७०, २७२; ७१५५,
 ५८, २१३

ठिच्चा (स्थित्वा) प १७११०७; ३४१२२, २३
 उ ११२०; ३१२६

ठितलेस्स (स्थितलेश्य) प २१४८

ठिति (स्थिति) प ४११ से ४, ६ से ४६, ५६ से ५८,
 ६५, ७१, ७६, ८८, ९५, ९८, १०१, १०४, ११३,
 १३१, १४०, १४६, १५८, १६५, १६८, १७१,
 १७४, १८३, २०७, २१०, २१३, २६४, २६७,
 २६९; ५१७, १०, १२, १४, १६, १८, २०, २४ से
 २६, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५०, ५३,
 ५६, ५९, ६३, ६८, ७१, ७२, ७४, ७८, ८३, ८६, ८९,
 ९३, ९४, ९७, १०१, १०२, १०४, १०५, १०७,
 १११, ११२, ११६, १२२, १२६, १३१, १३४,
 १३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७, १४८,
 १५०, १५४, १६३, १६६, १६९, १७०, १७२,
 १७४, १७५, १७७, १७८, १८१, १८२, १८४,
 १८५, १८७, १८८, १९०, १९३, १९७, २००,
 २०३, २०७, २११, २१८, २२१, २२४, २२८,
 २३०, २३२, २३४, २३५, २३७, २३९, २४०,
 २४२; १०१५३११; २३१३३ से २३, ६० से ६४;
 ६६, ६८, ६९, ७२ से ७७, ८०, ८१, ८३, ८५ से
 ९०, ९२, ९३, ९५ से ९९, १०१ से १०४, १११ से
 ११४, ११६ से ११८, १२७, १३०, १३१, १३३;

१७६, १७७, १७६, १८१, १८२, १८३, १८५,
१८७, १९० से १९३; २८५; ३६१, ८२१, ८३१
सू १८२५, २६ से ३४

ठितिनामनिहत्ताउय (स्थितिनामनिधत्तायुष्क)

प ६१२२२

ठितिनामनिहत्ताउय (स्थितिनामनिधत्तायुष्क)

प ६१११८

ठितिपडिया (स्थितिपडिता) उ १६३

ठितीचरिम (स्थितिचरम) प १०१३४, ३५

ठितीनामनिहत्ताउय (स्थितिनामनिधत्तायुष्क)

प ६१११६

ठिय (स्थित) प ११४७, ४८, ८० से ८३

ज ३१६२, ११६, १३८; ५३३, २८; ७५८ सू १११७
उ १११६

ड

डंस (दंश) ज २१४०

डम्भ (दभं) प १४२११

डमर (डमर) ज २४२

डमरबहुल (डमरबहुल) ज १११८

√डह (दह्) डहेज्जा ज २६

डाव (दे०) उ ११३८

डिब (डिम्ब) ज २४२

डिबबहुल (डिम्बबहुल) ज १११८

डिभय (डिम्भक) उ ३१६२, ११४, १२३, १३०

डिभिषा (डिम्भिका) उ ३१६२, ११४, १२३, १३०,
१३१, १३४

डोंगरू (दे०) ज २१३३

डोंब (दे०) प ११८६

डोंबिलग (दे०) प ११८६

ढ

ढक (ध्वाक्ष) प ११७६ ज २४०, १३७

ढिकुण (दे०) प ११५११ ज २४०

ण

ण (न) प १११०१३ ज १६ सू ११४; १०१२६

णई (नदी) ज ४२००, २०२, २१२

णउति (नवति) सू १८१

णउय (नवति) ज १११८; ४२५; ६८; ७८२,
१७३

णउल (नकुल) प ११७६

णं (दे०) प १२० ज १३ सू १२ उ १५; २१;
३१; ४१; ५१

णंगल (लाङ्गल) ज ३३

णंगलई (लाङ्गलिकी) प १४८६

णंगलिय (लाङ्गलिक) ज २३४; ३१८५

णंगूल (लाङ्गूल) ज ७१७८

णंगोलि (लाङ्गूलिन्) प ११८६

णंद (नन्द) ज ७११८

णंदणवण (नन्दनवन) ज २६५, ६६; ४२१४,
२३४, २३६, २३७, २३६, २४०; ५१५५

णंदणवणकूड (नन्दनवनकूट) ज ४२, ३६

णंदणवणविवरचारिणी (नन्दनवनविवरचारिणी)
ज २१५

णंदा (नन्दा) ज ४१४०; ५१८१, ६८; ७११८,
सू १०६०

णंदापुखरिणी (नन्दापुखरिणी) ज ४२२१

णंदावत्त (नन्दावत्तं) प १५१११ ज ३३, ३२

णंदिघोष (नन्दिघोष) ज २१६; ३३०; ५१५२

णंदिपुर (नन्दिपुर) प १६३३

णंदिप (नन्दिप) ज २२१

णंदिषावत्त (नन्दिषावत्तं) प १४६ ज ३१७८;
४२८; ५४६३

णंदिशुक्ल (नन्दिशुक्ल) प १३६३

णंदिधद्वणा (नन्दिधद्वणा) ज ५८१

णंदिस्तर (नन्दिस्तर) ज २१६; ५४४, ५२, ७४
सू १६३१

णंदुत्तरा (नन्दोत्तरा) ज ५८१

णक्क (नक्क) प ११५६

णक्क (नक्क) प १८६

णक्ख (नक्ख) ज २१५, १३३; ७२०८

नक्षत्र (नक्षत्र) प २।२० से २२,४६,५१;
 १५।५।३ ज १।२४; २।६५,७१,८८,१३८;
 ३।२०६,२२५; ७।१,५५,५८,६५,६६,१००,
 १०३,१०४,१११,११२।१,२,११३,१२६,
 १२८,१२९।१,१३० से १३३,१३४।२,३,४,
 १३५।४,१३८ से १४५,१४७,१४८,१५०,
 १५१,१५२,१५६ से १६७,१७०,१७५,
 १७७।३,१७८।२,१८०,१८१,१८७ चं ५।४
 सू १०।१ से ५,८ से २५,२७ से ३१,३३ से
 ४२,४४,४६ से ५६,६१ से ७५,७७ से ८३,
 ८२ से १०७,१०६ से १२०,१२२,१२३,१२८,
 १२९।१,२,१३० से १३५,१५२ से १६६,
 १७१ से १७३; ११।२ से ६; १२।१६ से २८,
 ३०; १३।११,१४; १५।१,२,४,६ से ८,११,
 १२,१४ से १६,१६ २२,२५,२८,३४,३७;
 १८।५,७,१८,१९,३७; १९।११,५।२,८।२,
 ११।३,१५।३,१६,१६।११।४,७,२२।३,२२,३१,
 १६।२३,२६; २०।७ उ ५।४।१,
नक्षत्रमंडल (नक्षत्रमण्डल) ज ७।८५ से ६४,६७,
 ११३ सू १०।१२६,१३०
नक्षत्रमास (नक्षत्रमास) सू १२।२,१२
नक्षत्रविजय (नक्षत्रविजय) सू १।६।४; १०।१३२,
 १७३
नक्षत्रविमान (नक्षत्रविमान) प ४।१६५ से २००
 ज ७।१६३,१६४ सू १।८,१२,१६,३३,३४
नक्षत्रसंस्थिति (नक्षत्रसंस्थिति) सू १०।२७
नक्षत्रसंबन्ध (नक्षत्रसंबन्ध) ज ७।१०३,१०४
 सू १०।१२५,१२६,१२६; १२।२
नख (नख) सू २०।२
नखीमांस (नखीमांस) सू १०।१२० कंधारी की जड
नगर (नगर) प २।४१ मे ४३,२।६४।१७;
 ज १।२६; २।२२,६६,७०,१३१; ३।१८,३१,५२,
 ६१,६६,८१,१३१,१३७,१४१,१६४,१६७।२,
 १८०,१८५,२०६; ५।४,४४
नगरनिर्माण (नगरनिर्माण) प १।८४
नगरवास (नगरवास) प २।४१,४२,४६

ज १।२६; ४।१७२
नगोह (न्यग्रोध) प १।३६।२ ज २।७१
नगोहपरिमंडल (न्यग्रोधपरिमंडल) प १५।३५;
 २३।४६ ज ७।१६७ सू १०।७४
नक्षत्र (नक्षत्र) प २।४१
नक्षत्र (नक्षत्र) प २।४१
नक्षत्र (नक्षत्र) प २।३१,४१ ज २।३२; ३।८२,
 १६७।१०,१८५,१८७,२०६,२१८; ५।१,१६,
 ५७; ७।५५,५८,१८४ सू १८।२३; १९।२३,२६
नक्षत्रमाला (नक्षत्रमाला) ज ३।१५०,१५१
नक्षत्रमाला (नक्षत्रमाला) ज १।२४,४६; ६।१६
नक्षत्रमाला (नक्षत्रमाला) ज २।८
नक्षत्रविधि (नक्षत्रविधि) ज ३।१६७।१०; ५।५७,५८
नक्षत्राणीय (नक्षत्राणीय) ज ५।४१,४४
नक्षत्ररथ (नक्षत्ररथ) ज ५।७
नक्षत्रेच्छा (नक्षत्रेच्छा) ज २।३२
नक्षत्र (नक्षत्र) सू २०।७,२०।६६
नक्षत्रभाग (नक्षत्रभाग) सू १०।४,५
नक्षत्र (नक्षत्र) ज २।१३३
नक्षत्र (नक्षत्र) प १।७५,८०; २।५२,६४।१८;
 ५।४३,६६,८०,८६,१८०; १२।६,११,२१,२८;
 १३।१६; १५।८७,६४ से १०१,१०३ से १०६,
 १०८ से ११०,११२ से ११७,११९ से १२३,
 १२५,१२६,१२८ से १३२,१३८ से १४१,
 १४३; १७।७०; २।१६२ से १०१; २।४२;
 २३।१३७,१३६; २८।१४२,१४५; ३०।१७;
 ३६।८ से ११,१५ से २३,२५,२६,२८,३०,
 ३१,३३,३४,४४ सू १।१३,१४; १०।२२,२५
नक्षत्र (नक्षत्र) प १।५७
नक्षत्र (नक्षत्र) प १।१।७७ ज २।३१
नक्षत्रबहुल (नक्षत्रबहुल) ज १।१८
नक्षत्र (नक्षत्र) प १।६६,७६; १।१५ से १०,२५
 से २८
नक्षत्रगवयण (नक्षत्रगवयण) प १।१।२६,८६

णपुंसगवेद (नपुंसकवेद) प १८१६२; २३३६, ८२,
१४३, १४८, १५०

णपुंसगवेदग (नपुंसकवेदक) १३११४, १५, १८

णपुंसगवेदय (नपुंसकवेदक) प २८११४०

णपुंसगवेय (नपुंसकवेद) प २३११४५

णपुंसगवेयपरिणाम (नपुंसकवेदपरिणाम) प १३११३

णपुंसय (नपुंसक) प ३११८३

णभ (नभ) ज २१६५ सू २०१२

णभसूरय (नभःशूःक) सू २०१२

√णमंस (नमस्य) नमसइ ज २१६०; ५१२१, ५८, ६८

णमंसति उ ११२१ णमंसामि उ १११७

णमंसण (नमस्यन) उ १११७

णमंसमाण (नमस्यत्) ज ११६; २१६०; ३१२०५,
२०६; ५१५८

णमंसित्ता (नमस्यित्वा) ज २१६० उ ११२१

णमि (नमि) ज ३११३७ से १३६

णमिय (नत) ज २११५

णमो (नमस्) ज १११; ३१२४१, १३१

णमोत्थु (नमोत्तु) ज ५१५, २१, ४६, ५८, ६५

णय (नय) प १६१४६

णय (नत) ज ४११३

णयगति (नयगति) प १६१३८, ४६

णयदृठया (नयार्थता) सू १२११३

णयण (नयन) प २१३१ ज २११५, ६०, १०३, १०६,
१०८, १३३; ३१३, ६, २५, १०६, १३८; ५१२१

णयणमाला (नयनमाला) ज २१६५; ३११८६, २०४

णयर (नगर) ज ५१७०, ७२ उ ३११०१

णयरी (नगरी) ११६३६ ज ११२, ३; ७१२१४

णयविहि (नयविधि) प १११०११६

णर (नर) ज ११३७; २११०१, १३३; ३१६२, ११६,
१७८, १८६, २०४; ४१२७, ५१२८

णरकंता (नरकान्ता) ज ४१२६६, २६८, २६६१२;
६१२१

णरर (नरक) प २१२० से २७ ज २११३५ से १३७

णररय (नरकावात) प २१२६

णरदावणय (नरदावणिक) प ११६६

णरवइ (नरपति) ज ३१६, १७, १८, २१, २४४४,

३१२८, ३०, ३४, ३५, ३७२, ४१, ४५१२, ४६, ८८,

६१ से ६३, १०६, १३१४, १३६, १४१, १७७,

१८०, १८३, २०१, २१४, २२२

णरवति (नरपति) ज ३११२६१२

णरवर्तिव (नरवरेन्द्र) ३१३५१२

णरवसभ (नरवृषभ) ज ३११८, ६३, १८०

णरसीह (नरसिंह) ज ३११८, ६३, १८०

णरिंद (नरेन्द्र) ज ३१६, ६, १८, ३२११, २, ६३, ११७,
१२६११, १८०, २२१, २२२

णल (नल) प ११४१११

णल (नड, नल) प ११४१११, ११६८४६; ११७५

णलिण (नलिन) ज २१४; ४१३, २५, २१२, २१२११
चं १११

णलिणंग (नलिनांग) ज २१४

णलिणकूड (नलिनकूट) ज ४११६० से १६३

णलिणा (नलिना) ज ४१५५११, २२२११

णव (नवन्) प ११५१ ज ११२० सू १०१२

णव (नय) प २१५० ज ५११८ चं १११

णवइ (नवनि) ज ४१२१३

णवग (नवक) प ११८१

णवणउडमंगुलपरिणाह (नवनवतत्यङ्गुलपरिणाह)
ज ३११०६

णवणवति (नवनवति) ज ४१२१३

णवजिंहवति (नवनिधिपति) ज ३११२६१२, १७५

णवगीइया (नवगीतिका) प ११२८३ ज २११०

णवणीत (नवनीत) सू १०११२०; २०१७

णवणीय (नवनीत) प १११२५ ज ४११३

णवम (नवम) प १७१६६ ज ७१११४२ सू १०१७७,
१२४१२; १३११०

णवमालिया (नवमालिका) ज ३११२, ८८, १०६;
५१५८

णवमिपक (नवगीपक्ष) ज २१६४

णवमिया (नवमिका) ज ५११०१

णवमी (नवमी) ज ७११२५

णवय (नवक) प २११७०, ७३, ४४

णवरं (दे०) प २।४५,५२ से ५६,६१; ५।२१,२६,
३५,३८,४३,५७,६०,६६,७२,७५,८०,८१,८४,
६०,६४,१०२,११६,१५१,१६०,१६१,१६४,
१६१,१६५,२०१; ६।६६,६५,६८,१०४,११३;
१०।३०; ११।८५; १२।२६,३१,३६ से ३८;
१३।१६ से १८,२०; १५।१८,१६,२६,३०,३४,
३५,३८,४६,५५,६३,६५,६७,७५,८५,८६,६१,
६७,६८,१०२,१०३,११५,१२१,१२२,१२५,
१२६,१३६,१३७,१३८,१४०,१४१,१४२;
१६।४,१२; १७।२३,२५,२७,२६,३०,३२,३३,
३५,५८,६०,६३,७०,६१,६३,६६,१०५,२४५,
१७२; १८।८०; २०।४ ३२,५४ ५५,५७,५८;
२१।३५,६१,७०,७१,६२; २२।४१,४२,४४,
७६,८०,८२,६०; २३।१०,१२,५६,५८,१५६,
१६६,१६७,१७०,१७२,१७५,१८८,१६०;
२४।३,११; २६।६; २८।२७,३१,३८,४३,४७,
७३,७४,१०६,११५,१३३,१३८; २९।१४,२१;
३०।१७; ३३।१६; ३४।३,५,१४,३५।७; ३६।६,
७,११,१३,१५,२४,२६,२८ से ३४,३८,४६,
५२,५६,६५,६८,६६,७२,७३ ज २।५२ सू
१।१७; १०।२५; १८।२४

णवरि (दे०) ज ३।५०

णवविह (नवविद्य) प १।६२,१३७; २।५५;
२३।१४ ३६

णह (नख) ज २।१५,४३,१३३; ३।६२,११६,१४५

णहिया (नखिका) प १।४७

णही (नखी) प १।४८।५

णइ (न) ज ३।१२६

णइ (ज्ञाति) ज ३।१८७

णइय (नादित) उ १।१२१,१२२,१२५,१२६,
१३३,१३४,१३८; ३।१११; ४।१८,५।१६

णार्ड (ज्ञानुम्) सू १।६।२।२६

णाग (नाग) प २।४०।१,८; ५।३; १५।५।३;
ज २।३१; ३।२४।१,२,१३।१।१,२,१७६;
४।२१२; ५।५२; ७।१२३ से १२५ सू १।६।३८

णागकुमार (नागकुमार) प २।३७ से ३६,३८,३६;

७।३,५; २८।७२; ३३।११,१४; ३६।२०

ज ३।१११ से ३१५,१२४ से १२६; ४।१४१

णागकुमारत्त (नागकुमारत्व) प ३६।२०

णागकुमारराय (नागकुमारराज) प २।३४,३५

णागकुमारिद (नागकुमारिन्द्र) प २।३४ से ३६

णागधर (नागधर) ज ३।१७६

णागफड (नागस्फटा) प २।३०

णागपुष्प (नागपुष्प) ज ३।३

णागरूख (नागरूख) प १।३५।३

णागलया (नागलता) प १।४०।३

णागोद (नागोद) सू १।६।३८

णाडडज्ज (नाटकी) ज ३।१२,२८,४१,४६,५८,
६६,१४७,१६८,२१२,२१३,२२१

णाडग (नाटक) ज ३।१७८,२०४,२१४,२२१

णाडगविहि (नाटकविधि) ज ३।१६।१०

णाडय (नाटक) ज ३।८२,१८६,१८७,२१८;
५।२२,२६

णाण (ज्ञान) प १।१०।१।१०; ३।१।१,३।५,२८,३८,
३२,३४,३७,४३,४५,६८,६६,७२,७४,८०,८३,
८४,८७,८६,६४,६६,१०१,१०२,१०५; १०७,
११२,११७; १७।११२,११३; १८।१।१;
२८।१०६।१; ३०।२६,२८ सू २०।६।७,५

णाणत्त (नानात्व) प २।४५; ६।६८; १५।४४,४५;
२३।१६०; ३६।१४,१५ ज २।५२,५६,१५६,
१६१; ४।१३६,१४१,१६२,२६२; ५।४८ से ५०;
७।३५,५८

णाणपरिणाम (ज्ञानपरिणाम) प १।३।२,६,१४,१६,
१७,१६

णाणा (नाना) प २।४८; १५।६,१६,२६; २।१।२१,
२२,२७,५६,६०,६१,७८,७६; ३।३।२१;
ज १।३७; ३।१६,३०,५६,१०६,१४५,२२२;
४।३,५,७,१३,२५ से २७,४६,६३,११४;
५।१६,३८,६७; ७।१७८

णाणारिय (ज्ञानारिय) प १।६२,६६

णाणावरण (ज्ञानावरण) प २।४।६,११

णाणावरणिज्ज (ज्ञानावरणीय) प २२।२६, २७;
 २३।१, ३, ६, ७, ९ से १३, २४, २५, ६०, १३४,
 १३६, १५४, १५५, १६०, १६४, १६७, १७६,
 १७८, १८९, १९१, १९४ से १९६, २०२; २४।१
 से ५, ८, १५; २५।१, २; २६।१ से ४, ७, १२;
 २७।१ से ३
णाणाविध (नानाविध) ज २।७; ३।१८९ से १९२
णाणाविह (नानाविह) प १।४७।१; २।४१
 ज १।१३, २।१, २६, ३३, ३७, ४९; २।१२, ५७,
 १२२, १२७, १४७, १५०, १५६, १६४; ३।७,
 १०९, १८४, १९२; ४।६३; ५।३२
णाणि (ज्ञानिन्) प १८।७९; २३।२००; २८।१३५
 ज ५।५, ४६
णाणोवउत्त (ज्ञानोपयुक्त) प ३६।९३, ९४
णात (ज्ञात) प १।६५
णाभ (नाभ) ज २।१५
णाभि (नाभि) ज २।५९, ६२, ६३; ४।२६०।१; ५।१३
णाभिणाल (नाभिनाल) ज ५।१३
णाम (नामन्) प १।१०।१।१०; २।४८, ५० से ५२
 ५४ से ५७, ५९, ६०, ६२ से ६४, ६४।१७, १।१।३,
 १।१।३।१; २।२।२८; २।३।१, १२, ३८; २।४।१५;
 २६।१।१; २।७।५; ३।६।८२, ९२ ज १।२, ३, ५, १६,
 १८ से २०, २३, ३५, ४१, ४५, ४६, ४८, ५१; २।८,
 १३, ५१, ५४, ६० से ६३, १२१, १२६, १३०,
 १४१ से १४५, १४९, १५४, १६०, १६३; ३।१,
 २, २६, ३०, ३५, ३९, ४७, ५६, ६७, १०३, १०९,
 १११, ११५; १३।३, १४।५, १६।१, १६।७।३, २२।५;
 ४।१, ३, २।५, ३।३, ३।४, ४०, ४।१, ४।५, ४।८, ४।९, ५।१,
 ५।२, ५।५, ५।७, ६२, ६४, ६७, ६८, ७।५, ७।६, ८।१, ८।४,
 ८।६, ८।८, ९।२, ९।८, १०।३, १०।६, १०।८, ११।०, १४।१,
 १४।३, १५।९ से १६।५, १६।७ से १६।९, १७।२ से
 १७।८, १८।० से १८।२, १८।४, १८।५, १८।७, १८।८,
 १९।०, १९।१, १९।३, १९।४, १९।६, १९।७, १९।९ से
 २०।३, २०।५ से २०।९, २१।०।१, २१।२, २१।३,
 २।४, २२।६, २३।४, २३।७, २३।९ से २४।२, २४।५,
 २४।६, २५।१, २५।२, २६।१, २६।२, २६।५, २६।६,

२६।८, २७।२, २७।४, २७।७; ५।१।८, २८, ४६, ५७;
 ७।१।१।४, २।१।३, २।१।४ चं १।४ सू १०।१२४;
 १।२।२६; १।९।२, ६।९, १।२, १।६; २।२।३, २८, ३६
 उ १।१७

णामक (नामक) ज ३।२६, ३९, ४७, १३३, १३५
णामग (नामक) ज ४।२००
णामधेज्ज (नामधेय) ज १।४७; ३।८१, २२१,
 २२६; ४।२२, ३४, ५४, ६४, १०२, १०७, ११३,
 १५।७।२, १।७।७, २६०; ७।१।१।४, १।१।७, १।२०
 सू १०।८६, ८८, १२४; २०।२
णामधेय (नामधेय) ज ५।२१
णामय (नामक) ज १।४६; २।१७; ४।१०६, १६३,
 २०४, २।१०, २।११
णामसच्च (नामसत्य) प १।१।३३
णामसूरय (दे०) सू २०।२
णामाह्यक (नामाहृतक) ज ३।२६, ३९, ४७, १३३
णायग (ज्ञायक) ज ५।५, ४६
णायय (ज्ञातक) ज २।२९
णायव्व (ज्ञातव्य) प १।१०।१।३, ६, ७, ९, ११;
 १।८।१।२; ३।१।१।१
णारग (नारक) प १।२।६; २।४।१०, ११; २।६।८, ९
णाराय (नाराच) प २।३।४५, ४६ ज ३।३, ३१
णारिकंता (नारीकान्ता) ज ४।२।६२; ६।२।१
णारी (नारी) ज ३।१।८६, २०४
णारीकंता (नारीकान्ता) ज ४।२।६६
णारीकूड (नारीकूट) ज ४।२।६३।१
णाल (नाल) ज ४।७
णालबद्ध (नालबद्ध) प १।४।८।४०
णालिएरीवण (नालिकेरीवन) ज २।९
णालिया (नालिका) ज २।६
णालिया (नालिका, नाडीका) पं १।४०।१
णावा (नौ) प १।६।४५ ज ३।८०, ८१, १।५।१;
 ७।१।३।१ सू १०।३३
णावागति (नौगति) प १।६।३८, ४५
णावासंठिय (नौसंठित) प १०।३३
√णात (नाथ्) णासेति ज ३।२।५ १।६

भासा (नासा) प २३१ ज २१५, १३३

णिइय (नित्य) ज ७२१०

णिउण (निपुण) ज २१५; ३१६, २४, ८७, १३८,

२२२; ५१५, २१, २८ सू २०१७

णिओग (नियोग) ज २१३३; ५१४३

णिओय (निगोद) प ३६१, ६३

√णिद (निन्द) णिदेहि उ ३११५

णिद (निम्ब) प १३५१; १७१३०

णिबछल्ली (निम्बछल्ली) प १७१३०

णिबफाणिय (निम्बफाणित) प १७१३०

णिबसार (निम्बसार) प १७१३०

णिकुरंभ (निकुरम्ब) ज २१०

णिककंड (निककंड) ज १८, २३, ३१

निककंडछाया (निककंडछाया) प २३१ ४१

णिकखमंत (निककामत्) सू १६२२१४

णिकखमण (निककमण) ज ४२७७ सू १३१७

णिकखममाण (निककामत्) ज ३२०३; ७१०, १६,

२० से २२, २६, २७, ६६, ७५, ८१ चं ४१२

सू १३६, १२

णिकखित्त (निकखित्त) ज ३२०, ३३, ५४, ६३, ७१,

८४, १३७, १४३, १६७, १८२

√णिकखिष (नि-+क्षिप्) णिकखिषइ ज ३६२;

५१६७

णिककुड (दे०, निककुट) प २१० ज ३७६, ७७,

१०६, १२८, १५१, १७०; ५१२५

√णियच्छ (नि-+ सम्) णियच्छइ ज २६५; ३१४४,

१७२, २०४, २२६ णियच्छति ज ५६३

णियच्छित्ता (नियत्त्य) ज २६५

णियम (नियम) ज २२२ उ ३१०१

णियर (निकर) ज ३१२, ३५, ८८, ६५, १५६;

४१२५; ५१५८

णियरिय (निकरित, निर्गडित) ज ३२४३,

३७१, ४५१, १३१३

√णियिण्ह (नि-+ग्रह्) णियिण्हइ ज ३२८

णियिण्हित्ता (नियुह्य) ज ३२८

णिमोद (निगोद) प ३६२, ८६; १८३८

णिमोय (निगोद) प १८४५, ५३ ज २१३३

णिमगंधी (निगन्धी) ज २७२

णिमगय (निर्गत) ज १४; ३६, १७, २१, ३१, ३४,

१७७, २२२

णिमगुंडी (निगुण्डी) प १३७३

णिमगुण (निर्गुण) ज २१३५

णिमगाय (निर्घात) प १२६

णिमगायण (निर्घातन) ज २७०

णिमघोस (निर्घोष) ज ३८८, १८०, १८३; ५१५,

२६, ४६, ४७, ५६, ६७ उ ११२१, १२२ १२५,

१२६, १३३, १३४, १३८; ३१११; ४१८;

५११६

णिच्चिय (नित्त) ज ३३; ५१५; ७१७८

णिच्च (नित्य) प २२० से २७ ज ११११, २४,

४७; २११, ६७, १३३; ३२२६; ४२२, ५४,

६१, ६४, १०२, १६६, १६७, १७७, २०३, २१०,

२६४, २७३; ५२६; ७२१०, २१३

सू १६२२१७

णिच्चर्मडिया (नित्यमण्डिता) ज ४१५७१

णिच्चालोय नित्यालोक) सू २०८

णिच्चुजोत (नित्योद्योत) सू २०८

णिच्चुज्जोय (नित्योद्योत) सू २०८६

णिच्छिण्ण (निच्छिण्ण) प २६४२२; ३६६४१

णिच्छीर (निःक्षीर) प १४८३६

√णिच्छुभ (नि-+क्षिप्) णिच्छुभइ प ३६७३, ७४

णिच्छुमति प ३६५६, ६१, ६६, ७०, ७६

णिच्छूढ (निक्षिप्त) प ३६६२, ७७

णियुत्त (नियुक्त) प २४१

णियज्जरा (निर्जरा) प १५४३ से ४७, ४६; ३६७६

से ८१

णियजाणभूमि (नियजाणभूमि) ज ५१४६

णियजाणमग (नियजाणमग) ज ५१४६

णियज्जिय (निजित) ज ३१७५, २२१

णियज्जुत्त (नियुक्त) ज ३१७८

गिज्जरबहुल (निर्भरबहुल) ज ११८
 गिष्टिद्यट (निष्टितार्थ) प ३६।६३, ६४
 गिडात (ललाट) ज २।१५; ३।३६, ३६, ४७, १३३
 गिष्ठाग (निष्ठाग) प १।८६
 गिष्ठाथल (निम्नस्थल) ज ७।११२।५
 गिष्ठाथलय (निम्नस्थलक) सू १०।१२६।५
 गिष्ठाणय (निम्नोन्नत) ज २।१३१
 गिष्ठाद्या (निष्ठाविका) प १।६८
 गित्तंज (नितम्ब) ज १।५१; ३।६१, १३७; ४।१७४,
 १७५ १७६, १८२, १८८
 गित्तारण (निस्तारण) ज ३।१०६
 गिदा (दे०) प ३।५।१।१, ३।५।६
 गिदाया (दे०) प ३।५।१७, १८, २०, २२, २३
 गिदाह (निदाघ) सू १०।१२४।२
 निदा (निद्रा) प २।३।१४, २६, २७, १३४ १५५,
 १७७, १८०
 गिदागिदा (निद्रानिद्रा) प २।३।१४
 गिद्ध (स्निग्ध) प १।६; २।३१; ५।१५४, २११;
 ११।५६, ६०; १३।२२।१, २; २८।२६, ३२, ६६
 ज २।१५; ३।३, २४, ३५; ७।१७८
 गिद्धंत (निष्कर्त) प २।३१
 गिद्धया (स्निग्धता) प १३।२२।१
 गिद्धाइत्ता (निर्धाव्य) ज २।१३४
 √ गिद्धाव (निर् + धाव्) गिद्धाइस्मंति ज २।१३४,
 १४६
 गिष्पंक (निष्पंक) ज १।८, २३
 गिष्पच्चवखाणपोसहोववास
 (निष्पत्याख्यानपौषधोववास) ज २।१३५
 √ गिष्पज्ज (निर् + पद्) गिष्पज्जह ज २।६
 गिष्पत्ति (निष्पत्ति) ज ३।१६।७।६
 गिष्पाइय (निष्पादित) ज ३।१२०
 गिष्पायय (निष्पादक) ज ३।११६
 गिष्पावग (निष्पावक) ज २।३७
 गिष्पय (निष्पय) ज ३।१२६; ५।५८
 गिष्पिज्जमाण (निष्पिज्जमाण) ज ४।१०७
 गिष्प (निष्प) ज ३।३०, १७८

√ गिमज्जाव (नि - मज्जय्) गिमज्जावेह ज ३।६८
 गिमुग्गजला (निमग्गजला) ज ३।६७ से १०१,
 १६१
 गिममस (निर्मम) ज २।७०; ५।५, ४६, ५८
 गिममल (निर्मल) प २।३०, ३१ ज १।८, २३, ३१;
 २।१५; ४।१२५; ५।६२; ७।१७८
 गिममाणाम (निर्माणाम्) प २।३।३८, १२८
 गिममाय (निर्मात) ज ३।१
 गिमिमय (निर्मित) ज ३।३५
 गिममेर (निर्मयार्द) ज २।१३५
 √ गियंस (नि + वस्) गियंसंति ज २।१००
 गियंसेइ ज २।६६
 गियंसण (निवसन) प २।४१
 √ गियंसाव (नि + दासय्) गियंसावेति ज ३।२११
 गियंसावेत्ता (निवास्य) ज ३।२११
 गियंसेत्ता (-गुह्य) ज २।६६
 गियग (निजक) ज २।६४; ३।३, १८७, १८८
 सू २०।७
 √ गियच्छ (निर् + दा) गियच्छति प २।३।३
 गियत (नियत) ज ३।८१
 गियतिया (नैयतिकी) प १।७।११, २२, २३
 गियत्य (दे०) ज ३।१२५, १२६
 गियम (नियम) प १।२०, २३, २६, २६; ६।११४,
 ११६; १०।२; ११।५३, ५७, ५६, ६६, ६६।१;
 २१।६६, ६६, १००, १०३; २२।४८, ५१, ६८,
 ६६, ७१ से ७४; २३।१०, १२; २४।१४; २५।२,
 ४; २७।६; २८।१६, ३८, ६५, ६८ से १०१; ३६।५६
 ज ७।५०, ५३, १६६ सू १८।३
 गियमा (नियमा) ज ७।३।२।१ सू २०।६
 गियय (नियत) ज १।११, ४७; ३।२२६; ४।२२,
 ५४, ६४, १०२, १५६; ५।२२, २६
 गियय (निजक) सू १।६।२।१४
 गियया (नियता) ज ४।१५।७।१
 गियर (निकर) ज २।१५
 गिरह (निर्हति) ज ७।१२०, १३०, १८६।४
 सू १०।८३

गिरइदेवता (निवृत्तिदेवता) सू १०।८३
 गिरइयार (निरतिवार) प १।१२६
 गिरंतर (निरन्तर) प १०।३२ से ३४,४०; १।१।४१
 ७१; २०।२७, ३१, ५६; २।२।३३, १५, १७, १६ से
 २१; ३६।८, ६ ज २।१५
 गिरय (निरय) प २।१, १०; २।३।३६, ८१, १११,
 १४६, १७१
 गिरय (निरय) ज २।१३१
 गिरयगतिपरिणाम (निरयगतिपरिणाम) प १।३।३
 गिरयगतिय (निरयगतिक) प १।३।१४
 गिरयगामि (निरयगामिन्) ज १।२२, ५०; २।५८,
 १२३, १२८, १४८, १५१, १५७, ४।१०१
 गिरयावास (निरयावास) प २।२० से २४
 गिरवसेस (निरवशेष) प ६।६२; १०।२८; १७।२८;
 २।१।६४; ३।७।२४; ३६।२८, ४६, ६५, ६६, ७२
 गिरहंकार (निरहंकार) ज २।७०
 गिराणंद (निरानन्द) ज २।६०; १०३; १०६, १०८
 गिरातंक (निरातङ्क) ज २।१६
 गिरालय (निरालय) ज २।६८
 गिरालीय (निरालोक) ज २।१३१
 गिरावरण (निरावरण) ज २।७१, ८५
 √गिरंभ (नि + रुध्) गिरंभइ प ३६।६२
 गिरंभति प ३६।६२
 गिरंभित्ता (निरुध्य) प ३६।६२
 गिरुद्ध (निरुद्ध) प २।१।१६३
 गिरुक्किट्ट (निरुक्किट्ट) ज २।४।१
 गिरुच्छाह (निरुच्छाह) ज २।१।३३
 गिरुक्लेव (निरुक्लेव) ज २।३
 गिरुक्हय (निरुक्हय) ज २।१५
 गिरुक्विग्य (निरुक्विग्य) ज २।१।१६
 गिरुहा (नीरुहा) प १।४।८।३
 गिरेयण (निरैजन्) प ३६।६३, ६४
 गिरोग्य (नीरोग्य) ज २।२
 गिरोह (निरोध) प ३६।६२
 गिरुलज्ज (निरुलज्ज) ज २।३३

गिरुलेव (निरुलेव) ज २।६
 गिरुदय (निरुदय) ज ३।२६, ३६
 गिरुड्देत्ता (निरुड्धा) ज ७।३०
 गिरुड्देमाण (निरुड्धमान) ज ७।१३, १६, २२, ७२,
 ७८, ८४
 गिरुण्ण (निरुण्ण) ज ७।१७८
 गिरुत्तित (निरुत्तित) ज २।१।४२ से १।४५
 गिरुत्त (निरुत्त) उ ३।१२६
 √गिरुवय (नि + वत्) गिरुवयति ज ५।६४
 गिरुवह (निरुवह) ज ३।१०६
 गिरुवात (निरुवात) प ३६।८१ ज २।१३१
 गिरुवाय (निरुवाय) ज ३।३५, १०६
 गिरुविट्ट (निरुविट्ट) प २०।३६
 गिरुवुड्ढि (निरुवुड्ढि) सू १।१।१७
 गिरुवुड्देत्ता (निरुवुड्धे) सू ६।१
 गिरुवुड्देमाण (निरुवुड्धमान) सू ६।२
 गिरुवेइत्ता (निरुवेइ) ज ३।८१
 √गिरुवेद (नि + वेदय्) गिरुवेइ ज ३।८१; ५।५८
 गिरुवेदम ज ३।५ गिरुवेदेमो ज ३।६०
 गिरुवेस (निरुवेश) प १।७४ ज ३।२८, ३१, ४१, ४६,
 ५२, १।१५, १।३५, १।४१, १।५१, १।६४, १।६७।२, १।८०
 √गिरुवेस (नि + वेजय्) गिरुवेसइ ज ५।२१, ५८
 गिरुवेसेत्ता (निरुवेश्य) ज ५।२१
 गिरुव्वण (निरुव्वण) ज २।१५; ३।१।७७; ७।१।७८
 √गिरुव्वत्त (निर् + वृत्) गिरुव्वत्तेइ सू ६।२
 गिरुव्वत्तेति प २।३।१६३ सू ६।१
 गिरुव्वत्त (निरुव्वत्त) ज ३।३०, ४३, ५१, ६०, ६८, ७६,
 १३६, १।५१, १।७०, १।७८, २।१६
 गिरुव्वत्तणया (निरुव्वत्तण) प ३।४।२, ३
 गिरुव्वत्तणा (निरुव्वत्तणा) प १।५।५।१, १।५।६।१
 गिरुव्वत्तिय (निरुव्वत्तित) प २।३।१३ से २३
 गिरुव्वय (निरुव्वय) ज २।१।३५
 गिरुव्वयाघाय (निरुव्वयाघाय) प १।६।५५; २।१।६५;
 २।८।३१ ज २।७।१, ८५
 गिरुव्वयाणमग (निरुव्वयाणमग) ज २।७।१

✓ गिष्वाण (निर् + वापय्) गिष्वाविस्सति
 ज २।१४१ गिष्वाहि ज ५।२८ गिष्वावेति
 ज २।११२ गिष्वावेह ज २।१११
 गिष्बुडकर (निर्वृत्तिकर) ज २।६४; ३।३; ४।१४६
 गिष्बुडकरण (निर्वृत्तिकरण) प १।१।२
 गिष्बुत्तिकर (निर्वृत्तिकर) ज ४।१०७
 गिस्संत (निशांत) ज ५।२६
 गिसग्ग (निसर्ग) प १।१०१।२
 गिसट्ठ (निःसृष्ट) ज ३।२५, ३८, ४६, ४७, १३२
 गिसढ (निषद्य) प १६।३० ज ४।६६
 गिसढकूड (निषद्यकूट) ज ४।६६
 गिसण्ण (निषण्ण) ज २।८८; ३।६, ८१, २२२
 गिसम्म (निशम्य) ज ३।६
 गिसह (निषद्य) ज ४।८१, ८६, ८७, ९७, ९८, २०१
 से २०३, २०६, २०७, २०९, २३८, २६२
 गिसहकूड (निषद्यकूट) ज ४।२३६
 गिसहह (निषद्यद्रह) ज ४।२०७
 ✓ गिसिरि (नि + सृज्) गिसिरिड ज ३।२४, २६,
 ३७, ३९, ४५, ४७, १३१, १३३ गिसिरिति
 ३।१६२; ४।५, ७; ५।५, ७ गिसिरिति
 प १।१।७१, ७२, ८४, ८५
 गिसिरण (निसृजन) प १।१।७१
 गिसिरमाण (निमृजत्) प १।१।७१
 गिसीइत्ता (निषद्य) ज ३।४६
 ✓ गिसीय (नि + षद्) गिसीएज्ज प ३६।६१
 गिसीयइ ज ३।८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १४७,
 २१५, २२२ गिसीयति ज १।१३, ३०, ३३;
 २।७; ४।२; ५।४२ गिसीयति ज ३।१८८
 ✓ गिसीयाव (नि + षाद्य्) गिसीयावेति
 ज ५।१४, १७
 गिसीयवेत्ता (निषाद्य) ज ५।१४
 गिसेग (निषेक) प २३।६० से ६४, ६६, ६८, ६९,
 ७३, ७५ से ७७, ८१, ८३, ८५ से ९०, ९२, ९५,
 से ९९, १०१ से १०४, १११ से ११४, ११६
 से ११८, १२७, १३०, १३१, १३३, १७६, १७७,
 १८२, १८३, १८७

गिस्संग (निःसङ्ग) ज ५।५८
 गिस्सग्गहइ (निसर्गहचि) प १।१०१।३
 गिस्सा (निश्चा) प १।२०, २३, २६, २९, ४८
 गिस्साय (निश्चाय) ज ३।१०६
 गिस्सोल (निःशील) ज २।१३५
 गिस्सेस (निःश्रेयस्) ज २।७१
 गिहट्ट (निहृत्य) ज ३।६
 ✓ गिहण (नि + हन्) गिहणति ज ५।१३
 गिहणित्ता (निहृत्य) ज ५।१३
 गिहयरय (निहतरजस्) ज ५।७
 गिहि (निधि) प १।५।५।२ ज ३।१६।७।१३, १४,
 १६८
 गिहिय (निहित) ज ३।११६, २२१
 गिहिरयण (निधिरत्न) ज ३।१६७, १७०; ७।२०१,
 २०२
 गिहुय (स्निहक) प १।४८।४१
 ✓ णी (नी) णेइ ज ७।१५६, १५७, १६१, १६५,
 १६६; ३।१६३ णेति ज ७।१५६ सू १।०।६३
 णेति सू १।०।६३
 ✓ णी (गम्) णीति ज ३।१०६
 णेइ (नीति) ज ३।१६७
 णीणिया (नीनिका) प १।५१
 णीम (नीप) प १।३६।३
 णीय (नील) प १।५।२०२
 णीयतर (नीचतर) ज ४।५४
 णीयागोय (नीचगोत्र) प २३।२२, ५७, ५८, १३२
 णीरय (नीरजस्) प २।३०, ३१, ६३; ३६।६३, ६४
 ज १।१८, २३, ३१; २।६; ५।५८
 णीरागदोस (नीरागदोष) ज ५।५८
 णील (नील) प १।६ से ८; २।३१, २।४०।११;
 ५।५, ७; १३।६; १७।६४; २३।१०४; २८।३२,
 ६६ ज ३।३१; ४।२६४ सू २०।२, ८, २०।८।३।
 णीलकणवीरय (नीलकरवीरक) प १।७।१२४
 णीलकूड (नीलकूट) ज ४।२६३।१
 णीलबंधुजीवय (नीलबन्धुजीवक) प १।७।१२४
 णीलय (नीलक) प १।७।१२६ सू २०।२

णीललेस (नीललेस्य) प १७।५३, ६२, ६४, ६५,
१०२, १०३, १०५, १६५; १५।७०

णीललेसट्टाण (नीललेस्यस्थान) प १७।१४६

णीललेसा (नीललेस्या) प १७।१२१, १२४;

२५।१२३

णीललेसस (नीललेस्य) प ३।६६; १३।१४; १७।३१,

५६, ५७, ५८, ६१, ६४, ६६ से ६५, ७१ से ७४,

७६, ८१ से ८५, ८७, १००, १०३, १०६ से १११,

१६७

णीललेससट्टाण (नीललेस्यस्थान) प १७।१४६

णीललेसा (नीललेस्या) प १६।४६; १७।३६,

११५ से १२३, १२४, १२६, १३१, १३६, १४४,

१४५, १४८ से १५२

णीललेससवरेण (नीललेस्यपरिणाम) प १३।६

णीलवंत (नीलवंत) प १६।३० ज ४।६८, १०३,

१०५ ११०, १४०।२, १४१ से १४३, १६२, १६५,

१६७, १७३ से १७६, १७८, १८० से १८२,

१८४, १८५, १८७, १८८, १९०, १९१, १९३,

१९४, १९६, १९७, १९८, २००, २२५।१, २२७,

२६२ से २६५

णीलसुत्तय (नीलसूत्रक) प १७।११६

णीली (नीली) ज ३।२४

णीलुप्पल (नीलीत्पल) प १७।१२४

णीसंव (निष्पन्द) प १।१।३ चं १।१

णीसल्ल (निःकल्प) ज ५।५८

√णीलस (निर्...) णीससंति प १७।२, २५;

२५।२१, २३, २८, ६७

णीसास (निःसास) ज २।१६

णीहम्ममाण (णिहम्मण) ज ३।३१

णीहारिण (निहो...) प २।१२

णीहु (निहू) प १।४५।१

णूर्ण (नूर्ण) प १।१।१:१।१४, ६५, ६६ से १०४,

११५, ११८, ११९, १२३, १४८, १४९, १५१, १५४;

३६।५१

णोउर (दो०) प १।४६.५१

णेग (नैक) प २५।४०, ४३, ६६ ज ३।३, ३२

णेगम (नैगम) प १६।४६

णेदव्व (नेतव्य) सू ६।१; ८।१; ६।३; १०।२३, २५;

१५।६; १५।१; १६।१, ३५; २०।८

णेतु (नेतु) सू १०।६३

णेत (नेत्र) प १५।७७, ८२

णेतविष्णाणावरण (नेत्रविज्ञानावरण) प २३।१३

णेतारण (नेत्रावरण) प २३।१३

णेदुर (दो० नेहुर) प १।८६

णेम (नेम) ज १।११

णेमि (नेमि) ज ३।३०, ६५, १५६, १७८

णेमिपाम (नेमिपाम) ज ३।२२

णेम्म (नेम) ज ४।२६

णेत्र (जेत्र) प २।१।३ ज ३।७७, १०६, १२६,

७।१२७।१, १६७।१ चं ५।२ सू १।६।२

णेत्रिया (नैवतिकी) प १७।२५

णेत्रव्व (नेतव्य) प ४।५५; ५।१६१; ८।३; ११।८१;

२२।१०२, १०५, १४३; १७।८५; २१।५२;

२२।७६; ३६।२२, २६, ३२, ४६ ज १।१२ से

१४, २५, ४६; २।४, ६, ४६, ५६, ६४, १३६, १५६;

३।६४, १५०, १५१, २१७; ४।१०, ४७, ५३, ५६,

६०, ६४, ७६, ८४, ९०, ९२, ९६, १०६, १४१,

१४७, १६०, १६३ से १६५, १७३, १७४, १९७,

२०७, २१०, २३८, २४३, २६२, २६८, २७४,

२७७; ५।५३; ६।५; ७।३५, ५०, ५८ १३०,

१३१, १३५, १५५, १७६ सू ७।१, ६।२; १०।२२

णेषु (नेतु) सू १।६

णेरइअल (नैरःकल्प) प १५।६४

णेरइय (नैरःक) प २।२०, २१; ३।१६, २२; ४।३;

१०।३२ से ३८, ४० से ४२, ४४ से ५२;

११।४४, ८०; १२।२, ११ से १३, १५, ३६;

१३।१४, १६ से १६; १४।२, ३, ५, ७, ९, ११ से

१५, १८; १५।१७, १८, ३५, ४६, ४८, ५६, ६२,

६३, ६५, ६६, ७१, ७५, ७८, ८२, ८३, ९१, ९४ से

९७, १००, १०२, १०७, १०८, ११८ से १२०;

१२४, १३४, १३५, १३६, १४०, १४१; १६३, ६,
 ११, १४, २०, २५, २६, ३१, ३२; १७१ से ६,
 ८ से १४, १७, १८, २३, २५, २६, २९, ३२, ३७,
 ४०, ४२, ४६, ५७, ५८, ६० से ६२, १००, १०६
 से १११; १८२, ५, ६, ११; १६१; २०१११;
 २०१ से ३, ६, ७, ९, १०, १४, १५, १७ से २०,
 २३ से २५, २७, ३२, ३४, ३५, ३८ से ४२, ४६,
 ५२; २१५१, ५२, ५८, ५९, ६५, ६६, ७७, ८१,
 ८७; २२१११, १३, १५, १७, १९ से २१, २३,
 २४, २६, २७, ३०, ३१, ३३, ३५, ३७ से ४५, ४७,
 ५३, ५७, ६६, ७३, ७५, ७६, ७९, ८२, ८७, ८८,
 ९०, ९८, १००; २३२, ४, ६, ७, १०, १८, ३७, ५४,
 ७८, ८०, १४६, १६४ से १६६, १६८, २४११, ३,
 ५, ८, १४, १५; २५११, २, ४; २६११, ३; २७११, ६;
 २८११, ३ से ५, २१ से २६, ३०, ३८, ६८, १०१,
 १०२, १०४, १०६, ११७, ११९, १३३, १४३ से
 १४५; २६१५ से ७, १५, १८, १९, २२; ३०५
 से ७, १४, १७, २४; ३१२, ४, ६११; ३२१२, ५;
 ३३११ से ७, १६, २७, ३०, ३१, ३४, ३५, ३७;
 ३४११, ३, ५, ६, १०, १३, १४; ३५१२, ५, ७, ९, ११,
 १३, १५, १७, १८, २१; ३६१४, ८, ९, ११ से १३,
 १५, १८, २० से २२, २४, ३० से ३४, ३६, ४३
 से ४७, ४९, ५४, ६५, ६८, ६९, ७२ ज २१७१

णेरइयअसण्णिआउय (नैरयिकासंज्ञायुष्)

प २०६२, ६४

णेरइयत्त (नैरयिकत्थ) प १५१०३, १०४, १०६,

१११, ११५, ११८, १२२, १२६, १२९, १४१,

३६११८, १६, २१, २३, २५, २६, ३० से ३४, ४६,

४७

णेरइयाउय (नैरयिकायुष्) प २३११८, ३७, ७८,

८०, १४६, १६६, १७०

णेरत्तिय (नैरयिक) प १०३६

णोवच्छ (नेपथ्य) प २१४१

णोवत्थ (नेपथ्य) ज ५४३; ७११०१

णोव्वाण (निर्वाण) प २१६४२०

णोसप्प (नैसर्प) ज ३११६७२, १७८

णो (नो) प १११६८ ज २१६ सू ८१

णोअपरित्त (नोअपरीत) प १८११२

णोअसंजय (नोअसंयत्त) प १८१६२

णोअसण्णि (नोअसंज्ञिन्) प ३१५, ६

णोइंदिय (नोइन्द्रि) प १५१७०

णोकसायवेयणिज्ज (नोकषाध्वेदनीः) प २३११७,

३४, ३६

णोपज्जत्तयणोअपज्जत्तय

(नोपर्याप्तकनोअपर्याप्तक) प १८११५

णोपरित्त (नोपरीत) प १८११२

णोभवत्तिद्धियणोअभवत्तिद्धिय

(नोभवत्तिद्धियनोअभवत्तिद्धिक)

प १८१२४; २८११३, ११४

णोभवोववातगति (नोभोवोपपातगति) प १६१३७

णोभवोववायगति (नोभवोवपातगति) प १६१२४,

३३ से ३७

णोमाल्लिया (नवमाल्लिका) प ११३८१ ज २११०;

४१६६

णोमाल्लियापुड (नवमाल्लिकापुट) ज ४११०७

णोसंजतणोअसंजतणोसंजयासंजय

(नोसंजतनोअसंजतनोसंजयासंजयत्त)

प ३२११, २

णोसंजतणोअसंजयणोसंजलासंजय

(नोसंजतनोअसंजयतनोसंजलासंजयत्त) प ३२१४

णोसंजय (नोसंजयत्त) प १८१६२

णोसंजयणोअसंजयणोसंजयासंजय

(नोसंजयतनोअसंजयतनोसंजयासंजयत्त)

प २८१२१; ३२१३, ६

णोसंजयासंजय (नोसंजयासंजयत्त) प १८१६२

णोसण्णिणोअसण्णि (नोसंज्ञिन्नाअसंज्ञिन्)

प १८१२१; २८१२०, १२१, १२४, १२६;

३१११ से ३, ५, ६

णोमुहुमणोवादर (नोमुहुमणोवादर) प १८११८

पहाण-तट्टु

- ✓ पहाण (पणा) पहाणेइ उ १।६७ पहाणेति
ज २।१०० पहाणेति अ २।६६
- पहाणपीठ (स्नानपीठ) ज ३।६, २२२
- पहाणमंडव (स्नानमण्डप) ज ३।६, २२२
- पहाणमल्लियापुड (स्नानमल्लिकापुट) ज ४।१०७
- पहाणेत्ता (स्नात्वा) ज २।६६
- पहात (स्नात) सू २०।७
- पहाय (स्नात) ज २।५८, ६६, ७४, ७७, ८२, ८५,
१२५, १२६, १४७, १५३ उ १।१६, ४२, ७७,
१२१, १२२, १२६; ३।२६, ११०, १४१; ४।१२,
१८; ५।१७
- पहार (स्नातु) ज २।१३३; ३।२४
- ✓ पहाव (स्नापय, स्नपय) पहावेइ उ ३।११४
- पहावेत्ता (स्नपयित्वा, स्नापयित्वा) ज २।१००

त

- त (तन्) प १।१ सू १।१ उ १।१
- तइय (तृतीय) प ३।२१; ६।८०।१; १५।१४३
ज २।१३५।१; ४।५६, ६७, १४२।३; ७।१०८,
१५८ अ ४।३ सू १।८।२ उ २।२२; ३।६८;
४।१
- तइया (तृतीया) ज ७।१२५ सू १०।१४८, १५०
- तइविह (ततिविध) प १५।५६
- तउखंड (त्रपुखण्ड) प १।१७४
- तउय (त्रपुय) प १।२०।१
- तउस (त्रपुस) प १।४८।४८ ज ३।११६ खीरा
- तउसमिजिया (त्रपुसमिजिका) प १।५०
- तउसी (त्रपुसी) प १।४०।१ खीरा की लता
- तए (ततस्) उ १।४; २।८; ३।११; ५।१३
- तओ (ततन्) प ३।४।१ से ३; ३।६।७७, ६२
उ ३।५।१, ५३, ५४, ८६, १०७, ११०, १३६;
४।२१
- तंजहा (तन्त्रया) सू १।१२
- तंडय (तण्डय) तंडयेति ज ५।५७
- तंडुल (तण्डुल) ज ३।१२, ८८; ५।५८ उ ३।५१
- तंत (तान्त) उ १।५०

- तंतवा (तान्त्रवक) प १।५१
- तंती (तन्त्री) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज १।४५;
२।६५; ३।८२, १८५ से १८७, २०४, २०६,
२१८; ५।१, १६; ७।५५, ५८, १८४ सू १।८।२३;
१।६।२३, २६
- तंतु (तन्तु) ज ३।१०६
- तंतुवाय (तन्तुवाय) प १।६७
- तंडुल (तण्डुल) उ ३।५१
- तंडुलमच्छ (तण्डुलमत्स्य) प १।५६
- तंडुलेज्जाग (तन्तुलीय) प १।४४।१ वायविडंग,
बोलाई का साग
- तंब (ताम्र) प १।२०।१; २।३१; १।७।१२५
ज २।१५; ३।१३८।१
- तंबकरोडय (ताम्र'करोडय') प १।७।१२५
- तंबखंड (ताम्रखण्ड) प १।१।७४
- तंबच्छिकरण (ताम्राक्षिकरण) प १।७।१३४
- तंबछिवाडिया (ताम्र'छिवाडिया') प १।७।१२५
- तंबिय (ताम्रिक) उ ३।५०, ५५
- तंस (त्र्यस) प १।४ से ६; १०।१५, १६
- तक (तकत्) ज ३।६५, १५६
- तक्करबहुल (तस्करबहुल) ज १।१८
- तक्कलि (तकिल) प १।४३।१ चक्रमर्द वृक्ष,
चकवड
- तगरमेला (तगरमेला) ज ३।११।३
- तगरपुड (तगरपुट) ज ४।१०७
- तच्च (तृतीय) प ३।१८३; २।१।६०; ३।३।१६; ३।६।६२
ज ७।१६२ सू १।१४, १६, १७, २१ उ १।३६,
४०, ११५, ११६; ३।१, २, २३, ५४, ६०, ६१, ७७,
७८, ८७, ८८, १०८
- तच्चा (तृतीया) सू १२।२१
- तच्छण (तक्षण) ज २।७०
- तट्ट (दे०, स्थल) प २।८
- तट्ट (त्रस्त) ज ७।१२२।२ सू १०।८४।२
- तट्टदेवया (त्वष्टदेवता) सू १०।८३
- तट्टु (त्वष्ट) ज ७।१३०, १८६।४

तड (तट) ज ३१०६ उ ५१५
 तडाम (तटाक) प २११३
 तडित (तडित्) ज ३१२४
 तण (तृण) प १३३११, ११४२, ४४११, ११४८५६;
 ३८६१ ज १११३, २१, २६, २६, ३३, ४६; २१७,
 २६, ५७, १२२, १२७, १४४ से १४७, १५०,
 १५६, १६४; ३१६८, १६२; ४६३, ८२; ५१५
 तणमूल (तृणमूल) प ११४८८
 तणय (तृणक) ज २१३६
 तणवणस्सइआइय (तृणवनस्पतिकायिक)
 ज २११३१
 तणविटिय (तृणवृन्तक) प ११५०
 तणविहण (तृणविहीन) ज १११४
 तणसोल्लिद्या (दे०मल्लिका) ज ३१३५
 तणाहार (तृणाहार) प ११५०
 तणु (तनु) प २१६४ ज ११५१; २११५, १३३;
 ४१४५, १५६; ७११७
 तणुक (तनुक) ज ३१०६
 तणुतणु (तनुतनु) प २१६४
 तणुय (तनुक) ज ११८, ३५, ५१; २११५;
 ३१३८१; ४१४५, ११०, ११४, १५६, २१३,
 २४२
 तणुयतर (तनुकतर) प ११४८३४ से ३७
 तनुयरी (तनुतरी) प २१६४
 तणुवाय (तनुवात) प ११२६; २११०
 तणुवायवलय (तनुवातवलय) प २११०
 तण्हा (तृणा) प २१६४१६ ज ३११२११
 तत (तत) ज ५१५७
 ततगति (ततगति) प १६१७, २२
 तति (तति) प ११११३४
 ततिय (तृतीय) प १०१४१ से ३; १११४२, ८८;
 १२१३२, ३८; ३६८५, ८७ सू १०६५, ६६, ७३,
 ७७; १२१६; १३११० उ १६३
 ततिविह (ततिविह) प १६१२०
 तते (ततस्) ज ११६

ततो (ततस्) प ३४११, ३; ३६८५ ज ३३५
 तत्त (तप्त) प ११४८५६; २३१, ४८ ज ३११७
 तत्तकवेल्लुयभूय (तप्तकवेल्लुयभूत) ज २१३२,
 १४१
 तत्तजला (तप्तजला) ज ४२०२
 तत्ततव (तप्ततपस्) ज ११५
 तत्तसमजोडभूय (तप्तसमज्योतिर्भूत) ज २१३२,
 १४१
 तत्तिय (तावत्) प १५१०३ ज ७२००
 सू १०६५, ६६, ७३, ७७; १२१६; १३११०
 तत्तो (ततस्) प १११७, ११४८१; २६४४४;
 २११७७१, २; ३४११, २
 तत्थ (तत्र) प ११२० ज १११३ सू १११४
 उ १११०
 तत्थ (त्रस्त) प २१२० से २७ ज ३११११-१२५
 उ ११८६
 तत्थयथ (तत्रगत) ज ५१२१
 तदणुरूव (तदणुरूप) ज २१४१ से १४५
 तदुभय (तदुभय) प १४१३; २२१४ से ६; २३११३
 से २३
 तण्य (तप्र) प ३३१६
 तण्यभिइ (तत्प्रभृति) ज २१६७ उ ३१११८
 तण्यउगम (तत्प्रायोग्य) प २३१२००, २०१
 तम (तमस्) ज २१३१
 तमतमण्यभा (तमस्तमःप्रभा) प ११५३; २११, २०;
 १०१
 तमतमा (तमस्तमा) प २१२७, २१२७३
 तमण्यभा (तमःप्रभा) प ११५३; २११, २०, २६;
 ३१६; ४१६ से २१; १०१
 तमस (तमस्) प २१२० से २७
 तमा (तमा) प ३११८, १६, १८३; ६११५, ७८, ६१;
 २०१४२; २११६७; ३३१८, १६
 तमाल (तमाल) प ११४३१
 तय (त्वच्) उ ३१५०, ५१, ५३
 तयणंतर (तदनन्तर) ज ४२११३

तद्यणुरूप (तदनु रूप) प १।७४
 तथा (त्वच्) प १।३५,३६; १।४८।१३,२३,६३;
 १।४८ ज २।६७,१४५,१४६
 तथा (तदा) सू १।१४; १।०२६ उ ३।६२
 तथाणंतर (तदनन्तर) सू १।१४,१६,२१,२४,२७;
 २।३
 तथावरणिज्ज (तदावरणीय) ज ३।२२३
 तथाविस (त्वग्विष) प १।७०
 तथाहार (त्वगाहार) उ ३।५०
 तरंग (तरङ्ग) २।१५,१३३; ५।३२
 तरच्छ (तरक्ष) प १।६६; १।१२१ ज २।३६,१३६
 तरच्छी (तरक्षी) प १।१२३
 तरमल्लिहायण (तरोमल्लिहायण) ज ७।१७८
 तरुण (तरुण) ज २।१५; ३।३,२४,३०,१७८;
 ५।५,७
 तरुणी (तरुणी) ज ३।८२,१८७,२१८
 तल (तल) प २।२० से २७,३०,३१,४१,४६
 ज १।४५; २।६५; ३।७,८२,१७८,१८४,१८६,
 १८७,२०४,२०६,२१८; ४।३,२५,४६,६७,८२,
 ८५,१२४,१४२; ५।१,५,१६,६२; ७।५५,५८,
 १७४,१७८,१८४ सू १।८२३; १।६।२३,२६
 तलज्जडा (त्रपुटी) प १।३७।३ छोटी इलायची
 तलभंगय (तलभङ्गक) प २।३१
 तलवर (तलवर) प १।६।४१ ज २।२५; ३।६,१०,
 ७७,८६,१७८,१८६,१८८; २।०६,२१०,२१६,
 २१६,२२१,२२२ उ १।६२; ३।११,१०१;
 ५।१०
 तलाम (तडाम) प १।१।७७ ज २।३१
 तलाय (तडाम) प २।४,१६ से १६,२८
 तलिण (तलिन) ज २।१५
 तलिय (तलित) उ १।३४,४६,७४
 तल्लेस (तल्लेस्य) प १।७।६२,१०२ से १०४
 तव (तपस्) प १।१०।१।१० ज १।५; २।७१,८३;
 ३।३२।१,११७,२२१; ७।१६६ उ १।२,३;
 ३।२६,३१,६६,१३२; ५।२६,३२

तव (तप्) तवइति सू १।६।१ तवइमु ज ७।१
 सू १।६।१ तवइस्संति सू १।६।१ तवन्ति
 ज ५।५७ तवयति ज ७।५४ सू ४।१०
 तविसु सू १।६।१ तविसंति ज २।१३१
 सू १।०।१३२ तवेति ज ७।१ सू ३।१ तवेसु
 सू १।६।८ तवेति सू ३।२
 तवणिज्ज (तपनीय) प १।४८।५६; २।३१,४८
 ज ३।२४,३५,१०६,११७,४।४६; ५।३८,६७;
 ७।१७८
 तवणिज्जमय (तपनीयमय) ज ४।७,१३,८६,२०६,
 २५१,२५२; ५।३४
 तवविसिट्ठया (तपोविशिष्टता) प २।३।२१
 तवविहीणया (तपोविहीनता) प २।३।२२
 तविय (तप्त) ज ३।३५,१०६; ७।११।२।५
 सू १।०।१२।६।५
 तवोकम्म (तपःकर्मन) उ २।१०; ३।१४,५०;
 ५।२४; ५।२८,३६,४३
 तवोवहाण (तपउपधान) उ ३।८३
 तव्वइरित्त (तद्व्यतिरिक्त) प २।३।१६१,१६३
 तव्वतिरित्त (तद्व्यतिरिक्त) प २।३।१६२
 तसकाइय (त्रसकायिक) प ३।५० से ५२,५६,६०,
 ७२ से ७४,८३ से ८७,६५,१७१ से १७३;
 १।८।२८,३०,३६,४७,५४
 तसकाय (त्रसकाय) प १।५।५३,५४
 तसणाम (त्रसणामन्) प २।३।३८,११७
 तसरेणु (त्रसरेणु) ज २।६
 तसित (तृषित) प २।२३
 तसिय (तृषित) प २।२० से २२,२४ से २७
 उ १।८६
 तह (तथा) प १।१।३ ज ३।११ चं ४।१ सू १।८
 उ ३।७६
 तह (तथ्य) उ १।२४; ३।१०३
 तस्संठित (तत्संस्थित) ज ४।३
 तहत्ति (तथेति) ज ३।५३,१००
 तहम्पगार (तथाप्रकार) प १।२०,२३,२६,२६,

३५ से ३७, ३६ से ५१, ५६, ६०, ६३ से ६६,
 ७०, ७१, ७५, ७६, ७८, ८६, ८६; ११२१ से २५
 तहा (तथा) प १३५१३ ज ३१०७ सू ८१
 उ ११७
 तहारूब (तथारूप) उ १११७; २१०, १२; ३१४,
 १६१; ५१३६, ४१, ४३
 तहाविह (तथाविध) प १४८७, १० से ३७, ४१,
 ४३
 तहि (तत्र) प २६४१
 तहेव (तथैव) प १४८२ ज १५१ सू ११७
 उ ११७
 ता (तावत्) सू ११०
 ताओ (ततस्) ज १२० उ २१३, ३१८
 तागंधत्त (तदगन्धत्व) प १६४६; १७११५, ११६,
 ११८, १४८, १४६
 ताडिज्जमाण (ताड्यमान) सू ६३
 ताण (त्राण) ज ५२१
 ताफासत्त (तत्स्पर्शत्व) प १६४६; १७११५,
 ११६, ११८, १४८, १४६
 तामरस (दे०) प १४६
 तामलित्ति (ताम्रलिप्ति) प १६३१
 ताय (तात) उ १४२ से ४४
 तायत्तीसा (त्रयस्त्रिंशत्) प २३२, ३३, ३५, ५०, ५१
 ज २१०
 तार (तार) प ११२५
 तारंतर (तारान्तर) ज ७१६८२
 तारगग (तारकाग) चं ५२ सू १६१२
 तारग (तारक) सू १६१२११
 तारग (ताराग) ज ७१२७१, १३१२, १६७१
 सू १०५५; १६१२२२, २६
 तारया (तारका) प २४८ ज ५२१
 सू १०५५; १६१२२
 तारसत्त (तद्रसत्व) प १६४६; १७११५, ११६;
 ११८, १४८, १४६

तारा (तारा) प ११३३ ज ३७६, ११६, १८५,
 २०६; ७१३१, १७७३, १८२ सू १०५५,
 ५६, ५७, ५८, ६१, ६२; १५१; १८५, १८, १६,
 ३७; १६२२१, १६२२, ३१
 तारागण (तारागण) ज ३१६, १७, २१, ३४, १७७,
 २२२; ७१११, १७० सू १८४; १६१, ५३,
 ८३, ११४, १५४, १६, २१५, ८, १६२२३२,
 १६३१, ३५, ३८
 तारापिण्ड (तारापिण्ड) सू १६२२१
 तारारूब (तारारूप) प २४६ से ५१, ६३
 ज ४२७; ७५५, ५८, १६८, १७३, १७४,
 १७८२, १७६ से १८२, १६७ सू १५१;
 १८१ से ३, १८ से २०, ३७; १६२३, २६;
 २०७ उ २१२; ५४४
 ताराविमाण (ताराविमान) प ४२०१ से २०६;
 ६८५ ज ७१६५, १६६ सू १८१, ८, १३,
 १७, ३५, ३६
 तारिस (तादृश) १०१६४; २०७
 तारिसग (तादृशक) सू २०७ उ १३३; २८, २०;
 ५१३, १५, ३१
 तारूबत्त (तद्रूपत्व) प १६४६; १७११५, ११६,
 ११८ से १२८, १४८ से १५२, १५४, १५५
 ताल (ताल) प १४७१; २३०, ३१, ४१, ४६
 ज १४५; २६५; ३८२, १८६, २०४, २०६,
 २१८, २२२; ५११, १६; ७५५, ५८, १८४
 सू १८१३; १६२३, २६
 ताल (ताड) प १४३१
 ताल (ताडम्) तालेइ उ ५१६ तालेहि
 उ ५१५
 तालण (ताडन) ज ७१७८
 तालपुडग (तालपुटक) उ १८६, ६०
 तालायार (तालाचार) ज ३१२, २८, ४१, ४६, ५८
 ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 तालिय (ताडित) उ ५१७
 तालियंट (ताडयन्त) ज ३११; ५१०, ५५

तालु (तालु) प २।३१ ज २।१५; ३।३५, १०६, ७।१७८	४४, ४६, ५८ उ १।१६, २१; ३।१०३, ११३; ४।१३, १६
ताव (तावत्) प २।४।७ उ १।५१	तिग (त्रिक) ज २।६५; ३।१८५, २१२, २१३; ५।७२, ७३; ७।१३१।१ उ १।६८
ताव (ताप) ज ७।३२ उ ३।५०	तिगिंछद्दह (तिगिच्छद्दह) ज ४।८८ से ६१
तावड्य (तावत्) ज १।१६, ३।८; ४।१२१, १४०।२, २१७	तिगिच्छकूड (तिगिच्छकूट) ज ४।२७५
ताववलेत्त (तापक्षेत्र) सू २।३; ४।५; ६।१; १।६।२।१।४, १।६।२।३, २६	तिगिच्छायण (चिकित्सायण) सू १०।११६
ताववलेत्तसंठिति (तापक्षेत्रसंस्थिति) ज ७।३१, ३५, सू ४।१, ३, ४, ६	तिगुण (त्रिगुण) ज २।६; ७।७, ६६, ६०, १।१८, १२१, सू १०।६०, ६१, १।८।६ से १३
तावलेत्त (तापक्षेत्र) ज ७।३२, ५५, ५८, १।६८, २।१२, २१३	तिगुणित (त्रिगुणित) सू १।६।२।२।३, २५
तावलेत्तपह (तापक्षेत्रपथ) सू १।६।२।२।५	तिजमलयप (त्रियमलयप) प १।२।३२
तावण्णत्त (तद्वर्णत्व) प १।६।४।६; १।७।१।५, १।१६, १।१८, १।४८, १।४६	तिट्ठानवडित (त्रिस्थानवपतित) प ५।१२, १।४, १।६, २०, २६, ५३, ५७, ५९, ६३, ६८, ७२, ७४, ७८, ८३, ६४, ६७, १०१, १।१२, १।१५, १।१६, १।२२
तावतिय (तावत्) प १।५।५।१, ५।२, ६।२ ज ४।१०	तिट्ठानवडिय (त्रिस्थानवपतित) प ५।१८
तावत्तीस (त्रायस्त्रिंश) ज ५।५०	तिणिस (तिनिश) ज ३।३५, १।७८
तावत्तीसग (त्रायस्त्रिंशक) प २।३२, ३।३, ३।५, ४।६ से ५।१ ज ५।१६	तिण्ण (तीर्ण) ज ५।२१
तावत्तीसय (त्रायस्त्रिंशक) ज २।६०	तिथिषख (तितिष्) तितिषखइ ज २।६७
तावत्तीसा (त्रायस्त्रिंशक) प २।३० से ३२	तित्त (तृप्त) प २।६।४।१६
तावस (तापस) प २०।६१ उ ३।५०, ५।५	तित्त (मित्त) प १।४ से ६; ५।५, ७, २०५; १।१।५, ८, १।३।२८; २।३।४।६; २।८।२०, ३२, ६६ ज २।१।४।५
तावसत्त (तापसत्त्व) उ ३।५०, ५।५	तित्तिर (तित्तिरि) प १।७।६ सू १०।१२०
ताहि (तत्र) प २।४।६	तित्तीस (त्रयस्त्रिंशत्) ज ४।६८
ताहे (तदा) ज ७।५।६ उ १।५।२; ३।१।२।३	तिस्थ (तीर्थ) ज ३।१।४, १।५, १।८, २०, २२, ३०, ३१; ४।३, २।५; ५।५।५; ६।६, १।२ से १४
ति (त्रि) प १।१।३ ज १।७ जं ३।३ सू १।७ उ १।१।४	तिस्थकर (तीर्थकर) ज २।६।३, १।२।५
तिउड (वे०) ज ४।२०२	तित्थगर (तीर्थकर) प २०।१।१ ज २।६०, ६।५, १०।१ से १०३, १।१।३ १।१।४, १।१।६, १।५।३; ५।७, २।२, ७०, ७३
तिहु (तिन्दु) प १।३।६।१	तित्थगरच्चियगा (तीर्थकरचित्तगा) ज २।१०।५ से १।१२
तिहुय (तिन्दुय) प १।६।५।५	तित्थगरणाम (तीर्थकरणामन्) प २।३।३।८, ५।६, १।२।६, १।४।६, १।७।४, १।८।६
तिहुय (तिन्दुक) प १।४।८।४।८	तित्थगरणामगोय (तीर्थकरणामगोय) प २०।३।६
तिख (तीक्ष्ण) ज २।१।३।३; ७।१।७।८	तित्थगरत्त (तीर्थकरत्त्व) प २०।३।८ से ४०, ४।५, ४६, ५।१
तिखण (तीक्ष्णाय) ज ७।१।७।८	
तिखणधार (तीक्ष्णधार) ज २।१।३।१; ३।१।०।६	
तिखुत्ती (विल्) ज १।६; २।६०; ३।५, ८८, ८६, ६८, १।३।१, १।३।५, १।५।५, १।५।६; ५।५, २।१ से २४,	

तित्थगरवंश (तीर्थकरवंश) ज २।१२४, १५२
 तित्थगरलरीरग (तीर्थकरलरीरक) ज २।६६
 तित्थगरसिद्ध (तीर्थकरसिद्ध) प १।१२
 तित्थयर (तीर्थकर) ज ४।२४८, २५० से २५२,
 ५।१.३.५, ८ से १४, १६, १७, २१.२२, ४४, ४६,
 ६०, ६२, ६४, ६६ से ६६.७२, ७३; ७।१.६८
 तित्थयरमाउ (तीर्थकरमातृ) ज ५।६ से १२
 तित्थयरमायरा (तीर्थकरमातृ) ज ५।५, १४, १७
 तित्थयरमाया (तीर्थकरमातृ) ज ५।७, ८, ४६, ६७
 तित्थयराइसय (तीर्थकराशिसय) उ ४।१३
 तित्थयरातिसय (तीर्थकराशिसय) उ १।१६; ४।१८
 तित्थयरामित्सेय (तीर्थकरामित्सेय) ज ५।५४ से ५६
 तित्थसिद्ध (तीर्थसिद्ध) प १।१२; १.६।३६
 तिष्ठा (त्रिष्ठा) ज १।१८
 तिपणसिय (त्रिप्रदेशिक) प ५।१३१, १५६; १०।८
 तिपडोयार (त्रिप्रत्यन्तार, त्रिपदावतार) सू १.६।३५
 तिपदेस (त्रिप्रदेशिक) प १०।१४।१
 तिभाग (त्रिभाग) प २।६४।४, ६, ७, ९; ६।११६;
 २।१६१; २.३।७८, ७९, १४७, १६२, १६९,
 ज १।२०; ४८; २।५८, १२९, १५५, १५७, १५९;
 ३।१; ७।३२, ३४ सू १।२३; ४।५८; ६।३
 तिभागतिभाग (त्रिभागत्रिभाग) प ६।११६
 तिभागतिभागतिभागवसेसाउय
 (त्रिभागत्रिभागत्रिभागवसेसाउयुष्क) प ६।११५,
 ११६
 तिभागतिभागवसेसाउय (त्रिभागत्रिभागवसेसाउयुष्क)
 प ६।११५
 तिभागवसेसाउय (त्रिभागवसेसाउयुष्क) प ६।११५,
 ११६
 तिभागूण (त्रिभागान) प २।६४।७ सू १।२३
 तिभाय (त्रिभाग) ज २।५५ से ५७, ५९, १५६, १५८
 तिमि (तिमि) प १।५६
 तिमिग्ल (तिमिग्ल) प १।५६
 तिमिर (तिमिर) प १।७१।१ ज ३।६५, १५९
 तिमिसगुहा (तिमिसागुहा) ज १।२४; ३।६८, ६९,

८३, ८५, ८८ से ९०, ९३, ९५ से ९७ १०८,
 १०६, १५५; ४।३७, १७२।१, १७४; ६।१६
 तिमिसगुहाकूड (तिमिसागुहाकूट) ज १।३४
 तिय (त्रिः) प १.६।१५ ज ७।१३१।१
 तिय (त्रिः) श्रीःत्रिय प १.७।६६
 तियमंग (त्रिःमंग) प २.५।७, १३; २.६।६, ९;
 २.८।११३, ११६, ११९, १२१, १२३, १२५, १२६,
 १२८, १२९, १३२, १३३, १३६ से १४५
 तिरिक्ख (तिरिक्ख) प १.७।३३; २.१।७
 तिरिक्खजोणियो (तिरिक्खजोणियो) प ३।३६, १२८,
 १८३; १.७।४४, ६५, ६५ से ६९, ८९; १.८।४, १०;
 २.०।१३; २.३।१६४, १६६, १६८
 तिरिक्खजोणिय (तिरिक्खजोणिय) प १।५२, ५४, ५५,
 ६० से ६२, ६६ से ६८, ७५, ७७, ८१; २।२८;
 ३।२४, ३८, ३९; ४।२७, १८३; ४।१०४ से १५७;
 ५।३, २२, ८२, ८३, ८५, ८६, ८८, ९२, ९३,
 ९६, ९७; ६।२१, २५, ३८, ५४, ६५, ७०, ७१, ७८,
 ८१, ८२, ८३, ८७, ८९, ९२, ९६, ९९ से १०३,
 १०५, १०७, ११३-११६; ८।६, ७; ९।६, ७, १६,
 १७, २२, २३; ११।४६; १२।४, ३१; १३।१८;
 १५।३५, ४६, ८७, १००, १२१, १२८; १६।७, १४,
 २५, २७; १७।२३, ३५, ३८, ४१ से ४३, ५८,
 ६३ से ६९, ८६, ८७, ८९, ९७, १०४; १८।३, १०;
 १९।४; २०।१३, १७, २३, २५, २९, ३४, ३५, ४८,
 २१।८ से १९, २९ से ३२, ४३, ५३, ६०, ६८,
 ७७, ८२, ८८; २२।३१, ७४, ८७, ९९; २३।७९,
 १९४, १९६, १९८, १९९; २४।७; २५।४७, ४८,
 ११६, १३०, १३६, १३७, १४४; २६।१५, २२;
 २७।४; २८।३; २९।१, १२, २१, २८, ३२, ३६;
 ३४।३, ८, ३५।१६, २१; ३६।७, ४०, ५१, ५७,
 ७२, ७३ ज ८।३७, १२५ से १३७
 तिरिक्खजोणियअसंणअउय
 (तिरिक्खजोणियअसंणअउयुष्क) प २.०।६४
 तिरिक्खजोणियत्त (तिरिक्खजोणियत्त) प १.५।२७,
 १०३, १००६

तिरिक्खजोणियाउय (तिर्यग्गोनिकायुष्)

प २०६३; २३१७६, १४७, १५८, १६२, १६५,
१७०

तिरिच्छ (तिर्यच्) सू १६१

तिरिच्छगति (तिर्यग्गति) सू २११ चं २११

तिरिय (तिर्यच्) प २४१ से ४३, ४६, ४८;

११६५, ६६; १५५२; २०५३; २११८, ६० से
६३; २३३६, ८२, ११२, ११५, १४८; २०१५,
१६, ६१, ६२; ३१६१; ३२६१; ३३१६, १७
ज २४६, ७१, ६०, १३७; ३३७६, ११६, ११८;
४५२; ५५५, ४४; ७४४, ५४ सू २११; ४१०;
१८१; १६१२२१२

तिरियगति (तिर्यग्गति) प ६२, ७; २३१७२

तिरियगतिपरिणाम (तिर्यग्गतिपरिणाम) प १३३

तिरियगतिय (तिर्यग्गतिक) प १३१६ से १८

तिरियगामि (तिर्यग्गामिन्) ज १२२, ५०; २५८,

१२३, १२८, १४८, १५१, १५७; ४१०१

तिरियलोग (तिर्यक्लोक) प २११८६

तिरियलोग (तिर्यक्लोक) प २११, ४, ८, १०, १३,

१६ से १६, २८; ३१२५ से १७३, १७५, १७७

तिरियवाय (तिर्यग्वात) प १२६

तिरियाउय (तिर्यगायुष्) प २३१६८

तिरोड (किरीट) प २४६ ज ३३१

तिल (तिल) प १४५१, १४७३ ज २३७, ११६

तिलक (तिलक) ज ३१०६

तिलग (तिलक) ज ३१२, ८८, १७२; ५५८;

७१७८

तिलचूर्ण (तिलचूर्ण) प ११७६

तिलतंडुलग (तिलतण्डुलक) सू १०१२०

तिलपर्पाडिया (तिलपर्पाटिका) प १४७३

तिलपुष्पवर्ण (तिलपुष्पवर्ण) सू २०८, २०८३

तिलय (तिलक) प १३६३; २४८; १५५५२

ज ४४६ उ ३११४

तिलसिगा (तिलसिगा) प ११७८ तिल की फली

तिवई (त्रिपदी) ज ३१७८; ५५७

तिवण्ण (त्रिवर्ण) प ७१७८

तिवलि (त्रिवलि) ज ३१३८१

तिवलियवलि (त्रिवलिकवलि) ज २१५

तिवलिया (त्रिवलिका) ज ३२६, ३६, ४७

उ १२२, ११५, ११७, १४०

तिविह (त्रिविध) प ११११; १५४, ६०, ६६; ७५,

७६, ८१, ८५; ६१, ६, १३, २०, २६; १३७, १०,

११, १३; १५१७५; १६४, २४; १७१११, २५,

३०, १३६; १८५६, ६४, ७७, ६०, १०५; २१८;

२२४ से ६; २३३३, ४२; २६१७; ३०३;

३५१, ६, ८ से १० चं १४ उ ३३८, ४२

तिव्व (तौत्र) प २२७, २६

तिसत्तखुत्तो (तिसत्तकृत्वस्) प ३६८१

तिसमइय (तिसामयिक) प ३६६०, ६७ से ६६,

७१, ७५

तिसरथ (त्रिसरक) ज ३६, २२२

तिहा (त्रिधा) ज १२०; २५५; १५५

तिहि (तिथि) ज ३२०६; ७११८, १२१ सू १६

तीत (अतीत) ज ७३६

तीतवयण (अतीतवचन) प ११८६

तीय (अनीत) प १५५८२ ज २६०; ३२६, ३६,

४७, ५६, १३३, १३८, १४५; ५३, २२; ७५२

तीर (तीर) ज ४३, २५, ६७

तीस (त्रिशत्) प १८४ ज १२० सू ११८

उ ३१४

तीसइ (त्रिशत्) सू १०४

तीसति (त्रिशत्) सू १०३५

तीसतिविह (त्रिशद्विध) प १८७

तु (तु) मु १६२२

तुंग (तुङ्ग) प २३१, ४८ ज २१५; ३८१, १५१,

४४६; ५४३ उ ५५

तुंड (तुण्ड) ज ३२४

तुंज (तुम्ब) प १४८४८ उ ३३०, ३५, ११६

तुंबी (तुम्बी) प १४०१

तुच्छ (तुच्छ) ज ७११६

तुच्छत (तुच्छत्व) प १५१४४, ४५

तुच्छा (तुच्छा) मू १०१६०

तुष्ट (तुष्ट) ज २११४६; ३१२, ६, ८, १५, १६, २६, ३१, ४२, ५०, ५२, ५३, ५६, ६१, ६२, ६७, ६९, ७०, ७५, ७७, ८४, ९१, १००, ११४, १३७, १४१, १४२, १४८, १५०, १६५, १६६, १७३, १८१, १८६, १९२, १९६, २०८, २१३; ५१५, १५, २१, २३, २७ से २९, ४१, ५५, ५७, ७० उ ११२१, ४२, ४५, १०८; ३१३३, १०१, १०३, ११३, १३६, १६०; ४१११, १४, २०; ५१५, ३८

तुष्टि (तुष्टि) ज २१७१ उ ११७१, ७२

तुष्टित (तुष्टित) प २१३०, ३१, ४६

तुष्टित (तुष्टित) ज ११३१; ३१२६

तुष्टित (तुष्टित) प २१३०, ३१

तुष्टिय (तुष्टित) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१६, ६, २६, ३६, ४७, ५६, ७२, १३३, १३८, १४५, २११, २२१; ५१२१, ५८

तुष्टिय (दि० तुष्टित) ज २१४ संख्या विशेष

तुष्टिय (तुष्टित) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज ११४५; २१६५; ३११४, ३०, ४३, ५१, ६०, ६८, ८२, १३०, १३६, १४०, १४६, १७२, १८०, १८५, १८६, १८७, २०४, २१८; ५११, १६, २२, २६; ७१५५, ५८, १८४

तुष्टिय (दि०) ज ७११६८२ मू १८१२३ अन्तःपुर

तुष्टियंग (दि० तुष्टियंग) ज २१४

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ३१६७१०

तुष्टियंग (तुष्टियंग) प ११६७

तुष्टियंग (तुष्टियंग) तुष्टियंगति ज ११३३, ३०, ३३; २१७; ४१२ तुष्टियंगति प ३६१६१

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ११३७; २१०१; ३१३, २३, २८, ३५, ३७, ४१, ४५, ६७, ४६, १७८; ४१७७; ५१२८

तुष्टियंग (तुष्टियंग) मू १८११४ से १७

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ३१३३१, १३५

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ३१२२, ७८

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज २१६५, ६०; ३१६, २६, ३६, ४७,

५६, ६४, ७२, ७८, ११३, १३३, १३८, १४५, १८०, २०६; ५१५, २१, २६, २८, ४४, ४७, ६७

तुष्टियंग (तुष्टियंग) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६५, १०६, ११०; ३१७, १२, ८८; ५१७, ५८ मू २०१७

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ७११३३२

तुष्टियंग (तुष्टियंग) प ११३७१, ११४४३

तुष्टियंग (तुष्टियंग) मू १०१६०

तुष्टियंग (तुष्टियंग) प २१३० से १२०, १२२ से १२४, १७६, १७६, १७८ से १८२, ५१५, ७, १०, १२, १६, १८, २०, २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६, ५९, ६३, ६८, ७१, ७४, ७८, ८३, ८६, ८९, ९३, ९६, १०१, १०२, १०४, १०७, १११, ११५, ११६, १२६, १३३, १३४, १३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७, १५०, १५४, १६२, १६६, १६६, १७०, १७२, १७४, १७७, १८४, १८७, १९०, १९३, १९७, २००, २०३, २०७, २११, २१४, २१८, २२१, २२४, २२८, २३४, २३५, २३७, २३९, २४२; ६१२३; ८१५, ७, ६, ११; ६१२२, १६, २५; १०३ से ५, २६ से २६; १११७६, ६०; १५११६, १६, २६, २८, ३१, ३३, ६४; १७५६ से ६६, ७१ से ७६, ७८ से ८३, १४४ से १४६; ८०६४; २११०४, १०५; २२११०१, २८१४१, ४४, ७०; ३४२५, २६३५ से ४१, ४८, ४९, ८३१ ज ३३, ३५; ७१६८, १६७ मू १८१२, ३, ३७

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ७११६६ मू १८१३

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ३१२०६; ५१५५, ५६

तुष्टियंग (तुष्टियंग) मू १०१२२०

तुष्टियंग (तुष्टियंग) प २१६४

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज २१६० उ ११३८, ६१, ६२, ८६, ८७, १००; ३१५६, ५६, ६१, ६४, ६८, ७१, ७४, ७६

तुष्टियंग (तुष्टियंग) मू २०१७

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ७११३

तुष्टियंग (तुष्टियंग) ज ४१३

तुवरी (तुवरी) प १३७३

तेईद्विय (त्रीन्द्रिय) प ११०; २१७; ३१८, ४० से
४२, ४६, ४६, १४७ से १४६, १८३; ४१६८ से
१००; ५३, २१, ८१; ६२०, ६५, ७१, ८३, ८६,
१०४, ११५; ६४; ११४५; १५३४, ७५, ८१,
८६, १३७; १७४०, ६२, १०३; १८१५, २२;
२०८, २३, २८, ३३, ४७; २१६, २८, ४२;
२२३१; २३८७, १५१, १६०, १६१; २८४५
से ४७, १०१, १२५, १३६; २६१३; ३०१११,
२१, ३१३; ३४६

तेईद्वियत्त (त्रीन्द्रियत्व) प १५१६७, १४२

तेज (तेजस्) प ६८६, ६२, १०४, ११५; १३६,
१६; १७४०, ६६; १८२६; २०८, २३, २८,
५७; २१८५; २२२४

तेजकाइय (तेजस्कायिक) प ११५; २१७ से ६; ३५०
से ५२, ५६, ६० से ६३, ६७, ७१ से ७४, ७८, ८४
से ८७, ९१, ९५, १६२ से १६४, १८३; ४७२, ७५
से ७७; ५३, १३, १४; ६१६, १०२

तेजकाइयत्त (तेजस्कायिकत्व) ज ७२१२

तेजकाइय (तेजस्कायिक) प १२४; २१७; ३४,
१६४, १८३; ६५; १२२२; १५२६, ८५, १३७;
१७६१ से ६३, १०३; १८३, ३८, ४०, ५१;
२०२७, २६, ३१, ४५; २१२५, ४०; २२३१

तेजलेस (तेजोलेश्य) प १३११५; १७१६५, ६६,
१०२, १६८

तेजलेसट्ठाण (तेजोलेश्यास्थान) प १७१४६

तेजलेसा (तेजोलेश्या) प १७५५, १२१, १४६

तेजलेस (तेजोलेश्या) प ३६६; १३१६, २०;
१७३३, ५६, ५६, ६०, ६२, ६४, ६६ से ६८, ७१
से ७६, ७८ से ८४, ८७, ८६, ९५, १०१, १०२,
१६७; १८७२; २८१२३

तेजलेसट्ठाण (तेजोलेश्यास्थान) प १७१४६

तेजलेसा (तेजोलेश्या) प १६४६; १७३४ से
३६, ३६, ५०, ५३, ५४, ६३, ६६, ११७, ११८,
१२१, १२२, १२६, १२६, १३३, १३७, १४४,

१५३, १६२ से १६४; २८१२३

तेजलेसापरिणाम (तेजोलेश्यापरिणाम) प १३६

तेद्विय (त्रीन्द्रिय) प ११४, ५०; ३४२, ४६, ४६

तेद्विय (तिन्दुक) प १७१३२, १३३

तेद्विस (तिन्दुस) प १४८४८

तेगिच्छायण (त्रिकित्सायन) ज ७१३२४

तेणबहुल (स्तेनबहुल) ज ११६

तेण (तेन) सू ६१

तेणउति (त्रिनवति) सू १२१२

तेणउय (त्रिनवति) ज ४६२

तेणामेव (तत्रैव) प ३४२२ ज ३५

तेतलि (तेजस्तलिन्, तेतलिन्) ज २५०, १६४;

४१०६, २०५

तेतालीस (त्रिचत्वारिंशत्) सू ११६

तेत्तीस (त्रयत्रिंशत्) प २६४६ ज ४६८

सू १२० उ ११२६

तेदुरणमज्जिया (दे०) प १५०

तेपण (त्रिपञ्चाशत्) सू १२२०

तेय (तेजस्) प २२०, ३१, ४१, ४६; २८१४१

ज २१३३; ३३, १८, ६३, १८०, १८८; ७११२५

सू १०८८, १२६५ उ ३४८, ५०, ५५, ६३,

६७, ७०, ७३, १०६, ११८

तेयंसि (तेजस्थिन्) ज ३७७, १०६

तेयग (तेजस) प २१७६; ३६३२

तेयगसमुग्घाय (तेजससमुद्घात) प ३६८, १२, २६,

३२, ३५, ३७, ४१, ५३, ५५, ५७, ५८, ७३

तेयगसरीर (तेजससरीर) प २१७५ से ८१, ८३,

६०, ६४, १००, १०३, १०४

तेयगसरीरय (तेजससरीरक) प १२१०

तेयय (तेजस) प १२१ से ५; २१११; ३६१११

तेयलि (दे०) प १४३१

तेयलेस (तेजोलेश्य) ज १५

तेयसि (तेजस्थिन्) ज २६८, १३८

तेया (तेजस) प १२१४, १८, २१, २५, २६, २६, ३५,

२१६६, १०२, १०४, १०५; २३१२२; ३६१२

तेया (तेजा) ज ७।१२०।२ मू १०।८८।२
 तेयाल (त्रिचत्वारिंशत्) ज १।२३
 तेयालीस (त्रिचत्वारिंशत्) मू १०।१५६
 तेयासमुग्धाय (तैजससमुद्घात) प ३६।१,५,७,४०
 तेयासरीर (तैजससरीर) प २।१८४ से ६३
 तेयाहिय (व्याहिक) ज २।४३
 तेरस (त्रयोदशन्) प ३६।८१ ज १।७ मू १।१४
 तेरसक (त्रयोदशक) मू १३।१२,१३,१७
 तेरसम (त्रयोदश) प १०।१४।३ मू १०।७७;
 १३।१०
 तेरसविह (त्रयोदशविध) प १६।७
 तेरसी (त्रयोदशी) ज २।८८; ७।१२५
 तेरिच्छिय (तैरश्चिक) प २०।६१ ज ३।६२,११६
 तेलापूय (तैलापूप) प ३६।८१ ज १।७ मू १।४
 तेलोषक (त्रैलोक्य) प १।१।१; ३।१२५ से १७३,
 १७५,१७७
 तेल्ल (तैल) प १।१०१।७; १।५।१।२; १।५।५०
 ज ३।११।३, ५।१४ उ ३।१३०
 तेल्लकेला (तैलकेला) उ ३।१२८
 तेल्लसमुग्ग (तैलसमुद्ग) ज ५।५५
 तेल्लसमुग्गहृदयगय (हृदयगततैलसमुद्ग) ज ३।११
 तेल्लोक (त्रैलोक्य) उ ५।५
 तेवट्ठ (त्रिषष्टि) ज ७।२० मू २।३
 तेवट्ठि (त्रिषष्टि) ज २।६४
 तेवण्ण (त्रिषष्टि) प ४।१३४ ज ४।६२
 मू १।१३
 तेवत्तारि (त्रिसप्तति) ज २।४
 तेवीस (त्रिविंशति) प २।४६ ज २।१२५ मू २।३
 तेवीस (त्रिविंशतितम) प १०।१४।३
 तेवीसइम (त्रिविंशतितम) प १०।१४।२
 तेवीसत्तिम (त्रिविंशतितम) मू १।२।६
 तेसट्ठि (त्रिषष्टि) ज ७।३३
 तेसीइ (व्यशीति) ज २।६४
 तेसील (व्यशीति) मू १।२३
 तेसीति (व्यशीति) मू १।२३
 तेसीय (व्यशीति) मू १।१४

तेहिय (व्याहिक) ज २।६
 तो (तनस्) प २।२७।३
 तोट्ठ (वे०) प १।५१
 तोण (तूण) प ३।३१, ३५, १७८ ज ३।३१, ३५
 १७८ उ १।१३८
 तोमर (तोमर) ज ३।३५, १७८
 तोयधारा (तोयधारा) ज ५।१।१, ६३, ६४
 तोरण (तोरण) प २।१, ३०, ३१, ४१ ज १।३७;
 २।१५, २०; ३।७, १७८, १६५; ४।५, २३, २७ से
 ३०, ३५, ३७, ३८, ४०, ४२, ६५, ६७, ७१, ७३,
 ७५, ७७, ८० से ६२, ६४, ११८, १२८, १४४,
 १७४, १८३, १८६, १६५, २२१, २४६; ५।३१
 त्ति (इति) प १।१ चं १।४
 तिथभग (स्तिभक) प १।४८।१
 तिथमिय (स्तिमित) ज १।२, २६; ३।१, ३, १८, ३१,
 १८० चं ६ मू १।१ उ १।१, ६, २८; ३।१५७;
 ५।२४
 तिथहु (स्तिभु) प १।४८।१
 थ
 थंभणया (स्तम्भन) प १६।५३
 थंभिय (स्तम्भन) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज ३।६,
 २२२; ५।२१, २८
 थंभकार (वे०) थंभकारेति ज ५।५७
 थण (स्नन) ज २।१५; ३।१३८ उ ३।६८, १३०;
 ४।६
 थणगंतर (स्ननकान्तर) उ ४।२१
 थणपाय (स्तापाय) उ ३।१३०
 थणमूल (स्तनमूल) उ ३।६८
 थणित (स्तनित) मू २०।१
 थणिय (स्तनित) प २।३०।१, २।४०।२, ८, १०
 ज ५।२२
 थणियकुमार (स्तनितकुमार) प १।१३१; ४।५५;
 ५।३, ८, ५१; ६।१८, ५२, ६१, ८१, ८५, १०२, १०६,
 ११४; ७।३; ८।३; ९।३, १५; ११।४४; १२।२,
 १६; १३।१५; १५।१६, ७१, ७८, ८४, १३६;

१६।३,११; १७।१७, ६३, १०१; १६।१; २०।८,
 १२, २१, २३, २४, २७, ३५; २१।५, ६, १, ७०, ६०;
 २२।२३, ३०, ३६, ७३, ६८; २४।५; २८।२७, ६८,
 ११६; २६।७, १६; ३०।७, १७; ३१।२; ३३।११,
 २०, २७, ३१, ३५; ३४।२; ३५।१८; ३६।५, २४,
 ३७, ७२
यणियकुमारत (स्तनिलकुमारत्व) प १५।६५, १४१;
 ३६।२२, २५
यद्ध (स्तब्ध) ज ३।१०६ सू २०।६।२
यत्न (स्थल) प १।७५ ज २।१३१, १३४, ३।३२, ६८
 उ ३।५५
यत्नय (स्थलज) प १।४८।४०
यत्नय (स्थलक) ज ५।७
यत्नय (स्थलचर) प १।५४, ६१, ६२, ६६ से ६८
 ७६; ३।१८३; ४।१२२ से १४८; ६।७१, ७८;
 २१।८, ११ से १६, ३५, ४४, ५३, ६०
यवईरयण (स्थपतिरत्न) ज ३।३२।१
याल (स्थाल) प १।१२५ ज २।१५; ३।११; ५।५५
यालइ (स्थालकिन्) उ ३।५०
यारुकिणिया (यारुकिणिका) ज ३।११।१
यालीपाक (स्थालीपाक) सू २०।७
यालीपाग (स्थालीपाक) ज २।३०
यावरणाम (स्थावरनामन्) प २३।३८, ११७
यासग (स्थासक) ज ३।१०६, १७८; ७।१७८
यिग्गल (दे०) प १५।१।२
यिबुग (स्तिबुक) प १५।२६; २१।२४
यिचर (यिचर) ज ७।१२४, १२५, १७८
यिचरणाम (यिचरनामन्) प २३।३८, १२२
यिचरीकरण (यिचरीकरण) प १।१०।१।१४
यित्तली (दे०) ज २।३३
यी (स्त्री) प १।८४
यीणद्धि (स्त्यानद्धि) प २३।१४, २७
यीविलोयण (त्रीविलोचन) ज ७।१२३ से १२५
युरय (दे०) प १।४२।२
यूणा (स्थूणा) प १५।१।२, १५।५२

यूम (स्तूप) प १।१२५ ज २।१५, २०, ३१;
 ४।१२५, १२६
यूमियग (स्तूपिकाग्र) प २।६४
यूमिया (स्तूपिका) प १।१६, ३७; ४।१०, ४६
यूमियाग (स्तूपिका) प २।४८ ज १।३८; ४।१०,
 ११५, २१७, २२६
येज्ज (स्थैर्य) उ ३।१२८
थेर (स्थविर) प १६।५१ सू २०।६।४ उ २।१०,
 १२; ३।१४, १५६, १६१, १६७; ५।३६, ४१, ४३
थेरग (स्थविरक) ज २।१३३
थोव (स्तोक) प ३।१ से १७, २४ से १२०, १२२
 से १८१, १८३; ६।१२३; ७।२, ३; ८।५, ७, ६, ११;
 ९।१२, १६, २५; १०।३ से ५, २६, २७; ११।७६,
 ६०; १५।१३, १६, २६, २८, ३१, ३३, ३४, ६४;
 १७।५६ से ५६, ६१, ६४, ६६ से ६८, ७१ से
 ७४, ७६, ७८ से ८३, १४४ से १४६; २०।६४;
 २१।१०४, १०५; २२।१०१; २८।४१, ४४, ७०;
 ३४।२५; ३६।३५ से ४१, ४८ से ५१, ८२
 ज २।४।२, ६६ सू ८।१; २०।५
थोवतराग (स्तोकतरक) प ३।५।२
थोवूण (स्तोकोन) ज २।१५
व
वओदर (वकोदर) ज २।४३
वंड (वण्ड) प २।३०, ३१, ४१; ३६।८५ ज २।६,
 ६० से ६२; ३।३, १२, ८८, ११७, १७८, १६२;
 ४।२६; ५।५, ७, ५८; ७।१७८ उ १।३१
वंडग (वण्डक) प ६।१२३; ११।८३, ८५; १४।६, ८,
 १०, १८; २०।५; २२।२०, २५, २८, ४५, ५६, ५८
 ७६; २३।८, १२; २८।१४५; ३६।८, १२, २०, २६
 से ३१, ३३, ३४, ४४, ४५
वंडनायग (वण्डनायक) ज ३।६, ७७, २२२
वंडणीइ (वण्डनीति) ज २।६० से ६२; ३।१६७।६
वंडदार (वण्डदार) उ ३।५।१।१
वंडपति (वण्डपति) ज ३।१०६

दंडय (दण्डक) प ११५०, ५२ से ५४; १४३४;
 १५११०२, १४०; १७५६; २२३३, ३५, ४१, ५४
 दंडरयण (दण्डरत्न) ज ३५५, ५६,
 १७५, २२०
 दंडरयणत्त (दण्डरत्नत्त) प २०६०
 दंडि (दण्डिन्) ज ३१७५
 दंडिया (दण्डिका) ज ३३५
 दंत (दन्त) प २३१ ज २४३, १३३, १३४;
 ३१०६, १७५; ७१७५
 दंतंतर (दन्तान्तर) उ १६७
 दंतग (दन्ताग्र) ज ७१७५
 दंतमाल (दन्तमाल) ज २५
 दंतमूसल (दन्तमूसल) उ १६७
 दंतार (दन्तकार) प १६७
 दंति (दन्तिन्) प १४५४ ज ३२२१ उ ११४,
 १५, २१, २२, २५, २६, १२१, १२५, १२६, १३२,
 १३३, १३६, १३७, १४०, १४७
 दंतुखलिय (दन्त'उत्खलिय') उ ३५०
 दंस (दंश) उ ३१२५
 दंसण (दर्शन) प ११०११०; २६४१२;
 ३१११; ५१२१, २४, २५, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१,
 ४६, ५०, ५३, ५४, ५६, ५७, ५९, ६४, ६६, १०१,
 १०२, १०४, १०५, १०७, १११, ११२, ११५,
 ११७; १३१६; १५११, २०६१; २३२६,
 २५, ६२, १३४, १७५; ३०२६, २५ ज २७१,
 ५५; ३१७५, २२३; ५४३ उ ३४४; ५१३,
 ३१
 दंसण (उत्त) (दर्शनोपयुक्त) प ३६६३, ६४
 दंसणधर (दर्शनधर) ज ५२१
 दंसणपरिणाम (दर्शनपरिणाम) प १३२, १४, १६,
 १७, १९
 दंसणमोहणिज्ज (दर्शनमोहनीय) प २३३, ३२, ३३
 दंसणवत्तिय (दर्शनप्रत्यय) ज ५२७
 दंसणारिय (दर्शनार्य) प १६२, १०० से ११०
 दंसणावरण (दर्शनावरण) प २४६

दंसणावरणिज्ज (दर्शनावरणीय) प २३१, ३, ५,
 १२
 दवख (दक्ष) ज ५५, ५२
 दक्खिण (दक्षिण) ज १६६; ४५२, ५५, ५९, ५६,
 ६५, १०५, १४३, १५११, १५६, १६४, १६५,
 १५५, १६३, १६७, १६९, २००, २०४, २०६
 से २०५, २१३, २२७, २३०, २३७, २३८, २४६,
 २६२, २६५, २६५, २७१, २७७, ५४५; ६१३;
 ७१२६
 दक्खिणकूल (दक्षिणकूल) उ ३५०
 दक्खिणा (दक्षिणा) उ ३४५, ५०
 दक्खिणिल्ल (दाक्षिणात्य) ज १२६; ३१६३;
 ४३५, ६५, ७१, ९०, ११०, १४१, २०२, २१२,
 २२५, २२६, २३५, ५४६; ७१७५
 दग (दक) प १७१२२ ज ३१२; ५१७;
 ७११२४ सू १०१२६४, २०५, २०५३
 दगकलसग (दककलशक) ज ५१७
 दगकुंभग (दककुम्भक) ज ५१७
 दगथालग (दकस्थालक) ज ५१७
 दगपणवण्ण (दकपंचवर्ण) २०५, २०५३
 दगपिप्पली (दकपिप्पली) प १४४१२
 दगरय (दकरजस्) प २३१, ६४; १७१२२
 ज २१५
 दगवण्ण (दकवर्ण) सू २०५
 दगवारग (दकवारक) ज ५१७
 दट्ठव्व (द्रष्टव्य) प १५१६६
 दड्ह (दग्ध) प ३६६४
 दढ (दृढ) ज ३२४; ५५५; ७१७५
 दढपडण्ण (दृढप्रतिज्ञ) उ ११४१; २१३
 दड्हरह (दृढरथ) उ ५२११
 दत्त (दत्त) उ ३२१, ३१७१
 ददुर (दे०) प २३०, ३१, ४१ ज ३७, २४, १५४,
 २२१; ५५५
 ददुदु (ददु) ज २१३३
 ददुदुर (ददुर) सू २०२ प २४६ सू २०२

दधि (दधि) ज ४१२२५; ५१६२ सू १०१२०
दण्ड (दण्ड) ज ३१२३, १७८; ४१२८; ५१५८
दण्डिज (दण्डिज) प १७१२३४ ज २१२८
दण्डिय (दण्डिय) ज ३१२४; ७११७८
दध (दध) ज ७१२२२३ उ ३१५१ ५६
दधपुष्क (दधपुष्क) प ११७०
दधसंथार (दधसंथार) ज ३१२० ३३, ५४, ६३,
७१, ८४, १३७, १८७, १८२ उ ५१४३
दधसंथारग (दधसंथारग) ज ३१२०, ३३, ५४,
६३, ७१, ८४, १३७, १४३, १६६
दधियायण (दधियायण) प १०११२२
दधण (दधण) प ११४४३ ज ५१५८ दीनावृक्ष,
द्रोणलता
दधणगुड (दधणगुड) ज ४११०७
दधणय (दधणय) ज ३१२२, ८८
दधिल (दधिल, दधिल) प ११८६
दधिली (दधिली, दधिली) ज ३१११२
दधिर (दधिर) ज २१३८; ३१८८, १०६
दधिरहुत (दधिरहुत) ज ११२८
दधिय (दधिय) ज २१२२; ३१३४
दधिसणावरणिज (दधिसणावरणिज) प २२२२८;
२३११४, २६; २६१७; २७४४
दधिसणिज (दधिसणिज) प २१३०, ३१, ४१, ४८,
४६, ५६, ६३, ६४ ज ११८, २३, ३६, ४२; २१२२,
१४, १५; ३११७८; ४१३ ६, १३, २५, २७, २६,
३३, ४६, ११६; ५१२८ ४३, ६२ सू १११ उ ५१४
से ६
दधी (दधी) उ ३१५५
दध (दध) ज २११५; ३११०६ ज १११
दधत्त (दधत्त) ज २१६
दधल (दधल) ज ३१२८ दधल
ज ३१६; ४१६१; ५१४६ ज ११०६; ३१११४
दधलति (दधलति) ज ३१५७ दधति ज ३१८८ दधलह
उ ११२०३ दधति उ ११२०३; ३१११२
दधलानो उ ४१२=

दधिय (दधिय) ज ३१३५
दध (दध) प २१४१
दधारग (दधारग) ज ३११७८
दध्व (दध्व) प १११०१६; ३१२२४, १७७, १७८;
१०५; १११४७, ५३, ५५, ५७, ५६, ७० से ७३, ७६
से ८५; १५१५७, १६१५०; २११११; २११२२;
२२१२३, १५, १७, १६, ८०, ८२; २८५;
३५१११ उ ११४०
दध्वओ (दध्वओ) प १११४८, ४६; १२१७, १०;
२८५, ५१; ३५४, ५ ज २१६६
दध्वजाय (दध्वजाय) ज २१६६
दध्वठ (दध्वठ) प ३१११६ से १२०, १२२,
१७६ से १८२; १०१३ से ५, २६ से २६;
१७११४४ से १४६; २१११०४
दध्वठता (दध्वठता) प ३१११६ से ११८
दध्वठया (दध्वठया) प ३१११४, ११६, १२०, १२२,
१७६ से १८२; ५१५, ७, १२, १४, १६, १८, २०,
२४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३,
५६, ५६, ६३, ६८, ७१, ७४, ७८, ८३, ८६, ८६,
९३, ९७, १०१, १०४, १०७, १११, ११५, ११६,
१२६, १३१, १३४, १३६, १३८, १४०, १४३, १४५,
१४७, १५०, १५४, १६३, १६६, १६६, १७२,
१७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १९०, १९३,
१९७, २००, २०३, २०७, २११, २१४, २१८,
२२१, २२४, २२८, २३०, २३२, २३४, २३७,
२३६, २४२; १०१३ से ५, २६ से २६,
१७११४४ से १४६; २१११०४ ज ७२०६
उ ३१४४
दध्वहलिया (दध्वहलिया) प ११७७
दध्वदिय (दध्वदिय) प १५१५८२, १५१७६ से
८४, ८६, ९१, ९४ से ९७, १००, १०४ से १०६,
१०८, १०९, ११४, ११५, ११७ से १२०, १२३,
१३१, १३२, १४०, १४२, १४३
दध्वी (दध्वी) प ११४४२ दाहुरिद्रा
दध्वीकर (दध्वीकर) प ११६६, ७०

द्वन्द्वीय (द्वन्द्वेन्द्रिय) प १५१०३, १२६, १२६,
१४३
दस (दशन्) प १६६ ज १२३ सू १२४
उ ११७
दस (दशम) प १०१४३
दसगुण (दशगुण) प ५१५१; २८७, ५३
दसण (दशन) ज २१५; ३३५, १३८; ५२१
दसणह (दशनख) ज ३२६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२,
७७ १३३, १८८; ५२१
दसण्ण (दशार्ण) प १६३४
दसद्वयण (दशार्धवर्ण) ज २१०; ३१२, ८८;
४१६६; ५१७, ५८
दसघणु (दशघनुष्) उ ५२११
दसपूरसिय (दशप्रदेशिक) प ५१३०, १६१, १७६,
१६५, २१६
दसपदेशिय (दशप्रदेशिक) प ५१२७, १७६
दसम (दशम) प १०१४२; ११३३१, ११३४१
ज ७६७, १०२, ११४२ चं ५४ सू १६;
१०७७, १२४२; १२२६; १३१८ उ १७;
२१०, २२; ३१४, ८३, १५०, १६१; ४२४;
५२८, ३६, ४३
दसमी (दशमी) ज ७११८, १२५ सू १०६०
दसरह (दशरथ) उ ५२११
दसविध (दशविध) सू १२२६
दसविह (दशविध) प १३, १०१, १३१; ५१२४;
११३३, ३४, ३६; १३२, २१, २३१३
दससमयद्विठईय (दससमयस्थितिक) प ५१४८
दसहा (दशधा) प २३०१
दसार (दसार) उ ५१५, १०, १७, १६
दसारवंस (दसारवंश) ज २१२४, १५२
दह (द्रह) प २४, १३, १६ से १६, २८; ११७७;
१५५५२ ज २३१; ३१३३; ४३, ६४, ८८,
१४०२, १४१, १४२, २०७, २६८, २७४; ५१५५;
६६१
दह (दह्) दहइ ज ३१२

दहकुलइ (दे०) प १४०५
दहवहुल (द्रहवहुल) ज ११८
दहावई (द्रहावती) ज ४१८८, १८६
दहावईकूड (द्रहावतीकूट) ज ४१८८
दहावती (द्रहावती) ज ४१८७, १६०
दहि (दधि) प ११२५; १७१२८ ज २१५;
७१७८
दहित्ता (दग्धवा) ज ३१२
दहिघण (दधिघन) ज २३१; १७१२८
दहिमुह (दधिमुख) ज २११६
दहिमुहपदवय (दधिमुखपर्वत) ज २११८, ११६
दहिवण (दधिपर्ण) प १३६३
दहा (दा) दिति सू १०१२६ देइ ज ७११२४
सू १०१२६ उ १११० दिति ज ७११२३;
उ ३६८
दाइजमाण (दार्ण्यमाण) ज ३१८६, २०४
दाइय (दायिक) ज २६४
दाऊण (दत्वा) ज ५१५
दाडिम (दाडिम) प १३६१ ज २१५
दाढा (दंष्ट्रा) ज ७१७८
दाण (दान) ज ३११७१
दार्णतराइय (दानान्तरायिक) ब २३५६
दार्णतराय (दानान्तराय) प २३२३
दाणकम्म (दानकर्मन्) ज ३३२
दाणव (दानव) ज ३११५, १२४, १२५
दाम (दामन्) प २४८ ज ३१६७; ४४६, १२६;
५३८
दामणिसंठिय (दामनीसंस्थित) सू १०४६
दामणी (दामनी) ज ७१३३३ सू १०४६
दामिणी (दामिनी) ज २१५
दामिली (द्राविडी) प १६८
दाय (दाय) ज २६४ उ २६; ५१३, २५, ५२
दायव्व (दातव्य) सू २०६५
दार (द्वार) प २१ ज ११५ से १७, ३८;
३१०६, १६३; ४१०, ६४, ११५, १२१, १२२,
१४७, २१७, २६२ चं ५४ सू १६४; १०१३१

दार (दार) उ ३४८, ५०
 दारण (दारक) उ १५३ से ५५, ५७ से ५६, ६१
 से ६३, ७८, ८६, ८२; २१६; ३१६२, ६८-१०१,
 १०६, १३०, १३१
 दारगरुव (दाररुप) उ ३१२६, १३४
 दारय (दारक) ज ५५७ उ १५१, ५४, ५६, ६०
 से ६२, ७६, ७६; २१६, १०; ३११४, १२३, १२४
 दारियत्त (दानिकात्त) उ ३१२५
 दारिया (दारिका) उ ३१६२, ६८, १०१, १०६, ११४,
 १२३, १२६, १२८, १३०; ४५५, ६, ११ से १८, १८,
 १६, २०
 दारु (दारु) ज ३३२
 दारुण (दारक) ज ३३८
 दारुयिता (दारुयित्वा) ज ४३५
 दारुयित्वाणं (दारुयित्वा) प ११७४
 दारुमि (दारुमि) प १६५५; १७१३२
 दास (दास) ज २१२८; ३१०३ उ १५४, ५५, ७६,
 ८०
 दासी (दासी) प १३७५ काकजघा, नीलाम्बा,
 नीलकिटी
 दासी (दासी) ज ३१०३
 दाह (दाह) ज २४३
 दाहिण (दक्षिण) प २१०, ३२, ३३, ३५, ४३, ५०
 से ५२, ५४, ५६, ५८ से ६०; ३११ से ३७, १७६,
 १७८ ज ११६, २०, २३, २५, २८, ३२, ४६, ४८,
 ५१; २१५, ११३; ३१६, १२, ३६, १३६, १३७,
 १४६, १५०, १८६, २०४; ४११, ३, १६, २३, २६,
 ३७, ५५, ८२, ६५, ८१, ८४, ८६, ८८, ९०, ९८,
 १०३, १०६, १०८, ११६, १२२, १६७ से १६६,
 १७२ से १७४, १७७, १७८ १८० १८१, १८३,
 १८७, १८६ से १६१, १६४, १६६ २०१ से
 २०३, २०५, २१०, २१४, २२० २३८, २६२,
 २६८, २७१, २७४; ५१३, २१, ३६, ५३, ५८;
 ७१०१, १०२, १२६ १७८ ज ११५ से १७,
 १६; २११; ८१; १०१७५; १३१७, ८; १८१४;

२०१२ उ ३१५१, ५३, ६२
 दाहिणअवर (दक्षिणापर) ज ३१८१
 दाहिणउत्तरायण (दक्षिणोत्तरायण) ज ४१४१
 दाहिणओ (दक्षिणतस्) प २४०३
 दाहिणड्ड (दक्षिणार्ध) प २५० सू २११; ८११
 दाहिणड्डकच्छ (दक्षिणार्धकच्छ) ज ४१६८ से
 १७४
 दाहिणड्डभरह (दक्षिणार्धभरत) ज १११६, २१ से
 २३, ४५ से ४७; ३११, २०८; ४३५ उ ५१०
 दाहिणड्डभरहकूड (दक्षिणार्धभरतकूट) ज १३४,
 ४१, ४५, ४६
 दाहिणदारिया (दक्षिणद्वारिका) सू १०१३१
 दाहिणड्डभरह (दक्षिणार्धभरत) ज ११२०
 दाहिणपच्चदक्षिण (दक्षिणपश्चात्य) प ३१७६,
 १७८ ज ३३०, ३१, १७२, १७३; ४११६, १६३,
 २०८, २०६, २२३, २२६, २३०; ५३६, ४६
 सू २०१२
 दाहिणपच्चदक्षिणिल्ल (दक्षिणपश्चात्य)
 ज ४१२३८
 दाहिणपडोण (दक्षिणपश्चीन) सू १११६
 दाहिणपुरत्थिम (दक्षिणपूरत्थिम) प ३११७६, १७८
 ज ४११६, १०६, २०३, २२२, २२७, २२८; ५३६,
 ४६ सू २११, २०१२
 दाहिणपुरत्थिमिल्ल (दक्षिणपूरत्थिम) ज ४१२३८;
 ५४४, ४६ सू ११६; २११; १२३०
 दाहिणभुयंत (दक्षिणभुजन्त) सू २०१२
 दाहिणवाय (दक्षिणवात) प १२६
 दाहिणवेयालि (दक्षिणवेयाली) प १६४५
 दाहिणिल्ल (दक्षिणात्य) प २३२, ३३, ३५, ३६,
 ३८, ४३, ४४, ४७; ३१८ से २३; १६३४
 ज १२६, ५१; २११६; ३११४ ज १२६, ५१;
 २११६; ३११४, १५, १८, ३६, ५१, ५२, ६१, ८३,
 ८५, ८८ से ६०, ६२, ६३, १२६, १६२, २०६, २१६;
 ४१७४ से १७६, १८२, १८३, १८८, १६५,
 २०१, २०२, २१२, २४८, २५१; ५११४, ४२, ४५.

५२ सू १०१४२, १४७
 दिगिदलय (दे०) उ ३११४
 दिट्ठ (दृष्ट) प ११०१३, न ज ३१२६
 दिट्ठंत (दृष्टान्त) प १७१४८; उ ३१, २६, ६३
 दिट्ठंतिय (दाष्टान्तिक) ज ५१५७
 दिट्ठाभट्ट (दृष्टाभाषित) उ ३१५५
 दिट्ठि (दृष्टि) प २८१०६१ ज ३१०५; ५६७
 दिट्ठिवाय (दृष्टिवाद) प १११३; ११०११
 दिट्ठीविस (दृष्टिविष) प ११७०
 दिणकर (दिनकर) सू १६११२, १६२१३,
 १६२२१, १२
 दिणयर (दिनकर) ज ३१८८ सू १६२२३०
 उ ३१४८, ५०, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३, १०६, ११२
 दिण्ण (वत्त) प २३०, ३१ ज ३१७, १८४; ५१२६
 उ १६६, १०३, १०६, ११०, ११३, ११४;
 ३१४८, ५०
 दित्त (दीप्त) प २४६ ज ३६, १८, ६३, १०३,
 १८०, २२२; ७१७८ सू १६११२, २१३,
 १६२२३०
 दित्त (दूत्त) ज ३१०३
 दित्ततव (दीप्ततपस्) ज ११५
 दित्तसिरय (दीप्तशिरस्क) ज ३६, १८
 दिन्न (वत्त) प २४१
 दिप्पंत (दीप्यमान) ज ३६, १७, २१, ३४, १७७,
 २२२
 दिप्पमाण (दीप्यमान) ज ३१८, ६३, १८०
 दिल्ली (दे०) प ११८
 दिवड्ड (द्वयर्ध, द्वयपार्ध) प २३१७३, ८३, १३५,
 १५२, १७२; ३३१७, न ज ६११ सू ३२; ६३;
 १८१
 दिवड्डखेत्त (द्वयपार्धक्षेत्र) सू १०४, ५
 दिवस (दिवस) प २८२७, ७३ से ७६ ज २६४;
 ३१७६, ६५, ६६, ११६, १२०, १३६, १६०, २०६;
 ७२६ से ३०, ११२५, ११७, ११८, १२६, १५६
 से १६७ चं ५१२ सू १६३, ११३, १४, १६,

२१, २२, २४, २७; २३; ३२; ४१, ६; ६१;
 ८१; ६२, ३; १०५, ६३ से ७४, ८६३, १२६१५
 १६२२१८ उ १६३; ३६४, ६८, ७१, ७४,
 ७६, १२६; ५१२, ४५

दिवसखेत्त (दिवसक्षेत्र) ज ७२७, ३०
 दिवसतिहि (दिवसतिथि) सू १०८६, ६०
 दिवा (दिवा) ज ७१२५
 दिव्व (दिव्य) प २३०, ३१, ४१, ४६ ज १३१,
 ४५; २६७, ६०, १००; ३४, ५, १२, १४, १५, १८,
 २६, ३०, ३१, ३६, ४३, ४४, ४७, ५१, ५२, ५६,
 ६०, ६१, ६४, ६८, ७२, ७६, ८२, ६५,
 १०६, ११३, ११६, ११७, ११६, १२२, १२३, १२६,
 १३०, १३१, १३३, १३६ से १३८, १४०, १४१,
 १४५, १४६, १५०, १५६, १७२, १७३, १७८,
 १८०, २०६, २११; ५११, ३, ५, ७, १६, २२, २६,
 २८, ३०, ४१, ४३ से ४५, ४७, ५५, ५७, ५८,
 ६७; ७१५, ५८, १८४, १८५ सू १८२२, २३;
 १६२६ उ ३१७, ८५, ६४, १२२, १२३, १६३;
 ४२५

दिव्वा (दिव्याक) प ११७१

दिसा (दिशा) प २३०, ३१; २४०२, ८, १०,
 २४१, ४६ ज १३८; २१३१; ३१४, १५,
 २२, ३०, ३१, ४३, ४४, ५१, ५२, ६०, ६१, ६८, ६६,
 १०० से १११, १२५, १३०, १३१, १३६, १३७,
 १४०, १४१, १४६, १५०, १७२, १७३, १६५,
 २११; ४१०, १२१, १५३, १६३, २१२, २१७,
 २३८; ५१५२, ७४; ७१७८ सू १४; ५१
 उ १२२, १४०; ३५१, ५३, ५५, ६३, ६७, ७०,
 ७३

दिसाकुमार (दिशाकुमार) प ११३१; ५१३;
 ६१८

दिसाकुमारी (दिशाकुमारी) ज ५११ से ३, ५ से
 १०, १२ से १७

दिसाचक्रवाल (दिशाचक्रवाल) ३१५०

दिसाणुवाय (दिशानुपात) प ३११ से १७, २४ से

३७, १७६, १७८
 दिसादि (दिशादि) ज ४२६०२ मेरुपर्वत
 दिशापोक्खि (दिशाप्रोक्षिन्) उ ३५०
 दिसापोक्खिय (दिशाप्रोक्षिक) उ ३५०, ५५
 दिसापोक्खिय (तावस) (दिशाप्रोक्षिकतःपस)
 उ ३५०
 दिसाहन्थिकूड (दिशाःहन्तिकूट) ज ४२२५ से २३३
 दिसि (दिग्) प २२७, २३०, २३१, २३२, २३३;
 ११६६, ६६११; २१६५, ६६; २५१६, ३१, ६५;
 ३६५६, ६६, ६८, ७०, ७२ से ७४ ज ४२०४,
 २१०, २१६, २२०; ५३०; ७४८, ५०, ५२, ५३
 उ १२४; ३५१, ५३, ६२, ८१, १४३, १५६
 दिसीभाग (दिग्भाग) ज ३२०८, ५५, ४४, ४५
 उ ३११३; ४२०
 दिसीभाग (दिग्भाग) ज १३, ३१६२, २०४,
 २०८; ४१२०, १३६; ५५, ७ चं उ सू १२
 उ ५५
 दीण (दीन) उ ११५, ३५; ३६८
 दीणस्सर (दीनस्वर) ज २१३३
 दीणस्सरता (दीनस्वरता) प २३२०
 दीव (द्वीप) प १७४, ७५, ८०, ८१, ८४; २१४, ४, ७,
 १३, १६ से १६, २८, २९, ३०, ३१, ३२, ३३, ३५,
 ३६, ४०, ४१, ४२, ४३, ५०, ५१; १५११२,
 १५५४, ५५; १६३०; ३३१० से १२, १५ से
 १७; ३६५१ ज १७, १५ से १८, २०, २३,
 ३४, ३५, ४६, ४८, ५१; २१, ७, ५२, ५६, ६०, ११६,
 १६१, १६४; ३५६, ३६, ४७, ५६, ११३, १३३,
 १३८; ४१, ३१, ३२, ३४, ४१, ५२, ५५, ६२, ६८,
 ६९, ७६, ८१, ८६, ९०, ९३, ९८, ११४, १५६,
 १६०, १६५, १६७, १६९, १७२ से १७४, १७८,
 १८१, १८२, २०१ से २०३, २०६, २१३, २६२,
 २६५, २६८, २७१, २७४, २७७; ५३, २१, २२,
 २६, ४४, ५२, ७४; ६१ से ५७ से २६; ७१,
 ३, ४, ८ से १४, ३१, ३३, ३६ से ३९, ५२, ५४,
 ६२, ६३, ६७ से ७२, ८६, ८७, ९१, ९२, १०१.

१०२, १७५, १८२, १६८ से २०८, २१० से २१३
 सू ११४, १६, १७, १९ से २२, २४, २७; २१,
 ३; ३१, २; ४३, ४, ७, १०; ६१, ८१; १०१३२,
 १४२, १४७; १२३०; १८७, २०; १६१, २, ६,
 ७ ८३, ९, १२ से १४, १५, ३, १६, १६, १६, २२,
 २४, १६, २८, ३१ से ३४ उ १६; ३७, ६१,
 १२५, १५७; ५२४, ४३
 दीवकुमार (द्वीपकुमार) प ११३१; ५३; ६१
 दीवग (द्वीपिक) सू १०१२०
 दीवणिज्ज (दीपणीय) प १७१३४ ज २१
 दीविग (द्वीपिक) ज २३६
 दीविय (द्वीपिक) प १६६; ११२१ ज ३१३६;
 ५३२
 दीविग्रमाह (दीपिकग्रमाह) ज ३१७
 दीविया (द्वीपिका) प ११२३
 दीवियाहत्थमय (हत्तगतदीपिका) ज ५१२
 √दीस (दूश) दीनति प १४८५७ ज ७३६, ३८
 दीह (दीर्ण) प २६४, ४; १३२३ ज २१५, ६६;
 ३१०६, १६७, ११
 दीहतर (दीर्घतर) ज ४८०
 दीहवेयड्ड (दीर्घवैतद्व्य) ज ६१०
 दीहिया (दीर्घिका) प २४, १३, १६ से १६, २८;
 ११७७ ज २१२
 दु (द्वि) प ११३ सू ११४
 दुइय (द्वितीय) प ३२२
 दुंहुभय (दुन्दुभक) ज ७१८६२ सू २०८
 दुंहुइय (दुन्दुभक) सू २०८
 दुंहुहि (दुन्दुभि) ज ३१२, ७८, १८०, २०६; ५५,
 २२, २६, ४६, ४७, ५६, ६७ उ ११२१, १२२,
 १२५, १२६, १३३, १३४, १३८, २१११; ४१६;
 ५१६
 दुक्कालवहुल (दुष्कालवहुल) ज ११८
 दुक्ख (दुःख) प २६४२२; ६११०; २०१८;
 ३५११, २, ३५१०, ११; ३६५८, ६२, ६४१
 ज १२२, २७, ५०; २५८, ७१, ८८, ९१, १२३;

१२८, १५१, १५७; ३।७७, ६२, १०६. ११६,
 १२१।१, १२५; ४।१०१, १७१ सू १६।२।१३
 उ १।६३, १४१; ३।८६; ५।४३
 दुक्खत्त (दुःखत्व) प २८।२४
 दुक्खभागि (दुःखभागिन्) ज २।१३३
 दुक्खुत्तो (द्विम्) सू १।१२
 दुखर (द्विखुर) प १।६२, ६४
 दुग (द्विक) ज ७।१३।१२
 दुगुंछा (जुगुप्सा) प २३।३६, ७७, १४५
 दुगुण (द्विगुण) सू १६।२।२।२३
 दुगुणिय (द्विगुणित) ज २।२५
 दुगूल (दुकूल) सू २०।७
 दुग्ग (दुर्ग) उ ३।५५
 दुग्गइगामि (दुर्गतिगामिन्) प १७।१३८
 दुग्गंध (दुर्गन्ध) ज २।१३३ उ ३।१३०, १३१, १३४
 दुग्गम (दुर्गम) ज ३।७७, १०६
 दुग्गबहुल (दुर्गबहुल) ज १।१८
 दुग्गुल (दुकूल) ज ४।१३
 दुग्घण (दुग्घरा) ज ५।५
 दुज्जिड (द्विजटिन्) सू २०।८
 दुज्जम्मय (दुर्जन्मक) उ ३।१३१, १३४
 दुज्जाय (दुर्जाति) उ ३।१३१, १३४
 दुट्ठाणवडित (द्विस्थानपतित) प ५।१३४, १४३,
 १४८, १५१, १६३, १६४, १८१, १६७, २१८
 दुट्ठ (दुष्टु) उ १।८८, ६२
 दुत्तीस (द्वान्निशत्) ज ४।६४
 दुहंत (दुर्दान्त) उ ५।१०
 दुहंसणिज्ज (दुर्दर्शनीय) ज २।१३३
 दुद्ध (दुग्ध) प १।१२५ उ ३।६८
 दुधा (द्विधा) सू १६।१६
 दुन्निक्कम्म (दुन्निक्कम्म) ज २।१३२
 दुपएसिय (द्विप्रदेशिक) प ५।१५३, १५४, १५७,
 १५६, १६०, १७६, १७७, १६२, १६३, २१३,
 २१४; १०।७; ११।४६; ३।२२६
 दुपदेस (द्विप्रदेशिक) प १०।१४।१

दुपदेसिय (द्विप्रदेशिक) प ५।१२७, १३०, १३१;
 १६।३६
 दुप्पउत्तकाइया (दुप्पगुक्कगामिकी) प २२।२
 दुप्पव्वइय (दुप्पव्वजित) उ ३।५८, ६०, ७६ से ७६
 दुप्पवेस (दुप्पवेस) ज १।२४
 दुफास (दुःपर्य) ज २।१३३
 दुबस्तीस (द्वि द्वाविशत्) सू १०।१३८ से १४१,
 १४८, १५२, १२।२२
 दुव्वल (दुर्बल) ज २।१३३
 दुव्विभ (दुर्) प १३।२७, ३१; २३।१०७
 दुव्विभक्खबहुल (दुर्भिक्षवहुल) ज १।१८
 दुव्विभग्ंध (दुर्गन्ध) प १।४ से ६; २।२० से २७;
 ५।५, ७, २०५; ११।५६; १७।१३६; २८।२०,
 ३२, ६६ ज ५।५
 दुव्वभूय (दुर्भूत) ज २।४३
 दूभागमंडल (द्विभागमण्डल) सू १५।३७
 दुम (दुम) ज २।८, १३, २०; ५।५०
 दुय (द्रुत) ज ५।५७ अभिनय का प्रकार
 दुरंतपन्तलक्खण (दुरन्तपान्तलक्षण) ज ३।२६,
 ३६, ४७, १०७, ११४, १२२, १२४, १३३
 उ १।८६, ११५, ११६
 दुरभि (दुरभि) प २३।४८
 दुरस (दूरस) ज २।१३३
 दुरहियास (दुरध्यास, दुरधिसह) प २।२० से २७
 दुरूढ (आरूढ) ज ३।१७, २१, २२, ३५, ३६, ७७,
 ६१, १७७, १७८, १८३, २०१, २०२, २१४, २१७;
 ५।२२, २६, ४३
 √दुरूह (आरूह) दुरूह ज ३।२०, ३३, ५४, ६३,
 ७१, ८१, ८४, १०६, ११७, १३७, १४३, १६६,
 २०४, २२४; ५।४१, ४२ उ १।१६ दुरूहति
 ज ३।१११; ४।५; ५।५ दुरूहति प १७।१०६,
 १११
 दुरूहित्त (आरूह्य) प १७।१०६ ज ३।२० उ १।१६
 दुरूढ (आरूढ) उ १।१२४, १३१; ४।१२; ५।१४
 दुरूव (दूरूप) ज २।१३३

√दुरूह (आ-+रूह्) दुरूह उ १११०; ४१५
 दुरूहे उ ४१८
 दुरूहिता (आरूह्य) उ १११०; ४१५
 दुरूहेता (आरूह्य) उ ४१८
 दुल्लह (दुर्लभ) ज ३११७ सू २०६१
 दुव (द्वि) ज १२५ चं ४३ सू ११८३ उ ११११
 दुवयण (द्विवचन) प ११८६
 दुवण्ण (दुर्वण) ज २१५, १२३
 दुवार (द्वार) ज ३०३, ८५, ८८ से ६०, ६३, १०३,
 १५४, १५७, १६२, १८६
 दुवालस (द्वादशन्) प २६४ ज १२० सू ११३
 उ २१०
 दुवालसंसिय (द्वादशासिक) ज ३६४, १३५, १५८
 दुवालसक्खुत्तो (द्वादशकृत्वस्) सू १२२ से ६, ११
 दुवालसमा (द्वादशी) सू १०१४१, १४६, १४८, १५५,
 १६०
 दुवालसमी (द्वादशी) पु १०१४८, १५०
 दुवालसविह (द्वादशविध) प १३४; १२३७
 ज ७१०४ सू १०१२६ उ ३७६, १४३
 दुविध (द्विविध) सू ४१
 दुविह (द्विविध) प ११, २, ४, १०, ११, १६ से १८
 २० से ३२, ३४, ४८ से ५१, ५३, ५७, ५९ से
 ६१, ६६, ६७, ६९, ७५, ७६, ८१, ८२, ८८, ९०,
 १००, १०२ से १२३, १२५ से १२६, १३१ से
 १३८; ५११, १२३; ६११५, ११६; ११३१, २२,
 ३५, ३६, ४१; १२३ से १३, १६ से १८, २०,
 २१, २३, २४, २७, ३१ से ३३; १३१, ८, २२
 २३, २७, ३१, १५१८, १६, ४८, ४९, ६८, ७१,
 ७२, ७५, ७६; १६५, २८, ३३, ३५; १७२, ४, ६,
 ९, १६, २३, २५, २७; १८१३, २५, ५५, ६३, ६७
 ६८, ७६, ७९, ८६, ९४, ९७, ९९ १०१, १०६,
 १०९, १११, १२७; २१४ से ७, ९ से २०, ४६,
 ५५, ५८, ५९, ६१, ६५, ६६, ७०; २२२, ३, ८;
 २३६, २६, २९, ३२, ३४, ४८, ५६, ५७; २८४,
 ४०, ५०, ६६; २९१, ५, ८, ९, ११, १४; ३०१, ५,
 ७, ११, १२; ३३१; ३४१२; ३५१२, ३५१२,

१४, १६, १८, २३ ज २११, ५, ६; ५११६; ७११४
 सू १०८६, १२१, १२४; १८२०; २०३
 उ ३३१, ३८, ४०, ४२, ४४
 दुव्विसय (द्विपय) ज २३१
 दुसमइय (द्विसामयिक) प १११७१; ३६१६०, ६७,
 ६८, ७१, ७५
 दुसमयट्ठतीय (द्विसमयस्थितिक) प ११५१
 दुसमसुसमा (दुष्पमसुपमा) ज २१४६
 दुस्समदुस्समा (दुष्पमदुष्पमा) ज २२, ३, ६
 दुस्समसुसमा (दुष्पमसुसमा) ज २२, ३, ६, ४६
 दुस्समा (दुष्पमा) ज २२, ३, ६
 दुहओ (द्वितस्, द्वय) ज ४६१ सू १०१३६; २०७
 दुहओवत्त (द्वितआवर्त) प १४६
 दुहणाम (दुःखनामन्) प २३२०
 दुहट्ट (दुधाट्ट) उ १५२, ७७
 दुहता (दुःखता) प २३१६
 दुहतो (द्वितप्, द्वय) सू १०१७३
 दुहतोनिहसंठिय (द्वितोनिपधसंस्थित) सू ४३
 दुहत्त (दुःखत्व) प २८२६
 दुहया (दुःखता) प २३३१
 दुहा (द्विधा) ज ११६, २०, २३; ४१, ४२, ६२, ६४,
 १०८, १७२
 दूइजमाण (दूयमाण) ज ३१०६ उ १२, १७;
 ३१२६, ६६, १३२; ५३६
 दूभगणाम (दुर्भगनामन्) प २३३८, १२४
 दूमिय (दे० धववित्त) सू २०७
 दूमिय (दूत) उ १५६, ६३, ८४
 दूय (दूत) ज ३६, ७७, २२२ उ १६२, १०७ से
 ११६, १२७
 दूर (दूर) प २४६, ५०, ५२, ५३, ६३; १७१०६
 ज ७३६, ३८ सू २१
 दूरतराग (दूरतरक) प १७१०८, ११०
 दूस (दूष) ज २२४, ६५, ६६; ३६, २२२
 दूसमदूसमा (दुष्पमदुष्पमा) ज २१३०, १३८,
 १३६

द्वसमसुसमा (दुष्पमसुसमा) ज २।१२१

द्वसमा (दुष्पमा) ज २।१२६, १४०

द्वसरणाम (दुःस्वरनामन्) प २३।३८, १२५

द्वसि (द्वष्य) प १७।११६

देय (देय) सू २०।६।२

देयड (दे० दृत्तिकार) प १।६७

देव (देव) प १।५२, १३०, १३८; २।३० से ३६,
 ४१ से ४३, ४६, ४७।१, ४८ से ६३, २।६४।१४;
 ३।२६ से ३६, ३८, ३९, १३१, १३३, १३५, १३७,
 १३९, १८३; ४।२५ से २७, ३१ से ३३, ३७ से
 ३९, ४३ से ४५, ४९, ५५, १६५ से १६७, १७१,
 १७७ से १७९, १८३ से १८५, १८९ से १९१,
 १९५ से १९७, २०१ से २०३, २०७, २१३ से
 २१५, २२५ से २२७, २३७ से २४३, २४६,
 २४९, २५२, २५५ से २६९; ६।२७ से ३८, ४१
 से ४३, ५०, ५२, ५६, ६५, ७०, ८१, ८२, ८५ से
 ८७, ८९, ९०, ९२, ९३, ९५, ९६, ९८, ९९, १०१,
 १०३, १०५, १०९, ११०, ११२, ११३; ७।८ से
 ३०; ८।१०, ११; ९।११; १५।४५, ५५।३, ८७ से
 ९३, १०८, १०९, ११४, ११५, ११७, १२५, १२९,
 १३२, १३९, १४३, १६।२५, २९, ३१, १७।४९,
 ५१, ५२, ७१, ७३, ७४, ७६, ७८ से ८१, ८३, ८९;
 १८।५, ११; २०।४९, २१।५१, ५५, ६१, ६२, ७०,
 ७१, ७७, ८३, ९१ से ९३; २२।४१, ४२, ४५, ७६;
 २३।३९, ५४, ८४, ११४, १४६, १७२, १९४,
 १९६, १९८; २८।६७, १०२, १०५, १३३, १४३
 से १४५; ३३।१, १६ से १८, २४, २५; ३४।१५,
 १६, १८ से २५; ३६।५०, ८१ ज १।१३, २४,
 ३०, ३१, ३३, ३६, ४५ से ४७, ५१; २।६४, ९०,
 ९५ से ९९, १०० से १०२, १०४ से ११६,
 १२०; ३।२०; २४।१, २, २५ से २८, ३०, ३२।२,
 ३३, ३८ से ४१, ४३, ४६ से ४९, ५१, ६३ से
 ६५, ६८, ७१ से ७४, ७६, ८४, ९२, १११ से
 ११५, ११९, १२३ से १२५, १३१।१, २, १३२ से
 १३४, १३६, १५०, १५१, १६७।१३, १७८, १८४,

से १८६, १८८, १८९, १९१, १९२, १९८, १९९,
 २०७ से २१०, २१९, २२१, २२४, २२६; ४।२,
 १३, १९, २०, ५१ से ५४, ६०, ६१, ८०, ८४, ८५,
 ९७, १०२, १०६, १०७, ११२, ११३, ११४, १२०,
 १४१, १४२, १५०, १५९ से १६१, १६३, १६५,
 १६६, १७७, १८०, १८४, १८६, १८७, १९३,
 १९६ से २००, २०३, २०४, २०८ से २१२,
 २१५, २२६ से २३४, २३९, २४७, २४८, २५०
 से २५२, २६१, २६४, २६६, २६७, २७०, २७२,
 २७३, २७६, २७७; ५।१, ३ से ५, १४, १५, १९,
 २२, २३, २६ से २९, ३९, ४२, ४३, ४५, ४७, ४९,
 ५०, ५३ से ५६, ६१, ६७, ६९ से ७४; ६।१६;
 ७।५५, ५६, ५९, १६९, १७८।१, १८५, १८७,
 १८९, १९१, १९३, १९५, २१३, २१४ सू ६।१;
 १३।१७; १७।१; १८।२ से ४, १४ से १७, २१,
 २३, २५, २७, २९, ३१, ३३, ३५; १९।२३, २४,
 २६, २७; २०।१, २, ४, ७ उ २।१३; ३।५१, ५६
 से ६२, ६५, ६६, ६९, ७२, ७५ से ९१, १५१,
 १५२, १५६, १६२ से १६५; ५।५, २९, ३०, ४२,
 ४३

देव (देव) सू १९।३६, ३८ देव नामक द्वीप
 देवअनर्णणआउय (देवांसंज्ञायुष्प) प २०।६२, ६४
 देवउल (देवकुल) ज ५।५, ७
 देवकहृत्तहम (देवकहृत्कहृत्) ज ५।५७
 देवकुमार (देवकुमार) उ ३।६२
 देवकुमारिया (देवकुमारिका) उ ३।६२
 देवकुरा (देवकुरु) ज ४।९४, ९९, २०३, २०६ से
 २०८, २१३
 देवकुरु (देवकुरु) प १।८७; १६।३०; १७।१६४
 ज २।६; ४।२०४।१, २०७, २०८, २१०।१
 देवकुल (देवकुल) ज २।६५ उ ३।३६
 देवगइ (देवगति) ज २।९०; ३।२६, ३९, ४७, ५६,
 ६४, ७२, ११३, १३३, १४५; ५।५, ४४, ४७, ६७
 देवगइय (देवगतिक) प १३।२०
 देवगति (देवगति) प ६।४, ९
 देवगतिपरिणाम (देवगतिपरिणाम) प १३।३

देवगति (देवगतिक) प १३।१५
देवगामि (देवगामिन्) ज १।२२, ५०; २।५८; १२२, १२८, १४८, १५१, १५७; ४।१०१
देवच्छंदग (देवच्छंदक) ज ४।२१६
देवच्छंदय (देवच्छंदक) ज १।४०; ४।१३६, १४७, २१६
देवजुइ (देवजुति) ज ३।२६, ३६, ४७, १२२, १२६, १३३
देवजुति (देवजुति) ज ५।४४ उ ३।८५, १२२
देवजुइ (देवजुति) उ ३।१२३
देवडिड (देवडिडि) ज ३।२६, ३६, ४७, १२२, १३३
देवता (देवता) चं ५।२ सू १।६।२
देवत्त (देवत्व) प १।५।६६ से १०१, १०४ से १०६, १०८, ११२, ११४ से ११७, ११९ से १२३, १२५, १२७ से १२९, १३१, १३२, १४३, उ ३।१२; ३।१५०, १६१; ५।२८, ४१
देवदारु (देवदारु) प १।४०।२
देवदाली (देवदाली) प १।३६।२; १।७।१३०
देवदालीपुष्प (देवदालीपुष्प) प १।७।१३०
देवदुहदुहग (देवदुहदुहक) ज ५।५७
देवदूस (देवदूष्य) ज २।६५, १००, २११; ५।५८ उ ३।१४, ८३, १२०, १६१; ४।२४
देवपव्वय (देवपव्वत) ज ४।२१२
देवमइ (देवमति) ज ३।१०६
देवय (देवता) प २।४८ ज ७।१२७।१, १६७।१
देवय (देवत) ज २।६७; ३।८ सू १।८।२३, उ १।१७, ७२, ८८, ९२; ५।३६
देवया (देवता) ज ३।३६, १०४, १०५; ४।५३, १०६, २०४, २१०; ७।३० सू १।०।७८ से ८३
देवराय (देवराज) प २।५० से ५६ ज १।३१; २।८६ से ६३, ६५, ६७, ६९, १०१, १०३, १०५, १०७, १०९, १११, ११३, ११५, ११७ से ११९, १८६, २१७; ४।२२१; ५।१८; २० से २३, २६ से २९, ३६ से ४१, ४३ से ४८, ५४, ५६, ६०, ६१, ६२, ६५ से ६८, ७१ से ७३ उ ३।१२२,

१५०
देवलोग (देवलोक) प २।०।६१ ज २।४६, १५६; ३।१ उ २।१३; ३।१८, ८६, १२५, १५२, १६५; ४।२६; ५।३०, ४३
देवलोय (देवलोक) ज २।४६ उ ५।४
देवसंघाय (देवसंघात) ज ७।१७६
देवसयणिज्ज (देवसयणीय) उ ३।१४, ८३, १२०, १६१; ४।२४
देवसयसहस्सीसर (देवसतसहस्सेश्वर) ज ३।१२६।३
देवसिरि (देवश्री) उ ३।१७१
देवाउय (देवायुष्क) प २।०।६३, २३।१८, ३७, ८०, १४६, १७०
देवाणंदा (देवानन्दा) ज ७।१२० सू १।०।८।३ उ ३।११३; ४।२०
देवाणुप्पिय (देवानुप्पिय) ज २।६५, ६७, १०१, १०५, १०७, १०९, १११, ११४, १४६; ३।५, ७, १२, १५, १८, २१, २६, २८, ३१, ३४, ३६, ४१, ४७, ४९, ५२, ५६, ५८, ६१, ६४, ६६, ६९, ७२, ७४, ७६, ७७, ८३, ९०, ९१, ९६, १०५, १०७, ११३, ११४, १२५, १२६।४, १२८, १३३, १३८, १४१, १४५, १४७, १५१, १५४, १५७, १६४, १६८, १७०, १७३, १७५, १८०, १८३, १८८, १९१, १९६, २०७, २१२; ५।३, ५, ७, १४, २२, २६, २८, ४६, ५४, ६८, ६९, ७२, ७३ उ १।१७, ३७, ३९, ४१, ४४, ५४, ५७, ६६, ७६, ८८, ९८, १०७, १०९, १११, ११३, ११५, ११९, १२१, १२३, १२७, १२९, १३१; ३।१३, ७८ से ८१, १०२, १०३, १०६, १०८, ११२, ११५, १३६, १३८, १३९, १४८; ४।११, १४ से १६, १९, २२; ५।१५, १८, २७, ३२, ४०
देवाणुभाग (देवानुभाग) ज ३।१२६
देवाणुभाव (देवानुभाव) ज ३।२६, ३६, ४७, १२२, १३३; ५।४४ उ ३।८५, १२२, १२३
देवाहिव (देवाधिप) ज ५।५४
देविद (देवेन्द्र) प २।५० से ५६ ज १।३१; २।८६ से ६५, ६७, ६९, १०१, १०३, १०५, १०७, १०९,

१११, ११३, ११४, ११५, ११६; ४१२२१; ५११५,
२० से २३, २६ से २९, ३९, ४०, ४३ से ४५,
५४, ५६, ६० से ६२, ६५ से ६८, ७१ से ७३
उ ३११२३, १५०

देविङ्कि (देविङ्कि) ज ५१४४ उ ३११७, ५५, ६४,
१२२, १२३, १६३; ४१२५

देवित्त (देवीत्त) उ ३११२०

देवी (देवी) प २३० से ३३, ३५, ४१, ४३, ४८ से
५१; ३३६, १३२, १३४, १३६, १३८, १४०,
१८३; ४१२८ से ३०, ३४ से ३६, ४० से ४२,
४६ से ४८, ५२, ५५, १६८ से १७०, १७४, १८०
से १८२, १८६ से १८८, १९२ से १९४, १९८
से २००, २०४ से २०६, २१० से २१२, २१६
से २२४, २२८ से २३६; १७५०, ७२, ७३, ७५,
७६, ७८, ८०, ८२, ८३; १८६, ८, १२; २३१
१९४, १९६, १९८ ज १३, १३, ३०, ३३, ३६,
४५; २१६०; ३५२ से ५८, ६०, १४०, १४१,
१४३ से १४७, १४९; ४१२, १७ से २०, २२, ३३,
३४, ५३, ६४, ८६, १५६, १६४, २०३, २३७,
२३८, २४८, २५० से २५२; ५११, ५, १६, २६ से
२८, ४२, ४३, ४५, ४७, ६७, ७३, ७३; ७१८३,
१८५, १८८, १९०, १९२, १९४, १९६, २१४;
चं न सू १३; १८२१, २३, २६, २८, ३०, ३२,
३४, ३६; २०१४ उ ११० से १३, १५, १७, १९
से २४, ३० से ४१, ४३, ४४; ४६, ४८ से ५५,
५७, ५८, ७० से ७४, ८८, ९५, ९७, ९९ से १०२,
१०६, ११०, ११३, ११४, १४४ से १४६; २१४ से
६, १६, १७, १९, २०; ३१६०, ६२, ६४, १२१ से
१२५; ४१२५, २६; ५११०, १२, १३, १७, २५, ३०,
३१

देवुकलिया (देवोत्कलिका) ज ५१५७

देवोद (देवोद) सू १६३८

देस (देश) प १३, ४; २१६४११; ४१४३, ४५, ४६,
४८, ४९, ५१, ५२, ५४; ५१२४, १२५, १५१५३;
५४, ५७; १८५६, ६४, ७७, ८१, ८३, ८४, ८६ से

६१, ६६, १०८; २११७४, २२१५५, ५६, ५८, ७६
ज १३०; ३३, २२४; ४१२२, ३४, ८३, ११३,
११४, १६६; ५१२६; ७१२३ सू ११६; ६१;
६३; १०१३८ से १५१, १६२ से १६६;
१२३०; १३२

देसपंत (देशप्रान्त) उ ११३३, १३४

देसभाग (देशभाग) प २११६-१७, ३०, ३१, ४१, ५०,
५२ ज २१२, ६५; ३३, ११७; ५१३५ सू ३१६८
देसभाष (देशभाष) प २११८, १९, २८, ५१, ५६, ६४
ज ३३; ५१३३, ३८

देसमाण (देशात्) ज २१७२

देसि (देशिन्) प २४१

देसिय (देशित) ज ३१२२, ३६, ६३, ६६ १०६, १६३,
१८०

देसुण (देशोन) ज १११२, १४, १७, २३, ३५, ३७, ५१;
२१४४, ४५; ४११४

देसुणग (देशोनक) ज ३१२२५; ४१६, ३२, १४७,
१५५, २४२

देसोहि (देशाधि) प ३३१११, ३३३३१ से ३३

देह (देह) ज ३११०६

देहधारि (देहधारिन्) प २१४१ ज ३३

देहमाण (दे० पशवत्) ज ३१२२२; ५१६७

दो (द्वि) प २०५६ ज १७ - १११४ उ ११३५

दोच्च (द्वितीय) प ६१८०१; ३३१६, ३६१६२
ज ३१२२८, १५१, १६२; ७१२३, २५, २८ से
३०, १५७, १६१, १६५, १७० सू ११३३, १४,
१६, १७, २१, २४, २७; ३३; ६१; १०६४, ६८,
१२७, १३६, १४०, १४४, १४५, १५८; ११२ से
४, १२३, २०, २५; १३१, १२, १३ उ १३६,
४०, १११, १४३; ३१, १५, २१; ३१, २०, २२
२३, ५१, ५३ ६०, ६१, ७७, ७८, १०८

दोच्चा (द्वितीया) प ३१८३

दोणमुह (द्रोणमुख) प १७४ ज २१२२, १३१;
३११८, ३१, ३२, १६७, १८०; १८५, २०६,
२२१ उ ३११०१

दोला (दो०) ११५१
 दोवारिय (दौवारिक) ज ३१६,७७,२२२
 दोस (दोष) प ११३४१; २२२०; २३६
 ज ३३२,११७ सू २२; २०६१६ उ ३३५
 दोसणिस्सिया (दोषनिश्चिता) प ११३४
 दोसपुरिया (दोषपुरिका) प ११६८
 दोसिणा (दो० ज्योत्स्ना) चं २१४ सू १६१४;
 १४११ से ४; १६१,२
 दोसिणापक्ख (दोसिणापक्ष) सू १३११; १४११ से
 ४,६,७
 दोसिणाभा (दोसिणाअभा) ज ७१८३
 सू १८२१; २०६
 दोसिणलक्खण (दोसिणा'लक्षण) चं २१४
 सू १६१४
 दोसिणालक्खण (दोसिणा'लक्षण) सू १६१२
 दोस्सिय (दोषिक) प ११६६
 दोहग (दोभाग्य) ज २११५
 दोहल (दोहद) उ १३४, ३५, ४०, ४१, ४३, ४४,
 ४६, ७४

ध

धंत (ध्मात) प १४८५५६ ज ३२४
 धंतधोयरूपपट्ट (ध्मातधोतरूप.पट्ट) प १७१२८
 धष (धन) ज २६४,६६; ३१०३; १६७१४
 धणंजय (धनञ्जय) ज ७११७२, १३२१
 सू १०८६१२ ६७
 धणवट्ट (धनपति) ज ३११, ३, १८, ३१, ६३, १८०
 १८३
 धणिट्ठा (धनिष्ठा) ज ७११३११, १२८ से १३०,
 १३६, १३८, १४१, १४६, १५६, १५७ सू १०१
 से ६, ८, २०, २३, २६, ५७, ६३, ६४, ७५, ८०, ६४,
 १२०, १३१ से १३३, १५२
 धणु (धनुष्) प १७५; २६४६; २१४६, ४७,
 ४७११, २; २१६५ से ६७; ३६८१ ज १७, ६,
 १०, २३, २५, ३८, ४०, ४३; २६, १६, ५२, ५६,
 ५८, ८६, १२३, १५१, १५७, १५६, १६१; ३३,

२३, २४, ३५, ३७, ६५, १३१, १५६, १६०, १७८;
 ४११०, १२, ५५, ६२, ८१, ८६, ९८, १०१, १०८,
 ११०, ११४, १४७, ५४, २४८, २६२, २६५,
 २६८, २७१, २७४; ७१८२, २०७ सू १११४;
 १८१३, २० उ १२२, १३८, १४०
 धणुग्गह (धनुर्ग्रह) ज २४३
 धणुप्पट्ठ (धनुष्पृष्ठ) ज १११८, २०, २३, ४८;
 ४११, १७२
 धणुपुहत्तिय (धनुष्पृथक्किंबक) प १७५
 धणुवर (धनुर्वर) ज २६६; ३१७६, ११६, ११६,
 १२०, १६७३, १८५, २०६
 धणुह (धनुष्) ज ३३१
 धण्य (धान्य) प ११२६ से २८ ज २६६; ३१७६,
 ११६, ११६, १२०, १६७३, १८५, २०६
 उ ३४०; ५११४
 धण्य (धन्य) ज ५१५, ४६, ५८ उ १३४, ४०, ४१,
 ४३, ४४, ७४; ३१६८, १०१, १३१; ५१३६
 धन्न (धन्य) ज २६४ उ ३३८
 धमाससार (धमाससार) प १७१२५
 धम्म (धर्म) प २०१७, १८; २२, २५, २८, २६, ३४,
 ४५ ज १४, २६४, ७२, ११३, १३३ चं ६ सू १४
 उ १२, २०, २१; ३१३३, १०२, १०३, १३४ से
 १३६, १३८, १४२, १४७; ४११४; ५१२०, २७
 धम्मंत (ध्माःमान) ज ३१११७
 धम्मकहा (धर्मकथा) उ ३७१
 धम्मचरण (धर्मचरण) ज २१२६, १५८
 धम्मजागरिया (धर्मजागरिका) उ २१११; ५१३६
 धम्मणायग (धर्मनायक) ज ५२१
 धम्मत्थिकाय (धर्मत्थिकाय) प १३; ३११४ से
 ११६, १२२; ५१२४; १५५३, ५४, ५७;
 १८१२५
 धम्मदय (धर्मदय) ज ५२१
 धम्मदेसय (धर्मदेशक) ज ५२१
 धम्महइ (धर्मरुचि) प ११०१११, १२
 धम्मरुक्ख (धर्मरुक्ख) प १४३११
 धम्मवर (धर्मवर) ज २६३; ५१२१, २८

धम्मसारहि (धर्मसारथि) ज ५१२१,
 धम्मिय (धामिक) उ ११७,१६,२४;४१२,१३,
 १५
 धय (ध्वज) उ ३१०८,१८४
 धर (धर) प २३०,३१,४०१०,२४१,४६ से ५४
 १ धर (धृ) धरेइ ज ५४६,६०,६६
 धरण (धरण) ज २३४,३५,४०६ ज ३१८५,
 २०६;५१५२
 धरणि (धरणि) ज २१३२
 धरणिखील (धरणिकील) सू ५१
 धरणितल (धरणितल) प १७१०७,१०६,१११
 ज ३६११२,३५,१०६;४२१३,२१५;५१२१,
 ५८
 धरणिंसिग (धरणिंशुंग) सू ५१
 धरणीयल (धरणीतल) ज ३१०६,११७;५१५,४४
 उ ११२३,६१
 धरिज्जमाण (धियमाण) ज ३६,१८,७७,७८,६३,
 १८०,२२२
 धरैत (धरत्) ज ३६२
 धव (धव) प १३६३
 धवल (धवल) प २३१ ज १३७;२१५;३६,
 १७,२१,३१,३४,३५,११७,१७७,१७८,२११,
 २२२;५१५८,७१७८
 धवलवलभ (धवलवृषभ) ज ५६२,६३
 धस (दे०) उ १२३,६१
 धाडकम्म (धातुकर्म) उ ३११५
 धाई (धातृ) उ १६४
 धाय (धातृ) प २४७२
 धायइसंड (धातकीषण्ड) प १५५५;१६३०;
 १७१६५ सू ८१; १६१७,८१२,१६१६;
 १६१२२२५
 धायई (धातकी) प १३५२; १५५५१
 धायईसंड (धातकीषण्ड) सू १६१२२३,२४
 √धार (धारय्) धारे ज ३१२६१
 धारणा (धारणा) ज ३३
 धारणिज्ज (धारणीय) प २२१५,८०

धारा (धारा) ज २१४१ से १४५; ३१२,११५;
 ११६,१२२,१२४
 धाराहय (धाराहत) ज ५२१
 धारि (धारिन्) प २३०,३१,४१,४६
 धारिणी (धारिणी) ज १३; २१५ चं न सू १३
 धारेयव्व (धर्तव्य) सू २०६१५
 धावण (धावन) ज ३१७८; ७१७८
 धिइ (धृति) ज ४८६ उ ४२११
 धिइकूड (धृतिकूट) ज ४६६
 धिक्कार (धिवकार) ज २६२
 धिति (धृति) सू २०६१३,५
 धुर (धुर) सू २०८
 धुरय (धुरक) सू २०८५
 धुरा (धूर्) ज ३३५,१७८,१८८
 धुव (ध्रुव) ज १११,४७; ३१६७,२२६; ४२२,
 ५४,६४,१०२,१५६; ७२१०
 धुवराहु (ध्रुवराहु) सू २०३
 धूमकेउ (धूमकेतु) प २४८ सू २०८५
 धूमकेतु (धूमकेतु) सू २०८
 धूमप्पभा (धूमप्रभा) प १५३; २१,२०,२५;
 ३१५,१६,२०,१८३; ४१६ से १८;
 ६१४,७७,७८; १०११; २०७,४१; २१६७;
 ३३१७,१६
 धूमवट्टि (धूमवति) ज ३१२,८८; ५१५८
 √धुमाय (धुमाय्) धुमाहिंति) ज २१३१
 धूया (दुहितृ) ज २२७,६६ उ ३११४; ४६,१६
 धूलि (धूलि) ज २१३१,१३२
 धूव (धूप) प २३०,३१,४१ ज १४०; २६५;
 ३७,६,११,१२,२१,३४,८५,८८,४१३०,
 १३६,२१८,२४२; ५७,५७,५८ सू २०७
 उ ३५०,११०
 धोत (धौत) ज ३११७
 धोय (धौत) प २३१ ज ३२४
 धोरण (दे०) ज ३१७८; ७१७८
 √धोव (धाव्) धोवइ उ ४२१ धोवसि उ ४२२

द्योव्व (दे०) ज ३१६७६

न

न (न) उ ११३७

नउय (नयुत) ज २१४

नउयंग (नयुताङ्ग) ज २१४

नंद (नन्द) ज २१६४; ३१६५, २०६

नंदण (नन्दन) उ २१२१

नंदणवण (नन्दनवन) उ ५१६, ७, ३६ ३७

नंदा (नन्दा) उ ११३०, ३१

नंदि (नन्दि) प १५१५५१

नंदिघोस (नन्दिघोष) ज ३११७८

नंदिय (नन्दित) ज ३१५, ६, ८, १५, १६ ३१, ५३,

६२, ७०, ७७, ८४, ९१, १००, ११४, १४२, १६५,

१७३, १८१, १८६, १९६, २१३; ५१२७

नंदीमुह (नन्दिमुख) ज २११२

नंदीसरवर (नन्दीश्वरवर) ज २११६

नक्षत्त (नक्षत्र) प ११३३; २१२३ से २७, ४८, ५०,

६३ उ २११२

नगर (नगर) प १७४ ज २७१; ३१६, ७७, २२२

नगरावास (नगरावास) प २४३

नगरी (नगरी) उ १११०

नग्गभाव (नग्नभाव) उ ५४३

नच्चंत (नृत्यत्) ज ३११७८ उ ११३६

√नज्ज (जा) नज्जइ उ ११५४

नट्ट (नाट्य) प २१३०, ३१, ४६ ज १४५

नट्टविहि (नाट्यविधि) उ ३१७, २१, २५, ६२, १५६,

१६६; ४५

नट्ठ (नष्ट) ज २१३३

नती (नप्ती) उ ३११४, ११५, ११६

नत्तु (नप्तु) ज २१६६ उ २१२२

नत्तुय (नप्तुक) उ ११०६, ११०, ११३, ११४;

३११४

नत्थि (नास्ति) प १८१; ५१५५; ३६१३३

नदी (नदी) प २४, १३, १६ से १६, २८;

१५१५२

नपुंसकलिगसिद्ध (नपुंसकलिङ्गसिद्ध) प ११२

नपुंसग (नपुंसक) प १४६ से ५१, ६०, ७५, ७६,
८१; ११२७

नपुंसगवेद (नपुंसकवेद) प १८६२; २३१७५

नपुंसगवेदग (नपुंसकवेदक) प ३१६७; १३११६

नपुंसय (नपुंसक) प ६७६

नभ (नभस्) ज २१६५

√नमंस (नमस्य्) नमंसइ ज ११६; ५१५८

उ १११६; ३१८१; ४१३३; ५१२० नमंसति

उ ४११६; ५१३६ नमंसीहामि उ ३१२६

नमंसेज्ज ज २१६७

नमंसमाण (नमस्यत्) उ १११६

नमंसित्ता (नमस्यित्वा) ज ११६ उ १११६; ३१८१;

४१४; ५१२०

नमिऊण (नत्वा) चं ११२

नय (नय) सू ११२५; २१२; ४१२ उ ११३८, ४०, ४२

नयण (नयन) उ १११५, ३५; ३१६८

नयर (नगर) उ १११२, २८, २९, १२१, १२२; ३१४,

२१, २४, ८६, १५५, १६८, १७१; ४४, ६७, १३,

१५, १८, २८; ५१२४ से २६, ४३

नयरी (नगरी) चं ६, ७, ८ सू १११ से ३ उ ११६,

१०, १२, १६ ६३, ६५ ६७, ६८, १०५ से १०७,

११०, १११, ११५, १२२, १२५, १२६, १३०,

१३२, १४४, १४५; २४, ५, १६, १७; ३१६, ११,

२१ २७ से २६, ४६, ४८, ५०, ५५, ६५, ६६, ६६,

१००, १११, १५७, १५८, १६६, १७१; ५४, ५, ६,

११, १६, ३०, ३३

नर (नर) ज २१६५, ७१

नरग (नरक) प २१२२ से २७, २१२७१३, ४

उ ११२६

नरच्छाया (नरच्छाया) प १६४७

नरय (नरक) प २१२३; ६१८०२ उ ११४०

नरवइ (नरपति) उ ११२४, १३१; ५११६

नलिण (नलिन) प १४६, १४८४४

नलिणहत्थगय (हस्तगतनलिन) ज ३११०

नलिण्गुम्म (नलिनीगुल्म) उ २१२१

नव (नवन्) प ११८११ ज ३१०६ सू ११४
उ १५३

नव (नवम) प १०१४३

नवणउत्ति (नवनवति) सू १२१

नवणउय (नवनवति) सू १२६

नवणवति (नवनवति) सू १२१

नवति (नवति) सू २३

नवम (नवम) प १०१४१,२ उ १७;२२२

नवरं (दे०) प २४०,४४,६२;५४२,४३,४६,
५०,५४,६४,८७,९८,१०२,१०५,१०८,११२,

११७,१२२,१३२,१४८,१५१,१६७,१७०,

१७५,१७८,१७९,१८२,१८५,१८८,१९४,

१९८,२०४,२०५,२०८,२१३,२१५,२१६,

२१९,२२२,२२५,२३५,२४०,२४३;६४६,

५९,७४ से ७८,८०,८१,८३,८४,८६,८९;९२,

९४,१००,१०७,१०८,११२;११८२,८३;

१२३१;१३१५;१५६०,६२,६६,९७,१४३;

१७६९;३६९ सू १२२ उ ११४८;२२०;

३१७,१३;४५;५१३

नवविह (नवविध) प १७१३९

नह (नख) उ १३६,५५,५८,८०,८३,९९,११६

११८;३१०६,१३८;५१७

नाइ (जाति) उ ३४२,११०,१११;४१६,१८

नाइय (नादित) ज ३७८;५२२

नाग (नाग) प २३०११,२४०१० ज ३१५५,
२०९

नागकुमार (नागकुमार) प ११३१;२३५;४४३
से ४५,५५;५८;६१८,६१

नागकुमारत्त (नागकुमारत्त) प ३६२४

नागकुमारराय (नागकुमारराज) प २३६

नागकुमारी (नागकुमारी) प ४४६ से ४८

नागपठ्य (नागपठ्य) ज ४२१२

नागमाल (नागमाल) ज २८

नागलता (नागलता) प १३९१

नाडइज्ज (नाटकीय) ज ३७४

नाण (ज्ञान) प २६४१२;५४३,८७,१०२,१०५,
११५ ज २७१,८५;३२२३;५२१ उ ३४४

नाणत्त (नाणात्त) प २४०

नाणा (नाणा) ज ४१३

नाणाविह (नाणाविध) उ ५५

नादित (नादित) ज ३२०९

नाम (नामन्) प ११०१५;२३०११,२५८,६१;

२३१५१ ज १४६;३२४;४२६२ चं ६,७,

८,१० सू १११ से ३,५,९ उ ११ से ३,९ से

१३,२८ से ३२,९५,१४४ से १४६,१४८;

२४ से ७,१६ से २०,२२;३४,९;१०,२१,

२७,२८,४८,५०,५५,८९,९५ से ९७,१३२,

१५५,१५७,१५८,१७१;४७ से ९,२८;

५२११,४ से ७,९,११ से १३,२१,२४ से २६,

४०,४१

नामधिज्ज (नामधेय) प २६४

नामधेज्ज (नामधेय) ज ३१३५१ सू १०८४

उ १६३;२६;३१२६

नामय (नामक) चं ५२ सू १६१

नायव्व (जातव्य) प १४८६,११०१४,१२

सू १२५;२२

नारी (नारी) ज २६५

नालिप्री (नालिकेरी) प १४३२,१४७१

नालियावद्ध (नालिकावद्ध) प १४८;४१

नासा (नासा) ज ३२११;५५८

निउण (निपुण) प २४१ ज ५७

निओय (निपोग) ज ३१७८

√निव (निन्द) निदति उ ३११६

निदिज्जमाण (निन्दमान) उ ३११८

निवकरय (निम्बकरज) प १३५३

निकुरंब (निकुरम्ब) उ ३४९

निक्कंङ (निक्कंङ्कट) ज १३१

निक्कंङछाया (निक्कंङ्कटछाया) प २३०,४९,

५९,६३,६४

निक्कंङ्खिय (निक्काङ्खित) प ११०११४

निक्कदठ (निकृष्ट) उ ११३८

निकखंत (निकखान्त) उ ३११७०; ४१२८; ५१२७
 ✓निकखम (निर्+कम्) निकखमइ उ ११११६
 निकखमण (निकक्रमण) ज ४११७७ उ ३११०६;
 ४११६
 निकखममाण (निककामत्) सू ११८१२, १११२, ११४,
 १६, १८, १६, २१, २४, २७; २१३; ६११
 निकखमिता (निकक्रम्य) उ ११११६
 निकखित्त (निकक्षित्त) उ ३१४८.५०, ५५
 निकखेव (निकक्षेप) उ १११४८
 निगम (निगम) प ११७४ ज ३१६, ७७, २२२
 निगर (निकर) ज ३११२, ८८; ५१५८
 ✓निगिण्ह (निर्+ग्रह्) निगिण्हइ ज ३१२३, ३७,
 ४४
 निगिण्हिता (निगृह्य) ज ३१२३
 निगोद (निगोद) प ३१६१ से ६३.७० से ७४, ८२,
 ८४ से ८७, ६४, ६५, १८३; १८१४६
 निगोय (निगोद) प ११४८५६ से ५८; ३१८७
 निगमंथ (निगमंथ) ज २१७२ उ ३१३८, ४०, ४२,
 १०३, १३६; ४११४; ५१२०
 निगमंथी (निगमंथी) ज ३११०२, ११५, ११७, ११८;
 ४१२२ उ ३११०२, ११५, ११७, ११८; ४१२२
 ✓निगमच्छ (निर्+गम्) निगमच्छइ उ १११६;
 ३११३; ४११३; ५११६
 निगमच्छिता (निगम्य) उ १११६; ३१२६; ४११३
 निगमय (निगमंत) चं ६ सू ११४ उ ११२, १६; २१६;
 ३१५, १२, २४, ८६, १४७, १५५, १५६; ४१४, १०;
 ५११४, २६, २७, ३७, ३८
 निगघोस (निघोष) ज ३११२, ७८
 निघस (निकष) ज ११५
 निचिय (निचित) ज ५१५
 निच्च (नित्य) प २१२४, २६, २७
 निच्चच्छणय (नित्यासनक, नित्यक्षणक) उ ५१५
 निच्चालोय (नित्यालोक) सू २०१८६
 निच्चिट्ट (निक्षेप्ट) उ ११६०, ६१
 निच्चुभितकाम (निक्षेपुकाम) उ ११७३

निच्छय (निक्रय) उ ३१११
 ✓निच्छुहाय (निर्+क्षेपय्) निच्छुहायेड उ ११११७
 निच्छुहाविय (निक्षेपित) उ ११११६
 निच्छूद (निक्षित्त) उ ११११८
 ✓निज्जर (निर्+ज्) निज्जरंति प १४११८
 निज्जरिसु प १४११८ निज्जरिस्संति
 प १४११८ निज्जरेंसु प १४११८
 निज्जरा (निर्जरा) प १४११८१
 निज्जाणसंठिय (निर्याणसंस्थित) सू ४१३
 निज्जाणभूमि (निर्याणभूमि) ज ५१४८
 निज्जाणमग (निर्याणमार्ग) ज ५१४४ उ ३१६१
 निज्जुत्त (निर्युत्त) प २१३०
 निज्जर (निक्रर) ज २१४, १३, १६ से १६, २८
 निट्टियट्ट (निट्टितार्थ) प ३६, ६४
 निण (निम्न) ज ३१७७, १०६
 नितंब (नितम्ब) ज ४११६४
 नित्तेय (नित्तेजम्) उ ११३५
 निदाया (दे०) प ३५११८, १६
 निदाह (निदाघ) ज ७१११४१२
 निहा (निद्रा) प २३१६१
 निहायमाण (निद्रायमान) उ ३११३०
 निद्ध (निग्ध) प ११४ से ६; ५१५, ७, १२६, २१४,
 २१८, २२१, २२६; १३१२२; १७११३८
 ज ३११०६
 निम्न (निम्न) उ ३१५५
 निष्पंक (निष्पङ्क) प २१३०, २१, ४६, ५६, ६३,
 ६४ ज ११३१
 निष्पट्टपसिणझागरण (निष्पट्टप्रश्नव्याकरण)
 उ ३१२६
 निष्पाण (निष्प्राण) उ ११६०, ६१
 ✓निष्पज्ज (निर्+पद्) निष्पज्जाए ज ७१११२१४
 सू १०११२६१४ निष्पज्जति प ६१२६
 निष्पन्न (निष्पन्न) ज २११८
 निष्पाव (निष्पाव) प ११४५११ ज ३१११६ सेम
 ✓निष्पंछ (निर्+भस्त्) निष्पंछेइ उ ११५७
 निष्पंछणा (निष्पंत्सना) उ ११५७, ८२

निभ (निभ) ज ३।१०६
 निभज्जग (निभज्जक) उ ३।५०
 निमित्त (निमित्त) उ १।४१, ४३
 निम्मंस (निर्मांस) उ १।३५
 निम्मम (निर्मम) प २।६४।१
 निम्मल (निर्मल) प २।३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६४
 ज ७।१७८
 नियम (निजक) ज २।६३ उ १।१६, १३६; ३।५०,
 ६८, ११०, १११, १२८; ४।१३, १६, १८
 नियत्त (निकुत्त) उ १।२३, ६१
 नियत्थ (दे०निवसित) उ ३।५१, ५३, ५५, ६३, ६७,
 ७०, ७३
 नियम (नियम) प ६।११६; १०।६, २१; ११।५५;
 २१।१०३; २२।५० से ५२, ६७; २७।२
 उ ३।३१
 नियमसो (नियमशस्) प २।६४।११
 नियमा (नियमा) ज ७।४८
 नियल (निगड) उ १।६५, ६६, ६८, ७२, ८८, ६२
 निरंगण (निरङ्गण) प १।१२५
 निरंजण (निरञ्जन) ज २।६८
 निरंतर (निरन्तर) प ६।४७ से ५८, १०६, ११०;
 १०।३५ से ३६, ४१ से ५३; ११।७०; २०।१६,
 ४४, ६०; २२।११, २७, ५३; ३६।२४ ज ५।५, ७
 निरय (निरय) प २।१, १० ज २।१३३
 निरयगति (निरयगति) प ६।१, ६
 निरयपत्थड (निरयप्रस्तर) प २।१
 निरयावजिया (निरयावलिका) प २।१, १० उ १।५
 से ८, १४२, १४३, १४८; २।१; ५।४५
 निरयावास (निरयावास) प २।२५
 निरवकंख (निरवकाङ्ख) ज २।७०
 निरवयव (निरवयव) उ ३।७६
 निरवसेस (निरवशेष) प ३।४।२१ ज ४।१६०, २७७
 उ १।१४७
 निरालंबण (निरालम्बण) ज २।६८
 निरालोय (निरालोक) उ १।२२, १४०
 निरावरण (निरावरण) ज ३।२२३

निरुक्कमाजय (निरुक्कमायुष्क) प ६।११५, ११६
 निरुक्कलेव (निरुक्कलेप) ज २।६८
 निरुक्कहय (निरुक्कहत) उ ३।३२
 निरोदर (निरुदर) ज २।१५
 निलाड (नलाट) उ १।२२, ११५, ११७, १४०
 निवइय (निपतित) ज ३।२५, ३८, ४६
 √निवज्जाव (नि + सादय्) निवज्जावेइ उ १।४६
 निवज्जावेत्ता (निप.द्य) उ १।४६
 निवडिय (निपतित) उ १।२२, १४०
 निवड्ढेत्ता (निवर्धय्) ज ७।२७
 निवड्ढेमाण (निवर्धयत्) ज ७।२५, २७, ३०
 सू १।२०
 निवत्त (निवृत्त) उ १।६३
 निवयउपपय (निपातोत्पात) ज ५।५७
 निवह (निवह) ज २।६५; ३।६३, १५७, १६३
 √निवार (नि + वारय्) निवारंति उ ३।११७
 निवारिज्जमाण (निवार्यमाण) उ ३।११८
 निवुड्ढिता (निवर्धय्) सू १।१४
 निवुड्ढेत्ता (निवर्धय्) सू ६।१
 निवुड्ढेमाण (निवर्धयत्) सू १।१४, २१, २७; २।३;
 ६।१
 निवेदण (निवेदन) ज २।३०
 निवेश (निवेश) प १।७४ ज ३।१८, ६१, ६६,
 १३१, १३७ उ १।१३३, १३४
 निवेशिय (निवेशित) उ ३।६८
 निव्वत्त (निवृत्त) प २।६७।१ ज ३।१४, ४३, १४६
 निव्वत्तणया (निवृत्तण) प ३।४।१, २, ३
 निव्वत्तणा (निवृत्तणा) प १।५।६०, ६५
 निव्वत्तणाहिकरणिया (निवृत्तणाधिकरणिकी)
 प २।२।३
 निव्वत्ति (निवृत्ति) प १।४८।५३
 निव्वाघाइय (निव्वाघातिक) ज ७।१८२
 निव्वाघातिम (निव्वाघातिन्, निव्वाघातिम)
 सू १।८।२०
 निव्वाघाय (निव्वाघात) ज २।७ ज ३।२२३
 निव्विट्ठ (निव्विट्ठ) ज ३।३।२।१, २२१

निर्विदुकाइय-नोइंदिबउवउत्त

निर्विदुकाइय (निर्विष्टकायिक) प ११२७

निर्विष्णु (निर्विष्णु) उ ११२,७७

निर्विचिगिच्छा (निर्विचिकित्सा) प ११०११४

निर्विसमाण (निर्विसमान) प ११२७

निर्वुद्धकर (निर्वृत्तिकर) ज ५३८

√निर्वुद्ध (नि + वर्ध्) निर्वुद्धेइ सू ६११

निर्वुय (निर्वृत) उ ११६१,६२,८६,८७

√निर्वेड्ड (निर् + वेष्ट्) निर्वेड्डेइ सू २१२
निर्वेहेति सू २१२

निर्वेयण (निर्वेदन) उ ११६१,६२,८६,८७

निसंत (निशान्त) उ ३१३८

निसड (निषद्य) ज ४१६४ उ ५१२१,५१३३,२०,
२२,२३,३१,३२,३४ से ४३

निसम्म (निशम्य) ज ३१६१ उ ११२१;३१३३;
४१४४;५१३०

निसामैत्तए (निशमित्तुं) उ ३१०२,१३४

निसास (निःश्वास) ज ३१२२१ उ ५१४३

√निसीय (नि + षद्) निसीयइ उ ११४१

निसीयित्ता (निषद्य) उ ११४१

निसीहिया (निषीधिका,नैषेधिकी) उ ४१२१ से २३

निसेण (निषेक) प २३१७४

निस्संकिय (निःशंकित) प १११०११४

निस्सग्ग (निसर्ग) प १११०१११

निस्सासविस (निःश्वासविष) प ११७०

निहाण (निधान) प १११२

निहिरयण (निधिरत्न) ज ३१६६ से १६८

√नीण (नी) नीणेइ उ ११६७

नीय (नीच) उ ३११००,१३३

नीरय (नीरजस्) प २१४१,४६,५६,६३,६४

नील (नील) प ११४ से ६; ५१२०५; १११५३;
२८१२० ज ४१२६

नीलपत्त (नीलपत्र) प ११५१

नीलमत्तिया (नीलमृत्तिका) प ११६६

नीललेस्स (नीललेश्य) प १७१६४

नीललेस्सा (नीललेश्या) प १७१३७

नीलवंत (नीलवत्) ज ४११४२३,१७८,१८०,२०७
२२७

नीलासोय (नीलाशोक) प १७१२४

नीली (नीली) प १३७११ नील

नीच (नीप) ज ५१२१

√नीसस (निर् + श्वस्) नीससंति प ७११ से ४,
६ से ३०; १७१२५

नीसा (निश्रा) ज २१३३३

नीसास (निःश्वास) प ११४८५३ ज २१४११;
५१५८

नीहरण (निर्हरण) उ ११६२

नूणं (नूनम्) उ ३१३८

नेउर (नुपूर) ज ११२६

नेमि (नेमि) ज ३१३५

नेयव्व (नेतव्य) प २१४७३; ३६१२७ ज ४१७५
सू २१२; ४१२ उ ११४८; २१२२; ५१४५

नेरइय (नैरयिक) प ११५२,५३; २१२० से २७;

३११० से २३ ३८,३९,१२६,१८३; ४११,२४
से २४; ५१३ से ५,८,२२,२७ से ३४,३६,३७,

४०,४१,४४,४५; ६१० से १६,४५,४७,५१;
५८,६०,६५,६८,७०,७३ से ७८,८० से ८६,

८७,८८,९० से ९३,९६,९६,१०१ से १०३,
१०५,१०६,११०,११४,११७,११९,१२१;

७११; ८१२,४,५; ९१२,१४,२१,२४; १०१२,
५११; १११४०,४१,१५१६०,६१,८८; १०१३३;

१७१६,१०१; १८१२; २०१६३; २०१७६;
२८१०६; ३६१२२ उ ११२६,१४०

नेरइयअसण्णिआउय (नैरयिकासंज्ञायुक्त)
प २०१६४

नेरइयत्त (नैरयिकत्व) उ ११२६,२७,१४०

नेवत्थ (नेपथ्य) ज ३११७८

नेसप्प (नैसर्प) ज ३१६७११

नेह (स्नेह) उ ११७२,७३,८७,८८,९२

नो (नो) प ५१२ सू १११८ उ ११५,३१३४;
४१२२

नोइंदिबउवउत्त (नोइन्द्रियोपयुक्त) प ३११७४

नोईन्द्रियजवणिज्ज (नोईन्द्रिययापनीय) उ ३।३२,
३४

नोजुग (नोयुग) सू १२।७

नोपज्जत्तमनोअपज्जत्तग (नोपपिप्तकनोअपर्याप्तक)
प ३।११०

नोपज्जत्तनोअपज्जत्त (नोप पित्तनोअपर्याप्त)
प ३।११०

नोपरित्तनोअपरित्त (नोपरीतनोअपरीत) प ३।१०६

नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिय

(नोभवसिद्धिकनोअभवसिद्धिक) प ३।११३

नोसंजत्तनोअसंजत्तनोसंजतासंजत्त

(नोसंजत्तनोअसंजत्तनोसंजतासंजत्त) प ३।१०५

नोसंजयन्नोअसंजयन्नोसंजतासंजत्त

(नोसंजत्तनोअसंजयत्तनोसंजतासंजत्त) प ३।१०५

नोसण्णिनोअसण्णि (नोसंजित्तनोअसंजित्त) प ३।११२

नोमुहुमनोबादर (नोमुहुमनोबादर) प ३।१११

प

पइदठ (प्रतिष्ठ) ज ७।११४।१

पइदठा (प्रतिष्ठा) ज ५।२१

पइदठाण (प्रतिष्ठान) ज ३।१६७।११, ३।२०६,
२।१०; ४।२६; ५।५६

पइदित्त (प्रतिष्ठित) प २।६४।२

पइदित्तय (प्रतिष्ठित) प २।६४।३; १।४।१५।१

पइण्ण (प्रकीर्ण) ज ३।१२०

पइण्णग (प्रकीर्णक) प १।१०।१।५

पउज्ज (प्रयुज्ज) पउज्ज ज २।६०, ६३; ३।५६,
१।४५; ५।२१, ५।५ पउज्जति ज २।१५; ३।११३;
१।५५, २०६; ५।३

पउज्जमाण (प्रयुज्जान) ज ३।१७५

पउज्जित्ता (प्रयुज्ज्य) ज २।६०

पउदठ (प्रकीर्ण) ज ७।१७५

पउम (पद्म) प १।४६, १।४८।४।१, ४।४, ६२;

२।४६; १।१।२।५ ज १।५।१; २।४, १।५, १।६; ३।३,
१०, १०६; २०६; ४।६, ७, १४, १।५, १।७ से २२,

३०, ६०, ६४, ५४, १।५।४, १।५।५, २।६६, २।७२;

५।५।५।५६; ७।१।७५ उ २।२, ६ से १३

पउम (कंद) (पद्मकन्द) प १।४८।४।२

पउमंग (पद्मङ्ग) ज २।४

पउममुग्ग (पद्मगुल्म) उ २।२।१

पउमइह (पद्मद्रह) ज ४।३, ४, ६, २२, २३, ३७,
३८, ६४, ५६, १।४।१; ५।५।५

पउमपत्त (पद्मपत्र) ज ५।३२

पउमप्यभा (पद्मप्रभा) ज ४।१।५।४, १।५।५।१, २।२।१

पउमभइ (पद्मभद्र) उ २।२।१

पउमलता (पद्मलता) प १।३।६।१

पउमलया (पद्मलता) ज १।३।७; २।१।१, १।०।१;
४।२।७; ५।२।५, ३।२, ३।४; ७।१।७५

पउमवरवेइया (पद्मवरवेदिका) ज १।१० से १२,
१।४, २।३, २।५, २।८, ३।२, ३।५, ५।१; ४।१, ३, २।५, ३।१,
३।६, ४।३, ४।५, ५।७, ६।२, ६।५, ७।२, ७।६, ७।८, ८।६,
६।५, १।०।३, १।१०, १।१५, १।४।१, १।४।३, १।४।५, १।४।६,
१।७।५, १।८।३, २००, २०।१, २।१।३, २।१।५, २।३।४, २।४।०
से २।४२

पउमसेण (पद्मसेन) उ २।२।१

पउमा (पद्मा) प १।४८।४।४ ज ४।१।५।५।१, २।२।१

पउमहत्थगय (हस्मगतपद्म) ज ३।१०

पउमावई (पद्मावती) ज ५।१।०।१ उ १।१।१,

६६ से १०२, १।४।४; २।४, ७ से ६, १।६; ५।२।५

पउमुत्तर (पद्मोत्तर) प १।७।१।३।५ ज ४।२।२।५।१,
२।२।६

पउमुत्तरा (पद्मोत्तरा) ज २।१।७ चीनी, खांड

पउमुत्तपपिधाण (पद्मोत्तपपिधान) ज ३।२०६

पउय (प्रयुत) ज २।४

पउयंग (प्रयुताङ्ग) ज २।४

पउर (प्रचुर) ज २।१।३।१; ३।१।०।३ उ ५।५

पउरजंघा (प्रचुरजंघा) ज २।५।३, १।६२

पउरजण (पौरजन) ज २।६।५

पउल (दि०) प १।४।५।६

पउस (पओस) प १।५।६

पञ्चसिया (बकुसिका) ज ३११११

पणस (प्रदेश) प ११४,११४न१५न,५६;२१६४,
२१६४११;३११००;५११३२,१३६ से १४५,
१६०,१६१,१७६ १६५,२१४,२१६;१०१२ से
५,१८ से २४,२६ से ३०;११५०;१५१११;
१५११२,२५,५४;१७१४१;२११११;
२२१५६;३६५न२ ज २११५;३१११७;५१३न;
६११,३;७११७न

पणसट्टया (प्रदेशार्थ) प ३१२२२,१८०;५१२४,
२न,६न,७न,८६,११५,१३६,१३न,१४०,१४३,
१४७,१५०,१५४,१६३,१६६,१६३,१६७,
२००,२१४,२१न,२२१,२३०,२४२;१०३,२७
से २६;१५११३,२६,३१;१७१४४ से १४६;
२१११०४ उ ३४४

पओग (प्रयोग) प १११५,१६१ से ८,१८
ज ३११०३,११५,१२४,१२५

पओगगति (प्रयोगगति) प १६१७ से २१

पओगि (प्रयोगिन्) प १६१० से १५

पओय (प्रयोग) उ ३११०१

पंक (पङ्क) प १६१४

पंकगति (पङ्कगति) प १६१३न,५४

पंकपभा (पङ्कप्रभा) प १११३;२११,२०,२४;

३११४,२०,२१,१८३;४११३ से १५;३११३,
७६,७७;१०११;२०१६,१०,४०;२११६७;३३१६,
१६ उ ११२६,२७,१४०

पंकबहुल (पङ्कबहुल) ज २११३२

पंकय (पङ्कय) ज ३१३५

पंकाथई (पङ्कावती) ज ५११६३ से १६६

पंकावती (पङ्कावती) ज ४११६५

पंच (पञ्चम्) प ११७४ ज ११६ चं ३३३ सू ११७
उ ११२

पंच (पञ्चम) प १०११४४ से ६

पंचक (पञ्चक) प २३११४

पंचग (पञ्चक) प २३११५५,१७७,१८०

ज ७१३१२

पंचगुणितल (पंचांगुणितल) ज ३१५६

पंचगुणिया (पञ्चाङ्गुणिया) प ११४०१

पञ्चगि ((पञ्चाग्नि) उ ३१५०

पञ्चणउय (पञ्चनयति) ज ४१११न

पञ्चतीत (पञ्चविंशत्) सू १३२५

पञ्चपणसिय (पञ्चप्रदेशिक) प १०११०

पञ्चम (पञ्चम) प ३११६,१८३;६१न०१;

१०११४३;१२३२;१७६५;२२४१,४२;

३३११६;३६५न५,न७ ज २१नन;४११०६;

७११०१ से ११०,१३११ सू १०१७७,१२७;

६१३;११२,६;१२१६;१३१० उ २१२२;

३१७४,७६,१५४,१६६,१६७;५११,३,४५

पञ्चमी (पञ्चमी) ज ३१२४४;३१२;४५१२,११८,

१२५,१३१४ सू १०१६०;१२२न

पञ्चमुट्टिय (पञ्चमुट्टिक) ज ३१२२४ उ ३११३३

पञ्चय (पञ्चक) प २३१२६,२७,६१

पञ्चराइय (पञ्चरात्रिक) ज २१७०

पञ्चखड्या (पञ्चलतिका) ज ३१न

पञ्चवर्ण (पञ्चवर्ण) ज १११३,२१,२६,३३,३७,

३६;२१७,५७,१२२,१२७,१४७,१५०,१५६,

१६४;३११,७,२६,३६,४७,५६,६४,७२,नन,

११३,१३३,१३न,१४५,१६२;४१६३,११४;

५१३२,४३ सू २०२

पञ्चणिय (पञ्चगणिक) ज ३१११७

पञ्चिध (पञ्चविध) सू २०१७

पञ्चविह (पञ्चविह) प ११४,१४,१५,५५,५८,६६,

१२४,१३३,१३न;१११७३;१३४,६,१२,२४

से २६,२न;१५१५न से ६०,६२,६३,६५ से

६७;१६५,१७,२५,२७;२१२,३,५५,७५,७६,

६४;२३११७,२३,२५,२७,४०,४१,४३,४४,४६,

५६;३४१७,१न ज २१४५;३१न२,१न७,

२१न;७११०५,१११,११२ सू १०१२७ से

१२६;१६१२२२१ उ ३१५,न४,१२१,१६२;

४१२४;५१२५

पञ्चवीस (पञ्चविंशति) सू ११२१

पंचसद्वय (पञ्चशक्ति) ज ४।१६२, १६८, २०४,
 २१०, २३७, २६३, २६६, २७५
 पंचसतर (पञ्चसप्तति) सू १६।२२।३२
 पंचसत्तर (पञ्चसप्तति) सू १८।४
 पंचाणुद्वय (पञ्चानुव्रतिक) उ ३।७६
 पंचाल (पाञ्चाल) प १।६३।२
 पंचावण (दे० पञ्चपञ्चाशत्) ज ७।८१, ८४
 पंचासीद्व (पञ्चाशीति) ज ७।२५
 पंचासीत (पञ्चाशीति) सू १३।१
 पंचासीति (पञ्चाशीति) सू २।३
 पंचिद्विय (पञ्चेन्द्रिय) प १।५२, ५४, ५५, ६६,
 १३८; २।१६, २८; ३।१५३ से १५५, १८३;
 ४।१०५; ५।३; ६।१०७; १।२।५; १३।१४; १५।३५;
 १७।२३; २०।३४, ३५; २१।४३, ७०; २२।३१;
 २३।१६५ ज ३।१६७।५
 पंचिद्वियरयण (पञ्चेन्द्रियरत्न) ज ३।२२०;
 ७।२०३, २०४
 पंचेद्विय (पञ्चेन्द्रिय) प १।१४, ६० से ६२, ६६ से
 ६८, ७६, ७७, ८१; ३।२४, ४० से ४२, ४८, ४९,
 १८३; ४।१०४, १०६ से १५७; ५।२२, ८२, ८३,
 ८५, ८६, ८८, ८९, ९२, ९३, ९६, ९७; ६।२१, २२,
 ५४, ६५, ७१, ७८, ८३, ८७, ८९, ९२, १००, १०२,
 १०५, १०७, ११६; ६।६, ७, १६, १७, २२, २३;
 ११।४६; १२।३१; १३।१८, १९; १५।१७, ४६,
 ८७, ९७, १०२, १०३, १०६, १२१, १३८; १६।७,
 १४, २७; १७।३३, ३५, ४१ से ४३, ६३ से ६८,
 ८६, ९७, १०४; १८।१६, १८, २४; १९।४;
 २०।१३, १७, २३, २५, २६, ३४, ४८; २१।२, ७ से
 १६, १६, २०, २६ से ३२, ३६, ४६, ५१ से ५५,
 ५८ से ६२, ६५, ६८, ६९, ७१, ७७, ८२, ८८, ९४;
 २२।७४, ८७, ९६; २३।४०, ८६, १५०, १६७,
 १७१, १७६, १७७, १९६, १९६ से २०१; २४।७;
 २८।४७, ४८, ६८, ११६, १३०, १३६, १३७,
 १४२, १४४; २९।१५, २२; ३१।४; ३२।३; ३३।१,
 १२, २१, २८, ३०, ३६; ३४।३, ८; ३५।१४, २१;

३६।७, ४०, ५१, ५७, ७२, ७३, ६२
 पंजर (पञ्जर) प २।४८ ज ३।११७; ४।४६
 पंजलिड्ड (प्राञ्जलिपुट) ज ३।१२५, १२६; ५।५७
 उ १।१६
 पंजलियड (प्राञ्जलिपुट) ज १।६; २।६०; ३।२०५,
 २०६; ५।५८
 पंडग (पण्डक) उ ३।३६
 पंडगवण (पण्डकवन) प २।१८७ ज ३।२०८;
 ४।२१४, २४१, २४२, २४४, २४५, २४६, २५१,
 २५२; ५।४७, ५५
 पंडर (पाण्डुर) प २।३१; ४।०८
 पंडिय (पण्डित) ज ३।३२
 पंडुकंबलसिला (पाण्डुकम्बलशिला) ज ४।२४४,
 २४६
 पंडुमत्तिया (पाण्डुमृत्तिका) प १।१६
 पंडुय (पाण्डुक) ज ३।१६७।३
 पंडुयय (पाण्डुक) ज ३।१६७।१, १७८
 पंडुर (पाण्डुर) ज ३।११७, १८८
 पंडुरोग (पाण्डुरोग) ज २।४३
 पंडुलइयमूही (पाण्डुरकितमूही) उ १।३५
 पंडुसिला (पाण्डुशिला) ज ४।२४४ से २४७
 पंति (पङ्क्ति) ज २।६५; ३।२०४; ४।११६
 सू १६।२२।७, ८, ९
 पंतिया (पङ्क्तिका) उ ३।११४
 पंसु (पांशु, पांसु) ज १।१३३; ३।१०६
 पंसुकीलियय (प्रांशुकीडितक) उ ३।३८
 √पकड्ड (प्र + कृष्) पकड्ड ज ५।४६
 पकड्डिजमाण (प्रकृष्यमाण) ज ५।४४
 √पकर (प्र + कृ) पकरेति प ६।११४ से ११६;
 २०।८ से १३ ज ७।५६ सू १६।२४
 पकरेति प २०।६३
 पकरेमाण (प्रकुर्वत्) प ६।१२३; २०।६३
 पक्क (पक्व) प १६।५५
 पक्कणिय (दे०) प १।८६
 पक्वणी (दे०) ज ३।११२

पक्कमंत (प्रकामत्) ज ३१०६
 पक्कट्टुगसंठाणसंठित (पक्केष्टकसंस्थानसंस्थित)
 सू १६१२६
 पक्कट्टुगसंठाणसंठिय (पक्केष्टकसंस्थानसंस्थित)
 ज ७१५८
 पक्कौलिय (प्रकीडित) ज ३११, १२, २८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 पक्ख (पक्ष) प ७१२, ७ से ३० ज २१४, ६४, ६६,
 ८८, ७१११५, ११६, ११८, ११९, १२६, १२७
 सू ६११; ८११; १०१८५, ८७, ६०, ६१
 पक्खच्छाया (पक्खच्छाया) सू ६१४
 √पक्खल (प्र+स्खल्) पक्खलेज्ज उ ३१५५
 पक्खि (पक्खिन्) प ६१८०११; १११४; २११४७११
 ज २११३१ सू २०१२
 पक्खित्त (प्रक्खित्त) प ११२३२ उ ११६०
 √पक्खिप्प (प्र+क्खिप्) पक्खिप्पई ज ३१६८
 √पक्खिच्च (प्र+क्खिच्) पक्खिच्चइ उ ११४६; ३१५१
 पक्खिच्चंति ज २११२०; ५११६ पक्खिच्चेज्जाहि
 सू २०१६३
 पक्खिवित्ता (प्रक्खिय) ज २११२० उ ११६१;
 ३१४१
 पक्खिविराली (पक्खिविराली) प ११७८
 पक्खुभिय (प्रक्खुभित) ज ३१२२, ३६, ७८, ६३, ६६,
 १०६, १६३, १८०
 पक्खेवाहार (प्रक्खेवाहार) प २८१४०, ६६, १०२, १०३
 पक्खेवाहारत्त (प्रक्खेवाहारत्त्व) प २८१४०, ६६
 पक्खोलणय (प्रस्खलत्) उ ३११३०
 पगइ (प्रकृति) ज २११६; ३१३, ११७; ७११८०
 उ ५१४०, ४१
 पगइभद्द (प्रकृतिभद्द) ज ११४१; २१३६, ४१
 पगडि (प्रकृति) प २३१११
 पगय (प्रगत) उ ५१२११
 पगरेमाण (प्रकुर्वत्) प ६११२३
 पगार (प्रकार) ज ३१८१
 पगास (प्रकाश) प २१३१ ज २११५; ३१३५, ११७,
 १८८; ४११२५; ५१६२; ७११७८ उ ५१६

√पगास (प्र+काश्) पगासइ ज ४१६१, २७३,
 ७११७८ पगासेति सू ३११ पगासेति सू ३१२
 पगिज्झिय (प्रगृह्य) उ ३१४२
 √पगिण्ह (प्र+गृह्) पगिण्हइ ज ३१२०, ३३, ५४,
 ६३, ७१, ८४, १३१, १३७, १४३, १६६, १८२
 पगिण्हंति ज ३११११
 पगिण्हित्ता (प्रगृह्य) ज ३१२०
 पगहेत्तु (प्रगृह्य) ज ३११२, ८८; ५१५८
 पयसिय (प्रघपित) ज ३१३५
 पच्चकख (प्रत्यक्ष) ज ३११, २४१३, ३७११, ४५११,
 १३११३ उ ५१४
 पच्चकखयाधिणीय (प्रत्यक्षविनीत) ज ३११०६
 पच्चकखवयण (प्रत्यक्षवचन) प १११८६
 पच्चकखाण (प्रत्याख्यान) प २०११७, १८, ३४
 पच्चकखाणावरण (प्रत्याख्यानावरण) प १४१७;
 २३१३५
 पच्चकखाणी (प्रत्याख्यानिनी) प १११३७११
 पच्चणुभवमाण (प्रत्यनुभवत्) प २१२० से २७
 पच्चणुभवमाण (प्रत्यनुभवत्) ज १११३, ३०, ३६;
 ३११२६, ४१२ सू २०१७ उ ११११, ६८, ६६;
 ३१११४, १११५, १११६
 पच्चत्थाभिमुहि (पश्चिमाभिमुखिन्) ज ४१४२, ७७,
 २६२
 पच्चत्थिम (पश्चात्त्य) प ३११ से ३७, १७६ १७८,
 ज १११६, १८, २०, २३, २४, ३५, ४१, ४६, ४८,
 ५१; ३११, ४४, ६८, ६६, ६७, १२८; ४११, १६,
 २६, ३७, ४२, ४५, ४८, ५५, ५७, ६२, ७७, ८१, ८४,
 ८६, ९४, ९८, १०३, १०८, १२६, १३५, १४३,
 १५११२, १६२, १६७, १६६, १७२ से १७८, १८१,
 १८२, १८४, १८५, १९०, १९१, १९३, १९४,
 १९६, १९७, १९८, २०० से २०३, २०५, २०६,
 २०८, २०९, २१३, २१५, २२६, २३२, २३८,
 २५१, २६२, २६५, २६६, २७१, २७२, २७४,
 ५११०, ३६; ६११६ से २४, २६; ७११७८
 सू २११; ८११; १३१३२, १४, १६; १८११४;

२०२ उ ३१५४
 पञ्चत्थिमलवणसमुद् (पाण्वात्यलवणसमुद्)
 ज ४१२६८, २७७
 पञ्चस्थिमल (पाण्वात्य) प १६१३४ ज ११२०,
 २३, ४८; २१११६, ३१४७, ७६, ६५, १४६, १५०,
 १५६, १६१, १६४; ४१३७, ५५, ६२, ८१, ८६, ६८,
 १०८, १७२, २१२, २१३, २३०, २३१, २३८;
 ७११७८ सू २११; १०१४४२; १३११४, १६
 पञ्चस्थुय (प्रत्यवस्तुत) ज ३१११७
 √पञ्चपिण (प्रति + अर्पय्) पञ्चपिणह
 ज ३३२, १७१; ५१७१ पञ्चपिणति ज ३१८,
 १३, १६, २६, ४२, ५०, ५६, ६७, ७५, १४८, १६६,
 १७४, १७६, १६८, २००, २१३; ५१७०, ७३
 पञ्चपिणति ज ३११६, ५३, ६२, ७०, १४२,
 १६५, १८१; ५१५ पञ्चपिणह ज २१०५;
 ३१७, १२, १५, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १३०, १४७,
 १६८, १७३, १७५, १६१, १६६, २१२; ५१६६
 ७२ उ १११७; ४११६; ५११८ पञ्चपिणामि
 उ १११०६ पञ्चपिणामो उ १११२७
 पञ्चपिणाहि ज ३११८, ३१, ५२, ६१, ६६, ७६,
 ८३, ६८, १२८, १४१, १५१, १५४, १६४, १७०,
 १८०; ५१२८, ६८ उ ११११५ पञ्चपिणिजजह
 उ १११२८ पञ्चपिणजजा प ३६१६१
 पञ्चय (प्रत्यय) ज ३११०६
 पञ्चामित्त (प्रत्याभिन्न) ज २१२८
 √पञ्चाया (प्रति + आ + जन्) पञ्चायाति ज ६१४
 पञ्चायाति ज २१६४ पञ्चायाहिह उ ५१४३
 पञ्चायात (प्रत्याजात) ज २११३३
 पञ्चावड (प्रत्यावर्त) ज ५१३२
 पञ्चावरणह (प्रत्यापराणह) उ ३१५६, ६४, ६८, ७१,
 ७४, ७६
 पञ्चुट्टित्तए (प्रत्युत्थातुम्) उ ३१५५
 √पञ्चुणम (प्रति + उत् + णम्) पञ्चुणमह
 ज ५१२१, ५८
 पञ्चुणमिता (प्रत्युणम्य) ज ५१२१

√पञ्चुत्तर (प्रति + उत् + त्) पञ्चुत्तरइ ज २१२८,
 ४१, ४६ उ ३१५१
 पञ्चुत्तरिता (प्रत्युत्तीर्य) ज ३१२८ उ ३१५१
 पञ्चुण्यण (प्रत्युत्पन्न) ज २१६०; ३१२६, ३६, ४७,
 ५६, १३३, १३८, १४५; ५१३, २२
 √पञ्चुवसम (प्रति + उप + शम्) पञ्चुवसमंति
 ज ५१७
 पञ्चुवसमिता (प्रत्युपशम्य) ज ५१७
 √पञ्चुवेकख (प्रति + उप + ईक्ष्) पञ्चुवेकखइ
 ज ३११८७
 पञ्चुवेखिता (प्रत्युप्रेक्ष्य) ज ३११८७
 पञ्चोषड (वे०) ज ४१३, २५
 पञ्चोषभिता (प्रत्यवरुह्य) ज ४११३
 √पञ्चोरुह (प्रति + अव + रुह्) पञ्चोरुहइ
 ज ३१६, २०, ३३, ५४, ६३, ७१, १४३, १५१, १६६,
 १८२, १८६, २०४, २१४; ५१२१, ४४ उ १११६;
 ३१५१ पञ्चोरुहति ज ३१२१५; ५१५, ४५
 पञ्चोरुहति ज ३१२८, ४१ पञ्चोरुहेइ
 ज ३११११; ४११८
 पञ्चोरुहित्ता (प्रत्यवरुह्य) ज २१६५ उ १११६,
 ३१५१; ४११५
 √पञ्चोसक (प्रति + अव + षक) पञ्चोसकइ
 ज ३११२, ८८, १५५ पञ्चोसकति सू २०१२
 पञ्चोसकित्था ज ३१८६, १०२, १५६, १६२
 पञ्चोसकित्ता (प्रत्यवष्कप्य) ज ३११२
 पञ्चंभम्य (पश्चाद्भाग) सू १०१४, ५
 पञ्छा (पश्चात्) प ३४११, २; ३६१८५, ८८ सू १०१५
 उ ३१७, ५१, ५३, ५४, ६१, १०७, ११८, १३६;
 ४१२१
 पञ्छाकड (पश्चात्कृत) सू ८१
 पञ्छिम (पश्चिम) ज २१५५, ५७ से ५६, ६४, १२६,
 १५५, १५६; ३१३५१
 पञ्छिमकंठभाओवगता (पश्चिमकण्ठभाओवगता)
 सू २१४
 पञ्छिमदारिया (पश्चिमद्वारिका) सू १०११३१

पच्छिमग (पश्चिमक) प १७३०

पच्छिमड्ढ (पश्चिमार्ध) प १६३०

पच्छिमद्द (पश्चिमार्ध) प १६३०; १७१६५

√पच्छोल (प्र+क्षाल्य) पछोलैति ज ५५७

पच्छोवचण्णग (पश्चादुपपन्नक) प १७४, ६, १६, १७

पजंपिय (प्रजल्पित) उ ३१६८

पज्जत्त (पर्याप्त) प ११७, २२, ३१, ४८६०,

१४६ से ५१, ६०, ६६, ७५, ७६, ८१; २११६ से
३६, ४१ से ४३, ४८ से ६३; ३११२, ४३ से
४६, ५३ से ६०, ६४ से ७१, ७५ से ८४, ८८
से ९५, ११०, १७४; ४५५, ७८, ८७, ९०, ९१,
९४, ९७, १००, २३६, २४२, २४५, २४८, २५१,
२५४, २५७, २६०, २६३, २६६, २६९, २७२,
२७५, २७८, २८१, २८४, २८७, २९०, २९३,
२९६, २९९; ६१६८; १८११२; २११६, १६, १८,
२३ से ३४, ३६, ४०, ४१, ४४, ४८, ५०, ५३, ५५;
२३११६३, १६५

पज्जत्तग (पर्याप्तक) प ११२०, २३, २५, २६, २८,

२९, ४८ से ५१, ५३, १३१ से १३३, १३५,
१३७, १३८; २११ से १६; ३४२ से ४६, ५२ से
६०, ६३ से ७१, ७४ से ८४, ८७ से ८९, ९१, ९२,
९४, ९५, ११०, १४३, १४६, १८३; ६१७१, ७२,
८३, ९७, १०२, ११३; ११३३६, ४१; १५४६;
२११५, १०, १३, २०, ४१, ५२ से ५५, ७२;
३४११२; ३६१६२

पज्जत्तगणाम (पर्याप्तकनामन्) प २३३३८, १२०

पज्जत्तभाव (पर्याप्तभाव) उ ३१५, ८४, १२१,
१६२; ४१२४

पज्जत्तय (पर्याप्तक) प ३१७४, ८७, ८९, ९०, ९२,

९३, ९५, १४६, १५२, १५५, १५८, १६१, १६४,
१६७, १७०, १७३, १७४, १८३; ४१३, ६, ९, १२,
१५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९, ४२,
४५, ४८, ५१, ५४, ५८, ६१, ६४, ६७, ६८, ७१, ७४,
७५, ८१, ८४, १०३, १०६, १०९, ११२, ११५,
११८, १२१, १२४, १२७, १३०, १३३, १३६,

१३९, १४२, १४५, १४८, १५१, १५४, १५७,
१६०, १६४, १६७, १७०, १७३, १७६, १७९,
१८२, १८५, १८८, १९१, १९४, १९७, २००,
२०३, २०६, २०९, २१२, २१५, २१८, २२१, २२४,
२२७, २३०, २३३, २३६; ६१७१, ७२, ७६, ८३,
९७, ९८, १०२; ११३१ से ३४; १८६ से १२,
१६ से २४, ३१ से ३६, ४०, ४६ से ५१, ५३;
५४, ११३; २१४०, ४२, ४४, ४५; २३११६६,
१६६ से २०१; २८१४२; ३६१६२

पज्जत्ति (पर्याप्त) प १८४; २३११६५, १६६,

१६६ से २०१; २८१०६१, २८१४२
उ ३१५, ८४, १२१, १६२; ४१२४

पज्जव (पर्यव) प ३१२४; ५११ से ७, ९ से २०,

२३, २४, २७ से ३४, ३६ से ३८, ४० से ४२,
४४, ४५, ४८, ४९, ५२, ५३, ५५, ५६, ५८, ५९,
६२, ६३, ६७, ६८, ७०, ७१, ७३, ७४, ७७, ७८,
८२, ८३, ८५, ८८, ९२, ९३, ९६, ९७, १००
से १०७, ११० से ११२, ११४, ११५, ११८,
११९, १२८ से १३०, १३३, १३७ से १३९,
१४४, १४६, १४९, १५०, १५४, १५६, १६३,
१६०, १६३, १६७, २००, २०३, २०५, २०७,
२११, २१४, २१८, २२१, २२४, २२८, २३० से
२३२, २३७, २३९, २४१, २४२, २४४; १०१५
ज २१५१, ५४, ७१, १२१, १२६, १३०, १३८,
१४०, १४९, १५४, १६०, १६३; ७१२०९
उ ३१४७

पज्जवसाण (पर्यवसान) प ११६६, ६७; १४११८;

२८११६, १७, ६२, ६३; ३६१२० ज २१६४; ५१५९;
७१२३, २५, २८, ३०, ४५ सू ११४, १६, १७,
२१, २४, २७; २३; ६११; १०११; १११२ से ६
उ ३१४०

पज्जवसित (पर्यवसित) सू १११२ से ६

पज्जवसिय (पर्यवसित) प ११३०

पज्जुण्ण (प्रद्युम्न) प ५११०

पज्जुवट्ठिय (प्रद्युम्नस्थित) प १६१५२

√पञ्जुवास (परि + उप + आस्) पञ्जुवासइ
 ज २।६०, ६३; ५।४८, ५०, ५८, ६५ उ १।१६;
 ३।१३; ४।१३; ५।१६ पञ्जुवासंति ज ३।२०५,
 २०६; ५।४६ उ ५।३६ पञ्जुवासामि उ १।१७
 पञ्जुवासिज्जा उ ५।३६ पञ्जुवासीहामि
 उ ३।२६ पञ्जुवासेज्ज ज २।६७
 पञ्जुवासणया (पर्युपासन) उ १।१७
 पञ्जुवासणिज्ज (पर्युपासनीय) ज ७।१८५
 सू १८।२३
 पञ्जुवासमाण (पर्युपासीन) ज १।६ चं १०
 उ १।४; ५।२२
 पञ्ज्भमाण (प्रभञ्जमान) ज ५।३८
 पट्ट (पट्ट) ज ३।२४, ३५, ७७, १०७, ११७, १२४;
 ४।१३ सू २०।७ उ १।१३८
 पट्टगार (पट्टकार) प १।६७
 पट्टण (पत्तन) प १।७४ ज २।२२, १३१; ३।१८,
 ३१, ३२, ८१, १६७।२, १८०, १८५, २०६, २२१
 उ ३।१०१
 पट्टणपति (पत्तनपति) ज ३।८१
 पट्टिया (पट्टिका) ज ३।७७, १०७, १२४ उ १।१३८
 पट्ठ (पुट्ट) ज २।१५; ३।१०६।१।१७ उ १।६७
 पट्ठविद्य (प्रस्थापित) प २०।३६
 पट्ठित (प्रस्थित) प १६।५२
 पट्ठिय (प्रस्थित) प १६।५२
 पड (पट) ज ३।६, ८१, १२५, १२६, २२२
 √पड (पत्) पडइ उ १।५१
 पडमंडव (पटमण्डप) ज ३।८१
 पडल (पटल) ज २।१३१; ३।११; ४।३, २५
 पडलग (पटलक) ज ५।५५
 पडलहत्थम (पटलहस्तक) ज ३।११
 पडसाडय (पटशाटक) ज २।६६
 पडह (पटह) ३।३।२२ ज ३।१२, ७८, १८०, २०६
 पडाग (पताका) प २।४१, ४८ ज १।३७ २।१५;
 ३।३, ३१
 पडागसंठिय (पताकासंस्थित) सू १०।४२
 पडागा (पताका) प १।५६, ७१; १।५।२६; २।१।२६,

५७ ज ३।३५, १०८ से १।११, १७८; ४।४६;
 ५।४३; ७।१३३।२, १८४ उ १।२२, १४०
 पडागाइपडागा (पताकातिपताका) ज ३।७, १८४;
 ४।३०
 पडागातिपडागा (पताकातिपताका) प १।५६
 पडिसुया (प्रतिश्रुत्) ज २।६५
 √पडिकप्प (प्रति + कृप्) पडिकप्पेइ ज ३।१५,
 २१, ३३ पडिकप्पेह ज ३।२१, ३४, ७७, ६१,
 १७३, १७५, १६६ उ १।१२३
 पडिककंत (प्रतिक्रान्त) उ २।१२; ३।१५०, १६१;
 ५।२८; ३६, ४१
 √पडिककम (प्रति + क्रम्) पडिककमेहि उ ३।११५
 पडिगय (प्रतिगत) ज १।४; ३।१२५; ५।७४ चं ६
 सू १।४ उ १।२, २४; ३।७, २१, २५, ४५, ६२,
 ६६, ६६, ७२, ८१, १४३, १५६; ४।५; ५।२०
 √पडिचर (प्रति + चर्) पडिचरइ सू १।१८
 पडिचरंति सू १।१८ पडिचरंति सू १।३।१२
 √पडिच्छ (प्रति + हष्) पडिच्छइ ज ३।४०, ४८,
 ५७, ६५, ७३, १३४, १३६, १४६, १५१, १५२
 पडिच्छंति ज ५।१५ पडिच्छंतु ज ३।२६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, १३३, १३८, १४४ उ ३।११२;
 ४।१६ पडिच्छाहि ज ३।७६, १२८, १५१
 पडिच्छण (प्रतिच्छन्न) ज २।८, ६, १३
 पडिच्छमाण (प्रतीच्छत्) ज २।६५; ३।१८, ३१,
 १८०, १८६, २०४
 पडिच्छायण (प्रतिच्छादन) ज ४।१३ सू २०।७
 पडिच्छित्ता (प्रतीष्य) ज ३।७६ उ १।३३
 पडिच्छिय (प्रतीष्य) उ ३।१३८
 पडिजागरमाण (प्रतिजाग्रत्) ज ३।२०, ३३, ८४,
 १८२, १६० उ १।६५ १०५
 पडिण (प्रतीचीन) सू १।१६
 पडिणिकास (प्रतिनिकास) ज ३।६५, १५६
 √पडिणिकखम (प्रति + निर् + क्रम्) पडिणिकखमइ
 ज ३।५, १२, १४, १७, २१, २८, ३०, ३४, ४१, ४३,
 ४६, ५१, ५८, ६०, ६६, ६८, ७४, ७७, ८४, ८५,
 १३६, १३६, १४०, १४७, १४६, १६८, १७२,

१७७, १८७, १८८, १९९, २१४, २१८, २१९,
 २२२, २२४; ५१२३ पडिणिकखमति ज ३१८,
 १५३; ५१७३ पडिणिकखमेति ज ३१३
 पडिणिकखमिता (प्रतिनिष्क्रम्य) ज ३१५
 पडिणिकखमेता (प्रतिनिष्क्रम्य) ज ३१३
 पडिणियत (प्रतिनियत) ज ३१८
 पडिणिव्युड (प्रतिनिवृत्त) ज २१६८
 पडिणीय (प्रत्यनीक) ज २१२८ सू २०१६२
 पडिदिति (प्रतिदिशु) सू २०१२
 पडिदुवार (प्रतिद्वार) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१७,
 १८३
 √पडिणिकखम (प्रति+ निरु+ क्रम्) पडिणिकखमइ
 उ १४२; ३१४६; ४११२ पडिणिकखमति
 उ १४५; ३१४५ पडिणिकखमति उ ३१२९
 पडिणिकखमह उ ११२१
 पडिणिकखमिता (प्रतिनिष्क्रम्य) उ १४२; ३१२९;
 ४११२
 पडिणिगच्छिता (प्रतिनिगत्य) उ ११२४; ५११९
 √पडिनियत्त (प्रति+ नि+ वृत्) पडिनियत्तति
 प ३६१८८
 पडिनियत्तित्ता (प्रतिनिवृत्य) प ३६१८८
 पडिपाति (प्रतिपानिन्) प २३१३४, १३५, १३८,
 १४०, १४२, १४३, १५१ से १५५, १५७, १६०,
 १६१, १६४, १६६ से १६८, १७१ से १७३
 पडिपाद (प्रतिपाद) ज ४१३३
 पडिपुच्छण (प्रतिप्रच्छन) उ १११७
 पडिपुच्छणिज्ज (प्रतिप्रच्छनीय) उ ३१११
 पडिपुण्ण (प्रतिपूर्ण) प २११७४ ज २११५, ७१,
 ८५; ३१११७, १६७१२, २०९, २२३, २२५;
 ५१५६, ७११७८
 पडिपुण्णचंद (प्रतिपूर्णचन्द्र) प २१५४, ६०; ३६१८१
 ज ११७ सू १११४
 पडिबंध (प्रतिबन्ध) ज २१६९ उ ३११०३, ११२,
 १३६, १४८; ४१११
 पडिबुड (प्रतिबुड) उ ११३३; २१८; ५१३३

पडिबोहण (प्रतिबोधन) ज ५१२६
 पडिमंजरी (प्रतिमंजरी) ज ७१२१३
 पडिमोयण (प्रतिमोचन) ज २१२२
 पडिय (पतित) उ ३१३१, १३४; ४१९
 पडियाइक्खय (प्रत्याख्यात) ज ३१२२४
 √पडियागच्छ (प्रति+ आ+ गम्) पडियागच्छइ
 सू २११
 पडियागच्छिता (प्रत्यागत्य) सू २११
 पडिरह (प्रतिरथ) उ ११२२, १४०
 पडिरुव (प्रतिरूप) प २१३० से ३२, ३४, ३५, ३७,
 ३८, ४१ से ४३, ४५; ४५११, २, ४६, ४८ से ५२,
 ५८ से ६१, ६३, ६४ ज ११८ से १०, २३, २४,
 २६, ३१, ३५, ४२, ५१; २१२२, १४, १५; ३११,
 १९५; ४११, ३, ९, १३, २५, २७ से ३०, ३३, ४९,
 १४६, १७८, २०३; ५१३१, ३३, ३४, ६२ सू १११;
 १८८ उ ५१४ से ६
 पडिरुवम (प्रतिरूपक) ज ३११९५; ४१४, ५, २६,
 २७, ८९, ११८, १४४, २४६; ५१३०, ३१, ४६, ६७
 पडिरुवय (प्रतिरूपक) ज ३११९५, २०४ से २०६,
 २१४, २१६; ५१४१, ४२, ४४, ४५
 पडिरुविय (प्रतिरूपित) ज ३१२०
 √पडिलाम (प्रति+ लाभ्यु) पडिलामेइ उ ३१३३४
 पडिलाभेता (प्रतिलाभ्य) उ ३११०१
 √पडिलेह (प्रति+ लिख्) पडिलेहेइ ज ३१२२४
 पडिलेहिता (प्रतिलिख्य) ज ३१२२४
 पडिलोम (प्रतिलोम) ज २१६, ६७
 पडिलोमच्छाया (प्रतिलोमच्छाया) सू ६१४
 पडिवक्ख (प्रतिपक्ष) प ५१२२६
 √पडिवज्ज (प्रति+ पद्) पडिवज्जइ प ३६१९२
 उ ३११०४; ५१२० पडिवज्जति सू ८११
 पडिवज्जाहि उ ३१११५ पडिवज्जिसु
 ज २१५१, ५४, १२१ पडिवज्जिस्सइ
 ज २१२२६, १३०, १३८, १४०, १४९, १५४, १६०,
 १६३; ३१३३४
 पडिवज्जितए (प्रतिप्रत्तुम्) प २०११७, १८, ३४
 उ ३११११

पडिवज्जिता (प्रतिपद्य) ३।४५, १०४, १४३; ५।२०
पडिवडितसम्महिट्ठि (प्रतिपतितसम्पत्कृष्टि)

प ३।१८३

पडिवण्ण (प्रतिपन्न) प ३६।६२ ज ३।१४, २६,
३०, ३६, ४३, ४७, ५१, ५६, ६०, ६४, ६८, ७२,
११३, १३०, १३६, १३८, १४०, १४५, १४६,
१७२ सू ८।१ उ ३।६६, ७६

पडिवत्ति (प्रतिपत्ति) चं ६ सू १।७।३, १।८।१, २,
३, १।२० से २३, २५, २६; २।१ से ३; ३।१; ४।२,
३; ५।१; ६।१; ७।१; ८।१; ९।१ से ३; १०।१,
१३१; १७।१; १८।१; १९।१; २०।१, २ उ १।११६

पडिवया (प्रतिपत्) ज २।१३८

पडिवा (प्रतिपत्) ज ७।१२५

पडिवाइ (प्रतिपातिन्) प ३३।१।१, ३३।३।५

पडिवात्ति (प्रतिपातिन्) प १।११४

पडिवादिवस (प्रतिपत्दिवस) ज ७।११६ सू १०।८५

पडिवाराइ (प्रतिपत्त्रात्रि) ज ७।११६

पडिचारारति (प्रतिपत्त्रात्रि) सू १०।८७

पडिवालेमाण (प्रतिपालयत्) उ १।१३३

√पडिविसज्ज (प्रति + वि + सज्ज्) पडिविसज्जइ
उ ३।१०४ पडिविसज्जेइ ज ३।६, २, ७, ४०,
४८, ५७, ६५, ७३, १२७, १३४, १३६, १४६, १५२,
१७१, १८६, २१६ उ १।१०६; ३।१३७

पडिविसज्जिय (प्रतिविसर्जित) ज ३।१७१
उ १।३३, ११०

पडिविसज्जेत्ता (प्रतिविसर्ज्य) ज ३।६

पडिसंखेमाण (प्रतिसंक्षिपमाण) ज ५।४४

√पडिसंवेद (प्रति + सं + वेद्) पडिसंवेदेति
प १।५।३८

पडिसत्तु (प्रतिगतु) ज ३।१३५।१

√पडिसाहर (प्रति + सं + हृ) पडिसाहरइ ज ५।६७
पडिसाहरंति ज ३।१२५ पडिसाहरति
प ३६।८५

पडिसाहरित्ता (प्रतिसंहृत्य) प ३६।८५ ज ३।१२५

पडिसाहरेमाण (प्रतिसंहर्त्) ज ५।४४

√पडिसुण (प्रति + श्रु) पडिसुणंति ज ५।७३

पडिसुणेइ ज ३।१६, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४,

१००, १४२, १६५, १८१; ५।२३, ६६ उ १।५५;

३।१४० पडिसुणेति ज ३।८, १३, १०७, ११३

१८६, १६२ उ १।४५ पडिसुणेमि उ १।८३

पडिसुणेत्ता (प्रतिश्रुत्य) ज ३।८ उ १।४५

पडिसेविय (प्रतिसेवित) ज २।७१

√पडिसेह (प्रतिषेध) प ६।७४ से ७८, ८०, ११०;
२०।२५

√पडिसेह (प्रति + सेध्) पडिसेहेइ ज ३।११०
पडिसेहेति ज ३।१०८

पडिसेहित्ण (प्रतिषेध्) ज ३।११५, १२४, १२५

पडिसेहित्ता (प्रतिषिद्धः) उ १।११६

पडिसेहिय (प्रतिषिद्ध) ज ३।६५, १०६, १११, १५६
उ १।२७

पडिसेहेयव्व (प्रतिषेधव्य) प ६।६८; १०।६ से ६

पडिस्सुइ (प्रतिश्रुति) ज २।५६, ६०

√पडिहण (प्रति + हन्) पडिहणंति सू ५।१

पडिहत्त (प्रतिहत्) प २।६४।२, ३ ज ४।२५

पडिहत्ता (प्रतिहत्ता) सू ६।४

पडिहय (प्रतिहत्) चं २ सू १।६; ५।१

पडीण (प्रतीचीन) प २।१०, ५० से ६२ ज १।१८,

२०, २४, ३।१; ४।१, ३, ५६, ६८, ६८, १०३, १०८,

१४१, १६२, १६७, १६६, १७८, १८५, १८७,

१६१, २००, २०३, २४५, २५१; ७।१०१

सू १।१६; २।१

पडीणउडीण (प्रतीचीनोदीचीन) सू ८।१

पडीणवाय (प्रतीचीनवात) प १।२६

पडीणा (प्रतीची) ज १।१८, २०, २३, २५,

२८, ३२, ४८; ३।१; ४।१, ३, ५५, ६२, ६६, ६८,

६८, १०३, १०८, १७२, २०५, २१४, २४६,

२५२, २६२, ३६८

पडु (पटु) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज १।४५; ३।८२,

१८५, १८७, २०६, २१८; ५।१, १६; ७।५।

५८, १८४ सू १।८।३; १६; १६।२३, २६

पङ्क्त (प्रतीक) प १७४; २१७; ६६३; ८४६, ६, ८, १०; ११४६, ५३, ५५, ५७, ५९; १४५; १८१; २१६५; २३६३, १७९; २८६, ९, २० २६, ३१, ५२, ५५, ६८ से १०१ ज ४५४ नू ६१२

पङ्क्तकञ्च (प्रतीक कञ्च) प ११३३, ११३३१

पङ्क्तपण (प्रत्युत्पण) प १२१२, ३२, ३८

ज ७३६, ५२ सू १२७

पङ्क्तपणभाव (प्रत्युत्पणभाव) प २८६८ से १०१

पङ्क्तपणवयण (प्रत्युत्पणवयण) प ११८६

पङ्क्तनृया (प्रतिश्रुत्) ज ५२५

पङ्क्तोद्यार (प्रत्युत्पणोद्यार) प ३०२५, २६ ज १७, २१,

२२, २६, २७, २९, ३३, ४६, ५०; २१७, १४, १५,

२०, ५२, ५६, ५८, १२२, १२३, १२७, १२८, १३१,

१३२, १३३, १३६, १४७, १४८, १५०, १५१,

१५६, १५७, १५९, १६४; ४५६, ८२, ९९ से

१०१, १०६, १७०, १७१

पङ्क्तोल (पङ्क्तोल) प १३३२, १४०१, १४८४८

पङ्क्तम (प्रथम) प ११०३, १०६, १०७, १०९, ११०,

११३, ११४, ११६, ११९, १२०, १२२, १२३;

२३१; ६८०१; १०१४१ से ३; १२१२,

१६, ३१, ३२; २२३३, ४१; ३६८५, ८७, ९२

ज २५५, ५६, ६३, ६४, १२८, १५५ से १५८;

३३०, १३५, २१७; ४१४२३, १५३, १५४,

१८०; ७१८, २०, २३, २६, २८, ९७, १०१, १०६,

१५६, १६०, १६४ ज ३३ सू १७, १३, १४,

१६, २१, २४, २७; २३; ६१; ८१; १०६३,

६७, ७७, १२७, १३८, १३९, १४३, १४४, १४८,

१५०, १५२; ११२, ३; १२२, १९, २०, २४;

१३१, ७, २, १०; १४३, ७ उ १६ से ८, ६३,

१४२, १४३, १४८; २११, ३, १४, १५, २२; ३३,

१९, २० ५०, ५१; ७३, २७; ५३, ४४

पङ्क्तनरीसर (प्रथमनरीसर) ज ३१२६३

पङ्क्तमता (प्रथम) प १४८५१

पङ्क्तमया (प्रथम) ज ३१२११; ४१८०, ५५८

सू १०५

पण (पञ्चन्) सू १०५७

पणगजोव (पनकजोव) प ३६१६२

पणगमत्तिया (पनकमृत्तिका) प ११९

√पणचव (प्र+नृत्) पणचवति ज ५५७

पणटठ (प्रनट) प १४८३६

पणतालीस (पञ्चवत्वारिंशत्) प १८४

सू १६१२०

पणतीस (पञ्चत्रिंशत्) सू १२०

पणतीसतिभाग (पञ्चत्रिंशत्भाग) प २३८६, ८८,

९५ से ९८; ११८, १५१

पणपण (दे० पञ्चपञ्चाशत्) प ४२८ ज ४१७२

सू १२७

पणय (दे०) प १४६, १४८१, १६५ ज २१३३

पणय (प्रणत) ज ३८१, १०९

पणयबहुल ('पनक' बहुल) ज २१३२

पणयाल (पञ्चवत्वारिंशत्) ज ७१३४ सू १२१

पणयालीस (पञ्चवत्वारिंशत्) ज १६ सू ४३

उ ५२८

पणव (प्रणव) ज ३१२, ७८, १८०, २०९; ५५

पणवण (पञ्चपञ्चाशत्) ज ४५५

पणवर्णय (पणपन्निक) प २४१

पणवन्निय (पणपन्निक) प २४७१

पणवीस (पञ्चविंशति) प २२२ ज १२३

सू १२१

पणवीसतिविध (पञ्चविंशतिविध) सू ६४

पणाम (प्रणाम) ज ३५, ६, १२, ८८

√पणाव (प्र+नाम्य) पणावेइ उ १११६

पणावेहि उ १११५

पणावेत्ता (प्रणाम्य) उ १११५

पणासित (प्रणाशित) सू २०७

पणिघाय (प्रणिघान) प १७१११ सू ६१

पणिय (पणिन) ज २२३

पणिवह्य (प्रणिपतित) ज ३१२५

पणिवय (प्र+णि+पत्) पणिवयामि ज ३२४१,

१३११

१. पनकः प्रतलः कर्दमः—टीका

पणिहाय (प्रणिघाय) प १७।१०६ से १११

ज ४।५४,८०; ७।२७,३० सू १।१४,२४

पणुवीस (पञ्चविंशति) प ४।२७३ उ ३।७

पणुवीसइस (पञ्चविंशतितम) प १०।१४।३

पण्णट्ठ (प्रणष्ट) ज ३।३

पण्णट्ठ (पञ्चषष्टि) ज ७।६५,६६

पण्णट्ठि (पञ्चषष्टि) ज ४।१६५ सू १०।१५२

पण्णत्त (प्रणप्त) प १।१ ज १।७ सू १।१४ उ १।४

पण्णत्तर (पञ्चसप्तति) ज ४।४५

पण्णत्तरि (पञ्चसप्तति) ज ४।१४२

पण्णत्ति (प्रणप्ति) सू २०।६।१ उ ३।१६०

पण्णर (पञ्चदशन्) प १०।१४।४,५

पण्णरस (पञ्चदशन्) प १।७४ ज १।२३ सू १।१३

पण्णरसइ (पञ्चदशन्) सू १।६।२।१६

पण्णरसत्ति (पञ्चदशन्) सू २०।३

पण्णरसम (पञ्चदश) ज ७।६७ सू १०।७७;

१।२।६; १।३।१, १०।६; १।४।३, ७; १।६।२, २,

२०।३

पण्णरसविह (पञ्चदशविध) प १।८८; १।६।१, २;

८, १८, १६

पण्णरसो (पञ्चदशी) सू १०।६०; १।३।१; १।४।३, ७

पण्णरसोदिवस (पञ्चदशीदिवस) ज ७।१।६

सू १०।८५

पण्णरसोराइ (पञ्चदशीरात्रि) ज ७।१।६

पण्णरसोरान्ति (पञ्चदशीरात्रि) सू १०।८७

√पण्णव (प्र + ज्ञापय्) पण्णवेइ ज ७।२।४

उ १।६८ पण्णवेहिंति सू १।६।२।३

पण्णवणा (प्रज्ञापना) प १।१।२, ४, ४६, १३८;

२८।६८ से १०१ उ ३।१०६

पण्णवणी (प्रज्ञापनी) प १।१।४ से १०, २६ से २६,

३७।१, ८७

पण्णवित्तए (प्रज्ञप्तुम्) उ ३।१०६

पण्णवीस (पञ्चविंशति) प २।२७।४

पण्णा (दे०) प २।४०।३ ज ५।४६

√पण्णा (प्र + ज्ञा) पण्णायए ज ७।१६६

पण्णावग (प्रज्ञापक) ज ३।६५, १५६

पण्णास (पञ्चाशत) प २।५५ ज १।२३ सू १।२।३,

८ उ ५।१३

पण्हय (प्रसन्न) उ ३।६८

√पतणतण (प्र + तनतनाय्) पतणतणाइस्सइ

ज २।१४१, १४५ पतणतणावन्ति ज ३।१।५;

५।७

पतणतणाइत्ता (प्रतनतनाय्) ज २।१४१

पतर (प्रतर) प १।२।१२, १६

√पतव (प्र + तम्) पतवन्ति ज ५।५७

√पताव (प्र + तापय्) पतावन्ति सू ६।१

पतिट्ठय (प्रतिष्ठित) प १।४।३

पतिसम (प्रतिगम) ज ३।६२, ११६

पत्त (प्राप्त) प २।६४।२०; ६।६८; ८।१।७२; २।३।१३

से २३; ३।६।४।१ ज २।८५; ३।२६, ३६, ४७,

१२२, १२६, १३३; ४।७ उ ३।८५, ६८, १०६,

१२२, १५०, १६१; ४।२५; ५।२३, २८, ३१, ३६,

४१

पत्त (पत्र) प १।३५, ३६, ४७।१, १।४।८।६, १६, २६,

३६, ४५, ४७, ४६, ५१, ६३ ज २।८, ६, १२, १५,

६८, १४५, १४६; ३।१।१३, ३।१२, ८८, ६८,

१०६; ४।३, २५; ५।५, ५८; ७।१।७८ उ ३।५०,

५१, ५५

पत्त (प्राप्त, पात्र) उ १।१२८

पत्तउर (पत्तूर) प १।३।७।३

पत्तकयवर (पत्रकववर) ज २।३६

पत्तच्छण (पत्राच्छन्न) ज २।१२

पत्तट्ठ (दे०) ज ५।५

पत्तपुड (पत्रपुट) ज ४।१०७

पत्तल (पत्रल) ज २।१५; ३।१०६; ७।१।७८ चं १।१

पत्त (वासा) (पत्रवर्षा) ज ५।५७

पत्तविच्छुय (पत्रवृत्तिवृत्त) प १।५१

पत्तामोड (पत्रामोट) उ ३।५१

पत्तासव (पत्रासव) प १।७।१३४

पत्ताहार (पत्राहार) प १।५० उ ३।५०

पत्तिय (पत्रित) उ ३।४६

- ✓ पत्तिय (प्रति + इ) पत्तिएज्जा प २०११७,
१८,३४ पत्तिमामि उ ३११०३
- पत्तेय (प्रत्येक) प ११४८१/१,४७,४६,६०; २१४८;
६११८; ६१४; १०१४; १६१४ ज ११४६;
३१२०६; ४१४, २७, ११०, ११४, ११६, ११८,
१२२, १२४, १२८, १३६; ५११ से ३, ५, ७, ३१,
४२, ५६ उ ११२१, १२२, १२६
- पत्तेयजीय (प्रत्येकजीव) प ११४८६
- पत्तेयजीश्रिय (प्रत्येकजीवित) प ११३५, ३६
- पत्तेयबुद्धसिद्ध (प्रत्येकबुद्धसिद्ध) प १११२
- पत्तेयसरीर (प्रत्येकसरीर) प ११३२, ३३, ४७;
४७२, ३; ३१७२ से ७४, ८१, ८४ से ८७, ६५,
१८३; १८४४, ५२
- पत्तेयसरीरनाम (प्रत्येकसरीरनामन्) प २३१३८,
१२१
- पत्थ (मथ्य) ज ४३, २५
- पत्थड (अस्तट) प २११, ४, १०, १३, ४८, ६० से ६२
ज ४१४६
- पत्थाइत्तए (प्रस्थातुम्) उ ३१५५
- पत्थान (प्रस्थान) उ ३१५१, ५३, ५५
- पत्थिज्जसाण (प्रार्थ्याणान) ज २१६५; ३११८६, २०४
- पत्थिय (प्रार्थित) ज ३१२६, ४७, ५६, ८७, १२२,
१२३, १३३, १४५, १८८; ५१२२ उ ११५५, ५१,
५४, ६५, ७६, ७६, ६६, १०५; ३१२६, ४८, ५०,
५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५१३६, ३७
- पत्थिय (प्रस्थित) उ ३१५१, ५३, ५५
- पत्थिव (पार्थिव) ज ३१३
- पद (पद) प १११०११७; १२१३२; १८११२;
२८१४५; ३६१७२ ज ३१३२ सू १०६३ से ७४
- पदाहिण (प्रदक्षिण) सू १६१२२१०, ११; १६१२३
- ✓ पदीस (प्र + दृश्) पदीसई प ११४८११० से
१७, १६ से २३ पदीसए प ११४८१११ से १३
पदीसति प ११४८१२५ से २६ पदीसती
प ११४८११८, २४
- पदेस (प्रदेश) प ११३, ४; २६४११, ११; ३११२४,
१८०, १८२; ५११२४, १२५, १३१, १६१, १७७,
१७६, १६३, २१६, २१८; १०१२, ४, ५, १८, १६,
२१ से २३, २५, २६; १२१३०, ५३, ५७;
१७११४११; २२१५८, ७६; २८५५, ५१ ज २१६५;
४१४३ सू १६१२६
- पदेसघण (प्रदेशघन) प २१६४१५
- पदेसट्ठता (प्रदेशार्थ) प ३१११६ से १२०, १२२
- पदेसट्ठया (प्रदेशार्थ) प ३१११५, ११६, १२०, १२२,
१७६ से १८२; ५१५, ७, १०, १४, १६, १८, २०, ३०,
३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६, ५६, ६३, ७१,
७४, ८३, ८६, ९३, ९७, १०१, १०४, १०७, १११,
११६, १२६, १३१, १३४, १४५, १६६, १७२,
१७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १९०, २०३,
२०७, २११, २२४, २२८, २३२, २३४, २३७,
२३६; १०१३, ४, ५, २६, २७; १७१४४, १४६;
२१११०४
- पदेसणामणिहत्ताउय (प्रदेशनामनिधत्तायुष्क)
प ६१११८
- पदेसणामनिहत्ताउय (प्रदेशनामनिधत्तायुष्क)
प ६१११६, १२२
- ✓ पधार (प्र + धृ) पधारैइ ज ५१७२, ७३
पधारैति प २२१४
- पघोत (प्रघोत) ज ३११०६
- पन्नरस (पञ्चदशान्) प ११८४
- पन्नरसविह (पञ्चदशविध) प १११२; १६१३६
- पप्य (प्राप्य) प १६१४६; १७११५ से १२२,
१४८, १५४; २३१३३ से २३; २८१०५;
३४११६
- पप्यडमोदय (पर्यटमोदक) प १७१३३
- पप्यडमोयय (पर्यटमोदक) ज २११७
- पपफुल (प्रफुल्ल) ज ४१३, २५
- पभट्ट (प्रभ्रष्ट) ज ३११२, ८८; ५१७, ५८
- पभार (प्राग्भार) प २११ ज ३१८८, १०६
उ ११२७, १४०; ५१५
- पभंकर (प्रभङ्कर) सू २०१८, २०१८७
- पभंकरा (प्रभङ्करा) ज ४१२०२; ७११८३

सू १८२१, २४; २०६
 पञ्चजन (प्रभञ्जन) प २४०७
 पञ्चगव्य (प्रभणित) उ ३१८
 पञ्चव (प्रभव) प ११३०२
 √पञ्चव (प्र+भू) पञ्चवति प ११३०१
 पञ्चा (प्रभा) प २३०, ३१, ४०१०; २४१, ४६
 ज ३३५; २११; ४२२, ३४, ६०, २७२; ५१८,
 ३२
 पञ्चाव (प्रभाव) ज ३६५, १५६, २२१
 पञ्चावई (प्रभावती) उ १३३
 पञ्चावणा (प्रभावना) प ११०११४
 पञ्चास (प्रभास) ज ४२७२; ६१२ से १४
 √पञ्चास (प्र+भाष्) पञ्चासति ज ४२११
 √पञ्चास (प्र+भास्) पञ्चासति ज ७१
 पञ्चासिमु ज ७१ सू १६१६ पञ्चासिस्मृति
 ज ७१ सू १६११ पञ्चासिस्ति ज ७५१, ५८
 सू १६११ पञ्चासिस्सु सू १६११ पञ्चासिस्ति सू १६११
 पञ्चासंत (प्रभासमान) सू १६११२
 पञ्चासतित्थ (प्रभासतीर्थ) ज ३४३, ४४, ४६
 पञ्चासतित्थाधिपति (प्रभासतीर्थाधिपति) ज ३४६
 पञ्चासतित्थाहिबइ (प्रभासतीर्थाधिपति) ज ३४७
 पञ्चासतित्थकुमार (प्रभासतीर्थकुमार) ज ३४७ से
 ४६, ५१
 पञ्चासेमाण (प्रभासमान) प २३० से ३३, ३५, ३६,
 ४१, ४८ से ५२, ५८
 पञ्चिइ (प्रभृति) ज २१४६; ३५६, १७८, १८६,
 १८८, १८६, २००, २१०, २१६, २१६, २२१
 उ ३१०१; ५१०, १७, १६, ३६
 पञ्चिति (प्रभृति) ज ३१० सू १६२२२५
 पञ्चु (प्रभृ) ज ५१५, ४६; ७१८३, १८४, १८५
 सू १८ से २३ उ ५३२
 पञ्चुय (प्रभृत) ज ३५१, १०३, १६७१४; ५१७
 √पञ्चज (प्र+मृज्) पञ्चजइ ज ३१२, २०, ३३,
 ५४, ६३, ७१, ८८, १३७, १४३, १६६

पञ्चिजिता (प्रमृज्) ज ३१२
 पञ्चत्त (प्रमत्त) प १७३३; २१७२ ज ५२६
 पञ्चत्तसंजत (प्रमत्तसंयत) उ ६१६८
 पञ्चत्तसंजय (प्रमत्तसंयत) प ६१६८; १७२५; २२६१
 पञ्चद (प्रमर्द) ज ७१२६ सू १०७५ उ ११३६
 पञ्चहण (प्रमर्दन) ज ५१५
 पञ्चाण (प्रमाण) प ११०११६; १२१२, ३८;
 १५१०, २३; २११११, २११८४, ८६, ८७, ६०
 से ६३; ३०२५, २६; ३३१३; ३६१५६, ६६, ७०,
 ७४ ज १३२, ३५, ४१; २४; ६१, १५, १३३,
 १३८, १४१ से १४५; ३१०६, ११७, १३८,
 १६७३; ४१, ६, २५, ६४, ७०, ७६, ८६, ६०,
 १०६, १२३, १३३, १३६, १४०२, १३४ से १६०,
 १६२ से १६५, १७४, १७५, १६४, २०२, २२२११,
 २३५, २३६, २४६, २५०, २५१; ५४६, ४६;
 ७३५, १६८२, १७८ सू १२७; २३; ४६
 उ ११३८; ३१११
 पञ्चाणभूय (प्रमाणभूत) उ ३११
 पञ्चाणमित्त (प्रमाणमात्र) ज ३६५, ११५, ११६,
 १५६; ५३८
 पञ्चाणमेत्त (प्रमाणम.त्र) ज १४०; २१३३, १३४,
 १४१ से १४५; ३१२६, ८८, ६२, ११६, ११६,
 १२२, १२४; ४१०; ५३, ५८; ६३
 पञ्चाणसंवच्छर (प्रमाणसंवत्सर) ज ७१०३, १११
 सू १०१२५, १२८
 पञ्चुइय (प्रमुदिन) प २४१ ज १२६; २४५; ३११,
 १२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १४७, १८८,
 २१२, २१३ सू १११
 पञ्चुह (प्रमुख) ज ७१७८ सू २०८; २०८५
 पञ्चुय (प्रमोद) ज ३२१२, २१३, २१६
 पञ्चह (पञ्चमन्) प २४६; ४२०६, २१०, २१२;
 २१२१
 पञ्चह (पद्म) ज १५, २५१
 पञ्चकूड (पञ्चकूट) ज ४१८४ से १८७, २१०
 पञ्चगंध (पद्मगंध) ज २५०, १६४; ४१२०६, २०५

पम्हगावई (पक्षमावती) ज ४१२१२, २१२११
 पम्हल (पक्षमल) ज ३१६, २११, २१२; ५१५८
 पम्हलेस (पद्मलेख) प १७१६८
 पम्हलेसट्ठाण (पद्मलेख्यास्थान) प १७१४६
 पम्हलेसा (पद्मलेखा) प १७११२१
 पम्हलेस्स (पद्मलेखा) प ३१६६; १३१२०; १६१४६;
 १७१३५, ५६, ६४, ६६ से ६८, ७१, ७३, ७६ से
 ८१, ८३, ८४, ११२, १६७, १८१७३; २८११२३
 पम्हलेस्सट्ठाण (पद्मलेख्यास्थान) प १७१४६
 पम्हलेस्सा (पद्मलेखा) प १६१४६; १७१३५, ३६,
 ५४, ११७, ११८, १२१, २२५, १२७, १२६, १३४,
 १३७, १४४, १५३ से १५५
 पम्हलेस्सापरिणाय (पद्मलेख्यापरिणाम) प १३१६
 पम्हावई (पक्षमावती) ज ४१२०२१२, २१२
 पय (पद) प ११०११७; २२१४५; २३१४६;
 २८११२; २८११२३; ३६१६६, ७२ ज ३१६, १२,
 ८८, १५५, १६७१७; ५१२१, ५८; ७१५६ से
 १६७ उ ३१०१, १३४
 पयंग (पतङ्ग) प १५१११
 पयग (पतग, पदक) ज २१४१, २१४७१
 पयडि (प्रकृति) प २३१११
 पयणु (प्रयणु) ज २१२६
 पयत (पतग, पदग) प २१४७३
 पयत (प्रयत) ज ३१२२८८; ५१५८
 पयस्त (प्रयुक्त) ज ५१२४, २७
 पययपइ (पतगपति, प्रदगपति) प २१४७३
 पयर (प्रतर) प ११४८६०; १२१८, २७, ३६, ३७
 पयरग (प्रतरक) ज ३१०६; ५१३८, ६७
 पयरय (प्रतरक) प ११७५
 पयराभेद (प्रतरभेद) प १११७५, ७६
 पयराभेय (प्रतरभेद) प ११७३
 पयला (प्रचला) प २३१४
 पयलाइय (दि०) प ११७६
 पयलापयला (प्रचलाप्रचला) प २३१४
 पयलिय (प्रचलित, प्रगलित) ज ३१६; ५१२१

पयल (प्रकल्प) मू २०१८, २०१५
 पया (प्रजा) ज २१६४; ३११५५, २०६
 √पया (प्र+जन्) पयाएज्जा उ ३१०१ पयामि
 उ ११७८; ३१६८ पयाहिइ उ ३१३६
 पयात (प्रयात) ज ३१४४, १५, ३१, ४३, ४४, ५१,
 ५२, ६०, ६१, ६८, ६६, १३०, १३१, १३६,
 १३७, १४०, १४१, १४६, १५०, १७३
 पयाय (प्रयात) ज ३१३०, १४६, १६७, १७२
 पयाय (प्रजात) उ १५३; ३१३४
 पयायमाण (प्रजनयत्) उ ३१२६
 पयार (प्रचार) ज २१३१
 पयालवण^१ (प्रयालवण) ज २१६
 पयावइ (प्रजापति) ज ७१३०, १८६३
 पयावइदेवया (प्रजापतिदेवता) मू १०१३
 पयाहिण (प्रदक्षिण) ज ११६; २१६०; ३१५; ५१५,
 ४४, ४६ उ ११६, २१; ३११३; ४१३
 पयाहिणावत्त (प्रदक्षिणावर्त) ज २११५; ७१५५
 पयोहर (पयोधर) ज २११५
 पर (पर) प ११०११४; २१६३; ३१३६; ६१८०२;
 १४१३; २२१४ से ६; २३११३ से २३ सु ११६;
 ६११; १३१२, १४ से १७
 पर (परं) प ११८६
 परंगणय (पर्यङ्गत) उ ३१३०
 परंपर (परम्पर) प २०१६ से ८ ज ७१४२
 परंपरगत (परम्परगत) प २१६४२१
 परंपरसिद्ध (परम्परसिद्ध) प ११११, १३; १६१३५,
 ३७
 परंपरा (परम्परा) उ १११११, ११२
 परंपराघाय (परम्पराघात) प ३६१६४, ७८
 परंपरोगाह (परम्परावगाह) प १११६३
 परंपरोयवणग (परम्परोयवणक) प १५१४६;
 ३४१२
 परकम (पराक्रम) प २३११६, २० ज २१५१, ५४,
 १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४,
 १. पित्राववण इति कल्पनापि जाते ।

१६०, १६३; ३३, ७७, १०६, १११, १२६, १२६,
१८८; ७११७८ सू २०११
परकममाण (पराक्रममाण) उ ३१३०
परघर (परगृह) उ ५१४३
परदृष्टाण (परस्थान) प ६१६३; १५११२१; ३६१२०,
२४, २७, ४७
परपरिवाय (परपरिवाद) प २२१२०
परपुट्ट (परपुण्ड) प १७११२३
परभवियाजय (परभविकायुष्क) प ६१११, ११४
से ११६
परम (परम) प २१२० से २७; २३११६६ ज २१४,
६६, ७१, १३३; ३३, ५, ६, ८, १५, १६, ३१, ५३,
६२, ७०, ७७, ८१, ८२, ८४, ९१, १००, ११४,
१४२, १६५, १७३, १८१, १८६, १९६, २१३;
५१२१, २७ उ ११२१, ४२; ३५१, ५६, १३०,
१३१, १३४, १४४
परमत्य (परमार्थ) प ११०११३
परमाणु (परमाणु) प १०१४११ ज २६३
परमाणुपोषण (परमाणुपुद्गल) प ११४; ३१७६,
१८२; ५१२५, १२७ से १२६, १७३, १७४, १८६,
१९०, २०२, २१०, २११, २२६; १०६; १६३४,
३६, ४३; ३०१६, २८
परलोय (परलोक) ज २१७०
परवस (परवश) उ ३११२६
परसु (परशु) उ १२३, ८८, ८९, ९१
परस्सर (पराशर) प १६६; ११२१ ज २१३६
परस्सरी (पराशरी) प ११२३
परहुय (परभृत) ज ३१२४
पराघायणाम (पराघातनामन्) प २३३८, ५३, ११०
√पराजय (परा + जि) पराजिणिसिद्ध उ ११५
परामुट्ट (परामृष्ट) ज ३१७६, ८०, ११६, ११८
√परामुस (परा + मृश्) परामुसिद्ध ज ३१२२, २३,
३७, ४५, ७८, ८८, ९४, ११६, ११७, ११६, १३१,
१३५ उ १२२
परामुसित्ता (परामुस्य) ज ३१२ उ १२२
√परावत्त (परा + वृत्) परावत्तेह ज ३१२८, ४१,

४६, १३५
परावत्तेत्ता (परावृत्त्य) ज ३१२८
√परिकह (परि + कथय्) परिकहेह उ ११२०; ४१४
परिकहेति उ ३१३५ परिकहेमो उ ३१०२
परिकहेह उ ११४२
परिकहण (परिकथन) उ ५११३
परिकहेडं (परिकथयितुम्) प २१६४१७
परिकिण (परिकीर्ण) उ ३१४१; ४१२, १३
परिखिल (परिखिप्त) ज ३१२२, २४, ३०, ३६, ७६,
७८, १७८; ४१११०, ११६, ११८; ५१२८, ४४
उ ११६१; ५११७
परिखेव (परिक्षेप) प २१५०, ५६, ६४; ३६१८१
ज ११७, १०, १२, १४, २०, २३, ३५, ४८, ५१;
२१६; ४१, २१, २५, ३१ ४०, ४१, ४५, ४८, ५३
से ५५, ५७, ६२, ६७, ६८, ७५, ७६, ८०, ८१, ८४,
८६, ९२, ९३, ९६, ९८, १०८, ११०, ११४, ११८,
१४३, १६५, २१३, २२६, २४१, २४२; ७१७, १४
से १६, ३१, ३३, ६६, ७३ से ७८, ९०, ९३, ९४,
९८ से १००, २०७ सू ११४४, १६, १७, १६, २१,
२४, २६, २७; २३; ३११; ४१४, ७; ६११; १०१३२;
१५१२ से ४; १८६; १६११, ४, ५११, ७, १०, १४,
१८, २०, ३०, ३१, ३४, ३५, ३७
परिगय (परिगत) ज ३३०, ११७; ४१२७; ५१२८
उ ५१५
परिगर (परिकर) ज ३१२४३, ३१; ३७११, ४५११,
१३१३
परिगायमाण (परिगायन्) ज ५१५, ७ से १२, १७
उ ३११४
परिग्रह (परिग्रह) प २२११८, १६ ज २१४६
परिग्रहसणा (परिग्रहसंज्ञा) प ८१, २, ४ से ११
परिग्रहिय (परिग्रहीत) प ४१२१६ से २२१, २३१
से २३३ ज २१५६; ३१५, ६, ८, १२, १६, २६,
३६, ४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७२, ७७, ८४, ८८,
९०, १००, ११४, १२६, १२७, १३३, १३८, १४२;
१४५, १५१, १५७, १६५, १७८, १८१, १८६,

२०५, २०६, २०६, ५१५, २१, ४६, ५८ उ १३६,
४५, ५५, ५८, ६४, ८०, ८३, ६६, १०७, १०८,
११६, ११८, १२२; ३११०६, १३८, १४८; ४११५;
५११७

परिगहिया (परिग्रहिकी) प १७१११, २२, २३,

२५; २२१६०, ६२, ६७, ७०, ७६, ६२, १०१

परिघट्ट (परिघट्ट) ज ४१२२८; ५१४३

परिछण (परिच्छन्न) ज २१२

√परिजाण (परि+ज्ञा) परिजाणइ उ १३८;

३१५८ परिजाणाइ उ १११०० परिजाणैति

उ ३१११८

परिजय (दे०) सू २०१२

परिणत (परिणत) प ११४ से ६, ११४८५६

√परिणम (परि+णम्) परिणमति व २८१२४

से २६, ३६, ४२, ४५, ४६, ७१, ७४, १०५; ३४१२०,

२२ से २४ ज ७११२११, ३, ५ सू १०१२२६११,

३, ५ परिणमति प १६४६; १७१११५ से १२२,

१३६, १४८ से १५२, १५४, १५५

परिणममाण (परिणमत्) ज ३१२१, ३४, ५५, ६४,

७२, ८५, ११२, १३८, १४६, १६८, १८३, १६१

उ ११६०

परिणय (परिणत) प ११४, ६ से ६ ज २१६; ५१४

उ ३१३८, ४०, १२७, १२८; ५१४३

परिणयन्व (परिणन्तव्य) ज २११३३

परिणाम (परिणाम) प १११५; १३११; १७१११४११,

१३६; २३११३ से २३, १६५, १६६ मे २०१

२८११११ ज २१६, १३१; ३१२२३; ७१३६११,

२११

√परिणाम (परि+णम्) परिणामैति प १७१२;

२८१२१, ३३, ६७

परिणामण्या (परिणामन्) प ३४११ से ३

परिणामिय (परिणामित) प २३११३ से २३

परिणामेमाण (परिणमत्) उ १४११, ४३

परिणाह (परिणाह) ज ४११०२

परिणिद्धिय (परिनिष्ठित) ज ३१३५

√परिणित्वा (परि+नि+वा) परिणित्वाति

ज ११२२, ५०; २१५८, १२३, १२८; ४११०१

परिणित्वाह प ३६८८ परिणित्वायति

प ६१११० परिणित्वाति प ३६१६२

परिणित्वाहिति ज २११५१, १५७

परिणित्वाण (परिनिर्वाण) ज २१११६

परिणित्वाड (परिनिर्वृत) ज २१६८; ३१२२५

परिणित्वाव्य (परिनिर्वृत) ज २१८५, ६०

परितंत (परितान्त) उ ११५५, ७७

परित्त (परीत) प ११४८२० से २६, ३४ से ३७,

४३, ५२, ५६; ३११२, १०६; १८११२, १०६;

सू १३१२; १४४, ८

परित्तमिस्सिया (परीतमिश्चिता) प ११३६

परित्तस (परिवास) ज २१७०

√परिघाव (परि+घाव्) परिघावैति ज ५१५७

√परिनिष्वा (परि+नि+वा) परिनिष्वाहिइ

उ ५१४३

परिनिष्वाड (परिनिर्वृत) ज २१८८, ८६

परिपीलइत्ता (परिपीड्य) प २८१२०, ३२, ६६

परिपीलिय (परिपीडित) ज २११३३

परिपुच्छणा (परिप्रच्छन्) ज ७११७८

परिभट्ट (परिभ्रष्ट) ज २१३३३

परिभाएत्ता (परिभाज्य) ज २१६४

परिभाएमाण (परिभाजयत्) उ ११३४, ४६, ७४

परिभाग (परिभाग) सू १०११७३

परिभुंजेमाण (परिभुञ्जान) उ ११३४, ४६, ७४

परिभुञ्जमाण (परिभुञ्जमान) ज ४११०७

परिभोगत्त (परिभोगत्व) ज २१२४, ३४, ३५, ३७;

७१२०२, २०४, २०७

परिमंडल (परिमण्डल) प ११४ से ६; १०११५ से

२४, २६ से ३०; ११२५; १३१२४ ज ५१५, ७,

२२ से २४

परिमंडिय (परिमण्डित) ज ११३७; ३११, ३५,

१०६, ११७, ११८, १७८; ५१४३; ७११७८

परिमाण (परिमाण) ज २१६; ४११६८, २४३

परियच्छिय (परिकक्षित) ज ५१४३

परिपण (परिजत) ज ३१८७
 √परिपर (परि+पर) परिपर उ ३११
 सू ११७१
 परिपाइता (पर्यादाय) प १६१२०
 परिपाइयण (परि+दान) प ३४११ से ३
 परिपय (पर्याय) उ २११२; ३११४, ८३, १२०,
 १५०, १६१; ४१२४; ५१२८, ३६, ४१, ४३
 परिपयय (पर्यायत) प १६५५
 परिपयण (परि+ज्ञा) परिपयण उ ३११०८
 √परिपादि (परि+आ+दा) परिपादियति
 ज ३११६२
 परिपादिता (पर्यादाय) ज ३११६२
 परिपयय (पर्याय) ज २१८३, ८४; ४१२७२ उ २१२२;
 ३११६६
 परिपययंतकरभूमि (पर्यायान्तकरभूमि) ज २१८४
 परिपययसंगइय (पर्यासाङ्गतिक) उ ३१५५
 परिपययण (परिचारण) प ३४११ से ३
 परिपययण (परिचारण) प ३४१२; ३४११ से ३,
 १७, १८
 परिपययणिडिड (परिचारणडिड) सू १८१२३
 परिपययणिडिड (परिचारणडिड) ज ७११८५
 परिपययणिय (परिचारित) प २१३१
 परिपययणिय (परिचारयत्) सू २०१२
 परिपययण (परिचार) ज २११३३; ५१२२, २६
 उ १११६, ६३, ६७; ६८, १०५ से १०७
 √परिपयय (परि+तापय्) परिपययति प ३६१६२
 परिपययण (पर्यापन्न) प १७११३३
 परिपययणय (पर्यापन्नक) प २१३, ६, १२, १५
 परिपयय (परिपय) ज ४११४२१, १५६१, २३४,
 २४०; ७११६, १६, ७५, ७८ सू ११२७; १८१६ से
 १३; १६१८१, ११११, १५११, २११२
 परिपययित (परिपययमान) ज २११२
 परिपययि (दि०) प ११३७५
 परिपययि (परिपययित) चं ११२
 परिपययिजय (परिपययित) उ ४१६
 √परिपययड (परि+वृध्) परिपययडिड

सू १६१२२११८ परिपययिजयति प ५११६१
 परिपययडिड (परिपययमान) प १११७२ ज ४१३६,
 ४३, ७२, ७८, ६५, १०२, १७८ उ ३१४६
 परिपययिडिड (परिपययि) ज २११३८, १४०, १४६,
 १५४, १६०, १६३
 परिपययडिड (परिपययमान) ज २११३८, १४०,
 १४६, १५४, १६०, १६३
 परिपयय (परिपययि) परिपययति ज ५१५७
 √परिपयय (परिपययि) परिपययति प २१३८
 ज ११४५, ४७, ३११२१; ४१५१, ५४, ६०, ६१,
 ६४, ८०, ८६, ९७, १०२, १०७, १६१, १६६,
 १८६, १६३, १६६, १६६, २०३, २०८, २१०,
 २६१, २६४, २६६, २६७, २७०, २७२, २७३,
 २७६; ७१२३३ उ ३१२८ परिपययि उ ३१५८;
 ४१७ परिपययति प २१२० से २७, ३० से ३६,
 ४१ से ४३, ४८, ४६, ५१ से ६४ ज ११२४, २६,
 ३१, ३१०३; ४११०२ परिपययति प २१३२, ३३,
 ३५, ३६, ३६, ४४, ५१, ५३ से ५५, ५७ से ५६
 परिपययति ज ३१२७ परिपययमानो ज ३१२६४
 परिपययण (परिपययन) ज २११६
 √परिपयय (परि+वृध्) परिपययति उ ११५०
 परिपययति ज ७११७८ सू १८११४ परिपययति
 सू १८११६ परिपययति उ ११७५
 परिपययि (परिपययि) प १५१५५; २३११०८
 परिपययणी (परिपययनी) ज ३१३१
 परिपययण (परिपययण) ज २१६३, ६४; ५१५६;
 ७११६८१, १७०, १८३ सू १८१४, २१, २३;
 १६१२२३१, ३२ उ १११६; ४१५, १३
 परिपययण (परिपययण) ज ४११४०१
 परिपययणिय (परिपययित) प २१३०, ४१
 √परिपययि (परि+वि+ध्वस्) परिपययिसेज्जा
 ज २१६
 परिपययिसेज्जा (परिपययिसेज्जा) प २८१२०, ३२
 परिपययि (परिपययित) ज ५१४४ उ ४१११, १३
 परिपययिडिड (परिपययि) प ५११३२, १६१, १७६;

१६५, २१६; ११७२; १३१७; १५१३४, ७५
ज ४१०३, १७८
परिवेदिय (परिवेदित) १ १५५१ ज २१३३
परिव्वायग (परिव्वाजक) ५ २०६१ ज ३१०६
परिसडिय (परिशटित) ज ३१३३ उ ३५०
परिसण्प (परिसर्ण) ५ १६१, ६७, ७६; ६१७१;
२१११, १४, ५३, ६०
परिसा (परिपत्) ५ २३० से ३३, ३५, ४१, ४३,
४८ से ५१ ज १४, ४५; २६४, ६०; ४१६;
५१६, ३६, ४६ से ५१, ५६; ७५५, ५८ चं ६
सू १४; १८२३; १६२३, २६ उ १२, १६,
२०; २६; ३५, १२, २४, २८, ८६, १५५, १५६;
४४, १०, १४; ५१४, २६, ३७
परिसाड (परिशट) ५ १८४
√परिसाड (परि+शाट्) परिसाडेंति
ज ३१६२; ५५, ७
परिसाडइत्ता (परिशट्) ५ २८२०, ३२, ६६
परिसाडेत्ता (परिशट्) ज ३१६२; ५५
परिहृत्थ (दे०) ज ४३, २५
√परिहृव (परि+भ्रू) परिहृवेति सू २१२
परिहा (परिखा) ५ २३०, ३१, ४१ ज ३३२
परिहा (परि+हा) परिहायति सू १६१२२१४
परिहाण (परिधान) ५ २४०
परिहाणि (परिहाणि) ५ २६४ ज २५१, ५४,
१२१, १२६, १३०; ४१०३, १४३
सू १६१२२१६, २०
परिहायमाण (परिहृयमाण) ५ २६४ ज २५१,
५४, १२१, १२६, १३०; ४१०३, १४३, २००,
२१०, २१३ उ ३५७
परिहारविमुद्विय (परिहारविमुद्विक) ५ ११२४,
१२७
परिहारविमुद्वियचरित्तपरिणाम
(परिहारविमुद्विकचरित्तपरिणाम) ५ १३१२
परिहावेतव्व (परिहाययितव्व) सू ८१
परिहित (परिहित) सू २०।०

परिहिय (परिहित) ५ २३१, ४१, ४६ ज ३२६,
३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ८५, ११३, १३३, १३८,
१४५ उ ११६
परिहीण (परिहीण) ५ २६४६; ३६६२
ज ५२२, २६ से २८ सू १६८१; २०६४
परीसह (परीषह) ज २६४
परुप्पर (परस्पर) ज ४१८०
परुड (परुड) ज २६, १३३, १४५, १४६
√परुव (प्र+रूपय्) परुवेइ ज ७२१४ उ १६८
परुवण (परुवण) ज २६
परैत्त (दे० पर्यन्त) ज ३१२६
परोक्खवयण (परोक्खवत्त) ५ ११८६, ८७
परोप्पर (परस्पर) ५ २२५१, ७३, ७४ ज १४६
√पलंघ (प्र+लङ्घ्) पलंघेज्ज ५ ३६६१
पलंडु (कन्द) (पलाण्डुकन्द) ५ १४८४३
पलंब (प्रलम्ब) ५ २३०, ३१, ४१, ४६ ज २१५;
३१७८; ५१६८; ७१७८ सू २०८
पलंबमाण (प्रलम्बमाण) ज ३६, ६, २२२; ५२१,
३८
पलवमाण (प्रलपत्) उ ३१३०
पलास (पलास) ५ १३५१ ज ४२२५१
पलिओवम (पल्योपम) ५ १२४, ४३०, ३४, ३६,
४०, ४२, ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४,
१०४, १०६, ११०, ११२, १२४, १४६, १५१,
१५५, १५७, १५८, १६०, १६२, १६४, १६५,
१६७, १७१, १७३, १७७, १७९, १८०, १८२,
१८३, १८५, १८६, १८८, १८९, १९१, १९२,
१९४, १९५, १९७, १९८, २००, २०१, २०३,
२०४, २०६, २०७, २०९, २१०, २१२, २१३,
२१५, २१६, २१८, २१९, २२१, २२२, २२४,
२२५, २२७, २२८, २३०, २३१, २३३, २३४,
२३६; ६४३; १२२४; १८४, ६, १०, १२, ६०,
७० से ७२; २०६३; २३६१, ६४, ६६, ६८, ७३,
७५ से ७७, ७९, ८१, ८३ से ८६, ८८ से ९०,
९२, ९५ से ९६, १०१ से १०४, १११ से ११४,
११७, ११८, १३४, १३५, १३८, १४०, १४२.

१४३, १५१ से १५३, १५५ से १५७, १६०,
 १६१, १६४, १६६ से १६९, १७१ से १७३
 ज ११२४, ३१, ४५ से ४७; २।५, ६, ४४, ५२,
 ५६, ५९, १५९, १६१; ३।१६७, २२६; ४।२२,
 ३४, ५४, ६०, ६१, ६४, ६०, ६५, ६९, ६७, १०२,
 १४२, १६१, १६६, १६७।१३, १७७, १६६, १६६,
 २०६, २६१, २६६, २७०, २७२; ७।१६७ से १६६
 सू ६।१; ६।१; १६।२५ से ३६ उ ३।१६, ६५,
 १२४; ४।२५

पलिभाग (प्रतिभाग) प १।२।२७, ३६, ३७; १।५।५०
 ज २।६८

पलिभागभाव (प्रतिभागभाव) प १।७।१५०, १५२

पलिमंथ (परिमन्थ^१) प १।४।५।१

पलिय (पलित) ज २।१।५, १३३

पलियंक (पर्यङ्क) ज १।१८, ४८; ४।५।५, ६२, ६८,
 १६७, १६९; ७।१३३।३।३

पलुग (पलुआ) प १।४।६।६ सन की जाति को एक
 पौधा

पल्ल (पल्य) ज २।६

पल्लग (पल्यक) प ३।३।२० ज ४।५७

पल्लल (पल्वल) प २।४, १३, १६ से १९, २८

पल्लहत्थ (पर्यस्त) ज ३।१।०५

पल्लहत्थमुह (पर्यस्तमुख) उ १।१।५; ३।९८

पल्लह्व (पल्लह्व) प १।८९

पल्लह्विया (पल्लह्विका) ज ३।१।१।१

पल्लहायणिज्ज (प्रल्ल दनीय) प १।७।१३४ ज २।१८,
 १८५

पलंच (प्रपञ्च) प २।६४

पवग (प्लवक) ज २।३२

√पवड (प्र+पत्) पवडइ ज ४।२३ से २५, ३८
 से ४०, ६५ से ६७, ७३ से ७५; ६० से ६२
 पवडेज्ज उ ३।५५

पवडणया (प्रपतन) प १।६।५।३

पवण (पवन) प २।३।०।१ ज ३।३।५ १०९; ५।५

√पवत्त (प्र+वर्तय्) पवत्तड प १।९८; १।६।३९

१. वनस्पतिकोश में हरिभन्थ शब्द मिलता है।

४०, ५५ पवत्तति प १।६।४३

पवत्त (प्रवृत्त) ज ३।१।१।५, १२३

पवत्ति (प्रवर्तिन्) प १।६।५।१

पवत्ति (प्रवृत्ति) ज ४।२।३, ३८, ६५, ७३, ९०, ९१

पवयण (प्रवचन) प १।१०।१।५, ११ सू २।०।६।४

पवर (प्रवर) प २।३।०, ३१, ४१, ४९ ज ३।७, ९,
 १२, १५, १७, २१, २२, २४, २६, ३१, ३२, ३४
 से ३६, ३९, ४७, ५६, ६४, ७२, ७७, ७८, ८१,
 ८५, ८८, ९१, १०८ से १११, ११३, १३३, १३८,
 १४५, १६७।५, १७३, १७५, १७७, १७८, १९९,
 २२२; ५।५, ७, ४६, ५८ सू २।०।७ उ १।१।७,
 १९, २२, २४, १२३, १४०; ४।१२, १३, १५;
 ५।१८

पवह (प्रवह) ज ४।३।६, ४३, ७२, ७८, ९०, ९५,
 १७४, १८३, २६२; ६।१८

पवा (प्रपा) ज २।६।५; ५।५, ७ उ ३।३।६

पवाइत (प्रवादित) प २।३।१, ४९

पवाइय (प्रवादित) प २।३।०, ३१, ४१ ज १।४।५;
 ३।१।२, ७८, ८२, १८०, १८५, १८७, २०९, २१८;
 ५।१, ५ १९; ७।५।५, ५८, १८४ सू १।८।१३;
 १।६।२३, २६

पवात (प्रपात) उ ५।५

पवादित (प्रवादित) ज ३।२।०९

पवाय (प्रपात) ज २।३।८; ३।८।८; ४।२।३, ३८, ४२,
 ६५, ६७, ६८, ७१, ७३, ९० से ९४

पवायबहुल (प्रपातबहुल) ज १।१।८

पवाल (प्रवान) प १।२।०।२, १।३।५, ३६; १।४।८।१।५,
 २५, ६३; २।३।१ ज २।२।४, ६४, ६९, १३१, १४४,
 १४५, १४६; ३।३।५, ११७, १६।८।८

पवालंकुर (प्रवालाङ्कुर) प १।७।१२६

पवालिन (प्रवालिन) ज ७।१।१।२।३ सू १।०।१।२।३

पविचरिय (प्रविचरित) ज ४।३

√पविञ्जुय (प्र+विद्युत्) पविञ्जुयाइत्तइ
 ज २।१।४।१ से १४।५ पविञ्जुयाइत्ति ज ३।१।१।५

पविञ्जुयाइत्ता (प्रविद्युत्य) ज २।१।४।१

पविञ्जुयायित्ता (प्रविद्युत्य) ज ३११५
 पविट्ठ (प्रविष्ट) प १५१११, १५१३६, ४०, ४२
 ज ३११०५, १७८, २२३; ७११७८
 पविट्ठित्ता (प्रविश्य) सू १०११३६, १३१५, ६
 √पवित्थर (प्र+वि+स्तृ) पवित्थरइ ज ३१७६,
 ११६, ११८
 पविभक्त (प्रविभक्त) ज १११८, २०, ४८; ४११६७,
 २१५
 पविभक्ति (प्रविभक्ति) सू १५१३७
 पवियरिय (प्रविचरित) ज ४३, २५
 पवियारण (प्रविचारण) प १११७
 पविरल (प्रविरल) ज २११३३; ५१७
 √पविस (प्र+विश्) पविसंति ज ३११८३
 पविसंत (प्रविशत्) च ४२ सू ११८२; ११८२१४
 पविसमाण (प्रविशत्) ज ३१२०३; ७११३, १६, २३
 से २५, २८ से ३०, ७२, ७८, ८४ सू १११२, १४,
 १६, १८, १६, २१, २४, २७, २१३; ६११; १३१६
 से १०, १४ से १६
 √पवुच्च (प्र+विच्) पवुच्चइ सू ५११
 पवूढ (प्रवूढ) ज ३१६७, १६१; ४१२३, ३५, ३८, ४२,
 ६५, ७१, ७३, ७७, ६०, ६१, ६४, १७४, १८३,
 १६५, २६२
 पवेश (प्रवेश) ज १११६, ३८; ३११२, ४१, ४६, ५८,
 ६६, ७४, ७७, १०६, १४७, १६८, २१२, २१३;
 ४११०, ११५, १२१, २१७ उ ५१४३
 पव्व (पर्वन्) प ११४८४७; १११२५ ज ७११०६
 से ११० सू १०११२७; १२११६, १७; १३११, २
 पव्वइत्तए (प्रवज्जितुम्) प २०११७, १८ उ ३१५०;
 ५१३२
 पव्वइय (प्रवजित) ज २१६५, ६७, ८५, ८७ उ २१६;
 ३११३, २१, ५०, ५५, ५८, ६०, ७६, ७७, ७९, ११३,
 ११८; ५१३८
 पव्वंस (दे०) उ ५१२५ विशिर ऋतु
 पव्वग (पर्वक) प १३३११; ११४१, ११४८४६
 ज २११४४ से १४६; ३१३१
 √पव्वज्ज (प्र+व्रज्) पव्वज्जिइ उ ५१४३

पव्वज्जा (प्रव्रज्या) उ ३११६६
 पव्वत (पर्वत) प २१३२, ३६, ५०, ५१; १७१११
 ज १४६; ३१२२४ सू ५११; १६१२६
 पव्वतराय (पर्वतराज) सू १६१२३
 पव्वतिव (पर्वतेन्द्र) सू ५११
 पव्वय (पर्वक) प ११४२१
 पव्वय (पर्वत) प २१३३, ३५, ४३, ४४; १६१३०;
 १७१०६ ज १११६, १६, २०, २३ से २५, २८,
 ३२, ३३, ४६११, ४७, ४८, ५१; २१३१, ६०, ११७,
 ११८, ११६, १३१, १३३; ३११, ६१, ८१, १३०,
 १३१, १३५ से १३७, २२४; ४१२३, ३८, ४८,
 ५७, ५८, ६०, ६५, ७१, ७३, ८४, ६०, ६१, ६४,
 १०३, १०६, ११०, १११, ११३, ११४, १४२,
 १६०, १६२, १६३, १६७, १६८, १७२, १७३,
 १७५, १७६, २००, २०५ से २०६, २१२ से
 २१६, २२०, २२१, २२५, २२६, २३४, २३५,
 २३७, २३६ से २४१, २४३, २४४, २४७, २४६,
 २६० से २६२; ५१४४, ४७, ४८, ४९, ५५; ६१६११;
 ६११०, १६, २३, २४; ७१८ से १३, ३१, ३३, ५५,
 ५८, ६७ से ७२, ६१, ६२, १७१ सू ४१४, ७; ७११;
 ८११; १८१५ उ ३१५५; ५१५, ६
 √पव्वय (प्र+व्रज्) पव्वयाइ उ ३१११२ पव्वयामि
 उ ३११३; ४११४ पव्वयाहि उ ३११०७
 पव्वयग (पर्वतक) ज १११३
 पव्वयवहुल (पर्वतवहुल) ज १११८
 पव्वयराय (पर्वतराज) ज ७१५५ सू ५११; ७११
 पव्वयसमिया (पर्वतसमिका) ज ११२३, २५, २८
 पव्वयाउय (पर्वतायुष्) ज ५११६
 पव्वराहु (पर्वराहु) सू २०१३
 पसंत (प्रशान्त) ज २१६८; ५१७, २६
 पसदिल (प्रशिक्षिल) प २१४६
 पसण्णा (प्रसन्ना) उ ११३४, ४६, ७४
 पसत्त (प्रसक्त) ज ५१२६
 पसत्य (प्रशस्त) प १७१३३, १३४, १३८; २३१५६;
 १०६, ११६; ३४१३३ ज १३३७; २११५; ३१३, ६;

१८, ३५, ६३, १०६, १८०, २२२, २२३; ७१७८
 पसय (दे०) प ११६४ ज २३५
 √पसर (प्र+सृ) पसरइ उ ३५१ पसरई
 १११०११७
 पसरित्ता (प्रमृत्य) उ ३५१
 √पसव (प्र+सू) पसवति ज २४६
 √पसार (प्र+सारय्) पसारइ उ ३६२
 पसासेमाण (प्रशासयत्) ज ३२ उ ५६, ११
 पसिण (प्रश्न) ज ७२१४ उ ३२६
 पसिय (प्रमृत) ज ३३५
 पसु (पशु) प ११४ उ ३३६, ४८, ५०
 पसूय (प्रसूत) ज ३१०६ उ ३४८, ५०, ५५
 पसेढी (प्रश्रेणी) ज ५३२
 पसेणइ (प्रसेनजित्) ज २५६, ६२
 पसेणी (प्रश्रेणी) ज ३१२, १३, २८, २६, ४१, ४२,
 ४६, ५०, ५८, ५६, ६७, ७४, ७५, १४७, १४८,
 १६८, १६९, १७८, १८६, १८८, २०६, २१०,
 २१६, २१६, २२१
 पह (पथ) ज ३१८५, १८८; २१२, २१३; ५१७२,
 ७३ सू १६१२२१५ उ १६८
 पहंकरा (प्रभङ्करा) ज ४२०२१२
 पहकर (दे०) ज २१२ ६५; ३१७, २१, १७७
 पहगर (दे०) ज ३२२, ३६, ७८
 पहत (प्रहत) ज २१३१
 पहरण (प्रहरण) ज ३३१, ३५, ७७, १०७, १२४,
 १६७६, १७८; ४१३७ उ ११३८
 पहरणरयण (प्रहरणरत्न) ज ३३५
 पहराइया (प्रभाराजिका, प्रहारातिगा) प १६८
 पहव (प्रभव) प ११३०
 पहसिय (प्रहसित) प २४८ ज १४२; ४४६,
 २२१; ७१७६ सू १८८
 पहा (प्रभा) प २३१ ज १२४
 पहाण (प्रधान) ज २१५, ६४, १३३; ३३३, ३२,
 ११७१, १३८, १७५; ७१७८
 पहार (प्रहार) ज ३१०६ उ ३१३१, १३४

√पहार (प्र+धारय्) पहारेत्थ ज २६; ३६,
 १८३ उ १८८
 पहारेमाण (प्रधारयत्) प ३४२४
 पहारविय (प्रधारवित) ज २६५
 पहिय (प्रधित) ज ३१७, १८, २१, ३१, ६३, १७७.
 १८०
 पहीण (प्रहीण) ज २१८, ८६; ३२२५
 पहु (प्रभु) ज ७१६८२
 पाई (पाची) प १४४१ एकलता, मरकतपत्री
 पाइक्क (दे०) ज २६५
 पाईण (प्राचीन) प २१०, ५० से ५२, ५४ से ६२
 ज १२०, २३ से २५, २८, ३२, ४८; ३१,
 १२६४; ४१, ३, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, ९८,
 १०३, १०८, १४१, १६२, १६७, १६९, १७२,
 १७८, १८५, १८७, १९१, २००, २०३, २०५,
 २१५, २४५, २४६, २५१, २६२, २६८; ७१०१,
 १०२ सू ८१
 पाईणपडिणायता (प्राचीनापाचीनायता) सू ११६;
 २११; १०१४२, १४७; १२३०
 पाईणपडीणायता (प्राचीनापाचीनायता) प २५०
 से ६२ ज १२०
 पाईणपडीणायया (प्राचीनापाचीनायता) ज १२०;
 ३११; ४११, ३, ८६, ८८, ९८, १०८
 पाईणवाय (प्राचीनवात) प १२६
 √पाउण (प्र+आप्) पाउणइ उ ३१४; ५३६
 पाउणति प ३६१२ पाउणिसइ उ ५४३
 पाउणित्ता (प्राप्य) प ३६१२ ज २०८; ३२२५
 उ २१२; ३१४; ४२४; ५२
 पाउण्णमाय (प्रादुप्रभात) ज ३१८ उ ३४८,
 ५० ५५, ६३, ६७; ७०, ७३, १०६, ११८
 √पाउण्णव (प्रादुभू) पाउण्णवति ज ५२७
 पाउण्णवह ज ५२२, २६ उ ११२१
 पाउण्णवति उ ३२६ पाउण्णवित्ता
 ज ३१०४ पाउण्णवित्ताइ ज २१४१ से १४५
 पाउण्णवमाण (प्रादुभवत्) ज ५२८
 पाउण्णवभूय (प्रादुभूय) ज ३१०५, ११३, १२५;

१।७४ सू १।४ उ १।२४, ३४, ४०, ४३, ७४;
 ३।५७, ६२, ६५, ६६, ७२, ७५, ८१, १४३, १५६
 पाउभविक्त (पादुर्भविक्तुम्) ज ३।११३
 पाउया (पादुया) ज ३।६, १७८; ५।२१
 पाउस (पादुस्) ज ७।१२६ नू १२।१४ उ ५।२५
 पाओ (पादस्) प २।१
 पाओवगघ (पाओवगघ) उ २।११
 पाओतिया (पाओपिकी) प २।२४६, ५६
 पागड (पागट) ज ३।३ चं १।३
 पागडभाव (नकटभाव) ज २।६८
 पागडिय (प्रकटिन) प २।४८, ४९
 पागडिड (पाकडिन्) ज ५।५, ४६
 पागत (पाकत) सू १।६।२।३
 पागभास्व (पागभास्व) प २।५० ज ५।१८
 पागार (पाकार) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।१;
 ४।११४, ११६; ७।३३३।२
 पागारच्छाया (पाकारच्छाया) सू ६।४
 पागारसंस्थि (पाका-संस्थित) सू १०।४३
 √पाड (पातय्) पाड्डे उ ३।५१ पाडैति ज ५।१६
 पाडण (पातन) उ १।५१, ८६
 पाडल (पाटल) ज ३।१२, ८८; ५।५८
 पाडला (पाटला) प १।३७।५
 पाडलिपुड (पाटलिपुड) ज ४।१०७
 पाडिष्क (प्रलोक) ३।११८; ४।२२
 पाडिसि (पाडितुम्) उ १।५१, ७६, ७७
 पाडिसंस्थि (पात्यनिक) ज ५।५७
 पाडिवया (पाडिपद्) सू २०।३
 पाडिहारीय (पानिहारिक) प ३६।६१
 पाडेस्ता (पातयित्वा) ज ५।१६ उ ३।५१
 पाढा (पाठा) प १।४८।४; १।७।३१
 पाण (पाण) प २।६४; ३।६२, ७७ ज २।१३१;
 ३।१०८ से १११; ७।२१२
 पाण (पाण, पान) ज २।४।१, २
 पाण (पान) उ ३।५०, ५५, १०१, ११०, ११४, १३४;
 ४।१६

पाणकखय (पाणकखय) ज २।४३
 पाणत (पाणत) प १।१३५
 √पाणम (पाण-अन्) पाणमति प ७।१ से ४, ६
 पाणय (पाणत) प २।४६, ५८, ५९, ५९।२, ६३;
 ३।१८३; ४।२५८ से २६०; ६।३६, ५६, ६६;
 ७।१७; १।५।८८; २।१।७०; २।५।८४; ३।१।६;
 ३।४।१६, १८ ज ५।४६ उ २।२२
 पाणय (पाणक) उ ३।१।१४; ४।२।१
 पाणयग (पाणतज) ज ५।४६
 पाणयवडैसय (पाणतावतंसक) प २।५८
 पाणाइवातकिरिया (पाणातिपातक्रिया) प २।२।१
 पाणाइवाय (पाणातिपात) प २।२।६ से ११, २१
 से २३
 पाणाइवायकिरिया (पाणातिपातक्रिया) प २।२।६,
 ४६, ४७, ५०, ५२, ५७, ५९
 पाणाइवायविरत (पाणातिपातविरत) प २।२।८३,
 ८४, ९१ से ९४, ९६
 पाणाइवायवेरमण (पाणातिपातविरमण)
 प २।२।७७ से ७९
 पाणातिवालकिरिया (पाणातिपातक्रिया) प २।२।६
 पाणि (पाणिन्) ज ३।१७८
 पाणि (पाणि) ज ५।५ उ १।१।१ से १३, ३०, ३२;
 २।७; ४।८; ५।१२, २५
 पाणिग्रहण (पाणिग्रहण) उ ५।१३
 पाणिय (पानीय) उ ३।१३०
 पाणियग (पानीयक) ज २।१३१
 पाणिलेहा (पाणिलेहा) ज २।१५
 पाणी (पाणि) प १।४०।४
 पात (पातस्) सू १।०।५, १३६
 पाती (पात्री) ज ३।११; ५।५
 पाद (पाद) प १।७।१११ ज ४।१३
 पादपीठ (पादपीठ) ज ३।१७८ उ १।११५
 पादोणपडीणायया (पादोणापचीणायता) ज १।१८
 √पादुम्भ (पा-दु-भू) पादुम्भवति
 प ३।४।१६, २१

पादो (प्रातस्) सू २।१
पादोसिया (प्रादोषिकी) प २।२१, ४, ५६
पामोक्ख (प्रमुख, प्रमुख्य) ज १।२६; २।७४, ७७;
 ४।१३७ उ ५।१०, १७, १६
पाय (पाद) ज ३।१२५, १२६, २२०, २२४; ५।५, ७
 सू २।०६।६ उ १।११, १३, ३० से ३२, ७१,
 ११५, ११६; २।७; ३।११४; ४।८, २१; ५।१२
पाय (प्रातस्) सू १।०।३६
पायचारविहार (पादचारविहार) ज २।३३
पायच्छित्त (प्रायश्चित्त) ज ३।७७, ८१, ८२, ८५,
 १२५, १२६ सू २।०।७ उ १।१६, ७०, १२१;
 ३।११०, ११५; ५।१७
पायत्त (पादात्त) ज ३।१७८
पायत्ताणीय (पादातानीक, पादात्यनीक) ज ३।१७८
पायत्ताणीयाहिवई (पादातानीकाधिपति,
 पादात्यनीकाधिपति) ज ५।२२, २३, २६, ४८
 से ५२, ५३
पायत्तिय (पादातिक) उ १।१३८
पायदद्वरय (पादद्वरक) ज ५।५७
पायपीठ (पादपीठ) ज ३।६; ५।२१ उ १।११५
पायमूल (पादमूल) उ ३।१२५
पायरास (प्रातरास) उ १।११०, १२६, १३३
पायव (पादव) ज २।६५, ७१; ३।१०४, १०५
 उ १।१, ६१; ३।५६, ६४, ६६, ६८, ७१, ७४, ७६
पायवन्दय (पादवन्दक) उ १।७०; ४।११
पायविहारचार (पादविहारचार) उ ३।२६
पायसीस (पादशीर्ष) ज ४।१३
पायहंस (पादहंस) प १।७६
पायाल (पाताल) प २।१, ४, १०, १३
पायावच्च (प्राजापत्य) ज ७।१२२।२ सू १।०।४।२
पायीण (प्राचीन) ज २।५३
पायोवगय (प्रायोपगत) ज ३।२२४
पार (पारय्) पारेइ ज ३।२८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १३६, १४७, १८७
पारगत (पारगत) प २।६४।२१

पारगामि (पारगामिन्) ज ३।७०
पारणग (पारणक) उ ३।५१, ५३, ५४
पारस (पारस) प २।८६
पारसी (पारसी) ज ३।११।२
पारिणामिया (पारिणाभिकी) उ १।४१, ४३
पारिप्पव (पारिप्पव) प १।७६
पारियावणिया (पारितापनिकी) प २।२।१, ५, ५०,
 ५२, ५६
पारेत्ता (पारयित्वा) ज ३।२८
पारेवत्त (पारावत्त) प १।६।५५; १।७।१३२
पारेवय (पारावत्त) प १।७६; ज ३।३५
पारेवयगीवा (पारावत्तगीवा) प १।७।१२४
पाल (पालय्) पालधाहि ज ३।१८५ पालेति
 ज १।२२, ५०, ५८, १२३, १२८; ४।१०।१
 पालेहिंति ज २।१४८
पालइत्ता (पालयित्वा) ज २।८८
पालंब (प्रालम्ब) ज ३।६, ६, २२२; ५।२१
पालक्का (पालक्का) प १।४४।१
पालण (पालन) ज ३।१८५, २०६
पालय (पालक) ज ५।२८, २६, ४६।३
पालियायकुमुम (पारिजातकुमुम) प १।७।१२६
पालेत्ता (पालयित्वा) ज १।२२
पालेमाण (पालयत्) प २।३०, ३१, ४१, ४६
 ज १।४५; ३।१८५, २०६, २२१; ५।१६
 उ १।६५, ६६, ७१, ६४, १११, ११२; ५।१०
पाम (प्र + आप्) पावे प २।६४।१५
पाव (पाव) प १।१०।१२; १।१।८६
पावयण (प्रवचन) उ ३।१०३, १३६; ४।१४; ५।२०
पाववल्ली (पावकवल्ली) प १।४।२
पावा (पावा) प १।६३।५
पाम (दृश्) पामइ प १।७।१०८ से ११०;
 ३।०।२८ ज २।७।१, ६०, ६३; ३।५, १५, २६, ३१,
 ३६, ४४, ४७, ५२, ५६, ६१, १०६, ११६, १३१,
 १३७, १४१, १७३; ५।३, २१, २८, ६३ उ १।१६;
 ३।७; ४।१३, ५।२२ पासउ ज ५।२१ पामंति

- प २।६४।१३; १।५।४६ से ४६; ३।३।२ से १३,
१५ से १८; ३।४।६ से ६, ११, १२ ज ३।१०।५,
११३ उ १।३।६ पासति प १।५।३७, ४१, ४४,
४५; १।७।१०६ से १११; २।३।१४; ३।०।२५ से
२८; ३।६।८०, ८१ पासह ज ३।१।२४
पासिज्जा उ १।१।५ पासिहिहि ज २।१।४६
पासिहिहि उ १।२।२ पासेइ उ १।५।७ पासेज्जा
उ १।२।१
- पास** (पास) प १।८।६
- पास** (पाश्व) ज २।१।५; ३।३।२; ४।१।४२, २०२, २१२;
५।१।७, ४३, ४६, ६०, ६६; ७।३।१, ३३ सू ४।३, ४;
२।०।२ उ ३।१।२, १४, २१, २८, २९, ४६, ५१, ७६;
४।१।०, ११, १३, १५, १६, २०, २८
- पाश** (पाश) ज ३।१।०६
- पासंडबहुल** (पाषण्डबहुल) ज १।१।८
- पासंडधम्म** (पाषण्डधम्म) ज २।१।२६
- पासग** (पाशक) ज ७।१।७८
- पासग्गाह** (पाशग्राह) ज ३।१।७८
- पासणया** (दर्शन, पश्यत्ता) प १।१।७; ३।०।१, ५, ८, १०
- पासत्यविहारि** (पाशत्रस्थविहारिन्) उ ३।१।२०
- पासमण** (पश्यन्) ज २।७।१
- पासवण** (प्रसवण) प १।८।४
- पासाईय** (प्रासादीय, प्रासादिक) प २।३।१, ४८, ५६,
६३ ज १।२।३, ४१; २।१।५; ४।३, ६, १३, २५, २६,
३३, ४६, १४६; ५।६।२ उ ५।६
- पासाण** (पाषाण) ज ३।१।०६; ४।३, २५; ७।१।७८
- पासाद** (प्रासाद) २।६।५
- पासादच्छाया** (प्रासादच्छाया) सू ६।४
- पासादसंठित** (प्रासादसंस्थित) सू ४।२
- पासादीय** (प्रासादीय, प्रासादिक) प २।३।०, ४१, ४६,
६४ ज १।८, ३१; २।१।२, १४, ४।२।७ सू १।१
उ ५।४, ५
- पासाय** (प्रासाद) ज १।४।२, ४३; २।२।०, ६५; ३।३।२,
८२, १।८।७, २।१।८, २।१।६; ४।३, ४६, ५०, ५३, ५६,
१०६, १।१।२, १।१।६, १।१।६; १।२।०, १।४।७, १।५।५, १।५।६,
२।२।१ से २।२।४, २।२।६, २।३।५, २।३।७, २।३।८, २।४।०,
- २।४।३; ५।१।६, २।५ उ १।४।६, ६४; २।६; ५।१।३,
२०, २।७, ३।१
- पासायवडेतय** (प्रासादावतंसक) ज ४।१।०२, १।१।६,
२।२।१, २।२।२, २।२।३।१, २।२।४।१
- पासि** (पाश्व) ज १।२।३, २।५, २।८, ३।२; ३।१।७६;
४।१, ४।३, ६।२, ७।२, ७।८, ८।६, ९।६, १०।३, १।७।८,
१।८।३, २।०।०, २।०।१; ५।४।६, ६।०, ६।६
- पासिउं** (द्रष्टुम्) प १।४।८।५।७
- पासिउकाम** (द्रष्टुकाम) प २।३।१४
- पासित्ता** (दृष्ट्वा) प २।३।१४ ज २।६।० उ १।१।६;
३।१।०।१, ४।१।३; ५।१।३
- पासित्तार्ण** (दृष्ट्वा) उ १।३।३; २।८
- पासियञ्च** (द्रष्टव्य) प २।३।१४
- पासेत्ता** (दृष्ट्वा) उ १।५।७
- पाहाण** (पाषाण^१) ज ५।१।६
- पाहुड** (प्राभृत) ज ३।८।१ चं ३।२, ३; ५।४ सू १।७;
६।४, २।५, १।०।१।७।३
- पाहुडत्थ** (प्राभृतस्थ) सू २।०।६
- पाहुडपाहुड** (प्राभृतप्राभृत) चं ५।४ सू १।६
- पाहुणिय** (प्राभुनिक) ज ७।१।८।६।१ सू २।०।८
- पाहुय** (प्राभृत) प १।५।०
- पि** (अपि) उ ३।३।०
- पिइ** (पितृ) उ १।६।१; ५।४।३
- पिइदेवया** (पितृदेवता) सू १।०।८।३
- पिउ** (पितृ) ज ७।१।३।०, १।८।६।४ उ १।५।२, ५।४,
७।६, ७।६; ३।५।१, ५।६
- पिउसेणकण्ह** (पितृसेनकृष्ण) उ १।७
- पिगल** (पिङ्गल) ज ३।६, १।६।७।४, २।२।२
- पिगलक्ख** (पिगलाक्ष) ज ७।१।७।८
- पिगलक्खग** (पिगलाक्षक) ज २।१।२
- पिगलग** (पिगलक) ज ३।१।६।७
- पिगलय** (पिगलक) ज ३।१।६।७।१, १।७।८ सू २।०।२,
८, २।०।८।४
- पिंगायण** (पिङ्गायन) ज ७।१।३।२।३ सू १।०।१।०।८

पिडय (पिण्डक) ज ६।६।१
 पिडवाय (पिण्डवात्) उ ५।४३
 पिडित (पिण्डित) प २।६४।१५,१६
 पिडिम (पिण्डिम) ज २।१२;५।५
 पिक्क (पक्क) प १।७।१३३
 पिक्कुर (दे०) ज ३।८१
 पिच्छय (पिच्छक) उ १।५६,६३,८४
 पिच्छि (पिच्छिन्) ज ३।१७८
 पिट्ट (दे०) उ ३।११४
 पिट्टओ (पृष्ठतम्) ज ३।१०,११,८६,८७,१७६;
 ५।४६,६०,६६
 पिट्टओउदग्गा (पृष्ठतउदग्गा) सू ६।४
 पिट्टंत (पृष्ठान्त) उ ३।३
 पिट्टंतर (पृष्ठान्तर) उ २।१६;५।५
 पिट्टीय (पृष्ठ) उ ३।११४
 पिट्टिकरंडक (पृष्ठकरण्डक) ज २।१६
 पिट्टिकरंडम (पृष्ठकरंडक) ज २।४८,१५६
 पिट्टिकरंडुक (पृष्ठकरण्डक) ज २।५२,१६१
 पिट्टिकरंडुय (पृष्ठकरण्डक) ज २।५६
 पिडम (पिटक) सू १।६।२।४,५,६
 पिडय (पिटक) सू १।६।२।४,५
 पिणद्ध (पिणद्ध) ज ३।६,७७,१०७,१२४,२२२
 उ १।३८
 ✓पिणद्ध (पि+तह्) पिणद्धेति ज ३।२११
 ✓पिणद्धाव (पि+नाह्व,पि+नि+धा+य्)
 पिणद्धावेइ ज ५।५८
 पिणद्धावित्ता (पिनाह्वा,पिनिधाप्य) ज ५।५८
 पिणद्धेत्ता (पिणद्ध) ज ३।२११
 पित्तिपिड (पित्तिपिण्ड) ज २।३०
 पित्त (पित्त) प १।८४
 पित्तिय (पैत्तिक) उ ३।३५,११२,१२८
 पिप्परि (पिप्पली) प १।३६।२
 पिप्पलिच्छुण्ण (पिप्पलिच्छूर्ण) प १।१।७६;१।७।१३१
 पिप्पलिया (पिप्पलिका) प १।३७।२
 पिप्पली (पिप्पली) प १।७।१३१
 पिप्पलीमूलय (पिप्पलीमूलक) १।७।१३१

पिप्पीलिया (पिप्पीलिका) प १।५०
 पिय (प्रिय) प २।४१; २।८।१०५ ज २।६४; ३।५,
 ६०,१५७,१८५,२०६; ५।५८ उ १।४१,४४;
 ३।१२८; ५।२२
 ✓पिय (पा) पियंति उ ३।६८
 पिय (पितृ) उ १।७२,८८,६२; ४।२८
 पियंगाल (दे०) १।५१
 पियंगु (प्रियङ्गु) प २।४०।६
 पियट्ठया (प्रियार्थ) ज ३।५,११५,१२५
 पियतर (प्रियतर) ज २।१८; ४।१०७
 पियतरिया (प्रियतरिका) प १।७।१२६ से १२८,
 १३३ से १३५ ज २।१७
 पियदंसण (प्रियदर्शन) ज ३।६,१७,२१,२८,३४,
 ४१,४६,१३६,१७७,२२२ सू २।०।४ उ ५।५,२२
 पियर (पितृ) प १।१।१३,१८
 पियस्सरता (प्रियस्वरता) प २।३।१६
 पिया (पितृ) ज २।२७
 पिया (प्रिया) ज २।६६ उ ४।८,६
 पियाल (प्रियाल) ज १।३।५।२
 पिरिली (पिरिली) ज ३।३१
 पिलम (पिलक) ज २।१३७
 पिलुक्खरुक्ख (प्लक्षरुक्ख) १।३६।२
 पिल्लण (प्रेरण) ज ३।१०६
 पिव (इव) ज ३।२२ उ १।१३८; ३।५०
 पिवासा (पिपासा) उ ३।११४,११५,११६,१२८
 पिसाय (पिशाच) प १।१३२; २।४१ से ४३,४५
 ४६; ६।८५
 पिसायइंद (पिशाचेन्द्र) प २।४२ से ४४
 पिसायराय (पिशाचराज) प २।४२ से ४४
 पिमुय (पिशुक) प १।५० ज २।४०
 पिधान (पिधान) ज ५।५६
 पिहुजण (पृथक्जन) प ६।२६
 पिहुल (पृथुल) ज २।१५; ७।३१,३३ सू ४।३,४,
 ६,७
 पीइगम (प्रीतिगम) ज ५।४६।३; ७।१७८
 पीइदाण (प्रीतिदान) ज ३।६,२६,२७,३६,४०,

४७,४८,५६,५७,६४,६५,७२,७३,१३३,१३४,
१३८,१३९,१४५,१४६
पीडमण (प्रीतिमनस्) ज ३१५,६,८,१५,१६,३१,५३,
६२,७०,७७,८४,९१,१००,११४,१४२,१६५,
१७३,१८१,१८९,१९६,२१३; ५१२१,२७
उ ११२१,४२; ३११३६
पीडवद्धण (प्रीतिवर्धन) ज ७१११४१
पीठ (पीठ) प ३६१९१ उ ३१३६
पीठग्राह (पीठग्राह) ज ३११७८
पीठमह (पीठमह) ज ३१६,७७
√पीण (प्रीणय्) पीणेति ज ५१५७
पीण (पीन) ज २११५
पीणणिञ्ज (प्रीणनीय) प १७११३४
पीणित (प्रीणित) सू १२१२६
पीतय (पीतक) सू २०१२
पीति (प्रीति) उ १११११,११२
पीतिदाण (प्रीतिदान) ज ३११५०
पीतिवद्धण (प्रीतिवर्धन) सू १०११२४१
पीथ (पीत) ज ३१२४,३१
पीयकणवीरय (पीतकरवीर) प १७११२७
पीयबंधुजीवय (पीतवरंधुजीवक) प १७११२७
पीयासोग (पीताशोक) प १७११२७
पीलु (पीलु) प ११३५११
पीवर (पीवर) ज २११५; ७११०८
पीतिञ्जमाण (पिष्यमाण) ज ४११०७
पीहगपाय ('पीहग'पान) उ ३११३०
पुंख (पुंख) ज ३१२४
पुंज (पुंज) प २१३०,३१,४१ ज २११०; ३१७,८८
४११६६; ५१७
पुंडरीका (पुण्डरीका) ज ५११११
पुंडरीगिणी (पुण्डरीकिणी) ज ४१२००११
पुंडरीय (पुण्डरीक) प २१४८ ज ३११०; ४१४९,२७४
√पुक्कार (पुक्कारय्) पुक्कारेति ज ५१५७
पुक्खर (पुक्कर) प १५१५११ ज २१६८
सू १६१२११
पुक्खरकण्णिया (पुक्करकणिका) प २१३०,३१,४१;

३६१८१ ज ११७ सू १११४
पुक्खरद्ध (पुक्करार्ध) प १५१५५; १७११६५
सू १६१२१२,५
पुक्खरवर (पुक्करवर) सू १६११२ से १६; २११३,२८
पुक्खरवरदीवड्ड (पुक्करवरद्वीपार्ध) प १६१३०
सू १६१२१
पुक्खरवररोद (पुक्करवररोद) सू १६१२८ से ३१
पुक्खरसारिया (पुक्करसारिका) प १६१८
पुक्खरिणी (पुक्करिणी) प २१४,१३,१६ से १६,
२८; १११७७; २११८७ ज १११३,३३; २११२;
४११४०,१५४,२२१ से २२४,२३५,२४३
पुक्खरोद (पुक्करोद) ज ५१५५ सू १६१२८ से ३१
पुक्खल (पुक्कल) ज ४११६६
पुक्खलकूड (पुक्कलकूट) ज ४११६८
पुक्खलचक्रकयट्टिविजय (पुक्कलचक्रकयट्टिविजय)
ज ४११६४,१६५
पुक्खलविजय (पुक्कलविजय) ज ४११६७
पुक्खलसंवट्टय (पुक्कलसंवर्तक) ज २११४१,१४२
पुक्खलावड्डचक्रकयट्टीविजय (पुक्कलावतीचक्रकयट्टी
विजय) ज ४१२००
पुक्खलाई (पुक्कलावती) ज ४११६६
पुक्खलावड्डकूड (पुक्कलावतीकूट) ज ४११६६
पुग्गल (पुद्गल) प २८१३५
√पुच्छ (प्रच्छ्) पुच्छं चं ११४ उ २११२
पुच्छिज्जंति सू १०१६२
पुच्छिस्सामि उ १११७; ३१२६
पुच्छणी (प्रच्छनी) प १११३७११
पुच्छा (पृच्छा) प २१४४; ४१५० से ५४,५६ से ६४;
६६,६७,६९,७०,७१,७३,७४,७६,७७,८०,८१
से ८७,८९,९०,९२ से ९४,९६,९७,९९,१००,
१०२,१०३,१०५ से ११२,११४ से १३०,
१३२ से १३६,१४१ से १४८,१५० से १५७,
१५९ से १६४,१६६,१६७,१६९,१७०,१७२,
१७३,१७५ से १८२,१८४ से २०६,२०८,
२०९,२११,२१२,२१४ से २६३,२६५,२६६,

२६८; ५११३, १५, १६, ५५, ५८, ६२, ६७, ७०,
 ७३, ८८, ९६, १३०, १३३, १३५, १३७, १३९,
 १४२, १४४, १४६, १४९, १५३, १५६, १५९,
 १६२, १६५, १६८, १७१, १७३, १७६, १८०, १८३,
 १८६, १८९, १९२, १९६, १९९, २०२, २०६,
 २१०, २१३, २१७, २२०, २२३, २२७, २२९,
 २३३, २३६, २३८; ६१२४ से २६, २८ से ४२,
 ७४, ७६, ७७, ११०, ११२; ६१२२; १०१७ से १३,
 २२ से २४; १२१२४, ३३; १४११५; १५१४ से ६,
 ९, १०, ४२, ५७, ८१, ८२, ८५, ८६, ९२, ९३;
 १६१४, ६ से ८; १७११४, १७, २८, २९, ३३, ४१
 से ५५, ६५, १०२, १०४, १३१ से १३४, १५८,
 १६२, १६४; १८१२६, ६२, ११२, ११८, १२१,
 १२३, १२४, १२७; १६१२, ३, ५; २०१४, ७, १६,
 ३०, ३५, ४१ से ४४, ४६ से ४८, ५३, ५४;
 २११३७, ६७; २२१६८, ६६, ६५, ६६; २३१४८ से
 ५०, ६५, ६६ से ७६, ८१, ८३ से ८६, ८८ से
 ९०, ९५, ९८, ९९, १०१ से १०४, १०६, १११ से
 ११८, १२८, १२९, १३१ से १३३, १५४, १७३;
 २४१६, ८; २६१६, १०; २८१७६ से ९७, ९९,
 १०९, ११०, १२९, १४५, २६१, ११, २०, २१;
 ३०११२, १८, २०, २२; ३११२, ३, ६; ३२१३, ४, ६;
 ३३१७ से ६, २० से २६, २८, २९, ३२, ३३, ३६;
 ३४१७ से ९, ११; ३५१२, ११, १६, २२; ३६१३४,
 ५०, ५१, ५५ से ५७ ज ४१२०४, २१०, २५८,
 २५९; ७१६३, ७४, ७७, ८३, ८४, १०८, १४२ से
 १४४ सू ६१३; १०११५१; १८११० से १३, ३५,
 ३६; १९१५, ८, ११, १५, १९, २१, ३१, ३५, ३८
 उ २१३; ३१, २१, २६, ६४, १५६, १६६; ४१५;
 ५१२३

√पुच्छिज्ज (प्रच्छ्) पुच्छिज्जइ प ३१२१
 पुच्छिज्जति प १११८२, ८३, ८५; १७१३०;
 २११६१; २८११५, ११७ पुच्छिज्जति
 प २८११४५

पुद्ध (स्पृष्ट) प २१६४१०, ११; १११६१, ६२,

६६११; १५१११, १५१३६ से ४०, ४५; २०१३९;
 २२१५९; २३११३ से २३; २८१११, १२, ५७, ५८
 ज १११८, २०, २३, ४८; ३१३५; ४११, ५५, ६२,
 ८१, ८६, ९८, १०८, १७२; ६११, ३; ७१४०, ५०,
 ५३

पुड (पुट) ज ५११४, १७ उ ११५५, ५७, ६१, ६२,
 ८०, ८२, ८६, ८७; ३१११४

पुडवि (पृथ्वी) प ११२०१, ११४८३३८; १५३,
 २११, २० से २७, ३० से ३७, ४१ से ४३, ४६,
 ४८ से ५१, ६३, ६४; ३१११ से २३, १८३; ४१४
 से २४; ६११० से १६, ४५, ५१, ७३ से ७८, ८०;
 ८०११, २; ६१८८, ६१, ६२, १००, १०६; १०११ से
 ३; १११२६ से २८; १५१५५२; १६१२६;
 १७१३३; १८११०७, ११६; २०१६ से १०, ३८
 से ४२, ४६, ५६; २११५२, ५६, ६६, ८५, ८७,
 ९०; २२१२४; २८११२३; ३०१२५ से २८,
 ३३३३ से ८, १६, १७ ज २११६, १७, ६८;
 ३१२२४; ४१२५४; ७१११२४, २११, २१२
 सू १०१२६१४

पुडविकाइय (पृथ्वीकायिक) प १११५, १६; २११
 से ३; ३१२, ५० से ५२, ५४, ६० से ६३, ६५
 ७१ से ७४, ७६, ८४ से ८७, ८९, ९५, १५६ से
 १५८, १८३; ४१५६ से ६४, ६८; ५१३, ६, १०,
 ५२, ५३, ५५, ५६, ५८, ५९, ६२, ६३; ६११६, ५३,
 ६२, ८२, ८३, ८६, ८९, १०२, १०३, ११५;
 ७१४; ८१३; ९१४, १६; १२१२०, २१, २३, २५, २६;
 १३११६; १५१२० से २८, ५३, ५४, ७२ से ७४,
 ७९, १३७; १६११२; १७१६५, १०२; २०१२४;
 २२१३७; २८१२८; २९१२० ज २०७२ सू २११

पुडविकाइयत्त (पृथ्वीकायिकत्व) प १५१६६; ३६१२२
 ज ७१२१२

पुडविककाइय (पृथ्वीकायिक) प १२१३, २४;
 १५१५७, ८५; १६१४; १७११८ से २२, ४०, ६०,
 ८७, ९४, ९५, ९७, १०२; १८१२६, ३२, ३८, ४०,
 पुडविकाय (पृथ्वीकाय) सू २११

४२,५०; १६१२; २०११३, २२, २४ तो २६, २८,
३२, ३५; २१३ से ५, २३, ४०, ७६, ८०;
२२३१, ७३; २४६; २८२६, ३०, ३३ से ३६,
३८, ६६; २६१८ से १०, २०; ३०१८, ६, १८, १९;
३१३; ३४३; ३५१६, २०; ३६६; २५, २६,
३८, ५१

पुढविककाइयत्त (पृथ्वीकायिकत्व) प १५१४१;
३६१२६

पुढविसिलापट्टक (पृथ्वीशिलापट्टक) उ ५१८

पुढविसिलापट्टग (पृथ्वीशिलापट्टक) ज ३१२२३

पुढविसिलापट्टय (पृथ्वीशिलापट्टक) उ १११

पुढविसिलापट्टय (पृथ्वीशिलापट्टक) ज ११३३

पुढवी (पृथ्वी) सू २११; ६१३; १८१ उ ११२६, २७,
१४०, १४१

पुण (पुनर्) प ६१८०१ सू ११२० उ १११७

पुणं (पुनर्) उ ३१०२

पुणभव (पुनर्भव) प २६४

पुणरधि (पुनरधि) प ३६१६४ ज २६; ३१८१;
७११८, १२१ सू २१

पुणवसु (पुनर्वसु) ज ७१२८, १२६; १३४ से
१३६, १४०, १४६, १६१ सू १०१२ से ६, १३,
२४, ४०, ६२, ६८, ७५, ८३, १०५, १२०, १३१
से १३३, १५५, १६१; ११२ से ४

पुणो (पुनर्) ज ३१०६ सू १६१२ उ ३१६८

पुण (पूर्णा) प २४०६ ज २६०, १०३, १०६,
१०८, १७८; ३६, २२२; ४३, २५, १७२१;
५४६; ७१७८

पुण (पुर्ण) प ११०१२ ज ३११७११; ५५, ४६

पुणकलस (पूर्णकलश) प २३० ज ५४३

पुणचंद्र (पूर्णचन्द्र) ज ३३, ११७

पुण (भद्र) (पूर्णभद्र) उ ३२११

पुणभद्र (पूर्णभद्र) प २४५, ४५१ ज ४१६२१,
१६५ उ १६, १६, १४४; २१४, १६; ३१५६,
१५८, १६० से १६५, १६६, १७१; ५१८

पुणभद्रकूड (पूर्णभद्रकूट) ज १३४, ४६; ४१६५

पुणभासी (पूर्णभासी पूर्णभासी) ज ७११२२,

१४२ चं ५१ सू १६११; १०२१

पुण्णा (पूर्णा) सू १०६०

पुण्णाग (पुन्नाग) प १३५३ ज ३१२, ८८; ५१८

पुण्णिमा (पूर्णिमा) ज ७१२५, १२७१, १३७ से
१४५, १५४, १५५, १६७१ सू १०६ से १७,
१६ से २२, २६

पुण्णिमासी (पूर्णमासी) ज ७१३८, १४१ चं ५११
सू १०७, ८, १८, २०, २२, १२६२, १३६ से
१५६; १३१ से ३, ६

पुत (पुत) उ ४६

पुत्त (पुत्र) ज २१२७, ६४, ६६, १३३ उ ११०, १३,
१५, २१ से २३, ३१, ४४, ५७, ७२, ७४, ८२, ८७,
६५, १०६, ११०, ११३, ११४, १४६; २६, ६, १८,
२२; ३४८, ५०, ५५, ११४

पुत्तजीवय (पुत्रजीवक) प १३५२

पुत्त (पुत्रत्व) उ ५३०, ४३

पुष्प (पुष्प) प १३५, ३६; १४८१७, २७, ४०, ४१,
४७, ६३; २३०, ३१, ४०१०, ४१; १५२ ज २१८
से १०, १२; १५ से १८, ६५; १४५, १४६; ३१७,
११, १२, २१, ३४, ७८, ८५, ८८, १०६, १८०,
२०६; ४१६६; ५१७, २२, २६, ४८, ४६, ५५;
७३१, ३३, ३५, ५५, ११२३, ४ सू ४३, ४, ६,
७, ६; १०२०, १२६३, ४; १६१२२, १५;
१६१३; २०१६ ज १३५; ३५०, ५१, ५३,
११०, ११४; ५६

√पुष्प (पुष्प) पुष्पति ज ३१०४, १०५

पुष्पकेतु (पुष्पकेतु) सू २०८

पुष्पचंगेरी (पुष्प 'चंगेरी') प ३३२५ ज ३१११;
५१७, ५५

पुष्पचूला (पुष्पचूला) उ ४२०, २२, २८

पुष्पचूलिया (पुष्पचूलिका) उ १५; ४१ से ३,
२७; ५१

पुष्पछज्जिया (पुष्पछादिका) ज ५१७

पुष्पपटलहृत्थगय (हस्तगतपुष्पपटल) ज ३११

पुष्पपडलम (पुष्पपडलम) ज ५१७

पुष्पबहलय (पुष्पवार्दलक) ज ५१७

पुष्कमाला (पुष्पमाला) ज ५।१।१
 पुष्कय (पुष्पक) ज ५।४।१।३
 पुष्क (वासा) (पुष्पवर्षा) ज ५।५।७
 पुष्कांबटिय (पुष्पवृन्तक) प १।५०
 पुष्काराम (पुष्पाराम) उ ३।४८ से ५०, ५५
 पुष्कारुह्य (पुष्पारोहण पुष्पारोपण) ज ३।१२, ८८
 पुष्कासव (पुष्पासव) प १।७।१३४
 पुष्काहार (पुष्पाहार) उ ३।५०
 पुष्किय (पुष्पित) उ ३।४६
 पुष्किया (पुष्पिका) उ १।५; ३।१ से ३, १६, २०,
 २२, २३, ८७, ८८, १५३, १५४, १६६, १६७, १७०;
 ४।१
 पुष्कुत्तर (पुष्पोत्तर) प १।७।१३५
 पुष्कुत्तरा (पुष्पोत्तरा) ज २।१७ शककर की जाति
 पुष्कोदय (पुष्पोदक) ज ३।६, २२२;
 पुष्कोवयार (पुष्पोपचार) ज ७।१३३।१
 पुष्कोवयारसंठिय (पुष्पोपचारसंस्थित) सू १०।१३०
 पुम (पुंस्) प १।१।५ से १०, २४, २६ से २८
 पुमवयण (पुंस्वचन) प १।१।२६, ८६
 पुर (पुर) ज २।६४
 पुरओ (पुरतस्) ज ३।१२, ८८, १७८, १७९, २०२,
 २१७; ४।५, २७, १२२, १२४, १२७; ५।३१, ४३,
 ४४, ४६, ५७, ५८, ६०, ६६ उ ३।५०, ११२; ४।१६
 पुरओउदग्गा (पुरतउदग्गा) सू ६।४
 पुरंदर (पुरन्दर) प २।५० ज ५।१८
 पुरखड (पुरस्कृत) सू ८।१
 पुरजण (पुरजन) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 पुरतो (पुरतम्) सू २।२
 पुरत्याभिसुह (पौरस्त्याभिसुख) ज ३।६, १२, २८,
 ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १४७, १८८, २०४, २१६,
 २२२; ५।२१, ४१, ४७, ६० उ १।४१; ३।६१
 पुरत्याभिसुहि (पौरस्त्याभिसुखिन्) ज ४।२३, ३५,
 २६२
 पुरत्थिम (पौरस्त्य, पूवं) प ३।१ से ३७, १७६, १७८

ज १।१६, १८, २०, २३, २४, ३५, ४१, ४६, ४८,
 ५१; ३।१, १४, १५, २२, २६, ५१, ५२, १६१; ४।१,
 १८, २६, ३५, ४५, ५५, ५७, ६२, ७१, ८१, ८४, ८६,
 ९०, १०३, १०६, १०८, १२६, १५१।१, १५३,
 १६२, १६७, १६९, १७२, १७८, १८१, १८२,
 १८४, १८५, १९०, १९१, १९३, १९४, १९६,
 १९७, १९९ से २०३, २०५, २०६, २०८, २०९,
 २१३, २१५, २१६, २२८, २३३, २३५, २३८,
 २४३, २४५, २६२, २६५, २६६, २७१, २७२,
 २७४, २७७; ५।८, १०, ३६, ४७; ६।१६ से २४;
 ७।१७८ सू २।१; ८।१; १३।१२, १५; १५।८ से
 १३; १८।१४ से १७; २०।२ उ ३।५१
 पुरत्थिमपच्चत्थिम (पौरस्त्यपाञ्चत्थ) सू २।१;
 ८।१
 पुरत्थिमलवणसमुह (पौरस्त्यलवणसमुह) ज ४।२६८
 पुरत्थिमिल्ल (पौरस्त्य) प १।६।३४ ज १।२०; २३,
 ४८; २।११७; ३।२६, ६५, ६७, ६९, १३५, १५१,
 १५६, १७०, २०४, २१४; ४।१, २३, ५५, ६२, ८१,
 ८६, ९८, १०८, १४३, १४७, १५६, १७२, २२६,
 २२७, २३७, २३८, २६२; ५।१४, ४४; ७।१७८
 सू २।१; १०।१४७; १३।१५
 पुरवर (पुरवर) ज ३।३२, ३५, २२१
 पुरा (पुरा) ज १।१३, २०, ३३, ३७; ४।२
 पुराण (पुराण) ज ३।१६७
 पुरिमकंठमाओवगता (पूर्वकण्ठमाओवगता) सू ६।४
 पुरिमड्ड (पूर्वाडिं) प १।६।३०
 पुरिमताल (पुरिमताल) ज २।७१
 पुरिमड्ड (पूर्वाडिं) प १।६।३०; १।७।१६५
 पुरिस (पुरिस) प १।६०, ६६, ७५, ७६, ८१, ८४;
 २।६; ४।१६; ३।१८३; ६।७६; १।६।४८, ५२, ५४;
 १।७।१०८, १०९, १११ ज ३।७, ८, १५, १६, २१,
 ३१, ३४, ३५, ७७, ८१, १२५, १६७।४, १७३,
 १७६, १७८, १८३, १९६, २००, २१२, २१३
 चं ४।२ सू १।८।२; २०।७ उ १।१७, १८, ४४,
 ४५, १२३, १३१; ३।११०, १११; ४।१६ से १८;

पुस्तक-पुस्तकाली

५५, १५ से १८
 पुस्तक (पुस्तक) सू २०१६३
 पुस्तककार (पुस्तककार) प २३१६, २० ज २५१,
 ५४, १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४,
 १६०, २६३; ३१२६, १८८; ७१७८ सू २०१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ७२२, २५ सू २३
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज २८४
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ५२१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ५२१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प ११२
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १८६१; २३१४२, १८७;
 २८१४०
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प ३१६७; १३१४, १८, १६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प २३१६, ७४, ८४, १४४
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १३१५
 पुस्तकालयपरिणाम (पुस्तकालयपरिणाम) प १३१३
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ५२१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) उ ३१२, २६, ७६;
 ४१०, ११, १३, १४, १६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ५२१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) उ ३१३०, १३१, १३४
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १५८३ से ८५, ८७, ८६ से
 १०१, १०३ से १०६, १०८ से ११०, ११२ से
 १२३, १२५ से १३२, १३४ से १४३; ३६८ से
 २६, ३० से ३४, ४४, ४५, ४७
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १५५८
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ३१७८, १८६,
 १८८, २०६, २१०, २१६, २१६, २२०
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प २०५८
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १५५ ज १५; ५५
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १२०४ ज ३३५
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १४६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १८६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ३११२
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ४१३ सू २०७
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ३१७८; ७१७८

पुस्तक (पुस्तक) प १६१२१; ३६१६२ ज २४, १६१;
 ३१८५, २०६, २२१; ४१३५, २३८; ७३८,
 २१२ ज १३ सू ३११; ८११; ८११, २१
 उ १६६, १०६, ११०, ११३, ११४
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज २४; ७११७१ सू ८१;
 १०८६१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) सू १०४, ५
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ३१८५, २०६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प ४१०७, १०६, ११३, ११५,
 ११६, ११८, ११६, १२१, १३१, १३३, १३७, १३६,
 १४०, १४२, १४६, १४८; १८४, ६०, ८१, ८४,
 ८६, ६६; २३१७८, ७६, १४७, १५८, १६२, १६५,
 १६६ ज २१२३, १५१; ३१८५, २०६; ४१०१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प ११४६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) उ ३१७६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ५४२
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज २१७१, ८८
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) सू १०१३१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) उ ३१८१, ८२
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) सू १०६४
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ७१२८, १२६, १३६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज ७१२८, १२६, १३६,
 १३६, १४२ सू १०६
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) उ ३१६, २१, २६, १४६, १५६,
 १६६, १७१; ४५, २८
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प २८६८ से १०१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) (पुस्तकालय) प ३६१६२
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) उ १५१, ६५, ७६; ३४८, ५०,
 ५५, ५७, ६६, ७२, ७५, ७६, ६८, १०६, १३१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) ज २५२, १६१; ३१७१;
 ४१६६, १०१, १०६, १६०, २३७, २४३; ५१६, ७;
 ७३५, १६७
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १६३०; १७१६१
 ज २१६; ४१६६, ६६, २१३, २६३१
 पुस्तकालय (पुस्तकालय) प १६४५

पुंत्वसंगइय (पूर्वसांगतिक) उ ३।५५
 पुंत्वसयसहस्र (पूर्वशतसहस्र) ज २।६४, ५७, ५८;
 ३।१८५, २२५
 पुंत्वानुपुंत्वी (पूर्वानुपूर्वी) उ १।२, १७; ३।२६, ६६,
 १३२, १४६, १५६; ४।११; ५।३६
 पुंत्वा (पूर्व) सू १०।५, १२०; १।१३; १।२।२३
 पुंत्वापोट्ठवता (पूर्वप्रौष्ठपदा) सू १०।५६
 पुंत्वापोट्ठवया (पूर्वप्रौष्ठपदा) सू १०।४, ५, ६, २१,
 २३, ३१, ८२, ६६, १३१, १३२
 पुंत्वाफगुणी (पूर्वफल्गुनी) ज ७।१४०, १४८,
 १५१, १६३ सू १०।२ से ६, १५, २३, ४४, ६२,
 ७०, ७५, ८३, १०६, १२०, १३१ से १३३, १५२;
 १।२।२३
 पुंत्वाभद्रवया (पूर्वभद्रवदा) ज ७।१४६, १५७
 सू १०।२, ३, ५, ७५, १३१, १३३
 पुंत्वामेव (पूर्वमेव) प ३।६।६२ उ ४।२१
 पुंत्वावर (पूर्वापर) ज १।२६; ४।२१, १४२, २५६;
 ६।१०, ११, १४, १५, १८ से २२, २६; ७।४, ६३,
 ८७, ११०, १८३
 पुंत्वासाढा (पूर्वापाढा) ज ७।१२८, १३६, १४०,
 १४६, १६७ सू १०।२ से ६, १६, २३, ५३, ६२,
 ७४, ८३, ११८, १३१ से १३५
 पुंत्वि (पूर्वम्) उ ३।११८
 पुंत्विन्न (पूर्वीय) ज ५।४१
 पुंत्वोववण्णय (पूर्वोपपन्नक) प १।७।४, ६, १६, १७
 पुंस (पुंस) ज ७।१२६।१
 पुंस (पुंस्य) ज ७।१३६, १४०, १४६, १६१, १६२
 सू १०।२, ३, ५, ६, १३, २४, ४१, ६२, ६८, ६९,
 ७५, ८३, १०६, १२०, १३१ से १३३, १५६;
 १।१६; १।१।२।१।७
 पुंसदेवया (पुंस्यदेवता) सू १०।८३
 पुंसफल (पुंसफल) प १।४।४।४
 पुंसायण (पुंसायण) ज ७।१३।२।२ सू १०।६८
 पुंस्त (पुंस्त) प ७।३, ६ से ६; १।१।८।१, ८३, ८४;
 १।२।६; १।५।६; १।८।४, १६, २४, ३१, ३६, ४६, ५४,

६०, ६१, ११३, ११६; २।१।४।४ से ४७, ४७।१,
 २, ६, २।१।६।८; २।४।१।४, १५; २।५।२, ४; २।७।२, ६;
 २।८।२।७, ७३ से ७६, १२१, १२४, १२७ से
 १३२, १३६, १४३, १४५; ३।६।१।७, ३४
 पुंस्त्य (पार्थकित्वक) प १।१।८।५
 पुंस्त्री (पृथ्वी) ज ३।३, ३५; ५।१।०।१
 पुंसफलीवण (पुंसफलीवन) ज २।६
 पुंस (पोई) प १।३।५।३
 पुंसत्त (पुंसित्व) ज २।६
 पुंस्य (पुंसित) ज ३।८।१; ५।५
 पुंसित (पुंसित) उ ३।४।८, ५०
 पुंस्य (पुंस) प १।८।४; २।२० से २७ ज ३।१२०
 उ १।५।६, ६१, ६२, ८४, ८६, ८७
 पुंस्यय (वे०) प १।६।५
 पुंस्यवत्तिय (पुंसप्रत्यय) ज ५।२।७
 पुंस्यिज्ज (पुंसनीय) सू १।८।२।३
 पुंसफली (पुंसफली) प १।४।३।२
 पुंसा (पुंसा) उ ३।५।१
 √पुंस (पुंस्य्) पुंस्यते ज ३।३।१ पुंस्ये प ३।६।८।५
 ज ७।१।१।२।५ पुंस्यति ज ५।१।३ पुंस्यति
 सू १०।१२।६।५
 पुंस्य (पुंसक) ज ३।८।८
 पुंस्यंत (पुंस्यत्) ज २।६।५; ३।३।१
 पुंस्य (पुंस्यत्) ज ३।२।१।१
 पुंस्य (पुंस्यत्) ज ३।३।०, ४३, ५१, ६०, ६८, १३०,
 १३८ से १४०, १४६; ७।१।७।८
 पुंस्यत्ता (पुंस्यत्ता) ज ५।१।३
 पुंस्य (पुंस्य) ज ७।१।२।८, १३०, १८६।३ सू १०।४;
 १।२।१।६ से २३, २६
 पुंसफली (पुंसफली) प १।४।०।१
 पुंसमाण्य (पुंसमाण्य) ज ३।१।८।५
 पुंसमाण्य (पुंसमाण्य) २।६।४; ५।३।२
 पेच्छणिज्ज (प्रेक्षणीय) ज २।१।५
 पेच्छा (प्रेक्षा) ज २।२।०, ३२
 पेच्छाघरसंठित (प्रेक्षागृहसंस्थित) सू ४।२
 पेच्छाघरमंडव (प्रेक्षागृहमण्डप) ज ३।१।६।३;

४१२३, १२४; ५१३३
 वेच्छज्जमाण (प्रेक्षमाण) ज २६५; ३१८६, २०४
 वेज्ज (वेज्जस्) प ११३४१; २२१२०
 वेज्जणिसिया (प्रेयोनिधिता) प ११३४
 वेढ (पीठ) ज ४१४३, २०८; ५११३
 वेम्म (वेम्मन्) ज २१२७
 वेरंत (वेरन्त) ज १११६; ३१२६४; ४१४३,
 २४५, २४६, २५१; ७१७८
 वेल्ब (वेल्ब) ज ३१२११; ५१५८
 वेस (वेस) ज २१२६
 √वेस (प्र+ इप्) वेसिज्ज उ ११२८ वेसेइ
 उ १११० वेसेमि उ ११०६ वेसेमो
 उ ११२७ वेसेह उ ११०७ वेसेहि उ १११५
 वेसल (वेसल) प १७१३४
 वेसित्तए (वेसित्तुम्) उ ११०७
 वेसिय (वेसित्त) उ ११११६, १२७
 वेसुण (वेसुण्य) प २२१२०
 √वेह (प्र+ ईक्ष्) वेहति प १५१५०
 वेहमाण (वेहमाण) प १५१५०
 वेहुणनिजिया (वेहुण' मञ्जिका) प १७१२८
 वेण्डीय (वेण्डीय) प १४६, ७६ ज ४३, २५
 वेण्डीयदल (वेण्डीयदल) प १७१२८
 √वेण्ण (प्र+ उक्ष्) वेण्णइ उ ३१५१
 वेण्णरत्थिभय (वेण्णरत्थिभय) ज ४१७
 वेण्णरत्थ (वेण्णरत्थ) ज ३१०६
 वेण्णरत्थर (वेण्णरत्थर) सू १६१५१, २
 वेण्णरत्थरदीव (वेण्णरत्थरदीव) सू १६१५
 वेण्णल (वेण्णर) प १४६
 वेण्णलत्थिभय (वेण्णरत्थिभय) प १४६
 वेण्णलत्थिभयतीचकवट्टिविजय
 (वेण्णलत्थिभयतीचकवट्टिविजय) ज ४११६७
 वेण्णल (वेण्णल) प १८५; ३१२२, १२४, १७५,
 १७६, १८० से १८२; ५१४०, १४३, १४५,
 १४७, १५०, १५४, २३३, २३४, २३६ से २३६,
 २४१, २४२; ६१२६; १५४० से ४७.४६:

१६३३, ३४; १७२, २५; २११११, ६५, ६६;
 २३१३ से २३; २८२०, २२ से २४, ३२, ३४,
 ३६, ३६ से ४२, ४४, ४५, ४८, ६६, ६८ से ७१,
 १०५; ३४१११, ३४६, १६, २०; ३६१५६, ६१,
 ६२, ६६, ७०, ७३, ७४, ७६, ७७, ७९ से ८१;
 ज २६; ३१६२; ५१५, ७; ७२११ सू ५११;
 ७११; ६११; २०१२
 वेण्णलत्थिभय (वेण्णलत्थिभय) प १६३८, ४३
 वेण्णलत्थिभय (वेण्णलत्थिभय) प ३१११४
 ११५, १२०, १२२
 वेण्णलपरिचट्ट (वेण्णलपरिचट्ट) प १८३, २७, ४५,
 ५६, ६४, ७७, ८३, ९०, १०८
 वेण्णल (वेण्णल) उ ३१३०
 वेण्णल (वेण्णल) ज २४३
 वेण्णलिया (वेण्णलिया) ज ५११६
 वेण्णलदी (वेण्णलदी) ज ७१३६, १४२, १४८, १५१,
 १५५
 वेण्णलदी (वेण्णलदी) सू १०७, ६, २१, २३, २६
 वेण्णलदी (वेण्णलदी) सू १०५, १२०, १५३
 वेण्णल (वेण्णल) प १४२११ नल लृण
 वेण्णलिया (वेण्णलिया) प १५१११
 वेण्णल (वेण्णल) उ ३१५०
 वेण्णल (वेण्णल) ज ३१७८
 वेण्णल (वेण्णल) ज ४१४०
 वेण्णल (वेण्णल) प १६७
 वेण्णल (वेण्णल) प १४४१ इक्षु
 वेण्णल (वेण्णल) प २८२०, २६, ३२, ६६
 ज ११३, ३०, ३३, ३६; ४१२
 वेण्णल (वेण्णल) सू १६३; ६११ से ३
 वेण्णल (वेण्णल) ज ७१५६ से १६७ सू १०६४
 से ७४
 वेण्णल (वेण्णल) चं २३
 वेण्णल (वेण्णल) प २३० से ३३,
 ३५, ४१, ४८ से ५१ ज १४५; ३१८५, २०६,
 २२१; ५१६ उ ५१०
 वेण्णल (वेण्णल) प १६८

पोस (पौष) ज २१६; ७१०४ सू १०१२४
उ ३१४०
पोसह (पौषध) ज २१३५
पोसहघर (पौषधगृह) ज ३३२२
पोसहसाला (पौषधशाला) ज ३१६८ से २१, ३१,
३३, ३४, ५२ से ५४ ५८, ६१, ६३, ६६, ६६, ७०,
७१, ७४, ८४, ८५, १३७, १३६, १४१ से १४३,
१४७, १६४ से १६८, १८० से १८३, १६०,
१६६ उ ५३५
पोसहिय (पौषधिक) ज ३२०, ३३, ३५, ५४, ६३,
७१, ८४, १३७, १४३, १६७, १८२
पोसहोववास (पौषधोपवास) प २०१७, १८, ३४,
पोसी (पौषी) ज ७१३७, १४०, १४६, १४६, १५५,
सू १०१७, १३, २२, २३, २६
पोहत (पृथक्त्व) प १५१११, १५१८ से १०, २३,
३०, १४०; २४६
पोहत्तिय (पार्थक्त्विक) प २२२५, २८; २३८, १२

फ

फगुण (फाल्गुन) ज २१७१; ७१०४ सू १०१२४
उ ३१४०
फगुणी (फाल्गुनी) ज ७१३७, १४०, १४६, १५३,
१५५; १०१२०; १२२३ सू १०१७, १५, २३,
२५, २६, १२०, १५३, १५८; १२२३
फगस (पनस) प १३६१; १६५५; १७१३२
फणिज्जय (फणिज्जक) प १४४३ मरुआ
फरिस (स्पर्श) ज ३१८२, १८७, २११, २१८; ५१५८
सू २०१७ उ ५२५
फरस (वरुप) ज २१३१, १३३
फल (फल) प १३३, ३६; १४८६, १८, २८, ६३;
२३१३ से २३ ज ११३, ३०, ३३, ३६; २१८,
६, १२, १६, १७, १८, ७१, १४५, १४६; ३११७,
२२१; ४२; ७११२३, ४ सू १०१२०,
१२६३, ४ उ १३४, ६८, ६६; ३५०, ५३, ६८,
१०१, १३१; ५६
फलग (फलक) प ३६६१ ज ३३१ उ ३३६

फलगगाह (फलकगाह) ज ३११७८
फलय (फलक) ज ४२६ उ ११३८
फल (वासा) (फलवर्षा) ज ५१५७
फलविटिय (फलवृन्तक) प ११५०
फलहसेज्जा (फलकशय्या) उ ५१४३
फलासव (फलासव) प १७१३४
फलाहार (फलाहार) उ ३५०
फलिय (फलित) उ ३४६
फलिकूड (स्फटिककूट) प २१५१, ५६
फलिहामय (स्फटिकमय) सू १८८
फणिय (फाणित) प १५११२, १५१५०
फालिय (स्फटिक) ज ४३, २५
फालियामय (स्फटिकमय) प २४८ ज ७१७६,
१७८
फास (स्पर्श) प १४ से ६; २२० से २७, ३०, ३१,
४१, ४८, ४६; ३११८२; ५१५, ७, १०, १२, १४, १६,
१८, २०, २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ३६, ४१, ४५,
५३, ५६, ५६, ६१, ६३, ६८, ७१, ७४, ७६, ७८,
८३, ८६, ८६, ९१, ९३, ९७, १०१, १०४, १०७,
१०६, १११, ११५, ११६, १२६, १३१, १३४,
१३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७, १५०,
१५२, १५४, १६३, १६६, १६६, १७२, १७४,
१७७, १८१, १८४, १८७, १९०, १९३, १९७,
२००, २०७, २११, २१४, २१८, २२१, २२४,
२२८, २३०, २३२, २३४, २३७, २३६, २४२,
२४४; १०५३१; ११५६; १५३८, ७७, ८१,
८२; १७१३२ से १३४; २३१३ से २३, १०६,
२८६, १०, २०, ३२, ५५, ५६, ६६; ३४११२;
३६१८०, ८१ ज ११३; २१७, १८, ६८, १४२;
३१३८; ४२७, ४६, ८२; ५३२; ७२०६
सू २०१७, ८, २०१८, ४
फासओ (स्पर्शतम्) प ११५ से ६; ११६०;
२८१०, २०, २६, ५६
फासचरिम (स्पर्शचरिम) प १०५२, ५३

फासणाम (स्पर्शनामन्) प २३।३८, ५०
 फासतो (स्पर्शतस्) प १।६ से ६; २।८।३२, ६६
 फासपज्जव (स्पर्शपर्यव) ज २।५।१, ५४, १२१, १२६,
 १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३;
 ७।२०६
 फासपरिणाम (स्पर्शपरिणाम) प १।३।२१, २६
 फासपरिचार (स्पर्शपरिचार) प ३।४।२१
 फासपरिचारण (स्पर्शपरिचारण) प ३।४।२८, २१, २५
 फासपरिचारणा (स्पर्शपरिचारणा) प ३।४।१७, २१
 फासमंत (स्पर्शवत्) प १।१।५२, ५६; २।८।५, ६, ५१;
 ५५
 फासविण्णाणावरण (स्पर्शविज्ञानावरण) प २।३।१३
 फासादेस (स्पर्शादेश) प १।२०, २३, २६, २६, ४८
 फासावरण (स्पर्शावरण) प २।३।१३
 फासिदिय (स्पर्शोन्द्रिय) प १।५।१, ६, ७, १० से १८,
 २० से २७, ३०, ३१, ३५, ४२, ५८ से ६४, ६६, ७०,
 ७३, ७४, ८०, ८५, १३३; २।८।४२, ४५, ४६, ७१
 उ ३।३३
 फासिदियत्त (स्पर्शोन्द्रियत्व) प २।८।२४, २६; ३।४।२०
 फासिदियपरिणाम (स्पर्शोन्द्रियपरिणाम) प १।३।४
 फासु (प्रासु) उ ३।३६
 फासुय (प्रासुक, स्पर्शुक) उ ३।१।१४
 फासुयविहार (प्रासुकविहार) उ ३।३०, ३६
 फासोदिय (स्पर्शोन्द्रिय) प १।५।१६, २८, ३१ से ३३,
 ६४ से ६७, ७६, १३४; २।८।३६
 फुट्ट (दे०) ज २।१।३३
 √फुट्ट (=फुट) फुट्ट उ ५।७।२ फुट्टिहि ज ५।७।३
 फुट्टमाण (फुट्टम्) ज ३।८।२, १।८।७, २।१।८
 फुड (स्पृष्ट) प १।५।३३ से ५७; ३।६।५६, ६०, ६६
 से ६८, ७०, ७१, ७४, ७५, ८१ चं १।३।३
 फुडित्ता (स्पृष्टित्वा) प १।१।७८
 फुडिय (=फुटित) प २।१।३३
 फुल्ल (फुल्ल) ज ३।१।८८
 फुल्लावलि (फुल्लावलि) ज ५।३।२
 √फुस (स्पृश) फुसइ ज ३।१।३१ फुसई प २।६।४।११
 फुसति प १।१।७२ सू ५।१ फुसंतु ज ३।१।१२

फुसमाण (स्पृशत्) प १।३।२३
 फुसमाणगति (स्पृशद्गति) प १।६।३८, ३६
 फुसित्ता (स्पृष्टत्वा) प १।५।५।१; १।६।३६; ३।६।७६, ८१
 ज ३।१।३१

फुसिय (स्पृष्ट) ज ५।७
 फेण (फेन) ज ३।३।५; ४।१।२५; ५।६।२; ७।१।७८
 फेणमालिनी (फेनमालिनी) ज ४।२।१२

ब

बउल (बकुल) प १।३।५।१
 बउस (बकुश) प १।८।६
 बंध (बन्ध) प ३।१।२; १।३।२।२।१, २; १।४।१।८।१;
 २।६।१।२ ज २।१।३३
 √बंध (बन्ध्) बंधइ प २।३।३, १।६।८; २।४।१।३ से
 १।५ उ ३।५।५ बंधति प १।१।१।८; २।२।२।२, २।३,
 ८।६, ६०; २।३।५।७, १।३।४, १।३।५, १।३।७ से १।४०,
 १।४।२, १।४।३, १।४।६, १।४।७, १।५।१ से १।५।८, १।६०
 से १।६।२, १।६।४, १।६।६, १।६।७, १।६।६, १।७।१ से
 १।७।४, १।७।६, १।७।७, १।८।१, १।८।५, १।८।६, १।९०;
 २।४।४।५, १० से १।२, १।५; २।६।४, ६ ज ५।१।३
 बंधति प २।२।२।१, ८।३, ८।६, ८।७; २।३।१।१,
 २।३।४, ६, १।६।४ से १।६।६, १।६।८ से २०।१; २।४।२,
 ३, १०, १।५; २।६।२, ३, ८ बंधिसु प १।४।१।७
 बंधिस्सति प १।४।१।८ बंधिसु प १।४।१।८
 बंधेसि उ ३।७।६
 बंधग (बन्धक) प ३।१।७।४; २।२।२।२, २।३, ८।४, ६०;
 २।३।६।३; २।४।४ से ८, १० से १।३; २।६।४ से
 ६, ८ से १०; २।७।५
 बंधण (बन्धन) प २।६।४।२।२; १।६।५।५, ३।६।८।२।१,
 ८।३।१, ६।४।१ ज २।२।७, २।६, ८।६, ८।६, १।३।३;
 ३।२।२।५ उ १।६।६, ६।८, ७।२, ८।८, ६।२
 बंधणछेदणगति (बन्धनछेदनगति) प १।६।१।७, २।३
 बंधणपरिणाम (बन्धनपरिणाम) प १।३।२।१, २।२
 बंधनविमोयणगति (बंधनविमोचनगति)
 प १।६।३।८, ५।५

बंधमाण (बन्धन्) प २२२६, २७; २४२ से ५, ६
से १५; २५२, ४, ५

बंधय (बन्धक) प ११६२; २२२१ न३, न६, न७;
२३११, २३१६१ से १६३; २४२, ३, ७, न,
१०, १२; २६२ से ४, ६, न से १०

बंधिता (बन्ध्या) ज ५१३ उ ३५५

बंधुजीवध (बन्धुजीवक) प १३६१ ज २१०;
३३५

बंधेउकाम (बन्धुकाम) उ १७३

बंधेता (बन्धवा) ज ५१६ उ ३७६

बंध (ब्रह्मन्) प २५४; १५६६ ज ७१२२१
सू १०६४१

बंधेचर (ब्रह्मचर्य) ज ७१६६ सू १६३

बंधेचरवास (ब्रह्मचर्यवास) उ ५४३

बंधणय (ब्रह्मण्यक) उ ३२६, ३६, ४०, ४२

बंधयारि (ब्रह्मचारिन्) ज ३२०, ३३, ५४, ६३, ७१,
८४, १३७, १४३, १६७, १८२

बंधलोग (ब्रह्मलोक) प २४६, ५४, ५५, ६०; ७१२;
३३१६; ३४१६

बंधलोय (ब्रह्मलोक) प ११३५; २४६, ५४ से ५७,
६३, ३३३, १८३; ४२४३ से २४५; ६३१, ५६,
६५; २०६१; २१७०; २६७६; ३४१८
उ २२२; ५२६

बंधलोयग (ब्रह्मलोकज) ज ५४६

बंधलोयवडिसय (ब्रह्मलोकावतंसक) प २५४

बंधी (ब्राह्मी) प १६६ ज २७५

बकुल (बकुल) ज ३१२, ६६; ५५६

बग (बक) प १७६

बज्ज (बंध) बज्जति उ ३१४२

बत्तीस (द्वात्रिंशन्) प २२२ सू २३ उ ३१२६;
५३५

बत्तीसइ (द्वात्रिंशन्) ज ३१६६, २०४

बत्तीसइविह (द्वात्रिंशत्विध) ज ५५७ उ ३१५६

बत्तीसग (द्वात्रिंशन्) ज ७१३११

बत्तीसजणवयवहससराय (द्वात्रिंशद्जनपदसहस्र-
राजन्) ३१२६२

बत्तीसमंगुलमूसियसिर (द्वात्रिंशदङ्गुलान्छितशिरस्क)
ज ३१०६

बत्तीसविह (द्वात्रिंशत्विध) ज ३१५६

बवर (बदरा) प १३७२ कपाम का पीघा

बद्ध (बद्ध) प १५५६२; २०३६; २३१३ से २३
ज ३२४, ३५, ७७, ८२, १०७, १२४, १७६, १८६,
१८७, २०४, २१४, २१६, २२१; ४३.२५
उ ११३६

बद्धग (दे०) ज ७१७६ एक आभूषण

बद्धेल्लग (दे०) प १२६ से १३, १६, २०, २१, २३,
२४, २७, २८, ३१ से ३३; १५६३ से ६६, ६६
से ६३, ६५ से ६७, ६६ से १०६, १०६ से १२३,
१२५ से १२२, १३५, १३६ से १४१, १४३

बद्धेल्लय (दे०) प १२७, ६, १२, २०; १५६४

बद्धेर (बर्वेर) प १६६ ज ३६१

बद्धरी (बर्वरी) ज ३१११

बद्धह (ब्रह्मन्) ज ७१३०, १७६, १६६३

बद्धदेवया (ब्रह्मदेवता) सू १०७६

बरण (दे०) ज ३११६ कालि विशेष

बरहण (बर्हन्) प १७६

बल (बल) प २०१११, २३१६, २० ज २५१, ५४,
६४, ७१, १२१, १२६, १३०, १३६, १४०, १४६,
१५४, १६०, १६३; ३३, १२, ३१, ७७, ७८, ८१,
१०१, १०३, १०६, ११७, १२६, १२६, १५१,
१६०, १६६, २०६; ४२३६; ५५५, २२,
२६, ७१७६ सू २०१, ७, ६३, ५ उ १६६,
६६; ११५, ११६; ३१११, १७१

बलकर (बलकर) ज ३१३६

बलकूड (बलकूट) ज ४२३६, २३६

बलदेव (बलदेव) प १७४, ६१; ६२६ ज २१२५,
१५३; ७२०० उ ५१० से १२, ३०

बलदेवत्त (बलदेवत्त) प २०५५

बलव (बलवन्) ज ५५; ७१२२१ सू १०६४१

बलवग (बलवत्क) उ २५

बलविसिद्धया (बलविसिद्धता) प २३२१

बलविहीणया (बलविहीनता) प २३।२२
 बलाग (बलाक) ज ३।३५
 बलागा (बलाका) प १।७६
 बलाबलय (बलाबलोक) ज ३।८१
 बलाहगा (बलाहका) ज ५।६।१
 बलाह्या (बलाहका) ज ४।२।१०.२३८
 बलि (बलि) प २।३।१.३३; ४।०।७ ज २।१।१३,
 १।१६; ५।५।१ उ ३।५।१, ५।६, ६४
 बलिकर्म (बलिकर्मन्) ज २।५।८, ६६, ७४, ७७, ८२,
 ८५, १।२।५, १।२६, १।४७ सू २।०।७ उ १।१।६,
 ७०, १।२।१; ३।१।१०; ५।१।७
 बलिपेठ (बलिपीठ) ज ४।१।४०
 बलिमोडय (दि०) प १।४।८।४७
 बव (बव) ज ७।१।२३ मे १।२५
 बहल (बहन) ज ३।१।०६
 बहलतर (बहलतर) प १।४।८।३० से ३३
 बहलिय (बहलीक) प १।८।६
 बहली (बहली) ज ३।१।१
 बहव (बहु) ज १।१।३, ३।१; २।७, १।०, २।०, ६५, १।०।१,
 १।०।२, १।०।४, १।०।६, १।१।४ से १।१।६, १।२।०; ३।१।०,
 ८६, १।०।३, १।७।८, १।८।५, २।०।६, २।१।०; ४।२।२, ८३,
 ६७, १।१।३, १।३।७, १।६।६, २।०।३, २।६।६, २।७।६; ५।२।६,
 ७२ से ७४ सू १।८।२।३ उ ३।४।८ से ५०, ५५,
 ६२, १।२।३; ५।१।७
 बहस्सइ (बृहस्पति) सू २।०।८, २।०।८।४
 बहस्सइदेवया (बृहस्पतिदेवता) सू १।०।८३
 बहस्सति (बृहस्पति) प २।४।८
 बहस्सतिमहाग्रह (बृहस्पतिमहाग्रह) सू १।०।१२६
 बहि (बहिम्) प २।४।८
 बहिता (बहिस्तात्, बहिम्) सू १।६।२।२।२७
 बहिया (बहिस्तात्, बहिस्) ज १।३; २।७।१; ७।५।८
 सू १।२; ६।१.३; १।६।२।२।१ उ १।२; ३।२।६,
 ४६, ४८, ५०, ५५, १।४।५; ५।५, ३३
 बहु (बहु) प १।४।८।५।४; २।२।० से २७, ३० से ३५,
 ३७ से ३९, ४१ से ४३, ४६, ४८ से ५५, ५८ से

६१, ६३, ६४; ३।१।८३; ६।२।६; १।१।२२; १।७।
 १।३।६; २।२।१।०।१; ३।६।८।२ ज १।४।५;
 २।१।१, १।२, ५।८, ६५, ८३, ८८, ९०, १।२।३,
 १।२।८ १।३।३, १।३।४, १।४।५, १।४।८, १।५।१, १।५।७;
 ३।६, १।१, २।४, ३।२।१, ८।१, ८।७, १।०।३, १।०।४
 १।०।५, १।१।७, १।७।८, १।८।५, १।८।६, १।८।८, २।०।४,
 २।०।६, २।१।६, २।१।६, २।२।१, २।२।२, २।२।५; ४।२, ३,
 २।५, २।८ से ३०, ३।४, ६०, १।४।०, १।५।६, २।४।८,
 २।५।०, २।५।१, २।५।२; ५।१।५, ५।१।६, ४।३, ४।६, ४।७,
 ६।७; ७।१।१।२।१, २, ७।१।६।८, १।८।५, १।६।७, २।१।३,
 २।१।४ चं २।४ सू १।६।४; २।१; १।०।१।२।६।१,
 २; १।४।१ से ८, १।८।२।३; १।६।१।६; २।०।७
 उ १।१।६, ४।१, ४।३, ५।१, ५।२, ७।६, ७।७, ६।३, ६।८;
 २।१।०, १।२; ३।१।१, १।४, २।८, ५।५, ८।३, १।०।१, १।०।६,
 १।०।६, १।१।४, १।१।५, १।१।६, १।२।०, १।३।० से १।३।२,
 १।३।४, १।५।०, १।६।१, १।६।६; ४।२।४; ५।३. १०

बहुआउपज्जव (बहुवायुःपर्यव) ज १।२।२, २।७, ५०
 बहुउच्चत्तपज्जव (बहुच्चत्वपर्यव) ज १।२।२, २।७, ५०
 बहुम (बहुक) प २।४।६, ५०, ५।२, ५।३, ५।५, ६३
 बहुजण (बहुजन) ज ३।१।०३
 बहुणाय (बहुजात) उ ३।१।०१
 बहुतराग (बहुतरक) प १।७।१।०।८ से १।१।१
 बहुतराय (बहुतरक) प १।७।२, २।५
 बहुपडिपुण (बहुप्रतिपूर्ण) ज २।८।८; ३।२।२।५
 उ १।३।४, ४।०, ४।३, ५।३, ७।४, ७।८; २।१।२; ५।२।८,
 ३।६, ४।१
 बहुपट्टिय (बहुपठित) उ ३।१।०१
 बहुपरियार (बहुपरिचार) उ ३।६।६, १।५।६; ५।२।६
 बहुपरिवार (बहुपरिवार) उ ३।१।३।२
 बहुपुत्तिय (बहुपुत्रिक) उ ३।६।०, १।२।०
 बहुपुत्तिया (बहुपुत्रिका) उ ३।२।१, ६।०, ६।२, ६।४,
 १।२।०, १।२।५; ४।५
 बहुप्पयार (बहुप्रकार) ज २।१।३।१
 बहुवीयग (बहुवीजक) प १।३।४, ३।६
 बहुवीया (बहुवीजक) प १।३।६

बहुमज्जदेसभाग (बहुमध्यदेशभाग) ज १३७;

४३५ सू १६१६

बहुमज्जदेसभाय (बहुमध्यदेशभाग) ज ११०, १६,

४०, ४२, ४३; ३१, ६७, १६१, १६३, १६४, १६७;
४३, ६, ६, १२, ३१, ३३, ४१, ४७, ४९, ५७, ५९,
६४, ६८, ७०, ७६, ८४, ८८, ९३, ९८, ११२, ११८,
११९, १३९, १४१, १४३, १४५ से १४७, १५६,
१६८, १७७, २०७, २०८, २१३, २१८, २२१, २४२,
२४८, २५०, २५२, २६६, २७२; ५१३

बहुमय (बहुमत) उ ३१२२

बहुय (बहुक) प १४७३३, १४८५४; ३३८ से १२०

१२२ से १२४, १७४, १७६ से १८२; ६१२३;
८५.७, ६, ११; ६१२२, १६, २५; १०३ से ५, २६
मे २६; ११७६, ६०; १५१३, १६, २६, २८, ३१,
३३, ६४; १७५६ से ६६, ७१ से ७६, ७८ से
८३, १०६, १०७, १४४ से १४६; २०६४;
२११०४, १०५; २८४१, ४४, ७०; ३४२५;
३६३५ से ४१, ४८, ४९ सू १८३७

बहुल (बहुल) प २४१ ज २१२, ६४, ६५, ७१,

८८, १३३, १३४, १३८; ४२७७; ७१२६

बहुलपक्ख (बहुलपक्ष) ज ७११५, १२५ सू २०३

बहुवक्तव्व (बहुवक्तव्य) प १११४

बहुवयण (बहुवचन) प ११८६

बहुविह (बहुविध) प २६४१७; १७१३६

ज ३६, २२२

बहुसंघयण (बहुसंहनन) ज १२२, २७, ५०

बहुसंठाण (बहुसंस्थान) ज १२२, २७, ५०

बहुसत्त्व (बहुसत्त्व) ज ७१२२१ सू १०८४१

बहुसम (बहुसम) प २४८ से ५१, ६३; ३३६;

१७१०७, १०६, १११ ज ११३, २१, २५, २६,
२८, २९, ३२, ३३, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४६;
२३, १०, ३८, ५२, ५६, ५७, १२२, १२७, १४७,
१५०, १५६, १५९, १६१, १६४; ३८१, १६२,
१६३, १६६, १६७; ४२, ३, ८, ११, १२, १६,
३२, ४६, ४७, ४९, ५०, ५६, ५८, ५९, ६३, ६६, ७०,
८२, ८७, ८८, १००, १०४, १०६, १११, ११२,

११७, ११८, १३१, १६६, १७०, १७६, २३४, २४०

से २४२; २४७, २४८, २५०; ५३२, ३५ सू २१;

६३; १८१, २०७

बहुस्सुय (बहुश्रुत) उ ३६६, १५६; ५२६

बाउच्चा (बाकुची) प १३७२

बाण (बाण) प १३८२ बाण का फल

बाणउत्ति (द्वानवत्ति) सू ११६११; १६१५१

बाणउय (द्वानवत्ति) ज १४८

बाणकुसुम (बाणकुसुम) प १७१२४

बाताल (द्विचत्वारिंशत्) सू १३१

बातालीस (द्विचत्वारिंशत्) सू १६१; २१२

बादर (बादर) प २१, २, ४, ५, ७, ८, १०, ११, १३,

१४; ३७२ से ६५, १११, १८३; ४६२ से ६४,

६६, ७०, ७६, ७७, ८५ से ८७, ९२ से ९४; ६८३,

१०२; ११६४; १८४१ से ४४, ४६, ४७, ४९,

५०, ५४, ११७; २१४, ५, २५, ४०, ४१ ५०;

२८१४, १५, ६०, ६१ सू २०१

बादरआउक्काइय (बादरअक्कायिक) प १२१, २३

बादरकाय (बादरकाय) प १२०२

बादरणाम (बादरनामन्) प २३३८, ११६

बादरतेउक्काइय (बादरतेजस्कायिक) प १२४, २६

बादरवणस्सइक्काइय (बादरवणस्पत्तिकायिक)

प १३०, ३२, ३३, ४७, ४८

बादरवाउक्काइय (बादरवायुकायिक) प १२७, २६

बादरसंपराय (बादरसंपराय) प १११४

बायर (बादर) प ६१०२; ११६५, ६६१; १८५२;

२१२३, २४, २६, २७ ज ७४३

बायरसंपराय (बादरसम्पराय) प १११२; २३१६२

बायाल (द्विचत्वारिंशत्) ज ४८६, १०८ सू ३१

बायालीस (द्विचत्वारिंशत्) प २६४ ज २६

सू ३१ उ ५६

बायालीसइह (द्विचत्वारिंशत्विध) प २३३८

बार (द्वारवती) प १०१४३

बारवई (द्वारवती) उ ५४, ५, ६, ११, १६, ३०, ३३

बारवती (द्वारवती) प १६३३

बारस (द्वादशत्) प १।७४ ज १।८ सू ३।१
 उ ५।४५
बारस (द्वादश) ज ७।११४।२ सू १०।१२४।२
बारसग (द्वादशक) प २।३।६८, १।४०, १।८३, १।८४
बारसम (द्वादश) प १०।१४।२ सू १०।७७;
 १।२।१७; १।३।८
बारसविह (द्वादशविध) प १।१३५; २।१।५५
बारसाह (द्वादशाह) उ १।६३; ३।१२६
बारसी (द्वादशी) ज ७।१।२५
बाल (बाल) ज २।६५; ३।२४; ७।१।७८
बालग (बालक) ज १।३७
बालचंद (बालचन्द्र) उ ३।२४
बालदिवागर (बालदिवाकर) प १।७।१२६
बालभाव (बालभाव) उ ३।१२७, १।२८; ५।४३
बालव (बालव) ज २।१३८; ७।१२३ से १२६
बालिन्दगोव (बालिन्द्रगोप) प १।७।१२६
बालुया (बालुका) ज ४।१३
बावट्ठ (बावष्टि) ज ४।४७
बावट्ठि (द्विषष्टि) प २।१।६७ सू १०।१३७
बावण्ण (द्विषष्टिवाशत्) ज १।१।७ सू १।२।१
बावत्तर (द्वासप्तति) ज ४।१।१०
बावत्तरि (द्वासप्तति) प २।३० ज २।६४ सू २।३;
 १।६।११; २।१।३
बावीस (द्वाविंशति) प ४।१।६ ज २।८।१ चं ५।४
 सू १।६
बावीसइम (द्वाविंशतितम) प १०।१।४।५
बावीसग (द्वाविंशतितम) प १०।१।४।४
बासीत (द्वयशीति) सू १।१२
बाहल्ल (बाहल्य) प १।७।४; २।२।१ से २७, ३० से
 ३६, ४१ से ४३, ४६, ४८, ६४; १।५।१।१; १।५।७,
 २२, ३०; २।१।८४, ८६, ८७, ९० से ९३; ३।६।५।६,
 ६६, ७०, ७४ ज १।४।३; २।१।४।१ से १।४।५;
 ४।६, ७, १२, १४, १५, २४, ३६, ६६, ७४, ६१,
 १।१।४, १।१।८, १।२।३, १।२।४, १।२।६ से १।२।८, १।३।२,
 १।३।६, १।४।०, १।४।३, १।४।५, १।४।७, २।१।७, २।४।५,

२।४।८, २।५।७, २।५।८, २।५।९; ५।३।५; ७।७, ६६, ६०;
 १।७।७।१, २, ३ सू १।२।६, २।७; १।८।१, ६ से १३
बाहा (बाहु) ज १।२।३, ४।८; २।१।५; ३।६।६ से १०।१;
 ४।१, २।६, ५।५, ६।२, ८।१, ८।६, ९।१, १।७।२;
 ५।१।४, १।७; ७।३।१, ३।३, १।६।८।१, १।७।८ सू ४।३,
 ४, ६, ७ उ ३।५।०
बाहाओ (बाहुतस्) सू ४।३, ४, ६, ७
बाहि (बहिस्) प २।२।० से २७, ३० से ३६, ४१
 से ४३; ३।३।२।७ से २६ ज १।१।२, ३।१; ४।४।६,
 १।१।४, २।३।४, २।४।०; ७।३।१, ३।३, १।६।८।१ सू ४।३,
 ४, ६, ७; १।६।२।२।१।५, १।६
बाहिर (बाह्य) प १।४।८।४।५; १।१०।१।६;
 १।५।५।५; ३।३।१।१।१ ज २।१।२; ४।७, २।१; ५।३।६;
 ७।१।० से १।३।१।६, १।८।६, २।२, २।५, २।७ से
 ३०, ३।५, ५।५, ५।८, ६।६ से ७।२, ७।५, ७।७, ७।८, ८।१,
 से ८।४, ९।६, १।२।६।१, १।७।५ सू १।१।१, १।२, १।४,
 १।६, १।७, २।१, २।२, २।४, २।७ से ३।१; २।३; ३।२;
 ४।६; ६।१; ६।१, २; १०।७।५; १।३।१।३ से १।६;
 १।६।२।२।१।२; १।६।२।३, २।६; २०।७
बाहिरओ (बाह्यतस्) ज ३।२।४।१, १।३।१।१;
 ७।१।२।६
बाहिरपुक्खरद्ध (बाह्यपुक्खरद्धं) सू १।६।१।६
बाहिरय (बाहिरक, बाह्यक) ग १।७।५, ८०, ८१
 ज ७।५, १।७, ६।४, ७।६, ८।८ सू १।१।२
बाहिरिया (बाहिरिका) ज ३।५, ७, १।२, १।७, २।१,
 २।८, ३।४, ४।१, ४।६, ५।८, ६।६, ७।४, ७।७, १।३।५, १।४।७,
 १।५।१, १।७।७, १।८।४, १।८।८, २।१।६; ४।१।६; ७।३।१,
 ३।३ सू ४।३, ४, ६, ७ उ १।१।६, ४।१, ४।२, १।२।४,
 ४।१।२; ५।१।६
बाहिरिल्ल (बाह्य) प २।१।६।० सू १।८।७
बाहु (बाहु) ज ३।१।२।७; ५।५
बि (द्वितीय) प १०।१।४।४ से ६ सू १।२।६
बि (द्वि) ज ४।६।३; ६।१।४ सू १।२।६
बिइविय (द्वीन्द्रिय) प १।७।६।६
बिइय (द्वितीय) प २।३।१; ३।६।८।५ ज ३।३;

७१०७ उ २१२२; ३६४
विद्या (द्वितीया) ज ७११७; १२५ सू १०१४८,
 १५०
विद्यादिवस (द्वितीयादिवस) ज ७११६
विदु (विन्दु) प ११०११७; १५१२६; २११२४
 ज ३११०६; ७१३३१२
विद्व (विम्ब) प २१३१, ३२
विद्वफल (विम्बफल) प २१३१ ज ३१३५
विहृणिज्ज (वृहणीय) ज २१२८
विगुण (द्विगुण) ज २१४
विडाल (विडाल) प ११६६ ज २१३६
वितिय (द्वितीय) प ११४२, ८८; १२१२२, ३८;
 २२१३३, ४१; ३६१८७ ज ३१६५; ४१४२३
 सू १०७२, ७७, ८५, ८७; १३११, ८; १४१३, ७
 उ ११६३
वितियादिवस (द्वितीयादिवस) सू १०८५
वितियाराति (द्वितीयाराति) सू १०८७
विद्वोयण (दे०) ज ४१३३
विभेलय (विभीनक) प ११३५१२
विराल (विडाल) ज २११३६
विल (विल) प २१४, १३, १६ से १६, २८
 ज २१३४, १४६
विलपंथिया (विलपञ्जितका) प २१४, १३, १६ से
 १६, २८ ज ४१६०, ११३
विलवासि (विलवारिन्) ज २१३३ उ ३१५०
विल्ल (विल्ल) प ११३६११; १६१५५; १७१३२२
 सू १०१२०
विल्लाराम (दे०) उ ३१४८, ५५
विल्ली (विल्ली) प ११३७२ एकसण, वधुआ
विल्ली (विल्ली) प ११४४१
वीभच्छ (वीभत्स) उ ३१३०
वीय (वीज) प ११४५१२, १४८१६, २६, ५१, ६३;
 ३६१६४ ज २११०, १३३; ३१६७३ उ ३१५१,
 ५३
वीय (द्वितीय) प १२११२ सू १०७७

वीयय (वीजक) प ११३८१ विजीरानीवु
वीयरुइ (वीजरुचि) प ११०१११, ७
वीयरुह (वीजरुह) प ११४८१३
वीय (वासा) (वीजवर्षा) ज ५१५७
वीर्याविटिय (वीजवृन्तक) प ११५०
वीर्याहार (वीजाहार) उ ३१५०
√बुक्कार (दे०) बुक्कारेति ज ५१५७
√बुज्ज (बुध्) बुज्जइ प ३६१८८ बुज्जकति
 प ६१११० ज ११२२, ५०; २१५८, १२३, १२८;
 ४११०१ बुज्जकति प ३६१६१
 बुज्जिहिइ उ ११४४१; ३१८६; ५१४३
 बुज्जिहिइति ज २१५११, १५७ बुज्जिज्जा
 प २०११७, १८, २६, ३४
बुज्जिता (बुद्धवा) उ ५१४३
बुद्ध (बुद्ध) प २१६४१२ ज २१८८, ८६; ३१२२५;
 ५१५, २१, ४६, ५८
बुद्धंत (बुध्नान्त) सू २०१२
बुद्धबोहिय (बुद्धबोधित) प १११०५, १०७, १०८,
 १२०
बुद्धबोहियसिद्ध (बुद्धबोधितसिद्ध) प १११२
बुद्धि (बुद्धि) ज ३१३, ३२; ४१२६६१ उ ४१२११
बुध (बुध्) सू २०१८
√बुय (बू) बुयामि प १११११, १६
बुयमाण (बुवाण) प १११११, १६
बुह (बुध्) प २१४८ सू २०१८४
√बू (बू) वेमि सू १०१७३ उ ११४२; २१४४;
 ३११६; ५१४४
बूर (दे०) सू २०१७
बे (द्वि) प १२१३७ सू १३१६
बेइंदिय (द्वीन्द्रिय) प ११४६; २११६; ३१७, ४० से
 ४२, ४५, ४६, १४४, १४५, १८३; ४१६५ से ६७;
 ५१३, १६, २०, ६७, ६८, ७०, ७१, ७३, ७४, ७८;
 ६१२०, ५४, ६४, ७१, ८३, ८६, १०२, १०४, ११५;
 ६१४, २२; ११४५; १२१२७, १३११७, १५१३० से
 ३३, ७५, ८०, ८६, १३७; १६१६, १३; १७१४०, ६२,

१०३; १०१५, २१; १६।३; २०।८, २३, २८, ३२,
४७; २१।६, २८, ४२, ८६, ८८; २२।३१; २३।८६,
१५१, १५५ से १५७, १६३, १६६, १६७, १७५;
२८।३७ से ४०, ४२, १००, १०३, ११६, १२५,
१३६; २९।११ से १३, २१; ३०।१० से १२,
२०, २१; ३१।३; ३६।३६, ६२

वेद्विद्यत (द्वीन्द्रित्व) प १५।६७, १४२

बेट्टठाइ (वृन्तस्थायिन्) ज ५।७

बेदिय (द्वीन्द्रिय) प १।१४, ४६; ३।४२, ४५, ४६,
१४६; ५।५७; ६।७१

बेतेयालसतविह (द्विचिन्तकारिद्यत्शतविध्र)
प १७।१३६

बेपाहिय (द्व्याहिक) ज २।४३

बेहिय (द्व्याहिक) ज २।६

बोडइ (दे०) प १।३७।१

बोदि (दे०) प २।३०, ३१, ४१, ४६; ६।४२, ३
ज ५।१८

बोद्धव (बोद्धव्य) प १०।१४२; ३४।११२
ज ४।१५६।१, १६२।१, २०।४।१, २१।०।१;
७।११।२, १२।०।१, १३।२।१, १६।७।१,
१७।७।१, २।८६।४ सू १०।८६, ८८; २०।८।८
उ १।१७; ३।२।१; ४।२।१

बोधव (बोद्धव्य) प १।२०।४, ३३।१, ३५।२,
३६।२, ३७।३, ४२।२, ४३।२, ४८।८, ४०,
१।८।१।१; २।६।४।६, ७; ६।८।०।२; १।०।५।३।१;
१।१।३।७।२; १।७।१।१; २।८।१।१ सू २०।८।७

बोर (बदर) प १।६।५।५; १।७।१।३।२

बोल (दे०) प २।४।१ ज २।४२, ६५; ३।२२, ३६,
७८, ६३, ६६, १०६, १६३, १८०; ५।२६; ७।५।५,
१७८ सू १।६।२३ उ १।१३।८

बोहग (बोधक) ज ५।५, ४६

बोहय (बोधक) ज ३।१।८८; ५।२।१

बोहि (बोधि) प २०।१।७, १।८, २।६, ३।४

बोहिदय (बोधिदय) ज ५।२।१

बोहिय (बोधित) ज २।१।५; ३।३

भ

भइज्ज (भज्) भइज्जति प २२।७४
भइज्जति प २२।७३

भइत्ता (भक्त्वा) सू १।२।१० से १२

भइत्त (भक्त) प २।६।४।१६

भंग (भङ्ग) प १।४।८।१० से २६; १।०।६ से ६;
१।४।२।६; १।६।१०, १।५, २।१; २।२।२।५, ८।४, ८।६;
२।४।५, ८, १।२; २।६।४, ६, ६, १।०; २।८।१।१८

भंगुर (भङ्गुर) ज २।१।५

भंगी (भृङ्गी) प १।४।८।५; १।७।१।३।१

भंगी (भृङ्गी) प १।६।३।५

भंगीरय (भृङ्गिरयम्) प १।७।१।३।१

भंड (भाण्ड) ज ३।७।२, १।५०; ४।१।०।७, १।४०

सू २०।४ उ १।६३, १।०।५, १।०६, १।१६; ३।५।०,
५।५, ६।३, ७।०, ७।३, १।२८

भंडग (भाण्डक) उ ३।५।०, ५।५

भंडवेयालिय (भाण्डवैचारिक) प १।६।६

भंडार (भाण्डकार) प १।६।७

भंडी (भण्डी) प १।३।७।५ शिरीष का पेड

भंत (भदन्त) प १।७।४, ८।४; २।१ से ३६, ४।१ से
४३, ४६, ४८ से ६४; ३।३।८ से १२०, १।२।२ से
१।२।४, १।७।४, १।७।६ से १।८।३; ४।१ से ४६, ५।२,
५।६ से ५।८, ६।५, ७।२, ७।६, ८।५, ९।५, १०।१,
१०।४, १।१।३, १।३।१, १।४।०, १।४।६, १।५।८, १।६।५,
१।६।८ से १।७।१, १।७।४, १।७।७, १।७।८, १।८।०, १।८।१,
१।८।३, २।०।७, २।१।०, २।१।३, २।६।४, २।६।७; ५।१ से
७।६ से १।२, १।४, १।६ से १।८, २।०, २।३, २।४, २।७
से ३।४, ३।६, ३।७, ४।०, ४।१, ४।४, ४।५, ४।८, ४।९, ५।२,
५।३, ५।५, ५।६, ५।८, ५।९, ६।२, ६।३, ६।७, ६।८, ७।०, ७।१,
७।७, ७।८, ८।२, ८।३, ८।५, ८।६, ८।८, ८।९, ९।२, ९।३,
९।६, ९।७, १०।०, १०।१, १०।३, १०।४, १०।६, १०।७,
११।०, ११।१, ११।४, ११।५, ११।८, ११।९, १२।३ से
१२।६, १३।१, १३।४, १३।६, १३।८, १।४।०, १।४।३,
१।४।५, १।४।७, १।५।०, १।५।३, १।५।६, १।५।७,
१।६।२, १।६।३, १।६।५, १।६।६, १।६।८, १।६।९, १।७।१,

१७३, १८०, १८२, १८६, १८९, २०२, २०३,
 २१०, २१७, २२७, २२९, २३१, २३३, २३६,
 २३८, २४१; ६१ से २३, २७, ४३ से ४५, ४७
 से ५५, ५७, ५८, ६० से ६४, ६७, ६८, ७०, ७५,
 ७८, ८० से ८२, ८७, ९०, ९३, ९४, ९६, ९९,
 १०१, १०३, १०५, ११०, ११४ से ११६, ११८
 से १२१, १२३; ७१ से ४, ६ से ३०; ८१ से
 ११; ९१ से ४, ६ से १६, १९ से २१, २५, २६;
 १०१ से १३, १५ से २४, २६ से ५३; १११
 से ४४, ४६ से ४८, ६१ से ७३, ७९ से ९०;
 १२१ से ५, ७ से १३, १५, १६, २०, २१,
 २३, २७, ३१ से ३३; १३१ से ३१;
 १४१ से ३, ५, ७, ९, ११ से १५, १७; १५१ से
 ३, ७, ८, ११ से २८, ३० से ३३, ३६ से ४१, ४३
 से ५४, ५६ से ७४, ७६ से ८०, ८३, ८४, ८९,
 ९१, ९४ से ९७, १००, १०३ से १०६, १०९,
 ११४, ११५, ११७, ११८ से १२०, १२३, १२६,
 १२९, १३२ से १३५, १४०, १४१; १६१ से
 ३, १० से १३, १५, १७, १९ से २१; १७१ से
 ६, ८ से १६, १९ से २१, २४, २८, २९, ३३, ३६
 से ४०, ५१, ५६ से ६९, ७१ से ७६, ७८ से ८७,
 ९० से ९२, ९४, ९५, ९९ से १०४, १०६ से
 ११६, ११८ से १२०, १२२ से १३०, १३५ से
 १३७, १३९ से १५२, १५४ से १५७, १५९ से
 १६१, १६६, १६७, १६९ से १७२; १८१ से
 १०, १२ से ३७, ३९, ४१ से ४७, ४९ से ५१,
 ५४ से ८२, ८४ से ९०, ९३ से १११, ११३,
 ११४, ११६ से १२०, १२२, १२३, १२५ से
 १२७; १९१; २०१ से ३, ६, ७, ९ से १५, १७
 से २५, २७ से २९, ३२ से ३४, ३८ से ४०,
 ४५, ४९ से ५१, ६१ से ६४; २११ से १५,
 १९ से २५, २८ से ३२, ३६, ३८, ४०
 से ४२, ४८, ४९, ५६ से ६६, ६८ से ८१,
 ८३ से ९६, ९८ से १०१, १०३ से १०५;
 २२१ से १९, २१ से २३, २६, २७, २९, ३०,
 ३२ से ५०, ५२ से ६९, ७६ से ७९, ८१ से

८४, ८६, ८७, ८९ से ९४, ९७ से ९९, १०१;
 २३१ से ७, ९, ११, १३ से ४८, ५७ से ६२,
 ८१, ९०, १३४, १३५, १३७ से १४०, १५४,
 १५५, १५७, १६०, १६१, १६४, १६७, १७१,
 १७६, १७७, १९१ से १९६, १९८ से २०१;
 २४१ से ५, ८, ११, १२, १४; २५१, २,
 ४, ५; २६१ से ४, ८, ९; २७१ से ३, ६;
 २८१, ३ से ५, ११ से १९, २१ से २५, २८
 से ३१, ३३ से ४२, ४४, ४५, ४८ से ५०,
 ५१, ५७ से ६०, ६२ से ६५, ६७ से ७१,
 ९८, १०२, १०४, १०६ से १०८, १११ से
 १२०, १२२, १२३, १२५, १२७, १२८, १३२;
 २९१ से ३, ५ से ७, ९, १०, १२, १३, १६ से
 १९; ३०१ से ३, ५ से ११, १३, १५ से १७,
 १९, २१, २५ से २८; ३११; ३२१, २, ४; ३३१
 से ३, ५, ६, १२ से १८, २०, २२; ३५१, २, ४ से
 १३, १६ से १८, २०, २३; ३६१ से २२, ३०
 से ४९, ५३, ५४, ५८ से ६७, ७०, ७१, ७३ से
 ८८, ९२, ९४ ज ११७, १५ से १८, २० से २३,
 २६, २७, २९, ३२ से ३५, ४१, ४५ से ५१; २११;
 ४, ७, १४, १५, १७, ४३, ५२, ५६, ५७, ५८, १२२,
 १२३, १२७, १२८, १३१ से १३७, १३९, १४७,
 १४८, १५०, १५१, १५६, १५७, १६१, १६४;
 ३११, ९८; ४११, २२, ३४, ४४, ४५, ४८, ५१, ५२,
 ५४, ५५, ५६, ५७, ६०, ६२, ७९ से ८२, ८४ से
 ८६, ९६ से ९८, १०० से १०३, १०६ से ११०,
 ११३, ११४, १४१, १४३, १५९ से १६७, १६९
 से १७८, १८० से १८२, १८४, १८५, १८७,
 १८८, १९० से १९४, १९६, १९७, १९९ से
 २०३, २०५ से २०९, २११ से २१५, २२५,
 २२६, २३४, २३६, २३७, २३९ से २४१, २४४,
 २४५, २४९, २५१ से २५५, २५७, २६० से
 २७७; ६११, २, ४, ७ से २६; ७११ से ४८, ५०,
 ५२ से ७३, ७६, ७८ से १०७, १११ से १४५,
 १४७ से १५१, १५४ से १६७, १६९ से १७८,
 १८० से १८५, १८७, १९७ से १९९, २०१ से

२१३ उ ११४, ६, ८, २१, २४, २५, १४१, १४३;
२११, ३, १३, १५; ३११, ३, ८, १६, १८, २०, २३,
२६, ३० से ३२, ३५ से ४१, ४४, ८६, ८८, ९३,
९४, १२३ से १२५, १५२, १५४, १६४, १६५,
१६७; ४११, ३, १४, २६; ५११, ३, २०, २२, २३,
३२, ४०, ४३

भंतसंभंत (भ्रान्तसम्भ्रान्त) ज ५१५७

भंभा (दे०) ज ३३१

भंभाभूय (भंभाभूत) ज २११३१, १३६

भक्षेय (भक्ष्य) उ ३३३७ से ४२

भग (भग) ज ७१३०, १३३, १८६४ सू १०३५

भगंदर (भगंदर) ज २४३

भगदेवता (भगदेवता) सू १०८३

भगव (भगवत्) प १११३; ३६८१ ज ११५, ६;
२१६, ७०, ७२, ९०, ९३, ९५, ९६, १०१ से
१०३, ११३, ११४; ५३३, ५, ७ से १४, २१, २२,
२६, ४४, ४६, ५८, ६०, ६२, ६४, ६७ से ७०, ७२
से ७४; ७११४ चं १० सू ११५; २०६१६
उ ११२, ४ से ८, १६, १७, १९ से २६, १४२,
१४३; २११ से ३, १० से १२, १४, १५, २१; ३११
से ३, ७, ८, १९, २०, २२, २३, २६, ८७, ८८, ९०,
९३, १५३, १५४, १५६, १६१, १६६, १६७, १७०;
४११ से ३, २७; ५११ से ३, ४४

भगवंत (भगवत्) प २१६४ ज २१६६, ७१, ८३;

५११, २१ उ १११७

भगवती (भगवती) सू २०६११

भगसंस्थित (भगसंस्थित) सू १०३५

भगिणी (भगिनी) ज २१२७, ६६

भग्न (भग्न) प ११४८१० से २९ उ ३१३१, १३४

भगवेश (भार्गवेश) ज ७१३३२१ सू १०१००

भज्यमाण (भज्यमान) प ११४८१३८

भज्जा (भार्या) ज २१२७, ६६ उ १११२, १४५;
२१५, १७

भज्जिय (भजित) उ ११३४, ४६, ७४

भट्टित्त (भर्तृत्व) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज ११४५;

३१८५, २०६, २२१; ५११६ उ ५११०

भट्टिवारय (भर्तृदारक) प ११११५, २०

भट्ठरय (भ्रष्टरजस्) ज ५१७

भट्ठिठ (दे०) ज २१३३१

भड (भट) ज ३११७, २१, २२, ३६, ७८, १७७

भडग (भटक) प १८६

√भण (भण्) भणइ उ ३१६६ भणति प १७८६

भणित (भणित) प ११४८१६, ४७; ११६३६; २१४०;

३११८२; ५१२४४; ६१५६, ६६, ८३, ८६, ९२,

१००; १५१५५; २११७७ सू १०१४८; २०१७

भणितव्य (भणितव्य) सू ८११; १०१४८, १५०;
१५१६

भणिय (भणित) प ११४८१५२; २१२७३, ४७;

६४४, ६, ८; ५१५२२; १११८०; १२११३, १५,

२१; १५११८, ३०, १४०; १६११८; १७१७, ६७;

२०१२६, ३५; २११७६, ६४; २२१५४; २३११००,

१०८, १५६, १७६, १८१, १८५, १९०; २४१८, ६;

२६११५; ३६१२०, २४, ४६ ज २१४३, २११५;

३११०६, १३८; १६७३३, ४; ४१२०० चं ४३

सू ११८३; १०१५०; १६१२११, २

√भण्ण (भण्) भण्णइ प ५१२२६ ज ७१४६

भण्णति प ५१२०५ भण्णति प ५१२०५, २१११;

३६१६८

भत्त (भक्त) ज २१६५, ७१, ८८; ३१२२५ उ २११२;

३११४, १२०, १५०, १६१, १६६; ५१२८, ३६, ४१,

४३

भत्तपाण (भक्तपाण) ज ३११०३, २२४

भत्तसाला (भक्तशाला) ज ३३३२

भत्ति (भक्ति) ज ३१६७६

भत्तिच्चित्त (भक्तित्त्रिच) प २१४८ ज १३७;

२११०१; ३३३६, १२, ५६, ८८, १०६, ११७,

१४५, २२२; ४१२७, ४६; ५११६, २८, ३२, ३४,

५६ सू १८८; १६१२११, २

भत्तिय' (दे०) प १४२११

भद् (भद्र) प २३३१ ज २१६४, ८१; ३३, १२, ५६,

८८, ११७, १३८, १८५, २०६; ४१४६; ५१२८;

१. वनस्पति कोष में भूतीक शब्द मिलता है ।

७।११८ उ २।२; ३।६६ से ६८, १००, १०१;
 १०६ से ११२
भद्ग (भद्रक) ज २।१६
भद्गमुक्था (भद्रमुक्ता) ज १।४८।६
भद्ग (भद्रक) ज ३।१०६ उ ५।४०, ४१
भद्गवत् (भाद्रपद) सू १०।१२४
भद्गवय (भाद्रपद) ज ७।१०४, ११३।१, ११४
 सू १०।१२६ उ ३।४०
भद्गसालवन (भद्रशालवन) ज ४।६४, २।१४, २।१५,
 २।१६, २।२०, २।२१, २।२५, २।२६, २।३४, २।६२
भद्गसेण (भद्रसेन) ज ५।५२
भद्गा (भद्रा) ज ५।१०।१; ५।६८; ७।११८ सू १०।२,
 ६०
भद्गासन (भद्रासन) ज ३।३, ५।६, १।७८; ४।२८,
 १।१२; ५।३६, ४२
भद्विलपुर (भद्विलपुर) प १।६३।३
भर्मत (भ्रमत, भ्रम्यत्) ज ४।३, २५
भमर (भ्रमर) प १।५१; १।७।१२३ ज २।१२; ३।२४
भमरावली (भमरावली) प १।७।१२३
भमास (दे०) प १।४।११, १।४।४६
भय (भय) प १।१।१; २।२० से २७; १।१३।४।१;
 २।३।३६, ७।७, १।५५ ज २।६६, ७०; ३।६२, १।११,
 १।१६, १।२।११, १।२५, १।२७ उ १।८६; ३।१।१२,
 १।५६; ४।१६
भयंकर (भयङ्कर) ज २।१३१
भयग (भृतक) ज २।२६
भयणा (भजना) प १।४।५०
भयणिसिंया (भयनिश्रिता) प १।१।३४
भयभैरव (भयभैरव) ज २।६४
भयव (भगवत्) प १।१।२ ज २।६०; ५।३, १।४,
 १।६, १।७, २।१, ६६
भयसणा (भयसंज्ञा) प ८।१, २, ४, ५, ७, ९, ११
भ्र (भृ) भरेड उ ३।५१
भरणी (भरणी) ज ७।११३।१, १।२८, १।२६, १।३।४।२,
 १।३।५।२, १।३६, १।४०, १।४४, १।४६, १।५६,
 १।७५ सू १०।१ से ६, १।१, २।३, ३।५, ६।२, ६।६,

७।५, ८।३, १००, १।२०, १।३१ से १।३४; १।८।७
भरह (भरत) प १।८८; १।६।३०; १।७।१६०
 ज १।१८ से २०, २।३, ४।६, ४।७, ५।१; २।७ से
 १।५, २।१ से ४।५, ५।०, ५।२, ५।६, ५।७, ५।८, ६०, १।२२,
 १।२३, १।२७, १।२८, १।३१, १।३२, १।३३, १।३६,
 १।४१ से १।४७, १।५०, १।५६, १।५७, १।५९, १।६१,
 १।६४; ३।१ से १।३, १।५, १।७, १।९ से २।३,
 २।५ से ३।४, ३।६ से ४।२, ४।४ से ५।०, ५।२ से ५।६,
 ६।१ से ६।७, ६।९, ७।७, ८।३, ८।४, ९० से ९।४, ९।६,
 ९।९, १००, १०१, १०३, १०६ से १०९, १।१५ से
 १।२६, १।३१ से १।३।५।१, १।३।७, १।३।८, १।३।९, १।४।१
 से १।४।८, १।५।० से १।५।४, १।५।७, १।५।८, १।६।०,
 १।६।३ से १।७।०, १।७।३, १।७।५, १।७।७, १।७।८, १।७।९,
 १।८।१ से १।९।२, १।९।८, १।९।९, २।०।१, २।०।२, २।०।४
 से २।२।६; ४।१, ४।८, ५।३, १०२, १।७।२, १।७।४, १।७।७,
 २।७।७; ५।५।५; ६।७, ६।९, १।२, १।६।१
भरहकूड (भरतकूट) ज ४।४।४, ४।८
भरहवास (भरतवर्ष) ज २।१।५; ४।३।५
भरहवासपद्मवति (भरतवर्षप्रथमवति)
 ज ३।१।२।६।२
भरहाह्वि (भरताधिप) ज ३।१।८, ८।१, ६।३, १।२।१।१,
 १।३।५।२, १।६।७।१।४, १।८।०, २।२।१
भरिय (भृत) ज २।६; ३।१।७८
भरिली (भरिली) प १।५।१
भरु (भरु) प १।८।६
भरेस्ता (भृत्वा) उ ३।५।१
भल्लाय (भल्लात) प १।३।५।२
भल्ली (भल्ली) प १।४।०।४
भव (भव) प २।६।४।५, ६; ३।१।२; १०।५।३।१;
 १।८।१।२, १।८।६।५; २।३।१।३ से २।३ ज ३।२।४,
 १।३।१
भव (भवत्) उ ३।४।३
भव (भू) भवइ ज १।४।७; २।६।६ सू १।१।३
 उ १।२० भवउ ज २।६।४, १।५।७ भवति
 प १।४।६ से ५।१, ६।०, ८।०, ८।१; ५।४।३; १।६।१।५;
 २।१।८।४; २।३।१।५।२; ३।६।२।०, ८।२, ६।३

ज ४।१५१।१ सू ३।१ उ १।१४१; ३।५०
 भवति प १।४।५ २८, ३२, ३६; २।४।७।३;
 १।५।५।१; ३६।१।१ ज १।२६ सू १।१३
 भवतु ज २।६४ भवह उ १।४२ भविस्सइ
 ज १।४।७, १।२।७; २।७।१, १।३।१ उ १।४।१; ५।४।३
 भविस्संति ज २।१।३।३ भवे प १।४।३।३० से
 ३८ ज २।६ सू १।१।१।१; ५।३; १।५।१, ४,
 १।६।२।१।३, १।५; २।१।४, ५ भवेज्जा उ ३।८।१
 भवंत (भवत्) ज ३।२।४।१, २, १।३।१।१, २
 भवकथय (भवकथय) प २।६।४।१० उ ३।१।८, १।२।५,
 १।५।२; ४।२।६; ५।३।०, ४।३
 भवचरिम (भवचरम) प १।०।३।६, ३।७
 भवण (भवन) प २।१, ४, १०, १।३, ३० से ४०,
 ४०।३, ४, २।४।२, ४।३; १।१।२।५ ज १।३।१, ५।१;
 २।१।५, २०, ६।५, १।२०; ३।३, २।५, २।६, ३।२।२,
 ३।८, ३।६, ४।७, ५।१, ५।२, १०।३, १।४०, १।४।१,
 १।८।३, १।८।६, २०।४; ४।६, १०, १।१, ३।३, ४।१, ७०,
 ६०, ६।३, १।४।७, १।५।३, १।५।६, १।७।४, १।८।२, २।३।८,
 २।४।३; ५।१, ५ से ७, १।७, ४।४, ६।७, ७० उ १।३।३
 भवणपति (भवनपति) ज ३।१।८।६, २०।४
 भवणपत्थड (भवनप्रस्तट) प २।१
 भवणवइ (भवनपति) प १।६।२।६; २०।५।४ ज २।६।५,
 ६।६ १०० से १०२, १०।४, १०।६, १।१०, १।१।३ से
 १।१।६, १।२०; ४।२।४।८, २।५०, २।५।१; ५।४।७, ५।६,
 ६।७, ७।२ से ७।४
 भवणवति (भवनपति) प ६।१०।६; ३।४।१।६, १।८
 भवणवासि (भवनवासिन्) प १।१।३।०, १।३।१; २।३।०,
 ३।०।१, ३।३।२; ३।२।६, १।३।३, १।८।३; ४।३।१ से
 ३।३; ६।८।५; १।७।५।१, ७।४, ७।६, ७।७, ८।१, ८।३;
 २०।६।१; २।१।५।५, ६।१, ७० ज २।६।४; ५।५।२
 सू २०।७
 भवणवासिणी (भवनवासिनी) प ३।१।३।४, १।८।३;
 ४।३।४ से ३।६; १।७।५।१, ७।५, ७।६, ८।२, ८।३
 भवणावास (भवणावास) प २।३।० से ३।६
 भवत्थकेवलि (भवत्थकेवलिन्) प १।८।६।६, १।०।१

भवधारणिज्ज (भवधारणीय) प १।५।१।८, १।६;
 २।१।५।८, ५।६, ६।१, ६।२, ६।५ से ६।७, ७०, ७।१
 भवपच्चइय (भवप्रत्ययिक) प ३।३।१
 भवसिद्धिय (भवसिद्धिक) प ३।१।१।३, १।८।३;
 १।८।१।२।२; २।८।१।१।१, १।१।२
 भवित्ता (भूत्वा) प २०।१।७ ज २।६।५ उ ३।१।३
 ४।१।४; ५।३।२
 भविय (भक्तिक) प १।१।२; २।८।१०।६।१
 भविय (भव्य) ज ५।५।८ उ ३।४।३, ४।४
 भवोवगह (भवोपग्रह) प ३।६।८।३।१
 भवोववायगति (भवोपघातगति) प १।६।२।४, ३।१,
 ३।२
 भव्व (भव्य) प १।६।५।५; १।७।१।३।२ कमरख,
 करेला
 भव्वपुरा (भव्यपुरा) ज ३।१।६।७।७
 भसोल (दे०) ज ५।५।७
 भाइणेज्ज (भागिनेय) उ ३।१।२।८
 भाइयव्व (भेतव्य) ज ५।५, ७ से १०, १।२, १।३, ४।६
 भाइत्तल्य (दे०) ज २।२।६
 भाग (भाग) प २।१०, १।१; २।३।१।६०, १।६।४, १।६।७,
 १।७।५; २।८।४०, ४।३, ६।६ ज २।६।४ चं ५।१
 सू १।१।६, २।४, २।६, २।७, २।८, ३।०; २।१, ३; ३।२;
 ४।४, ५, ७, १०; ६।१; ६।३; १०।२, १।३।३, १।३।५,
 १।३।८ से १।४।२, १।४।४ से १।६।३; १।१।२ से ६;
 १।२।२, ३।६ से ६, १।२, १।३, १।६ से २।८, ३।०;
 १।३।१, ३, ४, ७ से १।२, १।४ से १।७; १।४।३, ७;
 १।५।२ से २०, २।२ से २।६, ३।१, ३।२, ३।४; १।८।६,
 १०, २।५, २।६; १।६।२।१।६; २०।३
 भागसय (भागशत) ज ७।८।१, ८।४, ९।८, ९।९, १००
 भागसहस्स (भागसहस्र) ज ७।८।१, ९।५, ९।६
 भाणितव्व (भणितव्य) प २।३।२, ४०, ४।२, ५०;
 ३।१।८।२; ४।६।८; ५।१।२।२, ३।६, ४।३, ६।१, ७।६, ९।६,
 १०।६, १।१।७, १।२।२, १।५।२, २०।६, २।२।६, २।४।४;
 ६।४।६, ५।६, ६।६, ८।१, ८।३, ८।६, ८।८, ९।२, ९।५,
 १००, १०२, १०३ १०।७, १०।८; १०।१।४; १।६।२।०
 सू १।१।४, २।२, २।५

भाणिय (भणित) ज ३२४, १३१

भाणियव्व (भणितव्व) प २।४३, ४५, ४७, ६२;

५।६१, ११७, १२०, २०५; ६।६१, १२३; ६।४;
 १०।२८; ११।४१, ४६, ८३, ८५; १२।८ से १३,
 १५ से १७, २१, २५; १५।३०, ५६, ६२, ८४,
 १०२, १०३, १२१, १३४, १३८, १४०; १६।१८,
 २१, ३२; १७।७, २८, २९, ३३, ३५, ६५, ७०, ७७,
 ८६, ९७, १०२, १०३, १०५, १४६, १४८, १६५,
 १६७; २०।२५, २६; २१।३५, ४३, ७७, ८०, ९४;
 २२।२०, २५, २८, ३३, ३५, ४१, ४५, ५४, ५८,
 ८३, ८४, ८६; २३।१००, १०८, १५२, १५६,
 १६०, १६४, १६७, १७५, १७६, १९०, १९१;
 २४।८, ९, ११, १५; २५।५; २६।९ से १२; २७।४,
 ५; २८।१०, २५, ५६, ८७, १०२, १४५; २९।१५;
 ३४।२१; ३६।२०, २४, २६ से ३०, ३२, ३४, ४६,
 ४७, ६५ ज १।१६, २३, २६, ४४, ४६; २।७,
 ७२, ९३; ३।१२६, १५५, १७१; ४।३, ४, २५, ३१,
 ३६, ४१, ५२, ५७, ७०, ७६, ८२, ८४, ९०, ९३,
 १०६, ११०, ११२, ११६, ११८, १२८, १६५,
 १७५, १७७, १८४, १९३, १९६, २०१, २०२,
 २०४, २०८, २१२, २१५; २१७, २२० से
 २२२, २२६, २३७, २४०, २४८, २४९, २६२,
 २६५, २७१; ५।३, ७, १३, ३२, ४६, ५५, ५९, ६५;
 ६।३; ७।१८६ सू ४।६; ५।१; ८।१; १५।११;
 २०।६ उ १।१४७, १४८; २।२२; ४।२८;
 ५।१७, २५

भाणी (वे०) प १।४६, १।४८।६२

√भाय (भाज्) भाएति ज ५।५७

भाय (भाग) ज १।१८, ४८; ३।१, १।३५।१; ४।१,
 २३, ३८, ५५, ६२, ६५, ८१, ८६, ९१, ९८, १०३,
 १०८, ११०, १४१, १६७, १७८, २००, २०५, २०७,
 २१२, २१४, २४०; ७।७, ९, १०, १२, १३, १५,
 १६, १८ से २५, ३१, ३३, ५४, ६५, ६६, ६८, ६९,
 ७१, ७२, ७९, १३४, १७७।१, २ उ १।६६, ६४

भाय (भातृ) ज २।२७, ६६ उ १।६५

भायण (भाजन) ज ३।३२ उ १।४६

भारंङ्गपक्खि (भारण्डपक्खिन्) प १।७८

भारगस (भाराग्रसम्) ज २।१०६, ११०

भारहाय (भारहाज) ज ७।१३।२।२ सू १०।१०३

भारह (भारत) ज १।३४, ३५; २।१; ३।१३५।२
 सू १।१८, १९; ४।३ उ १।९, ३।१२५, १५७;
 ५।२४

भारहण (भारतक) ज ४।२५०

भारहय (भारतक) सू १।१६

भारियत्त (भार्यत्व) उ ३।१२८

भारिया (भार्या) ज २।६३ सू २०।७ उ ३।६७,
 ११२, १२८; ४।८

भाव (भाव) प १।१।२, १०।१।३, ४, ६; २।६४।१३;
 १।१।३।१ ज २।६६, ७१ उ ३।४३, ४४

भावभो (भावनत्) प १।१।४८, ५२, ५३, ५५;

२८।५, ६, ९, ५१, ५२, ५५; ३।५।४, ५ ज २।६६

भावकेउ (भावकेतु) ज ७।१८६

भावकेतु (भावकेतु) उ २०।८, २०।८।६

भावचरिम (भावचरम) प १०।४४, ४५; ५।३।१

भावणा (भावना) ज २।७१

भावणागम^१ (भावननागम) ज २।७२

भावतो (भावतस्) प १।१।५७, ५९

भावरुइ (भावरुचि) प १।१०।१।१०

भावसच्च (भावसत्त्व) ज १।१।३३

भावियण्ण (भावितान्मन्) प १।५।४३

भावेणिय (भावेणिय) प १।५।५।२, १।५।७६, १।३३
 से १।३५, १।४०, १।४१, १।४३

भावित्ता (भावयित्वा) उ ३।१६१

भाविय (भावित) प १।७।८

भावियण्ण (भावितान्मन्) प ३।६।७६ ज ७।१२।२।२
 सू १०।८।४।२

भावेमाण (भावयत्) ज १।५; २।७।१, ८३ उ १।२,
 ३; २।१०; ३।१।४, २६, ८३, ९६, १३२, १।४४, १।५०;
 ४।२४; ५।२६, २८, ३२, ३६, ४३

१. आधारचूला पञ्चदशाध्वयनानुसारी

भावेयव्व (भावयितव्य) प २२।४५
 √भास (भाष्) भासइ ज ७।२।१४ उ १।६८
 भासति प १।१।४३ से ४६ भासती
 प १।१।३०।१,२ भासिति प १।६८
 भास (भस्मन्) सू २०।८,२०।८।८
 भासंत (भाषमाण) प १।१।८६
 भासत (भाषक) प ३।१।२; १०८; १।१।३८ से ४१;
 १८ गा २
 भासज्जात (भाषाजात) प १।१।४२
 भासज्जाय (भाषाजात) प १।१।८८, ८६
 भासत्त (भाषात्व) प १।१।४७, ७० से ७२, ८० से
 ८५
 भासमणपज्जति (भाषामनःपर्याप्ति) उ ३।१।५, ८४
 १२१; ४।२।४
 भासमाण (भाषमाण) प १।१।८६
 भासय (भाषक) प १।१।१०४
 भासरासि (भस्मराशि) प २।५०, ५६, ६० सू २०।८
 भासरासिप्पभ (भस्मराशिप्रभ) प २।५४, ५८
 भासरासिवण्णाभ (भस्मराशिवर्णाभ) सू २०।२
 भासा (भाषा) प १।१।५, १।६८; २।३।१;
 १।५।३।१; १।१।१ से १०, २६ से ३०, ३०।१,
 २, १।१।३।१ से ३७, ३७।१, २; १।१।४।३ से ४६,
 ८२, ८३, ८७, ८६; २।८।१।४।२, १।४।४, १।४।५
 ज ३।७७, १०६
 भासात्तरिम (भाषाचरम) प १।०।३८, ३६
 भासारिय (भाषार्य) प १।६।२, ६८
 भासात्तमिय (भाषात्तमित) ज २।६८ उ ३।६६
 भासुर (भासुर) प २।३०, ३।१, ४१, ४६ ज ५।७, १८
 भिउडि (भृकुटि) ज ३।२६, ३६, ४७, १।३।३
 उ १।२।२, १।१।५, १।१।७, १।४०
 भिग (भृङ्ग) प १।७।१२४
 भिगनिभा (भृङ्गनिभा) ज ४।२।२।३।१
 भिगपत्त (भृङ्गपत्र) प १।७।१२४
 भिगप्पभा (भृङ्गप्रभा) ज ४।१।५।५।२
 भिगा (भृङ्गा) ज ४।१।५।५।२, २।२।३।१

भिगार (भृङ्गार) प १।१।२।५ ज ३।३, १।१, १।७८;
 ५।६, ४।३, ५।५
 भिगारग (भृङ्गारक) ज २।१।२
 भिडिमाल (भिण्डिमाल, भिन्दिपाल)
 ज ३।३।१, १।७८
 भिक्खापरिया (भिक्षाचर्या) उ ३।१।००, १।३।३
 भिज्जमाण (भिद्यमान) प १।१।७६
 भिण्ण (भिन्न) प १।१।७।२ सू २०।२
 भित्तिकडग (भित्तिकटक) ज ३।६।७
 भित्तुं (भेत्तुम्) ज २।६।१
 भिन्निसमाण (वाभाव्यमाण) ज ४।२।७; ५।२।८
 भिस (विस) प १।४।६, १।४।८।४।२ ज २।१।७;
 ४।३, २।५
 भिसंत (दे० भासमान) ज ३।१।७८; ७।१।७८
 भिसकंद (विषकंद) प १।७।१।३।५
 भिसमाण (दे०) ज ४।२।७; ५।२।८
 भीत (भीत) प २।२० से २७
 भीम (भीम) प २।२० से २७, ४।५; ४।५।१
 उ १।१।३।६
 भीय (भीत) ज २।६०; ३।१।१।१, १।२।५ उ १।८।६;
 ३।१।१।२; ४।१।६
 √भुज (भुज्) भुजइ ज ३।३ भुजए ज ४।१।७७
 भुजाहि उ ३।१।०७
 भुजमाण (भुज्जान) प २।३० से ३२, ४।१, ४।६
 ज १।३।३, ४।५; २।६।१, १।२०; ३।८।२, १।७।१,
 १।८।५, १।८।७, २०।६, २।१।८; ४।१।१।३; ५।१।१।६;
 ७।५।५, ५।८, १।८।४, १।८।५ सू १।८।२।२, २।३;
 १।६।२।६ उ ३।६०, ६।८, १।०।१, १।०।६, १।२।६ से
 १।३।१, १।३।४; ५।२।५
 √भुजाव (भोजय्) भुजावेइ उ ३।१।१।४
 √भुकंड (दे०) भुकंडेति ज ३।२।१।१
 भुक्खा (दे० बुभुक्षा) उ १।३।५ से ३७, ४०
 भुजंग (भुजङ्ग) ज २।१।५
 भुज्जो (भूयस्) प १।६।४।६; १।७।१।१।५ से १।२।२,
 १।५।४; २।८।२।४ से २६, ३।६, ४।२, ४।५, ४।६, ७।१,
 ७।४; ३।४।२०, २।२ से २।४ ज ३।१।२।६; ७।२।१।४

भुक्त (भुक्त) ज २।७१; ३।८२ सू २०।७ उ ४।१६
भुक्तभोइ (भुक्तभोगिन्) उ ३।१०७, १३६
भुमगा (भू) ज २।१५
भुयग (भुजग) प २।४६ चं १।२
भुयगवड (भुजगपति) प २।४१
भुयपरिरूप (भुजपरिरूप) प १।६७, ७६; ४।१४०
 से १४८; ६।७१.७५; २।११४, १६, ३५, ४६, ६०
भुयमोयग (भुजमोचक) प १।२०।३
भुयघ (भुजग) प २।१४७।१
भुयखख (भुतवृक्षा) प १।४३।२
भुया (भुजा) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज ५।२१, ५८,
 उ ३।६२
भुल (बुधा) प १।४२।१
भू (भू) सू २।१
भूत (भूत) प २।६४ सू १६।३८
भूतिकम्म (भूतिकमन्) ज ५।१६
भूतोद (भूतोद) सू १६।३८
भूमि (भूमि) प १।७४ ज १।२६
भूमिगय (भूमिगत) ज ३।१०५
भूमिचवेडा (भूमिचपेटा) ज ५।७
भूमितल (भूमितल) ज ५।५
भूमिभाग (भूमिभाग) प २।४८ से ५१, ६३;
 १।७।१०७, १०६, १११ ज १।१३, २१, २५, २६,
 २८, २९, ३२, ३३, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४६;
 २।७, १०, ३८, ५२, ५६, ५७, १२२, १२७, १४१,
 १४७, १५०, १५६, १५९, १६१, १६४; ३।८१,
 १६२, १६३, १६६, १६७; ४।२, ३, ८, ११, १२,
 १६, ३२, ४६, ४७, ४९, ५०, ५६, ५८, ५९, ६३, ६६,
 ७०, ८२, ८७, ८८, ९३, १००, १०४, १०६, १११,
 ११२, ११७, ११८, ११९, १२२, १२३, १३१,
 १६६, १७०, १७६, २१७, २३४, २४० से २४२,
 २४७, २४८, २५०; ५।३२, ३३, ३५; ७।३३
 सू २।१; ६।३; १।८।१; २०।७
भूमिया (भूमिका) ज ३।३२
भूमो (भूमि) ज १।२।१३२, १४२, १४३; ४।११६

भूय (भूय) प १।१३२; २।४१, ४५, ६४; १।५।५।३;
 ३।६।२, ७७ उ २।१०, ३१, १३१; ३।१, ६, २२,
 ३६, ७८, ८०, ८१, ९२, ९३, ९५, ९६, ११६, १२१,
 १५१, १५६, १६०, १६३, १६०, २२२; ७।२।२
 उ १।१३८; ३।४३, ४४, ४६; ५।४
भूय (भूय) ज ३।३
भूयगह (भूतग्रह) ज २।४३
भूयणय (भूतृणक) प १।४७।३
भूयथ (भूतार्थ) प १।१०।१२
भूयवाइय (भूतवाइक) प २।४१, २।४७।१
भूया (भूता) उ ४।६, ११ से १६, १८ से २४
भूयाणंद (भूतानंद) प २।३४, ३६, ४०।७
भूसण (भूषण) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।८१, १७८;
 ७।१७८
भूसणधर (भूषणधर) ज ३।६, २२१; ५।२१
भूसिय (भूषित) ज ३।३०, ३५, १७८
भे (भोस्) उ ३।३८, ४०, ४२, ४४
भेद (भेद) प १।४।३।३; ६।८३; १।१।७।४, ७६ से ७८;
 १।५।३; २।१।१६, ४०, ४३, ४४, ५२, ५५, ७६, ७७,
 ९४, २।२।२०; ३।३।१।१
भेदक (भेदक) ज ३।१०६
भेदपरिणाम (भेदपरिणाम) प १।३।२१, २५
भेय (भेद) प १।१।७२, ७३, ७५; १।६।३२; २।१।७७
 उ १।३१
भेयघाय (भेदघात) चं ४।१, ३ सू १।८।१, ३; २।२
भेयपरिणाम (भेदपरिणाम) प १।३।२५
भेरि (भेरि) ज ३।१२, ७८, १६०, २००
भेरी (भेरी) उ ५।१५ से १७
भेरुतालवण (भेरुतालवन) ज २।६
भेसज (भैषज्य) उ ३।१०१
भेसण (भैषण) ज २।१३३
भो (भोस्) ज २।६।५, ६७, १०१, १०५, १०७, १०६,
 १११, ११४; ३।७, १२, २६, ३६, ४७, ४९, ५२,
 ५६, ६१, ६६, ८३, ९१, ९६, ११३, ११५, १२२,
 १२४, १२७, १२८, १३३, १४१, १४७, १५१,
 १५४, १६८, १७०, १७५, १८०, १९६, २०७,

२१२; ५३, १४, २२, २६, ५४, ६८, ६९, ७२
 उ ११७, १२३, १३१; ४११६; ५११५, १८
भोग (भोग) प ११६५ ज २६५; ३३३ सु १८२२,
 २३; १६२६ उ १२७, ६३, १४०; ३१६८, १०१,
 १०६, १०७, १२६ से १३१ १३४, १३६
भोगंकरा (भोगङ्करा) ज ४१०६; ५१११
भोगंतराय (भोगान्तराय) प २३२३
भोगस्थिथ (भोगस्थिक) ज ३१८५
भोगभोग (भोगभोग) प २३०, ३१, ४१, ४६
 ज २६१, १२०; ३१७१, १८५, २०६; ५११, १६;
 ७१५५, ५८, १८४, १८५
भोगमालिणी (भोगमालिनी) ज ४१६४; ५१११
भोगवइया (भोगवतिका) प ११६८
भोगवई (भोगवती) ज ४१०६; ५१११; ७१२१
 सु १०६१
भोगविस (भोगविष) प ११७०
भोक्त्वा (भुक्त्वा) सु १०१२०
भोक्तूण (भुक्त्वा) प २६४१६
भोम (भौम) ज ७१२२३ सु १०८४३
भोमेज्ज (भौमेय) प २४१, ४३ ज ३२०६;
 ५१५५, ५६
भोमेज्जग (भौमेयक) प २४१, ४३, ४६
भोमेज्जा (भौमेयक) प २४१, ४२
भोयण (भोजन) प २६४१६ ज २१८ चं ५३
 सु ११६३; १०१२०; २०७ उ ३११०, ११४
भोयणजाय (भोजनजात) ज २१८
भोयणमंडव (भोजनमण्डप) ज ३२८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, १३६, १४७, १४६, १८७, २१८
 म
मइ (मति) ज ३३२
मइअण्णाणि (मत्थजानित्) प ३१०२, १०३;
 १८८३; २८१३७
मइल (दे० गलिन) ज २१३१ उ ३१३०
मउड (मुकुट) प २३०, ४८ से ५०; ५११८
 ज ३३, ६, ६, १८, २६, ३१, ४७, ६३, १८०, २११,

२२१, २२२; ५११८, २१
मउय (मृदुक) प १४ से ६; ३११८२; ५१५७, २०६;
 १५१५, १६, २७, २८, ३२, ३३; २८२६, ३२, ६६
 ज २१५; ३३३; ५१५, ७, १७८
मउल (मुकुट) प २४१
मउल (मुकुल) ज २१५; ३१७८; ७१७८
मउलि (मुकुलित्) प १६६, ७१
मउलि (मौलि) प २३०, ३१, ४१, ४६
मउलिय (मुकुलित) ज ३६; ५२१
मंक्कुणहत्थि (मत्कुणहत्थित्) प १६५
मंख (मङ्ख) ज २६४; ३१८५
मंगल (मंगल) ज २६७; ३६, १२, १८, ७७, ८२,
 ८५, ८८, ६३, १२५, १२६, १८०, २२२; ५१५, ४६
 सु १८२३; २०७ उ ११७, १६, ७० १२१;
 ३११०; ५१७, ३६
मंगलय (मंगलक) ज ३१७८; ४१५८; ५१५८,
 उ ५१६
मंगलावई (मंगलावती) ज ४१६१, २०२२, २०३
मंगलावईकूड (मंगलावतीकूट) ज ४२०४१
मंगलावत्त (मंगलावर्त) ज ४१६३, १६५
मंगलावत्तकूड (मङ्गलावर्तकूट) ज ४१६२
मंगल्ल (मंगलय) ज २६४; ३८५, १८५, २०६;
 ५१५८ उ १४१, ४४
मंगुस (दे०) प ११७६
मंच (मञ्च) सु १२२६
मंचाइमंच (मञ्चातिमञ्च) ज ३७, १८४
मंचातिमंच (मञ्चातिमञ्च) सु १२६
मंजरिका (मञ्जरिका) ज ५१७२, ७३
मंजिट्ठावण्णाभ (मञ्जिट्ठावर्णाभ) सु २०२
मंजु (मञ्जु) ज २६५; ३१८६, २०४
मंजुघोसा (मंजुघोषा) ज ५१५२, ५३
मंजुपाउयार (मञ्जुपादुकाकार) प १६७
मंजुल (मञ्जुल) उ ३६८
मंजुस्सर (मंजुस्वर) ज ५१५२, ५३
मंजूसा (मञ्जूषा) ज ३१६७; ४२००११

मंडण (मण्डन) ज ३११०६
मंडल (मण्डल) ज ३१३०, ३५, ६५, ६६, १०६, १५६,
 १६०; ७२, १०, १३, १६, १६ से ३१, ३५, ५५,
 ५६, ७२, ७५, ७८ से ८४, ६५, ६६, ६८, ६६,
 १००, १०४, १२६११ चं २११; ३२२ सू १६६१;
 ११७२; ११११, १२, १४, १८ से २५, २७; २११
 से ३; ३२; ४४, ७, ६; ६११; ६१२; १०७५,
 १३८ से १५१, १७३; १२१३०; १३१४, ५, १३;
 १५१२ से ४, १४ से ३६; १६१२११० से १२,
 १६१२३

मंडलगड (मण्डलगति) प २१४८
मंडलगम (मण्डलागम) ज ३३५
मंडलपति (मण्डलपति) ज ३१८१
मंडलरोग (मण्डलरोग) ज २१४३
मंडलवत (मण्डलवत्) सू १२२५ से ३१
मंडलसंठिति (मण्डलसंस्थिति) सू १२२५
मंडलि (मण्डलिन) प ११७१
मंडलिय (माण्डलिक) प ११७४; २०१११
मंडलियत्त (मण्डलिकत्व) प २०१५७
मंडलियराय (माण्डलिकराज) ज ३२२२५
मंडलियावाय (मण्डलिकावात) प १२२६
मंडव (मण्डप) ज ३१८१; ५१३५
मंडवग (मण्डपक) ज १११३; २११२
मंडव्वायण (माण्डव्यायन) ज ७१३२१३
 सू १०११०७

मंडित (मण्डित) प २१३१ ज ३१८४
मंडिय (मण्डित) प २१३१ ज ३१७, १८, ३१, १८०;
 ५१२१, ३८

मंडूकी (मण्डूकी) प १४४१२
मंडूकपुत्र (मण्डूकपुत्र) सू १२२२६
मंडूय (मण्डूक) प १६१४४
मंडूयगति (मण्डूकगति) प १६१३८, ४४
मंत (मन्त्र) ज ३१११५, १२४, १२५ उ ३१११, १०१
मंति (मन्त्रिन्) ज ३१६, ७७, २२२
मंथ (मन्थ) प ३६१८५

मंद (मन्द) ज २१६५; ५१३८, ५७; ७१५८ सू २१३;
 १८११८

मंदकुमारय (मन्दकुमारक) प १११११ से १५
मंदकुमारिया (मन्दकुमारिका) प १११११ से १५
मंदगइ (मन्दगति) चं ४२ सू ११८२

मंदर (मन्दर) प २१३२, ३३, ३५, ३६, ४३, ४४, ५०,
 ५१; १५१५५३; १६१३० ज १११६, २६, ४६, ५१;
 २१६८; ३१२; ४१६४, १०३, १०६, १०८, ११४,
 १४३, १६०, १६२, १६३, २०३, २०५, २०८,
 २०६, २१२ से २१६, २१६ से २२२, २२५,
 २३३ से २३५, २३७ से २४१, २५३, २५४,
 २५७, २५६, २६०११, २६१, २६२; ५१४७ से ५०,
 ५३; ६११०, २३, २४; ७१८ से १३, ३१, ३३, ६७
 से ७२, ६१, ६२, १६८११, १७१ सू ४४, ७;
 ५११; ७११; ८११; १८५ उ १११०, २६, ६६

मंदरकूड (मन्दरकूट) ज ४२३६; ६१११
मंदरचूलिया (मन्दरचूलिका) ज ४२४१, २४२,
 २४३, २४५, २४६, २५१, २५२

मंदरपर्वय (मन्दरपर्वत) प १६१३० सू ४४, ७
मंदलेस (मन्दलेस्य) सू १६१२२३०; १६१२६
मंदायवलेस (मन्दातपलेस्य) ज ७१५८ सू १६१२६
मंदिर (मन्दिर) सू ७११

मंस (मांस) प १४८५६; २१२० से २७
 सू १०११२० उ १३४, ४०, ४३ से ४६, ४८,
 ४६, ५१, ५४, ७४, ७६, ७६

मंसकच्छम (मांसकच्छप) प १५७
मंसल (मांसल) ज २१५; ७११७८

मंसाहार (मांसाहार) ज २१३३५ से १३७

मंसु (मन्सु) ज २१३३३

मवकार (माकार) ज २१६१

मगइत (दे०) उ ११३८

मगइय (दे०) ज ३१३१

मगत (दे०) उ ११३८

मगदंतिया (मदयंतिका) प १३८२ ज २११०

मेंहदी

मगर (मकर) प ११५५, ५६; २३० ज १३७;
 २१०१; ४२४, २७, ३६, ६६, ६१; ५३२
 सू २०२
 मगरंडग (मकराण्डक) ज ५३२
 मगरउदय (मकरध्वज) ज २१५
 मगरमुहविउट्टुसंठाणसंस्थिय (मकरमुखदिवृतसंस्थान-
 संस्थित) ज ४२४, ७४
 मगसिरी (मार्गसिरी) सू १०१७, १२
 मगसीसावलिंसंस्थिय (मृगशीर्षावलिंसंस्थित)
 सू १०३८
 मगह (मगध) प ११६३१
 मगूस (दे०) प ११७८
 मग (मार्ग) ज २६४, ३२२, ३६, ६३, ६६, १०६,
 १६३, १७५, १८०
 मगओ (दे० पृष्ठतत्) ज ५४३
 मगण (मार्गण) ज ३२२३
 मगदय (मार्गदय) ज ५२१
 मगदेसिय (मार्गदेशिक) ज ५१५, ४६
 मगमाण (मार्गात्) उ ३१३०
 मगरिमच्छ (मकरीमत्स्य) प ११५६
 मगसिर (मार्गशीर्षा) ज ७१०४, १४५, १४६
 सू १०१२४ उ ३४०
 मगसिर (मृगशिरस्) ज ७१४०, १४५, १४६
 मगसिरी (मार्गसिरी) ज ७१३७, १४०, १४५,
 १४६, १५२, १५५ सू १०१७, १२, २३, २५, २६
 √मगिज्ज (मार्ग्य) मगिज्ज प १२३२
 मघमधेत (दे० प्रसारत्) प २३०, ३१, ४१ ज ३७,
 ८८; ५१७ सू २०१७
 मघव (मघवन्) प २५० ज ५१८
 मघा (मघा) ज ७१२८, १२६, १३६, १४०
 सू १०५, ६२
 मच्छ (मत्स्य) प ११५५, ५६; ६१८०२ ज २१५,
 १३४; ३१७८; ४३, २५, २८; ५३२, ५८
 सू २०२
 मच्छंडग (मत्स्याण्डक) ज ५३२
 मच्छंडिया (मत्स्याण्डिका) प १७१३५ ज २१७

मच्छाहार (मत्स्याहार) ज २१३५ से १३७
 मच्छिय (मक्षिका) प ११५११
 मच्छियपत्त (मक्षिकापत्र) प २६४
 मज्जण (मज्जन) ज ३६, २२२
 मज्जणघर (मज्जनगृह) ज ३१६, १७, २१, २८, ३१,
 ३४, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ७७, ८५, १३६, १४७,
 १५३, १६८, १७७, १८७, १८८, २०१, २१८,
 २१६, २२२ उ ११२४; ५१६
 मज्जणय (मज्जनक) उ ११६७
 मज्जणविहि (मज्जनविधि) ज ३६, २२२
 मज्जाया (मर्यादा) ज २१३३
 मज्जार (मार्जार) प १४४१ चित्रक
 √मज्जाव (मज्जय) मज्जावेत्ति ज ५१४
 मज्जावेत्ता (मज्जयित्वा) ज ५१४
 मज्जिय (मज्जित) ज ३६, २२२
 मज्ज (मध्य) प १४८६३; २२१ से २७, २७३,
 २३० से ३६, ३८, ४१ से ४३, ४६, ५० से ५६,
 ६४; ११६६, ६७; २८१६, १७, ६२, ६३
 ज ११८, ३५, ४६, ४७, ४९, ५१; ३६, १७, २१,
 २४, ३४, ३७, ४१, ४५, १०६, १३१, १७७,
 १८५, २०६, २२२, २२४, २२५; ४१३, ४५,
 ११०, ११४, १२३, १४२, १, २, १५५, १५६, १,
 २१३, २२२, २४२, २६०, १; ५१४, १५, १७, ३३,
 ३८, ७४, २२२ सू १२३०; २०७
 मज्जमज्ज (मध्यमध्य) ज २६५, ६०; ३१४,
 १७२, १८३, १८४, १८५, २०४, २२४; ५४४
 सू २०२ उ ११६, ६७, ११०, १२५, १२६,
 १३२, १३३; ३२६, १११, १४१; ४१३, १५,
 १८; ५१६
 मज्जंतिय (मध्यान्तिक) ज ७३६, ३७, ३८
 मज्जगय (मध्यगत) ज ७२१४
 मज्जयार (दे० मध्य) ज ७३२१
 मज्जिम (मध्यम) प २६४७; २३१६५ ज २५५,
 ५६, १५५, १५६; ४१६, २१; ५१३, १६, ३६
 सू २३ उ ३१००, १३३
 मज्जिमउवरिम (मध्यमउपरित्त) प २८६२

मज्झिमउद्वरिमगेवेज्जग (मध्यमउपरित्तनग्रैवेयक)	१७११२, ११३; २०१८, ३२, ४७; २६१२;
प ११३७; ४१२८ से २८४; ७१२५	३०१२
मज्झिमग (मध्यमक) प २१६१	मणपज्जवणाणारिय (मनःपर्यवज्ञानार्य) प ११६६
मज्झिमगेवेज्ज (मध्यमग्रैवेयक) प ६१४०	मणपज्जवणाणि (मनःपर्यवज्ञानिन्) प ३११०१,
मज्झिमगेवेज्जग (मध्यमग्रैवेयक) प २१६१, ६२;	१०३; ५११७; १८८१; २८१३६; ३०११६, १७
३१८३; ६१५६; ३३११६	मणपज्जवणाण (मनःपर्यवज्ञान) प २०१३३
मज्झिममज्झिम (मध्यममध्यम) प १८१६१	मणपज्जवणाणपरिणाम (मनःपर्यवज्ञानपरिणाम)
मज्झिममज्झिमगेवेज्जग (मध्यममध्यमग्रैवेयक)	प १३१६
प ११३७; ४१२७६ से २८१; ७१२४	मणपरियारग (मनःपरिचारक) प ३४११८, २४, २५
मज्झिमय (मध्यमक) प २१६२१	मणपरियारणा (मनःपरिचारणा) प ३४११७, १८,
मज्झिमहेट्ठिम (मध्यमाधस्तन) प २८१६०	२४
मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जय (मध्यमाधस्तनग्रैवेयक)	मणभक्खण (मनोभक्षण) प २८१०५
प ११३७; ४१२७६ से २७८; ७१२३	मणभक्खत्त (मनोभक्षत्व) प २८१०५
मज्झिमिल्ल (मध्यम) ज ४१२५३, २५५, २५८	मणभक्खि (मनोभक्षिन्) प २८११२, २८१०४,
मज्झिय (मध्यक) ज २११५	१०५
मज्झित्तल (मध्यम) ज ३१	मणसमित्य (मनःसमित) ज २१६८
मट्ठिया (मृत्तिका) ज ३१२०६; ५१५५, ५६	मणसाइय (मनःस्वादित) ज ३१११३
मट्ठ (मृष्ट) प २१३०, ३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६४	मणसीकत्त (मनीकृत) प २८१०५
ज ११८, २३, ३१; २१५, ४१२८; ५१४३	मणसीकय (मनीकृत) प ३४११६, २१ से २४
सू २०१७	मणसीकरेमाण (मनीकुर्वत्) ज ३१५४, ६३, ७१,
मट्ठमगर (मृष्टमकर) प ११५६	१११, ११३, १३७, १४३, १६७
मड्ढव (मड्ढव) प ११७४ ज २१२२, १३१; ३११८,	मणहर (मनोहर) ज २११२, ६५; ३१३८, १८६,
३१, ८१, १६७, १८०, १८५, २०६, २२१	२०४; ४१०७; ५१५, २८, ३८; ७११७
उ ३११०१	मणाभिराम (मनोभिराम) ज ३११०६
मण (मनस्) प २२१४; २३१५, १६; ३४११२,	मणाम (दे० 'मन' आप) प २८१०५ ज २१६४;
३४१२४ ज २१६४, ७१; ३१३, ३५, १०५, १०६;	३१८५, २०६; ५१५८ उ ११४१, ४४; ३११२८;
४१०७, १४६; ५१३८, ७२, ७३ सू २०१७	५१२२
उ १११५, ३५, ४१ से ४४, ७१; ३१६८	मणामतर (मनःआपतर) ज २११८; ४११०७
मणगुत्त (मनोगुत्त) ज २१६८ उ ३१६६	मणामतरिय ('मन' आपतरक) प १७१२६ से
मणजोग (मनोयोग) प ३६१८६, ८८, ८६, ६२	१२८, १३३ से १३५ ज २११७
मणजोगपरिणाम (मनोयोगपरिणाम) प १३१७	मणामत्त ('मन' आपत्त) प २८१२६; ३४१२०
मणजोगि (मनोयोगिन्) प ३१६६; १३११४, १६;	मणि (मणि) प ११२०१२; २१३१४१, ४८; १५११२,
१८१५६; २८१३८	१५१५० ज १११३, २१, २६, ३३, ४६; २१७, २४,
मणपज्जत्ति (मनःपर्यवृत्ति) प २८११४२, १४४, १४५	५७, ६४, ६६, १२२, १२७, १४७, १५०, १५६,
मण (पज्जवणाण) (मनःपर्यवृत्तान) प २६११७	१६४; ३११, ६, २०, २४, ३०, ३३, ३५, ५४, ५६,
मणपज्जवणाण (मनःपर्यवृत्तान) प ५१२४, ११५,	१. भिक्षुशब्दानुशासन ८१२१६ अरुर्मनक्कक्षु...

६३,७१,८१,८४,९५,१०९,११७,१३७,१४३,
१४५,१५९,१६७,१८,१७८,१८२,१९२,
२२२,४३,१६,२५,४९,६३,८२,११४,५१९६,
३२,३८ सू २०७,१८

मणिकंचण (मणिकाञ्चन) ज ४१२६९।१

मणिदत्त (मणिदत्त) उ ५१२४,२६

मणिपेठिया (मणिपीठिका) ज १४३,४४;४११२,
१३,३३,१२३,१२४,१२६,१२७,१३२,१३३,
१३६,१३९,१४५,१४६,१४७,२१८,२१९;
५१३५

मणिमय (मणिमय) प २४८ ज १४३;३१२०९;
४१५,७,१२,१३,२३,२७,४९,११४,१२३,
१२४;५१३५,५५

मणिरयण (मणिरत्न) ज ३१९,१२,२४,३०,८८,
९२,९३,११९,१२१,१७८,२२०,२२२;४१९६,
४९,६७;५१२८,५८;७११७

मणिरयणक (मणिरत्नक) ज ११३७;३१६३

मणिरयणत्त (मणिरत्नत्त) प २०१०

मणिवड्या (मणिमती) उ ३१५०,१५८

मणिवई (मणिमती) उ ३१६९

मणिवर (मणिवर) ज ३१९२,११९

मणिसिलागा (मणिसलाका) प १७११३४

मणुई (मनुजी) ज २११५

मणुण (मनोज) प २३११५,३०;२८१०५;

३४११९,२१ ज २१६४;३१२५५,२००;
४११०७;५१३८,५८ सू २०७ उ १४१,४४;
३११२८;५१२२

मणुणतर (मनोजतर) ज २११८;४११०७

मणुणतरिय (मनोजतरक) प १७११२६ से १२८,
१३३ से १३५ ज २११७

मणुणत्त (मनोजत्त) प ३४१२०

मणुणत्तरता (मनोजत्तस्वता) प २३११९

मणुय (मनुज) प ६१८०२,६१८१;२०१५३,

२३१३९,८३,११३,१४९,१७२;२८१४४,
१४५;३१६११;३२०६१ ज ११२२,२७,५०;
२११४,१६,१९,२१ से २६,२८ से ३७,४१ से

४९,५६,५८,६४,१२३,१२८,१३३,१३४,
१३५,१४६,१४८,१५१,१५७,१५९;४१८५,
१०१,१७१ उ १११४,१५,२१;३१६८,१०१,
१३१;५१२३,३१

मणुयअसण्णिआउय (मनुजासंज्ञायुष्क) प २०१६४

मणुयगति (मनुजगति) प ६१३,८

मणुयगतिय (मनुजगतिक) प १३११९

मणुयगामि (मनुजगामिन्) ज ११२२,५०;२११२३,
१२८,१४८,१५१,१५७;४११०१

मणुयगतिपरिणाम (मनुजगतिपरिणाम) प १३३३

मणुयरण (मनुजरत्न) ज ३१२२०

मणुयलोग (मनुजलोक) सू १९१२१८

मणुयलोय (मनुजलोक) सू १९१२२१,३ से ९

मणुयवड (मनुजपति) ज ३३३

मणुयाउय (मनुजायुष्क) प २०१६३,२३११८,१५८

मणुस्स (मनुष्य) प ११५२,८२ से ८५,१२९;

२१२९;३१२५,३८,३९,१२९,१८३;४११५८
से १६४;५१३,२३,२४,१००,१०१,१०३,१०४,
१०६,१०७,११०,१११,११४,११५,११८ से
१२०;६१२३,२४,४९,५५,६५,६६,७०,७२,
७९,८१,८२,८४,९०,९२,९४,९६,९७,९९ से
१०४,१०८,११०,११३,११६;७१४,८१,९;
९१८ से १०,१६,१७,२२,२३;१११२१,२२,
२४,२६;१२१५,३२;१३११९;१५११२२;
१७१४५,४६,१२६,१६४,१७१;१९१४;२११७,
४८;२२१३९;२३११९४,१९८;२९११५;
३४१३;३६१११,३६१४१,५२ ज २१६,७,५०,
५३,१६२,१६४;३१६८,१७८,२२१ सू २१३;
१९१२२१३;२०१२ उ १११२१,१२२,१२६,
१३३,१३६,१३७,१४०

मणुस्सखित्त (मनुष्यक्षेत्र) प ११७४

मणुस्सखित्त (मनुष्यक्षेत्र) प ११८४;२१७,२९
सू १९१२२१२१

मणुस्सगामि (मनुष्यगामिन्) ज २१५८

मणुस्सहृहिर (मनुष्यरुधिर) प १७१२२६

मणुस्सलोय (मनुष्यलोक) सू २०१२

मनुस्मृत्युप (मनुष्यायुष्क) प २३१४७, १६२, १६५,
१७०

मनुस्ती (मानुषी) प ३३६, १३०, १८३; ११२३;
१७४८, १६०; २३१६४, १६८, २०१ ज २७

मनुस (मनुष्य) प ६५४, ८७; १५३५, ४४, ४५,
४७ से ५०, ८७, ६१, ६८, १०३ से १०६, ११५,
१२१ १२३, १२६, १३८; १६५, १५, २५, २८;
१७२४, २५, ३०, ३३, ३५, ४७, ७०, ६७, १०४,
१५७, १५६ से १६३, १६६, १६७, १७०, १७२;
१८४, १०; २०४, १३ १८, २५, ३०, ३२, ३५,
३६, ४८; २११६, २०, ३६, ५४, ६०, ६६, ७२,
७७, ८२, ८६; २२३१, ४५, ७५, ७६ ८०, ८३ से
८५, ८८, ९०, ९६, १००; २३११०, १२, ७६,
१६६, २००; २४३३, ८, १०, १२; २५४, ५;
२६३, ४, ६, ८, १०; २७२, ३; २८२, ४६ से
५१, ६७ से ६९, ७१, १०३, ११६ से १२१,
१२४, १२८, १३०, १३६ से १३८, १४१ से
१४३; २६१२२; ३०१४, २४; ३१४; ३२४;
३३१, १३, २१, २६, ३३, ३६; ३४६; ३५१४,
२१; ३६७, १०, ११, १३ से १५, १७, २६, ३०,
३१, ३३, ३४, ५८, ७२, ८०, ८१ ज ४१०२;
७२० से २५, ७६, ८२ सू २३

मनुसखेत (मनुष्यक्षेत्र) प २१६२, ६३

मनुसत्त (मनुष्यत्व) प १५६८, १०४, ११०, ११५,
१२६, १३०; ३६१२२, २६ ३०, ३१, ३३, ३४

मनुसाउय (मनुष्यायुष्क) प २३७६

मनुसी (मनुष्यणी) प २७१५८, १५६, १६१ से
१६४; १८४, १०; २०१३; २३१६६, २०१

मनोगम (मनोगम) ज ७१७८

मनोगय (मनोगत) ज ३१२६, ३६, ४७, ५६, १२२,
१२३, १३३, १४५, १८८; ५१२२ उ ११५, ५१,
५४, ६५, ७६, ७६, ६६, १०५; ३१२६, ४८, ५०,
५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५३६, ३७

मनोगुलिया (मनोगुलिका) ज ४१२६

मनोज्ञ (मनोज्ञ) प १३८१ ज २१०

मनोणुकूल (मनोनुकूल) सू २०७

मनोमाणसिय (मनोमानसिक) उ ११३

मनोरम (मनोरम) प ३४१६, २१, २२

ज ४२६०१; ५४६३; ७१७८ सू ५१
उ ५२८

मनोरह (मनोरथ) ज ३१८, २२१

मनोहरमाला (मनोरथमाला) ज २६५; ३१८६,
२०४

मनोसिला (मनोसिला) प १२०२ ज ३११३

मनोहर (मनोहर) प ३४१६, २१ ज २१२;

७११७१ सू १०८६१

√**मण** (मन्) मणामि प १११ मण्ये ११५;
३६८

मति (मति) प १३१० ज ३१

मतिअण्णाण (मत्यज्ञान) प ५५, ७, १०, १२, १४,
१६, १८, २०, ५६, ६३; २६२, ६, ६, १२, १७, १६
से २१

मतिअण्णाणपरिणाम (मत्यज्ञानपरिणाम) प १३१०

मतिअण्णाणि (मत्यज्ञानिन्) प ३१०३; ५१८०, ६६,
११७; १३१४, १६, १७; १८८३

मतिणाण (मतिज्ञान) प २६६

मत्त (मत्त) ज २१२

मत्त (अमत्त) सू २०४ उ १६३, १०५, १०६

मत्तंग (मत्ताङ्ग) ज २१३

मत्तजला (मत्तजला) ज ४२०२

मत्तियावई (मत्तिकावती) प १६३४

मत्थगसूल (मत्तकशूल) ज २४३

मत्थय (पस्तक) ज ३५, ६, ८, १२, १६, २६, ३६,

४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७७, ८१, ८२, ८४,
८८, ९०, १००, ११४, १२६, १३३, १३८, १४२,
१४५, १५१, १५७, १६५, १८१, १८७, १८६,

२०५, २०६, २०६, २१८; ५५, २१, ४६, ५८

उ १३६, ४५, ५५, ५८, ६०, ६३, ६६, १०७,

१०८, ११६, ११८, १२२; ३१०६, १३८; ४१५;

५१७

मदनसलागा (मदनशलाका) प १।७६

मदनसाला (मदनशाला) उ ५।५५

मद्ग (दे०) प १।३७।४

मद्द्व (मार्दव) ज २।१६,७१

मद्दुग (मद्दुग) ज २।१३७

मधु (मधु) प १।७।१३४ ज २।१०६,११०

मधुर (मधुर) ज ३।१८६,२०४

√मन् (मन्) मन्ने ज ३।१०५

मम्म (मर्मन्) उ १।६६

मम्मण (मम्मन) उ ३।६८

मय (मद) च १।१

मयकिञ्च (मृतकृत्य) उ १।६२

मयणिञ्ज (मदनीय) प १।७।१३४ ज २।१८

मयूर (मयूर) प १।७६ ज २।१५ उ ५।५५

मरगय (मरगत) प १।२०।३ ज ३।१०६

मरण (मरण) प १।१।१; २।६४; २।६४।६, २२;

३६।१।१, ३६।८।३।२, ६४।१ ज २।७०, ८८;

८६, १०३, १०४; ३।२२५ सू २०।६।६

उ ३।११२, १५६; ४।१६

मरीड (मरीचि) ज १।३७

मरीड्या (मरीचिका) ज ५।३२

मरुदेव (मरुदेव) ज २।५६, ६२

मरुदेवा (मरुदेवा) ज २।६३

मरुय (मरुक) प १।८६

मरुयग (मरुयक) प १।४४।३ मरुआ

मरुयरायवसभरुण्य (मरुद्राजवृषभकल्प)

ज ३।१८, ६३, १८०

मरुयापुड (मरुयकपुट) ज ४।१०७

मलय (मलय) प १।८६, १।६३।३ ज १।२६; ३।२,

२११; ५।५५ उ १।१०, २६, ६६; ५।११

मलयगिरि (मलयगिरि) ज ३।२४

मलिण (मलिन) ज २।१३३

मलिय (मूदिन) ज ३।२२१ उ १।३५; ३।५०,

११०, ११३; ४।२०

मल्ल (माल्ल) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज २।२२०;

३।६, ११, १२, २१, ३४; ५।५५, ५७ उ १।३५;

३।५०, ११०

मल्ल (मल्ल) ज २।३२; ३।७८, ८५, ८८, १८०,

२०६, २११, २२१; ५।२२, २६

मल्लइ (मल्लवि) उ १।१२७ से १३०, १३२

मल्लदाम (माल्यदामन्) प २।३०, ३१, ४१

ज ३।७, ६, १२, १८, २८, ३०, ३५, ४१, ४६, ५८;

६६, ७४, ७७, ७८, ८८, ९३, ११७, ११६, १४७,

१६८, १७८, १८०, २१२, २१३, २२२

मल्ल (जासा) (माल्यवर्षा) ज ५।५७

मल्लि (मल्लि) ज ३।१०६

मल्लिया (मल्लिका) प १।३८।२ ज २।१०;

३।१२, ८८, १७८; ५।५, ५८; ७।१७८

मल्लियापुड (मल्लिकापुट) ज ४।१०७

मविञ्जमाण (माप्यमान) प १।४८।५६

मवेञ्जमाण (माप्यमान) प १।४८।५८

मसग (मसक) प १।५१।१ ज २।४० उ ३।१२८

मसारगल्ल (दे०) प १।२०।३ ज ३।१०६; ५।५

मसि (मसि, मसि) ज २।२३

मसूर (मसूर) प १।४५।१, १।७६; १।५।३, २१;

२।१२३, ८० ज २।३७

मह (महत्) प २।३०, ३१, ४१, ४६, ६२; २।३।६३;

३६।८।१ ज १।१२, १।४, २७, ४०, ४२, ४३;

२।३१; ३।२४, १६१, १६३, १६४, १६७; ४।३,

६, ६, १२, १३, २४, २५, ३१, ३३, ३६ से ४१, ४७,

४६, ५६, ६६ से ६८, ७०, ७४, ७५, ७६, ८८, ९३,

१५६, २१६, २१८, २२१, २३५, २४३, २५०;

५।५, ७, ३५ से ३८, ५४, ६७; ७।५०

√मह (मह) महिति ज ५।१६ महइ उ ३।५१

महास (महास) ज ३।१७६

महइ (महती) प २।२७ ज १।१०; २।११४, ११५;

५।४३

महइमहालिय (महतीमहत्) ज १।२०; ४।१४

महंत (महत्) प २।२।१२३ ज १।६, २६; ३।२

उ १।१०, २६, ६६; ५।११

२०६, २०८, २१२, २१५, २३२, २६२; ५१५५;
 ६११ से २२ उ ११६७; ३१७१, ५६, ५८
 महाणक्खत्त (महानक्खत्त) सू १०१२५, ४३, १०८
 महाणदी (महानदी) ज ४११६५, २६८
 महाणिरय (महानिरय) प २१२७
 महाणिहि (महानिधि) ज ३११७८, १८३, २२०,
 २२१
 महाणुभाग (महानुभाग) प २१३०, ३१, ४१, ४६;
 ३६१८१ ज ११२४, ३१; ३१११५, १२४, १२५,
 २२६; ४१६०; ५११८ सू १७११; २०११, २
 महाणुभाव (महानुभाव) सू १७११; २०११, २
 महातव (महातपस्) ज ११५
 महादंडय (महादण्डक) प ३११८३
 महादुम (महाद्रुम) ज ५१५१
 महाधनु (महाधनुस्) उ ५१२११
 महानिधि (महानिधि) ज ३११६७११, १०
 महानील (महानील) प २१३१ से ३३
 महापउम (महापद्म) ज ३११६७११, ६, १७८
 उ २१२, २०
 महापउमद्वह (महापद्मद्वह) ज ४१६४, ६५, ७३, ८६
 महापउमा (महापद्मा) उ २११६, २०
 महापह (महापक्ष) ज ४१२१२, २१२११
 महापह (महापक्ष) ज ३११८५, २१२, २१३; ५१७२,
 ७३ उ ११६८
 महापाताल (महापाताल) प २११६१
 महापुंडरीय (महापुण्डरीक) ज ४१२६८
 महापुंडरीयहत्थगथ (हस्तगतमहापुंडरीक) ज ३११०
 महापुरा (महापुरा) ज ४१२१२१२
 महापुरिस (महापुरिस्) प २१४५, २१४५१२
 महापुरिसपण (महापुरिस्पण) ज २१४२
 महापुंडरीय (महापुण्डरीक) प ११४६ ज ४१३, २५
 महाफल (महाफल) उ १११७
 महावल (महावल) प २१३१, ४१, ४६ ज ११२४,
 ३१; ३१७७, १०६, ११५, १२४, १२५, १२६,
 २२६; ५११८ सू १७११, २०११, २ उ २१६;
 ५११३, २५

महाभीम (महाभीम) प २१४५, २१४५११
 महामंडलिय (महामण्डलिक) प ११७४
 महामति (महामन्त्रिन्) ज ३१६, ७७, २२२
 महामहिम (महामहिमन्) ज २१११७, ११८;
 ३११२, १३, १४, २८, ३०, ४१, ४२, ४६ से ५१,
 ५८ से ६०, ६६ से ६८, ७४ से ७६ १३६, १३६,
 १४७ से १५१, १६८, १६९, १७०; ५१७४
 महामेह (महामेह) ज २११०, १४१, १४२, १४५;
 ३१६, १७, २१, ३१, ३४, ३५, १७७, २२२ उ ३१४६
 महायस (महायसस्) प २१३०, ३१, ४१, ४६;
 ३६१८१ ज ११२४, ३१, ३१११५, १२४, १२५,
 २२६; ५११८
 महारह (महारथ) ज ३१३५
 महाराय (महाराज) ३१२०७, २०८, २२५ उ ३१५१,
 ५३, ५४
 महारायवास (महाराजवास) ज २१६४
 महारुधिरपण (महारुधिरपण) ज २१४२
 महारुक्क (महारुक्क) प २१२७
 महालय (महान्, महालय) प २१२७, ६३
 ज २१११४, ११५; ५१४३
 महावच्छ (महावत्स) ज ४१२०२११, २०३
 महावप्प (महावप्प) ज ४१२१२, २१२१३
 महाविजय (महाविजय) ज २११७
 महावित्त (महावृत्त) ज ५१५८
 महाविदेह (महाविदेह) प ११७४, ८८; २१७
 ज ४१८६, ६८ से १०३, १०८, १६२, १६७,
 १६६, १७२ से १७४, १७८, १८१, १८२, १८४,
 १८५, १८७, १८८, १९०, १९१, १९३, १९४,
 १९६, १९७, १९८, २०० से २०३, २०५, २०६,
 २१३, २६२; ६१६, १४, २२ उ ११४१, १४७;
 २११३, २२; ३११८, २१, ८६, १५२, १६५, १६६;
 ४१२६, २८; ५१४३
 महाविमाण (महाविमान) प २१६४
 महावीर (महावीर) प १११११ प १५१, ६; ७१२१४
 ज १० सू ११५ उ ११२, ४ से ८, १६, १७, १६
 से २६, १४२, १४३; २११ से ३, १० से १२, १४,

- १५, २१; ३१ से ३, ७, ८, १२, १६, २०, २२, २३, २६, ८७, ८८, ९१, ९३, १५३, १५४, १६६, १६७, १७०; ४१ से ३, २७; ५१ से ३, ४४
- महावेदणतराग** (महावेदनतरक) प १७६, २७
- महासंगाम** (महासंग्राम) ज २४२
- महासत्यपडण** (महाशस्त्रपतन) ज २४२
- महासमुद्र** (महासमुद्र) ज ३१२२, ३६, ७८, ९३, ९६, १०६, १६३, १८०
- महासरीर** (महाकरीर) प १७२, २५
- महासुक्क** (महासुकु) प २४६, ५६, ५७; ३१३, १८३; ४२४६ से २५१; ६३३, ५६; ७१४; २१७०; २८८१; ३३१६; ३४१६, १८ उ २१२२
- महासुक्कग** (महासुकुग) ज ५४६
- महासुक्कवडंसय** (महासुकुवतंसक) प २५६
- महासुमिण** (महास्वप्न) उ १४० ४३
- महासेनकण्ह** (महासेनकण्ण) उ १७
- महासेत** (महास्वेत) प २४७३
- महासोख** (महासौख्य) प २३०, ३१, ४१, ४६; ३६८१ ज १२४, ३१; ३११५, १२४, १२५, २२६; ५१८ सू १७१; २०१
- महाहिमवत** (महाहिमवत्) प १६३० ज ४५४, ५५, ६१ से ६३, ७६ से ८१, २६८
- महिद्धिय** (महिद्धिक) प २३१, ३७, ३९, ४२, ४३, ४८, ५०, ५२; १७८४ से ८७, ८९; ३६८१ ज १२४, ३१, ४५, ४७, ५१; ३११५, १२४, १२५, २२६; ४२२, ३४, ५१, ५४, ६०, ६१, ६४, ८०, ८४, ८५, ९७, १०२, १०७, ११३, १५६, १६१, १६५, १६६, १७७, १८०, १८४, १८६, १९६, १९८, २०३, २११, २६१, २६४, २६६, २७२; ५११८; ७१८१, २१३ सू १७१; १८१६; २०१, २
- महिंद** (महेन्द्र) ज १२६; ३२ उ ११०, २६, ६६; ५११
- महिदज्जय** (महेन्द्रज्जय) ज ४१२८, १३३, १३६; ५४३, ४४, ४६, ५०, ५२, ५३ उ ३७
- महिद्धीय** (महिद्धिक) प २३०, ३४, ३५ से ३७, ३९, ४१, ४६, ४८, ५०, ५८
- महिता** (मथित्वा) ज ५१६
- महित्य** (दे०) प १३७४
- महिमा** (महिमन्) प २३१, ६०, ११६; ५३, ७, २२, ४६, ७४ ज २३१, ६०, ११६; ५३, ७, २२, ४६, ७४
- महिय** (महित) प २३०, ३१, ४१ ज १३७; ३७, १०८ से १११
- महिय** (मथित) उ १२२, १४०
- महिया** (महिका) प १२३
- महिना** (महिला) ज २१५, ६४; २१३८, १६७४
- महिलिया** (महिलिका) ज ३१२६३
- महिवड** (महीपति) ज ३११७
- महित** (महिष) प १३४; २४६; ११२१ ज ३२४, १०३
- महिती** (महिषी) प ११२३ ज २३४; ७१६८२
- महु** (मधु) ज ७१७८ उ १३४, ४६, ७४; ३५१
- महु** (मधुका) प १४८३
- महुयरी** (मधुकरी) ज २१२
- महुर** (मधुर) प १४ से ६; ५५, ७, २०५; ११५८; १३२८, २३४६, १०८; २८२६, ३२, ६६ ज २१२, १५, ६५, १४५; ४३, २५; ५१२८; ७१७८ उ १४१, ४४; ३६८
- महुरतण** (मधुरतण) प १४२२
- महुरयर** (मधुरतर) ज ५२२ से २४
- महुररस** (मधुररस) प १४८३
- महुरा** (मधुरा) प १६३५
- महुसिगी** (मधुशुङ्गी) प १४८३
- महुस्सर** (मधुस्वर) प ५५२
- महेत्ता** (मथित्वा) उ ३५१
- महेसर** (महेश्वर) प २४७२

महोरग (महोरग) प १६८, ७५, १३२; २१४५
 ज ३११५, १२४, १२५
 महोरमच्छाया (महोरगच्छाया) प १६१७
 मा (मा) उ ११४१; ३१०३, ११२२; ४१११
 माड (मातृ) उ ११४८; २१२२; ४१२८; ५१४३
 माडमिच्छद्दिट्ठि (मायिमिच्छादृष्टि) प १५१४६;
 १७१२२; ३४११२; ३५१२३
 माडमिच्छद्दिट्ठिउववण्ण
 (मायिमिच्छादृष्ट्युपपन्नक) प १७१२७, २६
 माडमिच्छद्दिट्ठीउववण्ण
 (मायिमिच्छादृष्ट्युपपन्नक) प १७१२७
 माइय (मायिक) ज २११५
 माईवाह (मातृवाह) प ११४६
 माउय (मातृक) ज ५१६ से १२, १७, ४६, ७२, ७३
 माउलिग (मातुलिङ्ग) प ११२६१
 माउलिगाराम (मातुलिगाराम) उ ३१४८, ५५
 माउलिगी (मातुलिङ्गी) प ११२७१
 माउलुंग (मातुलिङ्ग) प १६१५५; १७१३२
 मागह (मागध) ज ५१५५; ६१२ से १४
 मागहकुमार (मागधकुमार) ज ३१३१
 मागहतिथ (मागधतीर्थ) ज ३११४, १५, १८, २२;
 २६; ५१५५
 मागहतिथकुमार (मागधतीर्थकुमार) ज ३१२०,
 २६, २७, २८, ३०
 मागहतिथार्थिपति (मागधतीर्थार्थिपति) ज ३१२५
 मागहतिथार्थिवइ (मागधतीर्थार्थिपति) ज ३१२६
 माधी (माधी) ज ७११४०
 माडंबिय (माडम्बिक) प १६४१ ज २१५; ३१६,
 १०, ७७, ८६, १७८, १८६, १८८, २०६, २१०,
 २१६, २१६, २२१, २२२ उ ११६२; ३१११,
 १०१; ५११०
 माढरी (नाठरी) प ११४८४
 माढी (माठी) ज ३१३१
 माण (मान) प १११३४१; १४४४, ६, ८, १० से १४;
 २२१२०; २३१६, ३५, १८४ ज २११६, ६६, १३३;
 ३१६५, १३८, १५६, १६७३, २२१ सू १२११७१

उ ३१३४
 मानकसाइ (मानकपायिन्) प ३१६८; २८१३३
 मानकसाय (मानकपाय) प १४११
 मानकसायपरिणाम (मानकपायपरिणाम) प १३१५
 मानकसायि (मानकपायिन्) प ३१६८
 मानणित्तिया (माननिश्चिता) प १११३४
 मानसूरण (मानभञ्जन) ज ५१५८
 मानवग (मानवक) ज २११२०; ३११६७१, ६,
 ३११७८; ४११३५ सू २०१८
 मानवय (मानवक) ज ४११३३; ७११८५
 सू १८१२३; २०१८४
 मानस (मानस) प ३५११२, ३५१६, ७ ज ५१२६
 मानसंजलणा (मानसंज्वलना) प २३१७०
 मानसण्णा (मानसंज्ञा) प ८११, २
 मानसभुग्घाय (मानसमुद्घात) प ३६१४२, ४६,
 ४८ से ५२
 मानि (मानिन्) ज ४११७२१ सू २०१६१२
 मानिकक (मानिकय) ज ३१०६
 मानिभद्द (मानिभद्र) प २१४५, २१४५१ ज ११३;
 ७१२४ चं ७, ६ सू ११२, ४ उ ३१२१, ३११६६
 मानिभद्दकूड (मानिभद्रकूट) ज ११३४, ४६
 मानुत्त (मानुष) प २१६४१४ ज २११५, ६७;
 ३१६२, ११६, ४११७७ सू १६१२१२; २०१२
 मानुसत्तेर (मानुषक्षेत्र) सू १६१२११, २, १६१२६
 मानुसत्थ (मानुषत्थ) सू १६१२२१७, २६
 मानुसत्थेय (मानुषलोक) सू १६१२१६; २०१२
 मानुसुत्तर (मानुषोत्तर) ज ७१५५, ५८ सू १६११६
 मानुसुत्तग (मानुष्यक) उ ३११३७
 मानुसुत्तय (मानुष्यक) ज ३१८२, १८७, २१८,
 २२१; ४११७७ सू २०१७ उ ११११, ३४; ५१२५
 माता (माता) प २१६४
 √साय (मा) माणज्जा प २१६४१६
 मायंजण (माताञ्जन) ज ४१२०२
 मायकसाइ (मानकपायिन्) प ३१६८, १८१६५
 मायणि (मायनि) उ ५१२११
 १. हे० ४११०६

माया (माया) प ११३४१; १४१४, ६, ८, १० से
 १४; २२११०; २३१६, ३५, १८४ ज २१६, ६६,
 १३३ उ ३१३४
माया (मातृ) ज २१२७, ६६; ५१५, ७ से १०, १२,
 १४, १७, ४६, ६७ उ १११४८
माया (मात्रा) ज ४१३६, ४३, ७२, ७८, ६५, १०३,
 १४३, १७८, २००, २१३
मायाकसाइ (मायाकपायिन्) प २८११३३
मायाकसाय (मायाकपाय) १४११
मायाकसायपरिणाम (मायाकपायपरिणाम) १३१५
मायानिस्तिया (मायानिश्चिता) ११३४
मायामोस (मायामूपा) प २२१२०, ८०
मायामोसविरथ (मायामूपाविरथ) प २२१८५, ६६
मायावस्तिया (मायाप्रत्यया) प १७१११, २२, २३,
 २५; २२१६०, ६३, ६८, ७१, ६३, ६६, १०१
मायासंजलण (मायासंज्वलन) प २३१७१
मायासण्णा (मायासंज्ञा) प ८१, २
मायासमुग्धात (मायासमुद्घात) प ३६१४६
मायासमुग्धाय (मायासमुद्घात) प ३६१४२, ४८
 से ५१
मारणंतियसमुग्धाय (मारणःस्तिकममुद्घात)
 प १५१४३; २११८४ से ६३; ३६११, ४, ७, २७,
 २६, ३५ से ४१, ४६, ५३ से ५८, ६६
मार (मार) ज ५१३२
√मार (मारय्) मारिस्सइ उ ११८६
मारिबहुल (मारिबहुल) ज १११८
मारुथ (मारुत) ज ५१५
मारेउकाम (मारयितुकाम) उ ११७३
माल (मालक) प ११३७१५ नीम
माल (माला) प २१५० ज ५११८
मालव (मालव) प ११८६
मालवंत (माल्यवत्) ज ४११०८, १४२१३, १४३,
 १६२११, १६३ से १६७, १६६, १७२ से १७४,
 २०३, २०७, २०६, २१०, २१५, २६२
मालवंतकूड (माल्यवत्कूट) ज ४११६३

मालवंतद्रह (माल्यवत्द्रह) ज ४१२६२
मालवंतपरियाय (माल्यवत्परियाय) प १६१३०
 ज ४१२७२
माला (माला) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज ३१६, २०,
 ३३, ४७, ५४, ६३, ७१, ८४, ११३, १३७, १४३,
 १६७, १८२, १८६, २०४, २२२
मालागार (मालाकार) ज ५१७
मालि (मालिन्) प ११७१ मांफ विशेष
मालिया (मालिका) ज ७१७८
मालुथ (मालुक) प ११३५११
मालुया (मालुका) प ११४०५, ११५०
मास (मास) प ४११०१, १०३; ६१५, १३ से १६,
 ३५, ३६, ४४; १८२३; २३१६६, ७०, १६५,
 १८४ ज २१४, ६४, ६६, ८३, ८८; ३१११६;
 ७१११४२, ११५, १२६, १२७, १२६११, १५६ से
 १६७ जं ५१३ सू ११६; ६११; ८११; १०१६३ से
 ७४, १२४; १२१३ से ६, १० से १२, १५;
 १३१३, १४, १७; १५११४ से २८; २०१३
 उ ११३६, ४०, ४३, ५३, ७४, ७८; ३१४०
मास (माष) प ११४५११ ज २१३७; ३१११६
 उ ३१३६, ४०
मासखमण (मासखण) उ २११०; ३११४, ८३;
 ४१२४; ५१२८, ३६, ४३
मासचूर्ण (माषचूर्ण) प १११७६
मासद्ध (मासार्थ) उ २११०; ३११४ ८३; ४१२४;
 ५१२८, ३६, ४३
मासपणी (माषपर्णी) प ११४८१५
मासपुरी (मासपुरी) प ११६३१५
मासल (मांसल) प १७११३४
माससिगा (मास 'सिगा') प १११७८ उडद की फली
मासवल्ली (माषवल्ली) प ११४०१४
मासिथ (मासिक) ज ३१२२५
मासिघा (मासिकी) उ २११२; ३१५०; १६१, १६६;
 ५१२८, ४३
माह (माघ) ज २१८८; ७११०४ सू १०१२४
 उ ३१४०

माहण (माहन) उ ३।२८,२९,४५,४७,४८,५०,
५५,५८,६०,७५,७६,७९

माहणकुल (माहनकुल) उ ३।१२५

माहणरिसी (माहनरिषी) उ ३।५१ से ५७,६२,८२

माहणी (माहनी) उ ३।१२६ से १३१,१३४ से
१४४,१४७,१४८

माह्नि (माह्नेन्द्र) प १।१३५; २।४९, ५३, ५४, ६३;
३।३२, १८३; ४।२४० से २४२; ६।३०, ५६, ६५,
१५।८८; २।१।७०; २।८।७८; ३।४।१६, १८
ज ५।४९; ७।१२२।१ सू १०।८।४।१ उ २।२२

माह्निदग (माह्नेन्द्रक) प २।५३; ७।११; ३।३।१६

माह्निदवडैसय (माह्नेन्द्रावतंसक) प २।५३

माही (माघी) ज ७।१३७, १४९, १५३, १५४
सू १०।७, १४, २३, २५, २६

माहेश्वरी (माहेश्वरी) प १; ६८

मिउ (मृदु) ज २।१६; ३।११७; ७।१७८

मिजा (मज्जा) प १।४८।४५, ४९

मिग (मृग) प २।४९ सू १०।१२०

मिगसिरा (मृगशिरा) ज ७।१३६, १६०, १६१
सू १०।२ से ५, १२, २३, ३८

मिगसीसावलि (मृगशीर्षावलि) ज ७।१३३।१

मिच्छत (मिथ्यात्व) प २।३।३ उ ३।४७

मिच्छतवेदगिज्ज (मिथ्यात्ववेदनीय) प २।३।३६८,
१८२

मिच्छतवेदगिज्ज (मिथ्यात्ववेदनीय) प २।३।१७,
३३, ६६, १३८, १५७, १६१, १६६

मिच्छताभिगमि (मिथ्यात्वामिगमिन्) प ३।४।१४

मिच्छद्दिट्ठि (मिथ्यादृष्टि) प १।७४, ८४;
३।१००, १८३; ६।९७; १३।१४, १६, १७;
१७।११, २३, २५; १८।७७; १९।१ से ५;
२१।७२; २३।१९९, २००; २८।१२९

मिच्छादंसणपरिणाम (मिथ्यादर्शनपरिणाम)
प १।३।११

मिच्छादंसणवत्तिया (मिथ्यादर्शनप्रत्यया)
प १।७।११, २२, २३, २५; २।२।६०, ६५, ६६,

६९, ७२ से ७४, ९४, ९५, ९७ से ९९, १०१

मिच्छादंसणसत्तल (मिथ्यादर्शनशल्य) प २।२।२०, २५

मिच्छादंसणसत्तलविरय (मिथ्यादर्शनशल्यविरत)
प २।२।८६, ८७, ८९, ९०, ९७ से ९९

मिच्छादंसणसत्तलवेदरमण (मिथ्यादर्शनशल्यविरमण)
प २।१।८१, ८२

मिच्छादंसणि (मिथ्यादर्शनिन्) प २।२।६५

मिच्छाददिट्ठि (मिथ्यादृष्टि) प २।३।१९५

मिज्जमाण (भीयमान) सू १।२।२

मित (मित) उ १।४।१, ४४

मित्त (मित्र) ज २।२।९; ३।१।८७; ७।१२।२।१,
१३०, १८६।४ सू १०।८।४।१ उ ३।३।५०,
११०, १११; ४।१।६, १८

मित्तदेवया (मित्रदेवता) सू १०।८३

मिय (मृग) प १।६४; १।१।४ ज २।३।५ उ ५।५

मिय (मित) ज २।१।५

मियंक (मृगाङ्क) सू २।०।४

मियगंध (मृगगन्ध) ज २।५०, १६४; ४।१०९, २०५

मियलुद्ध (मृगलुब्ध) उ ३।५०

मियवालुंकी (मृगवालुंकी) प १।४।८।४; १।७।१३०

मियवालुंकीफल (मृगवालुंकीफल) प १।७।१३०

मिरिय (मरिच) प १।७।१३१

मिरियचुण्ण (मरिचचूर्ण) प १।१।७६; १।७।१३१

मियसिर (मृगशीर्ष) ज ७।१२८

मिरीइ (मरीचि) ज ३।१।१७

मिरीचि (मरीचि) सू २।१

मिरीया (मरीचि) सू २।१

मिलववु (म्लेच्छ) प १।८८, ८९ ज ३।७७, १०९

मिलाइत्ता (मिलित्वा) ज ५।६४

√मिलाय (मिलय्) मित्वाइ उ १।१।२५ मिलायति
ज ३।१।११

मिलायित्ता (मिलित्वा) ज ३।१।११

मिलिय (मिलित) प १६।१५; २।२।८४

मिसिमिसैत (दे०) ज ३।१०९; ५।२।१

मिसिमिसैत (दे०) ज ३।९, २४, २२२; ५।२।८

मिसिमिसेमाण (दे०) ज ३२६, ३६, ४७, १०७,
 १०६, १३३ उ १२२, ५७, ८२, ११५, १४०
 मिस्त (मिश्र) प १४७अ
 मिस्तकेसी (मिश्रकेसी) ज ५११११
 मिस्ताकूर (मिश्राकूर) सू १०२०
 मिहिला (मिथिला) प १६३अ उ १२, ३;
 ७अ१४ चं ६ से ८ सू ११ से ३ उ ३१७१
 मिहण (मिथुन) ज २१२; ४३, २५ उ ५५
 मीसग (मिश्रक) प ३२६अ
 मीसजोणि (मिश्रयोनि) प ६१६
 मीसजोणिय (मिश्रयोनि) प ६१६
 मीसय (मिश्रक) ज २६५, ६६
 मीसाहार (मिश्राहार) प २८१, २
 मीसिय (मिश्रित) प ६१३ से १७
 मुद्ग (मुद्ग) प २३०, ३१, ४१, ४६, ३३२४
 ज १४५; ३१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४,
 ७८, ८२, १४७, १६८, १८०, १८५, १८७, २०६,
 २१२, २१३, २१८; ५११, ५, १६; ७५५, ५८,
 १८४ सू १८२३; १६२३, २६
 मुद्गपुक्खर (मुद्गपुष्कर) ज २१२७
 √मुच्च (मुच्) मोच्छिंहिति ज २१३१
 मुंजपाउयार (मुञ्जपाटुकाकार) प १६७
 मुंड (मुण्ड) प २०१७, १८ ज २३५, ६७, ८५, ८७
 उ ३१३, १०६ से १०८, ११२, ११८, १३६,
 १३८, १३६; ४१४, १६; ५३२
 मुंडभाव (मुण्डभाव) उ ५४३
 मुडि (मुण्डिन्) ज ३१७८
 मुक्क (मुक्त) प २३०, ३१, ४१ ज २१०, १५;
 ३१७, ८८; ४१६६; ५१७
 मुक्केलग (दे०) प १२१ से १३, १६, २०, २१,
 २३, २४, २७, २८, ३१ से ३३
 मुक्केलय (दे०) प १२१ से १०, १६, २०, २४, २७,
 २८, ३६
 मुगुं (मुकुन्द) ज ३३१
 मुग्ग (मुद्ग) प १४५१ ज २३७; ३११६
 मुग्गचुण्ण (मुद्गचूर्ण) प १११७

मुग्गपण्णी (मुद्गपर्णी) प १४८अ
 मुग्गसिगा (मुद्गसिगा) प ११७८ मूग की फली
 मुग्गसूव (मुद्गसूव) सू १०१२०
 √मुच्च (मुच्) मुच्चइ प ३६८८ मुच्चंति
 प ६११० ज १२२, ५०; २५८, १२३, १२८;
 ४१०१ उ ३१४२ मुच्चति प ३६११
 मुच्चिहिइ उ ११४१; ३४६; ५४३
 मुच्चिंहिति ज २१५१ मुच्चेज्जा प २०१८
 मुच्छिय (मुच्छित) ज ५२६ उ १४७; ३११४,
 ११५, ११६
 मुट्ठि (मुष्टि) ज २१४१ से १४५; ३११५,
 ११६, १२२, १२४
 मुट्ठिय (मौष्टिः, मुष्टिक) ज २३२; ५, ५
 मुणाल (मृणाल) प १४६, १४८अ४२; २६४
 ज ३१०६; ४३, २५
 मुणालिया (मृणालिका) प २३१
 मुणेष्व (जातय) प १३८३; २४०६, ११;
 १५१४३ ज ४१४२३; ७१३४४
 सू १६२२११, २२
 मुत्त (मुक्त) २१८, ८६; ३७६, ११६, ११७, २२५;
 ५५, २१, ४६
 मुत्त (मूत्र) उ ३१३०, १३१, १३४
 मुत्तजाल (मुक्तजाल) ज ३१७७
 मुत्तमाण (मूत्रयत्) उ ३१३०, १३१, १३४
 मुत्ता (मुक्ता) ज ४२७
 मुत्ताजाल (मुक्ताजाल) ज ३३०, ४७, २२२
 मुत्तादाम (मुक्तादामन्) ज ५३८
 मुत्तालय (मुक्तालय) प २६४
 मुत्तावलि (मुक्तावलि) ज ३२११; ४२३, ३८,
 ६५, ७३, ६०, ६१
 मुत्ति (मुक्ति) प २६४ ज २७१
 मुत्तियाजालय (मौक्तिकजालक) ज ३१०६
 मुत्तिसुह (मुक्तिसुख) प २६४१५
 मुत्तोली (दे०) ज ३१०६
 मुद्दा (मुद्रा) प २३१

मुद्रिया (मूढीका) प १४०४
 मुद्रिया (मुद्रिका) ज ३६, २११, २२२
 मुद्रियासारथ (मूढवीनामारक) प १७१३४
 मुद्ध (मूर्धन्) ज ५२१, ५८, ६४, ७२, ७३; ७१७८
 मुद्धंत (मूर्धान्त) मू २०२
 मुद्धय (दे०) प १५८
 मुद्धागय (मूर्द्धगत) ज ३६२, ११६
 मुम्मुर (मुर्मुर) प १२६
 मुम्मुरभूय (मुर्मुरभूत) ज २१३२, १४१
 √मुय (मुच्) मु०ति मू २०२
 मुयंत (मुच्चन्) ज २१२
 मुरव (मुरज) ज ३१२, ७८, १८०, २०६
 मुहंड (मुरुण्ड) प १८६
 मुहंडी (मुरुण्डी) ज ३११२
 मुसल (मुसल) प २३०, ३१, ४१ ज २६, १४१,
 १४५; ३३, २०, ३३, ५४, ६३, ७१ ८४, ११५,
 ११६, १२२, १२४, १३७, १४३, १६७, १८२;
 ७१७८
 मुसावाय (मूषावाद) प २२१२, १३, ८०
 मुसावायविरय (मुषावाःदविरत) प २२८५
 मुसुंढी (दे०) प १४८१; २३०, ३१, ४१
 मुह (मुख) ज २७१, १३३; ३१०५, १०६,
 १६७११; ४२३, ३६, ३८, ३९, ४३, ६५, ६६,
 ७२, ७३, ७८, ६०, ६१, ६५, १८३, २६२; ७१७८
 उ ३१५५, ५६, ६३, ६४, ६७, ६८, ७०, ७१, ७३,
 ७४, ७६; ४२१
 मुहफुल्लय (मुखफुल्लक) ज ७१३३२
 मुहफुल्लसंठिय (मुख'फुल्ल'संस्थित) सू १०४७
 मुहमंडग (मुखभाण्डक) ज ३१७८
 मुहमंगलिय (मुखमाङ्गलिक) ज २६४; ३१८५
 मुहमंडव (मुखमण्डव) ज ४१२२
 मुहुत्त (मुहूर्त) प ६१ से ४, ६ से १०, १७, १८, २२
 से ३०, ४५; ७३, ६ से ६; २३६३, १२७, १३१,
 १८८ ज २४२, ३, २६६, १३४; ३३२२,
 २०६; ७२० से ३०, ३६ से ३८, ७६ से ८२,

६५, ६६, ६८ से १००, १२२, १२६, १२७,
 १३४१, २, ३, १३५१ से ४ कं ३११; ४११; ५२
 सू ११७१, १८११, ११६२, ११६०, १३, १४, १६।
 से १८, २१, २२, २४, २७; २३; ३२; ४८, ६;
 ६१; ८१; ६२; १०२ से ५, ८४, १३३, १३४,
 १५२ से १६५; ११२ से ६; १२२ से ६,
 १२, १३, १६ से २८, १३१, ३; १४३, ७; १५२
 से ४, ८, ९, ११, १२, ३७; १७१ उ १२४, ४७,
 ६०, ६२

मुहुत्तगइ (मुहूर्तगति) कं ४३

मुहुत्तग (मुहूर्ताग) कं ५१ सू ११६१; १०२;
 १२२ से २

मूल (मूल) प १३५, ३६; १४८१०, २०, ३०, ३४,
 ५१ ज १८, ३५, ५१; २६; ३२२२०; ४७, १५,
 ४३, ४५, ७२, ७८, ६०, ६५, ११०, ११४; १२०,
 १४२१, १४६, १५६१, १७४, २१३, २४२;
 ५६७; ७३६, ३८, ६२४१, १२८, १२६,
 १३२४, १३६, १४०, १४६, १५२, १६६, १६७,
 १७५ सू १०२ से ६, १८, २३, ५२, ६२, ७३ से
 ७५, ८३, ११७, १२०, १३१ से १३३; १२२७;
 १८७ उ ३५०, ५१, ५३

मूलग (मूलक) प १४४२, १४५२ ज ३११६

मूलग (मूलाग) प १४८६३

मूलपासायवडैसय (मूलप्रासादावतंसक) ज ४१२०

मूलय (मूलक) प १४८२

मूलाग (मूलक) उ १६२

मूलापण (मूलकपण) सू १०१२०

मूलाधीय (मूलकवीज) ज २३७

मूलाहार (मूलाहार) उ ३५०

मूसग (मूषक) प ११७८

मूसा (मूषक) प १७६

मेइणी (मेदिनी) ज २१५

मेइणीय (मेदिनीक) ज ३१८, ३१, १८०

मेंढक (मेंढक) सू १०१२० मेंढकनिगी लता

मेंढमुह (मेंढमुख) प १८६

मेघ (मेघ) ज ३।२२४
 मेघमालिनी (मेघमालिनी) ज ४।२३८
 मेघस्तर (मेघस्वर) ज ५।५२
 मेच्छ (म्लेच्छ) प २।६४।१७
 मेच्छजाइ (म्लेच्छजाति) ज ३।८१
 मेढी (मेढी) उ ३।११
 मेढीभूय (मेढीभूत) उ ३।११
 मेत्त (मात्र) प १।४८।६०, १।७४, ८४; १।२।१२,
 २४, ३८; १।५।१०, २३; २।१।८४, ८६, ८७, ९० से
 ९३; ३।३।१३; ३।६।५९, ६६, ७०, ७४ ज २।१३४
 उ ३।८३, १२०, १२१, १२७, १२८, १६१;
 ४।२४; ५।२३
 मेद (मेदस्) प २।२० से २७
 मेधावि (मेधाविन्) ज ५।५
 मेय (मेद) प १।८९
 मेरग (मैरेय) उ १।३४, ४९, ७४
 मेरय (मैरेय) प १।७।१३४
 मेरा (मर्यादा) ज ३।२६, ३९, ४७, ७६, १३२, १३३,
 १३८, १५१, १८८ सू २०।९।४
 मेराग (मर्यादाक) ज ३।१२८, १५१, १७०, १८५,
 २०९, २२१ उ ५।१०
 मेरु (मेरु) ज ४।२६०।१; ७।३।२।१, ७।५ सू ५।१;
 ७।१; १।९।२।१०, ११, १।९।२।३
 मेरुतालवण (मेरुतालवन) ज २।९
 मेरुलिमिद (दे०) प १।७०
 मेसर (दे०) प १।७९
 मेह (मेघ) ज २।१३१; ३।७, ९३, १०६, १२५,
 १५७, १६३; ५।२२ से २४ उ २।११
 मेहंकरा (मेघंकरा) ज ४।२३७; ५।६।१
 मेहकुमार (मेघकुमार) उ २।१११, ११२
 मेहमालिणी (मेघमालिनी) ज ५।६।१
 मेहमुख (मेघमुख) प १।८६ ज ३।१११ से ११५
 १२४ से १२६
 मेहवई (मेघवती) ज ४।२३८; ५।६।१
 मेहवण (मेघवर्ण) उ ५।२४, २६

मेहा (मेघा) ज ३।३
 मेहाणीय (मेघानीक) ज ३।११५, १२४, १२५
 मेहावि (मेघाविन्) ज ३।१०९
 मेहुण (मैथुन) प २।२।१६, १७, ८०
 मेहुणवत्तिय (मैथुनप्रत्तिय) ज ७।१।८५ सू १।८।२३,
 २४; २।०।६
 मेहुणसण्णा (मैथुनसंज्ञा) प ८।१ से ५, ७ से ९, ११
 मोढ (दे०) प १।८९
 मोख (मोक्ष) ज २।७१
 मोगली (मोगली) एक जंगली पेड़ प १।४०।५
 मोगर (मुद्गर) प १।३।८।२; २।४।१ ज २।१०
 मोगल्यण (मौद्गल्याण) ज ७।१३।२।१
 सू १०।९२
 मोत्ति (मौत्तिक) ज ३।१६।७।८
 मोत्तिय (मौत्तिक) प १।४।९ ज २।२४, ६४, ६९;
 ३।३५
 मोहाल (दे०) ज २।८
 मोयई (मोची) प १।३।५।१ हिलमोचिका साग
 मोयग (मोचक) ज ५।२१
 मोरगीवा (मयूरशीवा) प १।७।१३४
 मोसभासग (मृषाभाषक) प १।१।९०
 मोसमण (मृषामनस्) प १।६।१, ७
 मोसमणजोग (मृषामनोयोग) प ३।६।८९
 मोसवइजोग (मृषावाक्ययोग) प ३।६।९०
 मोसा (मृषा) प १।१।२ से १० २६ से २९, ३२,
 ३४, ४२, ४३, ४५, ४६, ८२, ८४, ८५, ८७ से ८९
 मोह (मोह) प २।३।१९१ ज २।२३३
 √मोह (माहय) मोहति ज १।१३
 मोहणिज (मोहनीय) प २।२।२८; २।३।१, १२,
 १७, ३२, १९२; २।४।१३; २।६।१२; २।७।६
 मोहरिय (मौखरिक) ज ३।१।७।८
 य
 य (च) प १।१० ज १।७ सू १।७ उ १।७;
 ३।२।१; ४।२।१; ५।२।१
 या (च) उ ३।२।१

√याण (जा) याणति प १५४६, ४८, ४६;

३४११, १२ याणति प २३१३ याणामो
उ १३६

याव (यावत्) प १२०, २३, २६, २६, ३७, ३६
से ४७, १४८।७.१० से ३७, ४१, ४३, १४८ से
५१, ५६, ६०, ६३ से ६६, ७०, ७१, ७५, ७६, ७८,
६६, ६७

र

रइ (रति) प २४१ ज ५२६

रइकरग (रतिकरक) ज ५४८, ४६

रइकरगपव्वय (रतिकरकपव्वय) उ ५४४

रइत्त (रचित) प ३६१२

रइत्त (रतिद) ज ३३५

रइय (रचित) प २३०, ३१, ४१ ज १३७; २१५,
३६, ६, १८, २४, २५, ६३, १०६, ११७, १७८,
१८०, २२१, २२२; ५४३; ०५५

रइय (रतिक) प २४८

रइय (रतिद) ज २१५

रइयामय (रजतमय) ज ४१३

रउस्सल (रजस्वल) ज २१३१

रएत्ता (रचयित्वा) उ ११३७; ३५१

रंग (रङ्ग) ज ३१६७६

रखस (राक्षस) प ११३२; २११, ४५ ज ७१२२
सू १०८४३

रख्खा (रक्षा) ज ५१६

रज्ज (राज्य) ज २६४; ३२, १७५, १८८ उ १६६,
६४, ६६, १०३, १०६, ११०, ११३, ११४, १२१,
१२२, १२६; ५१६, ११

√रज्ज (रज्ज) रज्जति सू १३१

रज्जधुरा (राजधूर) उ १३१

रज्जवास (राजवास) ज २१७

रज्जसिरि (राजश्री) उ १६५, ६६, ७१, ६४, ६८,
६६, १११, ११२

रज्जु (रज्जु) ज ३१०६; ७१७८

रज्जुच्छाया (रज्जुच्छाया) सू ६१४

रट्ठ (राष्ट्र) उ १६६, ६४, ६६

रट्ठकूड (राष्ट्रकूट) उ ३१२८ से १३१.१३३,
१३६, १३८ से १४०, १४७, १४६

रणभूमि (रणभूमि) उ ११३५

रत्तण (रत्त) प २४८

रत्तणप्पभा (रत्तप्रभा) प २४८, ४६; ३१८३;
६१६१; १०२, ३

रत्तणवड्डेसय (रत्तावतंसक) प २४१

रत्तणामय (रत्तमय) ० २४६

रति (रति) प २३३६, ७६, १४४

रतिणाम (रतिनामन्) प २३१६४

रतिपसत्त (रतिप्रसक्त) सू २०७

रत्त (रक्त) प २३१, २४०।१० ज ३७, २४, २५,
१८४, १८८; ७१७८ सू १३१; २०३, ७
उ १७२, ७३, ८७, ८८, ६२

रत्त (रत्त) ज २६१, २१४१ से १४५; ३११५,
११६, १२१, १२२, १२४

रत्तंसुय (रत्तांसुक) ज ४१३ सू २०७

रत्तकंबलसिला (रत्तकम्बलशिला) ज ४२४४,
२५२

रत्तकणवीरय (रत्तकरवीरक) प १७१२६

रत्तचंदण (रत्तचन्दन) प २३०, ३१, ४१

रत्तबंधुजीवय (रत्तबन्धुजीवक) प १७१२६

रत्तरयण (रत्तरत्त) ज २२४, ६४, ६६; ३१६७

रत्तवई (रत्तवती) ज ४२७४; ६१६

रत्तवईकूड (रत्तवतीकूट) ज ४२७५

रत्तसिला (रत्तशिला) ज ४२४४, २५१

रत्ता (रक्ता) ज ४२७४; ६१६

रत्ताकूड (रक्ताकूट) ज ४२७५

रत्ताभ (रक्ताभ) प २४६

रत्तासोग (रक्तासोक) प १७१२६

रत्ति (रात्रि) ज ३६५, १५६

रत्तुप्पल (रक्तोत्पल) प १७१२६ ज २१५;

७१७८

रत्था (रथ्या) ज ३७

√रम (रम्) रमंति ज ११३, ३०, ३३, ३७; ४१२

रमंत (रममाण) ज ३१७८

रमण (रमण) ज ३१३८

रमणिज्ज (रमणीय) प २३१, ४८ से ५१, ६३;

१७१०७, १०६ १११ ज ११३, २१, २५, २६,

२८, २९, ३२, ३३, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४६;

२३, १०, १५, ३८, ५२, ५६, ५७, १२२, १२७,

१४७, १५०, १५६, १५९, १६१, १६४, ३१६, ८१,

१६२, १६३, १६६, १६७, २२२; ४१२, ३, ८, ११,

१२, १६, ३२, ४६, ४६, ४७, ४९, ५०, ५६, ५८, ५९,

६३, ६९, ७०, ८२, ८७, ८८, १००, १०४, १०६,

१११, ११२, ११७, ११८, १३१, १६६, १७०,

१७६, २०२१, २३४, २४० से २४२, २४७,

२४८, २५०, २६७; ५३३, ३५; ७१७८

सू २११; ६३; १८१

रम्म (रम्भ) ज २१०, १२; ३३१; ४१२०२१

उ ३४६; ५६

रम्मग (रम्भक) ज ४१०२, २०२

रम्मगकूड (रम्भककूट) ज ४१२६३१, २६६१

रम्मगवास (रम्भकवर्ष) प १८७; १६३०

ज ४१०२, १६२, २६६ से २६८; ६१६, २१

रम्मय (रम्भक) प १७१६४ ज ४१२०२१, २६५

से २६७

रम्मयवास (रम्भकवर्ष) ज २६

रथ (रजस्) ज ३१२२३; ५३७

√रथ (रथ्यु) रथ्ज उ ११३७; ३५१ रथंति

ज २१६६ रथ्ज्ज ज २१६५ रथ्ज्ज उ २११४

रथण (रत्न) प १११२; १३, ४८; २३०, ३१, ४१,

४८; ११२५; १५१५३२; २०१११ ज २६४,

६६; ३१६, १२, १८, २४, ३०, ३१; ३२१, ३५,

५६, ६४, ७६, ७७, ८१, ११७, १२५ से १२८,

१३८, १४५, १५१, १५२, १६७, १५, १२, १४;

३१६८, १७५, १७८, १८०, १८४, १६२, २११,

२२१, २२२; ४४६, १३७; ५१५, ७, १३, १६,

३८, ५८; ७१७८ सू १८८; २०३ उ ११११;

११२, १२३, १३१

रथणकरंड (रत्नकरण्ड) ज ३११

रथणकरंडय (रत्नकरण्डक) ज ५१५ उ ३१२८

रथणकुण्डलधारिय (रत्नकुण्डलधारिका) ज ५१५, ४६

रथणचित्त (रत्नचित्त) ज ३१५६, १४५

रथणवपसा (रत्नवपसा) प ११५३; २११ २०, २१,

३० से ४६, ४१ से ४३, ४६, ५०, ५१, ६३;

३११, २१; ४१८ से ६; ६११०, ४५, ५१, ७३,

८८, ९१, १०६; १०१ से ३, २८, ३०; १६१६६;

२०६, ९, ३८, ३९, ४६, ५०, ५६, २१५२, ५६,

६६; ३०२५ से २८, ३३३, १६ सू २११;

६३; १८१

रथणपुष्पपुण्ड्रविणेरइय (रत्नपुष्पपुण्ड्रविणैरइयिक)

प २०५०, ५१

रथणवड्डेय (रत्नवड्डेय) प २१६

रथण (वासा) (रत्नवर्षा) ज ५१५७

रथणमय (रत्नमय) प २३०, ३१, ४१ से ४३,

४६, ५० से ५२, ५८ से ६०, ६३ ज ११६, १०,

३१, ३५, ४०, ४६१; २११४, ११५, ३१६६,

१००, १०१; ४१२८, ३०, ४१, ४५, ५७, ६२, ७४,

७६, १०३, ११४, १३६, १७८, २१२, २१७, २७६;

५३७

रथणसंज्ञया (रत्नसंज्ञया) ज ४१२०२१२

रथणावली (रत्नावली) ज ३१२११

रथणि (रत्नि) प १३५; २१६४७, ८; २१६६, ६७,

७०, ७१, ७४ ज २१३३

रथणि (रत्नि) सू ११४; ६१

रथणिकर (रत्निकर) ज ३१०६ सू १६१२१२,

१३

रथणिलेख (रत्निलेख) ज ७१२७, ३०

रथणिकर (रत्निकर) ज ३११७

रथणपुष्पसिद्ध (रत्नपुष्पसिद्धक) प १३५

रथणिय (रत्निक) उ ४१०

रथणिकर (रत्निकर) ज २१५; ३११७

रथणी (रत्नि) ज २६, १२८, १३३, १४८

रयणी (रजनी) ज २।१२८, १३३; ३।१८८; ७।१२०
सू १०।८८।३ उ ३।४८, ५०, ५५, ६३, ६७, ७०,
७३, १०६, ११८

रयणुच्चय (रत्नोच्चय) सू ५।१

रयणोच्चय (रत्नोच्चय) ज ४।२६०।१

रयत्ताण (रजस्वाण) ज ४।१३ सू २०।७

रयमत्त (रत्नमत्त) ज २।१२

रयथ (रजत) ज ३।१०३; ४।२५, १२५, १४६;
१६२।१, २३८, २५५; ५।५, ६२; ७।१७८

रयथकूड (रजतकूट) ज ४।१६४, २३६

रयथखंड (रजतखण्ड) ज १।१।७४

रयथवालुया (रजतवालुका) ज ४।३

रयथामय (रजतमय) ज १।२३; ३।१२, ८८; ४।३,
१३, २५, ६४, ८८, २०३; ५।५८; ७।१७८

रथ (रथ) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज १।४५; २।६५
३।२२, ३६, ७८, ८३, ९३, ९६, १६३, १८०, १८३,
१८५, १८७, २०४, २०६, २१३, २१६; ५।१, ५,
६, २२, २६, ४४, ४६, ४७, ५६, ६७; ७।५५, ५८,
१७८, १८४ सू १।८।२३; १।९।२३, २६
उ १।१२१, १२२, १२५, १२६, १३३, १३४, १३८;
३।१११; ४।१८; ५।१६

रथभूय (रथभूत) ज ३।१०६

रथि (रथि) ज २।१५; ३।३, ३०; ७।१२।१, १६७
सू १०।७७; १।९।८।२; २।२।३

रथिकिरण (रथिकिरण) ज २।१५

रथ (रथ) प १।४ से ६; ३।१८२; ५।५, ७, १०, १२,
१४, १६, १८, २०, २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ३९,
४१, ४५, ५३, ५६, ५९, ६१, ६३, ६८, ७१, ७४,
७६, ७८, ८३, ८६, ८९, ९१, ९३, ९७, १०१, १०४,
१०७, १०९, १११, ११५, ११९, १२६, १३८,
१५०, १५२, १५४, १६०, २०५, २०७, २११,
२१४, २२८, २४२, २४४; १०।५।३।१; १।१।५।७,
५८; १।५।३८; १।७।११।१; २।३।१।५, १६, १९,
२०, १०८; २।८।२०, ३२, ६६; ३।६।८०, ८१
ज २।१८, ४५, ४८; ३।८।२, १८७, २१८;

७।११२।४, २०६ सू १०।१२६।४; २०।७
उ ५।२५

रथओ (रथत) प १।५ से ६; २।८।२६, ३२, ६६

रथचरिम (रथचरम) प १०।५०, ५१

रथनाम (रथनामन्) प २।३।३८, ४६

रथतो (रथतस्) प १।६, ८, ९; १।१।५८; २।८।८, २०,
५४

रथदेवी (रथदेवी) उ ४।२।१

रथपञ्जव (रथपञ्चव) ज २।५।१, ५४, १२१, १२६,
१३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३

रथपरिणाम (रथपरिणाम) प १।३।२१, २८

रथभेय (रथभेद) प १।४।८।५

रथमंत (रथमन्त) प १।१।५२, ५७; २।८।५, ५१

रथभेह (रथभेघ) ज २।४।५

रथविष्णुणावावरण (रथविष्णुणावावरण) प २।३।१३

रथादेस (रथादेश) प १।२०, २३, २६, २९, ४८

रथावरण (रथावरण) प २।३।१३

रथिदियत्त (रथिन्द्रियत्त) प ३।४।२०

रथिय (रथित) ज ३।३।५; ५।२।२ से २४, २६

रथोदय (रथोदक) प १।२।३

रथिस्ति (रथिस्ति) ज ३।३, १८८

रथ (रथ) ज १।२६; २।१२, ३३, ६५, १३४; ३।३,
१५, १७, २१ से २३, २८, ३१, ३६, ३७, ४१, ४५,
४९, ७७, ७८, ९१, ९८, १०९, १३१, १३५, १७३,
१७५, १७७ से १७९, १९६, २२१; ५।५।७
उ १।१४, १५, २१, २२, १२१, १२६, १३३, १३६
से १३८; ४।१।५; ५।१।८

रथचक्रवाल (रथचक्रवाल) प ३।६।८१ ज १।७
सू १।४

रथच्छाया (रथच्छाया) प १।६।४७

रथनेउरथचक्रवाल (रथनूपुरचक्रवाल) ज १।२६

रथगह (रथगह) ज २।१३४

रथमुसल (रथमुसल) उ १।१४, १५, २१, २२, २५,
२६, १३६, १३७, १४०

रथरेणु (रथरेणु) ज २।६

रथवर (रथवर) ज २।१५; ३।२२, ३६, ४४

रहसिर (रथशिरम्) ज ३।१३१, १३५
 रहस्त (रहस्य) उ ३।११
 रहस्सियग (राहसिक) उ १।४६
 रहस्सियय (राहसिक) उ १।४४
 √रहस्सीकर (रहस्योक्त) रहस्सीकरेसि उ १।३६
 रहिय (रहित) प ३।२।६।१; ३।५।१।२ ज २।१५,
 १३३ सू २।।६।६
 रहोकम्म (रहःकर्मन्) ज २।७।१
 राइ (रात्रि) ज २।१५; ३।११७, ७।२६ से ३०,
 १२०, १२१ चं ५।२ सू १।६।३; २।१, ३;
 १६।११।१
 राइ (राजन्) उ ५।१०
 राईदिय (रात्रिदिव) प ६।३०; १।८।३३, ५१;
 २३।१६२ ज २।४६, ५२, ५६, १५६, १६१;
 ७।२७, ३०, १५८, १६१ से १६७ सू १।११,
 १४, २२ से २४, २७; २।३; ६।१; ८।१;
 १०।१६६ से १६६; १२।२ से ६, १३, १५;
 १५।३२, ३४, ३७ उ १।५३, ७८
 राईदियग (रात्रिदियाग) सू १।११; १२।२ से ६,
 १५
 राइण्ण (राजन्य) प १।६५ ज २।६५
 राईसर (राजेश्वर) ज ३।६, ७७, ८६, १७८, १८६,
 १८८, २०६, २१०, २१६, २१६, २२१, २२२
 उ ३।११, १०१; ५।१०, १७, ३६
 राग (राग) प २।४१; १७।११६; २३।६
 ज २।२६; ३।७, ३५, १८४, १८८ सू १३।२
 राति (रात्रि) सू १।१३, १४, १६, २१, २२, २४, २७;
 २।३; ३।२; ४।८, ६; ६।१; ८।१; ६।२; १०।५,
 ८।३
 रातिदिय (रात्रिदिव) प ४।७२, ७४, ७६, ७८, ६८,
 १००; ६।११, २६, ३१ से ३४; १।८।२२
 रातीतिहि (रात्रितिथि) सू १०।८६, ६१
 राम (राम) प १।६३।६
 रामकण्ह (रामकृष्ण) उ १।७
 राय (राजन्) प १६।४१ ज १।३, २६; २।१६, २५,
 ६३; ३।२ से ७, ६ से १३, १५, १७ से २४, २६

से २६, ३१ से ३४, ३६ से ४२, ४४ से ५०, ५२
 से ५६, ६१ से ६७, ६६ से ७४, ७६, ८३, ८८,
 ९० से ९४, ९६, ९६ से १०१, १०६ से १०६,
 ११५ से १२०, १२१।१, १२२ से १२५;
 १२६।१, १२७, १२८, १३१ से १३४, १३५।१,
 १३७ से १३६, १४१, १४३, १४५ से १४७,
 १५० से १५४, १५७ से १६०, १६३ से १६७,
 १७०, १७३, १७५, १७७, १८१ से १८३, १८५
 से १८२, १८८, १८६, २०१, २०२, २०४ से
 २१२, २१४, २१५, २१८, २१६, २२१ से २२३;
 ४।१७७, १८१, २००; ५।५, ७ चं ८ सू १।३, ४
 उ १।१० से १२, १४, १५, २१, २२, २५, २६, २६
 से ३२, ३४, ३६ से ४४, ४६, ४६, ५७, ५८, ६१,
 ६२, ६५, ६६, ६८ से ७४, ८२, ८३, ८६ से ९६,
 ९८ से ११६, १२१, १२७, १२६ से १४५;
 २।४, ५, १६, १७; ३।४, १५ से १८, २१, २४, ८६,
 १५५, १६८; ४।४, ६; ५।६, ११ से १३, २५, ३०
 रायकुल (राजकुल) उ १।१११, ११२; ५।४३
 रायगिह (राजगृह) प १।६३।१ उ १।१, २, २८, २६,
 ६३; ३।४, २१, २४, ८६, १५५, १६८; ४।४, ६, ७,
 १३, १५, १८
 रायगल (राजार्गल) सू २।।८; २।।८।६
 रायत (राजत) ज ३।११७
 रायतेय (राजतेजम्) ज ३।१८, ६३, १८०, १८७
 रायधम्म (राजधर्म) ज २।१२६, १५८
 रायपवर (राजप्रवर) ज ३।६५, ६६, १५६
 रायप्पसेणइज्ज (राजप्रस्थीय) ज ४।११५; ५।३२
 रायबहुल (राजबहुल) ज १।१८
 रायमग्ग (राजमार्ग) ज २।६५
 रायलच्छी (राजलक्ष्मी) ज ३।११७
 रायवण्णय (राजवर्णक) ज १।२६; ३।३
 रायवर (राजवर) ज ३।८२, ३६, ६३, ६६, १०६,
 १६३, १७५, १७८, १८०, १८८, २१६, २२४
 रायवल्ली (राजवल्ली) प १।४८।४
 रायसरिस (राजसदृश) उ १।१२८
 रायहंस (राजहंस) प १।७६

रायहाणी (राजधानी) प १७४ ज ११६,४५,
४६,५१; २१२,६५; ३११,२,७,८,१४,१७२.
१७३,१८०,१८२ से १८५,१९१,१९२,२०४,
२०८,२०९,२१२,२२०,२२१,२२४; ४५२,
५३,६०,८४,९६,१०६,११४ से ११७,१५९,
१६०,१६३ से १६५,१७४,१७५,१७७ १८०,
१८१,१९२,२००,२०२,२०४,२०६,२०७,
२०८,२१०,२१२,२२६ से २३३,२३७ से
२३९,२६३,२६६,२६९.२७२,२७५; ५५०;
६१६; ७१८४,१८५ उ ३१०१

रायाभिसेय (राज्याभिषेक) ज २१८५; ३१८८,
२०९,२१२,२१४ उ १६५,६८,७२

रायारिह (राजारह) ज ३१८

रालग (रालक) प १४५१२ ज २३७; ३११९
दक्षिण भारत के जंगलों में मिलने वाला एक
सदावहार पेड़

√**राव (रावय्)** रावेंति ज ५५७

रावेंत (रावयत्) ज ३१७८

रासि (राशि) प २६४१६; १२३२; १७१२६

राहु (राहु) प २४८ सू २०१२,८,२०१४

राहुकम्म (राहुकर्म) सू २०१२

राहुदेव (राहुदेव) सू २०१२

राहुविमाण (राहुविमान) सू १९१२१७; २०१२

रिउब्बेय (ऋजुवेंद) उ ३१२८

रिक्ख (ऋक्ष) ज ३१९,१७,२१,३४,१७७,२२२
सू १५३७; १९१२१२६

रिगिसिगि (दे०) ज ३३१ वाद्य विशेष

रिट्ठ (रिष्ट) ज ३९२; ५५,७,२१

रिट्ठपुरा (रिष्टपुरा) ज ४२००१

रिट्ठा (रिष्टा) ज ४२००१

रिट्ठामय (रिष्टमय) ज ४७,२६

रिद्ध (ऋद्ध) ज ११२,२६; ३११ चं ६ सू ११
उ १११,९,२८; ३११५७; ५१२४

रिसह (वृष्म) ज ७१२२३ सू १०८४३

रुहल (रुचिर) प २४८ ज २१५; ३३५; ४४९;

७१७८

रुंद (दे०) ज ७३२१

रुख (रुक्ष) प १३३१,१३३४,३६,४७१;

१७१११ ज २२०,३१,१३१,१४४ से १४६;
३३२,१०९,१२६ उ ५५

रुखगोहालय (रुक्षगोहालय) ज २१९,२१

रुखमूल (रुक्षमूल) प १४८६१ ज २१८,९

रुखबहुल (रुक्षबहुल) ज ११८

रुखमूलिय (रुक्षमूलिक) उ ३५०

रुठ (रुट) ज ३२६,३९,४७,१०७,१०९,१३३
उ १२२,१४०

रुद्द (रुद्ध) ज ७१३०,१८६३

रुद्देवया (रुद्धदेवता) सू १०८३

रुप्य (रूप्य) प १२०११ ज ३१६७८ उ ३४०

रुप्यकला (रूप्यकला) ज ४२६८,२६९१,२७२;
६१२०

रुप्यपट्ट (रूप्यपट्ट) ज ४२९,२७०

रुप्यमणिमय (रूप्यमणिमय) ज ५५५

रुप्यमय (रूप्यमय) ज ४२६; ५५५

रुप्यामय (रूप्यामय) ज ३२०९; ४२७०

रुप्पि (रुक्मिन्) प १६३० ज ४२६५,२६८;
२६९१,२७०,२७१ सू २०१८,२०१३

रुप्पिणी (रुक्मिणी) उ ५१०

रुप्पोभास (रूप्यावभास) सू २०१८

रुयग (रुचक) प २३१ १२३,२१५; ३३२;
४११,६२,८६,२३८; ५१८ से १७ सू १९३५

रुयगकूड (रुचककूट) ज ४९६,२३६

रुयगवर (रुचकवर) सू १९३५

रुयगवरोद (रुचकवरोद) सू १९३५

रुयगवरोभास (रुचकवरावभास) सू १९३५

रुयय (रुचक) प १२०३ सू १९३२ से ३४

रुह (रुह) प १४८२ ज १३७; २३५,१०१;
४२७; ५२८

रुहिर (रुधिर) प २२० से २७ ज ३३१
उ १४४ से ४६

रुहिरकदम (रुधिरकदम) उ १।१३६
 रुहिरबिन्दु (रुधिरविन्दु) ज ७।१३३।२
 रुहिरबिन्दुसंस्थित (रुधिरबिन्दुसंस्थित) सू १०।३६
 रूत (रून) ज ४।१३ सू २०।७
 रूयंता (रूयंता) ज ५।१३
 रूयगावई (रूयगावती) ज ५।१३
 रूया (रूया) ज ५।१३
 रूव (रूप) प १।१२५, ३३।१; १।२।३२; १।५।३७,
 ४१; २।१।७, ८०; २३।१५, १६, १६, २०,
 ३४।१, २, ३।२० से २२ ज २।१५, १३३;
 ३।३, ६, ७।६, ८२, १०३, १०६, ११६, ११७, ११९,
 १३८, १७८, १८६, १८७, २०४, २१८, २२२;
 ४।२७, ४६; ५।२८, ४१, ४३, ५७, ६८, ७०
 सू २०।७ उ ३।१२७; ५।२५
 रूवग (रूपक) ज ४।२७; ५।२८; ७।१७८
 रूवपरियारग (रूपपरिचारक) प ३।४।१८, २२, २५
 रूवपरियारणा (रूपपरिचारणा) प ३।४।१७, २२
 रूवविसिद्ध्या (रूपविसिद्धता) प २३।२१
 रूवविहीणया (रूपविहीनता) प २३।२२
 रूवसच्च (रूपसत्य) प १।१।३३
 रूत्रि (रूपिन्) प १।२.४.६; ५।१२३.१२५, १४४
 सू १३।१७
 रूवी (रूपिका) प १।३।७।१ सफेद आक का वृक्ष
 रूसमाण (रूप्यत्) उ ३।१३०
 रेणु (रेणु) ज २।६, ६५, १३१; ५।७
 रेणुबहुल (रेणुबहुल) ज २।१३२
 रेणुया (रेणुका) प १।४।८।५ रेणुका, संभालू के बीज
 रेरिज्जमाण (राराज्यमाण) उ ३।४६
 रेवई (रेवती) ज ७।१।१३।१, १२८, १२९, १३६,
 १४०, १४३, १४६, १५८ सू १०।१ उ ५।१२,
 १३, ३० ३१
 रेवतय (रैवतक) उ ५।५
 रेवती (रेवती) सू १०।२ से ६, १०, २२, २३, ३३,
 ६१, ६५, ७५, ८३, ९८, १२०, १३१ से १३३;
 १।२।२२

रेवयग (रैवतक) उ ५।६
 रोइंदम (रोविन्दक) ज ५।५७
 रोग (रोग) ज २।४३, १३१ उ ३।३५, ११२
 रोगबहुल (रोगबहुल) ज १।१८
 रोज्ज (दे०) प १।६४
 रोद्द (रौद्र) ज ७।१२२।१, १२६ सू १०।८।४।१
 रोम (रोमन्) प १।८६ ज २।१५, १३३
 रोमक (रोमक) ज ३।८१
 रोमकूव (रोमकूव) ज ५।२१
 रोमग (रोमक) प १।८६
 रोमराइ (रोमराजि) ज २।१५
 √रोय (रूच्) रोएइ १।१०।१२ रोएज्जा
 प २०।१७ १८, ३४ रोयए : १।१०।१।५
 √रोय (रोचय्) रोएमि उ ३।१०३
 रोय (रोग) उ ३।१२८
 रोयणामिरि (रोयनगिरि) ज ४।२२।१।१, २३३
 रोयमाण (रुदत्) उ १।६२; ३।१३०
 रोय्य (रोस्क, रौच्य) प २।२७
 √रोवाव (रोचय्) रोवावेइ उ ३।४८
 रोवावित्तए (रोवावित्तुम्) उ ३।४८
 रोवाविय (रोवित) उ ३।५०, ५५
 √रोह (रूह्) रोहंति ज ३।७६, ११६
 रोहिणिय (रोहिणीक) प १।५०
 रोहिणी (रोहिणी) ज ७।१।३।१, १२८, १२९,
 १३४।३, १३५।३, १३६, १४०, १४५, १४६, १६०
 सू १०।२ से ६, १२, २३, ३७, ६२, ६७, ७५, ८३,
 १०२, १२०, १३१ से १३३
 रोहियंस (रोहितांज) प १।४।२।१ एक प्रकार का
 वृण
 रोहियंसकूड (रोहितांशकूड) ज ४।४४
 रोहियंसदीन (रोहितांशदीन) ज ४।४१
 रोहियंसप्यवयकुंड (रोहितांशाप्रभातकुण्ड)
 ज ४।४० से ४२
 रोहियंसा (रोहितांशा) ज ४।३८ से ४०, ४२, ४३,
 ५७, १८२, २७०; ६।२०

रोहियकूड (रोहितकूट) ज ४।७६
 रोहियवीव (रोहितवीन) ज ४।६८,६९
 रोहियपुष्यायकुंड (रोहितप्रवातकुंड) ज ४।६७,६८,
 ७१
 रोहियमच्छ (रोहितमत्स्य) प १।५६
 रोहिया (रोहिता) ज ४।६५ से ६७,७१,७२,२६८;
 ६।२०
 रोहीडय (रोहितक) उ ५।२४ से २६

ल

लउड (लकुट) ज ३।११
 लउय (लकुच) प १।३६।३
 लउल (लकुट) ज ३।१७८
 लउस (लकुश) प १।८६
 लउसिया (लकुशिकी) ज ३।११।२
 लंख (लङ्ख) ज २।६४;३।१८५
 लंघण (लङ्घन) ज ३।१०६,१७८; ५।५; ७।१७८
 लंतग (लान्तक) न २।४६,५५,६३; ६।३२,५६,
 ६५; ७।१३; १५।८८; २१।७०; ३३।१६; ३४।१६,
 १८ ज ५।४६
 लंतगवडेसय (लान्तकवतंसक) न २।५५
 लंतय (लान्तक) प १।१३५; २।५५,५६; ३।३४,
 १८३; ४।२४६ से २४८; २०।६१; २८।८०
 उ २।२२
 लंबिय (लम्बित) ज ७।१७८
 लंबूसग (लम्बूसक) ज ५।३८,६७
 लंभ (लभ्) लंभति ज ३।३५
 लंभणमच्छ (लम्भनमत्स्य) प १।५६
 लबख (लक्ष) प १।८१।१ ज ३।१०३
 लबखण (लक्षण) प १।४८।५५; २।६४।१२
 ज २।१४,१५,६६; ३।३,३५,७७,१०६,१३८,
 १६७।१२; ७।१७८ चं २।४ सू १।६।४; १६।२,
 ४,६ उ १।३४
 लबखणधर (लक्षणधर) ज २।१५
 लबखणधारि (लक्षणधारिन्) ज २।१५

लबखणसंबच्छर (लक्षणसंबत्सर) ज ७।१०३,११२
 सू १०।१२५,१२६
 लबखणसहस्रधारक (लक्षणसहस्रधारक)
 ज ३।१२६।१
 लबखारस (गाक्षारस) प १।७।१२६
 लख (लक्ष) ज ३।३१
 लच्छिकूड (लक्ष्मीकूट) ज ४।२७५
 लच्छिमई (लक्ष्मीमती) ज ५।६।१
 लच्छी (लक्ष्मी) ज ३।१८,६३,१८० उ ४।२।१
 लज्जिय (लज्जित) ज २।६० उ १।५८,८३
 लट्ठ (लष्ट) ज १।३७; २।१५; ३।६,३५,११७,
 २२२; ४।१२८; ५।४३; ७।१७८
 लट्ठवंत (लष्टवंत) प १।८६
 लट्ठि (यष्टि) ज २।१५
 लट्ठिगाह (यष्टिगाह) ज ३।१७८
 लडह (दे०) ज २।१५
 लण्ह (लक्षण) प २।३०,३१,४१,४६,५६,६३,६४
 ज १।८,२३,३१; ४।१
 लता (लता) प १।३३।१
 लद्ध (लब्ध) ज ३।२६,३६,४७,१०३,११७,१२२,
 १२६,१३३,१८५,२०६ उ १।१७,५७,८२,६६,
 १०७,१२७; ३।१३,२६,३८,८५,१२२,१४७,
 १६०; ४।११,२५; ५।१५,२३,३१,३८,४२
 लद्धट्ठ (लब्धार्थ) सू २०।७
 लद्धि (लद्धि) प १।१४६; १५।५।१,१५।६२
 लल्लभ (लभ्) लल्लभ ज ७।१४३
 लल्लभ (लभ्) लल्लभ ज ७।१५।१ लभति सू १०।५
 लल्लभज्जा प २०।१७,१८,२२,२५,२८,२९,३४,
 ३८,३९,४१ से ४३,४५,४६ से ५२,५४,५५,
 ५६
 लय (लता) ७।१७८
 लया (लता) प १।३६ ज २।११,६७,१३१,१४४
 से १४६; ३।१०६ उ १।२३; ५।५
 लयाबहुल (लताबहुल) ज १।१८

लयावण (लतावर्ण) ज २।११

√लल (लल्, लड्) ललन्ति ज १।१३, ३०, ३२; २।७

ललन्त (ललत्) ज ३।१७८; ७।१७८

ललाड (ललाट) ज ७।१७८

ललित (ललित) ज ३।६, २२

ललिय (ललित) ज ३।६, १७८, २२२; ७।१७८

ललियबाहा (ललितबाहु) ज २।१५

लव (लव) २।४।२, २।६६; ७।११२।५ सू ८।१;
१०।१२६।५

√लव (लप्) लवन्ति सू २०।१

लवंगरुक्ख (लवङ्गरूक्ख) प १।४३।२

लवण (लवण) प १।५।५।१ ज ६।१, २, ४; ७।४,
३२।१, ६३, ८७ सू ८।१; १६।२, ३, ५;
१६।२।२।३

लवणजल (लवणजल) सू १६।५।३

लवणतोय (लवणतोय) सू १६।५।२; १६।२।२।४

लवणसमुद्द (लवणसमुद्द) प १।५।५।५; १६।३०

ज १।१६, १८, २०, २३, ३५, ४८, ४९; ३।१, २, २,
२८, ३६, ४१, ४४, ४६; ४।१, ३, ५, ३७, ४२, ४५,
५५, ६२, ७१, ७७, ८१, ८६, ९०, ९४, ९८, २००,
२०१, २६२, २६५, २७१, २७४; ६।३, ५, १६ से
२६; ७।३१, ३३, ८७ सू १।२२; ४।४, ७; ८।१;
१६।३ से ६

लवणोदधि (लवणोदधि) सू १६।५।१

लवणोदक (लवणोदक) प १।२३

लहु (लघु) ज ३।३५, ४८, ४९; ७।१७८

लहुपरक्कम (लघुपराक्रम) ज ५।४८, ४९

लहुभूय (लघुभूत) ज २।७०

लहुय (लघुक) प १।४ से ६; ३।१८२; ५।५, ७,
२०६; १५।१५ से १७, २८, ३२, ३३; २८।२६,
३२, ६६

लहुयस (लघुकत्व) प १।५।४४, ४५

लाइय (दे०) प २।३०, ३१, ४१ ज १।३७; ३।७; १८४

लाउय (अलायुक) ज ३।११६

लाउयवणाम (अलायुकवर्णाम) सू २०।२

लाघव (लाघव) ज २।७१

लाढ (लाढ) प १।६३।५

लाभ (लाभ) ज ३।१७८; ७।१७८

लाभंतराय (लाभान्तराय) प २३।२३

लाभस्थिय (लाभार्थिक) ज ३।१८५

लाभविसिद्ध्या (लाभविशिष्टता) प २३।२१

लाभविहीणया (लाभविहीनता) प २३।२२

लायणत्त (लावण्यत्व) प ३।४२०

लाला (लाला) ज ७।१७८

लालाविस (लालाविष) प १।७०

लावग (लावक) प १।७६

लावणग (लावणिक) सू १६।२।२।२३

लावण (लावण्य) प २३।१६, २० ज २।१५;
५।६८, ७० उ ३।१२७

√लास (लास्य्) लाम्ति ज ५।५७

लासग (लासक) ज २।३२

लासिया (लासिका, ल्हासिका) ज ३।११।२

लाख्खा (लिक्षा) ज २।६, ४०

लित्त (लित्त) प २।२० से २७

लित्ति (लित्ति) प १।६८

लिहिय (लिहित) ज ७।१७८

लीला (लीला) ज ५।३, २८

लुक्ख (रूक्ख) प १।४ से ६; ५।५, ७, १२६, १५२,

१५४, २११, २१८, २२१, २२६, २४४; ११।५६

से ६१; १३।२।२।२, १३।२२, २६; १७।१३८;

२३।५०; २८।६ से ११, २०, ३२, ५५ से ५७, ६६

लुक्खत्तण (रूक्खत्व) प १३।२।२।१

लुक्खया (रूक्खता) प १३।२।२।१ ज २।१३१

लुद्धग (लुद्धक) उ ३।६८

√लूह (मूज्, रूक्ष्य्) लूहेइ ज ५।५८ लूहेति
ज ३।२११

लूहिय (मूष्ट, रूक्षित) ज ३।६, २२२

लूहेता (मूष्ट्वा, मार्जयित्वा, रूक्षयित्वा) ज ३।२११;

५।५८

१. टीका में 'ललिनो बाहु' है।

लेख (लेख्य) १।६८

लेच्छइ (निच्छवि, चच्छवि) उ १।१२७ से १३०,
१३२

लेदठु (लेदु) ज २।७०, ७१; ३।३५, ६५

लेप्यार (लेप्यकार) प १।६७

लेस (लिस) लेसेति प ३।६।६२

लेसणया (श्लेषण) प १।६।५३

लेसा (लेश्या) प १।१।५; २।३०, ३१, ४६; ३।१।१;
१।७।४३ से ४५, ४७, ६६, ६७, १।१४, १।४७, १।५६
से १।५८, १।६१, १।७२ चं २।२ ज ३।६५, १।५६,
२।२३; ७।३८, ५८ सू १।६।२; १।७।१; ६।१ से
३; १।६।२६; २०।२, ३

लेसागति (लेश्यागति) प १।६।३८

लेसापडिघाय (लेश्याप्रतिघात) ज ७।३८

लेसापरिणाम (लेश्यापरिणाम) प १।३।२

लेसाहिताव (लेश्याभिताप) ज ७।३८

लेमुद्देस (लेश्योद्देश) सू ६।२

लेस्ता (लेश्या) प २।४१; १।६।५०; १।७।१।१, १।७।७,
१।७, १।८, ३०, ३६ से ४१, ८८, ९७, १।१४, १।२६,
१।३६, १।३७, १।४७, १।५६, १।५७, १।५६, १।६० से
१।६३; १।८।१।१; २।८।१०६।१

लेस्तागति (लेश्यागति) प १।६।४६

लेस्ताणुवायगति (लेश्यानुवायगति) प १।६।३८, ५०

लेस्तापरिणाम (लेश्यापरिणाम) प १।३।६, १।४, १।६,
१।८ से २०

लेह (लेख) ज २।६४ उ १।१।५.१।१६

लेहदठ (रेखास्थ) ज ७।१।५८, १।६१, १।६४, १।६७
सू १०।६५, ६८, ७१, ७४

लोभण (लोचन) ज २।१।५

लोइय (लौकिक) ज ७।१।४ सू १०।१।२४
उ १।६।२

लोउत्तरिय (लौकोत्तरिक) ज ७।१।४ सू १०।१।२४

लोक (लोक) ज ३।१।०६, १।६७

लोग (लोक) प १।४।८।६०; २।१०, १।६, ३०, ३२,
३४, ३५, ३७, ३८, ४१ से ४३, ४८, ५० से ५२,

५८ से ६१, ६३; १०।२, ३, ५; १२।७, १०, २०;
१।५।१।२; १।५।४३, ४५, ५६; १।६।३४; १।८।३,
२६, २७, ३७, ३८; ३।६।७६, ८१, ८५ ज २।६५,
७१; ३।३५, ६५, १।५६, १।६७; ४।२।६०।१
सू १।६।२२

लोगंत (लोकान्त) प २।६४; १।१।३०; २।१।८४, ८६,
८६ ज ७।१, ६८, १।६।८।१, १।७।२

लोगणाली (लोकनाली, लोकनाडी) प ३।३।१८

लोगणाह (लोकनाथ) ज ५।५, २।१, ४६

लोगपईव (लोकप्रदीप) ज ५।२।१

लोगपज्जोयगर (लोकप्रद्योतकर) ज ५।२।१

लोगपाल (लोकपाल) प २।३० से ३३, ३५, ४६ से
५१ ज २।६०, १।१८, १।१६; ५।१।६, ५०, ५६

लोगमज्ज (लोकमध्य) ज ४।२।६०

लोगमज्जावसाजिय (लोकमध्यावसातिक) ज ५।५।७

लोगसण्णा (लोकमंज्जा) प ८।१, २

लोगहिय (लोकहित) ज ५।२।१

लोगगास (लोकाकाश) प १।४।८।५८; २।१०

लोगाधिबति (लोकाधिपति) प २।५०, ५१

लोगालोग (लोकालोक) प १०।५

लोगाहिवइ (लोकाधिपति) ज २।६१; ५।१।८, ४८

लोगुत्तम (लोकोत्तम) ज ५।५, २।१, ४६

लोण (लवण) प १।२०।१

लोढ (लोघ्न) प १।३।६।३

लोभ (लोभ) प १।१।३।४।१; १।४।४, ६, ८, १० से
१५, १७; २।२।२०; २।३।६, ३५, १।८।४ ज २।१।६,
१।३।३ उ ३।३।४

लोभकसाइ (लोभकषायित्) प ३।६।८; १।३।१।४;
१।८।६६; २।८।१।३।३

लोभकसाय (लोभकषाय) प १।४।१, २; ३।६।४६

लोभकसायपरिणाम (लोभकषायपरिणाम) प १।३।५

लोभणिसिसया (लोभनिश्चिता) प १।१।३।४

लोभसंजलणा (लोभसंज्वलना) प २।३।७।२, १।४०

लोभसण्णा (लोभसंज्ञा) प ८।१, २

लोभसमुग्धात (लोभसमुद्घात) प ३।६।४७

लोभसमुग्धाय (लोभसमुद्घात) प ३६।४२, ४४ से
४६, ४८ से ५१
लोभ (लोभन) प २।२० से २७ ज ३।३, १०६;
७।१७८
लोभपक्खि (लोभपक्खिन्) प १।७७, ७९
लोभहत्थ (लोभहस्त) ज ३।८८
लोभहत्थय (लोभहस्तक) ज ३।१२
लोभहत्थयपटवहत्थय (हस्तगतलोभहस्तकपटल)
ज ३।११
लोभाहार (लोभाहार) प २।१।२, २।५०, ६९,
१०२, १०३
लोभाहारत्त (लोभाहारत्त्व) प २।५०, ६९
लोय (लोक) प १।४।५८, ५९; २।१ से ३।४६,
४९; ३।३।३ सू २।१; १।६।१, २।१ उ ३।१३
लोय (लोच) ज २।६५; ३।२२४ उ ३।११३
लोयन्त (लोकान्त) प २।६४।१०; १।१।७२ सू २।१;
१।८६
लोयग (लोकाग्र) प २।६४, २।६४।३
लोयगयूमिथा (लोकाग्रस्तूपिका) प २।६४
लोयगपडिबुज्झणा (लोकाग्रप्रतिबोधना) प २।६४
लोयण (लोभन) ज ७।१७८
लोयणाभि (लोकनाभि) सू ५।१
लोयमज्झ (लोकाध्य) सू ५।१
लोयाणी (दे०) प १।४।८६
लोल (लोल) ज २।१२
लोह (लोभ) ज २।६९
लोह (लोह) ज ३।३, ३५, १६७।८
लोहकडाह (लोहकटाह) उ ३।५०, ५५
लोहकसाइ (लोभकपायिन्) प ३।९८
लोहदंडग (लोहदण्डक) ज ३।१०६
लोहबद्ध (लोहवर्ध) ज ३।३५
लोहयक्खमय (लोहिताक्षमय) ज ४।१३
लोहि (लोहि) प १।४।१ सकंद मुहंगा
लोहिच्च (लोहित्य) ज ७।१३।३।२
लोहिच्चायण (लोहित्यायण) सू १०।१०४

१. लोचनी—बड़ी गोरखमुण्डी ।

लोहित (लोहित) प ५।२०५ सू २०।२
लोहितक्ख (लोहिताक्ष) ज ७।१।८।१ सू २०।८
लोहिय (लोहित) प १।४ से ९; ५।५, ७; १।१।५३;
१।७।१२६; २।३।१०३; २।५।३२, ६६ ज ४।२६
सू २०।२
लोहियक्ख (लोहिताक्ष) प १।२।०।३; २।३।१, ३२
ज ४।१०६; ५।५ सू २०।८।१
लोहियक्खकूड (लोहिताक्षकूट) ज ४।१०५
लोहियक्खमणि (लोहिताक्षमणि) प १।७।१२६
लोहियक्खमय (लोहिताक्षमय) ज ४।२६
लोहियक्खामय (लोहिताक्षमय) ज ३।३०
लोहियपत्त (लोहितपत्र) प १।५१
लोहियमत्तिया (लोहितमृत्तिका) प १।१९
लोहियमुत्तय (लोहितसूत्रक) प १।७।११६
ल्हसणकंद (लगुनकन्द) प १।४।४।३
ल्हसिय (ल्हासिक, लासिक) प १।८९

व

व (वा) प १।१०।१।६ ज ३।१।३ जं २।१ सू १।६
वइ (वाच्) प १।६।१, ७; २।३।१५, १६ ज २।६८
वइउल (वे० व्याल) प १।७।१
वइगुत्त (वाग्गुत्त) ज २।६८
वइजोग (वाग्गोम) प २।५।१३८; ३।६।८६, ८८, ९०,
९२
वइजोगपरिणाम (वाग्गोमपरिणाम) प १।३।७
वइजोगि (वाग्गोमिन्) प ३।६६; १।३।१४; १।५।५६;
२।५।३८
वइत्ता (वदित्वा) ज ५।३
वइयरिय (व्यतिचरित) सू २०।२
वइयोगि (वाग्गोमिन्) प १।३।१७
वइर (वज्र) प १।२।०।१; २।३० ज ३।१२, १८,
२४, ३५, ८८, १०६, १८४, २१६; ४।३, २५, ४९,
६७, २३८, २५४; ५।५, १३, २८, ५८; ७।१।७८
वइरउसह (वज्रऋषभ) ज ३।३
वइरकूड (वज्रकूट) ज ४।२३६
वइर (वासा) (वज्रवर्षा) ज ५।५७

वङ्गरवेड्या (वञ्जवेदिफा) ज १३७;४२७;५१२
 वङ्गरसारमड्या (वञ्जसारमतिक) ज ३१८
 वङ्गरसेणा (वञ्जसेना) ज ४२३८
 वङ्गराड (वैराट) प ११६३४
 वङ्गरामय (वञ्जमय) ज १७,८,११,२४;२१२०;
 ३३०;४३,७,१३;१५,२४ से २६,२६,३१,
 ३६,६६,६८,७४,६१,६३,१२८,१४६;५३८,
 ४३;७१७८,१८५ सू १८२३
 वङ्गरौयणराय (वैरोचनराज) प २३३ ज २११३
 वङ्गरौर्यणिद (वैरोचनेन्द्र) प २३३ ज २११३
 वङ्गरौसभणाराय (वञ्जऋषभनाराच) प २३४५,
 ६४ ज २४६
 वङ्गसमिय (वाक्समित) ज २६८
 वङ्गसाह (वैशाख) ज ३२४;७१०४,१४६,१५५
 सू १०१२४ उ १२२,१४०;३४०
 वङ्गसाही (वैशाखी) ज ७१३७ सू १०७,१७,२३,
 २६
 वङ्गस्तदेव (वैश्वदेव) उ ३५१,५६,६४
 वङ्ग (वाच्) प ११५,८,२१ से २६
 वङ्क (वक्र,वङ्क) ज २१३३
 वङ्कगति (वङ्कगति, वक्रगति) प १६३८,५३
 वङ्ग (वङ्क) प १६३१ ज २१५
 वङ्गण (वञ्जण) ज २१४ सू २०७
 वङ्गणोग्रह (वञ्जणनावग्रह) प १५१८२,
 १५६८,६६,७१ से ७३,७५
 वङ्गुलग (वञ्जुलक) प १७६
 वङ्गुभा (वन्ध्या) उ ३६७,१३१
 वङ्ग (वान्त) प १८४ सू २०२
 √वङ्ग (वन्द) वङ्ग ज १६;२६०;५१२१,६५
 उ ११६;३८१;४१३;५२०
 वङ्गति उ ४१६;५३६ वङ्गामि प ११११
 ज ५२१ सू २०६६ उ ११७ वङ्गिजा
 उ ५३६ वङ्गिहामि उ ३२६ वङ्गिज ज २६७
 वङ्ग (वन्द) ज ३२२,३६,७८ उ ११६
 वङ्गण (वन्दन) उ ११७

वङ्गकलस (वन्दनकलस) ज ३७,८७;५१५
 वङ्गकलसहृत्यगय (हस्तगतवन्दनकलस) ज ३११
 वङ्गवत्तिय (वन्दनप्रत्यय) ज ५२७
 वङ्गणिञ्ज (वन्दनीय) सू १८२३
 वङ्गिण (वन्दित्वा) चं १४
 वङ्गिण (वन्दित्वा) ज १६ उ ११६;३८१;
 ४१४;५२०
 वङ्गिया (वन्दिका) उ ४११
 वंस (वंश) प १४१२ वंस
 वंस (वंश) प ११७५ ज २१२४,१५२;३३१,
 १०६ उ ५४३
 वंसमूल (वंशमूल) प १४८८
 वंसी (वंशी) प १४७
 वंसीपत्त (वंशीपत्र) प ६२६
 वंसीमुह (वंशीमुख) प १४६
 वक्कत (अवक्रान्त) प १४८५३ ज २८५
 वक्कति (अवक्रान्ति) प ११४
 √वक्कम (अव + क्रम्) वक्कमह प १४८५१
 वक्कमति प १२०,२३,२६,२६,४८;६२६
 वक्कमति सू १६२२१६
 वक्कल (वल्कल) उ ३५११
 वक्कवासि (वल्कवासिन्) उ ३५०
 वक्ख (वक्षस्) ज २१५
 वक्खार (वक्षस्कार) प २१;१५५५२ ज ४२१२;
 ६१०
 वक्खारकूड (वक्षस्कारकूट) ज ४२०२;६११
 वक्खारपव्वय (वक्षस्कारपव्वंत) ज ४६४,१०३ से
 १०८,१४३,१६२,१६३,१६६,१६७,१६६,
 १७२ से १७४,१७६,१७८ से १८१,१८४,
 १८५,१६०,१६१,१६६,१६७,१६६,२००,
 २०२ से २०५,२०८ से २१२,२१५,२६२;
 ५१५५;६१०
 वग (वृक) प ११२१ ज २१३६
 वगी (वृकी) प ११२३
 वग (वर्ग) प २६४१५,१६;१२१०,३२,३६,
 ३७ उ १५ से ८;२१;३१,२;४१,३;५१,

३,४५
 √वग्ग (वल्ग्) वग्गति ज ५।५५
 वग्गण (वल्गन) ज ३।१७८
 वग्गणा (वर्गणा) प १।१७२; १।७।१।४।१, १।४२
 वग्गमूल (वर्गमूल) प १।२।१२, १।६, २।७, ३।१, ३।२, ३।८
 वग्गु (वल्गु) प २।६।४।१।५ ज २।६।४; ३।१।८।५;
 २०।६; ४।२।१।२, ४।२।१।२।३; ५।५।८
 वग्गु (वाच्) उ १।४।१, ४।४
 वग्गुरा (वागुरा) उ ५।१।७
 वग्गुलि (वल्गुलि) प १।७।८
 वग्घ (व्याघ्र) प १।६।६; १।१।२।१ ज २।३।६, १।३।६
 वग्घमुह (व्याघ्रमुख) प १।८।६
 वग्घारिम (दे०) ज ३।८।८
 वग्घारिय (दे०) प २।३।०, ३।१, ४।६ ज २।७, ८।८,
 १।१।७
 वग्घावच्च (व्याघ्रावत्य) ज ७।१।३।२।४ सू १०।१।१।६
 वग्घी (व्याघ्री) प १।१।२।३
 √वच्च (वच्) वच्चंति ज ७।१।३।५।२, ३
 √वच्च (वृज्) वच्चइ सू १।६
 वच्च (वक्षश्) प २।३।०, ३।१, ४।१, ४।६ ज ३।३, ६,
 ६, १।८, ६।३, १।८०, २।२१, २।२२; ५।२।१
 वच्च (वत्स) प १।६।३।४ ज ४।२०।१, २०।२।१, २।४।८
 वच्चगावई (वत्सकावती) ज ४।२०।२।१
 वच्चमिन्ना (वत्समित्रा) ज ४।२०।४, २।३।८; ५।६
 वच्चल (वत्सल) प ३।१।२।५; ५।५, ४।६
 वच्चल्ल (वत्सल्ल) प १।१।०।१।१।४
 वच्चलाणी (वत्सादनी) प १।४।०।४ सू १०।१।२०
 गजपीपल, गुडूची
 वच्चलावई (वत्सावती) ज ४।२०।२
 वज्ज (वज्ज) प १।४।८।७ वज्जकंद, कोकिलाक्षवृक्ष,
 तालमखाना
 १ वज्ज (वर्ज्य) वज्जेज्ज प १०।१।४।४
 वज्ज (वज्ज) ज २।१।५
 वज्ज (वर्ज्य) प २।४।०।५, २।५।२; ६।४।६, ५।६, ६।६,
 ८।६, ६।५, १०।२, १०।४; १०।३।६; १।१।४।१, ८।०,
 ८।४; १।२।३, १।३।२।२।२; १।५।६।८, १।१।५, १।२।१,

१।२।६; १।६।३।२; १।७।५।८; २०।५।६ से ५।८;
 २।२।२।५; २।३।१।६।१, १।६।७; २।४।१।३; २।५।३;
 २।६।४; २।८।१।१।२, १।२।३, १।२।६, १।२।७, १।२।६,
 १।३।२, १।३।३, १।३।७ से १।४।१, १।४।३ ज २।७।०,
 १।३।१; ३।६; ४।१।७।७, २।१०, २।४।०, २।४।८; ५।१।३, ३,
 ४।६, ५।२।१
 वज्ज (वाद्य) ज ५।५।७
 वज्जकंदय (वज्जकंदक) प १।७।१।३।०
 वज्जण (वर्जन) प १।१।०।१।३
 वज्जणिज्ज (वर्जनीय) ज २।१।४।६
 वज्जपाणि (वज्जपाणि) प २।५।० ज ५।१।८, ४।६, ६।६
 वज्जमाण (वाद्यमान) उ १।१।३।८
 वज्जरिसभणाराय (वज्जकृपभनाराच) ज १।५;
 २।४।६
 वज्जरिसहणाराय (वज्जकृपभनाराच) ज २।१।६, ८।६
 वज्जरिसहनाराय (वज्जकृपभनाराच) सू १।५
 वज्जसंठिय (वज्जसंस्थित) प १।१।३।०
 वज्जसूलपाणि (वज्जसूलपाणि) ज ५।५।७
 वज्जिऊण (वर्जयित्वा) प २।२।७।३
 वज्जित्ता (वर्जयित्वा) प २।२।२, ३।२, ३।४ ज ४।१।३।४
 वज्जिय (वर्जित) प १०।१।४।६ ज ५।५।२ सू २०।७
 वज्जेत्ता (वर्जयित्वा) प २।२।१, २।३ से २।७, ३।०,
 ३।१, ३।३, ३।५, ३।६, ४।१ से ४।३, ४।६
 वज्ज (वद्य) ज ३।६।२, १।१।६
 वज्जार (वर्धकार) प १।६।७
 वज्जियायण (वद्ययान) ज ७।१।३।२।४ सू १०।१।१।८
 √वट्ट (वृत्) वट्टंति उ ३।३।३ वट्टति प १।६।२।२
 वट्ट (वृत्त) प १।४ से ६, १।६।३।५; २।२।० से २।७,
 ३।० से ३।६, ४।१ से ४।३; १०।१।५, २।६; ३।६।८।१
 ज १।७, ३।१; २।१।५; ३।७, ८।८, १।१।७; ४।३, २।५,
 ६।७, १।१।४, १।२।८, २।३।४, २।४।०, २।४।१; ५।५, ४।३;
 ७।३।१, ३।३, १।६।७, १।७।८ सू १।१।४; ४।३ से ७;
 १०।७।४; १।६।२, ६, ६, १।२, १।६, २।८, ३।२, ३।६
 वट्टण (वर्तक) प १।७।६ ज ५।१।६
 वट्टणमंस (वर्तकमांस) सू १०।१।२० कमलकंद
 वट्टमाण (वर्तमान) प २।३।१ ज २।७।१; ३।१।३।८,

५।५७
वृत्तवेद्यङ्ग (वृत्तवृत्ताद्य) प १६।३० ज ४।४२,
 ५७,५८,६०,७१,७७,८४,२६६,२७२; ५।५५;
 ६।१०
वट्टि (वृत्ति) प १।४७।२
वट्टिय (वृत्तित) ज २।१५; ७।१७८
वट्टिया (वृत्तिका) प १।४७।२
वड (वट) प १।३६।१ उ ३।७१
वड(दे०) प १।५६ मत्स्य विशेष
वडगर (दे०) प १।५६ मत्स्य विशेष
वडभी (वडभी) ज ३।११।१
वडिसग (अवतंसक) प २।५४,५८
वडिय (पतित) ज ३।१२५,१२६
वडंस (अवतंस) ज ४।२२५,२३२,२६०।१
वडंसग (अवतंसक) प २।५०,५२,५५ से ५६
 ज १।४३; ३।१७८,१८३; ४।५०,१०६,११२,
 ११६,१५५,१५६,२३७,२३८,२४०,२४३
वडंसगधर (अवतंसकधर) ज ७।२१३
वडंसय (अवतंसक) प २।५० से ५३,५६
 ज १।४२; ३।१८६; ४।४६,५६,१०२,११६,
 १२०,१४७,२२१ से २२४,२३७; ५।१,६,१८;
 ७।१८४,१८५
वड्ड (वृद्ध) वड्डति सू १।६।२२।१६,२०
 वड्डते सू १।६।२२।१४ वड्डिज्जति प ५।१७६,
 २१६
वड्ड (वर्धय्) वड्डेइ उ ३।५१ वड्डेसि
 उ ३।७६
वड्डइरयण (वर्द्धकिरत्न) ज ३।१८,१६,३१,५२,
 ५३,६१,६२,६६,७०,६६,१००,१४१,१४२,
 १६४,१६५,१७८,१८०,१८१,१८६,१८८,
 २०६,२१०,२१६,२१६,२२०
वड्डइरयणत्त (वर्द्धकिरत्नत्व) प २०।५८
वड्डमाणय (वर्धमानक) प ३।३।३५
वड्डावय (वर्धापक) उ ३।११
वड्डियय (वर्धितक) उ ३।३८

वड्डेत्ता (वर्धयित्वा) उ ३।५१
वड्डोवुड्डिठ (वृद्धयपवृद्धि) चं ३।१ सू १।७।१,
 १।१०,१४; १।३।१
वण (वन) ज ४।२००,२०१,२१२,२१४,२१५,
 २३४,२३६,२३७,२४०,२४१,२४४,२४५,
 २४६,२५१,२५२; ५।५५,५७; ७।११४
वणफ्फइ (वनस्पति) प १।८।१४,१०५,११०,१२०;
 २०।२२
वणफ्फइकाइय (वनस्पतिकायिक) प ६।१६,८३;
 १।२।२६; १।३।१६; १।५।२६,५३,५५,७४; १।४०;
 १।६।४; १।७।६२,६६,१०२; १।८।३८; १।९।२;
 २०।१३,२६,४६; २।१।३,२७,७६,८५; २।२।२४;
 २।३।३६,१२३; २।६।१०,२०; ३।०।६; ३।६।१३ से
 १६,३४,३८
वणफ्फइकाइयत्त (वनस्पतिकायिकत्व) प १।५।६६
वणफ्फतिकाइय (वनस्पतिकायिक) प १।६।१२;
 १।७।४०
वणमाला (वनमाला) प २।३०,३१,४१,४६
 ज १।३८,४।१०,१२१,१४७,२१७; ५।१८
वणयर (वनचर) ३।१।६।१
वणराइ (वनराजि) प १।७।१२४ ज २।१२
वणलय (वनलता) प १।३।६।१
वणलया (वनलता) ज १।३७; २।१०१; ४।२७;
 ५।२८
वणविरोह (वनविरोध) ज ७।११।४।२
वणविरोहि (वनविरोधिन्) सू १०।१२।४।२
वणसंड (वनषण्ड) ज १।१२ से १४,२३,२५,२८,
 ३२,३५; ४।१,३,२५,३१,३६,४३,४५,५७,६२,
 ६८,७२,७६,७८,८६,९०,९३,९५,१०३,११०,
 ११६,११८,१४१,१४३,१५२,१५३,१५४,
 १५६,१७४,१७६,१७८,१८३,२००,२१२,
 २१३,२१५,२२१,२३४,२४०,२४१,२४२,
 २४५; ७।२।१३ उ ५।८
वणस्सइ (वनस्पति) प ६।१०४; १।७।३३;
 १।८।५७,६२; २०।२८

वणस्सइकाइय (वनस्पतिकामिक) प १११५, ३०;
 २१३३ से १५; ३६, ५० से ५२, ५८, ६० से ६३,
 ६६, ७१ से ७४, ८०, ८१, ८४ से ८७, ९३, ९५,
 १६८ से १७०, १८३; ४८८, ६० से ६४; ५१३,
 १७, १८, ६६; ६१५३, ८६, १०२, ११५; ६१२१;
 १५१८५, १२१, १३७; १८१७, ३५, ४०, ४३,
 ४४, ५२; २०१८; २११५, ४१; २२१३१; ३६१३३
 ज २१३१, १४४
 वणस्सइकाइयत्त (वनस्पतिकामिकत्व) ज ७२१२
 वणस्सति (वनस्पति) प ६११०२; ६१४
 वणस्सत्तिकाइय (वनस्पतिकामिक) प ३५०, ५१,
 ६०, ६३, ६५, १८३; ४८६; ५११८; ६६३, ८३;
 १५१७६; २४६; ३०१६
 वणिज (वणिज) ज ७१२२ से १२५ करण नाम
 वणिय (वणिज्) ज २१२३
 वणीमगबहुल (वनीपकंबहुल) ज १११८
 √वण (वर्णय) वणइस्सामि प १११३
 वण (वर्ण) प १४ से ६; २१२० से २७, ३०, ३१,
 ४०, ४०६; २४१, ४८, ४९, ६४; ३१८२, ५१५,
 ७, १०, १२, १४, १६, १८, २०, २४, २५, २८, ३०,
 ३२, ३४, ३७ से ३९, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६, ५९,
 ६१, ६३, ६८, ७१, ७४, ७६, ७८, ८३, ८६, ८९, ९१,
 ९३, ९७, १०१, १०४, १०७, १०९, १११, ११५,
 ११६, १२६, १३१, १३४, १३६, १३८, १४०,
 १४३, १४५, १४७, १५०, १५२, १५४, १६३,
 १६६, १६९, १७२, १७४, १७७, १८१, १८४,
 १८७, १९०, १९३, १९७, २००, २०३, २०७,
 २११, २१४, २१८, २२१, २२४, २२८, २३०,
 २३२, २३४, २३७, २३९, २४२, २४४;
 १०१३११; १११५३; १७११११, १७१७, १७, १८;
 ११४११, १२३ से १२६, १३२ से १३४;
 २३११०८, १६०; २८६, ७, २०, २६, ३२, ५२,
 ५३, ६६; ३०१२५, २६; ३६१८०, ८१ ज १११३,
 २६; २७, १८, १३३, १४२; ३३, ११, १२, ८८,
 २११; ४१२२, ३४, ३६, ६०, ८२, ८४, ८६, ९४.

१३५, १६६, २६६, २७२; ५१३२, ५८; ७११७८
 वणओ (वर्णतस्) प ११५ से ६; १११५४; २८१७,
 २०, २६, ५३
 वणय (वेण्यर्णक) उ ३११४
 वणय (वर्णक) ज ११२२; ३६, २०, ३३, ५४, ६३,
 ७१, ८४, १३७, १४३, १६७, १८२, १९३, १९७,
 २२२; ४१, ११७; ५११३; ७१५५
 वणचरिम (वर्णचरम) प १०४६, ४७
 वणणाम (वर्णनामन्) प २३१३८, ४७, १०१ से
 १०६, १०६
 वणणतो (वर्णतस्) प ११८, ६; २८१३२, ६६
 वणणाम (वर्णनामन्) प २३११०१
 वणणयज्जव (वर्णपर्यव) ज २१५१, ५४, १२१, १२६,
 १३०, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३; ७१२०६
 वणणपरिणाम (वर्णपरिणाम) प १३१२१, २६
 वणणमंत (वर्णवत्) प १११५२, ५३; २८१५, ६, ५१,
 ५२
 वणय (वर्णक) प २१३२, ४२, ४३ ज ११२, ३, १२,
 १६, २३, २५, २८, ३१, ३५, ३८; २१११, ८३;
 ४३, २५, ३१, ३६, ४०, ४७, ५७, ६७, ७६, ११०,
 ११२, ११५ से १२०, १२६, १२८, १३५, १३६,
 १४१ से १४४, १४७ से १४९, १५३ से १५६,
 १७८, १८३, २००, २०१, २१३, २१५, २१६,
 २२१, २३४, २४०, २४५, २४६, २४८; ५३,
 २६ से ३३, ३५ से ३७, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३
 उ १११; ३६११; ४११०; ५११४
 वणय (वेण्यर्णक) उ ३११४
 वण (वास) (वर्णवर्षा) ज ५१५७
 वणदेश (वर्णदेश) प ११२०, २३, २६, २९, ४८
 वणाम (वर्णामि) प २१२० से २५, ५०, ५६, ६०
 ज ४१२२, ३४, ६०, ६४, ८४, ११३, २६६, २७२
 वण्णावास (वर्णणास) ज ११११, ४६; ३११६५,
 १६७; ४४, ७, १५, २६, ८४, १४६; ५११३
 वणिय (वर्णित) प १११३; १६१२१

वर्णिकदसा (वृष्णिदसा) उ १५,६;५११ से ३
 √वत्त (वर्तय्) वत्तइस्सामि प ३१८३ वर्त्तेति
 प ३६६२

वत्तमंडल (वृत्तमण्डल) ज ३११७८

वत्तव्य (वक्तव्य) ज ४२६६;७१४१ से १४५,
 १५० से १५२,१५४,१८६ सू १०१२० से २२
 २५

वत्तव्यया (वक्तव्यया) प २४०,४४;५१५२,
 २०५,२४४;१११८०;१५११८ ज ३१५०,
 १६१,२७७;४१५३,६४,७५,७६,८३,८६,९०,
 ९२,१०६,११५,१२६,२००,२०५,२०७,२०८,
 २४०,२४६,२६२,२६८,२७७;७१०२

वत्थ (वत्त्र) प २३०,३१,४१,४६ से ५४;
 १५१५५२; १७११६ ज ३६,११,१२,२६,
 ३६,४७,५६,६४,७२,७८,८१,८५,११३,१३३,
 १३८,१४५,१६७,१६८,१८०,२२१ सू २०७,
 उ ११६,३५;३५१,५३,६३,६७,७०,
 ७३,११०

वत्थधर (वस्त्रधर) ज २६१;५४८

वत्थव्य (वास्तव्य) ज ५१ से ३,५ से ७

वत्थारुहण (वस्त्रारोहण, वस्त्रारोपण) ज ३१२२,८८

वत्थि (वस्ति) ज २१५; ३१११७

वत्थिकम्म (वस्तिकर्मन्) उ ३११०१

वत्थिपुडग (दे०) उ १४४ से ४६

वत्थिभाग (वस्तिभाग) ज ३१११६

वत्थु (वस्तु) प १४५ ज ३३२;७१०१,१०२
 सू १०११; १५११,३७

वत्थुपरिच्छा (वस्तुपरीक्षा) ज ३३२

वत्थुप्पएस (वस्तुप्रदेश) ज ३३२

वत्थुल (वस्तुल) प १३७,२,३८,४४१
 ज २१०

√वद (वद्) वद उ ३७७ वदन्ति सू २०१२
 वदह ज ३११३;५७२ उ १२४ वदामो
 गू ५११ वदिस्वति ज २१४६ वदेज्जा
 सू ६१२

वदित्ता (उदित्वा) ज ३१२५

वद्ध (वर्ध्) ज ३३५

वद्धमाण (वर्धमान) प २३० ज ३३२

वद्धमाणग (वर्धमानक) ज २६४;३३,१२,१७८;
 ४२८;५३२; ७१३३२ गू २०८,२०८६

वद्धमाणगसंठिय (वर्धमानकसंस्थित) सू १०४१

वद्धमाणय (वर्धमानक) ज ३१८५

वद्धाव (वर्धय्) वद्धावेइ ज ३५,२६,३६,४७,
 ५६,६४,७२,९०,१३३,१४५,१५१,१५७
 उ १११० वद्धावेति ज ३११४,१२६,१३८,
 २०५,२०६ उ ११२२;५१७ वद्धावेहि
 उ ११०७

वद्धावेत्ता (वर्धयित्वा) ज ३५ उ ११०७

वध (वध) उ ३४८,५०

वध्प (वध्र) ज ४३,२५,२१२,२१२३,२५१

वध्पगावई (वध्रकावती) ज ४२१२३

वध्पावई (वध्रवाती) ज ४२११

वध्पिण (दे०) प २४,१३,१६ से १६,२८

वमण (व्रमन्) उ ३१०१

वममाण (व्रमन्) उ ३१३०

वमिय (व्रमित,व्रान्त) उ ३१३०,१३१,१३४

वम्म व्रमन्त्) ज ३३१

व्रमिय (व्रमित) ज ३७७,१०७,१२४ उ ११३८

वय (वच्) वुच्चइ चं २१ वीच्छं प २६४१८
 चं १३

√वय (वद्) वयज्जा ज ७३१ सू १०१० वयति
 ज २६१,६४ वयह उ ३१०३;४१४ वयामि
 उ १७६ वयामो सू १२० वयासी ज १६;
 २६४,९०,९५,९७,१०१,१०५,१०७,१०६,
 १११,११४;३५,७,१२,१८,२१,२६,२८,३१
 से ३४,३६,४१,४७,४६,५२,५६,५८,६१,६४,
 ६६,६६,७२,७४,७६,७७,८३,९०,९१,९६,
 १०५,१०७,११३ से ११५,१२४,१२५,१२७,
 १२८,१३३,१३८,१४१,१४५,१४९,१५४,
 १५७,१६४,१६८,१७०,१७३,१७५,१८०,१८५,

१८८, १९१, १९६, २०६; ५३३, ५, १४, २१, २२, २६
 २८, ४६, ५४, ६६, ७२ चं १० सू ११५ उ ११४;
 ३२६; ४१४, ५१५ वयाहिं ज ५२२
 उ ११०७
वय (वयस) ज २३१
वय (व्रत) प २०१७, १८, ३४ उ ३४८, ५०, ५५
वयंस (वयस्य) ज २२६
वयगुप्त (वचोगुप्त) उ ३१६६
वयण (वचन) प ११८६ ज २१३३; ३३३, ८,
 १३, १६, २४, ३२, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४,
 १००, १३१, १४२, १६५, १८१, १९२, २१३;
 ५१५, २३, २६, २७, ६६, ७३ उ १३३, ४५, १०८
वयण (वदन) ज २१५, १६; ३६; ५२१
 उ ११५, ३५; ३१६०
वयणमाला (वदनमाला) ज २६५; ३११८६, २०४
वयमाण (वदत्) प ११२६, ८७
वर (वर) प २४०८, २४६; ३६८३२
 ज ११६, ३७, ३८; २१५, २०, ६५, ७१, ८५,
 ६५, ६६, १००, १२०; ३३३, ६, ७, १२, १८, २२,
 २४, २८, ३१, ३२, ३५, ४१, ४६, ५२, ५८, ६१,
 ६६, ६६, ७४, ७६, ७७, ७८, ८२, ८८, ९३, १०७,
 १०६, १२४, १२५, १२८, १३१, १३७, १३८,
 १४१, १४७, १५१, १५२, १६३, १६४, १६८;
 १७५, १७८, १८३, १८६, १८७, २०६, २१०,
 २१३, २१८, २२१, २२३; ४१०, ११५, २१७;
 ५१७, २१, ४३, ५६, ५८; ७१७८ सू १६१११
 उ १११, ४१, ४६, ६४, ६१, १२१, १३८; २१६;
 ३१५६, ६४, ६६, ६८, ७६, ८१; ५१५, १३, १६,
 २०, २५, २७, ३१
वर (वरक) प १४५१२ तृण धान्य, चीनाधान
 √वर (वरय्) वरति सू १६१२२१६ वरयति
 चं २२ सू १६१२ वरयति सू ७१
वरकणमणिहस (वरकनकनिकष) प १७१२७
वरग (वरक) ज २३७ तृणधान्य
वरम (वरक) उ ४६
वरगंध (वरगन्ध) प २३०, ३१, ४१

वरगंधधर (वरगन्धधर) सू १७१
वरगंधित (वरगन्धिक) सू २०१७
वरगय (वरगत) ज ३६, १२, १८, २८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, ७८, ८२, ९३, १३६, १४७, १८०, १
 १८७, १८८, २१२, २१३, २१८, २१९, २२२;
 ५४७, ६०
वरचंपग (वरचम्पक) ज ३३ राजचम्पक
वरण (वरण) प ११६३४
वरदत्त (वरदत्त) उ ५२१, २२, २४, ३१, ४०, ४१, ४३
वरदाम (वरदामन्) ज ३३०, ३१, ३३, ३६, ४१;
 ६१२ से १४
वरदामतिस्थकुमार (वरदामतीर्थकुमार) ज ३३३,
 ३६ से ४१, ४३
वरदामतिस्थाधिपति (वरदामतीर्थधिपति) ज ३३८
वरपसण्णा (वरपसन्ता) प १७१३४
वरपुरिसवसन (वरपुर्यवसन) प १७१२७
वरबौदिधर (वर'बौदि'धर) सू १७११; २०१
वरमल्लधर (वरमालधर) सू १७११; २०१, २
वरवत्थधर (वरवत्थधर) सू १७११; २०१, २
वरवारुणी (वरवारुणी) प १७१३४
वरसीधु (वरसीधु) प १७१३४
वराडा (वराटक) प १४६
वराभरणधर (वराभरणधर) सू १७१
वराभरणधारि (वराभरणधारिन्) सू २०१, २
वराह (वराह) प १६४; २४६ उ २३५
वराहमंस (वराहमांस) सू १०१२० वाराहीकंद
वराहधर (वराहधर) प १७१२६
वरिठ्ठ (वरिठ्ठ) ज ३८१; ५२१
वरिस (वर्ष) ज ३१७५
वरिसारत्त (वर्षारत्त) सू १२१४ उ ५२५
वरुट्ट (वरुड) प १६७ पिच्छिकार, वेंत का काम
 करने वाला
वरुण (वरुण) प १५१५१ ज ७१३०, १८६३
 उ ३५४

१. अतोऽनेकस्वरात् इति इक प्रत्ययः ।

वरुण (काइय) (वरुणकायिक) ज १३१
 वरुणदेवया (वरुणदेवता) सू १०८१
 वरुणवर (वरुणवर) सू १६३१
 वरुणोद (वरुणोद) सू १६३१
 वरेल्लग (वे०) प १७६
 वलभीघर (वलभीगृह) ज २२०
 वलभीसंठित (वलभीसंस्थित) सू ४२
 वलय (वलय) प १३३१, १४३ ज ३६, २२२
 वलयाकारसंठाणसंठिय (वलयाकारसं:थानसंस्थित)
 ज ४२३४, २४०, २४१
 वलयागार (वलयाकार) सू १६१२, ६, ६, १२, १६,
 २८, ३२, ३६
 वलवा (वडवा) प ११२३
 वलि (वलि) ज २१५, १३३ उ १३४, ४०, ४३,
 ४६, ४८, ४९, ५१, ५४, ७४, ७६, ७९
 वलिय (वलित) ज २१५; ३१०६; ५५
 वल्लभ (वल्लभ) ज १२६
 वल्लि (वल्लि) ज २१३१, १४४ से १४६; ३३२
 उ ५५
 वल्ली (वल्ली) प १३३१ १४०, १४८, ६१
 वल्लीबहुल (वल्लीबहुल) ज ११८
 ववगय (व्यपगत) प ११११; २२० से २७
 ज १२४; २१५, २३, २५, २६, २८, ३० से ३२,
 ३६, ४०, ४२, ४३; ७०; ३२०, ३३, ५४, ६३, ७१,
 ८४, १३७, १४३, १६७, १८२
 √ववरोव (वि+अप+रोपय्) ववरोवेइ प २२६
 उ १२२
 ववरोविय (व्यपरोपित) उ १२५, २६
 ववसाय (व्यवसाय) ज ४१४०१
 ववसायसभा (व्यवसायसभा) ज ४१४०
 ववहार (ववहार) प ११३३१; १६४६ उ ३११
 ववहारसच्च (व्यवहारसच्च) प ११३३
 √वस (वस्) वसइ ज ३१२२ वसाहि
 ज ३१८५
 वस (वश) ज ३५, ६, ८, १५, १६, ३१, ५३, ६२, ७०,

७७, ८४, ९१, १००, ११४, १४२, १६५,
 १६७, १४, १७३, १८१, १८६, १६६, २१३;
 ५२१, २७, ४१ उ १२१, ४२; ३३३, १३६
 वसंत (वसन्त) प ७१४४२ सू १२१४ उ ५२५
 वसंतमास (वसन्तमास) सू १०१२४२
 वसंतलय (वसन्तलीला) ज ५३२
 वसट्ट (वसार्त) उ १५२, ७७
 वसण (वसन) प २४०१०, ११ ज ३७, १८४
 उ ३१३०
 वसणभूय (वसनभूत) ज २४३
 वषभमंस (वृषभमांस) सू १०१२०
 वसभवाहण (वृषभवाहन) प २५१ ज २६१;
 ५४८
 वसभाणुजात (वृषभानुजात) सू १२२६
 वसमाण (वसत्) प ३१८, ३१, १८० उ १११०,
 १२६, १३३
 वसह (वृषभ) ज २६१; ७१७८ चं १४
 वसहुरूवधारि (वृषभरूपधारिन्) ज ७१७८
 सू १८१४
 वसहि (वसति) ज २१६; ३१८, ३१, १४०
 उ १११०, १२६, १३३; ३३६
 वसा (वसा) प २२० से २७; १५१२२, १५५०
 वसिट्ठकूड (वासिष्ठकूट) ज ४२०४१
 वसु (वसु) ज ७१३०, १८६३
 वसुंधरा (वसुंधरा) ज ५६१
 वसुदेवया (वसुदेवता) सू १०८०
 वसुहर (वसुधर) ज ३१२६१
 वसुहा (वसुधा) ज ३१८, ३१, १८०
 √वह (वध्) वहति ज ७१६८२
 वह (वध) उ ११३६; ३४८, ५०
 वह (व्यथ) उ ५२१
 वह (वह) उ ५२१
 वहय (वधक) ज २२८
 वहस्सइ (वृहस्पति) ज ७१३०, १८६३
 वहिय (व्यथित) ज ३१११, १२५

वा (वा) प १११८७ ज २३६ सू ११४ उ १२७;
३१०१
√वा (वा) वाहिति ज २१३१
वाइ (वादिन्) ज २१०
वाइंगण (दे० वातिकुण) प १३७१ वैगन का माछ
वाइंगणिकुसुम ('वाइंगणि'कुसुम) प १७१२५
वाइत (वादित) प २३०, ३१, ४६
वाइथ (वादित) प २४१
वाइय (वाद्य) ज १४५; २६५; ३८२, १८५,
१८६, १८७, २०४, २०६, २१८; ५११, १६; ७१५५,
५८, १८४ सू १८२३; १६१२३, २६
वाइय (वातिक) उ ३११२, १२८
वाउ (वायु) प ६८६, १०४, ११५; ६४; १३१६;
१७४०, ६६; २०८, २३, २८, ५७; २१८५;
२२२४ ज २१६; ३११७८; ४४६; ५४३, ५२;
७१२२१, १३०, १८६४ सू १०८४१
वाउकाइय (वायुकायिक) ११५; २१० से १२;
३५, ५० से ५२, ५७, ६० से ६३, ६८, ७१ से
७४, ७६, ८४ से ८७, ६२, ६५, १६५ से १६७,
१८३; ४७६, ८०, ८२, ८३, ८५ से ८७; ५३,
१५, १६; ६१६, ६२, ६२, १०२
वाउकाय (वायुकाय) सू २०१
वाउकुमार (वायुकुमार) प ११३१; २४०१,
६, ११; ५३; ६१८ ज २१०७, १०८
वाउकलिया (वातोत्कलिका) प १२६
वाउकाइय (वायुकायिक) प १२७; २१११;
१२३, ४, २३; १५२६, ८५, १३७; १६५, १२;
१७६१, १०३; १८२६, ३४, ३८, ४०, ४२, ५२;
२०३१, ४५; २१२६, ४०, ५०, ५७, ६४; २२३१;
३४३; ३६६, ३८, ५६, ७२, ७५
वाउकाइयत्त (वायुकायिकत्व) ज ७२१२
वाउकाय (वायुकाय) ज २१०७, १०८
वाउभाम (वातोद्भाम) प १२६

वाउभक्ति (वायुभक्ति) उ ३५०
वाउल (व्याकुल) ज २१३१
वाकरमाण (व्यागृणत्) ज २७८
√वागरा (वि+आ+कृ) वागरेहिति उ ३२६
वागरेहिती उ ३२६
वागरण (व्याकरण) ज ७२१४ सू ६३ उ ११७;
३२६
वागल (वात्कल) उ ३५१, ५३, ५५, ६३, ६६, ७०,
७३
वागली (दे०) प १४०१२ वागुची, एक औषधि
वाघाइय (व्याघातिक) ज ७१८२
वाघात (व्याघात) प १७४; २१६५
वाघातिम ('व्याघातिम, व्याघातिन्') सू १८२०
वाघाय (व्याघात) प २३; २८३१ उ १६५, ६६
वाण (वाण) प १३७४
वाणपत्थ (वानप्रस्थ) उ ३५०
वाणमंतर (वानव्यन्तर) प ११३०, १३१; २४१,
४३; ३२७, १३५, १८३; ४१६५ से १६७;
५३, २५, १२१; ६२५, ५६, ६५, ८५, ६३, १०६,
१११, ११७; ७५; ६१११, १८, २४; १२६, ३६;
१३२०; १५३५, ४८, ८७, ६६, १०४, १०७,
१११, १२४; १६६, १६; १७२६, ३०, ३२, ३४,
५२, ७७, ८१, ८३, ६८, १०५; १६४; २०१३,
१६, २५, ३०, ३५, ३७, ४८, ५४, ६१; २१५५, ६१,
७७, ६०; २२३१, ३६, ७५, ८८, १००; २४८;
२८७२, ११७, ११६; २६१५, २२; ३१४;
३२५; ३३१४, २२, ३०, ३४, ३७; ३४४, १०,
१६, १८; ३५१५, २१; ३६२५, ४१, ७२
ज ११३, ३०, ३३, ३६; २६४, ६५, ६६, १००
से १०२, १०४, १०६, ११०, ११३ से ११६,
१२०; ४२, २४८, २५० से २५२; ५४७,
५३, ५६, ६७, ७२ से ७४ सू २०७
वाणमंतरत्त (वानव्यन्तरत्व) प ३६२२, २६
वाणमंतरी (वानव्यन्तरी) प ३१३६, १८३;

१. भावादिमः इति सूत्रेण इमः ,

४।१६८ से १७०; १७।५२, ८२, ८३; २०।१३
 वाणारसी (वाणारसी) प १।६३।१ उ ३।२७ से
 २६ ४६, ४८, ५०, ५१, ६५, ६६, ६६, १००, १११
 वाणिज्ज (वाणिज्ज) ज २।२३
 वातिय (वातिय) उ ३।३५
 वायाध (वायाध) ज २।३६, ४१
 वास (वास) ज २।११३; ३।६.१२, २४।४, ३७।२,
 ४५।२, ८८, ११७, १३१।४; ५।२१.५८
 उ १।११५, ११६; ३।६२
 वामण (वामण) प १।५।३५; २।३।४६
 वामणी (वामणी) ज ३।१।१।१
 वामभुयंत (वामभुजान्त) सू २०।२
 वामेय (वामेय) प २।३१
 वाय (वाय) प २।४८ ज २।६.१०, १३१, १३३;
 ३।११, २४।३, ३७।१, ४५।१, ११७, १३१।३,
 २११; ४।१६६; ५।३८, ५८
 √वाय (वाचय्) वाएति ज ५।५७
 वायंत (वाद्यन्त) ज ३।१७८
 वायकरग (वातकरक) ज ३।११; ५।५५
 वायमंडलिया (वातमण्डलिका) प १।२६
 वायस (वायस) प १।७६
 वायुदेवया (वायुदेवता) सू १०।८३
 वारि (वारि) ज ३।२०६; ५।५६
 वारिसेणा (वारिसेणा) ज ४।२१०; ५।६।१
 वारुण (वारुण) ज ७।१२२।२ सू १०।८४।२
 वारुणी (वारुणी) ज ५।१।१।१
 वारुणोदय (वारुणोदक) प १।२३
 वाल (वायल) ज ३।२२२ उ ३।१२८
 वाल (वाल) ज ७।१७८
 वालग (वायलग) ज १।३७; २।४१, १०१; ३।२०;
 ४।२७; ५।२८
 घालग (वालाग) ज २।६; ७।१७८
 वालगपोडया (दे०) ज २।२०
 वालगपोतिग्रासंठित ('वालागपोतिका' संस्थित)
 सू ४।२, ३

वालपुच्छ (वायलपुच्छ) ज ७।१७८
 वालिघाण (वालघान) ज ७।१७८
 वालिहर (वालिधर) ज ७।१७८
 वाली (पाली) ज ३।३०
 वालुक (वालुक) प १।४८।४८ कपिय की छाल
 वालुयप्पभा (वालुकाप्रभा) प १।५३; २।१, २०,
 २३; ३।१३, २१, २२, १८३; ४।१० से १२;
 ६।१२, ७५, ७६; १०।१; २०।६, ३६; २१।६७;
 ३३।५
 वालुया (वालुका) प १।२०।१; २।४८ ज ३।१११,
 ११३; ४।१३, २५, ४६ सू २०।७ उ ३।५१, ५६
 वावण (वायपन्न) प १।१०।१।१३
 वावणय (वायपन्नक) प २०।६१
 वावहारिय (वायवहारिक) ज २।६
 वाविय (वायपित्त) ज ३।७६.११६
 वावी (वापी) प २।४, १३, १६ से १६, २८; १।१७७
 ज १।३३; २।१२, १५; ४।६०, ११३; ७।१३३।१
 वास (वर्ष) प १।४६; २।१; ४।१, ३, ४, ६, २५, २७,
 २८, ३०, ३१, ३३, ३४, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२,
 ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४, ५६, ५८,
 ६२, ६४, ६५, ६७, ६९, ७१, ७३, ७५, ७७, ७९,
 ८०, ८०, ८४, १२४, १२७, १३४, १३६, १४३,
 १४५, १५२, १५४, १६५, १६७, १६८, १७०,
 १७१, १७३, १७४, १७६, १७७, १७९, १८०,
 १८२, १८३, १८५, १८६, १८८; ६।३७ से ४१;
 १६।३०; १।८।२, ६, १२, २०, २१, २८, ३२,
 ३४, ३५, ४७, ५०, ५२; २०।६३; २३।६० से ६४,
 ६६, ६८, ६९, ७३ से ७८, ८१, ८३, ८५ से ९०,
 ९२, ९५ से ९९, १०१ से १०४, १११ से ११४,
 ११६ से ११८, १२७, १३०, १३१, १३३, १४७,
 १५८, १६९, १७६, १७७, १८२, १८३, १८७,
 २८।२५, ७४ से ८७, ९७ ज १।१८ से २३,
 ३४, ३५, ४७ से ५१; २।१, ४, ६ से १५, २१ से
 ४५, ५०, ५२, ५६ से ५८, ६५, ७१, ८८, ९०,
 १२२, १२३, १२६ से १२८, १३० से १३४,

१३८ से १५०, १५४, १५६, १५७, १५९, १६१,
 १६४; ३११, ३, २६, ३२, ३९, ४७, ५६, ६४, ७२,
 ७७, ७९, १०३, १०९, ११३, १२४, १२६, १३३,
 १३५, १३५, १६७, १७५, १८५, १८८, २०९,
 २२१, २२५, २२६; ४११, ३५, ४२, ५५, ५६, ६१,
 ६२, ७१, ७७, ८१ से ८३, ८५, ८६, ९४, ९८,
 ९९ से १०३, १०८, १६२, १६७, १६९, १७२
 से १७४, १७८, १८१, १८२, १८५, १८७, १९३,
 १९४, १९६, १९९ से २०३, २०५, २०९, २१३,
 २६२, २६५, २६६, २७१ से २७३, २७७;
 ५१५५; ६१६१, ६१६, १२, १३, १४, १९; ७१५६
 से १५९, १८७ से १९० मू ४३; ६११; १०६३
 से ६६; ८१; १८२५ से ३०; २०७ उ १९,
 १४१, १४७; २१२, १३, २२; ३१४, १६, १८,
 २१, ८३, ८६, १०४, ११८, १२५, १५०, १५२,
 १५७, १६१, १६५, १६९; ४२४, २६, २८;
 ५२४, २८, ३९, ४१, ४३

वास (वर्ष) वर्षा ज ३११५, ११६; ५१७;

७११२३, ४ सू १०१२६३, ४

√**वास (वृष्)** वासति ज ३१८४; ५१७, ५७

वासति सू १०१२६३ वासह ज ३१२४

वासिस्सड ज २१४१ से १४५ वासिहिति

ज २१३१

वासंतिय (वासन्तिक) ज २१०

वासंतिलता (वासन्तिलता) प १३६१

वासन्ती (वासन्ती) प १३८२ ज २१५

वासधर (वासगृह) ज ३३२ सू २०७ उ १३३;

२१२८

वासपुड (वासपुट) ज ४१०७

वासमाण (वर्षत्) ज ३११६

वासयंत (वासयत्) ज २६५

वासरैणु (वासरैणु) ज २६५

वासहर (वर्षधर) प १५५५१२ ज २६५; ३१३१;

४१०३, १०८, ११०, १४३, १६२, १६७, १८१,

१८२, १८४, १९०, २००; ६१०, १८

वासहरकूड (वर्षधरकूट) ज ६११

वासहरपन्वय (वर्षधरपर्वत) प २११; १६३०

ज ११८, ४८, ५१; ३१३१; ४१२, ४४, ४५,

४८, ५४, ५५, ६१ से ६३, ७९ से ८१, ८६, ८७,

९६ से ९८, १०२, १०३, १०८, ११०, १४३,

१६२, १६६, १७३ से १७६, १७८, १८०, १८४,

१९०, २०० से २०६, २०८, २०९, २६२ से २६४

२६८ से २७०, २७३ से २७६; ५१४, १५;

६१०, १८

वासावास (वर्षावास) ज २१७०

वासिउं (वर्षितुम्) ज ३११५

वासिकी (वाषिकी) सू १२१८ से ७३

वासिठ (वाषिष्ठ) ज ७१३२२ सू १०१५

वासिता (वर्षयित्वा) ज ५१७

वासी (वामी) ज २१७०

वासुदेव (वासुदेव) प ११७४, ९१; ६२६; २०१११

ज २१२५ १५३; ७२०० उ ५१९, १५, १७ से
१९

वासुदेवत्त (वासुदेवत्व) प २०१५६

वाहण (वाहन) ज २६४; ३१७, २१, ३१, ३२,

८१, १०३, १०९, १७७; ५१२८, २२, २६

उ १६६, ९४, ९९, ११५, ११६

वाहि (व्याधि) ज २१५, १३१, १३३

वाहिनी (वाहिनी) उ ३११०; ४१६, १८

वि (अपि) प ११५ ज ११६ सू ११९ उ ११७

विइक्कंत (व्यतिक्रान्त) ज २१७१, १३८, १४०

√**विउक्कम (वि । उम् । क्रम्)** विउक्कमंति

प ६१२६

√**विउट्ट (वि । वृत्)** विउट्टेहि उ ३११५

विउट्ट (निवृत्त) ज ७३९, ६६, ६१

विउल (विउल) प २३०, ३१, ४१ ज १५;

२६४, ६५, ९१, १२०, ३३, ६७, ७, १०३ १८५,

२०९; ५२६, ५४; ७१७८ उ ११७, ९३;

२११; ३३, ५०, ५५, ९१, ९८, १०१, १०६

१०७, ११०, १२६, १३१, १३४, १३९, १४९;

४१६

विउलमइ (विपुलमति) ज २।८०

√विउव्व (वि - क्त) विउव्वइ ज ५।४१, ४६, ६०,
६६ उ ३।६२ विउव्वति प ३।४।१६ २१ से २३
ज २।१०२, १०६, १०८; ३।११५, ११६२, ११६४,
११६५, ११६७, ११६८; ५।५५, ५७ विउव्वह
ज २।१०१, १०५; ५।३ विउव्वहि ज ५।२८
विउव्वेह ज ३।१६१

विउव्वणगिड्डिपत्त (विक्रिाद्विप्राप्त) सू १३।१७

विउव्वणया (विकरण) उ ३।४।१ से ३

विउव्वणा (विकरणा) उ ३।७

विउव्वमाण (विकुर्माण) सू २०।२

विउव्वित्तए (विकर्तुम्) ज ७।१८३ सू १८।२१

विउव्वित्ता (विकृत्य) प ३।४।१६, २१ से २३
उ ३।१२३

विउव्विय (विकृत) प २।४१

विउव्वेत्ता (विकृत्य) ज ३।१६१

विउसमण (व्यवशमन) सू २०।७

विउज्जगिरि (विन्ध्यगिरि) उ ३।१२५

विउ (वृन्त) प १।४।८।४६

विहणिज्ज (बृहणीय) प १।७।१३४

√विकंप (वि-+कम्प्) विकंपइ चं ३।२
सू १।७।२

विकंपइत्ता (विकम्प्य) सू १।२४

विकंपमाण (विकम्पमान) सू १।२४

विकप्प (विकल्प) ज ३।३२

विकप्पिय (विकल्पित) ज ३।१०६

विकल (विकल) ज २।१३३

विकिण्ण (विकीर्ण) ज ७।१७८

विकियभूय (विकृतभूत) ज ५।५७

विकिरणहर (विकिरणकर) ज ३।२२३

विकिरिज्जमाण (विकीर्यमाण) ज ५।१०७

विकुम (विकुल) ज २।८, ९

विककंत (विक्रांत) ज ३।१०३

विककम (विक्रम) ज ३।३; ७।१७८ चं १।१

विकखंस (विक्रम्म) प १।७४; २।५०, ५६, ६४;
२।१।८४, ८६, ८७, ९० से ९३; ३।६।५६, ६६,

७०, ७४, ८१ ज १।७ से १०, १२, १४, १६, १८,
२०, २३ से २५, २८, ३२, ३५, ३७, ३८, ४०, ४२,
४३, ४८, ५१; २।६, १४१ से १४५; ३।६५, ६६,
१५६, १६०, १६७; ४।१, ३, ६, ७, ९, १०, १२, १४,
२४, २५, ३१, ३२, ३६, ३९ से ४१, ४३, ४५, ४७,
४८, ५६, ५२ से ५५, ५७, ५९, ६२, ६४, ६६ से
६९, ७२, ७४, ७५, ७६, ७८, ८०, ८१, ८४ से ८६,
८८, ८९, ९१ से ९३, ९५, ९६, ९८, १०२, १०३,
१०८, ११०, ११४ से ११६, ११८ से १२७,
१३२, १३६, १४०, १४३, १४५ से १४७, १५४
से १५६, १६२, १६५, १६७।११, १६९, १७२,
१७४, १७६, १७८, १८३, २००, २०१, २०५,
२१३, २१५ से २१६, २२१, २२६, २३४, २४०
से २४२, २४५, २४८; ५।३५; ७।७, १४ से १६,
६६, ७३ से ७८, ९०, ९३, ९४, १७७, २०७
चं ३।२ सू १।७।२; १।१४, २६, २७; १।८।६ से
१३; १।६।४, ७, १०, १४, १८, २०, २१।१, ३०,
३१, ३४, ३५, ३७

विकखंससुइ (विक्रम्मसूति) प १।२।२, १६, २७,
३१ ३६ से ३८

विकखय (विक्षत) ज २।१३३

विकखुर (दे०) प ७।१७८

विग (वृक) ज २।३६

विगत (विगत) प १।८४

विगतजोइ (विगतज्योतिम्) सू १।४।१०; १।५।८ से
१३

विगय (विकृत) ज २।१३३

विगयमिस्सिया (विगतमिस्सिता) प १।१।३६

विगालिदिय (विकलेन्द्रिय) प १।१।८३ से ८५;

१।५।१०३; २।३।५; २।२।८२; २।८।११४, १२७,

१३८; ३।६।११, ३।४।१४; ३।५।१।२, ३।५।७;

३।५।६

विगलेदिय (विकलेन्द्रिय) प १।१।८२

विगोवइत्ता (विगोप्य) ज २।६४

विगह (विग्रह) प ३।६।६०, ६७ से ६९, ७१, ७५

ज ५।४।४ उ ३।६१

विचारि (विचारिन्) मू १६११
 विचित्त (विचित्र) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज २११२;
 ३१६, १०६, २२२; ७१७० मू २०७ उ २११०;
 ३११४, ५३, १०२, १३५, १४२; ४१२४, ५१२८,
 ३६, ४३

विचित्तकूड (विचित्रकूट) उ ६१०
 विचित्तपक्ख (विचित्रपक्ष) प ११५१
 विचिता (विचित्रा) ज ५१११
 विच्छड्डयित्ता (विच्छर्द्य) ज २१६४
 विच्छड्डिय (विच्छर्दित) ज ३११०३
 विच्छिण्ण (विस्तीर्ण) प २१५१, ५२, ५४, ५६, ६०
 ज ११८, १८, २०, २३, २५, ३२, ३५, ४८, ५१;
 २११५; ३११, १८, ३१, ३५, ५२, ६१, ६६, १०३,
 १०६, १३१, १३७, १३८, १४१, १४१, १६४, १८०;
 ४११, ३, ४५, ५५, ६२, ६६, ६८, ६८, १०३, १०८,
 ११०, ११४, १४१, १५६, १६२, १६७, १६६,
 १७२, १७८, १८५, १८७, १६१, २००, २०३,
 २०५, २१३, २१५, २४२, २४५, २४६, २५१,
 २५२, २६२, २६६; ५१३, २८, ४६; ७१७७, १, २
 उ ३१३७

विच्छिण्णतर (विस्तीर्णतर) ज ४११०२
 द्विच्छिण्णम, ण (विस्पृश्यमान) ज २१६५;
 ३११८६, २०४

विच्छुत (वृश्चिक) प ११५१
 विच्छुयअल (वृश्चिकाल) ज ७१३३३३
 विच्छुयनंगोलसंठिय (वृश्चिकलांगुलसंस्थित)
 सू १०५२

विजडि (द्विजटिन्) सू २०१८, २०१८
 विजय (विजय) प ११३३८, २११, ४८, ६३;
 ४१२६४ से २६६; ६१४२, ५६; ७१२६;
 १५१५५१२, १५१८६, ६२, १००, १०५, १०८,
 १०६, ११३, ११४, ११६, १२०, १२१, १२३,
 १२५, १२६, १३१, १३६; २०१६६ ज १११५,
 १६, ४६, ५१; २११७; ३१५, १८, २४४, २६,

३१, ३५, ३७, ३९, ४५, ४७, ५२, ५६, ६१,
 ६४, ६६, ७२, ८१, ६०, ११४ से ११६, १२२,
 १२४, १२६, १३१४, १३३, १३५, १३७, १३८
 १४१, १४५, १५१, १५७, १६४, १७२, १७८,
 १८०, २०५, २०६, २०८, २०६; ४१४६ ५२,
 १०३, १६२, १६७ से १७८, १८१ से १८४,
 १८७ से १६१, १६३, १६६, १६७, १६६ से
 २०३, २०६, २१२, २६२; ५१४३, ५५, ५७, ५८;
 ६१६१; ७१११४, १२२२२ से ५१४ मू १०८४
 २, १२४१ उ ११०७, ११०, ११६, ११८,
 १२२, १२०; ५११७

विजय (विजय) मू ११६

विजयखंधवार (विजयखण्डवार) प ३११७२

विजयवृक्ष (विजयवृक्ष) प ४१४८८; ५१३७

विजयपुरा (विजयपुरा) प ४१२१२

विजयवेजइया (विजयवेजि) ज ३१२२, २८,
 ४१, ४६, ५८, ६६, ७७, १४७, १६८

विजया (विजया) ज ४१२२, २१२४; ५१८१;
 ७१२०२, १८६

√विजह (विः हा) विमहति सू १५१८

√विज्ज (विद्) विज्ज ज ३१२२११

विज्जल (दि०, विज्जल) ज २१३८

विज्जा (विद्या) उ ३११०२

विज्जाहर (विद्याहर) प ११६१, २११६३ ज ३१३७

से १३६, २६०; ४१८७ उ ३७; ५१२८ उ ५५

विज्जाहरसेठी (विद्याहरसेठी) ज ११२५ से २८;
 ४१७२; ६१४

विज्जु (विद्यु) प ११२६; २१२०१, २१४०६, ११
 ज ४१२१०१ सू २०१

विज्जुकुमार (विद्युकुमार) प ११२३१; ५१३;
 ६१८

विज्जुकुमारिद (विद्युकुमारिद) प २१४०२

विज्जुबंन (विद्युबंन) प ११८६

विज्जुणपक्ष (विद्युणपक्ष) ज ५१८, २०७ से २१०

विज्जुणपक्षकूड (विद्युणपक्षकूट) प ४१२१०

विज्जुणपभद्रह (विद्युणभद्रह) ज ४१६४

विज्जुण्ह (विद्युत्प्रभ) ज ४१२१५
 विज्जुण्हइअर (विद्युत्प्रभवकम्कार) ज ४१२०५
 विज्जुण्ह (विद्युत्सुख) प ११८६
 विज्जुण्ह (विद्युत्सुख) ज २१३१; ४१२११;
 ५१२२
 √विज्जुय (विद्युत्) विज्जुयार्थि ज ५१७
 विज्जुयवित्तः (विद्युत्तियत्वा) ज ५१७
 विज्जुयडिय (दे०, विद्युत्) ज २१३३
 विज्जुयडियमच्छ (विज्जुयडिय'मत्स्य) प ११५६
 विट्ठि (विष्टि) ज ७१२२३ से १२५
 विडंविद्य (विष्टिम्पित) ज ७१२७८
 विडिय (दे०, विष्टि) प २१४६ ज ४१२६
 विडिंअर (दे०, विष्टिपान्तर) ज २१३३
 विड्डा (त्रीडा) उ ११५८, ८३
 विणट्ठ (विण्ट) ज २११०३, १०४
 विणमि (विणमि) ज २१३३७, १३८, १३९
 विणय (विणय) प १११०११० ज ११६; २१६०,
 ६०, १३३; ३१८, १३, १६ ५३, ६२ ७०, ७३, ८४,
 १००, १४२, १४७, १६५, १८१, १८६, १९२,
 २०५, २०६ २१३; ५११५, २३, ५८, ६६, ७३
 सू २०१६१६, ६ उ १११६, ४५, ५५, ५८ ६७,
 ८०, ८३, १०८, ११६, १२०, २१२०
 विणास (विणास) प ११७४
 विणसण (विणसण) ज ३१८८, १०६; ५१७
 विणिममंत (विणिममंत) ज ३११०६
 विणिमसुयंत (विणिमसुयंत) ज ११३७; ३११२,
 ८८, ५१५८
 √विणी (वि - णी) विणें उ ११७६ विणेंति
 उ ११३४ विणेंमि उ ११७४
 विणीता (विणीता) ज ३११८२
 विणीय (विणीय) उ ५१४०, ४१
 विणीया (विणीया) ज २११६, ६५; ३१२०, ७, ८,
 १४, ८७, ८८, १०६, १७२, १७३, १८०, १८३ से
 १८५, १९६, १९६, २०३, २०४, २०८ २०९,
 २१२ २२०, २२१, २२४; ३११७७
 विण्णय (विण्णय) उ २११२७, १२८; ५१४३

√विण्णव (वि + ळपय्) विण्णवेड उ १११०१
 विण्णवणा (विण्णवणा) उ ३११०६
 विण्णविज्जमाण (विण्णव्यमाण) उ १११०२
 विण्णवित्तए (विण्णवित्तुम्) उ ११६६
 विण्ह (विण्ह) ज ७१३०, १८६३
 विण्हुदेवया (विण्हुदेवता) सू १०१७६
 वितत (विण्त) ज ५१३२, ५७
 विततपखि (विततपखिन्) प ११७७, ८१
 वितत (विण्त) सू २०१८, २०१८८
 विततथ (विण्तथ) सू २०१८, २०१८८
 विततथि (विण्तथि) ज २१६
 वितिमिर (वितिमिः) प २१६३; ३६१६३, ६४
 वितिंअरतराग (वितिमिरतरक) प १७११०८, ११०
 वित्त (वित्त) ज ३११०३, ५१५८
 वित्त (वेत्त) ज ३११०६
 वित्ति (वृत्ति) ज ११३३, ३०, ३३, ३६; २१३३४;
 ४१२
 वित्थड (विण्तुत्त) ज ३१११७; ७३०, ३१, ३३
 सू ४१३, ४, ६, ७; १६१२२११५
 वित्थय (विण्तुत्त) ज ३१३२, १०६
 वित्थर (विण्तुत्त) ज २१३३४
 वित्थररुइ (विण्तुत्तररुचि) प १११०१११, ६
 वित्थिण्ण (विण्णिण) प २१५०, ५६, ५८ ज ११२४,
 २८ उ ३१६१; ५१४
 विदिसा (विदिसा) ज ४११०६, १५५, २०४, २१०,
 २१२, २३५, २३७; ५११२
 विदिसि (विदिसि) प ३६१७०, ७२ ज ५११२
 विदिसीवाय (विदिसीवाय) प ११२६
 विदेह (विदेह) प ११६३३, ६४१ उ ११२६,
 १३३
 विदेहजंभू (विदेहजंभू) ज ४११५७१
 विदुम (विदुम) ज ३१३५
 विद्ध (विद्ध) ज ३१३५
 विद्धंस (विद्धंस) प ११७२; २०१४०, ४३, ६६
 √विद्धंस (वि + ळपय्) विद्धंससू २११ उ ११५१
 विद्धंसिण्णि ज २१३३३

विद्वंसइत्ता (विध्वंस्य) प २८१६६
 विद्वंसण (विध्वंसन) उ १५१, ५२, ७६, ७७
 विद्वंसित्तण (विध्वंसित्तुम्) उ १५१, ५२, ७६, ७७
 विद्धि (वृद्धि) ज ७१८६३
 विधाउ (विधान्) प २४७१२
 विधुय (विधुत) ज २११०; ४११६६
 विपुल (विपुल) ज २१६६; ३१८८, १०६
 विपुलतर (विपुलतर) ज ४११०२
 विप्पजह (विप्रहीण) उ ११६०, ६१
 √विप्पजह (विप्रहीण) विप्पजहति प ३६१६२
 सू १५८
 विप्पजहण (विप्रहीण) प ३६१६२
 विप्पजहिन्ता (विप्रहाय) प ३६१६२
 विप्पज्जिण्ण (विप्रतिपन्न) उ ३४७
 विप्पमुक्क (विप्रमुक्त) प २१६४१, ६; १६१५५;
 ३६१८३२ ज ३११२, ८८, ६२, ११६; ५१७,
 ५८ उ ३११५६
 विप्परिणामइत्ता (विपरिणाम) प २८१२०, ३२, ६६
 विप्पलायमाण (विप्रलाययन्) उ ३११३०
 विप्पवसित (विप्रोषित) सू २०१७
 विप्पहय (विप्रहृत) उ ३११३१, १३४
 विबुद्ध (विबुद्ध) ज ३३
 विबोयण (वे०) सू २०१७ उपाधान
 विद्वभल (विद्वभ) ज २११३३
 विभंगअण्णपरिणाम (विभंगज्ञानपरिणाम)
 प १३११०
 विभंगणण (विभङ्गज्ञान) प ५१५, ७; २६१२, ६,
 १७, १६; ३०१६
 विभंगणणि (विभंगज्ञानिन्) प ३११०२, १०३;
 ५१६६, १०७; १३११४, १७; १८१८४; २८११३७;
 ३०११६
 विभंगसाण (विभंगज्ञान) प ३०१२
 विभंगु (वे०) प १४२१२
 √विभज (विभज्) विभज्जइ ज २१५५
 विभजिस्सइ ज २११५५

विभक्त (विभक्त) ज २११५, १३३
 विभयमाण (विभजमान, विभजत्) ज १११६, ४७;
 ४१४२, ७१, ७७, ६४, १६८, १८३, १८६, १६५,
 २६२ सू १६११६
 विभाग (विभाग) ज ३३२२
 विभावणा (विभावना) प २८११२
 √विभास (विभाष्) विभासिज्जा ज ५१५५
 विभासेज्जा ज ५१५७
 विभासियव्व (विभापिनव्व) ज ५१४०, ५७
 विभु (विभु) ज ५१५, ४६
 विभूइ (विभूति) ज ३११२, ७८, १८०; ५१२२, २६
 विभूति (विभूति) ज ३१२०६
 विभूसा (विभूषा) ज ३११२, ७८, १८०, २०६;
 ५१२२, २६
 विभूसिय (विभूषित) ज २१६६, १००; ३१६, ३५,
 ७८, १०६, २११, २२०; ५११४, ४१, ४३, ५८;
 ७११७८ उ ११७०; ३१११०; ४११८; ५११७
 विभेल (विभल) उ ३११२५, १३२, १३३, १४१, १४५
 विमण (विमन्) ज २१६०, १०३, १०६, १०८
 उ ११३५
 विमथ (वे०) प १४११२
 विमल (विमल) प २१३१, ६४ ज ११३७; २११५;
 ३१६, १२, १८, ७७, ८१, ८८, १०७, ११७, १२४,
 १५१, १७८, २२२; ४१३, २५, १२५, २०४१;
 ५१५, ४६३, ५८, ६२; ७११७८ सू २०१८८
 उ ११३८
 विमलवाहण (विमलवाहन) ज २१५६, ६१
 विमाण (विमान) प २११, ४, १०, १३, ४८ से ५२,
 ५६१२, २१५६ से ६३; ७१२६; ११२२५; २११६२,
 ६३; ३३, १६, १७ ज २११२०; ३१३, ११७;
 ४१११५; ५१३, ५, १८, २२, २५, २६, २८, ३०, ३२,
 ४१, ४३ से ४५, ४६, ५०, ५२, ५३; ७११७८१,
 १७६, १८४ से १६६ सू ६११, १८१२२ से २४;
 २०१२ से ४ उ ३१६, ७, १४, २५, ८३, ६०, १२०,
 १५६, १६१, १६६, १७१; ४१५, २४, २८; ५१२८,
 ४१

विमाणकारि (विमानकारिन्) ज ५१४८ से ५०,५३
 विमाणवास (विमानवास) ज ३१११७
 विमाणावतिया (विमानावतिका) प २११,४,१०,१३
 विमाणावात (विमानावात) प २१४८ से ६३
 ज ५११८,१६,२४,४८
 विमाणोववण्णग (विमानोपपन्नक) सू १६१२३,२६
 विमुक्क (विमुक्त) प २६४१०,१६,२२; ३६१६४१
 विमोक्खण (विमोक्षण) ज २१७१
 वियट्टछउम (विवृत्तछदम्) ज ५१२१
 वियड (विकट) प ६१२० से २३ ज २११५ चं ११३
 सू २०१८,२०१८
 वियड्ढोणिय (विकटयोनि) प ६१२५
 वियडावड (विकटापातिन्) ज ४१७७,८४,२६६
 वियडावति (विकटापातिन्) प १६१३०
 वियस्थि (वितस्ति) प ११७५
 वियस्थिपुहत्तिय (वितस्तिपृथक्त्वक) प ११७५
 √वियर (वि + र्) वियरह ज ३११८८
 वियरम (दि०) ज ५११३
 वियरिय (विचरि) ज २११२
 वियल (विकल) प २४१७
 वियसंत (विकसात्) प २१४१
 वियसिय (विकसित) प २१३१,४८ ज ३६;
 ४४६; ५१२१
 √वियसण (वि + ण) वियाणाहि प ११४८३८,३६
 वियाणंत (वियणत्) प २१६४१७
 वियाणय (विजाणय) ज ३१३२,७७,१०६
 वियाण्णिस्ता (विजाण) उ ५१३७
 वियाणिय (विजाण) ज ३१८७
 वियमलय (विमल) ज ७१६८६१ सू २०१८१
 विरइय (विरचित) ज ३१३,६,२२२
 √विरज्ज (वि + र्ज्ज) विरज्जति सू १३११
 विरत (विरत) प २३११०
 विरति (विरति) प २०४११
 विरत्त (विरत्त) सू १३११; २०३
 विरय (विरय) सू २०१८, २०१८७
 विरयविरति (विरताविरति) प २०४२

विरल्लिय (तत्) प १५१५१
 √विरव (वि + रचय्) विरवेइ उ ११४६
 विरवेत्ता (विरच्य) उ ११४६
 विरसमेह (विरसमेघ) ज २१३३१
 विरह (विरह) उ ११६५, ६६, १०५
 विरहित (विरहित) प ६१५ से ७, ४३ सू १६१२५
 विरहिय (विरहित) प ६११ से ४, ८ से २३, २७,
 ४४, ४५ ज २१४०; ७१५७, ६० सू १०१७७
 विराइय (विराजित) प २१३०, ३१, ४१, ४६
 ज २११५; ३१११७; ७१७८
 विराग (विराग) सू १३१२
 विरायंत (विराजमान, विराजत्) ज ३६; ५१२१
 विराल (विडाल) प १११२१
 विराली (विडानी) प १११२३
 √विराय (वि + राय्य्) विरावेहिंति ज २१३३१
 विराहणी (विराधनी) प १११३
 विराहय (विराधक) प १११८६
 विराहिय (विराधित) उ ३१४४, २१, ८३
 विराहियसंजम (विराधितसंयम) प २०६१
 विराहियसंजमासंजम (विराधितसंयमासंयम)
 प २०६१
 √विरिच (वि + र्चय्) विरिचइ उ ११६४
 विरिचित्ता (विभज्) उ ११६६, ६४
 विरिय (वीर्य) प २३११६, २० ज ३११०७, ११४
 विरेयण (विरेचन) उ ३११०१
 विलंब (विलम्ब) प २१४०१६
 विलवमाण (विलपत्) उ ११६२; ३१३०
 विलास (विलास) ज २११५; ३१३८ सू २०१७
 विलिय (व्रीडित) ज २१६० उ ११५८, ८३
 विलिहिज्जमाण (विलिख्यमान) प २१५०
 ज ५११८
 विलेवण (विलेपन) ज ३१६, २०, ३३, ५४, ६३, ७१,
 ८४, १३७, १४३, १६७, १८२, २२२
 विव (इ) ज १३६, ६८ उ ११२३; ३१२८
 १. हे० ४१३७

- विवंचि (विपञ्ची) ज ३।३१
 विवञ्जिय (विचञ्जित) उ ३।३६
 विवडिय (विपतित) ज ३।१०८ से १११
 √विवड्ड (वि-+वृध्) विवड्डति ज ३।६५,१५६
 विवड्डंत (विवर्धमान) प १।४८।५२
 विवण्ण (विवर्ण) उ १।१५;३।६८
 विवत्थ (विवस्त्र) सू २०।८
 विवर (विवर) ज २।६५ उ ५।५
 विवरीत (विपरीत) सू २०।६।२
 विवरीय (विपरीत) ज ३।११७।१
 विवाग (विपाक) प २३।१३ से २३
 विवाह (विवाह) सू २०।७
 विविह (विविध) प २।४१,४८ ज ३।२४,११७,
 १६७।१२; ४।२७,४६; ५।३८,६७; ७।१७८
 सू १।८।८ उ ३।३५,११२,१२८
 विस (विष) उ १।८६,६०
 विसंघि (विसन्धि) सू २०।८।५
 विसंघिकप्प (विसन्धिकल्प) सू २०।८
 विसञ्जिय (विसञ्जित) ज ३।८१
 विसण्पमाण (विसर्पत्) ज २।१५; ३।५,६,८,१५,
 १६,३१,५३,६२,७०,७७,८४,९१,१००,११४,
 १४२,१६५,१७३,१८१,१८६,१९६,२१३;
 ५।२१,२७,४१ उ १।२१,४२; ३।१३६
 विसम (विषम) प १।३।२।२।२; १।६।५।२; ३।६।८।२।१
 ज २।३।८,१३६,१३३; ३।७।६,८८,१०६,१२८,
 १५१,१७०; ७।११२।३ सू १०।१२६।३
 उ ३।५५
 विसमचउरंसंठाणसंठित (विषमचतुष्कोणसंस्थित)
 सू १।२५; ४।२
 विसमचउरंसंठाणसंठित (विषमचतुरस्रसंस्थान-
 संस्थित) सू १।२५
 विसमचउरंसंठित (विषमचतुरस्रसंस्थित) सू ४।२
 विसमचक्कवालसंठाणसंठित (विषमचक्रवालसंस्थान-
 संस्थित) सू १।६।६
 विसमचक्कवालसंठित (विषमचक्रवालसंस्थित)
 सू १।२५; ४।२; १।६।३,६,१३,१७,२६,३३,३६
 विसमचारि (विषमचारिन्) ज ७।११२।२
 सू १०।१२६।२
 विसमबहुल (विषमबहुल) १।१८
 विसमाउय (विषमायुष्क) प १७।१३
 विसमेह (विषमेघ) ज २।१३१
 विसमोववण्णग (विषमोपपन्नक) प १७।१३
 विसय (विषय) प २।४८; १।१।६।६।१; १।५।१।१,
 १।५।४०,४१; ३।३।१।१ ज २।४; ३।१०४,१०५,
 १०७,११४,१२६।४; ५।४६; ७।१७८ सू १।८।१
 विसय (विशद) ज २।४,६५,१२६
 विसयवासि (विषयवासिन्) ज ३।२।४।२,३।२६,
 ३६,४७,५६,६४,७२,१३१।२,१३३,१३८,१४५
 विसयानुपुब्बी (विषयानुपूर्वी) ज ७।५०
 विसह (विषय) ज २।६८
 विसहरण (विषहरण) ज ३।६५,१५६
 विसाएमाण (विस्वादयत्) उ १।३४,४६,७४
 विसायणिज्ज (विस्वादी) ज २।१८
 विसारय (विशारद) ज ३।७७,१०६ उ १।३१
 विसाल (विशाल) प २।४।७।२ ज २।१५; ३।१।७८;
 ४।१५।७।२; ७।१७८ सू २०।८,२०।८।८
 विसाहा (विशाखा) ज ७।१२।८,१२६,१३४।३,
 १३५।३,१३६,१४०,१४६,१६५,१६६
 सू १०।२ से ६,१७,२३,४६,६२,७२,७३,७५,
 ८३,११४,१२०,१३१ से १३३; १।२।२१
 विसाही (वैशाली) ज ७।१४०
 विसिट्ठ (विशिष्ट) प २।४।७।७ ज १।३७; २।१५,
 २०; ३।६,३५,१०६,११७,२२१,२२२; ५।४३;
 ७।१७८
 विसिट्ठतर (विशिष्टतर) सू २०।७
 विसुज्झमाण (विशुद्धमाण) प १।११३,१२८;
 २३।२००,२०१ ज ३।२२३
 विमुद्ध (विशुद्ध) प २।६३; १।७।१३८; ३।६।६३,६४
 ज २।८,६; ३।३,१०६; ५।५८ उ ५।४३
 विमुद्धतर (विशुद्धतर) ज २।७।१

विसुद्धतराग (विसुद्धतरक) प १७१०८ से १११

विसुद्धलेखतराग (विसुद्धलेख्यतरक) प १७१७

विसुद्धवर्णतराग (विसुद्धवर्णतरक) प १७१६, १७

विसेस (विशेष) प १११४; २१६, ४१८, १२३३१;

१५२६, ३०; १७३०, १४६ ज १११३, ३०

३३, ३६; २४५, १४५; ३३२; ४२, २५

सू २१२; ४४, ७; १५५ से ७; १६८; २२१३

विसेसाहिय (विशेषाधिक) प २१६४; ३१ से ६,

२४ से ३२, ३७ से १२०, १२२ से १२५, १२७,

१४१ से १४३, १५६ से १७०, १७४ से १८३,

६१२३; ८५, ७, ६, ११; ६१२, १६, २५; १०३

से ५, २६ से २६; ११७६, ६०; १५१३, १६,

२६ से २८, ३१, ३३; १५५८१, १५६४;

१७५६ से ६६, ७१ से ७६, ७८ से ८३, १४४

से १४६; २०६४; २११०४, १०५;

२२१०१; २८४१, ४४, ७०; ३४२५; ३६३५

से ४१, ४८, ४६, ५१, ८१ ज १७, २०, ४४५,

५७, ६२, ६८, ११०, १४३, २१३, २३४, २४१;

७११, १६, ७३ से ७५, ६३, १६७, २०७

सू १११४, २७; १८३७; १६१०

√ विसोह (वि-+शोधय) विसोहेहि ३११५

विस्त (विश्व) ज ७१३०, १८३४

विस्तंभर (विश्वम्भर) प ११७६

विस्तदेवता (विश्वदेवता) सू १०८३

विस्तुत (विश्रुत) ज ३३५

विस्तुय (विश्रुत) ज ३७७, १०६, १२६, १६७

विहगु (वे०) प १४८४६

विहग (विहग) ज १३७; २६८, १०१; ४२७;

५१२८

विहगफइ (वृहस्पति) ज ७१०४

√ विहर (वि-+हृ) विहरइ प २५० से ५३

ज १५, ४५; २७० ६१, ३२, २०, २३, ३३,

८२, ८४, १५३, १७१, १८२, १८६, २१८, २१९,

२२४; ४१५६; ५१६ उ १२; २७, ३६;

४१११; ५१६ विहरंति प २२० से २७, ३० से

३७, ३६ से ४२, ४६, ४८ से ५२, ५४, ५५, ५७

से ५६ ज ११३, ३०, ३३; २१३, १२०; ४१२,

११३; ५११, ३, ८ से १३, ६८; ७५६, ५६

सू १६१२४ उ ३५०; ५१२६ विहरति

प २३२, ३३, ३५, ३६, ४३ से ४५, ४८, ५१

५३ से ५६ ज २७२; ३१२६; ५१८ से १३

सू २०७ विहरसि उ ३८१ विहरामि

उ १७१; ३३६ विहराहि ज ३१८५, २०६

विहरिस्संति ज ११३४, १४६ विहरेज्जा

सू २०७ उ ५३६

विहरमाण (विहर्त्) ज २७१ उ १२, २०

विहरित्तए (विहर्त्तुम्) ज ७१८४, १८५ सू १८२२

उ १६५, ३५०

विहरिय (विहृत्) उ ३५५

विहव (विभव) ज ५४३

√ विहाड (वि-+घट्) विहाडेइ ज ३६०, १५७

विहाडेहि ज ३८३, १५४

विहाडिय (विघटित) ज ३६०

विहाडेत्ता (विघट्) ज ३८३

विहाण (विधान) प १२०२, १२०, २३, २६, २६,

४८, ६८

विहाणमगण (विधानमगण) प २८६, ६, ५२, ५५

विहायगति (विहायोगति) प १६१७, ३८, ५५

विहायगतिणाम (विहायोगतिणाम्) प २३३८,

५६, ११६, ११७, ११६, १२८, १३२

विहार (विहार) ज २७१

विहि (विधि) प २४५; २११११ ज ३२४२,

सू १६१२२

विहिण्णु (विधिञ्) ज ३३२

विहूण (विहीन) प १०१४५ ज ४६४, ८६, १३६,

२०८

विहूणण (विभूषण) ज ४१४०१

वीइ (वीचि) ज ३१५१

वीइकंत (व्यतिक्रान्त) ज २५१, ५४, ७१, ८८,

८६, १२१, १२६, १३०, १४६, १५४, १६०, १६३;

३२२५ उ १५३, ७८; ३१२६

वीडभय (वीतिभय) प १।६३।४
 वीडय (वीचि) ज ३।६, २२२
 वीडवइत्ता (व्यतिव्रज्) ज १।१६, ४६, ४।५२
 उ ५।४१
 वीड्वयमाण (व्यतिव्रजत्) ज २।६०; ३।२६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, १२३, १४५; ५।४४, ४७, ६७;
 वीचि (वीचि) ज २।१५; ३।८१
 वीणग्माह (वीणाग्माह) ज ३।१७८
 वीतराग (वीतराग) प १।१०७ से १।१०, १।१५,
 १।१७ से १।२३
 वीतरागसंजय (वीतरागसंजय) प १।७।२५
 वीतसोय (वीतसोय) सू २।०८
 वीतिमिर (वितिमिर) १।२।६३
 वीतिव्यमाण (व्यतिव्रजत्) ज ३।११३; ५।४४
 √वीतीवय (वि + अति + वृच्) वीतिवयति
 सू २।०।२
 वीतीवतिता (वतिव्रज्) प २।६३
 वीयणी (वीजनी) ज ३।३
 वीयरग (वीतराग) प १।१००, १.०४ से १.०७,
 १.०६ से १.११, १.१५, १.१६, १.१८, १.२१ से १.२३
 वीयराय (वीतराग) प १।१०२ से १.०४, १.१६,
 १.१७, १.१९, १.२०, १.२२
 वीयसोय (वीतसोय) ज ४।२।१२, २।२।२।२
 सू २।०।८७
 वीर (वीर) ज ३।६, १.०३, १.०८ से १.११, २.२२
 चं १।१ उ १।२२, १.४०; ५।५, १०
 वीरंगय (वीरङ्गय) उ ५।२५, २७ से ३०
 वीरकण्ठ (वीरकण्ठ) उ ५।१०
 वीरण (वीरण) प १।४।११
 वीरवर (वीरवर) सू २।०।६।६
 वीरसेण (वीरसेण) उ ५।१०
 वीरिय (वीर्य) प २।३।६ ज २।५।१, ५।४, ७।१, १.२१,
 १.२६, १.३०, १.३८, १.४०, १.४६, १.५४, १.६०,
 १.६३; ३।३, १.२६, १.८८; ७।१।७८ सू २।०।१,
 २।०।६।३, ५

वीरियंतराइय (वीर्यान्तरायिक) प २।३।५६
 वीरियंतराय (वीर्यान्तराय) प २।३।२३
 वीवाह (विवाह) ज २।१३०
 वीस (विस्त्र) प २।२० से २७
 वीस (विशति) प २।२४ ज १।२३ सू ७।१
 उ ५।२८
 वीस (विशतितम) प १.०।१।४।४
 वीसइ (विशति) ज ३।१.०.६ चं २।५ सू १।६।५
 वीसइअंगुलवाहाक (विशत्यंगुलवाहाक) ज ३।१.०.६
 वीसति (विशति) प २।३।७५
 वीसतिम (विशतितम) सू १.२।१.७
 वीसधा (विशतिधा) सू १.२।३.०
 वीससा (विस्त्रमा) प १.६।५.५; २.३।१.३ से २.३
 वीससेण (विश्वसेण) ज ७।१.२.२।२ सू १.०।८.४।२
 वीसहा (विशतिधा) सू १.०।१.४.२, १.४.७
 वीसायणिज्ज (विस्वादिनीय) प १.७।१.३.४
 वीसुत (विश्रुत) ज ३।३.५, १.१.६
 वीहि (वीहि) प १।४.५।१ ज २।३.७
 √वृच्च (वृच्) वृच्चइ प ५।७, ३.४, १.०.१, १.१.६, १.६.६;
 १.१.३, ४.१; १.७।२, १.३, २.०, २.७, १.१.६, १.१.६,
 १.५.२, १.५.५; २.०।३.६ ज १।४.५, ४.७; २।४।१;
 ३।१, ६.८, २.२.६; ४।२.२, ३.४, ५.१, ५.४, ६.०, ६.१,
 ८.०, ८.५, ८.६, ९.७, १.०.२, १.०.७, १.१.३, १.५.६, १.६.१,
 १.६.६, १.७.७, २.०.८, २.१.१, २.६.१, २.६.४, २.७.०,
 २.७.३, २.७.६, ७।१.६.६, १.८.५, २.०.६, २.१.३, २.२.६
 उ ३।३.८ वृच्चति प २.२।४.५; ३.०।१.७ वृच्चति
 प ५।३, ५.७, १.०, १.२, १.४, १.६, १.८, २.०, २.४,
 २.८, ३.०, ३.२, ३.७, ४.१, ४.५, ४.६, ५.३, ५.६, ५.६;
 ६.३, ६.८, ७.१, ७.४, ७.८, ८.३, ८.६, ८.६, ९.७,
 १.०.४, १.०.७, १.१.१, १.१.५, १.२.७, १.२.६, १.३.१,
 १.३.४, १.३.६, १.३.८, १.४.०, १.४.३, १.४.५, १.४.७,
 १.५.०, १.५.४, १.५.७, १.६.३, १.६.६, २.०.३, २.४.२;
 १.०।३; १.१।३, ३.६, ४.१; १.५।४.५, ४.८, ६.८;
 १.७।२, ४.६, ६.१, १.६, १.८, २.०, १.०.७, १.०.६,
 १.१.१, १.१.६, १.१.६, १.५.०, १.५.५; २.०।३.६, ५.१;
 २.२।८, ४.५; २.३।१.६०; २.६।१.७, १.६ से २.१;

३०।१६, १६, २१, २३, २६, २८; ३४।१२, १६,
१८; ३५।१८, २०, २३; ३६।२८, ८१, ६४
वृद्धि (वृष्टि) ज ३।११७
वृद्धकुमारी (वृद्धकुमारी) उ ४।६
वृद्धय (वृद्धक) ज २।६५
वृद्धा (वृद्धा) उ ४।६
वृद्धि (वृद्धि) प ३३।१।१ ज ७।१, १०, १३, १६,
१६, ६६, ७२, ७५, ७८ चं २।४ सू १।६।४, १।२७;
१३।१७
वृत्त (उक्त) ज ३।८, १३, १६, २६, ४२, ५०, ५३, ५६,
६२, ६८, ७०, ७५, ७७, ८४, १००, १२५, १२६,
१४२, १४८, १६५, १६६, १८१, १८६, १६२;
५।१५, २२, २६, ७० चं २।४, ५; ५।२
सू १।६।४, १।६।३ उ १।४०, ४५, ५५, ५८, ८०,
८२, १०८; ३।७८, ८२; १।१३; ४।२०
√वेअ (वि+इ) वेअति सू ६।१
वेङ्गा (वेदिका) ज ४।१२८
वेङ्गा (वेदिका) प २।१, २।१।६० ज २।२०; ४।३,
२५, ३६, ५७, ६३, ११०, १४८, १५६, २२१, २४५
वेजन्वि (वैक्रियन्) प २।४६
वेजन्विय (वैक्रियक) प १।२।१, २, ४, ५, ८, १४, १८,
२४, २८, ३३, ३६; १।६।५; २।१।१, ८३, १०४,
१०५; २।३।४२, ६०, ६२, १४६, १७३; ३।६।१।१,
३।६।३२ ज २।८०; ५।४०, ५६; ७।५५, ५८
सू १।६।२३ २६
वेजन्वियमीससरीर (वैक्रियमिश्रकशरीर) प १।६।१,
३, ७, १०
वेजन्वियमीसासरीर (वैक्रियमिश्रकशरीर)
प १।६।१।१, १।२, १।५; ३।६।८७
वेजन्वियसमुग्घाय (वैक्रियसमुद्घात) प ३।६।१, ४
से ७, २८, ३५ से ३८, ४०, ४१, ५३ से ५८, ७०
७३ ज ३।१।५, १।६२, २०८; ५।५, ७, २६, ५५
वेजन्वियसरीर (वैक्रियशरीर) प १।२।१२, १६;
१।६।१, ३, ७, १२, १५; २।१।४६ से ६५, ६८ से
७१, ७७, ८१, ६६, ६८, १०१, १०४, १०५;

३६।८७

वेजन्वियसरीरग (वैक्रियशरीरक) प १।२।३६
वेजन्वियसरीरय (वैक्रियशरीरक) प १।२।८, २१, ३१
वेजन्वियसरीरि (वैक्रियशरीरिन्) प २।८।१४१
वेँट (वृन्त) प १।४।८।४५
वेँटबद्ध (वृन्तबद्ध) प १।४।८।४०
वेग (वेग) प २।२।१ से २७, ३० ज २।१६
वेगच्छिग (वैकक्षिक) ज ७।१।७८
वेच्च (वे०, व्युत्, व्यूत्) ज ४।१३३
वेजयंत (वैजयन्त) प १।१।३८; २।६३; ४।२।६४ से
२६६; ६।४२, ५६; ७।२६; १।५।८६, ६२, १००,
१०५, १०८, १०६, ११३, ११४, ११६, १२०,
१२१, १२३, १२५, १२६, १३१, १३६; २।८।६६
ज १।१५
वेजयंती (वैजयन्ती) प २।४।८ ज ३।३१, १।७८;
४।४६, २।१२; ५।८।१, ५।४३; ७।१।२।२, १।८६
वेज्ज (वेध्य) ज ३।३२
वेङ्ङ (वे० क्रीडित) ज २।६०
वेष्ट (वेष्ट) ज २।१३६
√वेष्ट (वेष्ट्) वेष्टेइ उ १।४६
वेष्टय (वेष्टक) ज २।१३६
वेडल (वे०) प १।५८
वेदिम (वेष्टिम) ज ३।१।११
वेदिथ (वेष्टित) ज ३।३२
वेदेत्ता (वेष्टित्वा) उ १।४६
वेणइया (वैनयिकी, वैणकिया) प १।६।८ उ १।४१,
४३
वेणुदालि (वेणुदालि) प २।३।७, ३।६, ४।०।७
वेणुदेव (वेणुदेव) प २।३।७, ३।८; ४।०।६ ज ४।२०८
वेणुयाणुजात (वेणुकानुजात) सू १।२।२६
वेत्त (वेत्त) प १।४।१।१; १।१।७५ ज २।६।७
√वेद (वेदय्) वेदेइ प २।३।१।१; २।५।४ वेदेति
प १।७।२०; २।३।१।१; २।५।४, ५; २।७।२, ३; ३।१।२,
३, ५, ७, ६, ११, १३, १४, १७ से २०, २२, २३
वेदेति प २।३।६, १०, १२ से २३; २।५।२; २।७।२,
५, ६

वेद (वेद) प १११६; ३११२; १५१११;

रवा१०६१ उ ३४८, ५०

वेदग (वेदक) प ११६४१; २५४५; २७३३

वेदणा (वेदना) प २२२३, २६; १७११७, २०, २७,
२६, ३२, ३३; २२१५; ३५१११, ३५११ से ७, ६,
११ से १४, १६ से २०, २२, २३ ज २१३१

वेदनासमुद्घाय (वेदनासमुद्घाय) प ३६११, २, ४
से ५, १२, १८ से २०, २२, २६ से ४१, ४६, ५३
से ५६, ६५

वेदणज (वेदणीय) प २३११, १२; २४११२; २५१५;
२६१६, ११; २७१५; ३६१८२, ६२

वेदपरिणाम (वेदपरिणाम) प १३१२, १४, १५, १८,
१६

वेदय (वेदक) प २७३२

वेदि (वेदि) उ ३५११, ५६, ६५, ६८, ७१, ७४, ७६

वेदिया (वेदिका) ज १११४

वेदेमाण (वेदल) प २६१२ से ४, ८, ९, १२; २७३२,
३, ५, ६

वेमाणिणी (वैमानिकी) प ३१४०; ४२१० से
२१२; १७५५, ५०, ५२, ५३; २०१३

वेमाणिय (वैमानिक) प ११३०, १३४, १३८;
२४६ से ५१; ३१३६; ४२०७ से २०६;
५३, २६, १२२; ६४६, ५६, ६६, ८५, ८६, ६२,
६५, १०६, १११, ११७, ११६, १२१; ७७;
८३; ६११, १८, २४; १०३२ से ५३; ११४६,
८०, ८१, ८४; १२१६, ३८; १३२०; १४२, ३,
५, ७, ६, ११ से १५, १८; १५३५, ४६, ५६ से
६३, ६५ से ६७, ७५, ८२, १३४; १६६, १६,
२०, २१, २६; १७२७, २८, ३०, ३४, ३५, ५४, ७६
से ८१, ८३, ८६ से ९१, ९६, १०५; १६४;
२०१४, ५, १३, १६, २५, ३०, ३५, ३७, ५४, ५६;
२१५५, ६२, ७१; २२१११ १३, १५, १७, १६,
२०, २६, २७ ३१, ३५, ३७, ३९, ४१, ४२, ४४,
४७, ५३ से ५८, ६९, ७५, ७६, ७६, ८२, ८८,
९०, १००; २३१२, ४ से ७, १०, ११; २४११, ३,

५, १०, ११, १४, १५; २५११, २, ४; २६११, ३, ४,
५, ६; २७११, २, ६; २८११, ७४, १०१, १०२,
१०५, १०६, १०६, १११, ११५ से ११७, १२२,
१२७, १३२; २६१५, २२; ३०१४, २४;
३१५, ६१; ३२५; ३३३०, ३४, ३७;
३४४, ५, ११ से १४; ३५३, ५, ७, ६, १११५,
२३; ३६४ से ६, ११ से १३, १५, २०,
२६, २७, ३०, ३२ से ३४, ४१, ४३ से ४५, ४७;
५०, ६५, ६६, ७२, ७३ ज १६०, ६५, ६६,
१००, १०१, १०२, १०४, १०६, ११०, ११३ से
११६, १२०, ४२४८, २५० से २५२; ५१६,
२६, २८, ४७, ६७, ७२, ७३, ७४

वेमाणियत्त (वैमानिकत्व) प ३६११८, २०, २२, २४,
२६, २७, ३० से ३४, ४६, ४७

वेमायत्त (विमायत्व) प २८३६, ४२, ४५, ४६, ७१

वेमाया (विमाया) प ७४; १३२२११; २८३८

वेय (वेय) वेइसु प १४१२ वेइस्मति
प १४१२ वेइसु प २३१५, १६, १८ से २०
वेइति प १४१२

वेय (वेय) प १४२११

वेय (वेद) प १४१८१

वेयग (वेदक) प २७३५

वेयड्ड (वैताड्ड) ज ११२८ से २०, २३ से २५,
२८, ३२, ३३, ४६११, ४७, ४८; २१३३; ३११,
६१, १३७, २२०; ४१६७ से १६६, १७२११,
१७३, १७७

वेयड्डकूड (वैताड्डकूड) ज १३४, ४६; ६११

वेयड्डगिरि (वैताड्डगिरि) ज २१३११; ३१२२०
उ ५१०

वेयड्डगिरिकुमार (वैताड्डगिरिकुमार) ज १४७;
३६३ से ६६, ६८, ७२

वेयड्डपध्वय (वैताड्डपध्वय) ज १३४, ३५, ४१;
३६०, ६१, १३६, १३७; ४३५, ३७, १६७, १७४

वेयणा (वेदना) प १११७; २१२० से २२, २४, २५,
२७; ३५८, १०, २०; ३६१११ ज २४३
उ १६०, ६२, ८५, ८७

वेयणासमुग्धाय (वेदनासमुग्धात) प ३६।३५, ३७, ३६, ४१

वेयणिज्ज (वेदनीः) प २२।२८; २२।२९; २४।१०, ११; २५।३, ४; २६।८; ३६।८२ ज ३।२२५

वेयय (वेदक) प २५।४

वेयवेयय (वेदवेदक) प १।१।६

वेर (वैर) ज १।४२, १३३

वेरमण (वियमण) प २०।१७, १८, ३४

वेराणुबंध (वैराणुबन्ध) ज २।४२

वेराणुमय (वैराणुमय) ज २।२८

वेरिय (वैरिक्) ज २।२८

वेरुलिय (वैडूर्य) प १।२०।४ ज १।३७; ३।१२, ८८, ६२, ११६, १६७।१२, १७८; ४।२४२, २६४; ५।५, २१५, ७।१७८

वेरुलियकूड (वैडूर्यकूट) ज ४।७६

वेरुलियमणि (वैडूर्यमणि) प १७।११६, १४८ ज ४।३, २५

वेरुलियमय (वैडूर्यमय) ज ३।१२, ८८; ४।७, २६, १६२, २४२, २६४; ५।५

वेरुलंबग (विडम्बक) ज २।३२

वेरुलंबय (विडम्बक) ज २।३२

वेला (वेला) प २।१ उ ३।११०

वेलु (वेणु) प १।४।१२

वेलुय (वेणुक) प १।४।६१

वेस (वेप) प २।४१ ज २।१५; ३।१२८, १७८ सू २०।७

वेसमण (वैशमण) ज ३।१८, ३१, ६३, १८०; ४।१७२।१; ५।६८ से ७१; ७।१२२।२ सू १०।८४।२ उ ६।५४

वेसमण (वैशमण) (वैशमणकायिक) ज १।३१

वेसमणकूड (वैशमणकूट) ज १।३४, ४६; ४।४४, ४३, २०२

वेसाणिय (वैसाणिक) प १।८६

वेसाली (वैसाली) उ १।१०५ से १०७, ११०, १११, ११५, ११६, १२६, १३०, १३२

वेसासिय (वैशवासिक) उ ३।१२८

वेहल्ल (वेहल्ल) ज १।६५ से ६६, १०२ से ११७, ११६, १२७, १२८ राया श्रैणिक का एक पुत्र ।

वेहास (वेहास) ज ३।१३१, १३२; ५।६४ उ १।६७

वेहासकडच्छाया (वेहासकडच्छाया) सू ६।४

वोक्काण (वे०) प १।८६

√वोच्छ (श्रू) वोच्छणि ज ७।१३५।१ सू १६।२२।३१

√वोच्छिद (वि० अ० छिद्) वोच्छिजिस्सइ ज २।१२६, १५८

वोच्छिण (व्योच्छिण) सू ८।१ उ ३।३४

वोच्छिणपोहन (वोच्छिणपोहन) १।५०, ७५

वोच्छेयकडुड (व्यदच्छेयकडुड) प १७।१३४

√वोचद (व्य०) वोचदणिति ज २।१३४

वोच्च (उच्च) ज ३।२११; ५।५८

वोडाय (वे०) प १।४४।१

वोयड (व्य० वृत्) प १।१।३।२

वोलीण (वे०) सू २०।६।४

वोसुट्ठकाय (वस्सुट्ठकाय) ज २।६७

वैसाह (वैसाह) ज ७।१०४

व्व (व्व) प १।१०।१७; २।४८ ज २।१५; ३।२४।३, ३७।१, ४५।१, १३।१।३ उ १।३५

स

स (स) प २।३०, ३१, ४१, ४६, ५०, ५८ ज १।१६; २।१२०; ३।१२, १७८ सू १०।७४ उ ३।२६, ५५, १४१; ४।२२

स (स) प १।४।४६; २।३०, ३१, ३२, ४१, ४६, ५६, ६३, ६६ ज १।८, १६, २२, २६, ३१, ३५; २।६४, ७१, ७२, ७७ से ८२; ३।६, १७, १८, २१, २८, ३०, ३५, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ७६, ८१, १०१, ११६ से ११८, १२८, १४७, १५१, १६७, १६८, १८०, २१२, २१३, २२०; ४।३, १३, २१, २५, ३६, ४०, ४१, ५०, ५१, ५६, ६७, ११५, ११४,

१. हे० ४।१६२

११६, १३५, १४७, १५५, १५६, २२१ से २२४,
 २५६, २७७; ५११, २१, ३२, ४१, ४३, ५०, ५८;
 ६१०, ११, १४, १५, १८, १९, २१, २२, २६;
 ७१४, ४६, ६३, ६६, ८७, ९०, ११०, ११४, १३२,
 १६७, १८३, १९४ सू १८११; २०१२, ७
 उ ११२६, ४४ से ४६, ६३, १०५, १०६, ११५,
 ११६, ११९, १३८, १४८; ४५; ५१२८

सअंतर (सान्तर) प ६१११

सई (सकृत्) सू ११२२, १४

सईदिय (सेन्द्रिय) प ३४० से ४३, ४६; १८१३,
 १८, १९

सइय (शक्ति) ज ४१६२, १६८, २०४, २१०,
 २३६, २६६, २७५

सउण (शकुन) ज २१२२; ४३, २५

सउणहय (शकुनस्त) ज २१६४

सउणि (शकुनि) ज २१६६; ७१२३ से १२५,
 १३३१

सउणिपलीणगसंठिय (शकुनिप्रलीनकसंस्थित)
 सू १०१२६

संकड (संकट) ज ३१२११

संकप्प (संकल्प) ज ३१२६, ३६, ४७, ५६, १०५,
 १२२, १२३, १३३, १४५, १८८; ४१४०११;
 ५१२२ उ १११५, ३५, ४१ से ४४, ५१, ५४, ६५,
 ७१, ७६, ७९, ९९, १०५; ३१२६, ४८, ५०, ५५,
 ६८, १०६, ११८, १३१; ५१३६, ३७

संकम (संक्रम) प १०३० ज ३१६६ से १०१, १६१
 सू १६१२२१२

संकम (सं-+क्रम) संकमति सू २१२

संमण (संक्रमण) सू १६१२२१२

संकममाण (संक्रामत्) ज ७११०, १३, १६, १९, २२,
 २५, २७, ३०, ६६, ७२, ७५, ७८, ८१, ८४
 सू १११४, १६, १७, २१, २४, २७; २१२, ३; ६११

संकला (संखला) ज ३३३

संकाइय (दे०) ३५१, ५३, ५५, ५६, ६३, ६४, ६७, ६८,
 ७१, ७३, ७४, ७९

संकाइयग (दे०) उ ३५१

संकास (संकाश) प १४८५५६ ज २१७८; ३११

संकिलिट्ठ (संकिलण्ट) १७११४११, १३८;
 २३११६५

संकलिस्समाण (संकिलट्टयमाण) प १११३३, १२८

संकिलेसबहुल (संकलेसबहुल) ज १११८

संकुचियपसारिय (संकुचितप्रसारित) ज ५१५७

संकुड (दे० संकुच) सू १६१२२१५

संकुडिय (दे० संकुचित) ज २११३३

संकुय (संकुच) ज ७३१, ३३ सू ४३३, ४, ६, ७

संकुल (संकुल) ज २१६५; ३११७, २१, १७७; ५१२५

संख (शंख) प १४६; २३११; १७१२२८ ज २११५,
 २४, ६४, ६८, ६९; ३३३, १२, ७८, १६७११, १०,
 १७८, १८०, २०६; ४८५, १२५, २१२, २१२११;
 ५६२; ७११७८ सू २०१८, २०१८२

संखणग (शंखनक) प १४६

संखणाभ (शङ्खनाभ) सू २०१८

संखवल (शङ्खदल) प २१६४

संखघमा (शंखधमायक) उ ३५०

संखमाल (शङ्खमाल) ज २१८

संखघण्णाभ (शङ्खवर्णाभ) सू २०१८

संखसणाम (शंखसनामन्) ज ७११८६१२

संखायण (शंखायन) ज ७११३२११ सू १०१६३

संखार (शंखकार) प ११६७

संखावत्त (शंखावर्त) प ६१२६

संखिज्ज (संख्येय) ज ३१६२; ५१५

संखित्त (संक्षिप्त) ज ११८, ३५, ५१; ४४५, ११०,
 ११४, १५६, २१३, २४२

संखित्तविउल्लतेयलेस्स (संक्षिप्तविपुल्लतेजोलेस्य)
 ज ११५ उ ११३

संखिय (शांखिक) ज २१६४; ३३१, १८५

संखेज्ज (संख्येय) प १११३, २०, २३, २६, २९, ४०,
 ४८, ११४८१, ४०, ५७; ३११८०; ५१२, ३, ५, १२६,
 १२७, १४२, १४३; ६१३५ से ४१, ६०, ६१, ६४,
 ६६, ६८; १०१६, १८ से २७, २९, ११५०,
 ७२; १२३२, ३३, ३६; १५१८३, ८४, ८७, ८९,

६१,६३ से ६६,१०३,१०४,११०,११२,१२२,
१२३,१३० से १३२,१३५ से १३७,१३६,
१४२,१४३;१५१५,२० से २३,२८,३२ से
३५,४७,५० से ५२;३३११,१५;३६५,१४,
१७ से २०,२२,२३,२५,३३,४४,७०,७२,७४
२४,५८,१५७;५१७ नू १६३०,३१

संखेज्जभाग (संख्येयभाग) प ६४४३; २११६५ से
७०;३६१७२

संखेज्जगुण (संख्येयगुण) प ३४ २५,३७,३६,४३,
४४,४६,५३ से ५८,६०,६४ से ७१,८८ से
९५,९७,९९,१०६,११०,१२८ से १४०,१४४
से १५५,१७१ से १७४,१७७,१७९ से १८३;
५१५,१०,२०,३२,१२६,१३४,१५१;६११२३;
८५,७,६,११;१०१२६,२७;१५११३,३१;
१७५६,६३,६४,६६ से ६८,७१ से ७३,७६,
७८,८० से ८३;२११०५;२८७,५३;
३४१२५;३६३५ से ४१,४८ से ५१ ज ७१६७
नू १८३७

संखेज्जजीविय (संख्येयजीवित) प १४८४१

संखेज्जतिभाग (संख्येयभाग) प १२१६; १५१४१

संखेज्जपएसिय (संख्येयप्रदेशिक) प ५१३४,१६२,
१६३,१८१,१६६,१६७,२१७,२१८; १०१४,
१७,२६,२६

संखेज्जपदेशिय (संख्येयप्रदेशिक) प ३१७६;

५१२७,१३३,१८०,१८१;१०१८,२१,२६

संखेज्जभाग (संख्येयभाग) प ५१५,१०,२०,३०,
३२,१२६,१३४

संखेज्जवासाउग (संख्येयवर्षाणुक) प ६१७१

संखेज्जवासाउज (संख्येयवर्षाणुक) प ६१७१,७२;

७६,९७,९८,११३,११६;२१५,३,५४,७२

संखेज्जसामयटिठतीय (संख्येयसमयस्थितिक)

प ३१२१;५१४८

संखेज्जसमयठितीय (संख्येयसमयस्थितिक)

प ३१८१

संखेव (संक्षेप) प ११०११

संखेवरुचि (संक्षेपरुचि) प ११०१११

संखोहबहुल (संक्षो.भवहुल) ज ११२८

संग (गङ्ग) ज २१७०

संगइय (साङ्गितिक) ज २१२६

संगथ (मंग्रन्थ) ज २१६६

संगत (सङ्गत) नू २०१७

संगय (सङ्गत) ज २१४,१५; ३१०६,१३८;
७११७८

संगह (मंग्रह) प १६४६

संगहणिगाहा (मंग्रहणीगाथा) प २४७; २१४७

संगहणी (संग्रहणी) ज ११७; ६१६१; ७१६७

नू १६१ उ ३१७१; ४१२८; ५४५

संगहणीगाहा (संग्रहणीगाथा) प १०५३

संगहिय (संग्रहीत) ज ३३५

संगाम (संग्राम) ज ३१६२,११६ उ ११४,१५,
२१,२२,२५,२६,१२६,१३७,१४०

संगामेमाण (सङ्ग्रामेत्) उ १२२,२५,२६,१४०

संगेल्लि (दे०) ज ३१७६

√संगोव (गं; गुप्) संगोवेति ज २४६,५६

संगोवेस्सति ज २१५६

संगोविज्जमाण (संगोप्यमान) उ २४६

संगोवेत्ता (संगोप्य) ज २४६

संगोवेमाण (संगोपयत्) उ १५७,५८,८२,८३

संघ (सङ्घ) प २३०,३१,४१ ज १३१; २१३१
उ ५१५

√संघट्ट (सं- घट्ट) संघट्टेति प ३६६२

संघट्टा (संघट्टा) प १४०३ इति नाम की लता

संघवाहिर (संघवाह्य) नू २०१४

संघयण (संहनन) प २३०,३१,४१,४६; २३१६८,
१०५,१०७,१६० न १४५,२१६,४६,५८,८६,
१२३,१२६,१२८,१४८,१५१,१५७,४१०१,
१७१ नू १५१

संघयणगाम (संहननगाम) प २३३८,४५ ६४

मे ६७,६६,१००

संघयणपञ्जव (संहननपर्यय) ज २११,५७,१२१,

१२६,१३०,१३८,१४०,१४६,१५४,१६०,१६३

संघरिससमुद्धिय (संघर्षसमुत्थित) प ११२६

संघाडम (संघातिम) ज ३१२११

संघाड (संघाट) प ११४८६२

संघाडय (संघाटक) ज ३११००, १३३

√संघात (संघात) संघातैति सू १११८

संघाय (संघात) प ११४७१२, ३ ज ७११७८

√संघाय (संघात) संघातैति प ३६१६२

संघय (संघ) ज २११६; ३११६७१४

संघाय (संघ) संघाय उ ११५२; ३११०६

संघाय (संघ) संघाय उ २०११७, १८, ३४ संघाय

उ ११६५; ३१३१ संघाय उ ११६६

संघाय उ ३१३०

संघारिभ (संघारिभ) ज ३१११७

√संघिदुठ (संघिदुठ) संघिदुठ उ ११३८; ३१५६

संघिदुठ उ ११८६; ३१७६

संघिय (संघिय) प २३१३२ से २३ ज ३१२२१

संघण (संघण) ज ४३, २५

संघत (संघत) प ३११०५; ६१६७, ६८; २११७२;

३२१६१

संघतासंघत (संघतासंघत) प ६१६८; २११७२;

३२१६३

संघतासंघय (संघतासंघय) प ३२१४

संघम (संघम) प ११११७ ज ११५; २०८३; ३१३२१

उ ११२, ३; ३१२६, ३१, ६६, १३२; ५१२६

संघय (संघय) प ३१११, १०५; ६१६८; १७२५,

३०, ३३; १८१११, १८१८६; २११७२;

२८१०६१, २८११२८; ३२११ से ४, ६ ६१

संघयासंघय (संघयासंघय) प ३११०५; ६१६७;

१७२३, २५, ३०; १८१६१; २११७२; २२१६२;

२८१३०; ३२११, २, ६

संघलण (संघलण) प १४१७; २३१३५

संघलण (संघलण) प २३११८४

संघा (संघात) ज ३११११, १२५ उ ११८६

संघायोडहल (संघायोडहल) ज ११६

संघायसंघय (संघायसंघय) ज ११६

संघायसड्ड (संघायसड्ड) ज ११६

संघुत्त (संघुत्त) प १५१५७

संघोग (संघोग) प २११११ ज ५१५७; ७१३४२, ३

संघोय (संघोय) प ११८४; १६१५

संघोयणाहिकरणि (संघोयणाहिकरणि)

प २२३

संघाभराग (संघाभराग) प १७१२६

संघा (संघा) प २१४०११

संघाण (संघाण) प ११४ से ६, ४७११; २१२० से

२७, ३०, ३१, ४१, ४८ से ५०, ५४, ५८ से ६०,

६४, ६४१, ४, ५, ६; १०११५ से २४, २६ से

३०; १५१११, १५१२ से ६, १८, १६, २१, २६,

३०, ३५; २११११, २११२ से ३७, ५६ से ६२,

७३, ७८ से ८०, ६४; २३१००, १६०; ३०१२५,

२६; ३३१११, ३३१२ से २३; ३६८१ ज ११५,

७, ८, १८, २०, २३, ३५, ५१; २११६, २०, ४७,

८६, १२३, १२८, १४८, १५१, १५७; ३१३, ६५,

१५६; ४१, ३६, ४५, ५५, ५७, ६२, ६६, ७४, ८४,

८६, ९१, ९७, ९८, १०१, १०२, १०३, १०८, ११०,

१६७, १७८, २१३, २४२, २४५; ७३१, ३२१,

३३, ३५, ५५, १२७११, १२६११, १३३११, १६७११;

१६८२, १७६ चं ३२ सू ११७२, १११४;

१०६; १३११७; १८८ उ १३

संघाणओ (संघाणओ) प ११५ से ६

संघाणतो (संघाणतो) प ११७ से ६

संघाणणाम (संघाणणाम) प २३३३८, ४६

संघाणपणजव (संघाणपणजव) ज २१५१, ५४, १२१,

१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३

संघाणपरिणाम (संघाणपरिणाम) प १३२१, २४

संघाणा (वे०) सू १०६, ६२, ६७, ६८, ७५, ८३,

१०३, १२०, १३१ से १३३; १२२० मृगशिरा

नक्षत्र

संठि (संठि) ज ७३११, ३३, ३५ चं २१; ३१,

५१ सू १६११, १७११, १६११

संठित (संठित) प २१२० से २७, ३०, ३१, ४१,

४८ से ५०, ५४, ५६, ६०, ६४ सू १।२५; ३।२;
 ४।२ से ४, ६, ७, ९, ३३, ३६; १०।२७ से ३१,
 ३३, ३४ से ४४, ४६ से ५४; १।८।८; १।६।२, ३,
 ६, ९, १२, १३, १६, १७; २।२।२, १५
संठिति (संस्थिति) ज २।४६ सू १।१५, १६, १७,
 २५; ४।१ से ४, ६, ७, ९; ६।१; ८।१; ९।२;
 १३।१७
संठिय (संस्थित) प २।४८, ६४; १५।२ से ६, १८,
 ५६, २१, २६, ३०, ३५; २।१।२१ से ३७, ५६ से
 ६२, ७३, ७८ से ८१, ८३; ३।३।१६ से २६;
 ३।६।८ ज १।५, ७, ८, १८, २०, २३, ३५, ३७,
 ४८, ५१; २।१५, १६, २०, ४७, ८६; ३।६, ६४,
 ६५, १३३, १३५, १५८, १५९, १६७, २२२; ४।१,
 २३, ३८, ३९, ४४, ५५, ५७, ६२, ६५, ६६, ७३, ७४,
 ८६, ९०, ९१, ९७, ९८, १००, १०८, ११०, १२८;
 १६।७।११, १६६, १७८, २१३, २४२, २४५;
 ५।४३; ७।३१ से ३३, ३५, ५५, १३३, १६७,
 १७६, १७८ सू १।५, १४; ४।६ उ १।३
संठ (षण्ड) ज ३।११७, १८८
संठिल्ल (शाण्डिल्य) प १।६३।३
संणय (सन्नत) ज ३।१०६
संत (सत्) प १।४।३ ज २।६४, ६६ सू २०।६।२
संत (शान्त) ज २।६८
संत (श्रान्त) उ १।५२, ७७
संतइभाव (संतिभाव) प ८।४, ६
संततिभाव (सन्ततिभाव) प ८।८, १०
√संतप्प (सं + तप्) संतप्पंति सू ६।१
संतप्पमाण (संतप्पमान) सू ६।१
संतय (सन्तत) प ७।१
संतर (सान्तर) प ६।४७ से ५८; ११।७०, ७१
संताणय (सन्तानक) सू २०।८
√संताव (सं + तापय्) संतवेति सू ६।१
संतिकर (शान्तिकर) ज ३।८८
√संथर (सं + स्तृ) संथरइ ज ३।२०, ३३, ५४, ६३,
 ७१, ८४, १३७, १४३, १६६ संथरेंति ज ३।१११

संथरित्ता (संस्तृत्य, संस्तीर्यं) ज ३।२०
संथरेत्ता (संस्तृत्य, संस्तीर्यं) ज ३।१११
संथव (संस्तव) प १।१०।१।२३
संथार (संस्तार) ज ३।११३
संथारग (संस्तारक) ज ३।१११
संथारय (संस्तारक) ज ३।१११
√संथुण (सं + स्तु) संथुणइ ज ५।५८
संथुणित्ता (संस्तुत्य) ज ५।५८
संथुय (संस्तुत) ज २।६६
संथुव्वमाण (संस्तुयमान) ज ३।१८, ६३, १८०
संदमाणिया (स्यन्दमानिका) ज २।१२, ३३
संधि (सन्धि) प १।४।३।६ ज २।१५, १३३; ४।१३,
 २६
संधिकम्म (सन्धिकर्मन्) ज ३।३५
संधिवाल (सन्धिपाल) ज ३।६, ७७, २२२ उ १।६२
√संधुक्क (सं + धुक्) संधुक्केइ उ ३।५१
संधुक्केत्ता (संधुक्क्य) उ ३।५१
√संधुक्ख (सं + धुक्) संधुक्खंति ज ५।१६
संधुक्खित्ता (संधुक्क्य) ज ५।१६
संनिक्खित्त (सन्निक्षिप्त) ज १।४०
संनिचित (सन्निचित) उ ५।५
संनिवडिय (संनिपतित) उ १।२३, ६१
संनिविट्ठ (संनिविष्ट) ज ४।२७; ५।४
संनिसण्ण (संनिषण्ण) उ ३।६१
संपउत्त (संप्रयुक्त) ज ३।३५, ८२, १०३, १७८,
 १८७, २१८
संपखालग (सम्प्रक्षालक) उ ३।५०
संपगहिय (सम्प्रगृहीत) ज ३।३५, १७८
संपट्ठित (सम्प्रस्थित) प १।६।२२
संपट्ठिय (सम्प्रस्थित) ज ३।१७८, १७९, २०२,
 २१७; ५।४३
संपणदित्त (संप्रणदित) प २।३०, ४१
संपणदिय (संप्रणदित) प २।३१
संपणादित्त (संप्रणादित) ज १।३१
संपण्ण (संपन्न) उ १।२; ३।१५६; ५।२६

संपत्त (सम्प्राप्त) ज ५१२१ सू २३ उ ११४ से
 ८,६३,६३,१४२,१४३; २१ से ३,१४,१५,
 २१; ३१ से ३,२०,२३,२६,८८,१२६; १५३,
 १५४,१६६,१६७,१७०; ४१ से ३,२७; ५११,
 ३,४४

संपत्ति (सम्प्राप्ति) उ १४१,४३,४४

संपत्स्थिष्य (सम्प्रस्थित) उ ३६३,६७,७०,७३

संपन्न (सम्पन्न) ज २१६

√संपमञ्ज (सं+प्र+मृञ्) संपमञ्जेज्जा ज ५१३,
 ७५ से ७६

संपया (संपदा) ज २७४

संपराइयबंधग (साम्परायिकबन्धक) प २३६३

संपराइयबंधय (साम्परायिक बन्धक) प २३१७६

संपराय (सम्पराय) ज ३१०३

संपरिक्खित्त (सम्परिक्षिप्त) ज १७,६,२३,२५,
 २८,३२,३५; ४११,३,६,१४,२५,३१,३६,४३,
 ४५,५७,६२,६८,७२,७६,७८,८६,९०,९५,
 १०३,१४१,१४३,१४८,१४९,१५२,१७४,
 १७६,१७८,१८३,२००,२१३,२१५,२३४,
 २४०,२४१,२४२,२४५; ५३८ सू ३११; १६१,
 १२,२८,३२,३६ उ ५१८

संपरिवुड (सम्परिवृत) ज २१८८,६०; ३६,१४,
 १८,२२,३०,३१,३६,४३,५१,६०,६८,७७,
 ७८,६३,१३०,१३६,१४०,१४६,१७२,१८०,
 १८६,२०४,२१४,२२१,२२२,२२४; ५११,५,
 २२,४६,४७,५६,६७ उ ११२,१६,६२,६३,६७,
 ६८,१०५ से १०७,१२१,१२२,१२६ से १२८,
 १३३; ३११११; ४११८; ५११६

संपलाग (सम्प्लान्न) ज ३१०७,१०६ उ ११३८

संपलियंरु (संपर्याङ्क) ज २१८८

संपाविडकाम (सम्प्राप्तुकाम) ज ५१२१

संपिण्डिय (सम्पिण्डित) प १६१५ ज २१२

संपिण्ड (संपिण्ड) ज २१३३; ३२४

संपुच्छण (सम्प्रच्छन) ज ५१५

संपुण्ण (सम्पूर्णा) ज ३२२१ उ १३४

संपुण्णदोहल (सम्पूर्णदोहल) उ १५०.७५

√संपेह (सं+प्र+ईक्ष्) संपेहेइ ज ३२६,३६,४७
 उ ११७; ३२६ संपेहेति ज ३१८८
 संपेहेमि उ १७६

संपेहेत्ता (सम्प्रेक्ष्य) ज ३२६ उ ११७; ३२६

संब (शम्ब) उ ५१०

संबधि (सम्बन्धिन्) ज ३१८७ उ ३५०,११०,
 १११; ४१६,१८

संबद्ध (संबद्ध) ज २२० से २७

संबद्धलेसाग (संबद्धलेस्याक) सू १६११२

संबररुहिर (शम्बररुधिर) न १७१२६

संबाह (सम्बाध) ज २२२,३१८,३१,१८०,२२१
 उ ३१०१

संबुद्ध (सम्बुद्ध) उ ३४५

संभंत (सम्भ्रान्त) उ १३७

संभम (सम्भ्रम) ज ३२०६; ५१२२,२६

संभव (सम्भव) ज ७११४

संभिन्न (सम्भिन्न) प ३३१८

संभिय (श्लेषिक) उ ३३५

संभूयग (सम्भूतक) उ ३६८

संभोग (सम्भोग) उ १२७,१४०

संमञ्जग (सम्मञ्जक) उ ३५०

संमञ्जण (सम्मार्जन) उ ३५१,५६,७१,७६

संमञ्जिय (सम्मार्जित) ज २६५; ३७,१८४;
 ५१५

संमट्ठ (सम्मुष्ट) ज २६; ३७; ५१५

संमुच्छ (सं+मुच्छ्) संमुच्छंति सू ६१ संमुच्छति
 सू २०१

संमुच्छिता (सम्मुच्छ्य) सू २०१

संमुच्छिय (सम्मुच्छित) सू ६१

√सम्माण (सं+मान्) सम्माणेइ उ ११०६;
 ३११० सम्माणेति उ ५३६ सम्माणेमि
 उ ११७

संलवमाण (संलवत्) उ १४७

संज्ञाव (संज्ञाव) ज २१५; ३१३८ सू २०१७

संलेहणा (सलेखना) ज ३२२४ उ २१२२; ३११४,
 ८३, १२०, १५०, १६१, १६६; ५१२८, ४३
 संवच्छर (संवत्सर) प ४१६५, ६७; २३१७४, १८७
 ज २४, ६६, ६६; ७१२०, २५, २६, ३७, १०३,
 १०४, ११२२, ३, ११३, ११४, १२६
 कं २३; ५३ सू १६३; ११६, १३, १४, १६,
 १७, २१, २४, २७; ३३; ६१; ८१; १०१२४
 से १२७, १२६२, ३, १३०, १३८ से १६१;
 १११ से ६; १२१ से ६, १० से १३, १६ से
 २८, ३०; १३२; २०३ उ ३१२६, १३४
 संवच्छरण (संवत्सरण) सू १६३
 संवच्छरिय (संवत्सरिकर्य) ज २४; ३२१२, २१३,
 २१६; ७११०, १२७ सू १०१२२, १२३
 संवट्टकप (संवर्तकल्प) उ ११३६
 संवट्टग (संवर्तक) ज २१३१
 संवट्टगवाय (संवर्तकवात) प १२६ ज ५५
 √संवड्ड (सं + वृध्) संवड्डेहि उ १५८ संवड्डेमि
 उ १८३ संवड्डेहि उ १५७
 संवड्डमाण (संवर्धमान) उ १५४
 संवड्डिजमाण (संवर्धमान) उ ३४६
 संवत्त (संवृत्त) ज ३१०६
 संवद्धिय (संवद्धित) ज ३३५
 संवर (संवर) प १६४ मृग की जाति
 संवर (संवर) प ११०१२
 संवाह (संवाह) प १७४ ज २२२
 संविक्रिण (संविकीर्ण) प २४१ ज १३१
 संविण्ण (संविकीर्ण) प २३०, ३१
 सविण्ण (संविण्ण) ज ३३१
 संवुक्क (दे०) प १४६
 संवुड (संवृत) प ६२० से २३ सू २०७
 संवुडजोणिय (संवृतयोनि) प ६२५
 संवुडवियड (संवृतविवृत) प ६२० से २३
 संवुडवियडजोणिय (संवृतविवृतयोनि) प ६२५
 संवुत्त (संवृत्त) ज ४१३
 संवुय (संवृत्त) ज ३२२२
 संसयकरणी (संशयकरणी) प ११३७२

संसत्त (संसक्त) उ ३१२०
 संसत्तविहारि (संसक्तविहारिन्) उ ३१२०
 संसार (संसार) प २६४, ६४१ ज २७०
 उ ३११२
 संसारअपरित्त (संसारापरीत) प १८१०६, १११
 संसारत्थ (संसारत्थ) प ३१८३
 संसारपरित्त (संसारपरीत) प १८१०६, १०८
 संसारपारगामि (संसारपारगामिन्) ज २७०
 संसारसमावण्ण (संसारसमापन्नक) प ११०, १४,
 १५, ४६ से ५२, १३८
 संसारसमावण्णग (संसारसमापन्नक) प ११३६;
 २२८
 संसिय (संश्रित) ज ३८१ उ ३५५
 संहित (संहित) प १४७३
 संहिय (संहित) ज २१५
 सकथा (सकथा) उ ३५११
 सकसाइ (सकषायिन्) प ३६८, १८३; १८६४;
 २८१३२
 सकहा (दे०) ज २११३
 सकाइय (सकायिक) प ३५० से ५३, ६०; १८२५;
 ३०, ३१
 सकिरिय (सक्रिय) प २२७, ८
 सकोरंट (सकोरण्ट) ज ३६, १८, ७७, ७८, ६३,
 १८०, २२२
 सकक (सक्य) प १४८५७ ज २६१
 सकक (सक) प २५०, ५१ ज १३१; २८६, ६०,
 ६३, ६५, ६७, ६६, १०१, १०३, १०५, १०७, १०८,
 १११, ११३, ११८; ३११५, १२४, १२५;
 ४१७२; २२२, २२३१, २३५, २४०, २४३;
 ५११८, २० से २३, २७ से २६, ३६, ४१, ४३,
 ४५ से ५०, ६१, ६२, ६५ से ६६, ७२, ७३
 उ ३१२३, १५०
 सवकरपभा (शर्कराप्रभा) प १५३; २१, २०, २२;
 ३१२, २२, २३, १८३; ४७, ८, ६; ६११, ७४,
 ७५; १०१; २०५१, ५४; २१६७; ३३४, १६

सकारण्यभापुढविणेरइय (शर्कराप्रभापृथिवीनैरयिक) प २०५२, ५५
 सकारा (शर्करा) प ११२०१; १७११३५
 ज २११७, ६८; ४१२५४
 सकार (सत्कार) ज २१२५; ३१२१७ उ ११६२;
 ५११७
 √सकार (सत्कारय्) सकारेइ ज ३६, २७, ४०,
 ४८, ५३, ५७, ६५, ७३, ६१, १२७, १३४, १३६,
 १४६, १५१, १५२, १८६, २१६ उ ११०६;
 ३१११० सकारैति उ ५१३६ सकारेज्ज
 ज २१६७ सकारेमि उ १११७
 सकारणिज्ज (सत्कारणीय) सू १८१२३
 सकारवत्तिय (सत्कारप्रत्यय) ज ५१२७
 सकारिय (सत्कारित) ज ३१८
 सकारेत्ता (सत्कार्य) ज ३६ उ ३५०
 सक्कुलिकण्य (शक्कुलिकर्ण) प ११८६
 सक्कोत्त (सक्कोश) ज ११२३, ३५
 सखिखिणी (सकिकिणी) ज ३१२६, ३०, ३६, ४७,
 ५६, ६४, ७२, ११३, १३३, १३८, १४५, १७८
 सग (स्वक) प २१६२, ६३; ३३१६, १७
 ज २१२०; ३१८१, ८६, १०२, १५६, १६२
 सग (शक) प ११८६
 सगंथ (सग्रन्थ) ज २१६६
 सगड (शकट) ज २११२, ३३, ७१; ७३१
 सगडवूह (शकटव्यूह) उ ११३७
 सगडुद्धिसंठिय (शकट 'उद्धि' संस्थित) सू १०३७
 सगडुद्धी (शकट 'उद्धि') ज ७१३३१
 सगडुद्धीमुहसंठिय (शकट 'उद्धि' मुखसंस्थित)
 ज ७३११, ३३
 सगडुद्धीसंठिय (शकट 'उद्धि' संस्थित) ज ७३२११
 सगल (शकल) प १४७१२; २१३१ ज ७१७८
 सू ८११; १३३३
 सगोत्त (सगोत्र) सू १०६२ से ११६
 सच्चित्त (सचित्त) प ६१३ से १७ ज २६६
 सच्चित्तकम्म (सच्चित्तकर्मन्) सू २०१७ उ २१८
 सच्चित्तजोगि (सच्चित्तयोगि) प ६१६

सच्चित्तजोगिय (सच्चित्तयोगिक) प ६१६
 सच्चित्ताहार (सच्चित्ताहार) प २८११, २
 सच्च (सत्य) प ११०१११० उ ११२४
 सच्चमासग (सत्यभाषक) प १११६०
 सच्चमण (सत्यमनम्) प १६११ से ३, ७, ८, १०,
 ११, १५, १८ से २१
 सच्चमणजोग (सत्तमनोयोग) प ३६१८६
 सच्चवइजोग (सत्यवाक्योग) प ३६१६०
 सच्च्वा (सत्य) प १११२, ३, ३२, ३३, ४२ से ४६, ८२,
 ८४, ८५, ८८, ८९
 सच्च्वामोत्त (सत्यामृषा) प १११२, ३, ३५, ३६, ४२,
 ४३, ४५, ४६, ८२, ८४, ८५, ८८, ८९
 सच्च्वामोत्तमासग (सत्यामृषाभाषक) प १११६०
 सच्च्वामोत्तमण (सत्यामृषामनन्) प १६११, ७
 सच्च्वामोत्तमणजोग (सत्यामृषामनोयोग) प ३६१८६
 सच्च्वामोत्तवइजोग (सत्यामृषावाक्योग) प ३६१६०
 सच्चित्त (सचित्त) प २८१११
 सच्च्छंद (स्वच्छन्द) प २१४१
 सच्च्छंदमइ (स्वच्छन्दमति) उ ३११६; ४१२२
 सच्च्छीर (सक्षीर) प १४८८३६
 सजोगि (सयोगिन्) प ३१६६, १८३; १८५५;
 २८१३८; ३६१६२
 सजोगिकेवलि (सयोगिकेवलिन्) प १११०८, १०६,
 १२१, १२२
 सजोगिभवत्थकेवलि (सयोगिभवत्थकेवलिन्)
 प १८१०१, १०२
 सज्ज (सज्ज) ज ३१७८
 सज्जाय (सर्जक) प १४८५४६ पीत्त शालवृक्ष
 √सज्जाय (सज्जय्) सज्जावेत्ति उ ११३५
 सज्जावेत्ता (सज्जयित्वा) उ ११३५
 सज्जाय (स्वाध्याय) उ ३१३१
 सट्ठ (षट्ठ) ज ३१७८ सू ११२१
 सट्ठाण (स्वस्थान) प २११, २, ४, ५, ७, ८, १०, ११;
 १३, १४, १६ से ३१, ४६; ५३५, ४२, ४६, ५४,
 ५७, ६०, ६४, ६६, ७५, ७६, ६०, ६४, ६८, १०८,

११२, ११६, १२२, १५१, १६४, १६७, १६९;
 १६४, १६८, २०१, २०४, २०८, २१२, २१५;
 २१६, २२२, २२५, २४३, २४४; ६।६३;
 १५।१०२, १२१, १२२, १२७; ३६।२०, २४, २६,
 २७, ४७
 सट्ठि (षष्टि) प २।३३ ज १।२६ उ २।१२
 सट्ठिग (षष्टिक) ज ३।११६
 सट्ठिभाग (षष्टिभाग) ज ७।२१, २२, २५ सू १।१०
 सट्ठिभाय (षष्टिभाग) ज ७।२४
 सट्ठिय (षष्टिक) सू १।१८
 √सड (षट्) सडइ उ १।५१
 सडइ (षाडकिन्) उ ३।५०
 सण (शण, मण) प १।३७।४, १।४५।२ ज २।३७;
 ३।७६, १।१६
 सणकुमार (सनत्कुमार) प १।१३५; २।४६, ५२ से
 ५८, ६३; ३।३१, १८३; ४।२३७ से २३६;
 ६।२६, ५६, ६५, ६५, १।१२; ७।१०; १।५।८, ८,
 १३८; २।१।७०, ६१; २।८।७७; ३।३।१६; ३।४।१६,
 १८ उ २।२
 सणकुमारय (सनत्कुमारज) ६।६५ ज ५।४६
 सणकुमारबडैसथ (सनत्कुमारावतंसक) प २।५२
 सणफद (सनखद) प १।६२, ६६
 सणिककमण (सनिष्कमण) ज ४।२।७७
 सणिविखर (संनिविषत्) ज ७।१८५ सू १।८।२३
 सणिवरसंवर (सनैश्वरसंवत्सर) ज ७।१३३
 सणिवरि (सनैश्वारिन्) ज २।५०, १६४;
 ४।१०६, २०५
 सणिवर (सनैश्वर) प २।४८ ज ७।१८६।१
 सू १।०।१३०; २।०।८।१
 सणिवरसंवर (सनैश्वरसंवत्सर) ज ७।१०३,
 ११३ सू १।०।१२५, १३०
 सणिय (सनैस्) ज ३।२२४
 सणज्जिउं (सन्नद्धुं) ज ३।१२३
 सणज्ज (सन्नद्ध) ज ३।१०७, १२४ उ १।१३८
 सणय (सन्नत) ज ७।१७८

सणवणा (संज्ञपता) उ ३।१०६
 √सणवित्तए (संज्ञपयितुम्) उ ३।१०६
 सण्णा (संज्ञा) प १।१।४; ८।१।३ ज १।१३३
 सण्णासण्णि (संज्ञामंजिन्) प ३।१।६।१
 √सण्णाह (सं-+नाह्य्) सण्णाहेह ज ३।१५, २१
 ३१, ३४, ७७, ६१, १।७३, १।७५, १।६६ उ १।१२३;
 ५।१८
 सण्णि (संज्ञिन्) प १।१।७; ३।१।२, १।१२; १।१।११
 से २०; १।८।१।२, १।८।१।६; २।३।१।७६, १।७७,
 १।६५, १।६६, १।६६ से २०१; २।८।१०६।१,
 २।८।१।५, १।१६; ३।१।१ से ३, ५, ६, ६।१;
 ३६।६२
 सण्णिकास (सन्निकाश) ज ३।२२३; ४।८५
 सण्णिविखत्त (संनिविषत्) ज ७।१८५
 सण्णिविष (सन्निचित) ज २।६
 सण्णिणाद (सन्निनाद) ज ३।३०, ३१, ४३, ५१, ६०,
 ६८, ७८, १३०, १३६, १।४०, १।४६
 सण्णिणाय (सन्निनाद) ज ३।१२, १।४, १।७२, १।८०,
 २०६, २२४; ५।२२, २६; ७।१२।७।१
 सण्णिभ (सन्निभ) ज ३।३, १।७, १।८, ३१, ८१, ६१,
 ६३, १।७७, १।८०, १।८३, २०१, २।१४
 सण्णिभूय (संज्ञिभूत) प १।५।४८; १।७।६; ३।५।१८
 सण्णिवाइय (सन्निपातिक) उ ३।१।१२, १।२८
 सण्णिवात्त (सन्निपात) सू १।०।२६
 सण्णिवाय (सन्निपात) चं ५।१ सू १।६।१
 सण्णिविट्ठ (सन्निविष्ट) ज १।३७; ३।६६ से
 १०१, १।६३; ४।६, ३३, १।२०, १।४७, २।१६, २।४२;
 ५।३, २८, ३३
 सण्णिवेस (सन्निवेश) प १।६।२२ ज २।२२;
 ३।३२, १।८५, २०६ उ ३।१०१, १।२५, १।३२,
 १।३३, १।४१, १।४५; ५।३६
 सण्णिवेसमारी (सन्निवेशमारी) ज २।४३
 सण्णिसण्ण (सन्निषण्ण) ज ३।६, २०४; ५।२१,
 ४१, ४७, ६०
 √सण्णिसीय (सं-+नि-+वर्) सण्णिसीयइ
 ज ३।१२

सण्णिसीयित्ता (संनिषद्य) ज ३।१२
 सण्णिय (सन्निहित) प २।४७।२
 सण्ह (श्लक्ष्ण) प १।१८, १९; २।३०, ३१, ४१, ४८,
 ४९, ५९, ६३, ६४ ज १।८, २३, ३१, ३५, ५१;
 ३।१२, ८८, १९४; ४।२४, २५, २६, ४९, ६७,
 ८८, ११०, १७८, २१३; ४।१०; ५।५८
 सण्हसच्छ (श्लक्ष्णमत्स्य) प १।५९
 सण्हसण्हिय (श्लक्ष्णश्लक्ष्णक) ज २।६
 सत (सत्) सू १३।२
 सत (शत) प २।४१ से ४३, ४६, ४८ से ५२, ५८
 से ६४; ४।१८६, १८८; ६।३४, ३९, ६७;
 १।८।१९, २४, ४९, ५४, ६०, ६१, ११९; २।०।१३;
 २।१।६७, ६८; २।३।६३, ६८, ६९, ७३, ७५ से
 ७७, ८१, ८३, ८५, ८७, ९०, ९२, ९६, ९७, ११२,
 ११४, ११६, १२७, १६४, १६६; ३।६।१७, ३४,
 ४१ सू १।१८ से २०, २४; २।३; ३।१; ६।१;
 ९।३; १०।१२७, १६५; १।२।२ से ९, १२, १३,
 ३०; १।३।१ से ३; १।४।७; १।५।२ से ४, १७ से
 १९, २२, २५ से २९, ३१, ३२, ३४ से ३७;
 १।८।४ से ६, १७, २०; १।९।१, ४, ५।३, १।९।७,
 ८, १०, १।५।१, २, ४, १।९।८ से २०; २।१।४;
 १।९।२।३२
 सतक्कु (शतक्रु) प २।५०
 सतक्कुत्तो (शतक्रुत्वस्) सू० १।२।१२
 सतत (सतत) प ७।१
 सतपोरग (शतपोरक) प १।४।१।१
 सतभिसत (शतभिसग्) सू १।०।६४
 सतभिसय (शतभिसग्) सू २।०।२ से ६, ९, २१, २३,
 ३०, ५८, ७५, ८१, ९५, १२०, १३१ से १३५;
 १।२।२५
 सतरा (सप्तति) सू १।९।१।१।१
 सतयच्छ (शतवत्स) प १।७।९
 सतवत्त (शतपत्र) प १।४।८।४।४
 सतवाइया (शतपादिका) प १।५०
 सतसहस्स (शतसहस्र) प १।२०, ४९, ५०, ७५, ७६,
 ८१; २।२० से २७, २७।२, २९ से ३३, ३६ से

३९; ४।०।२; २।४।१ से ४३, ४८ से ५३, ५४,
 ५९।१, २।६।३, ६४; ४।१।७।१, १।७।३, १।७।७, १।७।९;
 ६।४।१; २।१।६।३, ६९, ७० सू १।५।२; १।८।२।५;
 १।९।५।१, ३; १।९।८।१, ३, १।९।२।१।१, ८,
 १।९।२।२।९

सतहा (सप्तधा) ज ५।७।२, ७।३
 सता (सदा) सू १।९।१।१
 सतीणा (दे०) प १।४।५।१
 सतेरा (शतेरा) ज ५।१।२
 सत्त (सप्तन्) प १।४।८ ज १।२।० चं ३।३ सू १।७
 उ ३।१।०।१
 सत्त (सत्त्व) प २।६।४; ३।६।६२, ७७ ज २।१।३२;
 ३।३; ७।२।१२ उ १।३; ३।५।१
 सत्तंग (सप्ताङ्ग) उ ३।५।१
 सत्तग (सप्तक) ज ७।१।३।१।२
 सत्तदिठ (सप्तषष्टि) सू १।०।१
 सत्तदिठथा (सप्तषष्टिधा) सू १।०।१।५।२ से १।६०,
 १।६२, १।६३; १।१।२ से ६; १।२।७, ८, १।९ से २८
 सत्तदिठहा (सप्तषष्टिधा) सू १।१।२
 सत्तणउत्ति (सप्तनवति) सू १।८।१
 सत्तत्तरि (सप्तसप्तति) ज ३।२।२।५
 सत्ततीस (सप्तत्रिंशत्) ज ४।५।५
 सत्ततीस (सप्तत्रिंशत्) ज ४।१।४।२।२
 सत्तधणु (सप्तधनुप्) उ ५।२।१
 सत्तपएसिय (सप्तप्रदेशिक) प १।०।१।२
 सत्तपदेस (सप्तप्रदेशिक) प १।०।१।४।५
 सत्तभाग (सप्तभाग) प २।३।६।१, ६४, ६८, ७३, ७५
 से ७७, ८१, ८३ से ८५, ८९, ९०, ९२, ९६,
 १०१, १११ से ११४, ११७, १२१, १२२, १३०,
 १३४, १३५, १४०, १४२, १४३, १५२, १५३,
 १५५, १६०, १६४, १६७, १७१ से १७३
 सत्तम (सप्तम) प ६।८।०।२; १।०।१।४।३; ३।६।८, ५,
 ८९ ज ७।९।७ सू १।०।७।७; १।२।१६; १।३।१०
 उ २।२।२
 सत्तमी (सप्तमी) ज ७।१।२।५
 सत्तर (सप्तदशन्) प १।०।१।४।४ से ६ ज ७।२।०।२

सत्तरस (सप्तदशन्) प ४।१६ ज ३।७६ सू ८।१
 सत्तरसविह (सप्तदशविध) प १६।३८
 सत्तरि (सप्तति) प २।५३ ज ५।४६ सू १६।१४
 सत्तविह (सप्तविध) प १।१६, ५३; १६।२६, ३२;
 २२।२१ से २३, ८३, ८४, ८६, ८७, ९०; २४।२
 से ८, १० से १३; २५।४, ५; २६।२ से ६, ८ से
 १०; २७।२, ३; ३६।७
 सत्तसट्ठ (सप्तपष्टि) ज ४।६८
 सत्तसट्ठि (सप्तपष्टि) सू १०।२२
 सत्तसिक्खावइय (सप्तशिक्षाव्रतिक) उ ३।७६
 सत्तहत्तरि (सप्तसप्तति) ज २।४।२
 सत्तहा (सप्तधा) ज ७।६५, ६८, ६९, ७१, ७२, ७४,
 ७५, ७७, ७८; ५।७२, ७३
 सत्ताणउड (सप्तनवति) प २।४६
 सत्ताणउत (सप्तनवति) प २।४८
 सत्ताणउय (सप्तनवति) ज ७।१८ सू १।२७
 सत्तातीस (सप्तत्रिंशत्) प ४।२७६
 सत्तालीस (सप्तचत्वारिंशत्) सू १०।१५१
 सत्तावण (सप्तपञ्चाशत्) ज ४।६२; ७।२१;
 सू २।३ उ १।१३
 सत्तावीस (सप्तविंशति) प ४।२७६ ज १।७
 सू १।१०
 सत्तावीसविह (सप्तविंशतिविध) प १।७।१३६
 सत्तासीय (सप्ताशीति) ज ७।७७
 सत्ति (शक्ति) प २।४१ ज ३।३५, १७८
 सत्तिवण (सप्तपर्ण) प १।३६।३ उ ३।६४
 सत्तिवणवड्डेसय (सप्तपर्णावतंसक) प २।५०, ५२
 सत्तिवणवण (सप्तपर्णवत) ज २।६; ४।११६
 सत्तु (शत्रु) ज ३।३, ३५, ८८, १०६, १७५, २२१
 सत्तुस्सेह (सप्तोत्सेध) ज १।५ सू १।५
 सत्थ (शम्भ) ज २।६।१; ३।२०, ३३, ५४, ६३, ७१,
 ७७, ८४, १०६, ११५, १२४, १२५, १३७, १४३,
 १६७, १८२ उ ३।३८, ४०
 सत्थ (शास्त्र) उ ३।२८
 सत्थवाह (सार्थवाही) प १६।४१ ज २।२५; ३।६,
 १०, ७७, ८६, १७८, १८६, १८८, १८९, २०६,

२१०, २१६, २१६, २२१, २२२ उ १।६२;
 ३।११, ६६, ६८, १००, १०१, १०६ से ११२;
 ५।१०, १७, १६, ३६
 सत्थवाही (सार्थवाही) उ ३।६८, १०१ से १०५,
 १०७, १०८, ११० से ११३
 सत्थीपुहसंठित (स्वस्तिमुखसंस्थित) सू ४।३, ४, ६, ७
 सदा (सदा) प २।३०, ३१, ४१
 सदेवीय (सदेवीक) प २०।१२; ३।४।१५, १६
 सद् (शब्द) प २।३०, ३१, ४१; १५।३६, ३६, ४०;
 १६।४६; २३।१५, १६, १६, २०, ३०, ३१;
 ३४।१।२, ३४।२३ ज १।१३, २६, ३१; २।७,
 १२, ६५; ३।६, १२, १४, १८, ३० से ३२, ४३,
 ५१, ६०, ६८, ७७, ७८, ८२, ८८, ८९, ९३, १३०,
 १३६, १४०, १४६, १५५, १५६, १७२, १७८, १८०,
 १८५, १८७, २०६, २१२, २१३, २१८, २२२;
 ४।३, २५, ८२; ५।२२, २६, ३८, ५७, ५८, ७२, ७३,
 ७।१७८ सू २०।७ उ १।६० से ६२, ८५ से ८७;
 ५।१६, १७, २०, २५, २७
 सद्परिणाम (शब्दपरिणाम) प १३।२१, ३१
 सद्परियारण (शब्दपरिचारक) प ३।४।१८, २३, २५
 सद्परियारणा (शब्दपरिचारणा) प ३।४।१७, २३
 सद्ब्वया (सद्ब्रव्यता) ज ३।३
 √सद्देह (श्रुत्-धा) सद्देह प १।१०।१।४, १२
 सद्देहाइ प १।१०।१।३ सद्देहामि उ ३।१०३;
 ४।१४; ५।२० सद्देहेज्जा प २०।१७, १८, ३४
 सद्देहणा (श्रुदान) प १।१०।१।३
 √सद्भाव (शब्दय) सद्भाविसंति ज २।१४६
 सद्भावेइ ज २।६७, १०५, १०७, १११; ३।७,
 १२, १५, १८, २१, २८, ३१, ३४, ४१, ४६, ५२,
 ५८, ६१, ६६, ६६, ७४, ७६, ७७, ८३, ९१, ९६,
 १७०, १७३, १७५, १८०, १८३, १८८, १९१,
 १९६, २०७, २१२; ५।२२, २८, ५४, ६१, ६८, ६९,
 ७२, १२८, १४१, १४७, १५१, १५४, १६४, १६८
 उ १।१७; ३।६१; ४।१६; ५।१५ सद्भावेति
 ३।१०५, १०७, ११३; ५।३, १४ सद्भावेमि उ १।७६

सहावइ (शब्दापातिन्) ज ४१४२, १७, ५८, ६०, ७१,
७४
सहावति (शब्दापातिन्) प १६१३०
सहाविस्ता (शब्दयित्वा) ज २११४६
सहावेत्ता (शब्दयित्वा) ज २१६७ उ १११७; ३१७;
४११६; ५११५
सद्बुण्णइय (शब्दोन्नतिक) ज २११२; ४१३, २५
सद्ध (श्राद्ध) ज २१३०
सद्धा (श्रद्धा) सू २०११३
सद्धि (सार्धम्) प ३४११६, २१ से २४ ज २१६५,
८८, ९०; ३१६, २२, ३६, ७७, ७८, १८६, २०४,
२२२, २२४; ५११, ५, ४१, ४४, ४६, ४७, ५६,
६७, १३४; ७११३५, १८४ सू १०१२ उ ११२;
३१६८; ४११८; ५११६ उ ११२; ३१६८; ४११८;
५११६
सन्नद्ध (सन्नद्ध) ज ३१७७
सन्निकास (सन्निकाश) ज ३१२४
सन्निभ (सन्निभ) प २१३१
सन्निवाइय (सान्निपातिक) ज ३१३५
सन्निहिय (सन्निहित) प २१४६, ४७
सपक्ख (स्वपक्ष) उ ११२२, १४०
सपक्खि (स्वपक्षिन्) उ ११४६
सपक्खि (सपक्षम्) प २१५२ से ५६, ६१; १६१३०
सपज्जवसिय (सपर्यवसित) प १८११३, २५, ५५,
५६, ६३, ६४, ६७, ६८, ७६, ७७, ७९, ८३, ८६,
९०, १०५, १११, १२२, १२६
सपड्ढिविसि (सप्रतिदिश) प २१५२ से ५६, ६१;
१६१३० उ ११२२, ४६, १४०
सपरिनिव्वाण (सपरिनिर्वाण) ज ४१२७७
सपरियार (सपरिचार) ३४११५, १६
सपरिवार (सपरिवार) प २१३२, ३३, ३५, ४३,
४८ से ५१ ज ११४४, ४५; २१६०; ४१५०, ५६,
१०२, ११२, १३५, १४७, १५५, २२१, २२२,
२२३१, २२४१; ५११, १६, ४१, ५०, ५८
सपुव्वावर (सपूर्वापर) ज ४१२१, २५६ सू ३११;

१०११२७; १८११, २१
सप्प (सर्प) ज ७११३०, १८६३
सप्पदेवया (सर्पदेवता) सू १०१८३
सप्पभ (सप्रभ) प २१३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६६
ज ११८, २३; ५१३२
सप्पसुयंघा (सर्पसुगन्धा) प ११४८३ धवलवख्खा
सप्पह (सप्रभ) प २१३० ज ११२१
सप्पुरिस (सत्पुरुष) प २१४५, ४५१२
सप्फाय (दे०) प ११४८५०
सबर (शबर) प ११८६
सबरी (शबरी) ज ३१११२
सन्निभतर (सान्निभतर) ज ३१७, १८४
सभा (सभा) ज २१६५, १२०; ४११२०, १२१, १२६,
१३१, १४०; ५१५, ७, १८, २२, २३, ५०; ७११८४,
१८५ सू १८१२२, २३ उ ३१६, ३६, ६०, १५६,
१६६; ४१५; ५११५, १६
सभाव (स्वभाव) ज २११५
सभावणग (सभावनाक) ज २१७२
सम (सम) प ११४८१० से १६; १३१२२१, २;
१७१११; २१११०२; २२१६६, ७०; २३१६७;
२६१६, ६; ३६१८२१ ज २१७१; ३१३५, १३८,
१५१, १७०, २११; ४१३, २५, ५७, ६७, १८०;
१८३; ५११८, ४३; ७१३७, ३८, १३५११, ४, १६८,
१७८
समइक्कंत (समतिक्रान्त) प २१३१
समइच्छमाण (समतिक्रामत्) ज २१६५; ३११८६,
२०४
समंतओ (समन्ततस्) ज २१६५
समंता (समन्तात्) प १७११०६ से १११ ज ११७,
६, २३, ३२, ३५; २११३१; ४१३, ६, १४, २०, २१,
२५, ३१, ४५, ४७, ५७, ६८, ७६, ८६, १०३, १०७,
१३१, १४३, १४८, १४९, १५२, २११, २१३,
२१५, २३४, २४० से २४२, २४५; ५१५, ७, ३८,
५७; ७१५८ सू ३११ उ ५१८
समकम्म (समकर्मन्) प १७१३, ४, १५, १६

समकिरिय (समक्रिय) प १७।१।१,१७।१०,११,२१

समक्षेत्र (समक्षेत्र) सू १०।४,५

समग (समक) प १६।५२ ज १।२३,२५,३२;

३।७८;७।११२।२ सू १०।१२।१,२

समग्र (समग्र) ज ३।२२१;४।३५,३७,४२,७१,

७७,६०,६४,१७४,१८३,२६२;६।१६ से २२;

सू २०।७

समचउक्कोणसंठित (समचतुष्कोणसंस्थित)

सू १।२५;४।२

समचउरंस (समचतुरस्र) प २।३०;१।५।१६,३५;

२।१।२६,३१,३२,३६,६१,७३;२३।४६

ज १।५; २।१६,४७,८६; ७।१६७ उ १।३

समचउरंससंठाणसंठिय (समचतुरस्रसंस्थानसंस्थित)

सू १।५,२५

समचउरंससंठित (समचतुरस्रसंस्थित) सू ४।२;

१०।७४

समचक्रवालसंठित (समचक्रवालसंस्थित)

सू १।२५;४।२;१।६।३,१३,१७,१६,२३

समजस (समजसम्) प २।६०

समजोगि (समयोगिन्) ज ५।५८

समज्जुतीथ (समज्जुतिक) प २।६०

समदठ (समर्थ) प १।१।११ से २०; १।५।४४;

१।७।१,३,५,८,१०,१२,१४,१५,२४,१२३ से

१२८,१३० से १३२,१३४,१३५;२०।२,३,१४

से १७,१६ से २५,२७ से ३०,३३,३४,४०

से ४८,५२,५३,५६,६०;२२।७६,८०,८२,६२,

६४,६५;३०।२५;३६।८०,८१,८३,८८,६२

ज २।१७,१८,२१ से २३,२५,२८,३० से ३३,

३८ से ४०,४२,४३;४।१०७;७।१८४

सू १।८।२२

समण (श्रमण) प २।३,६,६,१२,१५,२० से २७,६०

से ६३;३।३६;१।५।४३,४५;३६।७६,८१

ज १।५,६;२।१६,१६ से २१,२३,२५,२६,

२८,३० से ३३,३६,३६ से ४३,४८,४६,५१,

५४,५६,६८,७२,७४,८२,१२१,१२६,१३०,

१३८,१४०,१४६,१५४,१५६,१६०,१६३;

५।५८;७।१०१,१०२,१२६,२१४ चं १०

सू १।५;८।१;२०।७ उ १।२,४ से ८,१६,

१७,१६ से २६,१४२,१४३;२।१ से ३,१०,

१२,१४,१५,२१;३।१ से ३,७,८,१२,१६,२०,

२२,२३,२६,३८,४०,४४,८७,८८,६१,६३,

१५३,१५४,१६६ १६७,१७०;४।१ से ३,२७,

५।१ से ३,३७,४४

समणी (श्रमणी) ज ७।२१४ उ ३।१०२,११५,

११७,११८;४।२२

समणुगम्ममाण (समणुगम्यमान) ज २।६४

समणोवासग (श्रमणोपासक) ज २।७६ उ ३।८३

समणोवासय (श्रमणोपासक) उ १।२०;५।३४

समणोवासिया (श्रमणोपासिका) ज २।७७ उ १।२०;

३।१०५,१०६,१४४

समण्णागय (समन्वागत) ज ५।५ उ १।६३

समतल (समतल) ज ३।६५,१५६

समतिक्रंत (समतिक्रान्त) प २।६७

समत्त (समत्त) प २।६४।१५ ज ३।१७५ उ ३।६१

समत्त (समाप्त) ज ३।१६७;४।२००;५।५८;

७।१०१,१०२ सू १३।१०,१३,१४ से १६

उ १।१४८;३।६१

समत्थ (समर्थ) ज ३।१०६;५।५ सू २०।७

समपज्जवसिय (समपर्यवसित) सू १२।१० से १२

√समप्य (सं+अर्पय्) समप्येइ ज ३।१३८;४।३५,

३७,४२,७१,७७,६०,१७४,१८३,१८६,२६२;

६।२१ से २४ समप्येति ज ३।६७,१६१;

६।१६,२५,२६;४।६४ सू १०।५ समप्येति

सू १०।५

समबल (समबल) प २।६०,६३

समभिरूढ (समभिरूढ) प १६।४६ ज ३।१०६

समभिलोएमाण (समभिलोकमान) प १७।१०६ से १११

√समभिलोय (सं+अभि+लोक्)

समभिलोएज्जा प १७।१०७,१०६,१११

समय (समय) प १।१३,१०३,१०६,१०७,१०६,

११०, ११३, ११४, ११६, ११९, १२०, १२२,
 १२३; २।६४।५; ६।१।१, ६।१ से १८, २० से
 ४५, ६० से ६४, ६७, ६८; १।३।३।१, २,
 १।०।७०, ७१; १।२।२४, ३३; १।५।५।५।१; १।६।३।४,
 ३।७; १।८।५।६, ६०, ६२, ६३, ६७, ८०, ८१, ८४,
 ८७, ८९, ९५, ९८, १०२, १०४; २।०।१।१, २।०।९
 से १३; २।२।५।४, ५।६, ५।८, ५।९, ७।६; २।३।६।३,
 १।९।३; ३।०।२।५, २।६; ३।६।५।५, ५।७, ६।२ ज १।२,
 ४।५, १।४; २।४।७।१, ५।८, ५।९ ६।१, १।३।१, १।३।४,
 १।३।८, १।४।१; ३।१।०।३; ५।१।६, ५।९ से १३, १।८,
 ४।८, ५।० से ५।२; ७।५।७, ६।०, १।१।२।१ चं ६।९,
 १।० सू १।१, ४।५; ६।१; ८।१; ९।२; १।०।१।५।२
 से १।६।१; १।१।२ से ६, १।९ से २८, ३०;
 १।३।१, २; १।७।१; १।९।२।५; २।०।३, ५।७
 उ १।१ से ३, ६, १।६, २।८, ५।१, ६।५, ७।६, १।४।४;
 २।४, १।७; ३।४ से ६, ६, १।२, २।१, २।४, २।५, २।७,
 ४।८, ५।०, ५।५ से ५।७, ६।४, ६।८, ७।१, ७।४, ७।९, ८।९,
 ९।०, ९।५, ९।८, ९।९, १०।६, १।३।१, १।३।२, १।५।५ से
 १।५।७, १।५।९, १।६।८, १।६।९; ४।४ से ६, १।०; ५।४,
 १।४, २।१, २।४, २।६, ३।६, ४।०, ४।१

समय (समक) ज १।१४

समयखेत्त (समयक्षेत्र) सू १।६।२०, २।१

समयखेत्त (समयक्षेत्र) प २।१।८९

समर (समर) ज ३।३, ३।५, १०३

समवर्ण (समवर्ण) प १।७।५, ६, १।७

समवेदन (समवेदन) प १।७।१।१, १।७।८, ६, १।९, २०

समसरीर (समसरीर) प १।७।१, २, २।८, २।९

समतोक्ख (समतोक्ख) २।६०, ६३

समा (समा) ज २।७ से १।५, २।१ से ४।५, ५।० से

५।९, ५।८, १।२।१ से १।३।३, १।३।८ से १।४।०, १।४।७

से १।५।०, १।५।२ से १।६।४; ३।१।३।५।१; ४।१।८०,

१।८।३; ७।३।७ सू ६।४; १।८।२, ३

समाउय (समाउय) प १।७।१।१, १।७।१।२, १।३

समागम (समागम) ज २।४, ३

समाण (सत्) प १।५।५।१, ५।२, १।७।१।१।९;

२।८।१।०।५; ३।४।१।९, २।१ से २।४; ३।६।६।२, ७।७

ज २।६।० से ६।२, ७।१, १।४।२ से १।४।५; ३।३, ५,

१।३, १।४, १।९, २।२, २।५, २।९, ३।०, ३।६, ३।८, ४।२,

४।३, ४।६, ५।०, ५।१, ५।३, ५।९, ६।०, ६।२, ६।७, ६।८,

७।०, ७।५, ७।७, ८।०, ८।२, ८।४, ८।९, ९।७, १०।०,

१।१।१, १।१।८, १।२।५, १।२।६, १।३।२, १।३।६, १।४।२,

१।४।८, १।४।९, १।५।६, १।६।१, १।६।५, १।६।९, १।७।८,

१।८।१, १।८।९, १।९।२, २।०।२, २।०।८, २।१।२ से २।१।४,

२।१।७, २।१।९, ४।२।३, २।५, ३।५, ३।७, ३।८, ४।२, ६।५,

७।१, ७।३, ७।७, ९।०, ९।१, ९।४, १।७।४, १।८।३, १।८।९,

१।९।५, २।६।२; ५।१।५, २।२, २।४, २।६, २।९, ४।३, ७।०

सू ६।१ उ १।१।७, २।३ से २।६, ३।७, ४।०, ४।५,

५।२, ५।५ से ५।८, ६।०, ६।२, ७।४, ७।७, ८।० से ८।३,

८।५, ९।० से ९।३, ९।९, १०।७, १०।८, १।१।०, १।१।८,

१।२।७; ३।१।३, १।५, २।९, ५।०, ५।५, ७।८, ८।२, ८।४,

१०।६, १०।८, १।१।२, १।२।१, १।४।७, १।६।०, १।६।२;

४।१।१, २।०; ५।१।५, १।७, ३।८

समाण (समान) ज ३।१।१।७ सू २।०।७ उ ३।१।२।८

√समाण (सं+आप्) समाणेइ ज ७।१।०।४

सू १।०।१।३० समाणेति सू १।०।१।२।६

समाणीत (समानित) उ ३।४।८, ५।०

समाणुभाव (समानुभाव) प २।६।०, ६।३ ज २।१।३।१;

४।५।६

√समावह (सं+आ+धा) समावहे उ ३।५।१

समादीय (समादिक) सू १।२।१।० से १।२

समाधरित्तए (समाधरित्तुम्) उ ३।१।०।२

समारंभ (समारम्भ) उ १।२।७, १।४।०

समारूढ (समारूढ) ज ३।१।२।१

√समालभ (सं+आ+लभ्) समालभइ

उ ३।१।१।४

समावण्णस (समापन्नक) ज ७।५।५, ५।८

समास (समास) प ३।३।८, ३।९ ज ७।१।०।१, १।०।२

सू १।६।२।२।१

समासओ (समासतस्) प १।४।८।५।४; १।४।८

ज २।६।९

समासतो (समासतस्) प १।४।२।०, २।३, २।६, २।९,

४६ से ५१, ५३, ६०, ६६, ७५, ७६, ८१, ८८,
 १३१ से १३३, १३५, १३७, १३८
 √समासाद (सं + आ + सादय्)
 समासादेति सू १५१८
 समासादेत्ता (समासादय्) सू १५१८ से १३
 समासादेमाण (समासादयत्) सू २१३
 √समासास (सं + आ + स्वासय्)
 समासासेइ उ १४४१
 समासासेत्ता (समास्वासय्) उ १४४१
 समाहय (समाहत्) ज ५५४
 समाहार (समाहार) प १७११, २, १४, २४, २५, २८,
 २९
 समाहारा (समाहारा) ज ५१६१; ७१२०१२
 सू १०१८८१२
 समाहि (समाधि) उ ३१५०, १६१; ५१२८, ३६, ४१
 समाहिय (समाहित) ज ५५५८
 समिइ (समिति) प ११०११० ज २४, ६; ३१२२१
 उ ११६३
 समिइहय (समिद्धिक) प २१६०, ६३
 समित (समित) सू ६११
 समिद्ध (समृद्ध) ज ११२, २६; २११२; ३११, ८१,
 १६७११४, १७५ चं ६ सू १११ उ १११, ६, २८;
 ३१५७; ५१६, २४
 समिरीय (समरीचिक) प २३०, ३१, ४१, ४६, ५६,
 ६३, ६६ ज ११८, २३, ३१
 समिहा (समिध्) ज ५११६
 समिहाकट्ट (समिध्काष्ठ) उ ३१५१
 समीकर (समी + कृ) समीकरेहिंति ज २११३१
 समीकरण (समीकरण) ज ३१८८
 समीकरणया (समीकरण) प ३६१८२१
 समुदय (समुदित) ज २११४५, १४६
 समुक्खित्त (समुक्खित्त) उ १११३८
 समुग्गपक्खि (समुद्गपक्खि) प ११७७, ८०
 समुग्गय (समुद्गत) प ३६१८१
 समुग्गयभूय (समुद्गतभूत) ज ३११२१
 समुग्घात (समुद्घात) प २१२१

समुग्घाय (समुद्घात) प १११७; २११, २, ४, ५, ७, ८,
 १०, ११, १३, १४, १६ से २०, २२ से ३१, ४६;
 ३६११, ४ से ७, ४७, ५३ से ५८, ८२, ८३; ८३११
 २; ३६१८६, ८८
 समुज्जाय (समुद्घात) ज २१८८, ८९; ३१२२५
 √समुदुठ (सं + उत् + ष्ठा) समुदुठेति प ११७४
 समुत्त (समुत्त) ज ३१६, १७, २१, ३४, १७७, २२२
 समुत्तिण (समुत्तीर्ण) ज ३१८१
 समुदय (समुदय) ज २४, ६; ३१३, १२, ३१, ७८,
 १८०, २०६; ५१२२, २६, ३८, ६७ उ ११६२; १
 ५११७
 समुदान (समुदान) उ ३११००, १३३
 समुदीरेमाण (समुदीरयत्) प ३४१२३
 समुद्द (समुद्द) प ११८४; २११, ४, ७, १३, १६ से १६,
 २८, २९; १५१५५; २११८७, ६०, ६१; ३३११० से
 १२, १५ से १७; ३६१८१ ज १७, ४६, ४८;
 २१६०, ६७, ६८; ३११, ३६; ४१५२; ५१४४, ५५;
 ६११, २, ४; ७१४, ६३, ८७ सू १११४, १६, १७,
 १६ से २२, २४, २७; २१३; ३११; ४१४, ७; ६११;
 ८११; १०११३२; १६११ से ३, ५, ६ से १२;
 १६१२२१२६; १६१२८, २६ से ३२, ३५, ३६, ३८
 उ १११३८
 समुद्दय (समुद्दक) प ११७५, ८०, ८१
 समुद्दलिकखा (समुद्दलिक्षा) प ११४६
 समुद्दवायस (समुद्दवायस) प ११७८
 समुद्दविजय (समुद्दविजय) उ ५११०, १७, १६
 √समुष्णज्ज (सं + उत् + पद्) समुष्णज्जइ
 प २११७५, १०५; ३४११६, २१ से २४ ज २१२७;
 २६, ५६; ४११७७, १८१ समुष्णज्जति ज ५११
 उ १११११ समुष्णज्जति प २११४, २५, २७, २९,
 ३८, ४७, ५०, ७३, ७४, ६७; ३४१२३
 समुष्णज्जित्था ज २१५६, ६३, १२४, १२५;
 ३१२, ४, २६, ३६, ४७, ५६, १२२, १३३, १४५,
 १८८; ५१२२ समुष्णज्जिस्सइ ज २१५६
 समुष्णज्जिस्सति ज २१५५, २१, ५३
 समुष्ण (समुत्पन्न) ज ३११२३, २१६

समुपपन्न (समुत्पन्न) ज २।७१, ८५; ३।५ उ १।१११, ११२	से ६३; ३६।३५ से ४१, ४८ से ५२, ५६, ६५, ६६, ७०, ७३, ७४, ७६
समुपपन्न ङोउहल्ल (समुपपन्नकौतूहल) ज १।६ उ १।१११, ११२	सम्म (सम्यक्) सू १०।१२६।४
समुपपन्नसंसय (समुत्पन्न-अशय) ज १।६	सम्मं (सम्यक्) ज २।६७; ३।१८५, १८६, २०६; ७।११२।३, ४
समुपपन्नसङ्घ (समुत्पन्नश्रद्ध) ज १।६	सम्मदठरत्थंतरावणवीहिय (अंमृष्टरथ्यानरावणवीधिक) ज ५।५७
समुभ्रव (समुद्भव) ज ५।५, ४६	सम्मत (सम्मत्) प १।१।३३।१
समुल्लालिय (समुल्लानित) उ १।१३८	सम्मतसच्च (सम्मत्तसत्थ) प १।१।३३
समुल्लावग (समुल्लापक) उ ३।६८	सम्मत्त (सम्यक्त्त्व) प १।१।५, १।१०।१।६, ७, १३; ३।१।१, १।८।१।१; २।०।३६; २३।१७४; ३४।१।२ ज २।१३३ उ ३।४७, ८३
समुल्लावय (समुल्लापक) उ ३।६८	सम्मत्तवेदणिज्ज (सम्यक्त्ववेदनीय) प २३।१८१
समुवगूढ (समुपगूढ) ज ४।६१, २७३	सम्मत्तवेयणिज्ज (सम्यक्त्ववेदनीय) प २३।१७, ३३, ६५, १३७
समुस्तासणिस्तास (समुच्छ्वासनिःश्वास) प १।७।१, २, २८, २६	सम्मत्ताभिगमि (सम्यक्त्वाभिगमिन्) प ३४।१४
समुस्तासणीसास (समुच्छ्वासनिःश्वास) प १।७।२	सम्महंसणपरिणाम (सम्यक्दर्शनपरिणाम) प १।३।११
समूसिय (समुच्छित्त) ज ३।१७८; ५।४३	सम्महिट्ठि (सम्यक्दृष्टि) प ३।१००; ६।६७, ६८; १३।१४, १७; १७।११, २३, २५; १८।७६; १६।१ से ५; २।१।७२; २३।२००, २०१; २८।१२५, १३५
समोगाढ (सभवगाढ) प २।६४।१० सू १।६।२६	सम्मय (सम्यत्) उ ३।१२८
समोच्छण (सभवच्छन्न) ज ३।१२१	सम्मा (सम्यक्) प १।३।११
समोष्पणा (समर्पणा) ज ३।११७	सम्माण (पं-मानय) सम्माणेइ ज ३।६, २७, ४०, ४८, ५७, ६५, ७३, ६१, १२७, १३३, १३६, १४६, १५२, १८६, २१६ सम्माणेज्ज ज २।६७
समोथर (सं-अ-+त) समोथरंति ज ७।६७	सम्माणणिज्ज (समाननीय) सू १।८।२३
सलोवण्णग (समोपपन्नक) प १।७।१३	सम्माणवत्तिय (समानप्रत्यय) ज ५।२७
समोराढ (समववृत) ज १।४ चं ६ सू १।४ उ ३।५, १२, २१, २४, २८, २६, ६६, १५६; ४।४; ५।३७	सम्माणियदोहद (समानितदोहद) उ १।५०, ७५
√समोसर (सं-अ-+ण) समोसरइ ज ५।५० समोसरंति ज ५।४६	सम्माणेत्ता (सम्मान्य) ज ३।६ उ ३।५०
समोसरण (सभवसरण) ज ५।५३ उ ३।२१; ४।१०	सम्मामिच्छत्त (सम्यक्मिथ्यात्व) प २३।१७४
समोसरिय (सभववृत) ज ५।४८ उ १।१६; २।६३; ३।१५५, १६८; ५।१४	सम्मामिच्छत्तवेदणिज्ज (सम्यक्मिथ्यात्ववेदनीय) प २३।६७, १८१
समोहणित्ता (सभवहृत्य) प ३।६।५६, ६६, ७०, ७३, ७४ ज ३।११५	सम्मामिच्छत्तवेयणिज्ज (सम्यक्मिथ्यात्ववेदनीय) प २३।१७, ३३, १३६
√समोहण्ण (सं-अ-+हन्) समोहण्णंति प ३।६।८३ ज ३।११५, १६२, २०८; ५।५, ७ समोहण्णंति प ३।६।८२	
समोहल (सभवहल) प ३।१७४	
समोहय (सभवहत) प ३।१७४, १।५।४३; २।१।८४	

सम्मामिच्छताभिगमि (सम्यक्मिथ्यात्वाभिगमिन्) प ३४।१४

सम्मामिच्छद्विट्ठि (सम्यक्मिथ्यादृष्टि) प ६।६७;
१३।१४, १७; १७।११, २३, २५; १८।७८; १९।१
से ५; २१।७२; २८।१२७, १३८

सम्मामिच्छादं सणपरिणाम

(सम्यक्मिथ्यादर्शनपरिणाम) प १३।११

सम्मामिच्छादिट्ठि (सम्यक्मिथ्यादृष्टि) प ३।१००

✓ सम्मुच्छ (सं + मुच्छ्) सम्मुच्छति प १।८४
सम्मुच्छति प १।८४

सम्मुच्छिम (संमुच्छिम्) प १।४६ से ५१, ६०, ६६,
७५, ७६, ८१ से ८४; ३।१८३; ४।१०७ से
१०६, ११६ से ११८, १२५ से १२७, १३४ से
१३६, १४३ से १४५, १५२ से १५४, १६१;
६।२१, २३, ६५, ७१, ७२, ७४, ८४, ९७, १००,
१०२, १०८; ९।६, १६, २२; १६।२८; १७।४२,
४६, ६३ से ६५, ६७, ८६; २१।९, १०, १२, १३,
१५ से १६, ३०, ३३, ३५, ३७, ४३ से ४७;
२१।४७।२, २१।४८, ५३, ५४, ७२

सम्मुति (सन्मति) ज २।५६, ६०

सय (शत) प २।४१ से ४३, ४६, ५५, ५८, ५९।२,
६।२।१; २।६३, २।६४।६; १।२।३६, ३७; १।८।३१,
३६, ६०, ११३; २।१।६५; २।२।४५; २।३।७४, ८६,
८८, ८९, ९५, ९८, ९९, १०१ से १०४, १११,
११३, ११७, ११८, १३०, १३१, १६४, १८३, १८७
ज १।७, ९, १०, १८, २०, २३, २६, ३७, ३८, ४०,
४८; २।४।३.१६, ४८, ५२, ६४, ७५, ७७, ७८,
८०, ८६, १२८, १४८, १५७, १६१; ३।१, १८, ३१,
३५, ६३, ६५, ६६ से १०१, १०४, १०५, १०६,
१२६, १५६. १७८, १८०, १९३, २०६, २१०,
२१६, २२१, २२२; ४।६, १०, १२, १३, २३, २५,
३२, ४६, ५५, ५७, ६२, ६५, ६७, ७२, ७३, ७५,
७६, ८१, ८६, ९०, ९१, ९३, ९५, ९८, १०३, ११०,
१२०, १४१, १४२।१, २, १४३, १४७, १५४, १६३
से १६५, १६७, १६९, १७८, १८३, २००, २०५ से
२०७, २१३ से २१६, २२१, २२६, २३४, २४०,

२४१, २४५, २४८; ५।३, ४, २८, ३३, ५२, ५३, ५८;
६।७, ६।११, १४, १५; ७।१।१. ७।२ से ४, १०,
१२, १४ से २५, २७, ३०, ३२, ३४, ५४, ६२ से
६४, ६७ से ८१, ८४, ८६, ८७, ८८, ९१ से ९६, ९८
से १०२, ११०, १२७, १३१।१, १७१ से १७४,
१९०, २०१ से २०७ सू १।८।२. १।१० से १२,
१४, १६ से २४, २६ से ३१; २।१, ३; ४।४, ५,
७, ८, १०; ६।१; ८।१; १०।१३८ से १५१,
१६२ से १६४, १६६ से १६९; १।२।२, ५;
१।३।४; १।४।३; १।८।१, १३, ३०; १।९।५।२,
१।९।८।१, २, १।९।२।५।५, १।९।२।८।६, ६ उ १।२;
३।५।५, ६२; ५।२८, ४१

सय (स्वक) ज ३।७७, ८४, १०२, १५३, १६२,
१७८, १८३, १८६, २२४; ५।१, ६, ८, १०, १३,
२२, २६, ४३, ५६ उ १।३३, ४३, ४४, १०८,
१२१, १२२, १२६; ३।११, ४३, ५३, १४८; ४।१५

सय (शी, स्वप्) सयति ज १।१३, ३०, ३३; २।७;
४।२, ८७, २१५, २४७; ६।८

सयं (स्वयं) प १।१०।१।३; २।३।१३ से २३
सू १।९।१।३

सयंजय (शतज्जय) ज ७।११।७।२ सू १०।८।६।२

सयंपभ (स्वयंप्रभ) ज ४।२६०।१ सू ५।१; २।०।८,
२।०।८।६

सयंबुद्ध (स्वयंबुद्ध) प १।१०५, १०६, ११८, ११९

सयंबुद्धसिद्ध (स्वयंबुद्धसिद्ध) प १।१२

सयंभूरमण (स्वयंभूरमण) प २।१।८७, ९०, ९१

सयंभूरमण (स्वयंभूरमण) प १।५।५।५, ५।५।२
सू १।९।३।८

सयंतंबुद्ध (स्वयंतंबुद्ध) ज ५।२।१

सयवण्ड (शतक्रु) ज ५।१।८

सयघी (दे०) प २।३०, ३१, ४१

सयज्जल (शतज्जल) ज ४।२।१०।१;

सयण (शयन) प १।१।२५ ज ३।१०३ सू २।०।४, ७

उ ३।५०, ११०, १११; ४।१६, १८

सयण (स्वजन) ज २।६६

सयणिज्ज (शयनीय) ज ४।१३, ३३, ७६, ९३, १३५,

१३६, १४०, १४७, १५३; ५११७ सू २०७
 उ १४६; ५१३३, २५, ३१
सयधणु (शतधनुष्) उ ५१२१
सयपत्त (शतपत्र) प १४६ ज ४३, २५
सयपत्तहृत्थगय (हृत्तगतशतपत्र) ज ३१०
सयपाग (शतपाक) ज ५११४
सयपुष्पा (शतपुष्पा) प १४४३ सौफ
सयभिसया (शतभिसय्) ज ७११३१, १२८;
 १३४२; १३५२, १३६, १३६, १४२, १४६, १५७
सयमेव (रत्नःमेव) प ११०१३ ज २६५;
 ३१०२, १६२, २२४ सू १३५, ६, १२, १३, १७
 उ १६५, ६६, ७१, ८८, ६४; ३१८१, ८२, ११३;
 ४२०
सयरिसह (शतवृषभ) सू १०८४३
सयरी (शतावरी) प १३६२
सयल (सकल) ज ३३१ सू १६२१६
सयवत्त (शतपत्र) प २३१, ४८ ज ४४६
सयवसह (शतवृषभ) ज ७१२२३
सयसहस्र (शतसहस्र) प १२३, २६, २६, ४८, ४६,
 ५१, ६०, ६६, ८४; २२२, २५, २२७४, २३०,
 ३३ से ३५, ४०३, ४, २४६, ४६; १५४१;
 ३६८१ ज १७; २४, १८, ६४, ८७, ८८;
 ३१७८, १८५, २०६, २२१, २२५; ४२५६, २६२;
 ५११८, २४, २५, २८, ४४, ४८, ४६१२; ६८११,
 २० से २६; ७१११, ७११४ से १६, ७३, ७४,
 ७८, ६३, ६४, ६८ से १००, १८७, २०७
 सू ११४, २१, २७; २३; ३१; ६१; ८१;
 १०१६५, १७३; १२६; १८२७; १६१११,
 १६४, ८, ११, १४, १५४, १८, २०; २११, ५
 उ ३१६
सयसाहस्रिसय (शतसाहस्रिक) सू १६२६
सयसाहस्री (शतसाहस्री) ज ४२१; ६८; ७५८
सया (सदा) ज ७१२६, १७० सू १०७५, ७७,
 १३६, १७३; १६१, ११, २१; २०२
मयावरण (सदावरण) ज ३१०६ मसहरी

सर (शर) प १४११ ज ३२४१, २; ३२५, २६,
 ३१, ३५, ३८, ३६, ४७, १३११, २, १३२,
 १३३, १३५, १७८ उ ११३८
सर (सरस्) प २४, १३, १६ से १६, २८; ११७७
सर (स्वर) ज २१२, १३३; ३३; ४३, २५; ५२८;
 ७१७८
सरं (दे०) प १७६
सरग (शरक) ज ५१६ उ ३५६
सरड (सरट) प १७६
सरण (शरण) ज ३१२५, १२६; ५२१
सरणदय (शरणदय) ज ५२१
सरणाय (शरणायत) ज ३८१ उ ११२८
सरद (शरद्) सू १२१४
सरपंतिया (सरःपंतिका) प २४, १३, १६ से १६,
 २८; ११७७
सरभ (शरभ) प १६४ ज १३७; २३५, १०१;
 ४२७; ५२८
सरय (शरक) उ ३५१
सरय (शरद्) उ ५२५
सरल (सरल) प १४३१, १४७१
सरलवण (सरलवन) ज २६
सरस (सरस) प २३०, ३१, ४१ ज २६५, ६६, ६६,
 १००; ३७, ६, १२, ८२, ८८, १८४, २११, २२२;
 ५१४, १५, ५५, ५८
सरसर (सरःसरस्) ज ३१०२, १५६, १६२
सरसरपंतिया (सरःसरःपंतिका) प २४, १३, १६
 से १६, २८; ११७७
सराग (सराग) प ११००, १०१, १११ से ११४;
 १७३३
सरागसंजय (सरागसंजयत) प १७२५
सरासन (शरासन) ज ३७७, १०७, १२४
 उ १३८
सरि (सदृक्) ज ३१६७१३ उ ३१७१; ४२८
सरिच्छ (सदृज) ज ३१८, ५२, ६१, ६६, १३१,
 १३६, १३७, १४१, १६४, १८०
सरिस (सदृश) प १४८३३; २३१ से ३३

ज १४१,४६;२।१५,१६;३।३,३५,७६,११६,
१३५,१८८;४।५२,१०६,१६३,१७२,१७४,
१७७,२००,२०४,२१०,२१२,२२६;७।१७८
सू १०।१६२;१६।३१,३५,३८ उ १।१४८;
२।२२
सरिसय (सदृशक) ज १।४६
सरिसव (सर्पप) प १।४।२,४५।२,१।४७।२
ज २।३७ उ ३।३७,३८
सरिसवय (सदृशवयम्) उ ३।३८
सरिसवय (सर्पपक) उ ३।३८
सरिसवसमुग्ग (सर्पपसमुद्ग) ज ५।५५
सरिसवा (सदृशवयम्) उ ३।३८,४०,४२
सरीणामय (सदृगनामक) ज १।४६
सरीर (शरीर) प १।१।५,१।४७।२,३,१।४८।५३,
५७;१।१।३०;३।०।२;१।२।१;१।४।५;१।५।१०,२३;
१।६।२३;१।७।१।१;२।१।१।१;२।१।३८,४० से
४२,४८,५३,५६,६१,६३ से ६६,६८ से ७१,
७४,८४ से ८३;२।८।१।२,६८ से १०१;
१०।६।१;३।६।५।६,६६,७०,७४ ज २।४।५,४७,
६०;३।८।२,८५.१०६.१३८ सू २।०।७
उ १।१।६,३५,४२;३।८,२६,३५,१।२७,१।४।१;
४।१।२,१८
सरीरंगोवंगणाम (शरीराङ्गोपाङ्गनामन्) प २।३।३८,४२,६२
सरीरग (शरीःक) ज २।६।६,१००,१०३,१०४,
१०७,१०८
सरीरणाम (शरीरनामन्) प २।३।३८,४१,८६ से
६३,१।४।६,१।७।३,१।७।४
सरीरस्थ (शरीरस्थ) प ३।६।८५
सरीरपञ्जति (शरीरपञ्जति) प २।८।१।४।२,१।४।३
उ ३।१।५,८४
सरीरबन्धणणाम (शरीरबन्धननामन्) प २।३।३८,
४३,६२
सरीरबाओसिया (शरीरबाओसिका) उ ४।२।१,२।२,
२८
सरीरय (शरीरक) प १।२।२ से ५;२।१।१,२।१।६।२

सरीरसंघातणाम (शरीरसंघातनामन्) प २।३।४४
सरीरसंघायणाम (शरीरसंघातनामन्) प २।३।३८,
४४,६३
सख (स्वरूप) ज ५।४।३
सल्लिय (सल्लित) चं १।१
सलाइया (शलाकिका) ज ५।५
सलाया (शलाका) ज ३।१।१७;५।५
सल्लिगसिद्ध (स्वल्लिङ्गसिद्ध) प १।१।२
सल्लिगि (स्वल्लिङ्गिन्) प २।०।६?
सल्लि (सल्लि) ज ३।७।६,१०६;४।३,२५,६४
सू ३।१
सल्लिबिल (सल्लिबिल) ज २।१।३।१
सल्लिला (सल्लिला) ज ३।७।६,१।१।६;४।३।५,३।७,४।२,
७।१,७।७,६०,६४,१।७।४,१।८।३,२।६।२,६।६।१,
६।१।६ से २६
सल्लिलावई (सल्लिलावती) ज ४।२।१।२,४।२।१।२।१
सलील (सलील) ज २।१।५
सलेस (सलेस्य) प १।८।६८;२।८।१।२।२,१।२।३
सलेसस (सलेस्य) प ३।६।६,१।७।२।८,५६
सल्ल (दे०) प १।७।६
सल्लई (सल्लकी) प १।३।५।१,१।३।७।१
सल्लगसण (शल्पकर्तन) ज ५।५।८
सवन्तीकरण (सवर्णोकरण) उ १।४।६
सवण (श्रवण) ज २।१।५;३।२।२।५;७।१।१।३।१,
१।२।८,१।३।०,१।३।६,१।३।८,१।४।१,१।४।६,१।५।६
सू १।०।१ से ६,८,२०,२३,२८,५६,६३,७५,
७६,६३,१।२।०,१।२।२,१।३।० से १।३।५;१।५।६
सवणता (श्रवण) प २।०।२८
सवणया (श्रवण) प २।०।१।७,१।८,२।२,२।५,२।६,
३।४,४।५ उ १।१।७,३।६,४।०,४।२,४।३
सवह्णवित (अपश्रवणवित) उ १।५।७,८२
सवालुइल्ल (सवालुक) ज ३।१।०६
सविणय (सविणय) ज ३।८।१
सवियु (सविन्) ज ७।१।३।०,१।८।६
सविद्यादेवया (सवितृदेवता) सू १।०।८३
सविलेवण (सविलेवण) प ३।६।८।१

सविसय (सवद्विषय) प ११६७,६८; २८१७,१८,
६३,६४ ज ७४६६
सविसेस (सविशेष) ज २६; ४१५६; ७७,६६,
६० सू १८६ से १३
सवेद (सवेद) प २८१४०
सवेदग (सवेदक) प ३६७
सवेदय (सवेदक) प १८५६
सवेदयग (सवेदक) प ३६७
सव्व (सर्व) प १११२ ज १७ चं १२ सू ११०
उ १७०
सव्वओ (सर्वतत्) प १७१०६ से १११; २८१११,
२८२१,६७ ज १७,६,२३,३५; ४३,२१०,
२१४,२४१,२४२ सू ३१ उ ५८
सव्वओभद्द (सर्वतोभद्र) ज ३३२; ५४६१३
सव्वंग (सर्वज्ञ) ज २१५ उ १२३,६१
सव्वकज्जवड्ढावय (सर्वकार्यवर्धापक) उ ३११
सव्वकामससिद्ध (सर्वकामसमृद्ध) ज ७११७१
सू १०८६१
सव्वकालत्त (सर्वकालतृप्त) प २६४२०
सव्वक्खरसंनिवाइ (सर्वाक्षरसन्निपातिन्) ज २७८
सव्वक्खरसंनिवाति (सर्वाक्षरसन्निपातिन्) ज १५
सव्वखुड्ढाय (सर्वशुद्धक) सू ११४
सव्वग्ग (सर्वप्र) ज ४६,१४,१४६,२५६; ७११६८,
१६६,२०१,२०३,२०५,२०७
सव्वज्जुणमुव्वणमत्ती (सर्वजुनस्वर्णमयी) प २६४
सव्वट्ठ (सर्वार्थ) ज ७१२२ सू १०८४३
सव्वट्ठसिद्ध (सर्वार्थसिद्ध) प ६११०
सव्वट्ठसिद्ध (सर्वार्थसिद्ध) प ११३८; २६३;
६५६,६२; २०६१; २१७७ उ ५४१
सव्वट्ठसिद्धग (सर्वार्थसिद्धक) प ४२६७ से
२६६; ६४३; ७३०; १५६०, ६३, १०१, १०६,
१०८, ११४, ११५, ११७, १२०, १२१, १२३,
१२५, १२८, १२९, १३२, १३६, १४३; २०४६;
२८६७
सव्वण्णु (सर्वज्ञ) ज २७१; ५२१
सव्वतो (सर्वतत्) प २६४१३; २८२१, ३३, ६७;

ज ४१०७; ५५, ७ सू १६२, १२, २६, २८
सव्वत्थ (सर्वत्र) प २३२; २१३५, ४२; २२२५;
३६४७ ज ३१०६; ४५७, १८३; ७३७, १६७
सू १८३७ उ २२२
सव्वदरिसि (सर्वदक्षिन्) ज २७१; ५२१
सव्वपाणभूतजीवसत्तमुहावहा (सर्वप्राणभूतजीव-
सत्त्वसुखावहा) प २६४
सव्वप्पभा (सर्वप्रभा) ज ५११११
सव्ववल (सर्ववल) ज ३१२, ७८, १८०, २०६;
५२२, २६
सव्ववभंतराय (सर्वाभ्यंतरक) सू ११४
सव्वभाव (सर्वभाव) ज २७१
सव्वरयण (सर्वरत्न) ज ३१६७, १७८
सव्वसिग्घगइ (सर्वशीघ्रगति) ज ७१८०
सव्वसिग्घगइतराय (सर्वशीघ्रगतितरक) ज ७१८०
सव्वसिद्धा (सर्वसिद्धा) ज ७१२१ सू १०६१
सव्वहेट्ठम (सर्वाधस्तन) सू ६३
सव्वाजय (सर्वायुष्क) ज २८८; ३२२५
सव्वामयणासिणी (सर्वाययनाशिनी) ज ३१३८
सव्विदिय (सर्वेन्द्रिय) ज २१८
सव्वोजय (सर्वतुंक) ज २१२; ३३०, ३५, २२१; ५५
उ ५१६
सव्वोहि (सर्वाधि) प ३३३१ से ३३
ससंभम (ससम्भ्रम) ज ३६; ५२१
ससक्कर (सशर्कर) ज ३१०६
ससग (शशक) प १६६ ज २१३६
ससविन्दु (शशविन्दु) प १४०५
ससय (शशक) प ११२१
ससरीरि (शशरीरिन्) प २८१४१
ससरुहिर (शशरुधिर) प १७१२६
ससि (शशिन्) प २३१ ज २१५; ३६, १७, २१,
२८, ३४, ४१, ४६, ६३, १०६, १३६, १५७, १६३,
१६७, १७७, २२२; ७११२२; ७१६८१
सू १०७७, १२६२; १६८२, १६२२३, २३,
२६, २६, ३१; २०४

ससिया (शशिका) प १११२३

सस्स (शस्य) गु १०१२६४

सस्सिरीय (सथ्रीक) प २१३०, ३१, ४१, ४८, ४९,

५९, ६३, ६४ ज ११३१; २१६४, ३१९, ३५, ११७,
१८५, २०९, २२२, ४१२७, ४९; ५१२८, ५८
उ १४१, ४४

सह (सह) प २३१५६, १६०, १६४, १७५

ज २१५०, १६४; ४१०९, २०५; ७११३५४
उ ३१३८

✓ सह (सह) सहज ज २१६७

सहगत (सहगत) प २२११७

सहगय (सहगत) प २२१८०

सहजायय (सहजातक) उ ३१३८

सहपंसुकीलियय (सहप्रांशुकीडितक) उ ३१३८

सहरिख (सहर्ष) ज ३१८१

सहवडिद्वयय (सहवधितक) उ ३१३८

सहसम्मुड (स्वयंसमृति) प १११०११२

सहस्स (सहस्स) प २१२१ से २७, ३० से ३६, ४०१५,

४१ से ४३, ४६, ४९ से ५२, ५५ से ५७, ५९,
५९११, ३; २१६३, ६४; ४११, ३, ४, ६, २५, २७, २८,
३०, ३१, ३३, ३४, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४३,
४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४, ५६, ५८, ६२, ६४,
६५, ६७, ६९, ७१, ७९, ८१, ८५, ८७, ८८, ९०, ९४,
१२५, १२७, १३४, १३६, १४३, १४५, १५२,
१५४, १६५, १६७, १६८, १७०, १७४, १७६,
१८०, १८२, १८३, १८५; ६१४०; १२१९; १८१२,
६, ९, १२, १६, २०, २८, ३२, ३४, ३५, ४७, ५०,
५२, ८५; २०१६३; २११३८, ४१, ४३, ४५, ४७११,
२; २११६५, ६७, ८७; २३१६० से ६२, ६४, ६६,
७८, ८१, ८४, ९०. १११, १३३, १४७, १६७ से
१६९, १७१ से १७३, १७५ से १७७, १८२;
२८१५, ४०, ४३, ६९, ७४ से ८७, ९७; ३६१६८,
८१ ज ११७१, १११६, १७, २०, २३, ४६, ४८;
२१४३, २१६, १६, ५२, ५६, ६५, ७१, ७७ से ८२,
८८, १२६, १३०, १३४, १३८, १४०, १४९, १५४,
१५९-१६१; ३१४, १८, २२, ३०, ३१, ३६, ४३,

५१, ५६, ६०, ६८, ६९, ६९, १०६, ११७, १२०,

१२२, १२६३; ३११३०, १३६, १४०, १४५,

१४९, १६३, १७२, १७५, १८०, १८५, १८६,

१८८, १८९, २०९, २१०, २१४, २१५, २१६,

२२१, २२४; ४११, २७, ३५, ३७, ४२, ४५, ५२,

५५, ५७, ६२, ६४, ७१ ७७, ८१, ८६, ८८, ९०, ९१,

९४, ९८, १०३, १०८, ११०, ११४, ११६, १५१११.

१६५, १६७, १६९, १७४, १७८, १८३, २००,

२०५, २१३, २१५, २३४, २४०, २५७ से २५९,

२६२; ५१२८, ३२, ४३, ४८, ४९११, ५०, ५२११,

५३, ५५, ५६; ६१८१, १९ से २६; ७१११, ७८

से २५, ३१, ३३, ३४, ५४, ६७ से ८४, ९५, ९६,

१२७, १७०, १७८१, २, १८३, १८८, १८९, २०७

गु ११४, २० से २२, २६, २७; २११, ३; ३११;

४१३ से ८, १०; ६११; ८११; ९१३; १०१३५, १६४;

१२१२ से ७, ९; १८११, ४, २०, २१, २६, २८,

२९; १९१११, १९१४, ५१३, ७, ८३, १०, ११११,

३, ४; १९११४, १५११, ३, ४, १९११८, १९,

१९१२१२, ४, ५, ७, १९१२१२, ३, २, १९१३०

उ ११४, १५, २१, २२, २५, २६, १२१, १२६,

१३२, १३३, १३६, १३७, १४०, १४७; ३१७, ९१,

११०, १११; ४११६, १८; ५११७, ३७

सहस्सकव (सहस्सक) प २१५० ज ५१८

सहस्सगलो (सहस्सगलो) प ११२०, २३, २६, २९,
४८

सहस्सपत्त (सहस्सपत्त) प ११४६ ज ३१८६; ४१३,
२२, २५, ३०, ३४; ५१५५

सहस्सपत्तहत्थयय (हत्थययसहस्सपत्त) ज ३११०

सहस्सपाग (सहस्सपाग) ज ५११४

सहस्सरस्ति (सहस्सरस्ति) उ ३१४८, ५०, ५५, ६३,
६७, ७०, ७३; १०६, ११८

सहस्सवत्त (सहस्सवत्त) प ११४८४४

सहस्सार (सहस्सार) प १११३५; २१४९, ५७, ५८

५९११, ६३; ३१३६, १८३; ४१२५२ से २५४;

६१३४, ५६, ६५, ८९, ९२, १०९; १५१८८;

२०१५९, ६१; २११७०, ९१; २८१८२; ३४११६, १८

ज ५४६१२ उ २१२२
 सहस्रारग (सहस्रारक) प ६११२; ७११५;
 ३३११६
 सहस्रारव्यङ्ग्य (सहस्रारावतंसक) प २१५७
 सहि (सखि) ज २१२६, ६६
 सहित (सहित) सू १६१२२१२५
 सहिय (सहित) प २६१२१ ज २११५; ३३११, ६५,
 १५६; ७११६१२ सू २०१६, २०१६२
 सहोदर (सहोदर) उ ११६५
 खाइ (स्वाति) ज ७११२६, १३५१२, १३५१२, १३६,
 १४०, १४६, १६५, १७५
 साइम (वाद्य) उ ३५०, ५५, १०१, ११०, १३४;
 ४१२६
 साइवार (भातिचार) प ११२६
 साइरेग (सातिरेक) प १११७६; २३१६५ ज १३५,
 ४०, ५१; २१२२६, १४६; ४६, १४ २३, ३१, ३६,
 ४१, ६५, ६६, ७३, ६०, ६१, ११६, ११६, १२२,
 १३६, १४६, १४७, २१६, २४२; ७१२५, १६६,
 २०७ सू ६११; १११३७
 साजफल (साहुफल) ज २११२
 साण्य (साकेत) प ११६३१२
 सागर (सागर) प २१६६; ३३३, ७६, ७६, ६१, १०५,
 ११६, १२६४, १२६, १५१, १७०, १६५, १६६,
 २०६, २२१; ४११६२११, २३६; ५३२, ५६
 ज २१६६; ३३३, ७६, ७६, ६१, १०५, ११६,
 १२६४, १२६, १५१, १७०, १६५, १६६, २०६,
 २२१; ४११६२११, २३६; ५३२, ५६ सू १६१३१
 उ २११२; ५११०
 सागरकूड (सागरकूट) ज ११६४
 सागरचित्त (सागरचित्त) ज ४१२३६
 सागरचित्तकूड (सागरचित्तकूट) ज ५१२३६
 सागरोजय (सागरोजय) प ४११, ३, ४, ७, ६, १०,
 १२, १३, १५, १६, १६, १६, २१, २२, २४, २५, २७,
 ३१, ३३, ३७, ३६, २०७, २०६, २१३, २१५,
 २२५, २२७, २३७, २३६, २४०, २४२, २४३,
 २४५, २४६, २४६ २४६, २५१, २५२, २५४,

२५५, २५७, २५६, २६०, २६१, २६३, २६४,
 २६६, २६७, २६६, २७०, २७२, २७३, २७५,
 २७६, २७६, २७६, २७१, २७२, २७४, २७५,
 २७७, २७७, २६०, २६१, २६३, २६४, २६६,
 २६७, २६६; १११२, २१६, १६, २४, २६, ३१,
 ३६, ४२, ४४, ४६, ४७, ४६, ५४, ६१, ६६ से ७४,
 ७६, ७६, ६४, ६५, ६७, ११३, ११३; २३१६० से
 ६६, ६६, ६६, ७३ से ७६, ६१, ६३ से ६०, ६२,
 ६५ से ६६, १०१ से १०४, १११ से ११४,
 ११६ से ११६, १२७, १३६ से १३१, १३३ से
 १३५, १३६, १४०, १४०, १४३ १५१, १५३, १५५
 से १५७, १६०, १६४, १६६ से १६६, १७१ से
 १७३, १७५ से १७७, १६२, १६३, १६६, १६७,
 १६० ज २१५, ६१, ५४, १११, १२६, १५४,
 १६०, १६३ सू ६११; ६११ उ ११२६, १४०;
 ३११५०, १६४, १६६, १०१; ५११६, ४२
 सागार (साकार) प २१४४१२; २३११६५, १६६ से
 २०१; २६१११; ३०१६६, २६
 सागारपल्लि (साकारपल्लि) प ३०१५ से १६,
 २०, २२, २३
 सागारपारण्य (साकारपारण्य) प ३०१७
 सागारपाल्लय (साकारपल्लय) प ३०११, २, ५, ६,
 ६ से १२, १६, २१
 सागारपारण्योक्त (सागारपारण्योक्त)
 प २०१३६
 सागारोक्त (साकारोक्त) प ३११०६, १७४;
 १३१६४; १६१६६; २६१६६ से २१; ३६१६२
 सागारोक्तोक्त (साकारोक्तोक्त) प २६११, २, ५, ६,
 ६, १२
 सागारोक्तोक्तपारिभाष (सागारोक्तोक्तपारिभाष)
 प १३१६
 साडय (साटक) ज ६११२५ १२६
 साडय (साटक) ज १११६, ५२ ७६, ७७
 साडय (साटक) ज १११६, ५२ ७६, ७७
 साडय (साटक) प १५१५१ ज २१६६

सात (सात) प ३५१११, २, ३५१८, ६
 सातश्वेदग (सातवेदक) प ३११७४
 सातश्वेदगिज्ज (सातवेदनीय) प २३११५, २६,
 १४६, १७६
 सातश्वेदगिज्ज (सातवेदनीय) प २३११५, ३०, ६३,
 १३५
 सातासात (सातासात) प ३५१८, ६
 साताश्वेदग (सातश्वेदक) सू २०१७
 साति (सादि) प २३१४६
 साति (स्वाति) सू १०१२ से ६, १७, २३, ४८, ६२,
 ७२, ७५, ८३, ११३, १३१ से १३४; १८१७
 सातिरेग (सातिरेक) प ४१३१, ३३, ३७, ३९, १६८,
 २००, २०४, २०६, २२५, २२७, २२८, २३०,
 २३१, २३३, २३४, २३६, २४०, २४२; ७१२, ६,
 ११; १५४१; १८१६, १८, ३१, ३६, ४६, ५४,
 ६१, ७६, ८५, ८७, ११३, ११६; २१३३८, ४१,
 ६३, ६६ ८७; २८२२५, ७६, ७८; ३६६६८
 सू २१३; ६१३; १२११५
 सादि (सादि) प १५१३५
 सादि (स्वादि) सू १०११२०
 सादिय (सादिक) प २१६४
 सादीय (सादिक) प १८१७, १७, २६, ५८, ५९, ६३;
 ६७ ७५ से ७७, ७९, ८२, ८३, ८८, ९०, ९२,
 १००, १०५, ११२, ११५, ११८, १२१, १२४, १२७
 साध (साध्) साधेति सू १०११२० साधेति
 सू १०११२०
 साभादिय (साभादिक) ज ३१२०६; ५१५६
 साम (साभा) प १३३७४
 साम (साभा) उ ११३१
 सामंत (साभन्त) उ ११३, ३१२६
 सामग (साभग) प १४४५१२
 सामग्य (साभग्य) सू १०१७७
 सामण्य (साभण्य) उ २११२; ३११४, २१, १२०,
 १५०, १६१; ४१२४; ५१२८, ३६, ४१, ४३
 सामण्यओषिणवाइय (सामान्यतोविनिपातिक)
 ज ५१५०

सामण्यपरियाय (श्रामण्यपर्याय) ज २१८८;
 ३१२२५
 सामल (श्रामल) ज ३११०६
 सामलता (श्रामलता) प ११३६११
 सामलया (श्रामलता) ज २१११
 सामली (श्रामली) ज ४१२०८
 सामा (श्रामा) प २१४०६; १७१२४
 सामाइय (साभण्यिक) प १११२४, १२५ उ २११०,
 १२; ३११४, १५०, १६१; ५१२८, ३६ ४१
 सामाइयचरित्तपरिणाम (सामाणिकचरित्तपरिणाम)
 प १३११२
 सामाण (समान) प २१४६, ४७, ४७२
 सामाणिय (सामणिक) प २१३० से ३३, ३५;
 ४०५, ४१, ४३, ४८ से ५६ ज ११५५; २१६०;
 ४१७, ११३, १५०, १५६; ५१५, ६, १६, ३६, ४२,
 ४४, ४५, ४६, ४६१२, ५०, ५१, ५२१, ५३, ५६,
 ६५, ६७; ७१५६, ५६, १८५ सू १८१२३; १६१२४,
 २७ उ ३१६, २५, ६०, १५०, १५६, १६६; ४१५
 सामि (स्वामिन्) ११४; ३१८, १६, ४३, ६३, ७०, ७७,
 ८४, १००, १२६१२, १४२, १६५, १८१, १८२;
 ५१५५, ५७, ५८ च ६ सू ११४ उ ११६, ३६, ४०
 ४२, ४५, ६६, १०३, १०७, १०८, ११० से ११२,
 ११४, ११६, १२८, १३६; २१६, १८; ३१५, २४,
 ८६ १५५, १६८; ४१४
 सामित्त (स्वमित्त) प २१३०, ३१, ४१, ४६
 ज १४४५; ३१८५, २०६, २२१; ५११६ उ ५११०
 सामिय (स्वामिक) ज ३१८१
 सामुदायिय (सामुदायिक) उ ३११५ से १७
 सायं (सायं) सू २११; १०१५, १३६
 सायावेदगिज्ज (सायश्वेदनीय) प २३११५
 सायावेदगिज्ज (सायश्वेदनीय) प २३११४१
 सार (सा) प ११७६ ज ११२६; २१६४, ६६;
 ३१२, ३, २४, ३५ च ११३ उ १११०, २६, ६६;
 ५१११
 सायर (सागर) सू १६१२२१४
 सारइयबलाहक (सारदिव्यबलाहक) प १७११२८

सारंग (सारङ्ग) प १५१ ज ३३
 सारकल्लोण (सारकल्याण) प १४३१
 √सारकख (सं+रक्ष्) सारकखति ज २४६,५२,
 ५६ सारकखस्मंति ज २१५६,१६१
 सारकखमाण (संरक्षत्) उ १५७,५८,८२,८३
 सारकखज्जमाण (संरक्ष्यमाण) उ ३४६
 सारकखत्ता (संरक्ष्य) ज २४६
 सारय (शारद) ज ३११७
 सारस (सारस) प १७६ ज २१२ उ ५५
 सारहि (सारथि) ज ३३५,१७८
 सारिख (सादृश्य) प २६४,१८
 सारीर (शारीर) प ३५१,३५६,७
 सारीरमाणस (शारीरमाणस) प ३५६,७
 साल (शाल) प १३५१,१४३१,१४८,१४,२४
 सू २०८,२०८
 सालवण (शालवण) ज ३६६ से १०१
 सालभंजिया (शालभञ्जिका) ज १३७; ५१३,२८
 सालवण (शालवण) ज २६
 साला (दे०) प १३५,३६,१४८,३३,३७
 सालि (शालि) प १४५१ ज २३७; ३११६;
 ४१३; ७१७
 सालिगण (शालिगण) सू २०७
 सालिपिट्टराशि (शालिपिट्टराशि) प १७१२८
 सालिसच्छियामच्छ (शालिसाक्षिकामत्स्य) प १५६
 सालिसय (सादृश्यक) सू २०७
 सावइज्ज (स्वापतेय) ज २१४,६४
 सावगधम्म (स्वावकधर्म) उ ३४५,७६,१०३,१०४;
 १४३; ५१२०
 सावण (श्रावण) ज २१३८; ७१०४,११४,१२६
 सू १०१२४,१२६ उ ३४०
 सावतेय (स्वापतेय) ज २६६
 सावत्थी (श्रावत्थी) प १६३५ उ ३६ से ११,२१
 सावय (स्वापद) ज २३६
 सावय (श्रावक) ज ७१२४
 सावयबहुल (स्वापदबहुल) ज ११८

साविट्ठी (श्राविट्ठी) ज ७१३७,१३८,१४१,
 १४७,१५०,१५४ सू १०७,८,२०,२३,२५,२६
 साविया (श्राविका) ज ७१२४
 सावैत (श्रावयत्) ज ३१७८
 सास (स्वास) ज २४३
 सास (सम्य,शम्य) ज ७११२,४
 सासग (सम्यक,शम्यक) प १२०,२
 सासग (शासक) ज ३३३
 सासण (शासन) ज ३८१,१५१ उ ११३६
 सासत (शासवत) ३६६,४
 सासय (शासयत्) प २६४,२६४,२०,२२;
 ३६६,३६४,६४,११ ज १११,४७; ३१२२६;
 ४१२२,३४,५४,६४,१०२,१०७,११३,१५६,
 १६१; ७१२०८ से २१०
 सासवसमुग्गयहत्थयय (हस्तगतसर्षपसमुद्गत)
 ज ३११
 सासैत (शासत्) ज ३१७८
 √साह (साधय्) साहेइ उ ३५१
 साहट्टु (गहृत्) ज ३१२ उ १२२
 √साहर (गं, ह्) साहरइ ज २६५; ३१२६,३६,
 ४७,१३३; ५१२१,५८ साहरति ज २६६;
 ५१२५,७०,६८,११० साहरइ ज २६५,६७,
 १०६; ५१२४,८६ साहरहि ज ५६८
 साहरिज्जमाण (गहृत्माण) ज ४१०७
 साहरित्ता (गहृत्त्य) ज २६५
 साहस्सिय (साधयिक) सू १६१२३,२६ उ ३६१
 साहस्सी (साहसी) प ३३० से ३३,३५,४१,४३,
 ४८ से ५६ ज १४५; २७४ से ७७,६०;
 ३१२२१; ४१७,१६,२०,११२,११३,१२६,
 १५०,१५१,१५६; ५११,५,६,१६,३६,४०,
 ४८ से ४६,४६ से ५३,५६,६५,६७; ७५५,
 १७८,१८५ सू १८१४ से १७,२१,२३
 उ ३६,१२,२५,६० १५६,१६६; ४५; ५१०
 साहारण (साधारण) प १४८,५४,५५,६०
 साहारणसरीर (साधारणसरीर) प १३२,४८

साहारणसरीरगाम (साधारणशरीरनामन्)

प २३३३८, १२१

साहाविय (सहाभाविक) ज ५१५५

√साहि (कथय्) साहिज्ज प १७११२६

साहिज्जति प १७११२६ साहिज्जति

प १७११२६

साहिय (साधिक) प ४१२४० ज २१६६; ३१७६,

११६, ११८; ७११६४

साहीय (साधिक) प २१६४०

साहु (साधु) चं ११२

साहेत्ता (साधित्वा) उ ३१५१

सिडडि (दे०) प ११४८१

सिंग (शृङ्ग) ज ३११०६; ५१६३; ७११७८

सिंगम (शृंगम) ज ३१२४

सिंगवेर (शृंगवेर) प ११४८१२; १७११३१

सिंगवेरचुण्य (शृंगवेरचूर्ण) प १११७६; १७११३१

सिंगभूत (शृंगभूत) ज ३११८६

सिंगभूय (शृंगभूत) ज ३१२१७

सिंगमाल (शृंगमाल) ज २१८

सिंगार (शृंगार) प ३४११६, २१ ज २११५

सू २०१७

सिंगारागार (शृंगारगार) ज ३११३८

सिंगिरिड (शृंगिरीट) प ११५१११

सिंघाडम (शृंगघाटक) प ११४८१६ ज २१६५;

३१६५, २१२, २१३; ५१७२, ७३ उ ११६८

सिंघाडय (दे०) सू २०१२ राहु का नाम

सिंघाण (सिंघाण, सिंघाण) प ११८४

सिंघुवार (सिंघुवार) प ११३७४, ११३८१

ज २११०; ३१३५

सिंघुवारवरमल्लदाम (सिंघुवारवरमाल्यदामन्)

प १७११२८

सिंदूर (सिंदूर) ज ३१३५

सिंघु (सिंघु) ज १११८, २०, ४८; २१३१, १३३,

१३४; ३११, ५१, ५२, ५४, ५०, ७६, ७८, ६७, ६६,

१११, ११३, १२८; ४१३७, १६७, १७४ से १७३,

२७४; ६११६

सिंघुआवत्तकूड (सिंघुआवत्तकूट) ज ४१३७

सिंघुकुंड (सिंघुकुण्ड) ज ११५१; ४११७४, १७५

सिंघुकूड (सिंघुकूट) ज ४१४४

सिंघुगम (सिंघुगम) ज ३१६४, १५१

सिंघुदेवी (सिंघुदेवी) ज ३१५१, ५२, ५४, ५६, ५७,

५८

सिंघुद्वीप (सिंघुद्वीप) ज ४१३७

सिंघुप्पवायकूड (सिंघुप्रपातकुण्ड) ज ४१३७

सिंघुसागरंत (सिंघुसागरान्त) ज ३१८१

सिंघुसोवीर (सिंघुसोवीर) प ११६३४

सिंभिय (जलैष्मिक) उ ३११२२, १२८

सिंहल (सिंहल) प ११८६

सिंहलय (सिंहलक) ज ३१८१

सिंहली (सिंहली) ज ३११११

सिंहासण (सिंहासन) ज ११४४

सिक्खा (शिक्षा) प १११४६ उ ११२०

सिखिखय (शिक्षित) ज ३११७८; ७११७८

सू २०१६३, ५

सिंघ (शीघ्र) ज २१६०; ३१२६, ३६, ४७, ५६, ६४,

७२, १०६, ११३, १३३, १३८, १४५; ५१५, २८,

४४, ४७, ६७ सू २१३; १५११, ३७; १८११८

सिंघगइ (शीघ्रगति) ज ७११८० चं २१४; ४१२

सू ११६४, ११८२

सिंघगामि (शीघ्रगामित्) ज ३१३५, १०६

सिंघया (शीघ्रता) ज ३११०६

√सिज्ज (सिञ्) सिज्जह प ३६१८८ सिज्जहई

प २१६७१, २ सिज्जति प ६१५७, ६७, ११०

ज ११२२, ५०; २१५८, १२३, १२८, १४८;

४११०१, १७३ सिज्जति प ३६१६२

सिज्जहि उ ११२४१; २१२०; ३११८; ४१२६;

५१४३ सिज्जति ज २१५१, १५७

उ २१२२; ४१२८ सिज्जिज्जा प २०११८

सिञ्जकण (सिञ्जक) प ६१२, ४४

सिग्नेहभाव (स्नेहभाव) ज २१४३

सित (सित) प २१३१

सित्त (सित्त) ज २१६५; ३१७; ११९; ५१५७

सिद्ध (सिद्ध) प ११११, १११३; २१६४, २१६४२ से
४, ६ से १२, १४, १६, १८, २० से २२; ३१३७ से
३६, १८३; ५१३; ६१४४, ४६, ५७, ५६, ६७, ६६;
१११३६; १२१७, १०, २०; १६१२५, ३०, ३२, ३३,
३५, ३७; १८१७; १६१५; २२१८; २८१०७, ११०,
११३, ११४, १२०, १२१, १२४, १२५, १३१,
१३८, १३९, १४१; ३११६; ३२१६; ३६१६३, ६४
ज २१६१, २१६२, २१६, २१६, ३१२२५; ४१६२११,
१७२११, २०४११, २१०११, २६३११, २६६११;
५१५८; ७१११७ जं ११२

सिद्धकैवलि (सिद्धकैवलिन्) प १८१६८, १००

सिद्धगति (सिद्धगति) प ६१५

सिद्धत्व (सिद्धार्थ) उ ५१२६, २८

सिद्धत्व (सिद्धार्थक) ज ३१२०६; ५१५५, ५६

सिद्धत्व (सिद्धत्ववत्) ज २१६५

सिद्धत्विया (सिद्धत्विया) प १७११३५

सिद्धत्वोरत्न (सिद्धत्वोरत्न) ज ७१११७१

सू १७१८६१

सिद्धाय तनकुट (सिद्धाय तनकुट) ज ११३४ से ३६,
४१; ४१४४, ४४, ४८, ७६, ६६, १०५, १०६,
१३६, १३७, १६७, १६६, १६२, १६८, २१०,
२११, २३५, २३७, २४२, २६३

सिद्धायवत् (सिद्धायवत्) ज ४११४७, १६३, १८०
२१६, २१७, २२०, २३५, २३७, २४२

सिद्धायवत्कुट (सिद्धायवत्कुट) ज ४१२१२, २७५

सिद्धावय (सिद्धावय) प २१६४

सिद्धि (सिद्धि) प २१६४; ३६१८३१२

सिद्धिगड (सिद्धिगति) ज ५१२१

सिष्प (सिष्प) ज २१६४; ३१६७१७; ५१५, ७

सिष्पारिष (सिष्पारिष) प ११६२, ६७

सिष्पिया (सिष्पिया) प ११४२१२

सिष्पिसंयुट (सिष्पिसंयुट) प ११४६

सिब्बिया (सिब्बिका) ज २११०१, १०२

सिब्ब (सिब्बन्) ज २११३३

सिय (सियान्) प ११४८; ५१५, १०, २०, ३०, ३२,
१०२, १२६, १३१, १३२, १३४, १६०, १७७,
१६३, २१४, २२८; ६११५, ११६; १०१७ से
१३, १७, १६, २०, ३१, ३२, ३४, ३६, ३८, ४०,
४२, ४४, ४६, ४८, ५०, ५२; १११२, ३; १२१६,
२४, ३२, ३३; १५१५३, ५४, ६१, १२२, १२३;
१७१६४, ६५, १०२ से १०४, ११६, १५०, १५२;
२११६५, ६८ से १००; २२१२६, २६, ३०, ३२,
३३, ३८ से ४०, ४२, ५० से ५२, ६७ से ६६,
७१, ७४, ६१, ६३, ६७, ६६; २८११, १०६,
१११, ११५, ११७, १२०, १२२, १२५, १२८,
१२६, १३२, १४३; ३६११४, १७, १६, २२, २३,
२५, २७, ३३, ३४, ६२, ६३, ७७ ज ७१२०८, २०६

सिया (सियान्) ज ५१७

सियाल (सियाल) प ११६६; ११२१ ज २१३६,
१३६

सियाली (सियाली) प ११२३

सिर (सिरम्) ज २१३३; १८०, २२१

सिरय (सिरस्क) प २१४६ ज २११५; ३१६, १८,
६३, १८०, २२२

सिरसावत्त (सिरसावत्त) ज ३१५, ६, ८, १२, १६,
२६, ३६, ४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७२, ७४,
७७, ८४, ८८, ९०, १००, ११४, १२६, १३३,
१३८, १४२, १४५, १५१, १५७, १६५, १८१,
१८६, २०५, २०६, २०६; ५१५, २१, ४६, ५८
उ १३३६, ४५, ५५, ५८, ८०, ८३, ६६, १०७,
१०८, ११६, ११८, १२२; ३११०६, १३८; ४११५;
५११७

सिरसिज (सिरसिज) ज ३१३८

सिरि (श्री) ज २१८, ६, १५; ४१२१, ४११७ से २०,
२२; ५११११, ५१३८; ७११३३

सिरिकंता (श्रीकान्ता) ज ४११५१२, २२४१

सिरिकंदलग (श्रीकन्दलग) प ११६३

सिरिकूड (श्रीकूट) ज ४४४
 सिरिघर (श्रीगृह) ज ३२२०
 सिरिचंद्रा (श्रीचन्द्रा) ज ४१५५, २२४१
 सिरिभिलया (श्रीभिलया) ज ४२२४१
 सिरियाम (श्रीदा. ज) ज ५१६७
 सिरिदेवित्त (श्रीदेवित्त) उ ४२४
 सिरिदेवी (श्रीदेवी) उ ४५
 सिरिनिलया (श्रीनिलया) ज ४१५५२
 सिरिसहिया (श्रीसहिया) ज ४१५५२, २२४१
 सिरिबंडतय (श्रीबतंसक) उ ४५
 सिरिबडेंय (श्रीबतंसक) उ ४२४
 सिरिबच्छ (श्री बत्स) ज ३३, ३६, ११६, १७८;
 ४२८
 सिरिबच्छः (श्रीबत्स) ज ५४६३
 सिरिसंग्रुया (श्रीसंग्रुया) ज ७१२०१
 सू १०८८१
 सिरिहिरिचिडति (श्रीहिरिचिडति) (श्रीह्रीधृतिवीति-
 परिचिडति) उ ११८६, ११५, ११६
 सिरिय (श्रीक) ज ३५६
 सिरिस (श्रीक) १२६३
 सिरिय (श्रीक) १६५५१
 सिला (श्रीक) प १२२०, २३३ ज २२४, ६४,
 ६६; ३२५, ११६, १६७, १७४, २४६
 २५१, २५२
 सिलिध (श्रीक, श्रीक) प २३३, २४०, १०
 सिलुच्छ (श्रीक) उ ५१२
 सिलत (श्रीक) प २४७
 सिलोच्छ (श्रीक) ज ४२६०१
 सिल (श्रीक) प २३०, २४४ ज २४७, ३१५,
 २०६; ५१२, ५१५; ७११, ७१२ सू १०१२०१
 १४१, ४४; ३११, १७१
 सिलिर (श्रीक) उ ७११, ७१२ सू १०१२०१
 सिलस (श्रीक) प २४६
 सिलसणीभिकखा (श्रीक, श्रीक) उ ४१६
 सिलसणी (श्रीक) उ ४१६

सिलसणीभिकखा (श्रीक, श्रीक) उ ४१६
 सिंहिडि (श्रीक) ज ३१७८
 सिहर (श्रीक) प २४८ ज १३७; ३२४;
 ४४६; ५४३ उ ५५
 सिहरतल (श्रीक) ज १३२, ३३; ४२४१
 सिहरि (श्रीक) प २११, १६३० ज ३१५६,
 २१७; ४२७१, २७३, २७४, २७७
 सिहिकूड (श्रीक) ज ४२७५
 सिहरिसंठानसंठिय (श्रीक, श्रीक) ज ४२७६
 सिहि (श्रीक) ज २१३७
 सीउण्ह (श्रीक) ज २१३३; ३१३८
 सीओदध्यव्यकुंड (श्रीक, श्रीक) ज ४६२
 से ६४
 सीओदा (श्रीक) ज ४६३, ६४
 सीओदाकूड (श्रीक) ज ४६६
 सीत (श्रीक) प १५, ७ से ६; ५७, २११, २१२,
 २१४, २१५, २१८, २२० से २२६; ६१ से ११;
 २८१, २८२; ३४१, ३४२
 सीतजोणिय (श्रीक) प ६१२
 सीतल (श्रीक) उ २०२
 सीता (श्रीक) प २४६ सू २३
 सीतलीय (श्रीक) उ २३
 सीतलीय (श्रीक) उ २३
 सीतोदा (श्रीक) ज ४६६, ६२, ६५, २१०१,
 २१२, २१५, २२६ से २२८; ६२२
 सीतोयामुह्यणसंड (श्रीक) ज ४२२२
 सीतोयामुह्यणिय (श्रीक) उ २१२
 सीतोयण (श्रीक) प ६१ से ११; ३५१ से ३
 सीयु (श्रीक) उ १३६, ७६, ७७
 सीभर (श्रीक) उ १६७
 सीभर (श्रीक) ज २५६, ६०
 सीभर (श्रीक) ज २५६, ६०
 सीभर (श्रीक) ज २५६
 सीभर (श्रीक) उ १०१, ३३

सीय (शीत) प ११४ से ६; ५१५, १२६, १५४,
 २१०, २१३ से २१५, २१७ से २१९, २२१;
 ११५६, ६०; १७१३३८; २८२०, ३२, ६६,
 १०५; ३५१२, ३ ज २१३१, १३४ उ ३१२८
 सीयउरय (दे०) प ११३७३
 सीयल (शीतल) ज २१२०; ४३, २५
 सीया (शिक्षिका) ज २११२, ३३, ६४, ६५, १०३, १०४
 उ ३११०, १११; ४१६, १८
 सीया (शीता) ज ११६; ४११०, १४१, १४३,
 १६२१, १६७, १६९, १७२, १७४, १७७, १७८,
 १८०, १८१, १८३ से १८५, १८७, १८९ से
 १९१, १९३, १९६, १९७, १९९ से २०२, २१२,
 २१५, २२६, २२७, २३२, २३३, २६२, २६३१;
 ५११०१; ६१२२; ७१२२
 सीयामहाणई (शीतामहानदी) ज ४१२००
 सीयामुहवण (शीतामुखवन) ज ४११६६ से २०२
 सीयाखीस (सप्तचत्वारिंशत्) ज ७१२० सू ४१०
 सीयोषा (शीतोदा) ज ४१२०६, २०७, २०८, २१२,
 २२८
 सीयोयामुह (शीतोदामुख) ज ४१२१२
 सील (शील) प २०११७, १८, ३४ ज ३३; ५१५
 सीवण्णी (श्रीवर्णी) प ११३५३
 सीस (शीप) उ ११६७; ३११४; ४१२१
 सीसपहेलियंग (शीर्षप्रहेलिकाङ्ग) ज २१४
 सीसपहेलिया (शीर्षप्रहेलिका) ज २१४ सू ८१
 सीसय (सीसक) प ११२०१
 सीसवा (शिक्षा) प ११३५३
 सीसवेवणा (शीर्षवेवना) ज २१४३
 सीसाखंड (सीसखण्ड) प १११७४
 सीसिणिभिक्षा (शिक्ष्याभिक्षा) उ ३११२२
 सीह (सिंह) प ११६६; २१२०, ४६; ६१८०१;
 ११२१ ज २११५, ३६, १३६ उ ११३३; २१८
 ५११३, १५
 सीह (सोद्य) ज २१३६, १३६; ३१२६, ३६, ४७, ५६,
 ६४, ७२, ११३, १३३, १३८, १४५; ५१५, ४४, ४७,
 ६७

सीहकण (सिंहकर्ण) प ११८६
 सीहकण्णी (सिंहकर्णी) प ११४८१
 सीहगइ (शीघ्रगति) ज ७१६८१२
 सीहघोस (सिंहघोष) ज २११६
 सीहणाद (सिंहनाद) सू १६१२३
 सीहणाय (सिंहनाद) ज ३१२२, ३१, ३६, ७८, ६३,
 ६६, १०६, १६३, १८०; ५१२, ५७; ७१५५, १७८
 उ ११३८
 सीहणिसाइ (सिंहनिपादिन्) ज ७१३३३३
 सीहणीसाइसंठिय (सिंहनिपादिसंस्थित) सू १०५४
 सीहनाय (सिंहनाद) उ ११३३८
 सीहपुरा (सिंहपुरा) ज ४१२१२, २१२१२
 सीहमुह (सिंहमुख) प ११८६
 सीहखुधारि (सिंहखुधारिन्) ज ७११७८
 सू १८१४ से १७
 सीहस्वर (सिंहस्वर) ज २११६
 सीहसीया (सिंहस्रोता, शीघ्रस्रोता) ज ४१२१२
 सीहासण (सिंहासन) ज ३१३, ६, १२, २६, २८, ३६,
 ४१, ४७, ४९, ५८, ६६, ७४, १३३, १४५, १४७,
 १७८, १८८, १९७, २०४, २१४, २१६, २२२;
 ४१५०, ५३, ५६, ११२, ११६, १२३, १३५, १४७,
 १५५, २२३१, २२४१, २४८, २५० से २५२;
 ५११३, १४, १८, २१, ३६, ३६ से ४१, ४७, ५०,
 ५५, ६० सू १८२३ उ ११४१; ३१६, २५, ६०,
 ६१, १३६, १५६; ४१५
 सीहासणहस्थगय (हस्तगतसिंहासन) ज ३१११
 सीही (सिंही) प १११२३
 सु (सु) ज १११३, ३७; २१६, १२, १५; ३१६, १२, २८,
 ३५, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ११७, ११९, १३८,
 १७८, २२२; ४१३३, १०२, १२८, १४६, १५७,
 १७८, १८०, १८१, १८२, २०२, २०४, २११;
 ५१५, ७, ६, ५३; ७१२०
 सुइ (शुचि) २११५; ३१६, २२२; ४१२६; ५१५७
 सुइग (शुचिक) ज २१६५; ३१७
 सुइभूय (शुचीभूत) ज ३१८ उ ३१५१, ५६
 १. वनस्पति कोश में सिंहपर्णी शब्द मिलता है ।

मुईभूय (शुचीभूत) उ ४।१६
 मुजत्तार (सुत्तार) ज ४।३, २५
 मुकलितण (शूकरीतृण) प १।४२।२
 सुंगा (शौङ्गा) ज ७।१३।२।३
 सुंगायण (शौङ्गायन) म १०।११४
 सुंठ (शुण्ठी) प १।४२।२, १।४८।४६
 सुंदर (सुन्दर) ज २।१५; ३।१३८; ७।१७८
 सुंदरी (सुन्दरी) ज २।१५, ७५
 सुंब (सुम्ब) प १।४१।१
 सुंभुमार (सुंभुमार, शिभुमार) प १।५५, ६०
 मुकच्छ (मुकच्छ) ज ४।१७८, १८१ से १८३
 मुकण्ह (मुकण्ह) उ १।७
 मुकत (मुकत) प २।३१, ४१
 मुकय (मुकत) प २।३१, ४१ ज १।३७; ३।७, ६,
 १८, २४, ३५, ६३, १०६, १७८, १८०, २२२;
 ७।१७८
 मुकरण (मुकरण) ज ३।३५
 मुकाल (मुकाल) उ १।७, १।४६, १।४७; २।१८, १६
 मुकाली (मुकाली) उ १।१४५, १।४६; २।१७, १८
 मुकुमाल (मुकुमार) ज २।१५; ३।३, ६, १०६,
 २०६, २११, २२२ उ १।१४६
 मुकुल (मुकुल) ज ३।१०६
 मुकुसल (मुकुशल) ज ३।११६
 मुक्क (मुक्क) प १।८४, १।३५; २।४८, ६३ सू २०।८,
 २०।८।४ उ ३।२।१, ३।२५, ८३, ८६
 मुक्क (मुक्क) प १।३।६
 मुक्क (मुक्क) उ ३।१२८
 मुक्क (मुक्क) उ ३।३५ से ३७, ४०, ४३
 मुक्कपक्ख (मुक्कपक्ख) ज ७।११५, १२५
 मू १।६।२।१।८
 मुक्ककण्ठिवाडिया (दे०) प १।७।१२८
 मुक्कलेस (मुक्कलेस) प १।७।५८, १०४, १६८;
 २३।२००
 मुक्कलेसदठण (मुक्कलेसदठण) प १।७।१४६
 मुक्कलेसा (मुक्कलेसा) प १।७।४७, १३६
 १. शौङ्गायन गोत्रस्य संक्षिप्त रूपम् ।

मुक्कलेस (मुक्कलेस) प ३।६६; १३।१८, २०;
 १।७।३५, ५६, ५८, ६३ से ६६, ७१, ७३, ७६ से
 ८१, ८३, ८४, ८६, ८६, १०४, ११३, १६७;
 १८।७४, २३।२०१; २८।१२३
 मुक्कलेसदठण (मुक्कलेसदठण) प १।७।१४६
 मुक्कलेसा (मुक्कलेसा) प १।६।४६, ५०; १।७।३५,
 ३६, ३८, ४१, ४३, ५४, १।१७, १।१७ से १।२२,
 १।२६, १।३५, १।३७, १।४० से १।४५, १।४७, १।५३
 से १।६१
 मुक्कलेसापरिणाम (मुक्कलेसापरिणाम) प १।३।६
 मुक्ककवडिसय (मुक्ककवडिसय) उ ३।२५, ८३
 मुक्किल (मुक्किल) प १।४ से ६; ५।५, ७, २०५;
 १।१।३३, ५४; १।३।२६; २।३।४७, १०१, १०६;
 १०६; २०।६, ७, २६, ३२, ५३, ६६ ज १।१३;
 २।७, १।६४; ३।२४, ३१; ४।२६, १।१४ सू २०।२
 मुक्किलपत्त (मुक्किलपत्त) प १।५१
 मुक्किलमत्तिया (मुक्किलमत्तिया) प १।१६
 मुक्किलमुत्तय (मुक्किलमुत्तय) प १।७।११६
 मुक्किलय (मुक्किलय) प १।७।१२६ सू २०।२
 मुक्किल्ल (मुक्किल्ल) प २८।५२
 सुग (सुक) प १।७६
 सुगइगामि (सुगतिगामिन्) प १।७।१३८
 सुगंध (सुगन्ध) प २।३०, ३१, ४१ ज २।१५, ६५;
 ३।७, १।२, ८८, २।११; ५।७, ५५ सू २०।७
 उ ३।१३१
 सुगंधि (सुगन्धिन्) ज २।१२
 सुगंधिय (सुगन्धिक) प १।४६
 सुगपत्त (सुकपत्त) ज ३।१०६
 सुगूढ (सुगूढ) ज २।१५
 सुघोसा (सुघोषा) ज ५।२।२, २।३, २।४, ४६
 सुचक्क (सुचक्क) ज ३।३५
 सुचरिय (सुचरित) ज २।७१
 सुचिण (सुचीर्ण) ज १।१३, ३०, ३३, ३६; ४।२
 सुजाण (सुजानु) ज २।१५
 सुजाय (सुजात) ज २।१४, १।५; ३।१०६; ४।३, २।५,
 १।५७; ७।१७८

सुजाया (सुजाता) ज ४१५७२
 सुजोडय (सुयोजित) ज ७१७८
 सुज्ज (दे०) ४३, २५
 सुट्ठय (सुस्थित) ज ७१७८
 √सुण (श्रु) सुणंनु ज ३२४११, २, ३१३१११, २
 सुणह प २६४१८ सुणोइ प १५१३६
 सुणेति प १५१३६, ४०
 सुणग (शुनक) प १६६ ज २३६, १३६
 सुणकखत्ता (सुभक्त्रा) ज ७१२०११ सू १०८८०११
 सुणमिय (सुनत) ज ७१७८
 सुणय (शुनक) प ११२१
 सुणम्मिय (सुनिमित्त) ज २१५
 सुणिरिक्खण (सुनिरीक्षण) ज ७१७८
 सुणिया (शुनिका) प ११२३
 सुणिवेसिय (सुनिवेशित) ज २१२
 सुण्हा (स्तुषा) ज २२७, ६६
 सुत्त (णाण) (श्रुतज्ञान) प २६१६
 सुत्तअण्णाण (श्रुताज्ञान) प ५७, १२, २०, ५६;
 २६६, १२, १७, १६, २०
 सुत्तअण्णाणि (श्रुताज्ञानिन्) प ३१०२, १०३;
 ५१८०, ११७; ३०१२३
 सुत्तणाण (श्रुतज्ञान) प ५७, २०, २४, ४१, ४६, ६७,
 १११; २६१७, २१; ३०६, ११
 सुत्तणाणि (श्रुतज्ञानिन्) प ३१०१, १०३; ५१४३,
 ८०, ६५, ११३; २८१३६
 सुत्तिक्खण (सुतीक्षण) ज २६११
 सुतोवउत्त (श्रुतोपश्रुक्त) प २३१६५, १६६ से २०१
 सुत्त (सूत्र) प ११०१६; २१३५
 सुत्त (सुप्त) ज ३१७४
 सुत्त (श्रुत) प ११०१६
 सुत्त (रुइ) (सूत्ररुचि) प ११०११
 सुत्तग (सूत्रक) ज ३३६, १०६
 सुत्तत्तय (सूत्रत्रय) प ४५५
 सुत्तरुइ (सूत्ररुचि) प ११०१६
 सुत्तवेयालिय (सूत्रवैचारिक) प १६६
 सुत्तीमई (सुत्तिमती) प १६३१४

सुवंसण (सुदर्शन) प २६४; ३३०; ४१४६,
 १४७, १५०, १५७, १५६, २०८, २६०११;
 ७२१३ ज २६४; ३३०; ४१४७, १५०,
 १५६, २०८, २६०११; ७२१३ सू ५१ उ ४७
 से ६, १६, १८
 सुवंसणअट्टसालवण (सुदर्शनअट्टसालवण) ज ५१५५
 सुवंसणा (सुदर्शना) ज ४१५७१, २
 सुविट्ठ (सुदृष्ट) प ११०११३
 सुडुल्लह (सुदर्शन) ज ३११७१
 सुड्ड (शुद्ध) प १७११४१, १७११६ सू २०७
 सुड्डवंत (शुद्धवन्त) प १८६
 सुद्धप्पावेस (शुद्धपावेस, शुद्धात्मवेस, शुद्धपावेस्य)
 ज ३८५ सू २०७ उ ११६
 सुद्धवाय (शुद्धवात) प १२६
 सुद्धागणि (शुद्धाग्नि) प १२६
 सुद्धोदय (शुद्धोदक) प १२३ ज ३६, २२२
 सुधम्म (सुधर्म) ज ४१४०१
 सुधम्ममा (सुधर्मा) ज ४१३३ सू १८२३
 सुनिउण (सुनिपुण) ज ५१५, ७
 सुपइठ (सुपिठ) ज ५१४३, ५५ सू १०१२४१
 उ ३२१
 सुपइठण (सुपिठण) ज ३१५; ३११
 सुपइठिय (सुपिठिय) ज २१४, ७१४६;
 ५१४३
 सुपिठ (सुपिठ) ज ७१२८
 सुवह (सुवह) ज ७२१२, २१२१
 सुवरकअंत (सुवराकअंत) ज ११३, ३०, ३३, ३६;
 ४२
 सुपरिनिट्ठय (सुपरिनिट्ठित) उ ३२८
 सुपववइय (सुपववजित) उ ३८०, ८१
 सुपसत्थ (सुपसत्थ) ज ३११७
 सुपिक्कखोयरस (सुपिक्कखोयरस) प १७१३४
 सुपीय (सुपीय) ज ७१२२१ सू १०८४३
 सुपुट्ठ (सुपुट्ठ) ज ३११७

सुप्पइण्णा (सुप्रकीर्णा) ज ५।६।१
 सुप्पबुद्धा (सुप्रबुद्धा) ज ४।१५।७।१; ५।६।१
 सुप्पभा (सुप्रभा) ज ७।१।७
 सुप्पमाण (सुप्रमाण) ज २।१५
 सुप्पमाणतर (सुप्रमाणतर) ज ४।१०२
 सुफुल्ल (सुफुल्ल) ज ३।१०६
 सुबद्ध (सुबद्ध) ज २।१५; ७।१।७
 सुबहु (सुबहु) उ ३।५०, ५५
 सुन्धि (सु) प १३।२७, ३१; २३।१०६
 सुन्धिगंध (सुगन्ध) प १।४ से ६; ५।५, ७, २०५;
 ११।५६; १७।१३७; २८।२६, ३२, ६६
 सुभ (शुभ) प २८।१०५ ज १।१३, ३०, ३३, ३६;
 ३।२२३, ४।२
 √सुभ (शुभ) सोभंति सू १।६।११ सोभिन्तु सू १।६।५
 सोभिस्संति सू १।६।१ सोभेति सू १।६।१
 सोभेत्तु सू १।६।१ सोभेस्संति सू १।६।३८
 सुभंकर (शुभंकर) ज ३।८८
 सुभग (शुभग) प १।४८।४४, १।५० ज ४।३, २५;
 ५।६८; ७।१।७८ सू २०।४
 सुभगणाम (शुभगणामन्) प २३।३८, १२४
 सुभगत्त (शुभगत्त) प ३।४।२०
 सुभगा (शुभगा) प १।४०।२ ज ४।१६४; ५।१।१
 सुभगाय (शुभगाय) प २३।१६, ३८, १२३
 सुभद्द (सुभद्द) उ २।२
 सुभद्दा (सुभद्दा) ज २।७७; ३।१३८; ४।१५।७।२
 उ ३।६७, ६८, १०१ से १२०, १४६; ४।२२
 सुभय (शुभय) प १।४६
 सुभय (शुभय) उ ५।५
 सुभा (शुभा) ज ४।२०।२।२
 सुभोगा (सुभोगा) ज ४।१६४; ५।१।१
 सुमणवाम (सुमणोवामन्) ज ३।२११; ५।५५, ५८
 सुमणसा (सुमणस्स) प १।४०।३ मालतीपुष्पलता
 सुमणा (सुमणन्) ज ४।१५।७।२, २०३
 सुमहग्घ (सुमहाग्घ्यं) ज ३।६, २२२
 सुमहुर (सुमहुर) उ ३।६८
 सुमिण (स्वप्न) उ १।३३; २।८; ५।१३, २५, ३१

सुमिणपाठम (स्वप्नपाठक) उ १।३३
 सुमेहा (सुमेघा) ज ४।२३८; ५।६।१
 सुय (श्रुत) प १।१।२, ३; १।१०।१६; १।३।१०
 चं १।३
 सुय (शुक) प १।७।१२४
 सुय (शुक) प १।४।२।१ बालतृण
 सुयअण्णाण (श्रुताज्ञान) प ५।५, १०, १४, १६; १८,
 ६३; २६।२, ६, २१; ३०।२, ६, ११, १६, २१
 सुयअण्णाणपरिणाम (श्रुताज्ञानपरिणाम) प १।३।१०
 सुयअण्णाणि (श्रुताज्ञानिन्) प ५।६५, ६६; १।३।१४,
 १६, १७; १।८।३; २।८।३७; ३०।१६
 सुयखंध (श्रुतस्कन्ध) उ ५।४५
 सुयणाण (श्रुतज्ञान) प १।१०।१।८; ५।५, ७८, ६३;
 १।७।११२, १।१३; २०।१७, १८, ३४; २६।२, ६,
 १२; ३०।२, २१
 सुयणाणारिय (श्रुतज्ञानार्थ) प १।६६
 सुयणाणि (श्रुतज्ञानिन्) प ३।१०।१, १०३; १।३।१४,
 १७; १।८।८०; ३०।१६, २३
 सुयतोण्ड (शुकतोण्ड) ज ३।३५
 सुयनाणपरिणाम (श्रुतज्ञानपरिणाम) प १।३।६
 सुयधम्म (श्रुतधर्म) प १।१०।१।१२
 सुयपुच्छ (शुकपिच्छ) प १।७।१२४
 सुयसुह (शुकसुह) ज ३।१।८
 सुयविट (शुकवृत्त) प १।५०
 सुयविसिट्ठया (श्रुतविसिट्ठता) ज २।३।२१
 सुयविहीणया (श्रुतविहीणता) ज २।३।२२
 सुयत्त (सुजात) ज ३।१०६
 सुर (सुर) प २।६४।१५; ३।१।६।१ ज ३।१।१७
 सुरइय (सुरचित) प २।४१
 सुरट्ठ (सौराष्ट्र) प १।६।३।३
 सुरत्त (सुरत्त) ज ७।१।७८
 सुरप्पिय (सुरप्रिय) उ ५।७, ८
 सुरभि (सुरभि) प २।३।१, ४१; २।३।४८ ज २।१२,
 १६; ३।७, ६, ३०, ८८, १०६, २०६, २११; ५।५,
 ७, १४, २१, ५६, ५८; ७।१।७८ उ ३।१३१

मुरम्म (मुरम्य) ज २।१२; ४।१३ सू २०।७
 मुरवर (मुरवर) ज ५।७
 मुरवर्दिद (मुरवरेन्द्र) ज ३।१०६
 मुरहि (मुरभि) प २।३० ज ३।६, १२, ३५, ८८,
 २२१, २२२
 मुरा (मुरा) उ १।३४, ४६, ७४
 मुरादेवी (मुरादेवी) ज ४।४४, २७५; ५।१०।१
 उ ४।२।१
 मुरिद (मुरेन्द्र) प २।५० ज २।६१; ३।३५; ५।१८,
 २१, ४८, ५२
 मुरूया (मुरूया) ज ५।१३
 मुरूव (मुरूव) प २।३०, ३१, ४१, ४५, ४५।१, ४८
 ज ३।१०६, १३८; ४।२६ सू २०।४ उ १।१२,
 १३, ३१, ५३, ७८, ६५; ५।५, २२
 मुलद्ध (मुलब्ध) उ १।३४; ३।६८, १०१, १३१
 मुलस (मुलस) ज ४।६४, २०७
 मुलिप्त (मुलिप्त) उ ३।१३०, १३१, १३४
 मुवग्गु (मुवत्तु) उ ४।२१२, २१२।३
 मुवच्छ (मुवत्स) प २।४७।२ ज ४।२०२।१
 मुवच्छा (मुवत्सा) ज ४।२०४, २३८; ५।६।१
 मुवण्ण (मुवण्ण) प २।३०।१, ४०।१, ८, १०; ५।३
 ज ३।२४।१, २, १३।१।२
 मुवण्ण (मुवण्ण) प १।२०।१ ज २।२४, ६४, ६६;
 ३।६, २०, ३३, ५४, ६३, ७१, ८४, ६५, १०६,
 ११७, १३७, १४३, १५६, १६७।८, १८२, १८४,
 २२२; ४।३, २५, २६; ५।३८, ५२, ५५, ६७, ६८
 उ ३।४०
 मुवण्णकुमार (मुवण्णकुमार) प १।१३१; २।३७ से
 ४०; ४।४६; ६।१८
 मुवण्णकुमारराय (मुवण्णकुमारराज) प २।३७ से
 ३६
 मुवण्णकुमारिद (मुवण्णकुमारेन्द्र) प २।३७, ३६
 मुवण्णकुमारी (मुवण्णकुमारी) प ४।५२
 मुवण्णकूड (मुवण्णकूट) ज ४।२७५
 मुवण्णकूला (मुवण्णकूला) ज ४।२७२, २७४, २७५;
 ६।२०

मुवण्णजूहिया (मुवण्णयूथिका) प १।७।१२७
 पीलीजूही
 मुवण्णमय (मुवण्णमय) ज ४।२६; ५।५५
 मुवण्ण (वाता) (मुवण्णवर्षा) ज ५।५७
 मुवण्णमिप्पि^१ (मुवण्णमुक्ति) प १।७।१२७
 मुवण्णिद (मुवण्णिद) प २।३८
 मुवप्प (मुवप्प) ज ४।२१२, २१२।३
 मुवयण (मुवयण) उ १।१७
 मुविण (स्वप्न) उ १।३३; ५।२५
 मुविभल (मुविभक्त) ज १।३७; २।१४, १५; ३।३
 सू २०।७
 मुविरइय (मुविरचित) ज २।१५; ३।२४; ४।१३
 सू २०।७
 मुव्वत (मुव्रत) सू २०।८
 मुव्वय (मुव्रत) सू २०।८।८
 मुव्वया (मुव्रता) उ ३।६६, १००, १०६ से १०८,
 १११ से ११३, ११५, ११६, ११८, १३२, १३३,
 १३६, १४१ से १४३, १४५, १४६, १४८, १५०
 मुसंगोविय (मुसङ्गोपित) उ ३।१२८
 मुसंठिय (मुसंस्थित) ज ७।१७८
 मुसंपरिहिय (मुसंपरिहित) उ ३।१२८
 मुसंव्य (मुसंवृत) ज ३।६, २२२
 मुसज्ज (मुसज्ज) ज ५।४३
 मुसद्द (मुसब्द) ज ७।१७८
 मुसमण (मुसमन) ज २।५३, १६२
 मुसमदुस्समा (मुसमदुप्पमा) ज २।२, ३, ६, ७, ५४, ५६
 मुसमससमा (मुसममुपमा) ज २।२, ३, ६, ७, ५२
 १६१, १६३, १६४; ४।१०६
 मुसमा (मुपमा) ज २।२, ३, ६, ५१, ५२, १६०, १६१;
 ४।८३
 मुसमाहिय (मुसमाहित) ज ३।३५
 मुसवण (मुसवण) ज २।१५
 मुसारखिय (मुसंरक्षित) उ ३।१२८
 मुसाहिय (मुसंहय) ज २।१५

 १ हे० २।१३८ सिप्पि (शुक्ति)

सुसिणिद्ध (सुस्निग्ध) ज २।१५
 सुसिलिट्ठ (सुसिलिट्ठ) ज १।३७; ३।६, १२, १७८,
 २२२; ४।१२८; ५।४३; ७।१७८
 सुसीमा (सुसीमा) ज ४।२०२।२
 सुसील (सुशिष्य) ज ३।१०६
 सुसेण (सुषेण) ज ३।७६, ७७, ७८, ८०, ८२ से ६१,
 १०६ से १११, १२८, १५१ से १५७, १७०, १७१
 सुस्सर (सुस्वर) ज २।१५; ५।५२, ५३
 सुस्ससमाण (सुश्रूषमाण) ज १।६; २।६०; ३।२०५,
 २०६; ५।५८ उ १।१६
 सुह (सुख) प २।४८, २।६४।१५, १६, २०; ३।५।१।२,
 ३।५।१०, ११; ३।६।६।१ ज २।१२, २०, ७१;
 ३।६, ८१, ६६, १००, १०१, ११७।१, १२१, २२२;
 ४।२७, ४८, १७७; ५।२६, २८ सू १।६।२।१३
 उ १।११०, १२६, १३३
 सुह (सुभ) प २।४६ ज २।१२, २०; ३।६
 सुहंसुह (सुखंसुख) ज २।१४६; ३।१२१, १२७,
 २२४; ५।६७ उ १।२, ५०, ७५
 सुहणामा (सुभनामा) ज ७।१२१ सू १०।६१
 सुहता (सुखता) प २३।१५
 सुहत्त (सुखत्त) प २८।२४, २६
 सुहत्थि (सुहस्तिन्) ज ४।२२५।१, २२८
 सुहफास (सुखःपर्षा, सुभत्पर्षा) ज ५।२८
 सुहम्मा (सुधर्मा) ज २।१२०; ४।१२०, १२१, १२६,
 १३८; ५।१८, २२, २३, ५०; ७।१८४, १८५
 सू १।८।२२, २३ उ ३।६, ६०, १५६, १६६;
 ४।५; ५।१५.१६
 सुहया (सुखता) प २३।३०
 सुहलेसा (सुभलेसा) ज ७।५८
 सुहलेसा (सुभलेसा) सू १।६।२।३०
 सुहावह (सुखावह) ज ४।२१२
 सुहासण (सुखासन) ज ३।२८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १३६, १४७. १८७, २१८
 सुहि (सुखिन्) प २।६४।२०; ३।६।६।१ ज २।२६
 सुहिरण्णियाकुसुम (सुहिरण्णिकाकुसुम)
 प १७।१२७

सुहुम (सूक्ष्म) प २।३, ६, ६, १२, १५, ३१; ३।१।२,
 ६१ से ७१, ८५ से ६५, १११, १८३; ४।५६ से
 ६१, ६८, ७५, ८२, ८३, ६१; ६।८३, १०२;
 १५।४३, ४५; १८।१।२, ३७ से ३६, ११६;
 २१।४, ५, २३ से २७, ४०, ४१, ५०; २३।१२१;
 ३६।७६, ८१, ६२ चं १।३ ज २।६; ७।१७८
 सुहुमआउक्काइय (सूक्ष्मअप्कायिक) प १।२१, २२
 सुहुमणाम (सूक्ष्मनामन्) प २३।३८, ११८, १२०
 सुहुमतेउक्काइय (सूक्ष्मतैजस्कायिक) प १।२४, २५
 सुहुमवणस्सकाइय (सूक्ष्मवन्त्पत्तिकायिक)
 प १।३०, ३१
 सुहुमवाउक्काइय (सूक्ष्मवायुकायिक) प १।२७, २८
 सुहुमसंपराय (सूक्ष्मसंपराय) प १।११२, ११३,
 १२४, १२८; २३।१६१
 सुहुमसंपरायचरित्तपरिणाम (सूक्ष्मसंपरायचरित्र-
 परिणाम) प १३।१२
 सुहोतार (सुखावतार) ज ४।३, २५
 सुहोदय (सुखोदक, सुभोदक) ज ३।६ २२२
 सुहोवभोग (सुखोपभोग) ज २।१४५, १४६
 सुइ (सुचि) ज ४।२६
 सुईमुह (सूचीमुख) प १।४६
 सुई (सूची) प १।५।२६; २।१।२५
 सूणा (सूना) उ १।४४, ४५
 सूमाल (सुकुमार) ज ३।२११; ५।५६; ७।१७८
 उ १।११ से १३, ३० से ३२, ५३, ७८, ६५,
 १४५; २।५, ७, १६; ३।६७; ४।८; ५।१२
 सूमाला (सुकुमारा) ज ३।२२१; ५।५८
 सूय (सूय) ज ३।१७८, १८६, १८८, २०६, २१०,
 २१६, २१६, २२१
 सूयलि (दे०) प १।८६
 सूर (सूर) प १।१३३; २।२० से २७, ४८;
 १।५।५।३ ज १।२४; २।६८; ३।३५, ६५,
 ११७, १५६, १६७।१२, १८८, २०७, २१२;
 ५।५६; ७।१०२, १३५।१, ४, १७७।२, १७८।१,
 १८०, १८१ सू १०।३, १२३, १३४, १४३ से
 १४७, १५० से १६१, १६६ से १६६, १७२,

१७३; ११२ से ६; १२१६ से २८; १५११, ५,
७, ११, १२, १३, १५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३,
३६; १८१, १८, १९, ३४, ३७; १६१११,
१६२२४, १०, १५, २१, २३, २४, २७ से ३०,
३२; १६३५; २०२, ३, ५, ६ उ २१२;
३२११, २१, ४८, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३, १०६,
११८

सूर (शूर) ज ३१०३; ४१६४

सूरकंत (सूरकान्त) प १२०४

सूरकंतमणिणिसिय (सूरकान्तमणिनिधित्त)

प १२६

सूरणकंद (सूरणकन्द, शूरणकंद) प १४८१७

सूरस्थमण (सुरास्तमयन) ज २१३४

सूरपण्णत्ति (सूरप्रज्ञप्ति) ज ७१०१

सूरपव्वय (सूरपव्वत) ज ४२१२

सूरप्पभा (सूरप्रभा) सू १८२४

सूरमंडल (सूरमण्डल) ज ७२ से १६, १७७

सूरलेस्सा (सूरलेखा) सू १६३, ४

सूरवडंस (सुरावतंसक) सू १८२४

सूरवर (सुरवर) सू १६३५

सूरवरोभास (सूरवरावभास) सू १६३५, ३६

सूरवल्ली (सुरवल्ली) प १४०३

सूरविमाण (सूरविमान) प ४१८३ से १८८

ज ७१७३, १७४, १७६, १८६, १९० सू १८११,

८, १०, १४, २६, ३०

सूरसेण (सूरसेन) प १६३५

सुरादेवीकूड (सुरादेवीकूट) ज ४४४

सुराभिमुख (सुराभिमुख) उ ३५०

सूरिय (सूर्य) प २४८ से ५१, ६३ ज २१३१;

७१, १३, २० से ३१, ३५ से ३६, ५४, ५८, ६६,

१०१, १५६ से १६८, १८०, १८१, १६७

चं २२, ५ सू १६२, ५; १११, १२, १४, १६

से २४, २७; २१ से ३; ३१, २; ४१, २, ४, ७, ६,

१०; ५१, ६१; ७१; ८१; ६१ से ३; १०६३

से ७४, १३२, १३४, १७१, १५१, ३; १७१;

१८२, ३, १८, १६, ३७; १६१, ५२, १६११,

१५२, १६, २१६, १६२२३, २६; २०११७

उ ५४१

सूरियगत (सूर्यगत) सू ११६

सूरियपडिहि (सूर्यप्रतिधि) सू ६३

सूरियाभ (सूर्याभ) ज ५१५ उ ३१७, ६० से ६२,

१५६; ५२३

सूरियाभगम (सूर्याभगम) ज ५४०

सूरियावत्त (सूर्यावत्त) ज ४२६०२ सू ५१

सूरियावरण (सूर्यावरण) ज ४२६०२ सू ५१

सूरुगमण (सुरोद्गमण) ज २१३४

सुरोद (सुरोद) सू १६३५

सूल (सूल) ज ३३१, १७८

सूलापाणि (सूलपाणि) प २५१ ज २६१; ५४८,

६०

सूसर (सूसर) ज २१६; ५२२, २६

सूसरणाम (सुम्बरनामन्) प २३३८, १२५

सूसरणिग्घोष (सुस्वरनिर्घोष) ज २१६

सूसरा (सुस्वरा) उ ३१७, ६१

से (दे०) प ११० उ ११५; ३३३

सेउ (सेतु) ज २१२

सेज्जंस (श्रेयांस) ज २१७ सू १०२४१

सेज्जमंड (अध्याभाण्ड) उ ३५११

सेज्जा (अध्या) प ३६६१ उ ३३६; ४२१

सेट्ठि (श्रेष्ठिन) प १६४१ ज २२५; ३६, १०,

७७, ८६, १७८, १८६, १८८, २०६, २१०, २१६,

२१६, २२१, २२२ उ १६२; ३११, १३, १०१

सेडिय (दे०) प १४२१

सेडी (दे०) प १७६ लोमपथी विशेष

सेडि (श्रेणि) प २३१; १२८, १२, १६, २७, ३१,

३२, ३६ से ३८; २१६३ ज २१३३, २२०;

४१७२, २००; ५३२; ६६१, १५

सेणगपट्ठसंठित (सेनकपृष्ठसंस्थित) सू ४३

सेणा (सेना) ज ३१५, १७, २१, ३१, ३४, ७७, ७८,

८८, १०६, १५६, १७३, १७५, १७७, १८०,

१६६ उ ११२३, १२७, १२८; ५१८

सेणावह (सेनापति) प १६४१ ज २१५; ३६,

१०,७६ से ७८,८० से ६१,१०६ से १११,
 १२८,१२६,१५१ से १५७,१७०,१७८,१८६,
 १८८,२०६,२१०,२१६,२१६,२२१,२२२
 उ १।६२; ३।११,१००; ५।१०
सेणावहरयण (सेना विरहा) ज ३।१७८,१८६,
 १८८,२०६,२१०,२१६,२२०,२२१; ५।१६
सेणावहरयणस (सेना विरहास) प २०।५८
सेणावहस (सेनावहस) प २।३०,३१,४१,४६
 उ १।४५; ३।१८५,२०६,२२१; ५।१६ उ ५।१०
सेणि (श्रेणि) ज ३।१२,१३,२८,२९,४१,४२,४६,
 ५०,५८,५९,६६,६७,७४,७५,१४७,१४८,
 १६८,१६९,१७८,१८६,१८८,२०३,२१६,
 २१६,२२१
सेणिष (श्रेणिष) उ १।१०,११,२६ से ३२,३४,
 ३६ से ४४,४६ से ४६,५७,५८,६१,६२,६५,
 ६६,६८,७२ से ७४,८२,८३,८६ से ९२,९५,
 ९६,१०३,१०६ से ११४,१४५; २।५,१७,२२;
 ३।४,२१,२४,८६,१५५,१६८; ४।४
सेण्य (सैन्य) ज ३।१५,२१,३१,३४,७७,७८,६१,
 ६५,१५६,१७३,१८५,१६६
सेण्हा (सलदणक) प १।३५।३
सेत (स्वैत) प २।४७।३,२।६४ ज ३।१२,८८
सेत (श्रेण्) सू १०।८४।१
सेदसप (सेदसप) प १।७०
सेय (स्वैत) प ५।४६ प १।१६,३८; ३।१८,३१,
 ३५,६३,१८०; ४।१०,८५,११५,१२१,१२५,
 २१७; ५।६२; ७।१७८ ज ३।१ सू १।६
 उ १।४५; ५।१६
सेय (श्रेण) प १०।५४
सेय (श्रेण्) ज ३।१३; १३।८।१; ७।१२।१।१
 उ १।५१,५४,६६,७६,७९,६६,१०७,११६;
 ३।४८,५०,५५,१०६,११८
सेयकर (श्रेण्कर) प २०।८,२०।८।७
सेयस (श्रेण्) ज ७।११।४।१
सेयकणवीर (सेयकणवीर) प १७।१२८
सेयणय (सेचनक) उ १।६६,१०२ से ११६,१२७;

१२८
सेयणयसंठित (सेचनकसंस्थित) नु ४।३
सेयणय (सेचनक) उ १।६६ से ६६,१०३,१११,
 ११२
सेयता (स्वैतता) सू ४।१
सेयबंधुजीवय (स्वैतबन्धुजीवक) प १७।१२८
सेयमाल (स्वैतमाल) ज २।८
सेयविया (स्वैतविका) प १।६३।६
सेया (स्वैतता) च ६ सू १।६।१
सेयात (एणत्काल) प २८।२२,३४,३६,६८
सेयासीय (स्वैतासीय) प १७।१२८
सेरियय (सेरिका) प १।३८।१
सेरिया (सेरिका) ज २।१०; ४।१६६
सेरुतालवण (सेरुतालवन) ज २।६
सेल (शैल) प २।१; ११।२५
सेलसिहर (शैलसिहर) ज २।८८
सेलु (शैलु) प १।३५।१
सेलेसि (शैलेशी) प ३६।६२
सेलेसिपडिवणग (शैलेशीप्रतिपन्नक) प ११।३६;
 २।२।८
सेल्लार (दे० कुन्तकार) प १।६७ भाला वनाने
 वाला
सेवणा (सेवना) प १।१०।१।३
सेवाल (शैवाल) प १।३८।२,१।४६,१।४८।१,
 १।६२ ज २।१०
सेवालभखि (शैवालभखिन्) उ ३।५०
सेस (सेस) प १।१०।१।१; २।३२,३४,३६ से ४०,
 ५१ से ५४,५८,६०,६२; ३।१८।२; ५।६४,
 १।५२,१।५४,२०५,२४४; ६।८१,६३,८४;
 १०।१४।६; १२।३८; १३।१५ से १८; १५।१८,
 १६,३४,७५,८२; १७।२३,२५,२७,२९,३४,
 ३५; २०।८,५६,६०; २२।४५,५५,८०;
 २३।५६,१५६,१५६,१६३,१६३,१६३,१६६;
 २४।८,६; २५।४; २६।२६,३८,४७,१०१,
 १२३,१४५; ३०।१४; ३२।६।१; ३४।२२ से
 २४; ३५।१।२; ३६।३३,६७ से ६६,७१,७३

ज १४६; २५२, ८८, १६१; ३१५०, १५३,
 १५७, १६१, १८३; ४३७, ४१, ५३, ७०, ६३,
 १०६, १४१, १४७, १५३, १५५, १५६, १६५,
 १७२, १७७, १८४, १८५, १८७ से १६१, २०३;
 ५१८, ५१९; ७१३५११ सू ८११; ६३३; १०२५,
 १५२ से १६१; ११२ से ६; १२१६ से २८;
 १८२४; १६२२२२२ उ १४८; २६, २२;
 ३७; ४२२, २८; ५१६, ४५

सेसय (शेषक) प २३१६०
 सेसवई (शेषवती) ज ५६११
 सेसिय (शेषित) ज ७१४६
 सेह (दे०) प १७६
 सोईदिय (श्रोत्रेन्द्रिय) प १५१, २, ७, ८, ११ से १८,
 ४०; १५५८ से ६७, ६६, ७०, १३३, १३४;
 २८७१ उ ३३३
 सोईदियत्त (श्रोत्रेन्द्रियत्व) प २८२४; ३४२०
 सोईदियपरिणाम (श्रोत्रेन्द्रियपरिणाम) प १३४
 सोई (शौण्ड) ज ७१७८
 सोईमगर (शौण्डमकर) प १५६
 सोईडा (शुण्डा) उ १६७
 सोख (सौख्य) प २६४१४, १८, २२
 सोखुप्पाय (सौख्योत्पाद) सू २०६६
 सोम (शोक) प २३३६, ७७, १४५ ज २१५, ७०;
 ३१०५
 सोमंधिय (सौमन्धिक) प १२०४, १४८४४
 ज ३१०; ४३, २५; ५१५
 सोच्चा (श्रुत्वा) ज ३६ उ १२१; ३१३;
 ४१४; ५२०
 सोणि (श्रोणि) ज २१५
 सोणिय (शोणित) प १८४ ज ३३६ उ १५६,
 ६१, ६२, ८४, ८६ ८७
 सोणीक (श्रोणिक) ज ३१०६१
 सोत्त (श्रोत्र) प १५७७
 सोत्तिय (शौक्तिक) प १४६
 सोत्तिय (सौत्रिक) प १६६

सोत्थिय (स्वस्तिक) प २६४ ज २१५; ३३,
 ३२, १७८; ४२८; ५३२ सू २०८, २०८६
 सोत्थियसाय (स्वस्तिकशाक) प १४४२
 सोदामिणी (सौदामिनी) ज ५१२
 √सोभ (शुभ्) सोभति ज ७१ सोभते ज २१५;
 ३२४३, ३७१, ४५१, १३१३ सोभिमु
 ज ७१ सोभिस्ति ज ७१ सू १६१
 सोभेति सू १६१ सोभेत्तु सू १६१
 सोभंत (शोभमान) ज २१५
 सोभग्ग (सौभाग्य) ज ५६८, ७०
 सोमण (शोभन) ज ३२०६
 सोममाण (शोभमान) ज ३२४३, ३७१, ४५१,
 १०६, १३१३
 सोभयंत (शोभमान) ज ७१७८
 सोभा (शोभा) ज ७१
 सोभावेंत (शोभयमान) ज ३१७८
 सोभिय (शोभित) ज ३३५, २२१; ७१७८
 सोभेंत (शोभमान) ज ३१७८
 सोम (सोम) ज ४२०३; ७१३०, १८६२
 सू २०८, २०८२ उ ३५१, १५१, १५२
 सोम (सौम्य) ज २१५ सू २०४ उ ५५, २२
 सोमंगलक (सौमङ्गलक) प १४६
 सोम (काइय) (सौमकायिक) ज १३१
 सोमणस (सौमणस) ज ४२०३, २०४१, २०५,
 २०८, २१५; ५४६३, ५५; ७११७२
 सू १०८६२
 सोमणसवखार (सौमनसवखस्कार) ज ४२०५
 सोमणसवण (सौमनसवन) ज ४२१४, २४०,
 २४१, २४३
 सोमणसा (सौमनस्या) ज ४१५७१; ७१२०१
 सू १०८८१
 सोमणस्सिय (सौमनस्यित, सौमनस्यिक) ज ३५,
 ६, ८, १५, १६, ३१, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४, ६१,
 १०७, ११४, १४२, १६५, १७३, १८१, १८६,
 १६६, २१३; ४२०३; ५२१, २७ उ १२१, ४२;
 ३१२६

सोमदंसण (सौम्यदर्शन) ज २।६८
 सोमदेवया (सोमदेवता) सू १०।८३
 सोमया (सोमता) ज ३।३
 सोमरूप (सौम्यरूप) उ ५।२२
 सोमा (सोमा) उ ३।१२६ से १३१, १३४ से १४४,
 १४७, १४८, १५०
 सोमान (सोमान) ज ५।४१, ४२, ४४, ४५
 सोमिल (सोमिल) उ ३।२८ से ३२, ३५ से ४५,
 ४७, ४८, ५० से ६५, ६७ से ८३
 सोय (श्रोतस्) ज २।१३४
 सोय (शोक) उ १।२३, ६१, ६३
 सोयमाण (शोचत्) उ १।६२
 सोयविष्णाणावरण (श्रुःत्रविज्ञानावरण) य २३।१३
 सोयामणी (सौदामिनी) ज ३।३५
 सोयावरण (श्रुःत्रावरण) प २३।१३
 सोरिक (सौरिक) प १।६३।२
 सोल (षोडश) प १०।१४।४ से ६ ज ४।१४२
 सू २।३
 सोल (षोडशन्) सू १।६।६
 सोलस (षोडशन्) प २।२५ ज १।७ सू १।१४
 उ ३।१२, १२६; ५।१०
 सोलसअंगुलजंघाक (षोडशांगुलजङ्घाक)
 ज ३।१०६
 सोलसग (षोडशक) प २।२७।१, २
 सोलसम (षोडश) सू १।२।७
 सोलसमंडलचारि (षोडशमण्डलचारिन्) सू १३।५
 सोलसविह (षोडशविह) प १।१।८६; २।३।३५
 सोला (षोडशन्) सू १।६।६
 सोल्ल (दे० पक्व) उ १।३४, ४०, ४६, ७४
 सोल्लिय (दे० पक्व) उ ३।५०
 सोवककमाडय (सोवककामाडय) प ६।१।१५, ११६
 सोवचिय (सोपचित) ज २।७।१
 सोवच्छिय (सौवस्तिक) प १।५०
 सोवणिय (सौवणिक) ज ३।१।३५, २०६; ४।१।३;
 ५।५।५, ५६

सोवत्थिय (सौवस्तिक) ज ४।२।१०।१; ५।३।२
 सू २०।८, २०।८।६
 सोवाण (सोपान) ज ३।१।६५, २०४ से २०६,
 २१४ से २१६; ४।४।५, २६, २७, ८६, ११८,
 १२८, १४४, २४६; ५।३।०, ४१, ४२
 सोस (शोष) ज २।४।३
 सोहंत (सोभमान) प २।१
 सोहग (सौभाग्य) प ३।४।२० ज २।६।५; ३।१।८६,
 २०४
 सोहम्म (सौधर्म) प १।१।३५; २।४।६ से ५२, ५८,
 ६३; ३।२।६, १८३; ४।२।१३ से २२४; ६।५।६, ६५,
 ८५, ६५, १११; १०।२, ३; १५।८७; २०।६१;
 २१।६१, ७०, ६०; २८।७५; ३०।२६; ३४।१६,
 १८ ज ५।१।८, २४, २५, ४४ उ २।१।२, २२;
 ३।६।०, १२०, १५६, १६१; ४।५, २४, २८; ५।४।१
 सोहम्मकप्प (सौधर्मकल्प) प ६।२।७
 सोहम्मकप्पवड (सौधर्मकल्पपति) ज ५।२।६
 सोहम्मकप्पवासि (सौधर्मकल्पवासिन्) ज २।६।०
 ५।१।६, २६, ४३
 सोहम्मग (सौधर्मज) प २।५।०, ५१; ७।८; १५।६६,
 १०८, ११२, १२५; २०।४।६; ३३।१।६, २४
 ज ५।४।६
 सोहम्मगकप्पवासि (सौधर्मकल्पवासिन्) प २।५।०
 सोहम्मवडेंसय (सौधर्मवित्तंसक) प २।५।६
 सोहम्मवडेंसय (सौधर्मवित्तंसक) प २।५।०, ५४
 ज ५।१।८
 सोहा (शोभा) ज ३।६, २२२
 सोहिय (शोभित) ज २।१।२
 हं
 हंत (हन्त) ज २।२।४, २७, २६, ३४ से ३७, ४१, ६४,
 ६६; ४।२।७३; ५।६।८ से ७०; ७।३।६, ३७, १०१
 हंता (हन्त) प १।१।१; १।५।४३; १।७।१६६; २०।१।०,
 २२; २८।३ उ ५।३।२
 हंदि (दे०) ज ३।२।४।११, ३।१।१; ५।२।७, ७२, ७३
 हंभो (दे०) उ १।१।१५, ११६; ३।५।६, ६०, ७६, ७६

हंस (हंस) प १२०।४, ७६ ज २।१२, १५ उ ५।५
 हंसगर्भ (हंसगर्भ) ज ५।५
 हंसलक्षण (हंसलक्षण) ज २।६६
 हंसस्वर (हंसस्वर) ज २।१६; ५।५२
 हक्कार (हाकार) ज २।६०
 √हक्कार (आ+कारय) हक्कारेति ज ५।५७
 हट्ठ (हृष्ट) ज २।४, १४६; ३।५, ६, ८, १३, १५, १६,
 २६, ३१, ४२, ५०, ५२, ५३, ५६, ६१, ६२, ६७,
 ६९, ७०, ७५, ८४, ९१, १००, ११४, १३७, १४१,
 १४२, १४८, १५०, १६५, १६६, १७३, १८१,
 १८६, १९२, १९६, २००, २१३; ५।५, १५, २१,
 २३, २७ से २९, ४१, ५५, ५७, ७० उ १।२१,
 ४२, ४५, १०८; ३।१३, १०१, १०३, ११३, १३४,
 १३६, १४७, १६०; ४।११, १४, २०; ५।१५, ३८
 हडप्पग्राह (‘हडप्प’ग्राह) ज ३।१७८
 हड (हठ) प १।४६, १।४८।६, १।६२
 हणमाण (घन्तु) ३।१३०
 हणुगा (हनुका) ज २।१५
 हत्य (हस्त) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज २।६५;
 ३।६, २।४।४, ३।७।२, ४।५।२, १०६, १३१।४, १८६,
 २०४; ५।२।१; ७।१।२८, १।२।१।१, १।३।३।२, १।३।६,
 १।४०, १।४६, १।६४ सू १०।२ से ६, १।६, २।३,
 ४।६, ६।२, ७।१, ७।५, ८।३, १।१।१, १।२०, १।३।१, १।३।२,
 १।५।६; १।२।२।४ उ १।८।८, ८।६; ३।५।१, ५।६, ६।८;
 ४।२।१ से २३
 हत्यग (हस्तक) ज ४।३०; ५।५
 हत्यगय (हस्तगत) ज ३।६, २।१, ३।४, ८।५ से ८७;
 ५।८ से ११, ५।७
 हत्यसंठिय (हस्तसंस्थित) सू १०।४६
 हत्यि (हस्तित्) प १।६५; १।१।२।१ ज २।३।५,
 ६।५; ३।३।१, ६।८, १।६।७, १।७।८; ५।५।७ उ १।१।२।१,
 १।३।१; ५।१।८
 हत्यिखंध (हरितस्कंध) ज ३।१।८, ७।८, ६।३, १।८०,
 २।१।२, २।१।३
 हत्यिणपुर (हस्तिनापुर) उ ३।१।७।१
 हत्यिणाजर (हस्तिनापुर) उ ३।७।१

हत्यिणिया (हस्तिनिका) प १।१।२।३
 हत्यितावस (हरितातापस) उ ३।५०
 हत्यिमुह (हस्तिमुख) प १।८६
 हत्यिरयण (हस्तिरस्त) ज ३।१।५, १।७, २०, ३।१, ३।३,
 ५।४, ६।३, ७।१, ७।७, ९।१, ९।२, १।४।३, १।५।१, १।६।६,
 १।७।३, १।७।५, १।७।७, १।७।८, १।८।२, १।८।३, १।८।६,
 १।९।६, २०।२, २०।४, २।१।४, २।१।७, २।२।० उ १।१।२।३,
 १।३।१
 हत्यिरयणत्त (हस्तिरस्तत्त्व) प २०।५।६
 हत्यिसोड (हस्तिशीण्ड) प १।५०
 हवमाण (हवमान) उ ३।१।३०
 हम्ममाण (हन्थमान) उ १।१।३०
 हम्मिय (हर्म्य) ज २।२०
 हम्मियतलसंठित (हर्म्यतलसंस्थित) सू ४।२
 हय (हय) प २।३०, ४।६ ज २।६।५; ३।३, १।५, १।७,
 २।१, २।२, ३।१, ३।४, ३।६, ७।७, ७।८, ९।१, १०।८ से
 १।३।१, १।७।३, १।७।५, १।७।७, १।८।५, १।८।७, १।९।६,
 २०।६, २।१।८ उ १।१।२।३, १।३।८; ५।१।७, १।८
 हय (हत) ज २।६० से ६२; ३।२।२।१; ७।१।८।४
 उ १।२।२, १।४।०; ३।१।२।३, १।२।६
 हयकण (हयकर्ण) प १।८६
 हयच्छाया (हयच्छाया) प १।६।४।७
 हयपोषण (हयपोषण) ज ३।३
 हयरूपधारि (हयरूपधारिन्) ज ७।१।७।८
 हयलाला (हयलाला) ज ३।२।१।१; ५।५।८
 हयवति (हयवति) ज ३।१।२।६।२
 हयहेसिय (हयहेसिन) ज ३।३।१; ५।५।७; ७।१।७।८
 √हर (हृ) हरेज्जा ज २।६
 हरजो (हरतस्) ज ४।१।४०
 हरडय (हरीतक) प १।३।५।२
 हरतणुय (हरतणुक) प १।२।३, १।४।८।६
 हरि (हरित्) ज ३।३।५; ४।८।४, ६।०; ६।२।१
 सू २०।८, २०।८।४
 हरिकान्त (हरिकान्त) प २।४।०।६
 हरिकान्तदीव (हरिकान्तदीव) ज ४।७।६

हरिकंतपवायकुंड (हरिकान्ताप्रपातकुण्ड) ज ४।७५,
७६,७७
हरिकंता (हरिकान्ता) ज ४।७३ से ७५,७७,७८,
८४,९०,२६२,२६८;६।२१
हरिकंताकूड (हरिकान्ताकूट) ज ४।७६
हरिकूड (हरिकूट) ज ४।६६,२१०।१
हरिणोगमसि (हरिणैगमेपिन्) ज ५।२२,२३,४६
हरितग (हरितक) प १।४४।१
हरिता (हरितक) ज २।१४४,१४५
हरिमैला (हरिमैलः) ज ३।१७८;७।१७८
हरिय (हरित) प १।६४।१ ज ३।२४ उ ३।५१,५३
हरियग (हरितक) उ ३।४६
हरिया (हरितक) प १।३३।१,१।४४ ज २।१४५,
१४६
हरियाल (हरिताल) प १।२०।२;१।७।१२७
ज ३।११
हरियालमुलिया (हरितालमुलिका) प १।७।१२७
हरियालभेद (हरितालभेद) प १।७।१२७
हरियालिया (हरितालिका) ज ५।१३
हरिवास (हरिवर्ष) प १।८७;१।६।३०;१।७।१६४
ज २।६;४।६२,७७,८१ से ८६,१०२,२६५;
६।६,२१
हरिवासकूड (हरिवर्षकूट) ज ४।७६,६६
हरिसि (हर्ष) प २।२० से २७ ज ३।५,६,८,१५,
१६,३१,५३,६२,७०,७७,८४,९१,१००,११४,
१४२,१६५,१७३,१८१,१८६,१९६,२१३;५।२१
२७,४१ उ १।२१,४२,७१,७२;३।१३१;५।२२
हरिस्सह (हरिसह) २।४०।७ ज ४।१६२।१,१६५,
२१०
हरिस्सहकूड (हरिसहकूट) ज ४।१६५,२३६
हलउलेमाण (दे०) उ ३।११४
हलधरवसन (हलधरवसन) प १।७।१२४
हलिद्वपत्त (हरिद्रापत्र) प १।५१
हलिहा (हरिद्रा) प १।४८।२
हलिही (हरिद्रा) ज ३।११६
हलिभच्छ (हलिभस्स्य) प १।५६

हलीमुह (हलीमुख) ज ३।३५
हलीसागर (हलीसागर) प १।५०
√हव (भू) हवइ प २।४७।२;३।६।६४
ज ७।१३२।४,१७७।३ सू १।६।२।६ हवति
प १।३।८।३,१।४।८।५,५।६ ज ७।१७।१,२
चं ३।३ सू १।७।३;१।२।७।१;१।६।१।१,
१।६।२।२।८,२।१ हवति प १।३।७।३;३।५।१।१;
३।६।६४ हवेज्ज प २।६।४।४ हवेज्जा
प २।६।४।६
हव्व (अर्वाच्) प ३।६।८।१ उ १।२२,७०,८६,१०७,
१०८,११५ से ११७,११६,१२७,१२८
हव्व (हव्य) ज २।६,२४,३४,३५,३७;३।१०७,
११४;७।२० से २५,७६,८२,२०२,२०४,२०६
सू २।३;२०।७
√हस (हस्) हसंति ज २।७
हसंत (हसत्) ज ३।१७८
हसमाण (हसत्) उ ३।१३०
हसित (हसित) सू २०।७
हसिय (हसित) प २।४१ ज २।१५;३।१३८
हस्स (हस्स्व) प २।६।४।४;१।३।२३
हस्सतर (हस्स्वतर) ज ४।५४
हाण (मल्लिघ्राण) ज ३।१०६
हायमाणय (हीयमाणक) प ३।३।३५
हार (हार) प २।३०,३१,४१,४६,६४ ज ३।६,६,
१८,२६,३५,६३,१८०,२११,२२२;४।२३,
३८,६५,७३,९०,९१;५।२१,३८,६७
उ १।६६,१०२ से ११७,११६
हारितग (हारितक) ज ३।११६
हारोस (दे० हारोष) प १।८६
हालाहल (हालाहल) प १।५०
हालिद्व (हारिद्र) प १।४ से ६;५।५,७,२०५;
१।५।३;२।३।१०२;२।८।२६,३२,६६ ज ४।२६
सू २०।२
हालिद्वमुलिया (हारिद्रमुलिका) प १।७।१२७
हालिद्वमत्तिया (हारिद्रमृत्तिका) प १।१६
हालिद्वय (हारिद्रक) प १।७।१२६

हालिद्ववणाभ (हारिद्ववणाभ) सू २०१२
 हालिद्वसुत्तय (हारिद्वसुत्रक) प १७१११६
 हालिद्रा (हरिद्रा) प १७११२७
 हालिद्राभेद (हरिद्राभेद) प १७११२७
 हास (हास) प २४१, २४७३; ११३४१;
 २३३६, ७६, १४४ ज २६६, ७०
 हासकारग (हासकारक) ज ३१७८
 हासणिस्सिया (हासनिश्चिता) प ११३४
 हासरइ (हासरति) प २४७३
 हासा (हासा) ज ५१११
 हाहाभूय (हाहाभूत) ज २१३१, १३६
 हिगुरुख (हिगुरुख) प १४३२
 हिगुलय (हिगुलक) प ११२०१२ ज ३११
 हिगुलुग (हिगुलुक) ज ३३५
 हिट्टिम (अधस्तन) प २२७१
 हिट्ट (अधम्) प २२४ से २७ रू १८२, ३;
 १६१२२१७
 हिट्ट (अधम्) ज ७१६८१
 हिट्टल (अधस्तन) ज ७१७५
 हिट्टलग (अधस्तन) ज ७१७५
 हिट्टल्ल (अधस्तन) सू १८७
 हितकर (हितकर) ज ३८८
 हिदय (हृदय) ज ३१३८
 हिमय (हिमक) प १२३
 हिमवंत (हिमवत्) ज १२६; ३१२, ३५; ४१७७
 उ११०, २६, ६६; ५११
 हिमवयकूड (हिमवत्कूट) ज ४२३६
 हिमसीतल (हिमशीतल) सू २०१२
 हिम्य (हित) ज २६४, ७१; ३८८; ५२६
 हियईसर (हृदयईसर) ज ३१२६३
 हियकर (हितकर) ज ३१६७
 हियकारग (हितकारक) ज ५५, ४६
 हियय (हृदय) ज ३५, ६, ८, १५, १६, ३१, ३५,
 ५३, ६२, ७०, ७७, ८४, ९१, १००, ११४, १४२,
 १६५, १७३, १८१, १८५, १८६, १८९, १९६,
 २१३; ५२१, २७, ४१, ५८ सू २०६१

उ १२१, ४२; ३१३१
 हिययगमणिज्ज (हृदयगमनीय) ज २६४; ३१८५,
 २०६; ५५८
 हिययपल्हायणिज्ज (हृदयप्रह्लादनीय) ज २६४
 ३१८५, २०६; ५५८
 हिययमाला (हृदयमाला) ज २६५; ३१८६, २०४
 हिययसूल (हृदयसूल) ज २४३
 हिरण्य (हिरण्य) ज २२४, ६४, ६६; ४२७३;
 ५६८ से ७०
 हिरण्यवय (हिरण्यवत) प १८७
 हिरण्यवास (हिरण्यवास) अ ३१८४; ५५७
 हिरण्यविहि (हिरण्यविधि) ज ५५७
 हिरि (ही) ज ४६४; ५१११ उ ४२१
 हिरिकूड (हीकूट) ज ४७६
 हिरिसिरिधीकीत्तिधारक (हीश्रीधीकीत्तिधारक)
 ज ३१२६१
 हिरिसिरिपरिवज्जिय (हीश्रीपरिवर्जित) ज ३२६,
 ३६, ४७, १०७, ११४, १२२, १२४, १३३
 हिलियमाण (अभिलीयमान) ज ३१०६
 हिलिय (दे०) प १५०
 हीण (हीन) प २६४४; ५५५, १०, २०, ३०, ३२,
 १०२, १२६, १३१, १३२, १३४, १६०, १७७,
 १६३, २१४, २२८
 हीणपुण्णचाउद्वस (हीनपुण्णचाउद्वस) ज ३२६,
 ३६, ४७, १०७, ११४, १२२, १२४, १३३
 हीणपुण्णचाउद्वसिय (हीनपुण्णचाउद्वसिक) उ १८६,
 ११५, ११६
 हीणसरता (हीनस्वरता) प २३२०
 हीनसर (हीनस्वर) ज ३१३३
 हीर (हीर) प १४८२० से २६
 हीरमाण (हियमाण) ज ७३१, ३३ सू ४४, ७
 √हील (हेलय) हीलेंति उ ३११७
 हीलज्जमाण (हेलयमान) उ ३११८
 √हु (भू) हुंति ज ११७; ४१४२१; ७१३४१, ४;
 १७२१ चं ४३ सू १८३, १६२२४, ५, १५,

२०, २३, २७, ३१
 हुंड (हुण्ड) प १५११८, ३०, ३५; २११२८ से ३३,
 ३५ से ३७, ५८, ५९; २३१४६
 हुंबउट (दे०) उ ३१५०
 हुडुक्क (हुडुक्क) ज ३१२०९
 १ हुण (हु) हुण्ड उ ३१५१
 हुत (हुत) उ ३१४८, ५०
 हुतवह (हुतवह) ज ३११०९
 हुयवह (हुतवह) ज २१२१
 हुहुय (हुहुक) ज २१४
 हुहुयंग (हुहुकाङ्ग) ज २१४
 हण (हूण) प ११८९
 हेउ (हेतु) प १११०१५ उ ३१९
 हेट्ठ (अधम्) प २१२१ से २३, ३० से ३६, ४१ से
 ४३, ४६; १२१३२; ३६१९१ ज ३११८३; ४११३४
 हेट्ठा (अधम्) सू १११३०; १७११; २०६
 हेट्ठम (अधस्तन) प २१६२११; ३३११६
 हेट्ठमउवरिम (अधस्तनउपरितन) प २८१८९
 हेट्ठमउवरिमगेवेज्जग (अधस्तनउपरितनग्रीवैयक)
 प १११३७; ४१२७३ से २७५; ७१२२
 हेट्ठमग (अधस्तन) ज ७११३६१
 हेट्ठमगेवेज्ज (अधस्तनग्रीवैय) प ६१३९
 हेट्ठमगेवेज्जग (अधस्तनग्रीवैयक) प २१६० से
 ६२; ३११८३; ६१५६
 हेट्ठममज्झिम (अधस्तनमध्यम) प ४१२७१;
 २८१८८
 हेट्ठममज्झिमगेवेज्जग (अधस्तनमध्यमग्रीवैयक)
 प १११३७; ४१२७०, २७२; ७११
 हेट्ठमहेट्ठम (अधस्तनाधस्तन) प ४१२६८, २६९
 हेट्ठमहेट्ठमगेवेज्जग (अधस्तनाधस्तनग्रीवैयक)
 प १११३७; ४१२६७; ७१२०; २८१८७
 हेट्ठल्ल (अधस्तन) प १६१३६; २११९०; ३३११६,
 १७ ज २१११३; ४१२५३, २५४, २५७; ७११७४,
 २७५ सू १८११
 हेतु (हेतु) प ३०१२५, २६ सू १११४, १९, २१, २४,
 २७; २१३; ४१४, ७; ६११
 हेम (हेम) प २१५० ज ४१६१; ५११८

हेमंत (हेमन्त) ज २१७०, ८८; ७११६० से १६३
 सू ८११; १०१६७ से ७०; १२११४ उ ५१२५
 हेमन्ती (हेमन्ती) सू १२१२४ से २८
 हेमन्तीय (हेमन्तीक) सू १२११८
 हेमजाल (हेमजाल) ज ३१४७
 हेमव (हेमवन्) ज ७१११४१ सू १०१२४१२
 हेमवय (हेमवत) प ११८७; १६१३०; १७११६३
 ज ३११७८; ४११, ४२, ५३, ५५, ५६, ५७, ६१, ६२,
 ७१, ७९, १०२, २३८, २७१; ६१९, २०
 हेमवयकूड (हेमवतकूट) ज ४१४४, ७९
 हेमाभ (हेमाभ) उ ११२६, १४०
 हेरणवय (हेरणवत) प १६१३० ज ४११०२,
 २६४१, २६८, २७१ से २७४; ६१९, २०
 हेरणवयकूड (हेरणवतकूट) ज ४१२६९, २७५
 √हो (भू) होइ प ११४८५२; १८११ से १०, १२ से
 ३७, ३९, ४१ से ५१, ५४ से ५९, ६१ से ९०,
 ९२ से ११४, ११६, ११७, ११९, १२०, १२२,
 १२३, १२५ से १२७ ज १११६७१८, ८; ३१९,
 ११९; ४११४२१२; ७१११११, १४२१२,
 १५११२, १७७११, २ सू १६१२१६, ७, १७, २८,
 २९; २०१८८ उ ४१२१ होई प १११०११८;
 २१२७१ होउ उ ११६३; २१९ होनि
 प ११४७२, ११४८४७, ४९, ११७५, ७६,
 ८१११; २१२७३, २१४०८ से १११२६४९;
 २१२२५ ज १११६; ४११५११२; ७१११२१,
 १७२११ सू १०१२२६२, ५; २०१८३, २०१९
 उ २१२२ होज्ज प २२१९०; २८११०९ होज्जा
 प १६११०, ११, १३, १५, २१; १७१११२; २२१२३;
 २४१४, ५, ११, १२; २५१५; २६१४, ६, ९, १०;
 २७१३ होनि प ११४३१२, ११४८३६, ५०;
 २१४०१, २१६४६; १०११४१; १२१२२१
 १८११२, १८५५९ ज ११४७३; ७१७२११;
 सू १६१२११६ होन्था ज ११२; २१६६ ज ६
 सू १११ उ १११; २१४; ३१९; ४१८; ५१४
 होतए (भक्तिगु) उ ४१२२
 होन्तिय (होन्तिक) प ११४२१ उ ३१५०
 होमाण (भवत्) प १७१११२, ११३
 होरभा (होरम्भा) ज ३१३१

शुद्धि पत्र

पृ०	पं०	अशुद्ध	शुद्ध
		पणवणा	
६	१७	संठाओ	संठाणओ
४४	१६	कोलोभासा	कालोभासा
४५	२३	परमममुहं	परममसुहं
८१	२१	अभि०	आभि०
९०	२६	गळभवकं०	गळभवकं०
१२५	२०	वण्णादि	वण्णादि
१४२	२८	०देवेहितो	० देवेहितो
१५४	४	सीतोसिणा	सीतोसिणा
१७४	१२	पडुच्च	पडुच्च
१६६	६	परिमंडलस्य	परिमंडलस्स
१७६	१८	ओसपप्पि ०	ओसपि ०
१८०	२३	पडुप्पणं	पडुप्पणं
१८२	२५	वाणमंतरणं	वाणमंतराणं
१९५	८	एणट्ठेणं	एणट्ठेणं
२००	१	पुविकक०	पुविकक०
२००	२	पुच्छाए	पुच्छाए
२००	४	बद्धेलग०	बद्धेलग०
२०६	३२	जस्सत्थि	जस्सत्थि
२०२	१६	वा	वा
२०८	४	०सरीरकाय०	०सरीरकाय०
२०८	१६	०मीससरीर०	०मीसासरीर०
२१०	१	०आहाग०	आहारग०
२१०	२२	०मीसारीर०	०मीसासरीर०
२२६	७	पुरिस	पुरिसे
२२६	१५	होज्जा	होज्जा

२३१	पा० ४
२३२	पं० २०
२४३	१७
२५६	२
२५६	३
२८१	१५
२८५	१३
२८६	२३
२६२	२४
२६७	१३
३२४	४
३४१	६,१
३४१	१२
३४२	१६
३४३	२

भवेतारूवे
पोंडरीय०
इत्थवेदे
तिरिक्ख०
गम्भवक्क०
छह्वि०
जाव
पण्णत्ते
व
०सामरोव०
सामारोव
सरीरा
सरीर०
समुग्घया
०उवण्णगा

भवेतारूवे
पोंडरीय०
इत्थवेदे
तिरिक्खजोगिय०
गम्भवक्क०
छह्वि०
जहा
×
य
०सागरोवम०
०सागारोव०
सारीरा
सारीर०
समुग्घया
०उवण्णगा

जंबुद्दीव

३५६	१०
३५६	१२
३६६	१६
३६६	२०
३७६	६
३७८	१५
३८०	१६
३८०	२०
३८०	२४
३८५	१०
३८५	१७
३८६	अंतिम
४०८	१४
४१२	१८
४१३	२८
४१४	२
४१५	२२
४१६	१७
४१८	१५
४२०	३३

०पह्णगोरे
महावीस्स
०कुडे
०कुडे
मत्तंगाणामं
मणम०
वोवाह
वा
इणट्ठे
अज्झावसत्ता
०दूसमाणामं
अभिरमाणा
०निग्घोसणा०
मिसिमिस
खिप्पमेव
महाहिमं
खिप्पमेव
०इंदणी०
अणुप्पवाए
अट्टारस

०पह्णगोरे
महावीरस्स
०कूडे
०कूडे
मत्तंगाणामं
मणाम०
वीवाह
वा
इणट्ठे
अज्झावसित्ता
०दूसमाणामं
अभिरममाणा
०निग्घोसणा०
मिसिमिसे
खिप्पामेव
महामहिमं
खिप्पामेव
०इंदणील०
अणुप्पवाए
अट्टारस

४२२	१७	०वासिष्णो	०वासिणी
४२२	२१	पीड्दिणं	पीड्दाणं
४२३	२	उस्सक्कं	उस्सुक्कं
४२३	१०	पूरंतं	पूरेंतं
४२३	११	पव्वयाभि०	पव्वयाभि०
४२३	अन्तिम	णेयव्वो	णेयव्वो
४२५	३७	हरि०	हिरि०
४३६	पा० ५	(स)	(स) ०अत्थमंतमेत्त (शा वू पा)
४४२	पा० २	नं०	जं०
४४५	४	संपट्ठियं	संपट्ठियं
४४५	८	त णं	तए णं
४४५	२३	सद्धानेत्ता	सद्दावेत्ता
४६०	पा० ६	०पीठं	०पीठं
४६३	१४	०फहिलहू०	०फलिहू०
४६३	६	ध्व०	धूव०
४६६	६	धणु०	धणु
४६८	१०	जंब	जंबू
५६८	१	विहप्फइ	विहप्फई
५७०	८	पणत्ताओ	पणत्ताओ

सूरपणत्ति

६१५	६	जोयय०	जोयण०
६५६	७	मुहुता	मुहुत्ता
६६८	८	वावट्ठि०	वावट्ठि०
६८६	१२	समुद्दं	समुद्दं
६९४	१३	वराभण०	वराभरण०
६९७	४	०विताए	०विताणए
६९७	७	धुम०	०धूम

उवंगा

७२३	५	सवंतीकरणं	सवण्णीकरणं
७२३	पा० ५	सवण्णीकरणं (क)	सवंतीकरणं (ग)
७३४	पं १६	०वंक०	०वंकं
७८०	४	पुडिबुद्धा	पडिबद्धा
७८१	७	पावयणं	पावयणं
१०८५	११०	०पारियासं	परियासं

शब्दकोश

क्रमांक	स्थल	अशुद्ध	शुद्ध
१.		अउज्झ	अओज्झ
२.	अंगपरियारिया	(अंगपरिचारिका)	(अंगप्रतिचारिका)
३.		अगक्छमाण	अगच्छमाण
४.	अगरुयलहुयपज्जव	ज २।१६३	ज २।१६३
५.	अट्टावण्ण	(अष्टपञ्चाशत्)	(अष्टपञ्चाशत्)
६.		अधमत्थिकाय	अधम्मत्थिकाय
७.	अपज्जुवासणया	(अपर्युपासना)	(अपर्युपासन)
८.	अप्प	अप्प (अल्प) जवासा	अप्पा (अल्पा)
९.		अप्पिण	√अप्पिण
१०.	अफोड	(आ + स्फोट्य)	(आ + स्फोट्य)
११.		अब्भंग	√अब्भंग
१२.		अब्भंत रपुक्खरद्ध	अब्भंतरपुक्खरद्ध
१३.		अब्भुक्ख	√अब्भुक्ख
१४.		अब्भुट्ट	√अब्भुट्ट
१५.		अभिणंद	√अभिणंद
१६.		अभिवुड्ढ	√अभिवुड्ढ
१७.	आगासथिग्गल	(आकाश थिग्गल)	(आकाश 'थिग्गल')
१८.	आहारगसरीरय	(आहारकशरीरक)	(आहारकशरीरक)
१९.	इच्छामण	(इच्छामनस)	(इच्छामनस्)
२०.	उज्झरबहुल	(निर्झरबहुल)	(उज्झरबहुल)
२१.	उत्तमपुरिस	(उत्तमपुरि)	(उत्तमपुरि)
२२.		उत्पन्न	उत्पन्न
२३.	उवदंसित्तए	(उपदर्शयितुम्)	(उपदर्शयितुम्)
२४.	ओघमेघ	(ओधमेघ)	(ओघमेघ)
२५.		ओलंग	√ओलंग
२६.		कक्खंतर	कक्खंतर
२७.	कच्छभी	(कच्छपी)	(कच्छपी)

२८.		कल (कल)	(कलम)
२९.	कलंबुया	(कदम्बक)	(कलम्बुका)
३०.		कहिचि	कहिचि
३१.		कहिय	कहिय
३२.		कालहेसि (कालहेसिन्)	×
३३.	कुम्भिक	(कौम्भिक)	(कौम्भिक)
३३.	कुमुदा	(कुमुद)	(कुमुदा)
३५.		गरह	√गरह
३६.		गवेस	√गवेस
३७.		गा	√गा
३८.		गाह	√गाह
३९.		गिण्ह	√गिण्ह
४०.		√गुणड्ड	गुणड्ड
४१.		गेवज्ज	√गेवेज्ज
४२.	चउपएसिय	चःतु प्रदेशिक	(चतुःप्रदेशिक)
४३.		चय	√चय
४४.		चय	√चय
४५.		चर	√चर
४६.		चि	√चि
४७.		चित्त	√चित्त
४८.	चुल्लहिमवन्त	(चुल्लहिमवत्)	(क्षुल्लहिमवत्)
४९.		छज्ज	√छज्ज
५०.	छायाछाया	(छायाछाया)	(छायाच्छाया)
५२.		छिद	√छिद
५२.	छिन्नसोय	(छिन्नस्रोतस)	(छिन्नस्रोतस्)
५३.		छेद	√छेद
५४.		छेय	√छेय
५५.	जटियायलय	(दे० जटिकायलक)	(दे० जटिकायलक)
५६.		जा	√जा
५७.		जाणियत्व	जाणियव्व
५८.		जोयणसत्तपुहत्तिय	जोयणसत्तपुहत्तिय
५९.	णिवुड्डत्ता	(निवृद्ध्य)	(निवृद्ध्य)
६०.	णिव्वत्त	(निवृत्त)	(निवृत्त)
६१.		णिव्वाण	णिव्वाय
६२.	णेरइयअसण्णिआउथ	(नेरथिकासंज्ञायुष्)	(नेरथिकासंज्ञायुष्क)
६३.	तउसी मिजिया	(त्रपुसीमिजिका)	(त्रपुसीमिजिका)

६४.		तंडव	√तंडव
६५.	तट्टुदेवया	(त्वष्ट्रदेवता)	(त्वष्ट्रदेवता)
६६.	तट्टु	(त्वष्ट्र)	(त्वष्ट्र)
६७.	तित्तीस	(त्रयस्त्रिंशत्) ज० ४।६८	×
६८.	तिरिक्खजोणियअसण्णिआउय	(तिर्यग्गोणिकासंज्ञायुष्)	(तिर्यग्गोणिकासंज्ञायुष्क)
६९.	तिरियाउय	(तिर्यगायुष्)	(तिर्यगायुष्क)
७०.	दलयित्ता	(दत्त्वा)	(दत्त्वा)
७१.	दाऊण	(दत्त्वा)	(दत्त्वा)
७२.	दुट्टु	(दुष्टु)	(दुष्टु)
७३.	दुरभि	(दुरभि)	(दुर्)
७४.	दुहट्ट	(दुघाट्ट)	(दुघट्ट)
७५.	देवअसण्णिआउय	(देवासंज्ञायुष्)	(देवासंज्ञायुष्क)
७६.	पंचसतर	पञ्चसप्तति	पञ्चसप्तति
७७.	पच्चोसविकत्ता	प्रत्यवष्कष्य	प्रत्यवष्कष्य
७८.	पडिसेहित्तए	प्रतिषेधुम्	प्रतिषेधुम्
७९.	पम्ह	(पद्म) २५१	(पद्म) ४।२५१
८०.		परिणित्वा	परिणित्वा
८१.		परियाण	√परियाण
८२.		परिवय	√परिवय
८३.		परिहा	√परिहा
८४.	पत्हायणिज्ज	(प्रह्लादनीय)	(प्रह्लादनीय)
८५.		पिट्ठीय	पिट्ठि
८६.		पुक्खलाई	पुक्खलाई
८७.	पुष्पडल्लग	(षुष्पपटलक)	(षुष्पपटलक)
८८.		पुस्वरत्त	पुस्वरत्त
८९.	पूइय	पूजित	पूजित
९०.	पेहुणमिज्जिया	'पेहुण' मञ्जिका	पेहुणमज्जिका
९१.	पोट्टुवई	प्रौष्ठपदी	प्रौष्ठपदी
९२.	पोट्टुवती	प्रौष्ठपदी	प्रौष्ठपदी
९३.	भंत	प १३।१ से ३१	प १३।१ से १३, २१ से ३१
९४.	भणित्त	प १।४८।४७	प० १।४८।४१
९५.	भत्तिचित्त	ज० ३।३९; ५।५९	ज० ३।३, ९, ५।५८
९६.	भवोववायगति	(भवोवपघातगति)	(भवोवपघातगति)
९७.	भासम	प ३।१।२,१०८	प ३।१।२, १०८
९८.	भूमिचवेउ	ज ५।७	ज ५।५७
९९.	मंहलवता	मंहलवता (मंजवता)	मंहलवता / मंजवता

११००

१००.	माणवग	(माणवक)	(मानवक)
१०१.	मालवतपरियाय	(माल्यवत्पर्याय)	(माल्यवत्पर्याय)
१०२.	मेहुणसणा	मैथुन संज्ञा	मैथुन संज्ञा
१०३.	रयण (वासा)	(रत्नवर्षा)	(रत्नवर्षा)
१०४.	रयणिय	(रत्निक)	(रत्निक)
१०५.	रिसह	(वृषभ)	(वृषभ)
१०६.	लोम	(लोमन्)	(लोमन्)
१०७.		वरगंधधर	वरगंधधर
१०८.	वरदामतित्थाधिपति	(वरदामतीर्थधिपति)	(वरदामतीर्थधिपति)
१०९.		वालिघाण	वालिघाण
११०.	वालुक	कपित्थ	कपित्थ
१११.	संवत्त	(संवृत्त)	(संवर्त)
११२.		सगोत	सगोत
११३.		सत्तणउत्ति	सत्तणउत्ति
११४.		सम्माणियदोहल	सम्माणियदोहल
११५.		सय	√सय
११६.	सिलिध	(सिलीन्ध्र)	(सिलीन्ध्र)
११७.	सुदुल्लह	(सुदुर्लभ)	(सुदुर्लभ)
११८.		स्यपुच्छ	सुयपुच्छ
११९.		सुसमससमा	सुसमससमा
१२०.			अट्टरुसय (अटरुषक) प ११३७१४
१२१.			एरावण (ऐरावत) प ११३७१४
१२२.	कृत्तण	×	प ११४८१५०
१२३.		णल (नड) प० ११४१११	×
१२४.			पोवलड (दे०) प ११४८१३
१२५.			वेणु (वेणु) प ११४८१४६

